“महान बाबुल गिर गइल बा , गिर गइल बा !”
“उनका से बाहर आजा , हमार लोग ...”

सैमुअल प्रस्तुत करत बाड़न

दानियल अउर प्रकाशितवाक्य हमरा के समझाईं

भविष्यवाणी के प्रमाण कि परमेश्वर अपना चुनल लोग खातिर आपन अंतिम प्रकाशन मौजूद बाड़े

एह रचना में : उनकर प्रोजेक्ट - उनकर

जजमेंट

संस्करण : 11-10-2025 के बा
(19-शरद -5996) के बा।

कवर व्याख्यात्मक नोट के बारे में बतावल गइल बा

ऊपर से नीचे तक: प्रकाशितवाक्य 14 के तीन स्वर्गदूतन के संदेश।

इ तीन गो सच्चाई ह जवन दानियल के किताब से ह जवन 1843 के बसंत के परीक्षा के बाद अउर 22 अक्टूबर , 1844 के परीक्षण के बाद संतन के सामने प्रकट भईल रहे , सब्त के दिन के भूमिका से अनजान , शुरुआती एडवेन्टिस्ट एह संदेशन के सही अर्थ ना समझ पवले। एडवेन्टिस्ट जे मसीह के वापसी के इंतजार करत रहले , अपना अनुभव के ओह " **आधा रात के पुकार** " या " *आधा रात " से जोड़ले रहले जवना के जिक्र* मत्ती 25:1 से 13 तक के " *दस कुंवारी* " के दृष्टांत में बा जहाँ " *दूल्हा के वापसी* " के घोषणा के उकसावल गईल बा।

1- **न्याय के विषय** दान में विकसित भइल। 8:13-14 अउर प्रकाशितवाक्य 14:7 में पहिला *स्वर्गदूत के संदेश के विषय : " परमेश्वर से डेराईं अउर उनकर महिमा करीं , काहेकि उनकर न्याय के समय आगईल बा , अउर उनकर पूजा करीं जे धरती , आकाश अउर पानी के फव्वारा के बनवले बा ! "*: शनिवार के वापसी , ईश्व रीय व्यवस्था के एकमात्र सच्चा सातवाँ दिन , यहूदी सब्त के दिन अउर साप्ताहिक दिन के आराम , भगवान के दस आज्ञा में से चउथा आज्ञा में माँग कइल गइल बा।

2- **पोप रोम के निंदा** , " *छोट सींग* " आ " *अलग राजा* " दानियल 7:8-24 आ8:10-23 से 25 के , जवन प्रकाशितवाक्य 14:8 के दूसरा *स्वर्गदूत* के संदेश में " *महान बेबिलोन* " *नाम प्राप्त करेला : " ऊ गिर गइल बाड़ी , ऊ गिर गइल बाड़ी , बेबिलोन महान ! "*: मुख्य रूप से , सम्राट से विरासत में मिलल अतवार के पूर्व "सूरज के दिन " के कारण कॉन्स्टेंटाइन प्रथम जे एकरा के 7 मार्च 321 के स्थापित कइले रहले बा किर ई अभिव्यक्ति " ऊ गिर गइल बाड़ी " भगवान के द्वारा उनकर अभिशप्त स्वभाव के प्रकटीकरण से जायज बा काहे कि ऊ 1843 के बाद , 1844 में , छोड़ल सब्त के प्रथा के बहाल करके अपना एडवेंटिस्ट सेवकन के एकरा के बतावत बाड़न। " *ऊ गिर गइल बाड़ी* " के मतलब होला : "उनुका के ले जा के हरा दिहल गइल बा ." एह तरह से सच्चाई के भगवान धार्मिक झूठ के खेमा के खिलाफ आपन जीत के घोषणा करेला।

3- **अंतिम न्याय के विषय** जहाँ " *दूसरा मौत के आग* " ईसाई विद्रोहियन पर लागेला। इहे छवि दान में प्रस्तुत कइल गइल बा। 7:9-10 में , विष य के विकास प्रकाशितवाक्य 20:10-15 में कइल गइल बा , अउर इ

प्रकाशितवाक्य 14:9-10 में तीसरा *स्वर्गदूत के संदेश के विषय बा : " अउर एगो अउरी , तीसरा स्वर्गदूत , उनकरा पीछे -पीछे चलल, जोर से कहलस कि , अगर केहू जानवर अउर ओकर मूर्ति के पूजा करेला , अउर ओकरा माथे पर , या ओकरा हाथ पर* ***ओकर निशान लेत बा*** *, त उहे क्रोध के शराब पी ले भगवान के , जवन बिना मिश्रण के ओकर क्रोध के प्याला में डाल दिहल जाला , आ पवित्र स्वर्गदूतन के सामने आमेमना के सान्निध्य में आग आगंधक से सतावल जाई* ": इहाँ , अतवार के पहचान " *जानवर के निशान* " से कइल गइल बा।

9-10 अउर प्रकाशितवाक्य 14: 9-10 में लक्षित श्लोक के संख्या के समान पत्राचार पर ध्यान दीं ।

चउथा *स्वर्गदूत* **:** उ खाली प्रकाशितवाक्य 18 में आवेलन जहाँ उ तीनों पिछला एडवेन्टिस्ट संदेश के अंतिम घोषणा के चित्रण करेलन जवन 1994 से अउर दुनिया के अंत तक, यानी 2030 के बसंत तक, ओह सब दिव्य प्रकाश से लाभान्वित करेलन , जवन कि एह काम के निभावे के चाहीं। जवन रोशनी उनका के रोशन करे आइल बा ऊ लगातार दोषीपन के उजागर करेला : कैथोलिक धर्म के , 538 से ; प्रोटेस्टेंट धर्म के , 1843 से ; and of the official Adventist institution , since 1994. एह सब आध्यात्मिक गिरावट के एगो कारण के रूप में रहे , अपना समय में : यीशु मसीह में परमेश्वर के पवित्र आत्मा द्वारा प्रस्तावित प्रकाश के मना कइल। " *अंत के समय* " दान में उल्लेखित बा। 11:40, कैथोलिक चर्च अपना अभिशाप में एकजुट हो जाला , ऊ सब धार्मिक समूह , ईसाई होखे भा ना , जे ओकर सेवा आओकर अधिकार के मानेला ; ई अपना तथाकथित "विश्वव्यापी " गठबंधन के तत्वावधान में भइल जे ह में प्रोटेस्टेंट धर्म के बाद आधिकारिक एडवेन्टिज्म 1995 में शामिल भइल।

2 कुरिन्थियों 4:3-4 में दिहल गइल बा

“ ...जदि हमनी के सुसमाचार छिपल बा त उ नाश होखे वाला लोग खातिर छिपल बा , जेकरा में एह संसार के देवता विश्वास ना करे वाला लोग के दिमाग के आन्हर कर दिहले बाड़न , ताकि मसीह के महिमामंडित सुसमाचार के रोशनी , जे परमेश्वर के प्रतिरूप ह, उनकरा खातिर ना चमके । ”

"आअगर भविष्यवाणी के वचन गलत समझल जाई त उ सिर्फ ओलोग खातिर अयीसन रही जेकरा के खो जाए के होई। "

साथ ही , एह दस्तावेज में प्रस्तुत खुलासा के संक्षेप में जान लीं कि , " *पवित्रता के जायज ठहरावे खातिर* ",

1843 के बसंत के बाद से दानियल 8:14 के सृष्टिकर्ता अउर कानून देवे वा ला परमेश्वर के फरमान से स्थापित , उनकर " *अनन्त सुसमाचार* " के अनुसार ,

पूरा धरती पर , हर मरद मेहरारू ,

ईश्वरीय अनुग्रह पावे खातिर पूर्ण विसर्जन से यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लेवे के पड़ी ,

शनिवार के पालन करे के चाहीं , सातवाँ दिन के सब्त के आराम , जेकरा के उत्पत्ति 2 में परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल बा , अउर निकासी 20 में उद्धृत उनकर 10 आज्ञा में से 4वां ; ई , उनकर कृपा के बचावे खातिर ,

पवित्र बाइबल में निर्धारित ईश्वरीय नैतिक नियम अउर आहार नियम के सम्मान करे के चाहीं , उत्पत्ति 1:29 अउर लेवीय 11 में , (शरीर के पवित्रता)

अउर " *उनकर भविष्यवाणी के वचन के तिरस्कार ना करे के चाहीं* ," ताकि " *परमेश्वर के आत्मा के बुझावे* " (1 थिस्सलुनीकियों 5:20)।

जे भी एह मापदंडन के पूरा ना करेला , ओकरा के परमेश्वर निंदा कइले बाड़न कि उ प्रकाशितवाक्य 20 में वर्णित " *दूसरा मौत* " *के सामना करे।*

सैमुअल के ह

डेनियल आएपोकैलिप्स के बारे में बताईं

कवर कइल गइल विषयन के पृष्ठांकन

भाग एक : तैयारी के नोट के बारे में बतावल गइल बा

इस्तेमाल कइल गइल सॉफ्टवेयर के पन्ना नंबर खातिर स्वचालित खोज के इस्तेमाल करेला

शीर्षक पन्ना के बा
07 प्रस्तुति के बा
12 भगवान आउनकर रचना
13 सच्चाई के बाइबिल के आधार
16 मुख्य वक्ता : 7 मार्च , 321, पाप के शापित दिन
26 धरती पर दिहल गइल परमेश्वर के गवाही
28 नोट : शहादत के सजा से भ्रमित मत करीं
29 उत्पत्ति : एगो महत्वपूर्ण भविष्यवाणी डाइजेस्ट
30 विश्वास अउर अविश्वास
33 उचित मौसम खातिर खाना
37 सच्चा विश्वास के प्रकट कहानी
दानियल के किताब खातिर 39 तैयारी के नोट
41 के बा ई सब दानियल – दानियल के किताब से शुरू होला
42 दानियल 1 - दानियल के बेबिलोन में आगमन
45 दानियल 2 - राजा नबूकदनेस्सर के दर्शन के *छवि*
56 दानियल 3 - *भट्ठी* में तीनों साथी
62 दानियल 4 - राजा नम्र हो गइलन आधर्मांतरित हो गइलन
69 दानियल 5 - राजा बेलसाजर के न्याय
74 डेनियल 6 - *शेर के मांद* में डेनियल
79 दानियल 7 - *के बा चार गो जानवर* आछोट पोप के *सींग*
90 दानियल 8 - पोप के पहचान के पुष्टि – दान .8:14 के ईश्वरीय फरमान।
103 दानियल 9 - यीशु मसीह के पार्थिव सेवा के समय के घोषणा।
121 दानियल 10 - *महान आपदा* के घोषणा - आपदा के दर्शन
127 दानियल 11 - सीरिया के सात युद्ध।
146 डेनियल 12 - द एडवेंचर यूनिवर्सल मिशन सचित्र आ दिनांकित।
155 भविष्यवाणी के प्रतीकवाद में दीक्षा
158 एडवेंटिज्म के बा
163 प्रलय के पहिला नज़र

167 भविष्यवाणी में रोम के प्रतीक
173 सब्त के दिन के रोशनी
176 दानियल 8:14 के परमेश्वर के फरमान
179 एपोकैलिप्स के तइयारी के बारे में बतावल गइल बा
183 सारांश में द एपोकैलिप्स के बारे में बतावल गइल बा
188 **भाग दू : प्रकाशितवाक्य के विस्तृत अध्ययन**
188 के बा **प्रकाशितवाक्य** **1** : प्रस्तावना -मसीह के वापसी -एडवेंटिस्ट विषय
199 के बा **प्रकाशितवाक्य** **2** : मसीह के सभा शुरू से लेके 1843 तक
199 पहिला काल : *इफिसुस* - दूसरा काल : *स्मर्ना* - तीसरा काल : *पर्गाम* - 199।
चौथा युग : *थ्यातिरा के बा*
216 **प्रकाशितवाक्य** **3** : 1843 से मसीह के सभा - प्रेरित ईसाई विश्वास के बहाल कइल गइल
216 5वां युग : *सार्डिस* - 6वां युग : फिलाडेल्फिया - *216 /*
223 एडवेंटिज्म के भाग्य एलेन जी व्हाइट के पहिला दृष्टि में प्रकट भइल
225 7वां युग : लौदीकिया के बा
229 **प्रकाशितवाक्य** **4** : स्वर्गीय न्याय
232 नोट : ईश्वरीय नियम के भविष्यवाणी बा
239 **प्रकाशितवाक्य** **5** : आदमी के बेटा
244 **प्रकाशितवाक्य** **6** : ईसाई युग के समय के अभिनेता , ईश्वरीय दंड अउर संकेत - पहिला 6 मोहर
251 **प्रकाशितवाक्य** **7** : सातवाँ दिन के एडवेन्टिज्म के " *परमेश्वर के मुहर* " से मुहर लगावल गइल बा : सब्त के दिन अउर गुप्त " *सातवाँ मुहर* ."
259 **प्रकाशितवाक्य** **8** : पहिला चार " *तुरही* "
268 **प्रकाशितवाक्य** **9** : 5वां अउर 6वां " *तुरही* "।
268 के 5वां " *तुरही* " के बा .
276 के छठवाँ " *तुरही* " के बा .
286 **प्रकाशितवाक्य** **10** : " *छोट खुलल किताब* "
291 प्रकाशितवाक्य के पहिला भाग के अंत
भाग दू : विकसित विषयन के बारे में बतावल गइल बा
292 **प्रकाशितवाक्य** **11** : पोप के शासन - राष्ट्रीय नास्तिकता - 7वां " *तुरही* "।
305 **प्रकाशितवाक्य** **12** : महान केंद्रीय योजना
313 **प्रकाशितवाक्य** **13** : मसीही धर्म के ई झूठा भाई लोग
322 **प्रकाशितवाक्य** **14** : सातवाँ दिन के एडवेन्टिज्म के समय
333 **प्रकाशितवाक्य** **15** : परिवीक्षा के अंत

336 **प्रकाशितवाक्य 16** : *परमेश्वर के क्रोध के सात अंतिम विपत्ति*
345 **प्रकाशितवाक्य 17** : वेश्या के नकाब खोलल गइल बा आओकर पहचान कइल गइल बा
356 **प्रकाशितवाक्य 18** : वेश्या के सजा मिल जाला
368 **प्रकाशितवाक्य 19** : ईसा मसीह के *आरमागेडोन लड़ाई*
375 **प्रकाशितवाक्य 20** : 7वीं सहस्राब्दी के *हजार साल* अउर अंतिम न्याय
381 **प्रकाशितवाक्य 21** : महिमामंडित *नया यरूशलेम* के प्रतीक
392 **प्रकाशितवाक्य 22** : अनंत काल के अंतहीन दिन
405 **अक्षर मार देला बाकिर आत्मा जीवन देला**
408 **ईसा मसीह के पार्थिव समय**
410 **पवित्रता आपवित्रता के बारे में बतावल गइल बा**
424 उत्पत्ति के अलगाव – उत्पत्ति 1 से 22 – 10 तक।
525 अब्राहम से कइल गइल वादा के पूरा होखे : उत्पत्ति 23 से ...
528 पलायन अउर विश्वासी मूसा – सामान्य रूप से बाइबल पर – अंतिम पसंद के घड़ी – सातवाँ दिन के एडवेंटिज्म : एगो अलगाव , एगो नाम , एगो इतिहास – परमेश्वर के मुख्य निर्णय – ए से जेड तक के ईश्वरीय – बाइबिल के ग्रंथन के विकृति – आत्मा सच्चाई के बहाल करेला।
547 अंतिम समर्पण के बा
548 **द लास्ट कॉल के बा**

दानियल अउर प्रकाशि तवाक्य के बारे में बताईं

प्रस्तुति

हम एह बेहद घृणित देश में पैदा भइल बानी अउर रहत बानी , काहे कि परमेश्वर प्रतीकात्मक रूप से प्रकाशितवाक्य 11:8 में एकर राजधानी के नाम " *सदोम अउर मिस्र* " *रखले बाड़न।* समाज के एकर मॉडल , गणतंत्रवादी , ईर्ष्या से भरल , पूरा पृथ्वी में कई लोग द्वारा नकल, प्रसार आ अपनावल गइल बा ; ई देस फ्रांस हवे , एगो दबंग राजतंत्र आक्रांतिकारी देस , भगवान के निंदा करे वाला करदाता शासन के साथ पांच गणराज्यन के प्रयोगकर्ता। गर्व से ई अपना मानव अधि कारन के तालिका के घोषणा आप्रदर्शन करेला , जवन मानवीय कर्तव्यन के तालिका के बेहद विरोध करेला जवन खुद सृष्टिकर्ता भगवान के द्वारा "दस आज्ञा " के रूप में लिखल गइल बा। अपना उत्पत्ति आ पहिला राजतंत्र के बाद से ई अपना दुश्मन रोमन कैथोलिक धर्म के बचाव कइले बा जेक र शिक्षा भगवान जवना के "अच्छा " कहत बाड़न ओकरा के "बुराई " कहल आजवना के ऊ "बुराई " कहत बाड़न ओकरा के "अच्छा " कहल ना छोड़ले बा . आपन अनिवार्य पतन जारी रखत एकर क्रांति एकरा के नास्तिकता अपनावे के ओर ले गइल। एह तरीका से , एगो जीव के रूप में , माटी के घड़ा के रूप में , फ्रांस एगो रस्साकशी में लागल बा जे सर्वशक्तिमान भगवान , प्रामाणिक लोहा के घड़ा के बिरोध करे ला ; परिणाम के पूर्वानुमान आ भविष्यवाणी उनुके द्वारा कइल गइल रहे ; ओकरा सामने उहे पाप के दोषी " *सदोम* " के भाग्य भोगे के पड़ी । पिछला 1700 बरिस के दुनिया के इतिहास , लगभग , एकरे बुरा परभाव से आकार लिहले बा , खासतौर पर रोमन कैथोलिक पोप शासन के अधिकार के दिहल समर्थन से , जबसे कि एकर पहिला राजकुमार क्लोविस I , फ्रैंक लोग के पहिला राजा रहलें। इनके बपतिस्मा रेम्स में भइल , साल 498 में 25 दिसंबर के ई तारीख रोम द्वारा , अन्याय आ अपमानजनक तरीका से , ईसा मसीह के जनम के झूठा तारीख से जुड़ल क्रिसमस के परब के निशानी धारण करे ला , जे अवतार भगवान , दुनिया के रचनाकार हवें आजे कुछ भी जिंदा बाड़ें , या मौजूद बाड़ें ; जे सही तरीका से " *सच्चाई के भगवान* " के उपाधि के दावा

करेला काहे कि उ " *झूठ से घृणा करेला जेकर पिता शैतान ह* ," जईसे कि यीशु घोषणा कईले रहले।

का रउवां एह बात के निर्विवाद सबूत चाहत बानी कि कवनो रोमन पोप ईसा मसीह के सेवक होखे के दावा करे में जायज नइखे ? इहाँ इ, सटीक अउर बाइबिल के अनुसार बा : यीशु मत्ती 23:9 में घोषणा कइले बाड़न : " ***अउर धरती पर केहू के आपन बाप मत कहऽ, काहेकि तोहार बाप एके हवें , जे स्वर्ग में बाड़न।*** "

पोप अपना के धरती पर कइसे कहेला ? सभे एकरा के देख सकेला : "पवित्र ***पिता*** ," या इहाँ तक कि "परम पवित्र ***पिता*** ." कैथोलिक पादरी लोग भी अपना के " ***पिता*** " कहेला . एह विद्रोही रवैया के कारण भीड़ याजकन के अपना के परमेश्वर अउर पापी के बीच कथित तौर पर अनिवार्य बिचौलिया के रूप में स्थापित करे के कारण बा , जबकि बाइबल सिखावेला कि ओकरा परमेश्वर तक मुफ्त पहुँच बा , जेकरा के ईसा मसीह वैध बनवले बाड़न। एह तरह से कैथोलिक आस्था मनुष्य के शिशु बना के अनिवार्य आ अपरिहार्य देखावेला . ईसा मसीह के सीधा बिनती से एह विचलन के परमेश्वर एगो भविष्यवाणी में निंदा करीहें , दान में। 8:11-12 में दिहल गइल बा। सवाल -उत्तर : के विश्वास कर सकेला कि शक्तिशाली सृष्टिकर्ता भगवान ओह मनुष्य के सेवक के रूप में ले सकेला जे दान में निंदा कइल गइल अइसन अपमानजनक " ***अहंकार " के साथ ओकरआज्ञा ना मानेला।*** 7:8 अउर 8:25 में बा ? मानव मन के एह शिशुत्व के बाइबिल के जवाब जेर से एह श्लोक में बा। 17:5: " यहोवा *इ कहत हउवें* : ***अभिशप्त*** *बा उ आदमी* ***जे आदमी पर भरोसा करेला , जे मांस के आपन बांह बनावेला*** *, अउर जेकर दिल यहोवा से मुँह मोड़ देला !* "

चूँकि ई फ्रांस रहल जे ईसाई युग के एगो बड़हन हिस्सा के धार्मिक इतिहास के बहुत आकार दिहलस , भगवान एगो फ्रांसीसी आदमी के आपन अभिशप्त भूमिका के खुलासा करे के मिशन दिहलें ; ई, एगो सख्ती से बाइबिल कोड में एन्क्रिप्टेड अपना भविष्यवाणी के खुलासा के छिपल अर्थ के रोशन करके।

1975 में हमरा अपना भविष्यवाणी के मिशन के घोषणा एगो अइसन दर्शन के माध्यम से मिलल जवना के असली मतलब हम 1980 में ही समझले रहनी , बपतिस्मा के बाद। सेवेन्थ -डे एडवेन्टिस्ट ईसाई विश्वास में बपतिस्मा लिहले , हम जानत बा नी , 2018 से , कि हमरा के एगो जुबली के समय (7 गुना 7 साल) खातिर सेवा में रखल गइल बा जवन 2030 के बसंत में सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर , ईसा मसीह के महिमा में वापसी के साथ खतम हो जाई।

परमेश्वर या यीशु मसीह के अस्तित्व के स्वीकार कईल अनन्त उद्धार पावे खातिर काफी नईखे .

हम इहाँ रउवां के याद दिलावत बानी कि , स्वर्ग में चढ़े से पहिले , यीशु अपना चेलन के मत्ती 28:18 से 20 तक के एह श्लोकन के शब्दन के संबोधित कइले : " *यीशु आके उनकरा से बात कइलन , "स्वर्ग अउर धरती पर सब अधिकार हमरा के दिहल गइल बा। **एह से जाके सब जाति के चेला बनाईं** , उनकरा के **पिता अउर बेटा अउर पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दीं।** " , ओह लोग के सिखावत बानीं कि हम तोहरा* के ***हर आज्ञा के पालन करस*** . उनकर ईश्वरीय आत्मा प्रेरित पतरस के प्रेरितों के काम 4:12 से एह दूसरा औपचारिक अउर गंभीर घोषणा से प्रेरित कइलस : " ***ना ही कवनो दोसरा में उद्धार नइखे ; काहे कि स्वर्ग के नीचे कवनो दोसर नाम नइखे जवन आदमी के बीच दिहल गइल बा जवना से हमनीं के उद्धार होखे के चाहीं*** ."

एह से ई समझीं कि जवन धर्म हमनी के भगवान से मेल मिलाप करेला ऊ मानवीय परम्परा के चलते कवनो धार्मिक धरोहर पर आधारित नइखे। परमेश्वर द्वारा दिहल गइल स्वैच्छिक प्रायश्चित बलिदान में विश्वास , यीशु मसीह में उनकर मानवीय मौत के माध्यम से , उनकर ईश्वरीय पवित्रता के पूर्ण न्याय के साथ हमनी के मेलमिलाप पावे के **एकमात्र तरीका ह।** साथ ही , रउवां चाहे जवन भी होखीं , रउवां के मूल , रउवां के विरासत में मिलल धर्म , रउवा लोग , रउवां के जाति , रउवां रंग या रउवा भाषा , या इहाँ तक कि आदमी के बीच रउवां के दर्जा भी होखे , परमेश्वर के साथे रउवां के मेलमिलाप खाली यीशु मसीह के माध्यम से होला अउर उनकर शिक्षा के पालन के माध्यम से होला जवन उ दुनिया के अंत तक अपना चेलन के संबोधित करेलन ; जइसन कि ई दस्तावेज गवाही देत बा .

पिता , बेटा अउर पवित्र आत्मा " अभिव्यक्ति तीन गो लगातार भूमिका के निर्दिष्ट करेला जवन एक परमेश्वर के द्वारा अपना उद्धार के योजना में दोषी पापी आदमी के अर्पित कइल गइल बा , जेकरा के " *दूसरा मौत* " के सजा सुनावल गइल बा। ई "त्रिमूर्ति " तीन गो देवता लोग के जुटान ना हवे , जइसन कि मुसलमान लोग मानत बा , एह तरीका से एह ईसाई हठधर्मिता आएकरे धर्म के नकारल जायज ठहरावल जाला। " ***पिता*** " के रूप में , भगवान सबके खातिर हमनी के रचनाकार हवें ; " ***बेटा*** " के रूप में उ अपना चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित करे खातिर अपना के मांस के शरीर देले। के रूप में " ***पवित्र आत्मा*** ", परमेश्वर , जी उठल मसीह के आत्मा , " ***पवित्रता के प्राप्त करके अपना चुनल लोग के अपना धर्मांतरण में सफल होखे में मदद करे खातिर आवेला जवना के बिना केहू प्रभु के ना देख पाई*** ", इब्रानियों में प्रेरित पौलुस के सिखावे के अनुसार। 12:14 में दिहल गइल बा ; " ***पवित्रीकरण*** " के

भगवान खातिर आ भगवान के द्वारा **अलग कइल जाला।** इ चुनल लोग के स्वीकार करे के पुष्टि करेला अउर उनकर विश्वास के काम में , यानी कि परमेश्वर अउर उनकर प्रेरित अउर प्रकट बाइबिल के सच्चाई के प्रति उनकर प्रेम में प्रकट होला।

बहुत उच्च स्तर के अभिशाप के समझे खातिर जरूरी बा जवन धरती के लोग , उनकर धार्मिक संस्थान आ पश्चिमी ईसाई दुनिया के लोग पर भारी पड़ेला , खासकर के , एकर बहुत ईसाई मूल के कारण ; काहे कि ईसा मसीह द्वारा खोजल गइल रास्ता परमेश्वर के योजना के **अनूठा** अउर **अनन्य उद्धार के रास्ता के गठन करेला ;** नतीजतन , ईसाई विश्वास शैतान आराक्षसन के हमला के विशेषाधिकार प्राप्त निशाना बनल बा।

एकरा मूल में , सृष्टिकर्ता भगवान द्वारा परिकल्पित उद्धार योजना सरल आतार्किक बा। बाकिर धर्म एगो जटिल चरित्र ले लेला काहे कि एकरा के सिखावे वाला लोग खाली अपना धार्मिक अवधारणा के जायज ठहरावे के सोचेला आपाप के अभ्यास करत , अक्सर अज्ञानता के माध्यम से , ई अवधारणा अब भगवान के आवश्यकता के अनुरूप बिल्कुल नइखे रहि गइल। नतीजा ई होला कि ऊ ओह लोग पर आपन गारी मार देला जवना के ऊ लोग अपना फायदा खातिर व्याख्या करेला आ दिव्य डांट ना सुनेला .

एह रचना के साहित्यिक पुरस्कार पावे के कवनो पेशा नइखे ; सृष्टिकर्ता परमेश्वर खातिर एकर एकमात्र भूमिका बा कि उ अपना चुनल लोग के ओह विश्वास के परीक्षा में डालल जाव जवन उ लोग के यीशु मसीह के द्वारा जीतल अनन्त जीवन पावे के अनुमति दिही। रउवां उहाँ दोहराव पाईब , लेकिन इहे शैली ह जवना के इस्तेमाल भगवान घर में उहे शिक्षा के हथौड़ा से मारे में करेलन जवन उ अलग-अलग बिम्ब अउर प्रतीक के माध्यम से प्रकट करेलन। ई कई गो दोहराव इनहन के प्रामाणिकता के सभसे नीक प्रमाण हवे आ संबंधित सचित्र सच्चाई सभ के उहाँ के महत्व के गवाही देला। यीशु के सिखावल दृष्टांत एह जिद अउर एह दोहराव के पुष्टि करेला।

रउवां एह काम में महान सृष्टिकर्ता परमेश्वर के द्वारा दिहल गइल प्रकाशन पाईब जे नासरत के ईसा के मानवीय नाम से हमनी के पास गइलन , जे दान .9:25 में उद्धृत हिब्रू "मशियाह " के अनुसार , या "मसीह " के अनुसार "अभिषिक्त ", या "मसीह " के उपाधि से आइल रहलन , या "मसीह ", नया वाचा के लेखन के ग्रीक "क्रिस्टोस " से। उनकरा में , परमेश्वर स्वैच्छिक बलिदान में आपन बिल्कुल शुद्ध जीवन चढ़ावे खातिर अइले , पशु बलि के संस्कार के मान्यता देवे खातिर जवन हव्वा अउर आदम द्वारा कइल गइल मूल पाप के बाद से उनकर आवे

से पहिले भइल रहे। " *अभिषिक्त* " शब्द ओह आदमी के दर्शावेला जेकरा पवित्र आत्मा के अभिषेक मिलेला जवना के प्रतीक जैतून के पेड़ के तेल से होला। परमेश्वर द्वारा यीशु मसीह के एकमात्र नाम से दिहल भविष्यवाणी के प्रकाशन अउर उनकर प्रायश्चित के काम उनकर चुनल लोग के ओह रास्ता पर मार्गदर्शन करे खातिर आवेला जवन अनन्त जीवन के ओर ले जाला। काहे कि खाली अनुग्रह से मुक्ति चुनल लोग के ओह जाल में फँसे से ना रोकेला जवना से ऊ अनजान होखीहें . एह से इ उनकर अनुग्रह के प्रस्ताव पूरा करे खातिर बा कि , ईसा मसीह के नाम पर , परमेश्वर मुख्य जाल के अस्तित्व के प्रकट करे खातिर आवेलन जवन अंतिम समय के उनकर अंतिम सेवकन के सार्वभौमिक मसीही धर्म के भ्रमित स्थिति के विश्लेषण , न्याय अउर **स्पष्ट रूप से समझे के अनुमति देला** जवन पार्थिव उद्धार के एह अंतिम युग में प्रचलित बा।

बाकिर बोवे से पहिले उखाड़ल जरूरी बा ; काहे कि धरती पर फइलल बड़हन एकेश्वरवादी धर्मन के शिक्षा से सृष्टिकर्ता भगवान के स्वभाव विकृत हो गइल बा . एह सब में एकही भगवान के बाध्यता से थोपल समान बा आ एह तरह से ओह लोग के अलगा होखे आओकरा से कवनो संबंध के गवाही देला . ईसाई विश्वास से जुड़ल प्रतीत होखे वाला आजादी खाली ओह समय के वर्तमान परिस्थिति के कारण बा , लेकिन जइसहीं भगवान राक्षसन के स्वतंत्र रूप से काम करे दीहें , जे लोग ओह लोग के पालन ना करेला , ओकरा प्रति ई असहिष्णुता फेर से लउकी। अगर भगवान मजबूरी से काम कइल चाहत रहले त उनका खातिर , बस , अपना के ओह लोग के आँख से लउके खातिर काफी रहित , अपना प्राणी से ई प्राप्त कर लेत कि ऊ लोग उनकर सगरी इच्छा के पालन करेला . अगर ऊ एह तरीका से काम ना कइलें त एकर कारण ई बा कि चुनल लोग के उनकर चयन , **खाली** , ओकरा से प्यार करे भा ओकरा के नकार देबे के स्वतंत्र चुनाव पर टिकल बा ; एगो मुक्त विकल्प जवन ऊ अपना सगरी प्राणियन के देला . आअगर कवनो बाधा बा त ऊ खाली चुनल लोग के स्वाभाविक चरित्र के बा जेकरा के धक्का आ आकर्षित कइल जाला , अपना व्यक्तिगत स्वतंत्र स्वभाव से , प् रेम के भगवान . आई नाम प्रेम ओकरा पर बढ़िया से सूट करेला , काहे कि ऊ एकरा के उदात्त कर देला , अपना प्राणियन के एगो अइसन प्रदर्शन के पेशकश क के जवन काम में ले आवेला जवना से ऊ निर्विवाद हो जाला ; ई अपना जीवन के प्रायश्चित करे खातिर , यीशु मसीह के व्यक्ति में , अेह पाप के अर्पित करके जवन **अकेले उनकर चुनल लोग के विरासत में मिलल रहे अउर** उनकर अज्ञानता अउर उनकर कमजोरी के समय में कइल गइल रहे। सम्हल जा ! धरती पर ई प्रेम शब्द खाली भाव आओकर कमजोरी के रूप ले लेला।

भगवान के ऊ मजबूत आबिल्कुल न्यायसंगत बा ; जवना से सब फर्क पड़े ला काहे कि ई एगो सिद्धांत के रूप लेला जहाँ भावना में पूरा तरह से महारत हासिल हो जाला . एह से भगवान के मंजूर सच्चा धर्म उनकर व्यक्ति , उनकर विचार आ कानून में बनल उनकर सिद्धांत के मुक्त पालन पर आधारित बा। सगरी पार्थिव जीवन उनकर भौतिक , रासायनिक , नैतिक , मानसिक आ आध्यात्मिक नियमन पर बनल बा। जइसे स्थलीय गुरुत्वाकर्षण के नियम से बच के ओकरा के गायब करे के विचार आदमी के कबो ना आई, ओइसहीं ओकर भावना सृष्टिकर्ता भगवान के स्थापित नियम आसिद्धांतन के सम्मान आपालन में ही सामंजस्य से पनप सकेले। अउर प्रेरित पौलुस के इ शब्द 1 कुरिन्थियों में। 10:31 एह तरह से पूरा तरह से धर्मी ठहरावल गइल बा : " ***चाहे रउवां खाईं , या पीईं , या जवन कुछ करीं , सब कुछ परमेश्वर के महिमा खातिर करीं*** । " एह मुफ्त निमंत्रण के लागू कइल एह तथ्य से संभव हो गइल बा कि , बाइबल में , अउर अकेले एह में , परमेश्वर आपन ईश् वरीय विचार के वितरित कइले बाड़न अउर प्रकट कइले बाड़न। आ" ***पवित्रीकरण*** के काम पूरा करे खातिर उनकर राय के ध्यान में राखल जरूरी बा जवना के बिना ," इब्रानियों के अनुसार। 12:14, " ***केहू प्रभु के ना देख पाई*** ." कबो -कबो उनकर राय पर्चे के रूप ले लेला , बाकी ई ओह बिसेस ज्ञ डाक्टर के ओर से दिहल गइल राय से ढेर संदिग्ध ना होला जेकर बात मनुष्य माने में भाग जाला , ई सोच के कि ऊ अपना शारीरिक भा मानसिक स्वास्थ्य खातिर अपना हित में काम कर रहल बा (भले गलती होखे)। सृष्टिकर्ता भगवान , सबले ऊपर , आत्मा के एकमात्र सच्चा डाक्टर हवें जेकरा के ऊ छोट से छोट विवरण में जानत बाड़न। ऊ घाव कर देला बाकिर जब भी हालात अनुकूल होला त ठीक हो जाला . बाकिर अंत में ऊ ओह सगरी आकाशीय आ स्थलीय जीवन के नष्ट आ सफाया कर दी जवन ओकरा से प्यार करे में असमर्थ साबित भइल बा आएहसे , ओकर बात माने में असमर्थ साबित भइल बा .

एह से धार्मिक असहिष्णुता झूठा एकेश्वरवादी धर्म के खुलासा करे वाला फल ह। इ एगो दोष अउर बहुत गंभीर पाप के गठन करेला काहे कि इ परमेश्वर के चरित्र के विकृत करेला , अउर उनकरा पर हमला करके , उनकर आशीर्वाद , उनकर कृपा अउर उनकर उद्धार ना पावे के जोखिम उठावेला। हालां कि भगवान एकरा के प्रकोप निहन इस्तेमाल अविश्वासी चाहे बेवफा इंसानियत के सजा देवे अवुरी प्रहार करे खाती करेले। हम इहाँ बाइबिल अउर ऐतिहासिक गवाही पर भरोसा करत बानी। दरअसल , पुरान वाचा के लेखन हमनी के सिखावेला कि अपना लोग , इस्राएल नाम के राष्ट्र के बेवफाई के सजा देवे खातिर , परमेश्वर "फिलिस्तीनी " लोग के इस्तेमाल कईले , जवन कि उनकर सबसे करीबी पड़ोसी ह।

हमनी के समय में ई लोग "फिलिस्तीनी " नाम से एह कार्रवाई के जारी रखले बा। बाद में जब ऊ आपन न्याय आ एह पार्थिव शारीरिक इस्राएल के आपन निश्चित निंदा के खुलासा कइल चाहत र हलें , त ऊ कसदी राजा नबूकदनेस्सर के सेवा के आह्वान कइलन ; तीन मौका पर ई बात भइल . तीसरा में , 586 ईसा पूर्व में , राष्ट्र के नाश हो गइल आलोग से बचे वाला लोग के "70 साल " के अवधि खातिर बेबिलोन में देश निकाला कर दिहल गइल जेकर भविष्यवाणी जेर . 25:11 के बा। बाद में भी , ईसा मसीह के आपन मसीहा के रूप में माने से इनकार करे के कारण , सम्राट वेस्पेशियन के वारिस टाइटस के नेतृत्व में रोमन सैनिकन द्वारा ई राष्ट्र फिर से नष्ट कर दिहल गइल। ईसाई युग के दौरान , आधिकारिक तौर पर 321 में वापस पाप में गिर के , ईसाई आस्था के 538 से पोप लो ग के असहिष्णुता के अधीन कर दिहल गईल अउरी इ दबंग कैथोलिक आस्था मध्य पूर्वी लोग् के साथे झगड़ा के कोशिश कईलस जवन ओही 6वीं सदी में धार्मिक रूप से मुसलमान हो गईल रहे | काफिर ईसाई धर्म के उहाँ एगो सदा के भयंकर विरोधी मिलल। काहे कि दुनो खेमा के धार्मिक विरोध ध्रुव निहन बा , जवन कि दुनिया के अंत तक पूरा तरीका से विरोधी बा। अविश्वासी भी घमंड करेला आअनन्यता के महिमा के तलाश करेला ; भगवान से ना मिलला से ऊ एकरा के अपना के जिम् मेदार ठहरावेला आ चुनौती दिहल स्वीकार ना करेला . व्यक्ति के ई वर्णन सामूहिक रूप से ओह सदस्यन के भी विशेषता हवे जे अलग-अलग सभा से संबंधित होला आविभिन्न झूठा धर्म में इकट्ठा होला। असहिष्णुता के निंदा करे के मतलब ई ना होला कि भगवान सहनशील हउवें . असहिष्णुता राक् षसी खेमा से प्रेरित एगो मानवीय प्रथा ह। सहिष्णु शब्द के तात्पर्य असहिष्णुता के विचार से बा अउर सच्चा विश्वास के वचन बाइबिल के सिद्धांत "हाँ , या ना " के अनुसार मंजूरी या अस्वीकृति हवे। अपना ओर से भगवान बुराई के अस्तित्व के बिना बर्दाश्त कइले समर्थन करेलें ; ऊ अपना चुनल लोग के चुने के योजना में प्रावधान कइल गइल आजादी के समय खातिर एकर समर्थन करेला . एह से सहिष्णुता शब्द खाली मानवता पर लागू होला आई शब्द 13 अप्रैल 1598 के हेनरी चउथा के नैंटस के एडिक्ट में आइल बा बाकिर अनुग्रह के समय के अंत के बाद बुराई आएकरा के करे वाला लोग के नाश हो जाई। सहिष्णुता भगवान के ओर से आदमी के दिहल धार्मिक आजादी के जगह ले लेले रहे , शुरू से।

एह रचना के मेनू के घोषणा कइल गइल बा ; सबूत के पूरा पन्ना में पेश आप्रदर्शन कइल जाई .

भगवान आउनकर रचना

लैटिन यूरोप में आदमी के इस्तेमाल कइल आध्यात्मिक शब्दकोश में भगवान के दिहल जरूरी संदेश छिपल बा . ई बात सबसे पहिले त एपोकैलिप्स शब्द के बा जवन एह पहलू में ओह बड़हन प्रलय के उकसा देला जवना से आदमी के डर बा . तबो , एह भयावह शब्द के पीछे , अनुवाद "प्रकाशितवाक्य " बा जवन मसीह में उनकर सेवकन के उद्धार खातिर जरूरी अनिवार्य चीजन के प्रकट करेला। एह सिद्धांत के अनुसार कि कुछ लोग के खुशी कुछ लोग के दुर्भाग्य पैदा करेला , विरोधी खेमा के लोग , बिल्कुल विपरीत में संदेश सबक से बहुत समृद्ध बा अउर बहुत बार प्रेरित यूहन्ना के दिहल गईल सबसे पवित्र "प्रकाशितवाक्य " में सुझावल गईल बा।

एगो अउरी शब्द , "दूत " शब्द , महत्वपूर्ण सबक के छिपावेला। ई फ्रेंच शब्द लैटिन भाषा के "एंजेलस " से आइल बा , खुद ग्रीक "एगेलोस " से निकलल बा , जेकर मतलब होला दूत। ई अनुवाद हमनी के ओह मूल्य के खुलासा करेला जवन भगवान अपना प्राणी के देत बाड़न , अपना समकक्षन के जवना के ऊ स्वतंत्र आअपेक्षाकृत

स्वतंत्र बनवले बाड़न . चूँकि जीवन भगवान के दिहल बा एहसे एह आजादी में तार्किक प्रतिबंध बनल बा . लेकिन इ शब्द "दूत " हमनी के बतावेला कि भगवान अपना मुक्त समकक्ष के जीवित संदेश के रूप में देखेले। एह तरह से , हर प्राणी एगो संदेश के प्रतिनिधित्व करेला जवन जीवन के अनुभव से बनल बा जवन व्यक्तिगत पसंद अउर स्थिति से चिन्हित बा जवन जवना के गठन करेला जवना के बाइबल "आत्मा " कहेला। हर प्राणी एगो जीवित आत्मा के रूप में बेजोड़ बा। काहे कि भगवान के बनावल पहिला स्वर्गीय समकक्ष , जेकरा के हमनी के परंपरागत रूप से "दूत " कहेनी जा , उ ना जानत रहले कि जे ओह लोग के जीवन आजिए के अधिकार देले बा , उ ओह लोग के छीन सकेला। ई लोग अनन्त काल तक जिए खातिर बनावल गइल रहे आमौत शब्द के अर्थ से भी अनजान रहे। इ उ लोग के इ बतावे खाति र रहे कि मौत शब्द के मतलब का होला कि परमेश्वर हमनी के पार्थिव आयाम बनवले बाड़े जवना में अदन के बगीचा के पाप के बाद मानव प्रजाति या आदम नश्वर के भूमिका निभावी। हमनी के जवन संदेश के प्रतिनिधित्व करेनी जा उ परमेश्वर के **तबे खुश करेला** जब उ उनकर अच्छाई अउर सही के मानक के अनुरूप होखे। अगर ई संदेश उनकर बुराई आ गलत के मानक के अनुरूप बा त एकरा के लेके चले वाला विद्रोही प्रकार के होला जेकरा के ऊ अनन्त मौत के सजा देला , माने कि अपना पूरा आत्मा के अंतिम विनाश आ संहार के।

सच्चाई के बाइबिल के आधार

भगवान उचित अउर बस देखले कि , सबसे पहिले , हमनी के पार्थिव व्यवस्था के उत्पत्ति के मूसा के सामने प्रकट करस , ताकि हर इंसान एह बारे में जागरूक होखे। उ इहाँ आध्यात्मिक शिक्षा के प्राथमिकता के

संकेत देले बाड़े। एह क्रिया में ऊ **अपना सच्चाई के आधार हमनी का सोझा पेश करत बाड़न** जवन समय के क्रम के नियमन से शुरू होला . काहे कि भगवान व्यवस्था आ उदात्त सुसंगतता के भगवान हउवें . हमनी के ओकरा मानदंड से तुलना करके , पाप के आदमी द्वारा स्थापित हमनी के वर्तमान व्यवस्था के बेवकूफी आ असंगत पहलू के खोज करब जा। काहे कि ई वाकई में पाप आ पहिलहीं से मूल पाप ह जवन सब कुछ बदल देला।

लेकिन कवनो भी चीज से पहिले इ समझल जरूरी बा , कि बाइबल में परमेश्वर के ओर से उद्धृत " *शुरुआत* ", *अउर "उत्पत्ति* " *नाम के किताब के पहिला शब्द बा* , *"उत्पत्ति* ", *जीवन के* " *शुरुआत* " से संबंधित नइखे , बल्कि खाली उनके हमनी के पूरा स्थलीय आयाम के रचना से संबंधित बा जवना में आकाशीय ब्रह्मांड के तारा शामिल बा जवन सब खुद धरती के बाद चउथा दिन पैदा भइल रहे। एह विचार के ध्यान में राखत हमनी के समझ सकेनी जा कि ई विशिष्ट स्थलीय व्यवस्था , जवना में रात आ दिन एक दूसरा के पीछे चली , अइसन माहौल बने खातिर बनावल गइल बा जहाँ भगवान आउनकर वफादार चुनल लोग आ शैतान के दुश्मन खेमा एक दूसरा के सामना करी। जीवन के इतिहास में पहिला पापी शैतान के बुराई के खिलाफ दिव्य भलाई के ई लड़ाई एकर होखे के कारण ह आ ओकर सार्वभौ मिक आ बहुमुखी उद्धार परियोजना के पूरा खुलासा के आधार ह। एह काम के क्रम में , रउवां के कुछ गूढ़ शब्दन के अर्थ के पता चल जाई जवन यीशु मसीह द्वारा अपना पार्थिव सेवा के दौरान कहल गइल रहे। एह तरह से रउरा देखब कि जीवन आपदार्थ के हर रूप के रचनाकार एक महान भगवान के गति में राखल महान परियोजना में ई लोग केतना अर्थ लेत बा . हम इहाँ एह महत्वपूर्ण कोष्ठक के बंद क के अस्तित्व के एह परम सार्वभौम द्वारा स्थापित समय के क्रम के विषय पर लवटत बानी।

पाप से पहिले आदम अउर हव्वा आपन जीवन सात दिन के हफ्ता के क्रम से विरामित करत रहले । दस आज्ञा (या दशक) में से चउथा के मॉडल के अनुसार जवन एकरा के **याद दिलावत बा** , सातवाँ दिन एगो अइसन दिन ह जवन परमेश्वर अउर आदमी द्वारा आराम खातिर पवित्र कइल गइल बा , अउर आज ई जान के कि ई काम का भविष्यवाणी करेला , हमनी के समझ सकेनी जा कि भगवान एह प्रथा के सम्मान करे पर काहे जिद करेलन। उनकर समग्र योजना में जवन एह विशिष्ट स्थलीय सृष्टि के कारण बतावेला , हफ्ता , समय के प्रस्तावित इकाई , सात हजार साल के भविष्यवाणी करेला जवना के दौरान उनकर प्रेम आन्याय के सार्वभौमिक (आबहुमुखी) प्रदर्शन

के महान योजना पूरा होई। एह कार्यक्रम में हफ्ता के पहिला छह दिन के उपमा में पहिला छह सहस्राब्दी के उनुका प्रेम आ धैर्य के प्रदर्शन का तहत राखल जाई . आसातवाँ दिन का तरह सातवाँ सहस्राब्दी उनुका पूर्ण न्याय के स्थापना खातिर समर्पित होखी . हम एह कार्यक्रम के संक्षेप में निम्नलिखित रूप से बता सकत बानी : छह दिन (हजार साल के = छह हजार साल के) बचावे खातिर , आसातवाँ (= हजार सा ल), स्थलीय आआकाशीय विद्रोहियन के न्याय करे आ सफाया करे खातिर। ई उद्धार परियोजना पूरा तरह से सृष्टिकर्ता परमेश्वर के सहमति से स्वैच्छिक प्रायश्चित बलिदान पर टिकल होई , ओह व्यक्ति के ईश्वरीय स्थलीय पहलू में जेकर नाम , उनकर ईश्वरीय इच्छा से , ग्रीक संस्करण में ईसा मसीह या हिब्रू के अनुसार , ईसा मसीह बा।

पहिले , मूल सिद्ध दिव्य क्रम में , पूरा दिन लगातार दू गो बराबर भाग से बनल होला ; चंद्रमा के रात के 12 घंटा के बाद 12 घंटा सूरज के रोशनी आवेला अवुरी इ चक्र हमेशा खाती दोहरावल जाला। हमनी के वर्तमान स्थिति में ई स्थिति साल में खाली दू दिन , बसंत आ शरद ऋतु के विषुव के समय लउके ले। हमनी के जानत बानी जा कि वर्तमान मौसम धरती के धुरी के झुकाव के कारण होला , आएह तरह से हमनी के समझ सकेनी जा कि ई झुकाव पहिला जोड़ा आदम आ हव्वा के कइल मूल पाप के परिणाम के रूप में लउकल। पाप से पहि ले एह झुकाव के बिना दिव्य व्यवस्था के नियमितता सिद्ध रहे।

सूरज के चारों ओर पृथ्वी के पूरा क्रान्ति साल के एकता के संकेत देला। अपना गवाही में मूसा मिस्र के गुलामी से परमेश्वर द्वारा मुक्त करावल इब्रानियन के पलायन के कहानी बतावत बाड़न। आ एही गइला के दिने भगवा न मूसा से कहलन , निकासी में। 12:2: " *ई महीना तोहनी खातिर साल के महीना के शुरुआत होई ; तोहनी खातिर पहिला महीना होई* ." अइसन जिद एह बात के गवाही देला कि भगवान एह मामिला के कतना महत्व देत बाड़न . हिब्रू लोग के बारह महीना के चंद्र कैलेंडर में समय के साथ उतार -चढ़ा व भइल आसौर क्रम के पीछे , कई साल ले एह देरी के जमा कइला के बाद एकरूपता वापस पावे खातिर तेरहवाँ महीना के अउरी जोड़ल जरूरी हो गइल। इब्रानी लोग मिस्र छोड़ के चल गइल " *पर साल के पहिला महीना के 14वां दिन* " जवन तार्किक रूप से वसंत विषुव से शुरू भइल रहे ;एगो नाम जवना के ठीक मतलब होला “पहिले बेर ”।

भगवान के दिहल ई आदेश , " *ई महीना तोहनी खातिर साल के पहिला महीना होई* ," महत्वहीन नइखे , काहे कि ई ओह सब आदमी के संबोधित बा जे दुनिया के अंत तक उनकर

उद्धार के दावा करी ; हिब्रू इस्राएल , ईश्वरीय प्रकाशितवाक्य के प्राप्तकर्ता , खाली अपना ईश्वरीय कार्यक्रम के महान सार्वभौमिक बचाव परियोजना के अग्रणी होखला के नाते। उनकर चंद्रमा के समय के बाद मसीह के सौर समय आई जवना के द्वारा परमेश्वर के उद्धार परियोजना के सब प्रकाश में प्रकट होला।

विद्रोही आ दुष्ट मनुष्य के आबादी वाला धरती पर एह दिव्य मानक के सही बहाली कबो पूरा ना होई। हालाँकि , ई संभव बा , भगवान के साथे हमनी के व्यक्तिगत संबंध में , ई शक्तिशाली अदृश्य रचनात्मक आत्मा जे प्रेम के ओतने आवर्धन करेला जेतना कि न्याय के। आ ओकरा साथे हर रिश्ता के शुरुआत **ओकरा** मूल्यन के एह खोज से होखे के चाहीं आ सबसे पहिले आसबसे खास बात कि **ओकरा** समय के क्रम के . ई एगो आस्था के काम ह , बिल्कुल सरल आ बिना कवनो खास यो ग्यता के ; हमनी के मानवीय ओर से पेशकश करे खातिर न्यूनतम। आ हमनी के दृष्टिकोण ओकरा के मनभावन होखला के चलते प्राणी आ ओकर रचनाकार के बीच प्रेमपूर्ण संबंध संभव हो जाला। स्वर्ग के जीत कारनामा भा चमत्कार से ना होला बलुक पारस्परिक ध्यान के संकेत से होला , जवन सच्चा प्रेम के अभिव्यक्ति करेला। इहे हर केहू यीशु मसीह के काम में खोज सकेला , जे आपन जान दे दिहलन , स्वेच्छा से , अपील के निशानी के रूप में , अपना एकलौता प्रिय चुनल लोग के बचावे खातिर।

दिव्य व्यवस्था के एह सराहनीय चित्र के बाद आईं हमनी के मानवीय व्यवस्था के जर्जर पहलू के देखल जाव। इ तुलना अउरी जरूरी बा काहे कि इ हमनी के ओह निंदा के समझे के अनुमति दिही जवन परमेश्वर अपना भविष्यवक्ता दानियल के माध्यम से भविष्यवाणी कईले रहले , जवना के यीशु अपना समय में प्रमाणित कईले रहले। एह निंदा के बीच हमनी के दान में पढ़ेनी जा। 7:25: " *उ समय अउर नियम के बदले के योजना बनाई* । " भगवान एह चीजन खातिर खाली एगो मानक जानत बाड़न ; जवन ऊ खुद दुनिया के रचना के बाद से स्थापित कइले बाड़न आ ओकरा बाद मूसा के सामने प्रगट कइले बाड़न। अइसन आक्रोश करे के हिम्मत के कइलस ? एगो दबंग शासन जवना के ऊ " *अहंकार* " आ " *ओकरा चालबाजी के सफलता* " के जिम्मेदार ठहरावेलें . " *अलग राजा* " के रूप में भी वर्णित एह मापदंड सभ के संश्लेषण से धार्मिक शक्ति के सुझाव मिले ला। इहे ना , " *संतन के सतावे* " के आरोप में , व्याख्या के संभावना के संकुचित कईल गईल बा अवुरी रोमन पोप शासन के घेरले बा , **जवन कि** सम्राट जस्टिनियन प्रथम के चलते 538 के बाद से एगो फरमान से स्थापित भईल बा

लेकिन एपोकैलिप्स नाम के प्रकाशितवाक्य से ए तथ्य के खुलासा होई कि इ तारीख 538 सिर्फ एगो बुराई के नतीजा अवुरी विस्तार ह, जवना के खिलाफ ले आवल गईल *बा समय आ*ईश्वरीय नियम " 7 मार्च 321 से रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा कइल गइल। इनके अपराध के अक्सर एह अध्ययन में याद कइल जाई , काहें से कि ई बुरा तिथि प्रेरित लोग के समय में स्थापित शुद्ध आ सिद्ध ईसाई बिस्वास में अभिशाप ले आवे ले। अपराधबोध के ई साझा , रिले में , बुतपरस्त शाही रोम आ रोमन कैथोलिक पोप रोम के एगो प्रमुख कुंजी हवे जे भविष्यवाणी के प्रकाशन के एगो प्रमुख कुंजी हवे जे दानियल द्वारा लिखल गवाही में बनल बा। काहे कि बुतपरस्त सम्राट पहिला दिन के बाकी हिस्सा के स्थापना कइले रहले बाकिर ई ईसाई पोप के शासन ह जे धार्मिक रूप से एकरा के भगवान के दस आज्ञा के अपना " *बदलल ", विशेष आमानवीय रूप में थोपले रहे।*

पाप के शापित दिन

आसशक्त रूप से श्राप दिहल गइल , काहे कि 7 मार्च 321 के सब्त के पवित्र सातवाँ दिन के बाकी दिन , एगो तारीख वाला शाही फरमान के आदेश से , आधिकारिक तौर पर पहिला दिन के जगह ले लिहल गइल। ओह समय , ई पहिला दिन बुतपरस्त लोग द्वारा सूरज भगवान , SOL INVICTVS, या अपमानजनक UNVAINTAINED SUN के पूजा खातिर समर्पित कइल गइल , ई हिब्रू लोग के पलायन के समय मिस्र के लोग द्वारा पहिलहीं से पूजा के वस्तु रहल , बाकी , अमेरिका में भी , इंका आ एजटेक लोग द्वारा , आ आज ले जापानी लोग ("उगत सूरज " के भूमि) द्वारा। शैतान हमेशा एकही नुस्खा के इस्तेमाल मनुष्य के अपना पतन आ भगवान के ओर से उनकर निंदा में ले जाला। ऊ ओह लोग के सतहीपन आ ओह लोग के शारीरिक भावना के दोहन करेला जवना से ऊ लोग आध्यात्मिक जीवन आ ऐतिहासिक अतीत के पाठ के तिरस्कार करे लागेला . आज 8 मार्च 2021 के जब हम ई नोट लिखत बानी त वर्तमान घटना एह आक्रोश के महत्व के गवाह बा , जवन एगो सच्चा दिव्य लेस - मजेस्टे ह , आ एक बेर फेरु से दिव्य समय आपन पूरा अर्थ ले लेला। भगवान खातिर साल के समय बसंत में शुरू होला आ जाड़ा के अंत में खतम होला , माने कि हमनी के वर्तमान रोमन कैलेंडर में 20 मार्च से अगिला 20 मार्च ले , एह तरह से अइसन बुझाला कि 7 मार्च , 321, भगवान खातिर 7 मार्च , 320, यानी बसंत 321 से 13 दिन पहिले रहे , फलस्वरूप भगवान खातिर ई साल 320 रहे जवना के अंत में घिनौना से चिन्हित कइल गइल रहे उनकर न्यायपूर्ण आ पवित्र ईश्वरीय नियम के खिलाफ कइल गइल काम। भगवान के समय के अनुसार साल 2020 साल 320 के बाद से सदियन के संख्या में 17वां सालगिरह (17: न्याय के संख्या) के गठन करेला , एहसे इ कवनो आश्चर्य के बात नईखे कि साल 2020 के शुरुआत से ही ईश्वरीय अभिशाप एगो संक्रामक वायरस के रूप में आक्रामक चरण में प्रवेश कईलस जवन कि दहशत पैदा कईलस , पश्चिम में , उ आदमी के समाज जवना के भरोसा अवुरी ... विश्वास पूरा तरह से विज्ञान आ ओकर प्रगति पर राखल गइल . वर्तमान वैज्ञानिक लोग के उच्च तकनीकीता के बावजूद कवनो कारगर इलाज भा टीका पेश करे में असमर्थता के परिणाम ह घबराहट। एह 17 सदी के भविष्यवाणी के मूल्य देवे में हम कुछ भी आविष्कार नईखी करत , काहे कि परमेश्वर खातिर संख्या के एगो आध्यात्मिक अर्थ बा जवना के उ प्रकट करेलन अउर अपना भविष्यवाणी के निर्माण में इस्तेमाल करेलन , अउर ठीक प्रकाशितवाक्य में , अध्याय 17 " कई पानी *पर बइठल वेश्या के* ***न्याय*** " के विषय के समर्पि त बा। " *महान*

बेबिलोन " उनकर नाम ह, अउर एह में शामिल " *महान पानी* " " *यूफ्रेटिस नदी* " के सुझाव देला जवना के परमेश्वर प्रकाशितवाक्य 9:13 के " *छठवाँ तुरही* " संदेश में निशाना बनावेलन , जवन आवे वाला तीसरा विश्वयुद्ध के प्रतीक ह। एह प्रतीकन के पीछे पोप के कैथोलिक धर्म आबेवफाई से ईसाई यूरोप बा , जवन उनकर क्रोध के स्रोत आनिशाना हवे। भगवान आआदमी के बीच के संघर्ष अभी शुरू भइल बा ; माटी के बर्तन के खिलाफ लोहा के घड़ा ; लड़ाई के परिणाम के अनुमान लगावल जा सकेला ; बेहतर बा कि एकरा के भविष्यवाणी आप्रोग्राम कइल गइल बा . भगवा न 7 मार्च , 320 के 17वीं शताब्दी कइसे मनावे वाला रहले (320, उनुका अउर उनकर चुनल लोग खातिर ; 321 झूठा धार्मिक या अपवित्र दुनिया खातिर)? हम बहुत दिन से मानत आइल बानी कि ई विश्वयुद्ध में प्रवेश के माध्यम से होई , लेकिन एगो विश्वयुद्ध जवन परमाणु रूप में खतम होई , काहे कि भगवान एकर भविष्यवाणी कईले रहले , तीन गुना , दान में। 11:40 से 45, इजकिएल 38 अउर 39, अउर अंत में , प्रकाशितवाक्य 9:13 से 21 में , 2020 के बसंत के बाद से परमेश्वर द्वारा विद्रोही मानवता के खिलाफ जवन संघर्ष कइल गइल बा , उहे प्रकार के बा जवन उ मूसा के समय में मिस्र के फिरौन के खिलाफ कइले रहलन ; आअंतिम परिणाम एके जइसन होखी ; भगवान के दुश्मन आपन जान गँवा दी , जइसे कि फिरौन जे अपना समय में अपना पहिला बेटा के मरत देखले रहले आ आपन जान गँवा दिहले रहले . एह 8 मार्च 2021 के हम नोट करत बानी कि ई व्याख्या पूरा नइखे भइल , बाकिर हम लगभग एक महीना से एकरा खातिर तइयार रहनी , ईश्वरीय प्रेरणा से एहसास भइल रहे कि 321 भगवान खातिर 320 रहे आ फलस्वरूप , ऊ गारी देबे के योजना बनवले रहले , 7 मार्च 2020 के एकमात्र दिन ना , बलुक पूरा साल जवना से ई शापित दिन जुड़ल बा , एह तरह से एह सजा खातिर , नंबर 1 में उद्धृत सिद्धांत के लागू करत। 14:34: " *जइसे -जइसे तू चालीस दिन तक देश के खोजब , तोहनी अपना अपराध के सजा चालीस साल , **हर दिन खातिर एक साल उठावेब*** ". के बा।

बाकिर एह अवलोकन में एगो बात जोड़ल गइल बा . हमनी के झूठा कैलेंडर खाली साल के शुरुआत के स्तर पर झूठा ना ह, ईसा मसीह के जन्म के तारीख के बारे में भी झूठा बा। गलत तरीका से , 5वीं सदी में , भिक्षु डायोनिसियस छोट एकरा के राजा हेरोदेस के मौत के ओह पर रखले रहले जवन वास्तव में उनुका कैलेंडर के -4 में भइल रहे। एह 4 साल में हमनी के ओह " *द्व साल* " के जोड़ल जरूरी बा जवना के अनुमान हेरोदेस मसीह के उमिर के रूप में कइले रहले जेकरा के ऊ मत्ती के अनुसार मारल चाहत रहले। 2:16: " *तब हेरोदेस ई देख के कि उनकरा पर ज्ञानी लोग मजाक उड़ावल गइल रहे , आउ*

बेतलेहेम आओकरा पूरा सीमा में ***दू साल*** *से कम उमिर के सब लइकन के मार के भेज दिहलन ,* ***जवना समय उ ज्ञानी लोग से पूरा मेहनत से पूछले रहले*** । " एह तरह से , जब साल गिनत बाड़े , त परमेश्वर हमनी के सामान्य झूठा अउर भ्रामक तारीख में 6 साल जोड़ देले अउर यीशु के जन्म एह साल के बसंत में पूरा हो गईल – 6. एकरे परिणामस्वरूप , साल 320 उनुका खातिर रहे : 326 अउर हमनी के साल 2020 के 17वां धर्मनिरपेक्ष सालगिरह उनु का खातिर ईसा मसीह के जन्म के असली पल से साल 2026 रहे। ई संख्या 26 चतुर्भुज "YHWH" के संख्या हवे , हिब्रू में "योद , हेह , वाव , हेह ", जवना से भगवान अपना के नाम दिहले , मूसा के सवाल के पालन करत : " *तोहार नाम का ह?* "; इ , निकासी 3:14 के अनुसार। एह से महान सृष्टिकर् ता भगवान के लगे एगो अउरी कारण रहे कि ऊ अपना सर्वशक्तिमान दिव्य अभिशाप से चिन्हित एह दिन के अपना निजी शाही मुहर से चिन्हित करस ; आई दुनिया के अंत तक ले। दिव्य समय के एह साल 2026 में लउकल संक्रामक बेमारी के कहर अभी एह अभिशाप के निरंतरता के पुष्टि कइले बा , जवन पृथ्वी ग्रह पर जीवन के अंतिम सालन में अलग-अलग रूप ले ली। तीसरा परमाणु विश्वयुद्ध " *गैर -यहूदी लोग के समय* " के " *अंत* " *के निशानी होई* जवना के घोषणा यीशु मसीह द्वारा मत्ती 24:14 में कईल गईल बा : " *राज्य के इ सुसमाचार पूरा दुनिया में सब राष्ट्र के गवाह के रूप में प्रचारित होई। तब* ***अंत आई*** । " ई " *अंत* " अनुग्रह के समय के अंत से शुरू होई ; मोक्ष के प्रस्ताव खतम हो जाई। अपना पवित्र सब्त के दिन के सम्मान पर आधारित विश्वास के परीक्षा निश्चित रूप से " *भेड़* " *के डेरा के* मत्ती 25:32-33 के " *बकरी* " *के डेरा से अलग कर दिही* : " *सब जाति ओकरा सामने इकट्ठा हो जइहें। ऊ ओह लोग के एक दूसरा से अलग कर दीहें , जइसे कि एगो चरवाहा भेड़न के बकरी से अलग करेला ; अउर उ भेड़न के अपना दाहिना हाथ में रख दिही , लेकिन बकरी के अपना बाईं ओर /* " रोमन अतवार के अनिवार्य बनावे वाला कानून के फरमान अंत में ईसा मसीह के सच्चा चुनल संतन के मौत के सजा सुनाई। एह हालात से दान के ई बात पूरा हो जाई . 12:7: " *हम सुननी कि लिनन के कपड़ा पहिनले आदमी के नदी के पानी पर खड़ा होके आपन दाहिना हाथ आ बायां हाथ स्वर्ग के ओर बढ़ा के हमेशा खातिर जिए वा ला के कसम खइले कि ई कुछ समय आ समय आ आधा समय खातिर होई।* ***आई सब काम खतम हो जाई जब पवित्र लोग के शक्ति पूरा तरह से टूट जाई*** । " मानवीय नजरिया से देखल जाव त ओह लोग के हालात निराशाजनक होखी आ ओह लोग के मौत आसन्न होखी . तब ही ईसा मसीह के ई शब्द मत्ती 10 में उद्धृत कइल गइल बा। 24:22 साफ हो जाला : " *अउर जब तक कि उ दिन छोट ना होखे , तब तक कवनो मांस के उद्धार ना होखे के चाहीं :*

लेकिन चुनल लोग खातिर ***उ दिन छोट हो जाई*** . " साल 6000 ईश्वरीय समय के 3 अप्रैल , 2036 से पहिले खतम हो जाई , यानी कि हमनी के झूठा कैलेंडर के 3 अप्रैल , 2030 जवन यीशु मसीह के सूली पर चढ़ावे के दिन के 2000 साल बाद आवेला साल 30 के बसंत के शुरुआत के बाद 14वां दिन पूरा होला आएह " ***दिन*** " के " ***छोट*** " यानी कम कइल जरूरी बा। मतलब कि मौत के फरमान लागू होखे के तारीख ए तारीख से पहिले होई। काहे कि इ आपातकालीन स्थिति ह जवन मसीह के अपना *चुनल लोग के* बचावे खातिर सीधे हस्तक्षेप करे के बाध्य करेला . तब हमनी के भगवान के प्राथमिकता के ध्यान में रखे के चाहीं जवन " ***समय*** " के मानक के महिमामंडन में शामिल बा जवन उ अपना पार्थिव सृष्टि के दिहले रहले। उहे अंतिम दिन के विद्रोहियन के एगो अइसन तारीख चुने खातिर प्रेरित करी जवन बसंत 2030 के पहिला दिन से कुछ दिन से अधिका होखी जवना के पीछे 6000 साल के पार्थिव इतिहास बंद हो जाई . एकरा बाद दू गो संभावना सामने आवेले : एगो अइसन तारीख जवन अंत तक अज्ञात रही , या 3 अप्रैल , 2030, जवन अधिकतम संभव आआध्यात्मिक रूप से सार्थक सीमा के चिन्हित करेला। विचार करीं कि एकर बेहद महत्व के बावजूद , ईसा मसीह के सूली पर चढ़ावे के साल के 14वां दिन विश्व इतिहास के 6,000 साल के अंत के निशानी बनावे खातिर उपयुक्त नइखे , अउर 7वीं सहस्राब्दी के शुरुआत भी कम बा । एही से हम आपन पसंद आ आपन विश्वास 21 मार्च 2030 के वसंत के तारीख में रखले बानी , जवन 3 अप्रैल के " *संक्षिप्त भविष्यवाणी के समय के तारीख ह या एगो मध्यवर्ती तारीख।* भगवान के बनावल प्रकृति से चिन्हित बसंत तब निर्णायक होला जब हमनी के मानव इतिहास के 6,000 साल के गिनती कइल चाहत बानी जा ; जवन आदम आहव्वा के पाप के क्षण से संभव हो जाला। उत्पत्ति के बाइबिल के कहा नी में , एह पहिला बसंत से पहिले के दिन अनन्त दिन रहे। परमेश्वर द्वारा गिनल गइल समय पाप के धरती के ह अउर 6000 साल के ह जवना के भविष्यवाणी हफ्ता के भविष्यवाणी पहिला बसंत के शुरुआत में होला अउर उ एगो आखिरी जाड़ा के अंत में खतम हो जाई। एगो बसंत पर ही 6000 साल के उलटी गिनती शुरू भइल। पाप के कारण पृथ्वी के धुरी के झुकाव 23° 26' हो गइल आमौसम के क्रम शुरू हो सकेला। पुरान वाचा के यहूदी परब में दू गो परब के प्रमुखता बा : साप्ताहिक सब्त आ फसह। एह दुनो परब के "7वां , 14वां अउर 21 वां " दिन के संख्या "7 , 14 अउर 21" के प्रतीकात्मकता के तहत रखल गइल बा जवन ईश्वरीय उद्धार के योजना के तीन चरण के प्रतिनिधित्व करेला : प्रकाशितवाक्य 7 के साप्ताहिक सब्त के विषय जवन चुनल संतन के इनाम के भविष्यवाणी करेला , "7" खातिर ; ईसा मसीह के मोक्ष के काम जवन एह इनाम के चढ़ावे के **साधन के गठन करेला** ,

"14" खातिर। ध्यान रहे कि फसह के भोज में जवन 7 दिन तक चलेला 15वां आ 21वां दिन अपवित्र निष्क्रियता के दू गो सब्त के दिन होला। आतिगुना "7" भा "21", पहिला 7000 साल के अंत आ अपो .21 के अनुसार नवीकरण कइल गइल धरती पर नया दिव्य सृष्टि के अनंत काल में प्रवेश के संकेत देला ; ई संख्या 21 जीवन के परियोजना के पूर्णता (7) के पूर्णता (3) के प्रतीक ह जवन भगवान के वांछित लक्ष्य रहे। प्रकाशितवाक्य 3 में , पद 7 अउर 14 क्रमशः सेवेंथ -डे एडवेन्टिस्ट संस्था के शुरुआत अउर अंत के चिन्हित करेला ; फेरु से एके पवित्र विषय के दू गो चरण। एही तरह से , प्रकाशितवाक्य 7 में एडवेन्टिस्ट चुनल लोग के मुहर लगावे के विषय के बारे में बतावल गइल बा अउर प्रकाशितवाक्य 14 में तीनों स्वर्गदूतन के संदेश प्रस्तुत कइल गइल बा जवन उनकर सार्वभौमिक मिशन के संक्षेप में बतावेला। एह तरह से साल 30 में 4000 साल के अंत बसंत में पूरा हो गइल आ विशुद्ध रूप से प्रतीकात्मक कारण से ईसा के साल 30 के एह बसंत के 21 मार्च के 14 दिन बाद सूली पर चढ़ावल गइल , यानी भगवान खातिर 36 दिन। एह उदाहरणन के माध्यम से , परमेश्वर एकर पुष्टि करेलन , सब्त के दिन के "7" अउर यीशु मसीह द्वारा चुनल लोग के पाप के मुक्ति के "14" अविभाज्य बा। एह तरह से जब अंत में सब्त के दिन के "7" पर हमला हो जाला , त "14" के मुक्तिदाता मसीह ओकरा के महिमा देवे खातिर ओकर मदद खातिर उड़ जाला , त अधिकतम 14 "दिन " जवन दुनो तारीख के अलग करी , ओकरा के " *छोट क दिहल जाई* " यानी कि ओकरा अंतिम विश्वासी चुनल गईल के बचावे खातिर दबा दिहल जाई।

मत्ती 24 के दोबारा पढ़त घरी हमरा इ बुझाइल कि मसीह के संदेश , खासकर के , दुनिया के अंत में उनकर चेलन के संबोधित बा , यानी कि हमनी के जे एह अंतिम सालन में जी रहल बानी जा। पद 1 से 14 में " *अंत* " के समय तक के समय के बारे में बतावल गइल बा . यीशु लगातार युद्ध के भविष्यवाणी कइले बाड़न , झूठा भविष्यवक्ता लोग के प्रकट होखे के अउर अंतिम आध्यात् मिक ठंडा होखे के। फिर , पद 15 से 20 तक, दोहरा प्रयोग में , 70 में रोमन लोग द्वारा कइल गइल यरूशलेम के विनाश अउर परमेश्वर के पवित्र सब्त के दिन के पालन करे वाला चुनल लोग के यहूदीपन के खिलाफ राष्ट्रन के अंतिम आक्रामकता दुनो के बारे में बा। एकरा बाद , पद 21 में उनकर अंतिम " *महान संकट " के भविष्यवाणी कइल गइल बा : " काहे कि तब बहुत संकट होई , जवन दुनिया के शुरुआत से अब तक ना भइल बा , **ना ही होई*** । ध्यान दीं कि ई सटीकता " ***अउर कबो ना होई*** " प्रेरितन के समय खातिर आवेदन पर रोक लगावेला , काहे कि एकर विरोध दान के शिक्षा से होई। 12:1 के बा। एकर मतलब ई

बा कि दुनो उद्धरण विश्वास के अंतिम सांसारिक परीक्षा में एके पूरा होखे से संबंधित बा। दान में बा। 12:1, अभिव्यक्ति एके जइसन बा : " *ओह घरी माइकल खड़ा हो जइहें , ऊ महान राजकुमार जे तोहार लोग के संतान खातिर खड़ा हउवें ;* ***अउर एगो संकट के समय होई , जवन कि जब से कवनो राष्ट्र बनल रहे तब से ओही समय तक ना भइल रहे*** *। ओह समय , तोहार लोग के मुक्ति मिल जाई , हर केहू जे किताब में लिखल मिल जाई ।* " " *परेशानी* " एतना बड़ होई कि पद 22 के अनुसार " *दिन " के " छोट " करे* के पड़ी। पद 23 सच्चा विश्वास के मानक के संकेत देला जवन धरती पर मसीह के अनायास प्रकट होखे में विश्वास ना करेला : " *एह से अगर उ लोग रउवां से कहत बा कि देखऽ , उ जंगल में बा ; बाहर मत जाईं ; देखऽ , उ कोठरी में बा , विश्वास मत करीं ।* " एही अंतिम युग में , भूतवाद आपन " *आश्चर्य* " *आ* झूठा मसीह के आपन धोखा देवे वाला आ**मोहक प्रकटीकरण के गुणा करी , जवन बुरा तरीका से सिखावल आत्मा के अपना वश में करी :** " *काहे कि झूठा मसीह आझूठा भविष्यवक्ता पैदा हो जइहें , आ बड़हन चिन्ह आआश्चर्य देखाईहें , ताकि अगर हो सके त, चुनल लोग के* ***धोखा दिहल जा सके*** "; जवना के पुष्टि प्रकाशितवाक्य 13:14 से कइल गइल बा : " *अउर उ धरती पर रहे वाला लोग के ओह चिन्हन के माध्यम से* ***धोखा दिहलन*** *जवन ओकरा जानवर के नजर में करे के अधिकार रहे , धरती पर रहे वाला लोग से कहलन कि उ लोग ओह जानवर के मूर्ति बनाईं जवना के तलवार से घाव हो गइल रहे अउर जिन्दा बा .*" पद 27 में ईश्वरीय मसीह के शक्तिशाली अउर विजयी रूप के उकसावत बा अउर पद 28 में " *भोज* " के भविष्यवाणी कइल गइल बा जवन उनकर हस्तक्षेप के बाद रैप्टर लोग के चढ़ावल जाला। काहे कि उनकर आवे तक जवन विद्रोही बचल बा , उ लोग के सफाया कर दिहल जाई अउर " *हवा के चिरई के* " भोजन के रूप में दिहल जाई जइसन कि प्रकाशितवाक्य 19:17-18 अउर 21 सिखावेला।

हम इहाँ दिव्य सृष्टि के एह बि ल्कुल नया समझ के संक्षेप में बतावत बानी। पहिला हफ्ता के स्थापना करके भगवान दिन के एकता के ठीक कर देले जवन अन्हार के रात आरोशनी के दिन से बनल बा , सूरज ओकरा के 4वां दिन से ही रोशन करी . रात हव्वा अउर आदम के भविष्य में आज्ञा ना माने के कारण धरती पर पाप के स्थापना के भविष्यवाणी करेला। पाप के एह क्रिया तक पार्थिव सृष्टि **<u>शाश्वत विशेषता प्रस्तुत करेला</u>** . पाप कइल , चीज बदल जाला आ6000 साल के उलटी गिनती शुरू हो सकेला , काहे कि धरती अपना धुरी पर झुक जाले आ मौसमन के सिद्धांत ट्रिगर हो जाला। भगवान के अभिशप्त पार्थिव सृष्टि तब आपन **<u>सनातन विशेषता ले लेला</u>** जवना के हमनी के जानत बानी जा। पाप से चिन्हित पहिला बसंत में शुरू भइल 6000 साल 6001 के बसंत में

ईसा मसीह के ईश्वरीय महिमा में वापसी के साथ खतम हो जाई। उनकर अंतिम आगमन **7वीं सहस्राब्दी के पहिला साल के *"पहिला महीना के पहिला दिन"* पर पूरा होई**.

कहल जा सकेला कि हमनी के झूठा मानवीय कैलेंडर में 7 मार्च 2021 के अभी धार्मिक रूप से पोप फ्रांसिस के इरा क में मुस्लिम चरमपंथी लोग के ओर से प्रताड़ित पूर्वी ईसाई लोग के दौरा से चिन्हित कईल गईल बा। एह बइठक में ऊ मुसलमानन के याद दिअवले कि ओह लोग के भगवान एके ह, इब्राहीम के, आऊ ओह लोग के आपन "भाई" मानत बाड़न. पश्चिमी अविश्वासी लोग के खुश करे वाला ई शब्द ईसा मसी ह खातिर भी कवनो बड़हन आक्रोश से कम नइखे, जे अपना चुनल लोग के पाप के माफी खातिर आपन जान बलिदान के रूप में दे दिहलन। आ "पूर्व क्रूसेडर" कैथोलिक "ईसाई" लोग के नेता के ई घुसपैठ ओह लोग के इलाका में इस्लामियन के गुस्सा के अउरी तेज कर सकेला. एहसे पोप के ई शांतिपू र्ण कार्रवाई ओह नाटकीय परिणाम के ले आई जवना के भविष्यवाणी दान में कइल गइल बा. 11:40, पोप इटली आ ओकरा यूरोपीय सहयोगी देशन का खिलाफ मुस्लिम "दक्षिण के राजा" के "टकराव" के तेज कइल गइल. आ एह परिप्रेक्ष्य में फ्रांस आ ईसाई मूल के सगरी पश्चिमी देशन के आर्थिक पत न जवना के कारण ओह लोग के नेता लोग, Covid-19 वायरस के वजह से, शक्ति के संतुलन बदल जाई आअंत में, पिछला 9 साल के अंत तक पीछे धकेलल "तीसरा विश्वयुद्ध" के पूरा होखे के अनुमति दिही जवन अभी भी हमनी से आगे बा। निष्कर्ष में इ याद राखीं कि Covid-19 आ ओकर विकास के चलते महामारी पैदा करके भगवान ओह अभिशाप के रास्ता खोल दिहले जवन धरती पर मानव इतिहास के अंतिम दस साल के विशेषता होखे वाला रहे।

हालाँकि, 7 मार्च 2021 के फ्रांस के कई शहर सभ में प्रतिद्वंद्वी गिरोह सभ के बीच आपुलिस अधिकारियन के खिलाफ युवा लोग द्वारा हिंसा के का म भइल। एह से सामान्यीकृत मुठभेड़ के ओर प्रगति के पुष्टि भइल; दुनु पक्ष के स्थिति असंगत रहे काहे कि असंगत रहे | ई द्व गो व्यापक रूप से बिपरीत संस्कृति सभ के टक्कर के परिणाम हवे: दक्खिनी देस सभ के गुंडा आ कैपो के समाज के खिलाफ पश्चिमी धर्मनिरपेक्ष आजादी, जे प रंपरागत आ राष्ट्रीय रूप से भी मुसलमान बाड़ें। एगो त्रासदी पेक रहल बा, Covid-19 जइसन, जवना के कवनो इलाज नइखे।

महीना के बाद साल के बदलाव जवना के 10वां महीना (दिसंबर) कहल जाला, जाड़ा के शुरुआत में; आधा रात (आधा रात) में दिन के बदलाव; घंटन के सटीक आनियमित गिनती ही सकारात्मक रहेला। एह तरह से, पाप के वजह से

सुंदर दिव्य व्यवस्था गायब हो गईल बा , जवना के जगह एगो पापपूर्ण व्यवस्था बा जवन बारी -बारी से गायब हो जाई , जब गौरवशाली सृष्टिकर् ता परमेश्वर खुद के पेश करीहे , हिसाब के निपटारा खातिर , या त पहिला छह हजार साल के अंत में , 2030 के बसंत में , धोखा खा चुकल मनुष्य खातिर , या हमनी के प्रभु अउर उद्धारकर्ता यीशु मसीह के सच्चा जन्म के वसंत 2036 में , उनकरा खातिर चुनल गइल बा .

स्थापित आ देखल गइल वि कार मानवता पर बोझिल दिव्य अभिशाप के गवाही देला। काहे कि धरती के झुकला के बाद से समय के गणना के स्थिरता आनियमितता खेतम हो गइल बा , रात -दिन के घंटो मोमबत्ती आ क्षीण होखे के सदा लगातार क्रम में बा।

सृष्टिकर्ता परमेश्वर जवना क्रम में आपन उद्धार योजना के संगठित करेलन , उ हमनी के अउरी प्रकट करेला कि उ आदमी के सामने प्रस्तावित आध्यात्मिक प्राथमिकता। उ 4,000 साल के मानवीय पार्थिव अनुभव के बाद यीशु मसीह में फिरौती के रूप में आपन जान देके आपन उदात्त प्रेम के प्रकट करे के चुनले। अइसन करत भगवान हमनी से कह रहल बाड़न कि "प हिले हमरा के आपन आज्ञाकारिता देखाईं आहम तोहरा के आपन प्यार देखा देब। "

पृथ्वी पर , आदमी एक दुसरा के बाद आवे ला , एकही चरित्र फल के पुनरुत्पादन करे ला , हालाँकि , अंतिम समय के पीढ़ी जवना में हमनी के 2020 में प्रवेश कइनी जा , एगो बिसेसता पेश करे ले ; यूरोप में 75 साल के शांति के बाद , आ आनुवंशिक विज्ञान के एगो अविश्वसनीय हाल के विकास के बाद , बहुत तार्किक रूप से , यूरोपीय लोग आ ओह लोग के परिणाम , अमेरिका , ऑस्ट्रेलिया आ इजरायल से , मानत रहे कि ऊ लोग स्वास्थ्य समस्या के सगरी जवाब दे सकेला , ओह लोग के समाज अधिका से अधिका सेनेटाइज हो गइल . ई कवनो संक्रामक वायरस के हमला ना ह जवन नया बा , ई उन्नत समाज के नेता लोग के व्यवहार ह जवन नया बा। डर के एह व्यवहार के कारण मीडिया के बमबारी से पृथ्वी के लोग के सोझा ओह लोग के संपर्क में आवे के बा आ एह मीडिया में मकड़ी के जाल पर लउके वाला नया मीडिया भा सोशल नेटवर्क जवन मुफ्त इंटरनेट संचार के गठन करेला , जवना पर हम नी के कम-बेसी साफ प्रसारक मिलेला . एह तरह से मानवता अपना आजादी के अति के फंसल बिया जवन ओकरा पर अभिशाप का रूप में वापस गिर जाला . अमेरिका आ यूरोप में हिंसा जातीय समुदाय सभ के एक दुसरे के खिलाफ खड़ा करे ले ; उहाँ , ई " *बाबेल* " *अनुभव* के अभिशाप ह जवन नवीनीकरण होला ; फिर भी एगो अउरी निर्विवाद दिव्य पाठ जवन नइखे सीखल गइल , काहे कि जरूरी रूप से एके भाषा बोले वाला एकल जोड़ा से

निकलल , जब तक कि ई दोषी अनुभव , हमनी के आजभी एकरा के देखत बानी जा , मानवता भगवान के बनावल कई गो भाषा आ बोली से अलग बा आपूरा धरती में बिखराइल बा। आहाँ , भगवान सृष्टि के पहिला सात दिन के बाद सृष्टि कइल ना छोड़ले ; ऊ अबहियों अपना चुनल लोग के गारी देबे खातिर आ कबो -कबो आशीष देबे खातिर बहुत कुछ बनवले बाड़न , रेगिस्तान में , इस्राएल के बेटा लोग के चढ़ावल मन्ना एकर उदाहरण बा .

हालांकि **आजादी** अपना मूल में हमनी के सृष्टिकर्ता के एगो अद्भुत वरदान ह। एही पर उनकर मुद्दा के प्रति हमनी के **मुक्त** प्रतिबद्धता टिकल बा। आ इहाँ , ई माने के पड़ी कि एह पूरा आजादी के तात्पर्य संजोग के अस्तित्व से बा काहें से कि भगवान एकरा में कवनो तरीका से हस्तक्षेप ना करे लें ; एगो अइसन शब्द जवना में बहुते विश्वासी बिल्कुल विश्वास ना करेलें . आऊ लोग गलत बा , काहे कि भगवान अपना सृष्टि के एगो बड़हन हिस्सा संजोग पर छोड़ देत बाड़न , आ सबसे पहिले आ सबसे खास बात कि चुनल लोग में जगावे के भूमिका , अपना प्रकट आकाशीय मानदंडन के सराहना . अपना चुनल लोग के पहचान कइला के बाद , सृष्टिकर्ता ओह लोग के नेतृत्व करे के जिम्मा लेला अउर उनकरा के आपन सच्चाई सिखावेला जवन ओह लोग के अनन्त आकाशीय जीवन खातिर तैयार करेला। मानव जीव सभ के जनम के समय देखल गइल बिकृति आराक्षसीता संजोग के क्रिया के साबित करे लीं जे प् रजाति के प्रजनन के प्रक्रिया में आनुवांशिक गलती पैदा करे ले आएकर कम-बेसी गंभीर परिणाम होला। प्रजाति सभ के प्रसार प्रजनन श्रृंखला सभ के गति पर आधारित होला जे समय -समय पर अनुरूपता के गलती पैदा करे लीं ; एह में आनुवंशिकता के सिद्धांत भी सामिल बा या जीवन के सं भावना के कारण स्वतंत्र रूप से। संक्षेप में कहल जाव त अगर हम आपन विश्वास मुक्त जीवन के मौका के ऋणी बानी त एकरा उलट एह विश्वास के इनाम आपोषण के ऋणी बानी भगवान के प्रेम आपहिले से कइल गइल पहल आजवन ऊ हमरा के बचावे खातिर करत बाड़े .

उनकर पार्थिव सृष्टि के कहानी में , उ दिन जवन भगवान के श्रापित होई , उ दिन हफ्ता में सबसे पहिले आवेला ; एकर भाग्य लिखल बा : एकर मकसद होई " *रोशनी के अन्हार से अलग कइल* "। झूठा मसीही लोग द्वारा सातवाँ दिन के पवित्र करे खातिर परमेश्वर के चुनाव के विरोध करे खातिर चुनल गइल , इ पहिला दिन प्रकाशि तवाक्य 13:15 में आज्ञा ना माने वाला विद्रोही शिविर के " *निशान " के रूप में आपन भूमिका पूरा तरह से पूरा कर चुकल होई।* पहिला दिन के अतवार के जेतना भगवान के श्राप दिहल जाला , ओतने सातवाँ दिन के सब्त के दिन उनुका द्वारा आशीष आपवित्र कइल

जाला। आएह विरोध के समझे खातिर हमनी के भगवान के विचार के अपनावे के पड़ी जवन कि उनुका द्वारा आ उनुका खातिर पवित्रता के निशानी ह। सब्त के दिन सातवाँ दिन से संबंधित बा आ ई *सात संख्या* , "7", पूर्णता के प्रतीक ह। एह पूर्णता शब्द के तहत भगवान ओह उद्देश्य के विचार के रखले बाड़न जवना खाति र उ हमनी के पार्थिव आयाम के रचना कइले बाड़न , यानी कि पाप के निपटारा , ओकर निंदा , ओकर मौत अउर ओकर गायब होखल। अउर एह योजना में , इ सब काम 7वीं सहस्राब्दी के दौरान पूरा तरीका से पूरा हो जाई जवना के साप्ताहिक सब्त के दिन भविष्यवाणी करेला। एह से , **परमेश्वर खातिर इ लक्ष्य मोक्ष के साधन से ज्यादा महत्वपूर्ण बा** जवना के द्वारा उ सांसारिक चुनल लोग के जीवन के छुटकारा दिहे अउर जवना के उ व्यक्तिगत रूप से , यीशु मसीह में , अत्याचारपूर्ण दुख के कीमत पर पूरा करीहे।

इहाँ एगो अउरी कारण बा कि भगवान उपदेश में कहत बाड़न। 7:8: " *कवनो चीज के अंत ओकर शुरुआत से बढ़िया होला* ." उत्पत्ति में "रात -दिन " या " *शाम -सुबह* " के क्रम में उत्तराधिकार एह ईश्वरीय विचार के पुष्टि करेला। ईसा में बा। 14:12, बेबिलोन के राजा के आड़ में , परमेश्वर शैतान से कहत हउवें : " *तू कइसे स्वर्ग से गिर गइल बाड़ , **भोर के तारा** , भोर के बेटा ! तू जमीन में काट दिहल गइल बाड़ , हे राष्ट्न के हरावे वाला* !" भगवान जवना अभिव्यक्ति से उनुका के नामित करेले , " ***भोर के तारा*** ", ओकरा से लागता कि उ उनुकर तुलना हमनी के पार्थिव व्यवस्था के "सूरज " से करेले। ऊ उनकर पहिला रचना रहलन आसोर के राजा इजकि . 28:12 में उनकर मूल महिमा के बारे में बतावल गइल बा : " *मनुष्य के बेटा , सोर के राजा खातिर विलाप करऽ ! तू ओकरा से कहब कि प्रभु यहोवा कहत हउवें : **तू सिद्धि पर मुहर लगा दिहलऽ , तू बुद्धि से भरल रहलू अउर सुंदरता में सिद्ध रहलू*** . » एह सिद्धि के गायब होखे के पड़ी , एकर जगह एगो विद्रोही व्यवहार ले लिहलस जवन ओकरा के दुश्मन , शैतान अउर विरोधी शैतान बन गइल भगवान द्वारा निंदा कइल गइल काहे कि श्लोक 15 में घोषणा कइल गइल बा : " रउआ *जवना दिन से रचल गइल रहीं , तब तक रउआ अपना तरीका में सिद्ध रहनी जब तक कि रउआ में अधर्म **ना मिलल*** । " आराधना / " एह से हमनी के ई समझे के मौका मिलेला कि परमेश्वर अपना प्राणी के आपन पसंद के अभिव्यक्ति से रोके के कोशिश ना करेलन , तबहूँ जब उ उनकर पसंद के विपरीत होखे। यीशु अपना प्रेरितन के भी आमंत्रित कइले बाड़न कि अगर उ लोग के इच्छा इहे रहे। इहे अपना प्राणी के अपना के व्यक्त करे आआपन स्वभाव के प्रकट करे के पूरा आजादी देला से ही उ अपना चुनल लोग के उनकर प्रदर्शन कइल निष्ठा खातिर

चुन सकेला अउर अंत में आपन सब स्वर्गीय आ धरती के नष्ट कर सकेला। " दुश्मन , अयोग्य आउदासीन लोग के।

मूल पाप के बा

पहिला दिन के बाकी हिस्सा हमनी के ईसाई युग में बहुत महत्व लेला काहे कि इ 7 मार्च , 321 से फिर से स्थापित " ***पाप*** " के गठन करेला , अउर इ ओह खेमा के निशान बन जाला जवन परमेश्वर के पवित्र खेमा के खिलाफ विद्रोह में प्रवेश कईले रहे। बाकिर ई " ***पाप*** " ***हमनी के ओह मूल*** " ***पाप*** " के ना भुलाए के चाहीं जवन आदम आ हव्वा के बाद से विरासत से मानवता के मौत के सजा देला। आत्मा से प्रबुद्ध होके एह विषय से हमरा उत्पत्ति के किताब में छिपल महत्वपूर्ण सबक के खोज भइल। अवलोकन के स्तर पर , किताब हमनी के अध्याय 1, 2, 3 में सृष्टि के उत्पत्ति के बारे में बतावेले , एह संख्या सभ के प्रतीकात्मक अर्थ आजुओ बिल्कुल जायज बा : 1 = एकता ; 2 = अपूर्णता के बा ; 3 = पूर्णता के बा। ई बात एगो सफाई के हकदार बा . जनरल 1 में पहिला 6 दिन के निर्माण के बारे में बतावल गइल बा। इनकर परिभाषा " *शाम के सुबह* " के मतलब खाली पाप आधरती के अभिशाप के बाद ही होई जवन शैतान के हावी डोमेन बन जाला , जवन उत्पत्ति 3 के विषय होई जवना के बिना " *शाम के सबेरे* " अभिव्यक्ति के पार्थिव स्तर प कवनो मतलब नईखे। व्याख्या के देके , अध्याय 3 एह ईश्वरीय प्रकाशन पर सिद्धता के मुहर लगावेला। ठी क ओही तरह से , उत्पत्ति 2 में , सातवाँ दिन के सब्त के दिन के विषय या , अधिक सटीक रूप से , सातवाँ दिन के बाकी परमेश्वर अउर आदमी के , भी उत्पत्ति 3 में हव्वा अउर आदम द्वारा कइल गइल मूल "पाप " के बाद ही समझ में आवेला जवन एकरा के होखे के कारण देला। एह तरह से , विरोधा भासी रूप से , उत्पत्ति 3 में दिहल गइल ओकर औचित्य के बिना , पवित्र कइल गइल सब्त के दिन अपूर्णता के अपना प्रतीक "2" के हकदार बा। एह सब से साफ बा कि धरती के भगवान शैतान आ ओकर राक्षसन के चढ़ावे खातिर बनवले बाड़न ताकि ओह लोग के आत्मा के बुरा फल मूर्त रूप ले सके आसभका , भगवान , स्वर्गदूत आआदमी के आँख के सामने प्रकट हो सके आस्वर्गदूत आ आदमी आपन पक्ष चुन सके।

ई विश्लेषण हमरा के इ बतावे खातिर ले जाला कि आराम से पवित्र कइल गइल सातवाँ दिन के स्थापना उत्पत्ति 3 में स्थापित पार्थिव " *पाप* " के अभिशाप के भविष्यवाणी करेला , काहे कि धरती खुद भगवान के अभिशप्त बा , अउर एह से ही जब मौत अउर ओकर प्रक्रिया ओकरा पर प्रहार करेला , तब से ही ओकर छह हजार साल के

समय अउर सातवीं सहस्राब्दी के हजार साल एगो अर्थ ले लेला , एगो व्याख्या , एगो औचित्य के बा। एकरा पर ध्यान दिहल उचित बा : पार्थिव सृष्टि से पहिले , स्वर्ग में , संघर्ष पहिले से ही भगवान के खेमा के खिलाफ शैतान के खेमा के विरोध करेला लेकिन खाली ईसा मसीह के मौत ही व्यक्तिगत चुनाव के निश्चित बना दिही ; जवन तब से पार्थिव सृष्टि में मरे के सजा पावे वाला विद्रोहियन के स्वर्ग से निकाल दिहला से लउकी। हालाँकि , स्वर्ग में , भगवान बारी -बारी से " *शाम के सुबह* " पर स्वर्गदूतन के जीवन के संगठित ना कइलें , एकर कारण ई बा कि स्वर्ग उनकर अनन्त आदर्श के प्रतिनिधित्व करे ला ; जवन हावी रही आअपना चुनल लोग खातिर अनन्त काल तक जारी रही . एह डेटा के सामना करत : पाप से पहिले के धरती के का कहल जाव ? " *शाम आ सबेरे* " के बारी -बारी से एकर आदर्श भी स्वर्ग के होला , मने कि प्रती त होखे वाला जीवन एगो शाश्वत मानदंड में होला ; शाकाहारी जानवर , शाकाहारी मनुष्य आ बिना मौत के जवन पाप के मजदूरी होई , दिन दिन के बाद आई हमेशा खातिर रह सकेला।

लेकिन उत्पत्ति 2 में परमेश्वर हमनी के हफ्ता के आपन क्रम के खुलासा करेलन , जवन सातवाँ दिन परमेश्वर अउर आदमी खातिर आराम के साथ खतम होला। ई आराम शब्द "बंद कइल" क्रिया से आइल बा आई भगवान के कइल काम के साथे -साथे मनुष्य के कइल काम पर भी लागू होला। रउवां समझ सकेनी कि पाप से पहिले ना त भगवान थकान महसूस कर सकत रहे ना मनुष्य। आदम के शरीर में कवनो तरह के दर्द , थकान , ना कवनो दर्द ना भइल। अब, सात दिन के हफ्ता एक दूसरा के पीछे -पीछे चलत रहे आअपना के एगो शाश्वत चक्र निहन प्रजनन करत रहे , सिवाय एह बात के कि " *शाम अवुरी सबेरे* " के उत्तराधिकार भगवान के राज्य के स्वर्गीय मानदंड के संगे अंतर के चिन्हित करत रहे। एह से एह अंतर के उद्देश्य भविष्यवाणी के रूप में एगो कार्यक्रम के उजागर कइल रहे जवन महान सृष्टिकर्ता परमेश्वर द्वारा बनावल गइल रहे। जइसे इब्रानियन के बीच हर साल "योम किप्पर " या "प्रायश्चित के दिन " के परब के नवीकरण कइल जात रहे अउर यीशु मसीह के मौत से पूरा भइल ओकर प्रायश्चि त के माध्यम से पाप के अंत के भविष्यवाणी कइल जात रहे , ओइसहीं साप्ताहिक सब्त के दिन सातवीं सहस्राब्दी के आवे के भविष्यवाणी करेला , उहे पल जब परमेश्वर अउर उनकर चुनल लोग वास्तविक आराम में प्रवेश करीहें काहे कि विद्रोही लोग मरल होई अउर दुष्ट हो जाई हार गइल बा . हा लाँकि , चुनल लोग के अभी भी " *पाप* " के चिंता बा काहे कि , मसीह के साथ , उ लोग के " *पाप* " अउर पापी लोग के न्याय करे के पड़ी , जे ओह समय नश्वर नींद में सुतल

होईहे। एह से पिछला छह दिन के तरह सातवाँ के "*पाप* " के चिन्ह के नीचे रखल जाला जवन पूरा हफ्ता के सात दिन के कवर करेला आ ओकरा से संबंधित बा। आ आठवीं सहस्राब्दी के शुरुआत में ही , पापी लोग के "*दूसरा मौत के आग*" में भस्म होखला के बाद ही "*पाप* "के बिना अनंत काल के शुरुआत नवीकरण भईल धरती पर होई। अगर सात दिन के पाप से चिन्हित कइल गइल बा आ7000 साल के भविष्यवाणी कइल गइल बा , त एह 7000 साल के गिनती के शुरुआत खाली उत्पत्ति 3 में प्रकट कइल गइल पाप के स्थापना से हो सकेला एह तरह से , बिना पाप के पार्थिव दिन उत्तराधिकार के आदर्श आ तर्क में नइखे "*शाम के सबेरे* "या "*अन्हार के रोशनी* "आचूंकि ई समय बिना "*पाप* "के बा , एहसे ई प् रोग्राम कइल गइल 7000 साल में प्रवेश ना कर सकेला आ.. सात दिन के हफ्ता तक "*पाप* "खातिर भविष्यवाणी कइले रहले ।

ई शिक्षा एह काम के महत्व के रेखांकित करेले जवना के भगवान दान में रोमन पोप के आरोप लगावेले। 7:25: "*उ समय अउर व्यवस्था के बदले के योजना बनाई* ।" भगवान द्वारा स्थापित "*समय बदलला* " *के परिणामस्वरूप* परमेश्वर के "*व्यवस्था* " के साप्ताहिक सब्त के भविष्यवाणी चरित्र के खोज असंभव हो जाला। आ इहे काम रोम कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के बाद से करत आइल बा ' 7 मार्च , 321 से , सातवाँ दिन के बजाय पहिला दिन साप्ताहिक आरा म के आदेश देके। रोमन क्रम के पालन करके , पापी आदम अउर हव्वा से विरासत में मिलल मूल "*पाप* " *से मुक्त ना होला , लेकिन एकरा अलावा उ एगो अतिरिक्त* "*पाप* "लेवेला , अबकी बेर **स्वैच्छिक** , जवन परमेश्वर के प्रति ओकर अपराधबोध बढ़ावेला।

समय के क्रम "*शाम के सुबह* "या "*अन्हार प्रकाश* " एगो अवधारणा ह जवन परमेश्वर द्वारा चुनल गईल बा अउर एह चुनाव के पालन कईल बाइबल के भविष्यवाणी रहस्य तक पहुंच के पक्ष में बा अउर अधिकृत करेला। कुछ भी आदमी के एह चुनाव के अपनावे खातिर मजबूर ना करे ला आएकर सबूत ई बा कि मानवता अपना दिन के बदलाव के आधा रात , या बसंत के सूर्यास्त के 6 घंटा बाद चिन्हित करे के चुनले बिया ; जवन दस कुंवारी के दृष्टांत के दूल्हा मसीह के गौरवशाली वापसी खातिर बहुत देर से जागल लोग के खेमा के भविष्यवाणी करेला। भगवान के दिहल सूक्ष्म संदेश एह तरह से उनुका बौद्धिक पहुँच से बाहर बा । लेकिन उनकर चुनल लोग खातिर , ईश्वरीय समय के क्रम उनकर सब भविष्यवाणी के रोशन करेला अउर खासकर प्रकाशितवाक्य के जवना के शुरुआत में यीशु अपना के "*अल्फा अउर ओमेगा* "," *शुरुआत या शुरुआत अउर अंत* " के रूप में प्रस्तुत करेलन। हमनी के जीवन में बीतत

हर दिन परमेश्वर के योजना के भविष्यवाणी करेला , जवना के उ उत्पत्ति 1, 2 अउर 3 में संक्षेप में बतवले बाड़न , काहे कि " *रात* " या " *अन्हार* " *उत्पत्ति 1 में प्रस्तुत छह अपवित्र दिन के प्रतिनिधित्व करेला , जबकि उत् पत्ति 2 में स्थापित ईश्वरीय विश्राम* " *प्रकाश* " के समय के घोषणा करेला । एही सिद्धांत पर , दान के अनुसार , एस . 8:14, ईसाई युग के समय के दू भाग में बाँटल गइल बा : 321 के बीच आध्यात्मिक " *अन्हार* " के समय , जब सब्त के दिन के खिलाफ " *पाप* " *स्थापित होला , अउर 1843 जब चुनल लोग खातिर* " *प्रकाश* " के समय ओह तारीख से शुरू होला जब तक कि 2030 के बसंत में ईसा मसीह के वापसी तक, जब , जइसे कि उत्पत्ति 3 में , सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता परमेश्वर के रूप में , उ लोग के बीच न्याय करे आवेला चुनल गइल आविद्रोही लोग , " *भेड़ आ बकरी* ," जइसे कि ऊ " *साँप , औरत आ आदम* " के बीच न्याय कइले रहले . ठीक ओही तरह से प्रकाशितवाक्य में " *सात कलीसिया के पत्र , सात मुहर आ सात तुरही* " के विषय पहिला छह खातिर " *अन्हार* " *आ* एह में से हर विषय के सातवीं आ अंतिम डिग्री खातिर ईश्वरीय " *प्रकाश* " *के भविष्यवाणी कइले बा।* इ एतना सही बा कि 1991 में संस्थागत एडवेन्टिज्म द्वारा एह आखिरी "प्रकाश " के आधिकारिक अस्वीकार , एगो अइसन प्रकाश जवन यीशु हमरा के 1982 से देले बाड़े , उनुका से कहे के ओर ले गईले , प्रकाशितवाक्य 3:17 में " *लौदीकिया* " *के संबोधित पत्र में :* " *काहे कि तू कहत हउअ कि , 'हम अमीर बानी आ माल से बढ़ल बानी* ***<u>आ हमरा कुछओ के जरूरत नइखे</u>*** *,' अउर इ नईखी जानत कि तू दरिद्र बानी , दयनीय , गरीब , आन्हर आ<u>नंगा</u>* ,... "। आधिकारिक एडवेन्टिस्ट लोग 1 पतरस 4:17 में दिहल एह उद्धरण के भुला गईल बा : " काहेकि ***<u>परमेश्वर के घर से न्याय शुरू होखे के</u>*** *समय आ गईल बा ।" अब अगर ई हमनी से शुरू होखे त ओह लोग के अंत का होई जे परमेश्वर के सुसमाचार के पालन ना करेला ?* " संस्था 1863 से लागू बा आ ईसा एकर स्थापना के आशीर्वाद दिहले " *फिलाडेल्फिया* " समय , 1873 में। दिव्य सिद्धांत के अनुसार " *शाम के सुबह* " या " *अन्हार प्रकाश* ", *अंतिम आ सातवाँ युग के प्रतीक* " *लौदीकिया* " नाम से बहुत दिव्य " *प्रकाश* " के समय होखे के रहे आई काम एकर प्रमाण के गठन करेला , एगो महान " *प्रकाश* " वाकई में रोशन करे खातिर आइल रहे भविष्यवाणी कइल गइल रहस्यन के , एह अंतिम युग में , आधिकारिक विश्वव्यापी एडवेन्टिस्ट संस्था के कीमत पर " *लाओदीकिया* " नाम के मतलब होला "न्याय के लोग या न्याय के लोग जे अब प्रभु के ना हवें या ना हवें , उ लोग के "परमेशवर द्वारा शापित दिन " के पक्षधर लोग में शामिल होखे के निंदा कइल जाला "रविवार ", सब्त के दिन अब उ लोग के ओतना महत्वपूर्ण

ना लउकी जतना कि उ लोग के बपतिस्मा के धन्य समय रहे।

प्रकाश " के समय के भविष्यवाणी कइल गइल बा अउर उत्पत्ति के इ अध्याय " ***सातवाँ दिन*** " के **पवित्रीकरण से शुरू होला।** एकर अंत पद 25 से होला : " *ऊ आदमी आओकर मेहरारू दुनु नंगा रहले , आउ लोग के कवनो शर्म ना लागल* "। एह दुनो विषयन के बीच के कड़ी बतावेला कि उनकर शारीरिक नग्नता के खोज ओह " *पाप* " के आरोप के परिणाम होई जवन उ लोग करीहे अउर जवन , उत्पत्ति 3 में बतावल गइल बा , एह तरह से एगो नश्वर आध्यात्मिक नग् नता के कारण के रूप में प्रकट होला। एह शिक्षा के तुलना " *लौदीकिया* " से कइला से हमनी के सब्त के दिन " *पाप* " से जुड़ल पावेनी जा जवन आदमी के " *नंगा* " बनावेला। एह अंतिम संदर्भ में , एह से सब्त के दिन के अभ्यास अब मसीह के अनुग्रह के बचावे खातिर पर्याप्त नइखे रहि गइल , काहे कि 1982 से 1991 के बीच आधिकारिक एडवेन्टिस्ट अधिकारियन के सामने उनकर पूरा भविष्यवाणी के प्रकाश के प्रस्ताव देके ईसा मसीह के आवश्यकता बढ़ल अउर उ एह समय खातिर चाहत बाड़न कि उनकर पवित्र सब्त के अभ्यास के साथ उनकर अनुग्रह के लायक चुनल आदमी आपन रुचि , आपन समय , आपन जीवन , अउर आपन पूरा आत्मा अपना खातिर देवे दानियल अउर प्रकाशितवाक्य में भविष्यवाणी कइल गइल प्रकाशन ; लेकिन पूरा प्रकट बाइबल में भी जवन प्रकाशितवाक्य 11:3 के अनुसार उनकर " *द्व गो गवाह* " *के गठन करेला।*

धरती पर दिहल गइल भगवान के गवाही

जेतना महत्वपूर्ण बा , यीशु मसीह के रूप में मानवता के पास परमेश्वर के यात्रा हमनी के मूसा के समय में उनकर पहिले के यात्रा के ना भुलाए के चाहीं। काहे कि एही दूर के संदर्भ में भगवान उनका के पार्थिव आयाम के उत्पत्ति के खुलासा कइले रहले। अउर परमेश्वर के दिहल प्र काशन के रूप में , उत्पत्ति के विवरण ओतने महत्वपूर्ण बा जतना कि प्रेरित यूहन्ना के प्रकाशित प्रकाशितवाक्य के। पार्थिव जीवन के संगठित करे खातिर परमेश्वर द्वारा चुनल रूप उनकर प्रेम के योजना के भविष्यवाणी करेला जेकरा के उ पूरा आजादी देला , ताकि उ लोग उनकर प्रेम के जवाब दे सके अउर उनकरा साथे अनन्त काल तक रह सके या उनकरा के नकार सके आ मौत के शून्यता में गायब हो सके , उनकर उद्धार के प्रस्ताव के शर्त के अनुसार।

अगर आदम के अकेले बनावल गइल बा , त पहिला , ई एह से बा कि ओकरा के " *परमेश्वर के प्रतिरूप* (उत्प . 1:26-27)" के रूप में प्रस्तुत कइल गइल बा , अपना प्रतिरूप में एगो मुक्त समकक्ष से प्रेम के खोज में , काहे कि उनकर बीतल अनंत काल के सब समय बिल्कुल एकांत के रहे। ई बात उनका खातिर असहनीय हो गइल कि ऊ अपना जीव - जन्तु के जवन आजादी देबे वाला रहले ओकर परिणाम सहे खातिर तइयार हो गइलन . आदम के एगो पसलियन से हव्वा के सृष्टि , जब ऊ मौत के नींद में डूबल बाड़न , उनकर कलीसिया के सृष्टि के भविष्यवाणी करेला , चुनल आदमी जे उनकर विश्वासी चुनल लोग से बनल बा , फल ईसा मसीह में उनकर प्रायश्चित करे वाला मौत से काटल गइल बा ; एह से " *सहायक* " के भूमिका के जाय ज ठहरावल जाला जवना के भगवान ओह औरत के देत बाड़े जे उनुका से आइल रहली आजेकर नाम हव्वा के मतलब होला " *जीवन* ". चुनल आदमी अनन्त काल खातिर " *जियत* " रही , आ धरती पर , ओकरा लगे भगवान के आपन " *मदद* " देबे के एगो व्यवसाय बा , अपना परियोजना के पूरा करे में मानवीय रूप से सहयोग करे के जवना के मकसद बा कि ऊ अपना शाश्वत ब्रह्मांड में साझा आ बिना कवनो परेशानी के सही प्रेम स्थापित कइल जाव .

आज्ञा ना माने के पाप हव्वा के माध्यम से मानवता में प्रवेश करेला , यानी कि उनकर चुनल लोग के " *महिला* " प्रतीक के माध्यम से जवन एह मूल पाप के विरासत में पाई। साथ ही , आदम के तरह , हव्वा से प्रेम से , यीशु मसीह में , परमेश्वर अपना चुनल आदमी के जगह पर साझा करे अउर सहन करे खातिर इंसान बन जाला , उ नश्वर सजा जवना के ओकर पाप हकदार बा। एह से उत्पत्ति के कहानी एगो ऐतिहासिक गवाही दुनो ह जवन हमनी के उत्पत्ति अउर उनकर परिस्थिति के उजागर करेला , अउर एगो भविष्यवाणी के गवाही जवन सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता परमेश्वर के महान प्रेमपूर्ण योजना के उद्धार सिद्धांत के उजागर करेला।

उत्पत्ति 1 में बतावल गइल सृष्टि के पहिला छह दिन के बाद , छह दिन जवन परमेश्वर के द्वारा पार्थिव चुनल लोग के चयन खातिर सुरक्षित छह हजार साल के भविष्यवाणी करेला , उत्पत्ति 2 में , अनन्त सब्त के प्रतिरूप के तहत , असीमित सातवाँ दिन परीक्षा में पड़ल अउर चुनल चुनल लो ग के स्वागत करे खातिर खुल जाई।

भगवान शुरू से ही जानत रहले कि उनकर योजना के परिणाम का होई , उनकर चुनल लोग के नाम जवन छह हजार साल के दौरान सामने आई। उनकरा लगे विद्रोही स्वर्गदूतन के न्याय करे अउर नष्ट करे के पूरा शक्ति अउर अधिकार रहे , बिना हमनी के पार्थिव आया म

बनावे के। बाकिर ठीक एहसे कि ऊ अपना प्राणी के सम्मान करेला , जे ओकरा से प्यार करेला आजेकरा से ऊ प्यार करेला , एहसे ऊ एह काम खातिर बनावल धरती पर एगो सार्वभौमिक प्रदर्शन के आयोजन करेला .

भगवान सच्चाई के सिद्धांत के सबकुछ से ऊपर उठावेले। जइसन कि भजन संहिता 51:6 में घोषणा कइल गइल बा , यीशु अपना चुनल लोग के परिभाषित कइले बाड़न कि " *नया जनम भइल* बा ," यानी कि "सत्य से पैदा भइल बा ," ताकि उ लोग ईश्वरीय सच्चाई के मानक के अनुरूप हो सके। यूहन्ना 18:37 के अनुसार , उ खुद " *सच्चाई के गवाही देवे खातिर* " आइल रहले अउर प्रकाशितवा क्य 3:14 में अपना के " *सच्चा* " के रूप में पेश करेलन। सच्चाई के सिद्धांत के ई उदात्तीकरण आ महिमामंडन झूठ के सिद्धांत के **बिल्कुल विरोध में बा आ दुनों सिद्धांत कई गो रूप लेला।** झूठ के सिद्धांत अपना इतिहास में धरती के निवासी लोग के लगातार बहकावत रहल बा। आधुनिक समय में झूठ अस्तित्व के आदर्श बन गइल बा। इ व्यावसायिक भावना में "ब्लफ " शब्द के तहत अपनावल गईल बा , लेकिन एकरा बावजूद इ शैतान के फल हवे , यूहन्ना 8:44 के अनुसार " *झूठ के पिता* "/ धार्मिक स्तर पर झूठ कई गो धार्मिक नकली चीजन के रूप में लउके ला जे पृथ्वी पर संबंधित लोग आजगह के आधार पर अलग-अलग होला। आईसाई विश्वास खुद "भ्रम " (= बाबेल) के सही छवि बन गइल बा एतना संख्या एकर करिया नकली बा।

झूठ वैज्ञानिक तरीका से सिखावल जाला। काहें से कि ए करे निरंकुश तरीका के बिपरीत , वैज्ञानिक बिचार प्रजाति सभ के बारे में अपना बिकासवादी सिद्धांत सभ के वास्तविक प्रमाण देवे में असमर्थ बाटे , आ लाखन आ अरबन साल सभ के जेकर श्रेय एकर वैज्ञानिक लोग पृथ्वी के अस्तित्व के बतावे ला। एह वैज्ञानिक बिचार के बिपरीत , सृष्टि कर्ता भगवान के गवाही उनकर वास्तविकता के बहुत प्रमाण देला , काहें से कि पृथ्वी के इतिहास उनकर काम के गवाही देला , जवना के पहिला उदाहरण पानी के बाढ़ हवे , जेकर प्रमाण मैदान में आइहाँ तक कि पृथ्वी के सभसे ऊँच पहाड़ सभ के चोटी पर भी समुद्री जीवाश्म सभ के मौजूदगी से मिले ला। एह प्राकृतिक गवाही में मानव इतिहास के छोड़ल गवाही , नूह के जीवन , अब्राहम के जीवन , इब्रानी लोग के मिस्र के गुलामी से मुक्ति आ यहूदी लोग के जनम , दुनिया के अंत के समय तक के उनकर इतिहास के जीवित प्रत्यक्षदर्शी , जोड़ल जाला ; ईसा मसीह के प्रेरित लोग के प्रत्यक्षदर्शी गवाही भी बा जे उनकर चमत्कार , उनकर सूली पर चढ़ावल आउनकर जी उठल के गवाह रहलन ; एतना कि मौत के डर ओह लोग के छोड़

के चल गइल , आ ऊ लोग शहादत के राह पर चल गइल , उनकर मालिक आनासरत के उनकर मॉडल यीशु।

एह "शहादत " शब्द के उकसावे में हमरा एहिजा एगो सफा ई खोले के पड़ी .

नोट : शहादत के सजा से भ्रमित मत करीं

दुनो चीज के बाहरी रूप एकही होखेला अवुरी एहीसे एकरा के आसानी से भ्रमित कईल जा सकता। बाकिर एह भ्रम के गंभीर परिणाम होला काहे कि दंडात्मक कार्रवाई के भगवान के सच्चा चुनल आदमी के जिम्मेदार ठह रावे के खतरा होला आ एकरा उलट शैतान के संतान के भगवान खातिर बहुते भ्रामक शहादत के जिम्मेदार ठहरावल जा सकेला . त साफ -साफ देखे खातिर हमनी के निम्नलिखित विश्लेषण के ध्यान में राखे के होई जवन एह सिद्धांत से शुरू होला ; सबसे पहिले ई सवाल पूछल जाव कि शहादत का होला ? ई शब्द ग्रीक "मार्टस " से आइल बा जेकर मतलब होला : गवाह। गवाह का होला ? ऊ ऊ ह जे कवनो विषय पर जवन देखल , सुनल भा समझल ओकरा के निष्ठा से रिपोर्ट करेला भा ना . इहाँ जवन विषय हमनी के रुचि बा उ धार्मिक बा , लेकिन भगवान खातिर गवाही देवे वाला लोग में सच्चा अवुरी झूठा गवाह बाड़े। जवन बात तय बा कि भगवान , खुद , दुनो में अंतर बनावेले। सच्चाई के ओकरा मालूम बा आऊ ओकरा के आशीर्वाद देला काहे कि अपना ओर से ई सच्चा गवाह अपना सगरी प्रकट सच्चाई के " *काम* " में अभ्यास क के वफादार बने के कोशिश करेला आऊ मौत के स्वीकृति तक एह तरह से द ढ़ रहेला . आ ई मौत प्रामाणिक शहादत ह , काहे कि मौत के चढ़ावल जीवन भगवान के अपना समय खातिर माँगल पवित्रता के मानक के अनुरूप रहे। अगर चढ़ावल जीवन एह अनुरूपता में ना होखे त ई शहादत ना ह , ई एगो अइसन सजा ह जवन शैतान के विनाश खातिर सौंपल

गइल जीव के प्रहार करेला , काहे कि ओकरा भगवान के रक्षा आ आशीर्वाद से कवनो फायदा ना होखे . हर समय खातिर परमेश्वर द्वारा माँगल गइल सच्चाई के मानक के अनुरूपता के आधार पर , "शहादत " के पहचान उनकर भविष्यवाणी में प्रकट कइल गइल ईश्वरीय न्याय के बारे में हमनी के ज्ञान पर टिकल होई जवन अंत के समय के लक्षित करेला ; जवन एह रचना के उद्देश्य आ विषय बा।

ई समझल जरूरी बा कि सच्चाई के कवनो ताकत नइखे कि ऊ विद्रोही मन के धर्मांतरित कर सके ; पहिला सृजित स्वर्गदूत के अनुभव , जेकरा के भगवान शैतान द्वारा नियुक्त कइल गइल रहे , जबसे ओकर विद्रोह के बाद से , एकरा के साबित करेला। सच्चाई एगो अइसन सिद्धांत ह जवना के ओर चुनल लोग , जे एकरा से प्यार करेला अउर यीशु मसीह में परमेश्वर के साथे लड़ाई करे खातिर तैयार बा , ओकरा के नुकसान पहुंचावे वाला झूठ के खिलाफ , स्वाभाविक रूप से आकर्षित महसूस करी।

निष्कर्ष में , ईश्वरीय प्रकाशितवाक्य के निर्माण छह हजार साल के अनुभव अउर गवाही के दौरान प्रगतिशील रूप से कइल गइल बा जवन सबसे अच्छा अउर सबसे खराब परिस्थिति में जीयल गइल बा। छह हजार साल के समय छोट लाग सकेला , लेकिन आदमी खातिर जे खाली अपना जीवन के सालन में असली रुचि देला , वास्तविकता में ई एतना लंबा समय बा कि भगवान के सदियन में , आ अउरी सटीक रूप से छह हजार साल में , अपना वैश्विक परियोजना के उपलब्धियन के अलग-अलग चरणन के विस्तार करे के अनुमति मिलेला। विशेष रूप से ईसा मसीह में , परमेश्वर अंतिम समय के अपना चुनल लोग के , अपना रहस्य अउर उनकर काम के बारे में , एगो स्पष्ट समझ देवेलन जवन एह अंतिम समय खातिर आरक्षित बा।

उत्पत्ति : एगो महत्वपूर्ण भविष्यवाणी डाइजेस्ट

एह समझ में , उत्पत्ति के विवरण दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के बाइबिल के भविष्यवाणी के मौलिक कुंजी के देले बा ; आ ए ह चाभी के बिना ई समझ असंभव बा . जब जरूरत पड़ी , भविष्यवाणी के अध्ययन के दौरान , इ

सब बात याद कईल जाई , लेकिन अब से इ जानल जरूरी बा कि शब्द , " *रसातल* , *समुद्र* , *धरती* , *महिला* ", उनुका प्रकाशन "प्रकाशितवाक्य " में ईश्वरीय विचार के एगो विशिष्ट विचार के वाहक होई। ई स्थलीय सृष्टि के लगातार तीन गो चरण से जुड़ल होलें। " *रसातल* " पृथ्वी ग्रह के नाँव देला जे पूरा तरीका से पानी से ढंकल होखे आ बिना कौनों जीवन के होखे। फिर , दूसरा दिन , तत्वन के अलगाव के कि , " *समुद्र* ", *पर्यायवाची आमौत के प्रतीक* , *5वां* दिन खाली समुद्री जानवरन के आबादी होई ; एकर माहौल हवा साँस लेबे खातिर बनावल इंसान खातिर दुश्मन बा . " *धरती* " " *समुंदर* " से निकलेले आ पांचवा दिन जानवरन के भी निवास होई आअंत में छठवाँ दिन " *भगवान के प्रतिरूप में बनल आदमी* " आ" *औरत* " जे आदमी के एगो पसली पर बनल होई। मरद मेहरारू मिल के दू गो संतान के गर्भवती हो जइहें। पहिला " *हाबिल* ", आध्यात्मिक चुनल के प्रकार (*हाबिल* = पिता भगवान हवें) के ईर्ष्या से मारल जाई ओकर बड़ " *कैन* " प्रकार के शारीरिक , भौतिकवादी आदमी (= अधिग्रहण) द्वारा एह तरह से चुनल एक प्रकार के भाग्य के भविष्यवाणी करत , ईसा मसीह आ उनकर चुनल , जे "कैन ", यहूदी , कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट , सब के वजह से शहीद के रूप में दुख उठाई आमर जाई "मंदिर के व्यापारी ", जिनहन के लगातार आआक्रामक ईर्ष्या के प्रदर्शन आसांसारिक इतिहास के दौरान पूरा कइल जाला। एह से परमेश्वर के आत्मा द्वारा दिहल गइल पाठ निम्नलिखित बा : "*रसातल* " से सामने आवेला , **क्रमशः** , " *समुद्र अउर धरती* " झूठा ईसाई धर्म के प्रतीक जवन आत्मा के विनाश के ओर ले जाला। अपना चुनल सभा के नामित करे खातिर , उ एकरा के " *औरत* " शब्द देले बाड़े जवन कि , अगर उ अपना भगवान के प्रति वफादार होखेले , " *दुल्हिन* ", मसीह के "*मेमना* " *चित्रात्मक प्रतीक के , जवन खुद के " आदमी* " (*आदम*) शब्द से भविष्यवाणी कईले रहले । अगर ऊ बेवफा होखे त ऊ" *औरत* " *बनल रहेले , बाकिर " वेश्या* " के छवि ले लेले . एह सब चीजन के पुष्टि एह रचना में प्रस्तुत विस्तृत अध्ययन में होई आ एकर बहुत महत्व सामने आई। रउवां आसानी से समझ सकेनी कि 2020 में , दानियल अउर प्रकाशितवा क्य के भविष्यवाणी में भविष्यवाणी कइल गइल घटना , अधिकतर , इतिहास में पहिलहीं से पूरा हो चुकल बा , अउर उ लोग के जानत बा। बाकिर ओह लोग के पहचान ओह आध्यात्मिक भूमिका खातिर नइखे भइल जवन भगवान ओह लोग के दिहले बाड़न . इतिहासकार ऐतिहासिक तथ्य के रिकार्ड करेलन , लेकिन ए कर व्याख्या खाली परमेश्वर के भविष्यवक्ता ही कर सकेलन।

आस्था आअविश्वास के बात बा

स्वभाव से मनुष्य , अपना उत्पत्ति से ही , आस्तिक होला। बाकिर विश्वास आस्था ना ह. आदमी हमेशा से भगवान भा देवता , श्रेष्ठ आत्मा के अस्तित्व में विश्वास कइले बा जवना के सेवा करे के पड़े आओकरा के खुश करे के पड़े ताकि ओकरा क्रोध से नुकसान ना होखे . ई प्राकृतिक मान् यता सदी से सदी आ सहस्राब्दी से सहस्राब्दी ले आधुनिक समय ले जारी रहल बा जब वैज्ञानिक खोज पश्चिमी आदमी के दिमाग पर कब्जा कर लिहले बा आतब से ऊ अविश्वासी आअविश्वासी हो गइल बा . हमनी के ध्यान दीं कि ई बदलाव मुख्य रूप से ईसाई मूल के लोग के विशेषता हवे। काहे कि साथे - साथे पूर्व , सुदूर पूर्व आ अफ्रीका में अदृश्य आत्मा के मान्यता बनल रहे। एकर व्याख्या एह धार्मिक संस्कारन के पालन करे वाला लोग के अलौकिक प्रकटीकरण से कइल जा सकेला। अफ्रीका में अदृश्य आत्मा के अस्तित्व के साफ सबूत अविश्वास पर रोक लगावेला। बाकिर एह लोग के जवन नइखे मालूम ऊ ई कि ओह लोग का बीच जवन आत्मा अपना के शक्तिशाली रूप से प्रकट करेली सँ ऊ असल में ऊ राक्षसी आत्मा हई सँ जवना के ऊ भगवान नकार दिहले बाड़न जे सगरी जीवन के रचना कइले बाड़न , आछूट मिलला पर मौत के सजा सुनावल गइल बा . ई लोग पश्चिमी लोग नियर अविश्वा सी ना हवे , ना अविश्वासी , बाकिर एकर परिणाम एके बा , काहे कि ई ओह राक्षसन के सेवा करेलें जे ओह लोग के बहका के अपना अत्याचारी वर्चस्व में राखेलें . इनहन के धार्मिकता मूर्तिपूजक बुतपरस्त प्रकार के हवे जे मानवता के उत्पत्ती से ले के बिसेसता रहल बा ; ईव एकर पहिला शि कार होखला के चलते।

पश्चिम में अविश्वास सही मायने में एगो चुनाव के फल हवे , काहें से कि बहुत कम लोग अइसन बाड़ें जे अपना ईसाई मूल से अनजान बाड़ें ; आ गणतंत्रवादी आजादी के रक्षक लोग में अइसन लोग बा जे पवित्र बाइबल से शब्दन के उद्धरण देला , एह तरह से गवाही देला कि ऊ लोग एकरा अस्तित्व से अनजान नइखे। उ लोग ओह गौरवशाली तथ्यन से अनजान नइखे जवना के ई

परमेश्वर खातिर गवाही देला , अउर फिर भी , उ लोग ओह तथ्यन के ध्यान में ना रखे के चुनेलन। इहे प्रकार के अविश्वास ह जवना के आत्मा अविश्वास कहेला अउर जवन सच्चा विश्वास के बिल्कु ल विद्रोही विरोध ह। काहे कि अगर ऊ ओह सबूतन के ध्यान में राखे जवन जीवन ओकरा के पूरा धरती पर आ खास कर के अफ्रीकी लोग के अलौकिक अभिव्यक्ति में देला त आदमी के अपना अविश्वास के जायज ठहरावे के कवनो संभावना नइखे . एहसे राक्षसन के कइल अलौकिक कर्म पाश्चात्य अविश्वास के निंदा करेला . सृष्टिकर्ता भगवान भी अपना अस्तित्व के प्रमाण देलें , प्रकृति द्वारा पैदा कइल गइल घटना सभ के माध्यम से शक्ति के साथ काम करे लें जे उनकर अधीन बाड़ी ; भूकंप , ज्वालामुखी विस्फोट , विनाशकारी ज्वार -भाटा के लहर , घातक महामारी , लेकिन अब एह सब चीजन के वैज्ञानिक व्याख्या मिल जाला जवन दिव्य उत्पत्ति के छिपावेला आ नष्ट करेला। आँख में , आस्था के ई महान दुश्मन , वैज्ञानिक व्याख्या जोड़ल जाला जवन मनुष्य के दिमाग के मनावेला आ दुनु ओकरा के अपना चुनाव में प्रोत्साहित करेला जवन ओकरा के ओकर नाश के ओर ले जाला .

भगवान अपना प्राणी से का उम्मीद करेले ? ऊ ओहमें से ओह लोग के चयन करीहें जे **<u>उनकर</u>** जीवन के अवधारणा के मंजूर करीहें , माने कि उनकर विचार के समर्थन करे वाला लोग के . आस्था साधन होई , लेकिन लक्ष्य ना होई। एही से , " *बिना काम के विश्वास* ," *जवना के एकरा के ढोवल जरूरी बा* , *जैक में* " *मरल* " कहल जाला । 2:17 के बा। काहे कि अगर सच्चा विश्वास बा त झूठा विश्वास भी बा। साँच अउर झूठ सब फर्क डालेला , अउर भगवान के आज्ञाकारिता के नां आज्ञा ना माने से अलग करे खातिर आज्ञाकारिता के पहचान करे में कवनो दिक्कत नइखे। कवनो भी हालत में , उ एकमात्र न्या याधीश बनल रहेला जेकर राय उनकर हर प्राणी के अनन्त भविष्य के फैसला करी , काहे कि उनकर चयन के लक्ष्य अद्वितीय बा अउर उनकर अनन्त जीवन के प्रस्ताव विशेष रूप से ईसा मसीह के माध्यम से प्राप्त होला। धरती पर गुजरल खाली अनन्त चुनल लोग के एह चयन के संभावना के पेशकश करे खातिर जायज बा। आस्था भयंकर प्रयास आ त्याग के फल ना ह , बलुक एगो प्राकृतिक अवस्था के फल ह जवन प्राणी के जन्म से मिलल बा भा ना मिलल बा। बाकिर जब ओकर अस्तित्व होला त ओकरा के भगवान के पोषण करे के पड़ी ना त ऊमर जाला आ गायब हो जाला .

सच्चा आस्था एगो दुर्लभ चीज ह। काहे कि आधिकारिक ईसाई धर्म के धोखा देवे वाला पहलू के विपरीत , कवनो प्राणी के कब्र के ऊपर क्रॉस लगावल

काफी नइखे ताकि ओकरा खातिर स्वर्ग के फाटक खुल सके। अउर हम एकरा के एह से इशारा करत बानी काहे कि बात के अनदेखी कईल गईल लागत बा , यी शु मत्ती 7:13-14 में घोषणा कइले बाड़न : " *संकरी फाटक से प्रवेश करीं। काहेकि* ***विनाश के ओर जाए वाला फाटक चौड़ा आ चौड़ा बा*** *, अउर बहुत लोग बा जे ओकरा से अंदर जाला । " लेकिन* ***संकरी फाटक बा आसंकुचित बा रास्ता जवन जीवन के ओर ले जाला*** *, आ ओकरा के पावे वाला कम लोग बा।* » बाइबल में एह शिक्षा के अउरी पुष्टि यहूदी लोग के बेबिलोन में निर्वासित करे के उदाहरण में कइल गइल बा , काहे कि परमेश्वर के अपना चुने के लायक खाली दानियल अउर उनकर तीन साथी अउर पांच शक्तिशाली राजा मिलेला ; आ इजकिएल जे ओह समय में जियत बाड़े। तब हमनी के इजकि . 14:13 से 20: “ आदमी के बेटा , अगर कवनो देश हमरा खिलाफ बेवफाई क के पाप करी , आ हम ओकरा खिलाफ आपन हाथ बढ़ा के ओकरा खातिर रोटी के लाठी तोड़ के ओकरा पर अकाल भेज देब , आ ओकरा से आदमी आ जानवर के काट देब , आ ई तीनों आदमी , ***नूह , दानियल आ अय्यूब*** *, ओकरा बीच में रहले ; प्र भु , YaHWéH अगर हम जंगली जानवर भेज के ओकरा के खतम कर दीं , आऊ जंगल बन जाव , आ ओह लोग के चलते केहू ओकरा से गुजर ना पाई , आई तीनों आदमी ओकरा में रहित , जइसे कि हम जीयत बानी , त* ***ऊ लोग ना त बेटा आना बेटी के बचाई , बाकिर ऊ लोग खाली उद्धारित*** *, आऊ देश जंगल बन जाई आ कहब, भा अगर हम ओह देश के खिलाफ तलवार ले आवत रहीं . 'एक तलवार देश से गुजरे खातिर ,' आ ओकरा से आदमी आ जानवर दुनु के काट के , आई तीनों आदमी ओकरा में रहले , जइसे कि हम जीयत बानी , प्रभु यहोवा कहत बाड़न , ऊ लोग ना त बेटा आ बेटी के बचाई , बलुक ऊ* ***लोग*** *खाली* ***उद्धार पाई*** *it , जइसे कि हम जीयत बानी , प्रभु यहोवा कहत बाड़न कि ऊ लोग ना त बेटा के बचाईत ना बेटी के , बाकिर ऊ लोग खाली उद्धार पाईत* ***प्रभु याहवेह कहत बाड़न , ऊ लोग ना त बेटा के बचाईत ना बेटी के , बाकिर ऊ लोग अपना धार्मिकता से आपन आत्मा के बचावत .*** "हमनी के एह तरह से पता चलेला कि जलप्रलय के समय जहाज से सुरक्षित आठ लोग में से खाली नूह के उद्धार के लायक पावल गईल। "

यीशु मत्ती में भी कहले बाड़न। 22:14: " *काहेकि बहुत लोग के बोलावल गइल बा ,* ***लेकिन कम लोग चुनल गइल बा।*** " एकर कारण बस पवित्रता के उच्च स्तर से बतावल गइल बा जवन परमेश्वर के मांग कइल गइल बा , जे हमनी के दिल में पहिला स्थान लेवे के चाहत बा या कुछ भी ना। एह आवश्यकता के परिणाम दुनिया के मानवतावादी सोच के विरोध में बा जवन आदमी के सबकुछ से ऊपर राखेला। प्रेरित याकूब हमनी के एह विरोध के खिलाफ चेतावनी देत कहले बाड़न कि : " *हे व्यभिचारी लोग ! का रउवां नइख जानत कि* ***दुनिया से दोस्ती परमेश्वर से***

दुश्मनी ह *? एह से जे दुनिया के दोस्त बने के चाहत बा उ अपना के परमेश्वर के* ***दुश्मन बनावेला*** */* " यीशु हमनी के मत्ती 10 में भी बतावेलन। 10:37: " ***जे प्यार करेला।*** *" हमरा से बेसी ओकर बाप भा माई* ***हमरा लायक नइखे*** *, आ* ***जे प्रेम करेला*** *हमरा से बेसी ओकर बेटा भा बेटी* ***is not worthy of me*** ." त, अगर रउआ कवनो दोस्त के ईसा मसीह द्वारा माँगल गइल एह धार्मिक मानदंड के पूरा करे खातिर आमंत्रित करीं , त आश्चर्य मत करीं कि उ रउआ के कट्टरपंथी कहत बा ; इहे हमरा साथे भइल , अउर हम तब समझ गईनी कि हमरा लगे खाली यीशु ही एगो सच्चा दोस्त के रूप में रहले ; उ, " *सच्चा* " प्र काशितवाक्य 3:7 के। रउआ के कट्टरपंथी भी कहल जाई , काहे कि रउआ अपना के परमेश्वर के प्रति सीधा देखावत बानी , एगो कानूनवादी , काहे कि रउवां अपना आज्ञाकारिता से उनकर सबसे पवित्र नियम से प्यार करेनी अउर सम्मान करेनी इ, कुछ हद तक, प्रभु यीशु के खुश करे खातिर देवे के मानवीय कीमत होई , जवन हमनी के आत्मत्याग अउर हमनी के पूरा भक्ति के एतना लायक बा कि उ मांगत बाड़े।

आस्था भगवान से ओकर गुप्त विचार तब तक ले पावेला जब तक कि ओकरा विलक्षण योजना के विस्तार के पता ना चल जाव . आ उनकर समग्र योजना के समझे खातिर चुनल आदमी के ओह स्वर्ग दूतन के आकाशीय जीवन के ध्यान में राखे के पड़ी जवन पार्थिव अनुभव से पहिले के रहे। काहे कि एह आकाशीय समाज में , प्राणी के बंटवारा अउर परमेश्वर के प्रति वफादार अच्छा स्वर्गदूतन के चयन सूली पर चढ़ावल मसीह में विश्वास पर या उनकर अस्वीकार पर ना कइल गइल जइसन कि धर ती पर होई। इ एह बात के पुष्टि करेला कि सार्वभौमिक स्तर पर , बिना पाप के रहल मसीह के सूली पर चढ़ावल परमेश्वर खातिर शैतान अउर उनकर अनुयायी लोग के निंदा करे के **साधन ह अउर धरती पर , ईसा मसीह में विश्वास ओह साधन के प्रतिनिधित्व करेला** जवन परमेश्वर द्वारा चुनल गइल बा ताकि उ अपना चुनल लोग खातिर जवन प्रेम महसूस करेला , उ लोग उनकरा से प्यार करेला अउर उनकरा कदर करेला। उनकर पूर्ण आत्मत्याग के एह प्रदर्शन के **मकसद ई रहे कि ऊ विद्रोही आकाशीय आ पार्थिव प्राणी के कानूनी रूप से मौत के सजा दे सके जवन उनकर अस्तित्व के भाव के साझा ना करे।** आ अपना पार्थिव प्राणियन में ऊ ओह लोग के चुनेला जे ओकरा विचारन के गले लगावेला , ओकरा काम आ फैसला के मंजूर करेला , काहे कि ऊ लोग ओकरा अनंत काल के साझा करे लायक बा . अंत में ऊ अपना सगरी स्वर्गीय आ पार्थिव प्राणी के दिहल आजादी से पैदा भइल समस्या के समाधान कर चुकल होखी काहे कि एह आजादी के बिना ओकरा चुनल प्राणी के प्रेम बेकार आ असंभव तक हो

जाई . दरअसल , आजादी के बिना जीव एगो रोबोट से बेसी कुछ ना होला , जवना के व्यवहार स्वचालित होला। बाकिर आजादी के कीमत , अंत में , विद्रोही स्वर्गीय आ पार्थिव जीव के सफाया होखी .

इ साबित करेला कि विश्वास एगो साधारण बात पर आधारित नइखे : " *प्रभु यीशु पर विश्वास करीं अउर रउवां के उद्धार हो जाई* । " बाइबिल के ई शब्द "विश्वास " क्रिया के तात्पर्य का पर आधारित बा : ईश्वरीय नियम के पालन , जवन सच्चा विश्वास के विशेषता ह। भगवान खातिर लक्ष्य अइसन प्राणी खो जल होला जे प्रेम से उनकर बात मानेला। ऊ ओह लोग के स्वर्गीय स्वर्गदूतन के बीच आ अपना पार्थिव मानवीय प्राणी के बीच में पा लेले बाड़न ; ऊ ओह लोग के चुनले बाड़न आ कृपा के समय के अंत तक चुनत रहीहें .

सही समय खातिर खाना

जइसे मनुष्य के शरीर के जीवन लंबा करे खातिर पोषण के जरूरत होला , ओसहीं ओकरा आत्मा में पैदा होखे वाला विश्वास के भी ओकर आध्यात्मिक पोषण के जरूरत होला। ईसा मसीह में परमेश्वर के दिहल प्रेम के प्रदर्शन के प्रति संवेदनशील हर इंसान बारी - बारी से ओकरा खातिर कुछ करे के इच्छा महसूस करेला। बाकिर हमनी के कइसे अइसन काम कर सकीले जवन ओकरा के नीक लागे अगर हमनी के ना मालूम होखे कि ऊ हमनी से का उम्मीद करत बा . एह सवाल के जवाब ही हमनी के आस्था के पोषण के गठन करी। काहे कि " *बिना विश्वास के भगवान के खुश कइल असंभव बा* " इब्रानियों के अनुसार। 11:6 के बा। बाकिर एह आस्था के अबहियों ओकरा उम्मीद का अनुरूप होखे से ओकरा के जिंदा आखुश करे वाला बनावे के पड़ी . काहे कि सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर एकर समापन करे वाला आ एकर न्यायाधीश हवें। मसीही विश्वासियन के भीड़ स्वर्ग के भगवान के साथे

बढ़िया संबंध बनावे खातिर तरसेला , लेकिन ई संबंध असंभव बा काहे कि उनकर विश्वास के ठीक से पोषण नइखे भइल। समस्या के जवाब हमनी के मत्ती 24 अउर 25 में दिहल गइल बा , यीशु आपन शिक्षा हमनी के अंतिम दिनन पर केंद्रित करेलन , जवन उनकर दूसरा प्रकट होखे के समय से कु छ समय पहिले के ह, अबकी बेर उनकर ईश्वरीयता के महिमा में। उ एकर वर्णन दृष्टांत में बिम्बन के गुणा करके कइले बाड़न : अंजीर के पेड़ के दृष्टांत , मत्ती 24:32 से 34 में ; रात के चोर के दृष्टांत , मत्ती 24:43 से 51 में ; दस कुंवारी के दृष्टांत , मत्ती 25:1 से 12 में ; टोलेंट के दृष्टांत , मत्ती 25:13 से 30 में ; भेड़ आबकरी के दृष्टांत , मत्ती में। 25:31 से 46. एह दृष्टांतन में से " *भोजन* " के जिक्र दू बेर आवेला : रात के चोर के दृष्टांत में अउर भेड़ - बकरी के दृष्टांत में काहे कि , प्रकट भइला के बावजूद , जब यीशु कहत हउवें , " *हम भूखल रहनी , अउर तू हमरा के खाना देले रहलू* ", त उ हमनी से आध्यात्मिक भोजन के बारे में बात करेलन , जवना के बिना आदमी के विश्वास मर जाला। " *काहेकि आदमी खाली रोटी से ना जिएला बल्कि परमेश्वर के मुँह से निकले वाला हर वचन से जिएला* . मत्ती 4:4"। विश्वास के भोजन के उद्देश्य प्रकाशितवाक्य 20 के " *दूसरा मौत* " से ओकरा के बचावल बा , जवन अनन्त काल तक जिए के अधिकार के नुकसान के कारण बन जाला।

एह चिंतन के हिस्सा के रूप में आपन नजर आध्यान रात के चोर के एह दृष्टांत के ओर निर्देशित करीं :

V.42: “ *एह से जागल रहऽ , काहे कि तू नइखऽ जा नत कि तोहार प्रभु कवना दिन आवे वाला बाड़न .*”

ईसा मसीह के वापसी के बिसय परिभाषित कइल गइल बा आ इनके "उम्मीद " उत्तरी अमेरिका के संयुक्त राज्य अमेरिका में , 1831 से 1844 के बीच , एगो आध्यात्मिक जागरण के भड़का दिही।एकरा के "एडवेंटिज्म " कहल जाला , एह आंदोलन के सदस् य लोग के खुद अपना समकालीन लोग द्वारा "एडवेंटिस्ट " शब्द से नाँव दिहल गइल बा ; लैटिन भाषा के "एडवेंटस " से लिहल शब्द जेकर मतलब होला : आगमन।

V.43: “ *बाकिर ई जान लीं कि अगर घर के मालिक के मालूम रहित कि चोर कवना रात के प्रहर में आई त ऊ पहरा देत रहित आअपना घर में घुसे ना देत .*”

एह श्लोक में " *घर के मालिक* " ऊ चेला हवे जे यीशु के वापसी के इंतजार करत बा , अउर " *चोर* " खुद यीशु के संदर्भित करेला। एह तुलना के साथ , यीशु हमनी के अपना वापसी के तारीख के जाने के फायदा देखावत बाड़न। एहसे ऊ हमनी के ई पता लगावे खातिर प्रोत्साहित करेला आहमनी के उनुकर सलाह सुनला से उनुका से हमनी के रिश्ता के कंडीशन हो जाई .

V.44: “ *एह से तोहनी के भी तइयार रहे के चाहीं , काहे कि आदमी के बेटा ओह घड़ी में आवे वाला बा जब रउआ उम्मीद ना कइले बानी .*”

एह श्लोक में क्रिया के भविष्य के समय के सुधारले बानी काहे कि मूल यूनानी में ई क्रिया वर्तमान काल में बाड़ी सऽ। दरअसल , ई शब्द यीशु अपना समकालीन चेलन से कहले बा ड़न जे एह विषय पर उनकरा से सवाल उठावेलन। प्रभु , अंत के समय , एह "एडवेंटिस्ट " विषय के उपयोग मसीही लोग के भविष्यवाणी के विश्वास के परीक्षा में डाल के छानने खातिर करीहें ; एकरा खातिर ऊ समय के साथ क्रम से संगठित करीहें , चार गो "एडवेंटिस्ट " अपेक्षा ; हर बेर आत्मा द्वारा दिहल गइल एगो नया रोशनी से धर्मी ठहरावल गइल , पहिला तीन गो दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के भविष्यवाणी के ग्रंथन से संबंधित।

V.45: “ *त एगो विश्वासी आ बुद्धिमान सेवक के ह, जेकरा के ओकर मालिक अपना घर में शासक बनवले बा , जवन समय पर ओह लोग के खाना देवे ?*”

सावधा न रहीं कि अपना निर्णय में गलती मत होखीं , काहे कि एह श्लोक में जवन " *भोजन* " के जिक्र कइल गइल बा ऊ फिलहाल रउरा आँख के सोझा बा . हँ , इहे दस्तावेज ह जवना के हम "दानियल आप्रकाशितवाक्य के बारे में बताईं " के नाम दिहले बानी जवन एह आध्यात्मिक " *भोजन* " के गठन करेला जवन राउर विश्वास के पोषण करे खातिर अनिवार्य बा , काहे कि ई यीशु मसीह से , ओह सवालन के सब जवाब ले आवेला जवन रउआ वैध रूप से पूछ सकेनी , आ एह जवाबन से परे , अप्रत्याशित प्रकाशन , जइसे कि ईसा मसीह के वापसी के सही तारीख जवन हमनी के बसंत तक प्रतिबद्ध करेला 2030 में चउथा आअंतिम "एडवेंटिस्ट " "अपेक्षा " में भइल .

एह श्लोक से व्यक्तिगत रूप से चिंतित होखला के नाते , हम एह दस्तावेज के सच्चाई के परमेश्वर के प्रति आपन वफादारी अउर अपना विवेक के फल के रूप में प्रस्तुत करत बानी , काहे कि हम यीशु मसीह के वापसी से आश्चर्यचकित ना होख ल चाहत बानी। यीशु इहाँ अंत के समय के बारे में आपन योजना के खुलासा करेलन। ऊ एह समय खातिर योजना बनवले बाड़न , एगो " *भोजन* " जवन अपना चुनल लोग के विश्वास के पोषण करे खातिर उपयुक्त होखे जे निष्ठा से उनकर गौरवशाली वापसी के इंतजार करेला। आई " *भोजन* " भविष्यवाणी के बा।

V.46: “ *धन्य बा ऊ नौकर , जेकरा के ओकर मालिक* ***<u>अइला पर</u>*** *अइसन करत पाई !*”

उनकर गौरवशाली वापसी के संदर्भ इहाँ पुष्टि भइल बा , ई चउथा "एडवेंटिस्ट " अपेक्षा के बा। संबंधित सेवक वाकई में भगवान के प्रकट विचार के जान के पहिलही से बहुत खुश बा , यानी कि आदमी के

विश्वास प उनुकर फैसला। बाकिर ई आशीर्वाद ओह सब लोग के विस्तार आ चिंता करी जे एह आखिरी दिव्य प्रकाश के पा के बदले में एकर प्रचार करीहें आपूरा धरती पर बिखराइल चुनल लोग के साझा करीहें , जबले कि ईसा मसीह के वास्तविक वापसी ना हो जाई .

V.47: " *हम तोहसे सच कहत बानी कि ऊ ओकरा के अपना सब संपत्ति पर शासक बनाई।* "

प्रभु के संपत्ति , जब तक उनकर वापसी ना , आध्यात्मिक मूल्यन से संबंधित होई। आ सेवक ईसा खातिर बन जाला , जे ओकर आध्यात्मिक खजाना के रक्षक हवे ; उनकर ओरेकल आ उनकर प्रकट प्रकाश के अनन्य भंडार। एह पूरा दस्तावेज के पढ़ला के बाद रउवां देख सकीले कि हम उनकर बाइबिल के भविष्यवाणी के प्रकाशन के "खजाना " कहे में अतिशयोक्ति नइखी करत। हम एगो अउरी कवन नाम दे सकत बानी जवन प्रकटीकरण " *दूसरा मौत* " से बचावेला अउर अनन्त जीवन के रास्ता खोलेला ? काहे कि ई विश्वास आ उद्धार खातिर घातक संदेह के संभावना के खतम कर देला आखतम कर देला .

श् .48: " *लेकिन अगर उ दुष्ट सेवक अपना भीतर कहे कि , 'हमार मालिक अपना आवे में देरी कर देले बाड़े ,'"*

भगवान के बनावल जीवन द्विआधारी प्रकार के होला। हर चीज के आपन बिल्कुल उल्टा होला। आ भगवान मनुष्य के दू गो रास्ता पेश कइले , दू गो तरीका अपना चुनाव के संचालन करे के : *जीवन आ अच्छाई , मौत आ बुराई ; बढ़िया अनाज आ खरपतवार के खरपतवार ; भेड़ आ बकरी , रोशनी आ अन्हार* . एह श्लोक में , आत्मा दुष्ट सेवक के निशाना बनावेले , लेकिन एकरा बावजूद सेवक के , जवन परमेश्वर द्वारा ना पोसल गईल झूठा विश्वास के नामित करेला अउर सबसे ऊपर , झूठा मसीही विश्वास के नामित करेला जवन अंत में खुद एडवेंटिस्ट विश्वास तक पहुंच जाला अउर ओकरा बारे में , ह मनी के अंतिम समय में। अब ईसा मसीह से प्रकाश ना मिलत काहे कि ऊ ओह बात के मना कर दिहलन जवन 1982 से 1991 के बीच उनका सामने पेश कइल गइल रहे आजवन 1994 खातिर उनकर आवे के घोषणा कइले रहे , उहाँ के ई एडवेन्टिज्म , दुष्टता के फल पैदा करेला जवना के परिणामस्वरूप नवंबर 1991 में भगवान के दूत के विकिरण भइल।ध्यान दीं कि यीशु दिल के छिपल विचार के उजागर करेलन : " *जे **खुद में कहत बा*** "। काहे कि धार्मिक व्यवहार के बाहरी रूप बेहद धोखा देवे वाला होला ; धार्मिक औपचारिकता सच्चाई के प्रति जोश से भरल सच्चा जीवित विश्वास के जगह ले लेला।

V.49: "... *अगर ऊ अपना साथियन के पीटे लागे , अगर ऊ शराबी लोग के साथे खा - पीये* ,"

एह बिंदु पर छवि के तनी प्रतीक्षा कइल गइल बा , बाकी विकिरण शांति के समय में , बिरोध आ लड़ाई के

साफ -साफ बतावे ला जे आवे वाला असली उत्पीड़न के अभिव्यक्ति आओकरा से पहिले होला ; ई त बस समय के बात बा। 1995 से संस्थागत एडवेन्टिज्म " *शराबी लोग के साथे खात -पीयत " एतना हद तक* रहल बा कि ई विश्वव्यापी गठबंधन में प्रवेश क के प्रोटेस्टेंट आ कैथोलिक लोग के साथे गठबंधन कइले बा। काहे कि प्रकाशितवाक्य 17:2 में , कैथोलिक विश्वास के निशाना बनावत जवना के " *महान बेबिलोन* " कहल जाला , अउर प्रोटेस्टेंट विश्वास के " *धरती* " कहल जाला , आत्मा कहत बा : " ***ओकरा साथे*** *धरती के राजा व्यभिचार कइले , अउर* ***धरती के निवासी ओकर व्यभिचार के शराब*** *पीले* ***नशा में धुत्त हो गइल*** ."

V.50: " *...ओह नौकर के मालिक ओह दिन आई जब ओकरा से उम्मीद ना होई आजवना घड़ी ओकरा पता ना चली ,* "

तीसरा एडवेन्टिस्ट अपेक्षा से संबंधित प्रकाश के नकारला के परिणाम , अउर तारीख 1994, अंत में ईसा मसीह के सही वापसी के समय के अज्ञानता के रूप में , या ईश्वरीय योजना के चउथा एडवे न्टिस्ट अपेक्षा के रूप में प्रकट होला। ई अज्ञानता ईसा मसीह के साथे संबंध टूटला के परिणाम ह , एह से हमनी के निम्नलिखित निष्कर्ष निकाल सकेनी जा : एह दुखद स्थिति में रखल गइल एडवेंटिस्ट अब परमेश्वर के नजर में नइखे , या उनकर निर्णय में , "एडवेंटिस्ट " नइखन।

V.51: " *...उ ओकरा के टुकड़ा -टुकड़ा क के* ***पाखंडी लोग के*** *साथे हिस्सा दे दिही : उहाँ रोवे आदाँत चीरहरण होई।* "

छवि ओह क्रोध के दर्शावत बा जवन भगवान ओह झूठा सेवकन पर डाल दीहें जे ओकरा के धोखा दिहले बा . हम एह श्लोक में " ***पाखंडी*** " शब्द के नोट करत बानी जवना से आत्मा दान में झूठा मसीही लोग के नामित करेला। 11:34, लेकिन भविष्यवाणी द्वारा लक्षित समय के संदर्भ के समझे खातिर एगो व्यापक पढ़ल जरूरी बा , जवना में श्लोक 33 अउर 35 शामिल बा : " *अउर उनकरा में से ज्ञानी लोग बहुत लोग के शिक्षा दिही। कुछ लोग कुछ समय खातिर तलवार आलौ से , कै द में आलूटपाट से गिर जाई। जब उ लोग गिर जाई , ओह समय में उ लोग के तनी मदद मिली , अउर बहुत* ***लोग। " पाखंड में ओह लोग के साथे जुड़ जाई*** . *कुछ ज्ञानी लोग गिर जइहें , ताकि ऊ लोग परिष्कृत , शुद्ध आ सफेद हो सके ,* ***अंत के समय तक*** *, काहे कि ई निर्धारित समय तक ना आई।* " " *दुष्ट सेवक* " एह से ऊ होला जे भगवान , अपना मालिक के उम्मीद के धोखा देला , आ ऊ शामिल हो जाला , " *अंत के समय तक* ", " ***पाखंडी*** " के डेरा में । ऊ तब से , ओह लोग के साथे , भगवान के क्रोध के साझा करेला जवन अंतिम न्याय तक ओह लोग पर प्रहार करेला , जहाँ ऊ लोग के नाश हो जाला , " *आग के झील* " में

भस्म हो जाला जवन "*दूसरा मौत* "देला , के अनुसार अपो 20:15: "*जे भी जीवन के किताब में लिखल ना मिलल ओकरा के आगके झील में फेंक दिहल गईल* "।

सच्चा विश्वास के प्रकट कहानी

सच्चा आस्था के बा

सच्चा आस्था के विषय प बहुत कुछ कहे के बा , लेकिन हम एह पहलू के पहिलही प्रस्तावित क देब जवन हमरा प्राथमिकता के रूप में लागता। जे भी भगवान के साथे संबंध स्थापित कइल चाहत बा ओकरा ई जानल जरूरी बा कि धरती पर आस्वर्ग में जीवन के बारे में उनकर अवधारणा , धरती पर स् थापित हमनी के व्यवस्था के बेहद विपरीत बा जवन शैतान से प्रेरित घमंडी आ दुष्ट विचारन पर बनल बा ; ओकर दुश्मन , आ ओकर सच्चा चुनल लोग के। यीशु हमनी के सच्चा विश्वास के पहचान करे के साधन दिहलन : " ***रउवां उनकरा के फल से जानब*** . *का लोग काँट के झाड़ी से अंगूर बटोरेला , या कांटे से अंजीर ?* (मत्ती 7:16)"। एह कथन के आधार पर ई निश्चिंत रहीं कि जे भी उनकर नाम के दावा करेला आ जे उनकर कोमलता , उनकर सहायकता , उनकर आत्मत्याग , उनकर बलिदान के भावना , उनकर सच्चाई से प्रेम आ भगवान के आज्ञा के पालन करे के उत्साह के प्रस्तुत ना करेला , उ लोग कबो उनकर सेवक ना रहल आ कबो ना होई ; इहे ह जवन 1 कुरिन्थियों के 1 कुरिन्थियों 10:10। 13 सच्चा पवित्रता के करिश्मा के परिभाषित करके हमनी के सिखावेला ; जवन परमेश्वर के न्यायसंगत न्याय से माँगल जाला : पद 6: " *उ अन्याय में खुश ना होखेली , बल्कि* ***सच्चाई में आनन्दित होखेली।*** "".

केहू कइसे विश्वास कर सकेला कि सतावल गइल आ सतावे वाला के भगवान एके तरह से न्याय करेलें ? स्वेच्छा से सूली पर चढ़ावल गइल ईसा मसीह आ रोमन पोप के इन्किजिशन भा जॉन केल्विन में का समानता बा , जे मरद मेहरारू के मौत तक यातना दिहलन ? अंतर के अनदेखी करे खा तिर बाइबिल के लेखन के प्रेरित शब्दन के अनदेखी करे के पड़ी। बाइबल के पूरा दुनिया में फैलावे से पहिले इहे हाल रहे , लेकिन चूंकि इ धरती प हर जगह उपलब्ध बा , एहसे कवन बहाना मानवीय निर्णय के गलती के जायज ठहरा सकता ? कवनो नइखे। एह से आवे वाला दिव्य क्रोध बहुत बड़ आ बेकाबू होई।

साढ़े तीन साल के दौरान जवना दौरान यीशु अपना पार्थिव सेवा में काम कइलेन , उ सुसमाचार में हमनी के प्रकट कइल गइल बा , ताकि हमनी के परमेश्वर के विचार में सच्चा विश्वास के मानक के जान सकीले ; एकमात्र जवन महत्व राखेला . उनकर जीवन हमनी के एगो मॉडल के रू प में पेश कइल गइल बा ; एगो अइसन मॉडल जवना के नकल हमनी के करे के पड़ी ताकि हमनी के उनकर चेला के रूप में पहचानल जा सकें। एह गोद लेवे के तात्पर्य ई बा कि हमनी के उनकर अनन्त जीवन के अवधारणा के

साझा करेनी जा जवन उ प्रस्तावित करेलन। स्वार्थ के भगा दिहल जाला , जइसे कि विनाशकारी आ विनाशकारी घमंड भी। अनन्त जीवन में क्रूरता अउर दुष्टता के कवनो गुंजाइश नइखे जवन खाली चुनल लोग के चढ़ावल जाला जेकरा के खुद ईसा मसीह पहचानले बाड़े। उनकर व्यवहार शांतिपूर्ण रूप से क्रांतिकारी रहे , काहें से कि ऊ गुरु आ प्रभु , अपना समय के यहूदी धा र्मिक नेता लोग द्वारा प्रकट कइल गइल गर्वित मूल्यन के निंदा के ठोस अर्थ देवे खातिर , अपना के सभकर सेवक बना लिहलें , अपना के अपना चेला लोग के गोड़ धोवे के हद तक नीचे ले गइलें ; अइसन चीज जवन आज भी यहूदी आईसाई धार्मिक नेता लोग के विशेषता बा। बिल्कुल विरोध में , ईसा मसीह में प्रकट कइल गइल मानक अनन्त जीवन के मानक ह।

अपना सेवकन के आपन दुश्मन , परमेश्वर के झूठा सेवक के पहचाने के रास्ता देखा के , यीशु मसीह उनकर आत्मा के बचावे खातिर काम कइले। आ उनकर वादा , दुनिया के अंत तक, अपना चुनल लोग के " *बीच* " में , पूरा होला आओह लोग के पूरा सांसारिक जीवन में ओह लोग के ज्ञान आरक्षा करे में शामिल बा। सच्चा विश्वास के पूर्ण मापदंड इ ह कि भगवान अपना चुनल लोग के संगे रहेले। उ लोग कबो उनकर प्रकाश आउनकर पवित्र आत्मा से वंचित ना होखेलन। आ अगर भगवान पीछे हट जालें त एकर कारण बा कि चुनल लोग अब एक नइखे रहि गइल ; भगवान के न्यायसंगत न्याय में उनकर आध्यात्मिक स्थिति बदल गईल बा। काहे कि उनकर निर्णय मानव व्यवहार के अनुकूल हो जाला। व्यक्तिगत स्तर पर दुनो दिशा में बदलाव संभव रहेला : अच्छा से बुराई में या बुराई से अच्छा में। बाकिर धार्मिक समूह आ संस्था के सामूहिक स्तर पर अइसन नइखे , जवन तबे नीमन से बुराई में बदल जाला , जब ऊ भगवान के स्थापित बदलाव के अनुकूल ना होखे . अपना शिक्षा में , यीशु हमनी से कहत हउवें : " *अच्छा पेड़ बुरा फल ना दे सकेला , ठीक ओसही जइसे बुरा पेड़ अच्छा फल ना दे सकेला* (मत्ती 7:18)। एह तरह से उ हमनी के इ समझे के मौका देले कि , अपना घिनौना फल के चलते कैथोलिक धर्म एगो " *खराब पेड़* " ह अवुरी उ अपना झूठा सिद्धांत के माध्यम से अयीसन रही , तबहूँ जब राजतंत्र के समर्थन से वंचित होके लोग के सतावल बंद क दिही। आ ईहे हाल हेनरी अठवाँ द्वारा अपना व्यभिचार आ अप राध के जायज ठहरावे खातिर बनावल एंग्लिकन धर्म के साथ बा ; भगवान अपना वंशज , उत्तराधिकारी राजकुमारन के कवन मूल्य दे सकेलें ? केल्विनिस्ट प्रोटेस्टेंट धर्म के भी इहे हाल बा , काहें से कि एह संस्थापक जॉन केल्विन के डर रहे , काहें से कि उनके चरित्र के कठोरता के प्रति ष्ठा आ मौत के कई गो फांसी के सजा के कारण

जेकरा के ऊ अपना शहर जिनेवा में वैध बना दिहलें , अपना समय के कैथोलिक प्रथा सभ से बहुत मिलत जुलत तरीका से , इहाँ तक कि इनहन के आगे भी। एह प्रोटेस्टेंट धर्म के कोमल प्रभु यीशु मसीह के खुश करे के संभावना ना रहे , अउर एकरा के कवनो तरीका से सच्चा विश्वास के मॉडल के रूप में ना लिहल जा सकेला। ई अतना सही बा कि डेनियल के दिहल गइल अपना प्रकाशन में , भगवान प्रोटेस्टेंट सुधार के अनदेखी कइले बाड़न , खाली 1260 साल के पोप शासन के निशाना बनावत बाड़न , आ सेवेंथ -डे एडवेन्टिज्म के संदेशन के स्थापना के समय , ईश्वरीय प्रकट सच्चाई के वाहक , 1844 से लेके दुनिया के अंत तक , जवन आवेला , 2030 में।

ऐतिहासिक राक्षसी धार्मिक नकली सभ के पहलू भगवान के मंजूर मॉडल से मिलत जुलत होला , बाकी ई कबो एकर बराबरी ना करे लें। सच्चा विश्वास लगातार मसीह के आत्मा से पोषि त होला ; झूठा विश्वास ना होला। सच्चा विश्वास ईश्वरीय बाइबिल के भविष्यवाणी के रहस्य के समझा सकेला ; झूठा विश्वास ना कर सकेला। भविष्यवाणी के भीड़ व्याख्या दुनिया में घूमत बा , हर एक आखिरी से अधिका काल्पनिक। इनहन के बिपरीत , हमार व्याख्या खाली बाइबल के उद्धरण से मिलल बा ; एह से संदेश सटीक , स्थिर , सुसंगत आभगवान के बिचार के अनुरूप होला , जेकरा से ई कबो ना हट पावे ला ; आसर्वशक्तिमान भगवान एकर देखभाल करेलें।

दानियल के किताब खातिर तइयारी के नोट

दानियल नाम के मतलब होला भगवान हमार न्यायाधीश हवें। परमेश्वर के न्याय के ज्ञान विश्वास के एगो प्राथमिक आधार ह , काहे कि इ प्राणी के ओकर प्रकट अउर समझल इच्छा के आज्ञाकारिता के ओर

ले जाला , जवन कि हर समय उनकरा द्वारा आशीष पावे के एकमात्र शर्त ह। भगवान अपना प्रा णी से प्रेम के तलाश करेलन जे ओकरा के ठोस बनावेला आओकरा के अपना आज्ञाकारी विश्वास के माध्यम से देखावेला। एह से परमेश्वर के न्याय उनकर भविष्यवाणी के माध्यम से प्रकट होला जवन प्रतीक के प्रयोग करेला जइसे कि यीशु मसीह के दृष्टांत में। परमेश्वर के न्याय के सबसे पहिले दानियल के किताब से प्रकट कइल गइल बा , लेकिन इ खाली मसीही धार्मिक इतिहास पर उनकर न्याय के प्राथमिक आधार रखेला , जवन प्रकाशितवाक्य के किताब में विस्तार से प्रकट कइल जाई।

दानियल में , परमेश्वर बहुत कम प्रकट करेलन , लेकिन इ मात्रात्मक कम बहुत गुणात्मक महत्व के बा , काहे कि इ समग्र भविष्यवाणी प्रकाशितवाक्य के आधार के गठन करेला। भवन के आर्किटेक्ट लोग जानत बा कि निर्माण खातिर जमीन के तइयारी केतना निर्णायक आ निर्धारित करे वाला होला। भविष्यवाणी में , इहे भूमिका ह जवन भविष्यवक्ता दानियल के मिलल प्रकाशन के दिहल गइल बा । दरअसल , जब उनकर अर्थ साफ -साफ समझल जाला , त परमेश्वर **अपना अस्तित्व के साबित करे के** दोहरी उद्देश्य हासिल करेलन अउर अपना चुनल लोग के आत्मा द्वारा दिहल गइल संदेश के **समझे के कुंजी देवेलन।** एह में "छोट " फिर भी पावल जाले : दानियल के समय से ले के चार गो सार्वभौमिक दबंग साम्राज्य सभ के उत्तराधिकार के घोषणा (दानियल 2, 7 आ8); ईसा मसीह के पार्थिव सेवा के आधिकारिक तिथि निर्धारण (दान . 9); 321 में ईसाई धर्मत्याग के घोषणा (दान . 8), 538 से 1798 के बीच 1260 साल के पोप के शासन (दान . 7 आ 8); आ "एडवेंटिस्ट " गठबंधन (दान . 8 आ 12) 1843 से (2030 तक) के स्थापना भइल। हम एकरा में अउरी जोड़ देत बानी , दान। 11 जवन , जइसन कि हमनी के देखब जा , अंतिम स्थलीय परमाणु विश्वयुद्ध के रूप आविकास के उजागर करेला जवन अभी भी उद्धारकर्ता परमेश्वर के गौरवशाली वापसी से पहिले पूरा होखे के बा।

सूक्ष्म रूप से , प्रभु यीशु मसीह दानियल के नाम के उकसवले ताकि हमनी के नया वाचा खातिर एकर महत्व के याद दिआवल जा सके। *“ एह से जब तू उजाड़ के घिनौना बात के देखब , **जवना के बारे में दानियल भविष्यवक्ता** , पवित्र स्थान में खड़ा बा , त जे भी पढ़ेला , उ समझे !* (मत्ती 24:15)”

अगर यीशु दानियल के पक्ष में गवाही दिहलन त एकर कारण बा कि दानियल उनका से उनकर पहिला आगमन अउर उनकर गौरवशाली वापसी के बारे में शिक्षा प्राप्त कइले रहले , जवन कि उनका से पहिले के कवनो शिक्षा से अधिका मिलल रहे। हमार बात के साफ -साफ समझे खातिर इ

जानल जरूरी बा कि स्वर्ग से आइल मसीह अपना के पहिले दानियल के सामने "***माइकल***" नाम से पेश कईले रहले, दान में। 10:13-21, 12:3 अउर इ नाम यीशु मसीह प्रकाशितवाक्य 12:7 में ले लिहले बाड़न। ई नाँव "***माइकल***" एकरे लैटिन कैथोलिक रूप में मिशेल में ढेर जानल जाला, ई नाँव ब्रेटन फ्रांस के मशहूर मों ट सेंट -मिशेल के दिहल गइल बा। दानियल के किताब में संख्यात्मक विवरण जोड़ल गइल बा जवना से हमनी के उनकर पहिला आगमन के साल के बारे में जाने के मौका मिलेला। हम इहो निर्दिष्ट करत बानी कि "***माइकल***" नाम के मतलब होला : जे भगवान जइसन बा ; आ"***यीशु***" नाम के अनुवाद एह तरह से कइल गइल बा : YaHWéH बचावेला। दुनो नाम महान सृष्टिकर्ता भगवान से संबंधित बा, आकाशीय उपाधि में पहिला, पार्थिव उपाधि में दूसरा।

भविष्य के खुलासा हमनी के सोझा बहुस्तरीय निर्माण खेल के रूप में पेश कईल गईल बा। सिनेमा के सुरुआती दौर में कार्टून में रिलीफ इफे क्ट बनावे खातिर फिलिम निर्माता लोग कांच के प्लेट सभ के इस्तेमाल कइल जिनहन के अलग-अलग पेंट कइल पैटर्न एक बेर सुपरइम्पोज कइला पर बहुस्तरीय छवि बनावे ला। भगवान के द्वारा परिकल्पित भविष्यवाणी के साथे इहे हाल बा।

ई सब दानियल से शुरू होला

दानियल के किताब के बारे में बतावल गइल बा

रउआ जे एह किताब के पढ़त बानी , जान लीं कि असीमित सर्वशक्तिमान भगवान जिंदा बाड़े , हालांकि उ खुद के छिपावत बाड़े। " ***दानियल भविष्यवक्ता*** " के ई गवाही रउआ के एह बात के बारे में मनावे खातिर लिखल गइल बा। एह पर पुरान अउर नया वाचा के गवाही के मुहर बा काहे कि यीशु एकरा के उकसावत अपना चेलन के संबोधित शब्दन में कइले बाड़न। उनकर अनुभव एह अच्छा आन्यायी भगवान के क्रिया के उजागर करेला। अउर इ किताब हमनी के एह न्याय के खोज करे के अनुमति देले बा कि परमेश्वर अपना एकेश्वरवाद के धार्मिक इतिहास के , पहिला वाचा में यहूदी , फिर ईसाई , अपना नया वाचा में , यीशु मसीह के बहावल खून पर बनल , अपना युग के 3 अप्रैल , 30 अप्रैल के देले। " ***दानियल*** " से बेहतर परमेश्वर के न्याय के के प्रकट कर सकेला ? उनकर नाम के मतलब होला "भगवान हमार न्यायाधीश हवें। " ई जीयल अनुभव दंतकथा ना ह , बलुक उनकर निष्ठा के मॉडल के दिव्य आशीर्वाद के गवाही ह। भगवान ओकरा के ओह तीन लोग के बीच में पेश करेलन जेकरा के उ इजकिएल में दुर्भाग्य में बचाई। 14:14-20 के बा। चुनल गइल लोग के ई तीन प्रकार " ***नूह , दानियल , आअय्यूब*** "

हवें। परमेश्वर के संदेश हमनी के साफ -साफ बतावेला कि यीशु मसीह में भी अगर हमनी के एह मॉडलन से मिलत जुलत ना होखीं जा त उद्धार के दरवाजा हमनी खातिर बंद रही। इ संदेश ओह संकीर्ण रास्ता , संकरी रास्ता या संकरी फाटक के पुष्टि करेला , जवना से चुनल लोग के स्वर्ग में प्रवेश करे खातिर गुजरे के पड़ेला , यीशु मसीह के शिक्षा के अनुसार। " ***दानियल " अउर उनकर तीन साथी लोग*** के कहानी हमनी के सामने निष्ठा के मॉडल के रूप में प्रस्तुत कइल गइल बा जवना के परमेश्वर संकट के समय में बचावेला।

लेकिन दानियल के जीवन के एह कहानी में इहो बा , ती न शक्तिशाली राजा के धर्मांतरण जवना के परमेश्वर शैतान से छीन लेवे में सफल भईले , जवना के उ लोग पूरा अज्ञानता में पूजल रहले। भगवान एह सम्राट लोग के मानव इतिहास में अपना मुद्दा के सबसे ताकतवर प्रवक्ता बनवले , पहिला , लेकिन अंतिम भी , काहे कि ई मॉडल आदमी गायब हो जइहें आधर्म , मूल्य , नैतिकता , लगातार गिरत जात रहे। भगवान खातिर एगो आत्मा के छीन लिहल एगो लंबा संघर्ष ह आ राजा " ***नबूकदनेस्सर*** " के मामला एह तरह के एगो बेहद खुलासा करे वाला उदाहरण बा। इ यीशु मसीह के दृष्टांत के पुष्टि करेला , इ " ***अच्छा चरवाहा*** " जे अपना झुंड के छोड़ के खोवल भेड़ के खोज करेला।

दानियल 1 के बा

दान 1:1 के बा *यहूदा के राजा यहोयाकीम के शासन के तीसरा साल में बाबुल के राजा नबूकदनेस्सर यरूशलेम आके ओकर घेराबंदी कईले।*

1क- *यहूदा के राजा यहोयाकीम के शासन के तीसरे साल में*

यहोयाकीम के शासन काल – 608 से – 597 तक 11 साल तक – 605 में 3 साल ।

1ख- *नबूकदनेस्सर के नाम से जानल जाला*

इ राजा नबूकदनेस्सर के नाम के बेबिलोन अनुवाद ह, "नाबू हमरा बड़ बेटा के रक्षा करेले। " नाबू मेसोपोटामिया के ज्ञान आ लेखन के देवता हवें। ई पहिलहीं से साफ बा कि भगवान के इरादा बा कि ज्ञान आ लेखन पर ई शक्ति उनुका के बहाल कर दिहल जाव .

दान 1:2 *प्रभु यहूदा के राजा यहोयाकीम अउर परमेश्वर के घर के कुछ बर्तन के उनकरा हाथ में सौंप दिहलन। नबूकदनेस्सर ओह बर्तन के अपना देवता के घर में शिनार के देश में लेके अपना देवता के खजाना में रख दिहलन।*

2क- *यहूदा के राजा यहोयाकीम के प्रभु अपना हाथ में सौंप दिहले*

यहू दी राजा के भगवान के छोड़ल जायज बा। 2Ch.36:5: *यहोयाकीम पच्चीस साल के रहले जब उ राज करे लगले , अउर उ यरूशलेम में एगारह साल तक राज कईले। उ उनकर परमेश्वर यहोवा के नजर में बुराई के काम कईले .*

2ख- *नबूकदनेस्सर ओह बर्तन के अपना देवता के घर में शिनार के देश में ले के अपना देवता के खजाना में रखले।*

ई राजा एगो बुतपरस्त हवें ; ऊ सच्चा भगवान के नइखे जानत जवना के इस्राएल सेवा करेला , बाकिर ऊ अपना देवता के आदर करे के ध्यान राखेला : बेल। भविष्य में अपना धर्मांतरण के बाद उ दानियल के सच्चा परमेश्वर के सेवा उहे निष्ठा से करीहे।

दान 1:3 *राजा अपना नपुंसकन के प्रमुख अशपनाज के आज्ञा दिहलन कि उ इस्राएल के कुछ लोग , राजघराना के लोग आकुलीन लोग के ले आवे।*

दान 1:4 *बिना निर्दोष , मनभावन , बुद्धिमान , समझदार अउर विद्वान , राजा के महल में सेवा करे में सक्षम , अउर कसदी लोग के साहित्य अउर भाषा सिखावे वाला नवही।*

4क- राजा नबूकदनेस्सर दोस्ताना आ बुद्धिमान लउकेला , ऊ खाली यहूदी लइकन के अपना समाज आ ओकरा मूल्यन में सफलतापूर्वक शामि ल होखे में मदद करे के कोशिश करेला।

दान 1:5 *राजा उनकरा के हर दिन खातिर उनकरा मेज पर राखल खाना आ शराब के हिस्सा तय कइलन जवन ऊ पीयत रहले। ताकि उ तीन साल तक उ लोग के जिंदा कर सके , ताकि अंत में उ लोग राजा के सेवा करस।*

5क- राजा के नीमन नीयत साफ लउकत बा। ऊ अपना देवता से लेके अपना खाना तक जवन चढ़ावेला ऊ नवहियन से बाँटेला .

दान 1:6 *उनकरा में यहूदा के संतान में से दानियल , हनानिया , मिशाएल आअजर्याह भी शामिल रहले।*

6क- बेबिलोन के ओर ले जाइल गइल सब युवा यहूदी लोग में से , ओहमें से खाली चार गो आदर्श निष्ठा के

प्रदर्शन करीहें। एकरा बाद जवन आयोजन होला ऊ भगवान के आयोजन एह खातिर कइल जाला कि उनकर सेवा करे वाला आजेकरा के ऊ आशीर्वाद देला आजे उनकर सेवा ना करेला आजेकरा के ऊ अनदेखी करेला , ओह लोग के फल में अंतर के उजागर कइल जा सके .

दान 1:7 *नपुंसकन के सरदार उनकर नाम रखलन : दानियल के बेल्तसाजर। हनानिया के शद्राक के नाम से जानल जाला ; मिशाएल के मेशाक के नाम से जानल जाला ; आ अजरिया के अबेदनेगो के नाम दिहल गइल।*

7क- बुद्धि एह यहूदी युवा लोग के साझा होला जे विजेता के थोपल बुतपरस्त नाम के सहन करे खातिर सहमत होला। नाम दिहल श्रेष्ठता के निशा नी ह आ सच्चा भगवान के सिखावल सिद्धांत ह। उत्पत्ति 2:19: *आ परमेसु वर , जे जमीन से खेत के हर जानवर आहवा के हर चिरई के निर्माण कइले , उ लोग के आदमी के लगे ले अइले कि ऊ ओह लोग के का नाम दीहें। आआदमी हर जीव के जवन नाम देत रहे , उहे नाम रहे।*

7ख- दानियल "परमेशवर हमार न्यायाधीश हवें " के नाम बदल के बेल्तशस्सर रखल गइल : "बेल रक्षा करी "। बेल ओह शैतान के नामित करेला जवना के ई बुतपरस्त लोग , जे राक्षसी आत्मा के शिकार , पूरा अज्ञानता में सेवा करत रहे आसम्मान करत रहे।

हनानिया “अनुग्रह या याहवेह से दिहल ” आकू से प्रेरित “शद् राक ” बन जाला। आकू बेबिलोन में चंद्र देवता रहले।

मिशाएल “परमेशवर के धार्मिकता के ह ” मेशाक “जे आकु के ह ” बन जाला।

अजरियाह "द हेल्प या द एड इज याहवेह " "अबेद - नेगो " "नेगो के सेवक " बन जाला , आ उहाँ पहिलहीं से , कसदी लोग के सौर देवता।

दान 1:8 *दानियल ठान लिहलन कि राजा के खाना भा राजा के शराब से अपना के अशुद्ध ना कइलन , आऊ मुखिया नपुंसक से निहोरा कइलन कि ऊ अपना के अशुद्ध मत करसु .*

8क- हारला पर बुतपरस्त नाम **धारण कइल कवनो समस्या ना होला , बाकिर भगवान पर निंदा ले आवे के हद तक अपना के अशुद्ध कइल बहुत ज्यादा बा।** नवहियन के निष्ठा के चलते ऊ लोग *राजा के शराब आमांस से परहेज करेला* काहे कि ई सब चीज परंपरागत रूप से बेबिलोन में सम्मानित बुतपरस्त देवता लोग के सोझा पेश कइल जाला। उनकर जवानी अपरिपक्व बा अउर उ लोग अभी तक पौलुस के तरह तर्क नइखन करत , मसीह के विश्वासी गवाह जे झूठा देवता के कुछुओ ना मानत हउवें (रोमियन 14; 1 कुरिन्थियों 8)। बाकिर आस्था में कमजोर लोग के झटका देबे के डर से ऊ ओह लोग जइसन काम करेला . अगर उ उल्टा काम करेला त पाप ना करेला , काहे कि ओकर तर्क सही बा। भगवान पूरा ज्ञान आविवेक के साथ जानबूझ के

कइल गइल अशुद्धि के निंदा करेलन ; एह उदाहरण में बुतपरस्त देवता लोग के सम्मान करे के जानबूझ के चुनाव कइल गइल बा।

दान 1:9 *परमेश्वर दानियल के नपुंसकन के राजकुमार के नजर में अनुग्रह आअनुग्रह दिहलन।*

9क- नवहियन के विश्वास के प्रदर्शन भगवान के नाराज करे के डर से होला ; उ ओह लोग के आशीर् वाद दे सकेला।

दान 1:10 *नपुंसकन के राजकुमार दानियल से कहलस, "हम अपना मालिक राजा से डेरात बानी , जे तोहार खाना आ पेय पदार्थ तय कईले बा। उ तोहार चेहरा आपके उमिर के बाकी नवहियन के चेहरा से जादे उदास काहे देखाई ? तू हमार माथा राजा के सोझा राखब। "*

दान 1:11 *तब दानियल ओह अधिकारी से कहलन , जेकरा के प्रमुख नपुंसक दानियल , हन्नानिया , मिशाएल आ अजरिया के प्रभारी बनवले रहले।*

दान 1:12 *अपना सेवकन के दस दिन तक परीक्षण करऽ , आ उ लोग हमनी के सब्जी खाए खातिर आ पानी पीये खातिर देस।*

दान 1:13 *तब तू हमनी के चेहरा आराजा के खाना खाए वाला नवहियन के चेहरा देखब आ अपना नौकरन के साथे जवन देखत बानी ओकरा हिसाब से व्यवहार करब।*

दान 1:14 *उ उनकरा के जवन माँग कइले रहले , उ सब पूरा कर दिहलन आदस दिन तक उनकरा के परख दिहलन।*

दान 1:15 *दस दिन के अंत में उ लोग राजा के मांस खाए वाला सब नवही से बेहतर अवुरी मोट देखाई देले।*

15क- दानियल अउर उनकर तीन साथी के अनुभव के *" दस दिन "* के बीच एगो आध्यात्मिक तुलना कइल जा सकेला , प्रकाशितवाक्य 2:10 के *" स्मर्ना "* युग के संदेश में भविष्यवाणी के साल के उत्पीड़न के *" दस दिन "* के साथ। दरअसल , दुनो अनुभव में भगवान ओह लोग के छिपल फल के प्रकट करेलन जे अपना के अपना अनुयायी होखे के दावा करेलन।

दान 1:16 *भंडारी उनकर खाना आ शराब लेके चल गइलन आ सब्जी दे दिहलन।*

16क- एह अनुभव से पता चलत बा कि भगवान कइसे आदमी के मन पर काम कर सकेलें जेहसे कि ऊ अपना सेवकन के अपना पवित्र इच्छा का हिसाब से अनुग्रह कर सके . काहे कि राजा के भंडारी के जोखिम बहुते रहे आ भगवान के बीच में आवे के पड़ी जेहसे कि ऊ दानियल के दिहल प्रस्ताव के स्वीकार कर लेव . आस्था के अनुभव एगो सफलता ह।

दान 1:17 *परमेश्वर एह चारों नवहियन के ज्ञान , समझ, सब अक्षर में समझ आ बुद्धि दिहलन , अउर दानियल सब दर्शन अउर सपना के व्याख्या कइलन।*

17क- *भगवान एह चारो नवहियन के ज्ञान , सब अक्षर में समझ आबुद्धि दिहलन*

सब कुछ प्रभु के वरदान ह। जे ओकरा के ना जानेला ओकरा नइखे मालूम कि ऊ बुद्धिमान आज्ञानी होखे भा अज्ञानी आमूर्ख होखे केतना ओकरा पर निर्भर करेला .

1 7 ख- *आ दानियल सब दर्शन आ सब सपना के बारे में बतवले।*

सबसे पहिले आपन वफादारी देखावे वाला , दानियल के परमेश्वर के द्वारा सम्मानित कइल जाला जे ओकरा के भविष्यवाणी के वरदान देला। इ उ गवाही रहे जवन उ अपना समय में देले रहले , मिस्र के बंदी विश्वासी यूसुफ के। भगवान के पेशकश में से सुलेमान भी बुद्धि चुनले ; आएह चुनाव खातिर भगवान ओकरा के बाकी सब कुछ दे दिहलन , महिमा आधन। दानिय ल, बदला में , अपना वफादार परमेश्वर के बनावल एह ऊंचाई के अनुभव करीहें।

दान 1:18 *जवना समय राजा ओह लोग के ले आवे खातिर तय कइले रहले , तब नपुंसकन के राजकुमार ओह लोग के नबूकदनेस्सर के सामने पेश कइलन।*

दान 1:19 *राजा उनकरा से बात कइलन आसब नवही लोग में से दानियल , हना निया , मिशाएल आ अजरिया जइसन केहू ना मिलल आऊ लोग राजा के सेवा में शामिल हो गइल।*

दान 1:20 *राजा जवन भी बुद्धि आसमझ के विषय में पूछले , उ उ लोग के अपना पूरा राज्य में मौजूद सब जादूगर आ ज्योतिषी लोग से दस गुना बेहतर पावलन।*

20क- भगवान एह तरह से " *उनकर सेवा करे वाला आ उनकर सेवा ना करे वाला में अंतर देखावेलें* ," जवन माल में लिखल बा। 3:18 के बा। दानियल अउर उनकर साथी लोग के नाम पवित्र बाइबल के गवाही में प्रवेश करी , काहे कि उनकर विश्वास के प्रदर्शन दुनिया के अंत तक चुनल लोग के प्रोत्साहित करे खातिर मॉडल के काम करी।

दान 1:21 *राजा कोरस के पहिला साल तक दानियल भी अइसने रहलन।*

दानियल 2 के बा

दान 2:1 *नबूकदनेस्सर के शासन के दूसरा साल में नबूकदनेस्सर सपना देखले , अउर उनकर आत्मा बेचैन हो गईल , अउर उ नींद ना आवत रहे।*
1क- त , में – 604. भगवान राजा के मन में प्रकट होला।
दान 2:2 *तब राजा जादूगर , ज्योतिषी , जादूगर आकसदी लोग के बोलवा के आपन सपना बतावे खातिर भेजलन। उ लोग आके राजा के सोझा खड़ा हो गईले।*
2क- बुतपरस्त राजा तब ओह लोग के ओर मुड़ जाला जेकरा पर ऊ तब तक, भरोसा कइले बा , हर केहू अपना क्षेत्र के विशेषज्ञ होला।
दान 2:3 *राजा उनकरा से कहलस, "हम सपना देखले बानी , अउर हमार आत्मा परेशान बा , अउर हम सपना के जानल चाहत बानी।*
3क- राजा कहले : *हम ई सपना जानल चाहत बानी* ; ऊ एकर मतलब के बात नइखे करत .
दान 2:4 *कसदी लोग राजा के अरामी भाषा में जवाब दिहल , "हे राजा , हमेशा खातिर जियऽ ! अपना से वकन के बताईं , त हमनी के एकर व्याख्या बताइब जा। "*
दान 2:5 *राजा कसदीयन से कहलन, "हमरा से बात खतम हो गइल बा , अगर तू हमरा के सपना आओकर व्याख्या ना बताइब त तोहनी के टुकड़ा -टुकड़ा कर दिहल जाई आतोहनी के घर गोबर बना दिहल जाई।*
5क- राजा के अदम्यपन आ ऊ जवन चरम उपाय करेला ऊ असाधारण बा आ भगवान से प्रेरित बा जे ओहिजा बुतपरस्त चार्लेटिज्म के भ्रमित करे आ अपना वफादार सेवकन के माध्यम से आपन महिमा के प्रकट करे के साधन बनावेलें।
दान 2:6 *लेकिन अगर तू हमरा के सपना अउर ओकर व्याख्या बताइब त तोहके हमरा से वरदान अउर इनाम अउर बहु त सम्मान मिल जाई। एह से सपना आओकर व्याख्या बताईं।*
6क- ई *वरदान , उपहार , आ बड़हन सम्मान* , भगवान अपना वफादार चुनल लोग खातिर तइयार करेलें।
दान 2:7 *उ लोग दूसरा बेर जवाब देले , "राजा अपना नौकरन के सपना बतावे , त हमनी के एकर व्याख्या बता देब जा। "*
दान 2:8 *राजा कहलन, "हम सचमुच समझत बानी कि रउवां के समय मिल रहल बा , काहेकि रउवां देखत बानी कि उ बात हमरा से गुजर गईल बा। "*
8क- राजा अपना ज्ञानी लोग से कुछ अइसन मांगेला जवन कबो ना पूछल गइल होखे आऊ ओकरा के पूरा ना करेला।
दान 2:9 *अगर तू हमरा के सपना के बारे में ना बताईब त तो हनी सभे के उहे न्याय होई। काहे कि जबले समय ना बदल जाई तबले तू हमरा के झूठ आझूठ बतावे के तइयारी करत बाड़ऽ . एह से सपना बताईं , त हम जान जाईं कि तू हमरा के समझावे में सक्षम बाड़ू कि ना।*

9क- *रउआ हमरा के झूठ आ झूठ बतावे खातिर खुद के तइयार कइल चाहत बानी , जबकि समय बदले के इंतजार करत बानी*

एही सिद्धांत पर दुनिया के अंत तक सब झूठा द्रष्टा आभविष्यवक्ता अपना के समृद्ध करेला।

9ख- *एह से सपना बताईं , त हम जान जाईं कि तू हमरा के व्याख्या देवे में सक्षम बाड़ कि ना*

पहिला बेर ई तार्किक तर्क कवनो आदमी के मन में प्रकट होला . चार्लेटन के अपना भोला -भाला आ बेसी गुलगुला मुवक्किलन के जवन कुछ चाहीं ऊ बतावे में कवनो परेशानी ना होखे . राजा के निहोरा से ओह लोग के सीमा के पता चलेला।

दान 2:10 *कल्दी राजा के जवाब दिहलन , "पृथ्वी पर केहू नइखे जे बता सके कि राजा का पूछत बा। कवनो राजा , चाहे ऊ केतना भी बड़ होखे भा पराक्रमी , कबो कवनो जादूगर , ज्योतिषी भा कसदी से अइसन बात ना पूछले। "*

10क- ओह लोग के बात सही बा , काहे कि तब तक भगवान ओह लोग के नकाब खोले खातिर हस्तक्षेप ना कइले रहले , जेहसे कि ऊ लोग समझ सके कि ऊ एकमात्र भगवान हउवें आ ओह लोग के बुतपरस् त देवता कुछुओ ना हउवें आआदमी के हाथ आदिमाग से बनल मूर्ति ह जवन राक्षसी आत्मा के सौंप दिहल गइल बा .

दान 2:11 *राजा के निहोरा कठिन बा ; राजा के बतावे वाला केहू नइखे सिवाय देवता लोग के , जेकर निवास आदमी के साथे नइखे।*

11क- ज्ञानी लोग इहाँ एगो निर्विवाद सच्चाई के अभिव्यक्ति करेला। लेकिन इ कहे में उ लोग मान लेले कि *देवता लोग से उनकर कवनो संबंध नईखे* , जबकि हर समय उ लोग से ठग लोग सलाह लेवेले जे सोचेले कि उ लोग उनुका माध्यम से छिपल देवता से जवाब पा सकतारे। राजा के ओर से जवन चुनौती शुरू कईल गईल बा उ ओलोग के नकाब खोल देवेला। आएकरा के हासिल करे खातिर सच्चा भगवान के अप्रत्याशित आअनंत बुद्धि के जरूरत रहे , जवन सुलैमान में पहिलहीं से उदात्त रूप से प्रकट भइल रहे , ई दिव्य बुद्धि के मालिक।

दान 2:12 *तब राजा गुस्सा आ बहुत गुस्सा में आके अज्ञा दिहलन कि बाबुल के सब ज्ञानी लोग के नाश कर दिहल जाव।*

दान 2:13 *तब सजा सुनावल गइल आ ज्ञानी लोग के फांसी दिहल गइल आऊ लोग दानियल आउनकर साथियन के खोजत रहे ताकि ऊ लोग के नाश कर सके।*

13क- अपना सेवकन के मौत से पहिले रखला से ही भगवान राजा नबूकदनेस्सर के साथे महिमा में जिंदा कर दिहे। ई रणनीति एडवेन्टिस्ट आस्था के आखिरी अनुभव के भविष्यवाणी करेले जहाँ चुनल लोग एगो निर्धारित तारीख खातिर विद्रोहियन के फरमान जारी मौत के

इंतजार करी। लेकिन इहाँ भी स्थिति उल्टा हो जाई , काहे कि मुअल इ विद्रोही होईहे जवन एक दूसरा के मार दिहे जब शक्तिशाली अउर विजयी मसीह स्वर्ग में प्रकट होईहे ताकि उ लोग के न्याय करे अउर निंदा करे।

दान 2:14 *तब दानियल राजा के पहरेदार के सेनापति अरियोक से समझदारी आ बुद्धिमानी से बात कइलन जे बाबुल के ज्ञानी लोग के मारे निकलल रहले।*

दान 2:15 *तब उ राजा के सेनाप ति अरियोक से कहलन , "राजा के सजा एतना कड़ा काहे बा ? अरिओक दानियल के बात समझवले।*

दान 2:16 *तब दानियल राजा के पास जाके उनकरा से निहोरा कइलन कि उ राजा के एकर व्याख्या बतावे।*

16क- दानियल अपना स्वभाव आ अपना धार्मिक अनुभव के अनुसार काम करेला। ऊ जानत बा कि ओकर भवि ष्यवाणी के वरदान ओकरा के भगवान दिहले बाड़न , जेकरा पर ऊ आपन पूरा भरोसा राखे के आदत बा . राजा का पूछत बाड़े , ई जान के ऊ जानत बा कि भगवान के लगे जवाब बा , बाकिर का उनुका मर्जी में बा कि ऊ जवाब ओकरा के बतावे ?

दान 2:17 *तब दानियल अपना घरे जाके हन्नानिया , मिशाएल आ अजर्याह , उनकर साथी लोग के बतवले।*

17क- चारो नवही दानियल के घर में रहेलें। " *चिरई के लोग एक साथ झुंड बनावेला* " आ ई भगवान के सभा के प्रतिनिधित्व करेला। ईसा मसीह से पहिले भी , " *जहाँ दू -तीन लोग हमरा नाम से एक साथ जुट जाला , उहाँ हम ओह लोग के बीच में बानी* , " प्रभु कहत बाड़न। भाईचारा के प्रेम एह नवहियन के एकजुट करेला जे एकजुटता के सुन्दर भावना के प्रदर्शन करेला .

दान 2:18 *स्वर्ग के परमेश्वर से दया माँगे खातिर कि दानियल अउर उनकर साथी लोग के बाबुल के बाकी ज्ञानी लोग के साथे नाश ना होखे।*

18क- अपना जान खातिर अतना कड़ा खतरा के सामना करत , प्रखर प्रार्थना आईमानदारी से उपवास चुनल लोग के एकमात्र हथियार ह। उ लोग इ बात जानत बा अवुरी उ लोग अपना भगवान के प्रतिक्रिया के इंतजार करीहे , जवन कि ओलोग के एतना सबूत दे चुकल बाड़े कि उ ओलोग से प्यार करेले। दुनिया के अंत में मौत के फरमान से निशाना बनावल आखिरी चुनल लोग भी ओही तरह से काम करी।

दान 2:19 *तब रात में दानियल के सामने एगो दर्शन में इ राज प्रकट हो गईल। आदानियल स्वर्ग के परमेश्वर के आशीष दिहलन।*

19क- अपना चुनल लोग से पूछल गइल कि विश्वा सी भगवान उहाँ बाड़न , काहे कि ऊ दानियल आउनकर तीन गो साथियन खातिर आपन वफादारी के गवाही देबे खातिर परीक्षा के आयोजन कइले बाड़न ; एह क्रम में कि ओह लोग के राजा

के सरकार में उच्चतम पद पर ले आवल जा सके . ऊ अनुभव के बाद अनुभव एह राजा खातिर ओह लोग के अनिवार्य बना दी हें जवना के ऊ नेतृत्व करीहें आ आखिर में धर्मांतरण करीहें . ई धर्मांतरण ओह चार गो युवा यहूदी लोग के वफादार अउर निर्दोष व्यवहार के फल होई जेकरा के परमेश्वर एगो असाधारण मिशन खातिर पवित्र कइले बाड़न।

दान 2:20 तब *दानियल जवाब दिहलन , "परमेशवर के नाम हमेशा खातिर धन्य होखे।*

20क- एगो उचित प्रशंसा काहे कि उनकर *बुद्धि के प्रमाण* , एह अनुभव में , निर्विवाद रूप से देखावल गइल बा। उनकर *ताकत* यहोयाकीम के नबूकदनेस्सर के लगे पहुँचा दिहलस आ ई उनकर विचार ओह आदमी लोग के दिमाग पर थोप दिहलस जे उनकर परियोजना के पक्ष में रहे।

दान 2:21 *उ समय अउर मौसम के बदल देला , राजा के हटावेला अउर ओकरा के खड़ा करेला , बुद्धिमान लोग के बुद्धि देला अउर समझे वाला के ज्ञान देला।*

21क- एह श्लोक में भगवान पर आ ओकरा खातिर विश्वास करे के सभ कारण के साफ -साफ बतावल गइल बा। नबूकदनेस्सर अंत में तब धर्मांतरण करीहें जब ओकरा एह बातन के पूरा एहसास हो जाई।

दान 2:22 *उ गहिराह अउर छिपल चीजन के प्रकट करेला , अउर अन्हार में का बा , उ जानत हउवें अउर उजाला ओकरा साथे रहेला।*

22क- शैतान भी जवन गहिराह आ छिपल बा ओकरा के उजागर कर सकेला , लेकिन ओकरा में रोशनी नइखे। ऊ अइसन करेलन मनुष्य के सच्चे परमेश्वर से बहकावे आ ओकरा से दूर करे खातिर जे जब ऊ अइसन करेला त अपना चुनल लोग के बचावे के काम करेला , ओह लोग के ओह घातक जाल के उजागर करके जवन पार्थिव अन् हार के सजा पावे वाला राक्षसन के द्वारा बनावल गइल बा , जब से ईसा मसीह के पाप अउर मौत पर जीत भइल बा।

दान 2:23 *हे हमरा पुरखा लोग के परमेश्वर , हम तोहार महिमा आ स्तुति करत बानी , काहे कि तू हमरा के बुद्धि आ ताकत देले बाड़ , अउर हमरा के उ सब बात बता दिहनी जवन हमनी के तोहरी से चाहत रहनी जा।*

23क- बुद्धि आ ताकत भगवान में रहे , दानियल के प्रार्थना में , आ भगवान ओकरा के देले। हमनी के एह अनुभव में देखत बानी जा कि यीशु के सिखावल सिद्धांत पूरा भइल बा : " *माँगऽ त तोहके दिहल जाई* ." बाकिर समझल जात बा कि एह रिजल्ट के पावे खातिर याचिकाकर्ता के निष्ठा के सगरी परीक्षण के सामना करे के पड़ी . दानियल के मिलल ताकत राजा के सोच पर सक्रिय रूप ले ली जेकरा के एगो निर्विवाद स्पष्ट प्रमाण के अधीन कइल जाई जवन ओकरा के दानियल के

भगवान के अस्तित्व के स्वीकार करे खातिर मजबूर करी जवन ओकरा आ ओकरा लोग खातिर तब तक अनजान रहे /

दान 2:24 *एकरा बाद दानियल अरियोक के लगे गईले , जेकरा के राजा बाबुल के ज्ञानी लोग के नाश करे के आदेश देले रहले। उ जाके कहलस, " बाबुल के ज्ञानी लोग के नाश मत कर, हमरा के राजा के सोझा ले आव, त हम राजा के एकर व्याख्या देखा देब। "*

24क- ईश्वरीय प्रेम दानियल में देखल जाला , जे बुतपरस्त ज्ञानी लोग के जान पावे के बारे में सोचेला। ई फेरु से एगो अइसन व्यवहार ह जवन भगवान के भलाई आ करुणा के गवाही देला , पूरा विनम्रता के मन के स्थिति में। भगवान के संतुष्टि हो सकेला ; ओकर सेवक ओकरा विश्वास के काम से ओकर महिमामंडन करेला।

दान 2:25 *अरिओक जल्दी से दानियल के राजा के सामने ले अइले आ ओकरा से इ कहलन कि हमरा यहूदा के बंदी लोग में से एगो आदमी मिलल बा जे राजा के एकर व्याख्या बताई।*

25क- भगवान राजा के बहुत पीड़ा में रखले बाड़े अवुरी उनुका जवन जवाब चाहत रहले ओकरा के पावे के उम्मीद से उनुकर क्रोध तुरंत कम हो जाई।

दान 2:26 *राजा दानियल से कहलन, जेकर नाम बेल्तसाजर रहे , "का तू हमरा के उ सपना आ ओकर व्याख्या बता सकत बाड़ ?"*

26क- ओकरा के दिहल बुतपरस्त नाम से कुछुओ ना बदलेला। बेल्तशस्सर ना , दानियल ही उनुका के उम्मीद के मु ताबिक जवाब दिहे।

दान 2:27 *दानियल राजा के सामने जवाब दिहलन आ कहलन कि राजा जवन राज के मांग कइले बाड़न ऊ ज्ञानी , ज्योतिषी , जादूगर आ भविष्यवक्ता राजा के ना बता सकेलें।*

27क- दानियल ज्ञानी लोग के ओर से बिनती करेला। राजा ओह लोग से जवन मँगले ऊ ओह लोग के पहुँच से बाहर रहे।

दान 2:28 *लेकिन स्वर्ग में एगो परमेश्वर बाड़न जे गुप्त बातन के खुलासा करेलन अउर राजा नबूकदनेस्सर के बता देले बाड़न कि आखिर के दिन में का होई। इहे तोहार सपना ह, आ जवन दर्शन तू अपना बिछौना पर देखले रहलू।*

28क- ई शुरुआती व्याख्या नबूकदनेस्सर के चौ कस बनाई , काहे कि भविष्य के विषय हमेशा से आदमी के सतावत आ परेशान करत आइल बा , आ एह विषय पर जवाब पावे के संभावना रोमांचक आ दिलासा देबे वाला बा . दानियल राजा के ध्यान अदृश्य जीवित भगवान के ओर निर्देशित करेला , जवन कि मूर्त देवता के पूजा करे वाला राजा खातिर आश्चर्यजनक बा।

दान 2:29 *हे राजा , जब तू लेटत रहलू , तोहरा मन में विचार आइल कि एह समय के बाद का होई ; आ जे रहस्य बतावेला ऊ रउरा के बता दिहले बा कि का होई .*

दान 2:30 *ई राज हमरा सामने नइखे आइल काहे कि हमरा लगे सब जिंदा से अधिका बुद्धि बा। बाकिर एह से कि एकर व्याख्या राजा के बतावल जाव आरउरा मन के विचार के पता चल सके .*

30क- *अइसन नइखे कि हमरा में सब जीव से ऊपर बुद्धि बा। बाकिर अइसन बा कि एकर व्याख्या राजा के दिहल जा सके*

कर्म में एकदम सही विनम्रता के भाव। दानियल एक तरफ हट के राजा से कहेला कि ई अदृश्य भगवान ओकरा में रुचि राखेला ; ई भगवान ओह लोग से अधिका शक्तिशाली आ प्रभावी रहले जेकर सेवा ऊ तब तक कइले बाड़न . कल्पना करीं कि एह शब्दन के असर ओकरा मन आ दिल पर कतना बा .

30ख- 10 के बा। *आ ताकि तू अपना मन के विचार के जान सकी*

बुतपरस्त धर्म में सच्चा भगवान के अच्छाई अउर बुराई के मानक के अनदेखी कईल जाला। राजा लोग से कबो पूछताछ ना कइल जाला , काहे कि ओह लोग के बड़हन शक्ति के चलते ओह लोग से डर आ डर लागेला . सच्चा परमेश्वर के खोज से नबूकदनेस् सर के धीरे -धीरे अपना चरित्र के खामी के उजागर करे के मौका मिली ; जवन कि उनुका लोग में से केहू के हिम्मत ना होईत। पाठ हमनी के भी संबोधित बा कि हमनी के *अपना दिल के विचार के तबे जान सकेनी* जा जब भगवान हमनी के अंतरात्मा में काम करस।

दान 2:31 *हे राजा , तू देखनी कि एगो बड़हन मूर्ति देखनी। छवि अपार आ बेहद शानदार रहे ; ऊ तोहरा सोझा खड़ा रहे आ ओकर रूप भयानक रहे।*

31क- *रउआ एगो बड़हन मूर्ति देखनी ; ई मूर्ति अपार रहे , आ असाधारण वैभव के रहे*

मूर्ति महान पार्थिव साम्राज्य के उत्तराधिकार के चित्रण करी जवन यीशु मसीह के महिमा में वापसी तक एक दूसरा के पीछे चली , एही से एकर *अपार रूप* . एकर *वैभव* मनुष्य के दिहल धन , वैभव आ सम्मान से ढंकल लगातार शासकन के ह .

31ख- *ऊ तोहरा सामने खड़ा रहली , आ ओकर रूप भयानक रहे।*

मूर्ति के भविष्यवाणी कईल भविष्य सचमुच राजा *के सोझा बा ना कि ओकरा पीछे।* एकर भयानक रूप मानवीय मौत के भीड़ के भविष्यवाणी करे ला जे दुनिया के अंत ले मानव इतिहास के बिसेसता वाला लड़ाई आउत्पीड़न सभ के कारण होखी ; शासक लोग लाश के ऊपर से चलेला।

दान 2:32 *एह मूर्ति के सिर शुद्ध सोना के रहे। उनकर छाती आबाँहि चांदी के रहे। उनकर पेट आजां घ कांसा के रहे।*

३२क- *एह मूर्ति के सिर शुद्ध सोना के रहे*

दानियल एकर पुष्टि पद 38 में करीहे , *सोना के सिर* खुद राजा नबूकदनेस्सर हवे। ई प्रतीक उनकर विशेषता ह काहे कि पहिले ऊ सच्चा सृष्टिकर्ता भगवान के धर्मांतरण करी आविश्वास के साथ सेवा करी। सोना 1 पतरस 1:7 में शुद्ध विश्वास के प्रतीक ***ह /*** उनकर लंबा शासन धार्मिक इतिहास के चिन्हित करी आबाइबल में एकर उल्लेख के जायज ठहराई। एकरा अलावा ऊ पार्थिव दबंग लोग के उत्तराधिकार के निर्माण के ***प्रमुख के गठन करेलें।*** भविष्यवाणी के शुरुआत उनुका शासन के पहिला साल में होला - 605 में।

32ख- *उनकर छाती आबाँहि चांदी के रहे*

चांदी के कीमत सोना से कम बा। बिगड़ जाला , लेकिन सोना अपरिवर्तनीय रहेला। हमनी के मानवीय मूल्यन के गिरावट देख रहल बानी जा जवन मूर्ति के वर्णन के ऊपर से नीचे तक के पालन करेला। 539 ईसा पूर्व से कल्दी साम्राज्य के बाद मा दी आफारसी के साम्राज्य होखी।

32ग- *उनकर पेट आजांघ कांसा के रहे*

कांसा के कीमत भी चांदी से कम होला। ई तांबा आधारित धातु के मिश्र धातु हवे। ई भयानक रूप से बिगड़ जाला आसमय के साथ रूप बदल जाला। ई चाँदी से भी कठोर होला , खुद सोना से भी कठोर होला , जवन अकेले बहुत नमनीय रहेला। कामुकता भगवान के चुनल बिम्ब के केंद्र में होला , बाकी ई मानव प्रजनन के बिम्ब भी हवे। यूनानी साम्राज्य , काहे कि ऊ वाकई में वइसने बा , वाकई में बहुते प्रखर साबित होखी , मानवता के ओकर बुतपरस्त संस्कृति दे दी जवन दुनिया के अंत ले चली . ढलल आढाला कांसा से बनल यूनानी मूर्तियन के अंत ले लोग प्रशंसित रहीहें . लाशन के नग्नता के खुलासा होला आ ओकर भ्रष्ट नैतिकता असीम बा ; ई सब यूनानी साम्राज्य के पाप के एगो ठेठ प्रतीक बनावेला जवन मसीह के वापसी तक सदियन आसहस्राब्दी तक चलेला । दान .11:21 से 31 में , यूनानी रा जा एन्टिओकस चउथा , जेकरा के एपिफेनीस के नाम से जानल जाला , जे 175 से 168 के बीच "7 साल " तक यहूदी लोग के सतावे वाला रहलन , के एगो प्रकार के रूप में प्रस्तुत कइल जाई जेकरा से पहिले ऊ एह अध्याय के भविष्यवाणी वाला कथन में पोप के सतावत रहलन। एह श्लोक 32 में ओह साम् राज्यन के समूहबद्ध कइल गइल बा आक्रमिक रूप से उकसा दिहल गइल बा जवन रोमन साम्राज्य के ओर ले जाला।

दान 2:33 *उनकर गोड़ लोहा के ह; उनकर गोड़ के हिस्सा लोहा के आकुछ हिस्सा माटी के।*

33क- *ओकर गोड़ , लोहा के*

चउथा भविष्यवाणी कइल साम्राज्य में रोम के साम्राज्य के बिसेसता बा कि लोहा से बिम्बित अधिकतम सख्त होखे। इहो धातु सभ में सभसे फूहड़ होला जे ऑक्सीडाइज हो जाला , जंग लागे ला आनष्ट हो जाला। इहाँ फेरु से गिरावट के पुष्टि होला आओकरा के अउरी बढ़ावल जाला। रोमन लोग मुश्रिक हवें ; ऊ लोग हारल दुश्मनन के देवता अपनावेला . ए ही तरे यूनानी पाप , ओह लोग के विस्तार के माध्यम से , अपना साम्राज्य के सभ लोग में फइल जाई।

३ ३ ख- *ओकर गोड़ , कुछ लोहा के आकुछ माटी के*

एह चरण में माटी के एगो हिस्सा एह कठोर वर्चस्व के कमजोर कर देला। एकर सफाई सरल आ ऐतिहासिक बा। 395 में रोमन साम्राज्य टूट गइल आ एकरे बाद *मूर्ति के गोड़ के दस गो अंगूरी दस गो स्वतंत्र ईसाई राज्य सभ* के स्थापना पूरा करी बाकी सभके रोम के बिशप के धार्मिक संरक्षण में रखल गइल जे 538 से पोप बन जइहें।एह दस गो राजा लोग के हवाला दान में दिहल गइल बा। 7:7 अउर 24 में दिहल गइल बा।

दान 2:34 *तू तब तक देखत रहलू जब तक कि बिना हाथ के पत्थर ना काटल गईल , अवुरी मूर्ति के लोहा अवुरी माटी के गोड़ प मार के ओकरा के टुकड़ा -टुकड़ा क देलस।*

३ ४ क- प्रहार करे वाला पत्थर के छवि पत्थर से मार के मौत के प्रथा से प्रेरित बा। प्राचीन इस्राएल में दोषी पापी लोग के फांसी देवे के मानक इहे ह। एह से ई पत्थर सांसारिक पापी लोग के पत्थर मारे खातिर आवेला। परमेश्वर के क्रोध के अंतिम विपत्ति प्रकाशितवाक्य 16:21 के अनुसार ओला के पत्थर होई। इ मूर्ति मसीह के गौरवशाली ईश्वरीय वापसी के समय पापी लोग के खिलाफ कार्रवाई के भविष्यवाणी करेले। जेक में बा। 3:9, आत्मा मसीह के एगो पत्थर के मूर्ति देले बा , जवन मुख्य आधारशिला ह, जवना से परमेश्वर आपन आध्यात्मिक इमारत के निर्माण शुरू करेलन : *काहे कि देखऽ , जवन पत्थर हम यहोशू के सामने रखले बानी , एक पत्थर में सात गो आँख बा , देखऽ , हम खुद ओकरा पर उत्कीर्णन उकेरब , सेना के प्रभु कहत हउवें ; आहम ओह देश के अधर्म के , एके दिन में , हटा देब।* फेर हम जेक में पढ़नी। 4:7: *हे महान पहाड़ , जरुब्बाबेल के सामने तू के हउअ? रउरा के लेवल बनावल जाई . ऊ चिल्लाहट के बीच सिर के पत्थर बिछा दिहें : कृपा , कृपा करऽ एकरा पर !* एही जगह पर , पद 42 अउर 47 में , हमनी के पढ़ेनी जा कि *उ हमरा से कहले , तू का देखत बाड़ ? हम कहनी , हम देखनी त देखनी कि सोना के एगो मोमबत्ती लागल बा , जवना के*

ऊपर एगो कटोरा बा , आओकरा ऊपर सात गो दीया बा , ***आदीया के ऊपर से दीया खातिर सात गो पाइप बा*** *: ... काहे कि जे लोग शुरुआती शुरुआत के दिन के तिरस्कार करत रहे , उ लोग जब जरुब्बाबेल के हाथ में गिरल देख के खुश होई।* ***ई सात गो प्रभु के आँख ह जवन पूरा धरती पर इधर-उधर दौड़त बा*** . एह संदेश के पुष्टि करे खातिर हमनी के प्रकाशितवाक्य 5:6 में इ मूर्ति मिली , जवना में पत्थर अउर दीप क के सात आँख के परमेश्वर के मेमना यानी यीशु मसीह के जिम्मेदार ठहरावल गइल बा : *अउर हम सिंहासन के बीच में अउर चारों जीव के बीच में अउर बुजुर्ग लोग के बीच में एगो मेमना के उहाँ खड़ा देखनी जइसे कि मारल गइल होखे। एकर सात गो सींग आ सात गो आँख रहे जवन* ***परमेश्वर के सात गो आत्मा हवें जवन पूरा धरती में भेजल गइल रहे।*** पापी लोग के न्याय खुद भगवान द्वारा कइल जा रहल बा , *कवनो मानव हाथ* हस्तक्षेप ना करेला।

दान 2:35 *तब लोहा , माटी , पीतल , चांदी आसोना के टुकड़ा-टुकड़ा हो गइल आ गर्मी के कुटनी के भूसा नियर हो गइल। आहवा ओह लोग के ले गइल आओह लोग खातिर कवनो जगह ना मिलल . बाकिर मूर्ति पर जवन पत्थर लागल ऊ एगो बड़हन पहाड़ बन के पूरा धरती पर भर गइल .*

35क- *तब लोहा , माटी , कांसा , चांदी आसोना के टुकड़ा-टुकड़ा हो गइल आ गर्मी के कुटनी के भूसा नियर हो गइल। हवा ओह लोग के लेके चल गइल आ ओह लोग के कवनो निशान ना मिलल .*

मसीह के वापसी में , सोना , चांदी , कांसा , लोहा आ माटी से प्रतीकित लोग के वंशज सभे अपना पाप में रह गइलन आ उनुका द्वारा नाश होखे लायक रहलन आ मूर्ति एह विनाश के भविष्यवाणी करत बा।

35ख- *बाकिर मूर्ति पर जवन पत्थर लागल रहे ऊ एगो बड़हन पहाड़ बन गइल आ पूरा धरती पर भर गइल*

एपोकैलिप्स से पता चल जाई कि इ घोषणा तब तक पूरा ना होई जब तक कि *हजार साल* के स्वर्गीय न्याय के बा द , चुनल लोग के नवीकरण भईल धरती प नियुक्ति के संगे , प्रकाशितवाक्य 4:20, 21 अउर 22 में।

दान 2:36 *इहे सपना ह, हमनी के राजा के सामने एकर व्याख्या बताइब जा।*

36क- राजा के आखिरकार ऊ सुनल जाला जवन ऊ सपना देखले रहले . अइसन जवाब के आविष्कार ना कइल जा सके काहे कि ओकरा के धोखा दिहल असंभव रहे . जे ओकरा के एह बातन के बखान करेला ओकरा एह से खुदे उहे दर्शन मिलल बा . आऊ राजा के निहोरा के जवाब भी अपना के बिम्बन के व्याख्या करे आ ओकर अर्थ देवे में सक्षम देखा के देला।

Dan 2:37 *हे राजा , तू राजा लोग के राजा हउअ, काहेकि स्वर्ग के परमेश्वर तोहरा के एगो राज्य , शक्ति , शक्ति आमहिमा देले बाड़न।*

37क- हम एह श्लोक के बहुत सराहत बानी जहाँ हमनी के दानियल के ताकतवर राजा के अनौपचारिक रूप से संबोधित करत देखत बानी जा , जवन कि हमनी के विकृत आ भ्रष्ट दिन में कवनो आदमी करे के हिम्मत ना करी। परि चित के अनौपचारिक प्रयोग अपमानजनक नइखे ; दानियल के कसदी राजा के प्रति सम्मान के एहसास होला। परिचित के अनौपचारिक प्रयोग खाली व्याकरणिक रूप हवे जेकर इस्तेमाल कौनों अलग-थलग बिसय द्वारा कौनों एकही तीसरा पक्ष से बात करे ला। आ"राजा कतनो महान होखे , ऊ आदमी से कम ना होखे " जइसन कि अभिनेता मोलियर अपना समय में कहले रहले . आ अनुचित औपचारिक इस्तेमाल के बहाव के जनम उनके समय में भइल लुई चौदहवाँ , गर्वित "सूरज राजा " के साथ।

37ख- *हे राजा , तू राजा लोग के राजा हउअ, काहे कि स्वर्ग के भगवान तोहरा के साम्राज्य देले बाड़े*

सम्मान से अधिका , दानियल राजा के एगो स्वर्गीय पहचान देला जवना से ऊ अनजान रहले। दरअसल , राजा लोग के स्वर्गीय राजा पार्थिव राजा लोग के राजा के निर्माण करे के प्रमाणित करेला। राजा लोग पर राज कइल शाही उपाधि के गठन करे ला। साम्राज्य के प्रतीक " *चील के पंख* " बा जवन एकरा के दान में पहिला साम्राज्य के रूप में विशेषता दिही। 7 के बा।

37ग- के *सत्ता , 1999 के बा।*

ई भीड़ पर हावी होखे के अधिकार के निर्दिष्ट करे ला आएकरा के मात्रा में , मने कि द्रब्यमान में नापल जाला।

एकरा से कवनो ताकतवर राजा के चक्कर आसकेला आ ओकरा में घमंड भर सकेला . राजा अंत में घमंड के सामने हार मान लीहें आभगवान ओकरा के दान में प्रकट भइल अपमान के एगो कठोर परीक्षा के माध्यम से ओकरा के ठीक कर दीहें। 4. ओकरा एह विचार के स्वीकार करे के होई कि ओकरा आपन शक्ति अपना ताकत से ना मिलल , बलुक एहसे मिलल कि सच्चा भगवान ओकरा के देले बाड़े। दान में बा। 7, ई शक्ति मादी आ फारसी के *भालू* के प्रतीकात्मक छवि ले ली ।

सत्ता प्राप्त हो रहल बा , कबो -कबो , अपना भीतर आ अपना जीवन में एगो शून्यता महसूस करके , पुरुष आत्महत्या कर लेलें। सत्ता आदमी के एगो बड़हन सुख पावे के कल्पना कर देला जवन कबो ना आवे . "बिल्कुल नया , बिल्कुल नया " कहावत बा , लेकिन इ एहसास ढेर दिन तक ना चलेला। आधुनिक जीवन में मशहूर , प्रशंसित आ समृद्ध कलाकारन के अंत में प्रतीत होखे वाला ,

शानदार आगौरवशाली सफलता का बावजूद आत्महत्या हो जाला .

37घ- *ताकत के बा*

एकर मतलब होला क्रिया , जबरदस्ती के दबाव जवन प्रतिद्वंद्वी के लड़ाई में झुके के मजबूर करेला। बाकिर ई लड़ाई अपना खिलाफ चलावल जा सकेला . हमनी के तब चरित्र के ताकत के बात करेनी जा। ताकत के नापल गुणवत्ता आप्रभावशीलता में होला।

एकर प्रतीक भी बा : न्यायकर्ता 14:18 के अनुसार *शेर : " शेर से मजबूत का बा , या शहद से मीठ का बा* ?" शेर के ताकत ओकरा मांसपेशी में होला ; पंजा आ पंजा के , बाकिर खास कर के मुँह के , जवन अपना शिकार लोग के खाए से पहिले घेर लेला आदम घुट के राखेला . सिमशोन के ओर से पलिस्तीयन के सामने लगावल पहेली के एह जवाब के अप्रत्यक्ष खुलासा उनुका ओर से ओह लोग के खिलाफ बेजोड़ बल प्रयोग के परिणाम बन जाई।

37वीं - *आमहिमा के बा* .

ई शब्द उनकर पार्थिव आ स्वर्गीय अवधारणा में अर्थ बदल देला। नबूकदनेस्सर के एह अनुभव तक एगो मानवीय महिमा मिलल बा। धरती के सब प्राणी पर हावी होके भा ग्य तय करे के सुख। ओकरा पर बा कि ऊ स्वर्गीय महिमा के खोज करे जवन यीशु मसीह अपना के , मालिक आप्रभु , अपना सेवकन के सेवक बना के प्राप्त करीहें। अपना उद्धार खातिर ऊ अंत में एह महिमा आ एकर स्वर्गीय स्थिति के स्वीकार कर लीहें।

<u>दान 2:38</u> *उ लोग जहाँ भी रहेलन , उहाँ आदमी के संतान , खेत के जानवर आहवा के चिरई के तोहरा हाथ में सौंप देले बाड़े। आतोहरा के ओह सब पर शासक बनवले बा , तू सोना के सिर हउअ।*

38क- एह छवि के इस्तेमाल दान .4:9 में नबूकदनेस्सर के नामित करे खातिर कइल जाई।

38ख- *तू सोना के सिर हउअ।*

इ शब्द बतावेला कि परमेश्वर पहिले से जानत बाड़े कि नबूकदनेस्सर कवन चुनाव करीहे। ई प्रतीक , *सोना के सिर* , उनकर भविष्य के पवित्रीकरण अउर चुनाव के भविष्यवाणी करेला , अनन्त उद्धार खातिर। सोना 1 पतरस 1:7 के अनुसार शुद्ध विश्वास के प्रतीक ह : *ताकि रउवां के विश्वास के परीक्षा , नाश हो खे वाला सोना से भी अधिक कीमती होखे (हालांकि उ आग से परखल जाला), यीशु मसीह के प्रकटीकरण के समय स्तुति अउर महिमा अउर सम्मान के परिणाम होखे* । सोना , ई नमनीय धातु , वाकई में एह महान राजा के छवि ह जे सृष्टिकर्ता भगवान के काम से अपना के बदले के अनुमति देला।

दान 2:39 *तोहरा बाद तोहरा से नीच एगो अउरी राज्य आ पीतल के तीसरा राज्य पैदा होई जवन पूरा धरती पर राज करी।*

39क- समय के साथ मानव गुण में गिरावट आई; छाती के चांदी आ मूर्ति के दुनो बांह माथा के सोना से कम बा। नबूकदनेस्सर के तरह , मादी दारा धर्म परिवर्तन करीहें , कोरस द्वितीय फारसी भी एज्रा 1:1 से 4 के अनुसार , सब लोग दानियल से भी प्यार करेला ; आ उनकरा बाद एज्रा 6 आ 7 के अनुसार फारसी दारा आ आर्टजर्सेज I. परीक्षा में , उ लोग यहूदी लोग के परमेश्वर के अपना मदद खातिर आवत देख के खुश हो जइहें।

39ख- *तब तीसरा राज्य , जवन कांसा के होई , आ जवन पूरा धरती पर हावी होई।*

इहाँ यूनानी साम्राज्य खातिर स्थिति गंभीर रूप से बिगड़ जाला। कांसा , प्रतीक जवन एकर प्रतिनिधित्व करेला , अशुद्धि के नामित करेला , यानी *पाप* . दान के अध्ययन के बारे में बतावल गइल बा। 10 आ 11 से हमनी के ई समझे के मौका मिली कि काहे . बाकिर पहिलहीं से गणतंत्रवादी आजादी आ ओकर सगरी विकृत आ भ्रष्ट विचलन के आविष्कारक का रूप में जनता के संस्कृति पर सवाल उठत बा जवना के सिद्धांत का हिसाब से कवनो सीमा नइखे , एही से भगवान प्रो में कहले बाड़न . 29:18: *जहाँ कवनो प्रकटीकरण नइखे , उहाँ लोग बिना संयम के बा ; अगर उ लोग कानून के पालन करीहे त खुश होई !*

दान 2:40 *एगो चउथा राज्य होई , जवन लोहा निहन मजबूत होई , जईसे लोहा के टुकड़ा -टुकड़ा हो जाला अवुरी सभ चीज़ के टुकड़ा -टुकड़ा क देवेला , ओसही उ सभ चीज़ के टुकड़ा -टुकड़ा क के अलग-अलग हो जाई , जईसे लोहा सभ चीज़ के टुकड़ा -टुकड़ा क देवेला।*

40क- एह चउथा राज्य के साथे हालात बिगड़ जाला , जवन रोम के ह , जवन पिछला साम्राज्यन पर हावी हो जाई आ ओह लोग के सगरी देवता के अपनाई , जेहसे कि ऊ ओह लोग के सगरी नकारात्मक विशेषता जमा कर लेव , एगो नवीनता ले के आई, अदम्य कठोरता के *लोहा के* अनुशासन । एह से ई अतना कारगर हो जाला कि कवनो देश एकर विरोध ना कर सके ; एतना कि एकर साम्राज्य पच्छिम में इंग्लैंड से ले के पूरब में बेबिलोन ले फइल जाई। *लोहा* सही मायने में एकर प्रतीक ह , ओकर दुधारी तलवार , ओकर कवच आ ओकर ढाल से लेके , जेसे हमला में सेना भाला के नोक से भरल कारापेस के रूप ले लेला , जवन अपना दुश्मनन के अव्यवस्थित आबिखराइल हमला के खिलाफ भयावह रूप से प्रभावी होला।

दान 2:41 *जइसे तू गोड़ आ पैर के उंगली के कुछ हिस्सा कुम्हा र के माटी आ कुछ लोहा के देखले , ओइसहीं राज्य के बंटवारा होई , लेकिन ओकरा में लोहा के कुछ ताकत*

होई , काहे कि तू लोहा के माटी में मिला के देखले बाड़।

41क- दानियल एकरा के निर्दिष्ट नइखन कइले , बाकिर छवि बोलत बा। *गोड़ आ पैर के उंगली* एगो प्रमुख चरण के प्रतिनिधित् व करेला जवन बुतपरस्त रोमन साम्राज्य के बाद आई, जवना के प्रतीक *लोहा से बा* । बँटल ई रोमन साम्राज्य अपना टूटला के बाद बनल छोट - छोट राज्यन के लड़ाई के मैदान बन जाई। *लोहा आ माटी* के गठबंधन से ताकत ना , बंटवारा आकमजोरी पैदा होला। हम *कुम्हार के माटी पढ़त बानी* . कुम्हार जेर के अनुसार भगवान हवें। 18:6: *हे इस्राएल के घराना , का हम तोहरा साथे एह कुम्हार जइसन व्यवहार ना कर सकीले ? कहत बाड़न प्रभु। देखऽ , जइसे माटी कुम्हार के हाथ में बा , ओइसहीं तू हमरा हाथ में बाड़ू , हे इस्राएल के घराना !* ई माटी मानवता के शांतिपूर्ण घटक ह जवना से भगवान अपना चुनल लोग के चुन के सम्मान के बर्तन बनावेले।

दान 2:42 *आजइसे गोड़ के अंगूरी लोहा के हिस्सा आकुछ माटी के रहे , ओइसहीं राज्य कुछ हद तक मजबूत आ कुछ नाजुक होई।*

42क- ध्यान दीं कि रोमन *साम्राज्य* दुनिया के अंत तक चलल , भले ही रोमन साम्राज्य 395 में आपन एकता आ वर्चस्व खो देले रहे , एकर सफाई रोमन कैथोलिक आस्था के धार्मिक बहकावा के माध्यम से ओकर वर्चस्व वापस पावे में बा। एकर कारण रहे क्लोविस आ बीजान्टिन सम्राट लोग द्वारा रोम के बिशप के लगभग 500 में दिहल गइल सशस्त्र समर्थन।ई लोग उनकर प्रतिष्ठा आ उनकर नया पोप सत्ता के निर्माण कइल , जेकरा चलते ऊ 538 से ईसाई चर्च के पार्थिव मुखिया बन गइलें , बाकी खाली आदमी के नजर में।

दान 2:43 *तू लोहा के माटी में घुलल देखनी , काहेकि उ लोग के साथी में मिलावल जाई , लेकिन उ लोग एक दूसरा से ना चिपक पाई , जईसे लोहा माटी से ना मिला ई।*

43क- *पैर के दस गो अंगूरी* दान .7 :7 अउर 24 में *दस सींग बन* जाई।शरीर आ गोड़ के बाद , उ अंतिम दिन में , यानी हमनी के समय में यूरोप के पश्चिमी ईसाई राष्ट्रन के प्रतिनिधित्व करेला। यूरोपीय राष्ट्रन के पाखंडी गठबंधन के निंदा करत भगवान 2600 साल पहिले ओह समझौतान के नाजुकता के खुलासा कइले रहले जवन वर्तमान यूरोप के लोग के एकजुट करेला , जवन ठीक "रोम के संधि " के आधार पर एकजुट बा .

दान 2:44 *आ एह राजा लोग के समय में स्वर्ग के परमेश्वर एगो अइसन राज्य के स्थापना करीहें जवन कबो नाश ना होई आ ना कवनो लोग ओकरा के छोड़ी , आ ऊ टु कड़ा -टुकड़ा होके एह सब राज्यन के नष्ट कर दी आऊ हमेशा खातिर खड़ा रही।*

44क- *इन राजा लोग के समय में*
बात के पुष्टि हो गईल बा , *दस पैर के उंगली* मसीह के गौरवशाली वापसी के समकालीन बा।
44ख- *स्वर्ग के भगवान एगो अइसन राज्य के खड़ा करीहें जवन कबो नाश ना होई*
चुनल लोग के चयन यीशु मसीह के नाम से उनकर सेवा के बाद से कइल गइल बा , उनकर पहिला धरती पर आवे के समय , जेकरा के उ बचावेला उनकर पाप के प्रायश्चित करे खातिर। लेकिन एह मंत्रालय के बाद के दू हजार साल के दौरान , ई चयन शैतानी खेमा द्वारा विनम्रता अउर उत्पीड़न में पूरा भइल । आ 1843 के बाद से , जेकरा के यीशु बचावेला , ओकर संख्या कम बा , जइसे कि दान के अध्ययन। 8 आ 12 के पुष्टि होखी .
चुनल लोग के चयन में बितावल 6,000 साल के समय के अंत के साथ , 7वीं सहस्राब्दी अनंत काल के सब्त के दिन खाली ओह चुनल लोग खातिर खोल देला जेकरा के आदम अउर ह व्वा के बाद से यीशु मसीह के खून से छुड़ावल गइल बा। सब के चयन उ लोग के बहुत वफादारी खातिर कइल गइल होई , काहे कि भगवान विश्वासी अउर आज्ञाकारी मनुष्य के अपना साथे ले जालन , शैतान , उनकर विद्रोही स्वर्गदूत अउर आज्ञा ना माने वाला मनुष्य के उनकर आत्मा के पूरा नाश में छोड़ देलन।
४४ग- *आजवन दोसरा जनता के वर्चस्व में ना आई*
काहे कि एहसे धरती पर मानवीय वर्चस्व आ उत्तराधिकार के अंत हो जाला .
44घ- *ऊ एह सब राज्यन के तोड़ के नष्ट कर दी , आऊ खुद हमेशा खातिर खड़ा हो जाई*
आत्मा "अंत " शब्द के जवन अर्थ देला , ओकरा के बतावेला ; एगो निरपेक्ष अर्थ बा। समस्त मानवता के उन्मूलन हो जाई। अउर प्रकाशितवाक्य 20 में हमनी के पता चल जाई कि 7वीं सहस्राब्दी के दौरान का होला . हमनी के एह तरह से भगवान के योजना बनावल कार्यक्रम के खोज करब जा। उजाड़ धरती पर शैतान के कैदी बनावल जाई , बिना कवनो स्वर्गीय भा सांसारिक संगत के। आस्वर्ग में 1000 साल तक चुनल लोग दुष्ट मरल लोग के न्याय करी। एह 1000 साल के अंत में दुष्ट लोग के अंतिम न्याय खातिर जिंदा कईल जाई। जवन आग ओह लोग के नाश करी ऊ धरती के शुद्ध करी जवना के भगवान अपना सिंहासन आ अपना छुड़ावल चुनल लोग के स्वाग त करे खातिर ओकरा के महिमामंडन क के नया बनाई। एह से दर्शन के छवि अउरी जटिल कामन के संक्षेप में बतावेला जवन ईसा मसीह के प्रलय प्रकट करी।
<u>दान 2:45</u> *इहे पत्थर के मतलब ह, जवना के रउआ बिना हाथ के पहाड़ से काटल देखनी , जवन लोहा , कांसा , माटी , चांदी अवुरी सोना के टुक ड़ा -टुकड़ा क देलस। महान*

भगवान राजा के बता देले बाड़े कि एकरा बाद का होई। सपना तय बा , आओकर व्याख्या तय बा।
45क- अंत में , मसीह के *पत्थर से प्रतीकित होखे के बाद , हजार साल* के स्वर्गीय न्याय आअंतिम न्याय के निष्पादन , भगवान द्वारा बहाल कइल नया धरती पर , दर्शन में घोषित *महान पहाड़ अनन्त काल खातिर रूप आ जगह ले ली।*
दान 2:46 *तब राजा नबूकदनेस्सर मुँह पर गिर के दानियल के पूजा कइलन आ आदेश दिहलन कि उनकरा के बलिदान आ धूप चढ़ावल जाव।*
४६क- अभी भी बुतपरस्त , राजा अपना स्वभाव के अनुसार प्रतिक्रिया देवेले। दानियल से ऊ सब कुछ मिल गइल जवना के ऊ माँगले रहले , ऊ ओकरा सोझा झुक के अपना प्रतिबद्धता के सम्मान करेला . दानियल अपना प्रति जवन मूर्तिपूजा के काम करेला ओकर विरोध ना करेला। अबहीं उनुकर विरोध कइल आ पूछताछ कइल अबहीं जल्दबाजी बा . समय जवन भगवान के ह , उ आपन काम करी।
दान 2:47 *राजा दानियल से कहलन , "सचहूँ तोहार परमेश्वर देवता लोग के परमेश्वर अउर राजा लोग के प्रभु हउवें अउर गुप्त बातन के खुलासा करेलन।*
47क- राजा नबूकदनेस्सर के धर्मांतरण के ओर इ पहिला कदम रहे। ऊ एह अनुभव के कबो ना भुलाए जवन उनका के ई माने खातिर मजबूर करेला कि दानियल सच्चा भगवान के संपर्क में बाड़न , असल में *देवता लोग के भगवान आ राजा लोग के प्रभु के संपर्क में बाड़न* . बाकिर जवन बुतपरस्त टोली ओकर सहायता करी ऊ ओकरा धर्मांतरण में देरी करी . उनकर बात भविष्यवाणी के काम के प्रभावशीलता के गवाही देला। भगवान के शक्ति कि उ पहिले से कहे कि का होई , सामान्य आदमी के मजबूर करे वाला सबूत के दीवार के खिलाफ राखेला जवना के चुनल लोग झुक जाला अवुरी गिरल लोग विरोध करेला।
दान 2:48 *तब राजा दानियल के बढ़ावा दिहलन आ ओकरा के बहुते बड़हन वरदान दिहलन आ ओकरा के पूरा बाबुल प्रांत के शासक बना दिहलन आ बाबुल के सब ज्ञानी लोग के प्रमुख सेनापति बना दिहलन .*
48क- 10 के बा। नबूकदनेस्सर दानियल के साथे ओही तरह के व्यवहार कइलन जइसे फिरौन उनका से पहिले यूसुफ के साथे कइले रहले। जब ऊ लोग बुद्धिमान होखे आ जिद्दी से बंद आ बंद ना होखे त बड़का नेता लोग अनमोल गुण धारण करे वाला सेवक के सेवा के कदर करे के तरीका जानत बा . ऊ लोग आ ओह लोग के लोग ओह दिव्य आशीर्वाद के लाभार्थी ह जवन ओकरा चुनल लोग पर टिकल बा . एह तरह से सच्चा भगवान के बुद्धि से सभका फायदा होला।

दान 2:49 *दानियल राजा से कहले कि उ बाबुल प्रांत के राज्यपाल के पद शद्राक , मेशक अउर अबेदनेगो के देवे। अब दानियल राजा के दरबार में रहले।*

49क- ई चार गो नवही भगवान के प्रति अपना खास निष्ठावान रवैया से अपना के अलगा कर लिहले रहले , अपना साथे बेबिलोन आइल बा की यहूदी नवही से . एह कष्ट के बाद जवन सबके खातिर नाटकीय हो सकत रहे , जिंदा भगवान के मंजूरी लउकेला। हमनी के एह तरह से देखत बानी जा कि परमेश्वर उनकर सेवा करे वाला अउर ना करे वाला में जवन अंतर करेलन। ऊ अपना चुनल लोग के ऊंचा करेला जे अपना के योग्य देखा दिहले बा , सार्वजनिक रूप से , सभे लोग के नजर में .

दानियल 3 के बा

दान 3:1 *राजा नबूकदनेस्सर सोना के मूर्ति बनवले , जवना के ऊँचाई साठ हाथ रहे आ चौड़ाई छह हाथ रहे। उ एकरा के बाबुल प्रांत के दुरा घाटी में खड़ा कईले।*

3क- राजा के दानियल के जीवित भगवान से आश्वस्त हो गइल बा बाकिर अबहीं ले धर्मांतरण नइखे भइल। आ मेगालोमेनिया आजुओ उनुकर विशेषता बा . ओकरा के घेरले महापुरुष ओकरा के एह तरह से प्रोत्साहित करेलें जइसे कि दंतकथा में लोमड़ी कौआ के साथे करेले , ऊ लोग ओकर तारीफ करेला आ देव ता के रूप में पूजेला . साथ ही राजा अंत में अपना के कवनो देवता से तुलना करेले। ई कहल जरूरी बा कि बुतपरस्ती में बहाव आसान होला काहे कि बाकी झूठा देवता मूर्ति के रूप में स्थिर आजमल होलें जबकि ऊ राजा जिंदा होखला का चलते ओह लोग से पहिलहीं से श्रेष्ठ बा . बाकिर

मू र्ति खड़ा करे में ई सोना केतना खराब इस्तेमाल होला ! जाहिर बा कि पिछला दर्शन के अबहीं ले फल नइखे मिलल . शायद देवता के भगवान जवन सम्मान उनुका के देले बाड़े , उहो उनुका घमंड के कायम राखे अवुरी बढ़ावे में भी योगदान देले बा। 1 पतरस 1:7 के अनुसार परीक्षा से शुद्ध कइल गइल विश्वास के सोना के प्रतीक , दानियल के तीनों साथी में एह प्रकार के उदात्त विश्वास के उपस्थिति के प्रकट करी , एह अध्याय में बतावल गइल नया अनुभव में। इ एगो अइसन पाठ ह जवन परमेश्वर विशेष रूप से अंतिम एडवेन्टिस्ट परीक्षा के अपना चुनल लोग के संबोधित करेलन जब प्रकाशितवाक्य 13:15 में भविष्यवाणी कइल गइल मौत के फरमान उनकर जान लेवे वाला बा।

दान 3:2 *तब राजा नबूकदनेस्सर सात्रप , गवर्नर , गवर्नर , जज, कोषाध्यक्ष , मजिस्ट्रेट , जज आऊ प्रांत के सब शासकन के भेज के राजा नबूकदनेस्सर के मूर्ति के समर्पित करे खातिर बोलवले।*

2क- दान में दानियल के कष्ट के विपरीत। 6, अनुभव राजा के घेरले लोग के साजिश के चलते नईखे। इहाँ उनुका व्यक्तित्व के फल ही प्रकट होला।

दान 3:3 *तब सत्रप , गवर्नर , गवर्नर , जज, कोषाध्यक्ष , मजिस्ट्रेट , जज आऊ प्रांत के सब शासक , राजा नबूकदनेस्सर के बनावल मूर्ति के समर्पित करे खातिर इकट्ठा हो गइलन। उ लोग ओह मूर्ति के सामने खड़ा रहले जवन नबूकदनेस्सर बनवले रहले।*

दान 3:4 *एगो प्रचारक जोर से चिल्ला के कहलस, "हे लोग , जाति अउर भाषा , तोहनी के दिहल आज्ञा इहे ह।*

दान 3:5 *जब रउवां तुरही , बांसुरी , वीणा , संबुका , भजन, बैगपाइप आ हर तरह के वाद्ययंत्र के आवाज सुनब , त रउवा गिर के ओह सोना के मूर्ति के पूजा करब जवन राजा नबूकदनेस्सर बनवले बाड़े।*

५क- *जब तुरही के आवाज सुनब*

परीक्षा के संकेत *तुरही के आवाज से दिहल जाई* , ठीक ओसही जइसे यीशु मसीह के वापसी के प्रतीक प्रकाशितवाक्य 11:15 में 7वां *तु रही के आवाज से देखावल गइल बा* , अउर पिछला छह सजा के भी तुरही से प्रतीकित कइल गइल बा।

5ख- *रउआ प्रणाम करब*

सजदा इज्जत के शारीरिक रूप ह। प्रकाशितवाक्य 13:16 में , परमेश्वर एकर प्रतीक हवें आदमी के *हाथ से जवन जानवर के निशान पाई* , जवना में बुतपरस्त सूर्य के दिन के अभ्यास अउर सम्मान कइल शामिल बा जवन ईश्वरीय पवित्र सब्त के जगह ले लेले बा /

5c- *आरउरा एकरा के बहुते नीक लागी*

पूजा सम्मान के मानसिक रूप ह। प्रकाशितवाक्य 13:16 में , परमेश्वर एकर छवि ओह आदमी के *माथे में ह जवन जानवर के निशान पावेला* ।

ई श्लोक हमनी के ईसा मसीह के प्रलय में उद्धृत एह प्रतीकन के कुंजी के खोज करे के अनुमति देला। आदमी के *माथा आ हाथ* उनके बिचार आ उनकर काम के संक्षेप में बतावे ला आ चुनल लोग के बीच , ई प्रतीक सभ *जानवर के निशान* के बिरोध में *भगवान के मुहर पावे लें* , रोमन कैथोलिक धर्म के "अतवार " के साथ पहिचानल जाला , जेकरा के प्रोटेस्टेंट लोग द्वारा विश्वव्यापी गठबंधन में प्रवेश के बाद से स्वीकार कइल गइल आसमर्थन कइल गइल।

राजा नबूकदनेस्सर द्वारा थोपल गइल एह उपाय के पूरा संगठन के सृष्टिकर्ता परमेश्वर के सब्त के दिन के प्रति निष्ठा के परीक्षा में दुनिया के अंत में नवीनीकरण हो जाई। हर सब्त के दिन , चुनल लोग के काम करे से मना कइल आदमी के नियम के विरोध के गवाही होई। आ अतवार का दिने ओह लोग के थोपल आम पूजा में भाग लेबे से मना कइला से ओह लोग के विद्रोही के पहचान हो जाई जिनका से छुटकारा पावे के पड़ी . एकरा बाद फांसी के सजा सुनावल जाई। एह से ई प्रक्रिया पूरा तरह से मेल खात होई जवन दानियल के तीनों साथी लोग के अनुभव होई , खुद के परमेश्वर के द्वारा पूरा तरह से आशीष मिल जाई कि उ लोग पहिले से ही प्रदर्शित निष्ठा के काम करी।

हालाँकि , दुनिया के अंत से पहिले ई पाठ सबसे पहिले पुरान वाचा के यहूदी लोग के दिहल गइल जे लोग के 175 से 168 के बीच अइसने कष्ट के सामना करे के पड़ल , यूनानी राजा एन्टिओकस 4 द्वारा मौत के सतावल गइल , जेकरा के एपिफेनीस के नाँव से जानल जाला। आदान के नाम से जानल जाला . 11 गवाही दिही कि कुछ विश्वासी यहूदी लोग अपना सच्चा परमेश्वर के सामने घिनौना काम करे के बजाय मारल पसंद कईले। काहे कि , ओह दिनन में , भगवान ओह लोग के चमत्कारिक तरीका से बचावे खातिर हस्तक्षेप ना कइले , ओतना कि ऊ बाद में , रोम द्वारा मारल गइल ईसाई लोग खातिर।

दान 3:6 *जे भी गिर के पूजा ना करी , उ तुरते जरत आग के भट्ठी के बीच में फेंक दिहल जाई।*

6क- दानियल के साथी लोग खातिर खतरा *आग के भट्ठी ह* . मौत के इ धमकी मौत के अंतिम फरमान के छवि ह। लेकिन शुरुआत अउर अंत के दुनो अनुभव में अंतर बा , काहे कि अंत में , आग के भट्ठी भगवान के चुनल संतन के सतावे वाला आक्रमणकारी के अं तिम न्याय के सजा होई।

दान 3:7 *जब सब लोग तुरही , बांसुरी , वीणा , संबुका , आभजन के आवाज आहर तरह के वाद्ययंत्र के आवाज सुनल त सब*

लोग , जाति आभाषा गिर के ओह सोना के मूर्ति के पूजा कइल जवन राजा नबूकदनेस्सर बनवले रहलें।

7क- जनमानस के मानवीय कानून आ अध्यादेश के अधीन होखे के ई लगभग सामान्य आ सर्वसम्मति से व्यवहार आजुओ आस्था के आखिरी पार्थिव परीक्षा के समय ओह लोग के व्यवहार के भविष्यवाणी करेला। धरती के आखिरी सार्वभौमिक सरकार के भी ओही डर से मानल जाई।

दान 3:8 *ओह घरी कुछ कसदी लोग नजदीक आके यहूदी लोग पर आरोप लगवले।*

8क- भगवान के चुनल लोग शैतान के क्रोध के निशाना हवे , जवन ओह सब आत्मा पर राज करेला जवना के भगवान अपना चुनल लोग के रूप में ना पहचानेले। धरती पर ई शैतानी नफरत ईर्ष्या के रूप ले लेला आ साथे -साथे बहुत नफरत के भी। एकरा बाद ओह सब बुराई खातिर ओह लोग के जिम्मेदार ठहरावल जाला जवना से मानवता भोगेले , हालांकि एकरा उल्टा ही एह बुराई के समझावेला , जवन कि बस भगवान के ओर से ओह लोग के रक्षा ना होखे के परिणाम ह। चुनल लोग से नफरत करे वाला लोग ओह लोग के लोकप्रिय निंदा बनावे के साजिश रचेला जवना से ओह लोग के मार के छुटकारा पावे के पड़ी .

दान 3:9 *उ लोग राजा नबूकदनेस्सर से कहलन, "हे राजा , हमेशा खातिर जिंदा रहऽ।*

9क- शैतान के एजेंट दृश्य में प्रवेश करेला , कथानक अउरी साफ हो जाला।

दान 3:10 *तू एगो आज्ञा देले बाड़ऽ कि जे भी तुरही , बांसुरी , वीणा , संबुका , भजन, बैगपाइप आ हर तरह के वाद्ययंत्र के आवाज सुनत बा , ऊ नीचे गिर के सोना के मूर्ति के पूजा करस।*

10क- राजा के ओकर आपन बात आ ओकर राज अधिकार के क्रम के याद दिलावत बा जवना के आज्ञाकारिता जरूरी बा।

दान 3:11 *अउर कि जे भी गिर के पूजा ना करी , ओकरा के जरत आग के भट्ठी के बीच में फेंक दिहल जाई।*

11क- जान से मारे के धमकी भी याद कइल जाला ; चुनल संतन पर जाल बंद हो जाला।

दान 3:12 *कुछ यहूदी लोग बा जेकरा के तू बाबुल प्रांत के गवर्नर , शद्राक , मेशाक अउर अबेदनेगो के काम में रखले बाड़ऽ। हे राजा , ऊ लोग तोहार आदर ना करेला , ना तोहार देवता लोग के सेवा करेला , ना तोहरा बनावल सोना के मूर्ति के पूजा करेला।*

12क- ई अनुमान लगावे लायक रहे , चूंकि उच्च पद विदेशी यहूदी लोग के सौंपल गइल रहे , एहसे जवन विश्वासघाती ईर्ष्या जरावल गइल रहे ऊ आपन फल हत्यारा नफरत के प्रकट कइल तय रहे। आ एह तरह से भगवान के चुनल लोग के एकल कइल जाला आ लोकप्रिय प्रतिशोध से निंदा कइल जाला .

दान 3:13 *तब नबूकदनेस्सर गुस्सा आखिसिया के शद्राक , मेशक आअबेदनेगो के ले आवे के आदेश दिहलन। आएह लोग के राजा के सोझा ले आवल गईल।*
13क- याद रखीं कि ई तीनों आदमी नबूकदनेस्सर से उनकर राज्य में सबसे ऊँच पद प्राप्त कइले , काहे कि ऊ लोग उनका के उनकर लोग से अधिका बुद्धिमान , बुद्धिमान लउकत रहे। एही से ओकरा के " *चिड़चिड़ाहट आक्रोध* " के हालत में डाल दिहला से ओह लोग के असाधारण गुणन के क्षणिक भुलाए के बात हो जाई .
दान 3:14 *नबूकदनेस्सर जवाब दिहलन , "शद्राक , मेशक आ अबेदनेगो , का तू लो ग हमरा देवता लोग के सेवा ना करेलन आ ना ही हम जवन सोना के मूर्ति बनवले बानी ओकर पूजा ना करेनी ?*
14क- ऊत उनकर सवाल के जवाब तक के इंतजार भी ना करेला कि का रउवा जानबूझ के हमार आदेश के अवहेलना कर रहल बानी ?
दान 3:15 *अब तइयार रहीं आ ओह समय जब तू तुरही , बांसुरी , वीणा , साम्बुका , भजन, बैगपाइप आ हर तरह के वाद्ययंत्र के आवाज सुनब , त गिर के ओह मूर्ति के पूजा करीं जवन हम बनवले बानी , आ अगर तू ओकर पूजा ना करब त ओही घड़ी जरत आग के भट्ठी के बीच में फेंक दिहल जाई। आऊ देवता के ह जे तोहके हमरा हाथ से बचाई ?*
15क- अचानक एहसास होके कि ई लोग ओकरा खातिर केतना उपयोगी बा , राजा अपना सार्वभौमिक शाही आदेश के पालन करके ओह लोग के एगो नया मौका देवे खातिर तैयार हो जाला।
पूछल गइल सवाल के सच्चा भगवान से अप्रत्याशित जवाब मिली , जेकरा के नबूकदनेस्सर अपना शाही जीवन के गतिविधियन में फंसल भुला गइ ल लउकत बा। एतने ना , अफेयर के तारीख बतावे वाला कवनो बात नईखे।
दान 3:16 *तब शद्राक , मेशक आ अबेदनेगो राजा नबूकदनेस्सर के जवाब दिहलन , "हमनी के एह मामला में तोहरा के जवाब देवे के कवनो जरूरत नइखे।*
16क- अपना समय के सबसे ताकतवर राजा से कहल ई शब्द अपमानजनक आअनादर पूर्ण लागत बा , बाकिर ई बोले वाला ई आदमी विद्रोही लोग ना हउवें . एकरा उलट , उ लोग ओह जीवित परमेश्वर के आज्ञाकारिता के मॉडल हवें , जेकरा प्रति उ लोग विश्वासी रहे के दृढ़ता से फैसला कईले बाड़े।
दान 3:17 *देख , हमनी के परमेश्वर जेकर सेवा हमनी के करेनी जा , उ हमनी के जरत आगि के भट्ठी से बचावे में सक्षम बाड़े , अउर हे राजा , उ हमनी के तोहरा हाथ से बचाईहे।*
17क- राजा के विपरीत , चुनल गइल विश्वासी लोग उ प्रमाण के बरकरार रखले बा जवन भगवान उ लोग के देले बाड़े ताकि इ देखावल जा सके कि उ दर्शन के परीक्षा

में उ लोग के संगे रहले। एह निजी अनुभव के मिस्र के लोग से मुक्त भइल अपना लोग के गौरवशाली यादन आ ओह लोग के गुलामी से जोड़ के , एही वफादार भगवान के द्वारा , ऊ लोग राजा के अवहेलना करे खातिर एतना हिम्मत बा। इनकर दृढ़ संकल्प कुल बा , उहो ओह लोग के मौत के कीमत पर। लेकिन , आत्मा ओह लोग के आपन हस्तक्षेप के भविष्यवाणी करावेला : *ऊ हमनी के तोहरा हाथ से बचाई , हे राजा .*

दान 3:18 *लेकिन अगर ना , त हे राजा , तोहरा के पता चल जाव कि हमनी के तोहार देवता के सेवा ना करब जा , ना ही तोहार सोना के मूर्ति के पूजा करब।*

18क- आ अगर भगवान के मदद ना मिलल त ओह लोग खा तिर गद्दार आ कायर बन के जिए से बढ़िया बा कि ऊ लोग वफादार चुनल के रूप में मर जाव . ई निष्ठा यूनानी सतावे वाला द्वारा लगावल गइल परीक्षा में पावल जाई - 168. आओकरा बाद , पूरा ईसाई युग में सच्चा मसीही लोग के बीच जवन दुनिया के अंत तक भगवान के नियम के शैतानी आदमी के नियम से भ्रमित ना करी।

दान 3:19 *तब नबूकदनेस्सर क्रोध से भर गइलन आशद्राक , मेशाक आ अबेदनेगो के सामने उनकर चेहरा बदल गइल। उ जवाब देले अवुरी आदेश देले कि भट्ठी के गरम करे से सात गुना जादे गरम कईल जाए।*

19क- ई समझल जरूरी बा कि ई राजा अपना जीवन में कबो केहू के अपना फैसला के विरोध करत ना देखले रहले ना सुनले रहले ; जवन *ओकरा रोष आ चेहरा के रूप में बदलाव के जायज ठहरावेला* . शैतान ओकरा में घुस के ओकरा के भगवान के चुनल लोग के मारे खातिर ले जाला।

दान 3:20 *तब उ अपना सेना के कुछ ताकतवर लोग के आज्ञा दिहलन कि उ लोग शद्राक , मेशाक आ अबेदनेगो के बान्ह के जरत आग के भट्ठी में फेंक देवे।*

दान 3:21 *एह लोग के आपन ब्रेस , ट्यूनिक , वस्त्र आ अउरी कपड़ा के साथे बान्हल गइल आ जरत आगि के भट्ठी के बीच में फेंक दिहल गइल।*

21क- उल्लेखित ई सब सा मग्री दहनशील होखे के साथे - साथे ओकर मांस शरीर भी होला।

दान 3:22 *राजा के आज्ञा कड़ा होखे आ भट्ठी बहुत गरम रहे , एह से लौ ओह आदमी के मार दिहलस जे शद्राक , मेशक आ अबेदनेगो के ओकरा में डाल दिहलस।*

22क- एह लोग के मौत एह भट्ठी में आग के घातक प्रभाव के गवाही देत बा।

दान 3:23 *इ तीनों आदमी शद्राक , मेशक आ अबेदनेगो जरत आग के भट्ठी के बीच में बान्ह के गिर गईले।*

23क- राजा के आदेश के अंजाम दिहल जाला , इहाँ तक कि अपना नौकर के हत्या तक हो जाला।

दान 3:24 *राजा नबूकदनेस्सर डेरा के जल्दबाजी में उठ के अपना सलाहकारन से कहले , "का हमनी के तीन आदमी के*

बान्हल आगके बीच में ना फेंकले रहनी जा ? उ लोग राजा से कहलस, "हे राजा !
24क- अपना समय के राजा के राजा अपना आँख पर विश्वास ना कर पावेला। ऊ जवन देखत बा ऊ सब मानवीय कल्प ना से आगे निकल जाला . ऊ अपना आसपास के लोग से पूछ के अपना के आश्वस्त करे के जरूरत महसूस करेला कि का तीन आदमी के भट्ठी के आग में फेंके के कार्रवाई हकीकत बा . आऊ लोग ओकरा के एकर पुष्टि करेला कि *हे राजा , ई तय बा !*
दान 3:25 *ऊ जवाब दिहलन , "देखऽ , हम चार आदमी के ढीला देखत बानी , जवन आगके बीच में चलत बाड़े , आओह लोग के कवनो चोट नइखे , आ चउथा के रूप देवता लोग के बेटा जइसन बा।*
25क- लागत बा कि खाली राजा के ही चउथा आकृति के दर्शन रहे जवन उनका के आतंकित करेला। तीनों आदमी के अनुकरणीय आस्था के भगवान सम्मान अवुरी प्रदान करेले । एह आग में राजा पुरुषन के भेद कर सकेला आ ओकरा ओह लोग का साथे रोशनी आ आग के आकृति खड़ा लउकेला . ई नया अनुभव पहिला अनुभव से आगे निकल गइल बा . जिंदा भगवान के वास्तविकता ओकरा के एक बेर फेरु से साबित हो जाला।
25ख- *आचउथा के आकृति देवता के बेटा से मिलत जुलत बा* एह चउथा पात्र के रूप आदमी से एतना अलग बा कि राजा ओकरा के *देवता के बेटा से पहचान लेला* . अभिव्यक्ति एह से उपयुक्त बा काहे कि ई वाकई में ओह आदमी के सीधा हस्तक्षेप ह जे आदमी खातिर बन जाई , ***परमेश्वर के बेटा*** अउर ***आदमी के बेटा*** , यानी , ईसा मसीह।
दान 3:26 *तब नबूकदनेस्सर जरत आगि के भट्ठी के मुंह के नजदीक आके कहले , "शद्राक , मेशाक आअबेदनेगो , हे परम परमेश्वर के सेवक , बाहर आके इहाँ आईं। आगी के बीच से शद्राक , मेशक आअबेदनेगो निकल गइलन।*
26क- एक बेर फेरु नबूकदनेस्सर अपना के एगो मेमना में बदल जाला जवन ओकरा से बेहद मजबूत शेर राजा के सामना करेला। ई याद दिलावत बा कि पिछला दर्शन के अनुभव के गवाही जगावेला . स्वर्ग के भगवान ओकरा के दूसरा अपील जारी करेला।
दान 3:27 *तब सत्रप , अफसर, राज्यपाल , आराजा के सलाहकार लोग एकट्ठा हो गइलन आदेखलन कि ओह लोग के शरीर पर आग के कवनो अधिकार नइखे , ना ओह लोग के माथा के बाल गावल गइल बा , ना ओह लोग के ब्रेस खराब हो गइल बा आना ही ओह लोग पर आगके गंध बा।*
27क- एह अनुभव में भगवान हमनी के प्रमाण देले बाड़े , जईसे उ नबूकदनेस्सर के देले रहले , अपना असली सर्वशक्तिमान के। उ पार्थिव नियम बनवले जवन कि सभ इं सान अवुरी उनुका माटी प अवुरी उनुका आयाम में

रहेवाला हर जानवर के जीवन के शर्त लगावेला। लेकिन उ अभी साबित कईले बाड़े कि ना त उ अवुरी ना स्वर्गदूत ए सांसारिक नियम के अधीन बाड़े। सार्वभौमिक नियमन के निर्माता , परमेश्वर उनकरा से ऊपर बाड़न अउर अपना मर्जी से चमत्का री मामला के क्रमबद्ध कर सकेलन जवन , उनकरा समय में , यीशु मसीह के महिमा अउर प्रतिष्ठा ले आई।

दान 3:28 तब *नबूकदनेस्सर कहलन, "शद्राक , मेशाक आ अबेदनेगो के भगवान के धन्य होखे , जे आपन दूत भेजले बाड़न आउनकर सेवकन के बचा दिहले बाड़न जे उनकरा पर भरोसा कइले बाड़न आराजा के आज्ञा के उल्लंघन कइले बाड़न आआपन शरीर के त्याग कइले बाड़न , ताकि उ लोग अपना परमेश्वर के छोड़ के कवनो देवता के सेवा ना कर सके आना ही पूजा कर सके।*

28क- राजा के क्रोध खतम हो गइल बा। एक बेर फेरु से वापस अपना इंसान के गोड़ पर खड़ा होके ऊ अनुभव से सीख लेला आ एगो आदेश जारी करेला जवना से ऊ बात दोबारा ना होखे . काहे कि अनुभव कडुआ होला . परमेश्वर बेबिलोन के लोग के देखा दिहले बाड़न कि उ जिंदा , सक्रिय अउर ताकत अउर शक्ति से भरल हउवें।

28ख- *जे आपन दूत भेज के अपना पर भरोसा करे वाला अपना नौकरन के बचा लिहलस , आजे राजा के आज्ञा के उल्लंघन करत अपना भगवान के अलावा कवनो दोसरा देवता के सेवा आपूजा करे से बेसी आपन शरीर छोड़ दिहलस !*

उच्च डिग्री के स्पष्टता में राजा के एहसास होला कि ओह आदमी के निष्ठा केतना सराहनीय बा जिनका के उनकर मूर्खतापूर्ण घमंड मारल चाहत रहे। निस्संदेह ओकरा एहसास बा कि , अपना ताकत के चलते ओकरा घमंड से पैदा होखे वाला एह बेवकूफी भरल कष्ट से बचे के संभव रहित जवन कि ओकरा के खाली निर्दोष लोग के जोखिम में गलती करे के मजबूर कर देला .

दान 3:29 *अब हम इ आज्ञा देत बानी कि जे भी लोग , राष्ट्र या भाषा में से बा , जे शद्राक , मेशक , आ अबेदनेगो के परमेश्वर के बुराई बोलत बा , ओकरा के टुकड़ा -टुकड़ा क दिहल जाई , आ ओकर घर गोबर के छेद बनावल जाई , काहे कि ओकरा जइसन कवनो दोसर देवता नइखे जे बचावे।*

29क- 10 के बा। एह घोषणा से राजा नबूकदनेस्सर परमेश्वर के चुनल लोग के आपन रक्षा देवेलन।

साथे -साथे ऊ जे केहू *शद्राक , मेशाक आअबेदनेगो के भगवान के बारे में बुरा बात करी ओकरा के धमकी देला* आ ऊ निर्दिष्ट करेला कि *ओकरा के टुकड़ा -टुकड़ा कर दिहल जाई , आ ओकर घर कचरा के ढेर में बदल दिहल जाई , काहे कि ओकरा जइसन कवनो दोसर देवता नइखे जे बचाव कर सके* . एह खतरा के सामना करत इ तय बा कि जब

तक राजा नबूकदनेस्सर के राज होई , तब तक भगवान के वफादार चुनल लोग के साजिश के चलते परेशानी ना होई।

दान 3:30 *एकरा बाद राजा शद्राक , मेशक आअबेदनेगो के बाबुल प्रांत में पदोन्नति दिहलन।*

30क- "सब के भलाई जवन बढ़िया से खतम होला " जीवित भगवान के वफादार चुनल लोग खातिर , जवन सब कुछ जिंदा बा आमौजूद बा ओकर रचयिता। काहे कि उनकर चुनल गइल लोग आखिरी में जी उठिहें आऊ लोग मुअल लोग के धूड़ पर , आपन पहिले के दुश्मन , बहाल कइल धरती पर अनन्त काल खातिर चलत रहीहें .

पिछला परीक्षण में ई सुखद अंत भी हो जाई। एह तरह से , पहिला अउर आखिरी परीक्षा के फायदा होला जीवित परमेश्वर के सीधा हस्तक्षेप से उनकर चुनल लोग के पक्ष में जेकरा के उ यीशु मसीह , उद्धारकर्ता में बचावे खातिर आवेलन , काहे कि उनकर नाम यीशु के मतलब होला "यहवा उद्धार करेलन। "

दानियल 4 के बा

दान 4:1 *राजा नबूकदनेस्सर , पूरा धरती में रहे वाला सब लोग , जाति अउर भाषा के संदेश के , तोहनी के भरपूर शांति दिहल जाव।*

1क- सुर आ रूप एकरा के साबित करेला : जवन राजा बोलेला उहे दानियल के भगवान में बदल गईल। उनकर अभिव्यक्ति नया वाचा के पत्रन के लेखन से मिलत जुलत बा । ऊ शांति के अर्पित करेला , काहे कि ऊ खुद अब शांति में बा , अपना मानवीय दिल में , प्रेम आ न्याय के भगवान के साथे , सच्चा , एकलौता .

दान 4:2 *हमरा अच्छा लागल कि हम उ चिन्ह आचमत्कार के बारे में बताईं जवन सबसे ऊँच परमेश्वर हमरा साथे कइले बाड़न।*

2क- राजा अब ओइसने काम करेला जइसे कि यीशु अपना से ठीक भइल आन्हर आकमजोर लोग से कहले रहले कि " *जाके मंदिर में देखाईं आबताईं कि भगवान रउरा खातिर का कइले बाड़न* ." भगवान से प्रेरित उहे इच्छा से राजा

जीवंत हो जाला। काहे कि धर्मांतरण रोज संभव बा , लेकिन भगवान ओह सब के उ प्रभाव ना देवेले जवन राजा के राजा , एगो शक्तिशाली अवुरी मजबूत सम्राट के अनुभव होखेला।

दान 4:3 *उनकर चिन्ह केतना बड़हन बा ! ओकर अजूबा केतना पराक्रमी बा ! उनकर राज्य एगो अनन्त राज्य ह आउनकर राज पीढ़ी दर पीढ़ी चलत रहेला।*

3क- एह सब चीजन के समझ आनिश्चितता ओकरा के ऊ शांति आ सच्चा सुख देला जवन नीचे इहाँ पहिले से उपलब्ध बा। राजा सब कुछ सीख के समझ गईल बाड़े।

दान 4:4 *हम नबूकदनेस्सर अपना घर में आराम से रहनी आ अपना महल में खुश रहनी।*

4क- शांति आखुशहाल होखे के ? हँ , बाकिर तबहियों एगो बुतपरस्त सच्चा भगवान के ओर अपरिवर्तित।

दान 4:5 *हम एगो सपना देखनी जवन हमरा के डेरा दिहलस ; बिछौना पर सतावत विचार आमन के दर्शन हमरा के आतंक से भर दिहलस।*

5क- ई राजा नबूकदनेस्सर सही मायने में हमनी के सामने ओह हेराइल भेड़ के रूप में पेश कइल गइल बा जवना के मसी ह में भगवान दुर्भाग्य से बचावे आ बचावे खातिर आवेलें। काहे कि एह शांतिपूर्ण आ सुखद सांसारिक समय के बाद राजा के भविष्य नाश आ अनन्त मृत्यु होखी। उनकर अनन्त उद्धार खातिर भगवान ओकरा के परेशान करे आसतावे आवेलें।

दान 4:6 *तब हम आज्ञा देनी कि उ लोग हमरा सामने बाबु ल के सब ज्ञानी लोग के ले अइले ताकि उ लोग हमरा के सपना के मतलब बतावे।*

6क- जाहिर बा कि नबूकदनेस्सर के याददाश्त के गंभीर समस्या बा। काहे ना ऊ तुरते दानियल के फोन करेला ?

दान 4:7 *तब जादूगर , ज्योतिषी , कसदी आ भविष्यवक्ता लोग आइल आहम ओह लोग के सपना बतवनी , लेकिन उ लोग हमरा के ना समझ पवलस।*

7क- बात अइसन होला जइसे पहिला दर्शन में बुतपरस्त भविष्यवक्ता लोग ओह राजा के दंतकथा सुनावे के बजाय अपना अक्षमता के स्वीकार कइल पसंद करेला जे पहिलहीं से ओह लोग के जान के खतरा में डाल चुकल बा।

दान 4:8 *आखिर में , दानियल , जेकर नाम बेल्तशस्सर बा , **हमरा देवता के नाम पर** , हमरा सामने खड़ा हो गइलन आ पवित्र देवता लोग के आत्मा उनकरा में रहे। हम ओकरा के सपना बतवनी :*

8क- भुलाए के कारण बतावल गइल बा। बेल अबहियों राजा के देवता रहले। हमरा इहाँ इयाद बा कि दारा मादी , कोरस फारसी , दारा फारसी , आर्टजर्सेस I , एज्रा 1:6 अउर 7 के अनुसार , सब लोग अपना समय में चुनल गइल यहूदी लोग के कदर करीहें अउर अपना एक परमेश्वर के पूजा

करीहें। जवना में साइरस भी शामिल बा जेकरा बारे में परमेश्वर यशायाह 44:28 में भविष्यवाणी कइले बाड़न , कहत बाड़न कि : *हम साइरस के बारे में कहत बानी कि उ हमार चरवाहा हवें , अउर उ हमार सब इच्छा पूरा करीहें ; ऊ यरूशलेम के बारे में कहसु कि एकर पुनर्निर्माण होखे ! आमंदिर के : एकर नींव होखे दीं ! - भविष्यवाणी कइल गइल चरवाहा भगवान के भविष्यवाणी के इच्छा* पूरा करी जेकरा के ऊ मानत बा . इ दूसर पाठ उनकर भविष्यवाणी कइल गइल धर्मांतरण के पुष्टि करेला : यशायाह 45:2: *प्रभु अपना अभिषिक्त से , साइरस से* , अउर पद 13 में इ कहत हउवें : *हम साइरस के अपना धार्मिकता में जिंदा कर देले बानी , अउर हम उनकर सब रास्ता सीधा करब ; ऊ हमरा शहर के फेर से बनाई आहमरा बंदी लोग के बिना फिरौती भा वरदान के मुक्त कर दी , सेना के प्रभु कहत बाड़न।* अउर एह परियोजना के पूरा होखे के बात एज्रा .6:3 से 5 में आवेला : *राजा कोरस के पहिला साल में राजा कोरस यरूशलेम में परमेश्वर के घर के बारे में इ आदेश दिहलन : घर के दोबारा बनावल जाव , जहाँ बलिदान चढ़ावल जाला , अउर ओकर ठोस नींव होखे। एकर ऊँचाई साठ हाथ , चौड़ाई साठ हाथ , कटल पत्थर के तीन पंक्ति आनया लकड़ी के एक पंक्ति होई।* ***खरचा के भु गतान राजा के घर के लोग करी*** *. एकरा अलावा परमेश्वर के घर के सोना -चांदी के बर्तन , जवन नबूकदनेस्सर यरूशलेम के मंदिर से हटा के बेबिलोन ले गईल रहले , ओकरा के बहाल क के यरूशलेम के मंदिर में उ जगह ले जाके उ जगह प ले जाके परमेश्वर के घर में राखल जाई।* ***खरचा राजा के घर के लोग के ओर से चुकावे के होई।*** भगवान ओकरा के उ सम्मान देवेले जवन उ राजा सुलेमान के देले रहले। बाकिर सावधान रहीं ! एह फरमान से दान में प्रस्तावित गणना के अनुमति ना दिहल जाई . 9:25 के इस्तेमाल मसीह के पहिला आगमन के तारीख पावे खातिर कइल जाला ; ई फारसी राजा आर् टजर्सेज के होई। कोरस मंदिर के दोबारा बनावे के कहले बाड़े , लेकिन आर्टजर्सेज यरूशलेम के देवाल के पुनर्निर्माण अवुरी पूरा यहूदी लोग के अपना राष्ट्रीय भूमि प वापसी के अधिकृत करीहे।

<u>दान 4:9</u> *जादूगरन के प्रमुख बेल्तशस्सर , जेकरा में पवित्र देवता लोग के आत्मा तोहरा में बा , आ जेकरा खातिर कवनो रहस्य मुश्किल नइखे , हमरा के ओह दर्शन के व्याख्या बताईं जवन हम अपना सपना में देखले बानी।*

9क- हमनी के समझे के जरूरत बा कि राजा कहां बाड़े। मन में , उ बुतपरस्त रह गईल रहले अउरी दानियल के भगवान के खाली एगो अउरी देवता के रूप में पहचा नत रहले , सिवाय एह बात के कि उ सपना के समझावे में सक्षम रहले। उनुका मन में ई ना आइल कि देवता बदले

के पड़ी . दानियल के भगवान बाकी लोग के बगल में बस एगो देवता रहले।

दान 4:10 *जब हम अपना बिछौना पर लेटत रहनी त हमार मन के इहे दर्शन ह, हम देखनी कि धरती के बीच में एगो बहुत ऊँच पेड़ देखनी।*

10क- जवना बिम्बन के इस्तेमाल यीशु ओह आध्यात्मिक लोग के आपन पाठ देवे खातिर करीहें जेकरा के ऊ सिखावे के चाहत बाड़न , पेड़ आदमी के छवि होई , झुकल आ घुमावदार खढ़ से लेके शक्तिशाली आ राजसी देवदार तक। आजइसे आदमी कवनो पेड़ के स्वादिष्ट फल के कदर कर सकेला , भगवान अपना प्राणी के फल के कदर करेला भा ना , सबसे सुखद से लेके सबसे कम सुखद , घृणित आ घृणित तक।

दान 4:11 *पेड़ बड़ आमजबूत हो गइल आओकर ऊँचाई आकाश तक पहुँच गइल आपूरा धरती के छोर तक ओकर नजारा हो गइल।*

11क- मूर्ति के दर्शन में कसदी राजा के तुलना पहिले से ही एगो पेड़ से कईल गईल रहे , जवन कि सच्चा भगवान के ओर से उनुका के दिहल गईल शक्ति , ताकत अवुरी साम्राज्य के छवि के मुताबिक रहे।

दान 4:12 *एकर पतई सुन्दर रहे आफल भरपूर रहे। एकरा से सभका खातिर अन्न निकलल ; खेत के जानवरन के ओकर छाँव में आश्रय मिलल आहर जीव ओकरा से खात रहे।*

१२क- ई शक्तिशाली राजा अपना साम्राज्य के सभे लोग के साथे अपना निर्देशन में पैदा भइल धन आ अन्न के बाँटत रहले।

12ख- *हवा के चिरई ओकर डाढ़ के बीच आपन घर बना लेले* , अभिव्यक्ति दान के दोबारा काम ह। 2:38 के बा। शाब्दिक अर्थ में हवा के ई चिरई उनुका शासन में राज करे वाला शांति आ सुकून के छवि बनावेली स. आध्यात्मिक अर्थ में , उ लोग परमेश्वर के स्वर्गीय स्वर्गदूतन के नामित करेलन , लेकिन उपदेशक में एह एकल संदर्भ में। 10:20, खुद भगवान के जिक्र कइल गइल बा , काहे कि ऊ अकेले हर एक के विचार के खोजत बा ड़न : *राजा के गारी मत दीं , अपना विचार में भी ना , आ अपना बेडरूम में अमीर लोग के गारी मत दीं ; काहे कि* ***हवा के चिरई*** *तोहार आवाज लेके चल जात रहे* ***आपंख वाला जानवर*** *तोहार बात के घोषणा करत रहे* . अधिकतर उद्धरण सभ में हवा के चिरई सभ चील आरैप्टर सभ के उकसावे लीं , पंख वाला प्रजाति सभ में एकर बोलबाला होला। चिरई सभ ओहिजा बस जालीं जहाँ इनहन के भोजन भरपूर होखे ; एह से छवि समृद्धि आभोजन के तृप्ति के पुष्टि करेले।

दान 4:13 *हम अपना बिछौना पर लेटत घरी मन के दर्शन में देखनी कि एगो चौकीदार आपवित्र लोग स्वर्ग से उतरल बा।*

13क- वाकई में स्वर्गीय स्वर्गदूतन के सुते के कवनो जरूरत नइखे , एहसे ऊ लोग स्थायी गतिविधि में बा। जे *पवित्र बा* आभगवान के सेवा में बा ऊ *स्वर्ग से उतर के* उनकर संदेश उनकर सांसारिक सेवकन तक पहुँचावेला।

दान 4:14 *ऊ जोर से चिल्ला के कहलन , "पेड़ के काट के ओकर डाढ़ काट दीं। ओकर पतई हिला के ओकर फल बिखेर दीं , ओकरा नीचे से जानवर आडाढ़ के बीच से चिरई भाग जास।*

14क- दर्शन से घोषणा होला कि राजा आपन राज्य आओकरा पर आपन वर्चस्व खो दीहें।

दान 4:15 *लेकिन जवना ठूंठ के जड़ धरती में बा , ओकरा के छोड़ के खेत के पौधा के बीच लोहा आपीतल के बेड़ी से बान्ह दीं। आ आकाश के ओस से भींज जाव आ ओकरा में धरती के घास होखे जइसे जानवरन के होला।*

15क- *लेकिन तना छोड़ दीं जहाँ जड़ जमीन में होखे*

राजा अपना राज्य में रहिहें ; ओकरा के बाहर ना निकालल जाई ।

15ख- *आ ओकरा के लोहा आ कांसा के जंजीर से बान्ह के , खेत के घास के बीच*

लोहा भा कांसा के जंजीर के जरूरत नइखे , काहे कि भगवान बस अपना नमनीय प्राणी के ओकर तर्क आसामान्य ज्ञान के शारीरिक , मानसिक आ नैतिक हर पहलू में खो देबे के काम करीहें . ताकतवर राजा अपना के खे त के जानवर मान ली। एह से उनकर राज्य के महापुरुष राज पर उनकर वर्चस्व छीने के मजबूर हो जइहें।

15ग- *ऊ स्वर्ग के ओस से भींजल होखे आ ओकरा हिस्सा खातिर जानवरन का तरह धरती के घास होखे*

कल्पना कइल जा सकेला कि ओकरा बड़का लोग के कतना अचरज होखी जे ओकरा के जमीन से घा स खात देखसु , जइसे कि गाय भा भेड़ . ऊ ढंकल आवास से मना कर दीहें , खेत में रहे आसुते के पसंद करीहें .

दान 4:16 *ओकर दिल ओकरा से छीन लिहल जाई , आ ओकरा के एगो जानवर के दिल दिहल जाई , आ ओकरा पर सात समय बीत जाई।*

In this experiment , भगवान अपना असली सर्वशक्तिमानता के एगो अउरी प्रमाण देले बाड़े। काहे कि अपना सगरी प्राणी के जिनगी के रचयिता का रूप में ऊ कवनो क्षण अपना महिमा खातिर आदमी के बुद्धिमान बना सकेला भा एकरा उलट बेहोश कर सकेला . काहे कि ऊ ओह लोग के आँख से अदृश्य रहेला एहसे आदमी एह खतरा के अनदेखी कर देला जवन ओह लोग पर लगातार बोझिल रहेला . बाकिर ई साँच बा कि ऊ बहुते कम हस्तक्षेप करेला आ जब हस्तक्षेप करेला त एगो खास कारण आमकसद से होला .

सजा नापल जाला। एकरा के राजा नबूकदनेस्सर पर ***सात बेर*** , माने कि मात्र सात साल तक लागू कईल जाई । एह अवधि के खुद राजा के अलावा कवनो दोसरा काम खातिर इस्तेमाल करे के कवनो वैधता नइखे . इहाँ भी "7" नंबर

चुन के सृष्टिकर्ता भगवान अपना "शाही मुहर " से ओह क्रिया के आद्याक्षर करेलन जवन पूरा होखे वाला बा।

दान 4:17 *इ पहरेदारन के फरमान से वचन ह, अउर पवित्र लोग के आज्ञा से दिहल आज्ञा ह, ताकि जिंदा लोग जान सके कि परमात्मा आदमी के राज्य में राज करेला , अउर जेकरा के चाहत बा ओकरा के दे देला अउर ओकरा पर सबसे नीच आदमी के खड़ा कर देला।*

17क- *ई वाक्य देखे वाला लोग के फरमान ह*

आत्मा एह ईश्वरीय हस्तक्षेप के असाधारण प्रकृति पर जोर देला , जवना के ऊ *देखे वाला लोग के कारण "फरमान " के भूमिका देला* । आदमी के ई सीखे के पड़ी कि धोखा देवे वाला रूप के बावजूद ओकरा पर आकाशीय जीव लगातार नजर रखले बाड़े। भगवान एह उदाहरण के दुनिया के अंत तक मनुष्य के संबोधित पाठ बनावल चाहत बाड़े। *देखे वाला लोग के* हवाला देके , उ परमेश्वर के शिविर के स्वर्गदूतन के सही सामूहिक एकता के उजागर करेलन जे उनकरा के अपना योजना अउर काम में जोड़ देले।

17ख- *ताकि जिंदा लोग के पता चल सके कि परमात्मा आदमी के राज्य में राज करेला , आजे करा मन करेला ओकरा के देवेला*

भगवान हर चीज के निर्देशन आनियंत्रण करेलें। अक्सरहा एह छिपल हकीकत के भुला के आदमी अपना के अपना भाग्य आ अपना फैसला के मालिक मान लेला . ओकरा लागेला कि ऊ अपना नेता लोग के चुनेला बाकिर भगवाने ओह लोग के पद पर राखेलें , अपना सद्भावना आ चीजन आ जीव पर ओकर फैसला का हिसाब से .

17ग- *आकि ऊ उहाँ आदमी के सबसे नीच के पोसेला*

कहाउत साँच बा कि "लोग के ऊ नेता मिल जाला जवना के ऊ हकदार होखे ." जब जनता कवनो नीच नेता के हकदार होखेले त भगवान ओकरा प एगो थोप देले।

दान 4:18 *इहे सपना ह जवन हम राजा नबूकदनेस्सर देखले बानी। तू बेल्तसाजर , एकर व्याख्या बताव ऽ ; काहे कि हमरा राज्य के सब ज्ञानी लोग हमरा के नईखन बता सकत। लेकिन रउआ कर सकेनी , काहे कि पवित्र देवता लोग के आत्मा रउआ में बा।*

18क- नबूकदनेस्सर प्रगति कर रहल बाड़े , लेकिन उ अभी तक धर्म परिवर्तन नईखन कईले। एकरा बावजूद उ इ बात के बरकरार रखले बाड़े कि दानियल *पवित्र देवता के सेवा करेले* . एकेश्वरवाद के अबहीं ले उनुका समझ में नइखे आवत.

दान 4:19 *तब दानियल , जेकर नाम बेल्तशस्सर रहे , कुछ देर तक अचरज में पड़ गईले अवुरी उनुकर विचार उनुका के परेशान कईलस। राजा जवाब दिहलन , "बेल्तशस्सर , सपना आ ओकर व्याख्या तोहरा के परेशान मत करे दीं।*

बेल्तसाजर जवाब दिहलन , "हे मालिक , सपना तोहरा दुश्मनन के होखे आ ओकर व्याख्या तोहरा विरोधियन के होखे ."

19क- दानियल सपना के समझतारे अवुरी जवन होखे वाला बा उ राजा खाती एतना भयानक बा कि दानियल अपना दुश्मन प एकरा के पूरा होखत देखल पसंद करीहे।

दान 4:20 *ऊ पेड़ जवन तू देखले रहलू , जवन बड़ आ मजबूत होत गइल , जवना के ऊँचाई स्वर्ग तक पहुँचल आ धरती के हर हिस्सा तक ओकर नजारा मिलल।*

दान 4:21 *ई पेड़ , जवना के पतई गोरा आ बहुत फल रहे , जवना में सबके भोजन रहे , जवना के नीचे खेत के जानवर के आश्रय रहे , आ जवना के डाढ़ में हवा के चिरई आपन निवास करत रहले।*

21क- *पतई सुन्दर रहे*
शारीरिक रूप आकपड़ा -लत्ता।

21ख- *आभरपूर फल मिलेला*
समृद्धि के भरमार।

21ग- *जे सबके खाना लेके चलत रहे*
जे अपना सब लोग के अन्न निर्वाह सुनिश्चित कइले।

21घ- *जवना के नीचे खेत के जानवर आश्रय लेत रहले*
राजा , अपना नौकरन के रक्षक।

21वीं - *आ जवना के डाढ़ में हवा के चिरई आपन निवास बना लिहले*
उन कर शासन में उनकर लोग बहुत सुरक्षा में रहत रहे। चिरई -चुरुंग उड़ के चल जास आ खतरा के तनिको निशानी पर पेड़ छोड़ के चल जास।

दान 4:22 *हे राजा , तू महान आ पराक्रमी हो गइल बाड़ , आ तोहार महानता बढ़ गइल बा आ आकाश तक चढ़ गइल बा , आ तोहार प्रभु धरती के छोर तक फइलल बा ।*

दान 4:23 *राजा एगो चौकीदार आ पवित्र लोग के स्वर्ग से उतरत देखलन आ कहलन कि , "पेड़ के काट के ओकरा के नष्ट कर दीं। बाकिर ठूंठ के जड़ के साथे धरती में छोड़ के खेत के घास के बीच लोहा आ पीतल के बेड़ी से बान्ह के आकाश के ओस से भींजल होखे दीं आ ओकर हिस्सा खेत के जानवरन के साथे होखे , जबले ओकरा पर सात बेर ना हो जाव।*

दान 4:24 *हे राजा , एकर व्याख्या इहे बा। इहे परमात्मा के फरमान ह जवन हमरा मालिक राजा पर ले आवल जाई।*

दान 4:25 *उ लोग तोहके आदमी से भगा दिहे , अउर तोहार निवास खेत के जानवरन के साथे होई। आ तोहनी के बैल निहन घास खाए के बनावल जाई। तू आकाश के ओस से भींजल होखब आ सात बेर तोहरा पर बीत जाई , जबले तू ना जान पइब कि परमात्मा आदमी के राज्य में राज करेला आ जेकरा मन करे ओकरा के दे देला।*

25क- *जब तक रउआ ना जान जाईं कि परमात्मा आदमी के राज्य में राज करेला आ जेकरा मन करे ओकरा के दे देला।*

"परम परम " के रूप में संदर्भित करके उनकरा के जिक्र कइले बाड़न । एह तरह से ऊ राजा के विचार के एक भगवान के अस्तित्व के ओर निर्देशित करेला ; एगो अइसन बिचार जेकरा के रा जा के समझे में बहुत दिक्कत होला , काहें से कि उनकर बहुदेववादी मूल बाप से बेटा के बिरासत में मिलल बा।

दान 4:26 *जहाँ पेड़ के जड़ बा , उहाँ के ठूंठ छोड़े के आज्ञा के मतलब बा कि जब रउवां पहिचान लेब कि शासन करे वाला स्वर्ग में बा त रउवां के राज्य रउवां के साथे रही।*

26क- जब ऊ ई *पहिचान करी कि शासन करे वाला स्वर्ग में बा त* अपमान के अनुभव खतम हो जाई काहे कि राजा के विश्वास हो जाई आधर्मांतरण हो जाई .

दान 4:27 *एह से हे राजा , हमार सलाह तोहरा खातिर ठीक होखे , न्याय कर के अपना पाप के अंत कर दीं , आदुखी लोग पर दया करके अपना अधर्म के अंत कर दीं , त राउर समृद्धि बनल रहे।*

27क- जब राजा एह श्लोक में दानियल जवन चीजन के सूचीबद्ध कइले बाड़न ओकरा के व्यवहार में ले अइहें त ऊ सही मायने में धर्मांतरित हो जइहें। बाकिर ई किरदार घमंड के सौंप दिहल गइल बा ; उनकर निर्विवाद शक्ति उनका के मनमौजी आ अक्सर अन्यायी बना दिहले बिया जइसन कि पिछला अनुभवन से पता चलल बा .

दान 4:28 में दिहल गइल बा *इ सब बात राजा नबूकदनेस्सर पर पूरा हो गईल .*

28क- दा नियल के ई कथन एह भविष्यवाणी के कवनो अउरी व्याख्या पर रोक लगावत बा , जवन यहोवा के गवाहन आ कवनो अउरी धार्मिक समूह के सिखावल भविष्यवाणी के आधार के शून्य करे के निंदा करेला जवन दानियल के परिभाषित नियम के उल्लंघन करी। अतने ना , पूरा अध्याय के सामग्री एकर प्रमाण दे ला। काहे कि कहानी से पता चल जाई कि पेड़ के भविष्यवाणी में राजा के गारी काहे लागल बा।

दान 4:29 *बारह महीना के अंत में उ बाबुल में राजा के घर में घूम गईले।*

29क- 12 महीना , या दर्शन आ ओकर सिद्धि के बीच एक साल भा " *समय* " *बीत जाला।*

दान 4:30 *राजा कहलन, "का ई महान बाबुल ना ह जवन हम अपना शक्ति के ताकत से आ अपना महिमा के महिमा खातिर राज्य खातिर बनवले बानी ?*

30क- इहे भाग्यशाली पल ह जब राजा चुप रहला से बढ़िया रहित। लेकिन हमनी के एकरा के एहसे समझ

सकेनी जा काहे कि उनकर बेबिलोन सही मायने में एगो शुद्ध चमत्कार रहे , जवन अभी भी "दुनिया के सात आश्चर्य " में से एगो के रूप में सूचीबद्ध बा। हर तरफ 40 किमी के चौकोर पर हरियाली , तालाब , विशाल चौक आ प्राचीर के रसीला लटकत बगीचा। प्राचीर जवना के ऊपर दू गो रथ प्राचीर के पूरा लंबाई में पार कर सकत रहे ; ओह घरी के राजमार्ग रहे। एकर एगो गे ट , बर्लिन में पुनर्निर्माण कइल गइल , नीले रंग के तामचीनी पत्थर से बनल दू गो देवाल के बीच में बा जेह पर राजा के प्रतीक चिन्ह उकेरल गइल बा : चील के पाँख वाला शेर जेकर जिकिर दान .7:4 में कइल गइल बा। उनुका लगे गर्व करे के कारण रहे। बाकिर भगवान के अपना बात में घमं ड ना लउकेला , घमंड लउकेला बाकिर सबले बढ़ के अपना पिछला अनुभवन के भुलाइल आतिरस्कार . निश्चित रूप से इ राजा धरती प अकेला घमंडी प्राणी नईखन , लेकिन भगवान उनुका प आपन नजर रखले बाड़े , उ उनुका के अपना स्वर्ग में चाहत बाड़े अवुरी उनुका लगे होई। ई सफाई के हकदार बा : भगवान अपना प्राणी के रूप - रंग से परे न्याय करेलें। ऊ ओह लोग के दिल अउर विचार के जांच करेला , अउर बिना कबो गलती कइले , उद्धार के लायक भेड़न के पहचान लेला। एह से ऊ जिद करेला आ कबो -कबो चमत्कार करेला बाकिर तरीका जायज होला , अंतिम परिणाम के गुणवत्ता से .

<u>दान 4:31</u> *जब राजा के मुँह में इ बात रहे त स्वर्ग से आवाज आईल कि , "राजा नबूकदनेस्सर , राज्य तोहरा से छीन लिहल गईल बा। "*

31क- नबूकदनेस्सर भगवान के प्रेम के शिकार बाड़े , जवन ओकरा खातिर एगो जाल बनवले बा अवुरी उनुका भविष्यवाणी के सपना में एकरा बारे में चेता देले बा। स्वर्ग के वाक्य सुनल जा सकेला , लेकिन हमनी के खुशी होई काहे कि भगवान के जवन नुकसान करे वाला बाड़े उ उनुकर जान बचाई अवुरी ओकरा के अनन्त बना दिही।

<u>दान 4:32</u> *उ लोग तोहके आदमी से भगा दिहे , अउर तोहार निवास खेत के जानवरन के साथे होई। ऊ लोग तोहरा के बैल नियर घास खाइहें। आ तोहनी पर सात समय बीत जाई जब तक कि तू ना जान पइब कि परमात्मा आदमी के राज्य में राज करेलन आजेकरा मन करे ओकरा के दे दीहें।*

32क- सात साल तक यानी *सात बेर* , राजा के स्पष्टता खतम हो जाला आ ओकर मन ओकरा के विश्वास दिला देला कि ऊ खाली जानवर ह।

<u>दान 4:33</u> *नबूकदने स्सर पर ई बात पूरा हो गइल आऊ आदमी से भगा दिहलन आ बैल नियर घास खा गइलन आ स्वर्ग के ओस से उनकर शरीर भींज गइलन जबले उनकर बाल चील के पंख नियर ना बढ़ गइल आ उनकर पंजा चिरई के नाखून नियर ना हो गइल।*

33क- राजा गवाही देत बाड़े कि सब कुछ जवन घोषणा भइल रहे में दर्शन वाकई में ओकरा पर पूरा हो गइल। धर्मांतरित राजा आपन गवाही लिखत घरी एह अपमानजनक अनुभव के उकसावत बाड़न , अपना बारे में तीसरा पुरुष में बोलत बाड़न . लाज अबहियों ओकरा के एक डेग पीछे हटे खातिर धकेलेले। एगो अउरी सफाई संभव बा : ई गवाही राजा अउर दानियल , सच्चा परमेश्वर में उनकर नया भाई , एक साथ लिखले बा।

दान 4:34 *आ निश्चित समय के बाद हम नबूकदनेस्सर स्वर्ग के ओर आँख उठा के हमार इंद्रिय हमरा लगे वापस आ गईल , अउर परमात्मा के आशीष दिहनी , अउर उनकर स्तुति आ महिमा कइनी जे हमेशा खातिर जिंदा बा , जेकर प्रभु एगो अनन्त प्रभु ह , आ जेकर राज्य पीढ़ी दर पीढ़ी बनल रहेला।*

३ ४ क- ज्ञानी आ सर्वशक्तिमान भगवान के हेराइल भेड़ के प्रेम प्राप्त होला। ऊ ओकरा झुंड में फेर से जुड़ गइल बिया आ ओकरा महिमा खातिर आपन गुणगान करत बिया .

34ख- *ऊ जेकर प्रभु शाश्वत प्रभु ह , आ जेकर राज्य पीढ़ी दर पीढ़ी चलत रहेला*

सूत्र 5वां राज्य से संबंधित बा , अबकी बेर शाश्वत , दान .7:14 में *आदमी के बेटा* के दर्शन के : *आ ओकरा के प्रभुत्व , महिमा , आ एगो राज्य दिहल गइल : आ सभ लोग , राष्ट्र आ भाषा के ओकर सेवा करे के चाहीं। उनकर प्रभुत्व एगो अनन्त अधिकार ह , जवन ना बीत पाई , आ उनकर रा ज्य जवन कबो नाश ना होई .* अउर दान .2:44 में *मूर्ति* के दर्शन में भी : *एह राजा लोग के समय में स्वर्ग के परमेश्वर एगो राज्य के स्थापना करीहें , जवन कबो नाश ना होई , अउर जवन दोसरा लोग खातिर ना छोड़ल जाई , अउर उ टुकड़ा - टुकड़ा क के एह सब राज्यन के नाश कर दिही , अउर उ हमेशा खातिर खड़ा रही ।*

दान 4:35 *धरती के सब निवासी ओकरा नजर में कुछुओ निहन बाड़े , उ स्वर्ग के सेना में अवुरी धरती के निवासी के बीच अपना मर्जी के मुताबिक काम करतारे , अवुरी केहु नईखे जवन कि उनुका हाथ के रोक सके , चाहे ओकरा से कह सके कि , 'तू का करतानी ?'*

35क- जीवित भगवान के महिमा होखे ! एह समय खातिर राजा सब कुछ समझ गईल बाड़े अवुरी उनुकर धर्म परिवर्तन हो गईल बा।

दान 4:36 *ओह घरी हमार इंद्रिय हमरा में वापस आ गइल आ हमरा राज्य के महिमा , हमार महिमा आ हमार तेज वापस आ गइल। हमार सलाहकार आ कुलीन लोग हमरा से फेर से माँग कइल ; आ हम अपना राज्य में वापस आ गईनी आ हमार शक्ति बढ़ गईल।*

36क- जइसे धर्मात्मा आ सोझ अय्यूब , जेकरा के भगवान अपना कष्ट के अंत में बेटा , बेटी आ वंशज के बहाल

कइले रहले , राजा अपना कुलीन लोग के भरोसा वापस पा लेला आ आपन शासन फेर से शुरू कर देला , जवन अब सही मायने में ज्ञानी लोग में बुद्धिमान बा , जिंदा भगवान से प्रबुद्ध हो गइल बा। ई अनुभव साबित करेला कि भगवान जेकरा मन करेला ओकरा के राज्य दे देला। उहे महान कसदी लोग के प्रेरित कइले कि ऊ लोग फेर से आपन राजा के मांग करस।

दान 4:37 *अब हम नबूकदनेस्सर स्वर्ग के राजा के स्तुति आऊंचाई आआदर करत बानी , जेकर सब काम सच्चाई ह आउनकर रास्ता न्याय ह, आघमंड से चले वाला लोग के उ नीचा देखावे में सक्षम बा।*

37क- ऊ कह सकेला काहे कि ऊ कहे में सक्षम होखे खातिर पइसा देले रहे।

सबसे खराब से बचे खातिर दाँत खींचला से बहुत दर्द हो सकेला ; बाकिर दांव -पेंच दुख के जायज ठहरा सकेला . अनंत काल पावे खातिर कठिन भा बहुत कठिन परीक्षा से गुजरल जरूरी हो सकेला ; घमंड के नोचल जब हो सके त ओह लोग के जायज ठहरा दी . अपना क्षमता के जानत , यीशु मसीह दमिश्क के रास्ता में पौलुस के आन्हर कर दिहलन , ताकि आध्यात्मिक रूप से आन्हर "अपना भाई लोग के सतावे वाला " उनकर आँख के दृष्टि वापस मिलला के बाद उनकर विश्वासी अउर जोश से भरल गवाह बन जाव , लेकिन सबसे ऊपर , उनकर आत्मा के दृष्टि।

दानियल 5 के बा

दान 5:1 *राजा बेलसस्सर अपना मालिकन खातिर एगो बड़हन भोज बनवले , ओह लोग में से हजार लोग , आओह लोग के सामने शराब पियले।*

1क- राजा नबूकदनेस्सर जब काफी बूढ़ हो गईले त भगवान के शांति में नींद आ गईले अवुरी उनुका बाद उनुकर बेटा नबोनिडस बनले , जवन कि शासन करे के ओर झुकल ना रह ले , एहसे उ अपना जगह प अपना बेटा बेलसजर के राज करे देले। इ नाम , जवना के मतलब होला "बेल राजा के रक्षा करेला ", एगो चुनौती जवना के भगवान उठावे के इरादा रखले बाड़े , ओकरा के नबूकदनेस्सर दानियल के दिहल गईल नाम से भ्रमित ना करे के चाहीं : बेल्तशस्सर , जवना के मतलब हो ला "बेल रक्षा करी। " एह नामन के उत्पत्ति में बेल भा बेलियाल के पूजा बा , जेकरा पीछे बहुदेववाद के एकमात्र संगठक खड़ा बा : शैतान , शैतान। जईसे कि हमनी के देखब जा कि धर्मांतरित राजा के उत्तराधिकारी लोग उनुका पीछे - पीछे ए दिशा में ना गईले।

दान 5:2 *जब बेलशस्सर शरा ब के स्वाद लेले त उ सोना चांदी के बर्तन लेके अइले जवन उनकर पिता*

नबूकदनेस्सर यरूशलेम के मंदिर से निकालले रहले , ताकि राजा आ उनकर कुलीन लोग , उनकर मेहरारू आ उनकर उपपत्नी लोग ओह बर्तन से पी सके।

2क- एह बुतपरस्त राजा खातिर ई सोना चांदी के बर्तन खाली यहूदी लोग से लिहल लूट ह। नबूकदनेस्सर जेकरा लगे नबूकदनेस्सर धर्म परिवर्तन कइले रहले , ओकरा के अनदेखी करे के चुनले बाड़न , एह तथ्य के ध्यान में नइखे रखत कि ई जीवित परमेश्वर उनकर सब काम के न्याय करेलन। सृष्टिकर्ता भगवान के सेवा में पवित्र आ पवित्र कइल गइल एह चीजन के एगो नी च आ अपवित्र उद्देश्य खातिर इस्तेमाल करके ऊ अपना छोट जीवन के आखिरी गलती करेला। अपना समय में नबूकदनेस्सर यहूदी लोग के परमेश्वर के सक्रिय शक्ति के ध्यान में रखे के तरीका जानत रहले काहे कि उ समझ गईल रहले कि उनुकर राष्ट्रीय देवता सचमुच में मौजूद नईखन। बेबिलोन के राजा के अधीन सब लोग स्वर्ग के राजा के पक्ष में उनकर शक्तिशाली गवाही सुनले रहे , उनकर करीबी परिवार त बहुत कम। एह से भगवान के लगे अब अपना के न्यायसंगत आ निर्दय देखावे के पूरा कारण बा।

दान 5:3 *तब उ लोग सोना के बर्तन के ले अइले जवन मंदिर से निकलल रहे , परमेश् वर के घर से जवन यरूशलेम में रहे। राजा , उनकर मालिक , उनकर मेहरारू आ उपपत्नी लोग ओह लोग में से शराब पी लिहले।*

3क- डेनियल एह फूलदानन के उत्पत्ति पर जोर देत बाड़न जवन हटा दिहल गइल रहे मंदिर के , यरूशलेम में परमेश्वर के घर के। पहिलहीं से ई देख के कि यहूदी भगवान अपना मंदिर से एह सब चीजन के हटावे दिहले बाड़न , युवा राजा के ई समझे के चाहीं कि सच्चा भगवान उनकर बुरा सेवा करे वाला लोग के सजा देला आ कड़ा ताड़ देला। बुतपरस्त देवता अइसन काम ना करेलें आ ओह लोग के पदाधिकारी खाली ओह आदमी के खुश करे के कोशिश करेलें जिनकर विश् वासघात के फायदा उठावेलें .

दान 5:4 *उ लोग शराब पी के सोना , चांदी , पीतल , लोहा , लकड़ी आ पत्थर के देवता के स्तुति कईले।*

४क- अपवित्र रिवाज पुरान हो गइल बा , ई मूर्तिपूजक रिवाज ह , भगवान के घृणित के ऊंचाई ह। एगो महत्वपूर्ण विवरण , लापरवाही के एगो बड़हन प्रदर्शन में , राजा अपना दोस्तन के साथे भोज करेला , जबकि ओकर शहर के घेराबंदी करे वाला मादी आ फारसी लोग के खतरा बा।

दान 5:5 *ओही घरी एगो आदमी के हाथ के अँगुरी लउकल आ राजा के महल के देवाल के प्लास्टर पर दीया के खंभा के सामने लिखल गइल। आ राजा हाथ के लिखल हिस्सा देखले।*

5क- नबूकदनेस्सर के समय के चमत्कार के तिरस्कार कइला के बाद , एह नया चमत्कार के मकसद धर्म परिवर्तन करे के नइखे , बलुक दोषी लोग के जीवन के नाश करे के बा , जइसन कि हमनी के देखब जा। दुष्ट आरोपी लोग के सामने जे पापी के मौत चाहत रहले , यीशु मसीह भी बालू में अपना अँगुरी से लिखेलन कि उ लोग गुप्त रूप से करे वाला पाप।

दान 5:6 *तब राजा के चेहरा बदल गइल आउनकर विचार उनका के परेशान कर दिहलस। उनकर कमर के जोड़ ढीला हो गइल रहे आउनकर घुटना एक दोसरा से टकरा गइल रहे।*

6क- चमत्कार तुरंत प्रभावी हो जाला। नशा में धुत्त होखला के बावजूद ओकर मन प्रतिक्रिया देला ; ऊ डेरा गइल बा .

दान 5:7 *राजा ज्योतिषी , कसदी आ भविष्यवक्ता लोग के ले आवे खातिर जोर से चिल्लात रहले। राजा बाबुल के ज्ञानी लोग से कहलन , "जे केहू एह लेखन के पढ़ के एकर व्याख् या हमरा के बताई , उ बैंगनी रंग के कपड़ा पहिनले होई अवुरी ओकरा गर्दन में सोना के जंजीर बा अवुरी राज्य के तीसरा शासक होई।*

7क- एक बेर फेरु से दानियल के अनदेखी कइल जाला ; उनकर गवाही के राज उत्तराधिकार के तिरस्कार कइल गइल बा। आ फेरु बेहद पीड़ा में नवही राजा ओह आदमी खातिर सर्वोच्च सम्मान के वादा करेला जे अपना के अलौकिक तरीका से देवाल पर लिखल संदेश के व्याख्या करे में सक्षम साबित करेला . जे भी अइसन करी ओकरा राज्य में तीसरा स्थान मिल जाई काहे कि नबोनिदस आ बेलससर पहिला आ दूसरा स्थान पर बाड़े।

दान 5:8 *तब राजा के सब ज् ञानी लोग अंदर आगईले , लेकिन उ लोग लिख के ना पढ़ पवले अवुरी ना राजा के एकर व्याख्या बता पवले।*

8क- नबूकदनेस्सर के समय के तरह बुतपरस्त ज्ञानी लोग खातिर ई बात असंभव बा।

दान 5:9 *तब राजा बेलसजर बहुत डेरा गइलन , उनकर चेहरा बदल गइल आउनकर कुलीन लोग घबरा गइलन।*

दान 5:10 *रानी राजा आउनकर कुलीन लोग के बात के कारण भोज के हॉल में अइली आकहली कि हे राजा , हमेशा खातिर जिंदा रहऽ , तोहार विचार तोहरा के परेशान मत करे आ तोहार चेहरा ना बदले।*

दान 5:11 *तोहरा राज्य में एगो आदमी बा जेकरा में पवित्र देवता लोग के आत्मा बा। तोहरा बाप के जमाना में ओकरा में देवता लोग के बुद्धि जइसन रोशनी , समझ आ बुद्धि मिलल रहे। एही से तोहार बाप राजा नबूकदनेस्सर ओकरा के जादूगरन , ज्योतिषियन , कसदीयन आ भविष्यवक्ता लोग के प्रमुख बनव ले।*

दान 5:12 *काहे कि उनकरा में एगो बड़हन दिमाग , ज्ञान अउर समझ , सपना के व्याख्या , अन्हार बातन के समझावे ,*

अउर कठिन सवालन के हल करे वाला , इहाँ तक कि दानियल भी मिलल , जेकरा के राजा बेल्तशस्सर नियुक्त कइले रहले। दानियल के बोलावल जाव आ ऊ एकर व्याख्या बताई।

12क- रानी के ई गवाही आश्चर्यजनक बा आ ई पूरा राजघराना के निंदा करत बा : हमनी के ई बात मालूम रहे ... बाकिर हमनी के एकरा के ध्यान में ना राखे के चुननी जा।

दान 5:13 *तब दानियल के राजा के सामने ले आवल गईल। राजा जवाब देके दानियल से कहलस, "का तू उ दानियल हउअ, जे यहूदा के बंदी में से एगो रहलन , जेकरा के हमार पिता राजा यहूदा से निकालले रहलन ?"*

दान 5:14 *हम तोहनी के बारे में सुनले बानी कि देवता लोग के आत्मा तोहनी में बा , अउर तोहनी में प्रकाश , समझ अउर बुद्धि मिलल बा।*

दान 5:15 *ज्ञानी लोग आज्योतिषी लोग के हमरा सोझा ले आवल गइल कि उ लोग एह लेखन के पढ़ के एकर व्याख्या हमरा के बतावे , लेकिन उ लोग एह शब्दन के व्याख्या ना बता पवलस।*

दान 5:16 *हम सुनले बानी कि रउवां सफाई देवे में सक्षम बानी अउर कठिन सवालन के हल करे में सक्षम बानी ; अब अगर रउरा एह लेखन के पढ़ के एकर व्याख्या बता सकीलें त रउरा बैंगनी रंग के कपड़ा पहिन के होखब आरउरा गला में सोना के जंजीर लगा दीं आराज्य के सरकार में रउरा तीसरा जगहा मिल जाई .*

16क- नबोनिडस के बाद उनकर पिता आखुद के बाद तीसरा स्थान।

दान 5:17 तब *दानियल राजा के सामने जवाब दिहलन , "अपना वरदान के रखीं आआपन इनाम दोसरा के दे दीं , फिर भी हम राजा के लिखल लेख पढ़ के ओकर व्याख्या बताइब। "*

17क- दानियल बूढ़ हो गइल बाड़न आ चांदी आ सोना के सम्मान भा माल आमूल्य के महत्व ना देत बाड़न बाकिर एह नवही राजा के आपन गलती , अपना पाप के याद दिआवे के मौका जवन ओकरा अपना जान से चुकावे के पड़ी , ओकरा के मना ना कइल जा सके आऊ एह तरह के काम खातिर भगवान के सेवक ह .

दान 5:18 *हे राजा , सर्वोच्च परमेश्वर तोहरा पिता नबूकदनेस्सर के राज्य , महानता , महिमा आमहिमा देले बाड़न।*

18क- नबूकदनेस्सर के शासनकाल सच्चा भगवान के काम आ वरदान रहल रहे , साथ ही साथ उनकर *भव्यता भी रहे जवना के उ गलत तरीका से अपना ताकत* के जिम्मेदार ठहरवले रहले , घमंड के माध्यम से , सात साल तक भगवान के द्वारा स्तब्ध होखे से पहिले।

दान 5:19 *अउर उनकरा के दिहल महानता के कारण , सब लोग , जाति अउर भाषा उनकरा सामने डेरा गईल अउर काँप गईल।*

जेकरा मन कइलस ओकरा के मार दिहलस आजेकरा मन कइलस ओकरा के जिंदा बचा लिहलस ; जेकरा मन कइलस ओकरा के ऊंचा कइलस आ जेकरा मन कइलस ओकरा के विनम्र कर दिहलस।

19क- *राजा जेकरा के चाहत रहे ओकरा के मार दिहलस*

खासकर के ई भगवान के दिहल शक्ति उनका के विद्रोही यहूदी लोग के सजा देबे के ओर ले गइल आओह लोग के कई गो प्रतिनिधियन के मौत के सजा दिहलस।

19ख- *आजेकरा के चाहत रहे ओकरा के जान बचा लिहलस*

दानियल आबंदी यहूदी लोग के एकर फायदा भइल।

19ग- *ऊजेकरा के चाहत रहे ओकरा के पोसले*

दानियल आउनकर तीन गो वफादार साथी लोग के राजा नबूकदनेस्सर कसदीयन से ऊपर उठवले रहले।

19घ- *आऊजेकरा के चाहत रहे ओकरा के नीचे कर दिहलस*

उनकर राज्य के कुलीन लोग के यहूदी कैद से आइल नवही विदेशी लोग के शासन खातिर सहमति देबे के पड़ी . उनकर पराक्रमी हाथ से यहूदी रा ष्ट्रीय गौरव के विनम्र हो गइल आनष्ट हो गइल।

दान 5:20 *लेकिन जब उनकर मन उठल अउर उनकर आत्मा अहंकार खातिर कठोर हो गईल , त उ अपना राजसिंहासन से नीचे गिर गईल , अउर उनकर महिमा द्वर हो गईल।*

20क- राजा नबूकदनेस्सर के अनुभव से हमनी के दान के पोप के राजा के बतावल *अहं कार के समझे के मौका मिलेला।* 7:8 के बा। दानियल राजा के ई देखावेला कि उनकर कार्यक्रम के अनुसार परमेश्वर के द्वारा जेकरा मन करे , ओकरा के पूर्ण शक्ति दिहल जाला। लेकिन , राजा नबूकदनेस्सर के अपमान के याद क के ऊ ओकरा के याद दिलावत बाड़न कि ऊ केतना भी शक्तिशाली होखे , एगो पार्थिव राजा स्वर्गीय राजा के असीमित शक्ति पर निर्भर करेला।

दान 5:21 *ऊ आदमी के बेटा से भगा दिहल गइल आउनकर दिल जानवरन के दिल नियर हो गइल आउनकर निवास जंगली गदहा के साथे भइल। उ लोग ओकरा के बैल निहन घास देले अवुरी उनुकर शरीर स्वर्ग के ओस से भींज गईल , जब तक कि उनुका पता ना चल गईल कि सबसे ऊँच भगवान आदमी के राज्य में राज करेले अवुरी जेकरा मन करे ओकरा के दे देले।*

21क- हम नोट करत बानी , अकेले एह श्लोक में , " *जंगली गदहा* " के उल्लेख । गदहा जिद्द के एगो बिसेस प्रतीक हवे : "गदहा नियर जिद्दी ", खासतौर पर अगर ई भी "जंगली " होखे आ पालतू ना होखे। इ उ प्रतीक ह जवन आदमी के भावना के प्रतिनिधित्व करेला जवन परमेश्वर के द्वारा दिहल गईल सबक के अपना जीवन के अनुभव के माध्यम से अउर बाइबिल के प्रकाशन के माध्यम से सुने से मना कर देला।

दान 5:22 *आ तू , उनकर बेटा बेलसजर , तू ई सब बात जानत रहलू , आपन मन के नम्र ना कइले बाड़ऽ।*
22क- दरअसल , बेलसजर ही रहले जे अपना "बाप " (अपना दादा) के जीयल अनुभव के कवनो हिसाब ना देके "जंगली गदहा " निहन व्यवहार कईले।
दान 5:23 *तू लोग स्वर्ग के प्रभु के खिलाफ उठ गइल बाड़ऽ। ओकरा घर के बर्तन तोहरा सोझा ले आवल गइल बा आतू ओकरा साथे शराब पियले बाड़ , तू आतोहार कुलीन , तोहार मेहरारू आ तोहार उपपत्नी। तू चाँदी , सोना , पीतल , लोहा , लकड़ी आपत्थर के देवता के स्तुति कइले बाड़ , जवन ना देखत बा , ना सुनत बा , ना जानत बा। आतूँ अँह भगवान के महिमा ना कइले बाड़ऽ जेकरा हाथ में तोहार साँस आतोहार सगरी रास्ता बा .*
23क- बेलसजर अपना मंदिर के धार्मिक सेवा खातिर सृष्टिकर्ता भगवान के पवित्र कइल गइल सोना के बर्तन के अपवित्र कइले। लेकिन झूठा बुतपरस्त देवता के स्तुति खातिर इनकर इस्तेमाल करके उ ***घृणित काम*** के ऊंचाई पूरा कईले . इ मूर्ति प्रकाशितवाक्य 17:4 के रास्ता तैयार करेला : *इ महिला बैंगनी अउर लाल रंग के कपड़ा पहिनले रहली , अउर सोना , कीमती पत्थर अउर मोती से सजावल रहली।* ***हाथ में घिनौना चीजन आवेश्यावृत्ति के गंदगी से भरल सोना के प्याला रहे*** . *उहाँ उनुका* पद 5 में " *महान बाबुल* " नाम मिलल बा ।
दान 5:24 *एह से उ हाथ के इ हिस्सा भेजले जवन इ लिखले बा।*
24क- बदले में बेलशस्सर के बहुत देर से सच्चा जीवित भगवान के अस्तित्व के पता चलेला जे आदमी के व्यवहार पर चमत्कारी तरीका से काम करेला आ प्रतिक्रिया देला।
दान 5:25 *इहे लेखन ह जवन लिखल गइल बा : मेने , मेने , थेकेल , उफरसीन।*
25क- अनुवाद : गिनल , गिनल , तौलल आबाँटल
दान 5:26 *आ एह शब्दन के व्याख्या इहे ह: गिनती कइल: परमेश्वर तोहार राज्य के गिनती कइले बाड़न आओकरा के खतम कर दिहले बाड़न।*
26क- पहिला " *गिनल* " शासन के शुरुआत के निशाना बनावेला , आदूसरा " *गिनल* " एह शासन के अंत के।
दान 5:27 *तौलल : तोहनी के तराजू में तौलल जाला , अउर तोहनी के कमी पावल जाला।*
27क- इहाँ *के तराजू* दिव्य न्याय के प्रतीक ह। पुरुष न्याय के सेवा के नामित करे खातिर इनहन के अपना चुकल बाड़ें ; एगो बहुते अपूर्ण न्याय बा . लेकिन भगवान के सिद्ध बा आ दुतरफा *तराजू* के छवि के आधार पर , ऊ अच्छाई आ बुराई के काम के तौलत बा जवन न्याय कइल गइल जीव पूरा कइले बा। अगर अच्छाई के पै माना

बुराई से हल्का होखे त दिव्य निंदा जायज बा। आइहे हाल राजा बेलससर के बा।

दान 5:28 *बंटल : तोहार राज्य बंट के मादी आ फारस के दिहल जाई।*

28क- जब ऊ राजा दारा के नेतृत्व में अपना राजमहल में घिनौना शराब पीये में लिप्त रहले , त मादी लोग नदी के तल से बेबिलोन में घुसल , जवन अस्थायी रूप से मोड़ के सूख गईल रहे।

दान 5:29 *तब बेलसजर आदेश दिहलन आ उ लोग दानियल के बैंगनी रंग के कपड़ा पहिन दिहलन आ ओकरा गला में सोना के जंजीर लगा दिहलन आ घोषणा कइलन कि ओकरा राज्य में तीसरा स्थान मिल जाई।*

दान 5:30 *ओही रात कसदीयन के राजा बेलसज र के मारल गइल।*

दान 5:31 *मादी दारा बासठ साल के रहले।*

31क- दानियल के एह सटीक प्रत्यक्षदर्शी बयान के इतिहासकार लोग ना पहिचानत बा जे एह कार्रवाई के श्रेय फारसी राजा साइरस 2 महान के – 539 में बतावेला।

दानियल 6 के बा

एह अध्याय 6 के शिक्षा दानियल 3 के समान बा , अबकी बेर , इ दानियल के मॉडल निष्ठा के परीक्षा में प्रस्तुत करेला , जवना के नकल करे खातिर अउर पुनरुत्पादित करे खातिर परमेश्वर द्वारा यीशु मसीह में बोलावल गइल सब चुनल लोग खातिर। टिप्पणी काम के बा , बाकिर पाठ पढ़ल आया द कइल काफी बा . राजा *दारा* अपना समय में नबूकदनेस्सर के तरह काम करेलें आ अपना बारी में , *62 साल के उमिर में* , ऊ दानियल के जीवित भगवान के महिमा के कबूल करीहें ; एगो धर्मांतरण जवन दानियल के निष्ठा के गवाही से मिलल जब परमेश्वर ओकरा के *शेरन से बचा लिहले* . दुनु जाना के रिश्ता के शुरुआत से ही ओकरा दानियल में स्नेह आ रुचि बा जे ओकर सेवा निष्ठा आईमानदारी से करेला आ जेकरा में *ऊ क उच्च मन के बा* .

दान 6:1 *दारा एक सौ बीस सत्रप के राज्य के देखरेख करे के मन कइलन जवन पूरा राज्य में होखे के चाहीं।*

1क- राजा दारा 120 प्रांतन में स्थापित 120 राज्यपालन के राज्य के शासन सौंप के आपन बुद्धि के खुलासा करेलें।

दान 6:2 *उ उनकरा पर तीन गो सेनापति रखलन अउर उनकरा में दानियल भी रहले , ताकि सचिव लोग उनकर हिसाब देवे अउर राजा के कवनो नुकसान ना होखे।*

2क- दानियल अबहियों सत्रप लोग के देखरेख करे वाला प्रमुख नेता लोग में शामिल बाड़े।

दान 6:3 *दानियल राजकुमारन आ सचिवन से भी बढ़ रहले , काहे कि उनकरा में एगो श्रेष्ठ आत्मा रहे। राजा सोचले कि ओकरा के पूरा राज्य के देखरेख में राखल जाव।*

3क- दारा , बदला में , दानियल के बुद्धिमान आ बुद् धिमान दिमाग में श्रेष्ठता के नोटिस करेला। आ ओकरा के सबले ऊपर स्थापित करे के योजना दानियल के खिलाफ ईर्ष्या आनफरत पैदा करी।

दान 6:4 *तब राजकुमार आसत्रप लोग दानियल पर राज्य के बारे में आरोप लगावे के मौका खोजल। लेकिन उ लोग के कवनो मौका अवुरी डांट ना मिलल , का हेंकी उ वफादार रहले अवुरी उनुका में कवनो दोष चाहे बुराई ना मिलल।*

4क- दानियल जहाँ भी रखेला उहाँ भगवान के सेवा करेला , एहसे उ राजा के सेवा ओही भक्ति आनिष्ठा से करेला। ऊ एह तरह से *निर्दोष लउकत बा* ; प्रकाशितवाक्य 14:5 के अनुसार अंतिम समय के "एडवेंटिस्ट " संतन के बीच मिलल एगो मापदंड।

दान 6:5 *उ लोग कहले , "हमनी के एह दानियल के खिलाफ कवनो मौका ना मिली , जब तक कि हमनी के उनुका परमेश्वर के व्यवस्था में ना मिली। "*

5क- ई तर्क विश्वास के आखिरी सांसारिक परीक्षा के शैतानी खेमा के सोच के उजागर करेला जवना में भगवान के नियम के सातवाँ दिन के सब्त के आराम से उनकर वफादार सेवकन के हत्या के अनुमति मिली , काहे कि ऊ लोग पहिला दिन के बाकी दिन के सम्मान करे खातिर सहमति ना दिही जवन अनिवार्य कइल गइल बा , रोमन धार्मिक कानून के अतवार।

दान 6:6 *तब उ राजकुमार आ सत्रप लोग राजा के लगे हंगामा करत आके कहलन कि राजा दारा , हमेशा खातिर जिंदा रहऽ !*

6क- एह उथल -पुथल भरल प्रविष्टि के मकसद राजा के संख्या के ताकत , अशांति पैदा करे के क्षमता , आएहसे ओकरा आपन वर्चस्व मजबूत करे के जरूरत के याद दिआवल बा .

दान 6:7 *राज्य के सब राजकुमार , राज्यपाल , सत्रप , सलाहकार आ राज्यपाल लोग एह बात पर सहमत बा कि एगो सख्त फरमान के साथे एगो शाही फरमान जारी कइल जाव कि जे भी तीस दिन के भीतर कवनो देवता भा आदमी से प्रार्थना करी , हे राजा , तोहरा के छोड़ के , ओकरा शेर के मांद में डाल दिहल जाई ।*

7क- तब तक राजा दारा अपना राज्य के आदमी के दोसरा देवता के सेवा से बेसी एक देवता के सेवा करे खातिर मजबूर ना करे के कोशिश कईले रहले। शिरक में धार्मिक आजादी पूरा होला। आ ओकरा के मनावे खातिर साजिश रचे वाला लोग ओकरा के चापलूसी करेला , ओकरा के राजा दारा के देवता के रूप में सम्मानित करेला। इहाँ भी , जइसे कि सभ महान शासकन के होला , घमंड जाग जाला आ ओकरा के एह अध्यादेश के मंजूरी देबे के मजबूर कर दी जवन हालांकि ओकरा दिमाग से ना आइल रहे .

दान 6:8 *अब हे राजा , एह फरमान के पुष्टि करीं आ फरमान के लिखीं ताकि मादी आफारसी के नियम के अनुसार , जवन बदलत नइखे।*

8क- ई फरमान सराहनीय तरीका से ओह आदमी के भविष्यवाणी करेला जे दिन के अंत में रोमन अतवार के अनिवार्य बना दी। बाकिर हमनी के ध्यान दीं कि त्रुटिपूर्ण आ पापी लोग द्वारा स्थापित मादी आ फारसी के नियम के ई अपरिवर्तनीय चरित्र बिल्कुल अनुचित बा। अपरिवर्तनीयता सच्चा जीवित भगवान , सृष्टिकर्ता के ह।

दान 6:9 *तब राजा दारा फरमान अउर फरमान लिखलन।*

9क- ई कदम जरूरी बा , काहे कि खुद *फरमान आ बचाव* लिखला के बाद , मादी आ फारसी के *अपरिवर्तनीय कानून के* सम्मान करे के पड़ी।

दान 6:10 *जब दानियल के पता चलल कि फरमान लिखल बा , त उ अपना घर में चल गईले , जहवां ऊपर के कमरा के खिड़की यरूशलेम के ओर खुलल रहे। आ दिन में तीन बेर घुटना टेक के प्रार्थना करत रहले आ अपना भगवान के स्तुति करत रहले , जइसे कि ऊ शुरू में कइले रहले .*

10क- दानियल आपन व्यवहार ना बदलेला , आ अपना के एह मानवीय माप से प्रभावित ना होखे देला। आपन खिड़की खोल के ऊ देखावेला कि ऊ चाहत बा कि सर्वशक्तिमान भगवान के प्रति उनकर वफादारी सभका के पता चल जाव . ओह समय , दानियल यरूशलेम के ओर मुड़ जाला जहाँ , नष्ट होके भी , परमेश्वर के मंदिर स्थित बा। काहेकि आत्मा परमेश्वर बहु त दिन से एह पवित्र मंदिर में प्रकट भइल बाड़न जवना के उ आपन निवास बना के आपन सांसारिक निवास बनवले रहले।

दान 6:11 *तब इ लोग हंगामा करत अंदर गईले , त दानियल के प्रार्थना करत देखले अवुरी अपना परमेश्वर के पुकारत देखले।*

11क- षड्यंत्रकारी लोग ओकरा के देखत रहे आदे खत रहे कि ओकरा के शाही फरमान के ना माने के काम में पकड़ल जाव ; फिलहाल एगो “जागरूक अपराध ” बा।

दान 6:12 *तब उ लोग राजा के सामने आके शाही फरमान के बारे में पूछले , "का तू इ फरमान ना लिखले कि जे भी तीस दिन के भीतर तोहरा के छोड़ के कवनो देवता या आदमी से प्रार्थना करी , ओकरा के शेर के मांद में फेंक दिहल जाए ?" राजा जवाब दिहले , "मादी आ फारसी के नियम के मुताबिक बात सही बा , जवना के बदलल नईखे जा सकत। "*

12क- राजा खाली ओह फरमान के पुष्टि कर सकेला जवना पर ऊ खुद लिखले बाड़न आ हस्ताक्षर कइले बाड़न .

दान 6:13 *उ लोग राजा से के रु से कहलन कि, “हे राजा , दानियल , जे यहूदा के बंदी में बा , तोहरा के ना परवाह कइले बा , ना ही तू लिखल फरमान के , बलुक दिन में तीन बेर प्रार्थना करत बा।*

13क- प्रार्थना के काम में फंसल दानियल के निंदा कइल जाला। राजा दानियल के वफादार आ ईमानदार

व्यवहार खातिर ओकर सराहना करेला। उ तुरंत अपना आ एह भगवान के बीच के कड़ी बना दिहे जवना के उ एतना जोश आनिष्ठा से सेवा करेले काहे कि उ *दिन में तीन बेर नियमित रूप से उनुका से प्रार्थना करेले* . इहे बतावेला कि दानियल के निंदा से उनकरा के जवन पीड़ा अउर कष्ट होई अउर उनकर धर्मांतरण के शुरुआत जवन आवेला।

दान 6:14 *जब राजा ई सुन के बहुत दुखी भइलन। आऊदानियल के बचावे खातिर आपन मन बनवलें। ऊ ओकरा के बचावे खातिर सूरज डूबे तक मेहनत कइलस।*

14क- राजा के तब एहसास होला कि ओकरा में हेरफेर भइल बा आ ऊ दानियल के बचावे में लाग जाला , जेकर ऊ बहुत सराहेला। बाकिर ओकर प्रयास बेकार हो जाई आराजा के दुखी होके केहू से पहिले पता चल जाला कि : *चिट्ठी मार देला , बाकिर आत्मा जान देला* . बाद में आदमी के ई अभिव्यक्ति देके भगवान कानून के सम्मान के सीमा देखावेले। कानूनी ग्रंथन के अक्षरन पर जीवन के नियमन ना कइल जा सके . अपना दिव्य निर्णय में भगवान ओह विस्तार से ध्यान में रखले बाड़न जवना के उनकर लिखल नियम के मरल अक्षर अनदेखी करेला आ भगवान के बिना आदमी के लगे अइसन करे के बुद्धि नइखे।

दान 6:15 *लेकिन इ लोग राजा से निहोरा करत कहलन कि , हे राजा , जान लीं कि मादी आफारसी के नियम में कहल गइल बा कि राजा द्वारा पुष्टि कइल गइल हर फरमान या फरमान अंतिम होखे के चाहीं।*

15क- साजिश रचे वाला लोग मादी आ फारसी के राजा के फैसला के अपरिवर्तनीय (अनुचित) प्रकृति के याद करेला। ऊ खुदे अपना विरासत में मिलल संस्कृति में फंसल बा . बाकिर ऊ समझत बा कि ऊ डेनियल का खिलाफ बनावल साजिश के शिकार भइल बा .

दान 6:16 *तब राजा आज्ञा दिहलन कि उ लोग दानियल के ले आके शेर के मां द में फेंक दिहले। राजा दानियल से कहलन, "तोहार भगवान , जेकर सेवा तू लगातार करत रहलू , तोहरा के बचा लेव। "*

16क- राजा के मजबूरी में दानियल के शेर के मांद में फेंक दिहल जाला , लेकिन उ पूरा मन से चाहत बाड़े कि जवना भगवान के उ एतना निष्ठा से सेवा करतारे , उ ओकरा के बचावे खाती हस्तक्षेप करस।

दान 6:17 *उ लोग एगो पत्थर लेके आके मांद के मुंह पर रख दिहलन , आराजा ओकरा पर अपना चिन्ह आअपना मालिकन के निशान से मुहर लगा दिहलन ताकि दानियल के बारे में कुछ ना बदलल जा सके।*

17क- इहाँ , दानियल के अनुभव मसीह के दफनावे से मिलत जुलत बा , जेकर गोलाकार पत्थर के दरवाजा पर भी सील लगावल गइल रहे ताकि मानव हस्तक्षेप ना होखे।

दान 6:18 *तब राजा अपना महल में जाके रात भर उपवास में बिता दिहले। ऊ कवनो उपपत्नी के अपना लगे ना ले अइले आओकरा नींद ना आवत रहे .*
18क- राजा के ई व्यवहार उनकर ईमानदारी के गवा ही देला। इ सब काम करके उ इ देखावेला कि उ दानियल के परमेश्वर के खुश करे के चाहत बा अउर ओकरा से आपन उद्धार पावे के चाहत बा। इहे उनकर एक भगवान में बदले के शुरुआत ह।
दान 6:19 *राजा सबेरे -सबेरे उठ के शेर के मांद में जल्दी -जल्दी चल गईले।*
19क- पवित्रता के तइयारी जवना के बाद दानियल के मौत के विचार से तड़पत मन के नींद ना आवे के कारण आभोर में शेरन के मांद में ई भागल कवनो बुतपरस्त राजा के काम ना ह बलुक एगो भाई के काम ह जवन भगवान में अपना भाई से प्यार करेला।
दान 6:20 *उ मांद के नजदीक आके उदास आवाज में दानियल के बोलव ले। राजा दानियल से कहलन, "जीवित परमेश्वर के सेवक दानियल , का तोहार भगवान , जेकर तू लगातार सेवा करत रहलू , तोहरा के शेरन से बचावे में कामयाब हो गइल बा ?*
20क- *गड्ढा के नजदीक पहुंचते उ उदास आवाज में दानियल के बोलवले*
राजा के उम्मीद बा , लेकिन उ दानियल खातिर सबसे खराब से डेरात बाड़े अवुरी डेरात बाड़े। हालांकि ओकर उम्मीद के प्रमाण एह बात से मिलेला कि ऊ ओकरा के फोन क के एगो सवाल पूछेला .
20ख- *जिंदा भगवान के सेवक दानियल , का तोहार भगवान , जेकर तू धैर्य से सेवा करत बाड़ , ऊ तोहरा के शेरन से बचावे में कामयाब हो गइल बाड़ेन ?*
ओकरा के " *जीवित भगवान* " कह के दारा अपना धर्मांतरण के शुरुआत के गवाही देत बाड़े। हालांकि उनकर सवाल " ***का उ*** *तोहरा के शेर से बचावे में कामयाब हो गईल ?* देखावत बा कि ऊ अबहीं ले ओकरा के नइखे जानत . ना त ऊ कहित ," *का ऊ तोहरा के शेरन से बचावल चाहत रहे ?* "
दान 6:21 *तब दानियल राजा से कहलन, "हे राजा , हमेशा खातिर जिंदा रहऽ।*
21क- षड्यंत्रकारी लोग के मुँह में , पद 6 में , एह अभिव्यक्ति के बहुत कम मतलब रहे , लेकिन दानियल के मुँह में , इ परमेश्वर के चुनल लोग खातिर आरक्षित अनन्त जीवन के पहुँच के भविष्यवाणी करेला।
दान 6:22 *हमार परमेश्वर आपन दूत भेजले बाड़न आशेरन के मुँह बंद कर दिहले बाड़न कि ऊ लोग हमरा के कवनो नुकसान ना पहुँचावे , काहे कि हम ओकरा सामने निर्दोष पावल गइल बानी , आ हे राजा , तोहरा सामने का हम कवनो दुष्ट काम ना कइले बानी।*

22क- एह अनुभव में राजा दारा के एहसास होला कि दानियल के बिना छिपले सच्चा जीवित भगवान के सेवा केतना बेवकूफी , अनुचित , आ अस्वीकार कइल मानव शाही फरमान के अपरिवर्तनीय अवधारणा ह।

दान 6:23 *तब राजा बहुत खुश होके आज्ञा दिहलन कि उ लोग दानियल के मांद से बाहर ले जास। दानियल के मांद से बाहर निकालल गईल अवुरी उनु का प कवनो प्रकार के चोट ना पहुंचल , काहेंकी उ अपना भगवान प विश्वास करत रहले।*

23क- *तब राजा बहुत खुश हो गइलन*

प्राकृतिक आ सहज आनन्द के ई प्रतिक्रिया भगवान के भविष्य के चुनल आदमी के उजागर करेला काहे कि राजा के लगे अब अपना अस्तित्व आ अपना शक्ति के निश्चय बा।

23ख- *दानियल के गड्ढा से उठावल गइल , आ ओकरा पर कवनो घाव ना मिलल*

ठीक ओसही जइसे सुपरहीट भट्ठी में फेंकल दानियल के तीनों साथी के कपड़ा ना जरावल गईल।

23ग - *काहे कि ऊ अपना भगवान पर भरोसा कइले रहले*

ई भरोसा उनकर ओह शाही फरमान के ना माने के फैसला में प्रकट भइल जवना से भगवान के प्रार्थना से वंचित कर दिहल गइल रहे ; विशुद्ध मानवीय आस्था के एह मॉडल आदमी खातिर एगो असंभव आ अकल्पनीय विकल्प .

दान 6:24 *राजा आज्ञा दिहलन कि दानियल के आरोप लगावे वाला लोग के शेर के मांद में ले अइलन , उनकर लइकन आ उनकर मेहरारू लोग के , आ मांद के तल में आवे से पहिले शेर ओह लोग के पकड़ लिहले आ उनकर सब हड्डी के टुकड़ा -टुकड़ा कर दिहले।*

24क- बुराई के योजना बनावे वाला दुष्टन पर भगवान मेज घुमा दिहले बाड़न। आवे वाला फारसी राजा लोग के समय में यहू दी मोर्दकै खातिर अनुभव दोहरावल जाई , जेकरा के रानी एस्थर के समय में नेता हामान अपना लोग के साथे मारल चाहत होई। उहाँ भी हामान ही हवे जे अंत में मोर्दकै खातिर लगावल फांसी पर लटकल रही।

दान 6:25 *एकरा बाद राजा दारा धरती पर रहे वाला सब लोग , जाति अउर भाषा के चिट् ठी लिखले कि , "तोहरा के भरपूर शांति दिहल जाव। "*

25क- राजा के ई नया लेखन जीवित भगवान के जीतल आदमी के ह। अब अपना दिल में पूरा शांति मिलला के चलते उ अपना दबंग स्थिति के इस्तेमाल अपना राज्य के सभ लोग के संबोधित करे खाती अपना शांति के गवाही के संबोधित करेले जवन कि उनुका सच्चा भगवान से मिलल बा।

दान 6:26 *हम आज्ञा देत हई कि हमरा पूरा राज्य में लोग दानियल के परमेश्वर से डेराए अउर डेराए। काहे कि ऊ*

जिंदा भगवान हउवें आऊ हमेशा खातिर टिकल रहेलें . ओकर राज्य जवन नाश ना होई आओकर प्रभु अंत तक टिकल रही।

26क- *हम आदेश देत बा नी कि , अपना राज्य के पूरा विस्तार में*

राजा आदेश देले लेकिन उ केहु के जबरदस्ती ना करेले।

26ख- *हमनी के दानियल के भगवान से डर आडर बा*

बाकिर एह अनुभव से समृद्ध होके ऊ दानियल के खिलाफ रचल एगो नया साजिश के लेखकन के मनावे खातिर दानियल के भगवान के डर आआतंक थोप दे ला .

26ग- *काहे कि ऊ जिंदा भगवान हवें आऊ हमेशा खातिर टिकल रहेलें*

उनुका उम्मीद बा कि इ गवाही राज्य के लोग के दिल में मिल जाई अवुरी एकरा खाती उ उनुकर स्तुति अवुरी ऊंचाई देवेले।

26घ- *ओकर राज्य कबो नाश ना होई , आओकर प्रभु अंत तक चलत रही*

मूर्ति के 5वां राज्य के शाश्वत चरित्र के फेर से घोषणा कईल गईल बा।

दान 6:27 *उ मुक्तिदाता अउर उद्धारकर्ता हवें , जे स्वर्ग अउर धरती पर चमत्कार अउर चमत्कार करेलन। उ दानियल के शेर के शक्ति से बचा लेले।*

27क- *उहे ह जे उद्धार करेला आबचावेला*

राजा जवन देखले बाड़न ओकर गवाही देत बाड़न , बाकिर ई मुक्ति अउर उद्धार खाली भौतिक शरीर , दानियल के जीवन से संबंधित बा। पाप से बचावे अउर बचावे के परमेश्वर के इच्छा के समझे खातिर यीशु मसीह के आवे के इंतजार कइल जरूरी होई। बाकिर ध्यान दीं कि राजा के स्वाभाविक रूप से जिंदा भगवान के खुश करे खातिर अपना के शुद्ध करे के जरूरत महसूस भइल .

27ख- *जे आकाश आधरती पर चमत्कार आचमत्कार करेला*

दानियल के किताब एह संकेत अउर चमत्कारन के गवाही देले बा , अलौकिक काम जवन परमेश्वर कइले रहले , लेकिन सावधान , शैतान अउर उनकर राक्षस भी कुछ ईश्वरीय चमत्कार के नकली बना सकेलन। दुनो संभा वित मूल के पहचान करे खातिर इ समझल काफी बा कि दिहल गईल संदेश से केकरा फायदा होखेला। का एकरा से सृष्टिकर्ता परमेश्वर के आज्ञाकारिता होला , या आज्ञा ना माने के ?

दान 6:28 *दानियल दारा के शासनकाल में आफारसी कोरस के शासनकाल में समृद्ध भइल।*

28क- हमनी के समझत बा नी जा कि दानियल अपना पैतृक भूमि में ना लवट अइहें , लेकिन दान .9 में जवन सबक

भगवान उनुका के सिखवले बाड़े , उ उनुका के बिना अपना भगवान के तय भाग्य के भोगले स्वीकार करवले होई।

दानियल 7 के बा

दान 7:1 *बेबिलोन के राजा बेलसस्सर के पहिला साल में दानियल एगो सपना देखले , अउर जब उ अपना बिछौना पर लेट गईले त उनकर दिमाग में दर्शन आइल। आ सपना लिख के प्रधान बात बतवले।*

1क- *बेबिलोन के राजा बेलसजर के पहिला साल*

कहे के मतलब बा कि में – 605. जब से दान के दर्शन। 2, 50 साल बीत गईल। मर गइल , महान राजा नबूकदनेस्सर के जगह पर उनकर पोता बेलसस्सर के नाम आवेला।

दान 7:2 *: दानियल शुरू कइलन आ कहलन कि हम अपना दर्शन में रात में देखनी , आ देखनी कि आकाश के चार हवा बड़का समुंदर पर झगड़ा करत रहे।*

2क- के बा। *स्वर्ग के चारो हवा फाट गइल*

ई सार्वभौमिक युद्ध हवें जे दबंग लोग के चार गो कार्डिनल बिंदु सभ के दिशा में आपन सत्ता बढ़ावे के ओर ले जाला , उत्तर , दक्खिन , पूरब आ पश्चिम के ओर।

2ख- के बा। *महान समुंदर पर बा*

छवि मानवता खातिर चापलूसी वा ला नइखे , काहे कि समुंदर , चाहे ऊ बड़हन होखे , मौत के प्रतीक ह. ई , भगवान के योजना में , आदमी खातिर तइयार वातावरण ना ह जवन ओकर प्रतिरूप में बनल बा , उत्पत्ति 1 के अनुसार , ओकर परिवेश धरती ह। बाकिर मानवता , मूल पाप से ही , अपना अवज्ञा के माध्यम से , आपन दिव्य छवि गँ वा दिहले बा आ अब ओकरा शुद्ध आ पवित्र नजर में कुछुओ नइखे रहि गइल , सिवाय अशुद्ध आ पेटू समुद्री जानवरन के जवन शैतान आ राक्षसन के प्रेरणा से एक दोसरा के खा जाला . एह दर्शन में समुद्र मनुष्य के बेनामी द्रव्यमान के प्रतीक ह।

एकरा अलावा , भविष्यवाणी में शामिल क्षे त्र भूमध्य सागर के सीमा से सटल अपना तटीय पहलु से जुड़ल लोग से संबंधित बा। एह से दबंग लोग के विजय

के युद्धप्रिय काम में समुन्दर के बहुत बड़ भूमिका होला /

दान 7:3 *आचार गो बड़हन जानवर समुंदर से निकलल , अलग-अलग l e s एक दूसरा से मिलल बा।*

3क- *आचार गो बड़हन जा नवर समुंदर से निकलल*

एगो नया दर्शन में हमनी के दानियल 2 में दिहल शिक्षा पावेनी जा , लेकिन इहाँ *जानवर मूर्ति के शरीर* के अंग के जगह लेवेले ।

3ख- *अलग-अलग ल **ई** एस के बा एक दूसरा से*

दान के *मूर्ति* के सामग्री .2.

दान 7:4 *पहिला **शेर नियर रहे** , आओकर पाँख चील के रहे , हम तब तक देखनी जब तक कि ओकर पाँख ना उखाड़ल गइल , आ ओकरा के धरती से ऊपर उठा के आदमी नियर गोड़ पर खड़ा कर दिहल गइल , आओकरा के एगो आदमी के दिल दिहल गइल।*

4क- के *बा पहिला **शेर नियर रहे** , आचील के पाँख रहे*

इहाँ दान के कसदी राजा के *सोना के सिर* / २ *चील के पाँख वाला शेर बन जाला* ; बेबिलोन के नीले पत्थर पर उकेरल प्रतीक चिन्ह , दान में राजा नबूकदनेस्सर के गौरव। 4. के बा।

4ख- *हम देखत रहनी , जब तक कि उनकर पाँख ना फाट गइल*

भविष्यवाणी में सात साल या सात समय के बात कईल गईल बा , जवना के दौरान राजा नबूकदने स्सर के भगवान बेवकूफ बना देले रहले। एह 7 साल (*सात बेर*) के दौरान अपमान के भविष्यवाणी दान में कइल गइल। 4:16, *उनकर मानवीय दिल हटा दिहल गइल* , जवना के जगह एगो जानवर के दिल ले लिहल गइल।

4ग - के बा। *ओकरा के धरती से उठा के आदमी निहन गोड़ प खड़ा क दिहल गईल अवुरी आदमी के दिल ओकरा के दिहल गईल।*

उनकर सृष्टिकर्ता भगवान में धर्मांतरण के इहाँ पुष्टि भइल बा। उनकर अनुभव हमनी के ई समझे के अनुमति देला कि , भगवान खातिर आदमी तबे इंसान होला जब ओकर दिल भगवान के दिल के छवि धारण करेला। उ एकरा के यीशु मसीह में अपना अवतार में प्रकट करीहे , जवन प्रेम अउर आज्ञाकारिता के सही ईश्वरीय मॉडल ह।

दान 7:5 *एगो अउरी जानवर **भालू निहन रहे** , उ एक ओर बईठल रहे , ओकरा मुंह में ओकर दांत के बीच में तीन पसली रहे , अवुरी उ लोग ओकरा से कहलस कि , उठ , बहुत मांस खा जा।*

5क- *आदेखऽ , एगो दूसर जानवर **भालू नियर रहे** , आएक ओर खड़ा रहे*

कसदी राजा के बाद मादी आफारस के *चांदी के छाती आबांह भालू बन जाला* . परिशुद्धता " *जवन एक ओर खड़ा रहे* " फारसी वर्चस्व के देखावे ला जे मादी के वर्चस्व के बाद दुसरा नंबर पर लउकल , बाकी राजा

साइरस द्वितीय फारसी द्वारा मिलल एकर जीत एकरा के मादी लोग से बहुत ढेर ताकत दिहलस।
5ख- *उनकर मुँह में तीन गो पसलियन के दाँत के बीच में रहे , त उ लोग उनका से कहलस कि उठ, बहुत मांस खाईं*
फारसी लोग मादी पर हावी होके तीन गो देस जीती : 546 ईसा पूर्व में अमीर राजा क्रोएसस के लिडिया , 539 ईसा पूर्व में बेबिलोन आ525 ईसा पूर्व में मिस्र।
Dan 7:6 *एकरा बाद हम देखनी कि एगो अउरी* ***तेंदुआ नियर बा*** *, आओकरा पीठ पर चिरई नियर चार गो पाँख बा। आजानवर के चार गो सिर रहे। आओकरा के प्रभुत्व दिहल गइल।*
6क- *एकरा बाद हम देखनी त देखनी कि एगो अउरी* ***तेंदुआ निहन रहे***
ठीक ओइसहीं यूनानी शासकन के *पीतल के पेट आ जांघ चार गो चिरई के पाँख वाला तेंदुआ बन जाला* ; ग्रीक *तेंदुआ* के धब्बा एकरा के **पाप के प्रतीक** बनावेला .
6ख- *आपीठ पर चिरई नियर चार गो पाँख रहे*
तेंदुआ से जुड़ल चार *गो चिरई के पंख* एकरे युवा राजा सिकंदर महान (-336 से -323 के बीच) के बिजय संभ के चर म गति के चित्रण आपुष्टि करे लें।
6ग- *एह जानवर के चार गो सिर रहे , आओकरा के प्रभुत्व दिहल गइल रहे*
इहाँ , " *चार गो सिर* " *लेकिन दान .8 में ई* " *चार गो बड़हन सींग* " होई जवन ग्रीक दबंग लोग के नामित करेला , सिकंदर महान के उत्तराधिकारी : सेल्यूकस , टोलेमी , लाइसिमाकस , आकैसंडर।
दान *7:7 एकरा बाद हम रात के दर्शन में देखनी , अउर देखनी कि* ***एगो चउथा जानवर , भयावह*** *अउर भयानक अउर बहुत मजबूत। आ ओकरा में लोहा के बड़हन दाँत रहे। ऊ खा गइल , टुकड़ा -टुकड़ा कर दिहलस आ अवशेष के गोड़ के नीचे मुहर लगा दिहलस ; एकरा से पहिले के सभ जानवर से अलग-अलग रहे अवुरी एकरा में दस सींग रहे।*
7क- *एकरा बाद हम रात के दर्शन में देखनी , आदेखनी कि* ***एगो चउथा जानवर , भयानक*** *, भयावह आबेहद मजबूत*
इहाँ भी रोमन साम्राज्य के *लोहा के गोड़ लोहा के दाँत आ दस सींग वाला* राक्षस बन जाला . काहे कि प्रकाशितवाक्य 13:2 के अनुसार , ई अकेले पिछला 3 साम्राज्य के मापदंड के सहन करेला : *शेर के ताकत* , जवना के पुष्टि एह श्लोक में कइल गइल बा जहाँ एकरा के निर्दिष्ट कइल गइल बा : *असाधारण रूप से मजबूत* ; *भालू* के शक्ति , आ तेंदुआ के गति / **ओकरा पाप के विरासत के साथे** ओकर दाग के प्रतीक।
7ख- *ओकर बड़का लोहा के दाँत रहे , ऊ खात रहे , टुकड़ा - टुकड़ा करत रहे आ जवन कुछ बचल रहे ओकरा के गोड़ से रौंदत रहे ;*

लोहा के प्रतीक से भइल नरसंहार आ नरसंहार सभ के जिम्मेदार ठहरावे लें जे दुनिया के अंत ले , इनके पोप के वर्चस्व से जारी रही ।

7ग- ई पहिले के सभ जानवर से अलग रहे , आएकर दस सींग रहे।

दस *गो सींग* फ्रैंक , लोम्बार्ड , अलेमानी , एंग्लो -सैक्सन , विसिगोथ , बरगंडी , सुएबी , हेरुली , वंडाल आ ओस्ट्रोगोथ के प्रतिनिधित्व करे लें। इ ***दस गो*** मसीही राज्य ह जवन 395 में रोमन साम्राज्य के पतन के बाद बनल रहे , जवन कि स्वर्गदूत द्वारा दानियल के पद 24 में दिहल गईल व्याख्या के अनुसार।

दान 7:8 *हम सींगन पर विचार कइनी त देखनी कि ओह सींग के बीच से एगो अउरी छोट सींग निकलल आ ओह सींग के सामने पहिला सींग में से तीन गो सींग उखाड़ल रहे , आ देख , ओकरा में आदमी के आँख जइसन आँख रहे आएगो मुँह बहुत बड़ बात बोलत रहे।*

8क- हम सींगन पर विचार कइनी त देखनी कि ओह लोग के बीच से एगो अउरी छोट सींग निकलल

ई *छोट सींग दस गो सींग सभ* में से कौनों एक से निकले ला , जे ओस्ट्रोगोथिक इटली के नाँव देला जहाँ रोम शहर आतथाकथित पोप के "पवित्र आसन" बा टे , माउंट सेलियन पर लैटरन पैलेस में ; लैटिन नाम के अर्थ : स्वर्ग।

8ख- आ पहिला सींग में से तीन गो एह सींग के पहिले उखाड़ल गइल

फाटल *सींग* कालक्रम से बा : *तीनों राजा* पद 24 से *नीचे कइल गइल* , मने कि 493 से 510 के बीच के हेरुली , फिर क्रम से , 533 में वंडाल , आ 538 में ओस्ट्रोगोथ जेकरा के जस्टिनियन I के आदेश में जनरल बेलिसारियस द्वारा रोम से भगा दिहल गइल , आ 540 में रवेना में निश्चित रूप से हार गइल काहें से कि *एकरा से पहिले के* अभिव्यक्ति के परिणाम के नोट करे के पड़ी *सींग* । एकर मतलब ई बा कि *सींग के* कवनो निजी सैन्य शक्ति ना होला आ एकरा के ओह राजकुमारन के सशस्त्र बल से फायदा होला जे एकरा से डेरात बा आ एकरा धार्मिक सत्ता से डेरात बा आ एह तरह से एकर समर्थन कइल आ एकर पालन कइल पसंद करेला . एह तर्क के पुष्टि दान .8:24 में होई जहाँ हमनी के पढ़ब जा : *एकर शक्ति बढ़ी , लेकिन ओकर आपन ताकत से ना* अउर पद 25 निर्दिष्ट करी : *एकर समृद्धि अउर अपना चाल के सफलता के कारण , एकरा दिल में अहंकार होई* . **एह तरह से ई देखावल गइल बा कि सच्चाई के पुष्टि खाली दानियल के किताब के अलग-अलग अध्याय में बिखराइल समान संदेशन के समूहबद्ध करके होला अउर अधिक व्यापक रूप से पूरा बाइबल में।** अलग-अलग , किताब के अध्याय भविष्यवाणी आ ओकर संदेशन पर "मुहर " लगा

देला , सबसे सूक्ष्म आमहत्वपूर्ण संदेश दुर्गम रह जाला।

8ग- *आदेखऽ , उनकर आँख आदमी के आँख जइसन रहे*

प्रकाशितवाक्य 9 में , आत्मा अपना वर्णन के शुरुआत में *अइसन शब्द से कइले बाड़न* । एह तरह से ऊ रूप में एगो अइसन समानता के सुझाव देत बाड़न जवन वास्तविकता ना होखे . इहाँ भी हमनी के यीशु मसीह में *अवतारित आदमी के* सिद्धता में समानता के नोट करे के होई , लेकिन ओकरा लगे खाली ढोंग बा। लेकिन एकरा से भी ज्यादा बा , काहे कि " *आँख* " भविष्यवक्ता लोग के स्पष्टदर्शिता के प्रतीक ह जवना के यीशु भी सही मॉडल हवे। आ आत्मा पोप के भविष्यवाणी के ढोंग के संकेत देत बा जवन अंत में वैटिकन सिटी में आपन आधिकारिक सीट स्थापित करी , एगो शब्द जवना के मतलब होला : भविष्यवाणी कइल, लैटिन भाषा से "vaticinare" से । एकर पुष्टि प्रकाशितवाक्य 2:20 में होई , जब आत्मा एह रोमन कैथोलिक कलीसिया के तुलना *ईजेबेल से करेला* जे याहवेह के भविष्यवक्ता लोग के मार दिहले रहे , बाल के पूजा करे वाली विदेशी महिला , जेकर बियाह राजा अहाब से भइल रहे। तुलना जायज बा काहे कि पोपवाद मसीह में भगवा न के सच्चा भविष्यवक्ता लोग के इंक्विजिशन के दांव पर मार देला।

८घ- आएगो मुँह , जवन अहंकार से बोलत रहे।

एह अध्याय 7 में , ईश्वरीय फिल्म निर्माता आ निर्देशक "ज़ूम " में ईसाई युग के प्रस्तुत कइले बाड़न जवन उनकर विशेष रूप से चिंतित बा , रोमन साम्राज्य के अंत आ मा इकल में मसीह के गौरवशाली वापसी के बीच के अवधि , जवन स्वर्गदूतन के बीच उनकर आकाशीय नाम ह। ऊ एगो *अहंकारी राजा , संतन के सतावे वाला* के आवे के घोषणा करेला *के परम* , जे ईश्वरीय धार्मिक मानदंडन पर हमला करेला , *समय आ कानून के बदले के कोशिश करेला* , दस आज्ञा लेकिन अन्य दिव्य नियमन के भी। आत्मा ओकर अंतिम सजा के घोषणा करेला ; ऊ " *आग से भस्म हो जाई ." काहे कि उनकर अहंकारी शब्दन के कारण* ." एह से सातवीं सहस्राब्दी के स्वर्गीय न्याय के दृश्य *उनकर अहंकारी शब्दन के जिक्र के तुरंत बाद प्रस्तुत कइल जाला . ओकरा से पहिले राजा नबूकदने स्सर भी अहंकार* देखवले रहले लेकिन उ विनम्रता से अपमान के पाठ के स्वीकार कईले रहले जवन परमेश्वर उनुका के देले रहले।

स्वर्गीय न्याय के बारे में बतावल गइल बा

दान 7:9 *हम तब तक देखत रहनी जब तक सिंहासन के जगह पर ना लगावल गईल , अउर दिन के प्राचीन बईठल। उनकर कपड़ा बर्फ नियर उज्जर रहे आ माथा के बाल शुद्ध ऊन नियर*

रहे। ओकर सिंहासन आग के लपट नियर रहे आ ओकर पहिया जरत आग नियर रहे।

9क- *हम देखत रहनी जब सिंहासन लगावल जात रहे*

इ दृश्य न्याय के समय के प्रतिनिधित्व करेला जवन यीशु मसीह के छुटकारा पावल संत लोग द्वारा उनकर उपस्थिति में, *सिंहासन पर बइठल*, प्रकाशितवाक्य 4 के अनुसार ***स्वर्ग में***, ***प्रकाशितवाक्य 20 में उल्लेखित*** *हजार साल के दौरान पूरा कइल जाई।ई न्याय* **अंतिम न्याय** खातिर शर्त तैयार करेला जवना के निष्पादन के चित्रण पद 11 में कइल गइल बा।

9ख- *आदिन के प्राचीन बइठ गइलन।*

इहे देवता बनल मसीह हवें, एकमात्र सृष्टिकर्ता परमेश्वर हवें। *असित* क्रिया के क्रिया कवनो खड़ा गतिविधि के बंद होखे के संकेत देला; ई आराम के छवि ह। स्वर्ग में बिल्कुल शांति बा। धरती पर मसीह के वापसी में दुष्ट लोग के नाश हो गइल बा।

9ग- *उनकर कपड़ा बर्फ नियर उज्जर रहे आ माथा के बाल शुद्ध ऊन नियर रहे*

सफेद भगवान के पूर्ण पवित्रता के प्रतीक ह जवन उनकर कपड़ा के स्तर पर उनकर पूरा स्वभाव से संबंधित बा, उनकर काम के प्रतीक आ उनकर माथा के बाल जवन सब *पाप* से मुक्त शुद्ध आ पूर्ण बुद्धि के मुकुट ह.

इ श्लोक यशायाह 1:18 के सुझाव देत बा: *अब आ जा, अउर हमनी के एक साथ तर्क करीं जा, याहवेह कहत हउवें। भले तोहार पाप लाल रंग के होखे, लेकिन उ बर्फ निहन उज्जर हो जाई। भले ही उ लोग किरमिजी रंग निहन लाल होखस, लेकिन ऊन निहन होईहे।*

९घ- *उनकर सिंहासन आग के लपट नियर रहे*,

सिंहासन महान न्यायाधीश के जगह के नामित करेला, यानी भगवान के विचार के न्याय। *एकरा के आग के लौ* के प्रति रूप के नीचे रखल गइल बा जवन प्रकाशितवाक्य 1:14 में बदला लेवे वाला मसीह के *आँख* होई जहाँ हमनी के एह श्लोक के वर्णन मिलेला। आग नाश कर देला, जवन एह न्याय के भगवान आ उनकर चुनल दुश्मनन *के* नाश करे के उद्देश्य देला। चुकी इ सब पहिलही से मर चुकल बाड़े, एहसे इ फैसला *दूसरा मौत से जुड़ल बा* जवन कि निंदा करेवाला लोग प निश्चित रूप से प्रहार करी।

9वीं - *आपहिया जरत आग निहन।*

सिंहासन के पहिया बा जवना के तुलना एगो *जरत आग से कइल गइल* बा जवन धरती पर जरावल जाई: प्रकाशितवाक्य 20:14-15: *दूसरा मौत ह आग के झील के*. एहसे पहिया *से* पता चलेला कि जज लोग के स्वर्ग से

धरती प जाए के फैसला सुनावल गईल बा। जीवित परमेश्वर , महान न्यायाधीश , हिलत हउवें अउर जब धरती के नवीनीकरण अउर शुद्ध हो जाई , त उ फिर से हिल जाई कि उहाँ आपन शाही सिंहासन स्थापित कर सकस जवन प्रकाशितवाक्य 21:2-3 के अनुसार।

दान 7:10 *उनकरा सामने से आग के नदी बहत निकलल। हजारन हजार लोग उनकर सेवा कइल आदस हजार गुना दस लोग उनका सोझा खड़ा हो गइल . जज लोग बइठल , आकिताब खोलल गइल।*

10क- *आग के नदी बह के सामने से निकलल*

वाला *आग*जवन स्वर्ग से उतर के गिरल मुअल लोग के आत्मा के खा जाई अउर फिर जिंदा हो जाई , प्रकाशितवाक्य 20:9 के अनुसार : *अउर उ लोग धरती के ऊपर चढ़ गईले , अउर संत लोग के डेरा अउर प्रिय शहर के घेर लिहले* ***। लेकिन स्वर्ग से आग उतर के ओ लोग के खा गईल .***

10ख- *हजार हजार उनकर सेवा कइले*

यानी लाख आत्मा , धरती से मुक्त चुनल ***लोग ।***

10ग- *आ दस हजार लाख* ***उनुका सान्निध्य में खड़ा हो गइल***

दस अरब पार्थिव आत्मा के परमेश्वर द्वारा ***बोलावल गईल बा*** अउर उनकरा अउर उनकर न्यायाधीश लोग के सामने बोलावल जाला ताकि उ *दूसरा मौत के न्यायसंगत ईश्वरीय सजा से गुजर सकें* , कुछ बात के पुष्टि लूका 19:27 में कईल गईल बा : *अंत में , हमार दुश्मन , जे ना चाहत रहले कि हम उनकरा पर राज करीं , इहाँ ले आके* ***हमरा सामने उनकरा के मार देनी*** । एह तरह से , आत्मा मत्ती 22:14 में यीशु के माध्यम से कहल गइल शब्दन के पुष्टि करेला : ***काहेकि बहुत लोग बोलावल गइल बा , लेकिन चुनल कम लोग बा*** । खासकर लूका 18:8 के अनुसार अंतिम समय में इहे होई : ... *लेकिन जब आदमी के बेटा आई, त का उ धरती पर विश्वास पाई ?*

10घ- *जज लोग बइठ गइल , आकिताब खोलल गइल*

सुप्रीम कोर्ट ओह गवाही का आधार पर फैसला करी जवना से एह फैसला के सक्षम बनावल गइल बा आहर निंदा कइल आत्मा का हिसाब से अलग अलग अभियोग लगावल गइल बा . एकर *किताबन* में एगो प्राणी के जीवन बा , जवना के भगवान याद में रखले बाड़े , जवना के गवाह के रूप में विश्वासी स्वर्गदूत बाड़े , जवन वर्तमान में पृथ्वी के लोग खातिर अदृश्य बा।

दान 7:11 *तब हम ओह बड़हन बातन के चलते देखनी जवन सींग कहत रहे। आजब हम देखनी त ऊ जानवर मार दिहल गइल।*

11क- *हम तब देखनी , सींग जवन अहंकारी शब्द बोलत रहे ओकरा चलते*

जइसे कि शब्द " *के चलते ...* " *अहंकारी शब्द* " इशारा करेला , इ श्लोक हमनी के कारण -प्रभाव संबंध देखावल

चाहत बा जवन परमेश्वर के निर्णय के परिभाषित करेला । उ बिना कारण के न्याय ना करेला।

11ख- *आजब हम देखत रहनी त जानवर के मार दिहल गइल*

अगर उत्तराधिकार के प्रतिनिधित्व करे वाला *चउथा जानवर* , शाही रोम - दस गो यूरोपीय राज्य - पोप के रोम , आग से नष्ट हो जाला , ई पोप के रोम के *अहंकारी मौखिक गतिविधि* के ***कारण होला*** ; गतिविधि जवन मसीह के वापसी तक जारी रही।

11ग- *आओकर लाश* ***नष्ट हो गइल*** , *आग में पहुँचा के जरावल गइल*

न्याय एके साथे *छोट सींग* अउर *दस* सिविल सींग पर प्रहार करेला जवन एकरा के सहारा देत रहे अउर प्रकाशितवाक्य 18:4 के अनुसार एकर पाप में भाग लेत रहे। *दूसरा मौत के आग के झील ओह लोग के खा जाई* आ सफाया ***कर दी*** .

दान 7:12 *बाकी जानवरन के शक्ति छीन लिहल गइल , लेकिन उनकर जीवन कुछ समय खातिर लंबा हो गइल।*

12क- *बाकी जानवरन के सत्ता छीन लिहल गइल*

इहाँ , जइसे कि प्रकाशितवाक्य 19:20 अउर 21 में , आत्मा इ प्रकट करेला कि बुतप रस्ती के साधारण पापी लोग खातिर एगो अलग भाग्य के इंतजार बा , जवन कि आदम से सब पार्थिव इतिहास के मानव जनमानस में संचारित मूल पाप के वारिस हवे।

12ख- *बाकिर ओह लोग के एगो निश्चित समय तक जीवन के विस्तार दिहल गइल*

एह परिशुद्धता के मकसद पिछला साम्राज्य सभ के फायदा के संकेत दिहल बा कि ऊ दुनिया के अंत में अपना वर्चस्व के अंत के अनुभव ना कइले रहलें जइसे कि ईसा मसीह के वापसी के समय सार्वभौमिक ईसाई सरकार के अंतिम रूप के तहत चउथा रोमन जानवर खातिर होला। 4वीं के अंत एकर पूरा विनाश से चिन्हित बा । एकरा बाद धरती उत्पत्ति 1:2 के *खाई* के प्रतिरूप में *निराकार अउर खाली रह जाई।*

ईसा मसीह , आदमी के बेटा

दान 7:13 *हम रात के दर्शन में देखनी , आदेखनी कि आदमी के बेटा जइसन आदमी स्वर्ग के बादल के साथे आके दिन के पुरान आदमी के लगे आके ओकरा के पास ले अइले।*

13क- *हम रात के दर्शन में देखनी , आदेखनी कि आकाश के बादल के संगे आदमी के बेटा निहन आदमी आगईल*

आदमी के बेटा के ई प्रकटीकरण अभी बतावल गइल न्याय के दिहल अर्थ पर प्रकाश डालत बा। न्याय मसीह के ह। लेकिन दानियल के समय में यीशु अभी तक ना आइल रहले , एह से परमेश्वर के चित् रण बा कि उ आदमी के धरती पर पहिला बेर आवे के दौरान अपना पार्थिव सेवा के माध्यम से का पूरा करीहे।

13ख- *ऊ दिन के प्राचीन के लगे पहुँचल , आऊ लोग ओकरा के ओकरा लगे ले आइल।*

उनकर मौत के बाद उ फिर से जी उठ जइहें , आपन सिद्ध धार्मिकता के प्रस्तुत करे खातिर , जवन आहत परमेश्वर के बलिदान के रूप में दिहल गइल रहे , ताकि उ अपना वफादार चुनल लोग खातिर माफी पावे , जेकरा के खुद चुनल आ चुनल गइल रहे। प्रस्तुत छवि मसीह में परमेश्वर के स्वैच्छिक बलिदान में विश्वास से प्राप्त उद्धार के सिद्धांत के सिखावेला। आभगवान के सामने एकर वैधता के पुष्टि करेला।

दान 7:14 *ओकरा के प्रभुत्व , महिमा आराज्य दिहल गइल कि सभे लोग , जाति आ भाषा ओकर सेवा करे। ओकर प्रभु एगो अनन्त अधिकार ह, जवन ना बीत पाई , आओकर राज्य जवन नाश ना होई।*

14क- *ओकरा के प्रभुत्व , महिमा आराज्य दिहल गइल*

एह श्लोक के डेटा के संक्षेप में मत्ती 28:18 से 20 तक के एह पदन में दिहल गइल बा जवन एह बात के पुष्टि करेला कि न्याय यीशु मसीह के ह: *यीशु , नजदीक आके , उनकरा से एह तरह से बात कइले : **हमरा के स्वर्ग अउर धरती पर सब अधिकार दिहल गइल बा** । एह से जाके सब जाति के चेला बनाईं , पिता , बेटा आपवित्र आत् मा के नाम से बपतिस्मा दीं आउ सब के पालन करे के सिखाईं जवन हम तोहके देले बानी। आदेखऽ , हम हमेशा रउरा साथे बानी , युग के अंत तक.*

14ख- *आसब लोग , जाति आभाषा उनकर **सेवा करत रहे***

निरपेक्ष रूप से कहल जाव त इ नया धरती पर होई , पुरान धरती के सातवीं सहस्राब्दी के बा द नवीकरण आ महिमामंडित कइल गइल। लेकिन मुक्ति पावे वाला लोग के सब *लोग , जाति अउर हर भाषा के आदमी* से चुनल गईल होई , यीशु मसीह के मिलल अनूठा उद्धार से काहे कि उ लोग अपना जीवन के दौरान उनकर ***सेवा कईले रहले*** । प्रकाशितवाक्य 10:11 अउर 17:15 में इ अभिव्यक्ति यूरोप अउर ईसाईकृत पश्चिमी दुनिया के नामित करेला। हमनी के एह समूह में मुक्ति पावे वाला लोग के *लाख लोग* पावेनी जा जे परमेश्वर के सेवा करेलन , पद 10 में।

14ग- *आओकर राज्य कबो नाश ना होई*

दान में उद्धृत विवरण के बारे में बतावल गईल बा। 2:44 उनकरा बारे में इहाँ पुष्टि भइल बा कि *उनकर शासन कबो नाश ना होई।*

दान 7:15 *हम , दानियल , हमरा भीतर आत्मा में परेशान रहनी , आ हमरा माथा के दर्शन हमरा के परेशान करत रहे।*

15क- *हम , दानियल , अपना भीतर आत्मा में परेशा न रहनी*

दानियल के परेशानी जायज बा , दर्शन परमेश्वर के संतन खातिर एगो खतरा के घोषणा करेला।

15ख- *आमाथा के दर्शन हमरा के डेरा दिहलस।*
जल्दिए माइकल के बारे में उनुकर दृष्टि उनुका प भी इहे असर करी , दान के मुताबिक। 10:8: *हम अकेले रह गईनी , अउर हम इ महान दर्शन देखनी ; हमार ताकत हमरा के फेल हो गइल , चेहरा के रंग बदल गइल आपरेशान हो गइल आ हमार पूरा ताकत खतम हो गइल .* व्याख्या : *आदमी के बेटा आमाइकल* एके गो दिव्य व्यक्ति हवें . *भय* रोम के शासन के विशेषता होई , काहे कि एह दुनो लगातार वर् चस्व में , इ लोग के नबूकदनेस्सर , दारा मादी अवुरी कोरस 2 फारसी जईसन पवित्र दबंग ना दिही।
Dan 7:16 *हम ओहिजा खड़ा लोग में से एगो के पास गईनी आ ओकरा से इ सब बात के सच्चाई पूछनी।*
16क- **इहाँ से स्वर्गदूत के दिहल अतिरिक्त व्याख्या शुरू होला**

दान 7:17 *इ महान जान वर , जवन चार बा , चार राजा हवें , जवन धरती से उठिहें।*
17क- ध्यान दीं कि ई परिभाषा *मूर्ति* के छवि से दान .2 में प्रकट भइल उत्तराधिकारन पर ओतने लागू होला जतना कि इहाँ दान .7 में , *जानवरन के छवि से* .
दान 7:18 *लेकिन परमात्मा के संत लोग राज्य के अपना कब्जा में ले ली हें अउर हमेशा खातिर , हमेशा खातिर राज्य के मालिक बन जइहें।*
18क- चारों उत्तराधिकार के जइसन टिप्पणी। इहाँ भी पांचवा चुनल लोग के *अनन्त राज्य से संबंधित बा जवना के मसीह* **पाप** अउर मौत पर जीत के आधार पर बनावेलन ।
दान 7:19 *तब हम चउथा जानवर के बारे में सच्चाई जाने के चाहत रहनी , जवन बाकी जानवर से अलग रहे , बहुत भयानक रहे , जवना के दाँत लोहा के रहे अवुरी पीतल के पंजा रहे , जवन खात रहे , टुकड़ा -टुकड़ा करत रहे अवुरी अवशेष के अपना गोड़ से मुहर लगावत रहे।*
19क- *जेकरा लोहा के दाँत रहे*
इ हाँ हमनी के पाता , *दाँत में , लोहा* पहिले से ही रोमन साम्राज्य के कठोरता के प्रतीक दान के मूर्ति के *पैर से नामित। 2।*
19ख- आ ***कांस्य के*** *नाखून बा* .
एह अतिरिक्त जानकारी में , परी निर्दिष्ट कइले बाड़न : आ ***कांस्य*** *के नाखून* . एह तरह से **यूनानी पाप के विरासत के** पुष्टि ए ह अशुद्ध सामग्री से होला , जवन एगो मिश्र धातु ह जवन दान के *मूर्ति* के ***पेट आजांघ*** में यूनानी साम्राज्य के प्रतीक रहे । 2.
19ग- *जे खा गइल , तोड़ दिहलस , आ जवन बचल बा ओकरा के रौंद दिहलस*
खाए खातिर , या जीतल चीजन से फायदा उठावे खातिर , जवन ओकरा के बढ़े खातिर बनावेला – *तोड़े खातिर* , या

बाध्य करे खातिर अउर नष्ट करे खातिर – *पैर के नीचे रौंदे खातिर* , या तिरस्कार करे खातिर अउर सतावे खातिर – इहे काम हवें जवन लगातार दुनो "रोम " अउर उनकर नागरिक अउर धार्मिक समर्थक मसीह के वापसी तक अभ्यास करीहें। प्रकाशितवाक्य 12:17 में : आत्मा अंतिम "एडवेंटिस्ट " के " *अवशेष* " शब्द से नामित करेला।

दान 7:20 *आउर दस सींग जवन उनकर माथा में रहे , अउर दूसरा जवन ऊपर उठल रहे , आजवना के सामने तीन गो गिर गईल रहे , अउर उ सींग जवन आँख रहे आमुँह बहुत बड़ बात कहत रहे। आ* ***दोसरा से बड़हन रूप*** .

20क- ई श्लोक श्लोक 8 में एगो विरोधाभासी विस्तार ले आवेला , इहाँ " *छोट सींग* " कइसे लेला ***बाकी लोग से बड़हन रूप ?*** *दस सींग* के बाकी *राजा लोग से एकर इ सब अंतर बा* . ई बहुत कमजोर आ नाजुक बा आ तबहियो , विश्वासघात आ भगवान के डर से जवना के ऊ धरती पर प्रतिनिधित्व करे के दावा करेला , दुर्लभ अपवाद के छोड़ के ओह लोग पर हावी हो जाला आ अपना मर्जी से हेरफेर करेला .

दान 7:21 *हम देखनी कि उहे सींग पवित्र लोग से लड़ाई करत बा आओह लोग पर जीत करत बा।*

21क- विरोधाभास जारी बा। ऊ सर्वोच्च पवित्रता के मूर्त रूप देबे के दावा करेली आ भगवान उनुका पर आरोप लगावेलें कि ऊ अपना संतन के सतावत बाड़ी . तब एके गो सफाई बा कि ऊ साँस लेत झूठ बोलत बाड़ी . उनकर सफलता एगो अपार , धोखा देवे वाला अउर विनाशकारी झूठ के ह , जवन यीशु मसीह द्वारा खोजल गईल रास्ता के बहुत विनाशकारी बा।

दान 7:22 *जब तक कि पुरान लोग परम परमेश्वर के संत लोग के न्याय ना कइलन , अउर समय ना आइल जब तक कि संत लोग के राज्य के मालिकाना हक ना मिल गइल।*

22क- सौभाग्य से खुशखबरी के पुष्टि हो गईल बा। पोप के रोम आ ओकरा नागरिक आ धार्मिक समर्थकन के करिया कार्रवाई का बाद आखिरी जीत मसीह आ उनुका चुनल लोग पर लवट आई.

पद 23 आ24 में उत्तराधिकार के क्रम निर्दिष्ट कइल गइल बा

दान 7:23 *उ हमरा से अईसन बात कईले : चउथा जानवर एगो चउथा राज्य ह जवन धरती प होई , जवन कि सभ राज्य से अलग होई , अवुरी जवन पूरा धरती के खा जाई अवुरी ओकरा के रौंद के ओकरा के टुकड़ा -टुकड़ा क दिही।*

23क- बुतपरस्त रोमन साम्राज्य अपना साम्राज्यवादी रूप में – 27 से 395 के बीच।

दान 7:24 *दस सींग दस राजा हवें जे एह राज्य से उठिहें। ओह लोग के बाद एगो अउरी पैदा होई , जवन पहिला से अलग होई , आतीन गो राजा के अपना वश में करी।*

24क- एही परिशुद्धता के बदौलत हमनी के एह *दस गो सींग के पहचान* ढहल आ चकनाचूर रोमन साम्राज्य के पश्चिमी इलाका में बनल ***दस गो ईसाई राज्यन*** से कर सकेनी जा। ई इलाका हमनी के वर्तमान यूरोप के हवे : यूरोपीय संघ (या यूरोपीय संघ)।

दान 7:25 *ऊ परमात्मा के खिलाफ शब्द बोली , आपरम परम के संतन के थका दी , आसमय आनियम के बदले के सोची , आसंत लोग के कुछ समय आसमय आआधा समय खातिर ओकरा हाथ में सौंपल जाई।*

25क- *ऊ परमात्मा के खिलाफ शब्द बोली*

एह श्लोक में भगवान ओह पापन के निंदा के केंद्र में रखले बाड़न जवना के ऊ रोमन पोप शासन आ ओकरा से पहिले के रोम के बिशप लोग पर लगावत बाड़न , जिनका माध्यम से कइल गइल बुराई के लोकप्रिय बनावल गइल , जायज ठहरावल गइल आ अज्ञानी भीड़ के सिखावल गइल . आत्मा आरोपन के सूचीबद्ध करेला , जवन सबसे गंभीर से शुरू होला : खुद *परमात्मा के खिलाफ शब्द* / विरोधाभासी रूप से पोप लोग भगवान के सेवा करे के दावा करेला आ धरती पर उनकर प्रतिनिधित्व करेला। लेकिन ठीक इहे ढोंग दोष के गठन करेला , काहे कि भगवान कवनो तरीका से एह पोप के ढोंग के मंजूर नईखन . अउर परिणामस्वरूप , रोम जवन भी बात गलत तरीका से परमेश्वर के बारे में सिखावेला , उ सब ओकरा पर व्यक्तिग त रूप से प्रभावित करेला।

25ख- *ऊ परमात्मा के संतन पर अत्याचार करी*

श्लोक 21 के *संतन के* दुष्ट सताव के इहाँ रिकॉल आ पुष्टि कइल गइल बा . फैसला "पवित्र इन्किजिशन " के नाँव से धार्मिक न्यायाधिकरण द्वारा दिहल जाला। यातना के इस्तेमाल निर्दोष के आपन अपराध कबूल करे खातिर मजबूर करे खातिर कईल जाला।

25ग- *आऊ समय आकानून के बदले के उमेद करीहें*

एह आरोप से पाठक के सच्चा आ एकमात्र जीवित भगवान के पूजा के मौलिक सच्चाई के फेर से स्थापित करे के मौका मिलेला .

भगवान के द्वारा स्थापित सुंदर व्यवस्था के रोमन धार्मिक लोग बदल दिहले। निकासी 12:2 के अनुसार , मिस्र से निकले के समय परमेश्वर इब्रानियन से कहले रहले कि : ***इ महीना तोहनी खातिर महीना के शुरुआत होई ; ई तहरा खातिर साल के पहिला महीना के महीना होई*** . ई एगो क्रम ह, कवनो साधारण प्रस्ताव ना . आ चूंकि उद्धार ईसा मसीह के अनुसार यहूदी लोग से मिलेला , जबसे पलायन के समय से मुक्ति में प्रवेश करे वाला हर आदमी परमेश्वर के परिवार में भी प्रवेश करेला

जहाँ ओकर व्यवस्था के राज करे के पड़ी अउर ओकर सम्मान करे के पड़ी। उद्धार के सच्चा सिद्धांत इहे ह, अउर इ प्रेरित लोग के समय से ही बा। मसीह में , परमेश्वर के इस्राएल एगो आध्यात्मिक पहलू ले लिहलस , एकरा बावजूद इ उनकर इस्राएल ह जवना खातिर उ आपन व्यवस्था अउर आपन सिद्धांत स्थापित कईले। रोम .11:24 के अनुसार , धर्मांतरित बुतपरस्त के इब्राहीम के हिब्रू जड़ अउर तने पर कलम लगावल जाला , अउर उल्टा ना। पौलुस ओकरा के ओह अविश्वा स के खिलाफ चेतावत बाड़न जवन पुरान वाचा के विद्रोही यहूदी लोग खातिर घातक हो गइल बा अउर नया वाचा के विद्रोही मसीही लोग खातिर भी इ ओतने घातक होई ; ई सीधे रोमन कैथोलिक आस्था से संबंधित बा , आदान के अध्ययन से। 8 एकर पुष्टि करी , 1843 से , प्रोटेस्टेंट ईसाई लोग खा तिर।

हमनी के एगो लंबा भविष्यवाणी के प्रकाशन के शुरुआत में ही बानी जा जहाँ एह श्लोक में दिहल गइल ईश्वरीय आरोप सर्वव्यापी बा एतना भयानक अउर नाटकीय परिणाम बा। रोम से बदलल समय के चिंता बा :

1 – भगवान के 4वां आज्ञा के सब्त के दिन के आराम . सातवाँ दिन के जगह 7 मार्च 321 से पहिला दिन ले लिहल गइल बा , जवना के भगवान के अपवित्र दिन आहफ्ता के शुरुआत के रूप में मानल जाला। इहे ना , ई पहिला दिन रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा थोपल गइल जब ई “अविजयित पूज्य सूरज ” के पूजा खातिर समर्पित कइल गइल रहे , जवन सूरज के बुतपरस्त लोग द्वारा देवता बनावल गइल रहे , जवन पहिले से मिस्र में बा , जवन पाप के बाइबिल के प्रतीक हवे। दानियल 5 हमनी के देखावत बा कि कइसे परमेश्वर अपना खिलाफ कइल गइल आक्रोश के सजा देत बाड़न ; आदमी के एह तरह से चेतावल जाला आऊ जानत बा कि ओकरा का इंतजार बा जब भगवान ओकरा के ओइसहीं न्याय करीहें जइसे ऊ राजा बेलशस्सर के न्याय कइले रहले आओकरा के मार दिहले रहले . दुनिया के नींव से ही परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल सब्त के दिन में ***समय अउर*** ईश्वरीय नियम के संबंध में दोहरा विशेषता बा , जइसन कि हमनी के श्लोक में उल्लेख बा।

2 – साल के शुरुआत जवन मूल रूप से बसंत में होखे , जवना के मतलब पहिला बेर होखेला , ओकरा के बदल के जाड़ा के शुरुआत में होखे।

3 – भगवान के अनुसार दिन के परिवर्तन सूर्यास्त के समय होला , रात आदिन के क्रम में , आधा रात में ना , काहे कि एकरा के ओह ता रा से विराम आ चिन्हित कइल जाला जवन ऊएह काम खातिर बनवले बाड़न।

कानून में बदलाव सब्त के दिन से बहुत आगे बढ़ जाला। रोम मंदिर के सोना के बर्तन के अशुद्ध ना

कइलस ; ई अपना के मूसा के दिहल पत्थर के पाटी पर भगवान के लिखल शब्दन के मूल पाठ के बदले के अनुमति दिहलस । एतना पवित्र चीज कि जवना जहाज में रखल गईल रहे ओकरा के छूवे प भगवान तुरंत मौत के सजा देले।

25ग- *आसंत लोग के कुछ समय , समय आआधा समय खातिर उनकर हाथ में सौंपल जाई*

समय के का मतलब होला ? राजा नबूकदनेस्सर के अनुभव हमनी के दान में एकर जवाब देला। 4:23: *उ लोग तोहके आदमी से भगा दिहे , आ तोहार निवास खेत के जानवरन के साथे होई। बैल निहन घास खाए के काम क दिहे।* ***<u>सात समय तोहरा पर बीत जाई</u>*** *, जब तक कि तू ना जानब कि परमात्मा आदमी के राज्य में राज करेला आ जेकरा मन करे ओकरा के दे देला।* एह कठोर अनुभव के बाद राजा पद 34 में कहत हउवें : ***<u>निर्धारित समय के बाद</u> , हम नबूकदनेस्सर आपन आँख स्वर्ग के ओर उठवनी , अउर हमार मन हमरा ओर वापस आगईल*** *। हम परमात्मा के आशीष दिहनी , आ हम उनकर स्तुति आ सम्मान कइनी जे हमेशा खातिर जिंदा रहेला , जेकर प्रभु एगो अनन्त प्रभु ह, आ जेकर राज्य पीढ़ी दर पीढ़ी चलत रहेला* । हमनी के निष्कर्ष निकाल सकेनी जा कि ई *सात बेर* <u>सात साल के</u> प्रतिनिधित्व करेला जबसे कि अवधि केहू के जीवन के क्रम में शुरू होला आ खतम होला। एह से भगवान जवना के *समय कहेले* , उ समय ह जवन धरती सूरज के एक क्रान्ति पूरा करे में लागेला। एकरा से कई गो संदेश निकलेला। भगवान के प्रतीक सूरज होला आ जब कवनो प्राणी घमंड से उठेला त ओकरा के अपना जगह पर राखे खातिर भगवान ओकरा से कहत बाड़न कि "हमार देवता के चक्कर लगाईं आ जानीं कि हम के हईं ." नबूकदनेस्सर खातिर सात गो क्रांति जरूरी बा बाकिर प्रभावी बा . एगो अउरी पाठ पोप के शासन के अवधि से संबंधित होई जवना के भविष्यवाणी एह श्लोक में *" समय " शब्द से भी कइल गइल बा। नबूकदनेस्सर के अनुभव से तुलना करत , परमेश्वर मसीही घमंड के* भविष्यवाणी के साल के ***<u>समय, समय अउर आधा समय खातिर एगो स्तब्धता</u>*** में पहुँचा के सजा देलन । 7 मार्च 321 से मूर्खता में घमंड आ अज्ञानता आदमी के ओह क्रम के सम्मान करे खातिर राजी कर देला जवन भगवान के कवनो आज्ञा के बदल देला ; जवना के मसीह के विनम्र दास ना मान सकेला , ना त, उ अपना के अपना उद्धारकर्ता परमेश्वर से काट लेत।

इ श्लोक हमनी के असली मूल्य अउर एह भविष्यवाणी कइल गइल अवधि के शुरुआत अउर अंत के तिथि के खोज करे खातिर ले जाला। हमनी के पता चल जाई कि इ 3 साल छह महीना के प्रतिनिधित्व करेला। दरअसल , इ सूत्र प्रकाशितवाक्य 12:14 में फिर से प्रकट होई जहाँ इ पद 6 के *1260 दिन* के सूत्र के समानांतर बा इजकि . 4:5-6, *एक साल खातिर एक दिन* , हमनी के ई समझे के अनुमति दिही कि

ई वास्तव में 1260 लंबा अउर भयानक साल के दुख अउर मौत ह।

दान 7:26 *तब न्याय आई, अउर उ लोग उनकर प्रभुत्व छीन दिहे , अउर उ हमेशा खातिर नष्ट हो जाई अउर नाश हो जाई।*

2क- एह स्पष्टीकरण के रुचि पर ध्यान दीं : पो प लोग के फैसला आ वर्चस्व के अंत एके साथ होला। इ साबित करेला कि जवन न्याय के जिक्र कईल गईल बा उ मसीह के वापसी से पहिले शुरू ना होई। 2021 में पोप लोग अभी भी सक्रिय बा , एहसे डेनियल में उद्धृत फैसला 1844 में शुरू ना भईल , एडवेंटिस्ट भाई लोग।

दान 7:27 *आपूरा अक्काश के नीचे के राज्यन के राज्य अउर प्रभुत्व अउर महानता परमात्मा के पवित्र लोग के दिहल जाई , अउर उनकर राज्य एगो अनन्त राज्य ह, अउर सब शासक उनकर सेवा करीहें अउर उनकर आज्ञा मानीहें।*

27क- एह से मसीह के महिमा में वापसी आउनकर चुनल लोग के स्वर्ग में लेवे के बाद न्याय के बढ़िया से लागू कइल जाला।

27ख- *आसब शासक ओकर सेवा करीहें आओकर बात मानीहें*

उदाहरण के रूप में , परमेश्वर हमनी के एह किताब में प्रस्तुत तीन *शासक के देखावेलन* : कसदी राजा नबूकदनेस्सर , मादी राजा दारा , अउर फारसी राजा कोरस 2।

दान 7:28 *अउर इहाँ शब्द खतम हो गइल , अउर हम दानियल , अपना विचार में बहुत घबरा गईनी , अउर हमार चेहरा बदल गईल , अउर हम बात के अपना मन में जमा कर देनी।*

28क- डेनियल के भ्रम अबहियों जायज बा , काहे कि एह स्तर पर पोप के रोम के पहचान के सबूत में अबहियों ताकत के कमी बा ; एकर पहचा न एगो "परिकल्पना " बनल बा जवन पहिले से बहुते आश्वस्त करे वाला बा , बाकिर तबहियों , एगो "परिकल्पना " ह . लेकिन दानियल 7 दानियल के एह किताब में प्रस्तुत सात भविष्यवाणी के प्लेट में से खाली दूसरा ह। आपहिलहीं से हमनी के ई देख पावत बानी जा कि दान .2 आदान .7 में दिहल संदेश एके जइसन आपूरक बा . हर नया थाली हमनी के अतिरिक्त तत्व लेके आई जवन , पहिले से कईल गईल अध्ययन प सुपरइम्पोज कईल जाई , भगवान के संदेश के मजबूत अवुरी मजबूत करी जवन कि ए प्रकार से तेजी से साफ हो जाई।

एह परिकल्पना के पुष्टि होखे के बा कि एह अध्याय 7 के " *छोट सींग* " *पोप के रोम ह।* इहे काम हो जाई। लेकिन आईं हमनी के ई ऐतिहासिक उत्तराधिकार पहिलहीं से याद करीं जा जवन रोम से संबंधित बा , " *लोहा के दाँत वाला 4वां राक्षसी जानवर* "। ई रोमन साम्राज्य के नाँव देला आ एकरे बाद स्वतंत्र आ स्वतंत्र यूरोपीय राज्य सभ के " *दस सींग* " *के नाँव*

देला जिनहन के बाद , 538 में , पोप के अनुमानित " छोट सींग " आवे ला , ई " अलग राजा ," जेकरा सोझा " तीन गो सींग भा तीन गो राजा ," हेरुली , वंडाल आओस्ट्रोगोथ लोग के 493 से 538 के बीच पद 8 आ1 में नीचे ले आवल गइल बा 24 के बा।

दानियल 8 के बा

दान 8:1 *राजा बेल्तशस्सर के शासन के तीसरा साल में दानियल , हमरा के एगो दर्शन देखाई देलस जवन हम पहिले देखले रहनी।*

1क- समय बीत गइल : 3 साल। दानियल के एगो नया दर्शन मिलेला। एह में , खाली दू गो जानवर बाड़ें जिनहन के श्लोक 20 आ21 में *मादी आफारसी आयूनानी लोग के साथ साफ - साफ पहचानल गइल बा* जे पिछला दर्शन में भविष्यवाणी कइल गइल उत्तराधिकार के 2 आ 3 साम्राज्य रहलें। समय के साथ , दर्शन में , जानवर इब्रानियों के संस्कार के अनुरूप अधिक से अधिक स्पष्ट रूप से बा। दान .8 में *एगो मेढ़क आ एगो बकरी पेश कइल गइल बा* ; यहूदी संस्कार के *प्रायश्चित के दिन* के बलिदान में चढ़ावल जानवर । एह तरह से हमनी के यूनानी साम्राज्य के सुपरपोजिशन में पाप के प्रतीक पर ध्यान दे सकेनी जा : दान .2 के *कांस्य के पेट आ जांघ* , दान .7 के *तेंदुआ* आ... दान के *बकरी के बा। 8 .*

दान 8:2 *जब हम ई दर्शन दे खनी त हमरा लागल कि हम एलाम प्रांत के शुशान महल में बानी। आदर्शन में हम उलाई नदी के किनारे रहनी।*

2क- दानियल फारस में करुन नदी के लगे बाड़े , जवन उनुका समय में उलाई रहे। फारस के राजधानी आ *नदी* , जवन कवनो लोग के प्रतीक ह , ओह दृष्टि खातिर भौगोलिक संदर्भ बिंदु के संकेत देला जवन भगवान ओकरा के दिहें / एह से भविष्यवाणी के संदेश एह अध्याय में मूल्यवान भौगोलिक आंकड़ा उपलब्ध करावेला जवन अध्याय 2 अउर 7 में गायब रहे।

दान 8:3 *हम आपन आँख उठा के देखनी त देखनी कि एगो मेढ़क नदी के किनारे खड़ा रहे , जवना के दू गो सींग रहे , आओकर सींग ऊँच रहे , लेकिन एगो दूसरा से ऊँच रहे , आउ आखिरी में ऊपर उठल रहे।*

३ क- एह श्लोक में फारस के इतिहास के संक्षेप में बतावल गइल बा जवना के प्रतिनिधित्व एह *मेढ़ा से कइल गइल बा* जेकर *सींग ... सब से ऊँच* एकर प्रतिनिधित्व करे ला काहें से कि सुरुआत में एकर सहयोगी मादी के हावी रहला के कारण , ई अंत में राजा साइरस 2 फारसी के सत्ता में अइला से ऊपर उठल , 539 में , दान .10:1 के अनुसार दानियल के अंतिम समकालीन। लेकिन इहाँ , हम असली तारीख के एगो समस्या के ओर इशारा करतानी , काहे कि इतिहासकार दानियल के प्रत्यक्षदर्शी गवाही के पूरा तरीका से अनदेखी करेले जवन कि दान .5:31 में , बेबिलोन के विजय के श्रेय मादी राजा दारा के बतावेले , जवन कि दान .6:1 के अनुसार बेबिलोन के 120 सत्रप में संगठित कईले रहले। साइरस दारा के मौत के बाद सत् ता में अइलें एह से 539 में ना बलुक तनिका बाद , या एकरे बिपरीत , दारा के विजय तारीख से कुछ पहिले हो सकत रहे – 539।

३ ख- एह श्लोक में एगो दिव्य सूक्ष्मता लउकेला , जवन रूप में छोट आबड़का सींग के निर्दिष्ट करे खातिर इस्तेमाल कइल जाला। एह से एह बात के पुष्टि होला कि " *छोट सींग* " अभिव्यक्ति के सावधानी से परहेज कइल गइल बा , रोम के पहचान से विशेष रूप से आविशेष रूप से जुड़ल बा।

दान 8:4 *हम मेढ़क के पश्चिम , उत्तर आ दक्षिण के ओर मारत देखनी। आकवनो जानवर ओकरा सोझा खड़ा ना हो सकत रहे आओकरा शिकार लोग के बचावे वाला केहू ना रहे। उ जवन मन करे उहे करत रहले अवुरी मजबूत हो गईले।*

4क- एह श्लोक के छवि में फारसी लोग के विजय के क्रमिक चरण देखावल गइल बा जवन ओह लोग के साम्राज्य , राजा लोग के राजा के वर्चस्व के ओर ले जाला।

पश्चिम में : साइरस द्वितीय 549 से 539 के बीच कसदी आमिस्र के लो ग के साथे गठबंधन कइलें।

उत्तर में : राजा क्रोसस के लिडिया – 546 में जीतल जाला
दक्खिन में : साइरस बेबिलोन पर जीत हासिल कइलें , 539 ईसा पूर्व के बाद मादी राजा दारा के बाद आ बाद में फारसी राजा कैम्बिसेस द्वितीय 525 ईसा पूर्व में मिस्र पर विजय हासिल करीहें।

4ख- *आऊ ताकतवर हो गइल*

उ साम्राज्यवादी *शक्ति तक पहुंच गईले* जवन फारस के पहिला साम्राज्य बनवले रहे जवना के भविष्यवाणी एह अध्याय 8 में कईल गईल रहे।ई दान .2 अउर दान .7 के दर्शन में दूसरा साम्राज्य रहे। एह सत्ता में फारसी साम्राज्य भूमध्य सागर ले फइलल आ ग्रीस पर हमला कइलस जे -490 में मैराथन में एकरा के रोक दिहलस। युद्ध फेर से शुरू हो गईल।

दान 8:5 *जब हम ध्यान से देखनी त देखनी कि पश्चिम से एगो बकरी आके पूरा धरती के ऊपर चलत रहे , लेकिन ओकरा के ना छूवलस , आ बकरी के आँख के बीच में एगो बड़ सींग रहे।*

5क- पद 21 बकरी के सा फ-साफ पहचान करेला : *बकरी जावन के राजा ह, ओकर आँख के बीच के बड़का सींग पहिला राजा ह . जावन के* बा ग्रीस के प्राचीन नाम ह। कमजोर यूनानी राजा लोग के अनदेखी करत , आत्मा आपन खुलासा महान यूनानी विजेता सिकंदर महान पर बनावेला।

5ख- *देख , पश्चिम से एगो बकरी आइल*

भौगोलिक संकेत अबहियों दिहल गइल बा . बकरी पच्छिम से आवे ले आ फारसी साम्राज्य के भौगोलिक संदर्भ बिंदु के रूप में लिहल गइल बा।

५ग- *आ ओकरा सतह पर पूरा धरती पर चलल, बिना ओकरा के छूले*

संदेश दान के तेंदुआ के चार गो चिरई के पंख के अनुरूप बा। 7:6 के बा। एहमें एह युवा मैसिडोनियाई राजा के विजय के बेहद तेजी से रेखांकित कइल गइल बा जे दस साल में सिंधु नदी ले आपन वर्चस्व बढ़ा दीहें .

५घ- *एह बकरी के आँख के बीच में एगो बड़हन सींग रहे*

पहचान पद 21 में दिहल गइल बा : *उनकर आँख के बीच के बड़का सींग पहिला राजा हवे। ई राजा* सिकंदर महान (543-523) हवें। आत्मा ओकरा के यूनिकॉर्न के रूप देला , जवन एगो पौराणिक शानदार जानवर ह। एह तरह से ऊ एगो अइसन यूनानी समाज के अक्षय उपजाऊ कल्पना के निंदा करेलें जवन धर्म पर लागू दं तकथा के आविष्कार कइले रहे आ जवना के भावना धोखा देवे वाला ईसाई पश्चिम में हमनी के समय तक सदियन से पार क चुकल बा। ई *पाप* के एगो पहलू ह जवना के पुष्टि *बकरी* के छवि से होला , ऊ जानवर जवन "प्रायश्चित के दिन " के पवित्र वार्षिक संस्कार में *पाप* के भूमिका निभवले रहे । मसीहा

यीशु के सूली पर चढ़ावल अपना ईश्वरीय सिद्धता में पूरा कइलस ई संस्कार ओकरा बाद बंद होखे के रहे ... जबरन , 70 में रोमन लोग द्वारा मंदिर आयहूदी राष्ट्र के विनाश से।

दान 8:6 *ऊ द्व गो सींग वाला मेढ़ा के लगे पहुँचल , जवना के हम नदी के कि नारे खड़ा देखनी , आ अपना क्रोध में ओकरा पर दौड़ल।*

6क- सिकंदर महान फारसी लोग के खिलाफ आपन हमला शुरू करेला जेकर राजा दारा तृतीय हवे। बाद वाला इसस में हार जाला , ऊ आपन धनुष , आपन ढाल आ आपन चोगा के साथे - साथे अपना मेहरारू आवारिस के छोड़ के भाग जाला , - 333 में , बाद में ओकर द्व गो कुलीन लोग मार दी।

6ख- *आऊ अपना पूरा क्रोध में ओकरा पर दौड़ गइल*

ई ***रोष*** ऐतिहासिक रूप से जायज बा . एकरा से पहिले दारा आसिकंदर के बीच ई आदान -प्रदान भइल : "सिकंदर के द्वारा से मिले से पहिले , फारसी राजा ओकरा के उपहार भेज देला जेकर मकसद राजा आबच् चा के रूप में अपना - अपना स्थिति के रेखांकित कइल रहे – सिकंदर अबहिन ले ओह समय युद्ध के कला में एगो युवा राजकुमार नौसिखिया बाड़ें (शाखा I, लाइन 89)। दारा ओकरा के एगो गोला , चाबुक , घोड़ा के पुल आ सोना से भरल चांदी के छाती भेज देला। " खजाना के साथे एगो चिट्ठी एकर तत्वन के चमकावत बा : गेंद अइसन बा कि ऊ जवना बच्चा के रूप में खेलत रहेला , ओकरा के आत्मसंयम सिखावे खातिर लगाम , ओकरा के सुधारे खातिर चाबुक आसोना ओह कर के प्रतिनिधित्व करेला जवन मैसिडोनियाई लोग के फारसी सम्राट के देबे के पड़ी .

द्वत लोग के डर के बावजूद सिकंदर गु स्सा के कवनो निशानी नईखन देखावत। बल्कि ऊ ओह लोग से दारा के चतुराई खातिर बधाई देवे के कहेला। दारा , ऊ कहत बाड़न कि भविष्य के जानत बाड़न , काहे कि ऊ सिकंदर के एगो गोली दिहले बाड़न जवन दुनिया पर उनकर भविष्य के विजय के प्रतिनिधित्व करेला , लगाम के मतलब ई बा कि सभे उनकर अधीन हो जाई , चाबुक ओह लोग के सजा देबे खातिर होखी जे उनका खिलाफ खड़ा होखे के हिम्मत करीहें आ सोना से पता चलत बा कि ओकरा अपना सगरी प्रजा से कतना कर मिली . एगो भविष्यवाणी के बिस्तार : सिकंदर के लगे एगो घोड़ा रहे जेकरा के ऊ "बुसेफालस " नाँव दिहलें , जेकर मतलब होला , एगो संवर्धक उपसर्ग के साथ , "सिर "। अपना सभ लड़ाई में उ अपना सेना के "सिर " प हाथ में हथियार लेके रहीहे। आ "दस साल " ले ऊ भविष्यवाणी से ढंकल दुनिया के शासक "सिर " बन जइहें . उनकर बदनामी यूनानी संस्कृति आ ओकरा के कलंकित करे वाला ***पाप के बढ़ावा दी*** .

दान 8:7 *हम ओकरा के मेढ़क के नजदीक आवत देखनी आ ओकरा पर गुस्सा आगइल , आऊ मेढ़क के मार दिहलस आ ओकर द्व गो*

सींग तोड़ दिहलस , लेकिन मेढ़क एतना मजबूत ना रहे कि ऊ ओकरा के रोक सके , आऊ ओकरा के धरती पर फेंक दिहलस आ ओकरा के दबा दिहलस , आ मेढ़क के बचावे वाला केहू ना रहे।

7क- सिकंदर महान द्वारा शुरू कइल गइल युद्ध : – 333 में , इसस में , फारसी शिविर के हार भइल।

<u>दान 8:8</u> *बकरी बहुत शक्तिशाली हो गईल। बाकिर जब ऊ ताकतवर हो गइल त ओकर बड़का सींग टूट गइल आ ओकरा जगहा चार गो बड़हन सींग आकाश के चारो हवा का ओर चढ़ गइल .*

8क- *ओकर बड़का सींग टू ट गइल*

323 में , युवा राजा (– 356 – 323) 32 बरिस के उमिर में बिना वारिस के निधन हो गइल , बेबिलोन में।

8ख- *ओकरा जगह पर चार गो बड़का सींग उठल , आकाश के चार हवा पर।*

मरे वाला राजा के जगह उनकर सेनापति रहले : डायडोची। सिकंदर के मौत के समय दस गो लोग रहे आ 20 साल त क दुनो लोग एक दूसरा से एतना लड़ल कि 20 साल के अंत में मात्र चार लोग बच गईले। ओहमें से हर केहू ओह देश में एगो राजवंश के स्थापना कइल जवना पर ऊ राज करत रहले . सबसे बड़ सेल्यूकस रहलें , जेकरा के निकेटर के नाँव से जानल जाला , जे "सेलुसिड " राजवंश के स्थापना कइलें जे सीरिया के राज्य पर राज कइलें। दूसरा रहलें टोलेमैयोस लागोस जे "लागिड " राजवंश के स्थापना कइलें जे मिस्र पर शासन करत रहल। तीसरा कैसंड्रोस रहलें जे ग्रीस पर शासन कइलें आ चउथा लाइसिमाकस (लैटिन नाँव) रहलें जे थ्रेस पर राज कइलें।

भौगोलिक रूप से आधारित भविष्यवा णी के संदेश जारी बा। आकाश के चार हवा के चार कार्डिनल बिंदु संबंधित लड़ाकू के देश के पहचान के पुष्टि करेला।

रोम के वापसी , *छोटका सींग*

<u>दान 8:9</u> *ओहमें से एगो से एगो* ***छोट सींग निकलल*** *जवन दक्षिण , पूरब आ महिमामंडित देश के ओर बड़हन आ बड़ हो गइल।*

९ क- एह श्लोक के पहलू में एगो अइसन राज्य के विस्तार के वर्णन बा जवन बदले में एगो दबंग साम्राज्य बन जाई। अब पिछला पाठ में आ विश्व इतिहास में ग्रीस के उत्तराधिकारी राज्य रोम बा। एह पहिचान के अउरी जायज ठहरावल जाला "छोट सींग " अभिव्यक्ति से जवन अबकी बेर , छोट मीडियन सींग खातिर कइल गइल काम के बिपरीत , साफ -साफ उद्धृत कइल गइल बा। एह से हमनी के ई कहे के अनुमति मिलेला कि ई "छोटका सींग " एह संदर्भ में बढ़त गणतंत्र रोम के प्रतीक हवे। काहे कि , ई दुनिया के पुलिसकर्मी का

रूप में पूरब का ओर हस्तक्षेप करेला , अक्सर एहसे कि एकरा के विरोधियन का बीच स्थानीय टकराव के निपटारा खातिर बोलावल जाला . आइहे सटीक कारण बा जवन निम्नलिखित छवि के जायज ठहरावेला।

9ख- ओहमें से एगो से एगो ***छोट सींग*** *निकलल*

एकरे पहिले के दबंग ग्रीस रहल आई ग्रीस से ही रोम के एह पूरबी इलाका में हावी होखे के पड़े ला जहाँ इजराइल स्थित बा ; ग्रीस , चार गो सींग में से एगो।

9c- *जवन दक्खिन के ओर, पूरब के ओर, आ सबसे सुंदर देशन के ओर बहुत विस्तारित होला।*

रोमन बढ़ती के सुरुआत पहिले ***दक्खिन के ओर एकरे भौगोलिक स्थिति से भइल।*** इतिहास एकर पुष्टि करे ला , रोम कार्थेज , वर्तमान ट्यूनिस के खिलाफ प्यूनिक युद्ध सभ में प्रवेश कइलस , लगभग 250 ईसा पूर्व में।

पूरब के ओर भइल , ***चार गो सींग सभ में से कौनों एक में हस्तक्षेप कइलस*** : ग्रीस , लगभग 200 ईसा पूर्व। एकरा के ग्रीक एटोलियन लीग द्वारा उहाँ बोलावल गइल ताकि एकर समर्थन अकेयन लीग (एटोलिया के खिलाफ अकेआ) के खिलाफ कइल जा सके। एक बेर यूनानी धरती पर आ गइला पर रोमन सेना एकरा के दोबारा कबो ना छोड़ी आ पूरा ग्रीस 160 ईसा पूर्व से रोमन उप निवेश बन गइल।

ग्रीस से रोम फिलिस्तीन आयहूदिया में पैर रख के आपन बिस्तार जारी रखलस जे 63 ईसा पूर्व में जनरल पोम्पेई के सेना सभ द्वारा जीतल रोम के प्रांत बन गइल। इहे यहूदिया ह जवना के आत्मा एह सुंदर अभिव्यक्ति से चिन्हित करेला : ***देशन में से सबसे सुंदर*** , एगो अभिव्यक्ति जवना के उद्धृत दान .11:16 अउर 42, अउर इजकि .20:6 अउर 15 में दिहल गइल बा।

परिकल्पना के पुष्टि हो जाला , " *छोट सींग* " रोम ह

अबकी बेर अब कवनो संदेह नइखे रहि गइल , दान के पोप शासन . 7 के नकाब खोलल गइल बा , आ एही से , बेकार सदियन के लंघत , आत्मा हमनी के ओह दुखद घड़ी में ले जाला जब सम्राट लोग द्वारा छोड़ दिहल गइल , रोम ईसाई रूप के एगो धार्मिक रूप के तहत आपन वर्चस्व फिर से शुरू कर देला जवना के ऊ निम्नलिखित श्लोक 10 के प्रतीकन से प्रकट भइल कामन के जिम्मेदार ठहरावेला।ई दान के " ***अलग " राजा के काम हवें।*** 7 के बा।

शाही रोम आफेर पोप रोम संतन के सतावेला
एह एकल श्लोक खातिर लगातार द्व गो पाठ

दान 8:10 *ऊ आकाश के सेना तक चढ़ गइल आकुछ सेना आतारा के धरती पर गिरा दिहलस आरौंद दिहलस।*

10क- *ऊ स्वर्ग के सेना में उठ गइली*

she " कह के आत्मा रोम के आपन निशाना के रूप में रखेले , ए करे बिस्तार के कालक्रम में , सरकार के बिबिध रूप सभ के बाद जेकर संकेत ऊ प्रकाशितवाक्य 17:10 में कइले बाड़ें , रोम रोमन सम्राट ऑक्टेवियन के शासनकाल में साम्राज्य में पहुँचल , जेकरा के अगस्तस के नाँव से जानल जाला। उनकरा समय में ही यीशु मसीह के जनम आत्मा से भइल , यूसुफ के जवान मेहरारू मरियम के अभी कुंवारी शरीर में। दुनो के राजा दाऊद के वंश से संबंधित होखे के एकमात्र कारण से चुनल गईल। उनकर मौत के बाद , एक बार खुद से जिंदा हो गईला के बाद जईसे उ घोषणा कईले रहले , यीशु अपना प्रेरित अउर चेलन के उद्धार के सुसमाचार (सुसमाचा र) के घोषणा करे के मिशन सौंप दिहलन ताकि पूरा धरती में चुनल लोग के बनावल जा सके। ओह समय रोम के सामना ईसाई कोमलता आ शांतिवाद से भइल ; ऊ कसाई के भूमिका में , वधल मेमना के भूमिका में मसीह के चेला। बहुत शहीद खून -खराबा के कीमत पर ईसाई बिसवास पूरा दुनिया में फइल गइ ल, खासतौर पर साम्राज्य के राजधानी रोम में। शाही रोम के सतावत ईसाई लोग के खिलाफ उठ जाला। पद 10 में रोम के दू गो क्रिया ओवरलैप बा। पहिला शाही आ दूसरा पोप से संबंधित बा।

शाही शासन में हमनी के पहिलहीं से उद्धृत कार्रवाई के जिम्मेदार ठहरा सकेनी जा :

उ स्वर्ग के सेना में उठ गईली : उ ईसाई लोग के सामना कईली। एह प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति के पीछे , *स्वर्ग के सेना* , मसीही चुनल आदमी बा जेकरा अनुसार यीशु अपना विश्वासी लोग के नाम पहिलही रखले रहले : *स्वर्ग के राज्य के नागरिक* । इहे ना , दान .12:3 सच्चा *संतन के तुलना तारा* से करेला जवन उत्पत्ति 15:5 के अब्राहम के *वंशज भी ह।* पहिला पाठ में भगवान के बेटा -बेटी के शहीद करे के हिम्मत पहिलही से बुतपरस्त रोम खातिर एगो अहंकारी कार्रवाई अउर एगो अनुचित अउर अनुचित ऊंचाई के गठन करेला . दूसरा पाठ में रोम के बिशप के दावा कि उ 538 से ईसा मसीह के चुनल आदमी के पोप के रूप में नेतृत्व करस , इहो एगो अहंकारी कार्रवाई ह , अउर एकरा से भी ज्यादा अयोग्य अउर अनुचित ऊंचाई ह .

ऊ एह सेना के हिस्सा बनवली आतारा जमीन पर गिर गइली , आऊ ओह लोग के रौंद दिहली : ऊ ओह लोग के सतावेली आ मार देली जेहसे कि ऊ अपना अखाड़ा में आपन आबादी के विचलित कर सकसु . सतावे वाला मुख्य रूप से नीरो , डोमिटियन आ डायोक्लेशियस हवें जे 303 से 313 के बीच

के अंतिम आधिकारिक सतावे वाला रहलें।पहिला पाठ में ,एह नाटकीय काल के प्रकाशितवाक्य 2 में "*इफिसुस* " के प्रतीकात्मक नाम से कवर कइल गइल बा , ऊ समय जब यूहन्ना के आपन ईश्वरीय प्रकाशन "एपोकैलिप्स " आ" *स्मर्ना* " कहल जाला। दूसरा पाठ में , पोप के रोम के आरोप में ,एह कामन के प्रकाशितवाक्य 2 में "*पर्गमि* " या ,गठबंधन के उल्लंघन या व्यभिचार आ"थ्यातिरा " या , घिनौना आमौत नाम के काल के तहत रखल गइल बा। कह के , *आ ऊ ओह लोग के रौंद दिहली* ,आत्मा दुनो रोम पर एके तरह के खूनी काम के आरोप लगावेले। *रौंदल* क्रिया आओकर अभिव्यक्ति *रौंदल* दान में बुतपरस्त रोम के आरोपित पावल जाला। 7:19 के बा। लेकिन *रौंद* के क्रिया पद 13 के कथन के अनुसार एह अध्याय 8 के श्लोक 14 के *2300 शाम - सुबह* के अंत तक जारी रही : *पवित्रता आसेना के कब तक* ***रौंदल जाई*** ? ई कार्रवाई ईसाई युग के समय में पूरा भइल बा आ एह से हमनी के एकरा के पोप रोम आ एकरे राजतंत्र समर्थक लोग पर आरोपित करे के पड़ी ; जवना के इतिहास पुष्टि करेला। एकरा बावजूद हमनी के एगो महत्वपूर्ण अंतर के नोट कईल जाए। बुतपरस्त रोम खाली शाब्दिक रूप से ईसा मसीह के संतन के *गिरावेला जबकि पोप रोम , अपना झूठा धार्मिक शिक्षा के माध्यम से , ओह लोग के आध्यात्मिक रूप से नीचे गिरावेला* , ओकरा पहिले कि बारी -बारी से शाब्दिक रूप से सतावेला।

छिटपुट उत्पीड़न सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के आगमन तक शांति के बारी -बारी से जारी रहल ,जे 313 में उनकर रोमन राजधानी मिलान के आज्ञा से ईसाई लोग के खिलाफ उत्पीड़न के अंत कर दिहलें , जवन उत्पीड़न के " *दस साल* " *के अवधि के अंत के गठन करेला जवन* प्रकाशितवाक्य 2:8 के " *स्मर्ना* " *युग के विशेषता हवे।* एह शांति से ईसाई विश्वास के कुछुओ फायदा ना होई , अउर भगवान , खुद , बहुत कुछ खोईहे। काहे कि उत्पीड़न के बाधा के बिना एह नया आस्था के प्रति अपरिवर्तित लोग के प्रतिबद्धता पूरा साम्राज्य में आ खास कर के रोम में भरपूर बा आ बढ़त बा जहाँ शहीदन के खून सबले बेसी बहल बा .

एह से एही कालखंड से हमनी के एह श्लोक के दूसरा पाठ के शुरुआत संलग्न कर सकेनी जा। ऊ जहाँ रोम सम्राट कॉन्स्टेंटाइन के आदेश के पालन क के ईसाई हो जाला जे 321 में अभी -अभी एगो आज्ञा बनवले बाड़ें जेह में साप् ताहिक आराम के दिन बदले के आदेश दिहल गइल बा : सातवाँ दिन के सब्त के दिन के जगह हप्ता के पहिला दिन ले लिहल जाला ; ओह समय , बुतपरस्त लोग द्वारा देवता " पूज्य अजीत सूर्य " के पूजा में समर्पित । ई हरकत ओतने गंभीर बा जतना कि पीये *से*

मंदिर के सोना के बर्तन , लेकिन अबकी बेर , भगवान कवनो प्रतिक्रिया ना दिहे , अंतिम न्याय के घड़ी काफी होई। अपना नया दिन के आराम के साथ , रोम अपना ईसाई सिद्धांत के पूरा साम्राज्य में बिस्तार करी , आ अपना स्थानीय अधिकार , रोम के बिशप के प्रतिष्ठा आसमर्थन मिल जाई , जबले कि फरमान से पोप के उपाधि के सर्वोच्च ऊंचाई ना मिल जाई , 533 में , बीजान्टिन सम्राट जस्टिनियन प्रथम द्वारा दिहल गइल , पहिला शासन खातिर शत्रुतापूर्ण ओस्ट्रोगोथ लोग के निष्कासन के इंतजार कइल जरूरी होखी पोप , विजिलियस के अपना पोप के सीट पर , रोम में , माउंट कैलियन पर बनल लैटरन पैलेस में बस जा ए खातिर। 538 के तारीख आपहिला पोप के आगमन के बाद 11 में बतावल गइल कामन के पूरा होखे के निशान बा। बाकिर ई पोप लोग के 1260 दिन -साल के शासन के शुरुआत भी ह आ ओह सब से संबंधित सब बात के आजवन दान .7 में प्रकट भइल बा। एगो जारी शासन जवना में संतन के , एक बेर फेरु से , *पैर के नीचे रौंद दिहल जाला* , लेकिन अबकी बेर , रोमन पोप के धार्मिक वर्चस्व आओकर नागरिक समर्थक , राजकुमारन , आओकर ऊंचाई ... मसीह के नाम पर।

538 में स्थापित पोप के विशिष्ट कार्य

दान 8:11 *उ सेना के सेनापति तक आपन बड़ाई कइलन , आओकरा से लगातार* ***बलिदान के छीन लिहलन , आ अपना पवित्र स्थान के*** *जगह आआधार के गिरा दिहलन।*

11क- *ऊ सेना के मुखिया बन गइली*

सेना के ई मुखिया तार्किक रूप से अउर बाइबिल के हिसाब से ईसा मसीह हवें , इफिसियों के अनुसार। 5:23: *काहेकि पति पत्नी के सिर हवें ,* ***जइसे कि मसीह कलीसिया के सिर हवें*** *, जवन उनकर शरीर ह, आ जवना के उद्धारकर्ता हवें।* *" ऊ उठली "* क्रिया के बढ़िया से चुनल गइल बा , ठीक एह से कि , 538 में , ईसा स्वर्ग में बाड़न जबकि पोप के पद धरती पर बा। स्वर्ग उनकर पहुँच से बाहर बा लेकिन *" उ उठ गईली "* आदमी के विश् वास करा के कि उ धरती प उनुकर जगह लेत बाड़ी। स्वर्ग से , यीशु के शैतान के द्वारा आदमी खातिर लगावल जाल से बचे के बहुत कम मौका बा। अतने ना , जब ऊ खुदे ओह लोग के एह जाल आ ओकरा सगरी गारी में डाल देला त ऊ अइसन काहे करी . काहे कि हमनी के पढ़ले बानी जा , दान में। 7:25, *" संत लोग के कुछ समय , समय (2 बेर) आ डेढ़ समय खातिर उनकर हाथ में सौंपल जाई "*; इ लोग जानबूझ के परमेश्वर मसीह द्वारा दिहल गईल बा , बदलल *समय अउर बदलल नियम के वजह से* . सब्त के दिन के संबंध में कॉन्स्टेंटाइन द्वारा 321 में संशोधित कानून , बेशक , लेकिन सबसे ऊपर , रो मन पोपवाद द्वारा *बदलल गईल कानून* , 538 के बाद जहाँ उहाँ , इ खाली सब्त के दिन ना ह

जवन प्रभावित आहमला होला , बल्कि पूरा कानून जवना के रोमन संस्करण में दोबारा काम कईल गईल बा।

11ख- ओकरा से *सनातन ~~बलिदान~~ छीन लिहलस*

हम मूल हिब्रू पाठ में बलिदान शब्द के अभाव के ओह इशारा करत बानी। कहल जा सकेला कि एकर मौजूदगी पुरान वाचा के संदर्भ के संकेत देत बा बाकिर अइसन नइखे जइसन कि हम अभी देखा दिहले बानी . नया वाचा के तहत *बलिदान अउर बलिदान* बंद हो गईल , मसीह के मौत , *हफ्ता के बीच में* जवना के जिक्र दान में बा। 9:27, एह संस्कारन के बे कार बना दिहले बा। हालाँकि , पुरान वाचा के कुछ बचल : महायाजक के सेवा अउर लोग के पाप खातिर बिनती करे वाला जे स्वर्गीय सेवा के भी भविष्यवाणी कइले रहलन जवन यीशु अपना एकलौता चुनल लोग के पक्ष में कइले रहलन जेकरा के उनकरा जी उठला के बाद से उनकर खून से छुड़ावल गइल र हे। मसीह स्वर्ग में चढ़ गइलन , तब ओकरा से का लेबे के बा ? उनकर पुरोहिताई के काम , यानी कि उनकर चुनल लोग के पाप के माफ करे खातिर बिचौलिया के रूप में उनकर विशेष भूमिका। दरअसल , 538 से लेके अब तक धरती पर , रोम में , मसीह के कलीसिया के एगो सिर के स्थापना यीशु के स्व र्गीय सेवा के व्यर्थ अउर बेकार बना देले बा। अब प्रार्थना उनकरा से ना गुजरेला , अउर पापी लोग अपना पाप अउर परमेश्वर के प्रति आपन अपराध के वाहक बनल रहेला। हेब के बा। 7:23 एह विश्लेषण के पुष्टि करत बा , इ कहत ह कि , " *लेकिन इ आदमी , काहे कि उ हमेशा खातिर रहेला , ओकरा लगे एगो अपरिवर्तनीय पुरोहिताई बा* । " धरती पर नेता के बदलाव एह मसीह रहित ईसाई धर्म के घिनौना फल के जायज ठहरावेला ; दानियल के परमेश्वर द्वारा भविष्यवाणी कइल गइल फल। ईसाई लोग एह भयानक अभिशाप से काहे आहत भइल ? निम्नलिखित पद 12 एकर जवाब दिही : *पाप के कारण* .

परपे चुअल के पहचान जवन अभी -अभी कइल गइल बा , ऊ अवधि 1290 आ 1335 दिन -साल के इस्तेमाल से गणना खातिर आधार के काम करी जवन दान .12:11 आ 12 में प्रस्तावित कइल जाई ; स्थापित आधार 538 के तारीख रहल , ऊ पल जब पार्थिव पोप के प्रमुख द्वारा *शाश्वत पुरोहिताई के* चोरी हो गइल।

11ग - के बा। *आ अपना पवित्र स्थान के आधार वाला ~~जगह के पलट दिहलस~~*

नया वाचा के संदर्भ के वजह से , हिब्रू शब्द "मेकॉन " के दू गो संभावित अर्थ के बीच जेकर अनुवाद "स्थान " के रूप में कइल गइल बा , हम एकर अनुवाद "आधार " के बरकरार रखले बानी जवन भविष्यवाणी द्वारा लक्षित ईसाई युग के संदर्भ के साथ ओतने जायज बा अउर बेहतर तरीका से अनुकूलित बा।

अक्सर *पवित्र स्थान के जिक्र होला* , जवन भ्रमित करे वाला हो सकेला। बाकिर संभव बा कि *अभयारण्य* पर जवन क्रिया होला ओकरा के चिन्हित करे वाला क्रिया से गुमराह ना कइल जाव .

इहाँ दान .7:11 में : एकर *आधार* पोप के द्वारा उखाड़ फेंक दिहल गइल बा।

दान .11:30 में : एकरा के यूनानी राजा एन्टिओकस 4 एपिफेनेस , – 168 में यहूदी लोग के सतावे वाला द्वारा *अपवित्र कइल गइल बा ।*

पवित्रता के सवाल नइखे बल्कि *पवित्रता के सवाल बा* . हिब्रू शब्द "कोदेश " के व्यवस्थित रूप से गलत अनुवाद सभसे आम संस्करण सभ के सगरी अनुवाद सभ में कइल गइल बा। लेकिन मूल हिब्रू पाठ में कवनो बदलाव नइखे भइल ताकि मूल सच्चाई के गवाही मिल सके।

अभयारण्य " शब्द विशेष रूप से ओह जगह के संदर्भित करेला जहाँ भगवान व्यक्तिगत रूप से खड़ा बाड़े। जब से यीशु मुवलन से जी उठलन अउर स्वर्ग में चढ़ गइलन , अब धरती पर कवनो *पवित्र स्थान नइखे रहि गइल* . एह से *उनकर पवित्र स्थान के आधार के उखाड़ फेंके के* मतलब बा कि उनकर स्वर्गीय सेवा से संबंधित सिद्धांत के आधार के कमजोर कईल, जवन उद्धार के सब स्थिति के दर्शावेला। दरअसल , एक बार बपतिस्मा लेला के बाद , बोलावल गइल व्यक्ति के यीशु मसीह के मंजूरी से फायदा उठावे में सक्षम होखे के चाहीं , जे अपना काम आ सहमति पर आपन विश्वास के न्याय करेला या अपना बलिदान के नाम पर अपना पाप के माफ ना करेला। बपतिस्मा एगो अइसन अनुभव के शुरुआत ह जवन परमेश्वर के न्यायसंगत न्याय के तहत जियल जाला ना कि ओकर अंत। एकर मतलब ई बा कि जब पार्थिव चुनल गइल अउर उनकर स्वर्गीय बिनती करे वाला के बीच के सीधा संबंध बाधित हो जाला त अब उद्धार संभव ना हो जाला , अउर पवित्र वाचा टूट जाला। ई एगो भयानक आध्यात्मिक नाटक ह जवना के 7 मार्च 321 आ साल 538 से धोखा आ बहकावल मानव जनमानस के अनदेखी कइल गइल बा जवना में ईसा मसीह के *शाश्वत पुरोहिताई* पोप अपना फायदा खातिर छीन लिहले रहले . *उनकर पवित्र स्थान के आधार के उखाड़ फेंकल* भी ओह 12 प्रेरितन पर आरोप लगावल ह जे चुनल आदमी , आध्यात्मिक घर के आधार या नींव के प्रतिनिधित्व करेलन , एगो झूठा मसीही सिद्धांत जवन ईश्वरीय नियम के खिलाफ पाप के जायज ठहरावेला अउर वैध बनावेला ; जवन कि कवनो प्रेरित ना करीत।

दान 8:12 *सेना के पाप खातिर रोज के बलिदान के साथे छोड़ दिहल गइल। सींग सच्चाई के जमीन पर गिरा दिहलस आजवन कइलस ओकरा में समृद्धि भइल।*

१२ क- *सेना के सदा बलिदान के साथ मुक्ति मिलल*

अधिक प्रतीकात्मक भाषा में एह अभिव्यक्ति के मतलब उहे बा जवन दान .7:25 के ह: *सेना के वितरित कइल गइल ...* बाकिर इहाँ आत्मा *सनातन के साथे जोड़त बा*

12ख- *पाप के कारण*

मतलब कि 1 यूहन्ना 3:4 के अनुसार , व्य वस्था के उल्लंघन के कारण दान .7:25 में *बदल गईल* / काहेकि यूहन्ना कहले बाड़न कि लिखले बाड़न कि *जे पाप करेला ऊ व्यवस्था के उल्लंघन करेला आ पाप व्यवस्था के उल्लंघन ह* । ई उल्लंघन 7 मार्च , 321 से शुरू भइल बा , आसबसे पहिले , परमेश्वर के पवित्र सब्त के छोड़े से संबं धित बा ; उनुका द्वारा ***पवित्र कइल गइल*** सब्त के दिनु , दुनिया के रचना के बाद से , अनोखा आसनातन " ***सातवाँ दिन*** " पर।

12ग- *सींग सच्चाई के जमीन पर फेंक दिहलस*

सच्चाई फिर से एगो आध्यात्मिक शब्द ह जवन भजन संहिता 119:142-151 के अनुसार व्यवस्था के नामित करेला : *राउर नियम सच्चाई ह...तोहार सब आज्ञा सच्चाई ह* .

12घ- *आअपना उपक्रम में सफल हो जाला*

अगर सृष्टिकर्ता भगवान के आत्मा एकर घोषणा पहिले से कइले बाड़न , त एह धोखा के अनदेखी करे में आश्चर्य मत करीं , जवन आदमी के पूरा इतिहास में सबसे बड़ आध्यात्मिक ठगी ह ; लेकिन इहो , भगवान खातिर मानव आत्मा के नुकसान के परिणाम में सबसे गंभीर। पद 24 एह बात के पुष्टि करी कि : *ओकर शक्ति बढ़ी , लेकिन ओकरा अपना ताकत से ना ; ऊ अविश्वसनीय तबाही करी , **ऊ अपना उद्यम में सफल होई** , ऊ ताकतवर आसंतन के लोग के नाश करी* .

पवित्रीकरण के तइयारी के काम हो रह ल बा

पुरान वाचा के धार्मिक संस्कार से दिहल पाठ में पवित्रीकरण के तइयारी के ई विषय लगातार लउकेला। पहिला , गुलामी के समय अउर कनान में प्रवेश के बीच , फसह के उत्सव ओह लोग के पवित्र करे खातिर जरूरी रहे जेकरा के परमेश्वर अपना राष्ट्रीय धरती , इस्राएल , प्रतिज्ञात भू मि में ले जाए वाला रहले। दरअसल , कनान में प्रवेश पूरा होखे में शुद्धि आपवित्रता के 40 साल के परीक्षा लागल।

ठीक ओसही सूर्यास्त से सूर्यास्त तक सातवाँ दिन चिन्हित सब्त के दिन के बारे में भी तैयारी के पहिले से समय जरूरी रहे। छह दिन के अपवित्र काम में लाश धोवे आ कपड़ा बदले के जरूरत रहे , ई सब बात पुजारी पर भी थोपल गइल ताकि ऊ अपना जान के खतरा के बिना मंदिर के पवित्र स्थान में प्रवेश क के आपन संस्कार सेवा के संचालन कर सकस।

सात दिन के , 24 घंटा के सृष्टि के सप्ताह के मॉडल उद्धार खातिर परमेश्वर के योजना के सात हजार साल के मॉडल पर बनावल गइल बा। त पहिला छह दिन पहिला छह सहस्राब्दी के प्रतिनिधित्व करेला जवना दौरान भगवान अपना चुनल लोग के चुनेले। आसातवीं अउर अंतिम सहस्राब्दी महान सब्त के दिन के गठन करेला जवना के दौरान परमेश्वर अउर उनकर चुनल लोग , स्वर्ग में इकट्ठा होके , सच् चा अउर पूरा विश्राम के आनंद लेवेलन। पापी सभे अस्थायी रूप से मर गइल बा ; सिवाय शैतान के , जे प्रकाशितवाक्य 20 में प्रकट भइल "हजार साल " के एह अवधि के दौरान एगो बिना आबादी वाला धरती पर अलग-थलग रहेला , "स्वर्ग " में प्रवेश करे से पहिले , चुनल लोग के शुद्ध अउर पवित् र होखे के चाहीं। शुद्धि मसीह के स्वैच्छिक बलिदान में विश्वास पर आधारित बा , लेकिन पवित्रता बपतिस्मा के बाद उनकर मदद से मिलेला काहे कि , शुद्धि के आरोप लगावल जाला , यानी कि विश्वास के एगो सिद्धांत के नाम पर पहिले से प्राप्त कइल जाला , लेकिन पवित्रता उ फल ह जवन वास्तव में चुनल लोग द्वारा जीवित परमेश्वर ईसा मसीह के साथे उनकर वास्तविक सहयोग के माध्यम से उनकर पूरा आत्मा में प्राप्त होला। ई एगो लड़ाई से प्राप्त होला जवन ऊ अपना खिलाफ , अपना खराब स्वभाव के खिलाफ , पाप के विरोध करे खातिर लड़ेला।

दानियल 9:25 हमनी के सिखावेला कि यीशु मसीह क्रूस पर मरला खातिर अइले ताकि उ अपना चुनल लोग से पाप ना करे , काहेकि उ ***पाप के अंत करे खातिर अइले*** । अब हमनी के अभी श्लोक 12 में देखले बानी जा , मसीही चुनल आदमी के पाप के वजह से पोप के निरंकुशता के अधीन कर दिहल गईल। एह से पवित्रता पावे खातिर एगो शुद्धि जरूरी बा *जवना के बिना केहू परमेश्वर के ना देख पाई* जवन इब्रानियों 12:14 में लिखल बा : *सब लोग के साथे शांति अउर पवित्रता के पीछा करीं , जवना के बिना केहू प्रभु के ना देख पाई* ।

ईसा मसीह के मौत से लेके 2030 में उनकर वापसी तक मसी ही युग के 2000 साल पर लागू , तैयारी अउर पवित्रीकरण के इ समय निम्नलिखित पद 13 अउर 14 में प्रकट होई एडवेन्टिस्ट लोग के मूल विश्वास के विपरीत , इ समय न्याय के ना ह जइसन कि दानियल 7 में वर्णित बा बल्कि पवित्रीकरण के समय ह जवन सदियन पुरान पाप के विरासत के कारण जरूरी हो गईल बा पोप के रोम के घृणित शिक्षा से वैध बनावल गइल . हम इ बतावल चाहब कि सुधार के काम , जवन 13वीं सदी में शुरू भइल रहे , ऊ शुद्धि आ पवित्रता के पूरा ना कइलस जवन तीन बेर के पवित्र अउर बिल्कुल शुद्ध परमेश्वर

उद्धारकर्ता द्वारा पूरा न्याय में मांगल गइल र हे।

दान 8:13 *हम एगो संत के बोलत सुननी। एगो अउरी संत बोलत आदमी से कहलस, "कब तक दर्शन रोज के ~~बलिदान के बारे में~~ आउजड़ बनावे वाला पाप के बारे में होई ?" कब ले अभयारण्य आसेना के दबाइल रही ?*

13क- *हम एगो संत के बोलत सुननी। आएगो अउरी संत बोलत आदमी से कहलस*

रोम से विरासत में मिलल पाप के बारे में खाली सच्चा *संत लोग के पता चलेला।* हमनी के दान में प्रस्तुत विजन सीन में फेरु से मिल जाई। 12 के बा।

13ख- *कब तक दर्शन पूरा होई ?*

संत लोग एगो अइसन तारीख माँगेला जवन रोमन घिनौना काम के अंत के निशानी होखे।

13ग- *सनातन ~~बलिदा न~~ पर बा*

संत लोग एगो अइसन तारीख माँगेला जवन मसीह के द्वारा ***सनातन पुरोहिताई के फिर से शुरू होखे के चिन्हित करी।***

13घ- *आ**विनाशकारी पाप पर** ?*

संत लोग एगो अइसन तारीख माँगेला जवन सातवाँ दिन के सब्त के दिन के वापसी के निशानी होखे , जवना के उल्लंघन के सजा रोमन तबा ही आयुद्ध से मिलेला ; आ एकरा उल्लंघन करे वालन खातिर ई सजा दुनिया के अंत ले चली .

13वीं - *कब तक अभयारण्य आसेना के रौंदल जाई ?*

ओह लोग , भगवान के चुनल संतन पर लागू **पोप के उत्पीड़न** के अंत हो जाई .

दान 8:14 *उ हमरा से कहले , "द्व हजार तीन सौ दिन , ओकरा बाद पवित्र स् थान के शुद्ध हो जाई। "*

14क- 1991 से भगवान हमार अध्ययन एह गलत अनुवादित श्लोक के ओर निर्देशित कइले बाड़न। इहाँ हिब्रू पाठ के एकर सही अनुवाद बा।

उ हमरा से कहले , जब तक सांझ अवुरी सबेरे द्व हजार तीन सौ अवुरी धर्मी ठहरावल जाई , तब तक पवित्रता होई।

जईसे की रउवा सभे देख सकत बानी कि 2300 शाम अवुरी सबेरे के कार्यकाल के मकसद भगवान के ओर से चुनल गईल चुनल लोग के **पवित्र कईल बा , जवन कि ए कार्यकाल खाती तय होई।** तब तक बपतिस्मा से मिलल अनन्त न्याय पर सवाल उठावल जाला। तीन बेर के पवित्र परमेश्वर के आवश्यकता , पिता , बेटा अउर पवित्र आत्मा में , बदल गईल बा अउर एकरा के अउरी मजबूत कइल गइल बा कि चुनल लोग के अब सब्त के दिन के खिलाफ पाप ना करे के जरूरत बा , ना ही परमेश्वर के मुँ ह से आवे वाला कवनो अन्य नियम के खिलाफ। एह तरह

से यीशु के सिखावल उद्धार के संकीर्ण रास्ता बहाल हो जाला / *आ**नूह , दानियल अउर अय्यूब*** में प्रस्तुत चुनल लोग के मॉडल दान के आखिरी न्याय के दस अरब गिरल लोग खातिर लाख चुनल लोग के जायज ठहरावेला। 7:10 बजे के बा।

दान 8:15 *जब हम दानियल इ दर्शन देखनी अउर समझे के कोशिश करत रहनी , त देखनी कि एगो आदमी के रूप में हमरा सामने खड़ा हो गईल।*

15क- तार्किक रूप से , दानियल दर्शन के अर्थ समझल चाहत बाड़न अउर एह से उ दान .10:12 में अर्जित करी , परमेश्वर के ओर से एगो जायज मंजूरी , लेकिन उ कबो पूरा तरह से आपन इच्छा पूरा ना होई जईसे कि दान .12:9 में परमेश्वर के प्रतिक्रिया से पता चलता : *अउर उ कहले , जा , दानियल : काहे कि इ शब्द **अंत के समय तक बंद अउर मुहर लगावल बा** /*

दान 8:16 *हम उलाई के बीच में एगो आदमी के आवाज सुननी त उ चिल्ला के कहलस, "जिब्राईल , ओकरा के इ दर्शन बताव। "*

16क- उलाई के बीच में ईसा मसीह के छवि दान के दर्शन में दिहल पाठ के पूर्वानुमान लगावेला। 12. मसीह के करीबी सेवक जिब्राईल स्वर्गदूत के जिम्मा दिहल गइल बा कि ऊ पूरा दर्शन के मतलब ओकरा शुरू से बतावे . एह से हमनी के ओह अतिरिक्त जानकारी के ध् यान से पालन कइल जाव जवन निम्नलिखित श्लोकन में प्रकट होई।

दान 8:17 *उ जहाँ हम रहनी , उहाँ के नजदीक आगईले , जब उ नजदीक पहुंचले त हम डेरा गईनी अवुरी मुंह प गिर गईनी। उ हमरा से कहले , "हे मनुष्य के बेटा , ध्यान राखऽ , काहेकि दर्शन एगो समय के ह जवन अंत होखे वाला बा / "*

17क- आकाशीय जीव के दर्शन के शरीर के आदमी पर हमेशा इहे असर पड़ी। बाकिर जइसे ऊ हमनी के नेवता देत बाड़े , हमनी के चौकस रहीं जा . संबंधित अंत के समय पूरा दृष्टि के अंत से शुरू होई।

दान 8:18 *जब उ हमरा से बात करत रहले , हम अपना चेहरा प गहिरा नींद लेके सुतल रहनी , अवुरी उ हमरा के छू के हमरा के उहाँ खड़ा कदेले , जहां हम रहनी।*

18क- एह अनुभव में भगवान शरीर के अभिशाप पर जोर देले बाड़न जवन विश्वासी स्वर्गदूतन के आकाशीय पिंड के पवित्रता के बराबर नइखे।

दान 8:19 *उ हमरा से कहले , "हम तोहरा के बता देब कि क्रोध के अंतिम अंत में का होई , **काहेकि अंत खातिर समय तय बा** /*

19क- भगवान के क्रोध के अंत होई , लेकिन इ क्रोध ईसाई अवज्ञा से जायज ठहरावल गईल बा , जवन कि रोमन पोप के सिद्धांत के विरासत ह। एह से एह भविष्यवाणी कइल

गइल ईश्वरी य क्रोध के समाप्त होखल आंशिक होई काहे कि ई सही मायने में मसीह के गौरवशाली वापसी पर मानवता के पूरा विनाश के बाद ही बंद हो जाई।

दान 8:20 *जवन मेढ़क तू देखनी , जवना के सींग रहे , उ मादी आफारस के राजा हवे।*

20क- भगवान के उद्देश्य बा कि उ अपना चुनल लोग के दिशा निर्देश देस ताकि उ लोग प्रस्तुत प्रतीक के उत्तराधिकार के सिद्धांत के समझ सके। मादी आ फारसी लोग प्रकाशन के शुरुआत के ऐतिहासिक संदर्भ के चिन्हित करेला। दान में बा। 2 आ7 में ऊ लोग दूसरा स्थान पर रहे।

दान 8:21 *बकरी यावन के राजा ह, आ ओकर आँख के बीच के बड़का सींग पहिला राजा ह।*

21क- बदला में ग्रीस दूसरा उत्तराधिकार ह; तीसरा दान .2 अउर 7 में।

21ख- *आँख के बीच के बड़का सींग पहिला राजा हवे*

जइसन कि हमनी के देखले बानी जा कि ई महान यूनानी विजेता सिकंदर महान हवें। बड़हन सींग उनकर आपत्तिजनक आयुद्धप्रिय चरित्र के प्रति निधित्व करे ला , जेकरा के राजा दारा तृतीय अपमानित कइल गलत रहलें , काहें से कि एह से उनकर राज्य आउनकर जान के नुकसान भइल। एह सींग के माथे पर ना आँख के बीच में रख के आत्मा विजय के आपन अतृप्त वासना देखावेला , जवन खाली ओकर मौत ही बंद हो जाई। बाकिर आँख भविष्यवाणी के स्पष्टदर्शिता के भी प्रतिनिधित्व करेला आजबसे उनकर जन्म भइल बा तबसे एगो असाधारण भाग्य के घोषणा उनका के एगो द्रष्टा कइले बा आ ऊ अपना पूरा जीवन में अपना भविष्यवाणी कइल भाग्य पर विश्वास करेला।

दान 8:22 *आ ओह टूटल सींग के जगह जवन चार गो सींग उठल रहे उ चार गो राज्य ह जवन ओह राष्ट्र से पैदा होई , लेकिन उ ओतना मजबूत ना होई।*

22क- हमनी के सिकंदर के बाद आवे वाला चार गो सेनापति लोग द्वारा स्थापित चार गो यूनानी राजवंश मिलेला , जवन शुरू में जवन दस लोग के बीच 20 साल के युद्ध के बाद भी जिंदा रहे।

दान 8:23 *आ उनकर शासन के अंतिम छोर पर जब पापी लोग के नाश हो जाई त एगो राजा खड़ा होई जे बेशर्म आ चालाक होई।*

23क- बीच के समय के छोड़ के , स्वर्गदूत पोप के रोम पर वर्चस्व के ईसाई युग के उकसावत बाड़े। अइसन करत ऊ दिहल गइल प्रकाशन के मुख्य उद्देश्य के संकेत देत बाड़न . लेकिन इ व्याख्या एगो अउरी शिक्षा लेके आवेला जवन एह श्लोक के पहिला वाक्य में आवेला : *उनकर वर्चस्व के अंत में , जब पापी लोग के भस्म हो जाई।* त पोप शासन के समय से पहिले के ई भस्म पापी के हवें ? उ

लोग विद्रोही राष्ट्रीय यहूदी ह वें जे यीशु मसीह के मसीहा अउर उद्धारकर्ता , मुक्तिदाता के रूप में नकार दिहले , हँ , लेकिन खाली कइल गइल पाप से अउर खाली ओह लोग के पक्ष में जेकरा के उ उनकर विश्वास के गुण से पहचानेलन। इनहन के वास्तव में 70 में रोम के सैनिकन , उनके आ उनकर शहर यरूशलेम द्वारा *भस्म हो गइल रहे* , आई दूसरा बेर नबूकदनेस्सर के समय में भइल विनाश के बाद - 586. एह कार्रवाई से , भगवान एह बात के सबूत दिहलें कि ईसा मसीह के मौत के बाद से पुरान गठबंधन खतम हो गइल रहे जहाँ यरूशलेम में मंदिर के अलग होखे के पर्दा दू भाग में फाट गइल रहे , ऊपर से नीचे त क, एह तरीका से ई देखावल गइल बा क्रिया खुद भगवान के ओर से भईल रहे।

23ख- *उहाँ एगो बेशर्म आचालाक राजा पैदा होई*

इहे वर्णन ह जवन भगवान पोप के देले बाड़े जवना के विशेषता दान .7:8 के अनुसार *ओकर अहंकार से बा* अउर इहाँ *ओकर बेशर्मी से* . ऊ जोड़त बाड़न *आ कलापूर्ण* . कृ त्रिमता में सच्चाई के पर्दा डाल के जवन ना होखे ओकर रूप लेबे में होला . आर्टिफिशियल अपना पड़ोसी के धोखा देवे के काम करेला , इहे काम लगातार पोप करेला।

<u>दान 8:24</u> *उ महान होई , लेकिन अपना शक्ति से ना , लेकिन उ बहुत नाश करी , अवुरी सफल होई अवुरी शक्तिशाली अवुरी पवित् र लोग के नाश करी।*

24क- *ओकर शक्ति बढ़ जाई*

छोट सींग " के रूप में वर्णित , पद 20 एकरा के " *दूसरा से बड़हन रूप* " के श्रेय देत बा।

24ख- *लेकिन अपना ताकत से ना*

इहाँ भी इतिहास एकर पुष्टि करेला कि बिना राजकुमारन के सशस्त्र समर्थन के पोप के शासन ना बच सकत रहे | प हिला समर्थन मेरोविंजियन राजघराना के फ्रेंक राजा क्लोविस आ एकरे बाद कैरोलिंगियन राजवंश के आअंत में कैपेटियन राजघराना के रहला के कारण फ्रांसीसी राजतंत्र के समर्थन शायदे कबो असफल भइल बा। आ हमनी के देखब जा कि एह समर्थन के कीमत चुकावे के बा . एकर उदाहरण के रूप में फ्रांसीसी राजा लुई 16 के , रानी मैरी -एंटोनेट के , राजतंत्रवादी दरबारी लोग के आ मुख्य रूप से जिम्मेदार रोमन कैथोलिक पादरी लोग के सिर काट के , राजधानी आ प्रांतीय शहर सभ में फ्रांस में स्थापित गिलोटिन से , 1793 से 1794 के बीच फ्रांसीसी क्रांतिकारी लोग द्वारा कइल जाई ; मानवता के याद में खून के अक्षर में अंकित "आतंक " के दू गो युग। प्रकाशितवाक्य 2:22 में एह ईश्वरीय सजा के भविष्यवाणी एह शब्दन में कइल जाई : *देखऽ , हम* ***<u>ओकरा के एगो बिछौना पर फेंक देब</u>*** *, अउर* ***बहुत संकट भेजब के पास***

जे ओकरा संगे व्यभिचार करेला, *जब तक कि उ लोग अपना काम से पश्चाताप ना करीहे।* ***हम ओकरा लइकन के मार देब*** *; आसब कलीसिया जान जइहें कि हम उहे हईं जे मन आदिल के खोजत बानी आहम तोहनी में से हर केहू के काम के हिसाब से इनाम देब।*

24ग- *उ अविश्वसनीय तबाही मचाई*

धरती पर केहू उनकर गिनती नइखे कर सकत, लेकिन स्वर्ग में भगवान उनकर सही संख्या जानत बाड़न आ अंतिम न्याय के सजा के समय ओह सब के प्रायश्चित कर दिहल जाई , सबसे छोट से लेके सबसे भयानक तक, उनकर लेखक लोग द्वारा।

24घ- *ऊ अपना उपक्रम में सफल हो जाई*

उ कईसे सफल ना हो सकत रहले , जब परमेश्वर उनुका के इ भूमिका देले रहले कि उ अपना लोग के कईल पाप के सजा देवे जवन कि यीशु मसीह के जीतल उद्धार के दावा करेले ?

24वां - *ऊ पराक्रमी आसंतन के लोग के नाश कर दी*

धरती पर भगवान के प्रतिनिधि के रूप में अपना के देखा के आओह लोग के बहिष्कार के धमकी दे के जवना से ओह लोग के स्वर्ग में प्रवेश बं द हो जाई , पोप के पद पच्छिमी भूमि के महान आ राजकुमारन के अधीनता मिल जाला , आ एकरा से भी अधिका छोट , अमीर भा गरीब , बाकिर सभे अज्ञानी लोग के , काहे कि ओह लोग के अविश्वास आदिव्य सच्चाई के प्रति उदासीनता होला।

1170 में पीटर वाल्डो द्वारा शुरू कइल गइल सुधार काल के सुरुआत से पोप के शासन भगवान के वफादार सेवकन के खिलाफ हलचल के साथ क्रोध के साथ प्रतिक्रिया दिहलस , ई एकलौता सच्चा संत हवें जे हमेशा शांतिप्रिय आ नम्र , हत्यारा कैथोलिक लीग हवें जिनहन के समर्थन उनकर झूठा पवित्रता के इन्किजिशन के ट्रिब्यूनल द्वारा कइल जाला । हुड वाला न्यायाधीश जे एह तरह से संतन आ अउरी लोग के भयावह यातना देवे के आदेश देले रहले , जवन सब परमेश्वर अउर रोम के खिलाफ पाखण्ड के आरोप में रहे , सबके दान में भविष्यवाणी कईल गईल ठीक आखिरी न्याय के घड़ी में सच्चा परमेश्वर के सामने आपन वसूली के हिसाब देवे के होई। 7:9 अउर प्रकाशितवाक्य 20:9 से 15 तक।

दान 8:25 *अपना समृद्धि अउर चालाकी के कारण उ अपना मन में घमंडी होई अउर बहुत लोग के नाश करी जे शांति से रहे , अउर राजकुमारन के राजकुमार के खिलाफ उठ जाई। बाकिर बिना हाथ के टूट जाई।*

25क- *ओकर समृद्धि आओकर चाल के सफलता के कारण*

एह *समृद्धि* से उनकर समृद्धि के संकेत मिलत बा जवना के श्लोक *उनकर धूर्तता से जोड़त बा* . इ जरूरी बा , असल में , *धूर्तता के प्रयोग कईल* , जब केहू छोट अउर

कमजोर होखे ताकि अमीर से , हर तरह के पईसा अउर धन प्राप्त कईल जा सके जवना के प्रकाशितवाक्य 18:12 अउर 13 में सूचीबद्ध कइल गइल बा।

25ख- *ओकरा दिल में अहंकार होई*

ई , दान में राजा नबूकदनेस्सर के अनुभव से सिखावल सबक के बावजूद। 4 आ दान में उनकर पोता बेलसजर के अधिका दुखद। 5. के बा।

25ग - *ऊ कई आदमी के नाश करी जे शांति से रहत रहले*

शांति सच्चा ईसाई धर्म के फल ह , लेकिन 1843 तक ही काहे कि ओह तारीख से पहिले , आ खासकर फ्रांसीसी क्रांति के अंत तक , पोप के शासन के 1260 साल के अंत में दान में भविष्यवाणी कईल गईल रहे। 7:25, झूठा विश्वास के विशेषता बा क्रूरता जवन क्रूरता पर हमला करेला या ओकर जवाब दे ला। एही समय में ही कोमलता आ शांति से फर्क पड़ेला। यीशु द्वारा निर्धारित नियम में प्रेरित समय से कवनो बदलाव नइखे भइल ; चुनल भेड़ ह जवन बलि देबे के तइयार हो जाला , कबो कसाई ना .

25घ - *आऊ सरदारन के मुखिया के खिलाफ उठ जाई*

एह सफाई से अब कवनो संदेह नइखे रहि गइल . सिर , पद 11 अउर 12 में उद्धृत , वाकई में यीशु मसीह हवें , *राजा लोग के राजा अउर प्रभु लोग के प्रभु* जे प्रकाशितवाक्य 19:16 में अपना वापसी के महिमा में प्रकट भइल बाड़न / आ उनुका से ही रोमन पोपवाद के द्वारा वैध *शाश्वत पुरोहिताई* के पद छीन लिहल गइल।

दान 8:26 *साँझ आ सबेरे के जवन दर्शन के बात कइल गइल बा , ऊ सही बा , लेकिन दर्शन के तोहरा से गुप्त रखीं , काहे कि ई बहुत पहिले के ह।*

26क- *आ साँझ आ सबेरे के दर्शन जवन सवाल में बा , ऊ सही बा*

स्वर्गदूत पद 14 के "2300 शाम -सुबह " के भविष्यवाणी के ईश्वरीय उत्पत्ति के प्रमाणित करेलन , एह से उ ध्यान खींचत बाड़न , अंत में , एह पहेली के ओर जवना के यीशु मसीह के चुनल संत लोग के स्पष्ट करे के पड़ी अउर समझे के पड़ी जब अइसन करे के समय आई।

26ख- *एह दर्शन के अपना से गुप्त राखीं , काहे कि ई बहुत पहिले के समय के संदर्भ देला।*

दरअसल , दानियल आहमनी के समय के बीच लगभग 26 सदी बीत चुकल बा। आ एही से हमनी के अपना के ***अंत के समय*** में पावेनी जा जहाँ एह रहस्य के स्पष्ट करे के पड़ी ; ई त हो जाई , बाकिर दान के अध्ययन से पहिले ना . 9 जवन प्रस्तावित गणना के अंजाम देवे के जरूरी कुंजी प्रदान करी।

दान 8:27 *हम दानियल बहुत दिन तक बेहोश आबेमार रहनी। तब हम उठ के राजा के धंधा कइनी। दर्शन देख के हम अचरज में पड़ गईनी , लेकिन केहू के पता ना रहे।*

27क- दानियल के स्वास्थ्य से संबंधित ई विवरण व्यक्तिगत नइखे। इ हमनी खातिर परमेश्वर से 2300 भविष्यवाणी कईल गईल शाम अउर सबेरे से संबंधित जा नकारी पावे के बेहद महत्व के दर्शावत बा ; काहे कि जइसे बेमारी से मौत हो सकेला , ओइसहीं पहेली के अज्ञानता अंतिम मसीही लोग के अनन्त आध्यात्मिक मौत के सजा दिही जे ***अंत के समय में जियत होई*** .

दानियल 9 के बा

दान 9:1 *मादी के वंशज अहशूर के बेटा दारा के पहिला साल में , जे कसदी के राज्य पर राज करे लगले रहले।*

1क- दानियल के प्रत्यक्षदर्शी गवाही के अनुसार , एह से निर्विवाद , हमनी के पता चलेला कि दान .5:30 के राजा दारा अहशूर के बेटा हवें , मादी के जाति के ; एह से फारसी राजा साइरस 2 अभी तक उनकर जगह नइखन ले लिहले। उनकर शासन के पहिला साल उहे साल ह जवना में उ अभी -अभी बेबिलोन के जीत लेले बाड़े , एह तरह से ओकरा के कसदीयन से ले लेले बाड़े।

दान 9:2 के बा *उनकर शासन के पहिला साल में हम दानियल किताबन से देखनी कि यरूशलेम के उजाड़ में सत्तर सा ल बीत जाई , जवना साल के संख्या प्रभु यिर्मयाह भविष्यवक्ता से कहले रहले।*

2क- दानियल यिर्मयाह , भविष्यवक्ता के भविष्यवाणी के लेखन के संदर्भित करेला। उ हमनी के विश्वास अवुरी भरोसा के एगो सुंदर उदाहरण देले बाड़े जवन कि भगवान के सेवक के उनुका नज़र के नीचे एकजुट करेला। एह तरह से उ 1 कुरिन्थियों के एह शब्दन के पुष्टि करेलन। 14:32: *भविष्यवक्ता लोग के आत्मा भविष्यवक्ता लोग के अधीन बा* . इब्रानी लोग के देश निकाला खातिर भविष्यवाणी कइल गइल 70 साल के एगो बड़हन हिस्सा दानियल बेबिलोन में रहले। उनुका इजरायल वापसी के विषय में भी रुचि बा , जवन कि उनुका मुताबिक काफी करीबी होखे के चाही। भगवान से जवाब पावे खातिर उ उनुका से एगो शानदार प्रार्थना के संबोधित करेले कि हमनी के अध्ययन करब जा।

एगो संत के आस्था के आदर्श प्रार्थना

दानियल के एह अध्याय 9 के पहिला पाठ इ समझे के बा कि परमेश्वर काहे चाहत रहले कि इ दानियल के किताब के एह भाग में आवे।

भस्म हो गइल पापी लोग के भविष्यवाणी के घोषणा के माध्यम से , हमनी के पुष्टि मिलल कि इस्राएल राष्ट्र के यहूदी लोग के 70 में रोमन लोग द्वारा फिर से निंदा कइल गइल अउर आग से नष्ट कर दिहल गइल , काहे कि उ सब बातन के कारण जवन दानियल अपना प्रार्थना में कबूल करीहें। अब इ इस्राएल के रहे जवन अब्राहम से लेके यीशु मसीह के 12 प्रेरित आचेला तक के जीवित परमेश्वर के साथे पहिला वाचा में पेश कईल गईल रहे , जवन कि खुद यहूदी रहले ? खाली पूरा इंसानियत के नमूना , काहे कि आदम के बाद से पुरुष अपना त्वचा के रंग के छोड़ के एकही बाड़े जवन कि बहुत हल्का से बहुत गहिराह हो जाला। बाकिर ओह लोग के जाति , जातीयता चाहे जवन होखे , बाप -माई से बेटा -बेटी में आनुवंशिक रूप से संचारित चीज होखे , ओह लोग के मानसिक व्यवहार एके जइसन होला . डेज़ी के पंखुड़ी के सिद्धांत के अनुसार , "हम तोहरा से प्यार करेनी , तनी , बहुत , भावुकता से , पागलपन से , बिल्कुल ना ", पुरुष जब अपना अस्तित्व के पता लगावेले त सभ चीज़ के जीवित भगवान के रचना करेवाला के प्रति भावना के ए श्रे णी के दोबारा पैदा करेले। साथ ही , महान न्यायाधीश अपना के अपना अनुयायी होखे के दावा करे वाला लोग में , उनकरा से प्यार करे वाला आ आज्ञा माने वाला वफादार लोग के देखत बाड़न , दोसरा लोग के जे उनका से प्यार करे के दावा करेला , बाकिर उनकर आज्ञा ना मानेला , दोसरा लोग के जे उदासीनता में आपन धर्म जिएला , तबो कुछ लोग जे एकरा के कठोर आ कड़ुआ दिल से जिएला जवन ओह लोग के कट्टरपंथी बना देला आ चरम सीमा में , ऊ लोग विरोधाभास आओकरा से कम डांट के सहन ना कर पावेला आ असहनीय विरोधी के हत्या के समर्थन करेला . ई बेहवार यहूदी लोग में पावल गइलें , काहें से कि ई अबहिन ले पूरा पृथ्वी ग्रह के आदमी सभ में आसगरी धर्म सभ में पावल जालें जे हालाँकि , बराबर ना हवें।

दानियल के प्रार्थना रउवां पर सवाल उठावे आवेला , एह में से कवन व्यवहार में रउवां अपना के पहचानत बानी ? अगर ई अइसन आदमी के ना ह जे परमेश्वर से प्रेम करेला अउर उनकर वफादारी के गवाही देत उनकर आज्ञा मानेला , त विश्वास के बारे में राउर धारणा पर सवाल उठाईं ; पश्चाताप करीं अउर परमेश्वर के ईमानदारी अउर असली पश्चाताप के फल दीं जइसे कि दानियल करीहें।

एह अध्याय 9 में एह प्रार्थना के मौजूदगी के दूसरा कारण इ बा कि इस्राएल के अंतिम विनाश के कारण , साल 70 में रोमन लोग द्वारा उहाँ के इलाज अउर विकास कइल गइल बा : मसीह के पहिला आगमन मनुष्य के धरती पर . आएह मसीहा के नकार के जेकर दोष एकमात्र ओकर काम के सिद्धता रहे जवन ओह लोग के निंदा करत रहे , धार्मिक नेता लोग ओकरा खिला फ जनता के खड़ा कर दिहल , निंदा करे वाला आरोप से सब के भंग कर दिहल आ तथ्य से विरोध कइल. साथ ही उ लोग आपन अंतिम आरोप एगो ईश्वरीय सच्चाई पर आधारित कइल, ओकरा पर , एगो आदमी पर , पर आरोप लगा के कि ऊ अपना के परमेश्वर के बेटा होखे के दावा करेला। एह धार्मिक नेता लोग के आत्मा एगो जरत चूल्हा के कोयला निहन करिया रहे जवन धर्मी क्रोध के समय में इ लोग के भस्म क दिही। बाकिर यहूदी लोग के सबसे बड़ दोष ई नइखे कि ऊ लोग ओकरा के मार दिहले बा , ई नइखे कि ऊ लोग ओकरा के दिव्य जी उठला के बाद पहचान लिहले बा . उनकर बारह प्रेरितन के कइल चमत्कार अउर अच्छा काम के सामना करत उ लोग उनकरा समय के फिरौन के तरह कठोर हो गईल अउर एकर गवाही वफादार डीकन स्टीफन के मार दिहलस , जेकरा के उ लोग खुद एह बेर रोमियन के सहारा लिहले बिना पत्थर मार दिहलस।

एह प्रार्थना के तीसरा कारण इ बा कि ई भगवान के संबंध में जियल एगो लंबा अनुभव के अंत में अंतिम , उजाड़ कथन के भूमिका निभावेला ; एगो गवाही , एगो तरह के गवाही जवन यहूदी गठबंधन के ओर से बाकी मानवता के सोझा छोड़ल गईल बा। काहे कि एही बेबिलोन देश निकाला में भगवान के तइयार कइल प्रदर्शन खतम हो जाला . ई सही बा कि यहूदी लोग अपना रा ष्ट्रीय धरती पर वापस आ जइहें , अउर कुछ समय खातिर , परमेश्वर के सम्मान अउर आज्ञा मानल जाई , लेकिन निष्ठा जल्दीए गायब हो जाई , एतना कि उनकर अस्तित्व खाली मसीह के पहिला आगमन के आधार पर उनकर विश्वास के आखिरी परीक्षा खातिर ही जायज ठहरावल जा सकेला , काहे कि उ होखे के चाहीं , इस्राएल के बेटा , यहूदी लोग के बीच एगो यहूदी।

एह प्रार्थना के चउथा कारण इ बा कि बतावल अउर कबूल कइल पाप सब अपना युग में ईसाई लोग द्वारा कइल गइल अउर दोहरावल गइल , 7 मार्च , 321 के सब्त के दिन के छोड़ला से लेके , हमनी के समय तक . 1873 के बाद से आ1844 के बाद से व्यक्तिगत रूप से आशीर्वादित अंतिम आधिकारिक संस्था समय के अभिशाप से नइखे बचल , काहे कि यीशु एकरा के 1994 में उल्टी कर दिहले रहले।दानियल के अंतिम अध्याय अउर प्रकाशितवाक्य के किताब के अध्ययन से एह तिथि आ अंतिम रहस्यन के व्याख्या होई।

अब हमनी के दानियल के सर्वशक्तिमान परमेश्वर से बात करत ध्यान से सुनल जाव।

दान 9:3 *हम आपन मुँह प्रभु परमेश्वर के ओर रखनी कि हम प्रार्थना अउर विनती से , उपवास से , बोरा आ राख में खोजत बानी।*

3क- दानियल अब बूढ़ हो गइल बाड़न , बाकिर उनकर विश्वास कमजोर नइखे होखत , आ भगवान से उनकर सं बंध सुरक्षित बा , पोषण आ बनल बा। उनकरा मामला में उनकर दिल गहिराह निश्छल होखला के चलते उपवास , बोरा अवुरी राख असली मतलब *लेके चलेला* / ई प्रथा भगवान के ओर से सुनल आ जवाब देवे के उनकर इच्छा के ताकत के संकेत देला। उपवास खाए के सुख के तुलना में भगवान के प्रतिक्रि या के दिहल श्रेष्ठता के देखावेला। एह दृष्टिकोण में ई विचार बा कि भगवान से कहल जाव कि हम अब रउरा प्रतिक्रिया के बिना ना जिए के चाहत बानी , बिना आत्महत्या करे तक ले गइले .

दान 9:4 तब *हम अपना परमेश्वर यहोवा से प्रार्थना कईनी अउर कबूल कईनी कि हे प्रभु , महान अउर भयानक परमेश्वर , जे वाचा के पालन करेलन अउर तोहरा से प्रेम करे वाला अउर तोहार आज्ञा के पालन करे वाला लोग पर दया करेलन।*

4क- *प्रभु , महान आभयानक भगवान*

इस्राएल बेबिलोन के निर्वासन में बा आएह तरह से ई जाने खातिर पइसा देले बा कि भगवान महान आ भयानक हवें।

4ख- *तू जे आपन वाचा के पालन करेला आ ओह लोग पर दया करेला जे तोहरा से प्यार करेला आ तोहार आज्ञा के पालन करेला !*

दानियल ई देखावेलन कि ऊ भगवान के जानत बाड़न काहे कि ऊ आपन तर्क भगवान के दस आज्ञा में से दूसरा के पाठ से लेत बाड़न , जवना के अभागल कैथोलिक लोग पूरा सदियन के अन्हार में ना जानत बा , काहे कि सार्वभौमिक रूप से , पोप के शासन एकरा के दस आज्ञा के अपना संस्करण से हटावे के पहल कइलस , काहे कि मांस पर केंद्रित एगो आज्ञा जोड़ल गइल रहे कि संख्या दस पर राखल जा सके ; पिछला अध्याय में निंदा कइल गइल बेशर्मी आधोखा के एगो बढ़िया उदाहरण .

दान 9:5 *हमनी के पाप कइले बानी जा , हमनी के अधर्म कइले बानी जा , हमनी के बुराई कइले बानी जा अउर विद्रोह कइले बानी जा , हमनी के तोहार आज्ञा अउर तोहार न्याय से हट गइल बानी जा।*

5क- एकरा से अधिका सही आ साफ ना हो सकेला काहे कि इहे दोष रहे जवना के चलते इस्राएल के देश निकाला कर दिहल गइल , सिवाय एह बात के कि दानियल आ उनकर तीन

साथी एह तरह के दोष के दोषी ना रहले ; एहसे ओकरा अपना अपराध के बोझ अपना साथे लेके अपना लोग के मुद्दा के समर्थन करे से नइखे रोकत .

तबहिए हमनी के 2021 में एहसास होखे के चाहीं कि हमनी के ईसाई लोग भी एही भगवान के सेवा करेनी जा जे माल में उनकर घोषणा के अनुसार ना बदलेला। 3:6: *काहेकि हम प्रभु हईं , हम बदलत नइखीं ; आहे याकूब के संतान , तोहनी के नाश नइखे होत .* "अभी तक खपत नइखे भइल " कहल उचित होई। काहे कि जबसे मलाकी ई शब्द लिखले बाड़न तबसे मसीह अपना के पेश कइलन , याकूब के संतान उनका के ठुकरा के मार दिहले , आदान में भविष्यवाणी कइल वचन के अनुसार। 8:23, अंत में उ लोग रोमन लोग द्वारा 70 में भस्म हो गईल। अउर अगर परमेश्वर ना बदललन त एकर मतलब इ बा कि उनकर आज्ञा के उल्लंघन करे वाला बेवफा मसीही लोग , जवना में सबसे पहिले अउर सबसे महत्वपूर्ण बात , पवित्र सब्त के दिन भी शामिल बा , उनके समय के इब्रानियन अउर राष्ट्रीय यहूदी लोग से भी ज्यादा मारल जाई।

दान 9:6 *हमनी के तोहार सेवक भविष्यवक्ता लोग के बात ना सुननी जा , जे तोहरा नाम से हमनी के राजा लोग से , हमनी के राजकुमारन से , हमनी के पुरखन से , आदेश के सब लोग से बात करत रहले।*

6क- ई सही बा , इब्रानी लोग एह चीजन खातिर दोषी बा , लेकिन ईसाई लोग के का कहल जाव जे , उनकर द्वारा स्थापित अंतिम संस्था में भी , उहे काम के दोषी बा ?

दान 9:7 *हे प्रभु , तोहार धर्म ह, लेकिन हमनी के आज यहूदा के लोग , यरूशलेम के निवासी अउर पूरा इस्राएल के सामने आदूर -दूर के , उ सब देश में जहाँ तू ओह लोग के अपना खिलाफ अपराध के चलते भगा देले बाड़ू , उहाँ के चेहरा के भ्रम बा।*

7क- इस्राएल के सजा भयानक रहे , बहुत लोग के मौत भईल अवुरी सिर्फ बचे वाला लोग के भाग्यशाली रहे कि उनुका के बेबिलोन में देश निकाला क दिहल गईल अवुरी उहाँ से कसदी साम्राज्य अवुरी ओकरा बाद आईल फारसी साम्राज्य के सभ देश में बिखराइल। यहूदी राष्ट्र विदेशी देशन में भंग हो गइल आतबहियो अपना वादा का मुताबिक भगवान जल्दिए यहूदी लोग के ओह लोग के राष्ट्रीय धरती , ओह लोग के पूर्वज के धरती पर फेर से एकजुट कर दीहें . एह जिंदा भगवान के कवन शक्ति आ कवन शक्ति नइखे ! दानियल अपना प्रार्थना में उ सब पश्चाताप के व्यक्त करेलन जवन एह लोग के अपना पवित्र भूमि पर वापस आवे से पहिले देखावे के चाहीं , लेकिन तबहिए जब परमेश्वर उनकरा बगल में होखे।

दानियल यहूदी बेवफाई के कबूल करेलन जेकरा के परमेश्वर के सजा दिहल गइल बा , लेकिन फिर अइसन मसीही

लोग खातिर कवन सजा बा जे अइसने करेला ? देश निकाला , कि मौत ?

दान 9:8 *हे प्रभु , हमनी खातिर , हमनी के राजा लोग खातिर , हमनी के राजकुमारन खातिर आ हमनी के पुरखा लोग खातिर चेहरा के लाज बा , काहे कि हमनी के तोहरा खिलाफ पाप कइले बानी जा।*

8क- भयानक शब्द , "पाप " शब्द के उद्धरण दिहल गइल बा। एतना बड़ कष्ट पैदा करे वाला पाप के अंत के कर सकेला ? एह अध्याय में एकर जवाब दिहल जाई। एगो सबक छीन के याद करे लायक बा : इस्राएल के ओह राजा , नेता अउर पिता के चुनाव अउर व्यवहार के परिणाम भोगे के पड़ल जे ओकरा पर राज करत रहे। त इहाँ एगो उदाहरण बा जहाँ भ्रष्ट नेता लोग के आज्ञा ना माने के परमेश्वर के आशीष में रहे खातिर प्रोत्साहित कइल जा सकेला। इहे चुनाव दानियल आ उनकर तीनों साथी कइले रहले आएकरा खातिर ऊ लोग धन्य बा।

दान 9:9 *हमनी के परमेश्वर प्रभु के पास दया अउर माफी बा , काहे कि हमनी के उनकरा खिलाफ विद्रोह कइले बानी जा।*

10क- पाप के स्थिति में एके गो आशा रह जाला कि अच्छा , दयालु भगवान पर भरोसा कइल जाव ताकि ऊ आपन माफी दे सके। प्रक्रिया हमेशा खातिर रहेला ; पुरान वाचा के यहूदी आ नया वाचा के ईसाई के माफी के एके जइसन जरूरत बा। इहाँ भी भगवान एगो प्रतिक्रिया तैयार कर रहल बाड़े , जवना खाति र उनुका महंगा पईसा देवे के होई।

दान 9:10 *हमनी के अपना परमेश्वर यहोवा के आवाज के पालन ना कइनी जा कि हमनी के उनकर नियम पर चले के चाहीं , जवन उ अपना सेवक भविष्यवक्ता लोग के द्वारा हमनी के सामने रखले बाड़न।*

10क- साल 2021 में ईसाई लोग खातिर भी इहे हाल बा।

दा न 9:11 *सब इस्राएल तोहार व्यवस्था के उल्लंघन कइले बा , अउर तोहार आवाज के पालन से अलग हो गइल बा। एही से परमेश्वर के सेवक मूसा के व्यवस्था में जवन गारी आगारी लिखल बा , उ हमनी पर उझलल बा , काहे कि हमनी के परमेश्वर के खिलाफ पाप कईले बानी जा।*

11क- मूसा के व्यवस्था में भगवान सचमुच इस्राएल के आज्ञा ना माने से चेतावनी देले रहले। लेकिन उनकरा बाद दानियल के समकालीन इजकिएल भविष्यवक्ता के दानियल के 13 साल बाद देश निकाला कर दिहल गईल , यानी यहोयाकीम के भाई राजा यहोयाकीन के 5 साल बाद , जेकरा बाद उ बनले , अपना के दग्रिस अवुरी यू फ्रेटिस के बीच में स्थित कबर नदी में बंदी में पा लेले। उहाँ परमेश्वर उनकरा के प्रेरित कइले अउर उनकरा से संदेश लिखवा दिहले जवन आज हमनी के बाइबल में मिलेला। आ ई इजकि . 26 कि हमनी के सजा के एगो

उत्तराधिकार मिलेला जवना के मॉडल आध्यात्मिक रूप से लागू पावल जाला , लेकिन खाली ना , प्रकाशितवाक्य 8 अउर 9 में प्रलय के सात तुरही में इ आश्चर्यजनक समानता एह बात के पुष्टि करेला कि परमेश्वर सचमुच में ना बदलेलन। पाप के सजा नया करार में ओइसहीं दिहल जाला जइसे पुरान करार में भइल रहे।

दान 9:12 *अउर उ आपन बात पूरा कर दिहलन जवन उ हमनी के खिलाफ अउर हमनी के न्याय करे वाला हमनी के राजकुमारन के खिलाफ कहले रहलन , अउर हमनी पर* ***एगो बड़हन विपत्ति ले आइल बाड़न*** *, जवन पूरा आकाश के नीचे यरूशलेम के जइसन ना रहल।*

12क- भगवान कमजोर नइखन भइल , ऊ आशीर्वाद भा गारी देबे के आपन घोषणा ओही सावधानी से पूरा करे लें आ दानियल के लोग पर जवन " *आपदा " आइल ऊ* ओह राष्ट्रन के चेतावे के बा जे ई सब सीखत बा . बाकिर हमनी का का देखत बानी जा ? बाइबल में लिखल गवाही के बावजूद , एह पाठ के पढ़े वाला लोग भी अनदेखी करत रहेला। एह संदेश के याद करीं : परमेश्वर यहूदी लोग खातिर अउर उनकरा बाद , मसीही लोग खातिर दू गो अउरी *बड़हन आपदा के तैयारी कर रहल बाड़न* जवन दानियल के बाकी किताब में प्रकट होई।

दान 9:13 *जइसन कि मूसा के व्यवस्था में लिखल बा कि ई सब बुराई हमनी पर आ गइल बा। तबो हमनी के अपना परमेश्वर यहोवा से ना प्रार्थना कइले बानी जा , ना ही अपना अपराध से मुड़नी जा , ना तोहार सच्चाई के समझले बानी जा।*

13क- बाइबल में परमेश्वर जवन चीजन के लिखले बाड़न ओकर तिरस्कार भी हमेशा खातिर बा , 2021 में ईसाई लोग भी एह दोष के दोषी बा अउर उ लोग मानत बा कि परमेश्वर एकर विरोध ना करीहें। उ लोग भी अपना अधर्म से मुँह ना मोड़े ला अउर एह बाइबिल के सच्चाई के प्रति ज्यादा ध्यान ना देला लेकिन हमनी के अंतिम समय खातिर एतना महत्वपूर्ण बा , एकर भविष्यवाणी के सच्चाई के तीव्रता से अउर समझे लायक तरीका से प्रकट कइल गइल , काहे कि समझे के कुंजी खुद बाइबल में बा।

दान 9:14 *यहोवा एह बुराई से देखत रहलन अउर हमनी पर ले अइलन , काहेकि हमनी के परमेश्वर यहोवा अपना हर काम में धर्मी हउवें , लेकिन हमनी के उनकर बात ना मननी जा।*

14क- एकरा से बेसी का कहल जा सकेला ? सचमुच में ! बाकिर बढ़िया से जान लीं कि एह से बहुते बड़हन विपत्ति भगवान के ओर से वर्तमान मानवता खाति र तइयार कइल गइल बा , आएही कारण से . इ आई, 2021 से 2030 के बीच , एगो परमाणु युद्ध के रूप में जवना के ईश्वरीय

मिशन बा कि प्रकाशितवाक्य 9:15 के अनुसार *मानव जाति के एक तिहाई के मारल जाव ।*

दान 9:15 *अब हे हमनी के परमेश्वर प्रभु , जे अपना लोग के मिस्र के देश से एगो ताकतवर हाथ से बाहर निकाललेबानी , आ आज जइसन नाम बनवले बानी , हमनी के पाप कइले बानी जा , हमनी के पाप कइले बानी जा।*

15क- दानियल हमनी के याद दिलावत बाड़न कि भगवान के ओर से अविश्वास के निंदा काहे कइल जाला। धरती पर यहूदी लोग के अस्तित्व एगो अलौकिक शक्ति के कारण एह असाधारण तथ्य के गवाही देला , मिस्र से हिब्रू लोग के पलायन। इनकर पूरा इतिहास एह चमत्कारी तथ्य पर टिकल बा। हमनी के एह पलायन के गवाह बने के मौका नइखे मिलत बाकिर एह बात से केहू इनकार नइखे कर सकत कि एह अनुभव के वंशज आजुओ हमनी का बीच में बाड़े . आ एह अस्तित्व के बेहतर फायदा उठावे खातिर भगवान एह लोग के दुसरका विश्वयुद्ध का दौरान नाजी नफरत के शिकार कर दिहले . एह तरह से मानवता के ध्यान ओह बचे वाला लोग के ओर बढ़ल जे 1948 में 70 से खोवल अपना प्राचीन माटी के माटी पर आपन पुनर्वास हासिल कइले रहे , भगवान खाली ओह लोग के मा था पर ओह लोग के पिता के शब्द गिरे दिहलन जे रोमन गवर्नर पोंटियस पिलातुस से ईसा के बारे में कहले रहले , उनकर मौत पावे खातिर हम उद्धृत करत बानी "उनकर खून हमनी पर आ हमनी के लइकन पर होखे। " भगवान ओह लोग के अक्षरशः सुनले। बाकिर हर संप्रदाय के ईसाई लोग एह ईश्वरीय पा ठ के शर्मनाक तरीका से अनदेखी कइले बा , आकेहू समझ सकेला कि काहे , काहे कि ऊ सब लोग आपन अभिशाप साझा करेला। यहूदी लोग मसीह के नकार दिहल , लेकिन ईसाई लोग उनकर नियम के तिरस्कार करत रहले। एह से भगवान के दुनो के निंदा एकदम सही बा।

दान 9:16 *प्रभु , तोहरा बहुत दया के अनुसार , तोहार क्रोध अउर क्रोध अपना शहर यरूशलेम से , अपना पवित्र पहाड़ से दूर होखे दीं। काहे कि हमनी के पाप आ हमनी के पुरखन के अधर्म के चलते यरूशलेम आ तोहार लोग हमनी के आसपास के सब लोग के निंदा के रूप में बन गईल बा।*

16क- दानियल इहाँ एगो तर्क लेत बाड़न जवन मूसा भगवान के सामने रखले रहले : उनकर लोग के सजा के गवाह बने वाला लोग का कहत होई ? परमेश्वर समस्या के बारे में जानत हउवें जब से उ खुद यहूदी लोग के बारे में , रोम .2:24 में पौलुस के मुँह से घोषणा करत बाड़न : *काहेकि परमेश्वर के नाम के निंदा तोहनी के कारण गैर -यहूदी लोग में कइल जाला , जइसन कि लिखल बा ।* उ इजकि .16:27 के पाठ के संकेत कर रहल बाड़े : *अउर देख , हम तोहरा खिलाफ आपन हाथ बढ़ा देले बानी , हम तोहरा के जवन हिस्सा देले रहनी , ओकरा के कम कर देले बानी ,*

तोहनी के तोहरा दुश्मनन के इच्छा के हवाले कर देले बानी , पलिस्तीयन के बेटी , जे तोहरा अपराधी आचरण से शर्मिंदा बाड़ी । अपना करुणा में , दानियल के अभी भी बहुत कुछ सीखे के बा कि परमेश्वर अपना शहर यरूशलेम में जवन न्याय ले आवेलन। लेकिन जब उ कहतारे कि , " *यरूशलेम अवुरी तोहार लोग हमनी के आसपास के सभ लोग खाती निंदा ह ,*" त उ गलत नईखन , का हेंकी अगर इस्राएल के सजा से बुतपरस्त लोग में एगो हितकारी डर अवुरी ए सच्चा भगवान के सेवा करे के इच्छा पैदा हो गईल रहित त सजा के असली रुचि होईत। बाकिर ई दुखद अनुभव बहुते कम फल दिहलसि , ओह सब खातिर महत्वहीन ना , काहे कि हमनी का एकरा के राजा नबूकदनेस्सर आ राजा दारा मादी के धर्मांतरण के ऋणी बानी जा .

दान 9:17 *अब हे हमनी के परमेश्वर , अपना सेवक के प्रार्थना अउर निहोरा सुन , अउर प्रभु खातिर उजाड़ हो चुकल आपन पवित्र स्थान पर आपन चेहरा चमका द।*

17क- दानियल जवन मांगत बाड़े उ मंजूर हो जाई , लेकिन एहसे ना कि भगवान उनुका से प्यार करेले , बालुक सिर्फ एहीसे कि इस्राएल में इ वापसी अवुरी मंदिर के फेर से बनावल उनुका योजना के हिस्सा ह। हालाँकि , दानियल के एह बात के जानकारी नइखे कि मंदिर , जवन वाकई में दोबारा बनावल जाई , 70 में रोमन लोग द्वारा फिर से नष्ट कर दिहल जाई। एही से एह अध्याय 9 में जवन जानकारी उनुका मिली उ उनुका के ठीक उहे यहूदी महत्व से ठीक करी जवन उ आज भी यरूशलेम में बनल पत्थर के मंदिर के देत बाड़े ; मसीह के मांस के मंदिर जल्दिए एकरा के बेकार कर दी आ एही कार ण से , एकरा के 70 में रोमन सेना द्वारा फिर से नष्ट कर दिहल जाई।

दान 9:18 *हे हमार परमेश्वर , आपन कान झुका के सुनऽ ! आँख खोल के देखऽ हमनी के खंडहर , आऊ शहर जवन तोहरा नाम से बोलावल जाला ! काहे कि हमनी के आपन विनती तोहसे आपन धार्मिकता खातिर ना , बल्कि तोहरा बड़हन दया खातिर पेश करत बानी जा।*

18क- ई साँच बा कि परमेश्वर यरूशलेम के चुनले र हले ताकि उ अपना गौरवशाली उपस्थिति से पवित्र जगह बनावल जा सके। बाकिर ऊ जगह तबे पवित्र होला जब भगवान होखे , आसाल -586 से अब अइसन ना रहे। आएकरा उलट यरूशलेम के खंडहर आ ओकर मंदिर उनकर न्याय के निष्पक्षता के गवाही देत रहे। ई पाठ जरूरी रहे ताकि आदमी सच्चा परमेश् वर के एगो जीव के रूप में मान सके जवन मूर्तिपूजक बुतपरस्त देवता लोग के विपरीत देखेला , न्याय करेला अउर प्रतिक्रिया देला जवन खाली शैतान के खेमा के बुरा स्वर्गदूतन से ही संबंध रखेला। वफादार आदमी भगवान के सेवा करेला लेकिन बेवफा आदमी भगवान के इस्तेमाल अपना आसपास

के लोग के प्रति अपना के धार्मिक वैधता देवे खातिर करेला। परमेश्वर के करुणा जवना खातिर दानियल अपील करेलन , उ असली ह अउर उ जल्दिये एकर सबसे सुंदर प्रमाण दिहे , यीशु मसीह में।

दान 9:19 *हे प्रभु , सुनऽ ; माफ करऽ , हे प्रभु ; हाजिर होखे , हे प्रभु ; करऽ आदेरी मत करऽ , हे भगवान , तोहरा खातिर ; काहे कि तोहार शहर आतोहार लोग तोहरा नाम से बोलावल जाला।*

19क- दानियल के बढ़ल उमिर उनकर जिद के जायज ठहरावेला काहे कि मूसा के तरह उनकर सबसे प्रिय व्यक्तिगत इच्छा बा कि ऊ अपना "पवित्र " भूमि में एह वापसी के अनुभव कर सके। उ पवित्र मंदिर के पुनरुत्थान के गवाह बनल चाहत बाड़े जवन एक बेर फेरु से भगवान आइस्राएल के महिमा ले आई।

दान 9:20 *जब हम अभी भी बोलत रहनी , प्रार्थना करत रहनी , आ अपना पाप अउर अपना लोग इस्राएल के पाप के कबूल करत रहनी , अउर अपना परमेश्वर के पवित्र पहाड़ खातिर हमार परमेश्वर यहो वा के सामने आपन निहोरा पेश करत रहनी।*

20क- ई कवनो आश्चर्य के बात नइखे कि भगवान दानियल से प्यार करेलन ; ऊ विनम्रता के एगो मॉडल हवें जे उनका के खुश करेला आपवित्रता के ओह मापदंड के पूरा करेला जवना के ऊ माँगेला . हर आदमी जबले मांस के शरीर में रहेला तबले त्रुटि पूर्ण होला आ दानियल भी एकर अपवाद नइखे। ऊ अपना पाप के कबूल करेला , अपना चरम कमजोरी से अवगत होके जइसन कि हमनी के सब केहू के करे के चाहीं . लेकिन उनकर व्यक्तिगत आध्यात्मिक गुण लोग के पाप के ढंक सकेला , काहे कि उ खाली एगो आदमी हवे , खुद अपूर्ण। एकर समाधान ईसा मसीह में परमेश्वर से मिली।

दान 9:21 *जब हम अभी भी प्रार्थना में बोलत रहनी त जिब्राईल आदमी , जेकरा के हम पहिले दर्शन में देखले रहनी , शाम के बलिदान के समय हमरा ओर तेजी से उड़ गईल।*

21क- जिब्राईल के दर्शन खातिर भगवान द्वारा चुनल समय साँझ के बलिदान के ह , यानी कि एगो *मेमना के सनातन बलिदान के* जवन *साँझ आ सबेरे के भविष्यवाणी करेला* कि ईसा मसीह के बिल्कुल पवित्र आ निर्दोष शरीर के भविष्य के स्वैच्छिक चढ़ाई होई। ऊ अपना एकमात्र चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित करे खातिर सूली पर चढ़ के मर जइहें जे उनकर एकमात्र सच्चा लोग के गठन करेला। प्रकाशितवाक्य के साथे जवन कड़ी नीचे दिहल जाई , दानियल के , एह से स्थापित बा।

प्रार्थना के अंत : भगवान के प्रतिक्रिया

दान 9:22 *उ हमरा के सिखावत हमरा से बात कइलन आहमरा से कहलन कि दानियल , अब हम तोहरा के समझे आइल बानी।*
22क- "मन खोल " के अभिव्यक्ति के मत लब होला कि तब तक मन बंद रहे। स्वर्गदूत परमेश्वर के उद्धार योजना के विषय के बारे में बात करेलन जवन परमेश्वर के चुनल भविष्यवक्ता से मिले के पल तक छिपल रखल गईल रहे।
दान 9:23 *जब तू प्रार्थना करे लगनी त बात निकलल आहम तोहरा के बतावे आइल बानी। काहे कि तू प्रिय हउअ। वचन पर ध्यान दीं आदर्शन के समझीं।*
23क- *जब रउआ प्रार्थना करे लगनी त शब्द निकलल*
स्वर्ग के परमेश्वर सबकुछ के आयोजन कईले रहले , शाश्वत के घड़ी में सभा के पल अउर जिब्राईल स्वर्गदूत मसीह के "वचन " से नामित करेलन जईसे कि यूहन्ना अपना सुसमाचार के शुरुआत में करीहे : *वचन के मांस बन गईल* . स्वर्गदूत ओकरा के "वचन " के घोषणा करे आवेला जवना के मतलब बा कि उ ओकरा के मसीह के आवे के घोषणा करे आवेला जवन मूसा के बाद से भविष्यवाणी कइले रहले व्यवस्था 18:15 से 19 तक: प्रभु तोहार परमेश्वर तोहनी खातिर तोहनी में से , तोहनी के भाई लोग से , ***हमरा जइसन*** *एगो भविष्यवक्ता खड़ा करीहें ;* ***तूँ ओकर बात सुनबऽ*** *! ऊ ओह निहोरा के जवाब दीहें जवन तूँ होरेब में , सभा के दिन , अपना परमेस् वर से , जब तू कहले रहलू कि , हमरा परमेस् वर यहोवा के आवाज ना सुने दीं , ना ही अब ई बड़हन आग देखे दीं , ताकि हम ना मरी जाइब। प्रभु हमरा से कहले कि उ लोग जवन कहले बाड़े उ बढ़िया बा।* ***हम ओह लोग खातिर ओह लोग के भाई लोंग के बीच से खड़ा करब तोहरा जइसन भविष्यवक्ता , हम आपन बात ओकरा मुँह में डाल देब , आऊ ओह लोग से हर बात कह दीहें जवन हम ओकरा के कहब*** . *आजे हमार बात ना सुनी जवन ऊ हमरा नाम से बोलत बा ओकरा से हम हिसाब देबे के माँग करब . लेकिन जे भविष्यवक्ता हमरा नाम से एगो शब्द बोले के अहंकार करी जवन हम ओकरा के बोले के आज्ञा ना देले बानी , चाहे जवन भविष्यवक्ता दोसरा देवता के नाम से बोलत होई , उ भविष्यवक्ता के जरूर हत्या कदिहल जाई।*
ई पाठ मसीहा यीशु के अस्वीकार करे में यहूदी लोग के अपराधबोध के समझे खातिर मौलिक बा काहे कि उ अपना आवे खातिर भविष्यवाणी कइल गइल सब मापदंड के पूरा कइले। आदमी के बीच से लिहल गइल आईश्वरीय वचन के संप्रेषक , यीशु एह वर्णन से मेल खात रहले आउनकर कइल चमत्कार ईश्वरीय क्रिया के गवाही देत रहे।
23ख- *काहे कि तू एगो प्रिय हउअ*
भगवान दानियल से काहे प्यार करेलन ? बस एहसे कि दानियल ओकरा से प्यार करेला . प्रेम ही कारण ह कि भगवान अपना से पहिले मुक्त प्राणी के जीवन के रचना

कईले रहले। प्रेम के इहे ओकर जरूरत बा जवन ओकरा के अपना कुछ पार्थिव मानव प्राणी से पावे खातिर जवन बहुत जादा कीमत चुकावे के पड़ी ओकरा के जायज ठहरवलस। आओकरा मौत के कीमत पर जवन ओकरा चुकावे के पड़ी , जेकरा के ऊ चुनी ऊ अनन्त काल खातिर ओकर साथी बन जइहें .

23ग- *वचन के प्रति ध्यान राखीं , आदर्शन के समझीं !*

इ कवन शब्द ह: स्वर्गदूत के वचन या मसीह में छिपल ईश्वरीय "वचन "? जवन बात निश्चित बा उ इ कि दुनो संभव बा अउर पूरक बा काहे कि दर्शन "वचन " से संबंधित होई जे यीशु मसीह में शरीर में आई। एह से संदेश के समझल सबसे जादा महत्व के बा।

70 हफ्ता के भविष्यवाणी के बारे में बतावल गइल बा

दान 9:24 *तोहार लोग अउर तोहरा पवित्र शहर खातिर सत्तर हफ्ता तय बा कि उ अपराध के समाप्त कर सकीले , पाप के अंत कर सकीले , अधर्म के मेल मिलाप कर सकीले , अनन्त धार्मिकता के ले आईं , दर्शन अउर भविष्यवाणी पर मुहर लगाईं अउर परम पवित्र स्थान के अभिषेक करीं।*

24क- *तोहरा लोग से आ तोहरा पवित्र नगर से सत्तर हफ्ता कट गइल बा*

हिब्रू क्रिया "हतक " के मतलब पहिला अर्थ में काट भा टुकड़ा कइल होला ; आखाली आलंकारिक अर्थ में , "निर्धारित भा ठीक करे खातिर "। हम पहिला अर्थ के बरकरार रखले बानी , काहे कि इ अब्राहम के एह काम के एगो अर्थ देला जवन एगो बलिदान के द्वारा परमेश्वर के साथे उनकर गठबंधन के ठोस बनावेला , उत्पत्ति 15:10 में : *अब्राम एह सब जानवरन के लेके , बीच में काट के , आ हर टुकड़ा के दूसरा के सामने रखले ; लेकिन उ चिरई के बंटवारा ना कईले* . ई संस्कार भगवान आउनकर सेवक के बीच भइल गठबंधन के चित्रण करत रहे। एही से , ई क्रिया "काट के " आपन पूरा अर्थ पद 27 में "बहुत लोग के साथे एक हफ्ता खातिर गठबंधन " में ले ली , इ "बहुत लोग " राष्ट्रीय यहूदी हवें जिनकर फायदा खातिर , सूली पर चढ़ावल मसीह में विश्वास के फायदा के सबसे पहिले प्रस्तुत कइल गइल बा। काट के एह क्रिया के दूसरा रुचि ई बा कि एह अध्याय 9 के साल के 70 हफ्ता दान के "2300 शाम -सबह " पर काटल गइल बा। 8:14 के बा। आ एह कालक्रम से एगो पाठ सामने आवेला जवन ईसाई आस्था के यहूदी आस्था से पहिले रखेला। एह तरह से , परमेश्वर हमनी के सिखावेलन कि यीशु मसीह में उ आपन जान दे के हर वि श्वासी खातिर फिरौती के रूप में चढ़ावेलन जवन पूरा मानवता में अपना उद्धार के लायक बा। एह से पुरान वाचा तब गायब होखे के रहे जब यीशु पूरा धरती

के चुनल लोग के साथे आपन नया वाचा के काट देवे खातिर आपन खून बहवले।

दानियल के किताब के मकसद बा कि दानियल के समकालीन राजा लोग के धर्मांतरण के बारे में हमनी के प्रस्तुत करके एह सार्वभौमिक उद्धार के सिखावल जाव : नबूकदनेस्सर , मादी दारा अउर फारसी कोरस।

ई संदेश एगो गंभीर चेतावनी ह जवन यहूदी लोग आ ओह लोग के पवित्र शहर यरूशलेम के खतरा में डालत बा जवना के 70 हफ्ता के अवधि दिहल गइल बा . इहाँ भी इजके के कोड। 4:5-6 में एगो दिन के साल के रूप में दिहल गइल बा ; अवधि कुल 490 साल के प्रतिनिधित्व करेला। दानियल के अपना शहर के खिलाफ खतरा के मतलब समझे में दिक्कत होई , जवन कि पहिलही से खंडहर हो चुकल बा।

24ख- *अपराध के अंत करे खातिर आपाप के अंत करे खातिर*

कल्पना करीं कि जब दानियल के मन में का चलेला जब उ इ सब बात सुनेला , उ अभी -अभी परमेश्वर के प्रार्थना में पुकार के अपना पाप अउर अपना लोग के पाप खातिर माफी पावेला। उ जल्दीए समझ जइहें कि एहमें का शामिल बा . बाकिर हमनी का खुदे व्यक्त कइल गइल दिव्य आवश्यकता के बढ़िया से समझत बानी जा . परमेश्वर अपना चुनल लोग से इ प्राप्त कइल चाहत हउवें कि उ उनकरा के बचावे , कि उ लोग अब पाप ना करे , कि उ लोग उनकर नियम के उल्लंघन के अंत करस , एह तरह से पाप के अंत कर देवे जवन प्रेरित यूहन्ना द्वारा 1 यूहन्ना 3:4 में लिखल होई : *जे पाप करेला उ व्यवस्था के उल्लंघन करेला , अउर पाप व्यवस्था के उल्लंघन ह* । ई उद्देश्य ओह आदमी के संबोधित बा जेकरा अपना दुष्ट स्वभाव से लड़े के पड़ी जेहसे कि ऊ लोग अब पाप ना कर सके .

24ग- *अधर्म के प्रायश्चित करे खा तिर आअनन्त धर्म के ले आवे खातिर*

यहूदी दानियल खातिर ई संदेश "प्रायश्चित के दिन " के संस्कार के उकसावत बा , जवन एगो सालाना परब ह जवन बकरी के बलिदान के माध्यम से पाप के दूर करे के जश्न मनावेला। पाप के ई ठेठ प्रतीक दान में यूनान के प्रतिनिधित्व करत रहे। 8, अउर एकर उपस्थिति भविष्यवाणी के एह "प्रायश्चित के दिन " के आध्यात्मिक माहौल में रख दिहलस। बाकिर बकरी के मौत से पाप कइसे दूर हो सकेला अगर साल भर में बलि दिहल गइल दोसरा जानवरन के मौत ओकरा के दूर करे में सफल ना भइल होखे . एह दुविधा के जवाब इब्रानियों में दिहल गइल बा । 10:3-7: *लेकिन एह बलिदानन में साल दर साल पाप के याद कइल जाला ;* ***काहे कि बैल आबकरी के खून से पाप दूर होखल असंभव बा*** *. एह से जब मसीह दुनिया में अइले त उ कहले , बलिदान आ चढ़ावे के इच्छा ना रहे ,* ***बल्कि हमरा खातिर एगो शरीर के तइयार कइले रहनी*** *;*

पाप खातिर होमबलि आ बलिदान में तोहरा कवनो प्रसन्नता ना भइल। तब हम कहनी कि ***देखऽ , हम*** *(किताब के खंड में हमरा बारे में लिखल बा)* ***करे आइल बानी। हे भगवान , राउर इच्छा बा*** . प्रेरित पौलुस के दिहल सफाई बहुत साफ अउर तार्किक बा। एह से इ निष्कर्ष निकलेला कि परमेश्वर अपना खातिर , यीशु मसीह में , ओह पाप के प्रायश्चित के काम के सुरक्षित रखले रहले जवन जिब्राईल स्वर्गदूत द्वारा दानियल के घोषणा कईले रहले। लेकिन "प्रायश्चित के दिन " के एह संस्कार में ईसा मसीह कहाँ रहले ? उनकर सिद्ध व्यक्तिगत मासूमियत , जवन प्रतीकात्मक रूप से उनका के परमेश्वर के फसह के मेमना बना दिहलस जवन दुनिया के पाप के दूर करेला , अपना चुनल लोग के पाप के अपना ऊपर ले लिहलस जवना के प्रतीक प्रायश्चित के संस्कार के बकरी ह। मेमना के बकरी छिपा के रखले रहे ताकि मेमना ओह बकरी खातिर मर गईल जवन उ अपना ऊपर ले लेले रहे। अपना चु नल लोग के पाप के प्रायश्चित करे खातिर क्रूस पर आपन मौत के स्वीकार करके , पाप जवन उ अपना ऊपर ले लिहले , मसीह में परमेश्वर ओह लोग के उनकरा से प्रेम के सबसे सुंदर प्रमाण दिहलन।

24घ- *आशाश्वत न्याय ले आवे के*

इहे मुक्तिदाता मसीह के मौत के सुखद परिणाम ह। ई धार् मिकता जवन आदमी , आदम के बाद से पैदा ना कर सकल, चुनल लोग के आरोपित कइल जाला ताकि ईश्वरीय प्रेम के एह प्रदर्शन में उनकर विश्वास से , शुद्ध अनुग्रह से , यीशु मसीह के पूर्ण धार्मिकता उनकरा पर आरोपित कइल जाला , शुरू में , जब तक कि विश्वास के लड़ाई पाप पर विजय ना पा वे। आजब ई पूरा तरह से गायब हो जाला त मसीह के धार्मिकता के आरोप लगावल जाला . विद्यार्थी अपना मास्टर जइसन हो जाला। एही सिद्धांत के आधार पर ही यीशु के प्रेरित लोग के विश्वास के निर्माण भइल। समय अउर अन्हार शक्तियन के बदले से पहिले , एह तरह से ईसा मसीह के सिखावल संकीर्ण रास्ता के चौड़ा हो गइल। ई ***धार्मिकता खाली विश्वासी चुनल लोग खातिर शाश्वत*** होई , जे परमेश्वर के न्यायसंगत मांग के पालन करके सुनत अउर जवाब देत बा।

24वीं - *दर्शन आ भविष्यवक्ता पर मुहर लगावे खातिर*

माने कि घोषित भविष्यवक्ता के प्रकटीकरण से दर्शन पूरा हो खे। मुहर लगावे के क्रिया भगवान के मुहर के संकेत करेला जवन एह तरह से भविष्यवाणी के आ भविष्यवक्ता के देला जे अपना के एगो अधिकार आएगो पूरा आनिर्विवाद ईश्वरीय वैधता पेश करी। जवन काम पूरा होई ओकरा पर उनकर दिव्य राजसी मुहर लगावल जाला। एह मुहर के प्रतीकात्मक सं ख्या "सात : 7" बा। इ

ओह पूर्णता के भी निर्दिष्ट करेला जवन सृष्टिकर्ता भगवान के स्वभाव आ उनकर आत्मा के स्वभाव के विशेषता ह। एह चुनाव के आधार पर सात हजार साल में उनकर प्रोजेक्ट के निर्माण बा , जवना के चलते उ समय के सात हजार साल निहन सात दिन के सप्ताह में बांटले । 70 हफ्ता के भविष्यवाणी , एह तरह से अपो .7 में जीवित परमेश्वर के मुहर के संख्या (7) के भूमिका देला। एकरा बाद जवन श्लोक बा उ एह संख्या "7" के महत्व के पुष्टि करी।

24च- *आपवित्र स्थान के अभिषेक करे खातिर*

इ पवित्र आत्मा के अभिषेक ह जवन यीशु के बपतिस्मा के समय मिली। लेकिन हमनी के गलती मत करीं जा , स्वर्ग से उनकरा पर उतरल कबूतर के एगो मकसद रहे , उ यूहन्ना के विश्वास दिआवल कि यीशु वाकई में घोषित मसीहा हवें ; स्वर्ग ओकर गवाही देत बा। धरती पर , यीशु हमेशा मसीह रहले अउर याजकन से पूछल चुनल सवाल के रूप में , 12 साल के उमि र में आराधनालय में उनकर शिक्षा एकर प्रमाण बा। उनकर लोग खातिर , जेकरा बीच उनकर जनम अउर परवरिश भइल , उनकर आधिकारिक मिशन साल 26 के शरद ऋतु में उनकर बपतिस्मा से शुरू होखे के रहे अउर साल 30 के बसंत में उनकर जान देवे के रहे , पवित्र स्थान के उपाधि उनका के योग्य रू प से नामित करेला काहे कि उ मांस के रूप में ओह जीवित परमेश्वर के मूर्त रूप देले बाड़े जे मूसा के समय में इब्रानियन के डेरा दिहले रहले। लेकिन पवित्र स्थान के जीवित पवित्र स्थान के धरती पर एगो भौतिक प्रतीक रहे : यरूशलेम के मंदिर के सबसे पवित्र स्थान या पवित्र स्थान। ई स्वर्ग के प्रतीक रहे , ऊ आयाम रहे जवन मानवता खातिर दुर्गम रहे जहाँ भगवान आउनकर स्वर्गदूत निवास करेलें। ईश्वरीय न्याय के आसन अउर उनकर सिंहासन के स्थान , न्यायाधीश के रूप में परमेश्वर मसीह के खून के इंतजार करत रहले ताकि एह चयन खातिर तय 6 सहस्राब्दी में चुनल गईल चुनल लोग के पाप के माफी के मान्यता दिहल जा सके। एह तरह से यीशु के मौत से अंतिम "प्रायश्चित के परब " पूरा हो गईल। माफी मिलल , आ भगवान के मंजूर प्राचीन बलिदान सभ के मान्यता मिलल। पवित्र स्थान के अभिषेक प्रायश्चित के दिन दया के आसन पर कत्ल कइल बकरी के खून छिड़क के भइल , वेदी के ऊपर रखल गइल जवना में परमेश्वर के उल्लंघन कइल आज्ञा रहे। एह कार्रवाई खातिर साल में एक बेर महायाजक के अलगाव के पर्दा से परे परम पवित्र स्थान में प्रवेश करे के अधिकार दिहल गइल रहे। एह तरह से अपना जी उठला के बाद , यीशु अपना खून के प् रायश्चित के स्वर्ग में ले अइले ताकि उ प्रभुत्व पावे , अपना धर्म के आरोप लगा के अपना चुनल लोग के बचावे के वैधता अउर अपश्चाताप

करे वाला पापी लोग के निंदा करे के अधिकार , जवना में दुष्ट स्वर्गदूत अउर उनकर नेता शैतान , शैतान भी शामिल रहले। पवित्र स्थान , जवन स्वर् ग के भी नामित करेला , धरती पर यीशु द्वारा बहावल खून , ओकरा के , माइकल में , शैतान अउर उनकर राक्षस के स्वर्ग से भगावे के अनुमति दिही , जवन कुछ प्रकाशितवाक्य 12:9 में प्रकट भइल बा। एह तरह से यहूदी धार्मिक लोग के गलती ई रहे कि ऊ लोग सालाना "प्रायश्चित के दिन " के भविष्यवाणी के चरित्र के ना समझल। ओह लोग के गलत मानना रहे कि एह उत्सव में चढ़ावल जानवरन के खून साल भर में बहावल दोसरा जानवरन के अर्थ के मान्यता दे सकेला . भगवान के प्रतिरूप में बनल आदमी ; the animal produced by earthly life , हमनी के दुनो प्रजाति खातिर मूल्य के समानता के कइसे जायज ठहरावल जा सकेला ?
परमेश्वर होखला के नाते , ईसा मसीह खुद पवित्र आत्मा के रूप में अभिषेक के तेल रहले अउर स्वर्ग में चढ़े में उ अपना साथे धरती पर अर्जित अपना वैधता के अभिषेक के लेके आवेलन।

गणना के कुंजी बा

दान 9:25 *एह से जान लीं आसमझीं कि जब से यरूशलेम के निर्माण के आज्ञा दिहल गइल रहे , तब से अभिषिक्त , राजकुमार , सात हफ्ता आसठ हफ्ता के होई , गली आखाई के निर्माण होई , लेकिन खतरनाक समय में।*

25क- त *ई जान लीं , आसमझीं !*

स्वर्गदूत दानियल के ध्यान में बोलावल सही बा काहे कि ऊ अइसन डेटा से निपटे में लागल बा जवना खातिर बहुते आध्यात्मिक आ बौद्धिक एकाग्रता के जरूरत होला ; काहे कि गणना करे के पड़ी .

25ख- ***जब से*** *इ बात कहल गईल कि यरूशलेम के दोबारा बनावल जाई ,* ***तब से अभिषिक्त , नेता तक***

अकेले श्लोक के एह हिस्सा के सर्वोपरि महत्व बा काहे कि एहमें दर्शन के उद्देश्य के संक्षेप में बतावल गइल बा . **भगवान अपना लोग के , जे अपना मसीह के इंतजार में बा , इ जाने के साधन देले कि उ कवना साल में उ लोग के सामने प्रकट होईहे** . आई पल जब वचन के घोषणा भइल कि यरूशलेम के फेर से बनावल जाई , भविष्यवाणी कइल गइल 490 सा ल के अवधि के हिसाब से तय करे के पड़ी . पुनर्निर्माण के एह फरमान खातिर , एज्रा के किताब में , हमनी के तीन गो संभावित फरमान मिलत बा जवना के क्रम तीन गो फारसी राजा लोग द्वारा क्रमबद्ध कइल गइल बा : कोरस , दारा आ आर्टाजर्क्स।
पता चलल बा कि -458 में आखिरी द्वारा स्था पित फरमान , हमनी के युग के साल 26 में 490 साल पूरा करे के अनुमति देला। एह से इहे आर्टजर्जेस के फरमान के रखल जाई , जवना मौसम में इ लिखल गइल रहे , ओकरा के ध्यान में

रखत : एज्रा 7:9 के अनुसार बसंत : *उ पहिला महीना के पहिला दिन बाबुल से निकलल , अउर पांचवा महीना के पहिला दिन यरूशलेम पहुंचले , उनकर परमेश्वर के अच्छा हाथ उनकरा पर रहे* । राजा के फरमान के साल एज्रा 7:7 में दिहल गइल बा : *अउर इस्राएल के कई गो संतान , याजक अउर लेवी , गायक , दरवाजे के रखवाला अउर नथिनीम भी यरूशलेम में आ गइलन , राजा आर्टहसर्जेस के सातवाँ साल में* ।

चूँ कि फरमान के प्रस्थान बसंत के ह, आत्मा अपना भविष्यवाणी खातिर बसंत के फसह के निशाना बनावेले , जब ईसा मसीह सूली पर चढ़ावल मर गइलन। गणना से हमनी के एह लक्ष्य तक पहुंच जाई।

25ग- *सात हफ्ता बासठ हफ्ता बा , चौक आ खाई बहाल हो जाई , लेकिन परेशानी के समय में।*

हमनी के लगे शुरुआत में 70 हफ्ता के समय बा। स्वर्गदूत 69 हफ्ता के जिक्र कइले बाड़न , यानी ; 7 + 62. पहिला 7 हफ्ता में यरूशलेम आ मंदिर के बरामदगी के समय आवेला , कठिन समय में काहे कि यहूदी लोग ओह अरबन के स्थायी प्रतिकूलता में काम करेला जे ओह इलाका में बस जाए खाति र आइल रहे जवन ओह लोग के देश निकाला से मुक्त हो गइल रहे . नेह .4:17 से इ श्लोक स्थिति के बढ़िया से वर्णन करेला : *देवाल बनावे वाला लोग , अउर बोझ उठावे वाला या बोझ उठावे वाला लोग एक हाथ से काम करत रहे अउर दूसरा हाथ में हथियार रखले रहे* । ई एगो डिटेल बा जवन निर्दिष्ट कइल गइल बा , बाकिर मुख्य बात 70वां हफ्ता में मिलल बा गिनल गइल .

70वां हफ्ता के बा

दान 9:26 *बासठ हफ्ता बाद अभिषिक्त आदमी के काट दिहल जाई , आ ओकर ~~उत्तराधिकारी ना होई~~ , आ आवे वाला राजकुमार के लोग शहर आ पवित्र ~~स्थान के नष्ट कर दी~~ , आ ओकर अंत बाढ़ के तरह आ जाई , आ ई तय हो गइल बा कि युद्ध के अंत तक उजाड़ हो जाई।*

26क- *बासठ हफ्ता के बाद एगो अभिषिक्त के काट दिहल जाई*

एह 62 हफ्ता से पहिले 7 हफ्ता होला , जवना के मतलब बा कि असली संदेश बा "69 हफ्ता के बाद " *एगो अभिषिक्त के काट दिहल जाई* , लेकि न खाली कवनो अभिषिक्त के ना , जेकरा के एह तरह से घोषित कइल जाला ऊ खुद ईश्वरीय अभिषेक के मूर्त रूप देला। " ***एक" के*** सूत्र के प्रयोग करके *अभिषिक्त* ," भगवान यहूदी लोग के एगो साधारण रूप के आदमी से मुठभेड़ खातिर तैयार करेलन , जवन ईश्वरीय बाधा से दूर बा।अंगूर के बगइ चा के मालिक के बेटा आदमी के बेटा , अंगूर के बगइचा के मालिक के बेटा , अपना दूत के भेजला के बाद अंगूर के खेती करे वाला लोग के सामने पेश करेला , जे उनका से

पहिले रहे अउर जेकरा साथे उ लोग दुर्व्यवहार कइले रहे।मानव के नजरिया से , यीशु खाली *एगो अभिषिक्त हवे* जे अपना के दोसरा अभिषिक्त लोग के बाद पेश करेला।

स्वर्गदूत कहले " *बाद* " कुल अवधि 69 सप्ताह के , एह तरह से 70वां के संकेत मिलल । एह तरह से , कदम दर कदम, स्वर्गदूत के आंकड़ा हमनी के साल 30 में बसंत के फसह के ओर निर्देशित करेला , जवन दिन -साल के एह 70वां सप्ताह के बीच में स्थित होई।

26ख- आओकरा *खातिर ~~कवनो उत्तराधिकारी ना~~ होई*

ई अनुवाद त अउरी नाजायज बा काहे कि एकर लेखक एल .सेगोंड हाशिया पर निर्दिष्ट कइले बाड़न कि शाब्दिक अनुवाद बा : ***ओकरा खातिर केहू नइखे*** . आ हमरा खातिर शाब्दिक अनुवाद हमरा पर एकदम सूट करेला का हे कि एहमें कहल गइल बा कि उनुका सूली पर चढ़ावे के समय असल में का पूरा भइल रहे . बाइबल एकर गवाही देत बा : प्रेरित लोग खुद ई विश्वास कइल बंद कर दिहले रहे कि यीशु उम्मीद के मुताबिक मसीह हवें काहे कि , बाकी यहूदी लोग के तरह , उ लोग एगो योद्धा मसीहा के इंतजार करत र हे जवन रोमियन के देश से बाहर निकाल दिही।

26ग- *आवे वाला नेता के लोग शहर आ ~~पवित्रता के~~ पवित्रता के नाश करी*

इ देखल गईल यहूदी राष्ट्रीय अविश्वास के प्रति परमेश्वर के प्रतिक्रिया के गठन करेला : *ओकरा खातिर केहू ना* . भगवान के खिलाफ आक्रोश के निश्चित रूप से भुगता न यरूशलेम के विनाश आ ओकर झूठा *पवित्रता से होई* ; काहे कि साल 30 से यहूदी लोग के धरती पर अब कवनो *पवित्रता नइखे रहि गइल* ; अभयारण्य अब एक ना हो रहल बा। एह कार्रवाई खातिर भगवान रोमन लोग के इस्तेमाल कइले , जेकरा द्वारा यहूदी धार्मिक नेता लोग मसीह के सूली पर चढ़ा दि हले रहे , हिम्मत ना कइल आ खुद ई काम ना कर पवलस , जबकि उ लोग जानत रहे कि , ओह लोग के बिना , "तीन साल छह महीना " बाद डिकन स्टीफन के कइसे पत्थर मारल जा सकेला।

26घ- *आएकर अंत बाढ़ के तरह आजाई*

त 70 में ही , कई साल के रोमन घेराबंदी के बाद , यरूशलेम उनकर हाथ में आग ईल , अउर विनाशकारी नफरत से भरल , एगो ईश्वरीय जोश से जीवंत होके , उ लोग बेचैनी से नष्ट कर दिहल , जईसे कि घोषणा कईल गईल रहे , *शहर अउर पवित्रता* जवन अब ना रहे , जब तक कि *एक पत्थर दूसरा पर ना छोड़ल गईल* जईसे कि यीशु मत्ती 24:2 में अपना मौत से पहिले घोषणा कईले रहले : *ले किन उ उ लोग से कहले कि : का रउवां इ सब चीज़ देखतानी ? हम तोहसे सच कहत बानी*

कि इहाँ एक पत्थर पर एक पत्थर ना रह जाई जवन ना फेंकल जाई .

26 तारीख - तय भइल कि तबाही *युद्ध के अंत* तक चली मत्ती 24:6 में , यीशु कहले बाड़न : *रउवां युद्ध अउर युद्ध के अफवाह के बारे में सुनब , देखब कि रउवां परेशान मत होखब , काहेकि इ सब होखे के चाहीं। लेकिन अंत अभी तक ना होई।* रोमन लोग के बाद ईसाई युग के पूरा दू हजार साल में युद्ध जारी रहल आ दूसरा विश्वयुद्ध के अंत के बाद से हमनी के जवन शांति के लंबा समय मिलल बा उ असाधारण बा लेकिन भगवान के प्रोग्राम बा। एह तरह से मानवता नश्वर कीमत चुकावे से पहिले अपना विकृति के फल अपना कल्पना के एकदम अंत तक पैदा कर सकेले।

हालाँकि , रोमन लोग के बात करत घरी हमनी के ई ना भुलाए के चाहीं कि ओह लोग के पोप के उत्तराधिकार बुत परस्त " *विनाशकारी* भा *उजाड़ करे वाला* " के काम के लंबा करी आ उहाँ भी मसीह भगवान के चुनल लोग के खिलाफ लड़ल युद्ध के अंत तक ले।

दान 9:27 आऊ एक हफ्ता खातिर *बहुत लोग के साथे एगो वाचा के पुष्टि करी : आ**हफ्ता के बीच में** ऊ बलिदान आ बलिदान के बंद कर दी , आपाँख पर उजाड़ के घिनौना चीज हो जाई , आ एकदम विनाश तक हो जाई , आ ऊ टूटल जाई , जवन नियम के* अनुसार , *उजाड़ हो गइल* भूमि पर।

27क- ***एक हफ्ता तक*** *बहुत लोग से मजबूत गठबंधन करीहे* आत्मा नया *वाचा के स्थापना के भविष्यवाणी करेला* ; ई *ठोस बा* काहे कि ई दुनिया के अंत तक चढ़ावल मोक्ष के आधार बन जाला। कई शब्द के तहत , परमेश्वर यहूदी नागरिकन , उनकर प्रेरित लोग अउर उनकर पहिला यहूदी चेलन के निशाना बनावेलन जे यहूदी राष्ट्र के सूली पर चढ़ावल मसीहा के आधिकारिक तौर पर स्वीकार करे भा अस्वीकार करे खातिर दिहल गइल अवधि के अंतिम **सात साल के दौरान उनकर** *वाचा में प्रवेश करीहें।* इहे वाचा ह जवन पद 24 में परमेश्वर अउर पश्चाताप करे वाला यहूदी पापी लोग के बीच " *काटल* " *बा।* 33 साल के गिरावट में एह पिछला हफ्ता के अंत में ऊ अउरी अन्यायी आ घृणित काम होखी , जवन कि नया डिकन स्टी फन के पत्थर से मारल जाई . उनकर एकमात्र अपराध रहे कि उ यहूदी लोग के उ सच्चाई बतावे जवन उ लोग के सुनल बर्दाश्त ना भईल , जबकि यीशु आपन बात अपना मुंह में डाल देले। अपना मुद्दा के एगो चेला के मारल देख के , यीशु अपना बिनती के आधिकारिक राष्ट्रीय अस्वीकार के रिकार्ड कइले। 33 ई. के शरद ऋतु से यहूदी विद्रोही लोग रोमन क्रोध के बढ़ावा दिहल , जवना के 70 ई. में जेरुसलम पर सामूहिक रूप से उड़ावल गइल।

27ख- *आ**हफ्ता** **के बीच में** ऊबलिदान आप्रसाद के बंद कर दीहें*

मिड -*वीक* पल 30 के बसंत ह, जवना के लक्ष्य 70 हफ्ता के भविष्यवाणी बा। इ उ पल ह जब पद 24 में उद्धृत सब काम पूरा हो जाला : **पाप के अंत , ओकर प्रायश्चित , भविष्यवक्ता के आगमन जे अपना अनन्त न्याय के स्थापित करके दर्शन के पूरा करेला अउर जी उठल मसीह के अभिषेक जवन विजयी अउर सर्वशक्तिमान स्वर्ग में चढ़ जाला** । मसीह के प्रायश्चित करे वाला मौत के इहाँ एगो परिणाम के पहलू में उकसावल गइल बा जवन ई ले आवेला : यहूदी मंदिर में शाम आसबेरे कइल जाए वाला जानवरन के *बलिदान आ चढ़ावे के निश्चित रूप से बंद होखल* , लेकिन सबेरे से साँझ तक भी , लोग के पाप खातिर। ईसा मसीह के मौत ओह जानवरन के प्रतीकन के अप्रचलित कर देला जवन पुरान वाचा में उनकर पूर्वरूप रहे , अउर इहे उनकर बलिदान से आइल जरूरी बदलाव ह। ईसा के मौत के समय भगवान द्वारा मंदिर के पर्दा फाड़ल पार्थिव धार्मिक संस्कार के निश्चित रूप से बंद होखे के पुष्टि करेला , अउर 70 में मंदिर के विनाश एह पुष्टि के मजबूत करेला। बदला में , यहूदी लोग के सालाना परब , जवन सब उनकर आवे के भविष्यवाणी रहे , गायब होखे के रहे ; लेकिन कवनो भी हालत में , साप्ताहिक सब्त के अभ्यास , जवन एह मौत में आपन असली अर्थ पावेला : इ सातवीं सहस्राब्दी के स्वर्गीय विश्राम के भविष्यवाणी करेला जवन , अपना जीत से , यीशु मसीह परमेश्वर अउर उनकर सच्चा चुनल लोग खातिर प्राप्त करेला , जेकरा के उ पद 24 में उद्धृत आपन सही *अनन्त न्याय के आरोप लगावेला।*

हफ्ता " के शुरुआत 26 के शरद ऋतु में यीशु के बपतिस्मा के साथ होला जेकरा के यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला बपतिस्मा लेले रहले।

27ग- *आपाँख पर उजाड़ के घिनौना काम* [होई]

माफ करीं , बाकिर श्लोक के एह हिस्सा के गलत अनुवाद नया अंतर्राष्ट्रीय संस्करण में भइल बा काहे कि एकर गलत व्याख्या भइल रहे . यूहन्ना के एपोकैलिप्स में दिहल गइल प्रकाशन के ध्यान में राखत हम हिब्रू पाठ के आपन अनुवाद प्रस्तुत करत बानी , जवना के पुष्टि दोसर अनुवाद बा। " *पंख पर* " अभिव्यक्ति , स्वर्गीय चरित्र आ प्रभुत्व के प्रतीक , एगो धार्मिक जिम्मेदारी के सुझाव देला जवन सीधे पोप के रोम के निशाना बनावेला , जवन दान में " *उठेला* "/ 8:10-11, अउर ओकर बाद के समय के धार्मिक सहयोगी। *चील के पाँख* शाही उपाधि के सर्वोच्च ऊंचाई के प्रतीक हवे , उदाहरण खातिर राजा नबूकदनेस्सर के संबंध में *चील के पाँख वाला शेर* , या खुद भगवान , जे *चील के पाँख पर* अपना हिब्रू लोग के

लेके चलल रहलें जिनहन के ऊ मिस्र के गुलामी से बचा लिहलें। सभ साम्राज्य *चील* के एह प्रतीक के अपना लेले बाड़े , जवना में , 1806 में , नेपोलियन प्रथम भी शामिल बा ' जवना के पुष्टि प्रकाशितवाक्य 8:13 से होई , तब प्रशियाई आजर्मन सम्राट , अंतिम तानाशाह ए हिटलर रहले। बाकिर तब से अमेरिका के भी अपना राष्ट्रीय मुद्रा डॉलर के ग्रीनबैक पर ई शाही चील बा।

पिछला विषय के छोड़ के आत्मा अपना पसंदीदा दुश्मन रोम के निशाना बनावे खातिर वापस आ जाला। ईसा मसीह के पार्थिव मिशन के बाद , धरती के *अंतिम उजाड़ के कारण घिनौना काम के लक्षित अभिनेता वाकई में रोम बा , जेकर बुतपरस्त शाही चरण अभी -अभी पद 26 में 70 में यरूशलेम के नष् ट कर देले बा।आ " उजाड़ के* ***घिनौना काम*** " करे के क्रिया समय के साथ दुनिया के अंत तक जारी रही। घिनौना *काम* , बहुवचन में , एह से , पहिला , शाही रोम के जिम्मेदार ठहरावल जाला , जवन वफादार चुनल लोग के शानदार "मंच पर " प्रस्तुति में मार के सताई , खूनखराबा रोमन लोग के मनोरं जन खातिर , जवन चीज 313 में बंद हो जाई , लेकिन एकरा बाद एगो अउरी घिनौना बात आवेला आएकरा में सातवाँ दिन के सब्त के प्रथा के अंत कइल शामिल बा , 7 मार्च , 2017 के। 321 के बा ; ई कार्रवाई फिर से रोमन साम्राज्य आ एकरे शाही नेता कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के जिम्मेदार ठहराव ल जा सके ला।उनके साथ रोमन साम्राज्य बीजान्टिन सम्राट लोग के वर्चस्व में आगइल। 538 में , बदले में , सम्राट जस्टिनियन प्रथम अपना रोमन सीट पर विजिलियस प्रथम के पोप शासन के स्थापना क के एगो अउरी *घिनौना* काम कइलें , आदुनिया के अंत तक *घिनौना काम* के एह लंबा होखे के तब एह पोप के चरण के जिम्मेदार ठहरावल जरूरी बा जेकर निंदा भगवान दान से करत रहलें। 7. हमनी के याद बा कि " *छोट सींग* " नाम दान में रोम के दुनो प्रमुख चरण के दर्शावेला। 7 आ दान के बा। 8. भगवान एह दुनो लगातार चरण में खाली एके घिनौना काम के निरं तरता देखत बाड़े।

पिछला अध्याय के अध्ययन से हमनी के अलग-अलग तरह के घिनौना काम के पहचान करे के मौका मिलल बा जवना के ई श्लोक उनुका के बतावेला।

27d- *आजब तक कि कवनो सफाया* (या *पूरा विनाश*) ना हो जाई *आ****ओकरा के टूटल ना जाई*** , [जवना के अनुसार] *जवन फरमान दिहल गइल बा , उजाड़* [जमीन] पर /

" ***उ टूट जाई।*** " [अनुसार] *जवन फरमान दिहल गइल बा* " आ दान .7:9-10 आ दान .8:25 में प्रकट कइल गइल बा : *अपना समृद्धि आ अपना चाल के सफलता के कारण , ऊ अपना दिल में घमंडी होई , आशांति से जिए वाला बहुत लोग के नाश*

करी , आ राजकुमारन के राजकुमार के खिलाफ उठ जाई ; ***लेकिन ऊट्टट जाई , बिना कवनो हाथ के प्रयास के।***

हिब्रू ग्रंथ वर्तमान अनुवाद से अलग एह ईश्वरीय विचार के पेशकश करेला।

ई बारीकियन भगवान के योजना पर आधारित बा कि आदमी के अपराधबोध के वापस ओह पृथ्वी ग्रह पर गिरा दिहल जाव जवना पर ऊ लोग र हेला ; जवन प्रकाशितवाक्य 20 हमनी के सिखावेला। हमनी के एह तथ्य पर ध्यान दीं कि झूठा मसीही विश्वास एह ईश्वरीय योजना के अनदेखी करेला जवना में धरती के सतह से आदमी के सफाया कइल शामिल होई , मसीह के गौरवशाली वापसी पर। प्रकाशितवाक्य 20 में दिहल गइल प्रकाशन के अनदेखी करत , उ लोग धरती पर मसीह के राज्य के स्थापना के व्यर्थ इंतजार करेला। हालाँकि , एकर सतह के पूरा तरीका से विनाश के प्रोग्राम इहाँ आ प्रकाशितवाक्य 20 में कइल गइल बा , विजयी मसीह के अपना पूरा ईश्वरीयता में गौरवशाली वापसी से पृथ्वी पर ओकर इतिहास के शुरुआत के ओकर अराजक रूप बहाल हो जाई जवना के वर्णन उत्पत्ति 1 में कइल गइल बा।विशालकाय भूकंप एकरा के हिला दिही आ ई *रसातल नाम के तहत* अपना शुरुआती अराजक अवस्था में वापस आ जाई " *निराकार आ शून्य* ", "तोहु वा बोहु "। एकरा पर कवनो आदमी जिंदा ना रही बाकिर ओकरा मौत के घड़ी तक *हजार साल* ले एकरा पर अलग-थलग पड़ल शैतान के *जेल* रही .

अध्ययन के एह चरण में हमरा , पहिला , "70वां सप्ताह " से संबंधित अतिरिक्त जानकारी देवे के होई , जवना के अभी -अभी अध्ययन भईल बा। भविष्यवाणी के दिन -साल में एकर पूरा होखे के साथे शाब्दिक पूर्ति भी बा। काहे कि एगो यहूदी कैलेंडर के गवाही के बदौलत हमनी के साल 30 के ईस्टर हफ्ता के विन्यास जानत बानी जा , एकर केंद्र एगो बुधवार रहे , जवन कबो -कबो सब्त के पूर्व संध्या रहे जवना के यहूदी फसह के द्वारा जायज ठहरावल गईल रहे , जवन कि ओह साल गुरुवार के पड़ेला। एह तरह से हमनी के एह फसह के रास्ता के पूरा तरह से पुनर्निर्माण कर सकेनी जा जवना में यीशु मरले रहले। मंगलवार के सांझ के गिरफ्तार , रात के दौरान न्याय कईल गईल , यीशु के बुधवार के सबेरे 9:00 बजे सूली प चढ़ावल गईल। उनुकर मौत 3:00 बजे हो गईल। साँझ 6:00 बजे से पहिले अरिमथिया के यूसुफ अप्रन लाश कब्र में रख के ओकरा पर मुहर लगावे वाला पत्थर के लुढ़का दिहले। गुरुवार के ईस्टर सब्त बीत गईल। बियफे का सबेरे धर्मात्मा मेहरारू लोग मसाला खरीद लिहली जवन ऊ लोग दिन में ईसा के लाश के मलहम बनावे खातिर तइयार कइली . बियफे के साँझ 6 बजे साप्ताहिक सब्त के दिन शुरू होला ; एक रात , एक दिन , भगवान के पवित्र कइल

आराम में बीत जाला। आशनिचर का साँझ छह बजे सेकुलर हफ्ता के पहिला दिन शुरू हो जाला . रात बीत जाला आ भोर के पहिला रोशनी में मेहरारू लोग एह उमेद में कब्र पर चल जाले कि केहू मिल जाई जवन पत्थर के लुढ़कावे। उ लोग के पत्थर लुढ़क के कब्र खुलल मिलेला। कब्र में घुसत घरी मरियम मगदलीनी आईसा के महतारी मरियम के एगो बइठल स्वर्गदूत के देखल जाला जे ओह लोग के बतावेले कि यीशु जी उठ गइल बाड़े। स्वर्गदूत ओह लोग के कहेला कि जाके अपना भाई लोग , अपना प्रेरित लोग के बतावे। बगइचा में लंबा समय तक टिकल मरियम मगदलीनी के एगो आदमी के सफेद कपड़ा पहिनले देखाई देली , जेकरा के ऊ माली बना लेले बिया ; आदान -प्रदान में ऊ ईसा के पहचान लेले। अउर इहाँ , एगो बहुत महत्वपूर्ण विवरण जवन एगो बहुत व्यापक विश्वास के नष्ट कर देला , यीशु मरियम से कहत हउवें : " *हम अभी तक अपना पिता के पास नईखी चढ़ल* । " सूली पर चोर आ खुद ईसा अपना सूली पर चढ़ावे के ठीक दिन स्वर्ग , परमेश्वर के राज्य में ना घुसल रहले , काहे कि पूरा तीन दिन बाद भी यीशु स्वर्ग में नइखन चढ़ल। त हम प्रभु के नाम से कह सकत बानी , जेकरा उनुका से कुछुओ कहे के नईखे , उ चु प रहस ! ताकि एक दिन मजाक भा लाज ना भोगे के पड़े।

दूसरा बात ई बा कि तारीख के फायदा उठावल जाव – 458 जवन सबसे पहिले यहूदी लोग खातिर तय कइल गइल 70 हफ्ता के दिन -साल के शुरुआत होला जेकरा के परमेश्वर दू गो प्रमुख पहचान करे वाला संकेत दिहले बाड़न : सब्त के दिन अउर शरीर के खतना।
रोम के अनुसार। 11, नया वाचा में प्रवेश करे वाला धर्मांतरित गैर -यहूदी लोग के हिब्रू आयहूदी जड़ आ तने पर कलम लगावल जाला। लेकिन नया वाचा के नींव विशुद्ध रूप से यहूदी ह , अउर यीशु यूहन्ना 4:22 में एकरा के बतावे के इच्छुक रहले : *रउवां उहे पूजा करे नी जवन रउवां नइखी जानत ; हमनी के जवन जानत बानी जा ओकर पूजा करेनी जा , काहे कि उद्धार यहूदी लोग से मिलेला।* आज इ संदेश एगो जीवित प्रासंगिकता ले लेला काहे कि यीशु एकरा के हर युग में झूठा धर्मांतरित गैर -यहूदी लोग के संबोधित करेलन। बेहतर तरीका से ओह लोग के खोवे खा तिर शैतान ओह लोग के यहूदी लोग आ ओह लोग के वाचा से नफरत करे खातिर धकेल दिहलस ; जवन परमेश्वर के आज्ञा आ उनकर पवित्र सब्त के दिन से दूर कर दिहलस। एह से हमनी के एह गलती के सुधारे के होई अउरी **नया वाचा के यहूदी पहचान के साथे देखे के होई** . प्रेरित अउर नया धर्मांत रित यहूदी चेला इहे " *बहुत " हवें जे यीशु के साथे एगो ठोस गठबंधन करेलन , दान .9:27 में , लेकिन उनकर आधार*

यहूदी बनल बा , उ लोग भी ओह " 70 हफ्ता " के अवधि के शुरुआत से चिंतित बा जवन परमेश्वर द्वारा यहूदी राष्ट्र के दिहल गइल बा कि उ लोग यीशु मसीह द्वारा स्वेच्छा से बहावल मानवीय खून के आधार पर नया गठबंधन के मानक के स्वीकार करे या अस्वीकार करे। एह तर्कन के कटौती में तारीख - 458 दान .8:14 के "2300 शाम - सुबह " के शुरुआत हो जाला।
एह लंबा भविष्यवाणी अवधि के अंत में , यानी 2300 साल , दान के अनुसार तीन चीज बंद होखे के रहे। 8:13 के बा।

1- सदा के पुरोहिताई के काम होला
2- विनाशकारी पाप के बारे में बतावल गइल बा
3- पवित्रता आसेना के प्रताड़ना।

तीनों चीज के पहचान कइल गइल बा :

1- पोप के सनातन पार्थिव पुरोहिताई के काम
2- आराम के पहिला दिन के नाम बदल दिहल गइल : अतवार .
3- पवित्रता आ ईसाई संतन , स्वर्ग के रा ज्य के नागरिकन के उत्पीड़न।

एह बदलावन के मकसद रहे कि :

1- ईसा मसीह के आपन पवित्र सनातन स्वर्गीय पुरोहिताई के बहाल करे खातिर।
2- आराम सहित पूरा दिव्य नियम के बहाल करीं .
3- ईसाई पवित्रता आसंतन के उत्पीड़न के अंत देखे खातिर।

तारीख -458 से शुरू होखे वाला "2300 शाम -सुबह " खातिर प्रस्तावित गणना , एह अवधि के अंत 1843 के बसंत में खतम हो जाला : 2300 - 458 = 1842 +1। एह गणना में हमनी के लगे 1842 पूरा साल बा जवना में हमनी के +1 जोड़ के साल 1843 के शुरुआत के बसंत के नामित करे के पड़ी जहाँ भविष्यवाणी कइल गइल "2300 शाम -सबह " खतम होला। एह तारीख से भगवान के हस्तक्षेप के वापसी के शुरुआत होला जे एह तरह से अपना सच्चा संतन के 1260 साल से पोप के रोमन कैथोलिक धर्म से विरासत में मिलल धार्मिक झूठ से मुक्त कइल चाहत बा। एह तरह से , अमेरिका में एगो आध्यात् मिक पुनर्जागरण पैदा करे के पहल करत जहाँ प्रोटेस्टेंट लोग के शरण मिलल रहे , आत्मा विलियम मिलर के दानियल 8:14 के भविष्यवाणी में रुचि लेवे खातिर प्रेरित कइलस , अउर लगातार दू गो प्रस्तावित तिथि यीशु मसीह के वापसी के घोषणा कइलस , पहिला 1843 के बसंत खातिर , दूसरा 1844 के पतन खातिर , उनकरा खातिर , पवित्र स्थान के शुद्धिकरण एह बात के संकेत देत रहे कि यीशु पवित्र करे खातिर वापस आरहल बाड़न धरती के बा। भविष्यवाणी कइल गइल तारीख पर दू गो निराशा के बाद , आत्मा सबसे जिद्दी लोग के एगो संकेत दिहलस जे विश्वास के दू गो परीक्षा में भाग लेले रहे। 23 अक्टूबर 1844 के सबेरे

खेत पार करत एगो संत के स्वर्गीय दर्शन मिलल। आसमान एगो दृश्य पर खुलल जवना में ईसा मसीह के महायाजक के रूप में स्वर्गीय पवित्र स्थान में काम करत देखावल गइल रहे। दर्शन में उ पवित्र स्थान से सबसे पवित्र स्थान में गुजर गईले। एह तरह से , 1,260 साल के अन्हार के बाद , यीशु मसीह अपना विश्वासियन से संपर्क फिर से शुरू कइले , जेकरा के लगातार दू गो परीक्षा से चुनल गइल।

1- **<u>शाश्वत के फेर से शुरू होखे के</u>**. एह से एही दर्शन के माध्यम से भगवान आधिकारिक तौर पर 23 अक्टूबर 1844 के अपना सनातन स्वर्गीय पुरोहिताई पर वापस नियंत्रण ले लिहले।

2- **<u>सब्त के दिन के वापसी के बारे में</u>**. एही महीना में एगो अउरी संत सातवाँ दिन के सब्त के दिन मनावे लगले , श्रीमती राहेल ओक्स के मुलाकात के बाद , जे उनका के अपना चर्च से एगो पुस्तिका देली : "सा तवाँ दिन के बैपटिस्ट। " एक के बाद एक समय के साथ दुनो परीक्षा से चुनल संत लोग भी सातवाँ दिन के सब्त के दिन अपना लिहल। एह तरह से भगवान बुतपरस्त रोम द्वारा स्थापित विनाशकारी पाप के अंत कर दिहले , लेकिन पोप के रोम द्वारा अपना नाम "रविवार " के तहत वैध बना दिहल गइल ।

3- **<u>प्रताड़ना के अंत हो गईल</u>**. तीसरा विषय पवित्रता से संबंधित रहे अउर 1260 साल तक सतावल गईल ईसाई लोग। आ फेरु 1843 आ 1844 में एह भविष्यवाणी से चिंतित पूरा पश्चिमी दुनिया में धार्मिक शांति के राज भइल . एकर कारण रहे कि क्रांतिकारी फ्रांस अपना गिलोटिन से ओह धार्मि क अत्याचार खातिर जिम्मेदार लोग के चुप करा देले रहे | एह तरह से , प्रकाशितवाक्य 2:22-23 के अनुसार धार्मिक *व्यभिचारी लोग* के सजा के अंतिम खूनी सालन के बाद , 538 में शुरू भइल 1260 साल के अंत में , पोप शासन के स्थापना से *परपेचुअल के हटावे से जुड़ल तारीख* , यानी 1798 में , धार्मिक शांति के राज भइल। आ स्थापित विवेक के आजादी संतन के अपना पसंद के हिसाब से भगवान के सेवा करे के अनुमति देत रहे आ ओह लोग के ज्ञान के अनुसार कि भगवान बढ़िहें। 1843 में *भइल ... पवित्रता* अउर *संतन के सेना* , ईसा मसीह द्वारा चुनल गइल स्वर्ग के राज्य के ई नागरिक , अब सतावल ना जाला , जइसन कि दानियल 8:13-14 के भविष्यवाणी में घोषणा कइल गइल रहे।

एह सब अनुभव के आयोजन आ मार्गदर्शन सर्वशक्तिमान भगवान कइले रहले जे कुल अदृश्यता में आदमी के

दिमाग के पायलट बनावेलें ताकि ऊ लोग उनकर डिजाइन , उनकर पूरा कार्यक्रम , दुनिया के अंत तक पूरा कर सके जहाँ उनकर चुनल लोग के चयन खतम हो गइल होई। एह सब से इ बात सामने आवेला कि आदमी सब्त के दिन अउर ओकर रोशनी के आदर करे के ना चुनेला , इ परमेश्वर हवें जे ओकरा के इ सब चीज देवेलन जवन ओकरे ह, जवन कि ओकर मंजूरी के निशानी ह अउर ओकरा से ओकर असली प्रेम के निशानी के रूप में जइसन कि इजकिएल में सिखावल गइल बा। 20:12-20: *हम उनकरा के आपन सब्त के दिन भी देले बानी कि उ हमरा अउर उनकरा बीच एगो निशानी होखे , ताकि उ लोग जान सके कि हम प्रभु हईं जे उनकरा के पवित्र करेलन ... हमार सब्त के दिन के पवित्र करीं , अउर उ हमरा अउर रउवां के बीच एगो निशानी बने दीं , ताकि उ लोग जान सके कि हम रउवां के परमेश्वर प्रभु हईं* । काहे कि उहे आपन खोवल भेड़ के खोजत बाड़े , एहसे हमनी के निश्चिंत रहीं जा कि कवनो चुनल लोग गायब ना होई।

दान में बा। 8, पद 13 के सवाल के परमेश्वर पद 14 में जवन अनूठा जवाब देले बाड़न , ओह में " *पवित्रता* " *शब्द बिल्कुल उचित बा काहे कि पवित्रता वैश्विक रूप से हर ओह चीज से संबंधित बा जवन परमेश्वर के संपत्ति ह अउर जवन विशेष रूप से उनकरा से संबंधित बा। इ उनकर सनातन स्वर्गीय* पुरोहिताई के मामला रहे , आदम के सृष्टि के बाद के दिन दुनिया के नींव से उनकर *पवित्र सब्त के दिन के , अउर उनकर संत लोग के* , उनकर विश्वासी चुनल गइल।
दानियल 8:13-14 में भविष्यवाणी कइल गइल अनुभव 1843, ईश्वरीय फरमान के लागू होखे के तारीख , अउर 1844 के शरद ऋतु के बीच पूरा भइल , दुनो एह तारीखन खातिर ईसा मसीह के वा पसी के उम्मीद पर आधारित रहे। साथ ही , ईसा मसीह के आगमन के बिचार के आधार पर , एह अनुभव के समकालीन लोग एह अपेक्षा सभ के पालन करे वाला प्रतिभागी लोग के "एडवेंटिस्ट " नाँव दिहल , लैटिन भाषा से "एडवेंटस " से जेकर मतलब ठीक "आगमन" होला। हमनी के ई "एडवेन्टिस्ट " अनुभव दानियल के एह किताब के अध्याय 12 में मिली , जहाँ आत्मा एह आखिरी आधिकारिक "गठबंधन " के महत्व के रेखांकित करे खातिर आई।

दानियल 10 के बा

दान 10:1 *फारस के राजा कोरस के तीसरा साल में दानियल के एगो शब्द प्रकट भइल , जेकर नाम बेल्तशस्सर रहे। शब्द साँच रहे , आऊ बहुते बुराई के बात करत रहे। आउ वचन सुन के दर्शन के समझ गईले।*

1क- *फारस के राजा कोरस के तीसरा साल में दानियल के एगो शब्द प्रकट भइल , जेकर नाम बेल्तश स्सर रहे*

साइरस द्वितीय के राज – 539 से भइल , एह से दर्शन के तिथि – 536 बा।

1ख- *ई शब्द जवन साँच बा , एगो बड़हन विपत्ति के घोषणा करेला।*

ई शब्द , *बड़हन आपदा* , बड़हन पैमाना पर नरसंहार के एलान करेला .

1ग- *उ एह शब्द पर ध्यान दिहलन , आउनका दर्शन के समझ रहे।*

अगर दा नियल के मतलब समझ में आगईल त हमनी के भी समझ में आजाई।

दान 10:2 *ओह घरी हम दानियल तीन हफ्ता तक शोक मनावत रहनीं।*

ई निजी *शोक* जवन दानियल के प्रभावित करेला , नरसंहार के अंतिम संस्कार के प्रकृति के पुष्टि करेला जवन तब होई जब घोषणा कईल गईल महान आपदा पूरा हो जाई।

दान 10:3 *हम कवनो स्वादिष्ट भोजन ना खइनी , ना मांस ना शराब हमरा मुँह में घुसल आना ही हम अपना के अभिषेक कइनी , जब तक कि तीन हफ्ता पूरा ना हो गइल।*

बढ़ल पवित्रता के खोज करे वाला दानियल के ई तइयारी ओह नाटकीय स्थिति के भविष्यवाणी करेला जवना के भविष्यवाणी स्वर् गदूत दान में करीहें। 11:30 बजे के बा।

दान 10:4 *पहिला महीना के चौबीसवाँ दिन हम बड़ नदी के किनारे रहनी , जवन कि हिद्देकेल ह।*

हिडेकेल के टाइग्रिस कहल जाला। इ उ *नदी ह* जवन मेसोपोटामिया के यूफ्रेटिस के संगे पानी देले रहे , जवन राजा नबूकदनेस्सर के सजा मिलल घमंड के चलते कल्दी शहर *के बाबुल के पार क के पानी देले रहे।* डेनियल एकरा के ना समझ पवले , लेकिन इ स्पष्टीकरण हमरा खाती रहे। काहे कि 1991 में ही हम दानियल 12 के सही व्याख्या के जानकारी देले रहनी जहाँ **टाइग्रिस नदी इंसान के आत्मा के खाए वाला " बाघ** " के भूमिका निभावी । आस्था के एगो परीक्षा के छवि ओकर खतरनाक पार से बनावल जाला। खाली चुनल लोग ही एकरा के पार कर सकेला अउर यीशु मसीह के साथे आपन यात्रा जारी रख सकेला। ई फेरु से एगो छवि ह जवन इब्रानियन के लाल सागर के पार कइला से नकल कइल गइल बा , जवन मिस्र के पापी लोग खातिर एगो असं भव आघातक पार ह। लेकिन जवन दानियल 12 उकसावत बा उ आखिरी "एडवेन्टिस्ट " चुनल चुनल गईल बा जेकर मिशन मसीह के वापसी तक जारी रही। उनकरा में से आखिरी के अनुभव होई अंतिम ***महान आपदा*** , एकर चरम रूप जवना में मसीह के हस्तक्षेप के जरूरत होई एगो शक्तिशाली अउर गौरवशाली उद्धार अउर बदला लेवे वाला वापसी में।

दानियल के घोषणा कइल गइल पहिला आपदा के जिक्र दान .11:30 में कइल गइल बा। इ प्राचीन काल के यहूदी लोग से संबंधित बा , लेकिन अइसने एगो अउरी *आपदा के घोषणा प्रकाशितवाक्य 1 में भी अइसने छवि से होई। ई काम तीसरा विश्वयुद्ध के बाद पूरा होई जवना में मानव जाति के एक तिहाई हिस्सा के मौत हो जाई* . अउर इ टकराव

प्रकाशितवाक्य 9:13 से 21 में प्रतीक के द्वारा प्रस्तुत कइल गइल बा , लेकिन एकरा के दानियल के एह किताब में अध्याय 11 के अंत में पद 40 से 45 में स्पष्ट भाषा में विकसित कइल गइल बा ताकि हमनी के क्रमशः , एह अध्याय 11 में , यहूदी लोग के महान विपत्ति , फिर दान .12:1 में , उ महान आपदा मिल जाई जवन मसीही धर्म के चुनल लोग अउर विश्वासी यहूदी लोग के निशाना के रूप में ले जाई अंत समय के जे मसीह में बदल जाई। ई आपदा उहाँ "संकट के समय " शब्दन के तहत उकसावल जाला आमुख्य लक्ष्य भगवान द्वारा पवित्र कइल गइल सब्त के दिन के अभ्यास होई।

घोषित आपदा के दुनो दर्शन के तुलना

1- पुरान वाचा के दानियल के लोग के संतान खातिर : दान .10:5-6।
2- नया वाचा के दानियल के लोग के संतान खातिर : प्रकाशितवाक्य 1:13-14।

एह दुनो आपदा के महत्व के पूरा तरीका से सराहे खातिर हमनी के इ समझे के होई कि भले ही इ समय के साथ एक दूसरा के पीछे चलेला , लेकिन पहिला एगो प्रकार ह जवन दूसरा के भविष्यवाणी करेला , जवन कि यीशु मसीह के वापसी के निशाना बनाई , जवन कि दानियल अउर उनकर तीन साथी जइसन परमेश्वर के अंतिम विश्वासी संतान के होई। दशकन से शांति के बाद , ओकरा बाद एगो भयानक आ भयानक विनाशकारी परमाणु युद्ध के बाद , रोमन अतवार के विश्राम के दिन एह आपदा से बचे वाला लोग के ओर से आयोजित सार्वभौमिक सरकार द्वारा थोपल जाई। तब फेरु मौत आ जाई जवन विश्वासी चु नल लोग के जान के खतरा में डाल दिही , जइसे कि दानियल , हनानिया , मिशाएल आ अजरिया के समय में भइल रहे ; आ जइसे कि -168 में "मक्काबियन " लोग के समय में , जेकरा के दानियल के एह अध्याय में घोषणा कइल गइल ***<u>आपदा के निशाना बनावल गइल बा ;</u>*** आ अंत में , आखिरी एडवेन्टिस्ट जे 2029 में सातवाँ दिन के सब्त के दिन तक वफादार रहलन।

बाकिर एह अंतिम परीक्षा से पहिले 1260 साल के लमहर पोप शासन के चलते भगवान के नाम पर भीड़ जीव के मौत हो चुकल होई।

संक्षेप में , दानियल के दिहल गइल एह दर्शन से मिलल संदेश के समझला से हमनी के ओह संदेश के समझे के मौका मिली जवन उ प्रकाशितवाक्य 1:13 से 16 में यूहन्ना के देले बाड़न।

<u>दान 10:5</u> *हम आपन आँख उठा के देखनी त देखनी कि एगो आदमी लिनन के कपड़ा पहिनले बा आ अपना कमर में उफाज के सोना के कमरबंद बा।*
५क- उहाँ एगो आदमी लिनेन पहिनले रहे

लिनन के प्रतीक न्याय के काम भगवान एगो इंसान के माध्यम से करीहे। वर्णित छवि में भगवान यूनानी राजा एन्टिओकस चउथा के रूप लेले बाड़न , जेकरा के एपिफेनीस के नाम से जानल जाला। उ 175 से 164 के बीच यहूदी लोग के सतावे वाला होईहे , जवन कि उनुका शासन के दौरान होई।

5ख- *कमर पर उफाज से सोना के पट्टी बा*

कमर पर राखल बेल्ट जबरन सच्चाई के बोध करावेला। अतने ना , जवना सोना से ई बनावल जाला ऊ उफाज से मिलेला जवन जेर . 10:9 एकर बुतपरस्त मूर्तिपूजक प्रयोग के ओर इशारा करेला।

दान 10:6 *उनकर देह बेरिल नियर रहे , उनकर चेहरा बिजली नियर रहे , उनकर आँख आगके लपट नियर रहे , उन कर बाँहि आ गोड़ चमकल पीतल नियर रहे , आउनकर आवाज के आवाज भीड़ के शोर नियर रहे।*

6क- *उनकर देह क्राइसोलाइट निहन रहे*

भगवान दर्शन के लेखक हवें बाकिर ऊ एगो बुतपरस्त देवता के आवे के घोषणा करेलें , एही से ई गौरवशाली अलौकिक पहलू।

6ख- *उनकर चेहरा बिजली निहन चमकत रहे*

एह देवता के यूनानी पहचान के पुष्टि होला। ऊ राजा एंटियोकस के यूनानी देवता ज़ीउस हवें 4. बिजली के झटका ओलंपियन देवता ज़ीउस के प्रतीक हवे ; यूनानी पौराणिक कथा सभ में ओलंपियन देवता लोग के देवता।

6ग- *उनकर आँख आगके लपट नियर रहे*

ऊजवन देखत बा आमंजूर नइखे करत ओकरा के नष्ट कर दी ; उनकर नजर दान .11:30 के अनुसार यहूदी लोग पर होई : ... *उ पवित्र वाचा के छोड़े वाला लोग के देखत होई।* विपत्ति बेवजह ना आवेला , धर्मत्याग जनता के अशुद्ध करेला।

6d- *उनकर बाँहि गोड़ पालिश कइल कांसा नियर रहे*

भगवान के भेजल जल्लाद भी ओतने पापी हो ई जतना कि ओकर शिकार। उनकर बांह आ गोड़ के प्रतीक उनकर विनाशकारी काम कांसा के बनल बा , जवन दान के मूर्ति में यूनानी पाप के प्रतीक ह। 2.

6वां - *आउनकर आवाज के आवाज भीड़ के शोर नियर रहे*

यूनानी राजा अकेले काम ना करीहें . ओकरा पीछे आ सामने अपना जइसन बुतपरस्त सैनिक न के भीड़ होखी जवन ओकरा आदेश के पालन करी .

एह भविष्यवाणी के घोषणा के पराकाष्ठा आ पराकाष्ठा दान के पूरा होखे के समय पहुँच जाई। 11:31: *उनकर आज्ञा पर सेना प्रकट होई ; ऊ लोग पवित्र स्थान , किला के अपवित्र कर दी , ऊ लोग लगातार ~~बलिदान के बंद कर दी आऊ घृणित चीज के खड़ा करी जवन उजाड़ कर देला।~~*

बाइबिल के ईमानदारी खातिर , हम बलिदान शब्द के हटा

देले बानी जवन हिब्रू पाठ में नइखे लिखल , काहे कि परमेश्वर पुरान वाचा में अउर नया वाचा में " *लगातार " द्व गो अलग-अलग लगातार भूमिका खातिर योजना बनवले बाड़न।* पुरान में एकरा में शाम आसबेरे होमबलि के रूप में मेमना के चढ़ावल जाला। नया में , ई यीशु मसीह के स्वर्गीय बिनती के नामित करेला जवन चुनल लोग के प्रार्थना खातिर बिनती करे खातिर उनकर बलिदान के याद करेला। दान के एह संदर्भ में। 11:31, कि पुरान वाचा के , यूनानी राजा मूसा के व्यवस्था के *निरंतर* के चढ़ावे के बंद कर दिहे । एह तरह से , ई खाली ओह समय के संदर्भ ह जवना में ई उकसावल गइल बा जवन एगो पार्थिव याजक के या स्वर्गीय महायाजक के हमेशा के बिनती के सेवा के व्याख्या के निर्धारित करेला : ईसा मसीह। एह से शाश्वत एगो मानवीय से वा से जुड़ल बा या , गौण रूप से अउर निश्चित रूप से , ईसा मसीह के स्वर्गीय ईश्वरीय सेवा से जुड़ल बा **/**

दान 10:7 *हम, दानियल , अकेले दर्शन देखनी। लेकिन जे लोग हमरा साथे रहले उ लोग एकरा के ना देखले , लेकिन बहुत डेरा गईले अवुरी भाग गईले अवुरी लुका गईले।*

7- ई सामूहिक भय दर्शन के पूर्ति के एगो फीका छवि मात्र ह। काहे कि घोषित वध के दिन धर्मी लोग के भलाई होई कि उ भाग के लुका जास , भले उ धरती के पेट में होखे।

दान 10:8 *हम अकेले रह गइनी आई बड़हन दर्शन देखनी , त हमार ताकत खतम हो गइल , हमार चेहरा बदल गइल आ हमार ताकत खतम हो गइल।*

8क- दानियल अपना भावना के माध्यम से आवे वाला दुर्भाग्य के परिणाम के भविष्यवाणी करत रहेले।

दान 10:9 *हम उनकर बात के आवाज सुननी। आ जइसे -जइसे उनकर बात के आवाज सुननी , हम स्तब्ध होके , मुँह पर धरती पर गिर गइनी।*

9क- दुर्भाग्य के दिन सतावे वाला राजा के आवाज से उहे भयावह असर होई ; घुटना एक साथ खटखट जाई आ गोड़ झुक जाई , धरती पर गिर जाए वाला लाश के ढोवे में असमर्थ।

दान 10:10 *तब एगो हाथ हमरा के छूवलस आ हमार घुटना आ हाथ हिला दिहलस।*

10क- उनकर सौभाग्य बा कि दानियल खाली उ भविष्यवक्ता हवें जेकरा पर अपना लोग के एह ***बड़हन विपत्ति के आवे के घोषणा करे के जिम्मा बा*** आऊ खुद भगवान के न्यायसंगत क्रोध के निशाना पर नइखे।

दान 10:11 *उ हमरा से कहले , "हे दानियल , एगो प्रिय आदमी , जवन बात हम तोहरा से कहत बानी , ओकरा पर ध्यान दीं आ जहाँ तू बानी उहाँ खड़ा हो जाईं। काहे कि अब हम*

तोहरा लगे भेजल बानी। जब उ हमरा से इ बात कहले त हम काँपत खड़ा हो गईनी।

11क- *दानियल , एगो प्रिय आदमी , हम जवन शब्द तोहरा से कहे वाला बानी , ओकरा पर ध्यान दे , आजवना जगह पर तू बानी , ओहिजा सीधा खड़ा हो जा*

भगवान के प्रियजन के अपना स्वर्गीय हस्तक्षेप से डेराए के कवनो कारण नइखे। परमेश्वर के क्रोध आक्रामक , दुष्ट अउर क्रूर विद्रोही पापी लोग के खिलाफ बा। दानियल एह लोग के उल्टा हवें। ओकरा खड़ा रहे के पड़ी काहे कि ईहे भाग्य में अंतर के निशानी ह जवन अंततः चुनल लोग पर पड़ जाई . सांसारिक मौत के धूल में पड़ल भी जग के फेर से गोड़ पर खड़ा हो जइहें। दुष्ट लोग लेट के रह जाई आसबसे दुष्ट लोग के जगावल जाई कि अंतिम न्याय हमेशा खातिर सफाया हो जाई। स्वर्गदूत निर्दिष्ट करेला , "जवना जगहा तू बाड़ू। " आऊ कहाँ बाड़े ? प्रकृति में , "हिदेकेल " नदी के किनारे , अंग्रेजी में , यूफ्रेटिस , जवन प्रकाशितवा क्य में नया वाचा के ईसाई यूरोप के नामित करी। पहिला सीख इ बा कि आदमी भगवान से कहीं भी मिल सकता अवुरी उनुका से आशीर्वाद पा सकता। इ पाठ मूर्तिपूजक पूर्वाग्रह के पलट देला कि बहुत लोग खातिर भगवान के सामना खाली चर्च , पवित्र भवन , मंदिर , वेदी में ही हो सकेला , लेकि न इहाँ , उ कवनो नईखे। अपना समय में , यीशु यूहन्ना 4:21 से 24 में कह के एह पाठ के नवीनीकरण करीहें : *औरत, यीशु ओकरा से कहले , हमरा पर विश्वास करीं , उ समय आरहल बा जब तू ना त एह पहाड़ पर ना यरूशलेम में पिता के पूजा करब । जवन ना जानत बाड़ऽ , ओकरा के तूँ पूजत बाड़ऽ ; हमनी के जवन जानत बानी जा ओकर पूजा करेनी जा , काहे कि उद्धार यहूदी लोग से मिलेला। लेकिन उ समय आरहल बा , आअब बा , जब सच्चा उपासक लोग आत्मा आ सच्चाई से पिता के आराधना करीहे। काहे कि पिता अइसन लोग के खोजत बाड़न कि ऊ उनकर पूजा करसु . भगवान आत्मा हवें , अउर जे उनकर पूजा करेलन , उनकरा के आत्मा अउर सच्चाई से उपासना करे के चाहीं।*

दूसरा पाठ अधिका सूक्ष्म बा ; ई हिड्डेकेल नदी पर आधारित बा काहे कि आत्मा अपना किताब के समझ के खाली अपना आखिरी वफादार सेवकन खातिर खोले के योजना बनवले बा जेकर अनुभव आ जवना परीक्षण से ओह लोग के चय न होला ओकरा के फ्रेंच में हिड्डेकल नदी के खतरनाक पार करे के छवि से देखावल गइल बा , बाघ , एह नाम के जानवर नियर , आस्था के परीक्षा में भी , आदमी के आत्मा के खाए वाला।

11ख- *फिलहाल हमरा के तोहरा लगे भेजल गईल बा। जब उ हमरा से बात कईले रहले त हम काँपत खड़ा हो गईनी।*

मुठभेड़ अब खाली एगो दृष्टि नइखे रहि गइल ; ई एगो संवाद बन जाला , भगवान के दू गो प्राणी के बीच के आदान -प्रदान हो जाला , एगो स्वर्ग से आवत बा , दोसरका अबहियों धरती से .

दान 10:12 में दिहल गइल बा *उ हमरा से कहलस, दानियल , डेरा मत ; काहे कि पहिला दिन से जब तू अपना भगवान के सामने समझे आ अपना के नम्र करे खातिर आपन मन रखले बाड़ , तब से तोहार बात सुनल गइल आहम तोहार बात के चलते आइल बानी .*

एह पूरा श्लोक पर हमरा बस एके गो बात कहे के बा . अगर रउरा याददाश्त कम होखे के चाहीं त कम से कम ई श्लोक याद राखीं जवना में बतावल गइल बा कि हमनी के सृष्टिकर्ता भगवान के कइसे खुश कइल जा सकेला .

छंद एह विधा के एगो उदाहरण ह ; एगो तार्किक क्रम जवन एह तथ्य पर आधारित बा कि हर कारण आपन असर भगवान के लगे ले आवेला : सच्चा विनम्रता के साथे समझे के प्यास सुनल जाला आमंजूर कइल जाला।

इहाँ एगो लंबा प्रकाशन शुरू होला जवन दानियल के किताब के अंत तक ना खतम होई , जवन अध्याय 12 के ह ।

दान 10:13 *फारस के राज के राजकुमार हमरा से बीस दिन तक विरोध कईले , लेकिन देख , माइकल , जे प्रमुख राजकुमारन में से एगो रहले , हमरा मदद करे अइले , आहम उहाँ फारस के राजा लोग के साथे रहनी।*

13क- *आफारस के राज्य के नेता हमरा के इक्कीस दिन तक विरोध कइले*

जिब्राईल स्वर्गदूत फारसी राजा साइरस द्वितीय के सहायता करेलें आ भगवान खातिर उनकर मिशन ई बा कि ऊ उनकर फैसला के प्रभावित करे ताकि उनकर काम उनकर महान योजना से टकराव ना करे। एह स्वर्गदूत के असफलता के उदाहरण साबित करेला कि भगवान के प्राणी वाकई में स्वतंत्र अउर स्वतंत्र छोड़ दिहल गइल बाड़े अउर एह से अपना सब चुनाव अउर काम खातिर जिम्मेदार बाड़े।

13ख- *लेकिन देखऽ , माइकल , एगो प्रमुख राजकुमा रन में से एगो , हमरा मदद खातिर आइल*

खुलासा भईल उदाहरण इहो सिखावेला कि असली जरूरत के स्थिति में "*मुख्य नेता में से एगो माइकल* ," हस्तक्षेप क के फैसला के मजबूर क सकतारे। ई श्रेष्ठ मदद ईश्वरीय मदद ह काहे कि माइकल के मतलब होला : "जे भगवान जइसन बा। " उहे ह जे यीशु मसीह के रूप में अवतार लेवे खातिर धरती पर आई। स्वर्ग में उ स्वर्गदूतन खातिर उनकरा खातिर परमेश्वर के आत्मा के प्रतिनिधित्व रहले। एह मामला में "*मुख्य नेता में से एगो* " के अभिव्यक्ति हमनी के जायज तरीका से

हैरान क सकता। खैर , इ कवनो आश्चर्य के बात नइखे , काहे कि यीशु धरती पर जवन विनम्रता , कोमलता , साझा करे वाला अउर प्रेम के प्रदर्शन करीहें , उ पहिलही से अपना विश्वासी स्वर्गदूतन के साथे उनकर स्वर्गीय जीवन में व्यवहार में आगइल रहे। स्वर्ग के नियम उहे ह जवना के उ अपना पार्थिव सेवा के दौरान प्रदर्शित कईले रहले। धरती पर ऊ अपना के अपना सेवकन के सेवक बना लिहले . आहमनी के पता चलेला कि स्वर्ग में ऊ अपना के दोसरा स्वर्गदूतन के नेता लोग के बराबर बना लिहले .

13ग- *आहम उहाँ फारस के राजा लोग के साथे रहनी*

एह से फारसी राजा लोग के राजवंश के वर्चस्व कुछ समय ले यूनानी वर्चस्व तक ले जारी रही।

दान 10:14 *अब हम तोहके बतावे आइल बानी कि तोहरे लोग के अंतिम समय में का होई , काहेकि दर्शन ओह दिनन के भी ह।*

14क- दुनिया के अंत तक, दानियल के लोग चिंतित होई , पुरान में जइसे कि नया गठबंधन में , काहे कि उनकर लोग इस्राएल हवे जेकरा के परमेश्वर मिस्र के पाप से बचावेले , यीशु मसीह द्वारा आदम के पाप से आयीशु के खून से शुद्ध ईसाई धर्म में रोम द्वारा स्थापित पाप से।

स्वर्गदूत के द्वारा दानियल के पास ले आवल गईल प्रकटीकरण के उद्देश्य बा कि उ अपना लोग के आवे वाला त्रासदी के बारे में चेतावे। दानियल पहिले से ही समझ सकेलन कि जवन उनका के प्रकट कइल गइल बा उ अब उनकर व्यक्तिगत संबंध नइखे , लेकिन उ इहो पक्का बा कि भविष्य में इ शिक्षा उनकर लोग के सेवकन खातिर फायदेमंद होई अउर एह से ओह सब लोग खातिर जे करा के परमेश्वर उनकरा के संबोधित करेलन अउर उनकरा माध्यम से उनकर किस्मत में रखले बाड़न।

दान 10:15 *जब उ हमरा से इ बात कहले त हम धरती के ओर देखनी अवुरी चुप रह गईनी।*

15क- यूहन्ना के दिमाग में अबहियों विपत्ति के भयानक दर्शन बा आ ऊ जवन सुनत बा ओकरा के सुने पर ध्यान देबे के कोशिश करेला , अब ऊ अपना से बात करे वाला के देखे के माथा उठावे के हिम्मत ना करेला .

दान 10:16 *तब देख , एगो आदमी के बेटा के रूप में हमरा होंठ के छूवलस , त हम आपन मुँह खोल के कहनी कि हमरा सामने खड़ा आदमी से कहनी , "हे मालिक , इ देख हमरा के डेरा देले बा अवुरी हम बेहोश हो गईल बानी। "*

1क- *आदेख , आदमी के बेटा के रूप वाला एगो हमरा होंठ के छू लिहलस*

जबकि भयानक दर्शन दानियल के दिमाग में बनल एगो अवास्तविक , काल्पनिक छवि रहे , एकरा उलट स्वर्गदूत पार्थिव आदमी के समान मानव रूप में लउकेला। पहिला ,

उहो भगवान के प्रतिरूप में बनल रहले , लेकिन पार्थिव नियम से मुक्त आकाशीय पिंड में। उनकर आकाशीय स्वभाव उनका के दुनो आयाम तक पहुँच देला , हर आयाम में सक्रिय क्षमता होला। ऊ डेनियल के होंठ के छू वेला , जेकरा ई स्पर्श महसूस होला।

दान 10:17 *हमरा मालिक के सेवक हमरा मालिक से कइसे बात कर सकेला ? अब हमार ताकत हमरा के कमजोर कर देला , आ हमरा लगे साँस नइखे।*

17क- विशुद्ध स्थलीय मनुष्य खातिर स्थिति बहुत अलग बा , स्थलीय कानून हावी बा आ डर से ओकर ताकत आ साँस खतम हो गइल बा।

दान 10:18 *तब जे आदमी के समान रहे , उ हमरा के फेर से छू के हमरा के मजबूत कईलस।*

18क- कोमल जिद के साथ , स्वर्गदूत दानियल के शांत करके ओकरा ताकत के बहाल करे में कामयाब हो जाला।

दान 10:19 *उ हमरा से कहले , "हे हमार प्रिय आदमी , मत डेरा , तोहरा के शांति होखे। जब उ हमरा से बात करत रहले त हम मजबूत हो गईनी अवुरी कहनी कि , हमार मालिक बोले , काहेकि तू हमरा के मजबूत कईले बाड़।*

19क- शांति के एगो संदेश ! उहे जइसन जेवना के यीशु अपना चेलन के संबोधित करीहें ! आतंकित भावना के आश्वस्त करे खातिर अइसन कुछ ना . हिम्मत , हिम् मत शब्द ओकरा साँस पकड़े आ ताकत वापस पावे में मदद करेला .

दान 10:20 *उ हमरा से कहलस, का रउवा जानत बानी कि हम रउवा लगे काहे आइल बानी ? अब हम फारस के राजकुमार से लड़ाई करे खातिर लवटत बानी। जब हम जाईब त देखऽ कि जावन के राजकुमार आजइहें।*

20क- *अब हम फारस के नेता से लड़े खातिर लवटत बानी*

फारस के ई नेता साइरस द्वितीय महान हवें , जेकरा के भगवान आपन अभिषिक्त मानत बाड़ें ; जवना से ओकरा अपना फैसला के अपना दिशा में ले जाए खातिर ओकरा से लड़े के जरूरत नइखे .

20ख- *आजब हम चलब त देख , जावन के राजकुमार आजइहें*

जब स्वर्गदूत साइर स द्वितीय के छोड़ के चल जइहें त ओह घरी के यूनानी नेता के हमला से दुनु फारसी आ यूनानी वर्चस्व का बीच बढ़त दुश्मनी खुल जाई .

दान 10:21 *लेकिन हम तोहरा के सच्चाई के किताब में लिखल बात बताइब , आतोहार राजकुमार माइकल के छोड़ के केहू ओह लोग के खिलाफ हमार सहायक ना होई।*

21क- एह प्रकाशन के जवन दानियल के मिली , ओकरा के सच्चाई के किताब कहल जाला। आज 2021 में , हम ओह सब के पूरा होखे के पुष्टि कर सकेनी जवन ओहमें प्रकट भइल बा , काहे कि एकर समझ पूरा तरह से हमनी के नेता माइकल के अमर आत्मा द्वारा दिहल गइल बा , पुरान वाचा में

दानि यल खातिर आ हमरा खातिर , नया वाचा में , काहे कि ईसा मसीह एह नाम के दावा करेलन कि ऊ ओह राक्षसन के न्याय करे जवन अबहियों सक्रिय बाड़े जबले उनकर गौरवशाली वापसी तक बा।

दानियल 11 के बा

धेयान ! अध्याय के बदलाव के बावजूद , स्वर्गदूत अउर दानियल के बीच चर्चा अध्याय 10 के अंतिम श्लोक के साथ निरंतरता में जारी बा ।

दान 11:1 *हम मादी दारा के पहिला साल में उनकर मदद करे आमजबूत करे खातिर उनकरा साथे रहनी।*
1क- भगवान द्वारा हमेशा खातिर जिए खातिर बनावल गइल , दानियल से बात करे वाला स्वर्गदूत ओकरा के बतावेला कि ऊ दारा , मादी राजा दारा के मदद आसमर्थन करत रहे , जे 62 साल के उमिर में बाबुल पर कब्जा कर लिहले रहे आजे अभी भी दान .6 में राज करत रहे। ई राजा दानियल आ अपना भगवान से प्यार करत रहले बाकिर फंस के ऊ शेरन का लगे सौंप के आपन जान खतरा में डाल दिहले रहले . त ऊहे , फेरु से , शेरन के मुँह बंद क के आपन जान बचावे खातिर बीच में आ गइलन . इहो उहे रहले जे एह राजा दारा के ई समझे में मदद कइले रहले कि दानियल के भगवान ही एकमात्र सच्चा परमेश्वर हवें , जवन कुछ भी जिंदा बाड़े ओकर रचनाकार हवें अउर उनकरा जइसन कवनो दोसर केहू नइखे।
दान 11:2 *अब हम तोहके सच्चाई के बारे में बताइब कि देखऽ , फारस में अबहीं तीन गो राजा रहीहें। चउथा बाकी सब से अधिका धन जमा करी ; आ जब ऊ अपना धन के माध्यम से ताकतवर हो जाई त ऊ सब के जवान राज्य के खिलाफ भड़का दिही ।*
2क- *अब हम तोहरा के सच्चाई बता देब*
सच्चाई के खाली सच्चा परमेश्वर ही जानत हउवें अउर इ उ नाम ह जवन परमेश्वर मसीह में अपना अंतिम चुनल लोग के साथे अपना संबंध में खुद के देवेलन , प्रकाशितवाक्य 3:14 के अनुसार। सच्चाई खाली ईश्वरीय नियम , ओकर नियम आ ओकर आज्ञा ना ह। एकरा में ऊ सब कुछ भी शामिल बा जवन भगवान अपना समय में योजना बनावेले आ सावधानी से पूरा करेले। हमनी के खाली अपना जीवन के हर दिन के खोज कर रहल बानी जा , एह महान कार्यक्रम के एगो हिस्सा जवना में हमनी के अपना

जीवन के अंत तक आ सामूहिक रूप से , अंतिम बचाव परियोज ना के अंत तक प्रगति करेनी जा जवना में चुनल लोग के वादा कइल अनंत काल तक पहुँच देखे के मिली।

2ख- *देखऽ , फारस में तीन गो अउरी राजा होखीहें*

पहिला राजा : कैम्बिसेस 2 (– 528 – 521) अपना बेटा बर्दिया के कत्ल कर देलें जेकरा के यूनानी लोग स्मर्डिस उपनाम दिहलें।

दू सरा राजा : झूठा स्मर्डिस , गौमाता जादूगर जे स्मर्डिस नाम हड़प लेले रहे , मात्र कुछ समय खातिर राज कईले।

तीसरा राजा : दारा प्रथम फारसी (– 521 – 486) हिस्टेपस के बेटा ।

2ग- *चउथा बाकी सब से ज्यादा धन जमा करी*

चउथा राजा : जार्जेस प्रथम (– 486 – 465)। उनकरा ठीक बाद , आर्टजर्सेज प्रथम राज करीहें अउर उनकरा शासन के सातवाँ ***साल में*** , बसंत में – एज्रा 7:7-9 के अनुसार 458 में , सब यहूदी बंदी लोग के मुक्त करीहें ।

2d- *आजब ऊ अपना धन से शक्तिशाली हो जाई त ऊ जावन के राज्य के खिलाफ सब कुछ उठाई*

जार्जेस प्रथम विद्रोही मिस्र के दबा दिहलें आ शांति दिहलें , फिर ग्रीस के खिलाफ लड़ाई लड़लें , अटिका पर हमला कइलें आ एथेंस के बर्बाद क दिहलें। बाकिर 480 ईसा पूर्व में सलामी में उनकर हार भइल। ग्रीस अपना इलाका प नियंत्रण बरकरार रखले रहे | आ फारसी राजा एशिया में रहलें , एकरा बावजूद अइसन हमला कइलें जे ग्रीस पर विजय पावे के उनकर इच्छा के देखावत रहलें।

दान 11:3 लेकिन एगो पराक्रमी राजा खड़ा होके बहुत शक्ति से शासन करी अउर अपना मर्जी के अनुसार काम करी।

3क- अपना इलाका पर हार के , फारसी राजा जार्जेस प्रथम पीछा कइल गइल , अंत में मौत मिल जाई , जेकर हत्या ओकर दू गो कुलीन लोग कइले बा। ओकरा के एगो नवही हरा दिहलसि जवना के ऊ धोखा से मजाक उड़ा दिहले रहुवे . ग्रीस सिकंदर महान , 20 साल के एगो युवा मैसिडोनियाई (जनम – 356 में , राज कइलेन – 336 में , – निधन – 323 में) के आपन राजा चुनलस। भविष्य वाणी में उनकर उल्लेख दान .2 के मूर्ति के 3 साम्राज्य के संस्थापक के रूप में कइल गइल बा , दान .7 के तीसरा जानवर आदान .8 के दूसरा जानवर।

दान 11:4 *जब ऊ खड़ा हो जाई त ओकर राज्य टूट जाई आ आकाश के चार हवा के ओर बँट जाई , आ ऊ ओकर संतान के ना होई आ ना ही जइसन पहिले रहे , काहे कि ऊ फाट जाई आ ओकरा अलावा दोसरा खातिर होई।*

4क- हमनी के उहाँ दान .8:8 के यूनानी बकरी के बड़हन टूटल सींग पर दिहल सटीक परिभाषा मिलेला आ पद 22 के

ओकर व्याख्या : *चार गो सींग जवन एह टूटल सींग के जगह उठल, इ चार गो राज्य ह जवन एह राष्ट्र से उठी , लेकिन जवना में ओतना ताकत ना होई* ।

हम रउरा सभे के याद दिआवत बानी कि " *चार गो महान सींग* " का प्रतिनिधित्व करेला .

1st हॉर्न : ग्रीक सेलुसिड राजवंश के स्थापना सीरिया में सेल्यूकस प्रथम निकेटर द्वारा कइल गइल ।

2nd हॉर्न : ग्रीक लैगिड राजवंश के स्थापना मिस्र में टोलेमी प्रथम लागोस द्वारा कइल गइल ।

तीसरा सींग : लाइसिमाकस द्वारा ट्रेस में स्थापित यूनानी राजवंश ।

4वां सींग : कैसंडर द्वारा मैसिडोनिया में स्थापित यूनानी राजवंश

दान 11:5 *दक्खिन के राजा मजबूत होई , आ ओकर एगो राजकुमा र ओकरा पर हावी होई आ राज करी। ओकर प्रभुत्व पराक्रमी होई।*

५क- *दक्खिन के राजा बलवान हो जइहें*

टोलेमी प्रथम सोटर लागोस –383 –285 मिस्र के राजा भा " *दक्षिण के राजा* "।

5ख- *लेकिन ओकर एगो राजकुमार ओकरा से मजबूत होई , आ राज करी। ओकर शासन दमदार होई।*

सेल्यूकस प्रथ म निकेटर –312–281 सीरिया के राजा भा " *उत्तर के राजा* "।

दान 11:6 *कुछ साल बाद उ लोग अपना के मिल जइहें , अउर दक्षिण के राजा के बेटी उत्तर के राजा के पास शांति करे खातिर अइहें , लेकिन उ उनकर बांह के ताकत ना रखी , ना उ, ना उनकर बांह खड़ा होई , अउर उ लोग के त्याग हो जाई , आउ लोग के छोड़ दिहल जाई जे ओकरा के लेके आइल रहे , आओकर पि ता अउर ओकर मदद कइले रहे।*

6a- भविष्यवाणी एंटियोकस प्रथम (–281–261) के शासन के छोड़ देले बा , दूसरा " *उत्तर के राजा* " जे " *दक्षिण के राजा* " टोलेमी द्वितीय फिलाडेल्फस (–282–286) के खिलाफ **पहिला "सीरियाई युद्ध " (-274-271) में शामिल भईले। एकरा बाद दूसरा "सीरिया ई युद्ध " (-260–253)** आवेला जवन नया " *उत्तर के राजा* " एंटियोकस द्वितीय थियोस (–261–246) के मिस्र के खिलाफ खड़ा करेला ।

6ख- *कुछ साल बाद उ लोग गठबंधन करीहे , अवुरी दक्षिण के राजा के बेटी उत्तर के राजा के लगे आके सद्भाव बहाल करीहे।*

छायादार व्यवहार शुरू हो जाला। बेरेनिस से बियाह करे खातिर एंटियोकस द्वितीय अपना कानूनी पत्नी लाओदीस से तलाक दे देला। बाप अपना बेटी के संगे चलेला अवुरी ओकरा संगे अपना दामाद के घरे रहेले।

6ग- के बा। *बाकिर ऊ ओकरा बाँहि के ताकत ना राखी आ ना ऊ आना ओकर बाँहि खड़ा हो जाई , ओकरा के ओह लोग के*

साथ सौंप दिहल जाई जे ओकरा के ले आइल बा , ओकरा बाप के साथे आओह दिन में ओकरा के पोसवे वाला के साथे।

बाकिर अपना मौत से ठीक पहिले एंटियोकस द्वितीय बेरेनिस के विरासत से मुक्त कर देला। लौदीकिया बदला लेवेले अऊर ओकरा के अपना पिता आओकर छोट बच्ची (*बांह* = बच्चा) के साथे मार देले। नोट : प्रकाशितवाक्य 3:16 में , यीशु अपना आधिकारिक एडवेन्टिस्ट पत्नी से तलाक दे दिहे जेकर प्रतीकात्मक रूप से नाम लौदीकिया बा ; ई त अउरी बा काहे कि एंटियोकस द्वितीय अपना के "थियोस ", भगवान कहेलें। इंग्लैंड में राजा हेनरी 8 बेहतर काम करीहें , ऊरो म के धार्मिक अधिकार से अलगा होके तलाक दीहें , आपन एंग्लिकन चर्च बनाईहें आ अपना सात गो मेहरारूवन के एक के बाद एक मार दीहें . एकरा बाद तीसरा " **सीरियाई युद्ध** " **(-246-241)** आवेला ।

दान 11:7 *आ ओकरा जगह पर एगो डाढ़ ओकरा जड़ से खड़ा होके सेना में आके उत्तर के राजा के किला में घुस जाई आ ओकरा पर जइसन मन करी ओकरा पर राज करी आ जीत जाई।*

7क- *ओकर जड़ से एगो अंकुर ओकरा जगह पर उठ जाई*

टोलेमी 3 यूर्गेट्स -246-222 बेरेनिस के भाई।

7ख- *सेना में आई उत्तर के राजा के किला में घुस जाई*

सेल्यूकस 2 कैलिनिकोस -246-226 के बा

7ग- *ऊ एकर निपटारा जइसे मन करे , आ अपना के शक्तिशाली बना ली*

वर्चस्व दक्खिन के राजा के होला। ई मिस्र के वर्चस्व सेलुसिड यूनानी लोग के बिपरीत यहूदी लोग खातिर अनुकूल बा। तुरंत इ समझे के होई कि दुनो विरोधी दबंग के बीच इजरायल के इलाका बा , जवना के दुनो युद्धरत खेमा के अपना हमला चाहे पीछे हटे में पार करे के होई।

दान 11:8 *उ उनकर देवता , पिघलल मूर्ति आ चांदी आ सोना के कीमती बर्तन के लेके मिस्र में ले जाई , आ उ उत्तर के राजा से कुछ साल दूर रह जाई।*

8क- मान्यता में मिस्र के लोग उनकर नाम टोलेमी 3 में "एवरगेट्स " या परोपकारी नाम जोड़ दिहे।

दान 11:9 *उ दक्षिण के राजा के राज्य के खिलाफ जाई अवुरी अपना देश में वापस आजाई।*

9a- सेलुकस 2 के प्रतिक्रिया 4वां " **सीरियाई युद्ध** " **(-219-217) के शुरुआत तक असफल हो जाला** जवन एन्टिओकस 3 के टोलेमी 4 फिलोपोटर के खिलाफ खड़ा करी।

दान 11:10 *उनकर बेटा लोग निकल जइहें अउर बहुत भीड़ के एकट्ठा करीहें , अउर एगो बाहर निकल के धार नियर उफन जाई , उफन जाई अउर वापस आ जाई। आ दक्षिण के राजा के गढ़ में दुश्मनी ले अइहें।*

10क- एंटियोकस 3 मेगास (-223 -187) के खिलाफ टोलेमी 4 फिलोपोटर (-222-205)। जोड़ा गइल उपनाम सभ से लगिड लोग के उपहास के स्थिति के पता चले ला , काहें से कि फिलोपोटर के मतलब ग्रीक में होला , पिता से प्रेम ; एगो पिता जेकरा के टोलेमी मार दिहले रहले ... एक बेर फेरु से सेलुसिड हमला असफल हो जाला। वर्चस्व लगिद खेमा के साथे रही।

दान 11:11 *दक्षिण के राजा गुस्सा में आके उत्तर के राजा से लड़ाई करी , अउर बहुत भीड़ के भड़का दिही , अउर उत्तर के राजा के सेना ओकरा हाथ में सौंपल जाई।*

11क- ई कड़वा सेलुसिड हार यहूदी लोग खातिर एगो बढ़िया बात बा जे मिस्र के लोग के पसंद करेला काहे कि ऊ लोग ओह लोग के साथे बढ़िया व्यवहार करेला।

दान 11:12 *ई भीड़ घमंडी होई , आ राजा के दिल उठ जाई , उ हजारन लोग के गिरा दिहे , लेकिन जीत ना पाई।*

12क- 5वां **" सीरियाई युद्ध " (-202-200)** के साथ स्थिति बदल जाई जवन एन्टिओकस 3 के टोलेमी 5 एपिफेनीस (-205 -181) के खिलाफ खड़ा करी।

दान 11:13 *काहेकि उत्तर के राजा वापस आ जइहें अउर पहिले से भी अधिक भीड़ के एकट्ठा करीहें , अउर कुछ समय बाद , कुछ साल बाद भी , उ बहुत सेना अउर बहुत सारा धन लेके अइहें।*

13क- अफसोस , यहूदी लोग खातिर सेलुसिड यूनानी मिस्र पर हमला करे खातिर अपना इलाका में वापस आगइलन।

दान 11:14 *ओह समय दक्खिन के रा जा के खिलाफ बहुत लोग उठिहें आ तोहार लोग में से हिंसक लोग उठ के दर्शन के पूरा करीहें आउ लोग गिर जइहें।*

14क- मिस्र के दक्षिण के नया राजा टोलेमी 5 एपिफेनीस - या इलेस्ट्रियस (-205-181), पांच साल के उमिर में , विरोधी लोग के समर्थन से एंटियोकस 3 के हमला से कठि नाई में डाल दिहल जाला। बाकिर यहूदी लोग सेलुसिड लोग से लड़ के मिस्र के राजा के आपन समर्थन देला। ऊ लोग ह , ना खाली हरा के मार दिहले बा , बलुक बस सीरियाई सेलुसिड यूनानियन के आजीवन नश्वर दुश्मन बना दिहले बा .

एह श्लोक में जवन यहूदी विद्रोह के खुलासा भइल बा ओकरा के यहूदी लोग के मिस्र के खेमा के पसंद कइल जायज ठहरावल गइल बा ; एह से ऊ लोग सेलुसिड खेमा से दुश्मनी रखेला जवन स्थिति पर वापस नियंत्रण पा लेला। लेकिन , का भगवान अपना लोग के मिस्र के लोग के संगे गठबंधन के खिलाफ ना चेतवले ? ईसा के मुताबिक , "मिस्र , इ खढ़ जवन ओकरा प झुकल आदमी के हाथ छेदेला। " 36:6: " *देखऽ , तू एकरा के मिस्र में रखले बाड़ऽ , तू ई कटले खढ़ के सहारा खातिर बनवले बाड़ऽ , जवन ओकरा पर भरोसा करे वाला के हाथ छेदेला आ छेदेला : ई मिस्र के राजा फिरौन हवें जे उनकरा पर भरोसा करेला* ." एह

चेतावनी के यहूदी लोग अनदेखी कइले लउकत बा आभगवान से उनकर संबंध सबसे खराब हालत में बा ; सजा नजदीक आ रहल बा आ प्रहार हो रहल बा। एन्टिओकस 3 ओह लोग के दुश्मनी के महंगा भुगतान करावेला।

<u>नोट</u> : एह यहूदी विद्रोह के मकसद " *विजन के पूरा कइल* " एह अर्थ में बा कि ई सीरियाई लोग के यहूदी लोग से नफरत के तइयार आ निर्माण करेला। एह तरह से दान में ***बड़हन विपत्ति के घोषणा भइल।*** 10:1 ओह लोग पर प्रहार करे खातिर आई।

<u>दान 11:15</u> *उत्तर के राजा आके टीला डाल के गढ़वाली शहरन के अपना कब्जा में ले लीहें। दक्खिन के सेना आ राजा के चुनल आदमी ना खड़ा होई , ना खड़ा होखे खातिर मजबूत होई।*

15क- वर्चस्व स्थायी रूप से पक्ष बदलले बा , ई सेलुसिड खेमा में बा। उनकर सामने मिस्र के राजा महज पांच साल के बाड़े।

<u>दान 11:16</u> *जे भी ओकरा खिलाफ आई उ उहे करी जवन उ चाहत होई , अउर केहू ओकरा सामने ना खड़ा होई। ऊ बढ़िया देश में रह जाई , जवन कुछ ओकरा हाथ में आई ओकरा के नष्ट कर दी।*

16क- एंटियोकस तृतीय अबहियों मिस्र के जीते में असफल हो जाला आ जीत के प्यास ओकरा के चिढ़ावेला , यहूदी लोग ओकर बलि के बकरा बन जाला। ऊ अपना गुस्सा के अधिशेष के शहीद यहूदी राष्ट्र पर उगलत बाड़न जवना के नाम " *देशन में से सबसे सुंदर* " अभिव्यक्ति से नामित कइल गइल बा जइसे कि दान में .8:9 के बा।

<u>दान 11:17</u> *ऊ अपना राज्य के सब सेना के साथे आवे के मन बनाई , आदक्खिन के राजा से मेल मिलाप करी , आओकरा के अपना बेटी के मेहरारू बना दी , ताकि ऊ ओकरा के नाश कर सके , लेकि न अइसन ना होई आना ही ओकरा के कवनो फायदा होई।*

17क- चूँकि युद्ध असफल होला , एन्टिओकस तृतीय लगिड खेमा के साथे गठबंधन के रास्ता आजमावेला। रणनीति में बदलाव के एगो कारण बा कि रोम मिस्र के रक्षक बन गईल बा। एह से ऊ अपना बेटी क्लियोपेट्रा के बियाह टोलेमी पंचम से करा के मतभेद के निपटारा करे के कोशिश करेला। एंटियोकस तृतीय के मिस्र पर कब्जा करे के योजना फेर से असफल हो गइल बा .

<u>दान 11:18</u> *उ द्वीप पर आपन नजर रखी अउर ओह द्वीप में से बहुत लोग के ले जाई। बाकिर कवनो राज्यपाल जवन निंदा ओकरा पर ले आवे के चाहत रहे ओकरा के द्वर कर दी आओकरा पर वापस ले आई*

18क- ऊ एशिया के जमीन जीत लीहें बाकिर अंत में अपना रास्ता में रोमन सेना मिल जाई , जवना के इहाँ दान .9:26 के रूप में " *नेता* " शब्द से नामित कइल गइल बा ; एकर कारण ई बा कि रोम अबहिन ले एगो गणतंत्र हवे जे

सीनेटर आजनता , जनमत के सत्ता के प्रतिनिधित्व करे वाला लेगेट्स के निर्देशन में आपन सेना सभ के मांसपेशी शांति अभियान में भेजत बा। शाही शासन में संक्रमण से एह प्रकार के सैन्य संगठन में कवनो बदलाव ना आई एह नेता के नाँव लुसियस स्किपियो हवे जेकरा के अफ्रीकनस कहल जाला , राजा एंटिओकस उनके साम ना करे के जोखिम उठवलें आऊ 189 में मैग्नेशिया के लड़ाई में हार गइल बाड़ें आयुद्ध के मुआवजा में रोम के 15,000 टैलेंट के भारी कर्जा देवे के निंदा कइल जालें। एकरा अलावा , उनकर छोट बेटा , भविष्य के एन्टिओकस 4 एपिफेनिस यहूदी लोग के सतावे वाला जे पद 31 में दान .10:1 में भविष्यवाणी कइल गइल " *आपदा* " के पूरा करी , रोमियन लोग बंधक बना लेला।

दान 11:19 *तब उ अपना देश के गढ़ में जाई , अउर ठोकर खा के गिर जाई , अउर ना मिल जाई।*

19क- राजा के मौत के साथ विजय के सपना खतम हो जाला , जवना के जगह उनकर बड़का बेटा सेल्यूकस 4 (-187-175) आवेला।

दान 11:20 *जे उनकर जगह लेबे वाला बा , उ राज्य के अच्छा हिस्सा में एगो वसूली करे वाला के ले आई, लेकिन कुछ दिन में उ ना क्रोध में , ना युद्ध में टूट जाई।*

20क- रोमन लोग के कर्जा के निपटारा खातिर राजा अपना मंत्री हेलियोडोरस के मंदिर के खजाना जब्त करे खाति र यरूशलेम भेजले , लेकिन मंदिर में एगो भयानक दर्शन के शिकार होके उ आतंकित होके एह परियोजना के छोड़ देले। ई वसूली करे वाला हेलियोडोरस हवे जे तब सेल्यूकस 4 के हत्या करा दिहले रहलें , जे उनके जेरुसलम के मिशन सौंपले रहलें। इरादा कार्रवाई के लायक बा , अउर भगवान अपना पवित्र मंदिर के एह अपवित्रीकरण के अपना नियुक्ति करे वाला के मौत के भुगतान करवले जेकर हत्या हो गईला के बाद *ना त क्रोध से ना मरलस ना युद्ध से .*

एन्टिओकस 4 *महान विपत्ति के दर्शन* में चित्रित *आदमी*

दान 11:21 *एगो तिरस्कृत आदमी ओकर जगह ले ली आओकरा के कवनो राज्य के गरिमा के कपड़ा ना पहिरावल जाई। ऊ शांति से प्रकट हो जाई आसाजिश से राज्य पर कब्जा कर ली .*

21क- ई एन्टिओकस तृतीय के बेटा में से छोटका हवें। रोमन लोग के बंदी आबंधक बना के ओकरा चरित्र पर जवन असर पैदा होखे के कल्पना कइल जा सकेला . राजा बनला के चलते उनुका जिनगी से बदला लेवे के रहे। एतने ना , रोमन लोग के साथे उनकर रहला से ओह लोग के साथे एगो निश्चित समझदारी के अनुमति मिलल। सीरिया के गद्दी

पर उनकर आगमन साजिश के आधार पर बा , काहे कि एगो अउरी बेटा , डेमेट्रियस , जे बड़ रहे , के उनकर प्राथमिकता रहे। ई देख के कि डेमेट्रियस रोमन लोग के दुश्मन मैसिडोनिया के राजा पर्सियस के साथे समझौता कर रहल बा , बाद वाला लोग एहसान करत बा आगद्दी पर बइठा के ओह लोग के दोस्त एन्टिओकस के रख दिहलस।

दान 11:22 *जवन सेना धार नियर फूटत होई , ओकरा सा मने उमड़ जाई , आवाचा के कप्तान के नाश हो जाई।*

22क- *जवन सैनिक धार नियर फइल जाई ऊ ओकरा सोझा डूब जाई , आसफाया हो जाई*

6वां **" सीरियाई युद्ध " (-170-168)** के साथ दुश्मनी फिर से शुरू हो गईल |

अबकी बेर रोमन लोग एंटियोकस चउथा के मिस्र के लगिद खेमा के खिलाफ अपना पिता के लड़ाई फेर से शुरू करे दिहल। उ पाप के प्रतीक के एतना हकदार कबो ना रहली , ग्रीक इ एह संदर्भ में सही बा। बल्कि तथ्य के न्याय करीं , जइसे कि ओह घरी भगवान कइले रहले। लगिड शिविर में टोलेमी छठवाँ के बियाह अपना बहिन क्लियोपेट्रा द्वितीय से अनाचार से भइल बा। इनहन के छोट भाई टोलेमी अठवाँ , जेकरा के फिस्कॉन के नाँव से जानल जाला , इनहन से जुड़ल बाड़ें। हमनी के तब समझ सकेनी जा कि भगवान एन्टिओकस के काहे उनकर सेना के कुचल देवे देले।

22ख- के *साथे -साथे गठबंधन के एगो नेता भी।*

सेलुसिड्स के सहयोगी मेनेलस वैध महापुरोहित ओनियास के पद के लालसा करेला , एंड्रोनिकस से ओकर हत्या करावेला आ ओकर जगह ले लेला। का ई अबहियों परमेश्वर के इस्राएल ह ? एह नाटक में भगवान ओह कामन के याद करे लागेलें जवन रोम सदियन से करीहें . दरअस ल, शाही रोम मसीहा के मार दी आ पोप के रोम ओकर सनातन पुरोहिताई के लालच करी आ छीन ली , ठीक ओसहीं जइसे मेनेलस ओकरा जगह पर ओनियास के मार दिहले रहले .

दान 11:23 *आओकरा बाद उ धोखा देई , अउर बाहर निकल के कुछ लोग से जीत हासिल करी।*

23क- एन्टिओकस सबके साथे गठबंधन करेला , अगर ओकरा हित में होखे त ओकरा के तोड़े खातिर तैयार। ई किरदार अपने आप में फ्रांस आयूरोप के राजा लोग के इतिहास के छवि हवे : गठबंधन बनावल , गठबंधन टूटल आ खूनी लड़ाई के बीच -बीच में शांति के छोट समय।

बाकिर ई श्लोक भी जारी बा , दोहरा पाठ में , हमनी के पोप के शासन के एगो रोबोट चित्र देत बा जवन संतन के 120 साल तक सतावत रही। काहे कि यूनानी राजा आ पोपवाद बहुते मिलत जुलत बा : दुनु में *धोखा आछल.*

दान 11:24 *ऊ प्रांत के फलदार इलाका में शांति से प्रवेश करी आऊ काम करी जवन ओकर बाप -दादा आओकर बाप -*

दादा ना कइले रहलन , ऊ लूट , लू ट आधन के बँटवारा करी आ कुछ समय खातिर गढ़न के खिलाफ साजिश करी।
24क- रोमन लोग के जवन भारी कर्जा बा ओकर भुगतान करे के पड़ी। एकरा खातिर एन्टिओकस चउथा अपना प्रांतन पर कर लगावेलें आ एह कारन ओह यहूदी लोग पर कर लगावेलें जिनका पर ऊ शासन करेलें। ऊ जहाँ ना बोवले बा ओहिजा ले जाला आओकरा वर्चस्व में आइल गुलाम लोग के धन उतार देला . ऊ मिस्र के हुक भा कुटिलता से जीते के आपन लक्ष्य नइखे छोड़ले . आअपना सैनिकन के सराहल आ ओह लोग के समर्थन पावे खातिर ऊ अपना सैनिकन के साथे लूट के सामान बाँटेला आ अपना यूनानी देवता लोग के भरपूर सम्मान करेला , जे ओहमें से प्रमुख बाड़े : ओलंपियन ज़ीउस , यूनानी पौराणिक कथा में देवता लोग के देवता।

दोहरा पढ़ाई में रोमन पोप शासन भी एही तरह से काम करी। काहे कि ई स्वभाव से कमजोर बा एहसे ओकरा राज्यन के बड़का लोग के बहकावे आ समृद्ध करे के पड़ी जेहसे कि ओकरा के ओह लोग आ ओह लोग के सशस्त्र सेना के पहचान आ समर्थन मिल सके .

दान 11:25 *ऊ दक्खिन के राजा के खिलाफ एगो बड़हन सेना के साथे मजबूत आ वीर होई , आ दक्खिन के राजा एगो बड़हन आ बहुत मजबूत सेना के साथे युद्ध में जइहें , लेकिन उ खड़ा ना होई , काहे कि उ लोग ओकरा खिलाफ बु रा षड्यंत्र रचत होई।*

25क- – 170 में , एन्टिओकस 4 पेलुसियम पर कब्जा कर लिहलस आ ओकर राजधानी अलेक्जेंड्रिया के छोड़ के पूरा मिस्र पर कब्जा कर लिहलस।

दान 11:26 *उनकर मेज के खाना खाए वाला लोग ओकरा के नाश कर दिही , ओकर सेना धार निहन बिखर जाई अवुरी बहुत मारल गईल लो ग गिर जईहे।*

26क- टोलेमी 6 तब अपना चाचा एन्टिओकस 4 के साथे बातचीत में उतरले , उ सेलुसिड खेमा में शामिल हो गईले। लेकिन मिस्र के लोग के अस्वीकृति के चलते सिकंदरिया में उनकर जगह उनकर भाई टोलेमी 8 ले लिहले , जेकरा के उनकर परिवार धोखा देले रहे , जे *उनकर टेबुल से खा ना खात रहे* | युद्ध जारी रहल अउरी *मरे वाला लोग के संख्या में गिर गईल .*

दान 11:27 *दुनो राजा अपना दिल में बदमाशी के तलाश करीहे , अवुरी एक मेज प बईठ के झूठ बोलिहे। लेकिन काम ना होई , काहे कि अंतिम समय तय समय प आई।*

27क- एक बेर फेरु से एंटियोकस चउथा के साजिश असफल हो जाला। उनकर भतीजा टोलेमी 6 से उनकर रिश्ता धोखा पर आधारित बा।

27ख- *लेकिन ई सफल ना होई , काहे कि तय समय तक अंत ना आई।*

ई श्लोक कवना *अंत के बात करत बा ?* दरअसल , ई कई गो *अंत के सुझाव देला* , जवना में से पहिला अंत एंटियोकस तृतीय आउनकर मिस्र के भतीजा आभतीजी के बीच के लड़ाई के अंत बा। ई *अंत* नजदीक आगइल बा। बाकी *छोर* दान में पोप के शासन के 1260 साल के अवधि से संबंधित होई। 12:6 अउर 7 अउर वर्तमान अध्याय के पद 40 के *अंत के समय* , जवना में तीसरा विश् वयुद्ध के पूरा होखे के देखल जाई , जवन अंतिम ***महान सार्वभौमिक आपदा के मंच तैयार करेला*** .

बाकिर एह श्लोक में एह अभिव्यक्ति के कवनो सीधा संबंध " *अंत के समय* " से नइखे जवना के जिक्र पद 40 में कइल गइल बा , जइसन कि हमनी के खोज आप्रदर्शन करब जा। एह अध्याय के संरचना देखाई देवे में विवेकपूर्ण तरीका से भ्रामक बा।

दान 11:28 *उ बहुत धन के साथ अपना देश में वापस आजाई , अउर अपना मन में पवित्र वाचा से दुश्मनी करी , अउर ओकरा विपरीत काम करी अउर अपना देश में वापस आजाई।*

28क- *ऊ बड़ धन लेके अपना देश लवट जइहें*

मिस्र के लोग से कब्जा कइल धन से लदाइल एन्टिओकस चउथा टोलेमी छठवाँ के छोड़ के अंताकिया वापस आजालें , जिनके ऊ जीतल मिस्र के आधा हिस्सा पर राजा के रूप में रखले बाड़ें। बाकिर ई आंशिक जीत असंतुष्ट राजा के चिढ़ावेला

28ख- राजा के कुंठा यहूदी लोग के उनकर क्रोध के निशाना बना देला। त जइसे -जइसे ऊ ओह लोग के घर से गुजरत जाई , ऊ एह गुस्सा के कुछ हिस्सा ओह लोग पर उतार दीहें बाकिर ओकरा के मन ना लागी .

दान 11:29 *एगो निर्धारित समय पर उ फिर से दक्षिण के खिलाफ मार्च करीहे। बाकिर ई आखिरी बेर पहिलका जइसन ना होखी* .

29क- हम महान विपत्ति के साल में प्रवेश कर रहल बानी।

में एन्टिओकस के पता चलल कि उनकर भतीजा लोग एक बेर फेरु से उनकरा खिलाफ सुलह हो गइल बा , टोलेमी 6 अपना भाई टोलेमी 8 से मेल मिलाप कर लिहले बाड़न , जीतल मिस्र के भूमि मिस्र के शिविर में वापस आगइल रहे। एह से ऊ फेर से अपना भतीजा लोग के खिलाफ अभियान पर निकल गइलन , सगरी प्रतिरोध के तोड़े के ठान लिहलन , बाकिर ...

दान 11:30 *कित्तीम से जहाज ओकरा खिलाफ आ जाई। ऊ हतोत्साहित होके पीछे मुड़ जाई। तब पवित्र वाचा के खिलाफ अपना गुस्सा में उ बेकार ना रहि हे। जब ऊ लवट अइहें त ऊ ओह लोग के देखत रही जे पवित्र वाचा के छोड़ दिहले बा .*

30क- *कित्तीम से जहाज ओकरा खिलाफ आजाई*

एह तरीका से स्पिरिट वर्तमान समय के साइप्रस दीप पर आधारित रोमन बेड़ा के कहल जाला। उहाँ से भूमध्य सागर के लोग आ एशिया के तटीय लोग पर नियंत्रण र खल। पिता के बाद एंटियोकस तृतीय के रोमन वीटो के सामना करे के पड़ल। उनुका एगो अपमान के सामना करे के पड़ल जवना से उनुका गुस्सा आजाई। रोमन लेगेट पोपिलियस लेनास उनके गोड़ के चारों ओर जमीन पर एगो घेरा के पता लगवलें आउनके आदेश दिहलें कि खाली रोम से लड़े के फैसला के साथ छोड़े के या एकर पालन करे के। एंटियोकस , जे पहिले बंधक रहलें , अपना पिता के सिखावल सबक सीख लिहले रहले आमिस्र पर आपन विजय छोड़े के पड़ल जवना के पूरा तरह से रोमन संरक्षण में राखल गइल रहे . विस्फोटक क्रोध के एह संदर्भ में उनका पता चलल कि उनका के मरल मान के यहूदी लोग खुशी मनावत बा आभोज करत बा . उनकर जान के भयानक कीमत उ लोग के पता चल जाई कि उ अभी बहुत जिंदा बाड़े।

<u>दान 11:31</u> *आउनकर आज्ञा पर सेना आई, आउ पवित्र स्थान , किला के अपवित्र कर दिही , आ लगातार ~~होमबलि के बंद कर दिही~~ , आउजाड़ करे वाला घिनौना चीज के खड़ा करी।*

31क- इ श्लोक 1 मक्कल के अपोक्रिफाल विवरण में बतावल तथ्य के पुष्टि करेला / *सब राष्ट्र राजा एन्टिओकस के एह आदेश से सहमत भइल आ इस्राएल में बहुत लोग एह गुलामी के सहमति दिहल , मूर्तियन के बलिदान दिहल आ सब्त के दिन के उल्लंघन (अशुद्ध) कइल।* हमनी के एह वर् णन में उ परीक्षा मिलेला जवन दानियल अउर उनकर तीन साथी लोग के बेबिलोन में भइल रहे। अउर परमेश्वर हमनी के सामने 1 मक्काबियन में , एगो वर्णन पेश करेलन कि आखिरी महान विपत्ति का होई जवना के सामना हमनी के जे मसीह में जिंदा बानी जा , यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी से ठी क पहिले सामना करे के पड़ी। हमनी के समय अउर मक्काबियन यहूदी लोग के बीच एगो अउरी बड़हन विपत्ति के कारण 120 साल तक यीशु मसीह के संत लोग के मौत हो गईल।

31ख- *ऊ लोग पवित्र स्थान , किला के अपवित्र करी , ऊ लोग लगातार ~~बलिदान के बंद कर दी~~ , आ ऊ लोग उजाड़ (या विनाश) के घिनौना चीज के खड़ा करी।*

एह कामन के पुष्टि यहूदी आ रोमन इतिहासकार जोसेफस द्वारा दर्ज एह ऐतिहासिक गवाही में कइल जाई। मामला के महत्व एकरा के जायज ठहरावेला , त आई एह गवाही के देखल जाव जवना में हमनी के तीसरा विश्वयुद्ध से बचे वाला लोग के बनावल सार्वभौमिक शा सन द्वारा घोषित अंतिम दिन के अतवार के नियम के समान विवरण मिलेला।

इहाँ 1 Macc.1:41-64 के एगो शुरुआती संस्करण बा :

1मा 1:41 तब राजा आदेश दिहलन कि उनकर राज्य में सब लोग एक लोग बन जाव ।
1मा 1:42 सबके आपन रीति रिवाज छोड़े के पड़ी। सब बुतपरस्त राजा के आदेश के अधीन हो गईले
1मा 1:43 अउर इस्राएल में भी बहुत लोग उनकर आराधना के स्वीकार कइलन, उ लोग मूर्तियन के बलिदान देत रहलन अउर सब्त के दिन के अपवित्र करत रहलन।
1Ma 1:44 राजा यरूशलेम आयहूदा के शहरन में दूत भेजलन कि अब से उ लोग देश के विदेशी रीति रिवाज के पालन करस।
1मा 1:45 मंदिर के होमबलि , बलिदान अउर पेयबलि के अंत करे खातिर। उ लोग सब्त के दिन आभोज के अपवित्र करे के रहे।
1मा 1:46 पवित्र स्थान आपवित्र जगह के अशुद्ध कर दीं।
1मा 1:47 मूर्तियन खातिर वेदी , पूजा स्थल आ मंदिर बनावे खातिर , सुअर आ अशुद्ध जानवरन के बलिदान करे खातिर।
1मा 1:48 उ लोग के अपना बेटा के खतना ना क के छोड़े के रहे अउर एह तरह से अपना के हर तरह के अशुद्धि अउर अपवित्रता से घृणित बनावे के रहे।
1मा 1:49 एक शब्द में कहल जा व त उ लोग व्यवस्था के भूला के ओकरसब पालन के उपेक्षा करे के रहे।
1मा 1:50 जे राजा के आदेश के पालन ना करी ओकरा के मार दिहल जाई।
1मा 1:51 राजा के आपन पूरा राज्य के चिट्ठी में इहे बात कहल गइल बा कि उ सब लोग के ऊपर अधिकारी रखलन आ यहूदा के सब शहरन के बलि चढ़ा वे के आज्ञा दिहलन।
1Ma 1:52 आउर बहुत लोग व्यवस्था के त्याग करे वाला सब लोग के बात मानत रहलन। आऊ लोग ओह देश में बुराई कइल।
1मा 1:53 इस्राएल के शरण लेवे खातिर मजबूर कइलसु।
1Ma 1:54 साल 145 में किस्लेव महीना के पन्द्रहवाँ दिन राजा होमबलि के वेदी पर उजाड़ के घृणित चीज के खड़ा कइलन आऊ लोग यहूदा के आसपास के शहरन में वेदी बनवले।
1Ma 1:55 घरन के दुआर पर आगली में धूप जरावल जात रहे।
1Ma 1:56 जब उ लोग के व्यवस्था के किताब मिलल त उ लोग ओकरा के फाड़ के आगमें फेंक देले।
1मा 1:57 अउर अगर केहू में वाचा के किताब मिलल , या केहू परमेश्वर के व्यवस्था के पालन करत रहे , त ओकरा के राजा के फरमान के अनुसार मार दिहल जाई।
1मा 1:58 उ लोग अपना शहर में महीना दर महीना अपराध में फंसल इस्राएलियन के सजा देत रहले।

1मा 1:59 आहर महीना के पच्चीसवाँ दिन उ लोग होमबलि के वेदी के जगह पर लगावल वेदी पर बलि चढ़ावत रहले।
1मा 1:60 एह व्यवस्था के अनुसार उ लोग ओह औरतन के मार देले , जे अपना लइकन के खतना करवले रहली।
1मा 1:61 उनकर शिशु के गर्दन में लटकल बा। उनकर रिश्तेदार आ खतना करे वाला लोग के भी हत्या कर दिहल गइल।
1मा 1:62 एह सब के बावजूद इस्राएल में बहु त लोग वफादार रहलन अउर एतना हिम्मत रखलन कि अशुद्ध खाना ना खात रहलन।
1मा 1:63 ***उ लोग पवित्र वाचा के खिलाफ भोजन से अपना के अशुद्ध करे के बजाय मरल चुनले , अउर एही से उ लोग के मार दिहल गईल।***
1मा 1:64 इस्राएल खातिर इ एगो बड़हन परीक्षा रहे।

सदा के बिनती के चढ़ावे के बंद होखे के पुष्टि करेला अउर श्लोक 54 जवन पवित्र स्थान के अपवित्र होखे के गवाही देला : ***राजा होमबलि के वेदी पर उजाड़ के घृणित चीज के स्थापना कइले।***

एह बुराई के उत्पत्ति में , इस्राएल के ई धर्मत्याग : *1मा 1:11* ***ओही घरी इस्राएल में एगो विचलनशील लोग के पीढ़ी पैदा भइल जवन बहुत लोग के अपना पीछे खींच लिहलस : "चली हमनी के अपना आसपास के राष्ट्न के साथे गठबंधन करीं जा ," उ लोग कहल कि , "काहे कि जबसे हमनी के ओहलोग से अलग हो गईनी जा , तब से हमनी के बहुत दुर्भाग्य आगईल बा .*** " दुर्भाग्य पहिलहीं से भगवान के प्रति उनकर बेवफाई के नतीजा रहे आ ऊ लोग अपना विद्रोही रवैया से अपना पर अउरी दुर्भाग्य ले आवे वाला रहे .

मूर्ति के कांसा में पाप के अपना सर्वव्यापी प्रतीक के बढ़िया से जायज ठहरवलस । 2; *तेंदुआ के कहल जाला* दान .7 के धब्बेदार बा ; आ दान के *बदबूदार बकरी /8/* बाकिर एगो अउरी विस्तार से ध्यान देबे के बा . - 168 में एंटियोकस 4 द्वारा यरूशलेम भेजल गइल दंडात्मक मिशनरी के नाम अपोलोनियस हवे , आई ग्रीक नाँव जेकर फ्रेंच में मतलब होला "विनाशक " होला , आत्मा द्वारा अपो .9:11 में निंदा करे खातिर चुनल जाई , अंतिम समय के झूठा प्रोटेस्टेंट ईसाई धर्म द्वारा पवित्र बाइबल के विनाशकारी प्रयोग ; यानी कि अंतिम ***महान अंतिम आपदा के आयोजन करे वाला लोग*** . अपोलोनियस 22,000 सैनिकन के साथे यरूशलेम अइले आ **एगो सब्त के दिन** , एगो शानदार सार्वजनिक हथियार प्रदर्शन के दौरान , उ सब यहूदी दर्शकन के नरसंहार करवले। उ लोग एह अपवित्र ब्याज से सब्त के दिन के अशुद्ध क देले अवुरी भगवान ओ लोग के हत्या करा देले। आ उनकर गुस्सा कम ना होला काहे कि एह खूनी तथ्य का पीछे

यहूदी लोग के हेलेनिजेशन के आदेश दिहल गइल बा . एंथस के जेरोंटियस , शाही प्रतिनिधि , पूरा लोग पर यरूशलेम में पूजा आनैतिकता के हेलेनिजीकरण थोपले जइसे कि सामरिया में भइल रहे । एकरे बाद जेरुसलम के मंदिर ओलंपियन ज़ीउस के आ गेरिज़िम पर्वत के मंदिर मेहमान नवाज ज़ीउस के समर्पित कइल गइल। हमनी के एह तरह से देखत बानी जा कि परमेश्वर अपना मंदिर से , यरूशलेम से अउर पूरा राष्ट्र से आपन रक्षा वापस ले लेत बाड़न। पवित्र शहर आक्रोश से तृप्त बा , हर एक आखिरी से भी घिनौना बा। लेकिन इ खाली भगवान के इच्छा ही लागू रहे , चेतावनी के बाद नैतिक अउरी धार्मिक शिथिलता एतना बड़ रहे जवन बेबिलोन में देश निकाला के गठन कईल गईल |

दान 11:32 *उ वाचा के खिलाफ लोग के चापलूसी से बहका दिहे। बाकिर जे लोग अपना भगवान के जानेला ऊ दृढ़ता से काम करी ,*

३२क- *गठबंधन के गद्दारन के चापलूसी से बहकाई*

ई स्पष्टी करण एह बात के पुष्टि करेला कि ईश्वरीय दंड के हकदार आजायज रहे। पवित्र जगहन पर अपवित्रता के चलन बन गइल रहे।

32ख- *लेकिन जे लोग अपना भगवान के जानत बा , उ लोग दृढ़ता से काम करी।*

एह त्रासदी में निश्छल आ योग्य आस्तिक लोग अपना निष्ठा से अलगा भइल आ सृष्टिकर्ता भगवान आ उनकर पवित्र नियमन के आदर करे के त्याग करे के बजाय शहीद के रूप में मरल पसंद कइल।

एक बेर फेरु , दूसरा पाठ में , 1090 वास्तविक दिन के ई खूनी अनुभव 1260 दिन -साल के पोप के शासन के स्थिति से मिलत जुलत बा जवना के भविष्यवाणी दान .7:25, 12:7 अउर प्रकाशितवाक्य 12:6-14 में क्रमशः अलग -अलग रूप में कइल गइल बा ; 11:2-3 में दिहल गइल बा ; 13:5 के बा।

प्राचीन काल के संदर्भ में वर्तमान घटनाक्रम के पीछे मुड़ के देखल जाव

का हो रहल बा एकरा के समझे खातिर हम एगो कैमरामैन के छवि के इस्तेमाल करब जवना के ऊएगो सीन फिल्मावत रहले जवना के ऊबारीकी से फॉलो करत रहले . एही बिंदु पर ऊ ऊँचाई बढ़ावत ज़ूम आउट हो जाला आ दृष्टि के क्षेत्र तेजी से चौड़ा हो जाला। ताकि जब धार्मिक इतिहास पर लागू कइल जाला त आत्मा के निगाह ईसाई धर्म के पूरा धार्मिक इतिहास के देखरेख करेला , ओकर शुरुआती शुरुआत से लेके , ओकर दुख के घंटो , शहीदन के समय , ओकर गौरवशाली अंत तक जवना के प्रतीक्षित उद्धारकर्ता के वापसी से चिन्हित कइल जाला।

दान 11:33 *अउर उनकरा में से बुद्धिमान लो ग बहुत लोग के शिक्षा दिही , लेकिन कुछ लोग तलवार , लौ , कैद आ लूटपाट से कुछ समय खातिर गिर जाई।*

33क- *आ ओहमें से सबसे बुद्धिमान भीड़ के शिक्षा दिही*

यीशु मसीह के प्रेरित लोग के साथे -साथे तरस के पौलुस भी , जेकरा के हमनी के नया वाचा के 14 पत्र के ऋणी बानी जा। एह नया धार्मिक निर्देश के एगो नाम बा : "सुसमाचार ", यानी कि चुनल लोग के ईश्वरीय अनुग्रह से चढ़ावल गइल उद्धार के सुसमाचार। एह तरह से आत्मा हमनी के समय के साथ आगे बढ़ावेला अउर जांचल गईल नया लक्ष्य मसीही विश्वास बन जाला।

33ख- *कुछ समय खातिर तलवार आलौ से , कैद में आलूटपाट से गिर जाए वाला लोग बा।*

कुछ समय खातिर , स्वर्गदूत के माध्यम से आत्मा कहत बा , आ ई समय 1260 लंबा भविष्यवाणी कइल साल होई , लेकिन कुछ रोमन सम्राट कैलिगुला , नीरो , डोमिटियन आ डायोक्लेशियस के समय में , ईसाई होखे के मतलब रहे कि शहीद के रूप में मरहीं के पड़ी। प्रकाशितवाक्य 13:10 में , आत्मा रोमन पोप के वसूली के समय के उकसावत बा , इ कहत ह कि *अगर केहू कैद में ले जाई , त उ कैद में चल जाई ; अगर केहू तलवार से मारे त ओकरा के तलवार से मारे के पड़ी। इहाँ संतन के दृढ़ता आविश्वास बा .*

दान 11:34 *जब उ लोग गिर जाई त उ लोग के तनी मदद मिली , अवुरी बहुत लोग पाखंड में शामिल हो जईहे।*

34क- 10 के बा। वाकई में पोप के क्रूर वर्चस्व के एही समय में एह श्लोक के पाखंडी लोग सहायक के रूप में प्रकट भइल। इनहन के पहचान ईसा मसीह के सिखावल मूल्य आ आज्ञा के तिरस्कार पर आधारित बा , आ एह मामला में ए ह लक्षित युग खातिर , तलवार से हत्या पर रोक। इतिहास के दोबारा देख के रउआ तब समझ सकेनी कि 15वीं सदी से लेके हमनी के समय तक के व्यापक प्रोटेस्टेंट आंदोलन के धर्मी न्यायाधीश ईसा मसीह पाखंडी मानले बाड़े। एह से 1843 से इनकर पूरा परित्याग के समझल आस्वीकार कइल आसा न हो जाई।

दान 11:35 *कुछ ज्ञानी लोग गिर जइहें ताकि अंत के समय तक उ लोग के शुद्ध , शुद्ध आसफेद करल जा सके , काहेकि उ अभी भी निर्धारित समय पर आवे वाला बा।*

35क- *कुछ ज्ञानी लोग गिर जाई , ताकि अंत के समय तक उ लोग के परिष्कृत , शुद्ध अवुरी सफेद कईल जा सके*

एह कथन से अंदाजा लगावल जा सकेला कि मसीही जीवन के मानक परीक्षा अउर चयन ह , दुनिया के अंत तक सहन करे अउर उत्पीड़न से गुजरे के क्षमता से। एह तरह से शांति आ सहिष्णुता के आदी आधुनिक आदमी अब कुछ ना समझ पावेला . एह संदेशन में ऊ अपना जिनिगी के ना चिन्ह पावेला . एही से प्रका शितवाक्य 7 अउर 9:5-10

में एह विषय पर सफाई दिहल जाई। 150 वास्तविक साल के धार्मिक शांति के एगो लंबा अवधि , यानी "पांच भविष्यवाणी के महीना " के कार्यक्रम भगवान के ओर से कईल गईल रहे , लेकिन 1995 से इ अवधि खतम हो गईल बा अवुरी धार्मिक युद्ध फेर से शुरू हो गईल बा। इ स्लाम फ्रांस आ पूरा दुनिया में अउरी जगहन पर हत्या कर रहल बा ; आ ओकर क्रिया तबले तेज होखे के किस्मत में लिखल बा जबले ऊ पूरा दुनिया में आग ना लगा दी .

35ख- *काहे कि ई तय समय पर ही पहुंची*

इहे दुनिया के अंत होई , अउर स्वर्गदूत हमनी के बतावेला कि शांति या युद्ध के कवनो निशानी केहू के एकरा के आवत ना देखे देला। ई एगो कारक पर निर्भर करेला : भगवान के द्वारा *निर्धारित " समय "*, यानी कि पार्थिव चुनल लोग के उनकर चयन खातिर समर्पित 6,000 साल के अंत। अउर इहे कारण बा कि हमनी के अब एह अंत से दस साल से भी कम समय में बानी जा कि परमेश्वर हमनी के तारीख जाने के कृपा देले बाड़न : 3 अप्रैल , 2030 से पहिले के बसंत के 20 मार्च , यानी मसीह के प्रायश्चित करे वाला मौत के 2,000 साल बाद। ऊ अपना चुनल गइल विद्रोहियन के बचावे आ ओह हत्यारन के नष्ट करे खातिर ताकतवर आ विजयी लउकी जे ओह लोग के मारे के इ रादा राखत रहुवे .

"ईसाई " रोम के कैथोलिक पोप शासन : पश्चिमी दुनिया के धार्मिक इतिहास में महान सतावे वाला।

उनुका खातिर हीं मॉडल एन्टिओकस 4 हमनी के नेतृत्व करे के रहे। टाइप आपन एंटीटाइप तइयार कइले बा आएह तुलना के बारे में हमनी का का कह सकीले ? निश्चित रूप से अभूतपूर्व परिमाण के ई यूनानी सतावे वाला 1090 वास्तविक दिन ले काम कइलस , बाकी अपना ओर से पेपिज्म लगभग 1260 वा स्तविक साल ले गुस्सा में रही , एह तरीका से इतिहास के सभ मॉडल के पीछे छोड़ दी।

दान 11:36 *राजा जवन चाहत होई उहे करीहे। ऊ अपना के सब देवता लोग से ऊपर उठाई आ अपना के देवता लोग के भगवान के खिलाफ अचरज के बात करी। जबले क्रोध पूरा ना हो जाई तबले ऊ समृद्ध होखी काहे कि जवन तय बा ऊ पूरा हो जाई .*

36क- एह श्लोक के शब्द अस्पष्ट बा आ अबहियों एकरा के यूनानी राजा आरोमन पोप राजा के अनुकूल बनावल जा सकेला . भविष्यवाणी के खुलासा करे वाला संरचना के सतही पाठकन से छिपावल जरूरी बा . हालाँकि , एगो छोट बिस्तार पोप के निशाना के नाँव दे ला ; ई परिशुद्धता ह : *काहे कि* ***जवन तय कइल गइल बा*** *ऊ पूरा हो जाई* . इ उद्धरण

दान .9:26 के गूँज ह: *बासठ हफ्ता के बाद एगो अभिषिक्त के काट दिहल जाई , अउर ओकरा लगे अपना खातिर कुछ ना होई। जवन नेता आवे वाला बा ओकर लोग शहर आ पवित्र स्थान के नाश कर दिही , आओकर अंत बाढ़ के तरह हो जाई : **इ तय कईल गईल बा** कि तबाही (या उजाड़) युद्ध के अंत तक चलेला .*

दान 11:37 *उ अपना पुरखन के देवता के कवनो परवाह ना करी , ना मेहरारू के देवता के , ना कवनो देवता के , लेकिन उ अपना के सभसे ऊपर महिमा करी।*

37क- *ओकरा अपना पूर्वज के देवता के कवनो परवाह ना होई*

इहाँ बा , छोट -छोट विस्तार जवन हमनी के समझ के साफ करेला। हमनी के इहाँ औपचारिक प्रमाण बा कि उनकर बात से निशाना बनावल राजा एंटियोकस चउथा ना हो सकेला जे अपना पिता लोग के देवता के आदर करत रहे आ ओहमें से सबसे बड़ , ओलंपस के देवता लोग के देवता ज़ीउस जेकरा के ऊ यरूशलेम के यहूदी मंदिर चढ़वले रहले . एह तरह से हमनी के ई निर्विवाद प्रमाण मिलेला कि निशाना बनावल राजा वाकई में ईसाई युग के रोमन पोप शासन हवे। अब से , प्रकट भइल सभ शब्द एह से दान .7 से अलग आ दान .8 से *बेशर्म आ धूर्त एह राजा के संबंध में होई* ; हम जोड़त बानी , दान .9:27 के ई *विनाशकारी या उजाड़ राजा* / "रॉकेट के स्टेज " सब *सिर के समर्थन करेला* of a popal *man* , *छोट आ अहंकारी* वर्चस्व के शिखर पर रखल।

का पोप के रोम अपना पूर्वज के देवता के सम्मान करेला ? आधिकारिक तौर पर ना , काहें से कि एकरे ईसाई धर्म में बदले के कारण ई बुतपरस्त रोमन देवता लोग के नाँव छोड़ दिहलस। हालाँकि , ई इनहन के पूजा के रूप आ शैली के सुरक्षित रखले बा : नक्काशीदार , मूर्तिकला भा ढाला बिम्ब जेकरा सोझा एकर उपासक लोग प्रार्थना में प्रणाम आ घुटना टेक देला। एह व्यवहार के बचावे खातिर , जवना के भगवान अपना सब नियम में निंदा कइले बाड़न , ई बाइबल के आम मनुष्य खातिर दुर्गम बना दिहलस अउर जीवित परमेश्वर के दस आज्ञा में से दूसरा आज्ञा के दबा दिहलस काहे कि इ एह प्रथा के मना करेला अउर एकरा उल्लंघन करे वाला लोग खातिर योजनाबद्ध सजा के खुलासा करेला। शैतान ना त मिलल सजा के के छिपावल चाहत होई। एह से पोप शासन के व्यक्तित्व एह श्लोक में प्रस्तावित परिभाषा में आवेला।

३७ख- *ना ही नारी के प्रसन्न करे वाला दिव्यता के* पोपरी द्वारा छोड़ल गइल बुतपरस्त रोमन धर्म के ध्यान में राखत ही भगवान के आत्मा एह खरपतवार विषय के उकसावत बा। काहे कि ऊ पवित्रता के मूल्यन के प्रदर्शन खातिर अपना खुला यौन विरासत से पीठ

फेर लिहले बा . ई सुझावल गइल देवता प्रियपस हवे , ई नर लिंग हवे जेकरा के चर्च ऑफ रोम के बुतपरस्त पिता लोग द्वारा देवता के रूप में सम्मानित कइल जाला। ई अबहियों यूनानी पाप के विरासत रहे। आ एह यौन विरासत से टूटे खातिर ई मांस आ आत्मा के पवित्रता के बेसी बचाव करेला .

दान 11:38 *तबो ऊ किला के देवता के आदर करी , जेकरा के ओकर पुरखा ना जानत रहले , सोना चांदी , कीमती पत्थर आ महंगा चीजन से ओकर पूजा करीहें।*

३८क- *हालांकि ऊ अपना कुरसी पर किला देवता के सम्मान करीहें*

एगो नया बुतपरस्त देवता के जन्म होला : *किला के देवता* . उनकर *कुरसी* इंसान के दिमाग में बा आ उनकर ऊँचाई ओह छाप के बराबर बा जवन ओकरा मिलेला . बुतपरस्त रोम बुतपरस्त मंदिर सभ के निर्माण कइलें जे हर हवा खातिर खुलल रहलें ; स्तं भ से समर्थित राजधानी काफी रहे। बाकिर ईसाई धर्म में शामिल होके रोम के मकसद रहे कि ऊ नष्ट हो चुकल यहूदी मॉडल के बदल देव . यहूदी लोग के एगो बंद मंदिर रहे जवना के एगो शक्तिशाली रूप रहे जवन ओकर महिमा आ प्रतिष्ठा रहे। एह से रोम एकर नकल करी आ बारी -बारी से गढ़वाली महल नियर रोमन चर्च बनाई , काहें से कि असुरक्षा के राज बा आ सभसे अमीर लॉर्ड लोग अपना घर के किलाबंदी बनावे ला। रोम भी इहे काम करेला। ई कैथेड्रल के समय तक तपस्वी शैली में आपन चर्च बनावेला आ उहाँ , सबकुछ बदल जाला। गोल छत आसमान के ओर इशारा करे वाला शिखर बन जाला , आई , ऊँच से ऊँच। बाहरी मुखौटा फीता के रूप लेला , एकरा के हर रंग के रंगीन कांच के खिड़की से समृद्ध कईल गईल बा जवन कि भीतर इंद्रधनुषी रोशनी ले आवेला जवन कि अधिकारी , अनुयायी अवुरी आगंतुक के प्रभावित करेला।

38ख- *एह देवता के , जेकरा के ओकर पूर्वज ना जानत रहले , उ सोना चांदी से , कीमती पत्थर अवुरी महंगा वस्तु से नमन करीहे।*

इनहन के अउरी मोहक बनावे खातिर , भीतरी देवालन पर ***सोना , चाँदी , कीमती मोती , आ महँग चीजन से सजावल गइल बा*** : प्रकाशितवाक्य 17:5 के *वेश्या बेबिलोन महान* अपना मुवक्किलन के आकर्षित करे आ बहकावे खातिर देखावे के तरीका जानत बाड़ी।

सच्चा भगवान अपना के बहकावे ना देला काहे कि एह भव्यता से ओकरा कवनो फायदा ना होखे . अपना भविष्यवाणी में ऊ एह पोप के रोम के निंदा करत बाड़न जवना से उनुकर **कबो** तनको संबंध नइखे रहल . उनकरा खा तिर एकर रोमन भा गॉथिक चर्च खाली अउरी बुतपरस्त देवता हवें जे खाली आध्यात्मिक लोग के बहकावे के काम करे लें जिनहन के ई उनसे मुँह मोड़ देला : एगो

नया देवता के जनम होला : किला सभ के देवता आऊ अइसन भीड़ के बहकावे ला जे लोग मानत बा कि ऊ लोग एकर देवाल सभ में अनुपातही न रूप से ऊँच छत के नीचे घुस के भगवान के पा ली।

~~दान 11:39 के बा~~ *~~ई परदेसी देवता के साथे बा कि ऊ गढ़वाली जगहन के खिलाफ काम करी~~* *आऊ परदेसी देवता के साथे किला के किलाबंदी पर काम कइले बा आ ओकरा के चिन्हे वाला के सम्मान से भर दी , ऊ ओह लोग के बहुते पर हावी बना दी , ऊ ओह लोग के इनाम में जमीन बाँटी .*

39क- *आऊ परदेसी देवता के साथे किला के किलाबंदी के काम कइले*

परमेश्वर खातिर , उनकरा सामने खाली एगो सक्रिय देवता बा , यानी कि उ उनकरा खातिर *परदेशी हवे* : उ शैतान ह , शैतान , जेकरा खिलाफ यीशु मसीह अपना प्रेरित अउर चेलन के चेतवले रहले। हिब्रू पाठ में ई "विरुद्ध काम करे " के सवाल नइखे बलुक "करल " के सवाल बा। इहे संदेश प्रकाशितवाक्य 13:3 में पढ़ल जाई , एह रूप में : ... *अजगर ओकरा के आपन शक्ति , अउर आपन सिंहासन , अउर बहुत अधिकार दिहलस* . अजगर *के कहल जाला* जे प्रकाशितवाक्य 12:9 में शैतान हवें लेकिन एकरा साथे -साथे प्रकाशितवाक्य 12:3 के अनुसार शाही रोम।

इहे ना , ईसाई धर्म में बदल के रोमन अधिकार ओह सच्चा भगवान के अपना लिहले जे ओकरा खातिर परदेसी रहले काहे कि ऊ मूल रूप से अब्राहम के वंशज यहूदी , इब्रानियन के भगवान रहले .

39ख- के बा। *आ जे ओकरा के चिन् हत बा ओकरा के सम्मान दी*

ई सम्मान धार्मिक होला . पोपवाद ओह राजा लोग के लगे ले आवेला जे एकरा के धरती पर भगवान के प्रतिनिधि के रूप में मानेले , अपना अधिकार खातिर ईश्वरीय अधिकार के मुहर। राजा लोग सही मायने में तबे राजा बनेला जब चर्च ओह लोग के अपना कवनो देवता बनल *किला में पवित्र कर दिहले होखे* , फ्रांस में , सेंट -डेनिस आरेम्स में।

39ग- *ऊ ओह लोग के कई गो पर हावी बना दीहें*

पोपवाद शाही उपाधि देला जे अन्य वसीयत राजा सभ पर हावी होखे वाला सार्वभौम राजा के नाँव देला। सबसे मशहूर : शार्लेमेन , चार्ल्स पंचम , नेपोलियन प्रथम ' हिटलर।

39घ- *इनाम के रूप में उ लोग के जमीन बांट दिहे।*

ई लौकिक महाशक्ति अपना दावा के अनुसार पृथ्वी के राजा लोग खातिर बहुत सूट करत रहे। काहे कि एहसे ओह लोग के मतभेद के निपटारा हो गइल , खास कर के जीतल भा खोजल जमीनन का बारे में . एह तरीका से 1494 में पोप सभ में सभसे खराब , पद पर मौजूद हत्यारा अलेक्जेंडर 6 बोर्गिया के स्पेन आ पुर्तगाल के बीच दक्खिन

अमेरिका के इलाका के आवं टन आकब्जा के बँटवारा करे खातिर मेरिडियन लाइन के स्थापना करे के ओर ले जाइल गइल , जेकर खोज प्राचीन काल से भइल रहे।

तृतीय विश्वयुद्ध या एपो .9 के 6वां तुरही ।
ई मानवता के अपना आबादी के एक तिहाई कम कर देला आ राष्ट्रीय आजादी के अंत करत ई सार्वभौमिक शासन के तईयार करेला जवन अपो में घोषित अंतिम महान विपत्ति के स्थापित करी . 1. आक्रामक अभिनेता लोग में मुस्लिम देशन के इस्लाम भी बा , एहसे हम रउआ सभे के एह विषय पर बाइबिल के नजरिया पेश करत बानी।

इस्लाम के भूमिका के बारे में बतावल गईल
इस्लाम के अस्तित्व एहसे बा काहे कि भगवान के एकर जरूरत बा . बचावे खातिर ना , ई भूमिका **विशेष रूप से** ईसा मसीह के ले आइल अनुग्रह पर टिकल बा , बलुक अपना दुश्मनन पर प्रहार , मार , नरसंहार पर टिकल बा। पहिले से ही पुरान वाचा में इस्राएल के बेवफाई के सजा देवे खातिर परमेश्वर "फिलिस्तीनी " लोग के सहारा लेले रहले। नया में ईसाई बेवफाई के सजा देबे खातिर ऊ मुसलमानन के आह् वान करत बाड़न . मुसलमान आअरब के मूल में , इब्राहीम आहाजर के बेटा इस्माइल बाड़ें , जे उनकर मेहरारू सारा के मिस्र के नौकर हवे। आ ओह घरी पहिलहीं से इस्माइल के वैध बेटा इसहाक से विवाद रहे। इ एतना तक कि भगवान के सहमति से सारा के निहोरा प हाजर अवुरी इस्माइल के अब्राहम डेरा से निकाल देले। आभगवान् निष्कासित लोग के देखभाल करत रहले , जेकर वंशज , सौतेला भाई , अब्राहम के वंशज के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैया बनवले राखत रहले : पहिला , यहूदी ; दूसरा , ईसा मसीह में , ईसाई। इहाँ उ शब्द बा जवना में परमेश्वर उत्पत्ति 16:12 में इस्माइल अउर उनकर अरब वंशज के बारे में भविष्यवाणी कइले बाड़न : " *उ जंगली गदहा नियर होई ; उनकर हाथ सबके खिलाफ होई , अउर सबके हाथ उनकरा खिलाफ होई ; अउर उ अपना सब भाई लोग के सामने रहिहे* । " भगवान चीजन पर आपन विचार आनिर्णय के बारे में बतावल चाहत बाड़न। मसीह के चुनल लोग के पर मेश्वर के एह योजना के जानल अउर साझा करे के चाहीं जे धरती के लोग अउर शक्तियन के अपना सर्वोच्च इच्छा के अनुसार इस्तेमाल करेला । इहाँ इहो बतावल जरूरी बा कि इस्लाम के संस्थापक पैगम्बर मुहम्मद के जनम 538 में रोमन कैथोलिक पपिज्म के स्थापना के बाद 6वीं सदी के अंत में भइल रहे।इस्लाम बुतपरस्त कैथोलिक धर्म आआमतौर पर ईसाई लोग पर तब चोट करत लउकल जब ऊ लोग भगवान के अभिशाप से त्रस्त हो गइल। आई हाल 7 मार्च 321 के बाद से बा जब सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम सातवाँ दिन

के सब्त के आराम के छोड़ के "अविजयित सूरज " (Sol Invictvs) के समर्पित पहिला दिन के पक्ष में हो गइलन , जवन हमनी के वर्तमान अतवार ह। आजके कई गो ईसाई लोग के तरह कॉन्स्टेंटाइन भी गलत तरीका से ईसाई अउर यहूदी के बीच एगो ब्रेक के निशान लगावल चाहत रहले। उ अपना समय के मसीही लोग के परमेश्वर के पवित्र सब्त के दिन के सम्मान करके यहूदी बनावे खातिर निंदा कईले। एगो बुतपरस्त राजा के एह अनुचित फैसला के भुगतान भइल रहे आ अंत तक एकर भुगतान प्रकाशितवाक्य 8 अउर 9 में प्रकट भइल " *सात तुरही* " के सजा से दिहल जाई , यानी कि दुर्भाग्य अउर नाटक के निर्बाध उत्तराधिकार। अंतिम सजा एगो भयानक मोहभंग के रूप में आई, जब ईसा मसीह अपना चुनल लोग के धरती से हटावे खातिर प्रकट होईहे। बाकिर जवना विषय पर अभी चर्चा भइल बा , ऊ ह “तीसरा विश्वयुद्ध ” के , खुद एह भविष्यवाणी कइल गइल ईश्वरीय सजायन में से छठवाँ बा जवना में इस्लाम एगो प्रमुख खिलाड़ी बा . काहे कि परमेश्वर इस् माइल के बारे में भी भविष्यवाणी कइले रहले , उत्पत्ति 17:20 में कहले रहले कि : " *रहल बात इस्माइल के त हम तोहके सुनले बानी। देख , हम ओकरा के आशीर्वाद देब अउर ओकरा के बहुत बढ़ा देब ; उ बारह गो राजकुमार पैदा करीहे , अउर हम ओकरा के एगो बड़हन राष्ट्र बना देब* । " दान में पढ़ाई के फेर से शुरू करे खातिर हम एह कोष्ठक के बंद कर देनी। 11:40 बजे के बा।

दान 11:40 *अंत के समय दक्षिण के राजा ओकरा खिलाफ* ***धक्का दिही*** *, आ उत्तर के राजा ओकरा खिलाफ बवंडर निहन , रथ , घुड़सवार अवुरी बहुत जहाज के संगे* ***आई*** *, अवुरी उ देश में आई, अवुरी धार निहन उफन जाई अवुरी उफन जाई।*

40क- *अंत के समय में*

अबकी बेर ई वाकई में मानव इतिहास के अंत बा ; धरती के वर्तमान राष्ट्रन के समय के अंत। यीशु एह बेर के घोषणा कइलन , मत्ती 24:24 में कहलन कि : *राज्य के इ सुसमाचार के प्रचार पूरा दुनिया में सब राष्ट्र के गवाह के रूप में होई। तब अंत आजाई।*

40ख- *दक्षिण के राजा ओकरा पर* ***हमला करी***

इहाँ हमनी के ओह अपार दिव्य सूक्ष्मता के तारीफ करे के पड़ी जवना से उनुका सेवकन के ई समझे के मौका मिलेला कि का दोसरा इंसानन से छिपल बा . ऊपर से देखल जाव त बाकिर ऊपर से देखल जाव त सेलुसी आ लगिड राजा लोग के बीच के टकराव एह श्लोक में फेर से शुरू होत आजारी लउकत बा जवन एहसे बेसी भ्रामक ना हो सके . काहे कि वास्तविकता में हमनी के एह संदर्भ के पद 34 से 36 में छोड़ देले बानी जा आ एह नया मुठभेड़ के अंत के समय पोप के कैथोलिक शासन आ

सार्वभौमिक प्रोटेस्टेंट धर्म के ईसाई युग से संबंधित बा , जवन अपना विश्वव्यापी गठबंधन में प्रवेश कइले रहे। संदर्भ के ई बदलाव हमनी के भूमिका के फेर से बाँटे खातिर बाध्य कर देला .

ओकरा " के भूमिका में : पोप कैथोलिक यू रोप आओकर सहयोगी ईसाई धर्म।

दक्षिण के राजा " के भूमिका में : इस्लाम के जीतल , जवना के जबरन इंसान के बदले के पड़ी भा गुलाम बनावे के पड़ी , एकर संस्थापक मुहम्मद के काम के मुताबिक।

इहाँ क्रिया के चुनाव पर ध्यान दिहल जाव : *प्रहार कइल* ; हिब्रू में "नगाह " के मतल ब होला अपना सींग से मारल। विशेषण के रूप में ई एगो उग्र आक्रमणकारी के नामित करेला जे आदतन प्रहार करेला। ई क्रिया अरब इस्लाम के एकदम अनुकूल बा जवन दूसरा विश्वयुद्ध के अंत के बाद से पश्चिमी दुनिया के खिलाफ बिना कवनो रुकावट के आक्रामक रहल बा। संभावित क्रिया " *संघर्ष कइल, लड़ाई कइल, प्रहार कइल* " बहुत नजदीकी के संकेत देला , एही से शहर आगली सभ के राष्ट्रीय पड़ोस भा पड़ोस के बिचार बा। दुनो संभावना इस्लाम के पुष्टि करेले , जवन यूरोपीय लोग के धार्मिक बेरुचि के चलते यूरोप में बढ़िया से स्थापित बा। 1948 में यहूदी लोग के फिलिस्तीन वापसी के बाद से संघर्ष अउरी तेज हो गईल बा |फिलिस्तीनी लोग के भाग्य मुस्लिम लोग के पश्चिमी ईसाई उपनिवेशवादियन के खिलाफ खड़ा कर देले बा | आ 2021 में इस्लामिक आक्रामकता बढ़ रहल बा आ यूरोपीय लोग के बीच असुरक्षा पैदा कर रहल बा , सबसे पहिले आ सबसे खास फ् रांस , उत्तरी अफ्रीकी आ अफिरकी लोग के उपनिवेशक रहल। का एहसे बड़हन राष्ट्रीय झड़प होखी ? शायद , लेकिन आंतरिक स्थिति एतनी बिगड़ जाए से पहिले ना कि खुद महानगर के धरती प समूह के बीच क्रूर टक्कर पैदा हो जाए। फ्रांस ओह दिन गृहयुद्ध के स्थिति में होई ; वास्तविकता में , एगो वास्तविक धार्मिक युद्ध के : ईसाई धर्म भा ईश्वरहीन अविश्वासी लोग के खिलाफ इस्लाम।

40ग- *आ उत्तर के राजा* ***बवंडर नियर*** *ओकरा खिलाफ* ***आ जइहें*** *, रथ आधुड़सवार आकई गो जहाज लेके* इज .

उत्तर के राजा " के भूमिका में , रूढ़िवादी रूस आ*ओकर मुस्लिम सहयोगी लोग* । इहाँ फेरु " क्रिया के चुनाव *पर घुमड़त रही him* " हवा से अचानक भारी अचानक हमला के सुझाव देत बा। रूस के राजधानी मास्को वाकई में यूरोपीय राजधानी ब्रसेल्स अवुरी ओकर सैन्य भाला के सिर पेरिस से बढ़िया दूरी प बा। यूरोपीय समृद्धि ओकरा नेता के आन्हर क देले बा , एतना कि

शक्तिशाली रूस के सैन्य क्षमता के कम आंकल गईल बा। इ जमीनी रास्ता अवुरी नौसैनिक के भीड़ प अपना आक्रामक विमान अवुरी हजारों टैंक में लॉन्च करी आ पनडुब्बी युद्धपोत आ ई सुनिश्चित करे खातिर कि सजा के जबरन व्यक्त कइल जाव , ई यूरोपीय नेता रूस आ ओकरा नेता लोग के अपमानित कइल नइखे छोड़ले , उग्र व्लादिमीर जिरिनोव्स्की से ले के ओकर वर्तमान नया "जार ", व्लादिमीर पुतिन (रूसी में व्लादिमीर : दुनिया के राजकुमार)।

अभिनेता लोग के पहचान हो रहल बा , संबंधित तीनों "राजा " एक दूसरा के सामना करीहें जवन 7वां " सीरियाई युद्ध " के रूप ले लेला जवना में नया राष्ट्रीय इजरायल शामिल होई ; जवना के पुष्टि निम्नलिखित श्लोक करी। बाकिर फिलहाल रूस के हमला कइल "राजा " (*ओकरा पर*) रोम संधि के यूरोप ह.

40d- *ई अंदरूनी हिस्सा में आगे बढ़ी , धार नियर फइल जाई आउफन जाई।* एकर भारी सैन्य श्रेष्ठता के चलते रूस यूरोप प हमला क के ओकर पूरा इलाका प कब्जा क सकता। एकर सामना करत फ्रांसीसी सैनिकन के कवनो मुकाबला नइखे ; उ लोग के कुचल के नष्ट कर दिहल जाला।

दान 11:41 *उ महिमामंडित देश में जाई , अउर बहुत लोग के उखाड़ फेंकल जाई , लेकिन एदोम , मोआब आ अम्मोन के सरदार लोग के ओकरा हाथ से बचावल जाई।*

41क- *ऊ सबसे सुन्दर देशन में प्रवेश करी , आबहुत लोग गिर जाई*

रूसी बिस्तार एकरे दक्खिन के ओर हो रहल बा जहाँ इजराइल स्थित बा , पच्छिमी देस सभ के सहयोगी हवे जे बदले में रूसी सैनिकन द्वारा आक्रमण कइल जाला ; यहूदी लोग अबहियों मर जइहें .

41ख- *लेकिन एदोम , मोआब आ अम्मोन के सरदारन के ओकरा हाथ से मुक्त कर दिहल जाई*

ई सैन्य गठबंधन के नतीजा ह जवन आधुनिक जॉर्डन के प्रतिनिधित्व करे वाला एह नामन के रूसी पक्ष में राखी . 2021 में रूस पहिलहीं से सीरिया के आधिकारिक सहयोगी देश बा जवना के ऊ हथियारबंद आ रक्षा करेला .

दान 11:42 *उ देशन के खिलाफ आपन हाथ बढ़ाई , अउर मिस्र के देश ना बच पाई।*

42क- 1979 से ही ई राजनी तिक विन्यास भविष्यवाणी के पुष्टि कइले बा। ओह साल खातिर अमेरिका के कैंप डेविड में मिस्र के राष्ट्रपति अनवर सादात आधिकारिक तौर पर इजरायल के प्रधानमंत्री मेनाचेम बेगिन से गठबंधन कइले रहले . ओह घरी जवन रणनीतिक अउरी राजनीतिक चुनाव कईल गईल रहे उ रहे कि समय के सब से मजबूत के मुद्दा के समर्थन कईल जाव काहे कि इजरायल के अमेरिका के तरफ से सशक्त समर्थन रहे | एही

अर्थ में भगवान के आत्मा एकरा के बर्बादी आआपदा से *" बचे " के कोशिश के पहल के जिम्मेदार ठहरावेला।* बाकिर समय का साथे ई खेल हाथ बदलत जाला आइजरायल आ मिस्र अपना के , 2021 से , अमेरिका का तरफ से लगभग छोड़ल पावेलें . सीरिया के इलाका में रूस आपन कानून थोपेला .

दान 11:43 *सोना चाँदी के खजाना आमिस्र के सब कीमती चीजन पर ओकर अधिकार होई , आ लीबियाई आ इथियोपियाई लोग ओकरा पीछे चल जाई।*

43क- *सोना चांदी के खजाना आमिस्र के सब कीमती ची जन पर ऊ अपना कब्जा जमा लीहें*

स्वेज नहर के इस्तेमाल खातिर दिहल गइल टोल से मिले वाला राजस्व के बदौलत मिस्र बेहद धनी हो गइल बा . बाकिर ई धन खाली शांति के समय में कीमती होला , काहे कि युद्ध के समय व्यापार के रास्ता सुनसान हो जाला। पर्यटन के माध्यम से मिस्र अमीर भइल बा। धरती के चार कोना से लोग एकर पिरामिड के तारीफ करे आवेला , एकर संग्रहालय प्राचीन काल से जमीन के नीचे छिपल मिस्र के कब्र के लगातार खोज से समृद्ध बा। एह कब्र सभ में युवा राजा तुतनखामुन के कब्र में अनिर्दिष्ट मूल्य के ठोस सोना के चीज सभ के पता चलल बा। एहसे रूस के मिस्र में अतना मिल जाई कि ऊ युद्ध के लूट के लालसा पूरा कर सके .

22 जनवरी , 2022 के सब्त के अंत में , आत्मा हमरा खातिर एगो तर्क ले आइल जवन **बिना कवनो संभावित विवाद के पुष्टि करेला , उ व्याख्या जवन हम दानियल 11 के देत बानी।हमनी के दुनो पद 42 अउर 43 में नोट कईल जाव ,** *" मिस्र "* नाम के स्पष्ट , बिना कोडित उल्लेख के महत्व जवन एह संदर्भ में ओह देश से अलग बा जवना के नाम *" दक्षिण के राजा "* रखल गईल बा। हा लाँकि , पद 5 से 32 में टोलेमी लोग के *लगिद "मिस्र " के नकाबपोश कइल गइल रहे बाकी " दक्षिण के राजा "* के रूप में पहचानल गइल। **ऐतिहासिक संदर्भ के बदलाव के एह तरह से पुष्टि आ निर्विवाद रूप से साबित होला** . प्राचीन काल के संदर्भ से शुरू होके , डेनियल 11 के कहानी दुनि या के *" अंत के समय " से खतम होला , जवना में " मिस्र "*, 1979 से पश्चिमी ईसाई आ अज्ञेयवादी शिविर के साथ गठजोड़ कइले बा , नया *" दक्षिण के राजा "*, यानी कि योद्धा इस्लाम , आ खासकर के नया *" उत्तर के राजा "*, रूसी रूढ़िवादिता के निशाना बा।

43ख- *लीबियाई आइथियोपियाई लोग ओकरा पीछे चल जाई*

" पुथ आ कुश " शब्दन के सही अनुवाद कइले बाड़न , जवन "लीबिया " खातिर सहारा के उत्तर में स्थित मुस्लिम देशन के नामित करेला , अफ्रीकी तट के तटीय देशन के , आ इथियोपिया खातिर करिया अफ्रीका खातिर , सहारा के दक्खिन में स्थित सभ देशन के। इनहन में से

बहुत सारा लोग इस्लाम के भी स्वीकार कइले बा आअपना चुकल बा ; आइवरी कोस्ट के मामला में फ्रांस के राष्ट्रपति निकोलस सरकोजी के सहभागिता में , जेकरा के हमनी के लीबिया के अराजकता के भी ऋणी बानी जा |

एह तरह से रूस के प्रहार से " *मिस्र* " सभ शि कारी के शिकार हो जाला आमुस्लिम गिद्ध , ओकर भाई , ओकरा पर घुस जाला , ओकर लाश के साफ करे खातिर आ रूसी लूट के बाद जवन लूट के हिस्सा अबहीं बाचल बा ओकरा में से आपन हिस्सा ले लेला।

लीबिया आइथियोपिया " के साफ हवाला देके आत्मा " *दक्षिण के राजा* " के अफ्रीकी धार्मिक सहयोगी देशन के ओर इशारा कर रहल बा , जवना के पहचान अरब से होखे के चाहीं , जहाँ पैगम्बर मुहम्मद 632 में मक्का से आपन नया धर्म के प्रसार करे खातिर प्रकट भइले , जवना के इस्लाम कहल जाला। उनकर समर्थन ताकतवर तुर्की करत बा जवन एह अंतिम संदर्भ में कट्टरपंथी , विजयी आ बदला लेबे वाला मुस्लिम धार्मिक प्रतिबद्धता में लवट आइल बा , पश्चिमी धर्मनिरपेक्ष मूल्यन का सोझा अपना क्षणिक अधीनता के अपमानित कइला का बाद . बाकिर " *दक्षिण* " में ना मौजूद अउरी मुस्लिम देश जइसे कि ईरान , पाकिस्तान , इंडोनेशिया " *दक्षिण के रा जा* " के साथे मिल के पश्चिमी लोग से लड़ सकेलें जिनकर नैतिक मूल्यन से सगरी मुस्लिम लोग नफरत करेला . ई नफरत साँच में खाली सच्चा भगवान ईसा मसीह के ह, जेकरा के पश्चिमी ईसाई लोग तिरस्कार करेला। एह तरीका से ऊ इस्लाम आ रूढ़िवादिता के माध्यम से पच्छिमी दुनिया के यहू दी , कैथोलिक , रूढ़िवादी , प्रोटेस्टेंट आइहाँ तक कि एडवेंटिस्ट बेवफाई के सजा देला ; सब एकेश्वरवादी आस्था ओकरा प्रति दोषी।

दान 11:44 *आपूरब आउत्तर के खबर ओकरा के परेशान करी आ ऊ बहुते रोष से बहुते लोग के नाश करे आपूरा तरह से नाश करे खातिर निकल जाई .*

44क- *पू रब आउत्तर से खबर ओकरा के डेरावे खातिर आई*

ई दुनो कार्डिनल बिंदु " *पूरब* आ *उत्तर* " खाली रूसी देश से संबंधित बा , ई एह बात पर निर्भर करेला कि एकर जिक्र पोप यूरोप से भइल बा कि इजरायल से , काहे कि भविष्यवाणी में पद 40 आ41 में एह लोग के रूस के ओर से लगातार हमला होखे के रूप में नामित कइल गइल बा एकर मतलब ई बा कि जवन डर के हवाला दिहल गइल बा ऊ रूसी इलाका से आइल बा , बाकिर अइसन विजेता के का डेरा सकेला ? उनका देश के का भइल जवन उनका के एतना डेरावे ? एकर जवाब दानियल के किताब में नइखे , बल्कि प्रकाशितवाक्य 9 में बा , जवन प्रोटे स्टेंट धर्म के उजागर करेला अउर निशाना बनावेला जेकर विश्व गढ़ अमेरिका में बा। अमेरिका के एह अस्तित्व के ध्यान में राखत रहस्य साफ हो जाई . साल 1917 से जब विद्रोही

रूस आपन समाजवादी अउरी साम्यवादी शासन अपनावलस तब से एगो अंतर ओकरा के साम्राज्यवादी पूंजीवादी अमे रिका से स्थायी रूप से अलग कर देले बा | व्यक्ति अगर साम्यवादी होखे त अपना पड़ोसी के कीमत पर अपना के अमीर ना कर सके ; एही से दुनो विकल्प के बीच बेमेल बा। शांति के राख के नीचे नफरत के आग धधकत बा आ बस इजहार के इंतजार करत बा . खाली प्रतिस्पर्धा आ परमाणु खतरा सबसे खराब के रोके में कामयाब रहल बा . इहे परमाणु आतंक के संतुलन रहे | हालांकि परमाणु हथियार के इस्तेमाल कइले बिना रूस यूरोप , इजरायल आ मिस्र पर कब्जा कर ली . संतुलन टूटला का बाद अमेरिका अपना के धोखा आखतरा महसूस करी एहसे ओह लोग के मौत के संख्या कम करे खातिर ऊ लोग प हिले जोरदार प्रहार करत युद्ध में उतर जाई . रूस के परमाणु विनाश से कब्जा वाला इलाकन में बिखराइल रूसी सेना में आतंक पैदा हो जाई .

44ख- *आ ऊ बहुते क्रोध से भीड़ के नाश आ सफाया करे खातिर निकल जाई।*

तब तक रूस विजय आलूटपाट के मूड में रही बाकिर अचानक ओकर मिजाज बदल जाई , रूसी सेना के लगे अब लवटे खातिर वतन ना रही आओकर निराशा " *नष्ट करे आ.. भीड़ के सफाया "; जवन कि अपो के 6वां तुरही के " मारल गईल आदमी के तीसरा* " होई । [9] एह तरह से परमाणु हथियार से लैस सभ राष्ट्र के तथ्य के चलते मजबूर कईल जाई कि उ लोग अपना संभावित निजी दुश्मन के खिलाफ एकर इस्तेमाल करस।

दान 11:45 *उ अपना महल के तम्बू के समुंदर के बीच में , महिमामंडित पवित्र पहाड़ में खड़ा करीहे अवुरी उ अपना अंत तक पहुंच जाई अवुरी केहु उनुकर मदद ना करी।*

45क- *ऊ अपना महल के डेरा समुन्दर के बीच , गौरवशाली आ पवित्र पहाड़ के ओर खड़ा करी*

समुंदर के बीच में डेरा , काहे कि एकर *महल* अब धरती पर नइखे। रूसी सैनिकन के हताश स्थिति के साफ - साफ वर्णन ऊ आत्मा कइले बा जवन ओह लोग के एह भाग्य के निंदा कइले रहे . अपना विरोधियन के आग के नीचे उ लोग के वापस इस्राएल के देश में धकेल दिहल जाला। सभका से नफरत एह लोग के कवनो समर्थन भा दया ना मिलेला आ यहूदी भूमि में सफाया हो जाला . एह तरह से रूस एगो भारी कीमत चुकावे वाला बा जवन भगवान ओकरा पर लगावत बाड़न काहे कि ऊ पुरान गठबंधन में इजरायल के आध्यात्मिक दुश्मनन के समर्थन कइले रहुवे , जब ओकरा के बेबिलोन निर्वासित कइल गइल रहे . ई बुतपरस्त कामवासना के शहर सोर के लोग के घोड़ा बेचत रहे। इजकि .27:13-14 पुष्टि करेला , परमेश्वर सोर से कहत हउवें : *जावन , तुबल* (टोबोल्स्क) *अउर मेशेक*

(मास्को) *तोहरा साथे व्यापार कइले ; तोहार माल के बदला में* ***उ लोग गुलाम अवुरी कांसा के बर्तन देले ।*** ***तोगरमाह*** (आर्मेनिया) *के घर के लोग राउर बाजारन में घोड़ा , सवार आ खच्चर के आपूर्ति करत रहे।* इ यहूदी लोग खातिर भी एगो व्यावसायिक ठोकर रहे जे एकरा से भी व्यापार करत रहे : इजकि . 27:17: *यहूदा आइस्राएल के देश तोहनी से व्यापार कइलस; ऊ लोग मिनिथ के गेहूं , पेस्ट्री , शहद, तेल आ बाम के आदान -प्रदान कइल, रउरा माल के बदले में* . त सोर ओह लोग के खरचा पर अमीर हो गइल . आगे , इजकि . 28:12, " *सोर के राजा* " उपाधि के तहत , परमेश्वर सीधे शैतान से बात करेलन। हमनी के समझ में आवत बा कि ऊहे बड़हन बुतपरस्त शहरन में जमा विलासिता आधन से फायदा उठवले जवन कई गो बुतपरस्त देवता लोग के भेस में उनकर से वा कइलस , बल्कि अनजाने में , लेकिन हमेशा आहर जगह पूजा के रूप में जवना के भगवान घृणित मानत बाड़े। ऊ अपना दिल पर एगो कुंठा के वजन जमा करेला जवन , ऊहो , मानव इतिहास के सदियन आ सहस्राब्दीन में जमा भइल बा . ई कुंठा उनुका गुस्सा के जायज ठहरावेले जवन आंशिक रूप से एह आखिरी भयानक विनाशकारी अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष के रूप में निकलल बा .

बाकिर प्राचीन युग के व्यापारिक यातायात के खिलाफ ई दिव्य क्रोध हमनी के ई समझे के नेवता देत बा कि पूरा तरह से बाजार अर्थव्यवस्था पर बनल अंतर्राष्ट्रीय संदर्भ में समकालीन अंतर्राष्ट्रीय याताया त के बारे में भगवान का सोच सकेलें . हमरा लागत बा कि 11 सितंबर 2001 के न्यूयार्क में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के टावरन के तबाह भइल एकर जवाब बा . एकरा से भी ज्यादा जबसे , प्रकाशितवाक्य 18 में , भविष्यवाणी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अउर वाणिज्य के कारण समृद्धि के हानिकारक भूमिका के रेखांकित करेला , जवना से पहिले कवनो भी नियम या ईश्वरीय धार्मिक कानून के पतन हो जाला , एतना बड़ अधर्म बा।

दान के अंत में बा। 11, अमेरिका के वंशानुगत विरोधी रूस के नष्ट कर दिहल जाला . एहसे ओह लोग के अंतर्राष्ट्रीय संघर्ष से बचे वाला सगरी लोग पर पूर्ण सत्ता मिल जाई . हारिक बा कि हारल लोग के ! ओह लोग के प्रणाम करे के पड़ी आधरती पर जहाँ भी होखे , जिए से विजेता के नियम के अधीन होखे के चाहीं।

दानियल 12 के बा

दान 12:1 *ओह समय माइकल , ऊ महान राजकुमार , जे तोहार लोग के संतान खातिर खड़ा होके खड़ा हो जइहें , अउर एगो अइसन संकट के समय आई जवन कबो कवनो राष्ट्र के रहला*

के बाद से भी ना भइल रहे , आ ओह समय तोहार लोग के मुक्ति मिल जाई , जे भी किताब में लिखल मिल जाई।

1क- *ओह घरी माइकल खड़ा हो जइहें ,*

ई समय दुनिया के अंत के ह जहाँ अंतिम वचन के साथ , ईसा मसीह अपना ईश्वरीयता के महिमा आशक्ति में वापस आ जालें जवना के मुकाबला बहुत दिन से प्रतिस्पर्धी धर्मन से कइल गइल रहे। हमनी के प्रकाशितवाक्य 1:7 में पढ़ब जा : *देखऽ , उ बादल के साथे आवेलन। आ हर आँख ओकरा के देखत होई , उहो जे ओकरा के छेदले बा। आ धरती के सब गोत्र ओकरा खातिर विलाप करीहें। हँ। आमीन बा !* हमनी के एह विचार के आदत डालल जरूरी बा , काहे कि उनकर हर भूमिका खातिर , परमेश्वर अपना के एगो अलग नाम दिहले बाड़न , जवना के वजह से दानियल अउर प्रकाशितवाक्य 12:7 में उ अपना के ***माइकल के रूप में पेश करेलन*** , स्वर्गदूत के आकाशीय जीवन के सर्वोच्च सिर जवन उनका के शैतान अउर राक्षसन पर अधिकार देला। उनकर नाम , ईसा मसीह खाली धरती के चुनल लोग खातिर एकर प्रतिनिधित्व करेला जेकरा के उ एह नाम से बचावे खातिर आइल रहले।

1ख- *महान मुखिया , 1999 के बा।*

ई *महान नेता* YaHWéH माइकल जीसस क्राइस्ट हवें आ उनुके से ही अपना विशेषता बेशर्मी में पोप के शासन अपना फायदा खातिर , 1843 तक ले ***शाश्वत आकाशीय मध्यस्थ के उनकर मिशन ले लिहलस*** , ई साल 538 से , पोप शासन के शु रुआत के तारीख आ रोम शहर में एकर स्थापना के तारीख , माउंट कैलियन पर लैटरन पैलेस में। एह विषय के इलाज दानियल 8 में कइल गइल बा।

1ग- *तोहरा लोग के लइकन के रक्षक ;*

जब हमला होला त कवनो *डिफेंडर हस्तक्षेप करेला।* आइहे हाल ओह चुनल लोग के पार्थिव जीवन के आखिरी घंटन में होई जे वफादार रहल , तबहूँ जब आखिरी विद्रोहियन के मौत के सजा सुनावल गइल होखे। इहाँ हमनी के डेनियल के कहानी में प्रस्तावित सभ मॉडल मिल सकेला काहे कि उ अंतिम दुखद स्थिति में पूरा हो गईल बा। एह आखिरी ***महान आपदा में*** , हमनी के दान .3 में बतावल गइल चमत्कारी हस्त क्षेप के दोबारा जीएब जा , *भट्ठी* आ ओकर चार गो जीवित पात्रन के , दान .5 में , भगवान के द्वारा *महान बाबुल पर कब्जा कइल, दान .6 में , शेर के हानिरहित बना दिहल गइल बाकिर ओह* ***महान विपत्ति*** के अंत भी जवन पूर्वरूपित कइल गइल रहे जवन - 168 में , किस्लेव के 15 तारीख के , कि ... होला , 18 दिसंबर के , सब्त के दिन।

1d- *आ एगो मुसीबत के समय होई , जवन कि जब से कवनो राष्ट्र बनल बा तब से ओही समय तक नइखे भइल।*

एह कथन से अंदाजा लगावल जा सकेला कि आखिरी बड़हन विपत्ति यूनानी लोग के ओर से आयोजित यहूदी

लोग के विपत्ति से आगे निकल जाई . दरअसल , यूना नी लोग खाली ओह यहूदी लोग के मारत रहे जवन उ लोग सड़क पर भा अपना घर में मिलल रहे। दुनिया के अंत में चीज बहुत अलग बा आ आधुनिक तकनीक धरती पर रहे वाला लोग पर पूरा नियंत्रण के अनुमति देले। मानव पता लगावे के तकनीक के माध्यम से केहू भी कहीं भी , जवना जगह प लुकाईल हो खे , मिल सकता। एहसे फरमान जारी अध्यादेश के विरोध करे वाला लोग के सूची ठीक से स्थापित कईल जा सकता। एह अंतिम संदर्भ में चुनल लोग के उन्मूलन मानवीय तरीका से संभव हो जाई। हालांकि अपना मुक्ति में विश्वास अउर आशा से भरल बा , लेकिन चुनल लोग दर्दनाक घंटो से गुजरत हो ई ; जे अभी भी आजाद बा , सबकुछ से वंचित बा , ओकरा खातिर बाकी लोग विद्रोही जेल में फांसी के इंतजार में होई। चुनल लोग के दिल में संकट राज करी , ना मारल गईल त दुर्व्यवहार होई।

1st- *ओह घरी राउर लोग के जे किताब में लिखल मिल जाई , उ लोग के उद्धार हो जाई।*

इ जीवन के किताब ह , काहे कि बिना कंप्यूटर के भगवान भी ओह सब प्राणी के सूची बनवले रहले जवन कि आदम अवुरी हव्वा अवुरी उनुकर वंशज पैदा कईले रहले। हर व्यक्ति के जीवन के अंत में , अंतिम भाग्य के फैसला भगवान कइले रहले जे दू गो सूची रखले रहले : चुनल लोग के आगिरल लोग के , व्यव स्था में मानवता के सामने प्रस्तुत दुनो रास्ता के अनुसार। 30:19-20: *हम आजतोहनी के खिलाफ गवाही देवे खातिर आकाश अउर धरती के बोलावत बानी कि हम तोहनी के सामने जीवन अउर मौत , आशीष अउर अभिशाप रखले बानी। जीवन चुनीं , ताकि तू आ तोहार वंशज जिए। अपना परमेश्वर प्रभु से प्रेम करे के , उनकर आवाज माने के , अउर उनकरा से चिपकल रहे खातिर : काहे कि एही में राउर जीवन आ राउर दिन के लंबा होखे के निर्भर बा ... ई बुराई* खातिर ओकर पसंद के अनुसार बा कि रोमन पोप के अंतिम भाग्य , *जवन आग में जरावल गइल रहे* , हमनी के सामने दान .7:9-10 में प्रकट भइल बा ; एकर *कारण बा* दान .11:36 के अनुसार *देवता लोग के परमेश्वर* के प्रति एकर अहंकारी शब्द।

प्रकाशितवाक्य 20:5 में , मसीह के वापसी के साथ मसीह में मुअल लोग के पुनरुत्थान भी होला जवना के *पहिला पुनरुत्थान कहल जाला* : धन्य अउर पवित्र उ ह जे ***पहिला पुनरुत्थान*** *में हिस्सा बा , काहेकि उनकरा पर दूसरा मौत के कवनो शक्ति नइखे* ।

दान 12:2 *धरती के धूल में सुतल लोग में से बहुत लोग जाग जइहें , कुछ अनन्त जीवन खातिर , कुछ लोग शर्म आ अनन्त तिरस्कार खातिर।*

2क- ***धरती के धूरा*** *में सुतल लोग में से बहुत लोग जाग जाई , कुछ लोग अनन्त जीवन खातिर ,*

सबसे पहिले हमनी के ध्यान दीं कि आमसामान्यता में *मुअल लोग* ***धरती के धूल*** *में* बढ़िया से सुतेला ना कि कवनो अद्भुत स्वर्ग भा जरत नरक में जइसन कि झूठा ईसाई भा बुतपरस्त धर्म सिखावेला आ मानेला। इ स्पष्टीकरण मुअल लोग के असली स्थिति के बहाल करेला जइसन कि उपदेशक 9:5-6-10 में सिखावल गइल बा : *जे भी जियत बा ओकरा खातिर आशा बा ; आजिंदा कुकुर भी मरल शेर से बढ़िया होला। काहे कि जिंदा लोग जानत बा कि ऊ मर जइहें ; बाकिर मुअल लोग कुछ ना जानत बा आ अब ओह लोग के कवनो इनाम नइखे रहि गइल काहे कि ओह लोग के याददाश्त भुला गइल बा . आ उनकर प्रेम , नफरत आ ईर्ष्या पहिलहीं नाश हो गइल बा ; आ सूरज के नीचे होखे वाला कवनो काम में ओह लोग के अब कवनो हिस्सा ना रही . ... जवन काम तोहरा हाथ के मिले , ओकरा के अपना ताकत से करीं ; काहे कि जहाँ तू जात बाड़ , ओहिजा कवनो काम नइखे , ना षड्यंत्र , ना ज्ञान , नी बुद्धि।* (*शेओल* जवन ***धरती के धूल ह***).

मरला के बाद कवनो विचार ना होला काहे कि आदमी के दिमाग में विचार रहेला , तबे , जब ऊ अबहीं जिन्दा होखे आ ओकरा दिल के धड़कन से भेजल खून से पोषित होखे . आ एह खून के खुदे फुफ्फुसीय श्वसन से शुद्ध करे के पड़ेला . परमेश्वर कबो अउरी कुछ ना कहले , काहे कि उ आदम से कहले र हले जे आज्ञा ना माने के चलते पापी बन गईल रहले , उत्पत्ति 3:19 में : *तू अपना चेहरा के पसीना में रोटी खईब , जब तक कि तू जमीन में ना लवटब , जहवा से तू के ले जाइल गईल रहे ;* ***काहे कि तू धूल ह उअ आधूल में लवटबऽ*** . मुअल लोग के शून्यता के एह स्थिति के पुष्टि करे खातिर हम नी के भजन संहिता में पढ़ेनी जा। 30:9: *तोहरा के का फायदा बा कि तू हमार खून बहवले बाड़ , कि हमरा के गड्ढा में उतार दिहनी ? का धूल तोहार तारीफ करेला ? का ई राउर वफादारी के घोषणा करेला ?* ना , काहे कि भजन संहिता 115:17 के अनुसार ई ना हो सकेला : *मरल लोग प्रभु के स्तुति ना करेला , ना ही केहू जे चुप्पी में उतरेला।* बाकिर एहसे भगवान के ओह जीवन के फेर से जिंदा करे से नइखे रोकत जवन पहिले से मौजूद बा आईहे सृजनात्मक शक्ति उनुका के भगवान बनावेले ना कि स्वर्गदूत भा आदमी .

दुनो रास्ता के दू गो अंतिम परिणाम बा अउर प्रकाशितवाक्य 20 हमनी के सिखावेला कि सातवीं सहस्राब्दी के *हजार साल से अलग बा। जबकि एह हजार साल* के शुरुआत में धरती के सतह से सब मानव जीवन गायब हो जाला , पतित लोग के तब तक जिंदा ना कईल जाई जब तक कि संत लोग अउर यीशु मसीह द्वारा उनकर स्वर्गीय राज्य में उनकर न्याय के अंजाम ना दिहल जाई। *7वीं तुरही* से जुड़ल एह संदेश से , प्रकाशितवाक्य 11:18 पुष्टि करत बा , कहत बा : *राष्ट्रन के गुस्सा आगइल बा ,*

आतोहार क्रोध आगइल बा , ***आमुअल लोग के न्याय करे के समय आगइल बा*** , *रउआ सेवकन के इनाम देवे खातिर , जवन भविष्यवक्ता लोग , संत लोग के , अउर जे लोग राउर नाम से डेरात बा , छोट -बड़* , ***आधरती के नाश करे वाला लोग के नाश करे खातिर*** . एह श्लोक में , *मुअल लोग के न्याय* परमेश्वर के जिंदा करे खातिर ले जाला , सबसे पहिले , उनकर विश्वासी मुअल चुनल गइल ताकि उ लोग मौत के स्थिति में रखल दुष्टन के न्याय कर सके।

2ख- *आबाकी लोग लाज खातिर , अनन्त लाज खातिर।*

अनंत काल खाली जिंदा लोग के ही होई। अंतिम न्याय में उनकर अंतिम विनाश के बाद , पतित लोग के *शर्म* अउर *निंदा* खाली चुनल लोग , स्वर्गदूतन अउर परमेश्वर के शाश्वत स्मृति में ही रही।

दान 12:3 *बुद्धिमान लोग आकाश के चमक निहन चमकत होई , अवुरी जे बहुत लोग के धार्मिकता के ओर मोड़ देवेला , उ लोग हमेशा खाती तारा निहन चमकत होईहे।*

3क- *जे बुद्धिमान रहल बा ऊ गगन के तेज नियर चमकिहें*

बुद्धि आदमी के जानवर से ऊपर उठावेले। एकर खुलासा उनकर तर्क करे के क्षमता से होला , तथ्य के देखला से भा साधारण कटौती से निष्कर्ष निकाले के क्षमता से होला। अगर मनुष्य भगवान के दिहल आजादी में विद्रोही ना रहित त बुद्धि पूरा मानवता के भगवान के अस्तित्व आ उनकर निय म के एके जइसन मान्यता के ओर ले जाइत। काहे कि मूसा के बाद से परमेश्वर आदमी के सामने आपन प्रकटीकरण के सबसे महत्वपूर्ण घटना के लिखित में दर्ज कइले बाड़न। इहाँ तर्क के रास्ता बा जवना के पालन करे के बा। एकेश्वरवादी आस्था हिब्रू लोग के इतिहास में आइल। एह से एकर गवाही आ एकर लेखन के प्राथमिकता एही अनोखा भगवान के जिम्मेदार ठहरावल गइल बाकी सभ शास्त्रन से अधिका बा। भगवान के लोग से लड़ल एगो सामान्य संभावना बनल बा , लेकिन पवित्र शास्त्र से लड़ल एगो शैतानी काम बन जाला। ईसा मसीह द्वारा स्थापित विश्वास आपन स्रोत अउर संदर्भ पुरान वाचा के हिब्रू शास्त्र से लेला , जवन एकरा के वैधता देला। बाकिर रोमन कैथोलिक सिद्धांत एह सिद्धांत के सम्मान नइखे करत जवना चलते ना त ऊ आना इस्लाम के कुरान अपना के जिंदा भगवान होखे के दावा कर सकेला , जवन कुछ जिंदा आ मौजूद बा ओकर रचनाकार . यीशु यूहन्ना 4:22 में इ याद करके सिद्धांत के पुष्टि कइलन कि *उद्धार यहूदी लोग से मिलेला : रउवां उहे पूजा करेनी जवन रउवां नइखी जानत ; हमनी के जवन जानत बानी जा ओकर पूजा करेनी जा , काहे कि उद्धार यहूदी लोग से मिलेला* ।

चुनल लोग के एह पहिला समूह में , परमेश्वर आदम अउर हव्वा के बाद से उनकर जान के जोखिम में डाल के देखावल गइल निष्ठा के कारण बिना विशेष जानकारी के उद्धार पावे वाला आदमी के नामित करेलन ; आई 1843 तक ले भइल बा काहे कि ओह लोग के काम ओह लोग के बुद्धि आओह लोग के आज्ञा कारिता से प्रकट ईश्वरीय नियमन के स्वीकार करे के गवाही देले बा . एह समूह में सबसे वफादार आ**शांतिप्रिय प्रोटेस्टेंट लोग के** 1843 के बसंत तक भगवान के धैर्य से फायदा भइल जे खाली अपना पवित्र सब्त के अभ्यास के एह तारीख से जरूरी बना दिहलस। प्रकाशितवाक्य 2:24-25 एह अपवाद के पुष्टि करी : *तोहनी से , जेतना लोग थ्यातिरा में बा , **जेकरा लगे इ सिद्धांत नइखे , अउर जे शैतान के गहराई के** नइखी जानत , जइसन कि उ लोग ओकरा के कहत हउवें , हम तोहनी से कहत बानी कि **हम तोहनी पर कवनो दोसर बोझ ना डालत बानी ; खाली** जवन रउरा लगे बा , तबले ओकरा के पकड़ के राखीं जबले हम ना आजाईं .*

3ख- *आजे भीड़ के धर्म सिखवले बा , ऊ तारा निहन चमकत रही , हमेशा खातिर।*

ई दूसरा समूह अलगा कइल गइल बा काहे कि ई 1843 से धरती पर पवित्रीकरण के उच्च स्तर के प्रतिनिधित्व करत बा।विश्वास के परीक्षा के माध्यम से चुनल गइल , शुरू में ईसा मसीह के वापसी के आशा पर आधारित , क्रमशः 1843 के बसंत आ 1844 के शरद ऋतु खातिर , भगवान द्वारा एकर पवित्रीकरण के आधिकारिक बनावल गइल बा सब्त के दिन के बहाली से जवना के ई फिर से अभ्यास करेला , लंबा शताब्दी के अन्हार के बाद , ओकरा खातिर भुलाइल आतिरस्कार कइल।

दू समूह में एह बंटवारा में , जवन चीज ओह लोग के अलग बनावेला ऊ बा परमेश्वर के न्याय के संबंध में उनकर स्थिति , यानी कि उनकर दस आज्ञा अउर उनकर अन्य स्वास्थ्य अउर अन्य नियमन के संबंध में उनकर स्थिति। अपना मूल पाठ निष्कर्ष .20:5-6 में , रोम द्वारा दबावल गइल दूसरा आज्ञा , साफ -साफ बतावेला कि परमेश्वर अपना आज्ञा के पालन करे के कतना महत्व देवेलन अउर उ दुनो रास्ता अउर दुनो विरोधी अंतिम भाग्य के याद करेलन : *... हम एगो ईर्ष्यालु परमेश्वर हईं जे ... हमरा से नफरत करे वाला आ हमरा आज्ञा के उल्लंघन करे वाला लोग के तीसरी आचउथा पीढ़ी तक के संतान पर बाप -दादी के अधर्म के दोष देत , आहजारन लोग पर दया करत जे हमरा से प्यार करेला आहमार आज्ञा के पालन करेला .*

हमनी के पार्थिव सृष्टि में *तारा* के अस्तित्व के कारण के प्रकट करेला । उ लोग के अस्तित्व खाली परमेश्वर के चुनल पार्थिव चुनल लोग के प्रतीक के रूप में सेवा करे खातिर रहे ; अउर इ उत्पत्ति 1:17 ह

जवन उनकर संदेश के प्रकट करेला : *परमेश्वर उनकरा के आकाश के विस्तार में रखले बाड़न ताकि उ लोग धरती पर रोशनी देवे। तब परमेश्वर उनकरा के इस्तेमाल अब्राहम के* उत्पत्ति 15:5 में *उनकर वंशज* के भीड़ देखावे खा तिर करेलन : *स्वर्ग के तारा के गिनती करीं , अगर रउवां उनकर गिनती करे में सक्षम बानी ; तोहार वंशज के भी अयीसने होई।*

तारा सभ के स्थिति बदल सके ला जे छुटकारा पावल गइल आस्तिक के कइल काम के आधार पर हो सके ला। आज्ञा ना माने के माध्यम से आध्यात्मिक रूप से गिरला से *तारा गिर जाला , स्वर्ग से गिर जाला* . ई छवि 1843 में प्रोटेस्टेंट आस्था के पतन के चित्रण करे खातिर उकसावल जाई , जवना के घोषणा 1833 में एगो असली आकाशीय चिन्ह से भइल रहे , प्रकाशितवाक्य 6:13 *के 6वीं मुहर में : अउर स्वर्ग के तारा धरती पर गिर गइल , जइसे कि अंजीर के पेड़ तेज हवा से हिलला पर आपन असमय अंजीर फेंकेला।* अउर फिर से प्रकाशितवाक्य 12:4 में : *उनकर पूंछ स्वर्ग के तारा के एक तिहाई हिस्सा बह के धरती पर फेंक दिहलस।* ई संदेश दान के संदेश के नवीनीकरण कर देला। 8:10: *ऊ स्वर्ग के सेना पर चढ़ गइलन आ कुछ सेना आ तारा के धरती पर फेंक दिहलन आ रौंद दिहलन* . आत्मा रोमन पोप शासन में छुटकारा पावे वाला विश्वासियन में से एक तिहाई के आध्यात्मिक पतन के आरोप लगावेले ; धोखा देले लोग जे मसीह के उद्धार में व्यर्थ विश्वास करी अउर उनकर धार्मिकता के दावा करी।

दान 12:4 *लेकिन तू , दानियल , अंत के समय तक वचन के बंद क के किताब पर मुहर लगा दीं , तब बहुत लोग ओकरा के पढ़ी अउर ज्ञान बढ़ी।*

4क- एह ***अंतिम समय के*** कई गो लगातार चरण बा बाकिर एकर शुरुआत , आधिकारिक तौर पर , 1843 के बसंत में , दान में पहिले से लिखल ईश्वरीय फरमान के लागू होखे से भइल। 8:14: ***शाम - सबह 2300 तक आपवित्रता के जायज ठहरावल जाई*** . 1994 में दूसरा अंतिम समय के सार्वभौमिक एडवेन्टिस्ट संस्था के निंदा के रूप में चिन्हित कइल गइल। 1843 से , दानियल के किताब पढ़ल गईल बा , लेकिन एह काम से पहिले एकर सही व्याख् या कबो सही ना भईल बा कि हम अभी भी 2021 में तैयार कर रहल बानी अउर इ 2020 से इहे तारीख ह जवन एकर ***ज्ञान के चरम सीमा के चिन्हित करेला अउर एह से , अंत के*** सच्चा अंतिम समय जवन यीशु मसीह के सही वापसी के साथ खतम होई , जवन जानल जाला अउर उम्मीद कईल जाला , 2030 के बसंत खातिर।हमनी के इहे देखत बानी जा कि एह साल 2020 के भगवान के ओर से पहिलही से बढ़िया से चिन्हित कईल गईल बा काहे कि पूरा मानवता Covid-19 Virus के मौत से त्रस्त बा जवन चीन में 2019 में प्रकट भईल रहे , लेकिन

पोप के कैथोलिक यूरोप में , सिर्फ 2020 से ही 2021 में वायर स के उत्परिवर्तन हो जाला अवुरी दोषी अवुरी विद्रोही मानवता प प्रहार जारी बा।

विश्वास के एडवेंटिस्ट परीक्षण सचित्र बा

दान 12:5 *हम दानियल देखनी त देखनी कि दू गो अउरी आदमी खड़ा रहले , एगो नदी के किनारे आ दूसरा नदी के किनारे।*

5क- याद रखे के बा ! दानियल "हिदेकेल" नदी के किनारे बा , टाइग्रिस , ऊ आदमी खाए वाला। अब नदी के दुनो ओर दु आदमी बाड़े , मतलब कि एक आदमी एकरा के पार करे में कामयाब हो गईल बा अवुरी दूसरा पार करे वाला बा। पहिलहीं से दान में बा . 8:13 में दू गो संतन के बीच एगो चर्चा के आदान -प्रदान भइल।

दान 12:6 *उन करा में से एगो लिनन के कपड़ा पहिनले आदमी से कहलस जवन नदी के पानी पर खड़ा रहे , "ई चमत्कार के अंत कब होई ?*

6a- दान .8:14 में संतन के सवालन के भगवान से 2300 साँझ - सबह के जवाब मिलल रहे जवन 1843 के तारीख तय कइलस।इहाँ दृष्टिकोण दोहरावल गइल बा आ एह बेर के सवाल दुनि या के अंत से संबंधित बा ; ऊ पल जब भविष्यवाणी के काम ना रह जाई . सवाल मसीह से पूछल गइल बा जवना के छवि *लिनन पहिनले एह आदमी के बा* जे *नदी के ऊपर खड़ा होके* आदमी के ओर से ओकरा पार करे के देखत बा। भगवान लाल सागर के पार करे के छवि लेत बाड़न जवन इब्रानियन के बचा लिहलस लेकिन उनकर मिस्र के दुश्मनन के डूबा दिहलस।

दान 12:7 *हम सुननी कि ऊ लिनन कपड़ा पहिनले , जवन नदी के पानी पर रहे , आपन दाहिना हाथ आ बायां हाथ आकाश के ओर उठा के हमेशा खातिर जिए वाला के कसम खात बा कि ई कुछ समय खातिर , आ समय खातिर आ आधा समय खातिर होई , आ जब पवित्र लोग के शक्ति पूरा तरह से टूट जाई त ई सब काम खतम हो जाई।*

7क- आ हम ओह आदमी के सुननी जवन लिनन के कपड़ा पहिनले रहे , जवन नदी के पानी से ऊपर रहे। ऊ आपन दा हिना हाथ आ बायां हाथ स्वर्ग के ओर उठवले।

जज मध्यस्थ के पद पर , ईसा मसीह एगो गंभीर घोषणा करे खातिर आपन आशीष देवे वाला दाहिना हाथ अउर आपन सजा देवे वाला बायां हाथ स्वर्ग के ओर उठावेलन।

7ख- आऊ हमेशा खातिर जिए वाला के कसम खइले कि ई कुछ समय , समय आ आधा समय खाति र होई

पोप के शासन के भविष्यवाणी के अवधि के हवाला दे के , मसीह अपना निर्णय के देखावे लें आ याद करे लें जे , अतीत में , उनके चर्च के पोप शासन के वसूली आ एकरे पहिले के बर्बर आक्रमण सभ के अभिशाप के सामना

करे के निंदा कइले रहलें ; एकर कारण बा कि 7 मार्च 321 से सब् त के दिन के छोड़ दिहल गइल बा।एह तरह से एडवेन्टिस्ट परीक्षा के समय के विश्वासियन के चेतावल जाला। बाकिर दूसरा कारण भगवान के एह पोप के शासन के उकसावे के ओर ले जाला ; ई एकर सुरुआत के तिथि हवे , मने कि , 538 ई .। चुनाव विवेकपूर्ण बा काहे कि ई तारीख 538 ओह गणना के आधार के काम करी जवन भविष्यवाणी हमनी के पद 11 अउर 12 में नया भविष्यवाणी अवधि के साथ पेश करी।

7ग- *आकि ई सब बात तब खतम हो जाई जब पवित्र लोग के ताकत* ***पूरा तरह से टूट जाई***

ई छोट वाक्य अबकी बेर अंत के असली पल के बढ़िया से संक्षेप में बतावेला : ऊ जहाँ आखिरी ***महान आपदा के अंत में*** , चुनल लोग अपना के सफाया होखे के बिंदु पर पाई , धरती के सतह से समाप्त हो जाई ; परिशुद्धता पर ध्यान दीं : ***पूरा तरह से टूट गइल बा*** .

दान 12:8 *हम सुननी , लेकिन ना समझनी , आ हम कहनी कि हे मालिक , एह सब के अंत का होई ?*

8क- बेचारा डेनियल के बा ! अगर 2021 में जिए वाला लोग खातिर उनकर किताब के समझ अबहियों एगो रहस्य बा त ई समझ उनका पहुँच से केतना दूर आ अपना उद्धार खातिर बेकार रहे !

दान 12:9 *उ कहले , "दानियेल , जा , काहेकि अंत के समय तक शब्द बंद आ मुहर लगावल बा।*

9क- स्वर्गदूत के प्रतिक्रिया से दानियल के भूखल रह जाई , लेकिन इ मसीही युग के *अंत के समय खातिर आरक्षित भविष्यवाणी के देर से पूरा होखे के पुष्टि करेला।*

दान 12:10 *बहुत लोग शुद्ध हो जइहें , उज्जर हो जइहें अउर परिष्कृत हो जइहें। दुष्ट बुराई करी आ दुष्ट में से केहू ना समझी , लेकिन जेकरा लगे समझ बा , उ समझी।*

10क- *कई गो के शुद्ध , सफेद आ परिष्कृत कइल जाई*

इहाँ दान से शब्द शब्द में सटीक उद्धरण दोहरा के। 11:35, स्वर्गदूत अहंकारी अउर निरंकुश ***राजा के पोप पहचान के पुष्टि करेला जे सब देवता*** अउर इहाँ तक कि एक सच्चा ***परमेश्वर से भी*** *ऊपर उठेला* , पद 36 में।

10ख- *दुष्ट बुराई करी आ दुष्ट में से केहू ना समझी।*

स्वर्गदूत एगो सिद्धांत के उकसावत बाड़न जवन दुनिया के अंत तक जारी रही , बुराई के लंबा होखे के छवि दानियल के भविष्यवाणी में यूनानी पाप के "*पीतल* " आरोमन बल के " *लोहा* " के मसीह के वापसी तक लंबा होखे से देखावल गइल बा। दुष्ट लोग के समझे से दुगुना रोकल जाई : पहिला उनकर व्यक्तिगत बेरुखी से , अउर दूसरा , परमेश्वर के द्वारा दिहल गईल *एगो मजबूत भ्रम* से जवन उ लोग के 2 थिस्सलुनीकियों के अनुसार

झूठ पर विश्वास करे में सक्षम बनावेला। 2:11-12: *एह से परमेश्वर ओह लोग के* ***मजबूत भ्रम भेजत बाड़न। कि उ लोग झूठ पर विश्वास करस****, ताकि उ सब के दोषी ठहरावल जा सके जे सच्चाई पर विश्वास ना करत रहे लेकिन अधर्म में खुश रहे .*

10ग- *लेकिन जेकर समझ बा उ समझिहे।*

ई उदाहरण साबित करेला कि आध्यात्मिक *बुद्धि भगवा न के दिहल एगो खास वरदान ह, लेकिन एकरा से पहिले* सभ सामान्य लोग के दिहल मूलभूत *बुद्धि* के सदुपयोग कईल जाला । काहे कि एह आदर्श में भी इंसान शिक्षा आओकर डिप्लोमा के *बुद्धि से भ्रमित करेला* . त हम रउरा सभे के ई अंतर याद दिलावत बानी कि शिक्षा से डेटा के मानव स्मृ ति में डालल जा सकेला बाकिर खाली *बुद्धि से* एकर बढ़िया आ बुद्धिमानी से इस्तेमाल हो सकेला .

दान 12:11 *जब से लगातार ~~होमबलि हटावल जाई~~ , आ उजड़ल घिनौना चीज के खड़ा कइल जाई , तब से एक हजार द्व सौ नब्बे दिन होखी।*

11क- *जब से लगातार ~~बलिदान बंद हो जाई~~*

~~बलिदान~~ "शब्द मूल हिब्रू पाठ में नइखे आइल। अउर ई परिशुद्धता बहुत महत्वपूर्ण बा काहे कि ई *सनातन* यीशु मसीह के स्वर्गीय पुरोहिताई से संबंधित बा। धरती पर उनकर बिनती के दोबारा पेश करके , पेपिज्म यीशु मसीह से उनकर चुनल लोग के पाप खातिर बिनती करे वाला के भूमिका के हटा देला।

ई ह ड़पल समानांतर पार्थिव सेवा 538 में शुरू भइल ; ऊ तारीख जब विजिलियस I ' पहिला वर्तमान पोप , रोम में , लैटरन पैलेस में , माउंट सेलियन (स्वर्ग) पर बस गइलें।

11ख- *आजहाँ घिनौना उजाड़ स्थापित हो जाई*

यानी 538 के बाद से , पोप के रोमन शासन शुरू होखे के तारीख , दान .9:27 में उद्धृत : *आ उहाँ के पंख पर होई* ***उजाड़ के घिनौना काम*****,** *इहाँ तक कि सफाया तक आओकरा के* उजाड़ *[* भूमि *]* *पर टूट जाई* ।

एह श्लोक में , 538 के तारीख के लक्षित करत , आत्मा अब खाली पोप के रोम के संदर्भ दे रहल बा , जवन "घृणित " शब्द के एकलीकरण के व्याख्या करेला। दान में अइसन ना रहे। 9:27, जहाँ रोम के दुनो चरण , बुतपरस्त अउर फिर पोप के बात रहे।

हमनी के एह श्लोक में द्व गो चीजन के समू हीकरण के रुचि आमहत्व पर ध्यान दीं जा : दान में मसीह से " *दैनिक के हटावल "* / 8:11 अउर *पोप के "पंख* " जवन दान में उद्धृत " *घिनौना उजाड़ " के लेके चलेला।* 9:27 के बा। एह दुनों काम के एकही तारीख 538 से आ एकही इकाई से जोड़ के , आत्मा एह बात के पुष्टि आसाबित करे ला कि एह कुकर्म सभ के लेखक वाकई में रोमन पपिज्म हवे।

दान में बा। 11:31, यूनानी राजा एन्टिओकस चउथा के जिम्मेदार ठहरावल गइल कार्रवाई हमनी के सामने ओह ठेठ मॉडल के सामने पेश कइलस जवना के भगवान " *उजाड़ के घिनौना चीज* " कहत बाड़न। पपिज्म एकरा के दोबारा पैदा करेला , लेकिन 1260 लंबा , खूनी साल तक। 11ग- *एक हजार दू सौ नब्बे दिन होई।*

अंत के समय के संबंध में उद्धृत भविष्यवाणी अवधि के गलत बनावे खातिर , इकाई के दानियल के सभ भविष्यवाणी में संख्या से पहिले रखल गईल बा : *दिन 1290* ; *दिन 1335* (अगिला श्लोक) के बा ; दान .8:14: ***शाम - सुबह 2300 के बा*** ; आपहिलहीं से दान .9:24: हफ्ता 70 में बा।

हमनी के लगे खाली एगो बहुत सरल गणना बा जवन करे के बा : 538 + 1290 = 1828।

एह तारीख , 1828 के महत्व ई बा कि ई एडवेंटिस्ट आयोजन के एगो सार्वभौमिक चरित्र देला , काहें से कि ई लंदन के अल्बरी पार्क में अंगरेजी शाही परिवार के मौजूदगी में आयोजित एडवेंटिस्ट सम्मेलन के पांच साल में से तीसरा साल हवे।

दान 12:12 *धन्य बा उ जे इंतजार करत बा अउर हजार तीन सौ पैंतीस दिन तक आवेला।*

१२क- इहे श्लोक ही हमनी के एह दुनो भविष्यवाणी अवधि के अर्थ देला। विषय मसीह के वापसी के उम्मीद के बा , लेकिन बाइबल द्वारा दिहल गइल संख्यात्मक प्रस्तावन पर आधारित एगो विशेष अपेक्षा। एगो नया गणना जरूरी बा : 538 + 1335 = 1873. स्वर्गदूत हमनी के दू गो तारीख के साथे पेश करेलन जवन क्रमशः 1828 अउर 1873 के बीच पूरा भइल विश्वास के एडवेन्टिस्ट परीक्षा के शुरुआत अउर अंत के चिन्हित करेला ईसा मसीह के गौरवशाली वापसी के अमेरिका में , एह से प्रोटेस्टेंट भूमि में।

"बाघ " नदी के पार करे के छवि में , मनुष्य के आत्मा के खाए वाला बाघ इ तारीख 1843-1844 ह जवन निंदित प्रोटेस्टेंट के आध्यात्मिक जीवन से आध्यात्मिक मौत में गु जरावेला। दोसरा तरफ जे परीक्षा पास कइले बा ऊ एह खतरनाक पार से जिंदा आ भगवान के आशीर्वाद से बाहर निकलेला . ऊ भगवान से एगो विशिष्ट धन्यता प्राप्त करेलें : " *धन्य बा ऊ जे* 1873 तक पहुँच जाला !"

दान 12:13 *आतू अपना अंत के ओर चली , तू आराम करब आअंतिम समय में अपना विरासत खातिर खड़ा होखब।*

13क- दानियल के पहिला पुनरुत्थान के बाद पता चल जाई जवना में उ जी उठल बाड़े , उ सब चीज़ के मतलब जवन उ हमनी के संचारित कईले बाड़े। लेकिन अभी भी जिंदा एडवेंचर खातिर , यूहन्ना के ए पोकैलिप्स में निहित प्रकाशन से उनकर शिक्षा अउरी पूरा हो जाई।

दानियल के किताब में आपन विशाल समृद्धि के बढ़िया से छिपावल गइल बा। हमनी के ओह प्रोत्साहन के पाठ के नोट कइले बानी जा जवन प्रभु बहुत अंतिम दिन में अपना चुनल लोग के संबोधित करेलन काहे कि ई अंतिम दिन ओह भय अउर असुरक्षा के आदर्श में वापस आ जाई जवन धरती पर पूरा मानव इतिहास में प्रचलित रहल बा। एक बेर फेरु बाकिर आखिरी बेर चुनल लोग के अलगा कर के ओह दुर्भाग्य खातिर जिम्मेदार ठहरावल जाई जवन दान में घोषित तीसरा विश्वयुद्ध से बचे वाला विद्रोही लोग पर पड़ी . 11:40-45 अउर प्रकाशितवाक्य 9:13। इजकिएल 14 में विश्वास के ठेठ मॉडल प्रस्तुत कइल गइल बा : नूह , दानियल , अउर अय्यूब। नूह के तरह हमनी के भी परमेश्वर के प्रति निष्ठा के आपन जहाज बना के सांसारिक विचार के धारा से बचे के चाहीं अउर ओकर विरोध करे के चाहीं। दानियल के तरह हमनी के भी झूठा धर्म के द्वारा स्थापित मानक के नकार के चुनल लोग के रूप में आपन कर्तव्य निभावे में मजबूती से जुड़ल रहे के चाहीं। अउर अय्यूब के तरह , हमनी के भी शारीरिक अउर मानसिक रूप से दुख के स्वीकार करे के पड़ी जब भी परमेश्वर एकर अनुमति दिहे , अय्यूब से फा यदा होई : उनकर अनुभव के माध्यम से , हमनी के पता चल गईल बा कि परमेश्वर एह परीक्षा के काहे अनुमति देवेलन।

दानियल के किताब हमनी के अदृश्य आकाशीय जीवन के भी बेहतर तरीका से समझे के अनुमति दिहलस। ई , जिब्राईल नाम के एह पात्र के खोज से , एगो अइसन नाम जवना के मतलब होला "जे भगवान के चेहरा देखेला। " ईश्वरीय मोक्ष के योजना के सभ महत्वपूर्ण मिशन में उ मौजूद बाड़े। अउर हमनी के एहसास होखे के चाहीं कि , परमेश्वर के आकाशीय राज्य में , उ अउर सब अच्छा स्वर्गदूत माइकल के उपस्थिति से वंचित रहलन , जवन परमेश्वर के स्वर्गदूत के अभिव्यक्ति ह , उनकर पार्थिव अवतार के समय में , यानी 35 साल। प्यार के एगो बड़हन बंटवारा में माइकल भी आपन अधिकार साझा करेला , उ खाली " *मुख्य नेता में से एगो* " होखे के स्वीकार करेला। लेकिन जिब्राईल ओकरा के चुनल लोग में से चुनल गईल दानियल के सामने भी " *तोहरा लोग के नेता* " के रूप में पेश कईले। आ दान के नाम से जानल जाला . 9 हमनी के बहुत साफ -साफ उ सब कुछ बतावेला जवन यीशु अपना विश्वासी चुनल लोग के बचावे खातिर पूरा करे खातिर आवेलन। एह तरह से ईश्वरीय उद्धार परियोजना के स्पष्ट रूप से घोषणा कइल जाला , फिर 3 अप्रैल , 30 के ईसा मसीह के सूली पर चढ़ावे से पूरा हो जाला।

दानियल के किताब हमनी के देखा दिहलस कि विश्वास के प्रदर्शन खाली एगो वयस्क ही कर सकेला। आकि भगवान

के मुताबिक लइका तेरहवाँ साल में प्रवेश कइला पर वयस्क हो जाला . एह से हमनी के खाली शिशु के बपतिस्मा से मिले वाला कड़वा फल आसभ झू ठा धर्म में धार्मिक जन्म विरासत के पालन कर सकेनी जा। यीशु मरकुस 16:16 में घोषणा कइले बाड़न : *जे विश्वास करी अउर बपतिस्मा लेला , उ उद्धार पाई ; जे विश्वास ना करी ओकरा के दोषी ठहरावल जाई* . एह से एकर मतलब ई बा कि बपतिस्मा से पहिले विश्वास के मौजूदगी आप्रदर्शन होखे के चाहीं। बपतिस्मा के बाद भगवान एकरा के परीक्षा में डाल देले। साथ ही , दानियल में प्रकट भइल एगो अउरी मोती , मत्ती 7:13 से यीशु के ई शब्दन के पुष्टि कइल गइल बा : *संकरी फाटक से प्रवेश करीं . काहे कि फाटक चौड़ा बा आ विनाश के रास्ता चौड़ा बा। आबहुत लोग बा जे ओहिजा से गुजरत बा* ; आमत्ती 22:14 में भी : *काहे कि बहुत लोग बोलावल गइल बा , लेकिन चुनल कम लोग बा* ; दान .7:9 के अनुसार , *दस अरब के* भगवान के सामने मात्र *दस लाख के हिसाब देवे खातिर बोलावल गईल के* छुटकारा चुनल गइल के उद्धार भइल , काहे कि ऊ लोग सही मा यने में सृष्टिकर्ता परमेश्वर के बढ़िया से *सेवा कइले होई , पवित्र आत्मा में मसीह में।*

अध्याय 12 अभी प्रकाशितवाक्य के किताब के संरचना के नींव रखले बा , जवना में 538, 1798, 1828, 1843-1844 के तिथि के याद कइल गइल बा जवन छिपल आ सुझावल गइल रहे लेकिन प्रकाशितवा क्य में समय के बंटवारा खातिर मौलिक रहे , अउर 1873. एगो अउरी तारीख , 1994, उहाँ कुछ लोग के दुर्भाग्य अउर दूसरा के खुशी खातिर बनावल जाई।

भविष्यवाणी के प्रतीकवाद के परिचय

बाइबिल के सभ दृष्टांत में , आत्मा पार्थिव तत्वन के प्रयोग करेला , जवना में से कुछ मापदंड बेनामी इकाई के प्रतीक हो सकेला जवन आम मापदंड प्रस्तुत करेला। एह से इस्तेमाल कइल गइल हर प्रतीक के हर कोण से जांच करे के पड़ी , ताकि ओकरा से भगवान के छिपल सबक निकालल जा सके । उदाहरण खातिर " *समुद्र* " शब्द के लिहल जाव . उत्पत्ति 1:20 के अनुसार , परमेश्वर एकरा में हर तरह के जानवरन से आबाद करेलन , अनगिनत अउर गुमनाम। हवा में साँस ले के जिए वाला आदमी खातिर एकर माहौल घातक होला . एह तरह से ई आदमी खातिर मौत के प्रतीक बन जाला जे सही मायने में एकर लवणता से भी डेरा सकेला जवन धरती के बाँझ बना देला। जाहिर बा कि ई प्रतीक मानवता खातिर अनुकूल नइखे आ एकर मतलब मौत के कारण , भगवान आपन नाम हिब्रू वज़ूद बेसिन के दीहें जवन बपतिस्मा के पानी के पूर्वरूप ह। अब बपतिस्मा लेवे के मतलब बा कि डूबल , यानी कि यीशु मसीह में फिर से जिए खातिर डूब के मरल। बूढ़ अधर्मी आदमी मसीह के धार्मिकता के उठा के उठ जाला। इहाँ हमनी के ईश्वरीय सृष्टि के एगो तत्व के समृद्धि देखत बानी जा : *समुद्र* . एह शिक्षा के तहत , हमनी के बेहतर तरीका से समझब जा कि परमेश्वर दानियल 7:2-3 से एह श्लोक के जवन अर्थ देले बाड़न : "... *आ देखऽ , आकाश के चार हवा महान समुद्र पर उमड़त रहे। अउर चार गो बड़हन जानवर समुंदर से निकलल , एक दूसरा से अलग-अलग* । " जान लीं कि " *आकाश के चार हवा* " ओह सार्वभौमिक युद्धन के सुझाव देला जवन विजयी लोग के हावी सत्ता में ले आवेला . इहाँ " *महान समुद्र* " *बुतपरस्त लोग के मानव जनसमूह के प्रतीक ह जवन भगवान के सम्मान ना करत उनुका नजर में* " *समुद्र* " के जानवर के बराबर बा । अभिव्यक्ति में , " *आकाश के चार हवा* ," " *चार* " उत्तर , दक्षिण , पूर्व आपश्चिम दिशा के 4 कार्डिनल बिंदु के प्रतिनिधित्व करेला। " *आकाश के हवा* " आकाश के रूप में बदलाव ले आवेले , बादल के धक्का देके , तूफान पैदा करेले आ बरखा ले आवेले ; बादल के दूर धकेल के धूप के पक्षधर होलें। ठीक ओसही युद्ध से बहुत राजनीतिक आसामाजिक बदलाव होला , भारी उथल - पुथल होला जवन भगवान के चुनल नया विजयी लोग के वर्चस्व दे ला , लेकिन बिना उनुका के आशीर्वाद लिहले। काहें से कि " *जानवर* " के रूप में नामित , ई लोग ओह आशीर्वाद के हकदार ना होला जेकर इरादा सच्चा आदमी के दिहल जाला ; उनकर वफादार चुनल लोग जे आदम आहव्वा के बाद से ईश्वरीय प्रकाश में चलेला , आ ई दुनिया के अंत तक। आ उनकर चुन ल के हवें ? उ लोग

जेकरा में उ आपन प्रतिरूप के पहचानेलन जब से आदमी उत्पत्ति 1:26 के अनुसार परमेश्वर के प्रतिरूप में बनल बा। एह अंतर पर धियान दीं : आदमी भगवान द्वारा अपना प्रतिरूप में बनावल भा बनावल गइल बा , जबकि जानवर के उत्पादन अपना पर्यावरण , समुंद्री , स्थली य, भा आकाशीय , भगवान द्वारा दिहल क्रम से होला। क्रिया के चुनाव से हैसियत के अंतर के चिन्हित कइल जाला।

धरती " शब्द के लिहल जाव । उत्पत्ति 1:9-10 के अनुसार , इ नाम " *धरती* " " *समुद्र* " से निकलल सूखल जमीन के दिहल गईल बा ; एगो छवि जवना के भगवान प्रकाशितवाक्य 13 में शोषण करीहें , कैथोलिक आस्था से निकलल प्रोटेस्टेंट विश्वास के प्रतीक बनावे खातिर। बाकिर आईं " *धरती* " के अउरी पहलुअन के परखल जाव . आदमी के पोषण कइला पर अनुकूल होला बाकिर शुष्क रेगिस्तान के रूप लेबे पर प्रतिकूल होला . एह से आदमी खातिर आशीर्वाद बने खातिर स्वर् ग से बढ़िया पानी देवे पर निर्भर करेला। ई पानी एकरा के पार करे वाली नदी आधारा सभ से भी हो सके ला ; एही से परमेश्वर के वचन के तुलना खुद बाइबल में " *जीवित पानी के झरना* " *से कइल गइल बा। ई एह* " *पानी* " के मौजूदगी भा अनुपस्थिति ही " *धरती* " के प्रकृति के निर्धारण करेला , आ आध्यात्मिक रूप से , आदमी के विश्वास के गुणवत्ता , जवन 75% पानी से बनल बा।

तीसरा उदाहरण के रूप में आकाश के तारा के लिहल जाव। पहिला , " *सूरज* ," सकारात्मक पक्ष पर , ई रोशन करेला ; उत्पत्ति 1:16 के अनुसार , इ " *दिन* " के प्रकाश ह , इ पौधा के गरम करेला अउर बढ़े के बढ़ावा देला जवना के आदमी भोजन के रूप में इस्तेमाल करेला। नकारात्मक पक्ष इ बा कि इ फालत के जादा गर्मी चाहे बरखा के कमी के माध्यम से जरा देवेला। गैलिलियो सही कहले रहले , इ हमनी के ब्रह्मांड के केंद्र में बा अवुरी एकरा सिस्टम के सभ ग्रह एकरा चारों ओर घू मेला। अउर सब से बढ़ के , इ सबसे बड़ ह, बाइबल एकरा के उत्पत्ति 1:16 में " *सबसे बड़* " के रूप में नामित कईले बा , सबसे गरम अउर इ नजदीकी नईखे। ई सब मापदंड एकरा के भगवान के सही प्रतिरूप बनावेला जेकरा में ई सब विशेषता पावल जाला। केहू भगवान के देख के जिंदा ना हो सकेला , ना " *सूरज* " पर गोड़ रख सकेला ; एकलौता पुरुष तारा , बाकी सभ ग्रह भा स्त्रीकृत तारा होलें। उनकरा बाद , " *चाँद* ," " *सबसे छोट* ": उत्पत्ति 1:16 के अनुसार , इ रात के प्रकाश ह, अन्हार के जवना के अध्यक्षता करेला। " *चाँद* " एह से एकरा खातिर खाली नकारात्मक संदेश बा । हालांकि हमनी के सबसे नजदीक बा , लेकिन इ तारा बहुत पहिले से अपना छिपल चेहरा के रहस्य के रखले बा। ई अपने आप ना

चमकेला बाकिर बाकी सगरी ग्रहन का तरह ई हमनी के वापस भेज देला , एगो प्रगतिशील चक्र में , एगो कमजोर रोशनी जवन ओकरा "सूरज " से मिलेला . एह सभ पैमाना से , "चंद्रमा " पहिला , यहूदी धर्म के प्रतिनिधित्व करे खातिर सही प्रतीक हवे , आ दूसरा , रोमन कैथोलिक पपिज्म के झूठा ईसाई धर्म , 538 से ले के वर्तमान समय ले , आ लूथरन , केल्विनिस्ट आ एंग्लिकन प्रोटेस्टेंट धर्म के , 1843 से।आकाश में भी बाड़ें , " *तारा* " जे Gen.1:14-15-17 के अनुसार दू गो भूमिका बाड़ें जे " *the सूरज आचंद्रमा के* "। कि " *मौसम , दिन आसाल के चिन्हित करे के* ", आ" *धरती पर प्रकाश देवे के* "। ऊ लोग चमकेला , अपना बहुमत में , खाली अन्हार के समय में , रात में। ई भगवान के सेवकन के प्रतिनिधित्व करे खातिर आदर्श प्रतीक हवे , सच्चा लोग , जबले कि भविष्यवाणी ओह लोग के गिरला के जिम्मेदार ना बतावे ; जवन ओह लोग के आध्यात्मिक स्थिति में बदलाव के संकेत देला। इहे उ संदेश होई जवना के इस्तेमाल परमेश्वर ईसाई धर्म के पतन के उकसावे खातिर करीहे , जवन दान .8:10 अउर प्रकाशितवाक्य 12:4 में रोमन झूठ के शिकार ह ; अउर प्रकाशितवाक्य 6:13 अउर 8:12 में सार्वभौमिक प्रोटेस्टेंट धर्म के पतन। अलग-थलग , *"तारा* " प्रकाशितवाक्य 8:10-11 में कैथोलिक पोप के रूप में , प्रकाशितवाक्य 9:1 में प्रोटेस्टेंट विश्वास के नामित करेला ; अउर एगो मुकुट में एकजुट भइल , संख्या में 12, विजयी चुनल सभा , प्रकाशितवाक्य 12:1 में। दान के बा। 12:3 ओह लोग के " *जे भीड़ के धार्मिकता सिखवले होई* " के प्रतीक के रूप में नामित करेला , यानी कि " *धरती के रोशन करे वाला लोग* " परमेश्वर के दिहल प्रकाश से।

ई पांच प्रतीक प्रलय के भविष्यवाणी में अहम भूमिका निभा वी। एह से रउआँ प्रस्तुत चिन्हन के मापदंड द्वारा ले जाइल जाए वाला छिपल संदेशन के खोज के अभ्यास कर सकेनी। लेकिन कुछ के खोजल मुश्किल होई , इहो , परमेश्वर खुद रहस्य के कुंजी के संकेत देले बाड़े , बाइबल के श्लोक में , जइसे कि " *सिर आपूंछ* " शब्द जवना के खाली ओह अर्थ से समझल जा सकेला जवन परमेश्वर ओह लोग के यशायाह 9:14 में देले बाड़े , जहाँ हमनी के पढ़ेनी जा : " *मजिस्ट्रेट या बड़का सिर ह, भविष्यवक्ता जे झूठ सिखावेला , इ पूंछ ह* "। बाकिर पद 13 समानांतर रूप से प्रस्ताव कइले बा , एह से एके अर्थ के ले के चलत बा , " *ताड़ के डाढ़ आखढ़* "; " *एगो ईख* " जवन प्रकाशितवाक्य 11:1 में रोमन पोप के प्रतिनिधित्व करी।

संख्या आ आंकड़ा के एगो प्रतीकात्मक अर्थ भी होला। मूल नियम के रूप में हमनी के आरोही क्रम में बा :

“1” संख्या खातिर : विशिष्टता (ईश्वरीय भा संख्यात्मक)

“2” संख्या खातिर : अपूर्णता।

“3” संख्या खातिर : पूर्णता।

“4” संख्या खातिर : सार्वभौमिकता (4 कार्डिनल अंक)

“5” संख्या खातिर : आदमी (नर भा मादा इंसान)।

“6” संख्या खातिर : आकाशीय स्वर्गदूत (आकाशीय जीव या दूत)।

“7” संख्या खातिर : भरल -पूरल। (इहो : सृष्टिकर्ता भगवान के मुहर)

एह संख्या से ऊपर हमनी के लगे पहिला सात गो मूल संख्या सभ के जोड़ के संयोजन बा ; उदाहरण खातिर : 8 = 6 + 2; 9 = 6 + 3 के बा ; 10 = 7 + 3 के बा ; 11 = 6 + 5 आ 7 + 4 के बा ; 12 = 7 + 5 आ 6 + 6 के बा ; 13 = 7 + 6. प्रकाशितवाक्य के एह अध्यायन में बतावल गइल विषयन के संबंध में एह चुनावन के एगो आध्यात्मिक अर्थ बा। दानियल के किताब में , हमनी के मसीही मसीही युग से संबंधित भविष्यवाणी के संदेश अध्याय 2, 7, 8, 9, 11 अउर 12 में मिलेला।

प्रकाशितवाक्य के किताब में , जवन प् रेरित यूहन्ना के प्रकट कइल गइल बा , अध्याय संख्या के प्रतीकात्मक कोड बेहद खुलासा करे वाला बा। ईसाई युग के दू गो मुख्य ऐतिहासिक भाग में बाँटल गइल बा।

पहिला , "2" नंबर से जुड़ल , ईसाई बिसवास के सिद्धांतगत "अपूर्णता " के बहुलता के कवर करे ला जेकर प्रतिनिधित्व 538 से रोमन कैथोलिक पपिज्म द्वारा कइल गइल बा , ई धार्मिक मानदंड के वारिस हवे जे 7 मार्च 321 से बुतपरस्त रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा स्थापित कइल गइल रहल।अध्याय 2 में 94 से 1843 के बीच के पूरा समय के सामिल कइल गइल बा।

दूसरा भाग , जवना के प्रतिनिधित्व "3" संख्या से कइल गइल बा , 1843 से , "एडवेंटिस्ट " समय से संबंधित बा , एगो अइसन समय जब परमेश्वर दान में उद्धृत ईश्वरीय फरमान द्वारा भविष्यवाणी कइल गइल कार्यक्रम के अनुसार बहाल कइल गइल एपोस्टोलिक सिद्धांत के "पूर्णता " के मांग करेलन। 8:14 के बा। ई पूर्णता प्रगतिशी ल रूप से तब तक हासिल कइल जाई जब तक कि 2030 के बसंत खातिर उम्मीद कइल गइल मसीह के वापसी।

7 संख्या से ऊपर 8 या 2+6 संख्या शैतानी काम (6) के अपूर्णता के समय (2) के उकसावेला। संख्या 9 यानी 3+6 पूर्णता के समय (3) आ ओतने शैतानी काम (6) के संकेत

देला। संख्या 10, या 3+7, पूर्णता के समय (3), ईश्वरीय काम के पूर्णता (7) खातिर भविष्यवाणी करेला।

"11" या मुख्य रूप से 5+6 संख्या फ्रांसीसी नास्तिकता के समय के बतावे ला जेह में आदमी (5) शैतान (6) से जुड़ल बा।

“12” या 5+7 संख्या , आदमी (5) के सृष्टिकर्ता भगवान (7 = पूर्णता आ ओकर शाही मुहर) से जुड़ाव के उजागर करेला।

संख्या "13" या 7+6, शैतान से जुड़ल ईसाई धर्म के पूर्णता (7) के बतावे ला (6); पोप के पहिला (*समुद्र*) आ प्रोटेस्टेंट (*धरती*) के अंतिम दिन में।

संख्या “14” या 7+7, एडवेन्टिस्ट काम अउर ओकर सार्वभौमिक संदेश (*अनन्त सुसमा चार*) से संबंधित बा।

"15" यानी 5+5+5 या 3x5 संख्या मानव पूर्णता के समय के उकसावेला (3) (5)। ई कृपा के समय के अंत के निशानी ह। आध्यात्मिक " *गेहूं* " काट के स्वर्गीय अनाज के भंडार में संग्रहित करे खातिर पाकल बा। चुनल लोग के तइयारी पूरा होला काहे कि ऊ लोग भगवा न के जरूरत के स्तर पर पहुँच गइल बा .

प्रकाशितवाक्य में "16" संख्या ओह समय के संदर्भित करेला जब परमेश्वर अपना धार्मिक दुश्मनन , अध्याय 13 के बेवफा ईसाई धर्म पर " *अपना क्रोध के सात गो आखिरी कटोरा* " *उझिलत बाड़न।*

परमेश्वर के द्वारा " *महान वेश्या के* ***न्याय*** " के प् रतीक । बाइबल में एह प्रतीकात्मक संख्या के पहिला प्रयोग ईस्टर सप्ताह से संबंधित बा जवन साल के पहिला महीना के 10वां दिन से शुरू होला अउर 17वां दिन खतम होला . *"परमेशवर के मेमना " यीशु मसीह* के मौत के दिन के संदर्भ में अक्षरशः पूरा भइल , फसह के भविष्यवाणी दान के साल के " *70 हफ्ता* " *के 70 वां* में दिन -साल में कइल गइल बा। 9:24 से 27. एह से पद 27 के 70वां हफ्ता के भविष्यवाणी में 26 से 33 के बीच के सात साल के समय के बारे में बतावल गइल बा।भविष्यवाणी से संकेत दिहल गइल लक्ष्य फसह ह जवन बसंत में स्थित बा , " *बीच में* " एह सात साल के भविष्यवाणी वाला हफ्ता के जवना के उद्धृत दान में दिहल गइल बा। 9:27 के बा।

अंतिम सच्चा "एडवेंटिस्ट " खातिर , संख्या 17 रोमन अतवार के अभ्यास के 17 सदी के संबंध में होई , जवन पाप 7 मार्च 321 के स्थापित भईल रहे।एह 17 सदी के अंत के सालगिरह के तारीख , 7 मा र्च 2021, दान में भविष्यवाणी कईल गईल " *अंत के समय* " के शुरुआत कईलस। 11:40 बजे के बा। ई " *समय* " एह आखिरी चेतावनी सजा के पूरा होखे के अनुकूल बा जवन तीसरा विश्वयुद्ध के नामित करत भगवान के भविष्यवाणी " *छठवाँ तुरही* " से

भी कइल गइल बा जवन प्रकाशितवाक्य 9:13 से 21 में प्रकट भइल बा दिव्य दण्ड के शुरुआत के साल।

महान बाबुल " के सजा के बारे में बतावल गइल बा ।

अध्याय 19 में यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के संदर्भ अउर मानव विद्रोहियन से उनकर मुठभेड़ पर केंद्रित बा।

अध्याय 20 में सातवीं सहस्राब्दी के बात कइल गइल बा , उजाड़ धरती पर जहाँ शैतान के बंदी बना के रखल गइल बा अउर स्वर्ग में , जहाँ चुनल लोग ओह दुष्ट विद्रोही लोग के जीवन अउर काम के न्याय करे खातिर आगे बढ़ेला जे परमेश्वर के ठुकरा के मर गइलन।

अध्याय "21" में प्रतीकात्मकता 3x7 पावल गइल बा , यानी कि धरती से मुक्त कइल गइल अपना चुनल लोग में पुनरुत्पादित ईश्वरीय पवित्रता (7) के सिद्धता (3)।

हमनी के एह तरह से देखत बानी जा कि भविष्यवाणी प्रकाशितवाक्य 3, 7, 14 = 2x7 अउर 21 = 3x7 (पवित्रीकरण के पूर्णता के ओर बढ़ल) में एडवेन्टिज्म के चुनल लोग के आपन विषय के रूप में लेले बा।

अध्याय 22 में ओह समय के उद्घाटन कइल गइल बा जब, पुनर्जन्म आ नवीकरण भइल धरती पर , भगवान आपन सिंहासन आ अपना अनन्त राज्य के चुनल लोग के स्थापित करेलन।

एडवेंटिज्म के धर्म के बारे में बतावल गइल बा

त ई भगवान के बेटा -बेटी के हवें ? एकरा के तुरंत कहल जरूरी बा , काहे कि इ दस्तावेज सब जरूरी प्रमाण दिही : इ ईश्वरीय प्रकाशितवाक्य परमेश्वर के द्वारा "एडवेंटिस्ट " मसीही लोग के संबोधित कईल गईल बा। काहे कि हमनी के पसंद होखे भा ना , परमेश्वर के इच्छा सार्वभौमिक ह , अउर 1843 के बसंत से , दानियल 8:14 में भविष्यवाणी कइल गइल फरमान के लागू होखे के तारीख से , "सेवेन्थ -डे एडवेन्टिस्ट " मानक उ विशेष चैनल रहल बा जवन आज भी परमेश्वर अउर उनकर मानव सेवकन के जोड़त बा। बाकिर सावधान रहीं ! ई मानक

लगातार विकसित हो रहल बा , अउर भगवान के इच् छा वाला एह विकास के मना कइला से 1994 से ईसा मसीह के उल्टी होखे के आधिकारिक संस्थागत प्रतिनिधित्व मिलल बा।एडवेंटिज्म का ह? ई शब्द लैटिन भाषा के "एडवेंटस " से आइल बा जेकर मतलब होला : आगमन। ईसा मसीह के , पिता के महिमा में उनकर महान अंतिम वापसी खातिर , 1843 के बसं त में , 1844 के शरद ऋतु में , आ1994 के शरद ऋतु में उम्मीद कइल गइल रहे।परमेशवर के योजना में पूर्वानुमानित ई झूठा उम्मीद , एकरा बावजूद ओह लोग खातिर दुखद आध्यात्मिक परिणाम ले के आइल बा जे एह भविष्यवाणी के घोषणा आ ओह लोग के उम्मीद के तिरस्कार करत रहे , काहे कि ई संगठित रहे , सार्वभौमिक रूप से , महान सृष्टिकर्ता भगवान के द्वारा। एह तरह से , जे भी एह दस्तावेज में ईसा मसीह द्वारा प्रस्तावित रोशनी के पहचानी , सीधा परिणाम से , "एडवेंटिस्ट " बन जाई , "सातवाँ दिन के ", अगर आदमी के साथ ना , त भगवान के साथ भी अइसन होई ; ई, जइसहीं ऊ पहिला दिन के धार्मिक आराम छोड़ देला , सातवाँ दिन के बाकी दिन के अभ्यास करे खातिर , जेकरा के सब्त कहल जाला , जेकरा के भगवान दुनिया के रचना से पवित्र कइले बाड़न। भगवान से संबंधित होखे के तात्पर्य पूरक ईश्वरीय आवश्यकता से बा ; सब्त के दिन के साथ एडवेंटिस्ट चुनल लो ग के एहसास होखे के पड़ी कि उनकर भौतिक शरीर भी परमेश्वर के संपत्ति ह, अउर एही से , ओकरा एकरा के एगो अनमोल ईश्वरीय संपत्ति , एगो शारीरिक पवित्र स्थान के तरह पोषण अउर देखभाल करे के पड़ी। काहे कि परमेश्वर आदमी खातिर , उत्पत्ति 1:29 में , ओकर आदर्श आहार निर्धारित कइले बाड़न : " *अउर परमेश्वर कहले , हम तोहनी के हर जड़ी -बूटी देले बानी जवन बीया पैदा करेले , जवन पूरा धरती पर बा , आहर पेड़ देले बानी , जवना में बीज पैदा करे वाला पेड़ के फल बा ; उ तोहनी खातिर भोजन होई।* "

एडवेन्टिस्ट विचार भगवान के द्वारा प्रकट कइल गइल ईसाई परियो जना से अविभाज्य बा। ईसा मसीह के वापसी के कई गो बाइबिल के उद्धरणन में उकसावल गइल बा : भजन संहिता 50:3: " ***हमनी के परमेश्वर आवत बाड़न*** *, ऊ चुप ना रहीहें ; ओकरा सामने एगो भस्म करे वाली आग बा , आओकरा चारो ओर एगो हिंसक तूफान बा* "; भजन संहिता 96:13: " ... *प्रभु के सामने ! काहेकि उ आवत बाड़े , **काहेकि उ धरती के न्याय करे आवत बाड़े** ; उ दुनिया के धार्मिकता से न्याय करीहे , अवुरी लोग के अपना विश्वास से न्याय करीहे।* "; यशायाह 35:4: " *दिल में परेशान लोग से कह दीं कि हिम्मत करीं , मत डेराईं ; देखऽ , तोहार भगवान ! बदला लेबे वाला हो ई, भगवान के बदला होई ; **ऊ खुद आके तोहके बचाई*** "; होसे .6:3: " *हमनी के जानीं जा , प्रभु के जाने के कोशिश करीं जा ; **उनकर***

आगमन भोर के तरह निश्चित बा। उ हमनी के लगे बरखा निहन आईहे *, जईसे* ***बाद के बरखा*** *धरती के पानी देवेला* "; नया वाचा के पवित्रशास्त्र में हमनी के पढ़ेनी जा : मत्ती 21:40: " *अब* ***जब अंगूर के बगइचा के मालिक आई*** *, त उ ओह किरायेदारन के का करी ?* "; 24:50: " ... ***ओह नौकर के मालिक ओह दिन में अइहें जब ऊ ओकर उम्मीद ना करी*** *, आ ओह घड़ी जवना के ऊ ना जानत होई ,* "; 25:31: " ***जब मनुष्य के बेटा अपना महिमा में अइहें*** *, आ उनकरा साथे सब पवित्र स्वर्गदूत भी अइहें , तब उ अपना महिमा के सिंहासन पर बइठ जइहें।* "; यूहन्ना 7:27: " *हालांकि , हमनी के एह आदमी के उहाँ से जानत बानी जा ;* ***लेकिन जब मसीह आवेला*** *त केहू के पता ना चलेला कि उ कहाँ से हवे।* "; 7:31: " *बहुत लोग उनकरा पर बिसवास कइलन आ कहलन कि* ***जब मसीह अइहें त*** *का ऊ एह आदमी से अधिका चमत्कार करीहें ?* "; इब्रानियों 10:37: " *अभी भी कुछ देर खातिर , अउर* ***जे आवे वाला बा , उ आई*** *, अउर देरी ना करी ।* " यीशु के आखिरी गवाही : याह .14:3: " *अगर हम जाके तोहनी खातिर जगह तैयार करब* ***त हम फेर से आके तोहरा के अपना लगे ले लेब*** *, ताकि जहाँ हम बानी उहाँ तू भी रहब ।* " स्वर्गदूतन के गवाही : प्रेरितों के काम। 1:11: " *आ उ लोग कहलन , "गलील के लोग , तू लोग स्वर्ग के ओर देखत काहे खड़ा बाड़ू ?* ***इहे यीशु , जेकरा के तोहनी से स्वर्ग में ले जाइल गइल बा , ओइसहीं अइहें जइसे रउआ ओकरा के स्वर्ग में जात देखले बानी।*** " मसीह के एडवेन्टिस्ट परियोजना एह में प्रकट होला : यशायाह .61:1-2: " *प्रभु के आत्मा याहवा हमरा पर बा , काहे कि YaHWéH हमरा के अभिषेक कइले बाड़न कि हम पीड़ित लोग के सुसमाचार प्रचार करीं ; बदला* " 2003 साल बाद तक पूरा ना होखे वाला रहे , उनकर गौरवशाली दिव् य वापसी खातिर : " *आ* ***हमनी के भगवान के बदला लेवे के दिन*** *; शोक करे वाला सभे के दिलासा देवे खातिर ;* " .

एडवेंटिज्म के आज कई गो चेहरा बा , सबसे पहिले अउर सबसे महत्वपूर्ण आधिकारिक संस्थागत पहलू जवन 1991 में ताजा प्रकाश के नकार दिहलस जवन यीशु एकरा के पेश कईले रहले , विनम्र मानवीय साधन के माध्यम से जवन हम बानी। एह दस्तावेज में जहाँ उचित होखे ओहिजा विवरण लउकी . कई गो असहमत एडवेंचर समूह धरती पर बिखराइल मौजूद बाड़ें। ई प्रकाश ओह लोग के प्राथमिकता के रूप में संबोधित कइल गइल बा। इ "महान प्रकाश " के गठन करेला जवना के ओर हमनी के बड़ आध्यात्मिक बहिन एलेन व्हाइट एडवेन्टिस्ट लोग के नेतृत्व कईल चाहत रहली। उहाँ के अपना रचना के "छोट रोशनी " के रूप में पेश कइली जवन "महान रोशनी " के ओर ले जाला। अउर अपना आखिरी सार्वजनिक संदेश में , दुनो हाथ से पवित्र बाइबल के हवा में धइले , उ घोषणा कईली कि : "भाई लोग , हम एह किताब के तोहनी के प्रशंसा

करतानी। "उनकर इच्छा अब पूरा हो गइल बा ; दानियल अउर प्रकाशि तवाक्य के पूरा तरीका से व्याख्या बाइबिल के कोड के सख्त प्रयोग से कइल गइल बा। एगो सही सामंजस्य भगवान के महान बुद्धि के उजागर करेला। पाठक , रउआ जे भी होखीं , हम रउआ से निहोरा करत बानी कि अतीत के गलती मत करीं। इ रउआ ही बानी जेकरा ईश्वरीय योजना के अनुकूल होखे के चाहीं , काहे कि सर्वशक्तिमान रउआ दृष्टिकोण के अनुकूल ना होई। प्रकाश से इनकार कइल एगो नश्वर पाप ह जवना के कवनो उपाय नइखे ; ईसा मसीह के बहावल खून ओकरा के ढंकत नइखे। हम एह महत्वपूर्ण कोष्ठक के बंद क के घोषित " *आपदा* " पर लवटत बानी .

प्रकाशितवाक्य के कहानी से निपटे से पहिले , हमरा इ बतावे के होई कि काहे , सामान्य रूप से , परमेश्वर से प्रेरित भविष्यवाणी हमनी के मनुष्य खातिर बहुत जरूरी बा , काहे कि उनकर ज्ञान या अवहेलना के परिणाम अनन्त जीवन या निश्चित मौत होई। एकर कारण इ बा कि इंसान के स्थिरता बहुत पसंद बा अवुरी एही से ओकरा बदलाव के डर होखेला। नतीजतन ई लोग एह स्थिरता के रक्षा करेला आ अपना धर्म के परंपरा में बदल देला , जवन भी चीज नवीनता के एगो पहलू में पेश होखे ओकरा के नकार देला। पुरान ईश्वरीय वाचा के यहूदी लोग इहे काम कइल, सबसे पहिले उनकर विनाश खातिर , जेकरा के यीशु प् रकाशितवाक्य 2:8 अउर 3:9 में " *शैतान के आराधनालय " के रूप में निंदा करे में संकोच नइखन करत।* पिता लोग के परंपरा से चिपक के उ लोग मानत रहे कि एह माध्यम से उ लोग भगवान से आपन संबंध के रक्षा में सफल हो जईहे। बाकिर एह मामिला में का होला ? आदमी अब भगवान से बात करत घरी ना सुनेला , लेकिन भगवान से कहेला कि उ आपन बात सुनस। एह स्थिति में भगवान के अब आपन हिसाब ना मिलेला , त अउरी काहे कि अगर ई सही बा कि ऊ खुद अपना चरित्र आउनकर निर्णय में बदलाव ना करे जवन अनन्त काल खातिर उहे रहेला , त इहो साँच बा कि उनकर योजना लगातार बढ़त रहे ला आ हमेशा से बदलत रहेला। एह विचार के पुष्टि करे खातिर एगो श्लोक काफी बा : " *धर्मी लोग के रास्ता चमकत रोशनी निहन ह, जवन सिद्ध दिन तक* ***अवुरी जादे चमकेला ।*** (नीतिवचन 4:18)। " एह श्लोक के " *रास्ता* " यीशु मसीह में अवतार लिहल " *रास्ता* " के बराबर बा । इ साबित करेला कि मसीह में विश्वास के सच्चाई भी समय के साथ , परमेश्वर के सनक पर , उनकर योजना के अनुसार विकसित होला। अनन्त काल के उम्मीदवार लोग के यीशु के शब्दन के उ अर्थ देवे

के चाहीं जवन उनकरा के ह जब उ उनकरा से कहत हउवें : " *जे हमार काम के अंत तक रखेला , ओकरा के हम देब* ... (प्रकाशितवाक्य 2:26)। बहुत लोग के लागेला कि हमनी के जवन कुछ हासिल कइले बानी जा ओकरा के शुरू से अंत ले संरक्षित कइल काफी बा ; आई पहिलहीं से राष्ट्रीय यहूदी लोग के गलती रहे आईसा के टोलें के दृष्टांत में सीख रहे। लेकिन इ इ भुलाए खातिर बा कि सच्चा विश्वास जी वित परमेश्वर के आत्मा के साथे एगो स्थायी संबंध ह जवन इ सुनिश्चित करेला कि उनकर मुँह से आवे वाला इ भोजन हर समय आहर समय उनकर लइकन के दिहल जाव। परमेश्वर के वचन बाइबल के पवित्र शास्त्र तक सीमित नइखे ; एकरा बाद , स्थायी रूप से जीवित "लोगोस " रह जाला , वचन के पल भर खातिर मांस बनावल , मसीह पवित्र आत्मा में काम करेलन कि उ लोग के साथे आपन संवाद जारी रखे जवन उनका से प्यार करेला अउर पूरा आत्मा से उनकरा के खोजेला। हम एह बातन के गवाही दे सकेनी काहे कि हमरा व्यक्तिगत रूप से नया प्रकाश के एह योगदान से फायदा भइल बा जवन हम ओह लो ग से साझा करेनी जे ओकरा से ओतने प्यार करेनी जतना हमरा से प्यार करेनी . स्वर्ग से मिलल नवीनता उनका प्रकट योजना के बारे में हमनी के समझ में लगातार सुधार करेला आहमनी के ई जानल जरूरी बा कि जब पुरान व्याख्या अप्रचलित हो जाला त ओकरा के कइसे काट के छोड़ दिहल जाव . बाइबल हमनी के एह तरह से काम करे खातिर आमंत्रित करेला : " *सब कुछ परख करीं ; जवन अच्छा बा ओकरा के मजबूती से पकड़ीं* ; (1थिस .5:21)»।

भगवान के न्याय लगातार चुनल लोग के सामने प्रकट कइल गइल प्रेरित प्रकाश के एह प्रगतिशील विकास के अनुकूल होला , जवन उनकर वचन के भंडार हवें। एह तरह से परंपरा के सख्ती से पालन से नुकसान होला , काहे कि ई मनुष्य के दुनिया के अंत तक प्रगतिशील रूप से प्रकट भइल उद्धार कार्यक्रम के विकास के अनुकूल होखे से रोकेला। एगो अभिव्यक्ति बा जवन धार्मिक क्षेत्र में आपन पूरा मूल्य ले लेला : वर्तमान समय के सच् चाई भा वर्तमान सच्चाई . एह विचार के बेहतर तरीका से समझे खातिर हमनी के अतीत के ओर देखल जरूरी बा , जहाँ प्रेरित लोग के समय में हमनी के विश्वास के एगो सिद्ध सिद्धांत रहे। बाद में , बेहद अन्हार के भविष्यवाणी कइल समय में , प्रेरित लोग के सिद्धांत के जगह दुनों "रो म" के सिद्धांत ले लिहल गइल ; शाही आ पोप , शैतान खातिर तइयार एके दिव्य परियोजना के दू गो चरण। तब से सुधार के काम अपना नाम के जायज ठहरावेला , काहे कि ई झूठा सिद्धांतन के उखाड़ फेंके आ प्रेरित सिद्धांत के नष्ट भइल बढ़िया बीज के फेर से रोपे के बात बा . बहुत धैर्य के साथ भगवान समय देले , बहुत समय

देले , ताकि उनकर प्रकाश पूरा हो सके। बुतपरस्त देवता लोग के बिपरीत जे प्रतिक्रिया ना करे लें , काहें से कि ऊ लोग मौजूद नइखे , सृष्टिकर्ता भगवान अनन्त काल खातिर जिंदा रहे लें , आऊ देखावे लें कि ऊ मौजूद बाड़ें , अपना अनुकरणीय प्रति क्रिया आ काम से : आदमी के दुर्भाग्य , कठोर सजा के रूप में। जे प्रकृति के आज्ञा देला , बिजली , गरज आ बिजली के निर्देशन करेला , जे ज्वालामुखी के जगावेला आओकरा के दोषी मानवता पर आग थूक देला , जे भूकंप पैदा करेला आ विनाशकारी ज्वार -भाटा के लहर भड़कावेला , ऊहो ऊहे होला जे अपना चुनल लोग के दिमाग में फुसफुसावे आवेला , अपना परियोजना के प्रगति , ऊ का करे के तइयारी करत बा , जइसन कि ऊ पहिले से एलान कइले रहले , बहुते पहिले . " *काहेकि प्रभु परमेश्वर कुछ ना करेलन , बल्कि उ आपन सेवक भविष्यवक्ता लोग के सामने आपन राज बतावेलन* ," आमोस 3:7 के अनुसार।

एपोकैलिप्स के पहिला नज़र

प्रभु यीशु मसीह के प्रेरित यूहन्ना अपना प्रस्तुति में भगवान के दर्शन में दिहल छवि आसुनल संदेश के वर्णन कइले बाड़न। ऊपर से , लेकिन खाली ऊपर से , प्रकाशितवाक्य , ग्रीक "एपोकैलुप्सिस " के अनुवाद , कुछ भी ना उजागर करेला , काहे कि एह में आपन रहस्यमय पहलू बरकरार बा , जवन एकरा के पढ़े वाला विश्वासियन के भीड़ खातिर समझ में ना आवेला। रहस्य ओह लोग के हतोत्साहित कर देला आऊ लोग खुलल राज के अनदेखी करे में सिमट जाला .

भगवान बिना कारण के एह तरह से काम ना करेले। अइसन करके , उ हमनी के सिखावेलन कि उनकर प्रकाशन केतना पवित्र बा अउर , एही से , इ खाली उनकर चुनल लोग खातिर बनावल गइल बा। अउर इहे ह जहाँ एह विषय पर साफ होखल जरूरी बा : उनकर चुनल लोग उ लोग ना हवे जे अपना के होखे के दावा करेला , बल्कि विशेष रूप से उ लोग हवे जेकरा के उ खुद आपन सेवक के रूप में पहचानेलन , काहे कि उ लोग अपना निष्ठा अउर आज्ञाकारिता से झूठा विश्वासियन से अलग हो जाला।

*“ यीशु मसीह के प्रकाशन , जवन परमेश्वर उनकरा के देले बाड़न कि उ अपना सेवकन के उ सब कुछ देखावे खातिर जवन **<u>कुछ देर में होखे वाला</u>** बा .उ अपना सेवक यूहन्ना के अपना दूत के माध्यम से भेजलन आओकरा के संकेत दिहलन , जे परमे श्वर के वचन आ यीशु मसीह के गवाही के गवाही दिहलन , जवन भी उ देखले रहले।* (प्रकाशितवाक्य 1:1-2)। ”

एह तरह से , जे यूहन्ना 14:6 में घोषणा कइले बा , " *हम रास्ता , सच्चाई अउर जीवन हईं ; हमरा के छोड़ के केहू पिता के पास ना आवेला* ," उ अपना एपोकैलिप्स , उनकर प्रकाशन के माध्यम से आवेला , अपना सेवकन के सच्चाई के रास्ता देखावे खातिर जवन उ लोग के उनकर नाम पर चढ़ावल अउर प्रस्तावित अनन्त जीवन पावे के अनुमति देला। एह से खाली जेकरा के ऊ एकरा के पावे के लायक मानत बा , ओकरा के ही मिल जाई। अपना पा र्थिव सेवा के माध्यम से ठोस रूप से देखावे के बाद कि सच्चा विश्वास के मॉडल के गठन का होला , यीशु ओह लोग

के पहचान दिहे जे उनकरा आ उनकर स्वैच्छिक प्रायश्चित बलिदान के योग्य बा , एह मायने में कि उ लोग सही मायने में अपना के एह आदर्श रास्ता खातिर प्रतिबद्ध कइले बा जवना में उ उनकरा से पहिले चलल रहले। भगवान के सेवा में उनकर पूरा आपूरा समर्पण प्रस्तावित मानदंड ह। अगर मालिक पिलातुस से कहले : " *... हम दुनिया में सच्चाई के गवाही देवे खातिर आईल बानी* ... (यूहन्ना 18:37)," त एही दुनिया में , उनकर चुनल लोग के भी इहे करे के हो ई।

हर रहस्य के आपन सफाई होला बाकिर ओकरा के पावे खातिर ओह चाभी के इस्तेमाल करे के पड़ी जवन रहस्यन के पहुँच खोले आबंद कर देले . बाकिर सतही जिज्ञासु लोग खातिर अफसोस , एगो मुख्य कुंजी खुद भगवान ह, व्यक्तिगत रूप से . फुरसत में आअपना अचूक आबिल्कुल न्यायसंगत निर् णय का हिसाब से ऊ मानवीय बुद्धि के खोल देला भा बंद कर देला . इ पहिला बाधा प्रकट किताब के समझ में ना आवेला अउर सामान्य रूप से पवित्र बाइबल , जब एकरा के झूठा विश्वासियन के पढ़े के अधीन कईल जाला , त धार्मिक एलिबी के संग्रह बन जाला। अउर इ झूठा विश्वासी बहुत संख्या में बाड़े , जवना के वजह से , धरती पर , यीशु दुनिया के अंत तक प्रकट होखे वाला झूठा मसीह के बारे में आपन चेतावनी के कई गुना बढ़ा देले रहले , मत्ती 24:5-11-24 अउर मत्ती 7:21 से 23 के अनुसार , जहाँ उ ओह लोग के झूठा दावा के खिलाफ चेतावनी देत बाड़े जे जोर से आपन अनु यायी होखे के दावा करेलन।

एह से एपोकैलिप्स सच्चा विश्वास के इतिहास के प्रकटीकरण ह जेकरा के यीशु मसीह पिता के रूप में आ पवित्र आत्मा के रूप में मान्यता दिहलस जवन पिता , एक सृष्टिकर्ता परमेश्वर से आवेला। ई सच्चा आस्था उनकर चुनल लोग के योग्य बनावेला जे चरम धार् मिक भ्रम के अन्हार सदियन के समय से गुजरेला। इ स्थिति *तारा* के प्रतीक के जायज ठहरावेले जवना के परमेश्वर चुनल लोग के जिम्मेदार ठहरावेले जेकरा के उ पहचानेले , उहो पल भर खातिर , काहे कि उ लोग के तरह , उत्पत्ति 1:15 के अनुसार , उ लोग भी अन्हार में चमकेला ," *धरती पर रोशनी देवे खातिर* । "

प्रलय के दूसरा कुंजी भविष्यवक्ता दानियल के किताब में छिपल बा , जवन पुरान वाचा के किताबन में से एगो ह, जवन परमेश्वर के " *दू गो गवाह* " में से पहिला के गठन करेला जवना के उद्धृत प्रकाशितवाक्य 11:3; दूसरा बा एपोकैलिप्स आ नया वाचा के किताब। अपना पार्थिव सेवा के दौरान , यीशु अपना चेलन के ध्यान एह भविष्यवक्ता दानियल के ओर खींचले , जेकर

गवाही के पवित्र यहूदी "तोरा " में ऐतिहासिक किताबन में वर्गीकृत कइल गइल बा।

दिव्य प्रकाशन दू गो आध्यात्मिक स्तंभ के रूप लेला। इ अतना सही बा कि यूहन्ना के दिहल गईल दा नियल अउर एपोकैलिप्स के किताब एक दूसरा पर निर्भर बा अउर दू गो स्तंभ के तरह एगो ईश्वरीय आकाशीय प्रकाशन के राजधानी के ले जाए खातिर पूरक बा।

एह से प्रकाशितवाक्य सच्चा विश्वास के कहानी ह, जवना के परमेश्वर एह श्लोक में परिभाषित कइले बाड़न : " *धन्य बा उ जे एह भविष् यवाणी के वचन के पढ़ेला अउर सुनेला अउर ओकरा में लिखल बात के पालन करेला , काहेकि समय नजदीक आगईल बा* " (प्रकाशितवाक्य 1:3)।

"पढ़ल " क्रिया के भगवान खातिर एगो खास अर्थ बा, जवन एकरा के पढ़ल संदेश के समझे से जोड़त बा। ई विचार ईसा में व्यक्त कइल गइल बा। 29:11-12: " *सब प्रकटीकरण तोहनी खातिर एगो मुहर लगावल किताब के वचन निहन बा , जवन पढ़े के जानत आदमी के दिहल जाला , इ कहत कि , 'ई पढ़ीं !' आ ऊ कहत बाड़न कि हम ना कर सकीं , काहे कि ओकरा पर मोहर लागल बा ; भा जइसे कवनो किताब जवन पढ़े ना आवे वाला आदमी के दिहल जाला आकहल जाला कि ई पढ़ीं ! आऊ कहत बाड़न , 'हमरा पढ़े के तरीका नइखे मालूम ।'* " एह तुलनान से , आत्मा ओह लोग खातिर कोडित दिव्य संदेशन के समझे के असंभवता के पुष्टि करेला जे " अपना मुँह आहोंठ से उनकर सम्मान करेला , लेकिन जेकर दिल ओकरा से दूर बा ," ईसा के अनुसार। 29:13: " *प्रभु कहले , 'जब इ लोग हमरा नजदीक आवेला त उ लोग हमरा के अपना मुंह अवुरी होंठ से सम्मान देवेले , लेकिन उनुकर दिल हमरा से दूर बा , अवुरी उनुका हमरा से जवन डर बा उ* ***सिर्फ मानव परंपरा के उपदेश ह।*** *'* ". के बा।

तीसरा चाभी पहिला कुंजी से जुड़ जाला। इ परमेश्वर में भी पावल जाला , जे सार्वभौमिक रूप से अपना चुनल लोग में से ओह आदमी के चुनेलन जेकरा के उ भविष्यवाणी के "पढ़े " में सक्षम बनाई ताकि उ यीशु मसीह में अपना भाई -बहिन के रोशन कर सके। काहे कि पौलुस 1 कुरिन्थियों में एकरा के याद कइले बाड़न। 12:28-29: " *अउर परमेश्वर कलीसिया में पहिले प्रेरित , दूसरा भविष्यवक्ता , तीसरा गुरु , फिर चमत्कार करे वाला , फिर चंगाई , मदद , सरकार अउर तरह तरह के भाषा के वरदान रखले बाड़न। का सब प्रेरित हवें ? का सब भविष्यवक्ता हवें ? का सब गुरु हवें ?* "

भगवान के निर्देशित क्रम में व्यक्तिगत मानवीय निर्णय से भविष्यवक्ता के रूप में तात्कालिकता ना होला। सब कुछ ओइसहीं होला जइसे यीशु दृष्टांत में सिखवले बाड़न , हमनी के मंच के

सामने पहिला स्थान लेवे खातिर जल्दी ना करे के चाहीं , लेकिन एकरा उल्टा , हमनी के कमरा के पीछे बइठे के चाहीं , अउर इंतजार करे के चाहीं , अगर होखे के चाहीं , कि भगवान हमनी के सामने के पंक्ति में जाए खातिर आमंत्रित करस। हम उनकर काम में कवनो खास भूमिका के आकांक्षा ना रखनी , अउर हमरा अपना खातिर , खाली एह अजीब संदेशन के अर्थ के समझे के इच्छा के बहुत भूख रहे , जवन हम प्रकाशितवाक्य में पढ़ले रहनी। आ भगवाने रहले जे ओह लोग के मतलब समझे से पहिले हमरा के एगो दर्शन में बोलवले रहले . एह से हम जवन रचना प्रस्तुत करत बानी ओकर असाधारण रूप से चमकदार चरित्र से आश्चर्य मत करीं ; ई एगो प्रामाणिक रूप से प्रेरित मिशन के फल ह।

कोडित तरीका से प्रकट भइल उनकर रहस्य के समझे में क्षणिक असमर्थता एह से सामान्य बा आ भगवान के स्थापित क्रम में प्रावधान कइल गइल बा। अज्ञानता कवनो दोष ना होला , जबले कि ऊ दिहल गइल प्रकाश के मना कइला के परिणाम ना होखे . जवन भविष्यवक्ता लोग के माध्यम से उ एह काम खातिर कमीशन करेला ओकरा से इनकार करे के मामला में ईश्वरीय वाक्य तत्काल बा : इ रिश्ता , सुरक्षा अवुरी आशा के टूटल ह। एह तरह से , एगो मिशन भविष्यवक्ता , यूहन्ना , के परमेश्वर से कोडित दर्शन मिलल , अंत के समय , एगो अउरी मिशन भविष्यवक्ता आज रउवां के सामने दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के डिकोड दर्शन पेश करेला , रउवां के उदात्त स्पष्टता से ईश्वरीय आशीष के सब गारंटी पेश करेला। एह डिकोडिंग खातिर , खाली एगो स्रोत बा : बाइबल , बाइबल के अलावा कुछुओ ना , बल्कि पूरा बाइबल , पवित्र आत्मा के रोशनी के तहत। भगवान के ध्यान आ उनकर प्रेम सबसे साधारण मानव प्राणी के ओर मुड़ल बा , जइसे कि आज्ञाकारी लइकन के , जवन अंत के समय में दुर्लभ हो गइल बा। ईश्वरीय विचार के समझल भगवान आ उनकर सेवक के बीच घनिष्ठ आ गहन सहयोग से ही हासिल कइल जा सकेला। सच्चाई के चोरी ना कइल जा सके ; एकरा के कमाए के पड़ी। एकरा के दिव्य उत्सर्जन , फल, प्रिय आ आराध्य भगवान के सार के रूप में प्रेम करे वा ला लोग एकरा के ग्रहण करेला।

दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के किताबन द्वारा पूरक तरीका से ले आवल गईल महान प्रकाशितवाक्य के पूरा संरचना विशालकाय अउर धोखा देवे वाला जटिल बा। काहे कि वास्तविकता में भगवान अक्सर ओहमें एके गो विषयन के अलग अलग आपूरक पहलू आ विवरण का तहत जिक्र करेलें . आज हमरा एह विषय पर जवना स्तर पर महारत हासिल बा , उजागर धार्मिक इतिहास असल में संक्षेप में बतावल बहुत सरल बा।

एगो चउथा कुंजी बाचल बा : हमनी के। हमनी के चुनल जरूरी बा , काहे कि हमनी के आत्मा अउर हमनी के पूरा व्यक्तित्व के भगवान के साथे उनकर अच् छाई अउर बुराई के सब अवधारणा साझा करे के होई। अगर केहू ओकर ना होखे त ऊ अपना सिद्धांत के कवनो ना कवनो बिंदु पर चुनौती जरूर दी . गौरवशाली प्रकाशितवाक्य खाली चुनल लोग के पवित्र मन में साफ लउकेला। सच्चाई अइसन बा कि ओकरा के मोलभाव ना कइल जा सके , ओकरा पर बातचीत ना कइल जा सके ; हमनी के ओकरा के जइसन बा ओइसने लेबे के पड़ी ना त छोड़े के पड़ी . जइसन कि यीशु सिखवले बाड़न , सब कुछ "हाँ " या "ना " से निपटावल जाला। आ आदमी एकरा में जवन जोड़ देला ऊ दुष्ट से मिलेला .

एगो मौलिक मापदंड बनल बा जवना के भगवान मांग करेले : पूर्ण विनम्रता। कवनो काम पर गर्व जायज होला , बाकिर घमंड कबो ना होई : " *भगवान घमंडी के विरोध करेलें। " लेकिन विनम्र लोग के अनुग्रह देला* (याकूब 4:6)। घमंड बुराई के जड़ होखला के नाते शैतान के पतन के कारण बनल जवना के राक्षसी परिणाम ओकरा खातिर अउर परमेश्वर के सब स्वर्गीय अउर पार् थिव प्राणी खातिर , एगो घमंडी प्राणी खातिर मसीह में चुनाव पावल असंभव बा।

सच्चा विनम्रता में हमनी के मानवीय कमजोरी के पहचानल अउर मसीह के वचन पर विश्वास कइल शामिल बा जब उ हमनी के कहत हउवें : " हमरा बिना रउवां कुछ भी ना कर सकीं " (यूहन्ना 15:5)। एह " *कुछुओ ना " में सबसे पहिले आ सबसे खास बात बा कि उनकर कोडित भविष्यवाणी संदेशन के अर्थ के समझे के संभावना बा। काहे बताइब आ सफाई देब। अपना बुद्धि में* , अपना दिव्य बुद्धि में , प्रभु दानियल के प्रेरित कइलन कि ऊ आपन भविष्यवाणी दशकन से अलग-अलग हिस्सा में लिखस। एह सब भविष्यवा णी के अध्याय में अलग-अलग तुलनात्मक संश्लेषण करे के विचार से उ हमरा के प्रेरित करे से पहिले हमरा से पहिले केहू अइसन ना कइले रहे। काहे कि एही तकनीक के माध्यम से ही भगवान के ओर से पेश आरोप में सटीकता अवुरी स्पष्टता के फायदा होखेला। प्रकाश के रहस्य सब भविष्यवा णी के ग्रंथन के संश्लेषण में बा , ओकर अलग-अलग अध्याय से मिलल आंकड़ा के समानांतर अध्ययन में बा , अउर सबसे ऊपर , पूरा बाइबल में सामना करे वाला प्रतीकन के आध्यात्मिक अर्थ के खोज में बा। जब तक एह तरीका के इस्तेमाल ना भइल , दानियल के किताब , जवना के बिना प्रकाशितवा क्य के भविष्यवाणी बिल्कुल समझ में ना आवे वाला बा , जवन ईश्वरीय आरोप के जिक्र कइल गइल बा , ओह लोग के ज्यादा चिंता ना कइलस जेकरा से उ लोग संबंधित रहे। इहे स्थिति के बदले खातिर बा , कि यीशु

मसीह के पवित्र आत्मा हमरा के साफ करे खातिर प्रेरित कइलस कि तब तक जवन अस् पष्ट रखल गइल रहे। एह तरह से ईश्वरीय क्रोध के चार गो मुख्य लक्ष्य के पहचान निर्विवाद रूप से प्रकट होला। परमेश्वर अपना लिखल वचन के अलावा कवनो अउरी अधिकार के ना मानेलन , अउर इहे ह जवन प्रकाशितवाक्य 11:3 के अनुसार उनकर " *द्व गो गवाह " के रूप में , पार्थिव अउर स्व र्गीय पापी लोग के निंदा करेला अउर आरोप लगावेला।* अब संक्षेप में प्रकट भइल एह भविष्यवाणी के इतिहास के देखल जाव।

<u>भाग एक</u> : 605 से देश निकाला में इजरायल के इतिहास

दानियल बेबिलोन में पहुँच जाला (-605) दान .1
लगातार शासकन के बारे में दानियल के दर्शन
1-कल्दी साम्राज्य : दान .2:32-37-38 के बा ; 7:4 के बा।
2-मादी अउर फारसी साम्राज्य : दान .2:32-39; 7:5 में दिहल गइल बा ; 8:20 बजे के बा।
3-ग्रीक साम्राज्य : दान .2:32-39 के बा ; 7:6 में दिहल गइल बा ; 8:21 के बा ; 11:3-4-21 के बा।
4-रोमन साम्राज्य : दान .2:33-40 के बा ; 7:7 में दिहल गइल बा ; 8:9 में दिहल गइल बा ; 9:26 के बा ; 11:18-30 के बा।
5-यूरोपीय राज्यन के : दान .2:33; 7:7-20-24 के बा।
6-पोप के शासन के : . . . . . दान .7:8 के बा ; 8:10 बजे के बा ; 9:27 के बा ; 11:36 बजे के बा।

<u>भाग द्व</u> : दानियल + प्रकाशितवा क्य

यहूदी लोग द्वारा खारिज कइल गइल मसीह के पहिला आगमन के भविष्यवाणी : दानियल 9।
यूनानी राजा एन्टिओकस चउथा एपिफेनीस (-168) द्वारा यहूदी लोग के उत्पीड़न : एगो *बड़हन आपदा के घोषणा* : दान .10:1। पूरा होखे के बा : दान .11:31। रोमन उत्पीड़न (70): दान .9:26 के बा।
कसदी , मादी आ फारसी , यूनानी लोग के बाद , रोम पर वर्चस्व , शाही , फिर पोप , 538 से रोम में , ईसाई विश्वास के मुलाकात अपना नश्वर दुश्मन से लगातार द्व गो शाही आपोप के चरण में होला : दान .2:40 से 43; 7:7-8-19 से 26 तक के बा ; 8:9 से 12 तक के बा ; 11:36 से 40 बजे तक के समय बा ; 12:7 में दिहल गइल बा ; पुनरीक्षण 2 के बा ; 8:8 से 11 तक के बा ; 11:2 में दिहल गइल बा ; 12:3 से 6-13 से 16 तक के बा ; 13:1 से 10 तक के बा ; 14:8 के बा।
1170 (पिएरे वाल्डो) से , मसीह के वापसी तक सुधार के काम : प्रकाशितवाक्य 2:19-20-24 से 29; 3:1 से 3 तक के बा ; 9:1 से 12 तक के बा ; 13:11 से 18 बजे तक के बा।

1789 से 1798 के बीच फ्रांसीसी क्रांतिकारी नास्तिकता के दंडात्मक कार्रवाई : प्रकाशितवाक्य 2:22; 8:12 के बा ; 11:7 से 13 तक के बा।

नेपोलियन प्रथम के साम्राज्य : प्रकाशितवाक्य 8:13।

1843 से , एडवेन्टिस्ट विश्वास के परी क्षा अउर ओकर परिणाम : दानियल 8:14; 12:11-12 में दिहल गइल बा ; प्रकाशितवाक्य 3. पारंपरिक प्रोटेस्टेंट धर्म के पतन : प्रकाशितवाक्य 3:1 से 3; एकर सजा : प्रकाशितवाक्य 9:1 से 12 (5वां *तुरही बजावे के बा*)। एडवेन्टिस्ट के अग्रदूत लोग आशीष दिहल : प्रकाशितवाक्य 3:4-6।

1873 से , सार्वभौमिक सेवेन्थ -डे एडवेन्टिस्ट संस्था के आधिकारिक आशीर्वाद : डेनियल 12:12; प्रकाशितवाक्य 3:7 में दिहल गइल बा ; *भगवान के मुहर* : प्रकाशितवाक्य 7; एकर सार्वभौमिक मिशन या तीन स्वर्गदूत के संदेश : प्रकाशितवाक्य 14:7 से 13 तक।

1994 से , भविष्यवाणी के वि श्वास के परीक्षा के अधीन , संस्थागत एडवेन्टिस्ट विश्वास गिर गईल : प्रकाशितवाक्य 3:14 से 19. नतीजा : इ 1844 से खारिज कईल गईल प्रोटेस्टेंट शिविर में शामिल हो गईल : प्रकाशितवाक्य 9:5-10। एकर सजा : प्रकाशितवाक्य 14:10 (*उहो पी लिहे* , ...)।

2021 से 2029 के बीच , तीस रा बिस्व जुद्ध : डेनियल 11:40 से 45; प्रकाशितवाक्य 9:13 से 19 (6वां के *तुरही बजावे के बा*)।

2029 में सामूहिक आ व्यक्तिगत अनुग्रह के समय के अंत : प्रकाशितवाक्य 15।

विश्वास के सार्वभौमिक परीक्षा : थोपल गइल अतवार के नियम : प्रकाशितवाक्य 12:17; 13:11-18 में दिहल गइल बा ; 17:12-14 में दिहल गइल बा ; सात गो आखिरी विपत्ति : प्रकाशितवाक्य 16।

2030 के बसंत में , " *आरमागेडोन* ": मौत के फरमान अउर मसीह के गौरवशाली वापसी : दानियल 2:34-35-44-45; 12:1 में दिहल गइल बा ; प्रकाशितवाक्य 13:15 में दिहल गइल बा ; 16:16 के बा। सातवाँ *तुरही* : प्रकाशितवाक्य 1:7; 11:15-19 में दिहल गइल बा ; 19:11-19 में दिहल गइल बा। *सातवाँ आखिरी विपत्ति* : प्रकाशितवाक्य 16:17। चुनल लोग के *फसल या रैप्चर : प्रकाशितवाक्य 14:14-16 / झूठा धार्मिक गुरु लोग के विंटेज* या सजा : प्रकाशितवाक्य 14:17-20; 16:19 में दिहल गइल बा ; 17 के बा ; 18 के बा ; 19:20-21 के बा।

बसंत 2030 से , परमेश्वर अउर उनकर चुनल लोग खातिर सातवाँ सहस्राब्दी या महान सब्त के दिन : हार के , शैतान के उजाड़ धरती पर *हजार साल तक जंजीर में बान्हल गइल बा* : प्रकाशितवाक्य 20:1 से 3. स्वर्ग में ,

चुनल लोग गिरल लोग के न्याय करे ला : दानियल 7:9; पुनरीक्षण 4 के बा ; 11:18 के बा ; 20:4 से 6 तक के बा।

3030 के आसपास , अंतिम न्याय : चुनल लोग के महिमा : प्रकाशितवाक्य 21. धरती पर *दूसरा मौत : दानियल 7:11;* 20:7 से 15. नवीकरण भइल धरती पर : प्रकाशितवाक्य 22; दान के बा। 2:35-44 में दिहल गइल बा ; 7:22-27 में दिहल गइल बा।

भविष्यवाणी में रोम के प्रतीक

भविष्यवाणी के अस्पष्ट पहलू अलग-अलग प्रतीक के प्रयोग में बा भले ही उ एकही इकाई से संबंधित होखे। एह तरह से ई परस्पर विरोधी ना होके पूरक हो जालें। एह से भगवान के ग्रंथन के रहस्यमय पहलू के कायम राखे के मौका मिलेला आलक्षित विषय के अलग-अलग पहलु के समग्र चित्र बनावे के मौका मिलेला। उनुकर मुख्य निशाना रोम के मामला में इहे हाल बा।

दान .2 में , मूर्ति के दर्शन में , ई चउथा साम्राज्य हवे जेकर प्रतीक " *लोहा के गोड़* " बा। " *लोहा* " एकर कठोर चरित्र आ एकर लैटिन आदर्श वाक्य "DVRA LEX SED LEX" के छवि हवे , जेकर अनुवाद ई बा : "का नून कठोर बा , बाकी कानून कानून हवे "। एतने ना , " *लोहा के गोड़* " धड़ , सिर , कंधा , हाथ आगोड़ पर लोहा के ब्रेस्टप्लेट पहिनले रोमन लेजिओनेरी लोग के रूप के याद दिलावत बा , लंबा , संगठित आ अनुशासित स्तंभ में पैदल आगे बढ़त रहले।

दान में बा। 7, रोम , अपना दू गो बुतपरस् त चरण , गणतंत्र आशाही , आजुओ चउथा साम्राज्य हवे जेकरा के " *लोहा के दाँत वाला एगो भयानक राक्षस* " के रूप में

वर्णित कइल गइल बा। एकर *दाँत के लोहा एकरा के दान के लोहा के गोड़ से जोड़ देला* । 2. एकर "*दस सींग* " भी बा जवन दस गो स्वतंत्र यूरोपीय राज्यन के प्रतिनिधि त्व करेला जवन रोमन साम्राज्य के पतन के बाद बन जाई। इहे शिक्षा ह जवन दान में दिहल गइल बा। 7:24 के बा।

सींग " के प्रकटीकरण के वर्णन करेला जवन भविष्यवाणी में , सब ईश्वरीय क्रोध के मुख्य निशाना बन जाई। एकरा के "*छोट सींग* "*कहल जाला लेकिन* , *विरोधाभासी रूप से* , *दा न.7:20 एकरा के* "*बाकी लोग से ज्यादा रूप* "देला । सफाई दान .8:23-24 में दिहल जाई , "*उ बेशर्म आ चालाक राजा ... अपना उद्यम में सफल होई* ; *उ शक्तिशाली अउर संतन के लोग के नाश करी* ।" ई खाली ओह कामन के एगो हिस्सा ह जवन भगवान एह दूसरा रोमन वर्चस्व के आरोप लगावेले , जव न 538 से पूरा होला , पोप शासन के स्थापना के साथ जवन जस्टिनियन प्रथम के शाही अधिकार से रोमन कैथोलिक आस्था के थोप देला हमनी के ओह सब आरोपन के नोट करे के पड़ी जवन भगवान बिखराइल तरीका से , पूरा भविष्यवाणी में , एह निरंकुश आ निरंकुश , लेकिन धार्मिक , शासन जवन रोमन पो पवाद के प्रतिनिधित्व करेला। अगर दान .7:24 ओकरा के "*पहिला से अलग* "कहेला , त ठीक एह से कि ओकर शक्ति धार्मिक बा अउर शक्तिशाली लोग के विश्वास पर टिकल बा जे ओकरा से डेराला अउर परमेश्वर के साथे ओकर प्रभाव से डेराला ; जवना के दान .8:25 "*उनकर चाल के सफलता* " के जि म्मेदार ठहरावेला। कुछ लोग के ई असामान्य लाग सकेला कि हम दानियल 7 के राजा के दानियल 8 के राजा से जोड़त बानी एहसे हमरा एह कड़ी के औचित्य के प्रदर्शन करे के होई।

दान .8 में अब हमनी के दान .2 आ 7 के चार गो शाही उत्तराधिकार ना मिलेला , बलुक एह में से खाली दू गो सा म्राज्य मिलेला , एकरा अलावा पाठ में साफ -साफ पहचानल गइल बा : मादी -फारसी साम्राज्य , जेकरा के "*मेढ़ा* " से नामित कइल गइल बा आयूनानी साम्राज्य के छवि "*बकरी* " से बनल बा जवन रोमन साम्राज्य से पहिले के बा। 323 में , महान यूनानी विजेता सिकंदर महान के मौत हो जाला , "*बकरी के बड़का सींग टूट जाला* "। बाकिर बिना वारिस के उनकर साम्राज्य उनकर सेनापति लोग के बीच बँटल बा। इनहन के बीच 20 साल के लड़ाई के बाद खाली 4 गो राज्य बाचल बा "*एकरा जगह लेबे खातिर चार गो सींग स्वर्ग के चार हवा तक उठल* "। ई चारो सींग मिस्र , सीरिया , ग्रीस आ थ्रेस हवें। एह अध्याय 8 में , आत्मा हमनी के सामने एह चउथा साम्राज्य के जन्म के प्रस्तुत करत बा जवन , शुरू में , खाली एगो पश्चिमी शहर ह , पहिले राजतंत्रवादी , फिर गणतंत्रवादी तब से – 510. इहे अपना गणतंत्रवादी शासन में ही रोम धीरे -

धीरे ओह लोग के रोमन उपनिवेश में बदल के सत्ता हासिल करेला जे ओकर मदद के आह्वान करेला। एह तरह से , कि पद 9 में , " *छोट सींग* " नाम के तहत जवन पहिले से ही दान .7 में रोमन पोप शासन के नामित करेला , पूर्व के इतिहास में गणतंत्र रोम के आगमन जहाँ इजरायल पावल जाला , ग्रीस में ओकर हस्तक्षेप से पूरा होला , " *चार सींग में से एगो* "। जइसन कि हम अभी कहले बानी कि -214 में एकरा के बोलावल गइल रहे कि दू गो ग्रीक लीग , अकेयन लीग आ एटोलियन लीग के बीच विवाद के निपटारा होखे आ एकर परिणाम ग्रीस खातिर भइल , ओकर आजादी के नुकसान भइल आ -146 में रोमन लोग के औपनिवेशिक अधीनता भइल . पद 9 लगातार विजय के उकसावत बा जवन इटली के एह छोट शहर के , पिछला भविष्यवाणी में " *लोहा* " से चित्रित चउथा साम्राज्य बनाई । तर्क के भौगोलिक स्थिति इटली के बा जहाँ रोम स्थित बा। एकर संस्थापक रोमुलस आ रेमुस के जनम में एगो मादा भेड़िया के देखावल गइल बा जे ओह लोग के दूध पियले रहित। लैटिन में लूवे शब्द "लुपा " हवे जेकर मतलब होला भेड़िया -भेड़िया बाकी वेश्या भी। एह तरह से अपना सृष्टि से ही ई शहर भगवान द्वारा अपना दोहरा भविष्यवाणी वाला भाग्य खातिर चिन्हित कइल गइल। हमनी के एकरा के ईसा के भेड़िया के गोला में भेड़िया के रूप में पाईब जा , जवन एकर तुलना अपो में एगो वेश्या से करी। 17. फेर , एकर विस्तार अपना " *दक्षिण* " के ओर दक्षिणी इटली (-496 से -272) के जीत के पूरा भइल , फेर 264 ईसा पूर्व से कार्थेज , वर्तमान ट्यूनिस के खिलाफ लड़ल युद्धन से विजयी होके निकलल। एकर " *पूरब* " के ओर अगिला चरण ग्रीस में एकर हस्तक्षेप के बा जईसे कि हमनी के अभी देखले बानी जा। उहाँ एकरा के सिकंदर महान से बिरासत में मिलल खंडित यूनानी साम्राज्य के " *चार गो सींग में से एक से उठल " के रूप में बतावल गइल बा।* बढ़त ताकतवर , -63 में , रोम अंत में यहूदिया पर आपन मौजूदगी आ आपन औपनिवेशिक शक्ति थोप दी जवना के आत्मा " *देशन में से सबसे सुंदर* " कहेले काहे कि ई मिस्र से अपना लोग के पलायन के बाद ओकर रचना के बाद से ओकर काम ह। ई अभिव्यक्ति इजकि . 20:6-15 में दिहल गइल बा। ऐतिहासिक परिशुद्धता : एक बेर फेरु से , रोम के हाइर्कनस द्वारा अपना भाई अरिस्टोबुलस के खिलाफ संघर्ष में बोलावल गइल। तीन गो रोमन बिजय सभ के वर्णन एकही अध्याय में मादी -फारसी " *मेढ़क* " के समान भौगोलिक रूप में , ऐतिहासिक गवाही के अनुरूप बा। परमेश्वर द्वारा निर्धारित लक्ष्य एह तरह से पूरा हो जाला : दान .7:8 अउर दान .8:9 के अभिव्यक्ति " *छोट सींग* ", दुनो संदर्भ में , रोमन पहचान से संबंधित बा। बात प्रदर्शन आ निर्विवाद बा। एह निश्चय पर ईश्वरीय

आत्मा अपना शिक्षा आएह पोप के धार्मिक शासन पर आपन आरोप पूरा कर पाई जवन स्वर्ग के सगरी वज्र अपना पर केंद्रित बा . पोप के रोम के शाही रोम के उत्तराधिकार के प्रदर्शन दान .7 में भइल बा , इहाँ , दान .8 में , आत्मा ओह सदियन के छोड़ देला जवन ओह लोग के अलग करेला , आपद 10 से , ऊ आपन निशाना बनावेला , पोप के इकाई , आपन पसंदीदा नश्वर दुश्मन ; आबिना कारण के ना . काहे कि ई यी शु मसीह द्वारा इकट्ठा कइल गइल स्वर्ग के राज्य के नागरिकन के ईसाई धर्म के स्वीकार करेला : " *स्वर्ग के सेना में उठल* ." ई काम 538 में जस्टिनियन प्रथम के शाही फरमान से पूरा भइल जे विजिलियस प्रथम के धार्मिक अधिकार आवेटिकन के पोप के गद्दी दिहलें । बाकिर एह शक्ति से लैस होके ऊ भगवान के संतन के खिलाफ काम कइलें , जिनहन के ऊ ईसाई धर्म के नाँव पर सतावलें , जइसे कि उनकर ऐतिहासिक उत्तराधिकारी लोग लगभग 1,260 साल (538 से 1789-1793 के बीच) ले करी। एगो ऐतिहासिक स्पष्टीकरण एह अवधि के सटीकता के पुष्टि करेला , ई जानत कि ई फरमान 533 में लिखल गइल रहे , एह से 1,260 साल , एह गणना में , 1793 में खतम भइल , ऊ साल जवना में क्रांतिकारी "आतंक " में रोमन चर्च के खतम करे के फरमान जारी भइल। " *एकरा से कुछ तारा धरती प गिर गईल अवुरी रौंद दिहलस* ." प्रकाशितवाक्य 12:4 में मूर्ति के फिर से उठावल जाई : " *एक र पूंछ स्वर्ग के तारा के एक तिहाई बह के धरती पर फेंक दिहलस* । " चाभी बाइबल में दिहल गइल बा। *तारा* के बारे में , उ उत्पत्ति 1:15 में बा : " *परमेश्वर ओकरा के आकाश के विस्तार में रखले बाड़े ताकि उ धरती प रोशनी देवे* "; उत्पत्ति 15:5 में , उनकर तुलना अब्राहम के वंशज से कइल गइल बा : " *स्वर्ग के ओर देखऽ आ तारा गिनी , अगर तू ओह लोग के गिनती करे में सक्षम बानी ; तोहार संतान भी ओइसने होई* "; दान .12:3 में : " जे लोग बहुत लोग के धार्मिकता के ओर मुड़त बा , *उ लोग तारा निहन हमेशा खातिर चमकीहे* । " " *पूंछ* " शब्द के ईसा मसीह के प्रलय में बहुत महत्व होई , काहे कि इ " *झूठ सिखावे वाला भविष्यवक्ता* " के प्रतीक अउर नामित करेला , जईसे कि यशायाह 9:14 हमनी के बतावेला , एह तरह से ईश्वरीय कोडित संदेश के बारे में हमनी के समझ खुल जाई। एह से रोम के पोप के शासन , अपना वर्चस्व के सदियन के दौरान आ एकरे उत्प त्ति के बाद से , झूठा भविष्यवक्ता लोग द्वारा निर्देशित बा , भगवान द्वारा प्रकट कइल गइल पवित्र आ न्यायसंगत न्याय के अनुसार।

दान में बा। 8:11, परमेश्वर पोप के पद पर आरोप लगवले बाड़न कि ऊ ईसा मसीह के खिलाफ उठल बाड़न , एकमात्र " *राजकुमारन के मुखिया* ," जइसन कि पद 25 में निर्दिष्ट कइल जाई , प्रकाशितवाक्य 17:14 में " *राजा*

लोग के राजा आ प्रभु लोग के प्रभु " के रूप में भी उद्धृत कइल गइल बा ; 19:16 के बा। हमनी के पढ़ेनी जा : " *उ सेना के कप्तान तक अपना के ऊपर उठवली , अवुरी उनुका से रोज के बलिदान छीन लेली अवुरी उनुका पवित्र स् थान के आधार के उखाड़ देली* । " ई अनुवाद आम अनुवादन से अलग बा , बाकिर एकर मेरिट बा कि मूल हिब्रू पाठ के कड़ाई से सम्मान कइल जाव . आ एह रूप में भगवान् के संदेश स्थिरता आ परिशुद्धता ले लेला। इहाँ " *दैनिक* " शब्द "बलिदान " के संदर्भ ना देला , काहें से कि ई शब्द हिब्रू पाठ में ना लिखल गइल बा , एकर मौजूदगी नाजायज आ अनुचित बा ; अतने ना , भविष्यवाणी के अर्थ के विकृत कर देला। दरअसल , भविष्यवाणी ईसाई युग के निशाना बनावत बा जवना में दान के अनुसार। 9:26, *बलिदान अउर बलिदान के* समाप्त कर दिहल गइल। ई शब्द " *शाश्वत* " ईसा मसीह के एगो वि शेष संपत्ति से संबंधित बा जवन उनकर पुरोहिताई ह , यानी कि उनकर एकमात्र चुनल लोग के पक्ष में बिनती करे के शक्ति जेकरा के ऊ पहचान करेला आचुनेला। अब एह दावा के जब्त क के पोप के शासन अभिशप्त लोग के आशीर्वाद देला आ भगवान के आशीर्वादित लोग के गारी देला जिनका पर ऊ पाखण्ड के झूठा आरोप लगावेला , अपना के ईश्वरीय आस्था के मॉडल के रूप में खड़ा करेला ; एगो अइसन दावा जवना के परमेश्वर अपना भविष्यवाणी के प्रकाशन में पूरा तरह से मुकाबला कइले बाड़न जवन उनकरा पर आरोप लगावेला , दान .7:25 में , " *समय अउर कानून के बदले के डिजाइन बनावे ला* । " एह से पाखण्ड पोप शासन के पूरा काम में बा , एह तरीका से कवनो धार्मिक निर्णय के सहन करे भा देवे के अयोग्य बना दिहल जाला। एह से शाश्वत , इब्रानियों 7:24 के शिक्षा के अनुसार , यीशु मसीह के " *अपरिवर्तनीय पुरोहिताई* " ह । एह से पोपरी ई दावा ना कर सके ला कि ए कर शक्ति आ अधिकार ईसा मसीह में भगवान से मिलल बा ; ऊ ओकरा से गैरकानूनी तरीका से ही चोरा सकत रहे , जवना के तमाम नतीजा जवन कि अयीसन चोरी के अपना अवुरी ओकरा से बहकावे वाला के होई। ई परिणाम दान में उजागर भइल बा। 7:11 के बा। अंतिम न्याय में , एकरा के " *दूसरा मौत के सामना करे के पड़ी , आग आ गंधक के झील में जिंदा फेंक दिहल गईल* ," जवना से उ बहुत दिन से राजकुमार अवुरी सभ आदमी के धमकी देले बा , ताकि उ लोग एकर सेवा करस अवुरी डेरास : " *अवुरी हम देखनी कि सींग जवन बड़ बात कहले रहे , ओकरा चलते जानवर के मार दिहल गईल , अवुरी ओकर लाश के नष्ट क दिहल गईल , जवना के आग में जरा दिहल गईल* । " बदला में , प्रलय के प्रकाशन प्रकाशितवाक्य 17:16 में सच्चा परमेश्वर के न्यायसंगत न्याय के एह वाक्य के पुष्टि करी , जवन कि आक्रोशित अउर कुंठित हो गइल बा ; 18:8 में दिहल गइल बा ;

19:20 बजे के बा। हम अनुवाद करे के चुननी , " *आ उनकर अभयारण्य के आधार पलट दिहनी* " काहे कि पोप शासन पर आरोप के आध्यात्मिक प्रकृति रहे। दरअसल , हिब्रू शब्द "मेकन " के अनुवाद कइल जा सकेला : *जगह* भा *आधार* . आ हाथ में आइल मामिला में ई वाकई में *आध्यात्मिक अभयारण्य के आधार ह* जवन पलट गइल बा . ई शब्द " *आधार* " चिंता के विषय बा , इफिसियों के अनुसार। 2:20-21, खुद ईसा मसीह , " *मुख्य आधारशिला* ", लेकिन इहो , एगो आध्यात्मिक भवन के तुलना में पूरा प्रेरित नींव , यानी कि यीशु मसीह के मालिकाना हक " *पवित्र स्थान* ", जवन परमेश्वर के द्वारा उनकरा पर बनल रहे। एहसे संत पीटर के कथित विरासत के विरोध खुद भगवान करतारे। पेपिज्म खातिर पतरस के एकमात्र विरासत बा उनकर जल्लाद लोग के काम के निरंतरता जवन उनका के उनकर दिव्य गुरु के बाद सूली पर चढ़वले रहे। इन्किजिशन के उनकर शासन निष्ठा से शुरुआती बुतपरस्त मॉडल के दोबारा पेश कइलस। भगवान के स्थापित कइल " *समय आकानून के बदल दिहला* " के बाद , ई असहिष्णु आ क्रूर शासन , जेकर कुछ पोप के सिर हत्यारा , कुख्यात अपराधी रहलें , जइसे कि अलेक्जेंडर छठवाँ बोर्गिया आ उनकर बेटा सीजर , जल्लाद आ कार्डिनल , रोमन कैथोलिक पोप संस्था के अभिन्न शैतानी प्रकृति के गवाही देला। शांतिप्रिय लोग के भारी नरसंहार एह धार्मिक अधिकार द्वारा , जबरन धर्मांतरण के द्वारा , फाँसी के सजा के तहत , आइजरायल के धरती पर कब्जा करे वाला मुसलमानन के खिलाफ चलावल गइल धर्मयुद्ध के धार्मिक आदेश से भइल ; एगो अइसन देश जवना के भगवान के द्वारा साल 70 से अभि शप्त कइल गइल रहे , जहाँ रोमन लोग " *शहर आ पवित्रता* " के नष्ट करे खातिर आइल रहे , जवन घोषणा कइल गइल बा , दान में। 9:26, यहूदी लोग द्वारा मसीह के अस्वीकार करे के परिणाम के रूप में। " *उनकर पवित्र स्थान के नींव* " ओह सब सिद्धांतगत सच्चाई से संबंधित बा जवन प्रेरित लोग के मिलल बा जे नया वाचा के शास्त्र के माध्यम से आवे वाली पीढ़ियन में एकरा के संचारित कइले बा ; परमेश्वर के " *द्व गो गवाहन* " में से दूसरा , प्रकाशितवाक्य 11:3 के अनुसार। एह मौन गवाह से , पोपवाद खाली बाइबिल के आस्था के नायकन के नाम बरकरार रखले बा जिनहन के ओकर अनुयायी लोग के भीड़ भीड़ में पूजा करेला आ सेवा करेला। रोम के अनुसार सच्चाई के , कुछ हद तक, एकरे "मिसल " (मास के गाइड) में दर्ज कइल गइल बा , जवन भगवान के " *द्व गो गवाह* " के जगह ले लेला ; पुरान अउर नया वाचा के लेखन जवन मिल के पवित्र बाइबल के गठन करेला जवना के खि लाफ उ अपना विश्वासी अनुयायी लोग के मार के लड़ाई लड़ले बा।

दान .8 के पद 12 में हमनी के पता चल जाई कि भगवान खुद एह घृणित अउर घृणित धर्म के उठावे खातिर काहे मजबूर भइलन। " *पाप के चलते सेना के रोजाना के संगे सौंपल गईल रहे* ." एह तरह से एह शासन के भयानक अउर घिनौना काम मौजूद रहे , परमेश्वर के इच्छा से , " *पाप* " के सजा देवे खातिर जवन 1 यूहन्ना 3:4 के अनुसार , कानून के उल्लंघन ह। आ ई एगो अइसन काम ह जवना के पहिलहीं से रोम के जिम्मेदार ठहरावल जा सकेला बाकिर ओकर बुतपरस्त शाही चरण में , काहे कि अतना गंभीर पाप , जवन अइसन सजा के हकदार बा , भगवान के दू गो बेहद संवेदनशील बिंदु पर छूवलसि : भगवान सृष्टिकर्ता के रूप में उनकर महिमा आ मसीह में विजेता के रूप में। हमनी के प्रकाशितवाक्य 8:7-8 में देखब जा , कि पोप के शासन के स्थापना , 538 में , दूसरा सजा के गठन करेला , जवन परमेश्वर द्वारा दिहल गईल रहे , अउर भविष्यवाणी " *दूसरा तुरही* " के चेतावनी प्रतीक से कईल गईल रहे। एकरा से पहिले एगो अउरी सजा बा , जवन यूरोप पर बर्बर आक्रमण से कइल गइल रहे जवन बेवफाई से ईसाई हो गइल रहे। 395 से 476 के बीच फइलल ई काम , दिहल गइल सजा के कारण अबहिन ले 395 से पहिले पावल जा ला।एह तरीका से , 7 मार्च , 321 के तारीख के पुष्टि होला , जवना पर बुतपरस्त रोमन सम्राट , कॉन्स्टेंटाइन I ' जेकरा द्वारा साम्राज्य के ईसाई लोग के शांति के पेशकश कइल गइल , फरमान से सब्त के प्रथा के छोड़े के आदेश दिहलें जेकरा के ऊ बदल दिहलें बाकी पहिला दिन के बा। अब ई पहिला दिन अपराजित देवता बनल सूर्य के बुतपरस्त पूजा खातिर समर्पित रहे। परमेश्वर के दोहरा आक्रोश के सामना करे के पड़ल : उनकर सब्त के दिन के नुकसान , सृष्टिकर्ता के रूप में उनकर काम के यादगार अउर उनकर सब दुश्मनन पर उनकर अंतिम जीत के , लेकिन एकरा जगह पर , पहिला दिन के दिहल गईल बुतपरस्त सम्मान के विस्तार भी , ईसा मसीह के चेलन के बहुत पंक्ति में। दोष के महत्व कम लोग समझिहें , काहे कि हमनी के एहसास होखे के चाहीं कि भगवान खाली जीवन के रचयिता ना हवें , ऊ समय के रचयिता आ संगठित भी हवें , आ खाली एही मकसद से ऊ आकाश के तारा के रचना कइले बाड़न। चउथा दिन सूरज दिन के चिन्हित करे खातिर , चंद्रमा के , रात के चिन्हित करे खातिर , आ सूरज फिर से आतारा साल के चिन्हित करे खातिर लउके ला। बाकिर हफ्ता तारा से ना चिन्हित होला , ई खाली सृष्टिकर्ता भगवान के एगो सार्वभौमिक फैसला पर टिकल बा . एह से ई उनकर अधिकार के निशानी के प्रतिनिधित्व करी आ भगवान एकर देखभाल करीहें।

सब्त के दिन के रोशनी

हफ्ता के आंतरिक संगठन भी उनकर दिव्य इच्छा के अभिव्यक्ति ह आभगवान अपना चउथा आज्ञा के पाठ में समय पर रउरा के ई याद दिआइहें : " *सब्त के दिन के पवित्र राखे खातिर याद करीं। तोहरा लगे छहु दिन के समय बा आपन सब काम करे खातिर , लेकिन सातवाँ दिन याहवेह , तोहार भगवान के दिन ह। एह में तू कवनो काम ना करीं , ना तोहार मेहरारू , ना आपन बच्चा , ना आपन जानवर , ना परदेशी जे तोहरा फाटक के भीतर बा , काहे कि यहोवा छह दिन में आकाश आ धरती , समुंदर आ ओकरा में मौजूद सब कुछ बनवले बाड़न* / ". के बा।

ध्यान से देखीं , एह उद्धरण में ई खाली " *छह* आ *सात* " संख्या के सवाल बा ; सब्त के दिन शब्द के जिक्र तक नइखे कइल गइल। आअपना रूप में " *सातवाँ* ," एगो क्रमिक संख्या , सृष्टिकर्ता -कानूनदाता एह स्थिति पर अड़ल बाड़न कि ई *सातवाँ दिन* कब्जा कर लेला। ई जिद काहे ? हम रउरा के एगो कारण देब कि जरूरत पड़ला पर एह आज्ञा के बारे में रउरा नजरिया के बदल दीं . भगवान जवन समय के क्रम के नवीकरण कइल चाहत रहले जवन ऊ दुनिया के नींव से स्थापित कइले रहले . आअगर ऊ अतना जिद करेला त एकर कारण बा कि हफ्ता के निर्माण ओकरा बचत योजना के पूरा समय के छवि में होला : 7000 साल भा अधिका सटीक रूप से कहल जाव त 6000 + 1000 साल . काहे कि ऊ अपना उद्धार के योजना के तोड़ -मरोड़ के , होरेब के चट्टान पर दू बेर प्रहार करके , मूसा के पार्थिव कनान में प्रवेश करे से रोकल गइल। इहे सबक रहे जवन भगवान अपना आज्ञा ना माने के बारे में सिखावल चाहत रहले। 1843-44 से , पहिला दिन के बाकी हिस्सा भी उहे परिणाम लेके आवेला , लेकिन अबकी बेर , इ स्वर्गीय कनान में प्रवेश से रोकेला , जवन कि चुनल लोग के विश्वास के इनाम ह जवन यीशु मसीह के प्रायश्चित करे वाला मौत से चढ़ावल गईल बा। ई ईश्वरीय न्याय विद्रोही लोग पर पड़ेला , काहे कि मूसा के कार्रवाई के तरह , पहिला दिन के बाकी समय परमेश्वर के द्वारा प्रोग्राम कइल योजना के अनुरूप नइखे। नाम बिना बहुते परिणाम के बदलल जा सकेला बाकिर संख्या के चरित्र ओकर अपरिवर्तनीयता होला . अपना सृष्टि के देखरेख करे वाला सृष्टिकर्ता भगवान खातिर समय के प्रगतिशील खुलासा सात दिन के हफ्ता के क्रम के माध्यम से होला। अपरिवर्तनीय रूप से पहिला दिन पहिला दिन रही आ " *सातवाँ* " " *सातवाँ* " रही . हर दिन हमेशा खातिर उ मूल्य बरकरार रही जवन भगवान ओकरा के देले रहले , शुरू से। अउर उत्पत्ति हमनी के सिखावेला , अध्याय 2 में , कि सातवाँ दिन एगो विशेष भाग्य के वस्तु ह : इ " *पवित्र कइल गइल* ," यानी कि अलग कइल गइल बा। अबहीं ले मानवता एह खास मूल्य के असली कारण के अनदेखी करत आइल बा बाकिर आजु उनुका नाम पर भगवान के सफाई देत बानी . अपना रोशनी में , परमेश्वर के चुनाव स्पष्ट अउर जायज हो जाला : सातवाँ दिन 7,000 सौर साल के ईश्वरीय वैश्विक परियोजना के सातवीं सहस्राब्दी के भविष्यवाणी करेला , जवना में से अंतिम " *हजार साल* " *जवना के उल्लेख प्रकाशितवाक्य 20 में कइल गइल बा , यीशु मसीह के चुनल लोग के अपना प्रिय मालिक के आनन्द अउर उपस्थिति में प्रवेश करत देखल जाई। अउर इ इनाम* पाप अउर मौत पर यीशु के *जीत के बदौलत मिलल होई।* पवित्र सब्त के दिन अब खाली परमेश्वर के द्वारा हमनी के पार्थिव ब्रह्मांड के

सृष्टि के स्मारक नइखे रहि गइल, इ हर हफ्ता स्वर्ग के राज्य में प्रवेश के ओर प्रगति के भी चिन्हित करेला जहाँ, यूहन्ना 14:2-3 के अनुसार, यीशु अपना प्रिय चुनल लोग खातिर "एगो जगह तैयार करेलन"। इहाँ एह पवित्र सातवाँ दिन के प्यार आ सम्मान करे के बहुत बढ़िया कारण बा, जब ई हमनी के हफ्ता के अंत के निशानी बनावे खातिर पेश होला, सूर्यास्त के समय, 6वां दिन के अंत में.

अब से जब रउवां एह चउथा आज्ञा के शब्द पढ़ब भा सुनब त रउवां पाठ के शब्दन के पीछे जरूर सुनब, भगवान मनुष्य से कहत हउवें: "रउरा लगे चुनल लोग के विश्वास के काम पैदा करे खातिर 6000 साल के समय बा, काहे कि जब एह समय के अंत आई, त ***सातवीं सहस्राब्दी*** के ***1000 साल*** के समय अब रउवां के ना होई; इ खाली हमरा चुनल लोग खातिर लंबा होई, जे हमरा में प्रवेश कईले बाड़े। " आकाशीय अनंत काल, यीशु मसीह द्वारा मान्य ता प्राप्त सच्चा विश्वास के माध्यम से। "

एह तरह से सब्त के दिन धरती के मुक्ति पावे वाला लोग खातिर आरक्षित अनन्त जीवन के प्रतीकात्मक अउर भविष्यवाणी के निशानी के रूप में प्रकट होला। साथ ही, यीशु एकरा के मत्ती में उद्धृत अपना दृष्टांत में "*बहुत कीमत के मोती*" से चित्रित *कइले बाड़न।* 13:45-46: "*फिर से स्वर्ग के राज्य एगो व्यापारी निहन बा जवन सुंदर मोती के तलाश में बा।* ***ओकरा एगो मोती मिलल जवना के कीमत बहुत रहे***, *अवुरी उ जाके अपना लगे जवन कुछ रहे ओकरा के बेच के खरीद लेले*।" एह श्लोक के दू गो उलटा व्याख्या मिल सकेला. "*स्वर्ग के राज्य*" अभिव्यक्ति परमेश्वर के उद्धार योजना के निर्दिष्ट करेला। अपना योजना के कल्पना करके, यीशु मसीह अपना के "*मोती*" के एगो "*व्यापारी*" से तुलना करेलन जे *मोती के खोज करेला*, सबसे सुंदर, सबसे परिपूर्ण अउर एह से, परिणामस्वरूप, उ मोती जवन सबसे अधिक दाम के आज्ञा देला। एह दुर्लभ आएह से अनमोल *मोती के* पावे खातिर, यीशु स्वर्ग अउर आपन महिमा छोड़ दिहलन अउर धरती पर अपना भयानक मौत के कीमत पर, उ एह आध्यात्मिक मोती के छुड़ा दिहलन ताकि उ अनन्त काल खातिर उनकर संपत्ति बन जाव। बाकिर एकरा उलट *व्यापारी* ऊ चुनल ह जे निरपेक्ष के प्यासल बा, दिव्य सिद्धि खातिर जवन सच्चा विश्वास के इनाम होई. इहाँ भी स्वर्गीय व्यवसाय के ई पुरस्कार जीते खातिर ऊ व्यर्थ आ अन्यायपूर्ण सांसारिक मूल्यन के छोड़ के सृष्टिकर्ता भगवान के एगो अइसन पूजा देवे में समर्पित हो जाला जवन ओकरा के मनभावन होखे। एह संस्करण में, *बहुत कीमत के मोती* ईसा मसीह द्वारा साल 2030 के बसंत में अपना चुनल लोग के अनन्त जीवन ह।

ई *बहुत दाम के मोती* खाली एडवेन्टिज्म के अंतिम दौर से संबंधित हो सके ला ; ऊ जेकर आखिरी प्रतिनिधि यीशु मसीह के सही वापसी तक जिंदा रहीहें। एही से ई *बहुत दाम के मोती* सब्त के दिन , मसीह के वापसी अउर अंतिम चुनल लोग के पवित्रता के एक साथ ले आवेला। एह अंतिम युग में मिलल सिद्धांतगत सिद्धता संतन के *मोती* के छवि देला . अनंत काल में जिंदा प्रवेश करे के उनकर विशिष्ट अनुभव *मोती के एह छवि के पुष्टि करेला* . आ सातवाँ दिन के सब्त के दिन से उनकर लगाव , जवना के ऊ लोग जानत बा कि सातवीं सहस्राब्दी के भविष्यवाणी करेला , सब्त आ सातवीं सहस्राब्दी के एगो अनोखा कीमती गहना के छवि देला जवना से " *बहुत दाम के मोती* " के अलावा कुछुओ तुलना ना कइल जा सकेला। इ विचार प्रकाशितवाक्य 21:21 में आई: " ***बारह फाटक बारह मोती रहे*** *;* ***हर फाटक एके मोती के रहे*** */ शहर के गली शुद्ध सोना के रहे , पारदर्शी कांच निहन* । " इ श्लोक परमेश्वर के द्वारा जरूरी पवित्रीकरण के मानक के विशिष्टता के रेखांकि त करेला , अउर साथे - साथे , सातवीं सहस्राब्दी के सब्त के दिन में प्रतीकात्मक " *फाटक* " के माध्यम से प्रवेश से अनन्त जीवन पावे के अनूठा इनाम के रेखांकित करेला जवन विश्वास के एडवेन्टिस्ट परीक्षा के छवि बनावेला। आखिरी छुटकारा पावे वाला लोग ओह लोग से बढ़िया ना होला जे ओह लोग से पहिले आइल रहे . इ खाली सिद्धांतगत सच्चाई ह जवन भगवान ओह लोग के बता देले बाड़े जवन कि ओह लोग के छवि के *मोती के रूप में जायज ठहरावेला* , जवन कटल *कीमती पत्थर के छवि के बाद आवेला* . परमेश्वर कबो भी लोग खातिर अपवाद ना बनावेलन , लेकिन , सवाल के समय के आधार पर , उ मुक्ति खातिर जरूरी पवित्रता के मानक के अपवाद बनावे के अधिकार सुरक्षित रखले बाड़न। विचाराधीन ईसाई युग मुख्य रूप से रोमन पोप शासन के स्थापना के बाद से धार्मिक रूप से आधिकारिक पाप के वापसी से चिन्हित समय से संबंधित बा , मने कि 538 से।साथे -साथे , सुधा र के सुरुआत के उनके करुणा आ दया से ढंकल गइल बा आ सब्त के दिन के उल्लंघन के आरोप दान के फरमान से पहिले ना लगावल गइल। 8:14 लागू भइल , यानी 1843 के बसंत से , एगो सूक्ष्म संकेत में , मोती के खरीद के प्रस्ताव यीशु द्वारा प्रकाशितवाक्य 3:18 में कइल गइल बा : " *हम तोह नी के सलाह देत बानी* ***कि हमरा से सोना खरीद लीं*** *जवन आग में परीक्षण कइल गइल बा , ताकि तू अमीर होखब , अउर सफेद कपड़ा , ताकि तू कपड़ा पहिन सकीले अउर तोहनी के नंगापन के लाज ना लउके , अउर आँख के बचावे खातिर आपन आँख के अभिषेक कर सकीले।* " *देखीं* । " इ सब चीज , जवन यीशु ओह लो ग के पेशकश करेलन जेकरा के एकर कमी बा , उ तत्वन के गठन करेला जवन चुनल आदमी

के प्रभु यीशु मसीह के नजर में अउर न्याय में ओकर प्रतीकात्मक रूप "*मोती* "*देला।* "*मोती* "उनुका से "*खरीदल* "*होखे के चाहीं* ; एकरा के मुफ्त में ना मिलेला। कीमत आत्मत्याग के बा , आस्था के लड़ाई के आधार। संबंधित क्रम में , यीशु एगो विश्वास के बेचे के पेशकश करेलन जेकरा के परीक्षा से परखल गइल बा जवन चुनल आदमी के ओकर आध्यात्मिक धन देला ; ओकर शुद्ध आ बेदाग धर्म जवन माफ कइल पापी के आध्यात् मिक नग्नता के ढंक देला ; पवित्र आत्मा के मदद जवन पापी आदमी के आँख अउर बुद्धि के ओह योजना खातिर खोल देला जवन परमेश्वर द्वारा बाइबल के उनकर पवित्र शास्त्र में प्रकट कइल गइल बा।

मसीही युग के 6,000 साल के दौरान , परमेश्वर एह सांसारिक चक्र के अंत तक इंतजार कईले कि उ अपना अंतिम चुनल लोग के अपना पवित्र सातवाँ दिन या पवित्र सब्त के भव्यता के प्रकट करस ताकि उ लोग आराम कर सकस। चुनल लोग जे एकर मतलब समझत बा , ओकरा लगे अब एकरा के यीशु मसीह के वरदान के रूप में प्यार करे अउर सम्मान करे के पूरा कारण बा। रहल बात जे एकरा से प्या र ना करेला आएकरा से लड़त बा त ओकरा से नफरत करे के पूरा कारण बा आरही काहे कि एहसे ओह लोग के जानवर पार्थिव अस्तित्व के अंत हो जाई .

दानियल 8:14 के फरमान

दान .8:12 आगे कहत हउवें : " *सींग सच्चाई के गिरा दिहलस अउर जवन कइलस ओकरा में समृद्धि भइल* ." " *सच्चाई* " भजन संहिता 119:142 के अनुसार , " *व्यवस्था ह* । " लेकिन इ " *झूठ* " के बिल्कुल उल्टा भी ह जवन यशायाह 9:14 के अनुसार पोप के " *झूठा भविष्यवक्ता* " के " *पूंछ* " शब्द के साथ विशेषता देला जवन सीधे प्रकाशितवाक्य 12:4 में ओकरा पर आरोप लगावेला। दरअसल , ऊ अपना जगह पर आपन धार्मिक " *झूठ* " *के स्थापित करे खातिर सच्चाई के नीचे फेंक देला।* एकर " *उद्यम* " खाली " *सफल*" हो सकत रहे , काहे कि भगवान खुद एकर रूप 7 मार्च 321 से चलत ईसाई बेवफाई के सजा देवे खातिर ले अइले ।

पद 13 अउर 14 दुनिया के अंत तक बहुत महत्व लेत रही। पद 13 में संत लोग एह बात पर आश्चर्यचकित बा कि " *रोजमर्रा के* " अउर " *विनाशकारी पाप* " *के* रंगदारी कतना समय तक चलेला ; जवन चीज हमनी के अभी -अभी पहचान कईले बानी जा। बाकिर एह " *विनाशकारी पाप* " पर तनी टिकल रहीं जा . जवना तबाही के बात होखता उ इंसान के आत्मा चाहे जीवन के बा। अंततः , पूरा नष्ट मानवता , सातवीं सहस्राब्दी के " *हजार साल* " के दौरान , पृथ्वी ग्रह के अपना मूल रूप में " *निराकार आ शून्य* " *में छोड़ दिही , जवन एकरा के , प्रकाशितवाक्य 9:2-11, 11:7, 17:8 अउर 20:1-3 में* , उत्पत्ति 1:2 के " *खाई* " नाम अर्जित करी ।

" *संत* " *लोग इहो पूछेला कि ईसाई* " *पवित्रता आ सेना* " के कब तक "*दौड़ल जाई ?* " एह दृश्य में , ई " *संत* " भगवान के वफादार सेवक के रूप में व्यवहार करेलें , दानियल नियर जीवंत , जेकरा के दान में उदाहरण के रू प में दिहल गइल बा। 10:12, जायज इच्छा से " *के समझत बानी* " ईश्वरीय योजना। उ लोग उठावल तीन विषय खातिर , पद 14 में दिहल गईल एकल जवाब प्राप्त करेला। "

जवन सुधार अउर सुधार हमरा के मूल हिब्रू पाठ से करे खातिर प्रेरित कइले बाड़न , ओकरा अनुसार जवाब दिहल गइल बा : " *शाम आसबेरे तक, द्व हजार तीन सौ , अउर पवित्रता जायज होई* ." ई अब परंपरा के अस्पष्ट पाठ नइखे रहि गइल : " *जबले द्व हजार तीन सौ साँझ आ सबेरे ना हो जाई आ अभयारण्य के शुद्धि ना हो जाई* ." अब ई *पवित्रता* के सवाल ना होके ***पवित्रता*** के सवाल बा ; अतने ना , " *शुद्ध* " क्रिया के जगह " ***जायज*** " लगावल जाला । ", आ तीसरा बदलाव " *शाम के सबेरे* " अभिव्यक्ति से संबंधित बा जवन हिब्रू पाठ में वाकई में एकवचन बा। एह तरीका से , भगवान ओह लोग से सभ औचित्य के हटा देलें जे कुल संख्या के द्व से भाग देके बदले के कोशिश करेलन , शाम के सबेरे से अलग करे के दा वा करेलन। उनकर दृष्टिकोण में गणना के इकाई " *शाम के*

सबेरे " प्रस्तुत कइल शामिल बा जवन उत्पत्ति 1 में 24 घंटा के दिन के परिभाषित करेला। तब ही आत्मा करेला एह इकाई के संख्या के खुलासा करीं : *" 2300 " " miqdash "* शब्द के सही अनुवाद दानियल 8 के पद 11 में कइल गइल बा , लेकिन पद 13 अउर 14 में एकर कवनो जगह नइखे जहाँ आत्मा "कोदेश " शब्द के प्रयोग कइले बा जवना के अनुवाद " *पवित्रता* " के रूप में होखे के चाहीं।

जब हमनी के जानत बानी जा कि " *विनाशकारी पाप " विशेष रूप से सब्त के दिन के परित्याग के निशाना बनावेला , जवन खुद एगो* वि शेष ईश्वरीय **पवित्रीकरण** के वस्तु ह , त इ शब्द " *पवित्रता* " भविष्यवाणी के संदेश के अर्थ के काफी रोशन करेला। भगवान घोषणा करेलन कि , उद्धृत " *2300 शाम के सबेरे* " के अंत में , उनकर सच्चा " *सातवाँ दिन "* के बाकी हिस्सा के सम्मान उनकरा से जरूरी होई , कवनो भी व्यक्ति से जे यीशु मसीह द्वारा प्राप्त पवित्रता अउर " *अनन्त न्याय " के दावा करेला। " विनाशकारी पाप* " के अंत के तात्पर्य अतवार के धार्मिक पूजा के त्याग से बा , जवन कि कॉन्स्टेंटाइन प्रथम , बुतपरस्त सम्राट द्वारा स्थापित सूर्य के पूर्व दिन । एह तरह से परमेश्वर बदले में उद्धार के सिद्धांतगत मानदंडन के फेर से स्थापित करेलन जवन प्रेरितन के समय में प्रचलित रहे। अकेले ई शब्द " *पवित्रता* " मसीही विश्वास के नींव के सभ सिद्धांतगत सच्चाई के समेटले बा। यहूदी लोग के दिहल शिक्षा के आपन मॉडल अउर उत्पत्ति के रूप में , मसीही विश्वास कुछ नया ना ले आवेला , सिवाय जानवरन के बलिदान के जगह , गोल्गोथा में उनकर गोड़ के नीचे स्थित एगो भूमिगत गुफा में छिपल दया के आसन पर बहावल खून से , जइसन कि हमनी के उद्धारकर्ता के प्रकट करे आ देखावे के मन कइलस , अपना सेवक रॉन व्याट के , 1982 में।खोज " *पवित्रता* " शब्द से संबंधित बिसय सभ के प्रगतिशील बा आ एगो जीवन के समय में बिस्तार लिहले बा , बाकी 2018 से ई समय गिनल जाला आ सीमित बा , आ आजु 2020 में सभ पहलु सभ के बहाल करे खातिर महज 9 साल बाकी बा।

दानियल 8:14 एगो आत्मा के मारे वाला फरमान ह , काहे कि परमेश्वर के न्याय में बदलाव के परिणामस्वरूप रोमन कैथोलिक अतवार के मसीही लोग खातिर मसीह के उद्धार के प्रस्ताव के नुकसान हो जाला। एह तरह से विरासत में मिलल परंपरा के भावना भीड़ के अनन्त मौत के कारण बन जाई , जवन अक्सर भगवान के ओर से अपना निंदा से अनजान रहेला । इहाँ ही सच्चाई के प्रेम के प्रदर्शन परमेश्वर के " *अंतर* " के चिन्हित करे के अनुमति देला कि भाग्य के संबंध में जवन " *उनकर सेवा करे वाला अउर उनकर सेवा ना करे वाला लोग के प्रभावित करेला* (मलवीय 3:18)।

कुछ विद्रोही आत्मा भगवान के जिम्मेदार ठहरावे वाला बदलाव के विचार के ही मुकाबला कईल चाहत होईहे जे खुद घोषणा करेले : " *हम बदलत नईखी* ," माल में। 3:6 के बा। तब जाके हमनी के एहसास होखे के चाहीं कि 1843-44 में जवन बदलाव भइल रहे उ खाली एगो मूल मानदंड के फेर से स्थापित करे में ही बा जवन बहुत दिन से विकृत आरूपांतरित हो चु कल बा . एही से सुधार के चुनल लोग के आशीर्वाद , जवन कि ओह लोग के अपूर्ण काम के बावजूद आरोपित बा , एगो असाधारण चरित्र प्रस्तुत करेला , जवना के सिद्धांतगत पहलू के सच्चा विश्वास के मॉडल के रूप में ना पेश कइल जा सकेला। पहिला सुधारक लोग खातिर ई खास फैसला एतना असाधा रण बा कि परमेश्वर एकरा के नोट कइले बाड़न अउर प्रकाशितवाक्य 2:24 में एकरा के प्रकट कइले बाड़न जहाँ उ प्रोटेस्टेंट लोग से कहले बाड़न , 1843 से पहिले , " *हम रउवां पर कवनो अउरी बोझ ना डालत बानी , खाली उहे बोझ के जवन रउवां तब तक रखले बानी जब तक हम ना आईब* । "

दान .8:14 के एह फरमान के लागू होखे से जुड़ल " *हाय* " *एतना* " *महान* " *बा कि परमेश्वर* प्रकाशितवाक्य 8:13 में तीन " *महान विपत्ति* " के घोषणा करके एकर संकेत देत बाड़न । आअतना गंभीर परिणाम का साथे एकरा लागू होखे के तारीख जानल जरूरी बा . ठीक इहे चिंता दान .8:13 के " *संत* " *लो ग के रहे।* अब अवधि के खुलासा " *2300 भविष्यवाणी वाला दिन* " या 2300 वास्तविक सौर साल के रूप में कइल गइल बा , दानियल के समकालीन भविष्यवक्ता इजकिएल के दिहल कोड़ के अनुसार (इजकि .4:5-6)। इ अध्याय 8, जवना के विषय रोमन " *पाप* " के अंत कईल बा , दान .9 में उ तत्व मिल जा ई जवना में एकर कमी बा जहाँ , उहाँ भी , इ एगो सवाल होई कि " *पाप के अंत कईल* ", लेकिन अबकी बेर , मूल " *पाप* " के जवन अनन्त जीवन के नुकसान के कारण बनल , जब से आदम अउर हव्वा। इ ऑपरेशन मसीहा यीशु के पार्थिव सेवा पर आधारित होई अउर उनकर सिद्ध जीवन के बलिदान के रूप में स्वेच्छा से चढ़ावे पर , उनकर चुनल लोग के पाप के मोक्ष में , अउर हम जोर देत बानी , अकेले ओह लोग के। मनुष्य के बीच उनकर आवे के समय भविष्यवाणी के दिन में भविष्यवाणी से तय कइल गइल बा। संदेश यहूदी लोग के प्राथमिकता के रूप में संबंधित बा काहे कि उ लोग परमेश्वर के सा थे गठबंधन में बाड़े। इ यहूदी लोग के , " *पाप के अंत करे* " *खातिर* , " *सत्तर सप्ताह* " के अवधि देला जवन 490 वास्तविक दिन -साल के प्रतिनिधित्व करेला। बाकिर ई गणना के शुरुआती बिंदु के तिथि निर्धारण के साधन के भी संकेत देला। " *जब से इ बात के घोषणा भईल कि यरूशलेम के दोबारा बनावल जाई , तब से अभिषिक्त लोग तक* ... (7 + 62 = 69 *सप्ताह*)"। तीन गो फारसी

राजा इ अधिकार दिहलन , लेकिन खाली तीसरा , आर्टजर्सेज I ' एज्रा 7:7 के अनुसार एकरा के पूरा तरह से पूरा कइले। उनकर शाही फरमान 458 ईसा पूर्व के बसंत में जारी भइल। 69 हफ्ता के अवधि यी शु मसीह के सेवा के शुरुआत के साल 26 में रखेला , विशेष रूप से यीशु के काम खातिर आरक्षित अंतिम "सात साल " के लक्षित करत , जे अपना प्रायश्चित करे वाला मौत से , नया वाचा के नींव स्थापित करेला , आत्मा दान के पद 27 में प्रस्तुत करेला। 9, दिन -साल के ई " *हफ्ता* " जवना के *बीच* " अपना स्वेच्छा से मौत से " *ऊ बलिदान आ बलिदान के बंद कर देला* "; पाप के प्रायश्चित खातिर यीशु मसीह के चढ़ावल चीज। लेकिन उनकर मौत सबकुछ से पहिले " *पाप के अंत* " करे खातिर आवेला . हमनी के एह संदेश के कइसे समझे के चाहीं ? परमेश्वर अपना प्रेम के एगो प्रदर् शन पेश करेलन जवन उनकर चुनल लोग के दिल पर कब्जा कर ली जवन प्रेम अउर कृतज्ञता के बदला में पाप के खिलाफ उनकर मदद से लड़ी। 1 यूहन्ना 3:6 पुष्टि करत बा , इ कहत ह कि : " *जे ओकरा में रहेला उ पाप ना करेला ; जे पाप करेला उ ओकरा के ना देखले बा , ना ओकरा के जानत बा* ." आ ऊ अपना संदेश के अउरी कई गो उद्धरण से मजबूत करत बाड़न .

सिद्धांत के स्तर पर , ईसा मसीह द्वारा बनावल गइल नया वाचा खाली पुरान वाचा के जगह ले लेला। एह तरह से , दुनो वाचा उहे भविष्यवाणी के आधार पर टिकल बा जवन दान .9:25 में प्रकट कइल गइल बा। एह से तारीख – 458 यहूदी लोग खातिर तय 70 हफ्ता के गणना खातिर आधार के रूप में काम कर सकेला , लेकिन दान .8:14 के 2300 वास्तविक दिन -साल खातिर भी जवन मसीही विश्वास से संबंधित बा। एह सटीक तारीख के बदौलत , हमनी के साल 30 में मसीह के मौत अउर साल 1843 में दान .8:14 के फरमान के लागू होखे के स् थापित कर सकेनी जा।दुनो संदेश “ *पाप के अंत* ” करे खातिर आवेला जवना में ओह लोग खातिर अनन्त नश्वर परिणाम होला जे एक के रूप में एक दूसरा के रूप में , जब तक कि मौत ना आजाव , या सामूहिक अउर व्यक्तिगत अनुग्रह के समय के अंत के बाद जवन होई ईसा मसीह के गौरवशाली वापसी से पहिले। एतना तक जीवन ईमानदारी से धर्मांतरण के अनुमति देला जवना से चुनल आदमी के हैसियत तक पहुंच के अनुमति मिलेला।

एपोकैलिप्स खातिर मरम्मत के काम

किताब के लेखन पूरा तरीका से भगवान के ओर से कईल जाला। इहे शब्दन के चुनेला अउर प्रकाशितवाक्य 22:18-19 में , उ अनुवादक अउर शास्त्री लोग के चेतावत बाड़न जे मूल कहानी के संचरण या प्रतिलिपिबद्ध करे के जिम्मेदारी होई , पीढ़ी दर पीढ़ी , कि शब्दन में जरा भी बदलाव के का रण उ लोग के उद्धार के नुकसान हो जाई। एह से हमनी के इहाँ बहुत उच्च पवित्रता के एगो बहुत खास काम बा। हम एकर तुलना एगो विशालकाय "पहेली " से कर सकेनी जवना के असेंबली पूरा ना हो सकत रहे अगर जरा भी मूल टुकड़ा में संशोधन कइल जाव . एह से काम ईश्वरीय रूप से विशाल बा आअपना प्रकृति के अनुसार , भगवान जवन कुछ भी एह में कहत बाड़े , उ सब सही बा , लेकिन उनकर बचाव परियोजना के परिणाम खातिर सही बा ; काहे कि ऊ एह भविष्यवाणी के अपना "सेवकन " के संबोधित करेलें , अधिका सटीक रूप से , " *अपना गुलाम* ", दुनिया के अंत के। भविष्यवाणी तबे व्याख् या करे लायक होई जब भविष्यवाणी कइल तत्व पूरा होखे वाला होखे भा , अधिकतर , पूरा होखे वाला होखे।

दिव्य बचत परियोजना के समग्र समय के लंबाई जवन चले के रहे , ओकरा के हमेशा से आदमी अनदेखी कईले बाड़े। एह तरह से , हर समय , परमेश्वर के सेवक दुनिया के अंत के गवाह बने के आशा कर सकत रहे , अउर पौलुस अपना शब्दन से एकर गवाही देत बाड़न : " *भाई लोग , हम इ कहत बानी* ***कि समय कम बा*** *; अब से , जे लोग के मेहरारू बा , उ लोग के अइसन होखे के चाहीं जइसे कि उ लोग के लगे कवनो ना होखे , जे लोग अइसन रोवेला जइसे उ लोग ना रोवल होखे , जे लोग अइसन खुश होखे कि उ लोग खुश ना होखे , जे लोग अइसन होखे के चाहीं जइसे कि उ लोग के कवनो संपत्ति ना होखे , जे लोग अइसन होखे के चाहीं जइसे कि उ लोग के लगे कवनो संपत्ति ना होखे , उ लोग जे लोग अइसन होखे के चाहीं जइसे कि उ लोग के लगे कवनो संपत्ति ना होखे दुनिया के जइसे कि उ लोग एकर इस्तेमाल ना कइले होखे , काहे कि एह दुनिया के रूप बीत रहल बा* (1 कुरिन्थियों 7:29 से 31)।

हमनी के पौलुस से फायदा बा कि हमनी के एह समय में बानी जा जब परमेश्वर अनन्त चुनल लोग के आपन चयन खतम करे वाला बाड़े। आ आज उनकर प्रेरित सलाह के हमनी के अंतिम समय के सच्चा चुनल लोग के लागू करे के चाहीं। दुनिया बीत जाई , आ खाली चुनल लोग के

अनन्त जीवन लंबा हो जाई। साथ ही , मसीह में परमेश्वर के शब्द , " *हम **जल्दी आवत बानी*** ," प्रकाशितवाक्य 1:3 में , सही बा , पूरा तरीका से धर्मी बा , अउर हमनी के एह अंतिम समय खातिर उचित बा ; उनकर वापसी के नौ साल बाद , जब हम ई पाठ लिखत बानी।

हमनी के दान .7:25 में देखनी जा कि रोम के इरादा रहे कि " *समय अउर* ईश्वरीय नियम के बदलल जाव। " ईसा मसीह के प्रलय के रहस्यन के समझल , जवन पतमोस द्वीप पर बंद प्रेरित यूहन्ना के दिहल गइल रहे , मूल रूप से परमेश्वर द्वारा स्थापित सच्चा समय के ज्ञान पर आधारित बा। एह से समय के विषय एपोकैलिप्स के समझे खातिर मौलिक बा , जवना के भगवान समय के एह धारणा पर संरचित करेलन। एहसे ऊ एह आंकड़ा के अशुद्धता पर खेलसु जेहसे कि किताब आपन हानिरहित रहस्यमय चरित्र बरकरार राखे जवना से ऊ हमनी के युग के बीस सदी के पार कर सकेले आ आरोपित आ निंदा कइल इकाईयन के बिना नष्ट कइले . बदलल समय , आ खासतौर पर रोम द्वारा ईसा के जनम से जुड़ल झूठा तारीख पर स्थापित कैलेंड र , चुनल लोग के धोखा ना देवे दिहलस जब ऊ लोग ईश्वरीय भविष्यवाणी के व्याख्या कइल ; एकर कारण ई बा कि भगवान अपना भविष्यवाणी सभ में अइसन अवधि सभ के प्रस्तुत करे लें जिनहन के सुरुआत आ अंत ऐतिहासिक क्रिया सभ पर आधारित बा जे बिसेस इतिहासकार लोग द्वारा आसानी से पहिचा नल जा सके ला आतिथि बतावल जा सके ला।

लेकिन प्रकाशितवाक्य में समय के धारणा आदिम बा , काहे कि किताब के पूरा संरचना एह पर टिकल बा। एह तरह से , परिणामस्वरूप , एकर समझ 1844 में परमेश्वर द्वारा जरूरी अउर बहाल कइल गइल सब्त के दिन के सही व्याख्या पर निर्भर करत रहे।हमा र सेवा , जवन 1980 में शुरू भइल , सब्त के भविष्यवाणी के भूमिका के महत्व के उजागर कइल रहे , जवन सातवीं सहस्राब्दी के महान बाकी के भविष्यवाणी करेला , परमेश्वर अउर उनकर चुनल गइल , प्रकाशितवाक्य 20 के विषय के अनुसार 2 पालतू जानवर के बा। 3:8, " *एक दिन हजार साल जइसन होला , आहजार साल एक दिन जइसन होला* ," उत्पत्ति 1 अउर 2 में प्रकट भइल सृष्टि के सात दिन के छवि अउर ईश्वरीय परियोजना के समग्र समय के सात हजार साल के बीच स्थापित कड़ी , अकेले किताब के संरचना के संयोजन के बारे में हमार समझ संभव बना दिहलस। एह ज्ञान से भविष्यवाणी रोशन हो जाला आ मोती पर मोती , ओकर सभ रहस्य के उजागर करेला।

एह तरह से भविष्यवाणी तबे जिंदा आ प्रभावी होला जब संदेश के ईसाई युग के इतिहास के कवनो तारीख से जोड़ल जा सके। ईसा मसीह में परमेश्वर के पवित्र आत्मा के प्रेरणा हमरा के इहे हासिल करे में सक्षम

बनवले बा । एह से , हम एह " *छोट किताब के खुला* " घोषित कर सकेनी , जवन प्रकाशितवाक्य 5:5 अउर 10:2 में घोषित ईश्वरीय योजना के पूरा होखे के पुष्टि करत बा।

अपना वास्तुकला के संदर्भ में , एपोकैलिप्स विजन में ईसाई युग के समय के शामिल कइल गइल बा जे एपोस्टोलिक युग के अंत , लगभग 94, आ सातवीं सहस्राब्दी के अंत के बीच के समय के कवर करे ला जे 2030 में ईसा मसीह के अंतिम वापसी के बाद होई।एह से ई दानियल के अध्याय 2, 7, 8, 9, 11 आ12 के साथ ईसाई युग के अवलोकन के साझा करे ला। ईसाई लोग खातिर एह किताब के अध्ययन से मिलल मुख्य शिक्षा दान द्वारा स्थापित वसंत 1843 के महत्वपूर्ण तिथि हवे। 8:14, लेकिन शरद ऋतु 1844 के भी जवना में विश्वास के परीक्षा खतम हो गईल। 1844 के शरद ऋतु से भी भगवान सेवेंथ -डे एडवेन्टिस्ट आस्था के नींव रखले रहले। इ दुनो तारीख एतना महत्वपूर्ण बा कि भगवान एकर इस्तेमाल अपना एपोकैलिप्स दृष्टि के संरचना में करीहे। एह दुनो करीबी तिथि के महत्व के पूरा तरीका से समझे खातिर हमनी के 1843 के भविष्यवाणी के शब्द में विश्वास के परीक्षा के शुरुआत से जोड़े के होई। पहिला आध्यात्मिक शिकार लोग एह तारीख के विलियम मिलर के पहिला एडवेन्टिस्ट घोषणा के तिरस्कारपूर्ण अस्वीकार के माध्यम से गिरल। लेकिन मुकदमा के समय ओह लोग के दूसरा मौका देले रहे जवना में उ 22 अक्टूबर 1844 के यीशु के वापसी के दू सरा घोषणा कईले रहले , 23 अक्टूबर के मुकदमा खतम हो गईल , अउर एह तरह से परमेश्वर के न्याय के रूपरेखा बनावल जा सकत रहे अउर प्रकट कईल जा सकत रहे। सामूहिक परीक्षा खतम हो गइल रहे बाकिर व्यक्तिगत रूपांतरण अबहियों संभव रहे . इहे ना , व्यवहार में सब एडवेन्टिस्ट रोमन अतवार के आराम के पालन करत रहले , जवना के अभी तक पाप के रूप में पहचानल ना गईल रहे। आ सब्त के दिन के धीरे -धीरे एडवेंटिस्ट लोग व्यक्तिगत रूप से अपना लिहल , बिना एकर प्रमुख भूमिका के एहसास सभ एडवेंटिस्ट लोग के भइल। एह तर्क से हमरा के 1843 के बसंत के पक्ष में झूठा प्रोटेस्टेंट आस्था के अंत के तारीख के रूप में , आ 23 अक्टूबर , 1844 के शरद ऋतु के तारीख के , भगवान के आशीर्वाद से एडवेन्टिज्म के शुरुआत के रूप में। पहिलहीं से , हिब्रू लोग में , बसंत आशरद ऋतु के अइसन परब सभ के जन्म दे के जोड़ल गइल जे पूरक , व्यापक रूप से बिपरी त बिसय सभ के मनावे लें : एक ओर बसंत के "फसह" के बलि दिहल गइल " *मेमना* " *के* शाश्वत न्याय , आपाप सभ के "प्रायश्चित के दिन " खातिर मारल गइल " *बकरी* " *के* पाप के अंत , दूसरा ओर, शरद ऋतु में। दुनो धार्मिक

परब के पूर्ति साल 30 के फसह में मिलल जवना में मसीहा यीशु आपन जान देले रहले। एह तरह से 1843 के बसंत आ 22 अक्टूबर , 1844 के भी अर्थ से जोड़ल गइल बा काहे कि विश्वास के परीक्षा के उद्देश्य वाकई में दान के अनुसार " *पाप के अंत कइल " बा।* 7:24 के बा ; जवन पहिला दिन साप्ताहिक आराम के घृणित प्रथा के गठन करेला , जबकि भगवान एकरा के सातवाँ दिन खातिर आदेश दिहले जवना के ऊ एह उपयोग खातिर पवित्र भी कइले , पार्थिव सृष्टि के पहिला हफ्ता के अंत से ; 2021 में , हमनी से 5991 साल पहिले।

हमनी के दानियल 8:14 के फरमान के तारीख के भी पक्षधर हो सकेनी जा जवन वसंत 1843 के तारीख के परिभाषित करेला , एह चुनाव के जायज ठहरावे खातिर , हमनी के इ विचार करे के होई कि इ पल परमेश्वर अउर उनकर प्राणी के बीच तब तक स्थापित सब संबंध के काट देला ; भगवान जे एह तारीख से , लगातार दू गो एडवेन्टिस्ट घोषणा पर बनल अंतिम चयन के काम करेला। 1843 के बसंत से , सब्त के दिन के जरूरत बा , लेकिन परमेश्वर एकरा के परीक्षा के विजेता लोग के खाली 1844 के शरद ऋतु से ही दिहे , इहेजके के बाइबिल के शिक्षा के अनुसार , एगो धन्य अउर पवित्र संकेत के रूप में कि उ लोग उनकर हवे। 20:12-20, जइसन कि हमनी के पहिले देखले बानी जा।

एह किताब में , अध्याय 5 के मकसद बा कि हमनी के याद दिआवल जाव कि , बिना यीशु मसीह , " *परमेश्वर के मेमना* " द्वारा एतना महंगा भुगतान कइल गइल जीत के , सब ईश्वरीय मदद , सब प्रकट प्रकाश असंभव हो सकत रहे , अउर एही से , कवनो मानव आत्मा के उद्धार ना हो सकत रहे। उनकर भविष्यवाणी के प्रकाश उनकर चुनल लोग के अंतने बचावेला जतना कि उनकर स्वेच्छा से स्वीकार कइल गइल सूली पर चढ़ावे के। उनकर बलिदान पर विश्वास हमनी के दान के अनुसार उनकर " *शाश्वत न्याय " के आरोपित करेला।* 7:24, लेकिन उनकर प्रकाशितवाक्य हमनी के रास्ता के रोशन करेला अउर हमनी के शैतान के द्वारा बनावल आध्यात् मिक जाल देखावेला , ताकि हमनी के उनकर भयानक भाग्य के हिस्सा बन सके। एह हालत में मोक्ष एगो ठोस रूप ले लेला।

एह सूक्ष्म जाल के एगो उदाहरण दिहल जा रहल बा . बाइबल के सही तरीका से मानल जाला अउर परमेश्वर के लिखल वचन मानल जाला। हालांकि ई शब्द अपना समय के संदर्भ में डूबल आदमी लिखले रहले . अब अगर भगवान ना बदललन त ओकर दुश्मन शैतान शैतान अवसरवादी तरीका से भगवान के चुनल लोग के प्रति आपन रणनीति आ व्यवहार बदल देला , समय के साथ। इहे कारण बा कि शैतान अपना खुला उत्पीड़न के लड़ाई के " *अजगर " प्रतिरूप के रूप में काम करत , अपना समय में , लेकिन*

खाली एह समय खातिर , यूहन्ना 1 यूहन्ना 4:1 से 3 में घोषणा कर सकत रहले : " प्रियजन , हर आत्मा के विश्वास मत करीं , लेकिन आत्मा के परीक्षण करीं कि उ परमेश्वर से ह कि ना , काहे कि बहुत झूठा भविष्यवक्ता दुनिया में निकल गईल बाड़े। एकरा से रउवां परमेश्वर के आत्मा के जानत बानी : हर आत्मा जवन कबूल करेला कि यीशु मसीह शरीर में आईल बाड़े , उ ह भगवान से , आहर आत्मा जवन ईसा के कबूल ना करेला ऊ भगवान से ना ह, ई मसीह विरोधी के आत्मा ह, जेकर आवे के बारे में रउआ सुनले बानी , आ जे अब दुनिया में पहिलहीं से बा , यूहन्ना निर्दिष्ट कइले बाड़न कि " *शरीर में आजाइए* " खाली अपना प्रत्यक्षदर्शी गवाही के मसीह के पहचान करे खातिर लेकिन उनकर कथन " *हर आत्मा जवन कबूल करेला कि ईसा मसीह के शरीर में आवेला* " तब से आपन मूल्य खो देले बा पाप 7 मार्च , 321 से , परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल सच्चा सातवाँ दिन के अभ्यास के छोड़ के , पाप के अभ्यास , 1843 तक, " *ईसा मसीह के शरीर में आवे के कबूल करे के* " मूल्य के कम कर दिहले बा आ ओही तारीख से , ईसा मसीह के अंतिम दुश्मन लोग **उनकर** " ***नाम " के दावा कइले बा जइसे*** *कि* उ मत्ती 7:21 में घोषणा कइले बाड़न : " *जे हमरा से कहत बा कि प्रभु , प्रभु , ऊ सब स्वर्ग के राज्य में प्रवेश करी , लेकिन* ***जे*** *हमरा स्वर्ग में बाप के इच्छा के पूरा करी। ओह दिन हमरा से बहुत लोग कहत होई कि , 'प्रभु , प्रभु , का हमनी के* ***तोहरा नाम से भविष्यवाणी नईखी कईले ?'" का हमनी के तोहरा नाम से*** *भूत -प्रेत के बाहर ना निकालले बानी जा ? अवुरी* ***तोहरा नाम से*** *बहुत चमत्कार नईखी कईले ? तब हम उनुका से कबूल करब कि , **हम तोहरा के कबो ना जानत रहनी** ; हमरा से दूर हो जा , तू अधर्म के पालन करेवाला लोग । " **कबो ना जानल** "! इ " चमत्कार " शैतान अवुरी ओकर कईले रहले राक्षस के बा।*

संक्षेप में कहल जाव त एपोकैलिप्स के बारे में बतावल जाव

अध्याय 1 के प्रस्तावना में , जवन कि उनकर गौरवशाली प्रकाशितवाक्य के शुरुआत ह, आत्मा हमनी के तैयार भोज के मेनू पेश करेला। हमनी के उहाँ ईसा मसीह के गौरवशाली वापसी के घोषणा के विषय मिलेला , जवन 1843 आ 1844 में पहिलहीं से आयोजित भइल रहे , सार्वभौमिक आमुख्य रूप से अमेरिकी प्रोटेस्टेंट विश्वास के परख खातिर ; ई विषय सर्वव्यापी बा : श्लोक 3, *काहे कि समय नजदीक बा* ; पद 7, *देखऽ , ऊ बादल के साथे आवत बा* ... ; पद 10, *प्रभु के दिन हम आत्मा के पकड़ लिहलस अउर हम* ***अपना पीछे*** *तुरही के आवाज जइसन तेज आवाज सुननी* . आत्मा के द्वारा परिवहन कइल गइल , यूहन्ना खुद के यीशु के गौरवशाली वापसी के दिन , *प्रभु के दिन में पावेला* , " *एगो महान आ भयानक दिन* " माल के

अनुसार। 4:5, आऊ ***अपना पीछे बा*** , ईसाई युग के ऐतिहासिक अतीत *एशिया के सात शहर* (वर्तमान तुर्की) से उधार लिहल सात गो नाम के प्रतीक के तहत प्रस्तुत कइल गइल बा। तब , जइसे कि दानियल में , *चिट्ठी* , *मुहर आतुरही के* तीन गो विषय समानांतर रूप से पूरा ईसाई युग के कवर करी , लेकिन ओहमें से हर एक के दू गो अध्याय में बाँटल गइल बा। विस्तृत अध्ययन से पता चली कि ई विभाजन दान में स्थापित 1843 के महत्वपूर्ण तिथि पर कइल गइल बा। 8:14 के बा। हर विषय के भीतर , डेनियल में स्थापित आध्यात्मिक मानदंड के अनुकूल संदेश , लक्षित युग खातिर , कवर कइल गइल समय के 7 पल के निशान लगावे खातिर आवेला ; 7, ईश्वरीय **पवित्रीकरण** के संख्या जवन ओकर " *मुहर* " के काम करेला अउर जवन प्रकाशितवाक्य 7 के विषय होई।

निम्नलिखित व्याख्या के कबो प्रभावी ना बनावल गइल काहे कि समय के धारणा के खुलासा खाली पहिला अध्याय में उद्धृत "सात गो कलीसिया " के नाम के अर्थ से होला। पत्रन के विषय में , प्रकाशितवाक्य 2 अउर 3 से , हमनी के रूप में कवनो सटीकता ना मिलेला : "पहिला स्वर्गदूत , दूसरा स्वर्गदूत ... आदि। "; जइसे कि " *परमेश्वर के क्रोध के मोहर , तुरही आसात गो आखिरी विपत्ति* " खातिर होई । एह तरीका से कुछ लोग ई मान सके ला कि ई संदेश वास्तव में आशाब्दिक रूप से , प्राचीन कैपडो सिया के एह शहर सभ में रहे वाला ईसाई लोग के संबोधित कइल गइल रहलें , वर्तमान तुर्की में। भविष्यवाणी जवना क्रम में एह शहर के नाँव सभ के प्रस्तुत करे ले , ऊ कालक्रम से ओह क्रम के पालन करे ला जेह में धार्मिक ऐतिहासिक तथ्य सभ के पूरा ईसाई युग में पूरा भइल। आ दानि यल के किताब से पहिले से मिलल खुलासा के अनुसार ही परमेश्वर हर युग के जवन चरित्र देवेलन ओकरा के अपना शहर के नाम के अर्थ से परिभाषित करेलन। क्रमशः , प्रकट क्रम के अनुवाद निम्नलिखित तरीका से कइल गइल बा :

1- *इफिसुस* : मतलब : लॉन्चिंग (परमेशवर के सभा या पवित्र स्थान के)।

2- *स्मर्ना* : मतलब : गंधक (भगवान खातिर मुअल लोग के सुखद गंध आ मलम संस्कार ; 303 से 313 के बीच के विश्वासी चुनल लोग के रोमन प्रताड़ना)।

3- *पर्गाम* : मतलब : व्यभिचार (सबत के दिन के परित्याग के बाद से , 7 मार्च , 321। 538 में स्थापित पोप शासन धार्मिक रूप से पहिला दिन के बाकी हिस्सा के आधिकारिक तौर प अतवार के नाम बदल दिहलस)।

4- *थ्यातिरा* : मतलब : घृणित आ नश्वर दुख (प्रोटेस्टेंट सुधार के युग के दर्शावेला जवन कैथोलिक आस्था के शैतानी प्रकृति के खुल के निंदा

करत रहे ; 16वीं सदी से संबंधित युग जहाँ यांत्रिक छपाई के बदौलत बाइबल के फैलाव के प्रोत्साहित कइल गइल)।

5- *सरदीस* : दोहरी आविपरीत अर्थ : आकुंचन आअनमोल पत्थर। (एह से एह फैसला के खुलासा होला कि भगवान 1843-1844 के विश्वास के परीक्षा पर गुजरत बाड़न : आकुंचन करे वाला अर्थ अस्वीकृत प्रोटेस्टेंट विश्वास से संबंधित बा : " *तू मर गइल बाड़ू* ", आकीमती पत्थर ओह चुनल लोग के नामित करेला जे परीक्षा जीतले बा : " *ऊ लोग हमरा साथे सफेद कपड़ा में चली काहे कि ऊ लोग एकरा लायक बा* "।)

6- *फिलाडेल्फिया* : *मतलब : भाईचारा के प्रेम* (*सार्डिस* के कीमती पत्थर 1863 से सेवेन्थ -डे एडवेन्टिस्ट संस्थान में एकट्ठा कइल गइल बा ; संदेश दान .12:12 द्वारा परिभाषित साल 1873 खातिर दिहल गइल बा। ओह समय धन्य , उनुका के हालांकि " *ओकर मुकुट छीन लिहल जाए* " के जोखिम से चेतावनी दिहल गइल बा)।

7- *लौदीकिया* : मतलब : लोग न्याय करत रहे : " *ना त ठंडा ना गरम लेकिन गुनगुना* " (इ *फिलाडेल्फिया* ह जवना के " *मुकुट लेले बा* ": " *आप दयनीय , दयनीय , गरीब , आन्हर , अवुरी नंगा बानी* । " संस्था के कल्पना ना रहे कि एकर परीक्षण अवुरी कोशिश होई , 1980 से 1994 के बीच , जवन विश्वास के परीक्षा से मिलत जुलत बा , जवन कि ओकर कमाई कईले रहे 1844 के अग्रणी लोग उनकर ईश्वरीय आशीर्वाद : 1994 में , संस्था गिर गईल , लेकिन संदेश बिखराइल एडवेंटिस्ट के माध्यम से जारी रहल जेकरा के परमेश्वर अपना प्रकट भविष्यवाणी के प्रकाश से उनकर प्रेम से पहचान कईले अउर चुनले , अउर कोमल अउर अधीनता वाला स्वभाव से जवन हर युग में यीशु मसीह के सच्चा चेलन के विशेषता ह)।

" *निरंतरता में* " जवन मसीह परमेश्वर के गौरवशाली वापसी के साथ समाप्त भइल , प्रकाशितवाक्य 4 "24 सिंहासन " के प्रतीक से चित्रित करी , आकाशीय न्याय के एगो दृश्य (*स्वर्ग में*) जहाँ परमेश्वर अपना चुनल लोग के एकट्ठा करीहें ताकि उ लोग दुष्ट मरल लोग के न्याय करस। प्रकाशितवाक्य 20 के समानांतर , एह अध्याय में सातवीं सहस्राब्दी के "हजार साल " के बारे में बतावल गइल बा। स्पष्टीकरण : 24, आ 12 ना , गद्दी काहे ? काहे कि ईसाई युग के दू भाग में बाँटल गइल तारीख 1843-1844 पर ओह समय के आस्था के परीक्षा के शुरुआत आअंत के।

तब , एगो महत्वपूर्ण एक तरफ के रूप में , प्रकाशितवाक्य 5 भविष्यवाणी के किताब के समझे के महत्व के रेखांकित करी ; जवन हमनी के दिव्य प्रभु आ उद्धारकर्ता यीशु मसीह के मिलल जीत से ही संभव होई।

मसीही युग के समय के समीक्षा प्रकाशितवाक्य 6 अउर 7 में एगो नया विषय के निगाह के तहत फिर से कइल जाई : "सात मुहर " के। पहिला छह में मंच पर रखल मुख्य अभिनेता लोग आसमय के संकेत प्रस्तुत कइल जाई जवन ईसाई युग के विभाजन के दू गो हिस्सा के विशेषता बा : 1844 तक, प्रकाशितवाक्य 6 खातिर ; आ1844 से , पुनरीक्षण 7 खातिर।

तुरही " के विषय आवेला जवन प्रकाशितवाक्य 8 अउर 9 के पहिला छह खातिर चेतावनी सजा के प्रतीक ह, अउर निश्चित सजा , " *सातवा तुरही* " खातिर , हमेशा अलग रखल गइल , प्रकाशितवाक्य 11:15 से 19 में।

प्रकाशितवाक्य 9 के बाद , प्रकाशितवाक्य 10 दुनिया के अंत पर केंद्रित बा , ईसा मसीह के दू गो महान दुश्मनन के आध्यात्मिक स्थिति के उकसावत बा जे अपना के उनकर अनुयायी होखे के दावा करेलन : कैथोलिक विश्वास अउर प्रोटेस्टेंट विश्वास , जवना में आधिकारिक एडवेंटिज्म भी शामिल बा , जवन 1994 से गिर गईल बा।अध्याय 10 में किताब के खुलासा के पहिला भाग के बंद कइल गइल बा। बाकिर महत्वपूर्ण मुख्य विषयन के संबोधित आविकास के बाद के अध्याय में कइल जाई।

एह तरह से , प्रकाशितवाक्य 11 ईसाई युग के अवलोकन के फिर से शुरू करी आ मुख्य रूप से , फ्रांसीसी क्रांति के महत्वपूर्ण भूमिका के विकास करी , जेकर स्थापित राष्ट्रीय नास्तिकता के भगवान द्वारा इस्तेमाल कइल जाला , " *अथाह गड्ढा से उठल जानवर " के प्रतीकात्मक नाम से , " समुद्र से उठल जानवर* " के कैथोलिक शासन के शक्ति के नष्ट करे खातिर , प्रकाशितवाक्य 13:1 में। सार्वभौमिक धार्मिक शांति , जवन प्रकाशितवाक्य 7 में उकसावल गइल बा , एह तरह से 1844 में प्राप्त कइल जाई अउर नोट कइल जाई।फिर , एह क्रांतिकारी शासन के आसन्न तीसरा विश्वयुद् ध या प्रकाशितवाक्य 9:13 के " *6वां तुरही " के छवि के रूप में लेत , जवन* प्रकाशितवाक्य 8:13 के घोषणा से सच्चा " *दूसरा विपत्ति " के गठन करेला* , " *सातवाँ तुरही " के अंतिम विषय* ", जवन ईसा मसीह के महिमा में वापसी से पूरा होला , प्रस्तुत कइल गइल बा। "

प्रकाशितवाक्य 12 में , आत्मा हमनी के मसीही युग के एगो अउरी अवलोकन देले बा। ऊ अपना जानकारी में अउरी बढ़ोतरी करेला , खासकर शैतान आओकर स्वर्गदूत अनुयायी लोग के स्थिति के संबंध में। उ हमनी के बतावेलन कि क्रूस पर उनकर जीत के बाद , *माइकल के स्वर्गीय नाम में* , जेकर जिक्र दान में पहिलहीं से कइल गइल बा। 10:13, 12:1, उ नाम जवन उ यीशु में अपना मानव अवतार से पहिले स्वर्ग में धारण कइले रहले , हमनी के प्रभु स्वर्ग के उनकर बुरा उपस्थिति से साफ कर

दिहले अउर कि उ लोग हमेशा खातिर परमेश्वर के बनावल स्वर्गीय आयाम तक पहुँच खो दिहले। ई एगो बढ़िया खबर बा ! यीशु के जीत के सुखद स्वर्गीय परिणाम हमनी के स्वर्गीय भाई लोग खातिर भइल , जे राक्षसन के परीक्षा अउर विचार से मुक्त हो गइलन। एह निष्कासन के बाद से , उ लोग हमनी के पार्थिव आयाम तक सीमित बा , जहाँ उ लोग 2030 में मसीह परमेश्वर के गौरवशाली वापसी में परमेश्व र के पार्थिव दुश्मनन के साथे मारल जाई। एह अवलोकन में , आत्मा " *अजगर* " आ" *साँप* " के उत्तराधिकार के चित्रण करे ला , जवन क्रम से शैतान के लड़ाई के दू गो रणनीति सभ के नाँव देला : खुला युद्ध , निंदा कइल गइल शाही भा पोप रोम के , आ बिना नकाबपोश , लगभग मानवतावादी रोमन वैटिकन पोप के धोखा देवे वाला धार्मिक बहकावा । हिब्रू लोग के अनुभव से उधार लिहल सूक्ष्म छवि में " *धरती आपन मुँह खोलेले* " कैथोलिक लीग के पोप के आक्रामकता के निगल जाए खातिर। जईसे कि हमनी के अभी देखले बानी जा कि काम के अंजाम नास्तिक फ्रांसीसी क्रांतिकारी करीहे। बाकिर एकर शुरुआत एगो झूठा , आक्रामक , युद्धप्रिय ईसाई धर्म के प्रोटेस्टेंट सैनिकन से भी कइल जाई . अवलोकन के अंत " *औरत के बीज के अवशेष* " के आह्वान से होई . एकरा बाद आत्मा अंतिम समय के सच्चा संतन के बारे में आपन परिभाषा देला : " *इहाँ संत लोग के धैर्य बा , जे परमेश्वर के आज्ञा के पालन करेला अउर यीशु के गवाही के मजबूती से पकड़ेला* । " एह शब्दन में , आत्मा ओह लोग के नामित करेला जे हमरा जइसन , उनकर भविष्यवाणी वाला प्रकाशितवाक्य से चिपकल रहेला अउर ओकरा के केहू से ओकरा से फाड़े ना देवे देला , अंत तक स्वर्ग के दिहल मोती के एकट्ठा करेला।

अध्याय 13 में दू गो आक्रामक धार्मिक दुश्मन के प्रस्तुत कइल गइल बा जे ईसाई आस्था के वाहक हवें। अइसे , ई इन हन के दू गो " *जानवर* " के रूप में चित्रित करे ला , जिनहन में से दूसरा पहिला से निकलल बा , जइसन कि उत्पत्ति के बिबरन में " *समुंद्र आजमीन* " शब्दन के बीच के संबंध से पता चले ला , जवन एह अध्याय 13 में इनहन के परिभाषित करे ला , पहिला 1844 से पहिले के काम कइले बा , आदूसरा पृथ्वी के समय के अंतिम साल में ही लउकी , एह तरीका से मनुष्य के चढ़ावल गइल अनुग्रह के समय के अंत के निशान बा। ई दुनो " *जानवर* " पहिला खातिर कैथोलिक , माई चर्च , आ दूसरा खातिर , प्रोटेस्टेंट रिफॉर्मड चर्च हवें जे एकरा से निकलल , एकर बेटी।

1844 के बाद से ईसा ई युग के खाली दूसरा भाग के कवर करत , प्रकाशितवाक्य 14 सेवेन्थ -डे एडवेन्टिस्ट सच्चाई के तीन संदेश के अनन्त शर्त

के साथ उकसावत बा : भगवान के महिमा जवन उनकर पवित्र सब्त के अभ्यास के बहाल करे के मांग करेला , रोमन कैथोलिक धर्म के उनकर निंदा , अउर प्रोटेस्टेंट धर्म के निंदा जवन एकर अतवार के सम्मान करेला जवना के उ मानवीय आ ... शाही आ पोप रोम दुनो के शैतानी अधिकार। जब तैयारी मिशन के समय खतम हो जाई , क्रमशः , " *फसल* " द्वारा चित्रित चुनल संत लोग के रैप्चर के साथ , आ विद्रोही गुरु लोग आ सभ अविश्वासी लोग के विनाश के साथ , " *विंटेज* " द्वारा चित्रित काम , धरती फिर से सृष्टि के पहिला दिन के " *खाई* " बन जाई , सांसारिक जीवन के हर रूप से वंचित। हालांकि ई " *हजार साल* " तक जिंदा रही , एगो चुनिंदा निवासी , शैतान , खुद शैतान , अंतिम न्याय में ओकर विनाश के इंतजार करत होई आसाथ ही साथ बाकी सब विद्रोही आदमी आस्वर्गदूत भी।

प्रकाशितवाक्य 15 परिवीक्षा के अंत के समय पर केंद्रित बा।

प्रकाशितवाक्य 16 " *परमेश्वर के क्रोध के सात गो अंतिम विपत्तियन* " के प्रकट करेला जवन परिवीक्षा के अंत के बाद , अंतिम अविश्वासी विद्रोही लोग के प्रहार करेला जे अधिका से अधिका आक्रामक हो जाला , एतना कि सातवाँ विपत्ति से ठीक पहिले ईश्वरीय सब्त के पालन करे वाला लोग के मौत के फरमान जारी करेला।

प्रकाशितवाक्य 17 पूरा तरह से "महा न वेश्या " के पहचान खातिर समर्पित बा जेकरा के " *महान बेबिलोन* " कहल जाला। एही तरह से आत्मा शाही आपोप के " *महान शहर* ," रोम के संदर्भित करेला। एह तरह से ओकरा पर भगवान के न्याय साफ -साफ प्रकट होला। अध्याय में ओकर भविष्य के न्याय अउर आग से विनाश के घोषणा भी कइल गइल बा , काहे कि मेमना अउर ओकर विश्वासी चुनल लोग ओकरा पर विजय पाई।

विंटेज ” या “ *महान बेबिलोन* ” के सजा के समय के निशाना बनावेला ।

प्रकाशितवाक्य 19 में यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी अउर धरती पर आतंकित विद्रोही ताकतन से उनकर मुठभेड़ के चित्रण कइल गइल बा।

प्रकाशि तवाक्य 20 सातवीं सहस्राब्दी के हजार साल के अवधि पर केंद्रित बा , जवना के अनुभव बहुत अलग तरीका से होला : चुनल लोग के द्वारा स्वर्ग में , अउर उजाड़ धरती पर , शैतान के अलगाव में। हजार साल के अंत में , परमेश्वर अंतिम न्याय के आयोजन करीहे : आकाशीय अउर भूमिगत पार्थिव आग से सब पार्थिव मानव अउर आकाशीय स्वर्गदूत विद्रोहियन के विनाश।

प्रकाशितवाक्य 21 में यीशु मसीह के खून से छुड़ावल चुनल लोग के एकट्ठा कइला से बनल सभा के

महिमा के चित्रण कइल गइल बा। चुनल लोग के सिद्धता के चित्रण धरती के सबसे कीमती चीजन से तुलना से कइल जाला : सोना , चाँदी , मोती आकीमती पत्थर।

प्रकाशितवाक्य 22 खोवल अदन में वापसी के छवि में उकसावत बा , पाप के धरती पर अनन्त काल खातिर पावल गइल आस्थापित कइल गइल बा जेकरा के पुनर्जन्म आ रूपांतरित कइल गइल बा ताकि ऊ एकलौता महान परमेश्वर , सृष्टिकर्ता , विधायक अउर मुक्तिदाता के सार्वभौमिक सिंहासन बन सके जे अपना पार्थिव मुक्ति के साथ अपना सब ब्रह्मांड पर हावी बा।

एह से प्रकाशितवाक्य के किताब के ई संक्षिप्त अवलोकन के समापन होला , जवना के विस्तृत अध्ययन से अभी जवन कहल गइल बा ओकरा के पुष्टि अउर मजबूती मिली।

हम ई बेहद आध्यात्मिक व्याख्या जोड़त बानी जवन भगवान के मन के छिपल तर्क के उजागर करेला। उ सूक्ष्म संकेत के माध्यम से अनजान संदेश देवेलन जवना के बाइबल हमनी खातिर रोशन करी। एपोकैलिप्स के निर्माण में , उहे प्रक्रिया के पालन करके जवन उ दानियल के दिहल गईल आपन प्रका शन के निर्माण खातिर इस्तेमाल कईले रहले , परमेश्वर एह बात के पुष्टि करेलन कि उ " *ना बदलेले* " *अउर उ* " *अनन्त काल तक उहे* " होईहे । साथ ही , हमरा एपोकैलिप्स में तीन गो विषय के समानांतर करे के उहे तरीका मिलल जवन ह " *सभा के चिट्ठी* ," " *मुहर* " आ" *तुरही* "। Apo.5 के अनुसार , जहाँ एपोकैलिप्स के छवि " *सात मुहर* " से बंद किताब से कइल गइल बा , खाली " *सातवीं मुहर* " के खुलला से ही ओह सबूत तक पहुँच के अधिकृत कइल जाई जवन अध्याय 8 से 22 में पुष्टि करी , अध्याय 1 से 6 के अध्ययन से पैदा भइल व्याख्या आ संदेह के , एह से अध्याय 7 खुलासा भइल रहस्यन के समझ में प्रवेश करे के कुंजी बा। अउर आश्चर्य मत करीं , काहे कि एकर विषय ठीक सब्त के दिन ह , जवन 1843 से सच्चा अउर झूठा पवित्रता में सब अंतर करेला , एह से हमनी के Apo.7 में , उ महान सच्चाई पावेनी जा जवन 1843 के बसंत में प्रोटेस्टेंट धर्म के पहेली में डाल दिहलस , एपोकैलिप्स खाली एह मौलिक शिक्षा के पुष्टि करी जवन दानियल के सामने प्रकट भइल रहे। लेकिन , एडवेंटिज्म खातिर , जवन ओह तारीख के ओकरा से निकलल रहे , विजयी , एपोकैलिप्स 1994 खातिर खुलासा करी , एगो अइसन परीक्षा जवन बारी -बारी से एकरा के पहे ली बनाई। ई नया रोशनी , एक बेर फेरु से , " *फेरु* ", " *भगवान के सेवा करे वाला आ उनकर सेवा ना करे वाला लोग में अंतर पैदा करी* ", भा ओकरा से अधिका।

भाग दू : प्रकाशितवाक्य के विस्तृत अध्ययन

प्रकाशितवाक्य 1: प्रस्तावना – मसीह के वापसी – 1। एडवेंटिस्ट के विषय के बारे में बतावल गइल बा

<u>प्रस्तुति के बारे में बतावल गइल बा</u>

पद 1: *“ यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य जवन परमेश्वर उनका के दिहलन , कि उ* ***अपना ~~सेवकन के~~*** *उ बात बतावे जवन* ***<u>जल्दी होखे वाला बा , अउर उ</u>*** *अपना दूत के द्वारा अपना सेवक यूहन्ना के भेज के संकेत दिहलन , ... ”*

यूहन्ना , उ प्रेरित जेकरा से यीशु प्यार करत रहले , एह ईश्वरीय प्रकाशन के संरक्षक हवें जवन उ यीशु मसीह के नाम से पिता से प्राप्त करेलन। यूहन्ना , हिब्रू में "योहान " के मतलब होला : भगवान देले बाड़ न; आ ई हमार पहिला नाम भी ह। का यीशु ना कहले रहले कि : " *जेकरा लगे बा , ओकरा के अउरी दिहल जाई* "? ई संदेश " *भगवान* " पिता के " *दिहल* " बा , एह से असीमित सामग्री के साथ। काहे कि जबसे यीशु मसीह के जी उठल बा , तब से आपन ईश्वरीय गुण धारण कइले बाड़न , अउर ई एगो स्वर्गीय पिता के रूप में ही , स्वर्ग से , अपना सेवकन के पक्ष में या अधिक सटीक रूप से कहल जाव त अपना " *गुलाम* " के पक्ष में काम कर सकेलन। कहावत के मुताबिक , "पूर्व चेतावनी दिह ल गईल बा। भगवान के इहे राय बा आउ एकरा के साबित करेलन , भविष्य के बारे में खुलासा के अपना सेवकन के संबोधित करके। " ***<u>जल्दी</u>*** *का होखे के चाहीं* " के अभिव्यक्ति तब आश्चर्य के रूप में तब आसकेला जब हमनी के पता चलेला कि संदेश 94 ई. में दिहल गइल रहे आआजु हमनी का 2020-2021 में बानी जा , ई दस्तावेज लिखे के समय . लेकिन उनुका संदेश के खोज से हमनी के समझ में आजाई कि इ " ***<u>तुरंत</u>*** » शाब्दिक अर्थ ले लेला , काहे कि उनकर प्राप्तकर्ता यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के समकालीन होई। ई विषय एपोकैलिप्स में सर्वव्यापी होई , काहे कि एपोकैलिप् स परमेश्वर द्वारा चुनल गइल अंतिम "एडवेंटिस्ट " लोग के संबोधित कइल गइल बा , विश्वास के द्वारा जवन प्रकाशितवाक्य 9:1 से 12 के डेटा पर बनल अंतिम परीक्षण में देखावल गइल बा , जवन " पांचवा तुरही " के विषय से संबंधित बा। एह अध्याय में श्लोक 5 अउर 10 में " *पांच महीना* " के भविष्यवाणी के अवधि के हवाला दिहल गइल बा जवना के गलत व्याख्या हमरा तक कइल गइल बा। एह विषय के हमरा अध्ययन में , ई अवधि एगो नया तारीख तय कइलस जवना में 1994 खातिर यीशु के वापसी के घोषणा होखे के चाहीं , जवन मसीह के सच्चा जन्म के सही साल 2000 ह। विश्वास के ई परीक्षा , आखिरी बेर , आधिकारिक एडवेन्टिज्म के पहेली से भरल रहे , जवन गुनगुना अउर औपचारिक हो गईल रहे , अउर जवन ओह लोग के साथे एगो समझौता करे के तैयारी करत रहे , जेकरा के परमेश्वर अपना एपोकैलिप्स में आपन दुश्मन बतावेलन। 2018 से , हम यीशु मसीह के सही वापसी

के तारी ख के जानत बानी , अउर इ दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के भविष्यवाणी के कवनो डेटा पर आधारित नइखे , जेकर संख्यात्मक अवधि सब निर्धारित समय पर आपन छाननी के भूमिका पूरा करके पूरा भइल। यीशु के सही वापसी के उत्पत्ति के विवरण से समझल जा सकेला , ई मान के कि हमनी के हफ्ता के सात दिन परमेश्वर द्वारा परिकल्पित पूरा परियोजना के 7,000 साल के छवि पर बनल बा , पाप अउर पापी लोग के खतम करे खातिर , अउर पहिला 6,000 साल के दौरान चुनल गइल उनकर प्रिय चुनल गइल लोग के अनंत काल में ले आवे खातिर। हिब्रू पवित्र स्थान भा तम्बू के अनुपात के तरह , 6,000 साल के समय 2,000 साल के तीन तिहाई से बनल बा। अंतिम तिहाई के शुरुआत , 3 अप्रैल , 30 के हमनी के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के प्रायश्चित करे वाला मौत से चिन्हित भइल। एगो यहूदी कैलेंडर एह तारीख के पुष्टि करेला। एह से उनकर वापसी 2030 के बसंत यानी 2000 साल बाद खातिर तय बा। ई जान के कि मसीह के वापसी हमनी के सामने बा , एतना करीब , शब्द " ***<u>तुरंत "।</u>*** " यीशु के शब्दन के पूरा तरह से जायज बा। एह तरह से , हालांकि ई सदियन से जानल आ पढ़ ल गइल बा , लेकिन प्रकाशितवाक्य के किताब अंत के समय तक बंद , जमल, मुहर लगावल रहल बा , जवन हमनी के पीढ़ी के संबंध में बा।

पद 2: "... *उ परमेश्वर के वचन अउर यीशु मसीह के गवाही के गवाही दिहलन , अउर उ सब कुछ के गवाही दिहलन जवन उ देखले रहले .*"

यूहन्ना गवाही देत बाड़न कि उनुका आपन दर्शन परमेश्वर से मिलल बा। एगो दर्शन जवन यीशु मसीह के गवाही के गठन करेला , जवना के प्रकाशितवाक्य 19:10 " *भविष्यवाणी के भावना* " के रूप में परिभाषित करेला। संदेश " *देखल* " बिम्ब आ सुनल शब्दन पर आधारित बा। यूहन्ना के परमेश् वर के आत्मा द्वारा पार् थिव आकस्मिकता से छीन लिहल गइल , जे उनके बिम्ब में ईसाई युग के धार्मिक इतिहास के महान बिसय सभ के खुलासा कइलें ; एकर अंत ओकरा दुश्मनन खातिर ओकर गौरवशाली आ भयंकर वापसी से होखी .

पद 3: " *धन्य बा उ जे एह भविष्यवाणी के वचन के पढ़ेला अउर सुनेला , अउर ओकरा में लिखल बात के पालन करेला , काहेकि समय नजदीक आगईल बा .*"

पढ़े वाला " खातिर आशीर्वाद , काहे कि प्रभु पढ़ल क्रिया के एगो सटीक तार्किक अर्थ देले। ऊ एकरा के ईसा में बतावत बाड़न . 29:11-12: " *सब प् रकटीकरण तोहनी खातिर एगो मुहर लगावल किताब के वचन निहन बा , जवन पढ़े के जानत आदमी के दिहल जाला , इ कहत कि , 'ई पढ़ीं !' आऊ जवाब देत बाड़न कि हम ना कर सकीं , काहे कि एकरा पर मोहर लागल बा ; भा जइसे कवनो किताब जवन पढ़े*

ना आवे वाला आदमी के दिहल जाला आ कहल जाला कि ई पढ़ीं ! आऊ जवाब देत बाड़न , 'हमरा पढ़े के तरीका नइखे मालूम ।'" पद 13, जवन बाद में आवेला , एह असमर्थता के कारण के उजागर करेला : "*प्रभु कहले : जब ई लोग हमरा लगे आवेला त उ लोग हमरा के अपना मुँह से आ होंठ से आदर करेला , लेकिन उनकर दिल हमरा से दूर बा , आ हमरा से जवन डर बा उ खाली मानव परंपरा के उपदेश ह ."* "*सीलबंद* " भा "*सील* " शब्द एपोकैलिप्स के पहलू के वर्णन करे ला , सील कइला के कारण अपठनीय। एह से एकरा के पूरा तरह से खोलल आ खोलल बा कि हम , अंतिम समय के एगो अउरी यूहन्ना के भगवान बोलवले बानी ; इ एह से बा कि उनकर सब सच्चा चुन ल लोग भविष्यवाणी के शब्दन आ छवि में प्रकट सच्चाई के "*सुन के रखे* "/ एह क्रिया सभ के मतलब होला "समझल आ व्यवहार में ले आवल"। एह श्लोक में , परमेश्वर अपना चुनल लोग के चेतावत बाड़न कि उ लोग मसीह में अपना एगो भाई से , "*जे पढ़ेला* ," उ प्रकाश पाईहें जवन भविष्यवाणी के रहस्यन के बतावेला ताकि उ लोग , बदला में , एह में आनन्दित हो सके अउर उनकर शिक्षा के व्यवहार में उतार सके। जइसे कि यीशु के समय में भइल रहे , एह से विश्वास , भरोसा अउर विनम्रता बहुत जरूरी होई। एह तरीका से भगवान ओह लोग के छान के हटा देलें जे बहुते घमंडी होखे आ ओह लोग के सिखावल ना जा सके . त हम चुनल लोग से कहत बानी : "आदमी के भूल जा , एह छोट सिविल सेवक अनुवादक आ संप्रेषक के , आ सच्चा लेखक के देखल जाव : सर्वशक्तिमान भगवान ईसा मसीह। "

पद 4: "*यूहन्ना एशिया में सात कलीसिया के कहलन : तोहनी पर अनुग्रह आ शांति होखे , जे बा , जवन रहे , अउर जे आवे वाला बा , अउर सात आत्मा से जवन उनकर सिंहासन के सामने बा , ..."*

सात विधानसभा " के आह्वान संदिग्ध बा , काहे कि कैपिटल ए वाला *विधानसभा* , एक , हमेशा खातिर होला . एह से "*सात सभा* " जरूरी रूप से सात गो चिन्हित आलगातार युग में ईसा मसीह के एकीकृत *सभा के नामित करेला।* बात के पुष्टि हो जाई अउर पहिलही से हमनी के जानत बानी जा कि भगवान ईसाई युग के 7 विशेष समय में बांटत बाड़े। एशिया के संदर्भ उपयोगी आ जायज बा , काहें से कि पद 11 में प्रस्तुत नाँव अइसन शहर सभ के हवें जे एशिया माइनर में मौजूद बाड़ें , प्राचीन अनातोलिया में जे वर्तमान तुर्की के पच्छिम में स्थित बाड़ें। आत्मा यूरोप के सीमा आ एशियाई महाद्वीप के शुरुआत के पहिलहीं से पुष्टि कर देले बा। बाकिर अनातोलिया शब्द जइसन *एशिया शब्द में एगो आध्यात्मिक संदेश छिपल बा* . इनकर मतलब बा : अकादियाई अउर ग्रीक में **उगत सूरज** , अउर एह तरह से परमेश्वर के शिविर के सुझाव देत बा जवना के यीशु

मसीह , " *उगत सूरज* ", लूका 1:78-79 में देखले रहले : " *हमनी के परमेश्वर के दया के आंत से , जवना से ऊपर से* ***उगत सूरज*** *हमनी के घरे आइल बा , ताकि अन्हार में अउर मौत के छाया में बईठल लोग के रोशनी दिहल जा सके , ताकि हमनी के गोड़ के शांति के रास्ता में ले जा सके ।* *धर्म के सूरज* " के माल। 4:2: " लेकिन तोहनी खातिर जे हमरा नाम से डेरात हई , ***धर्म के सूरज ओकर पाँख में चंगाई*** *के साथ उग अई , अउर तू लोग बछड़ा निहन ठेला से उछल जाई।* " अभिवादन के सूत्र उ चिट्ठी के अनुरूप बा जवन यूहन्ना के समय मसीही लोग के आदान -प्रदान करत रहे। हालाँकि , भगवान के एगो नया , अबतक ले अज्ञात अभिव्यक्ति से नामित कइल गइल बा : " *जे बा , आजवन रहे , आ जवन आवे वाला बा , ओकरा से* ." ई अभिव्यक्ति खाली मूल ग्रीक भाषा आअउरी अनुवाद सभ में , भगवान के हिब्रू नाँव के अर्थ के अनुवाद करे ला : "याहवेह। " ई हिब्रू के अपूर्ण काल के तीसरा पुरुष एकवचन में संयुग्मित क्रिया "होखल " हवे। ई काल , जेकरा के अपूर्ण कहल जाला , पूरा भइल के ब्यक्त करे ला जे समय में बिस्तार लेला , काहें से कि वर्तमान काल हिब्रू के संधि में मौजूद नइखे। " *आजवन आवेला* ," ईसा मसीह के वापसी के विषय एडवेन्टिज्म के अउरी पुष्टि करेला। एह तरीका से ईसाई बिसवास के बुतपरस्त लोग खातिर खुले के पुष्टि होला ; ओह लोग खातिर भगवान आपन नाम अपनावेले . तब , एगो अउरी नवीनता पवित्र आत्मा के नामित करे वाला लउकेला : " *सात आत्मा जे उनकर सिंहासन के सामने बा* ." इ उद्धरण प्रकाशितवाक्य 5:6 में आई। 7 नंबर पवित्रीकरण के निर्दिष्ट करेला , एह मामला में , उ ईश्वरीय आत्मा के जवन उनकर प्राणी में उझलल रहे , एह से , " *उनकर सिंहासन के सामने* । " प्रकाशितवाक्य 5:6 में , " *मारल मेमना* " के एह प्रतीकन से जोड़ल गइल बा , भविष्यवाणी एह तरह से यीशु मसीह के ईश्वरीय सर्वशक्तिमानता के पुष्टि करेले। " *परमेश्वर के सात आत्मा* " के प्रतीक हिब्रू तम्बू के " *सात शाखा वाला मोमबत्ती* " से बा जवन परमेश्वर के परियोजना के उद्धार के योजना के भविष्यवाणी करेला। एह तरह से उनकर कार्यक्रम के साफ -साफ रेखांकित कइल गइल। जब से आदम, 4000 साल , अउर अपना मौत से यीशु 3 अप्रैल , 30 के चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित करेलन , एह तरह से उ पाप के पर्दा फाड़ देले अउर छह हजा र साल में से अंतिम दू हजार साल के दौरान मुक्त चुनल लोग खातिर स्वर्ग के पहुँच खोल देले , जवन कि बिखराइल चुनल लोग के चयन खातिर प्रोग्राम कइल गइल रहे , दुनिया के अंत तक, पूरा धरती के राष्ट्रन के बीच।

पद 5: " ...*आईसा मसीह से , जे विश्वासी गवाह , मुवलन में से जेठ जनम हवें , अउर धरती के राजा लोग के राजकुमार हवें* !

यीशु मसीह " नाम पार्थिव सेवा से जुड़ल बा जवन परमेश्वर धरती पर पूरा करे खातिर आइल रहले। ई श्लोक हमनी के अनुग्रह से मुक्ति पावे खातिर उनकर पूरा कइल काम के याद दिलावत बा जवन ऊ खाली अपना चुनल लोग के चढ़ावेलन। परमेश्वर अउर उनकर मूल्यन के प्रति उनकर पूर्ण निष्ठा में , यीशु " *वफा दार गवाह* " रहलन जेकरा के मॉडल के रूप में प्रस्तावित कइल गइल जवना के नकल उनकरा प्रेरित अउर हर समय के चेलन द्वारा कइल जा सके , हमनी के भी। उनकर मौत के भविष्यवाणी आदम अउर हव्वा के पाप के बाद नंगापन के कपड़ा पहिरे खातिर मारल गईल पहिला जानवर के मौत से कईल गईल रहे । एह से उनकरा माध्यम से उ सही मायने में " *मुवलन में से पहिला जनम* " रहले। लेकिन इहो बा , उनकर ईश्वरीय महत्व के वजह से , कि अकेले उनकर मौत में शैतान , पाप अउर पापी लोग के निंदा करे के प्रभावकारिता अउर शक्ति रहे। धार्मिक इतिहास के " *पहिलका " से ऊपर* उ " पहिला जन् म " बनल बाड़े। इहे अपना मौत के ध्यान में रख के , जवन कि अपना चुनल लोग के पाप के छुड़ावे खातिर जरूरी हो गईल रहे , कि परमेश्वर विद्रोही मिस्र के सभ मानव अवुरी जानवर के " *जेठ बच्चा* " के , पाप के प्रतिरूप , के हत्या क देले , ताकि उ अपना हिब्रू लोग के गुलामी से " *मु क्ति* " *कर सके , जवन कि पहिले से ही " पाप* " के प्रतीक अवुरी प्रतिरूप रहे । " *जेठका* " के रूप में आध्यात्मिक जन्मसिद्ध अधिकार उनकर ह। अपना के " *धरती के राजा लोग के राजकुमार* " के रूप में पेश करके , यीशु अपना के अपना मुक्तिदाता के सेवक बनावेलन। " *धरती के राजा* " उहे हवें जे उनकरा खून से छुड़ा के उनकर राज्य में प्रवेश करेलन ; उ लोग के नवीनीकरण भईल धरती के विरासत में मिल जाई। आकाशीय जीवन के ईश्वरीय मानक के प्रति वफादार रहल आकाशीय प्राणी के विनम्रता , करुणा , दोस्ती , भाईचारा , अउर प्रेम के स्तर के खोज कइल एगो आश्चर्यजनक बात बा। धरती पर , यीशु अपना प्रेरितन के गोड़ धो दिहलन , जबकि एह बात के पुष्टि कइलन कि उ " *मालिक अउर प्रभु* " हवें। स्वर्ग में ऊ अनन्त काल खातिर अपना " *राजान " के " राजकुमार* " रहीहें . लेकिन " *राजा* " भी अपना भाई के सेवक होईहे। साथ ही , अपना के " *राजकुमार* " के उपाधि देके , यीशु अपना के शैतान के समान स्तर पर रखेलन , जवन कि उनकर हारल विरोधी अउर प्रतियोगी ह, जेकरा के उ " *एह दुनिया के राजकुमार* " कहत बाड़न। यीशु में भगवान के अवतार दुनो " *राजकुमार* " के आमने -सामने से प्रेरित रहे ; दुनिया के भाग्य आओकर प्राणी के भाग् य महान

विजेता ईसा माइकल याहवेह के शक्ति पर निर्भर करेला। लेकिन यीशु के आपन जीत के श्रेय कुछ हद तक ही अपना ईश्वरीयता के बा , काहे कि उ शैतान से बराबर शर्त प लड़ले , हमनी के समान मांस के शरीर में , पहिला आदम के हार के लड़ाई के 4,000 साल बाद। उनकर मन के स्थिति आ अकेले अपना चुनल लोग के बचावे के चक्कर में जीते के संकल्प उनका के जीत दिहलस। उ अपना चुनल लोग खातिर रास्ता खोलले , इ देखावत कि एगो नम्र " *मेमना* " " *भेड़िया* " के हरा सकेला जवन मांस अउर आत्मा के खा जाला , विश्वासी अउर सच्चा परमेश्वर के मदद से।

पद 6: " *अउर हमनी के परमेश्वर अउर उनकर पिता खातिर एगो राज्य अउर याजक बनवले बा , उनकर महिमा अउर प्रभु हमेशा खातिर होखे* ।

ई जॉन हवें जे परिभाषित कइले बाड़न कि चुनल लोग के सभा के गठन का होला। ईसा मसीह में प्राचीन इस्राएल पुरान वाचा के संस्कार में भविष्यवाणी कइल गइल आध्यात्मिक रू पन में जारी बा। " *राजा लोग के राजा आ प्रभु लोग के स्वामी* " के सेवा करके सही मायने में चुनल लोग उनकर राज्य साझा करेला , आ ओकरा साथे , ऊ लोग स्वर्ग के राज्य के नागरिक के गठन करेला। उ लोग आध्यात्मिक " *पुजारी* " भी हवें , काहे कि उ लोग अपना शरीर के मंदिर में काम करेला , जवना में उ लोग परमेश्वर के सेवा करेला , अपना के पवित्रता में अर्पित करेला। आ भगवान से कइल प्रार्थना के माध्यम से ऊ लोग यरूशलेम के प्राचीन मंदिर में धूप के वेदी पर चढ़ावल धूप के रिले करेला। यीशु अउर पिता के बीच के अलगाव भ्रामक बा , लेकिन इ ओह धारणा से मेल खाला जवन कई झूठा मसीही लोग के एह विषय के बारे में बा। इ बात एतना तक जाला कि पिता के कीमत प बेटा के "आदर" करे के दावा कईल जाला। इ 7 मार्च 321 से ईसाई विश्वास के गलती , या पाप रहल बा , बहुत लोग खातिर सब्त के आराम एगो अइसन अध्यादेश ह जवन खाली पुरान वाचा के यहूदी लोग से संबंधित रहे , पिता के प्रावधान। पिता अउर यीशु एक व्यक्ति होखला के नाते , उ लोग यीशु के क्रोध के सामना करीहे , जेकरा के उ लोग आदर करत समझत रहले। पिता के रूप में अपना दिव्य स्वभाव में , यीशु धारण करेलन , अउर अनंत काल खातिर , " *महिमा अउर शक्ति , हमेशा खातिर ! आमीन !* " " *आमीन* " जवना के मतलब बा : ई साँच बा ! सचमुच में !

एडवेंटिस्ट थीम के बारे में बतावल गइल बा

पद 7: “ *देखऽ , ऊ बादल के साथे आवत बा। आ हर आँख ओकरा के देखाई आ ओकरा के छेदे वाला लोग। अउर धरती के सब गोत्र ओकरा खातिर विलाप करी। हँ। आमीन !* ”

ठीक जब उ वापस अइहें तबे यीशु आपन महिमा अउर शक्ति के प्रदर्शन करीहें। प्रेरितों के काम 1:11 के अनुसार , उ वापस आ जइहें " *ठीक ओही तरह से जइसे उ स्वर्ग में चढ़ले रहले* ," लेकिन उनकर वापसी खातिर , इ एगो चरम स्वर्गीय महिमा में होई जवन उनकर दुश्मनन के डेरा दिही ; " *जे लोग ओकरा के छेदल* " ओकर असली योजना के विरोध करके। काहे कि ई अभिव्यक्ति खाली उनकर आवे के समकालीन मनुष्य से संबंधित बा। जब उनकर सेवकन के जान से मारे के धमकी दिहल जाला या हत्या के धमकी दिहल जाला , त यीशु उनकर भाग्य के साझा करेलन काहे कि उ उनकरा से पहचान करेलन : " *अउर राजा उनकरा के जवाब दिहे , 'हम तोहनी के सच कहत बानी कि , जतना तू हमरा एह छोट भाई लोग में से एगो के साथे ई काम कइले बाड़ , हमरा साथे भी अइसन कइले बाड़।* '" (मत्ती 25:40) यहूदी अउर रोमी सैनिकन के एह संदेश में कवनो चिंता नइखे। परमेश्वर के आत्मा एह काम के ओह सब मनुष्य पर आरोपित करेला जे उनकर उद्धार के काम में बाधा डालेला अउर अपना खातिर अउर दूसरा खातिर उनकर अनुग्रह अउर अनन्त उद्धार के प्रस्ताव के कुंठित करेला। " *धरती के गोत्र* " के हवाला देके यीशु ओह झूठा मसीही लोग के निशाना बना रहल बाड़न जिनका द्वारा इस्राएल के गोत्रन के नया वाचा में जारी राखल जाला। उनकर वापसी पर पता चलल कि उ लोग उनकर सच्चा चुनल लोग के मारे के तैयारी करत रहले , उ लोग के लगे विलाप करे के उचित कारण होई , उ लोग अपना के ओह परमेश्वर के दुश्मन के रूप में पता लगाई जे उ लोग के बचावे वाला रहले। बहुत अंतिम दिन के कार्यक्रम के विवरण प्रकाशितवाक्य के किताब के पूरा अध्याय में बिखराइल प्रकट होई। लेकिन हम कह सकत बानी कि प्र काशितवाक्य 6:15-16 में एह दृश्य के वर्णन एह शब्दन में कइल गइल बा : " *धरती के राजा , कुलीन , कप्तान , अमीर , ताकतवर , हर गुलाम आ हर आजाद आदमी , गुफा में आ पहाड़ के चट्टान में लुका गइलन। आ उ लोग पहाड़ आ चट्टान से कहलस कि , "हमनी पर गिर जा , अउर सिंहासन पर बइठल आदमी के चेहरा से आ क्रोध से छिपाईं।* " मेमना के ;

पद 8: “ *हम अल्फा आ ओमेगा हईं , प्रभु परमेश्वर कहत बाड़न , जे सर्वशक्तिमान हउवें , आ रहलन , आ आवे वाला बाड़न।* ”

जे एह तरह से बोलत बा उ कोमल यीशु हवें जे स्वर्ग में आपन दिव्य महिमा पा लेले बाड़े , उ " *सर्वशक्तिमान* " हवें। एह श्लोक के प्रकाशितवाक्य 22:13-16 के श्लोक से जोड़ल काफी बा ताकि एकर प्रमाण

मिल सके : " *हम अल्फा अउर ओमेगा हईं , पहिला अउर आखिरी , शुरुआत अउर अंत ... /... हम, यीशु , आपन स्वर्गदूत भेजले बानी कि उ रउआ के कलीसिया में एह बातन के गवाही देवे। हम दाऊद के जड़ अउर संतान हईं , उज्ज्वल अउर भोर के तारा* "। जइसे कि पद 4 में , यीशु अपना के सृष्टिकर्ता परमेश्वर के गुण के तहत प्रस्तुत करेलन , मूसा के दोस्त , जेकर हिब्रू नाम निष्कर्ष के अनुसार "याहवेह " ह। 3:14 के बा। बाकिर हम निर्दिष्ट करत बानी कि भगवान के नाम एह हिसाब से बदलत रहेला कि ऊहे अपना के नाम लेत बाड़े भा आदमी उनुकर नाम लेत बाड़े कि ना : "हम हईं " "याहवेह " के रूप में "उ हउवें " हो जाला .

अल्फा अउर ओमेगा " अभिव्यक्ति परमेश्वर द्वारा दिहल गइल पूरा प्रकाशन के संक्षेप में बतावेला , उत्पत्ति 1 से प्रकाशितवाक्य 22 तक, हालाँकि , 2018 से , सप्ताह के छह दिन के दिहल गइल "छह हजार " साल के भविष्यवाणी के अर्थ के पुष्टि कइल गइल बा , बिना छह वास्तविक दिन के रूप में एकर मूल्य पर सवाल उठवले , जवना के दौरान परमेश्वर धरती आजीवन के रचना कइले रहलें ढोअल। लेकिन , आपन भविष्यवाणी के अर्थ के बरकरार रख के , ई छह दिन या "6000" साल 2030 के बसंत खातिर ईसा मसीह के अंतिम विजयी वापसी आउनकर विश्वासी संतन के रैप्चर के परिभाषित कइल संभव बना दिहले बा। " *अल्फा अउर ओमेगा* " अभिव्यक्ति से , यीशु अपना अंतिम समय के संतन के एगो कुंजी देले जवन उ लोग के उनकर दूसरा आगमन के वास्तविक समय के खोज करे के अनुमति दिही। बाकिर बसंत 2018 में हमनी के एह 6,000 साल के इस्तेमाल कइसे कइल जाला , आ 28 जनवरी 2022 ले , एह अभिव्यक्ति सभ से जोड़े के तरीका समझ में आइल: " *अल्फा आओमेगा* ", " *शुरुआत आअंत* "।

पद 9: “ *हम यूहन्ना , तोहार भाई अउर साथी , कष्ट में अउर यीशु के राज्य अउर धैर्य में , परमेश्वर के वचन अउर यीशु के गवाही खातिर पतमोस नाम के द्वीप पर रहनी।* ”

ईसा मसीह के एगो सच्चा गुलाम खातिर इ तीनों चीज जुड़ल बा : संकट में हि स्सा , राज्य में हिस्सा , अउर यीशु में दृढ़ता में हिस्सा। यूहन्ना ओह संदर्भ के गवाही देत बाड़न जवना में उनुका आपन ईश्वरीय दर्शन मिलल रहे। ओकरा के अविनाशी लागत पा के रोमन लोग आखिरकार ओकरा के अलगा क दिहल , पतमोस द्वीप पर निर्वासित कर दिहल , ताकि ओकर गवाही आदमी त क सीमित हो सके। अपना पूरा जीवन में उ यीशु मसीह के महिमा करे खातिर परमेश्वर के वचन के गवाही देवे से कबो ना छोड़ले। लेकिन हमनी के इहो समझ सकेनी जा कि यूहन्ना के पतमोस ले जाइल गइल ताकि उ, शांति से , यीशु के गवाही के प्राप्त कर सकस जवन

प्रकाशितवाक्य के गठन करेला , जवन उहाँ परमेश्वर से मिलल।

हमनी के गुजरत -गुजरत ध्यान दीं कि दानियल अउर प्रकाशितवाक्य दुनो भविष्यवाणी के दुनो लेखक के परमेश्वर के द्वारा चमत्कारिक रूप से रक्षा कईल गईल रहे ; दानियल के शेरन के दाँत से बचावल गइल आजॉन के उबलत तेल के वट से बिना कवनो नुकसान के बचा लिहल गइल . उनकर अनुभव हमनी के एगो सबक सिखावेला : परमेश्वर अपना सेवकन में अंतर करेलन , एगो शक्तिशाली अउर अलौकिक तरीका से ओह लोग के रक्षा करके जे उनकर सबसे ज्यादा महिमामंडन करेला अउर एगो मॉडल के रूप प्रस्तुत करेला जवना के उ विशेष रूप से प्रोत्साहित करे के चाहत बाड़े। भविष्यवाणी के सेवा के एह तरह से 1 कुरिन्थियों में नामित कइल गइल बा। 12:31 के रूप में " *अधिक बेहतरीन तरीका* " के रूप में। लेकिन भविष्यवक्ता आ भविष्यवक्ता बाड़े। सब भविष्यवक्ता लोग के परमेश्वर से दर्शन या भविष्यवाणी पावे खातिर ना बोलावल गइल बा। ले किन सभे चुनल लोग के निहोरा कइल जाला कि उ लोग भविष्यवाणी करस , यानी कि उ लोग अपना पड़ोसी के सामने प्रभु के सच्चाई के गवाही देस ताकि उ लोग के उद्धार के ओर ले जा सके।

एडवेंटिस्ट टाइम्स के जॉन के विजन

पद 10: " *हम प्रभु के दिन में आत्मा में रहनी , अउर हम अपना पीछे एगो तेज आवाज सुननी , जवन तुरही के आवाज जइसन रहे ,*

प्रभु दिवस " के अभिव्यक्ति दुखद व्याख्या के प्रोत्साहित करी। बाइबल के अपना अनुवाद में , जे एन डार्बी एकर अनुवाद "रविवार " शब्द से करे में संकोच नइखन करत , जव ना के परमेश्वर प्रकाशितवाक्य 13:16 में शैतान के नेतृत्व में " *जानवर " के* मुरझात " *निशान " मानत बाड़न ; ई उनकर शाही " मुहर* " के सीधा विरोधी होखे के कारण , उनकर पवित्र विश्राम के सातवाँ दिन। व्युत्पत्ति के हिसाब से "रविवार " शब्द के मतलब वाकई में "प्रभु के दिन " जरूर होला , लेकिन समस्या एह बात से पैदा होला कि इ हफ्ता के पहिला दिन के आराम खातिर समर्पित करेला , जवन कि भगवान कबो आज्ञा ना दिहले रहले , काहे कि उ अपना ओर से सातवाँ दिन के हमेशा खातिर पवित्र कईले रहले। त एह श्लोक में बतावल " *प्रभु के दिन " के असल मतलब का बा ?* लेकिन एकर जवाब पद 7 में पहिलही दिहल गईल बा जब इ कहल गईल बा कि : " *देख , उ बादल के संगे आवेले। "* » इहाँ परमेश्वर के निशाना पर " *प्रभु के दिन " बा : " देखऽ , हम तोहके यहोवा के महान अउर भयानक दिन के आवे से पहिले एलियाह*

भविष्यवक्ता के भेज देब । (मल.3:5)"; ऊ जे एडवेन्टिज्म आओकर तीन गो "उम्मीद " के ईसा के वापसी के बनवले रहे , जवन एह तीनों परीक्षा से आइल सभ अच्छा आ बुरा परिणाम के साथ पहिलहीं से पूरा हो गइल रहे , 1843, 1844, अउर 1994 में।एह तरह से 94 में रहत , यूहन्ना के आत्मा द्वारा सातवीं सहस्राब्दी के बहुत शुरुआत में ले जाइल जाला , जहाँ यीशु अपना ईश्वरीय महिमा में वापस आजालें। तब ओकरा " ***पीछे*** " का बा ? ईसाई युग के पूरा ऐतिहासिक अतीत ; ईसा के निधन के बाद से , ईसाई धर्म के 2000 साल ; 2000 साल जवना के दौरान यीशु अपना चुनल लोग के बीच में खड़ा रहले , उनकर मदद करत रहले , पवित्र आत्मा में , बुराई से उबर के जईसे उ खुद शैतान , पाप अवुरी मौत प जीत लेले रहले। उनकरा *पीछे* " सुनल " *तेज आवाज* " ईसा के ह जे " *तुरही* " के तरह हस्तक्षेप करेला ताकि उ अपना चुनल लोग के चेतावेला अउर ओह लोग के ओह शैतानी धार्मिक जाल के प्रकृति के खुला सा करेला जवना के सामना उ लोग के जीवन में ओह सब "सात " युग में होई जवना के नाम निम्नलिखित श्लोक में बतावल जाई।

पद 11: " *उ कहले कि , जवन देखत बाड़ऽ , ऊ एगो किताब में लिख के सात गो कलीसिया में भेज दीं : इफिसुस , स्मर्ना , पर्गमोस , थियातीरा , सार्डिस , फिलाडेल्फिया आलौदीकिया।* "

पाठ के प्रतीत होखे वाला रूप यूहन्ना के समय के एशिया के नामित शहर सभ के शाब्दिक प्राप्तकर्ता के रूप में प्रस्तुत करत लउकल; हर एक के आपन संदेश बा। लेकिन इ खाली एगो धोखा देवे वाला पहलू रहे जवना के मकसद उ सही अर्थ के छिपावे के रहे जवन यीशु अपना संदेश के देले। पूरा बाइबल में , आदमी के दिहल उचित नाम के जड़ में एगो छिपल अर्थ बा , चाहे ऊ हिब्रू , कसदी भा यूनानी होखे। ई सिद्धांत एह सात शहरन के यूनानी नाँव पर भी लागू होला। हर नाम ओह युग के चरित्र के उजागर करेला जवना के ऊ प्रतिनिधित्व करेला . आ जवना क्रम में ई नाम प्रस्तु त कइल गइल बा ऊ भगवान के प्रोग्राम कइल समय के उन्नति के क्रम से मेल खाला . हमनी के प्रकाशितवाक्य 2 अउर 3 के अध्ययन में देखब जा कि जहाँ एह नामन के क्रम के सम्मान अउर पुष्टि कइल गइल बा , एह सात गो नामन के अर्थ , लेकिन पहिला अउर आखिरी , " *इफिसुस अउर लौदीकिया* " के मतलब अकेले ओह प्रयोग के प्रकट करेला जवन आत्मा एह लोग के करेला। मतलब , क्रमशः , "फेंकल " अउर "न्याय कइल लोग ," हमनी के " *अल्फा अउर ओमेगा , शुरुआत अउर अंत* ," ईसाई अनुग्रह के युग के मिलेला। इ कवनो आश्चर्य के बात नइखे कि यीशु अपना के पद 8 में प्रस्तुत कइले , एह परिभा षा के तहत : " *हम अल्फा अउर ओमेगा हईं* । " एह तरह से ऊ अपना वफादार

गुलाम लोग के साथे , ईसाई युग के पूरा समय में , आपन उपस्थिति अंकित करेलें।

पद 12: " *हम मुड़ के उ आवाज देखनी जवन हमरा से बात करत रहे* ।

मुड़ल " के क्रिया यूहन्ना के पूरा मसीही युग के देखे के ओर ले जाला काहे कि उ खुद यीशु के गौरवशाली वापसी के क्षण में ले जाइल गइल रहले। " *पीछे* " परिशुद्धता के बाद , हमनी के इहाँ " *हम मुड़ गईनी* ," आफिर से , " *आ मुड़ के* "; आत्मा अतीत के ओर एह नजरिया पर जोरदार जोर देत बा , ताकि हमनी के एकर तर्क में एकर पालन करीं जा। आतब यूहन्ना का देखत बाड़न ? " *सात गो सोना के दीपक के खंभा* ." इहाँ फेरु बात " *सात विधानसभा* " जइसन संदिग्ध बा . काहे कि मॉडल " *दीपक के खंभा* " हिब्रू तम्बू में रहे आएकर सात गो शाखा रहे जवन पहिले से ही , एक साथ , परमेश्वर के आत्मा आ उनकर प्रकाश के पवित्रीकरण के प्रतीक रहे। एह अवलोकन के मतलब ई बा कि , जइसे कि " *सात सभा* ", " *सात मोमबत्ती* " परमेश्वर के प्रकाश के पवित्रीकरण के प्रतीक ह , लेकिन पूरा ईसाई युग के दौरान सात चिह् नित क्षण में।मोमबत्ती एगो युग के चुनल लोग के प्रतिनिधित्व करेला , ओकरा भगवान के आत्मा के तेल मिलेला जवना पर उ अपना प्रकाश से चुनल लोग के रोशन करे खातिर निर्भर करेला।

<u>एगो बड़हन आपदा के घोषणा</u>

पद 13: " *आ**सात गो दीया के बीच में** आदमी के बेटा नियर एगो , गोड़ तक चोगा पहिनले , आपपड़ी में सोना के कमरबंद से बान्हल।* "

इहाँ से प्रभु यीशु मसीह के प्रतीकात्मक वर्णन शुरू होला। इ दृश्य यीशु के वादा के दर्शावत बा : लूका 17:21: " *उ लोग इ ना कही कि 'इहाँ देखऽ ,' या 'उहाँ। ' काहे कि देखऽ* , परमेश्वर *के राज्य **तोहनी के भीतर बा*** . मैट के ह। 28:20: " *अउर उनकरा के सिखाईं कि हम रउवां के जवन भी आज्ञा देले बानी , उ सब कुछ पालन करे। अउर देखऽ , हम हमेशा रउवां के साथे बानीं , युग के अंत तक। " इ दर्शन दानियल 10 के दर्शन से बहुत मिलत जुलत बा , जहाँ पद 1 एकरा के* अपना यहू दी लोग खातिर एगो " *बहुत बड़ आपदा* " के घोषणा के रूप में प्रस्तुत करेला । एह से प्रकाशितवाक्य 1 के भी एगो " *बड़हन आपदा* " के घोषणा करेला , लेकिन अबकी बेर ईसाई सभा खातिर। दुनों दृष्टि के तुलना बहुत संस्कारित करे वाला बा , काहें से कि बिस्तार दुनों बहुत अलग-अलग ऐतिहासिक संदर्भ सभ में से हर एक के अनुकूल बनावल गइल बा। जवन प्रतीकात्मक वर्णन प्रस्तुत कइल जाई

ऊ यीशु मसीह के अंतिम गौरवशाली वापसी के संदर्भ में संबंधित बा। दुनो " *आपदा* " में समानता बा कि भगवान के ओर से क्रमशः स्थापित दुनो वाचा के अंत में इ पूरा होखेला। अब हमनी के दुनो दर्शन के तुलना करीं जा : "... *एगो आदमी के बेटा* " एह श्लोक में दानियल *में* " *एगो आदमी* " रहे , काहे कि परमेश्वर अभी तक यीशु में अवतार ना लेले रहले। एकरा उल्टा , " *आदमी के बेटा* " में हमनी के उ " *आदमी के बेटा* " मिलेला जवना के नाम यीशु लगातार सुसमाचार में अपना बारे में बोलत घरी रखेलन। अगर भगवान एह अभिव्यक्ति पर अतना जिद कइले बाड़न त एकर कारण बा कि एहसे आदमी के बचावे के उनकर क्षमता के वैधता मिल जाला . उ इहाँ "लमहर वस्त्र *पहिनले* , " " *लिनन के कपड़ा पहिनले* " दानियल में बाड़े। एह *लंबा वस्त्र* के अर्थ के कुंजी प्रकाशितवाक्य 7:13-14 में दिहल गइल बा। ई सच्चा विश्वास खातिर शहीद होके मरल लोग पहिरेला : " *आएगो बुजुर्ग जवाब दिहलस आहमरा से कहलस,"ई लोग का हवे जे सफेद वस्त्र पहिनले बा ? आई लोग कहाँ से आइल बा ? हम ओकरा से कहनी ,"हे मालिक , तू जानत बाड़। ऊ हमरा से कहलस,"ई लोग बहुत संकट से निकलल हवें ; आआपन वस्त्र धो के मेमना के खून में सफेद कर दिहले बाड़न। ईसा सोना के कपड़ा पहिनले बाड़न। " अपना छाती के बारे में , यानी कि ओकर दिल के ऊपर , लेकिन ओकर कमर के ऊपर भी , ताकत के प्रतीक , दा नियल में आ सोना के करधनी* इफिसियों 6:14 के अनुसार **सच्चाई** के प्रतीक ह : *एह से खड़ा रहऽ , आपन कमर **सच्चाई से** कटिबद्ध होके , अउर* यीशु के तरह , सच्चाई के सम्मान खाली उ लोग करेला।

पद 14: “ *उनकर माथा आ बाल ऊन नियर उज्जर , बर्फ नियर उज्जर रहे , उनकर आँख आगके लौ नियर र हे।* ”

सफेद , पूर्ण पवित्रता के प्रतीक , भगवान ईसा मसीह के विशेषता हवे जे , परिणामस्वरूप , पाप से घृणा करेला। अब कवनो " *बड़हन विपत्ति* " के घोषणा के मकसद खाली पापी लोग के सजा दिहल हो सकेला . इ कारण दुनो आपदा से संबंधित बा , एहसे हमनी के इहाँ अवुरी दानियल में , भगवान , महान न्यायाधीश , जेकर " *आँख आगके लौ निहन बा* " पावेनी। उनकर नजर पाप या पापी के भस्म कर देला , लेकिन यीशु के चुनल आदमी पाप के त्याग करे के चुने ला , झूठा यहूदी अउर झूठा विद्रोही मसीही के विपरीत जेकरा के यीशु मसीह के न्याय अंत में भस्म कर दिही। आ एह " *आपदा* " के अंतिम संदर्भ उनकर ऐतिहासिक दुश्मनन के नामित करेला , सभे के पहचान एह किताब के अध्याय में आ दानियल के अध्याय में कइल गइल बा। प्रकाशितवाक्य 13 ह मनी के सामने दू गो " *जानवर* " के पहलू में प्रस्तुत करेला जवना के पहचान उनके नाम " *समुद्र अउर भूमि* " से कइल गइल बा जवन कैथोलिक विश्वास अउर प्रोटेस्टेंट विश्वास के

नामित करेला जवन ओकरा से निकलल बा , जइसन कि उत्पत्ति 1:9-10 के अनुसार उनकर नाम से पता चलेला। उनकर वापसी पर दुनु सहयोगी जानवर एक हो जालें , उनकर सब्त के दिन आ उनकर विश्वासियन से लड़े खातिर एकजुट हो जालें। उनकर दुश्मन लोग डेरा जाई , प्रकाशितवाक्य 6:16 के अनुसार , अउर उ लोग खड़ा ना होई।

पद 15: “ *उनकर गोड़ महीन पीतल निहन रहे , जईसे भट्ठी में जरत रहे , अवुरी उनुकर आवाज़ बहुत पानी के आवाज़ निहन रहे।* ”

यीशु के गोड़ उनकर बाकी शरीर के समान शुद्ध बा , लेकिन एह प्रतिरूप में उ विद्रोही पापी लोग के खून के रौंद के अशुद्ध हो जाला। जइसे कि दान में भइल बा . 2:32, " *पीतल* ," एगो अशुद्ध मिश्र धातु के धातु , पाप के प्रतीक ह। प्रकाशितवाक्य 10:2 में हमनी के पढ़ेनी जा , " *उनकर हाथ में एगो छोट किताब खुलल रहे ; अउर उ* ***आपन दाहिना गोड़ समुंदर पर रखलन*** , *अउर* ***आपन बायां गोड़ धरती पर रखलन*** / " प्रकाशितवाक्य 14:17-20 एह क्रिया के नाम देले बा " *विंटेज* ," एगो विषय जवन यशायाह 63 में विकसित भइल बा। " *कई पानी* " प्रतीक ह , प्रकाशितवाक्य 17:15 में , " *लोग , भीड़ , राष्ट्र , अउर भाषा* " जे " *वेश्या बेबिलोन द ग्रेट* " के साथ गठबंधन करीं , ई एगो अइसन नाँव हवे जे पोप के रोमन कैथोलिक चर्च के संदर्भ देला। आखिरी समय के ई गठबंधन ओह लोग के भगवान के पवित्र कइल सब्त के दिन के विरोध में एकजुट कर दी . इहाँ तक कि उनुका वफादार पर्यवेक्षक के मारे के फैसला भी करीहे। हमनी के एह तरह से उनुका धर्मी क्रोध के प्रतीक के समझ सकेनी जा। दर्शन में , यीशु अपना चुनल लोग के देखावत बाड़न कि अकेले उनकर व्यक्तिगत दिव्य " *आवाज* " धरती के सब लोग के मिला के अधिका शक्तिशाली बा।

पद 16: “ *उनकर दाहिना हाथ में सात तारा रहे , उनकर मुँह से एगो तेज दुधारी तलवार निकलल रहे , आ उनकर चेहरा सूरज निहन रहे जवन उनका ताकत से चमकत रहे।* ”

" *सात तारा* " के प्रतीक " *उनकर दाहिना हाथ में* " धइले रहे " उनकर स्थायी वर्चस्व के याद दिलावत बा जवन अकेले भगवान के आशीर्वाद दे सकत रहे ; एतना बार आभारी मात्रा में गलत तरीका से ओकर बेवफा दुश्मनन के दावा कइल जाला . *तारा* धार्मिक दूत के प्रतीक ह काहे कि उत्पत्ति 1:15 के *तारा के तरह , उनकर भूमिका* " *धरती के रोशन कइल* " बा , उनकर मामला में , ईश्वरीय न्याय के साथ। अपना वापसी के दिन , यीशु *सात सभा के नाम से प्रतीकित हर युग से अपना चुनल लोग के जिंदा कर दिहे (फिर से जिंदा करीहे , या मौ त नाम के पूर्ण क्षणिक विनाश के बाद फिर से जिंदा करीहे)* । एह गौरवशाली संदर्भ में , उनका अउर उनकर विश्वासी

चुनल गइल लोग खातिर , उ अपना के " *परमेश्वर के वचन* " के रूप में प्रस्तुत करेलन जेकर प्रतीक " *एगो तेज दुधारी तलवार* " के इब्रानियों में उद्धृत कइल गइल बा। 4:12 के बा। इ उ समय ह जब इ *तलवार* जीवन अउर मौत दिही , बाइबल में लिखल एह ईश्वरीय वचन के देखावल गईल विश्वास के अनुसार जवना के प्रकाशितवाक्य 11:3 परमेश्वर के " *दुगो गवाह* " *होखे के रूप में प्रतीकित करेला।* मनुष्य में खाली चे हरा के रूप इनहन के पहिचान करे ला आइनहन के बिभेद करे के इजाजत देला ; एह से ई उत्कृष्टता के रूप में पहचान के तत्व हवे। एह दृष्टि में भगवान भी आपन चेहरा के लक्षित संदर्भ के अनुकूल बनावेले। दानियल में , दर्शन में , भगवान अपना चेहरा के प्रतीक " *बिजली* " ग्रीक देवता ज़ीउस के ठेठ प्रतीक से कइले बाड़न , काहे कि भविष्यवाणी के दुश्मन राजा एंटियोकस चउथा के ग्रीक सेलुसिड लोग होई , जे भविष्यवाणी के पूरा कइले बा - 168. एपोकैलिप्स के दर्शन में , यीशु के चेहरा भी उनकर दुश्मन के पहलू ले लेला जे एह समय " *सूरज जब ऊ अपना ताकत में चमकेला* । " ई सही बा कि पवित्र दिव्य सब्त के कवनो पर्यवेक्षक के धरती से मिटावे के ई आखिरी कोशिश सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा 7 मार्च 321 के स्थापित "अविजयित सूरज के दिन " के सम्मान के पक्ष में विद्रोही संघर्ष के शिखर के *गठन* करेला । बसंत 2030 के पहिला दिन के भइल .

पद 17: “ *जब हम ओकरा के देखनी त हम ओकरा गोड़ पर मरल जइसन गिर गइनी , ऊ हमरा पर आपन दाहिना हाथ रख के कहलन , ‘डर मत!* ”"

एह तरह से प्रतिक्रिया देके जॉन खाली ओह लोग के भाग्य के अंदाजा लगा रहल बाड़न जे वापसी के समय उनकर सामना करीहें। दानियल एके तरह के व्यवहार कइले रहले , अउर दुनो मामला में , यीशु अपना सेवक , अपना वफादार दास के आश्वस्त अउर मजबूत करेलन। " *उनकर दाहिना हाथ* " उनकर आशीर्वाद के पुष्टि करेला आ उनकर निष्ठा में , दूसरा खेमा के विद्रोहियन के विपरीत , चुनल आदमी के भगवान से डेराए के कवनो कारण नइखे जे प्रेम से ओकरा के बचावे आवेला। " *डर मत* " अभिव्यक्ति अंतिम संदर्भ के पुष्टि करेला जवना के विशेषता 1843 से प्रकाशितवाक्य 14:7 के पहिला स्वर्गदूत के एह एडवेन्टिस्ट संदेश से बा : " *अउर उ जोर से कहले , **परमेश्वर से डेराईं , अउर उनकर महिमा करीं** , काहे कि उनकर न्याय के घड़ी आ गईल बा ; अउर उनकर पूजा करीं जे आकाश अउर धरती , समुद्र अउर पानी के फव्वारा बनवले बा।* "; यानी सृष्टिकर्ता भगवान के ह।

पद 18: “ *हम पहिला आआखिरी आजिंदा हईं , हम मर गइल रहनी , आदेखऽ , हम हमेशा से जिंदा बानी , हमरा लगे मौत आ पाताल के चाभी बा।* ”

ई वाकई में शैतान , पाप अउर मौत पर विजयी ईसा हवें जे एह शब्दन में बोलत बाड़न। उनकर शब्द " *पहिला अउर आखिरी* " भविष्यवाणी में कवर कइल गइल समय के शु रुआत अउर अंत के संदेश के पुष्टि करेला , लेकिन साथे -साथे , यीशु उनकर ईश्वरीयता के पुष्टि करेलन जवन उनकर मानव प्राणी के पहिला से अंतिम तक के जीवन दिहलस। जे " *मौत के चाभी पकड़ले बा* " ओकरा लगे ई तय करे के ताकत होला कि केकरा के जिए के पड़ी आकेकरा के मरे के पड़ी . उनकर वापसी के घड़ी उ ह जब उनकर संत लोग " *पहिला पुनरुत्थान* " *में जी उठल होई* जवन प्रकाशितवाक्य 20:6 के अनुसार " *मसीह में धन्य मुअल लोग* " खातिर आरक्षित बा । आईं हमनी के ग्रीक अउर रोमन विरासत के झूठा ईसाई धर्म के परंपरा के सब मिथक के खाली कर दीं जा , अउर ई समझीं जा कि " *मुअल लोग के निवास* " बस धरती के जमीन ह जवन मुअल लोग के धूल में बदल के एकट्ठा कर लेले बा , जवन कि उत्पत्ति 3:19 में लिखल बा : " *रउवा चेहरा के पसीना में रोटी खाइब , जब तक कि रउवा जमीन पर ना लवटब , जहाँ से रउवां के ले जाइल गइल बानी ; रउवां खातिर धूल ह, अउर धूल में तू वापस आजाईब ।* " *स्वर्ग में परमेश्वर के स्वर्गदूत* ।

भविष्य के बारे में भविष्यवाणी के संदेश के पुष्टि हो गईल बा

पद 19: “ *एही से जवन तू देखले बाड़ऽ , जवन बा , ओकरा के लिखऽ।* ”

एह परिभाषा में , यीशु मसीही युग के पूरा समय के भविष्यवाणी कवरेज के पुष्टि करेलन , जवन उनकर महिमा में वापसी के साथ खतम हो जाई। प्रेरित समय के " *जवन रउवा देखले बानी* " अभिव्यक्ति से ढंकल बा , अउर परमेश्वर एह तर ह से यूहन्ना के प्रेरित सेवा के प्रामाणिक प्रत्यक्षदर्शी के रूप में नामित करेलन। उ चुनल आदमी के " *पहिला प्रेम* " *के गवाह रहलन जवना के जिक्र प्रकाशितवाक्य 2:4 में बा।* "... *उ लोग जवन बा* " एह प्रेरित समय के अंत से संबंधित बा जवना में यूहन्ना जिंदा अउर सक्रिय र हेलन। "... , *अउर जवन ओकरा बाद आवे वाला बा* " धार्मिक घटना के निर्दिष्ट करेला जवन यीशु मसीह के वापसी के समय तक पूरा होई , अउर ओकरा बाद , सातवीं सहस्राब्दी के अंत तक।

पद 20: “ *सात तारा के रहस्य जवन तू हमरा दाहिना हाथ में देखले रहलू , आ सात गो सोना के दीया के खंभा ।सात तारा सात गो कलीसिया के स्वर्गदूत ह, आ सात गो दीया के खंभा सात गो कलीसिया ह।* ”

" *सात सभा के स्वर्गदूत* " एह सब सात युग के चुनल लोग हवे। काहे कि " *स्वर्गदूत* ," शब्द ग्रीक "एगेलोस " से निकलल बा , जेकर मतलब होला दूत , आ ई स्वर्गीय स्वर्गदूतन के तबे बतावे ला जब "स्वर्गीय " शब्द एकरा के निर्दिष्ट करे खातिर आवे। अइसहीं हमरा टीका में संदेह कइल " *सात गो दीपक* " आ " *सात गो विधानसभा* " इहाँ एकजुट बा . एह से आत्मा हमार व्याख्या के पुष् टि करेला : " *सात दीपक खड़ा* " " *सात सभा* " के नाम से निर्धारित सात युग में परमेश्वर के प्रकाश के पवित्रीकरण के प्रतिनिधित्व करेला ।

प्रकाशितवाक्य 2: मसीह के सभा लॉन्च से लेके 1843 तक के बा

पत्र के विषय में , हमनी के प्रकाशितवाक्य 2 में , 94 से 1843 के बीच के समय के लक्षित चार गो संदेश मिलेला , आ प्रकाशितवाक्य 3 में , तीन गो संदेश जवन 1843-44 से 2030 तक के समय के कवर करेला , हमनी के पहिला आ अंतिम *अक्षर के नाम से संबंधित एह खुलासा करे वाला परिशुद्धता के रुचि के सा थ नोट करीं जा :* " *इफिसुस* आ *लाओडिसिया* " जवना के मतलब होला , क्रमशः : लॉन्च कइल , आ लोग के न्याय करत रहले ; ईसाई अनुग्रह के युग के शुरुआत आअंत। प्रकाशितवाक्य 2 में , अध्याय के अंत में , आत्मा "मसीह के वापसी के एडवेन्टिस्ट विषय " के शुरुआत के उकसावत बा जवन दान में पहिले से स्थापित तिथि 1828 के लक्षित करेला। 12:11 के बा। साथ ही , समय के क्रम में , प्रकाशितवाक्य के अध्याय 3 के शुरुआत के वैध रूप से 1843 के तारीख से जोड़ल जा सकेला जवन विश्वास के एडवेन्टिस्ट परीक्षा के शुरुआत के रूप में चिन्हित कइलस। परीक्षण कइल प्रोटेस्टें ट आस्था के मंजूरी देबे खातिर एगो अनुकूलित संदेश आवेला : " *तू मर गइल बाड़* ." इ सफाई संदेशन के दानियल में स्थापित तिथि से जुड़ाव के पुष्टि करे खातिर जरूरी रहे। लेकिन प्रकाशितवाक्य के दर्शन मसीही युग के शुरुआत के बारे में प्रकाशन ले आवेला जवना के विकास दानिय ल ना कइले। हमनी के पूरा युग में यीशु जवन चिट्ठी या संदेश अपना सेवकन के संबोधित करेलन , उ झूठा अउर भ्रामक भ्रम के धार्मिक गलतफहमी के दूर करेला जवन मसीही विश्वासियन के भीड़ के चिंता करेला। हमनी के उहाँ सच्चा यीशु के उनकर जायज मांग अउर उनकर हमेशा जायज निंदा के साथ पावेनी जा। पुनरीक्षण 2 के चार गो *अक्षर क्रमशः 94 से 1843 के बीच स्थित चार काल के निशाना बनावेला।*

पहिला काल : इफिसुस के बा

94 में , मसीह के सभा के शुरुआत के अंतिम गवाह

पद 1: “ ***इफिसुस के कलीसिया के स्वर्गदूत के लिखीं*** *: जे सात तारा के दाहिना हाथ में धइले बा , जे सात सोना के दीपक के बीच में चलत बा , उ इहे कहत बा :* ”

इफिसुस नाम से , पहिला , ग्रीक "इफिसिस " के अनुवाद से जेकर मतलब होला लॉन्च कइल , भगवान मसीह के सभा के लॉन्चिंग के समय , रोमन सम्राट डोमिटियन (81-96) के समय , अपना सेवकन से बात करे लें। एह तरह से आत्मा ओह समय के निशाना बनावेला जब यूहन्ना के परमेश्वर से उ प्रकाशन मिलेला जवना के उ हमनी के वर्णन करेलन। ऊ चमत्कारिक रूप से जिंदा रहे वाला आखिरी प्रेरित हवें आ खुद से , ईसा मसीह के सभा के शुरुआत के आखिरी प्रत्यक्षदर्शी के प्रतिनिधित्व करेलें। भगवान आपन दिव्य शक्ति के याद करेलन ; ई अकेले ऊ ह जे " *अपना दाहिना हाथ में*

पकड़ले बा ", अपना आशीर् वाद के प्रतीक , अपना चुनल गइल " तारा " के जीवन , जिनकर काम के ऊन्याय करेला , ओह लोग के आस्था के फल. केस के हिसाब से ऊ आशीर्वाद भा गारी देला . परमेश्वर *" चलत हउवें "*, समझीं कि उ अपना परियोजना के समय में , पीढ़ी दर पीढ़ी , अपना चुनल लोग के जीवन अउर दुनिया के घट ना के साथ आगे बढ़ेला जवना के उ आयोजन करेला या लड़ेला : *" अउर उ लोग के सिखाईं कि उ सब कुछ पालन करे जवन हम तोहनी के देले बानी। अउर देख , हम हमेशा तोहनी के साथे बानी , युग के अंत तक।* मत्ती 28:20. युग के अंत तक, ओकर चुनल लोग के करे के पड़ी उनकरा खातिर पहिले से तइ यार कइल काम पूरा करऽ : *" काहेकि हमनी के उनकर कारीगरी हईं जा , मसीह यीशु में अच्छा काम खातिर बनावल गइल बानी जा , जवन परमेश्वर पहिले से तइयार कइले बाड़न ताकि हमनी के ओह काम में चले के चाहीं। "* इफिसियों के बारे में बतावल गइल बा। 2:10." अउर ओह लोग के सात युग में से हर युग में जरूरी विशेष परिस्थिति के अनुकूल होखे के पड़ी । काहे कि *" इफिसुस "* में दिहल पाठ सात युग खातिर मान्य बा ; *" सात तारा के अपना दाहिना हाथ में धइले "* उ गिर के जमीन पर गिरावे दे सकेला , जवन विद्रोही मसीही लोग से संबंधित बा। एह विचार के ध्यान में राखीं कि एगो *" मोमबत्ती "* तबे उपयोगी होला जब ऊ जरेला , आजरेला , ई जरूरी बा तेल से भरल होखे , दिव्य आत्मा के प्रतीक।

पद 2: *“ हम तोहार काम , तोहार मेहनत अउर तोहार धै र्य के जानत बानी , हम जानत बानी कि तू बुरा लोग के सहन ना कर सकेलऽ , कि तू ओह लोग के परखले बाड़ऽ जे कहत बा कि ऊ प्रेरित हउवें बाकिर नइखन , आओकरा के परखले बाड़ऽ झूठा लोग मिलल बा ; »*

सावधानी ! क्रिया काल बेहद महत्वपूर्ण बा काहे कि ई एपोस्टोलिक युग में लक्ष्य समय के निर्धारित करेला। एह श्लोक में वर्तमान काल में संयुग्मित क्रिया साल 94 के संदर्भ देला जबकि भूतकाल में जवन क्रिया रोमन सम्राट नीरो के उत्पीड़न के समय के संदर्भ देला , जवन साल 65 से 68 के बीच बा।

94 में , ईसाई लोग ओह सच्चाई से प्यार करेला जवन अभी भी बरकरार आ अविकृत बा , अउर उ लोग *" दुष्ट "* बुतपरस्त लोग से नफरत करेला , खासकर ओह लोग के बीच ओह समय के दबंग रोमन लोग से। एकर एगो कारण बा : प्रेरित यूहन्ना अभी भी जिंदा बाड़े , जईसे कि यीशु मसीह के सिखावल सच्चाई के कई गो अउरी प्राचीन गवाह बाड़े। *" झूठा "* लोग के एह तरह से आसानी से नकाब उतारल जाला। काहे कि हर युग में अपरिवर्तित खरपतवार बढ़िया अनाज में मिलावे के कोशिश करेला , काहे कि भगवान के डर अबहियों बहुते बा , आउद्धार के संदेश मोहक आआकर्षक होला . उ लोग सिद्धांत में झूठा

विचार के प्रवेश करावेले। बाकिर सच्चाई के प्रेम के परी क्षा में ऊ लोग असफल हो जाला आसही मायने में प्रबुद्ध चुनल लोग के नकाब उघार हो जाला . ठीक औइसहीं , प्रेरित युग के अतीत के बारे में , " *रउआ परीक्षण कइले बानी* ," आत्मा याद करत बा कि कइसे मौत के परीक्षा झूठा मसीही लोग के धोखा देवे वाला मुखौटा के नीचे ले आइल, सच्चा " *झूठा लोग* " जेकरा के एह श्लोक में निशाना बनावल गइल रहे , 65 से 68 के बीच , जब नीरो मसीह के चुनल लोग के अपना कोलोसियम में जंगली जानवरन के पास पहुँचवले , ता कि 1990 के निवासी लोग के एगो खूनी तमाशा चढ़ावल जा सके रोम के ह। लेकिन आईं ध्यान दीं कि यीशु एगो बीतल युग के एह जोश के उकसावत बाड़न।

पद 3: " *कि तोहनी में दृढ़ता बा , कि तू हमरा नाम खातिर कष्ट भोगले बाड़ , अउर थकले नईखू ।* "

इहाँ फेरु से क्रियी संधि के काल पर ध्यान दीं ! अगर दृढ़ता के गवाही अबहियों सुरक्षित बा त दुख के गवाही अब नइखे रहि गइल . आ भगवान के बाध्यता बा कि ऊ दुख के स्वीकृति के याद करसु जवन लगभग 30 साल पहिले , 65 से 68 के बीच , प्रकट भइल रहे आउदात्त रूप से सम्मानित भइल रहे , जब खूनखराबा रोमन , नीरो , ईसाईय न के मौत के हवाले कर दिहलन , जवना के तमाशा के रूप में चढ़ावल गइल रहे , अपना विकृत आ भ्रष्ट लोग के . ओही घरी चुनल खेमा के उनकर " *नाम* " पर " *कष्ट* " *भोगल* " *आ*" *थक* ना गइल ."

पद 4: " *फिर भी हमरा तोहरा खिलाफ इ बा कि तू आपन पहिला प्रेम छोड़ देले बाड़।* "

सुझावल खतरा अउरी सटीक हो जाला आ एकर पुष्टि हो जाला। एह समय ईसाई लोग वफादार बा , बाकी नीरो के समय में देखावल गइल जोश कमजोर हो गइल बा या अब मौजूद नइखे ; जवना के यीशु " *आपन पहिला प्रेम के खोवल* " कहत बाड़न , एह तरह से समय 94 खातिर , दूसरा प्रेम के अस्तित्व के सुझा व देत बा , जवन पहिला प्रेम से बहुत कम बा।

पद 5: " *एह से याद करऽ कि तू कहाँ से गिरल बाड़ऽ , अउर पश्चाताप करऽ , अउर पहिला काम करऽ , ना त हम तोहरा लगे आके तोहार दीया के खंभा ओकरा जगह से हटा देब , जबले तू पश्चाताप ना करबऽ।* "

खाली सच्चाई के सम्मान भा स्वीकार कइला से मुक्ति ना मिलेला . भगवान जेकरा के बचावेले ओकरा से अउरी मांग करेले ताकि उ लोग के अनन्त काल तक आपन साथी बनावल जा सके। अनन्त जीवन में विश्वास के तात्पर्य पहिला जीवन के अवमूल्यन से बा। मत्ती 16:24-26 के अनुसार यीशु के संदेश हमेशा खातिर उहे रहेला : " *तब यीशु अपना चेलन से कहले , 'जदि केहू हमरा पीछे आवे के चाहत बा त उ अपना के नकार देवे अउर आपन*

क्रूस उठा के हमरा पीछे चले। काहेकि जे आपन जान बचावे के चाहत बा , उ ओकरा के गँवावेला , लेकिन जे हमरा खातिर आपन जान गँवावेला , उ ओकरा के पाई। काहेकि अगर आदमी पूरा दुनिया के फायदा उठावेला अउर आपन जान गँवावेला त ओकरा का फायदा होई ? या आदमी अपना आत्मा के बदला में का दिही ? '" " मोमबत्ती " से प्रतीकात्मक अपना आत्मा के छीने के धमकी इ देखावेला कि , भगवान खातिर , सच्चा विश्वास एगो आत्मा प फंसल मात्र लेबल होखे से बहुत दूर बा। इफिसुस के समय में , परमेश्वर के आत्मा के प्रतीकात्मक दीपक के खंभा पूरब में रहे , यरूशलेम में जहाँ ईसाई विश्वास के जनम भइल रहे , अउर पौलुस द्वारा यूनान अउर वर्तमान तुर्की में स्थापित कलीसिया में रहे। धार्मिक केंद्र जल्दिये पश्चिम में चल जाई , मुख्य रूप से इटली के रोम में।

पद 6: " *फिर भी तोहनी के इहे बा कि तू निकोलाईन के काम से नफरत करेनी , जवना काम से हम भी नफरत करेनी।* "

एह चिट्ठी में रोमन लोग के प्रतीकात्मक रूप से नाँव दिह ल गइल बा , " *दुष्ट लोग* " के नाँव पर : " *निकोलैटन लोग* ," जेकर मतलब होला , विजयी लोग भा विजय के लोग , मने कि ओह समय के दबंग लोग। ग्रीक में "नाइके " शब्द मूर्त रूप से जीत के नाँव हवे। तब " *निकोलाईटन के काम* " से भगवान अउर उनकर चुनल लोग का नफरत करेला ? बुतपरस्ती आ धा र्मिक समन्वयवाद के बारे में बतावल गइल बा . ई लोग बुतपरस्त देवता सभ के मेजबान के सम्मान करे ला , जेह में से सभसे बड़हन के हप्ता के एगो दिन इनहन के समर्पित होला। हमनी के वर्तमान कैलेंडर जवन हफ्ता के सात दिन के कारण हमनी के सौरमंडल के सात तारा , ग्रह भा तारा के नाम बतावेला , रोमन धर्म के सीधा विरासत ह। आ "अविजय सूरज " के समर्पित पहिला दिन के पंथ समय के साथ , 321 से , सृष्टिकर्ता भगवान के रोमन लोग के *धार्मिक "कर्म " से नफरत करे के एगो खास कारण दे दी।*

पद 7: " *जेकर कान बा , उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत हउवें : जे जीत जाई ओकरा के हम जीवन के पेड़ के फल खाए के देब , जवन परमेश्वर के जन्नत के बीच में बा।* "

एह श्लोक में दू गो संदेश विजय के सांसारिक समय के बात करेला , " *जे जीतेला* ," अउर ओकर इनाम के स्वर्गीय समय।

इ सूत् र आखिरी संदेश ह जवन यीशु भविष्यवाणी के निशाना बनावल सात युग में से एगो के अपना सेवकन के संबोधित करेलन। आत्मा एकरा के हर युग के विशेष परिस्थिति के अनुकूल बनावेले। इफिसुस के युग भविष्यवाणी से कवर कइल गइल समय के शुरुआत ह , एह से परमेश्वर पार्थिव इतिहास के शुरु आत के रूप में

ओकरा सामने अनन्त उद्धार प्रस्तुत करेलन। यीशु के छवि उहाँ उ पार्थिव बगीचा के *जीवन के पेड़ के नीचे उकसावल गईल जवन परमेश्वर निर्दोष अउर शुद्ध आदमी के उहाँ रखे खातिर बनवले रहले।* प्रकाशितवाक्य 22 में नया धरती पर विजयी चुनल लोग के खुशी खातिर एगो नया अदन के एह बहाली के भविष्यवाणी कइल गइल बा। प्रस्तुत सूत्र हर बेर यीशु मसीह द्वारा अकेले अपना चुनल लोग के अर्पित अनन्त जीवन के एगो पहलू के चिंता करेला।

दूसरा पीरियड : स्मर्ना के बा

303 से 313 के बीच , आखिरी रोमन "शाही " उत्पीड़न

पद 8: " ***आस्मुर्ना के कलीसिया के स्वर्गदूत के लिखीं*** *: इ बात पहिला अउर आखिरी , जे मर गईल रहे अउर जिंदा बा , इहे कहत बा :* "

दूसरा अक्षर के " *स्मर्ना* " नाम से , ग्रीक शब्द "स्मुरना " से अनुवादित जवना के मतलब होला " *गंधक* ", भगवान रोमन सम्राट डायोक्लेशियस के नेतृत्व में एगो भयानक उत्पीड़न के समय के निशाना बना रहल बाड़े। " *गंधक* " एगो इत्र ह जवन यीशु के मौत से कुछ समय पहिले उनुका गोड़ के सुगंधित करत रहे अवुरी जवन कि उनुका जन्म के समय पूरब के मैगी लोग उनुका लगे बलिदान के रूप में ले आईल रहले। यीशु एह कष्ट में असली विश्वास के जोश के दोबारा खोज करेलन जवन अब 94 में ना मिलल , जे लोग उनकर नाम पर मरे खातिर सहमत बा , उ लोग के ई जानल जरूरी बा कि यीशु मौत पर जीत हासिल कइले बाड़न , अउर कि , फिर से जिंदा होके , उ ओह लोग के जिंदा करे में सक्षम हो ईहे जइसे उ अपना खातिर कइले रहलन। भविष्यवाणी खाली ईसाई लोग के संबोधित बा , जेकरा में से खुद यीशु " *पहिला* " प्रतिनिधि हवें। अपना व्यक्ति के अपना सेवकन के जीवन में आत्मसात करके , ओकर प्रतिनिधित्व " *अंतिम* " ईसाई भी करी।

पद 9: " *हम तोहार संकट अउर गरीबी (हालांकि तू अमीर हईं) अउर उ लोग के निंदा के जानत बानी जे कहत हव कि उ यहूदी हवें अउर ना हवें , लेकिन शैतान के आराधनालय हवें।* "

रोमन लोग द्वारा सतावल गइल ईसाई लोग के आपन संपत्ति से वंचित कर दिहल गइल आ अधिकतर लोग के हत्या कर दिहल गइल। लेकिन इ भौतिक अउर शारीरिक गरीबी उ लोग के परमेश्वर के न्याय में विश्वास के मापदंड में आध्यात्मिक रूप से समृद्ध बना दिहलस। दूसरा ओर, उ आपन निर्णय ना छिपवले अउर बहुत साफ शब्दन में , उ मूल्य के खुलासा कईले जवन उ यहूदी धर्म के देले रहले , जवन यीशु मसीह के पवित्र शास्त्र द्वारा भविष्यवाणी कईल गईल मसीह के रूप

में ना माने से उद्धार के ईश्वरीय मानक के नकार देले रहे। परमेश्वर के द्वारा छोड़ दिहल गइल, यहूदी लोग के शैतान अउर उनकर दानव लोग अपना कब्जा में ले लिहलस, अउर उ लोग परमेश्वर अउर उनकर सच्चा चुनल लोग खातिर, "*शैतान के एगो आराधनालय* "बन गइल।

पद 10: "*जवन कष्ट भोगे वाला बा, ओकरा से मत डेराईं। देख, शैतान तोहनी में से कुछ लोग के जेल में डाल दिही, ताकि तोहनी के परीक्षा हो सके, आ तोहनी के दस दिन तक कष्ट होई। मौत तक वफादार रहीं, त हम तोहके जीवन के मुकुट देब।* "

एह श्लोक में शैतान के डायोक्लेशियस, ई क्रूर रोमन सम्राट, अपना संबद्ध "टेट्रार्क" लोग के साथे कहल गइल बा, जेकरा ईसाई लोग से भयंकर नफरत रहे, जेकरा के ऊ लोग सफाया कइल चाहत रहे। घोषित उत्पीड़न या "*संकट*" "*दस दिन*" तक चलल, यानी 303 से 313 के बीच "दस साल" तक, ओह लोग में से कुछ लोग के जे "*मौत तक वफादार*" रहलन, बहुत धन्य शहीद के रूप में, यीशु "*जीवन के मुकुट*" दिहे; अनन्त जीवन, उनकर जीत के निशानी।

पद 11: "*जेकरा कान बा, उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत हउवें: जे जीत हासिल करी, ओकरा दूसरा मौत से कवनो नुकसान ना होई।* "

युग के अंत के संदेश के विषय मौत बा। अबकी बेर, आत्मा हमनी के याद दिआवत मोक्ष के उकसावत बा कि जे भगवान खातिर शहादत के पहिला मौत के स्वीकार ना करी, ओकरा, ओकरा से बचे के बिना, अंतिम न्याय के "*आग के झील*" के "*दूसरा मौत*" के कष्ट उठावे के पड़ी। एगो "*दूसरा मौत*" जवन चुनल लोग के ना छूई काहे कि उ लोग हमेशा खातिर अनन्त जीवन में प्रवेश कर चुकल होई।

तीसरा पीरियड: पर्गमम के बा 538 में रोम में पोप शासन के स्थापना भइल

पद 12: "***पर्गमोस में सभा के दूत के लिखीं***: *ई तेज, दूधारी तलवार वाला के बात ह*:

पर्गमम नाम से भगवान आध्यात्मिक *व्यभिचार* के समय के उकसावत बाड़े. *पर्गमि* के नाँव में, दू गो ग्रीक जड़, "पेराओ, आ गामोस", के अनुवाद "बियाह के उल्लंघन" के रूप में कइल जाला। ई ओह *दुर्भाग्यन* के शुरुआत के भाग्यशाली घड़ी ह जवन दुनिया के अंत तक ईसाई लोग पर आ जाई. 313 के तारीख के निशाना बना के एकरे पहिले के दौर सत्ता के पहुँच आ सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के बुतपरस्त शासन के सुझाव दिहलस जे टेट्रार्क कॉन्स्टेंटियस क्लोरस के बेटा आ मैक्सेंटियस के खिलाफ बिजेता रहलें। 7 मार्च 321 के शाही फरमान से ऊ सातवाँ दिव्य दिन, हमनी के वर्तमान शनिचर के पवित्र सब्त के साप्ताहिक आराम के छोड़

दिहलें , एकरे बजाय पहिला दिन के पसंद कइलें जे ओह समय , सौर देवता , "सोल इन्विक्टस ", अविजयित सूर्य के बुतपरस्त पूजा के समर्पित रहे। उनकर बात मान के ईसाई लोग "आध्यात्मिक व्यभिचार " कइल , जवन 538 से होई , जवन रोम न पोपवाद के आधिकारिक मानक *पर्गामि युग से जुड़ल रहे* । बेवफा ईसाई लोग सम्राट जस्टिनियन प्रथम द्वारा स्थापित नया धार्मिक नेता विजिलियस के पालन करे ला , ई षड्यंत्रकारी सम्राट द्वारा बियाह कइल वेश्या थियोडोरा के साथ अपना संबंध के फायदा उठा के ई पोप पद अपना नया सार्वभौमिक धार्मिक शक्ति से बढ़ल , यानी कैथोलिक , हासिल कइलस। एह तरह से , ***पर्गमम*** नाम के तहत , भगवान "रविवार " के प्रथा के निंदा करेलन , एगो नया नाम आ एगो आध् यात्मिक ***व्यभिचार के कारण*** , जवना के तहत कॉन्स्टेंटाइन से विरासत में मिलल पूर्व "सूरज के दिन " के एगो रोमन ईसाई चर्च द्वारा सम्मानित कइल जारी बा। ई ईसा मसीह के दावा करे ला आएकर दावा करे ला , अपना पोप के नेता के उपाधि से , "परमेशवर के बेटा के विकर " (भगवान के बे टा के जगह भा विकल्प), लैटिन में "VICARIVS FILII DEI", जेकर अक्षर सभ के संख्या " *666* " बा ; एगो संख्या के अनुरूप जवन प्रकाशितवाक्य 13:18 " *जानवर* " के धार्मिक तत्व के जिम्मेदार ठहरावेला। एह तरीका से *पर्गामि* नाम के युग के सुरुआत असहिष्णु आहड़प लेवे वाला पोप के शासन से होला जे ईसा मसीह , अवतार लिहल सर्वशक्तिमान भगवान से , दान के अनुसार , सभा के प्रमुख के उपाधि छीन लेला। 8:11 के बा ; इफिसियों के बारे में बतावल गइल बा। 5:23: " *काहेकि पति पत्नी के सिर ह, जइसे मसीह कलीसिया के सिर ह, जवन उनकर शरीर ह, अउर जवना के उ उद्धा रकर्ता ह।* " लेकिन सावधान रहीं ! ई क्रिया खुद भगवान से प्रेरित बा। असलियत में ऊहे ईसाई आस्था के वापस ले लेला आ पोप शासन के दे देला जवन आधिकारिक तौर पर बेवफा हो गइल बा . एह शासन के बेशर्मी के , दान में निंदा कइल गइल . *8:23, एतना दूर तक जाला कि एकरा के " समय अउर कानून के बदले* " के पहल करे के बा जवन परमेश्वर द्वारा स्थापित कइल गइल बा , व्यक्तिगत रूप से , दान के अनुसार। 7:25 के बा। अउर एकरा अलावा , कवनो भी मनुष्य के आध्यात्मिक रूप से "पिता " ना कहे के उनकर चेतावनी के तिरस्कार करत , उ खुद के "परम पवित्र पिता " के रू प में पूजा कइले बाड़न , एह तरह से अपना के सृष्टिकर्ता -विधायक परमेश्वर से ऊपर उठा के , अउर उ एक दिन एकर खोज करीहें , इनाम देत : "आ *धरती पर केहू के आपन पिता मत कह दीं ; काहे कि राउर पिता एक हवें , जे स्वर्ग में बाड़न।* (मत्ती 23:9)। " एह मानव राजा के उत्तराधिकारी बा ड़े जिनका माध्यम से शासन आ ओकर अतिरेक सबसे बड़ , सबसे मजबूत आसबसे न्यायी , सच्चा

"परम पवित्र स्वर्गीय पिता " के प्रोग्राम कइल न्याय के दिन तक जारी रही।

एह से सम्राट जस्टिनियन प्रथम एह धार्मिक शासन के स्थापना कइलें जेकरा के भगवान उनके प्रति "व्यभिचारी " मानत रहलें। एह से एह आक्रोश के महत्व के चिन्हित आइतिहास में उकेरे के रहे। 535 आ536 में इनके शासनकाल में दू गो बिसाल ज्वालामुखी बिस्फोट दर्ज भइल जेह से वायुमंडल अन्हार हो गइल आ541 में प्लेग के घातक महामारी पैदा भइल जे 767 ले ना मरल आ 592 में हमला के चरम पर पहुँ चल ।

पद 13: " *हम जानत बानीं कि तू कहाँ रहत बाड़ , कि शैतान के सिंहासन उहाँ बा , तू हमरा नाम के मजबूती से पकड़ले बाड़ अवुरी हमार विश्वास के नकारले नईखी , उहो हमार विश्वासी गवाह एंटीपास के समय में , जवन कि तोहनी के बीच में मारल गईल रहले , जहां शैतान रहेले।* "

भविष्यवाणी में " *सिंहासन* " आओकर स्थान पर जोर दिहल गइल बा काहे कि एकर प्रसिद्धि आपापी लोग एकरा के आजुओ दिहल सम्मान देला। ई एक बेर फेरु से "रोम " हवे जे आपन वर्चस्व वापस पा लेला , अबकी बेर एह झूठा ईसाई आ पूरा तरीका से बुतपरस्त धार्मिक पहलू के तहत। जे एकर "प् रतिस्थापन " (या विकर) होखे के दावा करेला , पोप , भगवान से इहो ना पावेला कि ऊ ओकरा के व्यक्तिगत रूप से संबोधित करे। भविष्यवाणी के पावे वाला चुनल ह , ना गिरल , ना ही बुतपरस्त संस्कार के महिमामंडन करे वाला हड़प लेवे वाला। रोमन कैथोलिक आस्था के एह ऊँच जगह के पोप के *सिंहासन रोम में बा , लैटरन पैलेस में जवना के कॉन्स्टेंटाइन* प्रथम उदारता से रोम के बिशप के चढ़वले रहले . ई लैटरन पैलेस माउंट सेलिया पर स्थित बा , ई "रोम के सात गो पहाड़ी " सभ में से एगो हवे जे शहर के दक्खिन -पूरुब ओर स्थित बा ; सेलिया नाम के मतलब होला : आकाश। ई पहाड़ी सात गो में से सभसे लमहर आ सभसे बड़ बाटे , क्षेत्रफल के हिसाब से। लैटरन चर्च के लगे , जवन आज भी पोप आ एकरे पादरी लोग खातिर प्रतिनिधित्व करे ला , दुनिया के सभसे महत्व वाला कैथोलिक चर्च , रोम के सभसे बड़हन ओबेलिस्क खड़ा बा , जहाँ 13 गो बाड़ें , जेकर ऊँचाई 47 मीटर ले पहुँच जाले। 7 मीटर के पृथ्वी के नीचे खोजल गइल आतीन भाग में बिभाजित , एकरा के 1588 में पोप सिक्सटस पंचम द्वारा जगह पर रखल गइल , जे एकरे साथ -साथ , वैटिकन राज्य के वर्चस्व के आयोजन करीहें आ एकरे बाद के भविष्यवाणी युग में *थ्यातिरा नाँव के युग में आयोजन करीहें* । मिस्र के सौर पंथ के एह प्रतीक के स्टेले पर एगो बड़हन शिलालेख बा जे कॉन्स्टेंटाइन के प्रस्ताव के याद दिलावत बा। असलियत में ई उनकर बेटा कॉन्स्टेंटियस

द्वितीय रहलें जे अपना पिता के निधन के बाद एकरा के मिस्र से रोम ले अइलें , ताकि ऊ अपना पिता के एगो इच् छा के आंशिक रूप से पूरा कर सके जे एकरा के कांस्टेंटिनोपल ले आवल चाहत रहलें। कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के महिमा खातिर ई समर्पण कॉन्स्टेंटाइन के बेटा से बेसी भगवान के इच्छा के चलते बा । काहें से कि पूरा ओबेलिस्क के ऊँच कुरसी के साथ भविष्यवाणी कइल गइल कड़ी के पुष्टि होला , जवन कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के नागरिक अधिकार बनावे ला जे "सूरज के दिन " के बाकी हिस्सा के स्थापित करे ला , आ पोप , ओह समय रोम के ईसाई चर्च के एगो साधारण बिशप , धार्मिक अधिकार , जे धार्मिक रूप से , एह बुतपरस्त दिन के "रविवार " या , प्रभु के दिन के नाँव से थोपे ला। एह ओबेलिस्क के चोटी पर चार गो खुलासा करे वाला चिन्ह बाड़ें जे एक दुसरे के पीछे एह आरोही क्रम में बाड़ें : एकरे बिंदु पर बइठल 4 गो शेर , चार गो कार्डिनल बिंदु सभ के ओर उन्मुख , जिनहन के ऊपर चार गो पहाड़ बाड़ें जिनहन के ऊपर सौर किरण बाड़ें आएह समूह के ऊपर एगो ईसाई क्रॉस के बोलबाला बा। चार गो कार्डिनल बिंदु सभ के ओर निर्देशित , शेर सभ के प्रतीक अपना सार्वभौमिक ताकत में राजसी के नाँव देला ; जवन दान .7 अउर 8 में प्रकट भइल एकर वर्णन के पुष्टि करेला प्रकाशितवाक्य 17:18 रोम के बारे में कहला के पुष्टि करी : " *अउर जवन औरत रउवां देखले बानी उ महान शहर ह जवना के राज्य धरती के राजा लोग पर बा।* " एकरा अलावा , ओबेलिस्क पर उकेरल मिस्र के कार्टूच "ओह अशुद्ध व्रत के उकसावेला जवन एगो राजा अमोन के संबोधित करेला " सौर देवता। ई सब चीज ईसाई बिसवास के वास्तविक प्रकृति के उजागर करे ला जे रोम में कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के बाद से , मने कि 313 से , उनकर जीत के तारीख से हावी बा। ई ओबेलिस्क , अउर एकरा में जवन प्रतीक बा , दान .8:25 में भविष्यवाणी कइल गइल शैतान के सेवक के " *सफलता " के गवाही देला , जे कॉन्स्टेंटाइन I के माध्यम से* ईसाई विश्वास के एगो धार्मिक समन्वयवाद के रूप देवे में कामयाब रहल जेकर परमेश्वर ईसा मसीह में दृढ़ता से निंदा कइले बा। हम एह प्रतीकन के संदेश के संक्षेप में बतावत बानी : "क्रॉस ": ईसाई विश्वास ; "सौर किरण ": सौर पूजा के काम ; "पहाड़ ": पार्थिव शक्ति के बा ; "चार शेर ": सार्वभौमिक रा जसी आ ताकत ; "ओबेलिस्क ": मिस्र , पाप , पलायन के फिरौन के विद्रोह के बाद से , आ पाप खातिर जवन सूर्य देवता अमोन के मूर्तिपूजा के गठन करेला। भगवान एह मापदंड सभ के आरोप कांस्टेंटाइन प्रथम द्वारा बिकसित रोमन कैथोलिक बिसवास पर लगावे लें आ एह प्रतीक सभ के साथ , मिस्र के कार्टुश द्वारा , ऊ रोम के बिशप लोग के धार्मिक प्रतिबद्धता

पर आपन बिचार जोड़लें , जिनहन के ऊ दुनों के अशुद्ध मानत बाड़ें ; शहर के धार्मिक भाई लोग एह लोग के पहिलहीं से "पोप " कहेला। ईसाई आस्था के सौर पंथ से जुड़ाव जवना के पहिलहीं से अभ्यास आ सम्मान खुद कॉन्स् टेंटाइन कइले बाड़न , एगो भयानक अभिशाप के उत्पत्ति में बा जवना के भुगतान मानवता , लगातार , दुनिया के अंत तक करी। लैटरन के एह *गद्दी के प्रतिद्वंद्वी रोमन सम्राट लोग नइखे , काहें से कि कॉन्स्टेंटाइन I* के बाद से ई लोग अब रोम में ना रहे ला बलुक साम्राज्य के पूरब में , कांस्टेंटिनोपल में रहे ला। एह तरह से , यीशु मसीह द्वारा यूहन्ना के दिहल भविष्यवाणी के प्रकाशन के अनदेखी करके , मनुष्य के भीड़ हर समय के सबसे बड़ धार्मिक धोखा के शिकार हो जाला। बाकिर ओह लोग के अज्ञानता एह से दोषी बा काहे कि ऊ लोग सच्चाई से प्यार ना करेला आ एह तरह से खुद भगवान के ओर से हर तरह के झूठ आ झूठा लोग के हवाले कर दिहल जाला . *पेगमिम युग* के आबादी सभ के शिक्षा के कमी ओह समय के लगातार रोमन सम्राट लोग द्वारा थोपल आसमर्थन कइल पोप शासन के सफलता के कारण बतावे ला। एह से कुछ सच्चा चुनल लोग एह नया नाजायज अधिकार के मना करे आ नकारे से ना रोक पावेला ; जवन यीशु के उनकरा के आपन सच्चा सेवक के रूप में पहचाने के ओर ले जाला। चुनल लोग के रोमन स्थान बनावल गइल बा , ध्यान दीं कि आत्मा के उहाँ 538 सेवकन में मिलेला जे अतवार के सम्मान करत घरी यीशु के नाम पर विश्वास के रखले रहले। हालाँकि , रोम के एह जगह पर , अंतिम शहीद भा "वफादार गवाह " खाली नीरो के समय में , 65-68 में आ डायोक्लेशियस के समय में 303 से 313 के बीच देखल गइलें।रोम शहर के निशाना बना के , आत्मा " *एंटीपास* , " उनकर " वफादार *गवाह* " के निष्ठा के याद दिलावत बा। एह ग्रीक नाम के मतलब होला : सभका खिलाफ। लागत बा कि ई प्रेरित पौलुस के नामित करत बा , जे एह शहर में ईसा मसीह के सुसमाचार के पहिला उद्घोषक रहलन जहाँ ऊ शहीद के रूप में मर गइलन , सिर काट दिहल गइल , 65 में , सम्राट नीरो के समय में। एह तरह से भगवान पोप लोग के "भगवान के बेटा के विकर " के झूठा आभ्रामक उपाधि के चुनौती देत बाड़न। सच्चा विकर विश्वासी पौलुस रहले , ना कि बेवफा विजिलियस , ना ही उनकर कवनो उत्तराधिकारी।

सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता भगवान ईसाई युग के धार्मिक इतिहास के महत्वपूर्ण क्षण न के प्रकृति में उकेरले बाड़न ; अइसन पल जब अभिशाप एगो तीव्र चरित्र ले लेला जवना के गंभीर परिणाम ईसाई लोग खातिर होला। पहिलहीं से ही अपना पार्थिव सेवा के दौरान , यीशु मसीह अपना बारह गो आश्चर्यचकित अउर आश्चर्यचकित प्रेरित लोग के गलील सागर पर एगो

तूफान में महारत हासिल करे के सबूत देले रहले ; एगो तूफान जवना के ऊ पल भर में शांत कर दिहले , अपना आज्ञा पर। हमनी के युग में , 533 से 538 के बीच के समय एह विशेष रूप से अभिशप्त चरित्र ले लिहलस , काहें से कि सम्राट जस्टिनियन प्रथम द्वारा पोप शासन के स्थापना करके ' भगवान सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा घोषित फरमान के पालन करे वाला ईसाई लोग के सजा दिहल चाहत रहलें ' जवन सप्ताह के पहिला दिन के बाकी "अविजयित सूर्य के दिन " के अनिवार्य बना दिहलस , 7 मार्च से एह काल में इनके अभिशप्त रहल , भगवान दू गो ज्वालामुखी सभ के जागरण के कारण बनवलें जे एह ग्रह के उत्तरी गोलार्ध के दम घुट गइलें आ दक्खिनी गोलार्ध पर भी अंटार्कटिका ले निशान छोड़ गइलें। कुछ महीना के अंतर से भूमध्य रेखा पर एक दुसरा के एंटीपोड पर स्थित , अन्हार के प्रसार बहुत कारगर आ बहुत घातक रहे। अरबों टन धूल वायुमंडल में फइल गइल जवना से आदमी लोग रोशनी आ ओह लोग के सामान्य खाद्य फसल से वंचित हो गइल . अपना चरम पर सूरज पूरा चंद्रमा के जइसन रोशनी देत रहे जवन खुद पूरा तरह से गायब हो गइल रहे। इतिहासकार लोग एह गवाही के नोट कइले बा जेकरा अनुसार , जस्टिनियन के सेना जुलाई के बीच में बर्फबारी के बदौलत ओस्ट्रोगोथ लोग से रोम के फिर से कब्जा क लिहलस। "क्राकाटोआ " नाँव के पहिला ज्वालामुखी इंडोनेशिया में स्थित बा आ अक्टूबर 535 में अकल्पनीय परिमाण के साथ जागल आ 50 किमी के पहाड़ी इलाका के समुंद्री क्षेत्र में बदल दिहलस। आ दूसरा , जेकर नाम "इलोपांगो " बा , मध्य अमे रिका में स्थित बा आई फरवरी 536 में फूटल रहे।

पद 14: “ *लेकिन हमरा तोहरा खिलाफ कुछ बात बा , काहेकि तोहरा उहाँ उ लोग बा जे बिलाम के शिक्षा के पालन करेला , जे बालक के सिखवले रहले कि उ इस्राएल के संतान के सामने ठोकर खाए , मूर्ति के बलि में चढ़ावल चीज़ खाए अवुरी यौन व्यभिचार करे।* ”

आत्मा रोम में आध्यात्मिक स्थिति के वर्णन करेला। 538 से , ओह समय के विश्वासी चुनल लोग एगो धार्मिक अधिकार के स्थापना के गवाह बनल बा जवना के तुलना भगवान भविष्यवक्ता " *बिलाम* " से करेलन। ई आदमी भगवान के सेवा कइलस बाकिर लाभ आसांसारिक माल के लोभ से बहकावे दिहलस ; रोमन पोप शासन के साझा सभ चीज। एतने ना , " *बिलाम* " इस्राएल के पतन के कारण " *बालाक* " के सामने ओह साधन के खुलासा कइले जवना से ऊ एकरा के गिरा सकेलें : ओकरा बस इहे करे के रहे कि ओकरा के यहूदी आ बुतपरस्त लोग के बीच बियाह स्वीकार करे खातिर धकेल दिहल ; जवना चीजन के भगवान दृढ़ता से निंदा कइले रहले। उनकर तुलना " *बिलाम* " से

करके भगवान हमनी के पोप के शासन के समग्र चित्र देले बाड़े। तब चुनल लोग ओह कामन् के मतलब समझेला जवन भगवान खुद शैतान आ उनकर स्वर्गीय आ पार्थिव साथी लोग से करावेले। ईसाई चर्च के अभिशाप बुतपरस्त "अविजयित सूरज के दिन " के अपनावे पर टिकल बा , जवन 321 से बेवफा ईसाई लोग द्वारा मनावल जाला। आ पोप के शासन " *बिलाम* " जइसन ओह लोग के पतन खातिर काम करी आ ओह लोग के दिव्य अभिशाप के तेज करी . " *मूर्ति के बलि दिहल मांस* " बुतपरस्त "सूरज के दिन " के तुलना में खाली मूर्ति हवे। रोम ईसाई धर्म में बुतपरस्ती के ले आवेला। लेकिन रउवा जवन समझे के होई उ इ कि इ लोग एके प्रकृति के हवे अवुरी भगवान के न्याय के तहत उहे गंभीर परिणाम लेके चलेले ... . एकरा से भी जादा काहे कि ईसाई युग के " *बिलाम* " से पैदा भइल अभिशाप दुनिया के अंत तक जारी रही , जवना के चिन्हित ईसा मसीह के गौरवशाली वापसी से होई। मसीही लोग के बेवफाई के तुलना इब्रानियन के बेवफाई से भी कइल जाला जे परमेश्वर के आपन दस आज्ञा सुनला के बाद अपना के " *अशुद्धि* " *के हवाले कर दिहले।* 321 से 538 के बीच बेवफा ईसाई लोग भी उनकरा निहन काम कईले। आ ई कार्रवाई आजुओ जारी बा .

पद 15: " *ओइसहीं तोहनी के भी अइसन लोग बा जे निकोलाईन के सिद्धांत के पालन करेला।* "

इफिसुस में उद्धृत " *निकोलाईन* " लोग के नाम एह पत्र में फिर से आवेला। लेकिन " *काम* " जवन इहाँ *इफिसुस में उनकरा से संबंधित बा उ* " *सिद्धांत* " बन जाला। कुछ रोमन लोग असल में , *इफिसुस के बाद से* , ईसाई बन गइल बा , फिर 321 से काफिर ईसाई बन गइल बा , आई , 538 से आधिकारिक धार्मिक तरीका से , रोमन कैथोलिक पोप के " *सि द्धांत* " *के सम्मान करके।*

पद 16: " एह से पश्चाताप करऽ , ना त हम ***<u>जल्दी से</u>*** *तोहरा लगे आके अपना मुँह के तलवार से ओह लोग से लड़ब* । "

लड़ाई " के बात करके , " *उनकर मुँह के तलवार* ," आत्मा आवे वाला चउथा संदेश खातिर संदर्भ तैयार करेला। इ 16वीं सदी के होई , जहाँ बाइबल , उनकर पवित्र लिखित वचन , प्रकाशितवाक्य 11:3 के अनुसार उनकर " *द्व गो गवाह* ", ईश्वरीय सच्चाई के प्रसार करी अउर झूठा रोमन कैथोलिक विश्वास के नकाब उजागर करी।

पद 17: " *जेकर कान बा , उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत हउवें : जे जीत जाई ओकरा के हम छिपल मन्ना में से कुछ देब आ ओकरा के एगो सफेद पत्थर देब , आ पत्थर में एगो नया नाम लिखल बा , जवना के केहू ना जानत होई सिवाय ओकरा के जे ओकरा के ग्रहण करी।* "

हमेशा के तरह , आत्मा अनन्त जीवन के एगो पहलू के उकसावेला। इहाँ उ एकरा के हमनी के सामने ओह छवि में

पेश करेलन जवना के भविष्यवाणी शुष्क , बंजर आसूखा रेगिस्तान में भूखे मरत इब्रानियन के दिहल मन्ना से कइल गइल बा। तब भगवान सिखवले कि ऊ अपना रचनात्मक शक्ति से अपना चुनल लोग के जीवन के रक्षा आलंबा कर सकेलें ; इ काम उ अपना छुड़ावल चुनल लोग के अनन्त जीवन देके पूरा करी। इहे उनुक र पूरा बचत योजना के पराकाष्ठा होई।

समय में से चुनल आदमी के अनन्त जीवन के इनाम दिहल जाई , जवना के आत्मा छवि में वर्णन करेले। " *मन्ना* ," स्वर्गीय भोजन के प्रतिरूप , स्वर्ग के राज्य में छिपल बा , भगवान खुद एकर उत्पादक हवें। प्राचीन प्रतीकात्मकता में मन्ना सबसे पवित्र जगह पर रहे , जवन पहिले से ही स्वर्ग के प्रतीक रहे जहाँ भगवान अपना सिंहासन पर सार्वभौमिक रूप से राज करेलन। रोमन व्यवहार में " *सफेद पत्थर* " "हाँ " वोट के प्रतिनिधित्व करत रहे , करिया पत्थर "ना " के नामित करत रहे। " *सफेद पत्थर* " भी ओह चुनल आदमी के जीवन के पवित्रता के दर्शावेला जे अनन्त हो गइल बा। उनकर अनन्त जीवन एगो दिव्य हाँ ह , जवन भगवान के ओर से एगो उत्साही आभारी स्वागत के अनुवाद करेला। काहे कि चुनल आदमी के एगो आकाशीय पिंड में जिंदा कइल जाला , एहसे ओकर नया अवस्था के तुलना एगो " *नया नाम* " से कइल जाला। आई आकाशीय प्रकृति , उनकर चुनल लोग खातिर , हमेशा खातिर रहस्यमयी आव्यक्तिगत बा : " *एकरा के केहू नइखे जानत* ." एहसे एह प्रकृति के विरासत में मिलल आ एह प्रकृति में प्रवेश कइल जरूरी होखी कि ई का ह.

चौथा युग : थ्यातिरा के बा 1500 से 1800 के बीच धर्म के युद्ध

पद 18: " ***आथियातीरा के कलीसिया के स्वर्गदूत के लिखीं*** : *परमेश्वर के बेटा इ बात कहत बाड़न , जेकर आँख आगके लौ नियर बा आजेकर गोड़ महीन पीतल नियर बा :* "

थ्यातिरा " नाम से , ओह समय के उकसावत बा जब कैथोलिक आप्रोटेस्टेंट लीग के ईसाई आस्था ओह लोग के खूनी टक्कर के माध्यम से एगो घिनौना तमाशा पेश करेला। बाकिर एह संदेश में भारी आश्चर्य के बात सुरक्षित बा . *Thyatira* नाँव में , दू गो ग्रीक जड़ "thuao, téiro" के अनुवाद "घृणित काम आदु ख के साथ मौत देवे के " होला। घिनौना चीज के एह व्याख्या के जायज ठहरावे वाला यूनानी शब्द , बेली ग्रीक शब्दकोश में , सुअर भा जंगली सुअर के कहल जाला जब ऊ गर्मी में होखे। आ एहिजा सफाई जरूरी बा . 16वीं सदी में रोमन पोप शासन के अधिकार के मुकाबला करे वाला प्रोटेस्टेंट लोग के जागरण भइल। साथ ही , अपना लौकिक अधिकार के मजबूत करे खातिर पोप सिक्सटस पंचम के प्रतिनिधित्व करे वाला

पोप आपन वेटिकन राज्य के स्थापना करे ला जे एकरा के अपना धार्मिक अधिकार से जुड़ल नागरिक वैधता देई। एही से 16वीं सदी से पोप शासन आपन सीट , जवन तब तक ले लै टरन पैलेस में रहे , वेटिकन में अपना संपत्ति में स्थानांतरित कर दिहले बा , जवन पहिले से एगो स्वतंत्र पोप राज्य के गठन करत रहे। बाकिर ई स्थानांतरण खाली धोखा ह , काहे कि जे वेटिकन राज्य के हिस्सा होखे के दावा करेला ऊ अबहियों लैटरन पैलेस में बइठल बा ; काहे कि उहाँ , लैटरन में , पोप लोग एहमें आवे वाला विदेशी राज्यन के दूतन के स्वागत करेला . आएही से 1587 में 3 अगस्त 1588 से लैटरन पैलेस के लगे दोबारा खड़ा कइल गइल मरम्मत भइल ओबेलिस्क के 7 मीटर के माटी के नीचे आ तीन टुकड़ा में मिलल। वेटिकन राज्य रोम के बाहर , वैटिकनस पहाड़ी पर , टाइबर के पच्छिमी किनारे पर स्थित बा जे उत्तर से दक्खिन ले शहर के सीमा पर बा। जइसे हम एह वेटिकन शहर के योजना देखनी त हम एगो सुअर के सिर के आकार के पता लगा के अचरज में पड़ गइनी , जवना के कान उत्तर में आथूथन दक्षिण पश्चिम में बा। एह तरह से ग्रीक "थुआओ " के संदेश के दुगुना पुष्टि आ जायज ठहरावल जाला , जे एह चीजन के आयोजक हवें। *पर्गामि* से विरासत में मिलल कैथोलिक आस्था अपना घिनौना काम के चरम पर पहुँच जाला। ई ओह लोग के खिलाफ नफरत आ क्रूरता के साथ हिंसक प्रतिक्रिया देला जे बाइबल से प्रबुद्ध होके आखिरकार छपाई के ब दौलत प्रसारित होके ओकर पाप आ ओकरा वसूली के निंदा करेला। एकरा से भी बढ़िया बात ई बा कि तब तक पवित्र शास्त्र के रक्षक रहल कि ऊ अपना भिक्षु लोग से मठ आ मठ में प्रजनन करावत रहे , ऊ बाइबिल के सतावेला जवन ओकर अधर्म के निंदा करेला। आएकरा में निंदा करे वालन के आन् हर आ आत्मसंतुष्ट राजकुमारन के शक्ति से हत्या कर दिहल गइल बा ; ओकर वसीयत के नम्र निष्पादक लोग के। जवना अभिव्यक्ति के तहत यीशु अपना के पेश करत बाड़े , उद्धृत करत , " *जेकर आँख आग के लौ निहन बा। " आ जेकर गोड़ महीन पीतल नियर बा* ," अपना धार्मिक दुश्मनन के प्रति ओकर दंडात्मक कार्रवाई के खुलासा करेला जेकरा के ऊ धरती पर वापसी पर नष्ट कर दीहें .ठीक ई दुनु ईसाई विचारधारा ह जवन थियातिरा युग के एह ऐतिहासिक संदर्भ में “तलवार से ” आआग्नेयास्त्र से मौत के लड़ाई लड़लसि . “ *ओकर गोड़ ” तब “ समु द्र आजमीन पर* ," एगो प्रतीक पर खड़ा होखी कैथोलिक विश्वास के अउर प्रकाशितवाक्य 13:1-11 में प्रोटेस्टेंट विश्वास के , दुनो पापपूर्ण (पाप = *पीतल*), पश्चाताप ना करे वाला , के “ *महीन पीतल ” के रूप में वर्णित कइल गइल बा जवन परमेश्वर ईसा मसीह के न्याय के क्रोध के आकर्षित करेला एह छवि के उपयोग करके जवना से उ*

प्रकाशितवाक्य 1:15 में महान "*आपदा* "*के घोषणा करेला* ओह घड़ी के खुलासा करेला जब उनकर वफादार संतान के खिलाफ एकजुट भइल आखिरी सतावे वाला लोग जंगली "जानवर "नियर मौत तक लड़ल जवन पूरा भविष्यवाणी में ओह लोग के प्रतीक होई ' धार्मिक युद्ध एक दूसरा के पीछे -पीछे चलल आ ई ध्यान दिहल जरूरी बा कि कइसे भगवान फ्रांसीसी लोग के अभिशाप के खुलासा कइले बाड़न , जबसे कि क्लोविस , फ्रैंक के पहिला राजा , भगवान के अभिशाप "पाँच साल के "युवा लुई चौदहवाँ के फ्रांस के गद्दी पर बइठा दिहलन , बाइबल के ई श्लोक , उपदेशक 10:16, उनकर संदेश व्यक्त करत बा : "*हाय तोहरा , जवना के राजा एगो बच्चा हवें , आ जेकर राजकुमार सबेरे खात बाड़े !* " लुई चौदुहवाँ वर्साय के महल में अपना भव्य खर्चा आअपना महँग लड़ाई सभ से फ्रांस के बर्बाद क दिहलें। ऊ गरीबी में डूबल फ्रांस के छोड़ ग इलें आउनकर उत्तराधिकारी लुई पंद्रहवाँ खाली ओह आजादी खातिर जियत रहलें जे व्यभिचार में अपना अविभाज्य साथी कार्डिनल डुबोइस के साथे साझा कइले रहलें। एगो घिनौना किरदार , लुई पंद्रहवाँ अपना लोग के भाग्य आ लोकप्रिय गुस्सा से बिल्कुल बेरुचि रखलें। " उत्तेजित भइल रहे कि ऊ अपना उत्तराधिकारी , मजदूर राजा , शांतिप्रिय लुई सोलहवाँ पर गिर जाव एह गुस्सा से एगो कोमल आ शांतिप्रिय आदमी के निशाना बना के भगवान क्लोविस के बाद से पोप के धार्मिक ढोंग पर नाजायज तरीका से जवन आन्हर भरोसा कइले रहे ओकरा खातिर वंशानुगत राजतंत्र पर प्रहार करे के आपन इरादा के खुलासा कइलें।

पद 19: "*हम तोहार काम , तोहार दान , तोहार विश्वास , तोहार विश्वास , तोहार धैर्य , अउर तोहार अंतिम काम के जा नत बानी कि उ पहिला से अधिका बा।* "

ई शब्द , भगवान अपना सेवकन के संबोधित करेलें "*मौत तक वफादार* ", अपना मालिक के प्रतिरूप में बलिदान खातिर खुद के अर्पित करेलें ; उनकर "*काम* "*भगवान के द्वारा स्वीकार कइल जाला काहे कि उ लोग* अपना उद्धारकर्ता के प्रति उनकर प्रामा णिक "*प्रेम* "के गवाही देला । इनकर "*विश्वास* "के सही ठहरावल जाई काहे कि एकरा साथे "*निष्ठावान सेवा* "भी होला। इहाँ उद्धृत "*स्थिरता* "शब्द के एगो सराहनीय ऐतिहासिक महत्व होला। ई ऐग्यूज -मोर्टेस् शहर के "कॉन्स्टेंस के टावर "में रहल जब मैरी डुरांड , बिस्वास के मॉडल के रूप में , 40 लंबा आअजमाइश वाला साल ले अपना कैद में रहली। कई गो अउरी ईसाई लोग भी इहे गवाही दिहल , अक्सर इतिहास के अनजान रहल। एकर कारण बा कि समय के संगे शहीद के संख्या में बढ़ोतरी भईल। अंतिम रचना राजा लुई चौदहवाँ के शासन के समय

(1643 से 1715) से संबंधि त बाड़ी सऽ जिनके तहत शरीर के "ड्रैगोनेड्स " एह कार्रवाई खातिर गठन कइलें , जंगल आ सुनसान जगहन में वापस ले लिहल गइल विश्वासी प्रोटेस्टेंट ईसाई लोग के पीछा कइलें। " *अजगर* " नाम के खुलासा करे वाला भूमिका पर बढ़िया से ध्यान दीं जवन "शैतान " के नामित करेला अउर अपो .12:9-4-13-16 में शाही रोम अउर पोप रोम के खुला आक्रामक कार्रवाई। जे अपना के "सूरज राजा " कहत रहे , ऊ कैथोलिक धर्म के लड़ाई के चरम पर ले आइल, कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के बादू से विरासत में मिलल "सूरज के दिन " के रक्षक , हालाँकि , ओकरा खिलाफ गवाही देवे खातिर , भगवान अपना लंबा शासन के पूरा अवधि के अन्हार में डूबा दिहलें , ओकरा के सच्चा सूरज के गर्मी आ पूरा रोशनी से मना कर दिहलें जेकर गंभीर परिणाम फ्रांसीसी लोग के भोजन खातिर भइल।

पद 20: “ *फिर भी हमरा तोहरा खिलाफ कुछ बात बा , काहे कि तू ओह ईजेबेल के औरत के अनुमति देत बाड़ जवन अपना के भविष्यवक्ता कहेले , हमरा सेवकन के यौन व्यभिचार करे आमूर्ति के बलिदान में दिहल चीज खाए के सिखावे आबहकावे के अनुमति देत बिया।* ”

1170 में भगवान पियरे वॉडेस से बाइबल के प्रोवेंसल भाषा में अनुवाद करवले। ऊ पहिला ईसाई रहलें जे अभिन्न अपोस्टोलिक सच्चाई के सिद्धांत के दोबारा खोज कइलें , जवना में सच्चा सब्त के सम्मान आ शाकाहार के अपनावल शामिल रहे। पियरे वाल्डो के नाँव से जानल जाए वाला ऊ "वौ डोइस " के मूल में बाड़ें जे इटैलियन अल्पाइन पिडमोंट में बस गइलें। सुधार के काम जवना के उ लोग प्रतिनिधित्व करत रहे ओकर विरोध पोपवाद कईले रहे अउरी संदेश गायब हो गईल | एतना कि भगवान पूरा यूरोप के हत्यारा मंगोल आक्रमण के शिकार कर दिहलें आएकरे बाद मंगोल लोग के का रण प्लेग के एगो भयानक महामारी आइल जे 1348 से एकर आबादी के लगभग आधा हिस्सा के तबाह क दिहलस। एह श्लोक के संदेश , " *रउआ महिला ईजेबेल के छोड़ देब ...* ", एगो अइसन निंदा ह जवन सुधारक लोग के संबोधित कइल गइल बा जे पियरे वाल्डो के काम के ऊ महत्व ना दिहल जवना के ऊ ह कदार रहे , काहे कि ऊ एकदम सही रहे। 1170 से 1517 के बीच ई लोग ईसाई उद्धार के सच्चाई के सही सिद्धांत के अनदेखी कइल आ एह काल के अंत में कइल गइल इनहन के सुधार आंशिक आबहुत अधूरा बा।

<u>नोट</u> : पीटर वाल्डो के समझल अउर लागू कइल गइल सिद्धांतगत पूर्णता से पता चलेला कि उनकरा में , परमेश्वर सुधार के पूरा कार्यक्रम प्रस्तुत कइले बाड़न जवना के अंजाम देवे के रहे। दरअसल , काम दू चरण में पूरा भइल , सब्त के दिन के आवश्यकता 1843-1844

में ही शुरू भइल, दान के फरमान से चिन्हित समय के अनुसार। 8:14 के बा।

चित्रण करे खातिर भगवान उनकर तुलना राजा अहाब के विदेशी पत्नी भयानक " *ईजेबेल* " से करेलन, जे भगवान के भविष्यवक्ता लोग के मार दिहली आनिर्दोष खून बहवले रहली। कॉपी मॉडल के मुताबिक सही बा, अवुरी एकर नुकसान इहो बा कि इ गतिविधि में बहुत जादे समय तक चलेला। उनकर नाम " *भविष्यवक्ता* " रख के भगवान अपना "सिंहासन " के नया स्थान के नाम के निशाना बना रहल बाड़ें : वैटिकन, जेकर मतलब पुरान फ्रेंच आ लैटिन में "vaticinare": भविष्यवाणी कइल। एह जगह के बारे में ऐतिहासिक विवरण बेहद खुलासा करे वाला बा। मूल रूप से ई जगह " *साँप* " देवता एस्कुलैपियस के समर्पित एगो रोमन मंदिर के मौजूदगी से चिन्हित रहे। इ प्रतीक प्रकाशितवाक्य 12:9-14-15 में शैतान अउर पोप के शासन के नामित करी। सम्राट नीरो आपन रथ दौड़ के सर्किट ओहिजा रखलें आ "साइमन मैगस " के ओहिजा एगो कब्रिस्तान में दफनावल गइल। लागत बा कि ई उनकर अवशेष ह, जवना के रोम में सूली पर चढ़ावल प्रेरित पतरस के अवशेष के रूप में सम्मानित कइल जाई। इहाँ भी कॉन्स्टेंटाइन के ओर से पेश एगो बेसिलिका ईसाई महिमा के जश्न मनावत रहे। इलाका मूल रूप से दलदली रहे। एह तरह से बनल झूठ एह वैटिकन बेसिलिका के नया नाम के जायज ठहरा दी जवना के 15वीं सदी में बढ़ावल आअलंकृत कइला पर "रोम के सेंट पीटर के बेसिलिका " के भ्रामक नाम लिहल जाई. ई सम्मान, जवन वास्तव में एगो जादूगर आ "साँप " एस्कुलैपियस के दिहल जाला, " *जादू* " ***के*** नाम के जायज ठहराई ***जवना के*** आत्मा प्रकाशितवाक्य 18:23 में रोमन कैथोलिक धार्मिक संस्कार के श्रेय देले बा जहाँ डार्बी बाइबिल संस्करण हमनी के बतावेला : " *अउर दीपक के रोशनी रउवा में अब ना चमकी ; अउर दूल्हा आ दुल्हिन के आवाज अब ना सुनाई दिही रउआ काहे कि राउर व्यापारी लोग धरती के महान लोग रह नी, काहे कि* ***राउर जादू से*** *सब राष्ट्र भटक गइल बा* , जवना के काम पूरा होखला से "रोम के सेंट पीटर " पर भारी रकम के जरूरत रहे, प्रिलेट टेट्ज़ेल के आपन "अनुग्रह " बेचे के ओर ले जाई nature of his Roman Catholic church एह तरीका से ऊ 1517 में ऑग्सबर्ग के जर्मन चर्च के दरवाजा पर आपन मशहूर 95 गो थीसिस पोस्ट क के एकर शैतानी प्रकृति आएकरे कुछ गलती सभ के निंदा करीहें।

ओह समय के अपना सुधारल सेवकन से सीधे बात करत, सच्चा, इस्तीफा दे दिहल शांतिपूर्ण शिकार लोग से, आत्मा ओह लोग के निंदा करेला कि ऊ *ईजेबेल के अपना सेवकन के सिखावे आ बहकावे के अनुमति दिहले* . हमनी के एह निंदा में सुधार के एह शुरुआत के सब

सिद्धांतगत अपूर्णता के पढ़ सकेनी जा। ऊ " अपना " *सेवकन " के " सिखावेली आ बहकावेली , ईसा के लोग , जवन उनका के एगो ईसाई कलीसिया बनावेले। बाकिर उनकर शिक्षा पर्गाम* युग के ह जहाँ " *अशुद्धि " आ" मांस* " के छवि के आरोप लगावल गइल बा *मूर्तियन के बलि दिहल* " के पहिलहीं से निंदा कइल गइल रहे। धोखा देवे वाला रूप के बावजूद , एह श्लोक में महत्वपूर्ण इकाई " *महिला ईजेबेल* " ना ह बल्कि खुद प्रोटेस्टेंट ईसाई ह। शुरू से ही , ओकरा के बता के " *आप महिला ईजेबेल के छोड़ देनी* ... " आत्मा पहिला प्रोटेस्टेंट लोग के साझा दोष के सुझाव देला। ओकरा बाद उ एह दोष के चरित्र के खुलासा करेला : बुतपरस्त मूर्तिपूजा। अयीसन करे में , उ " *बोझ* " के प्रकृति के खुलासा करेला जवन ऊ अभी तक ओकरा पर ना थोपले , ओह घरी , लेकिन कि ऊ 1843 से मांग करीहें आ एह संदेश में , सृष्टिकर्ता भगवान रोमन "रविवार " के निशाना बनावत बाड़न जेकर प्रथा उनकर नजर में एगो बुतपरस्त मूर्तिपूजक काम ह जवन मानव इतिहास के सबसे पुरान बुतपरस्त धर्म के एगो झूठा सौर देवता के सम्मान करेला "रविवार " या ईसा मसीह के साथे उनकर संबंध , जे सांसारिक पापी लोग के एकमात्र उद्धारकर्ता हवे।

पद 21: " *हम ओकरा के पश्चाताप करे के समय देनी , अउर उ अपना व्यभिचार से पश्चाताप ना कईली।* "

अबकी बेर दान के बाद से खुलासा भईल बा। 7:25 में दिहल गइल बा आ अध्याय 11, 12, आ 13 में एपोकैलिप्स में तीन रू प में पुष्टि कइल गइल बा।ई अभिव्यक्ति हवें : " *समय आ आधा समय के समय ; 1260 दिन , या 42 महीना* " जवन सब 538 से 1798 के बीच के काम में असहिष्णु पोप के शासन के नामित करेला। बाइबल के माध्यम से सच्चाई के प्रसार आ सच्चाई के प्रचार सुधारक कैथोलिक आस्था के पश्चाताप करे आ अपना पापन के छोड़े के आखिरी मौका दिहले . ऊ कुछ ना कइलस , आ अपना जिज्ञासु शक्ति के नाम पर , जिंदा भगवान के शांतिप्रिय दूत लोग के सतावलस आ यातना दिहलस। एह तरह से , उ यहूदी लोग के विद्रोही काम के दोबारा पेश कईली , जवना से यीशु के दृष्टांत के दूसरा पूर्ति मिलल : इ अंगूर के खेती करे वाला लोग के दृष्टांत ह जवन परमेश्वर के पहिला दूत के मार देले , अउर फिर जब उ ओह लोग के सामने प्रकट होखेला त अंगूर के बगइचा के मालिक के बेटा के मार देले ताकि उ ओकर विरासत चोरा सके।

पद 22: " *देखऽ , हम ओकरा के बिछौना पर डाल देब , आ ओकरा साथे व्यभिचार करे वाला लोग के बहुत संकट में डाल देब , जब तक कि ऊ लोग अपना काम से पश्चाताप ना करी।* "

परमेश्वर ओकरा के एगो " *वेश्या* " " *बिस्तर पर फेंकल गईल ," जवन हमनी के* एह विषय के " *महिला ईजेबेल* "

के प्रकाशितवाक्य 17:1 के "*वेश्या बेबिलोन महान* "से जोड़े के अनुमति देला । घोषित "*महासंकट* "बाइबिल के घोषणा के असफलता के बाद आई। इहे संदेश प्रकाशितवाक्य 11:7 में एह "*महासंकट* " के "*अथाह गड्ढा से चढ़े वाला जानवर* " के साथे पहचान के *पुष्टि करी। इ परमेश्वर के "दू गो गवाहन* "के काम के बाद पैदा होला , जवन पवित् र बाइबल के पुरान अउर नया ईश्वरीय वाचा के लेखन ह। आध्यात्मिक "***व्यभिचार*** " के पुष्टि आ नाम दिहल गइल बा आ "*ऊ लोग* " जेकरा पर भगवान "*ईजेबेल* " के साथे एकरा के करे के आरोप लगावेलें ऊ फ्रांसीसी राजकुमार आ राजतंत्रवादी हवें। कैथोलिक पादरी लोग के साथे राजतंत्रवादी लोग क्रांतिकारी राष्ट्रीय नास्तिकता के क्रोध के प्राथमिक निशाना बन जाई जवन कि सर्वशक्तिमान भगवान ईसा मसीह के क्रोध के अभिव्यक्ति ही रहे । उ लोग पश्चाताप ना कईले , एहसे 1793 से 1798 के बीच पोप के शासन के अंत में भगवान के ओर से निर्धारित समय में दोहरा क्रोध उ लोग प आईल।

संकट "शब्द रोम के अनुसार ईश्वरीय अभिशाप के परिणाम के संदर्भित करेला। 2:19: "***बुराई करे वाला आदमी के हर आत्मा पर*** *संकट अउर पीड़ा , पहिले यहूदी के , अउर यूनानी के भी !* " लेकिन "*संकट* " जवन कैथोलिक राजतंत्र के पाप के सजा देला अउर ओकर सहयोगी रोमन कैथोलिक चर्च प्रकाशितवाक्य 17:5 में प्रतीकात्मक बा , नाम से "*बेबिलोन द* ***महान*** ," तार्किक रूप से , एगो "***महान*** *संकट* "ह।

पद 23: "*हम ओकर लइकन के मौत से मार देब , अउर सब कलीसिया जान जइहें कि हम उ हईं जे मन अउर दिल के जांच करेनी , अउर हम तोहनी में से हर एक के तोहनी के काम के हिसाब से इनाम देब।* "

"*मौत के मरल* "ऊ अभिव्यक्ति ह जवना के इस्तेमाल आत्मा 1793 आ1794 के क्रांतिकारी शासन के दू गो "आतंक " के उकसावे खातिर करेले।एह अभिव्यक्ति से ऊ एपो में ओह समय के दू त "*सार्डिस* " के दिहल संदेश में साधारण आध्यात्मिक मौत के कवनो विचार के खारिज कर देलें जवन 1843 में प्रोटेस्टेंट लोग के चिंता में डालल जाई। 3:1 के बा। मानवता के कबो अइसन खूनी काम के जानकारी नइखे मिलल जवन किलिंग मशीन से कइल जाला , जवना के आविष्कार डाक्टर लुईस कइले रहले , बाकिर डाक्टर गिलोटिन के सराहना कइल गइल रहे जिनकर नाम खुद ओह वाद्ययंत्र के पड़ल रहे , जवना के तब से कहल जाला : गिलोटिन . सारांश फैसला तब फांसी के आदेश के भीड़ घोषित , एकरा अलावा , एक दिन पहिले के न्यायाधीश आ आरोपी लोग के मौत के साथ प्रहार के सिद्धां त के साथ । एह सिद्धांत के अनुसार मानवता के गायब होखे के पड़ी लागत रहे अउरी एही कारण से

भगवान एह सफाया करे वाला क्रांतिकारी शासन के "*खाई " कहले | अंततः , उ* सृष्टि के पहिला दिन में धरती के "*खाई " बिना कवनो रूप के जीवन के बना देले रहते , उत्पत्ति 1:2 के अनुसार।* लेकिन इ खाली स्वर्ग में ही , इकट्ठा भइल चुनल लोग द्वारा कइल गइल आकाशीय न्याय के दौरान कि "*सब कलीसिया (या सभा)*" यानी सात युग के चुनल लोग , एह ऐतिहासिक तथ्यन के खोज ओह अर्थ के साथ करी जवन परमेश्वर ओह लोग के दिहले बाड़न। भगवान के न्याय सिद्ध बा ; झूठ न्याय करे वाला लोग उनकर न्याय से चकित हो गइल , " अपना " आपन " *काम के अनुसार* "। उ लोग अन्याय से मौत के कारण बनवले अवुरी पूरा दिव्य न्याय से बारी -बारी से मौत के चोट लागल बा : "*अवुरी हम आपके हरेक के काम के मुताबिक इनाम देब* "।

पद 24: "*लेकिन तोहनी के , जेतना लोग थियातीरा में बा , जेकरा लगे इ सिद्धांत नइखे , अउर शैतान के गहराई के नइखी जानत , जइसे कि उ लोग कहत बा कि हम कहत बानी कि हम तोहनी पर कवनो दोसर बोझ ना डालत बानी ;*

जे लोग कैथोलिक आस्था के निंदा करेला आ ओकर धार्मिक संस्कार के "*शैतान के गहराई* " कहेला उ लोग खाली उ सुधारक हो सकेला जे लगभग 1200 से लेके 1789 के फ्रांसीसी क्रांति तक प्रकट भइल रहे , उनकर व्यवहार चाहे जवन होखे , उनकर सिद्धांत यीशु मसीह के प्रेरित अउर चेलन के आत्मा द्वारा सिखावल गईल शुद्ध सच्चाई से बहुत दूर रहे। खाली तीन गो सकारात्मक चीज न के उनकर फायदा खातिर नोट कइल गइल बा : यीशु के एकमात्र बलिदान में विश्वास , अकेले बाइबल पर भरोसा , अउर उनकर व्यक्ति अउर उनकर जीवन के वरदान ; बाकी सभ सिद्धांतवादी बिंदु कैथोलिक धर्म से विरासत में मिलल रहलें आ एह कारन एह पर सवाल उठावे के अधीन रहलें। एह तरह से , भले ही ईसाई विश्वास के सच्चाई के सिद्धांत में अपूर्ण रहे , लेकिन चुनल सुधारक लोग जानत रहे कि कइसे भगवान के सामने आपन जीवन के जीवित बलिदान के रूप में चढ़ावल जा सकेला अउर 1844 के इंतजार करत घरी , दान के फरमान के लागू होखे के तारीख। 8:14, परमेश्वर अस्थायी रूप से उनकर सेवा स्वीकार कइलन। इहे बात उ बहुत साफ -साफ व्यक्त करतारे जब उ कहतारे कि "*हम तोहरा प कवनो अवुरी बोझ ना डालत बानी* ." असाधारण दिव्य निर्णय के स्थिति एह शब्दन में साफ लउकत बा।

पद 25: “ *खाली जवन तोहरा लगे बा , ओकरा के तब तक पकड़ीं जब तक हम ना आईब।* ”

जवन कारण परमेश्वर के अपूर्ण प्रोटेस्टेंट विश्वास के आशीर्वाद देवे में सक्षम बनावेला , ओकरा के चुनल लोग के ईसा मसीह के वापसी तक संरक्षित अउर पालन करे के होई।

पद 26: “ *जे जीत के अंत तक हमार काम के पालन करी , ओकरा के हम राष्ट्न पर अधिकार देब।* ”

इ श्लोक इ बतावेला कि सुधार के एह समय से लेके मसीह के वापसी तक उद्धार के नुकसान के का कारण होई। चुनल लोग के अंत तक यीशु मसीह द्वारा तैयार अउर प्रकट कइल काम के दुनिया के अंत तक लगातार रखे के पड़ी। बोलावल भगवान के नया आवश्यकता के मना करके गिर जाला। तबो ऊ अपना महिमा में आवे के समय तक धीरे - धीरे आपन रोशनी बढ़ावे के आपन इरादा कबो ना छिपवले। " *धर्मी लोग के रास्ता चमकत रोशनी नियर होला , जवन पूरा दिन तक अधिका से अधिका चमकेला* (नीतिवचन 4:18)"; बाइबल के ई श्लोक एकरा के साबित करेला। आएह से उनकर योजना के दायरा में बा कि , 1844 से , ईश्वरीय आवश् यकता ओह तारीखन पर लउकी जवना के भविष्यवाणी आभविष्यवाणी उनकर विशिष्ट बाइबिल के भविष्यवाणी वचन से कइल गइल बा। इ खाली एगो स्वर्गीय न्यायाधीश के रूप में ही चुनल गईल लोग के परमेश्वर से "राष्ट्न पर अधिकार " मिली।

पद 27: “ *उ लोहा के छड़ी से ओह लोग के राज करी , जइसे कुम्हार के बर्तन टूट के सिहर जाला , जइसे हमरा अपना पिता से अधिकार मिलल बा।* ”

एह अभिव्यक्ति से फाँसी के सजा देबे के अधिकार के सुझाव मिलत बा . एगो अधिकार जवन चुनल लोग अंतिम न्याय खातिर स्थापित दुष्टन के न्याय में यीशु मसीह के साथे साझा करीहें , सातवीं सहस्राब्दी के महान सब्त के " *हजार साल " के दौरान।*

पद 28: “ *आहम ओकरा के भोर के तारा देब।* ”

भगवान ओकरा के आपन पूरा दिव्य प्रकाश दिहे जवना के प्रतीक हमनी के वर्तमान धरती पर सूरज के प्रकाश से बा। लेकिन यीशु कहले : "हम उजाला हई। " एह तरह से ऊ आकाशीय जीवन के प्रकाश के घोषणा करेला , जहाँ भगवान खुद ओह प्रकाश के स्रोत हवें जवन अब हमनी के सूरज जइसन आकाशीय तारा पर निर्भर नइखे।

पद 29: “ *जेकर कान बा , उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा।* ”

एपोकैलिप्स के निर्माण सात मंजिल से बनल टावर निहन बा , सातवाँ भगवान से मुठभेड़ के समय होई। एह निर्माण में , अध्याय 2 आ 3 94 से 2030 के बीच के पूरा ईसाई युग के मूल रूपरेखा के गठन करे ला।एपोकैलिप्स में उकसावल गइल सभ बिसय एह मूल रूप से आपन जगह पावे लें। लेकिन एह ढाँचा में पहिला मंजिल खाली ऊपरी मंजिल तक जाए वाली सीढ़ी के भूमिका निभावेला। खुलासा के महत्व स्तर 3 पर लउकत बा जवना के नाम ह *पर्गाम* . एह महत्व के अउरी मजबूत कईल जाला लेवल 4 पर जवना के *थ्यातिरा कहल जाला* . एही दौर में ईसाई आस्था भ्रमित आ भ्रामक हो जाला। एह

युग के आध्यात्मिक स्थिति पर भगवान के न्याय के परिणाम दुनिया के अंत तक होई। एह से एह फैसला के बारे में राउर समझ के ठोस बनावे खातिर हम एह संदेश के संक्षेप में बताइब जवन भगवान लुई चौदहवाँ के शासनकाल में अपना प्रोटेस्टेंट चुनल लोग के संबोधित कइले रहले।

सारांश: सुधार के दौरान ईसाई व्यवहार में विविधता रहे। सच्चा संत रहले जेकरा के सतावल जात रहे , लेकिन हमेशा शांतिपूर्ण रहे , अवुरी धर्म अवुरी राजनीति के भ्रमित करेवाला लोग रहे , जवन कि हथियारबंद होके शाही कैथोलिक सेना के झटका दर मार वापस करत रहे। दानियल 11:34 में , आत्मा उनकरा के "पाखंडी " के रूप में नामित कइले बा। बहुत कम धार्मिक लोग ई समझत रहे कि ईसाई होखे के मतलब होला हर चीज में यीशु के नकल कइल, उनकर आदेश के पालन कइल आ उनकर निषेध के अधीन रहल ; हथियार के इस्तेमाल भी एही में से एगो रहे अवुरी गिरफ्तारी के समय इ उनुकर अंतिम सीख रहे। यीशु के निंदा एह तथ्य से जायज रहे कि , कैथोलिक विरासत के पालन जारी रखला से , प्रोटेस्टेंट लोग खुद , अपना उदाहरण के द्वारा , ओह शिक्षा अउर बहकावे के पक्ष में रहे जवन कैथोलिक *ईजेबेल के रहे* । उनकर अपूर्ण धार्मिक आचरण भगवान के न्याय में उनकर बदनाम कर दिहलस , जेकरा के उ लोग उनकर दुश्मनन के सामने बेइज्जत कर दिहल। सुरुआती सुधार के ई चरण उनके असाधारण निर्णय लेवे के ओर ले जाला ; जवना पर ऊ जोर देत बाड़न कि " *हम रउरा पर कवनो दोसर बोझ ना डालत बानी , बस, जवन रउरा लगे बा , तबले ओकरा के तबले राखीं जबले हम ना आ जाईं* ." बाकिर सिद्धांतगत अपूर्णता एह शुरुआत में जायज बा आ भगवान ओह लोग के सेवा के स्वीकार करेलें जे अपना नाम पर सतावल आ मौत के स्वीकार करेलें . उ लोग अउरी ना दे सकत रहे , अधिकतम देके : आपन जान। भगवान बलिदा न के एह भावना पर जोर देत बाड़न जवना के ऊ " *पहिला से अधिका काम* (पद 19)" के रूप में नामित कइले बाड़न। रोमन कैथोलिक धर्म के बुतपरस्ती के तुलना *मूर्ति के बलि देवे वाला मांस से कईल गईल बा* . रोमन धोखा के निंदा के सुरुआत पियरे वाल्डो (Vaudés) के बिल्कुल प्रबुद्ध रचना सभ से भइल जे 1170 में ही लैटिन के अलावा अउरी कौनों भाषा प्रोवेंसल में बाइबल के संस्करण लिखलें। ईश्वरीय आवश्यकता के बारे में उनकर ज्ञान आ समझ आश्चर्यजनक रूप से पूरा रहे आ उनकरा बाद प्रोटेस्टेंट आस्था बिगड़ गइल। जॉन केल्विन के प्रेरणा से प्रोटेस्टेंट आस् था त कठोर तक हो गईल अवुरी अपना कैथोलिक विरोधी के छवि बन गईल। आ "धर्म के युद्ध " अभिव्यक्ति भगवान खातिर एगो घिनौना बात के गवाही देला , काहे कि ईसा मसीह के

चुनल लोग , सच्चा लोग , ओह लोग के कइल गइल प्रहार के वापस ना करेला। इनकर बदला खुद प्रभु से मिली। अपना के हथि यारबंद क के प्रोटेस्टेंट लोग , जेकर आदर्श वाक्य "सोला स्क्रिप्टुरा ", "अकेले शास्त्र " रहे , बाइबल के तिरस्कार के प्रदर्शन कइल, जवन ओह लोग के हिंसा पर रोक लगा दिहलस। यीशु अपना चेलन के सिखा के एह क्षेत्र में बहुत दूर तक गइलन कि उ लोग के "दूसरका गाल " के ओह आदमी के ओर मोड़ देवे के चाहीं जे उनकरा के मारत बा।

एह बेर जब कैथोलिक उत्पीड़न के कारण ईसा के वफादार सेवकन के मौत हो गइल रहे , एकरा के एपोकैलिप्स में तीन गुना रेखांकित कइल गइल बा , इहाँ एह *थ्यातिरा काल में* , लेकिन 5वीं में भी अध्याय 6 के *मुहर पर आ*[3] में अध्याय 8 के *तुरही* इहाँ , पद 22 में , यीशु अपना शहीद सेवकन के प्रोत्साहित करत बाड़न , उनकरा के आपन इरादा के घोषणा करत बाड़न कि उ लोग के मौत या रोम अउर ओकर शाही सेवकन के द्वारा दिहल गईल उनकर दुख के बदला लेवे के बा। *पर्गामम* नाम में छिपल प्रमुख शब्द साफ लउकत बा , कैथोलिक धर्म भगवान का खिलाफ *व्यभिचार के दोषी बा* आ ओकरा साथे व्यभिचार करे वाला लोग , कैथोलिक राजकुमार , ओह लोग के लीग आओह लोग के झूठा कुलीन वर्ग , फ्रांसीसी क्रांतिकारन के गिलोटिन का नीचे , नाजायज तरीका से बहावल खून के भुगतान करी . प्रकाशितवाक्य 2:22-23: " देख S, हम ओकरा के बिछौना पर डाल देब , अउर ***ओकरा साथे व्यभिचार करे वाला लोग के*** *बहुत संकट में डाल देब , जब तक कि उ लोग अपना काम से पश्चाताप ना करी। हम* ***ओकरा लइकन के मौत से मार देब*** *; अउर सब कलीसिया जान जइहें कि हम उहे हईं जे बागडोर अउर दिल के जांच करेनी , अउर हम तोहनी में से हर एक के कर्म के अनुसार इनाम देब ।* " बाकिर सावधान रहीं ! काहे कि 1843 के बाद " ***जे लोग ओकरा साथे व्यभिचार करेला*** " ***भी प्रोटेस्टेंट*** होई , एहसे भगवान परमाणु "तीसरा विश्वयुद्ध " के साथ तैयारी करीहे , कैथोलिक , रूढ़िवादी , एंग्लिकन , प्रोटेस्टेंट आ एडवेंटिस्ट व्यभिचार के एगो नया सजा। समानांतर में आत्मा 5वीं में कहत बा *seal* : प्रकाशितवाक्य 6:9-11: “ *जब उ पांचवा मोहर खोलले , त हम वेदी के नीचे उ लोग के आत्मा देखनी , जे परमेश्वर के वचन खातिर अउर उ लोग के गवाही खातिर मारल गईल रहे।उ लोग जोर से चिल्लात कहलस, ‘हे प्रभु , पवित्र अउर सच्चा , जब तक तू धरती पर रहे वाला लोग पर न्याय ना करब अउर हमनी के खून के बदला ना लेब ?’ सफेद वस्त्र दिहल गईल ओह लोग में से हर एक से कहल गइल कि जबले ओह लोग के साथी नौकर आभाई लोग के पूरा ना हो जाव , ऊ लोग कुछ देर खातिर आराम करऽ .* ”

5वीं मुहर के ई दृश्य एगो अप्रबुद्ध दिमाग खातिर भ्रमित करे वाला आभ्रामक हो सकेला। इ साफ होखे , इ छवि हमनी के परमेश्वर के गुप्त विचार के उजागर करेला , काहे कि उपदेशक 9:5-6-10 के अनुसार , मसीह में मरल लोग अइसन अवस्था में *सुतेला जहाँ उनकर याददाश्त भुला जाला , सूरज के नीचे होखे वाला कवनो भी काम में भाग ना लेवेला* . बाइबल पहिला मौत के पूरा जीव के विनाश के अर्थ देले बा ; मुअ ल लोग अइसन होला जइसे कि ऊ लोग एह अंतर के साथ कबो मौजूद ना रहे , कि अस्तित्व में रहला के बाद उनकर पूरा अस्तित्व भगवान के विचार में उकेरल रहेला। एह से ई अपना जिंदा सेवकन के ह कि भगवान एह सांत्वना के संदेश के संबोधित करेलन ताकि उ लोग के प्रोत्साहित कइल जा सके। ऊ ओह लोग के याद दिलावत बाड़न कि , उनकर वादा के अनुसार , मौत के नींद के बाद , ओह लोग के जागरण खातिर एगो समय के इंतजाम बा , जब ऊ लोग , उनकरा द्वारा , जिंदा हो जाई। तब उ लोग के ईसा मसीह में परमेश्वर के नजर अउर न्याय के तहत , उनकर यातना देवे वाला लोग के न्याय करे के मौका मिली जे भी जिंदा हो गईल बाड़े , लेकिन *हजार साल* के अंत में . *थ्यातिरा* के संदेश में कैथोलिक *ईजेबेल* के साथे *व्यभिचार करे वाला लोग* खातिर घोषित मौत *के दोगुना उपलब्धि होई। धरती पर , क्रांतिकारी लोग के काम पहिला चरण ह, लेकिन ओकरा बाद , आई, अपना समय में अउर दू सरा चरण में* , अंतिम न्याय के *दूसरा मौत , उ घड़ी जब ईसाई युग के सब काल के ईसाई लोग के " सब सभा ", अविश्वासी या विश्वासी , आध्यात्मिक व्यभिचार* के खिलाफ भगवान के न्यायसंगत न्याय के लागू देखल जाई

अपना प्रतीकात्मक छवि में 4वां ... अध्याय 8 के *तुरही पोपवाद के व्यभिचार* आ एकर समर्थन करे वाला राजतंत्रवादी लोग के सजा देवे खातिर प्रोग्राम कइल गइल " *महासंकट* " के कार्रवाई के पुष्टि करेला । *सूरज* , दिव्य प्रकाश , *चाँद* , अन्हार कैथोलिक धर्म , आ *तारा* , धार्मिक लोग , 1793 आ 1794 में फ्रांसीसी क्रांतिकारी लोग द्वारा नास्तिकता के उत्पीड़न से *तिहाई में , या आंशिक रूप से , मारल जाला* ।

शांतिप्रिय प्रोटेस्टेंट लोग के संबोधित संदेश के अंत में , आत्मा हथियार के प्रयोग के उनकर निंदा के पुष्टि करत इ याद दिलावत बा कि सातवीं सहस्राब्दी के आकाशीय न्याय के दौरान तैयार अंतिम फैसला खातिर ही चुनल आदमी के बदला लिहल जाई। एह से उ अपना के बदला लेवे के अधि कार नइखे , एह आकाशीय न्याय से पहिले जहाँ उ तब अपना सतावे वाला लोग के न्याय करी , यीशु मसीह के साथे , अउर ओह लोग के मौत के सजा के फैसला में भाग ली। " *ऊ लोहा के डंडा से ओह लोग पर राज करी , जइसे कुम्हार के बर्तन टूट के टुकड़ा*

हो जाला ." एह फैसला के मकसद अंतिम फै सला के दूसरा मौत के सजा पावे वाला दोषी के दुख के समय तय कईल होई। पद 29 उकसावत बा : *भोर के तारा* . " *आहम ओकरा के भोर के तारा दे देब* ." ई अभिव्यक्ति दिव्य प्रकाश के छवि सूर्य के नामित करेला। विजेता अनन्त काल खातिर दिव्य प्रकाश में प्रवेश करी। बाकिर एह शाश्वत संदर्भ से पहिले ई शब्द पांचवा अक्षर के तइयार करेला जवन आवेला . *सुबह के तारा* के जिक्र 2 पेट में बा। 1:19-20-21: " अउर हमनी के ***भविष्यवाणी के वचन*** *अउरी पक्का बा , जवना के बारे में रउवां अच्छा करब कि रउवां ध्यान राखीं , जइसे कि एगो अन्हार जगह पर चमकत रोशनी के , जब तक कि दिन भोर ना हो जाव अउर रउवां के दिल में* ***भोर के तारा*** *ना उठ जाव। सबसे पहिले इ जानीं कि पवित्रशास्त्र के कवनो भविष्यवाणी कवनो निजी व्याख्या के ना ह, काहेकि भविष्यवाणी कबो आदमी के इच्छा से ना आईल, लेकिन परमेश्वर के पवित्र लोग जइसन बोलत रहे पवित्र आत्मा से प्रेरित बा* ." इ श्लोक भविष्यवाणी के वचन के महत्व के रेखांकित करेला काहे कि आवे वाला युग के संदर्भ आध्यात्मिक रूप से दान में भविष्यवाणी कइल गइल ईश्वरीय फरमान के लागू करे से शर्तबद्ध होई। 8:14 के बा। " *2300 साँझ आ सबेरे तक, आ पवित्रता जायज होखी* ." लेकिन ओह घरी ई श्लोक खाली अनुवाद में ही जानल जात रहे : " *2300 साँझ आ सबेरे तक, आ पवित्र स्थान के शुद्ध हो जाई* ." एह अनुवाद में भी भगवान के संदेश उहे रहे , लेकिन कम सटीक रहे ; एह रूप में एकर व्याख्या हमनी के प्रभु अउर उद्धारकर्ता यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी से दुनिया के अंत के घोषणा करे के रूप में कइल जा सकेला। परमेश्वर अमेरिकी प्रोटेस्टेंट विलियम मिलर के इस्तेमाल 1843 के बसंत अउर 1844 के गिरावट में विश्वास के दुगो एडवेन्टिस्ट परीक्षा के अंजाम देवे खातिर कइले रहलन जइसे कि डेनियल 12:11-12 हमनी के सिखवले बा , एह दुनो तारीख के बीच , 1843 में , ईश्वरीय फरमान पतित प्रोटेस्टेंट लोग से यीशु मसीह के ओर से पेश कइल गइल उद्धारकर्ता धर्म के वापस ले लिहलस ; काहे कि ऊ लोग अब ओह नया पवित्रता के मानक पर खरा ना उतरत रहे जवन परमेश्वर के माँग रहे। यीशु के धार्मिकता अनन्त ह, लेकिन एकरा से खाली ओह सच्चा चुनल लोग के फायदा होला जेकरा के खुद यीशु चुनले बाड़े , अउर इ, हर समय में अउर दुनिया के अंत तक।

इहाँ , *थातिरा* आ *सार्डिस के बीच* , बसंत के पहिला दिन 1843 के , दान के फरमान। 8:14 लागू हो जाला अउर हमनी के एकर परिणाम के खोज ओह संदेशन में करब जा जवन आत्मा द्वारा ओह तारीख के मसीही लोग के संबोधित कइल गइल बा।

प्रकाशितवाक्य 3: 1843 – 1843 के बाद से विधानसभा। बहाल भइल प्रेरित ईसाई विश्वास के

5वां युग : सरदीस के बा 1843 के बसंत आ 22 अक्टूबर 1844 के एडवेन्टिस्ट मुकदमा के बाद ईसा मसीह द्वारा दिहल गइल फैसला

पद 1: “ ***आ सरदीस के कलीसिया के स्वर्गदूत के लिखीं*** : *जेकरा लगे परमेश्वर के सात आत्मा अउर सात तारा बा , उ इ बात कहत हउवें कि हम तोहार काम के जानत बानी कि तू जिंदा लउकत बा ड़ऽ अउर मर गइल बाड़ऽ।* ” *सार्डिस* " युग , पांचवां पत्र के विषय , दू गो विरोधी प्रोटेस्टेंट ईसाई व्यवहार के उजागर करी जवन ओह लोग के जिम्मेदार ठहरावल गइल बा : गिरल लोग , जेकरा के यीशु घोषणा कइले बाड़न : " *रउआ के जिंदा मानल जाला , आ रउआ मर गइल बानी* "; अउर चुनल लोग , पद 4 में : " *उ लोग हमरा साथे सफेद कपड़ा में चलत होई काहे कि उ लोग योग्य बा* ." उहाँ के दुनो संदेश के सामग्री के तरह " *सरदीस* " नाम के भी दोहरा अर्थ बा जवना के इंद्रिय एकदम विपरीत बा। हम एह यूनानी जड़ के मुख्य विचार के बरकरार रखले बानी : आकुंचन आ कीमती पत्थर , माने कि मौत आ जीवन। मुस्कुराहट आ आकुंचन एगो सार्डोनिक हँसी के परिभाषित करेला ; ग्रीक में सार्डोनियन शिकार के जाल के ऊपरी रस्सी हवे ; सार्डिन एगो मछरी ह ; आ एकरे बिपरीत अर्थ में सरदो आ सार्डोनिक्स कीमती पत्थर हवें ; सार्डोनिक्स एगो किसिम के भूरा रंग के चाल्सीडोनी होला। एह पत्र के शुरुआत में , यीशु अपना के " *उहे के रूप में प्रस्तुत करेलन जेकरा लगे परमेश्वर के सात आत्मा अउर सात तारा बा* ," यानी आत्मा के पवित्रीकरण अउर सात युग के उनकर सेवकन पर न्याय। जइसे कि दान में भइल बा . 12, ऊ एडवेन्टिस्ट आस्था के परीक्षा हत्यारा नदी के ऊपर खड़ा बाड़न आ इहाँ आपन फैसला देत बाड़न . संबोधन के परिचित रूप के प्रयोग पर ध्यान दीं , जवन बतावेला कि उनकर वार्ता का र सामूहिक अर्थ में एक हवे। पूरा प्रोटेस्टेंट आदर्श के चिंता बा। यीशु *थ्यातिरा* के संदेश में नोट कईल गईल प्रोटेस्टेंट अपवाद के अंत कर देले बाड़े . नया " *बोझ* " (विद्रोही आस्तिकन के परिकल्पना के अनुसार) अब थोपल आ मांग कइल जाला। रोमन अतवार के प्रथा के छोड़ के ओकरा जगह शनिचर के सब्त के दिन लेबे के पड़ी . दान के ई फरमान। 8:14 सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा 7 मार्च 321 से स्थापित स्थिति के उलट देला , 1833 में , 1844 से 11 साल

पहिले , शूटिंग स्टार के लगातार बौछार के माध्यम से , जवन आधा रात से 5 a.m. तक चलल , आ पूरा अमे रिकी इलाका में लउकत रहे , भगवान प्रोटेस्टेंट ईसाई लोग के भारी गिरावट के चित्रण आ भविष्यवाणी कइले। एह व्याख्या के बारे में रउवा के मनावे खातिर परमेश्वर अब्राहम के स्वर्ग के तारा देखा के कहले कि : " *तोहार संतान भी अईसन होई* । " एह से 1833 के तारा के पतन इब्राहीम के एह वंशज के भारी गिरावट के भविष्यवाणी कइलस। एह आकाशीय राशि के उद्धरण *6 वीं मुहर* के विषय में दिहल गइल बा प्रकाशितवाक्य 6:13 में दिहल गइल बा। यीशु कहत हउवें : " *कहल जाला कि तू जिंदा बाड़ अउर मर गईल बाड़* ." एह से जवना के बारे में ऊ बीत करत बाड़न ओकर प्रति ष्ठा भगवान के प्रतिनिधित्व करे के बा आई विस्तार प्रोटेस्टेंट धर्म से मेल खाला जवन अपना सुधार पर विश्वास करत मानत बा कि ओकरा के भगवान से मेल मिलाप हो गइल बा . ईश्वरीय फैसला गिर जाला : " *हम तोहार काम जानत बानी* ," " *आतू मर गइल बाड़* ." भगवान , खुद , महान न्याया धीश से ही ई न्याय औवेला। प्रोटेस्टेंट एह फैसला के अनदेखी कर सकेला बाकिर ओकरा नतीजा से ऊ ना बची सके . 1843 में दानियल 8:14 के फरमान लागू भइल अउर कवनो मसीही के जीवित परमेश्वर के नियम के अनदेखी ना करे के चाहीं। इ अज्ञानता बाइबिल के भविष्यवाणी वाला वचन के तिरस् कार के कारण बा जवना पर प्रेरित पतरस हमनी के 2 पतरस में पूरा ध्यान देवे के आग्रह करेलन। 1:19-20: " *अउर हमनी के भविष्यवाणी के वचन के अउरी पक्का कइल गइल बा , जवना के बारे में रउवां अच्छा करब कि रउवां ध्यान रखीं , जइसे कि एगो अन्हार जगह पर चमकत रोशनी के , जब तक कि दिन के भोर ना हो जाव अउर रउवां के दिल में सबेरे के तारा ना उठ जाव। ई सबसे पहिले ई जान के कि पवित्रशास्त्र के कवनो भविष्यवाणी कवनो निजी व्याख्या के नइखे।* " नया वाचा के बाइबल के सब पाठ के बीच से अनदेखा से गुजरत , ई श्लोक खासकर 1843 से जीवन आमौत के अंतर बना वेला।

पद 2: " *सतर्क रहऽ आ जवन बचल बा , जवन मरला खातिर तइयार बा , ओकरा के मजबूत करऽ , काहे कि हम अपना परमेश्वर के सामने तोहार काम* ***सिद्ध नइखीं पावल।*** "

अगर उ लोग पवित्रता के नया मानक में ना प्रवेश करी त प्रोटेस्टेंट धर्म के " *बाकी* " लोग " *मर जाई* ." काहे कि भगवान एकर निंदा दू गो कारण से करेले। पहिला रोमन अतवार के प्रथा ह , जवना के निंदा दान के फरमान के लागू कईला से कईल गईल। 8:14 के बा ; दूसरा बा भविष्यवाणी के शब्द में रुचि ना , काहे कि एडवेंटिस्ट अनुभव के माध्यम से भगवान के दिहल पाठ के ध्यान में ना रख ला से प्रोटेस्टेंट वंशज अपना पिता से विरासत में मिलल अपराधबोध के सहन करीहे।

दुनो बिंदु पर , यीशु कहत हउवें : " *हम अपना परमेश्वर के सामने तोहार काम सिद्ध नइखी पावल* ." " *हमरा भगवान के सामने* " कह के , यीशु प्रोटेस्टेंट लोग के दस आज्ञा के मानक के याद दिलावत बाड़ न जवन परमेश्वर , पिता के अँगुरी से लिखल गइल बा , जेकरा के उ लोग ओह बेटा के पक्ष में तिरस्कार करेला जेकरा के उ लोग के बचावे के बा। उनकर बिल्कुल आज्ञाकारी आस्था , जवन उ एगो मॉडल के रूप में देले रहले , में प्रोटेस्टेंट आस्था से कवनो समानता नइखे , जवन कई गो कैथोलिक पाप के वारिस ह , जवना में सबसे पहिले आसबसे महत्वपूर्ण बात ई बा कि पहिला दिन साप्ताहिक आराम भी शामिल बा। सामूहिक प्रोटेस्टेंट धार्मिक मानदंड पर मुक्ति के दरवाजा हमेशा खातिर बंद हो जाला , " *छठवीं मुहर* " के " *तारा* " *गिर जाला।*

पद 3: " *एह से याद करऽ कि तूँ कइसे ग्रहण कइले बाड़ऽ अउर कइसे सुनले बाड़ऽ , आ मजबूती से पकड़ के पश्चाताप करऽ , अगर तू जागल ना रहब त हम तोहरा पर चोर नियर आजाईब , अउर तोहरा ना पता चली कि हम तोहरा पर कवना घड़ी आईब।* "

एह क्रिया , " *याद करीं* , " के तात्पर्य अतीत के रचना पर आलोचनात्मक ध्यान से बा। बा किर सही मायने में चुनल लोग ही एतना विनम्र होला कि ऊ अपना रचना के आलोचना कर सकेला . अतने ना , ई आज्ञा " *याद करीं* " चउथा आज्ञा के शुरुआत में " *याद करीं* " के उकसावेला , जवन सातवाँ दिन के पवित्र विश्राम के आदेश देला। इहाँ भी , दोगुना रूप से , आधिकारिक प्रोटेस्टेंट धर्म के आमंत्रित कइल गइल बा कि ऊ 1843 के बसंत आ 1844 के शरद ऋतु में विलियम मिलर द्वारा शुरू कइल गइल भविष्यवाणी संदेशन पर आपन स्वागत पर पुनर्विचार करे , लेकिन परमेश्वर के 10 आज्ञा में से 4वां आज्ञा के पाठ पर भी , जवना के ऊ 1843 से नश्वर पाप में उल्लंघन करत आइल बा।ईसा से टूटला के सबसे गंभीर परिणाम के रूपरेखा बनावल गइल बा : " *अगर रउआ अइसन करब ना देखब , हम चोर निहन आईब, अवुरी आपके पता ना चली कि हम आपके ऊपर कवना घंटा आईब* । " जागरण , पश्चाताप , आपश्चाताप के फल के बिना प्रो टेस्टेंट आस्था निश्चित रूप से मर गइल बा।

पद 4: " *फिर भी तोहनी के सरदीस में कुछ आदमी बाड़े जे आपन कपड़ा अशुद्ध नइखन कइले , उ लोग हमरा साथे सफेद कपड़ा पहिनले चल जइहें , काहे कि उ लोग योग्य बाड़े।* "

एगो नया पवित्रता के उदय होई। एह संदेश में , यीशु " *कुछ आदमी* " के अस्तित्व के गवाही देवे में संतुष्ट बाड़े । एलेन जी व्हाइट के जवन विवरण के खुलासा भईल रहे , ओकरा मुताबिक , जवन कि ए लोग में शामिल रहली , सिर्फ 50 आदमी के भगवान के मंजूरी मिलल।

ई " *कुछ आदमी* " के मतलब होला ओह आदमी आमेहरारू लोग के जेकरा के प्रभु के उम्मीद के अनुसार अपना विश्वास के गवाही खातिर , व्यक्तिगत रूप से , मंजूर आ आशीर्वादित कइल जाला। यीशु कहत हउवें : " *फिर भी , तोहनी के सरदीस में कुछ आदमी बाड़े जे आपन कपड़ा अशुद्ध नइखन कइले , आउ लोग हमरा साथे उज्जर कपड़ा पहिनले चल जइहें , काहे कि उ लोग योग्य बाड़े* ." एगो गरि मा के विवाद के कर सकेला जवना के खुद ईसा मसीह मान्यता देले बाड़े ? 1843 अउर 1844 के विश्वास के परीक्षा के विजेता लोग खातिर , यीशु अनन्त जीवन अउर पूरा सांसारिक मान्यता के वादा करेलन जवन आवे वाला *फिलाडेल्फिया संदेश में आधिकारिक रूप ले ली।* " *वस्त्र* " के अशुद्धि के श्रेय मनुष्य के मुक्त व्यवहार के बतावल जाला। " *परिधान* " ईसा मसीह द्वारा आरोपित धार्मिकता होखला के नाते , एह मामला में " *सफेद* ," एकर अशुद्धता पारंपरिक प्रोटेस्टेंट खेमा खातिर एह धार्मिकता के नुकसान के नामित करेला। इहाँ , एकरा उल्टा , अशुद्धि के अभाव दान के अनुसार यीशु मसीह के " *अनन्त धार्मिकता* " के आरोपित के लंबा होखे के संकेत देला । 9:24 के बा। जल्दिये , सब्त के दिन के ज्ञान अउर अभ्यास ओह लोग के एगो वास्तविक पवित्रता , फल अउर यीशु मसीह द्वारा दिहल गइल धार्मिकता के निशानी देई। इ विवेकपूर्ण अउर बुद्धिमान चुनाव जल्दिये उनकरा के पवित्रीकरण अउर स्वर्गीय महिमा में अनन्त बना दिही जवना के प्रतिरूप आवे वाला श्लोक 5 के " *सफेद वस्त्र* " द्वारा कइल गइल बा। आत्मा उनकरा के " *निर्दोष* " घोषित करी : " *अउर उनकरा मुँह में कवनो झूठ ना मिलल , काहे कि उ लोग निर्दोष हवें* (प्रकाशि तवाक्य 14:5)। उ लोग पाई , " *सबके साथे शांति अउर पवित्रता , जवना के बिना कवनो शरीर प्रभु के ना देख पाई* ," पौलुस के अनुसार , इब्रानियों में। 12:14 के बा। ठोस रूप से ई " *सफेद कपड़ा* " पाप के दूर करे के रूप ले ली जवन रोमन अतवार के प्रथा के गठन करेला। काहे कि उ लो ग दू बेर निष्ठा से एकर इंतजार कईले बाड़े , एकरा जगह प , एकर मंजूरी के निशानी के रूप में , परमेश्वर के मुहर उ लोग के सब्त के दिन से दिहल गईल बा जवन कि प्रभु के चुनल लोग के सफेद करे खातिर आवेला , जवन कि उनुकर धार्मिकता के बचावेला। एह तरह से "पवित्र स्थान के शुद् धि " पूरा होला , जवना रूप में ओह समय दानियल 8:14 के अनुवाद भइल रहे। एह संबंध में , 23 अक्टूबर , 1844 से , यीशु एगो स्वर्गीय दर्शन में विजयी चुनल लोग के पवित्र स्थान से पार्थिव पवित्र स्थान के सबसे पवित्र स्थान में जाए के छवि देले। एह तरह से ऊ दृष्टांत में ओह पल के याद कइलन जब क्रूस पर मरत घरी उनकर चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित हो गइल , एह

तरह से " *प्रायश्चित के दिन* ," हिब्रू " *योम किप्पर* " पूरा भइल। ई घटना पहिलहीं से हो चुकल रहे , दर्शन में क्रिया के नवीकरण के उद्देश्य खाली ईसा के मौत से मिलल अनन्त धर्म के पहिला प् राप्ति पर सवाल उठावे के रहे। ई शाब्दिक रूप से सार्डिस के पतित लोग खातिर पूरा होला जेकर प्रदर्शित विश्वास सृष्टिकर्ता भगवान खातिर असंतोषजनक बा। दू गो कारण से , परमेश्वर उनकरा के नकार सकेलन काहे कि उनकर घोषित भविष्यवाणी के सच्चाई के प्रति प्रेम के कमी बा , अउर सब्त के दिन के उल्लंघन के कारण जवन 1843 से दानियल 8:14 के फरमान के लागू होखे से लागू हो गईल बा।

पद 5: " के बा। *जे जीत पाई , उ सफेद कपड़ा पहिन जाई। हम उनकर नाम जीवन के किताब से ना मिटा देब , लेकिन हम अपना पिता के सामने आ उनकर स्वर्गदूत के सामने उनकर नाम कबूल करब .*

ईसा मसीह द्वारा छुड़ावल गइल चुनल एगो आज्ञाकारी प्राणी हवे , जे अपना जीवन अउर अनन्त काल के सृष्टिकर्ता परमे श्वर के ऋणी होखे के बारे में जागरूक , अच्छा , बुद्धिमान अउर न्यायी हवे। इहे ओकर जीत के राज बा। ओकरा से विवाद ना हो सकेला , काहे कि ओकरा हर बात आहर काम के मंजूरी मिल जाला . साथ ही , ऊ खुद अपना मुक्तिदाता के आनन्द हवे जे ओकरा के पहचान लेला आओकरा के अपना नाम से बोलावेला , जबसे ऊ दुनिया के नींव ह जहाँ ऊ ओकरा के अपना पूर्वज्ञान से देखले रहे। एह श्लोक से पता चलत बा कि झूठा धर्मियन के झूठा दावा ओकरा के तइयार करे वालन खातिर भी केतना व्यर्थ आधोखा देबे वाला बा . अंतिम वचन ईसा मसीह के होई जे सब से कहत हउवें : " *हम तोहार का म के जानत बानी* ." एह कामन के अनुसार ऊ अपना झुंड के बँटवारा करेला , अपना दाहिना ओर, *आपन भेड़* , आअपना बाईं ओर, विद्रोही *बकरी आ खिसियाह भेड़िया के रखेला जवन आखिरी न्याय के दूसरा मौत के आग* के किस्मत में लिखल बा .

पद 6: " *जेकर कान बा , उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा।* "

जबकि शाब्दिक रूप से हर केहू आत्मा के भविष्यवाणी के वचन सुन सकेला , लेकिन खाली ओकर चुनल लोग , जेकरा के उ प्रेरित करेला अउर शिक्षित करेला , ओकर अर्थ समझ सकेला। आत्मा विशिष्ट घटना के संदर्भ देला , जवन ऐतिहासिक समय में पूरा भइल बा , एह से चुनल आदमी के धार्मिक अउर धर्मनिरपेक्ष इतिहास में रुचि होखे के चाहीं , अउर पूरा बाइबल में , जवन गवाही , स्तुति अउर भविष्यवाणी के विवरण से बनल बा।

<u>नोट</u> : पद 3 में , यीशु मसीह पतित प्रोटेस्टेंट से कहले बाड़न : " *एह से याद करऽ कि तू कइसे ग्रहण कइले*

*बाड़ऽ अउर कइसे सुनले बाड़ऽ , अउर मजबूती से पकड़ के पश्चाताप करऽ। अगर तू जागल ना रहब त हम चोर निहन आ जाईब , **अउर तोहरा ना पता चली कि हम कवना घड़ी** तोहरा **पर** आईब ।* " एकरा उलट विजेता लोग के वारिस लोग खातिर 2018 के बसंत से इ संदेश में बदल गईल बा कि "अगर रउआ देखब त हम चोर निहन ना आईब, **अवुरी रउआ पता चल जाई कि हम कवना घंटा आपके लगे** आईब । " आप्रभु आपन वादा पूरा कइले बाड़न , काहे कि आजु 2020 में उनकर चुनल लोग के 2030 के बसंत खातिर उनकर असली वापसी के तारीख के जानकारी हो गइल बा . काहे कि दुष्ट सेवकन के प्रति उनकर व्यवहार के विपरीत , “ *प्रभु अपना सेवकन भविष्यवक्ता लोग के चेतावले बिना कुछ ना करेला* ” आमो .3:7।

6वां युग : फिलाडेल्फिया के बा एडवेंटिज्म सार्वभौमिक मिशन में प्रवेश करेला

1843 से 1873 के बीच , शनिचर के दिव्य सब्त के दिन , भगवान द्वारा निर्धारित सच्चा सातवाँ दिन , के बहाल कइल गइल आ सेवेंथ -डे एडवेंटिज्म के अग्रदूत लोग द्वारा अपनावल गइल , जवन एगो आधिकारिक अमेरिकी ईसाई धार्मिक संस्था के रूप ले लिहलस जेकरा के 1863 से कहल जाला : "सेवे न्थ -डे एडवेन्टिस्ट चर्च। " दान .12:12 में तइयार कइल गइल शिक्षा के अनुसार , यीशु के संदेश उनकर चुनल लोग के संबोधित कइल गइल बा जेकरा के सब्त के दिन के विश्राम से पवित्र कइल गइल बा , साल 1873 के तारीख पर।साथे -साथे एह चुनल लोग के दान .12:12 के धन्यता से फायदा होला : " *धन्य बा उ जे इंतजार करेला , 1335 दिन तक!* "

1843 से स्थापित नया मानक 1873 में सार्वभौमिक हो गइल

पद 7: “ ***आ फिलाडेल्फिया के कलीसिया के स्वर्गदूत के लिखीं*** *: इ बात कहत हव कि जे पवित्र बा , जे सच्चा बा , जेकरा लगे दाऊद के चाभी बा , जे खोलेला अउर केहू बंद ना करेला , जे बंद करेला अउर केहू ना खोलेला : »*

फिलाडेल्फिया " नाम से , यीशु अपना चुनल आदमी के देखावेलन। उ घोषणा कईले : " *अगर तोहनी के एक दूसरा से प्रेम बा त सब लोग जान जाई कि तू हमार चेला हउअ। यूहन्ना 13:35" अउर इ फिलाडेल्फिया* के मामला ह जवना के यूनानी जड़ के मतलब बा : भाईचारा के प्रेम। ऊ एकर रचना करे वाला चुनल लोग के चुनले , ओह लोग के विश्वास के परीक्षा में डाल के , आ एह विजेता लोग खातिर उनकर प्रेम उमड़ जाला। ऊ एह संदे श में अपना के पेश करत बाड़न कि : " *पवित्र , सच्चा इहे कहत बाड़न*

." *पवित्र* , काहे कि इ एगो अइसन समय ह जब सब्त के दिन अउर चुनल लोग के पवित्रीकरण दान के फरमान से जरूरी बा। 8:14 1843 के बसंत से लागू भइल *सच्चा* , काहे कि एह भविष्यवाणी के घड़ी में , सच्चाई के नियम बहाल हो गइल बा ; भगवान के 7 मार्च 321 से ईसाई लोग द्वारा अपना 4वां आज्ञा के पवित्रता के रौंदल मिलल बा।उ इहो कहत हउवें : " *जेकरा लगे दाऊद के चाभी बा* । " ई सब सेंट पीटर के चाभी ना ह जवना के दावा रोम के कब्जा ह। " *दाऊद के चाभी* " " *दाऊद के बेटा* " के ह , खुद यीशु , व्यक्तिगत रूप से। केहू अउरी अनन्त उद्धार ना दे सकेला , काहे कि ऊ ई चाभी अपना क्रूस के रूप में " *अपना कंधा पर* " लेके प्राप्त कइले बाड़न , ईसा के अनुसार। 22:22: " *हम दाऊद के घर के चाभी ओकरा कंधा पर रख देब : जब उ खुली त केहु बंद ना होई , जब बंद करी त केहु ना खो ली* । " उनकर यातना के क्रॉस के नामित करे वाला ई कुंजी , एह श्लोक के पूरा करे में , हमनी के इहाँ पढ़ेनी जा : " *जे खुली , अउर केहू बंद ना करी ; जे बंद करी , अउर केहू ना खुली* । " उद्धार के दरवाजा निर्माणाधीन सेवेंथ -डे एडवेन्टिज्म खातिर खुलल आ1843 के बसंत से रोमन संडे धार्मिक के अनुयायी लोग खातिर बंद हो गइल काहे कि ऊ लोग प्रस्तुत सिद्धांतगत सच्चाई के अधीन होखे खातिर सहमत भइल आ अपना विश्वास के साथ उनकर भविष्यवाणी के वचन के सम्मान कइल, ईसा के आत्मा *फिलाडेल्फिया के युग के संतन से कहलस* : " *हम राउर काम जानत बानी। देख , काहे कि रउरा लगे तनी शक्ति बा , आबा हमार बात के पालन कइनी आहमरा नाम से इनकार ना कइनी , हम तोहरा सोझा एगो खुलल दरवाजा रखले बानी , जवना के केहू बंद ना कर सके* ." ई छोट धार्मिक समूह आधिकारिक तौर पर 1863 से ही खाली अमेरिकी रहे , लेकिन 1873 में बैटल क्रीक में आयोजित एगो आम सम्मेलन के दौरान , आत्मा एकरा खातिर एगो सार्वभौमिक मिशनरी दरवाजा खोल दिहलस , जवन ईसा मसीह के सही वापसी तक जारी रहे वाला रहे। केहू एकरा के ना रोकत रहे , आ भगवान एकर देखभाल करत रहले। इ जानल जरूरी बा कि हर अच्छाई जवन यीशु सच् चा संतन में इंगित कइले बाड़न , उहो ओह कारणन के परिभाषित करेला जवना खातिर प्रोटेस्टेंट विश्वास 1843 में गिरल रहे।ई संदेश ठीक उल्टा बा जवना के यीशु पद 3 में *सार्डिस के पतित लोग के संबोधित कइले बाड़न* , काहे कि लक्षित काम खुद उल्टा बा।

प्रकाशितवाक्य 7 के 12 गो त्र बढ़ रहल बा

पद 8: " *हम तोहार काम के जानत बानी , काहे कि तोहरा लगे तनी शक्ति बा , अउर हमार बात के पालन करत बाड़ऽ , अउर हमरा नाम से इनकार नइखी करत , हम तोहरा सामने*

एगो खुला दरवाजा रखले बानी , अउर केहू ओकरा के बंद नइखे कर सकत। "

समय में से चुनल आदमी के ओकर काम पर अनुकूल न्याय कइल जाला जवना के यीशु ओकरा के धार्मिकता के रूप में गिनावेला। उनकर " *छोट शक्ति* " *पद 4 के* " *कुछ आदमी* " के आधार पर समूह के जन्म के पुष्टि करेला 1873 में , यीशु एडवेन्टिस्ट लोग के स्वर्गीय खुला दरवाजा के प्रतीक से उनकर वापसी के ओर बढ़े के घोषणा करेलन जवन 2030 के बसंत में , यानी 157 साल में खुली। बाद में जवन संदेश होई , जवन लौदीकिया के संबोधित बा , यीशु एह दरवाजा के सामने खड़ा हो जइहें , एह तरह से उनकर वापसी के निकटता के संकेत दिहल जाई : " *देखऽ , हम दरवाजा पर खड़ा होके खटखटावत बानी। अगर केहू हमार आवाज सुन के दरवाजा खोलत बा , त हम ओकरा लगे आके ओकरा साथे भोजन करब , अउर उ हमरा साथे।* प्रकाशितवाक्य 3:20"।

ईसाई आस्था तक पहुँच यहूदी लोग के अनुमति दिहलस

पद 9: " *देख , हम ओह लोग के शैतान के आराधनालय में से बना देब , जे कहत हव कि उ यहू दी हवें , लेकिन झूठ बोलत बाड़े , लेकिन झूठ बोलत बाड़े , हम ओह लोग के आके तोहरा गोड़ के सामने आराधना करे के आजान देब कि हम तोहसे प्यार कईले बानी। "*

जाति अउर मांस के अनुसार सच्चा यहूदी लोग के एडवेन्टिस्ट समूह में प्रवेश के हवाला देके , ई श्लोक सब्त के दिन के अराम के बहाली के पुष्टि करेला ; अतवार अब ओह लोग के धर्मांतरण में कवनो बाधा नइखे रहि गइल . काहे कि 321 से एकर परित्याग के परिणामस्वरूप ईमानदार यहूदी लोग के ईसाई आस्था के अपनावे से भी रोकल गइल बा। जाति के यहूदी लोग पर उनकर फैसला पौलुस के व्यक्तिगत राय ना रहे , जे विश्वासी गवाह रहले ; इ यीशु मसीह के रहे जे एह प्रकाशितवाक्य में एकर पुष्टि करेला , जवन कि प्रकाशितवाक्य 2:9 में ही , यहूदी लोग द्वारा निंदा कइल गइल अउर *स्मर्ना युग* के रोमन लोग द्वारा सतावल गइल उनकर सेवकन के संबोधित संदेश में । हमनी के ध्यान दीं कि जाति के यहूदी लोग के परमेश्वर के कृपा से लाभ उठावे खातिर एडवेंटिस्ट मानदंड में मसीही उद्धार के पहचाने के पड़ी। अकेले यूनिवर्सल एडवेंटिज्म ओह दिव्य प्रकाश के लेके चलेला जवना के ई 1873 से **विशेष आधिकारिक भंडार बन गइल बा .लेकिन सावधान रहीं** ! ई प्रकाश , एकर सिद्धांत आ एकर संदेश ईसा मसीह के बिसेस संपत्ति हवें ; कवनो आदमी आ कवनो संस्था अपना उद्धार के खतरा में डालले बिना एकरा विकास के मना ना कर सके . अंत में एह श्लोक में , यीशु

निर्दिष्ट कइले बाड़न "*कि हम तोहरा से प्रेम कइले बानी* ." का एकर मतलब ई होई कि आशीर्वाद के एह समय के बाद अब उ एकरा से प्यार ना कर सकत रहले ? हँ , आ "*लौदीकिया* "के दिहल संदेश के मतलब इहे होखी .

परमेश्वर के आज्ञा अउर यीशु के विश्वास

पद 10: " *काहे कि तू हमार धैर्य के वचन के पालन कइले बाड़ऽ , हम तोहरा के ओह परीक्षा के घड़ी से बचाइब जवन ज्ञात धरती पर आवे वाला बा , ताकि धरती पर रहे वाला लोग के परख करीं।* "

धैर्य शब्द दानियल 12:12 में बतावल गइल एडवेन्टिस्ट इंतजार के संदर्भ के पुष्टि करेला : "*धन्य बा उ जे इंतजार करेला , अउर हजार तीन सौ पैंतीस दिन में आवेला !* " परीक्षा "*धरती के निवासी लोग* " के विश्वास से संबंधित बा , जे लोग "*ज्ञात धरती* " में रहेला , यानी कि यीशु मसीह , सृष्टिकर्ता परमेश्वर द्वारा पहचानल गइल। ई मानवीय इच्छा के परीक्षण करे आ "विश्वव्यापी " खेमा के विद्रोही भावना के उजागर करे खातिर आवेला , जवन ग्रीक "oikomèné" द्वारा एह श्लोक के "*ज्ञात धरती " के नामित करेला।*

ई वादा खाली एह शर्त पर यीशु के प्रतिबद्ध करेला कि संस्था शुरू के विश्वास के गुणवत्ता के बरकरार राखे। अगर एडवेन्टिस्ट संदेश के एह श्लोक में भविष्यवाणी कइल गइल विश्वास के अंतिम सार्वभौमिक परीक्षा के समय तक जारी रहे के बा , त जरूरी नइखे कि ई संस्थागत रूप में होखे। काहे कि धमकी एह संदेश पर मंडरा रहल बा जवन पद 11 में आवेला जवन बाद में आवेला , तब तक बिल्कुल सकारात्मक अउर परमेश्वर के आशीर्वाद से। यीशु के वादा 2030 में उनकर वंशज के जिंदा रहे से संबंधित होई।ओह समय , 1873 के सच्चा चुनल लोग प्रकाशितवाक्य 14:13 के अनुसार "*प्रभु में " सुत गईल होई :" अउर हम स्वर्ग से एगो आवाज सुननी जवन कहत रहे , लिखीं : धन्य हवें उ मुअल लोग जे अब से प्रभु में मरत बा ! हँ , आत्मा कहत हउवें , ताकि उ लोग अपना मेहनत से आराम कर सके , उनकरा खातिर काम उनकरा पीछे चलेला।* " ले किन यीशु जवन आशीष देवेलन उ काम से देखावल व्यवहार ह। "*फिलाडेल्फिया* " के वारिस लोग निष्ठा से , 2030 में , उनकर काम , उनकर विश्वास , स्वर्ग के भगवान के दिहल सच्चाई के उनकर स्वीकार कइल अंतिम रूप में दोबारा पेश करी जवन ऊओह लोग के दिहले होई ; काहे कि अंत तक ओह लोग में बड़हन बदलाव होखी जब ईश्वरीय योजना के समझ सही हो जाई .

ईसा मसीह के एडवेन्टिस्ट वादा अउर उनकर चेतावनी

पद 11: " *हम* ***जल्दी आवत बानी*** *, जवन बा ओकरा के मजबूती से पकड़ीं ताकि केहू तोहार मुकुट ना ले सके।* "

हम ***जल्दी आरहल बानी*** *"* के संदेश एडवेन्टिस्ट प्रकार के बा। एह तरह से ईसा बाकी सब धार्मिक संप्रदाय के परित्याग के पुष्टि करेलन। उनुका महिमा में वापसी के उम्मीद दुनिया के अंत तक बनल रही , जवन कि उनुका असली चुनल लोग के पहचान करे वाला मुख्य मापदंड में से एगो बा। बाकिर बाकी संदेश एगो भारी धमकी के तौलत बा : " *जवन बा ओकरा के पकड़ीं , ताकि केहू राउर मुकुट ना ले सके .* " आओकर ताज के ले सकेला अगर ओकर दुश्मन ना होखे ? एहसे उनुका वंशज के पहिले ओह लोग के पहचान करे के पड़ी आएकर कारण बा कि ऊ लोग अइसन ना कइले होखी कि ओह लोग के मानवतावादी भावना के शिकार हो के ऊ लोग ओह लोग से गठबंधन कर ली जवन 1966 से शुरू होखी .

पद 12: " *जे जीत पाई , हम अपना परमेश्वर के मंदिर में एगो खंभा बनाइब , अउर उ अब बाहर ना निकली , हम ओकरा पर अपना परमेश्वर के नाम लिखब , अउर अपना परमेश्वर के शहर के नाम , नया यरूशलेम , जवन हमरा परमेश्वर से स्वर्ग से उतरत होई —आहमार नया नाम।* "

विजेता लोग के समर्पित आशीष के अंतिम शब्दन में , यीशु मिलल उद्धार के सब छवि के एक साथ ले आवेलन। " *हमरा भगवान के मंदिर में एगो खंभा* " के मतलब बा : हमरा सभा , चुनल आदमी में हमार सच्चाई के ले जाए खातिर एगो ठोस सहारा। " ... *आ उ एकरा के ना छोड़ी।* " *अधिका* ": ओकर उद्धार अनन्त होखी। " ...; *हम ओकरा पर अपना परमेश्वर के नाम लिखब* ": हम ओकरा में अदन में खोवल परमेश्वर के चरित्र के छवि उकेरब। " ... *अउर हमरा परमेश्वर के शहर के नाम* ": उ प्रकाशितवाक्य 21 में वर्णित चुनल आदमी के महिमा में भाग लीहे। "... *नया यरूशलेम के जवन स्वर्ग से हमरा परमेश्वर से उतरेला* ,": " *नया* " के नाम ह महिमामंडित चुनल गइल बा जे परमेश्वर के स्वर्गीय स्वर्गदूतन के तरह पूरा तरह से आकाशीय हो गइल बा *प्रकाशितवाक्य* 21 एकरा के कीमती पत्थर आमोती के प्रतीकात्मक छवि में वर्णन करेला जवन ओह प्रेम के गवाही देला जवन परमेश्वर धरती से अपना छुटकारा पावे खातिर महसूस करेलन ": यीशु अपना नाम के बदलाव के सांसारिक प्रकृति से स्वर्गीय प्रकृति में जाए से जोड़त बाड़न।मुक्त चुनल गइल , चाहे ऊ जिंदा होखे भा जी उठल , उहें अनुभव जीईहें अउर एगो आकाशीय , महिमामंडित , अविनाशी अउर अनन्त शरीर प्राप्त करीहें।

एह श्लोक में , परमेश्वर के साथे तुलना के जिद एह तथ्य से जायज बा कि यीशु खुद चुनल लोग के उनकर ईश्वरीय पहलू में पावल जाला।

पद 13: " *जेकर कान बा , उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा।* "

चुनल आदमी त सबक समझ लेले बा , लेकिन उहे एकरा के समझ सकता। ई साँच बा कि ई संदेश खाली उनुका खातिर तइयार कइल गइल रहे . इ संदेश एह तथ्य के पुष्टि करेला कि प्रकट रहस्यन के व्याख्या अउर समझ खाली परमेश्वर पर निर्भर करेला , जे अपना सेवकन के परखेला अउर चुनेला।

एडवेन्टिस्ट के उम्मीद के संदेश से इनकार कइला के बाद एकरा के उल्टी कर दिहल जाला

" हम ***जल्दी से*** *आवत बानी . जवन बा ओकरा के मजबूती से पकड़ लीं , ताकि केहू राउर ताज ना ले सके* ." अफसोस , ओह समय के आधिकारिक एडवेन्टिज्म खातिर अंत अभी दूर रहे , आ समय के घिसल -पिटल के सा थ, 150 साल बाद , विश्वास अब उहे ना होई। यीशु के चेतावनी जायज रहे , लेकिन ना त ओकरा पर ध्यान दिहल गईल , ना ही समझल गईल। आ1994 में , एडवेंचर संस्था वाकई में आपन " *मुकुट* ," खो दी , ईसा मसीह के दूत एलेन जी व्हाइट द्वारा भविष्यवाणी कइल गइल अंतिम "महान प्रकाश " के नका र के , जवना के भविष्यवाणी "शुरुआती लेखन " अध्याय में "माई फर्स्ट विजन " में पन्ना 14 आ 15 पर कइल गइल बा : निम्नलिखित पाठ एह पन्ना सभ के एगो अंश हवे। हम इहो बतावल चाहब कि उ एडवेन्टिस्ट काम के भाग्य के भविष्यवाणी करेलन अउर प्रकाशितवाक्य 3: 1843-44 ***सार्डिस*** **, 1873** ***फिलाडेल्फिया*** **, 1994** ***लौदीकिया*** **के तीन सभा द्वारा प्रस्तुत सब शिक्षा के संक्षेप में बतावत बाड़न ।**

एडवेंटिज्म के किस्मत के बारे में बतावल गइल बा

एलेन जी व्हाइट के पहिला दृष्टि में खुलासा भइल बा

"जब हम पारिवारिक सेवा में प्रार्थना करत रहनी , त पवित्र आत्मा हमरा पर टिकल रहे , अउर हम अइसन लागत रहे कि हम एह अन्हार दुनिया से ऊपर उठत रहनी। हम अपना एडवेंटिस्ट भाई लोग के अभी भी एह दुनिया में देख के मुड़ गईनी , लेकिन हम ओह लोग के खोज ना कर पवनी। तब एगो आवाज हमरा से कहलस , "फिर से देखऽ , लेकिन तनी ऊँच। " हम एगो खड़ा आसंकरी रास्ता देखनी , जवन कि एह दुनिया से ऊँच रहे उनकर नजर ओकरा पर टिकवले , ऊ लोग सुरक्षित रहे।

बाकिर देखते देखत कुछ लोग थक गइल आ कहल कि शहर अबहीं बहुते दूर बा आ सोचले रहुवे कि ऊ लोग जल्दी ओहिजा चहुँप जाई . तब यीशु आपन गौरवशाली दाहिना बांह उठा के ओह लोग के प्रोत्साहित कइलन जवना से एगो रोशनी निकलल जवन एडवेंटिस्टन पर बहल। ऊ लोग चिल्ला के कहलस , "हलेलूयाह !" बाकिर ओहमें से कुछ लोग एह रोशनी के बेशर्मी से नकार दिहल आ कहल कि भगवान ना हउवें जे ओह लोग के अगुवाई कइले बाड़न . पीछे जवन रोशनी रहे उ आखिरकार बुझ गईल , अवुरी उ लोग अपना के गहिराह अन्हार में पा गईले। उ लोग ठोकर खा के लक्ष्य अउर यीशु दुनो के नजर से दूर हो गईले , फिर रास्ता से गिर गईले अउरी नीचे के दुष्ट दुनिया में डूब गईले।

परमेश्वर द्वारा युवा एलेन गाउल्ड -हारमोन के दिहल एह पहिला दर्शन के विवरण एगो कोडित भविष्यवाणी के गठन करेला जवन दानियल या प्रकाशितवाक्य के भविष्यवाणी के जइसन मूल्यवान बा। बाकिर एकर फायदा उठावे खातिर हमनी के एकर सही व्याख्या करे के पड़ी . त हम एकरा के समझा देब ।

अभिव्यक्ति मत्ती 25:1 से 13 तक के "दस कुंवारी के दृष्टांत " में दूल्हा के आवे के घोषणा के संदर्भ देला। 1843 के बसंत में मसीह के वापसी के इंतजार करे के परीक्षा आ 1844 के शरद ऋतु के परीक्षा पहिला आ दूसरा पूरा होखे के गठन कइलस ; एक साथ , ई दुनो उम्मीद कहानी के "पहिला रोशनी " के प्रतिनिधित्व करेला जवन "सेवेन्थ -डे एडवेन्टिस्ट " के समूह के "पीछे " रखल गईल रहे जवन समय के साथ , यीशु मसीह के आशीर्वादित रास्ता या रास्ता पर आगे बढ़त रहे। एडवेन्टिस्ट अग्रदूत लोग खातिर 1844 दुनिया के अंत के तारीख के प्रतिनिधित्व करत रहे अउर अं तिम बाइबिल के तारीख के प्रतिनिधित्व करत रहे जवना के भविष्यवाणी ओह समय के चुनल लोग के प्रस्तावित कर सकत रहे। एह अंतिम तिथि के पार क के उ लोग ईसा के वापसी के इंतजार करत रहले , इ सोच के कि इ आसन्न बा। बाकिर समय बीत गइल आयीशु अबहियों लवटल ना ; ई दर्शन ई कह के का उकसावत बा : "उनका पता चलल कि शहर बहुत दूर बा आऊ लोग सोचले रहे कि ऊ लोग जल्दी ओहिजा चहुँप जाई "; मने कि 1844 में भा ओह तारीख के कुछ समय बाद। साथ ही , हतोत्साह लगभग साल 1980 तक ओह लोग पर काबू पा लिहलस जब हम मंच पर ना अइनी , ई नया अउर गौरवशाली प्रकाश मिलल जवन **तीसरा एडवेन्टिस्ट उम्मीद के निर्माण करेला** . अबकी बेर ईसा के वापसी **1994 के शरद ऋतु खातिर तय बा** , निश्चित रूप से , एह संदेश के घोषणा खाली फ्रांस में वैलेंस -सुर -रोन में स्थित सार्वभौमिक एडवेंटिज्म के एगो सूक्ष्म जगत से संबंधित रहे। फ्रांस के दक्षिण -पूर्व के एह छोट शहर खातिर भगवान

के पसंद के आपन सफाई बा। उहाँ पोप पायस छठवाँ हिरासत में मर गइलन , 1799 में , जवना से प्रकाशितवाक्य 13:3 में भविष्यवाणी कइल गइल तथ्य के पूरा कइल गइल। इहे ना , वैलेंस उ शहर रहे जहाँ भगवान फ्रांस के धरती प आपन पहिला एडवेन्टिस्ट चर्च के स्थाप ना कईले रहले। उहाँ उ आपन दिव्य गौरवशाली अंतिम प्रकाश लेके अइले आ2020 के अंत में हम पुष्टि करत बानी कि हम लगातार आनिष्ठा से उनुका से उनकर आखिरी सबसे अनमोल खुलासा मिलल बा जवन हम एह दस्तावेज में प्रस्तुत करत बानी। वैलेंसियाई एडवेंटिस्ट सूक्ष्म जगत हमनी के बहिन एलेन के दर्शन में अंतिम गौरवशाली प्रकाश से संबंधित हिस्सा के पूरा करे खातिर एगो सार्वभौमिक दृश्य के काम कइलस। इ दर्शन हमनी के उ न्याय के प्रकट करेला कि यीशु वैलेंसिया में रहल अनुभव के आगे बढ़ावेलन , यानी दस कुंवारी के दृष्टांत के तीसरा पूर्ति। यीशु सच्चा एडवेन्टिस्ट के ओह व्यवहार से पहचानेलन जवन उनकर प्रस्तुत प्रकाश के प्रति बा। सच्चा एडवेंटिस्ट "हलेलूयाह !" के साथ आपन खुशी व्यक्त करेला ; आत्मा के आशीर्वाद से ऊ अपना बर्तन में तेल भर दिहलन। एकरा उलट झूठा एडवेंटिस्ट लोग "बेशर्मी से एह रोशनी के नकार देला। " दि व्य प्रकाश के ई अस्वीकार ओह लोग खातिर घातक बा , काहे कि भगवान ओह लोग के प्रेरित संदेशन में एह नकारात्मक प्रतिक्रिया के खिलाफ चेतवले रहले , जवन ओह लोग खातिर इरादा रहे , अपना दूत के प्रति ; ऊ खाली बर्तन बन जइहें जवन दीपक के "प्रकाश " पैदा करे वाला तेल से वंचित हो जइहें . एकर अनिवार्य परिणाम के घोषणा कइल जाला : "जवन रोशनी ओह लोग के पीछे रहे ऊ अंत में बुझ जाई "; ऊ लोग एडवेन्टिज्म के नींव के मूल बातन से इनकार करेला . यीशु आपन सिद्धांत के लागू करेलन : " *काहेकि जेकरा लगे बा , ओकरा के दिहल जाई , अउर ओकरा लगे भरपूर होई , लेकिन जे करा लगे नइखे , उ ओकरा से छीन लिहल जाई।* मत्ती 25:29। " "...अंत में ऊ लोग लक्ष्य आईसा दुनों पर नजर हटा दिहल ," ऊ लोग एडवेंटिस्ट संदेशन के प्रति असंवेदनशील हो जाला जवन मसीह के वापसी के घोषणा करेला , या ऊ लोग एडवेंटिस्ट आंदोलन के लक्ष्य से इनकार करेला जवन ठीक "एडवेंटिस्ट " नाम से लिखल गइल बा ; "फिर ऊ लोग रास्ता से गिर के नीचे के दुष्ट दुनिया में डूब गइल " 1995 में ई लोग आधिकारिक तौर पर प्रोटेस्टेंट गठबंधन आ विश्वव्यापीता के प्रति अपना के प्रतिबद्ध कइल। एह तरह से उ लोग यीशु के खो देले , अउर स्वर्ग के प्रवेश द्वार जवन एडवेन्टिस्ट विश्वास के लक्ष्य रहे। उ लोग , दान .11:29 के अनुसार , " *पाखंडी लोग* ," अउर " *शराबी लोग* " के साथे जुड़ गइलन , जइसन कि यीशु मत्ती 24:50 में

घोषणा कइले बाड़न ; काम के शुरुआत में देखावल गइल चीजन के .

आज इ भविष्यवाणी के बात पूरा हो गईल बा। ई 1844 के बीच पू रा भइल , "ओकनी के पीछे " पहिला रोशनी के तारीख आ 1994 के बीच , फ्रांस में स्थापित पहिला एडवेन्टिस्ट चर्च द्वारा खारिज कइल गइल महान भविष्यवाणी प्रकाश के तारीख , वैलेंस -सुर -रोन शहर में , जवना के भगवान अपना प्रदर्शन खातिर इस्तेमाल कइले रहलें। आज आधिकारिक एडवेन्टिज् म सच्चाई के दुश्मन प्रोटेस्टेंट आ कैथोलिक लोग के साथे विश्वव्यापीता के "गहिरा अन्हार " में बा।

7वां युग : लौदीकिया के बा संस्थागत एडवेंटिज्म के अंत – तीसरा एडवेंटिस्ट अपेक्षा के अस्वीकार।

पद 14: " ***आलौदीकिया के कलीसिया के स्वर्गद्वत के लिखीं*** : *परमेश्वर के सृष्टि के शुरुआत , विश्वासी अउर सच्चा गवाह , आमीन इहे कहत हउवें :* "

लौदीकिया सातवाँ आ अंतिम युग के नाँव हवे ; कि संस्थागत एडवेन्टिज्म के आशीर्वाद के अंत के। एह नाँव के दू गो ग्रीक मूल "लाओस , दिकेइया " बा जेकर मतलब होला : "जज कइल लोग। " हमरा से पहिले एडवेंटिस्ट एकर अनुवाद कइले रहले : "न्याय के लोग ," लेकिन संस्था के एह बात के जानकारी ना र हे कि इ फैसला एकरा से शुरू होई , जईसे कि 1 पतरस। 4:17 सिखावेला : " ***काहेकि न्याय के समय आगईल बा कि परमेश्वर के घर से शुरू होखे।*** *अब अगर इ सबसे पहिले हमनी से शुरू होखे त उ लोग के अंत का होई जे परमेश्वर के सुसमाचार के पालन ना करेला ?* " यीशु खुद के इ कहत पेश करेल न : " *इहे बात ह जवन आमेन , विश्वासी अउर सच्चा गवाह , परमेश्वर के सृष्टि के शुरुआत के द्वारा कहल गइल ह :* " हिब्रू में *आमेन* शब्द के मतलब ह : सच्चाई में। प्रेरित यूहन्ना के गवाही के अनुसार , यीशु एकर प्रयोग अक्सर (25 बार) कइलेन , एकरा के दू बेर दोहरावत , शुरू में , अपना घोषणा से पहिले। बाकिर पारंपरिक धार्मिक प्रथा में ई प्रार्थना भा घोषणा के अंत खातिर विराम चिन्ह बन गइल बा . एकरे बाद एकर व्याख्या अक्सर कैथोलिक धर्म से बिरासत में मिलल "अइसन होखे " के अर्थ में कइल जाला। आ आत्मा एह अवधारणा के इस्तेमाल " *सच्चाई में* " *अमेन* शब् द के आपन बिल्कुल जायज दोहरा अर्थ देवे खातिर करेला। *लौदीकिया* उ समय ह जब यीशु अंतिम समय खातिर तैयार भविष्यवाणी के पूरा तरह से रोशन करे खातिर एगो बड़हन रोशनी के पेशकश करेलन। जवन किताब रउरा पढ़त बानी ऊ एकर

प्रमाण बा . जवन चीज यीशु अउर आधिकारिक एडवेन्टिस्ट संस् था के बीच टूट के पैदा करी उ ह उनकर प्रकाश के अस्वीकार। एगो तार्किक अउर जायज चुनाव में , परमेश्वर एडवेंटिज्म के , 1980 से 1994 के बीच , ओह मॉडल के मॉडल पर विश्वास के परीक्षा के अधीन कर दिहलन जवना के परिणामस्वरूप प्रोटेस्टेंट लोग के नुकसान आ एडवेन्टिस्ट अग्रदूत न के आशीर्वाद मिलल रहे। परीक्षा पहिले से ही 1843 के बसंत खातिर , फिर 1844 के शरद ऋतु खातिर , यीशु के वापसी में विश्वास पर आधारित रहे , अपना बारी में , 1983 से , हम 1994 खातिर यीशु के वापसी के एगो घोषणा साझा करे लगनी , जवना के इस्तेमाल प्रकाशितवाक्य 9:5-10 में " *पांचवा तुरही* " के संदेश में उद्धृत " *पांच महीना* " *के कइल गइल बा। एह विषय के 1844 में प्रोटेस्टेंट धर्म के अभिशाप के जिम्मेदार ठहरा के , उद्धृत* " *पांच महीना* " के अवधि , यानी 150 वास्तविक साल , 1994 तक ले गईल।एह काल के अंत के चिन्हित करे खातिर खाली ईसा मसीह के वापसी देख के , आपाठ के एगो विस्तार पर भगवान द्वारा आंशिक रूप से आन्हर होके , हम ओह बात के बचाव कइनी जवना के हम एगो ईश्वरीय सच्चाई मानत रहनी। आधिकारिक चेतावनी के बाद संस्था नवंबर 1991 में हमरा के निष्कासन के घोषणा कईलस ; ई , जबकि अबहीं तीन साल बचल रहे हमरा घो षणा के साबित करे आ नकार देबे में . बाद में , लगभग 1996 के आसपास , एह अनुभव के असली मतलब हमरा साफ हो गईल। " *लौदीकिया* " के लिखल अपना चिट्ठी में यीशु द्वारा कहल गइल शब्द अभी पूरा भइल रहे अउर अब सटीक अर्थ ले लेले रहे। 1991 में एडवेंटिस्ट , जे गुनगुना हो गइल रहे , अब सच्चाई से ओतना प्यार ना करत रहे जतना 1873 में रहे , आधुनिक दुनिया भी ओह लोग के बहका के आदिल जीत के कमजोर कर देले रहे। जइसे कि " *इफिसुस* " युग में आधिकारिक एडवेन्टिज्म आपन " *पहिला प्रेम* " खो देले रहे। आयीशु " *ओकर मोमबत्ती आमुकुट हटा दिहलन* ," काहे कि ऊहो अब योग्य ना रहे। एह तथ्यन के आलोक में संदेश स्पष्टता के साथे चमकदार हो जाला। " *आमीन* " शब्द पूरा सच्चाई के मांग आ धन्य रिश्ता के अंत के पुष्टि करेला। *उ* " *गवाह* " *के बा वफादार आ सच्चा* " बेवफा आ झूठा चुनल आदमी के नकार देला। " *भगवान के सृष्टि के सिद्धांत* ," एह से सृष्टिकर्ता , सामूहिक रूप से अयोग्य लोग के बुद्धि के बंद करे आवेला आव्यक्तिगत रूप से अपना चुनल लोग के बुद्धि के उद्घाटन के कहानी में निहित आछिपल सच्चाई के ओर खोल देला। साथे -साथे , " *भगवान के सृष्टि के सिद्धांत* " के उकसा के। *जवना के उ* " *आमीन* " शब्द से जोड़ त बाड़े , आत्मा यीशु मसीह के अंतिम वापसी के बहुत नजदीक के पुष्टि करेला : " ***तुरंत*** "। एकरा बावजूद

36 साल अभी भी 1994 से 2030 के बीच बीत जाई , जवन कि धरती प मानवता के अंत के तारीख ह।

घातक गुनगुनापन के

पद 15: " *हम तोहार काम के जानत बानी , हम जानत बानी कि तू ना ठंडा बाड़ू ना गरम , का तू ठंडा होखब ना गरम !* "

अनौपचारिक "तू " के प्रयोग संस्था के संबोधित बा। ई बाप से बेटा -बेटी के विरासत में मिलल धर्मन के फल ह , जहाँ आस्था पारंपरिक , औपचारिक , दिनचर्या आ कवनो नया चीज से डेराए वाला हो जाला ; ऊ स्थिति जवना में यीशु अब एकरा के आशीर्वाद ना दे सकेलें जब उनका लगे एतना नया रोशनी बा कि ऊ एकरा के साझा कर सके .

पद 16: " *त, काहे कि तू गुनगुना बाड़ू , ना ठंडा बाड़ू , ना गरम , हम तोहरा के अपना मुँह से उखाड़ देब।* "

ई अवलोकन नवंबर 1991 में ईसा द्वारा कइल गइल रहे , जब उनकर संदेश लेके चले वाला भविष्यवक्ता के आधिकारिक संस्था द्वारा निकाल दिहल गइल। 1994 के बसंत में उनुकर उल्टी हो जाई , जईसे कि यीशु घोषणा कईले रहले। एकर सबूत ऊ खुदे 1995 में कैथोलिक चर्च के ओर से आयोजित विश्व व्यापी गठबंधन में प्रवेश क के देती , जहाँ ऊ विद्रोही प्रोटेस्टेंट लोग के साथे जुड़ जइहें , काहें से कि अब ऊ ओह लोग के अभिशाप के साझा करत रहली।

आध्यात्मिक धरोहर पर आधारित धोखा देवे वाला भ्रम

पद 17: " *काहे कि तू कहत बाड़ू , 'हम धनी हईं आधन से बढ़ल बानी आ हमरा कुछुओ के जरूरत नइखे ,' अउर इ नइख जानत कि तू दरिद्र , दयनीय , गरीब , आन्हर आनंगा हउअ ,* "

"... *अमीर* ," एडवेंटिस्ट चुनल आदमी 1873 में रहे , आ एलेन जी व्हाइट के दिहल गइल कई गो खुलासा उनका के आध्यात्मिक रूप से अउरी समृद्ध कइलस। लेकिन भविष्यवाणी के स्तर प ओह समय के व्याख्या जल्दीए पुरान हो गईल , जईसे कि प्रभु के दूत के पति जेम्स व्हाइट सही सोचले रहले। यीशु मसीह , जीवित परमेश्वर , अपना भविष्यवाणी के अंतिम , सिद्ध अउर निर्दोष पूर्ति खातिर डिजाइन कइले बाड़न। एही से दुनिया में भारी बदलाव ले आवे वाला समय के बीतला से मिलल आ सि खावल व्याख्या पर लगातार सवाल उठावल जायज ठहरावल जाला . प्रभु के आशीर्वाद सुरक्षित बा ; यीशु कहले : " *जे अंत तक हमार काम के पालन करेला* । " हालांकि 1991 में , उहाँ के रोशनी के अस्वीकार करे के तारीख , अंत अभी बहुत दूर रहे। एह से उनुका खुद के चुनल साधन के माध्यम से भगवान के ओर से प्रस्तावित कवनो नाया प्रकाश के प्रति ध्यान देवे के पड़ी। संस्था के भ्रम अउर ओह अवस्था के बीच केतना विपरीत

बा जवना में यीशु ओकरा के देखत बाड़न अउर न्याय करत बाड़न ! उद्धृत सभ शब्दन में से " *नंगा* " शब्द कवनो संस्था खातिर सबसे गंभीर बा , काहे कि एकर मतलब ई बा कि यीशु ओकरा से आपन शाश्वत न्याय वापस ले लिहले बाड़न , ई उनकर मुँह में बा , मौत के सजा आअंतिम न्याय के दूसरा मौत के सजा ; 2 कुरिन्थियों में जवन लिखल बा ओकरा अनुसार। 5:3: " *एह से हमनी के एह डेरा में कराहत बानी जा , आ अपना स्वर्गीय निवास के कपड़ा पहिरे खातिर तरसत बानी जा , अगर हमनी के कपड़ा पहिनले मिल जाइब जा अउर नंगा ना ।* "

वफादार आसच्चा गवाह के सलाह

पद 18: " *हम तोहके सलाह देत बानी कि हमरा से आग में परीक्षण कइल सोना खरीदीं ताकि तू अमीर होखऽ , आ सफेद कपड़ा खरीदीं , ताकि तू कपड़ा पहिन सकीले अउर तोहनी के नंगापन के लाज ना लउके , अउर आँख पर आँख के दवाई से अभिषेक करीं , ताकि तू देख सकी।* "

1991 के आकलन के बाद संस्थान के लगे अभी भी तीन साल के समय रहे कि उ अपना के संशोधित क के पश्चाताप के फल पैदा करे जवन कि ना आईल। आ एकरा उलट , पतित प्रोटेस्टेंट लोग से एकर संबंध एतना कस दिहल गइल कि 1995 में प्रकाशित एगो आधिकारिक गठबंधन हो गइल।ईसा अपना के सच्चा विश्वास के विशेष व्यापारी के रूप में पेश करेलन , " *आग से परखल सोना* " परीक्षा के। कलीसिया के उनकर निंदा के प्रमाण " *सफेद कपड़ा* " के अभाव में लउकेला जवना के उनकर अग्रदूत " *योग्य* " रहले प्रकाशितवाक्य 3:4 में। एह तुलना से , यीशु एह तथ्य के देखावत बाड़न कि ऊ वाकई में , 1994 से पहिले , " *लौदीकिया* " के एडवेन्टिस्ट लोग के एगो एडवेन्टिस्ट अपेक्षा के अधीन करे लें जे 1843 आ1844 के तारीख से पहिले के अपेक्षा के समान रहे ; ताकि तीनों अनुभव में विश्वास के परीक्षण कईल जा सके , जईसे कि 1844 में " *सार्डिस* " के एडवेन्टिस्ट के संबोधित संदेश में सिखावल गईल बा । बंद , विद्रोही रवैया में , संस्था ई ना समझ पवलस कि यीशु एकरा के का खातिर निंदा करत बाड़न ; ई " *आन्हर* " रहे , जइसे कि यीशु के पार्थिव सेवा के फरीसी लोग। एह से , मत्ती के दृष्टांत में " *बहुत दाम के मोती* " *खरीदे के मसीह के निमंत्रण के ना समझ सकत रहे।* 13:45-46, जवन परमे श्वर के द्वारा जरूरी अनन्त जीवन के मानक के प्रतिरूप के परिभाषित करेला जवन प्रकाशितवाक्य 3 के एह पद 18 में प्रकट कइल गइल बा।

दयालु आह्वान के बारे में बतावल गइल बा

पद 19: " *हम जेकरा से प्यार करेनी , ओकरा के डांटत बानी आ ताड़त बानी , एह से जोश में रहीं अउर पश्चाताप करीं।* "

सजा ओह लोग खातिर बा जेकरा से यीशु उल्टी करे के हद तक *प्यार करेलन* / पश्चाताप के पुकार नइखे सुनल गइल। आ प्रेम विरासत में ना मिलेला ; एकरा के इज्जत के माध्यम से अर्जित कईल जाला। संस्था कठोर हो गइला के बाद , यीशु एगो व्यक्तिगत अपील जारी करेलन , स्वर्गीय व्यवसाय के उम्मीदवारन से कहत बाड़न कि :

सार्वभौमिक आह्वान के बा

पद 20: " *देखऽ , हम दरवाजा पर खड़ा होके खटखटावत बानी , अगर केहू हमार आवाज सुन के दरवाजा खोली त हम ओकरा लगे आके ओकरा साथे भोजन करब , आउ हमरा साथे .*"

दरवाजा " शब्द प्रकाशितवाक्य 3:8 में , इहाँ प्रकाशितवाक्य 3:20 में , प्रकाशितवाक्य 4:1 में , अउर प्रकाशितवाक्य 21:21 में आवेला। प्रकाशितवाक्य 3:8 हमनी के याद दिलावत बा कि दरवाजा *खुलेला* अउर प्रवेश बंद करेला। एह तरह से उ लोग विश्वास के परीक्षा के प्रतीक बन जाला जवन मसीह , उनकर धार्मिकता अउर उनकर अनुग्रह के पास पहुँच के खोलेला या बंद करेला।

दुआर " शब्द के तीन गो अलग-अलग बाकिर पूरक अर्थ लिहल गइल बा। इ खुद यीशु के नामित करेला : " *हम दरवाजा हईं* . यूहन्ना 10:9"; प्रकाशितवाक्य 4:1 में *स्वर्ग के दरवाजा खुलल : " स्वर्ग में एगो दरवाजा खुलल रहे।* "; अउर मानव दिल के *दरवाजा* जवना के खिलाफ यीशु खटखटावे आवेलन ताकि चुनल आदमी के अपना प्रेम के प्रमाण देवे खातिर आपन दिल खोले खातिर आमंत्रित कइल जा सके।

उनकर प्राणी के बस इहे करे के बा कि उ आपन प्रकट सच्चाई के सामने आपन दिल खोलस ताकि उ अउरी उनकर दिव्य सृष्टिकर्ता के बीच एगो अंतरंग साझीदारी संभव हो सके। *रात के खाना* साँझ के बाँटल जाला , जब रात आवेला कि दिन के काम के अंत हो जाला। मानवता जल्दिये एह प्रकार के रात में प्रवेश करी " *जहाँ केहू काम ना कर सकेला।* (यूहन्ना 9:4)"। परिवीक्षा के समय के अंत हमेशा खातिर इंसान , पुरुष अवुरी महिला के अंतिम धार्मिक पसंद के जम दिही , जवन कि मांस के स्तर प समान रूप से जिम्मेदार अवुरी सख्ती से पूरक होखे।

फिलाडेल्फिया के संदेश के तुलना में , चुनल गइल *लौदीकिया के युग में बा* , यीशु मसीह के वापसी के आसन्नता में। " *खुलल दरवाजा " स्वर्ग में* "

प्रकाशितवाक्य 4:1 में एह संदेश के साथ निरंतरता में खुली।

आत्मा के आखिरी सलाह दिहल जाला

व्यक्तिगत विजेता के , यीशु घोषणा करेलन कि :

पद 21: " *जे जीत पाई ओकरा के हम अपना सिंहासन पर अपना साथे बइठे के अनुमति देब , जइसे हम भी जीत के अपना पिता के साथे उनकर सिंहासन पर बइठ गइनी।* "

एह तरह से ऊ स्वर्गीय न्याय के गतिविधि के घोषणा करेला जवन एह संदेश के बाद आवेला आजवन अपो के विषय होई। 4. बाकिर ई वादा ओकरा के खाली सही मायने में चुनल विजेता के प्रति प्रतिबद्ध कर देला .

पद 22: " *जेकर कान बा , उ सुनस कि आत्मा कलीसिया से का कहत बा।* "

चिट्ठी " के विषय के अंत एह नया संस्थागत असफलता से होला। आखिरी , काहे कि अब से प्रकाश के कवनो प्रेरित आदमी ले जाई , फेर एगो छोट समूह . एकरा के व्यक्तिगत रूप से एक व्यक्ति से दूसरा व्यक्ति में अउर इंटरनेट के माध्यम से संचारित कईल जाई जवना के यीशु खुद अपना चुनल लोग के अपना नवीनतम सच्चाई के प्रसार के स्रोत तक ले जाके निर्देशित करीहे , जवन कि उनकर दिव्य व्यक्ति के रूप में पवित्र बा। एह तरह से , जहाँ भी उ धरती पर बा : " *जेकरा कान बा , उ सुनस कि आत्मा सभा से का कहत बा !* "

अगिला विषय संतन द्वारा दुष्टन के न्याय के स्वर्गीय सहस्राब्दी में सेट कइल जाई। पूरा विषय पूरा प्रकाशितवाक्य 4, 11, अउर 20 में बिखराइल शिक्षा पर आधारित बा , लेकिन प्रकाशितवाक्य 4 एह गतिविधि के स्वर्गीय संदर्भ के साफ -साफ पुष्टि करेला , जवन कालक्रम से पार्थिव चु नल गइल के अंतिम युग के पालन करेला।

प्रकाशितवाक्य 4 : स्वर्गीय न्याय

पद 1: " *एकरा बाद हम देखनी , त देखनी कि* ***स्वर्ग में एगो दरवाजा खुलल बा*** *, जवन हम सुननी , उ तुरही निहन हमरा से बात करत रहे , उ कहलस कि ,* ***इहाँ चढ़ जा , अवुरी हम तोहरा के उ बात देखा देब , जवन कि बाद में होखे वाला होई*** । "

इ कह के कि , " *पहिला आवाज जवन हम सुनले रहनी उ तुरही के आवाज निहन रहे* ," आत्मा एह " *लौदीकिया* " युग के संदेश के परिभाषित करेले , जवना में उ

प्रकाशितवाक्य 1:10 में यूहन्ना के ले गईले : " *हम प्रभु के दिन आत्मा में रहनी , अवुरी हम अपना पीछे एगो तेज आवाज सुननी , जवन कि तुरही के आवाज़ निहन रहे* । " एह से *लौदीकिया* उ युग ह जवना के अंत " *प्रभु के दिन* " से चिन्हित बा , जवन कि उनकर महान गौरवशाली वापसी के ह।

लौदीकिया के संदेश के साथे उत्तराधिकार के विचार के मजबूती से समर्थन करेला । ई परिशुद्धता महत्वपूर्ण बा , काहे कि संस्था कबो अपना विरोधियन के आपन स्वर्गीय न्याय के सिद्धांत साबित ना कर पवलसि . आज़ हम एकर प्रमाण लेके आवत बानी , जवन प्रकाशितवाक्य 2 अउर 3 के *पत्रन* के संदेशन से जुड़ल तिथि के सही परिभाषा से संभव भइल बा।लाओदीकिया अउर प्रकाशितवाक्य 4 *के बीच* , प्रकाशितवाक्य 11 के " *सातवाँ तुरही* " के साथ , यीशु शैतान अउर विद्रोही आदमी से धरती पर उनकर " *दुनिया के राज्य पर प्रभुत्व* " *ले लिहले। प्रकाशितवाक्य 14 के* " *फसल*" के साथ , उ अपना चुनल लोग के स्वर्ग में ले गईले अउर दुष्ट मुअल लोग के बीतल सांसारिक जीवन के अपना साथे न्याय करे के काम सौंप दिहले। तब ह कि " *जे जीत पाई उ लोहा के छड़ी से राष्ट्रन पर राज करी* " जइसन कि प्रकाशितवाक्य 2:27 में घोषणा कइल गइल बा। अगर सतावे वाला लोग के भी हमरा जइसन भाग्य के निश्चय रहित जवन ओह लोग खातिर सुरक्षित रहे त एहमें कवनो संदेह नइखे कि ऊ लोग आपन व्यवहार बदल लेत . बाकिर ठीक ओह लोग के उग्र इच्छाशक्ति ह कि कवनो अइसन चेतावनी के अनदेखी करसु जवन ओह लोग के सबसे खराब काम में ले जाला आएह तरह से ऊ लोग अपना खातिर सबसे खराब सजा के तइयारी करेला जवना के वर्तमान पार्थिव हालात में दोबारा ना बनावल जा सके . आईं हमनी के एह अध्याय 4 के पाठ पर वापस आ जाईं जा। " *पहिला आवाज जवन हम सुननी , उ तुरही के आवाज निहन , हमरा से बात करत , कहलस , 'इहाँ ऊपर आ जा , अवुरी हम तोहरा के देखा देब कि आगे का होखे के चाही* । '" यूहन्ना प्रकाशितवाक्य 1 के पद 10 के हवाला देले बाड़े : " *हम प्रभु के दिन आत्मा में रहनी , अवुरी हम अपना पीछे एगो तेज आवाज़ सुननी , जईसे कि तुरही के आवाज़* । " मसीह के महिमा में वापसी के ई विषय पहिलहीं से पद 7 में उकसावल गइल बा जहाँ लिखल बा : " *देखऽ , ऊ बादल के साथे आवत बाड़न। आहर आँख उनका के देखाई , उहो जे उनका के छेदले बा ; आधरती के सब गोत्र उनकरा चलते विलाप करीहें। हँ। आमीन !* » एह तीनों ग्रंथन के सुझावल संबंध प्रभु यीशु के वापसी के दिन के अंतिम महिमापूर्ण संदर्भ के पुष्टि करेला , जेकरा के उनकरा द्वारा *माइकल भी कहल जाला।* " दीक्षित चुनल गइल आ उनकर वफादार स्वर्गदूत अगर

ईसा के आवाज के तुलना *तुरही से कइल जाला* , त एकर कारण बा कि , सेना के एह ध्वनित वाद्ययंत्र के तरह , अपना स्वर्गीय स्वर्गदूत सेना के सिर पर , यीशु लड़ाई शुरू करे खातिर अपना सैनिकन के बजावेला एकरा अलावा , *तुरही निहन , उनकर आवाज* अपना चुनल लोग के अपना के रूप में पहरा देवे खातिर चेतावे के काम नइखे कइले पाप अउर मौत के जीत लिहले एह शब्द के उकसाव के , यीशु हमनी के अपना सब प्रकाशितवाक्य में सबसे रहस्यमयी अउर महत्वपूर्ण विषय देखावेलन अउर इ सही बा कि इहाँ , प्रकाशितवाक्य 4:1 में , वर्णित दृश्य अधूरा बा *काहे* कि इ खाली उनकर चुनल गइल बा जेकरा के उ मौत से बचावे खातिर आवेला प्रकाशितवाक्य 6:16 में एह खुलासा करे वाला शब्दन में वर्णित : " *आउ लोग पहाड़ आचट्टान से कहलस , "हमनी पर गिर जा , आसिंहासन पर बइठल के चेहरा से आमेमना के क्रोध से हमनी के छिपा द , काहेकि उनकर क्रोध के बड़हन दिन आगइल बा , अउर के खड़ा हो सकेला ?"* " एह सवाल के , जवन कि बिना कवनो जवाब के लटकल बा , परमेश्वर अध्याय 7 में प्रस्तुत करीहे जवन ओह लोग के पीछे चलेला जे विरोध कर सकेला : मुहर लगावल चुनल लोग के प्रतीक 144,000 के संख्या से बा , 12 वर्ग के भीड़ , या 144। लेकिन इ खाली चुनल लोग हवे जे मसीह के वापसी में जिंदा रहलन। अब, प्रकाशितवाक्य 4 के एह संदर्भ में , स्वर्ग में लेवे के उ चुनल लोग के भी संबंध बा जे तब से मर चुकल बा। " हाबिल , जेकरा के यीशु उनकरा के भी देवे खातिर जिंदा कर देलन , उनकरा विश्वास के वादा कइल इनाम : अनन्त जीवन भी , जब यीशु यूहन्ना से कहत हउवें : " *इहाँ ऊपर आ जा !*" ", आत्मा खाली एह छवि के द्वारा , यीशु मसीह के खून से छुड़ावल गइल सब चुनल लोग के परमेश्वर के स्वर्गीय राज्य में चढ़े के पूर्वानुमान करेला। स्वर्ग में ई चढ़ाई पार्थिव मानवीय स्वभाव के अंत के निशानी ह, चुनल लोग के परमेश्वर के विश्वासी स्वर्गदूतन के तरह जिंदा कइल जाला , मत्ती 22:30 में यीशु के शिक्षा के अनुसार। मांस अउर ओकर अभिशाप समाप्त हो जाला , उ लोग चल जाला उनकरा पीछे बिना अफसोस *के* । प्रकाशितवाक्य 16:16 में भविष्यवाणी कइले बाड़न।

पद 2: “ *तुरते हम आत्मा में आगइनी , आदेखऽ , स्वर्ग में एगो सिंहासन बइठल रहे , आएगो सिंहासन पर बइठल रहे* .”

स्वर्ग " " में चढ़ल *ओह लोग के आत्मा में रैप्चर करेला* " अउर उ लोग के आकाशीय आयाम में प्रक्षेपित कइल जाला जवन आदमी खातिर हमेशा खातिर दुर्गम रहेला , काहे कि परमेश्वर उहाँ राज करेलन अउर दिखाई देवेलन।

पद 3: " *बईठल के यास्पर आसार्डियस के पत्थर नियर लउकत रहे , आ सिंहासन के चारो ओर पन् ना नियर इंद्रधनुष रहे .*"

उहाँ उ लोग अपना के भगवान के सिंहासन के ओर मुँह कईले पावेले , जवना प एक सृष्टिकर्ता भगवान महिमा से बईठल बाड़े। एह अवर्णनीय आकाशीय महिमा के एकरा बावजूद अनमोल पत्थरन से व्यक्त कइल जाला जवना के प्रति आदमी संवेदनशील होला। " *जैस्पर पत्थर* " बहुत अलग पहलू आरंग के होला , एह तरीका से ई दिव्य प्रकृति के बहुलता के प्रतिनिधित्व करे ला। लाल रंग में " *सार्डियस* " एकरा से मिलत जुलत बा। " *इंद्रधनुष* " एगो प्राकृतिक घटना ह जवन हमेशा से आदमी के हैरान क देले बा , लेकिन हमनी के अभी भी एकर उत्पत्ति के याद रा खे के चाही। इ उ वाचा के निशानी रहे जवना के द्वारा परमेश्वर मानवता से वादा कईले रहले कि उ फिर कबो जलप्रलय के पानी से नाश ना करीहे , उत्पत्ति 9:9 से 17 के अनुसार , साथ ही , हर बार जब बरखा सूरज से मिलेला , त परमेश्वर के एगो प्रतीकात्मक छवि , इंद्रधनुष , अपना पार्थि व प्राणी के आश्वस्त करे खातिर प्रकट होला। लेकिन पानी के बाढ़ के उकसावे में , पतरस हमनी के याद दिलावत बाड़न कि एगो " *आग अउर गंधक के बाढ़* " ईश्वरीय योजना में बा (2 पतरस 3:7)। ठीक एह सफाया करे वाला " *आग के बाढ़* " के देखत परमेश्वर , अपना स्वर्ग में , दुष्टन के न्याय के आयोजन करेलन , जेकर न्यायाधीश छुटकारा पावे वाला चुनल होईहे अउर यीशु , उनकर मुक्तिदाता होईहे।

पद 4: " *सिंहासन के चारो ओर* ***हम चौबीस गो सिंहासन देखनी*** *, आसिंहासन पर* ***चौबीस गो बुजुर्ग*** *बइठल देखनी , उज्जर कपड़ा पहिनले आ मा था पर सोना के मुकुट पहिनले .*"

24 प्राचीन लोग द्वारा प्रतीकित , निम्नलिखित सिद्धांत के अनुसार प्रकट कइल गइल दू गो भविष्यवाणी युग के छुटकारा पावल गइल बा : 94 से 1843 के बीच , 12 प्रेरितन के नींव ; 1843 से 2030 के बीच , " *12 गोत्र* " के "एडवेंटिस्ट " आध्यात्मिक इस्राएल " *भगवान के मुहर* " से मुहर लगावल , 7वां दिन के सब्त के दिन , प्रकाशितवाक्य 7 में। " *12 गो जनजाति* " के उहाँ 12 " *मोती* " के पहलू के तहत " *12 गेट* " द्वारा *छवि बनावल गइल बा।* न्याय के विषय के परिभाषित कइल गइल बा प्रकाशितवाक्य 20:4 में , जहाँ हमनी के पढ़ेनी जा : " ***अउर हम सिंहासन देखनी ; अउर ओहपर बइठल लोग के न्याय करे के अधिकार दिहल गइल*** *। अउर हम ओह लोग के आत्मा के देखनी जेकरा के यीशु के गवाही के कारण अउर परमेश्वर के वचन के कारण सिर काट दिहल गइल रहे , अउर जे लोग जानवर या ओकर मूर्ति के पूजा ना कइले रहे , अउर जे लोग के माथे पर निशान ना मिलल रहे। " उनकर हाथ*

जिंदा हो गइलन आमसीह के साथे हजार साल तक राज कइलन , लेकिन केकरा के न्याय कइल जाला प्रकाशितवाक्य 11:18 में एकर जवाब दिहल गइल बा : " *राष् ट्रन के क्रोध आगइल बा , आ* ***मुअल लोग के न्याय करे के समय आगइल बा*** *, जवन तोहार सेवकन के , संत लोग के , आछोट आबड़का लोग के , के इनाम देवे के बा। आधरती के नाश करे वाला लोग के नाश करे खातिर* ." एह श्लोक में , आत्मा अंत के समय खातिर प्रकट भइल तीन गो विषयन के उत्तरा धिकार के याद करत बा : " *छठवाँ तुरही* " " *गुस्सा वाला राष्ट्रन खातिर* ," " *सात गो आखिरी विपत्ति* " के समय " काहे कि " *तोहार क्रोध आगइल बा* ," *अउर* " *हजार साल* " के स्वर्गीय न्याय काहे कि , " श्लोक के अंत में अंतिम कार्यक्रम बतावल गइल बा जवन होई। " *आग आगंधक के झील* के अंतिम न्याय से पूरा होखे जवन दुष्टन के सफाया करी उ सब दूसरा में भाग ली *पुनरुत्थान के सुझाव दिहलस* , " *हजार साल* " के अंत में , प्रकाशितवाक्य 20:5 के अनुसार : " *बाकी मुअल लोग तब तक जिंदा ना भइल जब तक कि हजार साल पूरा ना हो गइल* । " आत्मा हमनी के दुष्टन के बारे में आपन परिभाषा देले बा : " *धरती के नाश करे वाला लोग* ." एह काम के पीछे " *विनाशकारी या उजाड़ पाप* " बा जवना के उद्धृत दान में दिहल गइल बा। 8:13 के बा ; पाप जवन धरती के मौत आउजाड़ के कारण बन जाला ; जवना के चलते भगवान 538 से 1798 के बीच ईसाई धर्म के क्रूर रोमन पोप शासन के हवाले कर दिहलें ; जवन 2021 के बाद या 2021 में मानव जाति के एक तिहाई हिस्सा के परमाणु आग में पहुंचावेला , केहू सोचले ना होई कि , 7 मार्च , 321 के बाद से , सच्चा सातवाँ दिन के पवित्र सब्त के उल्लंघन से एतना भयानक अउर दु खद परिणाम होई। 24 *प्राचीन लोग* में खाली दानियल 8:14 के फरमान के स्तर पर अंतर कइल गइल बा , काहे कि उनकरा में समानता बा कि उ लोग यीशु मसीह के उहे खून से उद्धार पावेलन। एह से , योग्य पावल गइल , प्रकाशितवाक्य 3:5 के अनुसार , उ सब " *सफेद कपड़ा* " अउर " *जीवन के मुकुट* " पहिरेला जवन विश्वास के लड़ाई के विजेता लोग से वादा कइल गइल रहे , प्रकाशितवाक्य 2:10 में। *मुकुट के "सोना* " 1 पतरस के अनुसार परीक्षा से शुद्ध विश्वास के प्रतीक ह। 1:7 के बा।

बइठल " शब्द 3 बेर आइल बा। नंबर 3 सिद्धता के प्रतीक होखला के नाते , आत्मा सातवीं सहस् राब्दी के न्याय के एह विषय के सिद्ध बाकी विजेता लोग के निशानी के नीचे रखले बा , जवन लिखल बा : " *हमरा दाहिना हाथ में बईठ जा जब तक कि हम तोहार दुश्मन के आपन पैर के कुरसी ना बना देब* " भजन संहिता 110:1 अउर मत्ती 22:44। उ अउर जे बइठल बा उ **आराम में बा** अउर एह छवि के द्वारा , आत्मा सातवीं सहस्राब्दी के महान सब्त या आराम के रूप में प्रस्तुत करेला जवना के

भविष्यवाणी कइल गइल बा , सृष्टि के बाद से , हमनी के हफ्ता के सातवाँ दिन के पवित्र आराम से।

पद 5: “आ ***सिंहासन से बिजली , आवाज अउर गरज निकलल*** , *आ सिंहासन के सामने सा त गो आग के दीया जरल , जवन परमेश्वर के सात आत्मा ह .*”

सिंहासन से निकले वाला " जवन प्रकटीकरण सीधे खुद सृष्टिकर्ता भगवान के जिम्मेदार ठहरावल जाला। निकासी 19:16 के अनुसार , इ घटना इब्रानी लोग के आतंक में , सिनाई पहाड़ पर परमेश्वर के उपस्थिति के पहिलही से चिन्हित कर चुकल रहे। एह से इ सुझाव दुष्ट मुअल लोग के न्याय करे के एह काम में परमेश्वर के दस आज्ञा के भूमिका के याद दिलावत बा। ई याद दिलावत एह तथ्य के भी उकसावत बा कि अतीत में अपना प्राणी खातिर अनिवार्य मौत के जोखिम से अदृश्य भगवान , जे अपना स्वभाव के नइखे बदलले , ओकरा के अपना मुक्त चुनल , जिंदा कइल आ महिमामंडित लोग बिना खतरा के देखल जाला। **धेयान ! ई छोट वाक्य , जवना के अब व्याख्या कइल गइल बा , प्रकाशितवाक्य के किताब के संरचना में एगो मील के पत्थर बन जाई। हर बेर जब ई प्रकट होला त पाठक के ई समझे के पड़ी कि भविष्यवाणी सातवीं सहस्राब्दी के न्याय के शुरुआत के संदर्भ के उकसावत बा जवन माइकल , ईसा मसीह में परमेश्वर के प्रत्यक्ष अउर दृश्यमान हस्तक्षेप से चिन्हित होई।** एह माध्यम से , पूरा किताब के संरचना हमनी के ईसाई युग के लगातार अवलोकन के पेशकश करी जवना के अलग-अलग विषय के तहत एह प्र मुख अभिव्यक्ति से अलग कईल गईल बा : " *बिजली के चमक, आवाज अवुरी गरज के झिलमिलाहट रहे* । " हमनी के एकरा के फिर से प्रकाशितवाक्य 8:5 में मिल जाई जहाँ " *भूकंप* " के कुंजी में जोड़ल गइल बा। इ यीशु मसीह के सनातन स्वर्गीय बिनती के विषय के *तुरही के विषय से अलग करी* . तब , प्रकाशितवाक्य 11:19 में , चाभी में " *एगो बड़हन ओला " जोड़ल जाई।* व्याख्या प्रकाशितवाक्य 16:21 में आई जहाँ इ " *महान ओला " परमेश्वर के सात अंतिम विपत्तियन में से सातवाँ विपत्ति* के विषय के बंद कर देला . ठीक ओही तरह से " *भूकंप* " प्रकाशितवाक्य 16:18 में " *एगो बड़हन भूकंप* " बन जाला। प्रकाशितवाक्य के किताब के शिक्षा के प्रबंधन करे के सीखला खातिर अउर एकर संरचना के सिद्धांत के समझे खातिर इ कुंजी मौलिक बा .

हमनी के श्लोक 5 पर वापस आके हमनी के ध्यान देत बानी जा कि , एह बेर " *सिंहासन के सामने* " रखल गइल , " *सात गो जरत दीया* " बा। इ " *भगवान के सात आत्मा* " के प्रतीक हवे। संख्या " ***सात*** " ***के बा*** » पवित्रता के प्रतीक ह, इहाँ , परमेश्वर के आत्मा के। इहे उनकर आत्मा से ह जवना में सब जीवन बा , परमेश्वर अपना सब प्राणी के

नियंत्रित करेलन ; ऊ ओहमें बा , आ ओह लोग के " *अपना सिंहासन का सोझा* " राखत बा , काहे कि ऊ ओह लोग के मुक्त बना दिहले बा , ओकरा सामने . " *सात गो जरत दीया* " के छवि ईश्वरीय प्रकाश के पवित्रीकरण के प्रतीक ह; एकर सही आतीव्र रोशनी अन्हार के सगरी संभावना के खतम कर देला . काहे कि मुक्ति पावे वाला लोग के अनन्त जीवन में अन्हार के कवनो जगह नइखे।

पद 6: " *सिंहासन के सामने स्फटिक निहन कांच के समुंदर रहे , सिंहासन के बीच अवुरी सिंहासन के चारों ओर आगे अवुरी पीछे चार गो जीव -जंतु रहे जवन कि आंख से भरल रहे* । "

आत्मा हमनी से अपना प्रतीकात्मक भाषा में बात करेला। का बा " *पहिले के ... सिंहासन* " उनकर आकाशीय प्राणी के संदर्भित करेला जे उपस्थित होला लेकिन न्याय में भाग ना लेला। बहुत संख्या में , ई एगो अइसन *समुद्र के रूप ले लेला* जवना के चरित्र के पवित्रता एतना शुद्ध होला कि ऊ एकर तुलना *स्फटिक से करेला* । इहे आकाशीय आ स्थलीय प्राणी के मूल चरित्र ह जवन सृष्टिकर्ता भगवान के प्रति वफादार रहल बा। तब , आत्मा एगो अउरी प्रतीक के बोलावेला जवन भगवान के संबंध में बा , जवना में ... *सिंहासन* के बीच में , आ अन्य दुनिया से उनकर आकाशीय प्राणी , चारों *ओर सिंहासन पर बइठल* भगवान के नज़र के नीचे बिखराइल प्राणी के संदर्भित करेला " *चार जीव* " अभिव्यक्ति जीव के सार्वभौमिक स्तर के संदर्भ देला *आँख के बहुलता* शब्द से जायज होला , आ ओकर स्थिति *कई* गो चीजन के प्रतीक हवे एह *जीव सभ के* बहुदिशात्मक , या बहुआयामी , निगाह देला , बाकी आध्यात्मिक रूप से , " *आगे आ पीछे* " अभिव्यक्ति सिनाई पहाड़ पर भगवान के अँगुरी से उत्कीर्ण दिव्य नियम के संदर्भ देला , आत्मा सार्वभौमिक जीवन के तुलना सार्वभौमिक नियम से करे ला दुनों भगवान के काम हवें , जे पत्थर पर , मांस पर , या मन में उकेरेलें उनकरा के समझे वाला अउर प्रेम करे वा ला प्राणी के सुख *खातिर* सिद्ध *जीवन* " एह श्लोक में ग्रीक "ब्रह्मांड " बा। इहे ब्रह्मांड ह जवना के हम बहुआयामी दुनिया के रूप में परिभाषित करेनी। धरती पर चुनल गइल लोग आ उनकर संघर्ष के बाद अदृश्य दर्शक लोग आवेला जे यीशु मसीह द्वारा प्रकट कइल गइल दिव्य प्रेम से उनकरा से प्यार करेला। उ लोग अपना खु शी में आनन्दित होला अउर रोवे वाला लोग के साथे रोवेला काहे कि संघर्ष एतना कठिन आ व्यथित करे वाला बा। लेकिन इ ब्रह्मांड अविश्वासी लोग के भी डिजाइन करेला रोमन लोग जइसन दुनिया , अपना अखाड़ा में विश्वासी ईसाईयन के हत्या के दर्शक .

प्रकाशितवाक्य 5 हमनी के सामने आकाशीय दर्शकन के ई तीन समूह पेश करी : *चारों जीव* , *स्वर्गदूत* , *अउर बुजुर्ग* , सब विजयी , उ लोग महान सृष्टिकर्ता परमेश्वर के प्रेमपूर्ण निगाह के नीचे अनन्त काल खातिर एकजुट बा।

आँख के भीड़ " *के ईश्वरीय नियम से* जोड़े वाला कड़ी " *गवाही* " नाम में बा जवन भगवान दस आज्ञा के अपना नियम के देले। हमनी के इयाद बा कि इ नियम "सबसे पवित्र जगह " में रखल गईल रहे जवन विशेष रूप से परमेश्वर खातिर आरक्षित रहे अउर "प्रायश्चित के दिन " के परब के छोड़ के आदमी खातिर मना कईल गईल रहे। व्यवस्था परमेश्वर के साथे "गवाही " के रूप में रहल , *अउर* एकर " *द्व गो तालिका* " प्रकाशितवाक्य 11:3 में उद्धृत प्रतीकात्मक " *द्व गो गवाह* " *के दूसरा अर्थ दिही।* एह पाठ में " *आँख के भीड़* " से सांसारिक घटना के गवाह बनल अदृश्य गवाहन के भीड़ के अस्तित्व के पता चलेला। दिव्य विचार में गवाह शब्द निष्ठा शब्द से अविभाज्य बा। ग्रीक शब्द "मार्टस ", जेकर अनुवाद "शहीद " के रूप में कइल गइल बा , एकरा के एकदम सही परिभाषित करेला , काहे कि भगवान के मांगल निष्ठा के कवनो सीमा नइखे। अउर कम से कम, यीशु के "गवाह " के उनकर दस आज्ञा के ईश्वरीय नियम के सम्मान करे के चाहीं , जवना से परमेश्वर उनकर तुलना अउर न्याय करेलन।

ईश्वरीय नियम के भविष्यवाणी कइल गइल बा

इहाँ , हम एगो कोष्ठक खोलत बानी , 2018 के बसंत में मिलल दिव्य प्रकाश के उकसावे खातिर , इ परमेश्वर के दस आज्ञा के नियम से संबंधित बा। आत्मा हमरा के निम्नलिखित परिशुद्धता के महत्व के एहसास करावे खातिर ले गईल : " *मूसा वापस आके पहाड़ से उतरले , गवाही के दुगो पाटी उनु का हाथ में रहे ;* ***पाटी दुनो ओर लिखल रहे*** , ***एक ओर अवुरी दूसरा ओर लिखल रहे*** *। पाटी भगवान के काम रहे , अवुरी लिखल भगवान के लिखल रहे , जवन कि पाटी प उकेरल रहे* (निर्गमन 32:15-16)"। हम पहिले त अचरज में पड़ गइनी कि एह परिशुद्धता के केहू कबो ध्यान में ना रखले रहे जवना के हिसाब से कानून के मूल पाटी ओह लोग के चार गो चेहरा पर लिखल रहे , माने कि " *आगे आ पीछे* " जइसे कि " *चारों जीव के आँख* " जइसन पिछला श्लोक के अध्ययन कइल गइल रहे। जिद से उद्धृत एह परिशुद्धता के एगो कारण रहे जवना के खोज आत्मा हमरा के करे के अनुमति दिहलस। पूरा ग्रंथ मूल रूप से पत्थर के दुनो पाटी के चारों चेहरा प नियमित अवुरी संतुलित तरीका से बांटल गईल रहे। पहिला

टेबल के आगे पहिला आज्ञा आदूसरा के आधा हिस्सा पर देखावल गइल रहे ; एकर पीठ दूसरा के दूसरा भाग आपूरा तीसरा के बोर करत रहे। दूसरा टेबल पर सामने वाला हिस्सा में पूरा चउथा आज्ञा के प्रदर्शन रहे ; ओकर पीठ पर आखिरी छह गो आज्ञा रहे। एह विन्यास में दू गो दृश्यमान मोर्चा हमनी के पहिला आज्ञा आदूसरा , आधा में , आचउथा , जवन सातवाँ दिन के पवित्र आराम से संबंधित बा , पेश करेला। एह चीजन पर नजर डालला पर एह तीनों आज्ञा के उजागर कइल जा सकेला , जवन 1843 में पवित्रता के निशानी रहे , जब सब्त के दिन के बहाल कइल गइल रहे अउर परमेश्वर के द्वारा माँगल गइल रहे। ओह घरी प्रोटेस्टेंट लोग विरासत में मिलल रोमन अतवार के शिकार हो गइल . एह तरह से एडवेंटिस्ट पसंद आप्रोटेस्टेंट पसंद के परिणाम दुनो टे बल के पीछे देखावल जाई। अइसन बुझाता कि , सब्त के दिन के सम्मान के बिना , 1843 से , तीसरा आज्ञा के भी उल्लंघन भइल बा : " परमेश्वर के *नाम व्यर्थ में लिहल जाला* ," शाब्दिक रूप से " *झूठा* ," उ लोग द्वारा जे मसीह के धार्मिकता के बिना या ओकरा के गँवावे के बाद एकर आह्वान करेला। एह तरह से उ लोग यहूदी लोग द्वारा कइल गइल गलती के दोहरावेलन जेकर दावा परमेश्वर के होखे के दावा यीशु मसीह द्वारा प्रकाशितवाक्य 3:9 में झूठ के रूप में प्रकट कइल गइल बा : " *शैतान के आराधनालय के लोग , जे कहत बा कि उ यहूदी हवें अउर ना हवें , लेकिन झूठ बोलत हउवें* ." 1843 में कैथोलिक लोग के प्रोटेस्टेंट वारिस लोग खातिर इहे हाल रहे। लेकिन तीसरा आज्ञा से पहिले दूसरा के दूसरा भाग में उ न्याय के खुलासा कईल गईल बा कि परमेश्वर दुनो मुख्य विरोधी खेमा के पास करेले। रोमन कैथोलिक धर्म के प्रोटेस्टेंट वारिस लोग से भगवान कहत बाड़न : " *हम एगो ईर्ष्यालु भगवान हईं , जे हमरा से नफरत करे वाला लोग के तीसरी आचउथा पीढ़ी तक लइकन पर पिता लोग के अधर्म के दौरा करत बानी* , "; अफसोस कि ओकरा खातिर , आधिकारिक एडवे न्टिज्म " *उल्टी* " 1994 में ओह लोग के भाग्य साझा करी ; लेकिन उ एकरा उल्टा , संत लोग से भी कहत बाड़े जे 1843 से 2030 तक उनकर पवित्र सब्त आ उनकर भविष्यवाणी वाला प्रकाश के पालन करीहे : " *आजे हजारन पीढ़ी के दया करेला जे हमरा से प्यार करेला अउर हमार आज्ञा के पालन करेला* ." उद्धृत " *हजार* " संख्या सूक्ष्म रूप से प्रकाशितवाक्य 20 के सातवीं सहस्राब्दी के " *हजार साल* " के उकसावत बा जवन अनंत काल में प्रवेश करे वाला विजयी चुनल लोग के इनाम होई। एगो अउरी सबक सामने आवत बा। ईसा मसीह के पवित्र आत्मा के मदद से वंचित , एकरे परिणामस् वरूप , 1843 अउर 1994 में परमेश्वर द्वारा क्रमिक रूप से छोड़ल गइल

प्रोटेस्टेंट अउर एडवेन्टिस्ट तालिका 2 के पीछे लिखल अंतिम छह आज्ञा के सम्मान ना कर पइहें , जवना के आगे के हिस्सा सातवाँ दिन के ईश्वरीय आराम खातिर समर्पित बा। एकरा विपरीत , एह आराम के पालन करे वा ला लोग के ईसा मसीह से मदद मिली कि उ लोग एह आज्ञा के पालन कर सके जवन आदमी के अपना साथी मनुष्य के प्रति कर्तव्य से संबंधित बा। परमेश्वर के काम मूसा के व्यवस्था के पाटी देवे के समय तक 2018 के अंतिम समय में एगो आश्चर्यजनक अउर अप्रत्याशित अर्थ , भूमिका अउर उपयोग ले लेला अउर सब्त के दिन के बहाल के संदेश के एह से सर्वशक्तिमान परमेश्वर यीशु मसीह द्वारा मजबूत अउर पुष्टि कइल जाला।

इहाँ अब उ रूप बा जवना में दस आज्ञा आवेला।

तालिका 1 – सामने : पर्चे के बारे में बतावल गइल बा

भगवान अपना के पेश करेले

“ हम तोहार परमेश्वर यहोवा हईं , जे तोहनी के मिस्र देश से , गुलामी के घर से निकाल के ले अइनी .” (एह में पाप से बचावल गइल आयीशु मसीह के प्रायश्चित के खून से बचावल गइल सभे चुनल लोग भी शामिल बा ; *गुलामी के घर* पाप ह ; शैतान के नकल फल)।

पहिला आज्ञा : 538 से कैथोलिक पा प , 1843 से प्रोटेस्टेंट , आ1994 से एडवेन्टिस्ट) .

“ हमरा से पहिले कवनो दोसर देवता ना होखे .”

2 आज्ञा : 1 भाग : 538 से कैथोलिक पाप।

“ अपना खातिर नक्काशीदार मूर्ति मत बनाईं , ना कवनो उपमा ना बनाईं जवन ऊपर स्वर्ग में बा , भा नीचे धरती में बा , भा धरती के नीचे पानी में बा , ओकरा सामने प्रणाम मत करीं आओकर सेवा मत करीं .

तालिका 1 – वापस : एकर परिणाम के बारे में बतावल गइल बा

दूसरा आज्ञा : दूसरा भाग के बा ।

*“... काहे कि हम , यहोवा , राउर भगवान , एगो ईर्ष्यालु भगवान हईं , जवन हमरा से नफरत करे वाला लोग के **तीसरी आचउथा पीढ़ी तक लइकन पर पिता लोग के अधर्म के दौरा करत बानी** ,* **(538 से कैथोलिक ; 1843 से प्रोटेस्टेंट ; 1994 से एडवेंटिस्ट) आ *हजारन लोग*** *पर दया देखावत बानी जे हमरा से प्यार करेला आ हमार आज्ञा के पालन करेला .(* **सेवेन्थ -डे एडवेंटिस्ट , जब से ... 1843 में भइल , बा द वाला , 1994 से**)।

तीसरा आज्ञा : 538 से कैथोलिक , 1843 से प्रोटेस्टेंट , आ1994 से एडवेन्टिस्ट द्वारा तोड़ल गइल) .

“ अपना परमेस् वर यहोवा के नाम झूठा मत लेव , काहेकि जे आपन नाम झूठ बोलेला , ओकरा के यहोवा निर्दोष ना मानी .”

तालिका 2 – सामने : पर्चे के बारे में बतावल गइल बा

4वां आज्ञा : 321 से ईसाई सभा द्वारा एकर उल्लंघन एकरा के दान के *“ विनाशकारी पाप ” बनावेला। 8:13 के बा ; एकर उल्लंघन 538 से कैथोलिक आस्था द्वारा कइल गइल बा , आ प्रोटेस्टेंट आस्था 1843 से।लेकिन एकर सम्मान* 1843 आ1873 से सेवेंथ -डे एडवेन्टिस्ट आस्था द्वारा कइल गइल बा।

“ सब्त के दिन के याद राखीं , ओकरा के पवित्र राखे खातिर।छह दिन तक मेहनत करीं आ आपन सब काम करीं।लेकिन सातवाँ दिन तोहार परमेश्वर यहोवा के सब्त के दिन ह।तू , ना तोहार बेटा , ना तोहार बेटी , ना आपन नौकर , ना आपन नौकर , ना आपन पशुधन , ना तोहरा फाटक के भीतर के परदेशी के कवनो काम मत करीं।काहे कि छह दिन में यहोवा बन गईले आकाश आधरती , समुंदर आओहमें मौजूद सब कुछ , आसातवाँ दिन आराम कइलन, एही से यहोवा सब्त के दिन के आशीष दिहलन आओकरा के पवित्र कइलन ।”

तालिका 2: पीछे : परि णाम : ई अंतिम छह आज्ञा के उल्लंघन 321 से ईसाई विश्वास द्वारा कइल गइल बा ; 538 से कैथोलिक आस्था द्वारा ; 1843 से प्रोटेस्टेंट आस्था द्वारा , आएडवेंटिस्ट आस्था द्वारा 1994 में " *उल्टी* " भइल।लेकिन ईसा मसीह के पवित्र आत्मा द्वारा आशीर्वादित सेवेंथ -डे एडवेन्टिस्ट बिसवास में इनहन के सम्मान कइल जाला , 1843 आ1873 से ; 1994 के बाद से 2030 तक के "अंतिम " लोग।

5वीं आज्ञा के बा

“ अपना बाप -माई के आदर करीं , ताकि तोहार दिन लमहर होखे जवन देश तोहार परमेश्वर तोहरा के दे रहल बाड़े। ”

6वीं आज्ञा के बा

" ~~तू हत्या मत करऽ~~ . *हत्या मत करऽ* ." (घृणित अपराध प्रकार के , हत्या या झूठा धर्म के नाम से)

7वीं आज्ञा के बा

“ व्यभिचार मत करऽ। ”

8वीं आज्ञा के बा

“ चोरी मत करऽ .”

9वीं आज्ञा के बा

“ अपना पड़ोसी के खिलाफ झूठा गवाही मत दीं .”

10वीं आज्ञा के बा

“ अपना पड़ोसी के घर के लालच मत करीं , पड़ोसी के मेहरारू के लालच मत करीं , ना ओकर नौकर के , ना ओकर

नौकर के , ना ओकर बैल के , ना ओकर गदहा के , ना कवनो चीज के लालच करीं जवन तोहरा पड़ोसी के होखे। "

हम एहिजा एह उदात्त आ अत्यंत महत्वपूर्ण कोष्ठक के बंद करत बानी .

पद 7: " *पहिला जीव शेर निहन रहे , दूसरा जीव बछड़ा निहन रहे , तीसरा जीव के चेहरा आदमी निहन रहे , अवुरी चउथा जीव उड़त चील निहन रहे* ."

चलीं तुरते कह दीं कि ई सब खाली प्रतीक ह. इहे संदेश इजकि . 1:6 में वर्णन में भिन्नता के साथ दिहल गइल बा। उहाँ हमनी के चार गो समान जानवर मिलेला , हर जानवर के चार गो अलग-अलग चेहरा बा। इहाँ हमनी के अभी भी चार जानवर बाड़े , लेकिन हरेक के सिर्फ एक चेहरा बा , जवन कि चार जानवर में अलग-अलग बा। एह से ई राक्षस असली ना हवें , बाकिर इनहन के प्रतीकात्मक संदेश उदात्त बा। इनहन में से हर एक अनन्त सार्वभौमिक जीवन के एगो मानक प्रस्तुत करेला जवन , जइसन कि हमनी के देखले बानी जा , खुद भगवान आ उनकर बहुआयामी सार्वभौमिक प्राणी से संबंधित बा। जे अपना दिव्य सिद्धि में अवतार लिहले , सार्वभौमिक जीवन के ई चार गो मापदंड , ऊहवें ईसा मसीह , जेकरा में न्याय के अनुसार *शेर के राजसी आ ताकत पावल जाला।* 14:18 में दिहल गइल बा ; *बछड़ा* के बलिदान आ सेवा के भावना ; आदमी के भगवान के प्रतिरूप ; आ *उड़त चील* के परम आकाशीय ऊंचाई के वर्चस्व . ई चार गो मापदंड सभ शाश्वत सार्वभौमिक आकाशीय जीवन में पावल जाला। ई लोग ओह मानक के गठन करेला जवन विद्रोही आत्मा लोग द्वारा विरोध कइल गइल ईश्वरीय परियोजना के सफलता के व्याख्या करेला। आ यीशु अपना छोट सांसारिक सेवा के दौरान अपना प्रेरित आ चेलन के सामने सही मॉ डल पेश कइले ; एतना दूर तक जा के , अपना चेलन के गोड़ धोवे से पहिले , अपना शरीर के सूली पर चढ़ावे के यातना में देवे से पहिले , ओह लोग के जगह पर , " *बछड़ा* " निहन , अपना सभे चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित करे खातिर। साथ ही , हर केहू अपना के परख लेव कि अनन्त जीवन के एह मानक के त्याग ओकर स्वभाव , ओकर आकांक्षा आ ओकर इच्छा के अनुरूप बा कि ना। पकड़ल भा खारिज करे के मोक्ष के प्रस्ताव के मानक अइसने बा .

पद 8: " *चारो जीव के छह गो पाँख रहे , आ चारो ओर आ भीतर आँख से भरल रहे , उ दिन -रात आराम ना करत रहे कि , 'पवित्र , पवित्र , पवित्र , सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर , जे रहले अउर बाड़े अउर आवे वाला बाड़े !'* "

स्वर्गीय न्याय के पृष्ठभूमि में ई दृश्य ओह सिद्धांतन के चित्रण करेला जवन स्वर्ग में आधरती

पर हमेशा खातिर लागू कइल जाला जवन जीव भगवान के प्रति वफादार रहेला।

दोसरा लोक के जीव के आकाशीय पिंड के हिलला खातिर पाँख के कवनो जरूरत नइखे काहे कि ऊ पार्थिव आयाम के नियम के अधीन ना होलें . लेकिन आत्मा सांसारिक प्रतीक अपनावेला जवना के आदमी समझ सकेला। ओह लोग के " *छह गो पाँख* " के जिम्मेदार ठहरा के ऊ हमनी के 6 संख्या के प्रतीकात्मक मूल्य के खुलासा करेलें , जवन आकाशीय चरित्र आ स्वर्गदूतन के संख्या बन जाला। ई ओह संसारन से संबंधित बा जवन पाप के बिना रह गइल बा आस्वर्गदूतन से , जवना में से शैतान , विद्रोही स्वर्गदूत , पहिला बेर बनावल गइल रहे। चूँकि भगवान "सात " संख्या के अपना निजी शाही "मुहर " के रूप में देले बाड़न , 6 नंबर के "मुहर " या शैतान के मामला में , उनकर व्यक्तित्व के "निशान " मानल जा सके ला , बाकी ऊ एह संख्या 6 के ओह संसार सभ के साझा करे लें जे शुद्ध रहलें आभगवान द्वारा बनावल गइल सभ स्वर्गदूतन , नीमन आबाउर। परी के नीचे आदमी आवेला , जेकर संख्या "5" होई , जेकरा के ओकर 5 इंद्रियन , हाथ के 5 अँगुरी , आ पैर के उंगली के 5 गो अंगुरी से जायज ठहरावल जाला। एकरे नीचे चार गो कार्डिनल बिंदु उत्तर , दक्खिन , पूरब आ पश्चिम द्वारा निर्धारित सार्वभौमिक चरित्र के नंबर 4 बा। एकरा नीचे पूर्णता के 3 नंबर बा , फेर अपूर्णता के 2, आएकता के 1 या पूर्ण संयोग के। चारो जीव के आँख " *चारो ओर आ भीतर* " बा , आएकरा अलावा " *आगे आपीछे* " बा . एह आकाशीय बहुआयामी सार्वभौमिक जीवन के नज़र से कुछ भी नइखे बच सकत , जवना के ईश्वरीय आत्मा पूरा तरह से जांच करेला काहे कि एकर उत्पत्ति ओकरा भीतर बा। ई शिक्षा एह से उपयोगी बा काहे कि , वर्तमान धरती पर , पापी लोग के पाप अउर दुष्टता के वजह से , उनकरा के " *भीतर* " रख के , आदमी दूसरा आदमी से आपन गुप्त विचार अउर अपना पड़ोसी के खिलाफ निर्देशित आपन दुष्ट योजना के छिपा सकेला। आकाशीय जीवन में अइसन चीज असंभव बा। स्वर्गीय जीवन क्रिस्टल के रूप में पारदर्शी बा काहे कि दुष्टता के ओकरा से निकाल दिहल गइल , शैतान अउर ओकर दुष्ट स् वर्गदूतन के साथे , प्रकाशितवाक्य 12:9 के अनुसार , पाप अउर मौत पर यीशु के जीत के बाद। भगवान के पवित्रता के घोषणा अपना सिद्धता में (3 बेर : *पवित्र*) एह शुद्ध संसार के निवासी लोग द्वारा पूरा कइल जाला। बाकिर ई घोषणा शब्दन में ना हो पावेला ; ई ओह लोग के व्यक्तिगत आ सामूहिक पवित्रता के पूर्णता ह जवन स्थायी काम में ओह भगवान के पवित्रता के सिद्धता के घोषणा करेला जे ओह लोग के रचना कइले बाड़न . परमेश्वर आपन स्वभाव अउर उनकर नाम प्रकाशितवाक्य 1:8 में उद्धृत

रूप में प्रकट करेलन : " *हम अल्फा अउर ओमेगा हईं , प्रभु परमेश्वर कहत ह उवें , जे बाड़े , जे रहले , अउर जे आवे वाला बाड़े , सर्वशक्तिमान ।* " *के बा , के रहे , आके आवे वाला बा* " ई अभिव्यक्ति सृष्टिकर्ता भगवान के शाश्वत स्वभाव के पूरा तरह से परिभाषित करेला। उनुका के ओह नाम से बोलावे से मना करत जवन ऊ अपना के दिहले बाड़न , "याहवेह ", आदमी ओकरा के "अनन्त " कहेला . ई सही बा कि भगवान के नाम के जरूरत ना रहे , काहे कि अनोखा आ बिना दिव्य प्रतियोगी के होखला का चलते उनुका के दोसरा देवता से अलगा करे खातिर नाम के जरूरत नइखे जे मौजूद नइखन . परमेश्वर एकरा बावजूद मूसा के निहोरा के जवाब देवे खातिर तैयार हो गईले जेकरा से उ प्यार करत रहले अवुरी जे उनुका से प्यार करत रहले। एह से ऊ अपना के "याहवेह " नाम दिहलन , जवना के अनुवाद "होखल " क्रिया से कइल गइल बा , जवन हिब्रू अपूर्ण के तीसरा पुरुष एकवचन में संयुग्मित बा। ई "अपूर्ण " काल एगो निपुण के संकेत देला जवन समय में फइलल होला , एह से , हमनी के भविष्य से भी व्यापक समय , "के बा , के रहे , आके होई " के रूप एह हिब्रू अपूर्ण के अर्थ के पूरा तरीका से अनुवाद करेला। " *ऊ जे बा , जे रहे , आजे आवे वाला बा* " ई सूत्र एह से भगवान के तरीका हवे कि ऊ अपना हिब्रू नाँव "याह्वेह " के अनुवाद करे , जब कि ओकरा एकरा के पश्चिमी भाषा सभ में , भा हिब्रू के अलावा कौनों अउरी भाषा में अनुकूलित करे के पड़े। "आके आवे वाला बा " वाला हिस्सा ईसाई विश्वास के अंतिम एडवेन्टिस्ट चरण के नामित करेला , जवन दान के फरमान से परमेश्वर के योजना में स्थापित बा। 8:14 से 1843. एह से चुनल एडवेन्टिस्टन के शरीर में ही परमेश्वर के तीन गुना पवित्रता के घोषणा पूरा होला। ईसा मसीह के ईश्वरीयता पर अक्सर मुकाबला भइल बा , बाकिर ई निर्विवाद बा। बाइबल एह विषय पर इब्रानियों में कहत बा। 1:8: " *लेकिन बेटा से कहलन कि , हे परमेश्वर , तोहार सिंहासन हमे शा खातिर बा ; धर्म के राजदंड तोहरा राज्य के राजदंड ह;* "। आफिलिप से जे यीशु से पिता देखावे के कहत बाड़न , यीशु जवाब देत बाड़न : " *का हम तोहरा साथे एतना दिन से रहनी ह, आ तू हमरा के नइखऽ जानत , फिलिप ?* ***जे हमरा के देखले बा , ऊ पिता के देखले बा*** *; तू कइसे कहत बाड़ऽ कि हमनी के पिता के देखाईं ?'* (यूहन्ना 14:9) के ह। ”

पद 9-10-11: " *जब जीव सिंहासन पर बइठल के महिमा आ आदर आ धन्यवाद देत बाड़े , जे हमेशा से जिंदा रहेला , त चौबीस बुजुर्ग सिंहासन पर बइठल आदमी के सामने गिर जालें आ हमेशा से जिंदा रहे वाला के ~~पूजा करेलें~~ आ आराधना करेलें आ सिंहासन के सामने आपन मुकुट फेंकेलें आ कहेलें कि : तू हमनी के प्रभु आ*

हमनी के लायक हउअ। " भगवान , महिमा आसम्मान आशक्ति पावे खातिर ;

अध्याय 4 के अंत में सृष्टिकर्ता परमेश्वर के महिमा के दृश्य बा। ई दृश्य बतावेला कि ईश्वरीय आवश्यकता , " *परमेश् वर से डेराईं अउर उनकर महिमा दीं* ...", जवन प्रकाशितवाक्य 14:7 के पहिला स्वर्गदूत के संदेश में व्यक्त कइल गइल बा , 1843 के बाद से अंतिम चुनल लोग द्वारा सुनल गइल अउर बढ़िया से समझल गइल ; बाकिर सबले बढ़ के , चुनल लोग के द्वारा जे यीशु मसीह के महिमामंडित वापसी के समय जिंदा रहलन। काहे कि खाली उनकरा खातिर ही प्रकाशितवाक्य के प्रलय परमेश्वर के चुनल समय में तैयार अउर पूरा तरह से रोशन भइल रहे , यानी कि 2018 के बसंत से , एह तरह से मुक्ति पावे वाला लोग आराधना अउर स्तुति में , ईसा मसीह के प्रति आपन सब आभार व्यक्त करेला , जवना रूप में सर्वशक्तिमान उनकरा के पाप अउर मौत से बचावे खातिर उनकरा के घरे गइलन , उनकर मजदूरी। अविश्वासी मानवता खाली उहे मानेले जवन ऊ देखत बा , जइसे कि प्रेरित थॉमस , आ भगवान अदृश्य होखला का चलते ओकरा के अपना चरम कमजोरी के अनदेखी करे के निंदा कइल गइल बा , जवना से ऊ खाली एगो खिलौना बन जाला जवना में ऊ अपना ईश्वरीय इच्छा का हिसाब से हेरफेर करेला . एकरा में कम से कम बहाना बा , जवन एकरा के जायज ना बनाई , कि ऊ भगवान के ना जानत रहलन , एगो बहाना जवन शैतान के लगे नइखे , काहे कि भगवान के जानत ऊ ओकरा खिलाफ लड़ाई में जाए के चुनले बा ; ई शायदे विश्वास करे लायक बा , बाकिर सही बा , आ ई ओह खराब स्वर्गदूतन से भी संबंधित बा जे उनकर पीछे चलल रहले। विरोधाभासी रूप से , स्वतंत्र चुनाव के कई गो अलग-अलग अउर इहाँ तक कि विरोधी फल भी ओह प्रामाणिक अउर पूर्ण स्वतंत्रता के गवाही देला जवन परमेश्वर अपना आकाशीय अउर स्थलीय प्राणी के देले बाड़न।

प्रकाशितवाक्य 5: आदमी के बेटा

जब उ यीशु के भीड़ के सामने पेश कईले त पिलातुस कहले , " *देखऽ आदमी* । " भगवान खातिर खुद आके मांस के रूप लेवे के जरूरत रहे , ताकि " *आदमी* " अपना दिल आ इच्छा के अनुसार प्रकट हो सके। पहिला दू -तीन इंसानन पर मौत हो गइल रहे , भगवान के आज्ञा ना माने के पाप के चलते। उनकर नया शर्मनाक अवस्था के निशानी के रूप में भगवान ओह लोग के शारीरिक नग्नता के खोज करा देले रहले जवन कि उनकर भीतरी आध्यात्मिक नग्नता के बाहरी निशानी ही रहे। एही शुरुआत से ही ओह लोग के मोक्ष के पहिला घोषणा जानवर के खाल से बनल कपड़ा देके कईल गईल। एह तरीका से मानव इतिहास के पहिला जानवर के मारल गइल ; प्रतीकात्मकता के चलते केहू सोच सकेला कि ई एगो मेढ़क के बच्चा भा मेमना ह. 4,000 साल बाद , दुनिया के पाप के दूर करे वाला परमेश्वर के मेमना , मानवता के बीच से चुनल लोग के छुड़ावे खातिर आपन कानूनी रूप से सिद्ध जीवन के अर्पित करे खातिर आइल। एह से परमेश्वर के द्वारा शुद्ध अनुग्रह में दिहल गइल इ उद्धार पूरा तरीका से यीशु के मौत पर आधारित बा , जवन उनकर चुनल लो ग के उनकर पूर्ण न्याय से लाभ उठावे के अनुमति देला ; आसाथे -साथे ओकर मौत ओह लोग के पाप के प्रायश्चित कर देला , जवना के ऊ अपना के स्वेच्छा से वाहक बना लिहले . तब से ईसा मसीह एकमात्र नाम बन गइल बाड़न जवन हमनी के पूरा धरती पर एगो पापी के बचा सकेला , अउर उनकर उद्धा र आदम अउर हव्वा के बाद से लागू हो गइल बा।

आदमी " नंबर के तहत रखल गइल बा , उनुके समर्पित बा। यीशु ना खाली अपना चुनल लोग के अपना प्रायश्चित करे वाला मौत से बचावेलन , बल्कि उ उनकरा के पूरा पार्थिव यात्रा में रक्षा करके बचावेलन। आएही मकसद से ऊ ओह लोग के ओह आध् यात्मिक खतरा से चेतावेला जवन शैतान ओह लोग के राह में डाल दिहले बा . उनकर तकनीक में कवनो बदलाव नइखे भइल : जइसे कि प्रेरित लोग के समय में , यीशु ओह लोग से दृष्टांत में बात करेलन , ताकि दुनिया सुनत रहे लेकिन समझत नइखे ; जवन कि उनकर चुनल लोग खातिर नइखे जे प्रेरितन के तरह उनकर सफाई सीधे उनकरा से प्राप्त करेला। उनकर प्रकाशन "प्रकाशितवाक्य " एह अअनुवादित ग्रीक नाम के तहत बा , ई विशालकाय दृष्टांत जवना के दुनिया के ना समझे के चाहीं। लेकिन उनकर चुनल लोग खातिर इ भविष्यवाणी वाकई में उनकर " **प्रकाशितवाक्य** " ह।

पद 1: " *हम सिंहास न पर बइठल के दाहिना हाथ में एगो किताब देखनी जवन भीतर आपीछे लिखल रहे , जवना पर सात गो मोहर लगावल गइल रहे .*"

सिंहासन पर भगवान खड़ा बाड़े , आ उनकर दाहिना हाथ में , आएह से उनकर आशीर्वाद के तहत , उ एगो किताब पकड़ले बाड़े जवन लिखल बा " *भीतर आ बाहर* "। " *भीतर* " जवन लिखल बा ऊ उनकर चुनल लोग खातिर सुरक्षित डिक्रिप्टेड संदेश ह, जवन बंद रहेला आ दुनिया के लोग के गलत तरीका से समझल जाला जे भगवान के दुश्मन हवे। " *भीतर* " जवन लिखल बा ऊ एन्क्रिप्टेड पाठ ह, जवन लउकेला बाकिर मानवीय भीड़ खातिर समझ में ना आवेला . प्रकाशितवाक्य के किताब पर " *सात गो मोहर* " से मुहर लगावल गइल बा . एह स्पष्टीकरण में भगवान हमनी के बतावेले कि " *सातवाँ मुहर* " के खुलला से ही ओकरा के पूरा तरह से खुले के अनुमति मिली। जबले ओकरा के सील करे खातिर मोहर रह जाई तबले किताब ना खोलल जा सके . एह तरह से किताब के पूरा उद् घाटन भगवान के द्वारा " *सातवीं मुहर* " के विषय खातिर निर्धारित समय पर निर्भर करी . एकर उल्लेख प्रकाशितवाक्य 7 में " *जीवित परमेश्वर के मुहर* " के रूप में कइल जाई , जहाँ , सातवाँ दिन के बाकी हिस्सा , उनकर पवित्र सब्त के नामित करत , उनकर बहाली के तारीख 1843 से जोड़ ल जाई जवन एह से " *सातवाँ मुहर* " के खुले के समय भी होई जवन , किताब के शिक्षाशास्त्र में , " *सात तुरही* " के विषय ले आवेला , जवन हमनी खातिर एतना महत्वपूर्ण बा , उनकर चुनल लोग के बा।

पद 2: " *हम एगो मजबूत स्वर्गदूत के जोर से घोषणा करत देखनी कि किताब खोले आ ओकर मोहर खोले के लायक के बा ?* "

ई दृश्य भविष्यवाणी के मोंटाज में एगो कोष्ठक ह। इ स्वर्ग में नइखे , पिछला अध्याय 4 के संदर्भ में , जहाँ प्रकाशितवाक्य के किताब खोले के पड़ी। चुनल लोग के ईसा मसीह के वापसी से पहिले एकर जरूरत बा , जबकि उ लोग शैतान के जाल से उजागर बा। शक्ति परमेश्वर के डेरा में बा , अउर शक्तिशाली स्वर्गदूत YaHWéH के दूत हवे , यानी कि परमेश्वर अपना स्वर्गदूत रूप में माइकल हवे। सीलबंद किताब बेहद महत्वपूर्ण आपवित्र बा काहे कि एकरा के सील तोड़े आ खोले खातिर बहुते उच्च गरिमा के जरूरत होला .

पद 3: " *स्वर्ग में , ना धरती पर , ना धरती के नीचे केहु किताब के खोले में सक्षम ना रहे , ना ओकरा के देख सकत रहे।* "

खुद भगवान के लिखल एह किताब के उनकर कवनो स्वर्गीय भा पार्थिव प्राणी ना खोल सकेला।

पद 4: " *हम बहुत रोवत रहनी , काहे कि केहू किताब खोले आ पढ़े आ ओकरा के देखे लायक ना मिलल।* "

यूहन्ना हमनी का तरह एगो पार्थिव प्राणी हउवें आ उनकर लोर शैतान के लगावल जाल से सामना करे

वाला मानवता के निराशा के दर्शावत बा . लागत बा कि ऊ हमनी से कहत बाड़न कि "बिना प्रकटीकरण के केकरा बचावल जा सकेला ?" एह तरह से ऊ एकर सामग्री के अज्ञानता के उच्च दुखद डिग्री के उजागर करेलें , आ एकर घातक परिणाम : दोहरा मौत .

पद 5: " *एगो बुजुर्ग हमरा से कहलस, मत रोईं , देख , यहूदा के गोत्र के शेर , दाऊद के जड़ , किताब खोले आ ओकर सात मोहर खोले में जीत हासिल कइले बा।* "

" *बुजुर्ग* " लोग यीशु मसीह के नाम के सब जीव से ऊपर उठावे खातिर बढ़िया स्थिति में बाड़े। उ लोग ओकरा में ओह प्रभुत्व के पहचान लेला जवन उ खुद मत्ती में पिता अउर स्वर्गीय प्राणी से मिलल घोषित कईले रहले। 28:18: " *यीशु आके उनकरा से बात कइलन, 'स्वर्ग अउर धरती पर सब अधिकार हमरा के दिहल गइल बा* । '" ईसा में उनकर अवतार के निशाना बना के ही परमेश्वर याकूब के प्रेरणा दिहलन , जे अपना बेटा लोग के बारे में भविष्यवाणी करत यहूदा के बारे में कहले : " *यहूदा एगो शेर के बच्चा ह। तू वध से वापस आ गईल बाड़ , हे बेटा ! उ आपन घुटना झुका के झूठ बोलत बा शेर के नियर , ओकरा के के उठाई ? शराब , अउर उनकर दाँत दूध से सफेद हो जाला* (उत्प . 49:8-12 *अंगूर के खून* प्रकाशितवाक्य 14:17-20 में घोषित " *विंटेज* " के विषय होई , जवना के भविष्यवाणी यशायाह 63 में भी कइल गइल बा। " *दाऊद के जड़* " के बारे में हमनी के यशायाह 11:1-5 में पढ़ेनी जा : " *तब एगो अंकुर निकली ओकर जड़ से फल देला। प्रभु के आत्मा ओकरा पर टिकल रही , बुद्धि आ समझ के आत्मा , सलाह आ पराक्रम के आत्मा , ज्ञान आ प्रभु के भय के आत्मा। ऊ प्रभु के भय में साँस लेत होई ; ना त ऊ रूप -रंग के हिसाब से न्याय करी , ना सुनल - सुनल बात के हिसाब से जवाब दि ही। बाकिर ऊ धर्म से गरीबन के न्याय करी आधरती के नम्र लोग खातिर न्याय से न्याय करी . ऊ अपना वचन से धरती पर लाठी जइसन मार दी आ अपना होठ के साँस से दुष्टन के मार दी . धार्मिकता उनकर कमर के पट्टी होई , अउर वफादारी उनकर कमर के पट्टी होई .*" पाप अउर मौत पर यीशु के जीत , उनकर मजदूरी , उनका के प्रकाशितवाक्य के किताब खोले के कानूनी अउर जायज अधिकार देला , ताकि उनकर चुनल लोग के चेतावल जा सके अउर उ घातक धार्मिक जाल से बचावल जा सके जवन उ, शैतान के माध्यम से , अविश्वासी लोग के बहकावे खातिर रखले बाड़न। किताब एही से होई पूरा तरीका से ओह समय खुलल जब दानियल 8:14 के फरमान लागू होखी , यानी कि साल 1843 में बसंत के पहिला दिन भले एकर अपूर्ण समझ के समय के साथ फिर से आकलन करे के जरूरत पड़ी , 2018 तक;

पद 6: " *हम सिंहासन के बीच में आचारों जीव के बीच में आबुजुर्गन के बीच में एगो मेमना देखनी जवन कि*

मारल गईल होखे , ओकरा सात सींग अवुरी सात आँख रहे , जवन कि पूरा धरती में भेजल गईल परमेश्वर के सात आत्मा हवें। ”

मेमना के उपस्थिति " *सिंहासन के बीच में* " पर ध्यान देवे के होई , काहे कि उ अपना बहुरूप पवित्रता में परमेश्वर हवें , एके बेर में एक सृष्टिकर्ता परमेश्वर , महादूत माइकल , यीशु मसीह परमेश्वर के मेमना , अउर पवित्र आत्मा या " *परमेश्वर के सात आत्मा हवें जेकरा के पूरा धरती में भेजल गइल बा* "। उनकर " *सात गो सींग* " उनकर शक्ति के पवित्रीकरण के प्रतीक ह आ उनकर " *सात गो आँख* " उनकर निगाह के पवित्रीकरण के प्रतीक ह, जवन उनकर प्राणी के विचार आकाम के गहराई से जांच करेला।

पद 7: “ *उ आके सिंहासन पर बइठल के दाहिना हाथ से किताब निकाल लिहले।* ”

इ दृश्य प्रकाशितवाक्य 1:1 के शब्दन के दर्शावत बा : " यीशु मसीह के ***प्रकाशितवाक्य*** , *जवन परमेश्वर उनकरा के दिहलन कि उ अपना सेवकन के देखावे कि जवन* ***जल्दिए होखे वाला बा*** । *अउर उ अपना दूत के आपन सेवक यूहन्ना के पास भेज के इ बात के बारे में बता दिहले* । " एह संदेश के उद्देश्य हमनी के बतावल बा कि **प्रकाशितवाक्य** के सामग्री असीमित होई काहे कि ई खुद परमेश्वर , पिता , द्वारा दिहल गइल बा ; आई ओकरा पर रखला से , उनकर सब आशीर्वाद के संकेत उनकर " *दाहिना हाथ* " से मिलल।

पद 8: “ *जब उ किताब ले लिहले त चारो जीव आ चौबीस बुजुर्ग मेमना के सामने गिर गईले , हर केहू के लगे वीणा रहे अवुरी गंध से भरल सोना के कटोरा रहे , जवन कि संत लोग के प्रार्थना ह।* ”

हमनी के एह श्लोक से ई प्रतीकात्मक कुंजी याद करीं जा : " *धूप से भरल सोना के कटोरा , जवन संतन के प्रार्थना ह* ." सब स्वर्गीय अउर सांसारिक प्राणी , जे अपना निष्ठा से चुनल गइल बा , "*मेमना* " यीशु मसीह के सामने सजदा करेला ताकि उनकर पूजा हो सके। " *वीणा* " स्तुति आ सामूहिक पूजा के सार्वभौमिक सामंजस्य के प्रतीक हवे।

पद 9: “ *उ लोग एगो नया गीत गावत कहलन कि , तू कि ताब लेके ओकर मोहर खोले के लायक बाड़ , काहेकि तू मारल गईल बाड़ , आ हर गोत्र , भाषा , लोग आ जाति से हमनी के अपना खून से परमेश्वर के छुड़ा देले बाड़ :* ”

ई " *नया गीत* " पाप से मुक्ति आ अस्थायी रूप से विद्रोह के भड़काऊ लोग के गायब होखे के जश्न मनावेला। काहे कि आखिरी न्याय के बाद ही उ लोग हमेशा खातिर गायब हो जईहे। ईसा मसीह के छुटकारा पावल लोग हर मूल से , हर रंग आमानव जाति से आवेला , " *हर गोत्र , भाषा , लोग , आराष्ट्र से* "; जवन साबित करेला कि

उद्धार के परियोजना केवल यीशु मसीह के नाम पर प्रस्तावित बा , प्रेरितों के काम 4:11-12 के घोषणा के अनुसार : " *यीशु उ पत्थर हवें जेकरा के रउआ बिल्डर लोग ठुकरा देले बानी , जवन कोना के सिर बन गइल बा। ना ही कवनो दोसरा में उद्धार नइखे ; काहे कि स्वर्ग के नीचे कवनो दोसर नाम नइखे जवन आदमी के बीच दिहल गइल बा , जवना से हमनी के उद्धार होखे के चाहीं । "* बाकी **सब** धर्म के एही से नाजायज आ शैतानी भ्रमात्मक धोखाधड़ी के बात कइल जाला . झूठा धर्म के विपरीत , सच्चा मसीही विश्वास के व्यवस्था तार्किक रूप से सुसंगत तरीका से परमेश्वर द्वारा कइल गइल बा। लिखल बा कि भगवान व्यक्ति के कवनो आदर ना करेले ; उनकर माँग उनकर सब प्राणी खातिर एके जइसन बा आउनकर जवन उद्धार चढ़ावल गइल रहे ओकर एगो कीमत रहे जवन ऊ खुदे चुकावे आइल रहले . एह मोक्ष खातिर कष्ट उठा के ऊ खाली ओह लोग के बचाई जेकरा के ऊ अपना शहादत से फायदा उठावे लायक मानत बा .

पद 10: " *तू उनकरा के हमनी के परमेश्वर के राज्य अउर याजक बनवले बाड़ , अउर उ लोग धरती पर राज करीहे* ."

यीशु द्वारा प्रचारित स्वर्ग के राज्य के आकार मिलल। मिल रहल बा " *के अधिकार के ... न्यायाधीश* ," चुनल लोग के तुलना प्रकाशितवाक्य 20:4 के अनुसार राजा लोग से कइल जाला पुरान वाचा के अपना गतिविधियन में , " *याजक* " पाप खातिर प्रतीकात्मक जानवरन के शिकार के चढ़ावत रहले स्वर्गीय अउर सांसारिक प्राणी के आग अंतिम न्याय के दिन ओह लोग के समाप्त कर दिही कि , परमेश्वर के द्वारा पुनर्जन्म लिहल गइल , तब ही , यीशु मसीह के साथे , राजा *लो ग के राजा अउर प्रभु लोग के प्रभु धरती* । "

पद 11: " *हम देखनी त सिंहासन के चारो ओर कई गो स्वर्गदूतन के आवाज सुननी , जीव -जन्तु आ बुजुर्ग लोग के आवाज सुननी , आउनकर संख्या दस हजार गुना दस हजार आहजार हजार रहे* ."

ई श्लोक हमनी के , एक साथ , दर्शकन के तीन समूह के साथे प्रस्तुत करेला जे पार्थिव आध्यात्मिक लड़ाई के गवाह बा। अबकी बेर आत्मा स्वर्गदूतन के एगो खास समूह के रूप में साफ -साफ जिक्र करत बा जवना के संख्या बहुत बड़ बा : " *असंख्य असंख्य आ हजारन हजारन* ." प्रभु के स्वर् गदूत वर्तमान में करीबी लड़ाकू हवें , जेकरा के उनकर मुक्ति पावे वाला , उनकर पार्थिव चुनल गइल लोग के सेवा में रखल गइल बा , जेकरा के ऊ लोग उनकरा नाम से रखे , रक्षा करेला आ निर्देश देला। फ्रंट लाइन पर , भगवान खातिर ई पहिला गवाह धरती पर जीवन के व्यक्तिगत अउर सामूहिक इतिहास के रिकार्ड करेलन।

पद 12: “ *जोर से कहलन , ‘उ मेमना जेकरा के मारल गइल बा , ऊ शक्ति , धन , बुद्धि , बल , आदर , महिमा आ आशीर्वाद पावे के लायक बा।* ’”

स्वर्गदूत लोग अपना नेता माइकल के सेवा में धरती पर सहायता कइल , जे अपना चुनल लोग के कइल पाप के छुटकारा पावे खाति र , अपना सेवकाई के अंत में , स्वैच्छिक बलिदान के रूप में , अपना के अर्पित करे वाला सिद्ध आदमी बने खातिर आपन सभ ईश्वरीय शक्ति उतार दिहलन। उनकर अनुग्रह के पेशकश के अंत में , चुनल लोग के जिंदा कइल गइल आवादा कइल अनंत काल में प्रवेश कइला के बाद , स्वर्गदूत परमेश्वर के दिव्य मसीह के उ सब गुण वापस कर देलें जवन उनकरा माइकल में रहे : " *शक्ति , धन , बुद्धि , ताकत , सम्मान , महिमा , अउर स्तुति।* "

पद 13: “ *आऊ स्वर्ग में , धरती पर , धरती के नीचे , समुंदर पर , आ ओहमें मौजूद हर जीव के , हम सुननी कि , “आशीष , आदर , महिमा , आ प्रभुत्व , सिंहासन पर बइठल के आ मेमना के हमेशा खातिर !* ”

भगवान के प्राणी एकमत बा। उ सब के उनकर प्रेम के प्रदर्शन बहुत पसंद रहे जवन यीशु मसीह में अपना के वरदान से प्रकट भईल रहे। भगवान के योजना एगो गौरवशाली सफलता ह। उनकर प्रेमी जीव के चयन पूरा हो जाला। श्लोक प्रकाशितवाक्य 14:7 में पहिला स्वर्गदूत के संदेश के रूप लेले बा : " *उ जोर से कहले , "परमेश्वर से डेराईं अउर उनकर महिमा करीं ; काहेकि उनकर न्याय के समय आगईल बा ; अउर उनकर पूजा करीं जे आकाश अउर धरती , समुद्र अउर पानी के फव्वारा बनवले बा ।* " 1843 के बाद से अंतिम चयन एह श्लोक के समझ के आधार पर भइल। अउर चुनल लोग सुनले अउर जवाब देके मसीही विश्वास में सातवाँ दिन के आराम के अभ्यास के बहाल कर दिहले जवन यीशु के प्रेरित अउर चेलन द्वारा 7 मार्च , 321 से एकर छोड़े तक के अभ्यास कइल गइल रहे। एकर परिणाम स्वर्गीय महिमा के एगो दृश्य ह जहाँ उनकर सब प्राणी , प्रकाशितवाक्य 14:7 के पहिला स्वर्गदूत के संदेश के अक्षरशः पालन करत कहत हउवें : " *जे सिंहासन पर बइठल बा , अउर मेमना के , स्तुति अउर सम्मान , महिमा अउर शक्ति हमेशा खातिर होखे !* " ध्यान दीं कि शब्द उल्टा क्रम में , ऊपर श्लोक 13 में स्वर्गदूतन द्वारा उद्धृत शब्दन के दोहरावेला। जी उठला के बाद से यीशु आपन स्वर्गीय जीवन वापस पा लेले बाड़े : " *आपन शक्ति , आपन धन अउर उनकर* ईश्वरीय बुद्धि। " धरती पर उनकर आखिरी दुश्मन उनका के " *स्तुति , सम्मान , महिमा आ शक्ति* " से मना कर दिहले जवन उनका के सृष्टिकर्ता भगवान के रूप में मिले के रहे। " *अपना ताकत* " के आवाज देत आखिरकार ऊ ओह सब के जीत लिहलन आ अपना गोड़ के नीचे कुचल दिहलन .

साथ ही प्रेम आ कृतज्ञता से भरल उनकर पवित्र आ शुद्ध प्राणी मिल के उनकर महिमा के प्रजा के जायज तरीका से बहाल कर देलें।

पद 14: " *चारो जीव कहलन , "आमीन ! आबुजुर्ग लोग आगे आके पूजा कइल .*"

शुद्ध दुनिया के निवासी एह क्षतिपूर्ति के मंजूरी देत बाड़े कि : "साँचहू ! ई साँच बा !" आउदात्त प्रेम से मुक्त भइल पार्थिव चुनल लोग अपना सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता परमेश्वर के सामने सजदा करेला जवन यीशु मसीह में अवतार लेवे आवेला।

प्रकाशितवाक्य 6: अभिनेता , ईश्वरीय दंड आईसाई युग के समय के संकेत

हमरा प्रकाशितवाक्य 5 में दिहल पाठ याद बा : किताब तबे खोलल जा सकेला जब " *सातवाँ मुहर* " हटा दिहल जाव। एह उद्घाटन के प्रभावी बनावे खातिर , मसीह के चुनल आदमी के सातवाँ दिन के सब्त के दिन के अभ्यास के **बिल्कुल मंजूरी देवे के होई ;** आ ई आध्यात्मिक चुनाव ओकरा के ओकरा के मंजूर करे वाला परमेश्वर से , ओकर बुद्धि आ ओकर आध्यात्मिक आ भविष्यवाणी के विवेक पावे के योग्य बनावेला। एह तरह से , बिना खुद पाठ के एकरा के निर्दिष्ट कइले ,

चुनल आदमी प्रकाशितवाक्य 7:2 में उद्धृत "*परमेश्वर के मुहर* " *के पहचा न करी* , " *सातवाँ मुहर* " *के साथ* , *जवन अभी भी प्रकाशितवाक्य के किताब के बंद कर देला* , *अउर उ*, *एह दुनो* " *मुहर* " के साथ , सातवाँ दिन के जोड़ दिही , जेकरा के परमेश्वर आराम करे खातिर पवित्र कइले बा। आस्था इजोत आ अन्हार में अंतर करे खातिर आवेला। एह तरह से , जे केहू पवि त्र सब्त के दिन के मंजूरी ना देला , ओकरा खातिर भविष्यवाणी एगो बंद , हरमेटिक किताब बनल रही। हो सकेला कि ऊ कुछ खास स्पष्ट विषयन के बढ़िया से पहचान लेव बाकिर जिनिगी आमौत में अंतर पैदा करे वाला महत्वपूर्ण आ काटत खुलासा ऊ ओकरा के ना समझ पइहें . " *सातवाँ मुहर* " के महत्व प्रकाशितवाक्य 8:1-2 में लउकी जहाँ आत्मा एकरा के " *सात तुरही* " के विषय के खोले के भूमिका देले बा . अब, ठीक एही " *सात तुरही* " के संदेश में ही भगवान के योजना साफ हो जाई। काहे कि प्रकाशितवाक्य 8 अउर 9 के *तुरही* के विषय , समानांतर रूप से , प्रकाशितवाक्य 2 अउर 3 के " *पत्र* " के विषय में भविष्यवाणी कइल गइल सच्चाई के पूरा करे खातिर आवेला ; अउर प्रकाशितवाक्य 6 अउर 7 के " *मुहर* " के ईश्वरीय रणनीति उहे बा जवना के इस्तेमाल उ दानियल के दिहल गईल आपन भविष्यवाणी के प्रकाशन के निर्माण करे खातिर कईले रहले। पवित्र सब्त के दिन के अभ्यास के हमरा स्वीकार कइला से आ अपना सार्वभौमिक पसंद से एह कार्य खातिर योग्य हो गइला के बाद , आत्मा " *सातवाँ मुहर* " के मुहर खोल के हमरा खातिर आपन प्रकाशितवाक्य के किताब खोल दिहलस। अब एकर " *मुहर* " के पहचान के पता लगावल जाव .

पद 1: " *हम देखनी कि जब मे मना सात गो मोहर में से एगो मोहर खोललस* , *आ चारों जीव में से एगो के गरज के आवाज से कहत सुननी कि आजा !* "

इ पहिला " *जीव* " *प्रकाशितवाक्य 4:7 के* " *शेर* " के राजसी अउर ताकत के नामित करेला , न्याय के अनुसार। 14:18 के बा। गरज के इ *आवाज* दिव्य ह अउर प्रकाशितवाक्य 4:5 में परमेश्वर के *सिंहासन से आवेला* / एह से ई सर्वशक्तिमान भगवाने बोलेलें। हर " *मोहर* " के खुलल एगो नेवता ह जवन भगवान हमरा के संबोधित करेले ताकि हम दर्शन के संदेश के देख सकीले आ समझ सकीले। यीशु फिलिपुस से पहिलही से कहले रहले कि : " *आके देख* " ता कि उनुका के अपना पीछे चले खातिर प्रोत्साहित कईल जा सके।

पद 2: " *हम देखनी , त देखनी कि एगो सफेद घोड़ा , ओकरा पर बइठल के धनुष रहे , आ ओकरा के मुकुट दिहल गइल , आऊ जीत के आजीते खातिर निकलल .* "

सफेद *रंग* उनकर पूरा पवित्रता के संकेत देला ; घोड़ा ओह चुनल लोग के छवि ह जवना के ऊ जैक के अनुसार

नेतृत्व करेला आसिखावेला / 3:3: " *अगर हमनी के घोड़ा के मुँह में बिट डाल देनी जा ताकि उ लोग हमनी के बात माने , त हमनी के ओकर पूरा शरीर प भी राज करेनी जा* "; उनकर " *धनुष* " उनकर दिव्य वचन के तीर के प्रतीक ह; उनकर " *मुकुट* " " *जीवन के मुकुट* " हवे जे उनकर शहादत से मिलल बा जेकरा के ऊ स्वेच्छा से स्वीकार कइले बाड़न ; उनकर जीत के समाधान तब से भइल जब से उनकर पहिला आमने -सामने के रचना भइल ; निस्संदेह ई वर्णन सर्वशक्तिमान भगवान ईसा मसीह के ह। उनकर अंतिम जीत तय बा काहे कि ऊ पहिलहीं से , गोल् गोथा में , शैतान , पाप आ मौत पर जीत हासिल कर चुकल बाड़न . जकरयाह 10:3-4 एह बिम्बन के पुष्टि करत बा कि : " *हमार क्रोध चरवाहा लोग पर भड़क गइल बा , आहम बकरी के सजा देब ; काहे कि सेना के यहोवा उनकर भेड़ , यहूदा के घर के दौरा करीहें , अउर उ उनकरा के लड़ाई में अपना गौ रवशाली घोड़ा नियर बनाई ; उनकरा से कोना निकली , उनकरा से कील , उनकरा से* ***युद्ध के धनुष*** *निकली ; उनकरा से सब शासक एक साथ निकली।* » The ईश्वरीय मसीह के जीत के घोषणा हमनी के हफ्ता के « ***सातवाँ दिन के पवित्रीकरण*** » से भइल , दुनिया के सृष्टि से , बाकी « *सातवाँ* » सहस्राब्दी के भविष्यवाणी करत , जवना के प्रकाशितवाक्य 20:4-6-7 में कहल गइल बा , जवना में , अपना *जीत* से , यीशु अपना चुनल लोग के अनन्त काल खातिर ले अइहें पार्थिव दुनिया एह अभिव्यक्ति के पुष्टि करेला : « जीत के *आगे* बढ़ल » /

पद 3: " *जब उ दूसरा मुहर खोलले त हम दूसरा जीव के कहत सुननी कि , 'आजा !* '"

" *दूसरा जीवित प्राणी* " प्रकाशितवाक्य 4:7 के बलिदान के "*बछड़ा* " के संदर्भित करेला । बलिदान के भावना यीशु मसीह अउर उनकर सच्चा चेलन के जीवंत कइलस जेकरा के उ घोषणा कइलन : " *अगर केहू हमरा पीछे आवे के चाहत बा त उ अपना के नकार देवे अउर आपन क्रूस उठा के हमरा पीछे चले ।* "

पद 4: " *एगो अउरी घोड़ा निकलल जवन लाल रहे , आओकरा पर बइठल के धरती से शांति लेबे के अधिकार दिहल गइल आऊ लोग एक दोसरा के मारे के अधिकार दिहल गइल , आओकरा के एगो बड़हन तलवार दिहल गइल .*"

" *लाल* ," या " *आगि के लाल* ," प्रकाशितवाक्य 9:11 के "अब्बादोन *अपोलियन* " के प्रतिरूप में मुख्य विनाशक शैतान द्वारा प्रोत्साहित कइल गइल पाप के दर्शाविला ; " *आग*" विनाश के साधन आप्रतीक होखला के नाते। ऊहो , दुष्ट पतित स्वर्गदूतन आ बहकावल आ हेरफेर कइल सांसारिक शक्ति यन से बनल अपना बुराई के शिविर के नेतृत्व करेला . ऊखाली एगो अइसन प्राणी हवे जे *धरती से शांति लेवे के शक्ति* " भगवान से " *पावेला , ताकि उ लोग एक दूसरा के मार सके* ." एह

कार्रवाई के रोम , " *वेश्या बेबिलोन महान* " प्रकाशितवाक्य 18:24 में आरोपित कइल जाई : " अउर काहे कि ओकरा में भविष्यवक्ता अउर संत अउर *धरती पर* ***मारल गइल सब लोग*** *के खून मिलल बा* ." एह तरह से विश्वासी ईसाई लोग के " *विनाशक* " के पहचान ओकर शिकार लोग के साथे -साथे कइल जाला। उनुका मिले वाला " तलवार " इजकि . 14:21-22: " *हँ , प्रभु यहोवा इ कहत हउवें : भले ही हम यरूशलेम के खिलाफ आपन* ***चार भयानक सजा*** *, तलवार , अकाल , जंगली जानवर अउर महामारी , ओकरा से आदमी अउर जानवर के सफाया करे खातिर भेजत बानी , फिर भी एगो बचे वाला बचल होई जे बच जाई , जे ओकरा से निकली , बेटा -बेटी* ..."।

पद 5: " *जब उ तीस रा मुहर खोललन त हम तीसरा जीव के कहत सुननी कि , 'आ जा , देख ऽ। ' हम देखनी कि एगो करिया घोड़ा बा , आ ओकरा सवार के हाथ में तराजू रहे .*"

" *तीसरा जीवित प्राणी* " प्रकाशितवाक्य 4:7 में परमेश्वर के प्रतिरूप में बनल " *आदमी* " *ह।* ई पात्र काल्पनिक बा , लेकिन इजके के अनुसार पाप के दूसरा दिव्य सजा के गठन करेला। 14:20 बजे के बा। आदमी के खाना के खिलाफ काम करत अबकी बेर *अकाल बा* . हमनी के युग में एकरा के ओतने शाब्दिक रूप से थोपल जाई जतना कि आध्यात्मिक रूप से। दुनों अनुप्रयोग में ई नश्वर परिणाम ले के चले ला , बाकी ईश्वरीय प्रकाश से वंचित होखे के आध्यात्मिक अर्थ में एकर सीधा परिणाम पतित लोग खातिर आरक्षित " *दूसरा मौत* " के मौत होला , अं तिम निर्णय पर। एह तीसरा घुड़सवार के संदेश के संक्षेप में एह तरह से बतावल जा सकेला कि चूंकि आदमी अब भगवान के प्रतिरूप में नइखे , बलुक जानवरन के प्रतिरूप में बा , एहसे हम ओकरा के ओह चीज से वंचित कर देत बानी जवन ओकरा के जिंदा करेला : ओकर शारीरिक भोजन आ ओकर आध्या त्मिक भोजन। तराजू न्याय के प्रतीक ह , इहाँ भगवान के प्रतीक ह जे मसीही लोग के विश्वास के काम के न्याय करेला।

पद 6: " *चारो जानवरन के बीच में एगो आवाज सुननी कि , एक पइसा में गेहूं के नाप , एक पइसा में तीन नाप जौ , लेकिन तेल आ शराब के कवनो नुकसान मत करीं .*"

ई आवा ज मसीह के ह , जेकरा के झूठा विश्वासियन के बेवफाई से तिरस्कार आ कुंठित कइल गइल बा। एही दाम पर हमनी के जौ से कम गेहूं के मात्रा देखत बानी जा . जौ के एह उदार प्रस्ताव के पीछे बहुत उच्च आध्यात्मिक स्तर के संदेश बा। दरअसल , नंबर 1 में। 5:15 में , कानून " *जौ* " *के प्र रसाद पेश करेला ताकि* पति के अपना पत्नी के प्रति *ईर्ष्या* के समस्या के हल कईल जा सके । त अगर रउवां समझल चाहत बानी त विस्तार से , पूरा तरीका से , श्लोक 12 से 31 में वर्णित एह प्रक्रिया के पढ़ीं। एकरा रोशनी में , हम समझ गईनी कि भगवान खुद , सभा के यीशु मसीह में *दूल्हा* , *उनकर*

दुल्हिन , इहाँ " ईर्ष्या के शक" के शिकायत दर्ज कर रहल बाड़े ; जवना के पुष्टि प्रकाशितवाक्य 8:11 में " *तीसरा तुरही " में उद्धृत " कड़वा पानी* " के उल्लेख से होई । संख्या 5 के प्रक्रिया में , महिला के धूल - धूसरित पानी पीये के पड़ी , बिना कवनो नतीजा के , अगर निर्दोष होखे लेकिन , कड़वा होके अगर उ दोषी होखे , त ओकरा के गारी के चोट लाग जाई। दुल्हिन के *व्यभिचार के निंदा प्रकाशितवाक्य 2:12 (पर्गामि* नाम से नकाबपोश कइल गइल : बियाह के उल्लंघन करे वाला) अउर प्रकाशितवाक्य 2:22 में , अउर एह तरह से एकर पुष्टि *3 मुह र अउर 3 तुरही* के बीच स्थापित कड़ी से फिर से होई / पहिलहीं से , दानियल में , उहे दृष्टिकोण दानियल 8 द्वारा "पुष्टि " कइल गइल बा , दान के " *छोट सींग " के रोमन पहचान।* 7 के "परिकल्पना " के रूप में प्रस्तुत कइल गइल। दानियल 2, 7 अउर 8 के ई समानांतर उ नवीनता रहे जवन ह मरा के रोमन पहचान के साबित करे के अनुमति दिहलस ; एडवेन्टिज्म के अस्तित्व के बाद पहिला बेर ई भइल बा . इहाँ एपोकैलिप्स में भी बात के ओही तरह से प्रस्तुत कइल गइल बा। हम तीनों मुख्य विषय , अक्षर , मुहर , अउर तुरही के समानांतर ईसाई युग के अवलोकन के प्रदर्शन करत बानी । अउर प्रकाशितवाक्य में , " *तुरही* "के विषय उहे भूमिका निभावेला जवन दानियल के किताब खातिर दानियल 8 में रहे। इ दुनो तत्व सबूत देवेला जवना के बिना भविष्यवाणी खाली उ " *संदेह* " पेश करी जवना के हम दानियल के अध्ययन में "परिकल्पना " कहले रहनी। एह तरह से ई शब्द , " *ईर्ष्या के शक*" नंबर 1 में प्रकट भइल बा। 5:14, प्रकाशितवाक्य 1 से प्रकाशितवाक्य 6 तक परमेश्वर अउर सभा पर लागू होखे ; फिर किताब के उद्घाटन के साथ " *सातवाँ मुहर* " के सातवाँ दिन के सब्त के दिन के पहचान से संभव भइल , प्रकाशितवाक्य 7 के विषय , सभा के " *व्यभिचार के शक" के " तुरही* " के विषय में "पुष्टि " हो जाई अउर ओकरा बाद आवे वाला अध्याय 10 से 22 में। एह तरह से आत्मा अध्याय 7 में कस्टम पोस्ट के भूमिका देले बा , जहाँ प्रवेश करे के अनुमति लेवे के पड़ी। प्रकाशितवाक्य के मामला में , इ अधिकार खुद यीशु मसीह , सर्वशक्तिमान परमेश्वर अउर पवित्र आत्मा हवे। प्रवेश के दरवाजा ओह आदमी खातिर खुलल बा , ऊ कहत बाड़न , जे " *हमार आवाज सुनेला* " जे हमरा खातिर खुलेला जब हम ओकर दरवाजा (दिल के दरवाजा) *खटखटावेनी , आ जे हमरा साथे आ हम ओकरा साथे सप करेला* ," प्रकाशितवाक्य 3:20 के अनुसार। " *शराब आते ल* " यीशु मसीह द्वारा बहावल खून के संबंधित प्रतीक हवे आ परमेश्वर के आत्मा के। एकरा अलावा , इ दुनो घाव के ठीक करे खातिर इस्तेमाल कइल जाला। दिहल आज्ञा " दिहल गइल " आज्ञा " दिहल गइल " आज्ञा के अनुसार।

उनकरा के चोट ना पहुंचावे के " मतलब इ बा कि परमेश्वर ताड़ दे वेलन , लेकिन उ अभी भी अपना दया के मिश्रण से अइसन करेलन। प्रकाशितवाक्य 16:1 अउर 14:10 के अनुसार अंतिम पार्थिव दिन के उनकर " *क्रोध* " *के* " *सात अंतिम विपत्ति* " *खातिर अइसन ना होई।*

पद 7: " *जब उ चउथा मोहर खोलले त हम चउथा जीव के आवाज सुननी कि 'आजा !'* "

" *चउथा जीव* " परम आकाशीय ऊंचाई के "*चील* " *हवे।* एह में भगवान के चउथा सजा के प्रकट होखे के घोषणा कइल गइल बा : नश्वरता।

पद 8: " *हम देखनी , त देखनी कि एगो पीयर घोड़ा , ओकरा पर बइठल ओकर नाम मौत रहे , आ पाताल ओकरा पीछे -पीछे चलत रहे , आ धरती के एक चौथाई हिस्सा पर ओह लोग के तलवार से , भूख से , मौत से , आ धरती के जानवरन से मारे के अधिकार दिहल गइल .*"

घोषणा के पुष्टि हो गईल बा , इ वाकई में " *मौत* " ह , लेकिन एकरा अर्थ में परिस्थितिजन्य सजा में लगावल गईल मौत के दर। मौत मूल पाप के बाद से सभ मानवता के प्रभावित कइले बा , लेकिन इहाँ खाली " *धरती के एक चौथाई हिस्सा* " ही एकरा से मारल जाला , " महामारी के बेमारी के कारण *तलवार , अकाल , मौत* ", *आ*" *जंगली जानवर* " जानवर आमनुष्य दुनों के कारण। ई " *पृथ्वी के चौथाई हिस्सा* " *बेवफाई से ईसाई यूरोप आ ओह ताकतवर राष्ट्रन के निशाना बनावत बा जवन 16वीं* सदी के आसपास एकरा से निकलीहें : दुनु अमेरिकी महाद्वीप आ ऑस्ट्रेलिया .

पद 9: " *जब उ पांचवा मुहर खोलले , त हम वेदी के नीचे उ लोग के आत्मा देखनी जवन परमेश्वर के वचन के चलते अवुरी उ लोग के गवाही के चलते मारल गईल रहले .*"

इ लोग झूठा मसीही विश्वास के नाम प कईल गईल "बेस् टियल " काम के शिकार हवे। एकरा के रोमन कैथोलिक पोप शासन द्वारा सिखावल जाला , जेकर प्रतीक प्रकाशितवाक्य 2:20 में पहिलहीं से बा , *ऊ महिला ईजेबेल जेकरा पर आत्मा* अपना सेवकन के *सिखावे के* क्रिया के आरोप लगावेले या शाब्दिक रूप से : " *ओकर गुलाम* । " इनका के " *नीचे* " रखल जाला *वेदी* ", एह से मसीह के क्रूस के आश्रय में जवन उनकरा के उनकर " *अनन्त न्याय* " *से फायदा* उठावेला (देखीं दान .9:24)।जइसन कि प्रकाशितवाक्य 13:10 इशारा करी , चुनल लोग शहीद के शिकार हवे अउर कबो जल्लाद ना हवे , ना ही मनुष्य के हत्यारा *अउर जवन गवाही उ लोग देले रहे* ";काहे कि सच्चा विश्वास सक्रिय होला , कबो एगो साधारण झूठा आश्वस्त करे वाला लेबल ना होला।उनकर " *गवाही* " ठीक से परमेश्वर के महिमा खातिर आपन जान देवे में शामिल रहे।

पद 10: “ *उ लोग जोर -जोर से चिल्लात कहलस, “हे प्रभु , पवित्र अउर सच्चा , जब तक तू धरती पर रहे वाला लोग पर हमनी के खून के न्याय ना करऽ अउर हमनी के खून के बदला ना लेबऽ ?”*

इ मूर्ति तोहके धोखा मत देवे , काहेकि इ खाली धरती पर बहावल उनकर खून ह जवन परमेश्वर के कान में बदला लेवे खातिर चिल्लात बा , जइसे कि उत्पत्ति 4:10 के अनुसार हाबिल के खून उनकर भाई कैन द्वारा मारल गईल रहे : " *अउर परमेश्वर कहले , तू का कइले बाड़ ? तोहरा भाई के खून के आवाज धरती से हमरा से पुकारत बा।* " मुअल लोग के असली स्थिति उपदेशक में प्रकट भइल बा। 9:5-6-10 के बा। हनोक , मूसा , एलियाह , अउर संत लोग के छोड़ के जे यीशु मसीह के मौत के समय जी उठल रहले , बाकी लोग के " *सूरज के नीचे होखे वाला कवनो काम में कवनो हिस्सा नइखे , काहे कि उनकर मन आयाददाश्त नाश हो जाला ।* " " *कब्र में ना बुद्धि बा , ना षड्यंत्र , ना ज्ञान बा। " काहे कि उनकर याददाश्त भुला गइल बा .*" ई मौत के संबंध में **भगवान से प्रेरित** मापदंड हवें .

झूठा विश्वासी यूनानी दार्शनिक प्लेटो के बुतपरस्ती से विरासत में मिलल झूठा सिद्धांतन के शिकार होलें , जेकर मौत पर रा य के सच्चाई के भगवान के प्रति वफादार ईसाई विश्वास में कवनो जगह नइखे। आईं हमनी के प्लेटो के ऊ वापस दे दीं जवन उनकर ह आ भगवान के जवन उनकर ह : सब चीजन के बारे में सच्चाई , आ चली हमनी के तार्किक होखे के चाहीं , काहे कि मौत जीवन के बिल्कुल विपरीत ह , आअस्तित्व के कवनो नया रूप ना .

पद 11: “ *उनकरा में से हर एक के एगो सफेद वस्त्र दिहल गईल , अउर उ लोग से कहल गईल कि उ लोग के कुछ समय खातिर आराम करे के चाहीं , जब तक कि उनकर साथी नौकर आ उनकर भाई , जेकरा के उनकरा जइसन मारल जाई , पूरा ना हो जाई .*”

" *सफेद वस्त्र* " शहीदन के पवित्रता के प्रतीक ह जवन यीशु पहिला बेर प्रकाशितवाक्य 1:13 में पहिनले रहले। " *सफेद वस्त्र* " धार्मिक उत्पीड़न के समय में उनकर आरोपित धर्म के छवि ह। शहीदन के समय ईसा के समय से लेके 1798 तक चलेला , एह काल के अंत में , प्रकाशितवाक्य 11:7 के अनुसार , " *अथाह गड्ढा से चढ़े वाला जानवर* ," फ्रांसीसी क्रांति के प्रतीक आ1793 आ 1794 के ओकर नास्तिक आतंक , राजतंत्र आ कैथोलिक पोपिज्म द्वारा आयोजित उत्पीड़न के अंत कर दिही , जेकरा के खुद " *जानवर " के रूप में नामित कइल गइल बा जवन समुद्र से चढ़ेला* " प्रकाशितवाक्य 13:1 में । क्रांतिकारी नरसंहार के बाद ईसाई दुनिया में धार्मिक शांति स्थापित हो जाई। हमनी के फेर से पढ़ेनी जा : " *आओह लोग से कहल गइल कि जबले ओह लोग के*

साथी नौकर आभाई लोग के पूरा ना हो जाव , जेकरा के ओह लोग जइसन मारल जाव , तबले कुछ देर खातिर आराम करऽ ." मसीह में बाकी मुअल लोग उनकर अंतिम गौरवशाली वापसी तक जारी रही। मान लीं कि एह " *पांचवीं मुहर* " के संदेश " *थ्यातिरा* " *युग* के कैथोलिक पोप इन्क्विजिशन द्वारा सतावल गइल प्रोटेस्टेंट लोग के संबोधित बा , फ्रांसीसी क्रांतिकारी कार्रवाई के कारण चुनल लोग के मौत के सजा खतम हो जाई जवन जल्दिये , 1789 से 1798 के बीच , पोप के गठबंधन आ फ्रांसीसी राजतंत्र के आक्रामक शक्ति के नष्ट कर दी। एह से जवन " *छठवाँ मुहर* " खुली उ एह फ्रांसीसी क्रांतिकारी शासन से संबंधित होई जवना के प्रकाशितवाक्य 2:22 अउर 7:14 " *महान संकट* " कहत बा . सिद्धांतगत अपूर्णता में जवन एकर विशेषता बा , प्रोटेस्टेंट आस्था भी नास्तिक क्रांतिकारी शासन के असहिष्णुता के शिकार होई। एकरा हरकत से ही ओह लोग के संख्या हो जाई जेकरा के मारल जाए के रहे।

पद 12: " *हम देखनी कि जब उ छठवाँ मोहर खोललन त एगो बड़हन भूकंप आइल, आसूरज बाल के बोरा नियर करिया हो गइल आपूरा चाँद खून नियर हो गइल* । "

6वीं *सील* " के घंटा के संकेत के रूप में दिहल " *भूकंप* " हमनी के शनिचर , 1 नवंबर , 1755 के , लगभग 10 a.m. के कार्रवाई के रखे के अनुमति देला एकर भौगोलिक केंद्र बेहद कैथोलिक शहर लिस्बन रहे , जवना में 120 कैथोलिक चर्च स्थित रहे। भगवान एह तरह से अपना क्रोध के निशाना के संकेत दिहलन कि ई " *भूकंप* " भी आध्यात्मिक प्रतिरूप में भविष्यवाणी कइले बा। भविष्यवाणी कइल गइल कार्रवाई 1789 में फ्रांसीसी लोग के राजतंत्र के खिलाफ बिद्रोह के साथ पूरा होखी ; भगवान एकर निंदा के साथे -साथ एकर सहयोगी रोमन कैथोलिक पपिज्म के भी निंदा कइलें , दुनों के 1793 आ 1794 में मौत हो गइल ; क्रांतिकारी "दू गो आतंक " के तारीख। प्रकाशितवाक्य 11:13 में फ्रांसीसी क्रांतिकारी कार्रवाई के तुलना " *भूकंप* " से कइल गइल बा . उद्धृत क्रिया के तारीख बतावे में सक्षम होखला से भविष्यवाणी अउरी सटीक हो जाला। "... *सूरज केश के बोरा निहन करिया हो गईल।* " ", 19 मई , 1780 के , आ उत्तरी अमेरिका में अनुभव कइल गइल एह घटना के "अंधेरा दिन " नाँव मिलल। ई अइसन दिन रहल जेह में कौनों सूरज के रोशनी ना रहल जे फ्रांसीसी क्रांतिकारी नास्तिकता द्वारा इहाँ " सूरज " *द्वारा प्रतीकित भगवान के लिखल शब्द के रोशनी के खिलाफ कइल गइल कार्रवाई के भी भविष्यवाणी कइलस* ; पवित्र बाइबल के ऑटो -डा -फे में जरा दिहल गइल। " *पूरा चाँद खून नियर हो गइल* ", अंत में एह अन्हार दिन के मोट बादल चंद्रमा के एगो स्पष्ट लाल रंग में उजागर

कइलस एह छवि से भगवान अन्हार के पोप -शाही शिविर खातिर आरक्षित भाग्य के पुष्टि कइलें , 1793 से 1794 के बीच , क्रांतिकारी गिलोटिन के तेज ब्लेड से ओह लोग के खून भरपूर बहावे के रहे।

नोट : प्रकाशितवाक्य 8:12 में , " *सूरज के एक तिहाई , चंद्रमा के एक तिहाई , अउर तारा के एक तिहाई* " मार के , " *चउथा तुरही* " के संदेश एह तथ्य के पुष्टि करी कि क्रा न्तिकारी लोग के शिकार सच्चा चुनल गइल अउर पतित लोग होई जेकरा के परमेश्वर यीशु मसीह में खारिज कर देले बाड़न। एह से " *पांचवा मुहर* " के संदेश के अर्थ के भी पुष्टि होला जवन हमनी के अभी देखले बानी जा। वाकई में नास्तिकता के क्रिया से ही आस्थावान चुनल लोग के अंतिम हत्या पूरा होई।

पद 13: " *आ आकाश के तारा धरती पर गिर गइल , जइसे अंजीर के पेड़ तेज हवा से हिलला पर आपन असमय अंजीर फेंकेला।* "

समय के ई तीसरा चिन्ह , अबकी बेर आकाशीय , 13 नवंबर 1833 के शाब्दिक रूप से पूरा भइल , जवन आधा रात से 5 a.m. के बीच पूरा अमेरिका से लउकत रहे लेकिन पिछला राशि के तरह इहो एगो अकल्पनीय परिमाण के आध्यात्मिक घटना के घोषणा कइलस। आधा रात से लेके सबेरे 5 बजे तक आसमान के पूरा विस्तार में छतरी के आकार में गिरल ए तारा के संख्या के गिन सकत रहे ? इ उ छवि ह जवन भगवान हमनी के 1843 में प्रोटेस्टेंट विश्वासियन के पतन के देले बाड़े , उ तारीख जब उ लोग दान के फरमान के शिकार भईल रहले। 8:14 जवन लागू हो गइल। 1828 से 1873 के बीच , "टाइग्रिस " नदी (दान . 10:4) के कार्रवाई के पुष्टि एह तरह से दान में भइल बा , जवन आदमी के हत्या करे वाला जानवर के नाम ह। 12:5 से 12. एह श्लोक में " *अंजीर के पेड़* " *परमेश्वर के लोग के वफादारी के प्रतिनिधित्व करेला , सिवाय एह बात के कि एह वफादारी* पर धरती पर फेंकल " *हरियर अंजीर* " के छवि से सवाल उठावल जाला । ठीक ओइसहीं , प्रोटेस्टेंट आस्था के भगवान द्वारा आरक्षण अउर अस्थायी शर्त के साथ स्वागत कइल गइल , लेकिन विलियम मिलर के भविष्यवाणी वाला संदेशन के तिरस्कार अउर सब्त के दिन के बहाली के अस्वीकार के कारण 1843 में एकर पतन भइल , एही मना कइला के माध्यम से ही " *अंजीर* " " *हरियर* " रह गइल , भगवान के रोशनी के स्वीकार करके पकावे से मना कइलस , ई मर जाई। ई एह दर्जा में रही , 2030 में उनकर गौरवशाली वापसी के समय तक प्रभु के कृपा से गिरल बा।लेकिन सावधान रहीं , नवीनतम रोशनी के अस्वीकार के माध्यम से , 1994 से , आधिकारिक एडवेंटिज्म बन गईल बा , " *इ भी* ," एगो " *हरियर अंजीर* " जवना के किस्मत में दु बेर मरल बा।

पद 14: “ *आकाश एगो ग्रंथ के रूप में चल गइल , आ हर पहाड़ आ द्वीप अपना जगह से हट गइल ।* ”

ई भूकंप अबकी बेर सार्वभौमिक बा . अपना गौरवशाली प्रकटीकरण के घड़ी में भगवान धरती आ ओकरा में मौजूद सब कुछ , आदमी आ जानवर के हिला दिहें। इ क्रिया " *परमेश्वर के क्रोध के सात अंतिम विपत्तियन में से सातवाँ विपत्ति* " के समय होई , प्रकाशितवाक्य 16:18 के अनुसार। इ सही मायने में चुनल लोग के पुनरुत्थान के घड़ी होई , " *पहिला* ," " *धन्य* लोग " के , प्रकाशितवाक्य 20:6 के अनुसार ।

पद 15: “ *धरती के राजा , कुलीन , कप्तान , अमीर , ताकतवर , हर गुलाम आ हर स्वतंत्र आदमी गुफा में आ पहाड़ के चट्टान में लुकाइल रहले।* ”

जब सृष्टिकर्ता भगवान अपना पूरा महिमा आ शक्ति में प्रकट हो जासु त कवनो मानवीय शक्ति खड़ा ना हो सके आ कवनो आश्रय ओकरा दुश्मनन के ओकरा धार्मिक क्रोध से बचा ना सके . इ श्लोक इ संकेत देत बा : परमेश्वर के न्याय मानवता के सब दोषी श्रेणी के आतंकित करेला।

पद 16: “ *उ लोग पहाड़ आ चट्टान से कहलस, “हमनी पर गिर के सिंहासन पर बइठल के चेहरा से आ मेमना के क्रोध से छिपा द:* ”

ई खुद मेमना हवे जे दिव्य सिंहासन पर बइठल बा , बाकिर एह घड़ी अब ऊ मारल मेमना ना रह गइल बा जे अपना के ओह लोग का सोझा पेश करेला , ई " *राजा लोग के राजा आ प्रभु लोग के मालिक* " ह जे अंतिम समय के अपना दुश्मनन के कुचल देबे आवेला .

पद 17: “ *काहेकि उनकर क्रोध के बड़हन दिन आ गइल बा , आके खड़ा हो सकेला ?* ”

चुनौती बा “ *गुजारा* ,” यानी भगवान के न्यायसंगत हस्तक्षेप के बाद जिंदा रहे के।

जे लोग एह भयानक घड़ी में " *खड़ा* " कर सकेला उ लोग उहे हवें जे मर जाए वाला रहले , प्रकाशितवाक्य 13:15 में बतावल गइल अतवार के फरमान के योजना के अनुसार , जवना के अनुसार , पवित्र ईश्वरीय सब्त के दिन के पालन करे वाला लोग के धरती पर सफाया होखे के रहे। जे लोग ओह लोग के मारे वाला रहे , ओकर आतंक , जवन पिछला श्लो क में प्रकट भइल बा , ओकर व्याख्या कइल गइल बा। अउर एह तरह से उ लोग जे यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के दिन खड़ा हो सकेला , उ प्रकाशितवाक्य 7 के विषय होई , जवना में परमेश्वर हमनी के उनकरा बारे में आपन योजना के कुछ हिस्सा के प्रकट करीहे।

दिन के एडवेन्टिज्म
भगवान के मुहर से मुहर लगावल : सब्त के दिन

पद 1: “ *एकरा बाद हम चार गो स्वर्गदूत के धरती के चारो कोना पर खड़ा देखनी , जवन धरती के चार हवा के पकड़ले रहले , ताकि हवा धरती पर ना चले , ना समुंदर पर , ना कवनो पेड़ पर।* ”

इ " *चार स्वर्गदूत* " भगवान के स्वर्गीय स्वर्गदूत हवें जे एगो सार्वभौमिक क्रिया में लागल बाड़े जवना के प्रतीक " *धरती के चार कोना* " बा . " *चार हवा* " सार्वभौमिक युद्ध , संघर्ष के प्रतीक हवें ; एह तरह से ओह लोग के " *रोकल जाला* ," रोकल जाला , रोकल जाला , जवना के परिणामस्वरूप सार्वभौमि क धार्मिक शांति होला। कैथोलिक धर्म के प्रतीक " *समुद्र* " आ सुधारवादी आस्था के प्रतीक " *धरती* ," *एक दूसरा के साथ शांति में बा।* आई शांति " *पेड़* " से भी संबंधित बा , आदमी के एगो व्यक्ति के रूप में छवि। इतिहास बतावेला कि ई शांति फ्रांस के राष्ट्रीय नास्तिकता से कुचलल पोप के सत्ता के कमजोर होखला से थोपल गइल रहे , 1793 से 1799 के बीच , ऊ तारीख जब पोप पायस छठवाँ वैलेंस -सुर -रोन के सिटाडेल जेल में बंद रहत घरी निधन हो गइल रहे , जहाँ हमार जनम भइल रहे आहम रहत बानी . एह काम के श्रेय " *अथाह गड्ढा से चढ़े वाला जानवर* " के दिहल गइल बा प्रकाशितवाक्य 11:7 में।

प्रकाशितवाक्य 8:12 में एकरा के "*4वां तुरही* "*भी कहल गइल बा।* एकरा बाद फ्रांस में नेपोलियन प्रथम के शाही शासन ' जवना के प्रतीक प्रकाशितवाक्य 8:13 में "*एगो चील* " बा , कॉनकोर्डैट द्वारा पुनर्स्थापित कैथोलिक धर्म पर आपन अधिकार बनवले रखी।

पद 2: "*हम एगो अउरी स्वर्गदूत के पूरब से चढ़त देखनी , जवना पर जिंदा परमेश्वर के मुहर लागल रहे ।* "*उगत सूरज* " परमेश्वर के लूका 1:78 में यीशु मसीह में , उनकर पार्थिव झुंड के दौरा करे के संदर्भित करत रहे। "*जीवित परमेश्वर के मुहर* " ईसा मसीह के स्वर्गीय शिविर में प्रकट होला। एगो "*तेज आवाज* " के साथ जवन उनकर अधिकार के पुष्टि करेला , स्वर्गदूत ओह सार्वभौमिक राक्षसी स्वर्गदूत शक्तियन के एगो आदेश जारी करेला जेकरा के भगवान के अधिकार मिलल बा "*नु कसान करे खातिर* ," "*धरती* " आ" *समुद्र* " के , यानी कि प्रोटेस्टेंट विश्वास आ रोमन कैथोलिक विश्वास के। ई आध्यात्मिक व्याख्या कवनो शाब्दिक अनुप्रयोग के बाधित नइखे करत जवन हमनी के सृष्टि के "*धरती , समुद्र आ पेड़* " *से संबंधित होई ; जवन* प्रकाशितवाक्य 9:13-21 के "*छठवाँ तुरही* " के समय परमाणु हथियार के प्रयोग से बचल मुश्किल होई।

पद 3: "*जब तक हमनी के अपना परमेश्वर के सेवकन के माथे पर मोहर ना लगा देब जा , तब तक धरती , ना समुद्र के , ना पेड़ के नुकसान मत करीं ।* "

इ विस्तार हमनी के चुनल लोग के मुहर लगावे के शुरुआत के 1843 के बसंत से लेके 1844 के गिरावट तक के स्थिति बतावे के अनुमति देला , 22 अक्टूबर , 1844 के बाद ही पहिला एडवेंटिस्ट , कैप्टन जोसेफ बेट्स के व्यक्तिगत रूप से सातवाँ दिन के सब्त के आराम के अपना के मुहर लगावल गईल। जल्दिये उनकर नकल, प्रगतिशील रूप से , ओह समय के उनकर सब एडवेन्टिस्ट भाई -बहिन लोग करी। मुहर 22 अक्टूबर , 1844 के बाद शुरू भइल , अउर इ प्रकाशितवाक्य 9:5-10 में भविष्यवाणी कइल गइल "*पांच महीना* " *तक जारी रही ;* "*पांच महीना* " या इजके के दिन -साल कोड के अनुसार 150 वास्तविक साल। 4:5-6 में दिहल गइल बा। ई 150 साल धार्मिक शां ति खातिर भविष्यवाणी कइल गइल रहे। स्थापित शांति "सेवेन्थ -डे एडवेन्टिस्ट " संदेश के घोषणा आ सार्वभौमिक विकास के पक्ष में रहे , जवना के प्रतिनिधित्व आजसब पश्चिमी देशन में आ हर जगह होला जहाँ ई संभव भइल बा। एडवेंटिस्ट मिशन सार्वभौमिक बा , अउर एही से , ई विशेष रू प से भगवान पर निर्भर करेला। एह से एकरा के अउरी ईसाई संप्रदाय से कुछ भी ना मिले के चाहीं आ आशीष पावे खातिर , खाली ईसा मसीह के दिहल प्रेरणा पर भरोसा करे के पड़ी , जे एकर स्वर्गीय सिर के प्रमुख हवें , जे "पवित्र बाइबल " पढ़े के समझ देलें ; बाइबल ,

परमेश्वर के लिखल वचन जवन प्रकाशितवाक्य 11:3 में उनकर " *द्व गो गवाहन " के प्रतिनिधित्व करेला।* 1844 में शुरू भइल, भगवान द्वारा गारंटी कइल गइल शांति के समय 1994 के गिरावट में खतम हो जाई जइसन कि प्रकाशितवाक्य 9 के अध्ययन से पता चल जाई।

"परमेशवर के मुहर " के बारे में महत्वपूर्ण नोट : " *परमेश्वर के मुहर* " के रूप में अपना भूमिका के जायज ठहरावे खातिर अकेले सब्त के दिन पर्याप्त नइखे। मुहर के तात्पर्य इ बा कि एकरा साथे यीशु द्वारा अपना संतन खातिर तैयार कइल काम भी होखे : सच्चाई **अउर भविष्यवाणी के सच्चाई के प्रेम** , अउर 1 कुरिन्थियों में प्रस्तुत फल के गवाही। 13. बहुत लोग जे एह मापदंड के पूरा कइले बिना सब्त के दिन मनावेला जब एकरा के पालन करे खातिर जान से मारे के धमकी लउकी त ओकरा के छोड़ दीहें . सब्त के दिन विरासत में ना मिलेला ; इ भगवान हवें जे एकरा के चुनल लोग के देवेले , एकरा के संकेत के रूप में **कि इ उ लोग के ह** . इजके के अनुसार इजकि . 20:12-20: " *अउर हम ओह लोग के आपन सब्त के दिन देले बानी , ताकि उ लोग हमरा अउर उनकरा बीच एगो निशानी होखे , ताकि उ लोग जान सकस कि हम प्रभु हईं जे उनकरा के पवित्र करेलन .../... हमा र सब्त के दिन के पवित्र करीं , अउर उ हमरा आरउवां के बीच एगो निशानी बने दीं , ताकि उ लोग जान सके कि हम रउवां के परमेश्वर प्रभु हईं .*" अभी जवन कहल गइल बा ओकर विरोध कइले बिना , बल्कि एकर पुष्टि करे खातिर , हमनी के 2 तीमुथियुस में पढ़नी जा। 2:19: " *फिर भी , परमेश् वर के ठोस नींव खड़ा बा , जवना पर इ मुहर बा : प्रभु* ***उनकरा के जानत हउवें जे उनकर हवें*** *; अउर : जे प्रभु के नाम लेत बा , उ अधर्म से हट जाव।* "

पद 4: " *हम मुहर लगावल लोग के संख्या सुननी : इस्राएल के सब गोत्र में से एक लाख चौवालीस हजार :* " प्रेरित पौलुस रोमियों में प्रदर्शन कइले बाड़न। 11, एगो छवि के साथ , कि धर्मांतरित बुतपरस्त लोग के कुलपति अब्राहम के जड़ में कलम लगावल जाला , जेकरा से यहूदी लोग अपना के वंशज बतावेला। विश्वास से बचावल , उनकरा जइसन , ई धर्मांतरित बुतपरस्त लोग आध्यात्मिक रूप से इस् राएल के 12 गोत्र के विस्तार करेला। शारीरिक इस्राएल , जेकर निशानी खतना रहे , गिर गइल , शैतान के सौंप दिहल गइल , मसीह यीशु के अस्वीकार करे खातिर। 7 मार्च 321 से धर्मत्याग में गिरल ईसाई विश्वास भी एगो आध्यात्मिक इस्राएल ह जवन ओह तारीख से गिर गईल बा। इहाँ , परमेश् वर हमनी के सामने एगो प्रामाणिक आध्यात्मिक इस्राएल पेश करेलन जेकरा के 1843 से उनकर आशीर्वाद मिलल बा , इहे उ हवे जे सेवेंथ -डे एडवेन्टिज्म के सार्वभौमिक मिशन के लेके चलेला। आ

पहिलहीं से , उद्धृत संख्या , " *144,000* ," एगो सफाई के हकदार बा। एकरा के शाब्दिक रूप से ना लिहल जा सकेला , काहे कि अब्राहम के वंशज के तुलना " *स्वर्ग के तारा* " से कइला पर ई संख्या बहुत बहुत कम लागत बा। सृष्टिकर्ता भगवान खातिर संख्या ओतने बोलेला जतना अक्षर। तबहिए हमनी के ई समझे के पड़ी कि एह श्लोक में " *संख्या* " शब्द के व्याख्या संख्यात्मक मात्रा के रूप में ना कइल जाव , बलुक एगो आध्यात्मिक संहिता के रूप में कइल जाव जवन एगो धार्मिक व्यवहार के नामित करेला जवना के भगवान आशीर्वाद देला आअलगा करेला (जवना के ऊपवित्र करेला)। एह तरह से " *144,000* " के निम्नलिखित तरीका से समझावल गइल बा : 144 = 12 x 12, आ12 = 7, भगवान के संख्या + 5, आदमी के संख्या = भगवान आ आदमी के बीच के वाचा। एह संख्या के घन पूर्णता आ ओकर वर्ग , ओकर सतह के प्रतीक हवे। इ अनुपात नया यरूशलेम के होई जवना के वर्णन प्रकाशितवाक्य 21:16 में एगो आध्यात्मिक संहिता में कइल गइल बा। एकरा बाद जवन " *हजार* " शब्द आवेला ऊ असंख्य भीड़ के प्रतीक ह. दरअसल , " *144,000* " के मतलब होला सिद्ध छुटकारा पावल आदमी के भीड़ जे परमेश्वर के साथे वाचा करेला। इस्राएल के गोत्रन के इ संदर्भ हमनी के आश्चर्यचकित ना करे के चाहीं काहे कि परमेश्वर आदमी के साथे गठबंधन के लगातार असफलता के बावजूद आपन परियोजना ना छोड़ले। मिस्र से पलायन के बाद से प्रस्तुत यहूदी मॉडल बिना कारण के मसीह तक ना पहुंचल। आ अपना ईसाई सच्चाई आ अपना सगरी आज्ञान के सम्मान के माध्यम से , जवना में खास तौर पर सब्त के दिन के आज्ञा भी शामि ल बा , अउर एकर बहाल कइल नैतिक , स्वास्थ्य अउर अन्य नियमन के माध्यम से , परमेश्वर के अंतिम समय के विश्वासी असहमत एडवेन्टिज्म में , इस्राएल के मॉडल के अपना आदर्श के अनुरूप पावेला। हमनी के इहो जोड़ल जाव कि 4वीं आज्ञा के पाठ में परमेश्वर अपना चुनल आदमी से सब्त के दिन के बारे में कहत बाड़न : " *तोहरा लगे छह दिन के समय बा आपन सब काम करे खातिर* ... लेकिन 7वां याहवेह , तोहार परमेश्वर के दिन ह । " पता चलल कि 24 घंटा के 6 दिन कुल 144 घंटा बा। एह तरह से हमनी के निष्कर्ष निकाल सकेनी जा कि मुहर लगावल 144,000 लोग एह ईश्वरीय अध्या देश के वफादार पर्यवेक्षक हवे। ओह लोग के जीवन के विराम एह सम्मान से होला कि ओह लोग के लौकिक काम खातिर अधिकृत छह दिन के . लेकिन 7वां दिन उ लोग एह आज्ञा के पवित्र विश्राम वस्तु के सम्मान करेला। एह "एडवेंटिस्ट " इस्राएल के आध्यात्मिक चरित्र के प्रदर्शन 5 से 8 तक के पद में कइल जाई जवन बाद में आवेला। उद्धृत हिब्रू कुलपति लोग के नाम उ ना हवें जे शारीरिक इस्राएल के रचना

कइले रहलें। जेकरा के भगवान चुनले बाड़े उ लोग खाली अपना मूल के औचित्य में एगो छिपल संदेश लेके चले खातिर बाड़े। जइसे कि "*सात सभा* "के नाम के साथे "*बारह गो जनजाति* " के नाम भी दोहरा संदेश लेके चलेला। सबसे सरल के खुलासा ओह लोग के अनुवाद से होला . बाकिर सबसे अमीर आ जटिल हर महतारी के ओह घोषणा पर टिकल बा जब ऊ अपना बच्चा के नाम देबे के जायज ठहरावेले .

पद 5: "*यहूदा के गोत्र से बारह हजार पर मोहर लगावल गइल , रूबे न के गोत्र से बारह हजार , गाद के गोत्र से बारह हजार ,*"

हर नाम खातिर , संख्या "*बारह हजार मुहर लगावल* " के मतलब होला : सब्त के दिन से मुहर लगावल परमेश्वर के साथ गठजोड़ करे वाला आदमी के भीड़।

यहूदा : यहोवा के स्तुति ; उत्पत्ति 29:35 के मातृ शब्द : "*हम यहोवा के स्तुति करब .*"

रूबेन : एगो बेटा के देखल जाव ; उत्पत्ति 29:32 से मातृ शब्द : "*यहोवा हमार अपमान देखले बाड़न* "

गड : खुशी के बात बा ; उत्पत्ति 30:11 से मातृत्व के शब्द : "*कवन सुख बा !*"

पद 6: "*आशेर के गोत्र से बारह हजार , नफ्ताली के गोत्र से बारह हजार , मनश्शे के गोत्र से बारह हजार ;* "

हर नाम खातिर , संख्या "*बारह हजार मुहर लगावल* " के मतलब होला : सब्त के दिन से मुहर लगावल परमेश्वर के साथ गठजोड़ करे वाला आदमी के भीड़।

आशेर : खुश : उत्पत्ति 30:13 के मातृ शब्द : "*हम केतना खुश बानी !*"

नफ्ताली : संघर्ष : उत्पत्ति 30:8 से मातृ शब्द : "*हम अपना बहिन के खिलाफ ईश्वरीय रूप से लड़ले बानी अउर हम जीत गईल बानी .*"

मनश्शे : भूल जा : उत्पत्ति 41:51 के पिता के शब्द : "*परमेश्वर हमरा के आपन सब परेशानी भुला देले बाड़े .*"

पद 7: "*शिमोन के गोत्र से बारह हजार ; लेवी के गोत्र से बारह हजार ; इस्साकर के गोत्र से बारह हजार ;* "हर नाम खातिर , संख्या "*बारह हजार मुहर लगावल* "के मतलब बा : सब्त के दिन से मुहर लगावल परमेश्वर के साथ गठजोड़ करे वाला आदमी के भीड़।

शिमोन : सुनीं : उत्पत्ति 29:33 से माई के शब्द : "*यहोवा सुनले कि हमरा से प्यार ना भइल .*"

लेवी : संलग्न : उत्पत्ति 29:34 से मातृ शब्द : "*अबकी बेर हमार पति हमरा से जुड़ल होई .*"

इस्साकर : मजदूरी : उत्पत्ति 30:18 के मातृ शब्द : "*परमेश्वर हमरा के आपन मजदूरी देले बाड़न .*"

पद 8: “ *जबूलून के गोत्र से बारह हजार , यूसुफ के गोत्र से बारह हजा र, बिन्यामीन के गोत्र से बारह हजार मुहर लगावल।* ”

हर नाम खातिर , संख्या " *बारह हजार मुहर लगावल* " के मतलब होला : सब्त के दिन से मुहर लगावल परमेश्वर के साथ गठजोड़ करे वाला आदमी के भीड़।

जबबुलन : निवास : उत्पत्ति 30:20 के मातृत्व के शब्द : “ *अबकी बेर हमार पति हमरा साथे रह जइहें* .”

यूसुफ : उ हटा देले (या उ जोड़त बाड़े): उत्पत्ति 30:23-24 के मातृत्व के शब्द : “ *परमेश्वर हमार निंदा द्वर क देले बाड़े ... / (... YaHWéH हमरा में एगो अवुरी बेटा जोड़स)* ”

बिन्यामीन : दाहिना हाथ के बेटा : उत्पत्ति 35:18 के मातृ आपितृसत्तात्मक शब्द : “ *जब उ मरत रहली , त उ ओकर नाम बेन -ओनी* (हमार दुख के बेटा) रखली , लेकिन ओकर पिता ओकरा के बिन्यामीन (दाहिना हाथ के बेटा) *रखली* /

ई 12 गो नाम , अउर मातृ अउर पितृसत्तात्मक शब्द , भगवान द्वारा चुनल गइल एडवेंटिस्ट लोग के अंतिम सभा द्वारा जीय ल अनुभव के व्यक्त करेला ; " *दुल्हिन तैयार* " अपना पति मसीह खातिर प्रकाशितवाक्य 19:7 में। प्रस्तुत अंतिम नाम के तहत , " *बेंजामिन* " के , परमेश्वर अपना चुनल आदमी के अंतिम स्थिति के भविष्यवाणी करेलन जेकरा के विद्रोही आदमी लोग द्वारा जान से मारे के धमकी दिहल गइल बा। पिता , इस्राएल के द्वारा थोपल नाम बदलल , भगवान के अपना चुनल लोग के पक्ष में हस्तक्षेप के भविष्यवाणी करेला। उनकर गौरवशाली वापसी स्थिति के उल्टा कर देला। जे मर जाए वाला रहले , उ लोग के महिमा हो जाला अउर स्वर्ग में ले जाइल जाला जहाँ उ लोग यीशु मसीह , सर्वशक्तिमान अउर महिमामंडित सृष्टिकर्ता परमेश्वर के साथे जुड़ जाला। "दाहिना हाथ के बेटा " अभिव्यक्ति आपन पूरा भविष्यवाणी के अर्थ ले लेला : दाहिना हाथ चुनल , या अंतिम आध्यात्मिक इस्राएल रहे , अउर ओकर बेटा , छुटकारा पावल चुनल लोग जे एकर रचना करेला। साथ ही , उ लोग प्रभु के दाहिना ओर रखल भेड़ हवें (मत्ती 25:33)।

पद 9: “ *एकरा बाद हम देखनी , त देखनी कि हर जाति से , हर गोत्र से , हर जाति से , हर भाषा से एगो बड़हन भीड़ , जेकरा के केहू गिन ना सकत रहे , सिंहासन के सामने आ मेमना के सामने सफेद वस्त्र पहिनले आहाथ में ताड़ के डाढ़ पहिनले खड़ा रहे।* ”

ई " *बहुत भीड़ , जवना के गिनती केहू ना कर सकत रहे* " पहिले के श्लोक में उद्धृत " *संख्या* " *"144,000" आ "12,000"* के आध्या त्मिक रूप से कोडित प्रतीकात्मक चरित्र के पुष्टि करेला । एकरे अलावा , अब्राहम के

वंशज के संकेत एह अभिव्यक्ति से कइल गइल बा : " *केहू इनहन के गिनती ना कर सकत रहे* "; जइसे कि " *स्वर्ग के तारा* " के साथे जवन भगवान ओकरा के देखावत रहले कि : " *तोहार संतान भी ओइसने होई* ." इनकर मूल कई गो बा , *हर राष्ट्र से , हर जनजाति से , हर जनता से , आहर भाषा से* , आ हर युग से। हालाँकि , एह अध्याय के विषय खास तौर पर अंतिम एडवेंचर संदेश के लक्षित करेला जवना के सार्वभौमिक चरित्र भगवान के दिहल गइल बा। उ लोग " *सफेद वस्त्र* " पहिनेलन काहे कि उ लोग शहीद के रूप में मरला खातिर तैयार रहले , प्रकाशितवाक्य 13:15 के अनुसार अंतिम विद्रोही लोग द्वारा घोषित फरमान से मौत के सजा सुनावल गईल। हाथ में धइल " *ताड़ के डाढ़* " पापी लोग के खेमा के खिलाफ उनकर जीत के प्रतीक ह।

पद 10: " *उ लोग जोर -जोर से चिल्लात कहलस कि , "सिं हासन पर बइठल हमनी के परमेश्वर अउर मेमना के उद्धार।* "

इ क्रिया यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के संदर्भ के उकसावेला , जवन कि प्रकाशितवाक्य 6:15-16 में वर्णित विद्रोही शिविर के प्रतिक्रिया के वर्णन के समानांतर बा। इहाँ उद्धारित चुनल लोग के बोलल शब्द विद्रोही लो ग के बोलल शब्द के बिल्कुल उल्टा बा। मसीह के वापसी ओह लोग के डेरवावे से दूर , ओह लोग के खुश करेला , आश्वस्त करेला अउर बचावेला। विद्रोही लोग द्वारा पूछल गईल सवाल " *के खड़ा हो सकेला ?* " के जवाब इहाँ मिलता : एडवेंटिस्ट जे दुनिया के अंत तक ओह मिशन के प्रति वफादार र हल बाड़े जवन परमेश्वर उ लोग के सौंप देले बाड़े , अगर जरूरत पड़ल त आपन जान के जोखिम में डाल देले बाड़े। ई निष्ठा दुनिया के सृष्टि से ही परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल पवित्र सब्त के सम्मान से उनकर लगाव पर आधारित बा , अउर उनकर भविष्यवाणी के वचन के प्रति उनकर प् रेम पर आधारित बा। ई त अउरी बा काहे कि अब उ लोग जानत बा कि सब्त के दिन सातवीं सहस्राब्दी के बड़हन बाकी के भविष्यवाणी करेला जवना में यीशु मसीह के बाद विजयी होके उ लोग उनकर नाम से वादा कइल अनन्त जीवन पा के प्रवेश कर पाई।

पद 11: " *आ सब स्वर्गदूत सिंहासन , बुजुर्ग आ चारों जीव के चारों ओर खड़ा होके परमेश्वर के सामने सिंहासन के सामने मुँह से गिर गईले।* "

हमनी के सामने प्रस्तुत दृश्य भगवान के महान स्वर्गीय विश्राम में प्रवेश के उकसावत बा। हमनी के अध्याय 4 आ 5 के छवि मिलेला जवन एह विषय से संबंधित बा।

पद 12: " *कहत बानी कि , आमीन ! आशीष , महिमा , बुद्धि , धन्यवाद , आदर, शक्ति आ शक्ति , हमनी के परमेश्वर के हमेशा खातिर होखे।आमीन !* "

सांसारिक उद्धार के अनुभव के एह सुन्दर अंत से खुश होके स्वर्गदूत लोग भलाई के भगवान के प्रति आपन खुशी आ आभार व्यक्त करेलें जे हमनी के सृष्टिकर्ता हवें , उनकर , हमनी के हवें , ऊ जे पार्थिव चुनल लोग के पाप के छुटकारा पावे में पहल कइले , मानव मांस के कमजोरी में अवतार लेबे खातिर आके , उहाँ उनकर न्याय के मांग कइल अत्याचार के मौत के सामना करे खातिर। अदृश्य आँखन के ई भीड़ एह उद्धार के योज ना के सब चरण के पालन कइले बा अउर परमेश्वर के प्रेम के उदात्त प्रदर्शन पर उ लोग अचंभित हो गइल बा। पहिला शब्द जवन उ लोग उच्चारण करेला उ ह " *आमीन !* सचमुच ! इ सच बा ! काहे कि भगवान सच्चाई के भगवान हवे , उ सच्चा होखस। दूसरा शब्द ह " *द प्रशंसा* " 12 गोत्र के पहिला ना म भी रहे : " *यहूदा* " = प्रशंसा। तीसरा शब्द बा " *द महिमा* " अउर परमेश्वर सही तरीका से अपना महिमा से जुड़ल बाड़े काहे कि उ प्रकाशितवाक्य 14:7 में एकरा के याद करीहे कि उ एकर मांग करस , अद्वितीय सृष्टिकर्ता परमेश्वर के रूप में , ओह लोग से जे 1843 से उनकर उद्धार के दावा कर रहल बा। चउथा शब्द ह " *बुद्धि* । " एह दस्तावेज के अध्ययन के उद्देश्य बा कि एकरा के उनकर सब चुनल लोग के खोजल जा सके। ई ईश्वरीय बुद्धि हमनी के कल्पना से अधिक बा। सूक्ष्मता , मन खेल , सब कुछ ईश्वरीय प्रारूप में बा।ई *धन्यवाद* के धार्मिक रूप ह जवन *पवित्र* शब्दन *आ काम में पूरा होला* संभावना , उ सम्मान जवन जायज रूप से उनुका के मिलेला।सातवाँ आ आठवाँ में आवेला " *शक्ति* आ ताकत / "

पद 13: " *एगो बुजुर्ग हमरा से कहलस, "ई लोग का हवें जे सफेद वस्त्र पहिनले बाड़े , आकहाँ से आइल बाड़े ?* "

पूछल गइल सवाल के उद्देश्य हमनी के प्रकाशितवाक्य 3:4 के " सफेद " परिधान आ" महीन लिनन " के संबंध में " सफेद वस्त्र " के प्रतीक के विशेषता के उजागर कइल बा *जवन* प्रकाशितवाक्य *19 : 8* में , अंतिम समय के *"तैयार दुल्हिन "* के " *संतन के धर्मी काम " के नामित करेला* , यानी कि अंतिम समय के वफादार एडवेन्टिज्म जे अपना रैप्चर खातिर तैयार बा स्वर्ग।

पद 14: " *हम ओकरा से कहनी , 'हे मालिक , तू जानत बाड़ू। ' उ हमरा से कहले , 'ई उ लोग हवें जे बहुत संकट से निकलल बाड़े , आमेमना के खून से आपन कपड़ा धो के उज्जर क देले बाड़े।* "

" *सफेद वस्त्र* " जॉन असल में ओहमें से कवनो एक से प्रतिक्रिया के उमेद कर सकेलें . आ अपेक्षित प्रतिक्रिया आवेला : " *ई ऊ लोग हवे जे महासंकट से आवेला* ", यानी कि चुनल लोग , धार्मिक युद्ध आ

नास्तिकता के शिकार आ शहीद जइसन कि "*5वीं मुहर* " हमनी के सामने प्रकट कइले बा , प्रकाशितवाक्य 6:9-11 में : "*उनकरा में से हर एक के एगो सफेद वस्त्र दिहल गइल , अउर उनकरा से कहल गइल कि उ लोग के कुछ देर अउरी आराम करे के चाहीं , जब तक कि उनकर साथी नौकर आउनकर भाई लोग के पूरा ना हो जाव।* "प्रकाशितवाक्य 2:22 में , "*महान संकट* "नास्तिक फ्रांसीसी क्रांतिकारी शासन के नरसंहार के संदर्भ देला जवन बीच में भइल रहे 1793 अउर 1794. पुष्टि में , प्रकाशितवाक्य 11:13 में , हमनी के पढ़ेनी जा : "...*सात हजार आदमी भूकंप में मर गइलन* "; धार्मिक खातिर "*सात* " आ भीड़ खातिर "*हजार* "/ फ्रांसीसी क्रांति एगो भूकंप निहन बा जवना में भगवान के सेवक के भी मौत हो जाला। बाकिर ई "*महासंकट* "एह उपलब्धि के पहिला रूप भर रहे। एकर दूसरा रूप प्रकाशितवाक्य 9 के "*6वां तुरही* "से पूरा होई , प्रकाशितवाक्य 11 में मोंटाज के एगो सूक्ष्मता एह तथ्य के उजागर करी। तीसरा विश्वयुद्ध के दौरान बेवफा ई साईयन के भीड़ के हत्या कर दिहल जाई , जवना के प्रतीक आ पुष्टि "*6वां तुरही* "*ह।* बाकिर 1843 से भगवान ओह चुनल लोग के चुनत बाड़न जिनका के ऊ पवित्र करेलें आ आखिरी जवन ऊ अलगा करेलें ऊ उनका नजर में बहुते कीमती होलें जवना के ऊ नाश ना कर सकसु . ऊ ओह लोग के पार्थिव उद् धार के इतिहास में अंतिम गवाही खातिर तइयार कर रहल बाड़न ; एगो निष्ठा के गवाही जवन उ लोग ओकरा के सातवाँ दिन के सब्त के दिन के वफादार रहला से दिही , तबहूँ जब विद्रोही खेमा के ओर से जान से मारे के धमकी दिहल गईल होखे। परमेश्वर के योजना के इ अंतिम परीक्षा प्रकाशि तवाक्य 3:10 अउर प्रकाशितवाक्य 13:15 (मौत के फरमान) में "*फिलाडेल्फिया* "में दिहल गइल संदेश में प्रकट भइल बा । भगवान खातिर इरादा कार्रवाई के लायक होला आ जहाँ तक परीक्षण में डालल जाव त ऊ लोग मौत के जोखिम के स्वीकार करेला , ओकरा द्वारा ओह लोग के शहीदन के समूह में आत्मसात कर दिहल जाला आ एह तरह से सच्चा शहीदन के "*सफेद वस्त्र* "*दिहल जाला।* उ लोग खाली यीशु मसीह के उद्धारकर्ता हस्तक्षेप के वजह से मौत से बच जाई। एह अंतिम परीक्षा में , दूसरा "*महासंकट* "के बाद , अपना वफादारी के गवाही के माध्यम से , उ लोग , बदला में , "*आपन वस्त्र धो के मेमना के खून में सफेद कर दिहे* "मौत तक वफादार रह के जवना से उ लोग के धमकी दिहल जाई। आस्था के एह अंतिम परीक्षा के अंत में एह तरह से शहीद के रूप में मरे वाला लोग के संख्या पूरा हो जाई आ "*पांचवा मुहर* "के शहीद संतन के नश्वर "*विश्राम* "ओह लो ग के पुनरुत्थान के साथ खतम हो जाई। 1843 से अउर खासकर 1994 से , परमेश्वर द्वारा कइल गइल पवित्रीकरण के काम सच्चा चुनल लोग

के मौत के बेकार बना देले बा जे अपना वापसी के घड़ी तक जिंदा आ विश्वासी रहल आ ओकरा से पहिले के अनुग्रह के समय के अंत एकरा के अउरी बेकार बना देले बा।

पद 15: " *एह से उ लोग परमेश्वर के सिंहासन के सामने बाड़े , अउर दिन रात उनकर मंदिर में उनकर सेवा करेलन , अउर जे सिंहासन पर बइठल बा उ उनकरा बीच में रह जाई।* "

हमनी के समझत बानी जा कि भगवान खातिर एह तरह के चुनल लोग एगो विशेष रूप से उच्च अभिजात वर्ग के प्रतिनिधित्व करेला। उ ओ लोग के विशेष सम्मान दिहे। एह श्लोक में आत्मा दू गो काल के प्रयोग कइले बा , वर्तमान आभविष्य। वर्तमान काल में " *ऊ लोग बा* " आ " *ओकर सेवा करेला* " में संयुग्मित क्रिया ओह लोग के मांस के शरीर में ओह लोग के व्यवहार के निरंतरता के उजागर करेला जवन ओह लोग में निवास करे वाला भगवान के मंदिर ह. आई काम यीशु मसीह के द्वारा ओह लोग के रैप्चर के बाद स्वर्ग में भी बढ़ावल जाई। भविष्य के काल में भगवान ओह लोग के निष्ठा के प्रति आपन प्रति क्रिया देत बाड़न : " *जे सिंहासन पर बा ऊ ओह लोग पर आपन डेरा खड़ा करी* " अनन्त काल खातिर।

पद 16: " *उ लोग के भूख ना होई , ना प्यास होई , अवुरी ना सूरज ओलोग के रोशनी दिही , ना कवनो गर्मी।* "

अंत के चुनल एडवेन्टिस्ट लोग खातिर एह शब्दन के मतलब इ बा कि उ लोग " *भूखल* " रहे काहे कि उ लोग खाना से वंचित रहे अउरी " *प्यास* " रहे काहे कि उ लोग के यातना देवे वाला अउरी जेलर लोग पानी से वंचित रहे। " *सूरज के आग*," जेकर " *गर्मी* " भगवान के सात गो अंतिम विपत्ति में से चउथा विपत्ति में तेज हो जाला , ऊ ओह लोग के जरा के दुखी कर दिहले होई। बाकिर पोप के इन्क्विजिशन के चिता के आग दोसरा तरह के " *गर्मी* " *से भी " पांचवीं सील "* के शहीदन के भस्म हो गइल भा यातना दिहल गइल . " *गर्मी* " शब्द के संबं ध *छठवाँ तुरही* के संदर्भ में इस्तेमाल होखे वाला पारंपरिक आपरमाणु हथियार के आग से भी बा . एह आखिरी टकराव से बचे वाला लोग आग से गुजर चुकल होई। ई सब बात अनन्त जीवन में फेर कबो ना होई जवना में चुनल लोग , अकेले , प्रवेश करीहें।

पद 17: " *काहे कि सिंहासन के बीच में मेमना ओह लोग के चराई आ पानी के जिंदा फव्वारा में ले जाई , आ भगवान ओह लोग के आँख से हर लोर पोंछ दीहें।* "

" *मेमना* " असल में ऊ अच्छा चरवाहा भी हवे जे अपना प्रिय भेड़न के चरवाहा करी। इहाँ उनकर दिव्यता के पुष्टि इहाँ उनकर स्थिति से होला " *सिंहासन के बीच में* ." उनकर दिव्य शक्ति उनकर चुनल लोग के " *जीवन के पानी के फव्वारा में* " ले जाला , जवन अनन्त जीवन के

प्रतीकात्मक छवि ह। आ अंतिम संदर्भ के निशाना बनावत जवना में वापसी पर उनकर आखिरी चुनल लोग रोवत होई , ऊ " *ओह लोग के आँख के हर लोर पोंछ दीहें* ." बाकिर ईसाई युग के इतिहास में , अक्सर आखिरी साँस ले , उनकर सगरी दुर्व्यवहार आ सतावल चुनल लोग के हिस्सा भी लोर रहल बा।

नोट : हमनी के 2020 के समय में देखल गईल धोखा देवे वाला रूप के बावजूद , जवना में सच्चा विश्वास गायब हो गईल लागता , भगवान धरती के सभ जातिगत , जातीय अवुरी भाषाई मूल से आवे वाला "बहुत संख्या " के धर्मांतरण अवुरी उद्धार के भविष्यवाणी करतारे। इ एगो असली सौभाग्य ह जवन उ अपना चुनल लोग के इ जान के देवेलन कि , प्रकाशितवाक्य 9:5-10 के अनुसार , सार्वभौमिक धार्मिक समझ अउर शांति के समय उनुके द्वारा 1844 से 1994 के बीच मात्र "150" साल (या *पांच* भविष्यवाणी के महीना) खातिर प्रोग्राम कइल गइल बा , सच्चा चुनल लोग के एह विशिष्ट मानदंड के हवाला आत्मा द्वारा प्रकाशितवाक्य 17:8 के उनकर संदेश में दिहल गइल बा : " *The जानवर जवन तू देखले रहलू , ओकरा के अथाह गड्ढा से बाहर निकल के विनाश में जाए के पड़ी आ जे लोग धरती पर रहेला* , ***जेकर नाम दुनिया के नींव से ही जीवन के किताब में नइखे लिखल गइल, जब ऊ जानवर के देख के अचरज में पड़ जइहें , काहे*** कि ***ऊ*** *रहे , आ नइखे , आ अबहीं ना होखे वाला* **बा** भविष्यवाणी के शब्द पूरा हो जाला .

प्रकाशितवाक्य 8: पहिला चार तुरही

भगवान के पहिला चार सजा

पद 1: " *जब उ सातवाँ मोहर खोललन त लगभग आधा घंटा तक स्वर्ग में सन्नाटा रहल।* "

सातवाँ मुहर " के खुलल बेहद महत्वपूर्ण बा , काहे कि इ प्रकाशितवाक्य के किताब के पूरा खोले के अधिकृत करेला , " *सात मुहर से मुहर लगावल* " प्रकाशितवाक्य 5:1 के अनुसार। एह उद्घाटन के चिन्हित करे वाला चुप्पी एह एक्शन के असाधारण गंभीरता देला . एकर दू गो औचित्य बा . पहिला बा स्वर्ग अउर धरती के बीच के संबंध के टूटे के विचार , जवन 7 मार्च , 321 के सब्त के दिन के परित्याग के कार ण भइल बा , दूसरा के एह तरह से समझावल गइल बा : विश्वास के द्वारा , हम एह " *सातवाँ मुहर* " के पहचान अध्याय 7 के " *जीवित परमेश्वर के मुहर* " से करत बानी , जवन हमरा विचार से , दुनिया के नींव से ही परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल पवित्र सब्त के दिन के नामित करेला। उ एकरा के अपना दस आज्ञा में से चउथा आज्ञा के विषय बना के एकर महत्व के याद कईले। आउहाँ , हमरा

अइसन सबूत मिलल जवन भगवान , हमनी के उदात्त सृष्टिकर्ता खातिर एकर चरम महत्व के उजागर करेला। लेकिन उत्पत्ति के विवरण में पहिलही से हम देखनी कि सातवाँ दिन के अध्याय 2 में अलग से प्रस्तुत कइल गइल बा , पहिला छह दिन के बारे में अध्याय 1 में बतावल गइल बा , एकरा अलावा सातवाँ दिन के बंद नइखे , पिछला दिनन के तरह , एह सूत्र से " *शाम आ सबेरे रहे* "। ई विशेषता परमेश्वर के उद्धार योजना के सातवीं सहस्राब्दी के भविष्यवाणी के भूमिका से जायज बा । ईसा मसीह के खून से छुड़ावल चुनल लोग के अनंत काल के निशानी के नीचे रखल गइल , सातवीं सहस्राब्दी खुद एगो अंतहीन दिन निहन बा। एह चीजन के पुष्टि में , हिब्रू बाइबल , तोराह में एकर प्रस्तुति में , चउथा आज्ञा के पाठ के बाकी आज्ञा से अलग कइल गइल बा आ ओकरा पहिले एगो संकेत दिहल गइल बा जवना खातिर सम्मानजनक चुप्पी के समय के जरूरत होला। ई चिन्ह हिब्रू अक्षर "पे " हवे आ एह तरीका से अलग-थलग , पाठ में टूट के निशान बनावे ला , ई "पेतुहोट " नाँव लेला। एह से सातवाँ दिन के सब्त के आराम में परमेश्वर के द्वारा एगो खास तरीका से चिन्हित होखे के हर औचित्य बा। 1843 के बसंत से एकरा चलते कैथोलिक "अतवार " के वारिस पारंपरिक प्रोटेस्टेंट आस्था के नुकसान हो गइल बा . आउहे कष्ट के बाद से , लेकिन 1844 के शरद ऋतु में , ई फेरु से भगवान के होखे के निशानी बन गइल बा कि इज . 20:12-20 एकरा के देले बा : " *हम उनकरा के आपन सब्त के दिन भी हमरा अउर उनकरा के बीच एगो निशानी के रूप में देले बानी , ताकि उ लोग जान सके कि हम यहोवा हईं जे उनकरा के पवित्र करेलन .../... हमार सब्त के दिन के पवित्र करीं , अउर उ लोग हमरा अउर रउवां के बीच एगो निशानी होखे दीं , ताकि उ लोग जान सके कि हम यहोवा , राउर परमेश्वर हईं।* " इ खाली उनकरा द्वारा ही चुनल आदमी तब परमेश्वर के रहस्य में प्रवेश कर सकेला अउर उनकर सटीक कार्यक्रम के खोज कर सकेला उनकर खुलासा कइल प्रोजेक्ट .

कहल जा सकेला कि अध्याय 8 में भगवान अभिशाप के संदेश के जंजीर उकसावत बाड़न। एह से हमरा सब्त के सच्चाई के ओह अभिशाप के पहलू से देखे के मौका मिलेला जवन एकर परित्याग , 7 मार्च , 321 से ईसाई लोग द्वारा , ईसाई युग में जंजीर में बान्ह के पैदा कइले बा। इहे बात के पुष्टि निम्नलिखित श्लोक सब्त के दिन के विषय के " *सात तुरही* " से जोड़ के करी , जवन "सा त ईश्वरीय सजा " के प्रतीक ह जवन 7 मार्च , 321 के ईसाई बेवफाई पर प्रहार करी।

पद 2: “ *हम सात गो स्वर्गदूतन के देखनी जे परमेश्वर के सामने खड़ा बाड़े , आ ओह लोग के सात गो तुरही दिहल गइल।* ”

सातवाँ दिन के सब्त के पवित्रीकरण से मिलल विशेषाधिकार में से पहिला विशेषाधि कार बा , जवन खुद परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल बा , ई समझल बा कि ई " *सात तुरही* " के विषय के का अर्थ देला । एकरा के दिहल दृष्टिकोण के रूप से ई विषय चुनल लोग के बुद्धि के पूरा तरह से खोल देला। काहे कि एहमें दान में उद्धृत " *पाप* " के आरोप के प्रमाण दिहल गइल बा . 8:12 मसीही सभा के खिलाफ , भगवान के द्वारा। दरअसल , ई "सात सजा " भगवान के द्वारा ना दिहल जाइत अगर ई पाप ना रहित। इहे ना , लेवीय 26 के आलोक में , इ सजा उनकर आज्ञा से नफरत से जायज ठहरावल जाला। पुरान वाचा में परमेश्वर पहिलही से इहे सिद्धांत अपना चुकल रहले , बेवफा अउर भ्रष्ट शारीरिक इस्राएल के अधर्म के सजा देवे खातिर। सृष्टिकर्ता आ विधायक भगवान जे ना बदले , हमनी के इहाँ एगो सुन्दर प्रमाण देले बाड़े। दुनो वाचा के आज्ञाकारिता आनिष्ठा के एके जइसन आवश्यकता के अधीन बा।

तुरही " के विषय तक पहुँच से हमनी के सभ ईसाई धर्म के लगातार निंदा के प्रदर्शन करे के अनुमति मिली : कैथोलिक , रूढ़िवादी , 1843 से प्रोटेस्टेंट , लेकिन 1994 से एडवेन्टिस्ट भी।एह में " *छठवाँ तुरही* " के सार्वभौमिक दंड के भी खुलासा कईल गईल बा जवन अनुग्रह के समय के अंत से पहिले एक साथ मार दिही। हमनी के एह तरह से एकर महत्व के नाप सकेनी जा। मसीह के वापसी से जुड़ल " *सातवाँ तुरही* " *के , यानी कि परमेश्वर के सीधा क्रिया , के अलग से देखल जाई , सब्त के दिन के तरह , अध्याय 11 में , फिर एकरा के बहुत हद तक अध्याय 18 अउर 19 में विकसित कईल जाई।*

321, यानी अउरी सटी क रूप से 1709 साल के बाद से पिछला 17 सदी में से 1522 साल सब्त के दिन के उल्लंघन के कारण गारी से चिन्हित रहे जब तक कि एकर बहाली दान के फरमान में साल 1843 में निर्धारित रहे। 8:14 के बा। आ अपना बहाली के एह तारीख से लेके 2030 में ईसा मसीह के वापसी तक सब्त के दि न मात्र 187 साल खातिर आपन आशीर्वाद दिहलस। एह से सब्त के दिन अविश्वासी लोग के ज्यादा नुकसान पहुंचवलस , ना कि विश्वासी चुनल लोग के भलाई। अभिशाप के बोलबाला बा आएह से एह विषय के आपन जगह एह अध्याय 8 में बा जवन दिव्य अभिशाप के प्रस्तुत करेला।

पद 3: “ *एगो अउरी स् वर्गदूत सोना के धूप के बर्तन लेके वेदी पर खड़ा हो गईलन आओकरा के बहुत धूप दिहल गइल कि ऊ सब संत लोग के प्रार्थना के साथे सोना के वेदी पर चढ़ावे जवन सिंहासन के सामने रहे।* ”

दानियल 8:13 में , " *उजाड़ करे वाला पाप* " के हवाला देला के बाद , दर्शन में संत लोग " *दैनिक* " के जिक्र कइले बा जवन ईसा मसीह के " *अपरिवर्तनीय* " स्वर्गीय "

पुरोहिताई " से संबंधित रहे , इब्रानियों के अनुसार। 7:23 के बा। धरती पर 538 से पोप के शासन दान के अनुसार ओकरा से छीन लेले बा। 8:11 के बा। 1843 में ईसा मसीह के साथे मेलमिलाप खातिर एकर क्षतिपू र्ति के जरूरत बा। इहे उ विषय बा जवना के हमनी के एह पद 3 में संबोधित कर रहल बानी जा जवन स्वर्ग के खोलत बा अउर हमनी के यीशु मसीह के अपना चुनल लोग के पाप खातिर स्वर्गीय महायाजक के बिनती करे वाला के रूप में अपना प्रतीकात्मक भूमिका में देखावत बा , अउर अकेले उ लो ग के। ध्यान रहे कि धरती पर , 538 से 1843 के बीच , एह दृश्य आ एह भूमिका के पैरोडी आ हड़प लिहल गइल बा रोमन कैथोलिक पोप लोग के गतिविधि जवन समय के साथ एक दूसरा के बाद आवेला , लगातार भगवान के वैध सर्वोच्च सार्वभौमिक अधिकार से धोखा करेला।

काहे कि ई एह अध्याय 8 में प्रस्तुत कइल गइल बा आ काहे कि ई सब्त के दिन के परित्याग के साथे -साथे बंद हो गइल , ईसा मसीह के बिनती के ई विषय भी हमनी के सामने ईसाई भीड़ खातिर एह बिनती के समाप्त होखे के अभिशाप के पहलू के तहत प्रस्तुत कइल गइल बा जे बुतपरस्त रोमन "सूरज के दिन " के बेहोश शिकार भइल रहे ; ई , इहाँ तक कि आखास तौर पर , अपना भ्रामक आमोहक नाम बदलला के बाद : "रविवार ": प्रभु के दिन। हँ , बाकिर कवना प्रभु के ? अफसोस बा ! नीचे के बा।

पद 4: " *भगवान के सामने स्वर्गदूत के हाथ से संत लोग के प्रार्थना के साथे धूप के धुँआ उठल।* "

" *संतन के प्रार्थना* " *के साथ आवे वाला* " *सुगंध* " ईसा मसीह के बलिदान के सुखद गंध के प्रतीक ह। ई उनकर प्रेम आ निष्ठा के प्रदर्शन ह जवन उनकर चुनल लोग के प्रार्थना के उनकर दिव्य न्याय के मनभावन बनावेला। एह श्लोक में " *धुँआ* " आ " *संतन के प्रार्थना* " शब्दन के संगति के महत्व पर ध्यान दिहल जरूरी बा . एह विस्तार के इस्तेमाल प्रकाशितवाक्य 9:2 में झूठा प्रोटेस्टेंट मसीही लोग के प्रार्थना के नामित करे खातिर कइल जाई , काहे कि 1843 में नया स्थिति स्थापित भइल।

एह श्लोक में परमेश्वर जवना बात के जिक्र कर रहल बाड़न उ उ स्थिति ह जवन प्रेरित युग अउर 7 मार्च 321 के शापित तारीख के बीच प्रचलित रहे , सब्त के दिन के छोड़े से पहिले , यीशु चुनल लोग के प्रार्थना प्राप्त कइले अउर उनकरा खातिर उनकरा ओर से बिनती कइले। ई एगो शिक्षाशास्त्रीय बिम्ब ह जवन ई दर्शावत बा कि भगवान आउनकर चु नल गइल लोग के बीच के ऊर्ध्वाधर संबंध बनल बा। इ तब तक होई जब तक कि उ लोग उनकर व्यक्ति अउर उनकर सच्चाई के शिक्षा के प्रति निष्ठा के गवाही दिहे , यानी 321 तक , 1843 में , यीशु के पुरोहिताई एडवेन्टिस्ट चुनल संतन के पक्ष में आपन

सब धन्य गतिविधि *फिर से शुरू करी । हालाँकि , 321 से 1843 के बीच सुधारक लोग के इनके कृपा से फायदा भइल , जइसे कि थ्यातिरा* के समय के लोग ।

पद 5: " *स्वर्गदूत धूप के बर्तन के लेके वेदी के आग से भर के धरती में फेंक दिहलस , आआवाज , गरज , बिजली , आभूकंप आगईल।* "

जवना कार्रवाई के वर्णन कईल गईल बा उ देखाई देवे में हिंसक बा। इ यीशु मसीह के ह जवन उनकर बिनती के सेवा के अंत में जब अनुग्रह के समय खतम हो जाला। " *वेदी* " के भूमिका खतम हो जाला , आ " *आग* ", ईसा मसीह के प्रायश्चित करे वाला मौत के छवि , " *धरती पर फेंकल जाला* ," ओह लोग से सजा मांगल जाला जे उनका के कम आंकल बा , आ कुछ लोग खातिर , उनकर तिरस्कार कइले बा। परमेश्वर के सीधा हस्तक्षेप से चिन्हित दुनिया के अंत के इहाँ प्रकाशितवाक्य 4:5 अउर निष्कर्ष 4:5 में प्रकट कइल गइल प्रमुख सूत्र से उकसावल गइल बा। 19:16 के बा। ईसाई युग के अवलोकन ईसा मसीह के एह "एडवेंटिस्ट " आगमन से समाप्त होला।

जइसे कि सब्त के दिन के साथ , ईसा मसीह के स्वर्गीय बिनती के विषय के 321 से 1843 के बीच उनकर न्याय के अभिशाप के संदर्भ में प्रस्तुत कइल गइल बा , संत लोग जे दान में उनकरा बारे में आत्मा पर सवाल उठावेला। 8:13 में ओह समय के जानल चाहत के एगो बढ़िया कारण रहे जब " *अनन्त* " पुरोहिताई के काम यीशु मसीह ले लीहें।

<u>नोट</u>: पिछला व्याख्या पर सवाल उठवले बिना दूसरा व्याख्या के पूरा मतलब बा। एह दूसरा व्याख्या में , ईसा मसीह के बिनती के विषय के अंत के 7 मार्च , 321 के तारीख से जो ड़ल जा सकेला , उ पल जब ईसाई लोग द्वारा सब्त के दिन के छोड़ला से परमेश्वर के एगो अइसन क्रोध में प्रवेश करे के पड़ल जवना के प्रायश्चित पश्चिमी ईसाई धर्म द्वारा , " *सात तुरही* " के माध्यम से जवन पद 6 से आवेला जवन बाद में आवेला। ई दोहरा सफाई अउरी जायज बा काहे कि सब्त के दिन के छोड़ला के परिणाम दुनिया के अंत तक होला , 2030 में , ऊ साल जब , अपना गौरवशाली दृश्यमान वापसी से , ईसा मसीह रोमन पोप शासन आ ओकर आखिरी अमेरिकी प्रोटेस्टेंट समर्थक से हमेशा खातिर , उनकर सेवा करे आ प्रतिनिधित्व करे के झूठा दावा के हटा दिहें। एकरा बाद यीशु पोप के पद से हड़पल चर्च के " *सिर* " के उपाधि फिर से शुरू करीहे । दरअसल , चुनल गइल विश्वासी लोग के विपरीत , पतित बेवफा मसीही दान के फरमान के अनदेखी करीहें। 8:14 अउर दुनि या के अंत तक एकर परिणाम ; जवन प्रकाशितवाक्य 6:15-16 के शिक्षा के अनुसार जब यीशु वापस आवेलन त उनकर आतंक के जायज ठहरावेला। 2030 से पहिले , पहिला छह " *तुरही* " 321 से 2029

के बीच पूरा हो जाई "*छठवाँ तुरही* "से , अंतिम सफाया से पहिले के अंतिम चेतावनी सजा , भगवान वि द्रोही ईसाई लोग के बहुत कड़ा सजा देवेले। एह छठवाँ सजा के बाद ऊ आस्था के आखिरी सार्वभौमिक परीक्षा के शर्तन के आयोजन करीहें आ एह संदर्भ में , प्रकट प्रकाश के घोषणा कइल जाई आ सभे बचे वाला लोग के पता चल जाई . ई एगो प्रदर्शित सच्चाई के सामने बा कि चुनल गइल आ पतित लोग तब अपना स्वतंत्र पसंद से मौत के खतरा से पहिले अपना अंतिम भाग्य के ओर बढ़ी जवन होई : चुनल लोग खातिर अनन्त जीवन , पतित लोग खातिर निश्चित आ पूर्ण मौत।

पद 6: "*आ सात गो स्वर्गदूत जेकरा लगे सात गो तुरही बजावे खातिर तइयार हो गइलन।* "

एह श्लोक से , आत्मा हमनी के मसीही युग के एगो नया अवलोकन पेश करेले , जवना में "*सात तुरही* "या "सात लगातार सजा " के विषय के रूप में लेके 7 मार्च , 321 से पूरा ईसाई युग में बांटल गईल बा , जवना साल में "*पाप* " के आधिकारिक तौर प अवुरी **नागरिक रूप से** स्थापित कईल गईल रहे। हमरा इयाद बा कि प्रकाशितवाक्य 1 के प्रस्तावना में , मसीह के "*आवाज " के तुलना खुद पहिले से ही एगो " तुरही* " के आवाज से कइल गइल बा । इस्राएल के लोग के चेतावे खातिर इस्तेमाल होखे वाला इ साधन अपना भीतर प्रकाशितवाक्य के प्रकटीकरण के सब अर्थ के लेके चलेला। चेतावनी में दुश्मन के लगावल जाल के खिलाफ चेतावनी दिहल गईल बा।

पद 7: "*पहिला आवाज सुनाई पड़ल , आओला आआग खून में घुलल आगइल आऊ धरती पर फेंक दिहल गइल , आ धरती के एक तिहाई हिस्सा जरि गइल , आ पेड़ के एक तिहाई जरि गइल आ सब हरियर घास जरि गइल।* "

<u>पहि ला सजा</u> : ई 321 से 538 के बीच , तथाकथित "बरबर " लोग द्वारा रोमन साम्राज्य पर बिबिध आक्रमण से कइल गइल। हमरा खास तौर पर "हुन " के लोग इयाद बा जिनकर नेता अट्टीला अपना के "भगवान के कहर " सही कहत रहले . एगो अइसन कहर जवन यूरोप के कुछ हिस्सा में आग लगा दिहलस : उत्तरी गॉ ल, उत्तरी इटली आ पैनोनिया (क्रोएशिया आ पच्छिमी हंगरी)। उनकर आदर्श वाक्य , अरे केतना मशहूर बा ! "जहाँ हमार घोड़ा जाला , घास फेरु ना उगेला। " उनकर काम के एह श्लोक 7 में पूरा तरह से संक्षेप में बतावल गइल बा ; कुछुओ गायब नइखे , सब कुछ बा। "*ओला* " फसल के तबाही के प् रतीक ह आ" *आग*" उपभोग्य सामग्री के नाश के प्रतीक ह। आबेशक "*धरती पर खून फेंकल* " हिंसा से मारल इंसान के जान के प्रतीक ह। क्रिया "*ढलाई* " सृष्टिकर्ता , कानून देवे वाला , अउर उद्धारकर्ता परमेश्वर के क्रोध के

दर्शावेला जे पद 5 में "*वेदी से आग फेंकला*" के बाद *क्रिया के प्रेरित आनिर्देशित करेला।*

समानांतर रूप से लेवी में भी कहल गइल बा। 26:14-17, हमनी के पढ़ेनी जा : "*लेकिन अगर तू हमार बात ना सुनब अउर इ सब आज्ञा के ना पालन करब, बल्कि हमार नियम के तुच्छ समझब अउर हमार न्याय से घृणा करब, ता कि तू हमार सब आज्ञा के ना मानब, बल्कि हमार वाचा के तोड़ब, त हम तोहनी के इहे करब: हम तोहनी प भयभीत, नाश अवुरी बोखार भेज देब, ताकि तोहार आँख कमजोर हो जाई अवुरी तोहार आत्मा दुखी हो जाई बेकार में तोहार बीज बोइहें आ तोहार दुश्मन ओकरा के खा जइहें, हम तोहरा खिलाफ आपन मुँह खड़ा कर देब, आतोहरा से नफरत करे वाला लोग तोहरा पर राज करऽ, आ जब केहू तोहार पीछा ना करी त तू भाग जाईबऽ।*"

पद 8: "*दूसरका आवाज भइल, आ आग से* ***जरत एगो बड़हन पहाड़ जइसन कुछ*** *समुंदर में फेंक दिहल गइल, आ समुंदर के एक तिहाई हिस्सा खून हो गइल।*"

दूसरा सजा: एह बिम्बन के कुंजी जेर में बा। 51:24-25: "*हम बेबिलोन आ कल्दिया के सब निवासी लोग के तोहरा आँख के सामने सिय्योन में कइल गइल सब बुराई के बदला देब, यहोवा कहत हउवें। देख, हम तोहरा खिलाफ बानी, हे नाश करे वाला* ***पहाड़ पहाड़।***" एही श्लोक 8 में ही आत्मा रोमन पोप शासन के उकसावत बा जवन अपना प्रतीकात्मक नाम "*बेबिलोन*" के तहत होई जवन "*बेबिलोन द great*" प्रकाशितवाक्य 14:8, 17:5 आ 18:2 में। "आग" उनकर व्यक्तित्व के अनुरूप बा, उ दुनो के उकसावत बा जवन मसीह के वापसी में ओकरा के भस्म कर दिही अउर अंतिम न्याय, अउर जवना के इस्तेमाल उ ओह लोग के नफरत से भड़कावे खातिर करेली जे उनकरा के मंजूर करेला अउर उनकर समर्थन करेला: यूरोपीय राजकुमार अउर उनकर कैथोलिक लोग। इहाँ जइसे कि डेनियल में, "*समुद्र*" ओह मानवता के प्रतिनिधित्व करेला जवना से संबंधित बा भविष्यवाणी वाला लोग के मानवता जे मूल रूप से हासिल कइल गइल प्रतीत होखे वाला ईसाई धर्मांतरण के बावजूद बुतपरस्त *रहलें*। भगवान के दुश्मन, एकरा बावजूद उनके ईश्वरीय इच्छा से उठावल जाला ताकि उ लोग के बीच आ अलग-अलग धर्म के बाहरी लोग के बीच उत्पीड़न, दुख आ मौत से अनुवादित धार्मिक जीवन के कठोरता दिहल जा सके शार्लेमेन द्वारा बाहर आपोप अर्बन द्वितीय द्वारा शुरू कइल गइल मुस्लिम लोग के खिलाफ धर्मयुद्ध के आदेश सभ के भविष्यवाणी एह "*दूसरा तुरही*" में कइल गइल;

पद 9: "*आ समुद्र में जवन जीव रहे, ओकर एक तिहाई जीव मर गइल, आ जहाज के एक तिहाई नाश हो गइल।*"

एकर परिणाम सार्वभौमिक बा आदुनिया के अंत तक चलत रही। " *समुद्र* " आ" *जहाज* " शब्दन के मतलब भूमध्य सागर के मुसलमानन से होखे वाला झड़प में मिली बाकिर अफ्रीकी आ दक्षिण अमेरिकी लोग से भी जहाँ थोपल विजेता कैथोलिक आस्था से मूल निवासी आबादी के भयानक नरसंहार के जन्म होई।

साथे -साथे हमनी के लेवी में पढ़त बानी जा। 26:18-20: " *अगर , एकरा बावजूद , तू हमार बात ना सुनब , त हम तोहरा पाप के सात गुना अउरी सजा देब। हम तोहरा शक्ति के घमंड के तोड़ देब , **तोहार स्वर्ग के लोहा निहन बना देब** , अवुरी तोहार धरती के कांसा निहन बना देब। तोहार ताकत बेकार में खतम हो जाई , तोहार देश के उपज ना होई , **अवुरी धरती के पेड़ आपन फल ना दिही।*** " एह श्लोक में , परमेश्वर धार्मिक कठोरता के घोषणा करेला जवन ईसाई युग में रोम के बुतपरस्ती से पोपवाद में जाए से पूरा होला। हमनी के एह रुचि पर ध्यान दीं कि एह बदलाव के मौका पर रोमन वर्चस्व "कैपिटल " के छोड़ के ठीक "कैलियस " पर स्थित लैटरन पैलेस में पोप के स्थापना करे ला , मने कि आकाश पर। कठोर पोप शासन भविष्यवाणी कइल धार्मिक कठोरता के पुष्टि करेला। मसीही आस्था के फल बदल जाला। मसीह के कोमलता के जगह आक्रामकता आक्रूरता ले लेले बा ; आसच्चाई के प्रति निष्ठा बेवफाई आधार्मिक झूठ के प्रति जोश में बदल जाला।

पद 10: " *तीसरा बजलस , आस्वर्ग से एगो बड़हन तारा गिरल , जवन मशाल निहन जरत रहे , आउ नदी के एक तिहाई अवुरी पानी के फव्वारा प गिर गईल।* "

तीसरा सजा : पैदा भइल बुराई मध्यकाल के अंत के ओर तेज हो जाले आचरम पर पहुँच जाले। यांत्रिक छपाई के प्रगति पवित्र बाइबल के प्रकाशन के पक्ष में बा। एकरा के पढ़ के चुनल लोग के ओह सच्चाई के पता चलेला जवन ई सिखावेला . एह तरह से इ " *द्व गो गवाह* " के भूमिका के जायज ठहरावेला जवन परमेश्वर प्रकाशितवाक्य 11:3 में देले बाड़े : " *हम अपना दुनो गवाह के बोरा पहिनले , हजार द्व सौ साठ दिन तक भविष्यवाणी करे के शक्ति देब* । " अपना धार्मिक हठधर्मिता के पक्ष में कैथोलिक आस्था बाइबल पर भरोसा करेला खाली संतन के नाम के जायज ठहरावे खातिर जवना के ओकर प्रजा पूजा करेला। काहे कि बाइबल के कब्जा में रहला के निंदा ओकरा से होला आ ओकरा लगे वाला के यातना आ मौत के सामना करे के पड़ेला। इ बाइबिल के सच्चाई के खोज ह जवन एह श्लोक में दिहल गईल छवि के जायज ठहरावेला : " *आस्वर्ग से एगो बड़हन तारा गिर गईल , जवन मशाल निहन जरत रहे* । " आग आजुओ रोम के छवि से चिपकल बा जवना के प्रतीक एह बेर " *महान जरत पहाड़* " जइसन " *महान जरत तारा* " बा . " *तारा* "

शब्द उत्पत्ति 1:15 के अनुसार धार्मिक रूप से "*धरती के हल्का करे* "के दावा के खुलासा करेला ; अउर इ यीशु मसीह के नाम से , जेकरा से इ सच्चा "*मशाल* " के प्रतिरूप होखे के दावा करेला , प्रकाश वा हक जवना से एकर तुलना प्रकाशितवाक्य 21:23 में कईल गईल बा। ई अबहियों अपना शुरुआत में जइसन "*महान* " *बा , बाकिर एकर सतावे वाला आग बढ़ गइल बा ,* "*जरे के* "अवस्था से गुजर के "*जरे के* "अवस्था में आगइल बा . सफाई सरल बा , बाइबल द्वारा निंदा कइल गइल बा , एकर क्रोध त अउरी बड़ बा काहे कि ई परमेश्वर के चुनल लोग के खुल के विरोध करे खातिर मजबूर बा। जवन प्रकाशितवाक्य 12:15-16 के अनुसार ओकरा के धूर्त अउर धोखा देवे वाला "*साँप* "*के रणनीति से खुल के सतावे वाला* "*अजगर* "के रणनीति में जाए खातिर मजबूर करेला। उनकर विरोधी खाली भगवान के शांतिप्रिय आ नम्र चुनल ना हवें , उनकर सामने एगो झूठा प्रोटेस्टेंट धर्म भी बा आ सबसे ऊपर , धार्मिक से अधिका राजनीतिक , काहे कि ऊ ईसा मसीह के दिहल आदेश के अनदेखी करेला आ हथियार उठावेला , कैथोलिक खेमा के जइसन हत्या करेला , नरसंहार करेला। "*नदी सभ के तिहाई* "यानी ईसाई यूरोप के आबादी के एगो हिस्सा , कैथोलिक आक्रामकता के साथ - साथ "*पानी के झरना* "के भी शिकार होला। एह पानी के झरना के मॉडल जेर के अनुसार खुद भगवान हवें। 2:13: "*काहेकि हमार लोग द्व गो पाप कइले बा : उ लोग हमरा के , जिंदा पानी के फव्वारा के छोड़ देले बा , अउर अपना खातिर कुंड , टूटल कुंड , जवन पानी ना रख सकेला , उखाड़ लेले बा।* "बहुवचन में , एह श्लोक में , आत्मा "*पानी के झरना* "से परमेश्वर के प्रतिरूप में बनल चुनल लोग के नामि त करेला। यूहन्ना 7:38 पुष्टि करत बा , इ कहत ह कि : "*जे हमरा पर विश्वास करी , जइसन कि पवित्रशास्त्र में कहल गइल बा , ओकरा पेट से जिंदा पानी के नदी बह जाई।* "» ई अभिव्यक्ति शिशु बपतिस्मा के प्रथा के भी ओर इशारा करेला , जवना के जन्म से ही , बिना सलाह लिहले , एगो धा र्मिक लेबल मिल जाला जवन ओकरा के कवनो अचल धार्मिक काज के विषय बना दिही। जइसे -जइसे ऊ लोग बड़ होखी , ऊ लोग एक दिन हथियार उठा के विरोधियन के मार दी काहे कि ओह लोग के धार्मिक लेबल ओह लोग से एकर माँग करेला . बाइबल एह सिद्धांत के निंदा करेले काहे कि इ कहत ह : "*जे भी विश्वास करी अउर बपतिस्मा लेला , उ उद्धार पाई , लेकिन जे विश्वास ना करी , उ दोषी ठहरावल जाई* (मरकुस 16:16)।

पद 11: “*ओह तारा के नाम कृमि ह, पानी के एक तिहाई हिस्सा कृमि हो गइल , आ पानी से बहुत लोग मर गइलन , काहे कि ऊ कड़ुआ हो गइल रहे।* ”

बाइबल , भगवान के लिखल वचन के नामित करे वाला शुद्ध , प्यास बुझावे वाला पानी के विपरीत , कैथोलिक

शिक्षा के तुलना "*वर्मवुड* " से कइल जाला , जवन एगो कड़वा , जहरीला , आइहाँ तक कि घातक पेय हवे ; ई जायज बा काहे कि एह शिक्षा के अंतिम परिणाम "*अंतिम न्याय के दूसरा मौत* " के आग होई . आदमी के एगो हिस्सा , "*एक तिहाई* ", कैथोलिक भा झूठा प्रोटेस्टेंट शिक्षा से बदल जाला जवन मिलल बा। "*पानी* " आदमी अउर बाइबिल के शिक्षा दुनो ह। 16वीं सदी में , हथियारबंद प्रोटेस्टेंट समूह बाइबल आ ओकर शिक्षा के गलत इस्तेमाल कइले , आ एह श्लोक के छवि में , आदमी के हत्या आदमी आ झूठा धार्मिक शिक्षा से कइल जाला। एकर कारण बा कि पुरुष आधार्मिक शिक्षा दुनु कड़ुआ हो गइल बा . इ घोषणा करके कि "*पानी कड़वा हो गईल रहे* ," *परमेश्वर* "*ईर्ष्या के शक* " के एगो आरोप के जवाब देले जवन *3 मुहर* में प्रकाशितवाक्य 6:6 के बाद से लंबित बा . उ पुष्टि करेलन , जब उनकर लिखित वचन अइसन करे खातिर आवेला , ओह व्यभिचार के आरोप के जवन उ 7 मार्च , 321 से विधानसभा के खिलाफ लगावत रहलन , जवन 538 खातिर प्रकाशितवाक्य 2:12 में पर्गाम नाम के धार्मिक रूप से आधिकारिक व्यभिचा र के समय से पहिले के रहे।

साथे -साथे हमनी के लेवी में पढ़त बानी जा। 26:21-22: "*अगर तू हमार विरोध करब अउर हमार बात सुने से इनकार करब , त हम तोहनी के पाप के हिसाब से सात गुना अउरी सजा देब। हम तोहनी के बीच जंगली जानवर भेजब , जवन तोहनी के लइका लूट के तोहनी के पशु धन के नष्ट कर दी अउर तोहनी के संख्या में कम हो जाई। अउर तोहार रास्ता उजाड़ हो जाई।* " लेवी 10 के समानांतर अध्ययन। 26 अउर प्रकाशितवाक्य के *तीसरा तुरही* ओह न्याय के प्रकट करेला जवन परमेश्वर सुधार के समय के शुरुआत में देला। उनकर सच्चा चुनल लोग शांति से रहेला आइस्तीफा दे देला , मौत भा कैद के सच्चा शहीद मान के . बाकिर ओह लोग के उदात्त उदाहरण के छोड़ दिहल जाव त ओकरा खाली क्रूर "*जानवर* " लउकेला जे एक दोसरा के सामना करेला , अधिकतर निजी घमंड से , आ जे मांसाहारी जंगली जानवरन के उग्रता से आदमी के मार देला . इ विचार प्रकाशि तवाक्य 13:1 अउर 11 में आकार ले आई इ ओह समय के पराकाष्ठा ह जब, **दुःख के आदर्श में ,** चुनल आदमी के प्रकाशितवाक्य 12:6-14 में "*जंगल में* " *(= परीक्षा) ले जाइल जाला बाइबिल के "दू गो गवाह "* के साथ जवन प्रकाशितवाक्य 11:3 में परमेश्वर के बारे में लिखल गइल बा। 1260 साल तक भविष्यवाणी कईल गईल पोप के असहिष्णु शासन के अंत हो जाई।

पद 12: “ *चउथा बाजल , आसूरज के एक तिहाई , चाँद के एक तिहाई आतारा के एक तिहाई , जवना से एक तिहाई अन्हार हो गइल , आदिन ओकर लंबाई के एक तिहाई तक ना चमकल आरात भी ओइसहीं चमकल।* ”

चउथा सजा : इहाँ के आत्मा प्रकाशितवाक्य 2:22 में घोषित "*महान संकट* "*के चित्रण करेला।* प्रतीक में , उ हमनी के एकर प्रभाव के खुलासा करेलन : कुछ हद तक, "*सूरज* ," भगवान के प्रकाश के प्रतीक , मारल जाला। साथ ही , कुछ हद तक, "*चाँद* ", अन्हार के धार्मिक शिविर के प्रतीक , जवन 1793 में पाखंडी कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट लोग से संबंधित रहे , भी मारल जाला। "*तारा* " प्रतीक के तहत *धरती के रोशन करे खातिर* बोलावल गइल ईसाई लोग के एगो हिस्सा भी अलग-अलग मारल जाला। तब एह तरह से के सच्चा अउर झूठा मसीही धार्मिक प्रकाश पर प्रहार कर सकेला ? उत्तर : नास् तिकता के विचारधारा , जवना के ओह समय के महान प्रकाश मानल जाला। एकर रोशनी बाकी सब लोग के ग्रहण कर लेला। एह बिसय पर किताब लिखे वाला लेखक लोग के बहुत महत्व होला आ खुद के "प्रबुद्धता " कहल जाला , जइसे कि वोल्टेयर आ मोंटेस्क्यू। तबो ई रोशनी सबसे पहिले एगो जंजीर में इंसान के जिनगी के तबाह कर देला , धार में खून बहावेला। राजा लुई सोलहवाँ आ उनकर मेहरारू मैरी -एंटोनेट के सिर के बाद , अभ्यास करे वाला कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट लोग के सिर बारी - बारी से क्रांतिकारी लोग के गिलोटिन के नीचे आ गइल। ईश्वरीय न्याय के ई काम नास्तिकता के जायज ना ठहरावेला ; बाकिर अंत साधन के जायज ठहरावेला आ भगवान अत्याचारियन के खाली एगो बेहतर अत्याचार से , अधिका शक्तिशाली आ मजबूत , से विरोध कर के गिरा सकेलें . "*शक्ति अउर पराक्रम* " प्रकाशितवाक्य 7:12 में प्रभु के ह।

साथे -साथे हमनी के लेवी में पढ़त बानी जा। 26:23-25: "*अगर इ सजा तोहनी के सुधार ना करी अउर तू हमार विरोध करब , त हम तोहनी के विरोध करब अउर तोहरा पाप के सात गुना अउरी मारब।* ***हम तोहनी के खिलाफ तलवार ले आईब, जवन हमार वाचा के बदला लेई*** *; जब तू अपना शहर में एकट्ठा होखब , त हम तोहनी के बीच महामारी भेज देब , अउर तोहनी के दुश्मन के हाथ में सौंपल जाईब।* " "*उ तलवार जवन हमरा वाचा के बदला लेई* " वाकई में उ भूमिका ह जवन भगवान फ्रांस के राष्ट्रीय नास्तिक शासन के अपना खिलाफ भईल आध्यात्मिक व्यभिचार के दोषी सिर के पहुंचा के देले रहले। " छंद में प्लेग के तरह ई नास्तिक शासन सामूहिक फांसी के सिद्धांत के गति दिहलस कि एकरा से पहिले के जल्लाद अगिला दिन के शिकार हो गईले। एह सिद्धांत के अनुसार एह नारकीय शासन के पूरा मानवता के मौत में डूबे के पड़ल बुझात रहे। एही से परमेश्वर एकरा के "*खाई* ," "*रसातल से उठल जानवर* " नाम दिहे , प्रकाशितवाक्य 11:7 में जहाँ उ आपन विषय के विकास कइले बाड़न। एकर कारण बा कि उत्पत्ति 1:2 में इ नाम बिना जीवन के , बिना रूप

के , अराजक आ जवना के लंबा समय तक, नास्तिक शासन द्वारा कइल गइल व्यवस्थित वि नाश के पुनरुत्पादन करी। उदाहरण के रूप में हमनी के कैथोलिक आ राजतंत्रवादी वेंडी के भाग्य के नाम ओह क्रांतिकारी लोग द्वारा "एवेंज " रखल गइल मिलेला जिनकर योजना रहे कि एकरा के एगो उजाड़ आ बेआबाद भूमि बनावल जाव।

पद 13: " *हम देखनी त एगो चील के आकाश के बीच से उड़त सुननी , जवन जोर से कहत रहे , "हाय , हाय , हाय धरती के निवासी लोग खातिर , काहे कि तीनों स्वर्गदूत के तुरही के बाकी आवाज़ के चलते जवन बाजे वाला बाड़े !* "

फ्रांसीसी क्रांति आपन हत्यारा प्रभाव पैदा कईलस लेकिन भगवान के मनचाहा लक्ष्य के हासिल कईलस। एह से धार्मिक अत्या चार के अंत हो गइल आ ओकरा बाद सहिष्णुता थोपल गइल . इ उ पल ह जब , प्रकाशितवाक्य 13:3 के अनुसार , *कैथोलिक "समुद्र के जानवर* " के " *मौत तक घायल हो गईल रहे लेकिन ठीक हो गईल " काहे कि नेपोलियन "चील* " के शक्तिशाली अधिकार रहे , जवन कि एह श्लोक में प्रस्तुत कईल गईल रहे , जवन कि एकरा के अपना कॉनकोर्डैट से पुनर्स्थापित कईले रहे। "... *स्वर्ग के बीच में उड़त एगो चील* " सम्राट नेपोलियन प्रथम के वर्चस्व के ऊंचाई के प्रतीक हवे। उ सभ यूरोपीय लोग पर आपन वर्चस्व बढ़ा दिहलें आ रूस के खिलाफ असफल रहलें । ई चुनाव हमनी के घटना सभ के समय निर्धारण पर बहुत परिशुद्धता देला , एह तरीका से 1800 से 1814 के समय के सुझाव दिहल गइल बा। एह शासन के भारी परिणाम एगो ठोस बेंचमार्क के गठन करेला जवन एह तरह से दानियल 8:14, 1843 के महत्वपूर्ण तारीख पर आवे के जायज ठहरावे ला फ्रांस के देश के इतिहास में ई महत्वपूर्ण शासन , भगवान खातिर , एगो भयानक घोषणा के वाहक बन जाला , काहे कि एकरा बाद , सार्वभौमिक ईसाई विश्वास ओह समय में प्रवेश करी जब ओकरा के भगवान के द्वारा तीन महान लोग के प्रहार होई " *परेशानी बा* ." तीन बेर दोहरावल गइल त ई " *हाय* " के पूर्णता ह ; एकर कारण ई बा कि , साल 1843 में प्रवेश करत , जइसन कि प्रकाशितवाक्य 3:2 सिखावेला , परमेश्वर मसीही लोग से माँग करेलन , जे ईसा मसीह के उद्धार के दावा करेलन , अंत में 1170 में शुरू भइल सुधार के पूरा करे के , उ तारीख जब पियरे वाल्डो बाइबिल के सच् चाई के पूरा तरीका से बहाल कइले रहलें , अउर " *सिद्ध काम* " पैदा करे के ; इ सिद्धता प्रकाशितवाक्य 3:2 में अउर दानियल 8:14 के फरमान से जरूरी बा। एकरा लागू होखे के परिणाम इहाँ तीन गो बड़हन " *विपत्ति* " के रूप में लउकेला जवना के अब हमनी के अलग-अलग अध्ययन करब जा। हम इहो बतावल चाहब कि धार्मिक शांति के एह दौर के जवन चीज , विरोधाभासी रूप से , एगो बड़हन " *विपत्ति* "

बनावेला ऊ बा फ्रांसीसी राष्ट्रीय नास्तिकता के विरासत जवन दुनिया के अंत तक पश्चिमी मानव दिमाग में व्याप्त बा आव्याप्त रही . एह से उनकरा के 1843 से परमेश्वर के द्वारा जरूरी सुधार पूरा करे में मदद ना मिली लेकिन पहिले से ही , प्रकाशितवाक्य 6:13 के " *छठवाँ मुह र " एह " विपत्ति* " में से पहिला के " *हरियर अंजीर* " के तुलना में " *तारा के गिरला* " के छवि से चित्रित कर देले रहे , एह तरह से उ लोग 1843 से परमेश्वर के द्वारा जरूरी पूरा आध्यात्मिक परिपक्वता के स्वीकार ना कइले रहे।आ परमेश्वर के चेतावनी के आकाशीय चिन्ह दिहल गईल रहे 13 नवंबर , 1833 के , तीनों महान के घोषणा के सुझावल समय के समानांतर अध्ययन कइल गइल छंद के " *विपत्ति* "।

अपना प्रकाशन में आत्मा " *धरती के निवासी* " अभिव्यक्ति के उकसावत बा ताकि तीनों महान के निशाना बनावल मनुष्य के नामित कईल जा सके *भविष्यवाणी कइले रहले* " *वि पत्ति* " . परमेश्वर से कटल होके अउर उनकर अविश्वास अउर पाप से अलग होके , आत्मा उनकरा के " *धरती* " से बान्ह देला। एकरे बिपरीत , यीशु अपना सच्चा , विश्वासी चुनल गइल लोग के " *स्वर्ग के राज्य के नागरिक* " के रूप में संदर्भित करे लें ; उनकर माटी " *धरती* " ना ह बल्कि " *स्वर्ग* " ह , जहाँ यीशु उनकरा खातिर " *जगह तैयार* " कइले बाड़न , यूहन्ना 14:2-3 के अनुसार। एह तरह से , हर बेर जब प्रकाशितवाक्य में " *धरती के निवासी* " अभिव्यक्ति के प्रयोग कइल जाला , त ईसा मसीह में परमेश्वर से अलग विद्रोही मानवता के संदर्भ देवे खातिर होला।

प्रकाशितवाक्य 9: 5 वां अउर 6वां तुरही

“ पहिला ” आ“ दूसरा बड़का दुर्भाग्य ”.

5 वां तुरही : “ पहिला बड़हन विपत्ति ”.

प्रोटेस्टेंट (1843) आएडवेन्टिस्ट (1994) खातिर

नोट : पहिला पढ़ाई में , " *5 वीं तुरही " के ई विषय* प्रतीकात्मक छवि में ओह न्याय के प्रस्तुत करेला जवन परमेश्वर 1843 के बसंत से बेइज्जती में पड़ल प्रोटेस्टेंट धर्मन पर ले आवेलन।लेकिन इ अतिरिक्त शिक्षा लेके आवेला जवन हमनी के सेवेन्थ - डे एडवेन्टिस्ट बहिन , श्रीमती एलेन गाउल्ड व्हाइट के दिहल भविष्यवाणी के घोषणा के पुष्टि करेला , जेकरा के यीशु आपन दूत के रूप में चुनले रहले। उनकर भविष्यवाणी के काम खास तौर पर विश्वास के आखिरी अंतिम परीक्षा के समय के रोशन कइलस ; उनुका भविष्यवाणी के पुष्टि एह संदेश में कईल जाई। लेकिन हमनी के बहिन के जवन ना मालूम रहे उ इ कि एगो तीसरा एडवे न्टिस्ट प्रतीक्षा अवधि भगवान के द्वारा प्रोग्राम कईल गईल रहे ताकि खुद सेवेन्थ - डे एडवेन्टिस्ट चर्च के परीक्षण कईल जा सके। निश्चित रूप से ई तीसरा प्रतीक्षा अवधि पिछला दुनु के सार्वजनिक विकास ना लिहलसि बाकिर एकरा से जुड़ल नया उजागर सच्चाई के परिमाण एह प्रतीत होखे वाला कमजोरी के भरपाई कर देला . एही से , 1983 से 1991 के बीच फ्रांस के वैलेंस -सुर -रोन में , आमारीशस द्वीप पर ईसा मसीह द्वारा परीक्षण कइल गइल , एकरे अंतिम भविष्यवाणी के रोशनी के अस्वीकार कइला के बाद , आधिकारिक संस्थागत शिक्षा एडवेन्टिज्म के 1994 में आत्मा सभ के उद्धारकर्ता द्वारा " *उल्टी " कइल गइल , ई तारीख भविष्यवाणी के " पांच महीना* " के इस्तेमाल से बनावल गइल एह अध्याय के पद 5 अउर 10 9. एही से , दूसरा पाठ में , प्रोटेस्टेंट विश्वास के विभिन्न पहलु के खिलाफ प्रभु द्वारा कइल गइल ई आलंकारिक निर्णय संस्थागत सेवेंथ -डे एडवेन्टिज्म पर लागू होला जवन धर्मत्याग में गिर गइल , बदले में , ईश्वरीय भविष्यवाणी के प्रकाश के मना कइला से ; ई , एलेन जी व्हाइट द्वारा एडवेंटिस्ट शिक्षकन के संबोधित अपना किताब "द इवेंजेलिकल मिनिस्ट्री " के अध्याय

"प्रकाश के मना कइल" में दिहल चेतावनी के बावजूद। 1995 में प्रोटेस्टेंट धर्म के साथे एडवेंटिज्म के आधिकारिक गठबंधन भगवान द्वारा भविष्यवाणी कइल गइल धर् मी न्याय के पुष्टि कइलस। ध्यान देवे वाला बात बा कि दुनो गिरला के कारण एके बा : भगवान के ओर से प्रस्तावित भविष्यवाणी वाला शब्द के अस्वीकार अवुरी तिरस्कार , एगो सेवक के ओर से , जेकरा के उ ए काम खाती चुनले रहले।

" *हाय* " बुराई के घड़ी ह जवना के भड़कावे वाला आ प्रे रणादाता शैतान हवे , जवन यीशु आउनकर चुनल संतन के दुश्मन हवे। आत्मा हमनी के बिम्ब में प्रकट करी कि यीशु मसीह के एगो चेला के का होला जब ओकरा के शैतान के हवाले करे खातिर अस्वीकार कर दिहल जाला ; जवन तब सही मायने में एगो बड़हन " *हाय* " के गठन करेला .

पद 1: " *पांच वा आवाज भइल , आहम देखनी कि एगो तारा स्वर्ग से धरती पर गिरत बा , ओकरा के अथाह गड्ढा के चाभी दिहल गइल।* "

एगो " *पांचवा* ," लेकिन बहुत चेतावनी मसीह के चुनल लोग के संबोधित बा जवन 1844 से अलग बा " *स्वर्ग से गिरल तारा* " " *तारा* " ना ह *एबसिंथे* " पिछला अध्याय से जवन " *गिरल* " ना रहे , " *पर ऊहा000 जमीन* ", लेकिन " *पर दई के बा नदी के बा औरी दई के बा स्रोत से मिलल बा पानी के* " इ " *सरदीस* " युग के ह जहाँ यीशु याद करेलन कि उ " *सात तारा के अपना हाथ में धइले बाड़े* " अपना " *काम* " खातिर " *अपूर्ण* " घोषित , यीशु जमीन पर फेंक दिहले , प्रोटेस्टेंट दूत के *"तारा "।*

एडवेन्टिस्ट मुकदमा 1843 के बसंत में ईसा मसीह के वापसी के पहिला उम्मीद के अंत तक चिन्हित भइल। एह वापसी के दूसरा उम्मीद 22 अक्टूबर 1844 के खतम हो गईल , एही दूसरा परीक्षा के अंत में ही परमेश्वर विजयी लोग के अपना पवित्र शनिवार के सब्त के ज्ञान अउर अभ्यास देले। एकरा बाद ई सब्त के दिन " *परमेश्वर के मुहर* " के भूमिका लिहलस जवना के उद्धरण एह अध्याय 9 के पद 4 में दिहल गइल बा।एह से उनकर सेवकन के मुहर लगावल दूसरा परीक्षण के अंत के बाद शुरू भइल , 1844 के शरद ऋतु में विचार निम्नलिखित बा : अभिव्यक्ति " *जवन गिर गइल रहे* " वसंत 1843 के तारीख के निशाना बनावेला , दान के फरमान के अंत। 8:14 आ पहिला एडवेन्टिस्ट मुकदमा के अंत , शरद ऋतु 1844 के मुकदमा के विरोध में जवन विजयी चुनल लोग के मुहर लगावे के शुरुआत ह आ एह " *5 वां तुरही* " के विषय के चिन्हित करेला , जेकर भगवान खातिर उद्देश्य प्रोटेस् टेंट विश्वास के पतन के खुलासा कइल बा आएडवेन्टिज्म के जवन 1994 के बाद ओकरा साथे गठबंधन करी , " *पांच महीना* " पद 5 आ10 में भविष्यवाणी कइल गइल बा। एह तरह से , जबकि

एह विषय के "पाँच महीना " 1844 के शरद ऋतु में शुरू होला , मुख्य विषय के रूप में , मुख्य विषय के रूप में , विश्वास प्रोटेस्टेंट धर्म " *गिर गइल रहे* " एह तारीख से पहिले , 1843 के बसंत में। हमनी के तब देख सकेनी जा कि ईश्वरीय प्रकाशन केतना सटीक रूप से पूरा भइल ऐतिहासिक के सम्मान करेला तथ्य। 1843 आ1844 के दुनों तारीख के हर एक के एगो खास भूमिका जुड़ल बा।

ईसा द्वा रा छोड़ल गइल जे शैतान के पास पहुँचावेलन , प्रोटेस्टेंट विश्वास कैथोलिक " *गड्ढा* " या " *शैतान के गहराई* " में गिर गइल जवना के सुधारक खुद सुधार के समय प्रकाशितवाक्य 2:24 में निंदा कइले रहले। सूक्ष्म रूप से , इ कह के कि इ " *धरती पर* " गिर जाला , आत्मा प्रोटेस्टेंट विश्वास के पहचान के पुष्टि करेला जवना के प्रतीक " *धरती* " शब्द बा जवन कैथोलिक धर्म से बाहर निकले के याद दिलावत बा जवना के " *समुद्र* " कहल जाला प्रकाशितवाक्य 13 अउर 10:2 में। " *फिलाडेल्फिया* " के संदेश में , यीशु " *दरवाजा* " पेश कइले बाड़न जवन खुलल भा बंद बा। इहाँ एगो चाभी ओह लोग खातिर एगो बहुत अलग रास्ता खोल देला काहे कि ऊ ओह लोग के " *खाई* " *तक पहुँच देला* , जवन जीवन के गायब होखे के प्रतीक ह। ई ऊ घड़ी ह जब ओह लोग खातिर " *रोशनी अन्हार* हो जाला " आ" *अन्हार रोशनी* हो जाला ." गणतंत्रवादी दार्शनिक विचार के सिद्धांत के आपन विरासत के रूप में अपना के ईसा मसीह के खून से शुद्ध विश्वास के असली पवित्रता से नजर हटा देला। आईं हमनी के परिशुद्धता पर ध्यान दीं " *उनुका के दिहल गइल रहे* ." जे एह तरह से हर केहू के ओकर काम के अनुसार देवेला उ ईसा मसीह ईश्वरी य न्यायाधीश हवे। काहे कि ऊ चाभी के रखवाला भी हवे। " *दाऊद के चाभी* " 1873 अउर 1994 में धन्य चुनल लोग खातिर , प्रकाशितवाक्य 3:7 के अनुसार , अउर " *अथाह गड्ढा के चाभी* " 1843 अउर 1994 के पतित लोग खातिर।

पद 2: “ *ऊ अथाह गड्ढा खोल दिहली , आ गड्ढा से एगो धुँआ निकलल , जइसे कि एगो बड़हन भट्ठी के धुँआ निकलल , आ गड्ढा के धुँआ के कारण सूरज आ हवा अन्हार हो गइल।* ”

प्रोटेस्टेंट आस्था मालिक आ भाग्य के बदल देला आ ओकर काम भी बदल जाला। एह तरह से इ " *दूसरा मौत* " *के* " *आग* " से अंतिम न् याय के विनाश से गुजरे के अईर्ष्याजनक भाग्य के स्वीकार करेला जवन प्रकाशितवाक्य 19:20 अउर 20:10 में उकसावल जाई। " *आग आ गंधक के झील* " *के* छवि लेके अंतिम न्याय के ई " *आग*" *एगो* " *महान भट्ठी* " होई जवन निकास के अनुसार सिनाई पहाड़ पर घोषणा के बाद से परमेश्वर के आज् ञा के उल्लंघन

करे वाला लोग के खतरा पैदा करेला। 19:18: " *सिनाई के पहाड़ पूरा तरह से एगो धुँआ पर रहे , काहे कि प्रभु ओकरा पर आग में उतरले ;* ***ई धुँआ भट्ठी के धुँआ नियर उठल*** *, आ पूरा पहाड़ जोर से हिल गइल।* " तब आत्मा "फ्लैशबैक " नाम के सिनेमाटोग्राफी तकनीक के इस्तेमाल करेला , समय में वापसी , जवन ओह कामन के खुलासा करेला जवन कि , अभी भी जिंदा , गिरल लोग शैतान के सेवा कइल। इहाँ " *धुँआ* " शब्द के दुगो मतलब बा : " *महान भट्ठी* " के आग के जवना के बारे में हमनी के प्रकाशितवा क्य 14:11 में पढ़ेनी जा : " *अउर उनकर यातना के धुँआ हमेशा खातिर चढ़त रहेला ; अउर उनकरा दिन या रात के कवनो आराम ना मिलेला , जे जानवर अउर ओकर मूर्ति के पूजा करेला , अउर जे केहू के ओकर नाम के निशान मिलेला ," लेकिन* प्रकाशितवाक्य 5:8, के अनुसार " *संत लोग के प्रार्थ ना " के भी आराम मिलेला।* इहाँ , झूठा संतन के लोग के। काहे कि प्रार्थना से प्रकट होखे वाला भरपूर धार्मिक गतिविधि एह शब्दन के जायज ठहरावेला जवन यीशु *सार्डिस* में उनुका के संबोधित कइले बाड़न , 1843 में : " *तू जिंदा रहला खातिर गुजरत बाड़ ; आतू मर गइल बाड़* ." मरल , आदू बेर मरल , काहे कि सुझावल मौत " *आखिरी फैसला* " के " *दूसरा मौत* " ह । ई धार्मिक गतिविधि भगवान आउनकर चुनल लोग के छोड़ के सभका के धोखा देला जेकरा के ऊ प्रबुद्ध करेलें। ई व्यापक धोखा "नशा " ह जइसन कि आधुनिक दुनिया कहत बिया . आई वाकई में नशा के विचार ह जवन आत्मा " *धुँआ* " के छवि से सुझावत बा जवन " *हवा* " *में* " *सूरज* " के अस्पष्ट करे के हद तक फइल जाला . अगर बाद वाला सच्चा दिव्य प्रकाश के प्रतीक ह त " *हवा* " के ऊ शैतान के आरक्षित डोमेन के नामित करेला , जवना के इफिसियों में " *हवा के शक्ति के राजकुमार* " *कहल जाला।* 2:2, अउर जेकरा के यीशु यूहन्ना 12:31 अउर 16:11 में " *एह संसार के राजकुमार* " *कहले बाड़न।* दुनिया में नशा के मकसद सच्चाई के छिपावल होखेला जवन कि गुप्त रहे के चाही। धार्मिक स्तर प इहे बात बा कि सच्चाई सिर्फ चुनल लोग खाती बा। प्रोटेस्टेंट समूहन के गुणा से वाकई में सेवेंथ -डे एडवेन्टिस्ट विश्वास के अस्तित्व के छिपावे के प्रभाव पड़ल बा ; ई 1995 तक ले भइल जब एकर " *बड़हन दुर्भाग्य* " खातिर ऊ लोग एकरा के अपना कतार में स्वागत कइल . एह नया आध्यात्मिक स्थिति में उ लोग *दूसरा मौत* के शिकार होई जवन धरती के सतह के जरत *भट्ठी में बदल दिही* . संदेश भयावह बा , आ ई समझ में आवेला कि भगवान एकरा के सादा भाषा में ना चढ़वले। ई चुनल लोग खातिर सुरक्षित बा जेहसे कि ऊ लोग अपना बचल भाग्य के समझ सके .

पद 3: “ *धुँआ से धरती पर टिड्डी निकलल , आओह लोग के शक्ति दिहल गइल , जइसे धरती के बिच्छू के शक्ति होला।* ”

धुँआ " से प्रतीकित प्रार्थना पतित प्रोटेस्टेंट लोग के मुँह आदिमाग से आवेला , एही से मरद मेहरारू के " *टिड्डी* " के प्रतीक बनावल जाला काहें से कि इनहन के संख्या बहुत ढेर होला। ई वाकई में मानव प्राणी के भीड़ रहे जवन 1843 में गिरल रहे आ हम रउआ के याद दिलावत बानी कि , 1833 में , दस साल पहिले , भगवान एह भीड़ के एगो अंदाजा "तारा के गिरला " से देले रहले जवन 13 नवंबर , 1833 के रात में आधा रात से 5 a.m. के बीच पूरा भइल रहे , ऐतिहासिक प्रत्यक्षदर्शी के गवाही के अनुसार। एक बेर फेरु " *धरती पर* " अभिव्यक्ति स्थलीय विस्तार आ प्रोटेस्टेंट पहचान के दोहरा अर्थ लेके चलेला। तबाही मचावे वाला आविनाशकारी " *टिड्डी* " के के सराहेला ? किसान ना , आ भगवान ओह विश्वासियन के कदर ना करेलें जे उनका के धोखा देला आ विरोधी के साथे मिल के चुनल लोग के ओकर फसल के नष्ट कर देला , एही से ई प्रती क ओह लोग पर लगावल जाला . फिर , इजकिएल 2 में , 10 श्लोक के एह छोट अध्याय में , " *विद्रोही* " शब्द के 6 बार उद्धृत कइल गइल बा ताकि यहूदी " *विद्रोही* " *लोग के नामित कइल जा सके जेकरा के परमेश्वर* " *काँट , थिसल आ बिच्छू* " के रूप में मानत बाड़न। इहाँ ई शब्द " *बिच्छू* " प्रोटेस्टेंट विद्रोहियन से संबंधित बा। पद 3 में एकर शक्ति के संकेत एगो सबसे महत्वपूर्ण सूक्ष्म प्रतीक के प्रयोग के तैयार करेला। " *बिच्छू* " के ताकत होला कि ऊ अपना शिकार लोग के अपना " *पूंछ* " के डंक से घातक रूप से डंक लगावेला . अउर इ शब्द " *पूंछ* " ईश्वरीय वि चार में एगो मौलिक अर्थ ले लेला जवन यशायाह 9:14 में प्रकट भइल बा : " *झूठ सिखावे वाला भविष्यवक्ता पूंछ ह* ." जानवर अपना " *पूंछ* " के इस्तेमाल मक्खी आ अउरी परजीवी कीड़ा -मकोड़ा सभ के पीछा करे आ चाबुक मारे में करे लें जे इनहन के चिढ़ावे लें। इहाँ हमनी के झूठा " *भविष्यवक्ता ईजेबेल* " के छवि मिलेला . जे आपन समय भगवान आ उनकर भ्रमित बेवफा सेवकन के सजा देबे आ दुख देबे में बितावेला . पाप के प्रायश्चित खातिर स्वेच्छा से चाकू मारे के प्रथा , एकरा अलावा , कैथोलिक आस्था के शिक्षा के हिस्सा ह। प्रकाशितवाक्य 11:1 में , आत्मा " *ईख* " शब्द के प्रयोग करके एह तुलना के पुष्टि करेला जवना के कुंजी यशायाह 9:14 " *पूंछ* " शब्द के समान अर्थ देला। पोप चर्च के ई छवि 1844 से , पतित प्रोटेस्टेंट विश्वासियन पर भी लागू होला जे भगवान खातिर भविष्यवक्ता बन गइल बा जे झूठ

सिखावेला , यानी झूठा भविष्यवक्ता। सु झावल शब्द " *पूंछ* " के श्लोक 10 में साफ -साफ उद्धृत कइल जाई।

3 एडवेंटिस्ट **वेटिंग रूम के निर्माण के काम (अबकी बेर सातवाँ दिन से)**

पद 4: " *आउ लोग के आज्ञा दिहल गईल कि उ लोग धरती के घास के , ना कवनो हरियर चीज़ के , ना कवनो पेड़ के चोट मत पहुंचावे , लेकिन सिर्फ उ लोग के नुकसान पहुंचावे के चाही , जेकरा* ***माथे प परमेश्वर के मोहर नईखे*** */* "

ई " *टिड्डी* " हरियाली के ना खाला , बाकिर ई ओह आदमी खातिर नुकसानदे ह होला जे " *भगवान के मुहर* " से सुरक्षित ना होखे ." *परमेश्वर के मुहर* " के इ उल्लेख प्रकाशितवाक्य 7 में पहिलही से कवर कइल गइल काल के संदर्भ के पुष्टि करेला , एह से संदेश समानांतर बा , मोहर लगावल चुनल लोग के संबंध में अध्याय 7 अउर अध्याय 9, परित्यक्त पतित लोग। हमरा इयाद बा कि मैट के मुताबिक। 24:24 में , एगो सच्चा चुनल गइल के बहकावल असंभव बा। एहसे झूठा भविष्यवक्ता एक दूसरा के बहकावेले।

परिशुद्धता , " ***माथे पर भगवान के मुहर*** ," परमेश्वर के चुनल एडवेन्टिस्ट सेवकन के मुहर लगावे के शुरुआत के संकेत देला , यानी , 23 अक्टूबर , 1844. विस्तार के उल्लेख निम्नलिखित श्लोक में भविष्यवाणी के " *पांच महीना " अवधि के उद्धरण से ठीक पहिले कइल गइल बा* ; 150 वास्तविक साल के अवधि जवन एह तारीख के आधार पर होई।

पद 5: " आउनकरा के ओह लोग के ना मारे के अधिकार दिहल गइल , बलुक ***पांच महीना*** *के सतावे के अधि कार दिहल गइल : आउनकर यातना ओइसने रहे जइसे बिच्छू के आदमी के मार देला।* "

भगवान के संदेश अलग-अलग समय में पूरा भइल कामन के अपना प्रतिरूप में एक साथ ले आवेला ; जवन चित्रात्मक व्याख्या के भ्रमित आकठिन बना देला। बाकिर एह तकनीक के समझल आमिलत घरी संदेश बहुते साफ हो जाला . इ पद 5 1994 में यीशु मसीह के वापसी के हमार घोषणा के आधार रहे।हम नी के उहाँ अनमोल भविष्यवाणी " *पांच महीना* " मिलेला जवन 1844 से शुरू होके 1994 के तारीख के स्थापित कईल संभव बनावेला।हालांकि , परमेश्वर के योजना के साकार करे खातिर , हमरा बिल्कुल एह तारीख से यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के जोड़े के पड़ी। एह तरह से पाठ के एगो परि शुद्धता

से आंशिक रूप से आन्हर होके जवन एह आशा के असंभव बना देत रहे , हम अपना सृष्टिकर्ता के इरादा के दिशा में दृढ़ रहनी। दरअसल , पाठ में निर्दिष्ट कइल गइल बा : " *ई ओह लोग के दिहल गइल रहे , ओह लोग के मारे खातिर ना , बलुक पांच महीना तक सतावे खातिर .*" " *ओह लोग के ना मारे के* " परिशुद्धता " 6वीं " के विषय के शामिल ना करे दिहलस *तुरही* ", एगो राक्षसी हत्यारा युद्ध , जवना समय में " 5 वीं *तुरही* "; 150 वास्तविक साल के समय। लेकिन अपना समय में , विलियम मिलर भगवान के इच्छा के एगो कार्रवाई पूरा करे खातिर पहिलही से आंशिक रूप से आन्हर हो गईल रहले : 1844 के शरद ऋतु खातिर मसीह के वापसी के आशा के पुनर्जीवित करे के अनुमति देवे वाला एगो गलती के खोज करे खातिर ; एगो झूठा गलती , काहेंकी 1843 के बसंत के स्थापित करे वाला शुरुआती गणना के आजहमनी के नवीनतम गणना में पुष्टि कईल गईल बा। भगवान के इच् छा अवुरी शक्ति बा सार्वभौमिक आ अपना चुनल गइल लोग खातिर सौभाग्य से , कुछुओ ना आ केहू उनकर परियोजना में बाधा ना डाल सकेला तथ्य ई बा कि घोषणा के एह गलती के चलते आधिकारिक एडवेन्टिज्म के गवाही दिहल गइल , 1991 में , ईसा मसीह के वापसी के एगो आशा के प्रति तिरस्कार के रवैया के जवन 1994 खातिर घोषणा कइल गइल रहे दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के 34 अध्याय , जइसन कि आजहर केहू के एह दस्तावेज के पढ़ के प्रमाण मिल सकेला , अइसन कइला से , उ लोग हमरा के 2018 के बसंत के बाद से उनकरा व्यवस्था के बारे में अउर मसीह के वापसी के बारे में दिहल गइल अन्य नया अंतर्दृष्टि से भी वंचित बा , जे हमनी के अब जानत बानी जा , 2030 के बसंत में ; 1982 अउर 1991, हमरा खातिर , *पांच महीना* झूठा भविष्यवक्ता लोग के गतिविधि से जुड़ल रहे जवन यीशु मसीह के वापसी तक जारी रहे वाला रहे , जवन कि एकरा अलावा जायज बा , हम समय के प्र तिबंध के ना देखनी जवन " *हत्या पर* " लगावल गईल रहे जोड़ल जाव कि हमरा से पहिले केहू हमरा गलती के कारण के पहचान नइखे कइले जवन भगवान के इच्छा के अनुसार एगो उपलब्धि के पुष्टि करेला " *लेकिन पांच महीना तक ओह लोग के यातना देवे* खातिर ." अंतिम न्याय में गिरल लोग पर लगावल जाई , जहाँ एकर कारण " *आग के झील* " *के* जरावल जाई , " *दूसरा मौत* " के सजा एह आधिकारिक एडवेन्टिज्म के पतन के पहिले से जान के , आत्मा एह संदेश में कहत बा , " ***उहो भगवान के क्रोध के शराब से*** *पी लिहे , जवन बिना मिश्रण के अपना क्रोध के प्याला में उझिलल जाई , आ ओकरा के पवित्र स्वर्गदूतन आ मेमना के सान्निध्य में आग आ गंधक से सतावल* जाई । क्रमशः , प्रोटेस्टेंट आस्था , तब आधिकारिक बेवफा एडवेन्टिज्म 1994 में खुद ईसा मसीह द्वारा खारिज कर दिहल गइल ओह तारीख से , अपना अभिशाप के पुष्टि में , ई

नया " *विद्रोही* " विश्वव्यापी गठबंधन में शामिल हो गइल बा जवन कैथोलिक आप्रोटेस्टेंट लोग के एक साथ ले आवेला जे भगवान से पहिलहीं से कट गइल बा , लेकिन " *उनुका भी* " पतित प्रोटेस्टेंट लोग पर लागू भइल 1844 में , अब से ऊ लोग कैथोलिक , रूढ़िवा दी आझूठा यहूदी लोग के भाग्य के साझा करी दरअसल , " *उनुके भी* " रोम के कैथोलिक चर्च के सम्मान करे वाला सभ गैर -कैथोलिक लोग के चिंता बा , एकरे विश्वव्यापी गठबंधन में प्रवेश करके , आकॉन्स्टेंटाइन प्रथम के अध्यादेश के सम्मान करके ः उनकर अतवार आजन्म के "सूरज के दि न" (25 दिसंबर के क्रिसमस)। रूप " *ओकरा भी* ," के बजाय एकर बहुवचन रूप "उ लोग भी ," आत्मा हमनी के याद दिलावत बा कि धार्मिक चुनाव एगो व्यक्तिगत चुनाव ह जवन व्यक्ति के परमेश्वर के प्रति जिम्मेदार , जायज , या दोषी बनावेला , अउर समुदाय के तरह ना जवन *इजकिएल* 14:18 के अनुसार *ना त बेटा अउर ना बेटी के बचाई ;*

अंतिम न्याय के दूसरा मौत के यातना

पद 6: " *ओह दिनन में लोग मौत के खोज करी , लेकिन ना पाई , उ लोग मरल चाहत होई , लेकिन मौत उ लोग से भाग जाई।* "

विचार एक दूसरा के बहुत तार्किक तरीका से पालन करेला। अभी -अभी " *दूसरा मौत के यातना* " के जिक्र कइला के बाद , आत्मा एह श्लोक 6 में भविष्यवाणी कइले बा , एकरा लागू होखे के दिन के बारे में , जवन 7वीं सहस्राब्दी के अंत में आई , जवना के निशाना " *ओह दिनन में* " अभिव्यक्ति से बा। एकरा बाद ऊ हमनी के एह अंतिम सजा के विशेषता के खुलासा करेलें , उच्चतम डिग्री से भयभीत। " *आदमी मौत के खोज करी , लेकिन ओकरा के ना मिली ; उ मरला के इच्छा करी , अवुरी मौत ओ लोग से भाग जाई* । " जवन बात से मनुष्य अनजान बा उ इ कि दुष्टन के पुनरुत्थान शरीर के विशेषता वर्तमान शारीरिक शरीर से बहुत अलग होई। ओह लोग के अंतिम सजा खातिर सृष्टिकर्ता भगवान ओह लोग के जीवन के फेर से सृजित करीहें आओकरा के ओह लोग के अंतिम परमाणु के विनाश तक चेतन अवस्था में जारी रहे में सक्षम बना दीहें . एतने ना , हर व्यक्ति खातिर दुख के समय के लंबाई के अलग -अलग अनुकूलित कईल जाई , जवन कि उनुका व्यक्तिगत अपराध प घोषित फैसला के मुताबिक होई। मरकुस 9:47-48 एह शब्दन में एकर पुष्टि करेला : "... *नरक में फेंकल जाव , जहाँ उनकर कीड़ा ना मरेला , अउर आग ना बुझावल जाला।* " इहो बतावल जरूरी बा कि प्रोटेस्टेंट विश्वास कैथोलिक चर्च के साथे कई गो झूठा धार्मिक हठधर्मिता के साझा करेला। आराम खातिर समर्पित पहिला दिन अतवार के अलावा आत्मा के अमरता के मान्यता बा जवना के चलते प्रोटेस्टेंट कैथोलिक

लोग के सिखावल नरक के अस्तित्व प विश्वास करेले। एह तरह से नरक के कैथोलिक धमकी जहाँ , अनन्त काल खातिर , अभिशप्त लोग के आग में सतावल जाला , एगो अइसन धमकी जवन ईसाई भूमि के सभ राजकुमारन के एकरा अधीन कर दिहलस , कुछ सच्चाई रहे , लेकिन सबसे ऊपर बहुत झूठ रहे। काहे कि , पहिला , भगवान के द्वारा तैयार नरक के आकार खाली संत लोग द्वारा दुष्टन के स्वर्गीय न्याय के " *हजार साल* " के अंत में ही होई । आ दूसरा , वर्तमान सांसा रिक परिस्थिति के तुलना में दुख शाश्वत ना होई , भले ही लंबा समय तक होई। जे लोग ओह लोग से मौत के भागत देखी ओह लोग में आत्मा के अमरता के बुतपरस्त यूनानी हठधर्मिता के अनुयायी आ गहन रक्षक भी होखीहें . एह तरह से भगवान ओह लोग के कल्पना करे के अनुभव पेश करीहें कि अगर ओह लोग के आत्मा सही मायने में अमर रहित त ओह लोग के भाग्य का रहित . बाकिर ई सभसे ऊपर "अविजय सूरज के दिन " के उपासक लोग के बा जे ओह लोग के दिव्यता से सामना करी ; खुद धरती जवन ओह लोग के बोर कइले रहे , आग आसल्फर के मैग्मा के संलयन से "सूरज " बन गइल रहे।

घातक धोखा देवे वाला रूप

पद 7: " *टिड्डी लड़ाई खातिर तैयार घोड़ा निहन रहे , अवुरी ओकरा माथा प सोना निहन मुकुट रहे अवुरी उनुकर चेहरा आदमी के चेहरा निहन रहे।* "

अपना प्रतीकन के साथ , पद 7 में पतित प्रोटेस्टेंट खेमा के कार्य योजना के चित्रण कइल गइल बा। धार्मिक समूह (*घोड़ा*) के एगो आध्यात्मिक " *लड़ाई* " *खातिर इकट्ठा कइल जाला जवन परिवीक्षा के समय के अंत में ही पूरा होई , लेकिन अंतिम लक्ष्य उहाँ बा। एह लड़ाई के* प्रकाशित वाक्य 16:16 में " *आरमागेडोन* " *कहल गइल बा* . तब आत्मा के चीजन के वास्तविकता से तुलना करे के जिद पर ध्यान दिहल उचित बा ; जवन ऊ " *जइसे* " शब्द के प्रयोग के गुणा करके करेला . संबंधित धार्मिक लोग के झूठा दावा के नकार देवे के उनुकर इ तरीका ह। सब कुछ खाली एगो धोखा दे वे वाला रूप ह : विश्वास के विजेता से वादा कईल गईल " *मुकुट* ", *अवुरी खुद विश्वास (सोना), जवना के* सच्चा विश्वास से सिर्फ " *समानता* " *बा। एह झूठा विश्वासियन के* " *चेहरा* " खुद धोखा देवे वाला होला काहे कि ओह लोग के लगे खाली एगो इंसान के रूप बाचल बा। जे एह न्याय के अभिव्यक्ति करेला ऊ बागडोर आ दिल के खोज करेला। ऊ इंसान के गुप्त विचार के जानत बा आ अपना चुनल लोग से वास्तविकता के आपन दृष्टि साझा करेला .

पद 8: " *उनकर बाल मेहरारू के बाल जइसन रहे आदाँत शेर के दाँत जइसन रहे।* "

1कुरिन्थियों 11:15, 17 के अनुसार। महिला के बाल उनुका खाती घूंघट के काम करेला। आघूंघट के भूमिका चेहरा के छुपावे के होला , माने पर्दाफाश वाला विषय के पहचान . ई श्लोक 8 अपना प्रतीकन से ईसाई धार्मिक समूहन के धोखा देवे वाला रूप के निंदा करेला। एह से ओह लोग के बाहरी रूप (*बाल*) कलीसिया (*मेहरारू , इफिसियों 5:23-32 में*) के होला , *लेकिन उनकर आत्मा " शेर* " के उग्रता (*दाँत*) *से जीवंत होला।* हमनी के बेहतर तरीका से समझत बानी जा कि काहे इनकर चेहरा प सिर्फ इंसान के रूप बा। ई बेवजह नइखे कि यीशु उनकर तुलना शेर से करेलन। एह तरह से ऊ रोमन लोग के मन के स्थिति के याद करत बाड़न जे पहिला ईसाई लोग के अपना अखाड़ा में शेर खा लिहले रहले . अउर इ तुलना जायज बा काहे कि दुनिया के अंत में , उ लोग चाहत होई , फिर से , यीशु मसीह के आखिरी सच्चा चुनल लोग के मारल।

पद 9: “ *ओह लोग के छाती लोहा के छाती जइसन रहे , आ ओह लोग के पाँख के आवा ज़ रथ के आवाज जइसन रहे जवना में कई गो घोड़ा लड़ाई में भागत रहे।* ”

इ श्लोक यीशु मसीह के सच्चा सिपाही के नकली पैनोप्ली के निशाना बनावेला जे धर्म के " *छाती के पट्टी* " *पहिनले बा (इफिसियों 6:14), लेकिन इहाँ , इ धार्मिकता* " *लोहा* " निहन कठोर बा , जवन कि पहिले से ही दानियल में रोमन साम्राज्य के प्रतीक बा। " *टिड्डी* " सक्रिय रहला पर " *अपना पाँख* " से शोर मचावेला । एहसे जवन तुलना आवेला ऊ कार्रवाई से जुड़ल बा . एकरे बाद जवन स्पष्टीकरण होला ऊ रोम से जुड़ाव के पुष्टि करे ला , जेकर " *कई गो घोड़ा* " के साथ रथ दौड़ रोमन लोग के अपना सर्किट में खुश कइलस। एह बिम्ब में " *कई गो घोड़ा* " के मतलब होला : कई गो धार्मिक समूह रोमन " *रथ* " के खींचे खातिर जुटल रहलें , मने कि रोम के अधिकार के महिमामंडन करे खातिर ; रोम जवन अपना बहकावा के माध्यम से दोसरा धार्मिक नेता लोग के अपना वश में करे खातिर हेरफेर करे के जानत रहे | एही तरे आत्मा विद्रोही खेमा के कार्रवाई के संक्षेप में बतावेले। आरोम के पक्ष में ई रैली ओह लोग के अंतिम " *आरमागेडोन के लड़ाई* " खातिर तइयार कर देला जवन अतवार के विरोधियन के खिलाफ , भगवान के पवित्र कइल सब्त के वफादार पर् यवेक्षक , आ अनजाने में , मसीह के खिलाफ , ओह लोग के रक्षक रक्षक के खिलाफ .

पद 10: “ *ओह लोग के पूंछ बिच्छू आडंक जइसन रहे , आ ओह लोग के पूंछ में पांच महीना तक आदमी के चोट पहुंचावे के शक्ति रहे।* ”

ई श्लोक पद 3 से पर्दा उठावेला , जहाँ " *पूंछ* " *शब्द के " बिच्छू* के शक्ति " के रूप में सुझावल गइल रहे। एकर उद्धरण साफ -साफ दिहल गइल बा , हालांकि एकर मतलब ओह लोग खातिर साफ नइखे जे यशायाह 9:14 में एकरा

के नइखे खोजत। ई हमार मामला नइखे , एहसे हम ई महत्वपूर्ण कुंजी याद करत बानी : " *झूठ सिखावे वाला भविष्यवक्ता पूंछ ह* ." हम कोडित संदे श के एह शब्दन में स्पष्ट करत बानी : एह समूहन में झूठा भविष्यवक्ता (*पूंछ*) आ विद्रोही (*बिच्छू*) आ झूठा जीभ (डंक) रहे , आ एह झूठा भविष्यवक्ता (*पूंछ*) में *ही आदमी के नुकसान पहुंचावे के शक्ति रहे* , यानी कि ओह लोग के बहकावे के आ ओह लोग के मनावे के कि ऊ लोग रोमन अतवार के सम्मान करे खातिर 150 साल (*पांच महीना*) के धार्मिक शांति के गारंटी रहे भगवान के द्वारा कइल गइल ; जवन अनिवार्य रूप से ओह लोग के 7वीं सहस्राब्दी के अंत में अंतिम फैसला के " *दूसरा मौत के यातना " से उजागर कर देला* . जब हम सोचत बानी कि भीड़ के आराम के दिन के महत्व नइखे लउकत ! अगर उ लोग एह डिकोड खुलल संदेश प विश्वास करीत त उ लोग आपन मन बदल लेत।

पद 11: “ *उ लोग के राजा के रूप में अथाह गड्ढा के दूत रहे , जेकर नाम इब्रानी में अबादोन आ यूनानी में अपोलियन रहे।* ”

तेजी से सटीक होके ईश्वरीय आरोप अपना चरम पर पहुँच जाला : एह धार्मिक समूहन के राजा शैतान के रूप में " *खाई के दूत* " बा। जे प्रकाशितवाक्य 20:3 के अनुसार " *हजार साल* " तक उजाड़ धरती पर बान्हल रही । उत्पत्ति 1:2 में " *अथाह गड्ढा* " शब्द जीवन के कवनो निशानी धारण करे से पहिले धरती के संदर्भित करेला। एह तरह से ई शब्द उजाड़ हो गइल धरती के संदर्भ देला , मसीह के गौरवशाली वापसी से जीवन के सभ रूप के नाश हो जाला। ई " *हजार साल* " तक एह अवस्था में रही , एकर एकमात्र निवासी , शैतान स्वर्गदूत के एकरा पर कैदी बना के रखले रहे। जेकरा के परमेश्वर प्रकाशितवाक्य 12 में कहले बाड़न , " *अजगर* ", अउर *साँप* , *शैतान आ शैतान* ,” इहाँ विनाशक नाम मिलल बा , जवना के मतलब बा “ *हिब्रू आ यूनानी* , ***अबादोन आ अपोलियन*** ” सूक्ष्म रूप से , आत्मा हमनी के देखावेला कि कइसे ई स्वर्गदूत परमेश्वर के काम के नष्ट करे में लागल बा जवना से उ “ *हिब्रू अउर यूनानी* ” से लड़ रहल बा। मूल बाइबिल लेखन के भाषा हवें। एह तरह से जब से प्रोटेस्टेंट आस्था गिरल , 1844 में , एह " 5वीं " के विषय के शुरुआत *तुरही* ," शैतान पवित्र बाइबल में अपना सुप्रसिद्ध रुचि के साथ एकरा के वापस ले लेले बा। लेकिन सुधार के गौरवशाली शुरुआत के विपरीत , अब एकर इस्तेमाल परमेश्वर के योजना के नष्ट करे खातिर कईल जा रहल बा। शैतान पतित सुधारित विश्वास पर लागू कर रहल बा , अबकी बेर सफलतापूर्वक , उहे जवन उ खुद मसीह के गिरावे के व्यर्थ कोशिश कईले रहले , अपना प्रतिरोध के परीक्षा के घड़ी में।

पद 12: " *पहिला दुख बीत गइल बा , एकरा बाद द्व गो अउरी विपत्ति आवे वाला बा .*"

इहाँ श्लोक 12 में " 5वां " के इ बहुत खास विषय के अंत होला *तुरही* ." ई पल इ संकेत देत बा कि मानवता अपना सामान्य कैलेंडर के साल 1994 में प्रवेश कर लेले बिया। तब तक सभ एकेश्वरवादी धर्म के बीच धार्मिक शांति बनल रहल बा। धार्मिक प्रतिबद्धता के आध्यात्मिक कारण से केहू के हत्या नईखे भईल। एह से पद 5 में हत्या के निषेध के सम्मान कईल गईल बा अवुरी पूरा कईल गईल बा , जईसे कि भगवान घोषणा कईले रहले।

बाकिर 3 अगस्त 1994 के जीआईए के पहिला मुस्लिम धार्मिक हमला में अल्जीयर्स में फ्रांस के दूतावास के लगे पांच गो फ्रांसीसी अधिकारी लोग के मौत हो गइल आएकरे बाद क्रिसमस के पूर्व संध्या पर 24 दिसंबर 1994 के फ्रांस के एगो विमान पर हमला भइल जेह में अल्जीयर्स में तीन लोग के मौत हो गइल जेह में एगो फ्रांसीसी नागरिक भी रहल। अगिला गर्मी में जीआईए के अल्जीरिया के इस्लामिक सशस्त्र समूह फ्रांस के राजधानी पेरिस में आरईआर पर जानलेवा हमला कइलें। आ 1996 में अल्जीरिया के तिभिरीन में सात गो फ्रांसीसी कैथोलिक पादरी के सिर काट दिहल गइल . एह तरह से ई गवाही एह बात के सबूत देला कि भविष्यवाणी कइल गइल " *पांच महीना* " से अधिका हो गइल बा। एह से धार्मिक युद्ध फेर से शुरू हो सकेला आ दुनिया के अंत तक जारी रह सकेला , जवना के चिन्हित कइल जाला महिमामंडित मसी ह के वापसी।

6वां तुरही : द्वसरा महान " *दुर्भाग्य* " के बा .

सब झूठा मसीही पवित्रता के छठवाँ सजा

तृतीय विश्वयुद्ध के ह

पद 13: " *छठवाँ बाजल , हम सोना के वेदी के चार सींग से आवाज सुननी जवन परमेश्वर के सामने बा ,*"

प्रकाशितवाक्य 8:13 में घोषित "दूसरा " महान " ***हाय " के गठन करेला। ई सामूहिक आ व्यक्तिगत अनुग्रह के समय के अंत से पहिले के बा आएह तरह से 2021 से 2029 के बीच पूरा होई।एह श्लोक 13 के साथ ,*** " 6वीं " के विषय में प्रवेश *तुरही* " युद्ध के वापसी आ" *मारे के* " प्राधिकरण के पुष्टि करी। ई नया विषय ओही धार्मिक समूहन से संबंधित बा जवन " 5वीं *तुरही* "

पिछला। इस्तेमाल कइल गइल प्रतीक एके जइसन बा। त चीजन के एह तरह से समझावल गइल बा : "5वीं के लोग *trumpet* " के आदत हो गइल बा कि "*ना मारल* ," यूरोप आअमेरिका के कुछ राज्यन में फाँसी के सजा पर रोक लगा दिहल गइल बा . ऊ लोग ओह अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के मुनाफा में चलावे के तरीका खोज लिहले बा जवन ओह लोग के समृद्ध कइले बा . एहसे ऊ लोग अब युद्ध के निपुण नइखे रहि गइल , बलुक हर हाल में शांति के रक्षक बा . एह से ईसाई लोग के बीच के युद्ध एकरा से बाहर लउकत बा , बाकिर दुर्भाग्य से एकर तीसरा एकेश्वरवादी बा धर्म बहुत कम शांतिपूर्ण बा , ई इस्लाम हवे जे दू गो गोड़ पर चले ला : काम करे वाला आतंकी लोग के आबाकी अनुयायी लोग के जे एह से स्थायी शांति के संभावना के असंभव बना देला , आई सृष्टिकर्ता भगवान खातिर काफी होई कि ऊ *सभ्यता* आ धर्म सभ के टक् कर खातिर आपन अधिकृतता बाकी लोग पर काफी घातक प्रभाव के साथ होखे पृथ्वी पर , हर लोग के आपन पारंपरिक दुश्मन भी होई , पूरा ग्रह के संबंध में शैतान आ ओकर राक्षस द्वारा तइयार कइल गइल विभाजन।

हालांकि , इहाँ भविष्यवाणी एगो खास इलाका , काफिर ईसाई पश्चिम के निशाना बनावत बा।

अंतिम सजा , "*सात अंतिम विपत्ति* " *से पहिले जवन मसीह के वापसी से पहिले आवेला* ," 6वां के नाम पर आवेला *तुरही* " पहिलहीं से , विषय के विस्तार में जाए से पहिले , हमनी के जानत बानी जा कि ई विषय वाकई में प्रकाशितवाक्य 8:13 में नेपोलियन साम्राज्य के " *चील* " *द्वारा घोषित* " *महान विपत्ति* " में से *दूसरा ह अथाह गड्ढा* " *इ प्रकाशितवाक्य 8 के* "*4वां* तुरही " के विषय भी ह।एह से आत्मा हमनी के "4वां अउर 6 वां " से संबंधित घटना के बीच एगो घनिष्ठ संबंध के अस्तित्व के सुझाव देत बा *तुरही* ." हमनी के पता चल जाई कि ई रिश्ता का ह।

जब "6वां " के बा *तुरही* " बाजत बा , धूप के *वेदी* के सामने बिनती करे वाला मसीह के *आवाज* एगो क्रम के अभिव्यक्ति करेला। (पार्थिव तम्बू के छवि के अनुसार जवन चुनल लोग के प्रार्थना खातिर बिनती करे वाला के रूप में उनकर भविष्य के स्वर्गीय भूमिका के भविष्यवाणी करत रहे)।

पश्चिमी यूरोप ईसा मसीह के क्रोध के निशाना

पद 14: " *तुरही बजावे वाला छठवाँ स्वर्गदूत से कहलन , "यूफ्रेटिस के महान नदी में बान्हल चार गो स्वर्गदूतन के ढीला करऽ।* "

ईसा मसीह घोषणा करेलन : " *चारों स्वर्गदूतन के छोड़ दीं जे महान नदी यूफ्रेटिस पर बान्हल बा* ": यूफ्रेटिस नाम से प्रतीकित यूरोप पर केंद्रित सार्वभौमिक आसुरी शक्तियन के जारी करेला ; पश्चिमी

यूरोप आओकर अमेरिकी आऑस्ट्रेलियाई विस्तार जहाँ ई 1844 से रखल गइल बा , प्रकाशितवाक्य 7:2 के अनुसार ; ई चार गो *स्वर्गदूत हवें जिन का के धरती आसमुद्र के नुकसान पहुँचावे खातिर दिहल गइल बा* . व्याख्या के कुंजी सरल आतार्किक बा। "The यूफ्रेटिस " ऊ नदी ह जवन दानियल के प्राचीन बेबिलोन के सिंचाई कइलस। प्रकाशितवाक्य 17 में , " *वेश्या* " जेकरा के " *बेबिलोन महान " कहल जाला " कई पानी पर* बइठल ", *"लो ग, राष्ट्र आ भाषा " के* प्रतीक । " *बेबिलोन* " रोम के नामित करत , संबंधित लोग यूरोपीय लोग हवें। यूरोप के अपना हत्यारा क्रोध के मुख्य निशाना के रूप में नामित करके , मसीह परमेश्वर ओह लोग के सजा देवे के इरादा रखले बाड़न जे ओकरा के धोखा देला आ अपना दर्दनाक क्रूस पर जवन दुख सहले रहे ओकरा के एतना कम बनावेला , जवना के पहिले के श्लोक अभी याद कइले बा , " *वेदी* " शब्द के उद्धरण देके , जवन पुरान वाचा के प्रतीकात्मक संस्कार में एकर भविष्यवाणी कइले रहे।

यूरोप के निशाना बना के स्पिरिट आपन बदला दू गो देशन का खिलाफ निर्देशित करेला जवन आपन अपराधबोध ओकरा ओर केंद्रित करेला . ई कैथोलिक आस्था , मदर चर्च आ बड़की बेटी हवें , जेकरा के ऊ फ्रांस कहे ला , जे सदियन से एकर एतना समर्थन कइले बा , एकरे सुरुआत से ले के , फ्रैंक लोग के पहिला राजा क्लोविस के साथी

पहिला कड़ी " 4वां के साथे *तुरही* " प्रतीत हो ला , ई फ्रांस हवे , एगो क्रांतिकारी लोग जे पृथ्वी के सभ ईसाई राष्ट्र सभ के बीच आपन अविश्वास के बीज बोवलस , अपना दार्शनिक लोग , नास्तिक स्वतंत्र विचारक लोग के लेखन के फइलावे से। बाकी ई पोप के रोम भी हवे , जेकरा के फ्रांसीसी क्रांति के नष्ट करे आ चुप करावे के रहे । तुरही सभ के तुलनात्मक अध्ययन में हिब्रू लोग के सामने पेश कइल गइल चेतावनी सजा सभ के साथ लेवीय 26 में चउथा के एगो दिव्य " *तलवार* " के भूमिका दिहल गइल बा जवन " *उनकर वाचा के बदला लेला* " अबकी बेर , " 6वीं " तक *तुरही* ," यीशु खुदे अपना गठबंधन के बदला लेवे के होई , दुनो दोषी लोग अउर उनकर यूरोपीय सहयोगी लोग के मार के।काहे कि प्रकाशितवाक्य 11 के अनुसार , फ्रांसीसी नास्तिकता " *खुश हो गईल रहे* " अउर आसपास के लोग के " *खुशी " में डूबा देले रहे : " उ लोग एक दूसरा के उपहार भेज दिहे* , " हमनी के प्रकाशितवाक्य 11:10 में पढ़ेनी जा बम सभ से पहिले एगो घातक संक्रामक वायरस जे 2019 के अंत में यूरोप में आइल।

वैश्विक परमाणु युद्ध के बारे में बतावल गइल बा

पद 15: “ *चारो स्वर्गदूत के छोड़ दिहल गइल जवन एक घंटा , एक दिन , एक महीना आ एक साल खातिर तइयार रहले , ताकि एक तिहाई आदमी के मारल जा सके। ”*

प्रकाशितवाक्य 7:2 के अनुसार " *धरती अउर समुद्र के नुकसान पहुंचावे* खातिर " तैयार , " *चार स्वर्गदूत के मानव जाति के एक तिहाई के मारे खातिर ढीला कईल गईल बा* " अउर कार्रवाई के योजना बनावल गईल बा अउर बहुत समय तक उम्मीद कईल गईल बा , जईसे कि एह विस्तार से संकेत मिलत बा : " *जे घड़ी , दिन , महीना अउर साल खातिर तैयार रहे* । " अब कब से ई सजा जरूरी हो गइल बा ? 7 मार्च 321 से , जवना तारीख के कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा थोपल सूरज के दिन के अपनावल पूरा भइल । प्रकाशितवाक्य 17 के अनुसार , जेकर विषय बा " *वेश्या के न्याय। " बेबिलोन महान* ”, संख्या 17 ईश्वरीय न्याय के प्रतीक ह। 7 मार्च , 321 से सदी के संख्या में लागू , इ संख्या 17 7 मार्च , 2021 में परिणाम ;एह तारीख से , ईश्वरीय अभिशाप के अंतिम 9 साल “ 6 वीं के पूरा होखे के अनुमति दिही *तुरही* ” प्रकाशितवाक्य 9:13 के बा।

*मानव जाति के **एक तिहाई*** " के जिक्र पर ध्यान दीं जवन हमनी के याद दिलावत बा कि , चाहे ऊ कतनो भयानक होखे , ई तीसरा विनाशकारी विश्व संघर्ष चेतावनी के आंशिक चरित्र (***एक तिहाई) बरकरार रखे ला ;*** एह से ई धार्मिक रूपांतरण ले आवे खातिर उपयोगी बा अउर चुनल लोग के ईसा मसीह के मार्गदर्शन में एडवेंटि स्ट काम खातिर पूरा तरह से प्रतिबद्ध होखे खातिर नेतृत्व करे खातिर उपयोगी बा। ई विनाश मानवता के ताड़ना आपश्चाताप खातिर आमंत्रित करे खातिर आवेला जवना के धार्मिक शांति के "150 वास्तविक साल " से फायदा भइल बा , जवना के भविष्यवाणी " *पांचवा तुरही* " के " *पांच महीना " से कइल गइल बा।*

एह सजा के मतलब पूरा तरह से समझे खातिर , 1914 के बाद से तीसरा विश्वयुद्ध , हमनी के एकर समानांतर खींच के एकर तुलना यहूदी लोग के बेबिलोन में तीसरा देश निकाला से करे के होई। एह अंतिम युद्धप्रिय हस्तक्षेप में , 586 ईसा पूर्व में , राजा नबूकदनेस्सर यहूदा के राज्य के नष्ट क दिहलें , जवन इस्राएल राष्ट्र के अंतिम अवशेष रहल ; यरूशलेम आ ओकर पवित्र मंदिर खंडहर हो गइल। तीसरा विश्वयुद्ध के खंडहर से एह बात के सबूत मिल जाई कि ईसाई गठबंधन भी ओतने धर्मत्याग कईले बा जतना कि हिब्रू लोग के यहूदी गठबंधन . एह तरीका से , एह प्रदर्शन के बाद , अविश्वासी भा धार्मिक बचे वाला लोग के बिस्वास के अंतिम सार्वभौमिक परीक्षा के सामना करे के पड़ी जे सभ एकेश्वरवादी धर्म सभ के आस्तिक लोग के

उद्धार के अंतिम मौका देला ; लेकिन सृष्टिकर्ता परमेश्वर खाली एगो सच्चाई सिखावेलन जवन यीशु मसीह अउर उनकर पवित्र सब्त के शनिवार के बारे में बा , जवन एकमात्र सच्चा सातवाँ दिन ह।

एह सार्वभौमिक युद्ध खातिर घोषित नरसंहार " *दूसरा विपत्ति " के एगो अउरी पहलू के गठन करेला जवन एकरा के " चउथा तुरही* " के फ्रांसीसी क्रांतिकारी नास्तिकता से जोड़त बा। फ्रांस आ खास कर के ओकर राजधानी पेरिस सर्वशक्तिमान भगवान के क्रॉसहेयर में बा . प्रकाशितवाक्य 11:8 में , उ एकरा के " *सदोम अउर मिस्र* " नाम देले बाड़न , प्राचीन दुश्मनन के नाम जवन परमेश्वर के द्वारा अविस्मरणीय तरीका से उदाहरण के रूप में नष्ट कर दिहल गइल बा , एगो स्वर्ग से आग से , दूसरा के उनकर आँख मूंह देवे वाला शक्ति से। एहसे हमनी के समझ में आवत बा कि ऊ एकरा खिलाफ ओही भयानक आ निश्चित तरीका से काम करीहें . सच्चा आस्था के गायब होखे में एकर भारी जिम्मेदारी के बारे में हमनी के जागरूक होखे के चाही। धर्म से नफरत लेवे के बाद गणतंत्रवादी शासन नेपोलियन प्रथम के निरंकुश हाथ में आगईल। जेकरा खातिर धर्म खाली उनकर निजी महिमा खातिर एगो उपयोगी पन्नी रहे। उनकर गर्व आ अवसरवाद के कारण बा कि कैथोलिक आस्था के अस्तित्व के ऋणी बा अपना कॉनकॉर्डट के स्थापना के माध्यम से जवन ईश्वरीय सत्य के सिद्धांत के नाशक रहे।

एगो जनसांख्यिकीय परिशुद्धता : दू करोड़ लड़ाकू

पद 16: " *घुड़सवारन के सेना के संख्या दू असंख्य रहे , हम ओह लोग के संख्या सुननी।* "

पद 16 में हमनी के संघर्ष में भाग लेवे वाला लड़ाकू लोग के संख्या पर एगो महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण दिहल गइल बा : " *दू असंख्य असंख्य* " या दू करोड़ सैनिक। 2021 तक जब हम ई दस्तावेज लिखले रहनी तब तक कवनो युद्ध अपना झड़प में एतना संख्या तक ना पहुंचल रहे | हालांकि आज साढ़े सात अरब इंसान के वैश्विक आबादी के संगे इ भविष्यवाणी पूरा हो सकता। **एह श्लोक से जवन परिशुद्धता दिहल गईल बा उ सब व्याख्या के निंदा करेला जवन एह टकराव के पिछला काम के जिम्मेदार ठहरवले बा** .

एगो वैचारिक युद्ध बा

पद 17: " *हम दर्शन में घोड़ा आ ओह पर बइठल लोग के देखनी , जवना के छाती में आग, जेसिंट आ गंधक के छाती रहे , घोड़ा के सिर शेर के सिर निहन रहे , अवुरी ओ लोग के मुंह से आग, धुआं अवुरी गंधक निकलत रहे।* "

एह श्लोक 17 में , ईश्वरीय न्याय के आकृति , हमनी के "5वां तुरही " *के प्रतीक मिलेला* : समूह (*घोड़ा*) अउर उनकर आज्ञा देवे वाला (*सवार*)। इनकर एकमात्र न्याय (*ब्रेस्टप्लेट*) आग से जरे के क्रिया ह, आ कवन आग? पृथ्वी के भूमिगत मैग्मा के आग के तुलना में परमाणु आग। आत्मा ओह लोग के *हयासिन्थ* के विशेषता बतावेला जवन श्लोक के अंत में *धुँआ के अभिव्यक्ति के दोहराव में मेल खाला* . ई पहिलहीं से पिछला विषय में संतन के प्रार्थना के प्रतीक बा , ई एकर इत्र के चरित्र ह जवना के हमनी के याद राखे के चाहीं , आ ओहिजा , हमनी के समझ में आवत बा कि एकर जिक्र के का मतलब होला . इ पौधा जहरीला होखेला , त्वचा के चि ढ़ावेला अवुरी एकर गंध से सिरदर्द होखेला। मापदंड के ई सेट संलग्न लड़ाकू लोग के प्रार्थना के परिभाषित करेला | एह में से कवनो प्रार्थना सृष्टिकर्ता भगवान के ना मिलेला ; ऊ लोग ओकरा के मतली बना देला आओकरा में गहिराह घृणा पैदा करेला . ई समझे के पड़ी कि एह अनिवार्य रूप से धार्मिक आ वैचारिक संघर्ष में खाली अइसन धर्म शामिल बाड़ें जे एकरा से पूरा तरीका से कट गइल बाड़ें , बाकी एकरा बावजूद मुख्य रूप से एकेश्वरवादी : यहूदी धर्म , कैथोलिक धर्म , प्रोटेस्टेंट धर्म , रूढ़िवादिता , इस्लाम। यशायाह 9:14 से एगो नया प्रमुख प्रतीक के ह वाला इहाँ दिहल गइल बा : " *सिर मजिस्ट्रेट ह या बड़का* ." त जवन समूह लड़त बाड़े ओह लोग के मुखिया में मजिस्ट्रेट बाड़े जेकरा के आजु गणतंत्र में "राष्ट्रपति " कहल जाला . आई राष्ट्रपति लोग " *शेर* " के ताकत से संपन्न बा , जानवरन के राजा आ जंगल के राजा। ताकत के अर्थ न्यायकर्ता 14:18 में उनकरा के दिहल गइल बा। अपना संदेश में आत्मा एगो युद्धप्रिय जुड़ाव के भविष्यवाणी कइले बाड़न जवना के दूर से बहुत शक्तिशाली , निरंकुश , आधार्मिक रूप से प्रतिबद्ध राज्य प्रमुखन के पायलट बनावल जाला , काहे कि ई ओह लोग के " *मुंह* " से बा . *कि उनकर प्रार्थना सामने आवेला , जवना के प्रतीक* " *धुँआ* " शब्द से बा | ओह लोग के ओही " *मुँह* " से " *आग*" से विनाश के आदेश , " *धुँआ* " से प्रार्थना आ" *सल्फर* " के प्रतीक परमाणु बम के इस्तेमाल के आदेश देके भीड़ के सफाया के आदेश आवेला। साफ बा कि आत्मा एह परमाणु शक्ति के महत्व पर जोर दिहल चाहत बिया जवन कवनो एक आदमी के निपटान में बा . धरती के इतिहास में कबो अइसन विनाशकारी शक्ति कवनो एक आदमी के फैसला पर निर्भर ना रहे। ई वाकई में उल्लेखनीय बा आएह पर जोर देबे लायक बा . बाकिर हमनी के जे एह तरह के राजनीतिक संगठन में रहेनी जा ओकरा खातिर ई विशालता अब हमनी

के झटका तक नइखे देत . हमनी के सब केहू एक तरह के सामूहिक पागलपन के शिकार बानी जा।

पद 18: " *एह तीनों विपत्तियन से मनुष्य के एक तिहाई हिस्सा आग, धुँआ आ गंधक से मारल गइल जवन ओह लोग के मुँह से निकलल रहे।* "

पद 18 में पिछला श्लोक से एह तथ्य पर जोर दिहल गइल बा , जवना में ई निर्दिष्ट कइल गइल बा कि " *आग, धुँआ आ सल्फर* " भगवान के वांछित प्लेग के गठन करेला ; जवना के पुष्टि बदला लेवे वाला मसीह के एक तिहाई आदमी के मारे के आदेश देके पुष्टि कईलस।

राष्ट्रन के नेता लोग के परमाणु शक्ति

पद 19: " *काहे कि घोड़ा के शक्ति उनकर मुँह आ पूंछ में रहे , उनकर पूंछ साँप निहन रहे , सिर रहे , ओकरा से चोट करत रहे।* "

घोड़ा) के शक्ति ओह लोग के बोलला में (उनकर *मुँह*) आ ओह लोग के झूठा भविष्यवक्ता (*पूँछ*) *में रहे जे दे खाई देवे में बहकावे वाला* (*नाग*) रहले जवन राज्य के मुखिया के प्रभावित करत रहले , मजिस्ट्रेट (*सिर*) जवना से उ लोग (लड़ाकू आदमी) नुकसान पहुंचवले। एह तरह से परिभाषित सिद्धांत लोग के संगठन से ठीक मेल खाला जवन आजअंत के समय में प्रचलित बा।

एह तीसरा विश्वयुद्ध में भइल जे आवेला " *तुरही* " *या चेतावनी के सजा* के विषय के बंद कईल एतना महत्वपूर्ण बा कि परमेश्वर एकरा के सबसे पहिले पुरान वाचा के यहूदी लोग के घोषणा कईले , क्रमशः दान में। 11:40-45 अउर इजकिएल 38 अउर 39, अउर फिर नया वाचा के मसीही लोग के , प्रकाशितवाक्य के एह किताब में " *छठवाँ तुरही* " के रूप में , अनुग्रह के समय के अंत से पहि ले अंतिम ईश्वरीय चेतावनी के रूप में। एह से हमनी के इहाँ ई समृद्ध पूरक शिक्षा के खोजल जाव।

दानियल 11:40-45 में दिहल गइल बा

अभिव्यक्ति , " *अंत के समय* ," हमनी के राष्ट्रन के एह अंतिम संघर्ष के अध्ययन करे खातिर ले जाला , जवन दान के भविष्यवाणी में प्रकट आविकसित भइल बा। 11:40 से 45. हमनी के एकर संगठन के मुख्य चरण के खोज करेनी जा। मूल रूप से , बहुत हद तक पच्छिमी यूरोप के इलाका में स्थापित , आक्रामक इस्लाम जेकरा के " *दक्खिन के राजा* " कहल जाला , यूरोपीय लोग से टकराव करे ला , जिनहन में से बिसाल बहुलता कैथोलिक बा ; रोमन पो प के कैथोलिक आस्था के विषय होखे के कारण भविष्यवाणी दान के बाद से निशाना बनावत बा। 11:36 बजे के बा। तब तक ले निशाना बनावल गइल रोमन पोप के नेता के " ऊ" शब्द के तहत पेश कइल जाला ; " *राजा* " के उपाधि के तहत

ओकरा पर "*दक्षिण के राजा* "*इस्लाम के* हमला होला जवन "*ओकरा से टकरा जाई* ." "*टकराए* "क्रिया के चुनाव सटीक आ विवेकपूर्ण बा , काहे कि एके इलाका में रहे वाला लोग ही एक दोसरा से "*टकराए* "*करेला।* तब जाके , मिलल मौका के फायदा उठावत , स्थिति पच्छिमी यूरोप के पूरा तरीका से अव्यवस्था आ घबराहट में डूब गइल रहे , "*उत्तर के रा जा* "(या उत्तर) "कठिनाई में एह शिकार पर *तूफान नियर घुमावत* ", ओकरा के जब्त क के ओकरा पर कब्जा कर लेत। ऊ"*कई गो जहाज* ," "*रथ* "*आलड़ाकू विमानन के इस्तेमाल कइलें जे* "*घुड़सवार* "से बेसी ना रहलें आ उत्तर में रहत रहलें , आ पच्छिमी यूरोप के उत्तर में ना , बलुक यूरो -एशियाई महादीप के उत्तर में रहत रहलें। अउर अधिक सटीक रूप से इस्राएल के उत्तर में , जवना के श्लोक 41 एकरा के "*सबसे सुंदर देश* "कह के सुझाव देत बा। जवना रूस के बात होखता ऊ"*घुड़सवार* " (कोसाक) के लोग रहे , जवन इजरायल के ऐतिहासिक दुश्मनन के घोड़ा के प्रजन क आ आपूर्ति करे वाला रहे। अबकी बेर एह सगरी डेटा के आधार पर एह "*उत्तर के राजा* "के पहिचान शक्तिशाली रूढ़िवादी रूस से कइल आसान हो गइल बा , जवन 1054 के आधिकारिक ईसाई धार्मिक बिभाजन के बाद से पश्चिमी पोप रोमनवाद के पूरबी धार्मिक बिरोधी रहल।

हमनी के अभी -अभी तीस रा विश्वयुद्ध के कुछ युद्धप्रिय कलाकारन से मिलल बानी जा। लेकिन यूरोप के ताकतवर सहयोगी देश बाड़े जवन कि एगो वायरस , कोविड -19 कोरोना वायरस के अईला के बाद से विनाशकारी हो चुकल आर्थिक प्रतिस्पर्धा के चलते एकरा के कुछ हद तक उपेक्षा कईले बाड़े। खून से सूखल अर्थव् यवस्था अपना अस्तित्व खातिर लड़त बिया , हर राष्ट्र अपना में तेजी से पीछे हटत जात बा . हालांकि जबे यूरोप में टकराव शुरू होई त अमेरिकी सहयोगी देश कार्रवाई करे के समय के इंतजार करी।

यूरोप में रूसी सैनिकन के बहुते कम विरोध के सामना करे के पड़ेला . एक के बाद एक उत्त री यूरोपीय लोग पर कब्जा बा। अकेले फ्रांस में सैन्य प्रतिरोध बहुत कम होला आ रूसी सेना के देश के उत्तरी हिस्सा में रोकल गइल बा। दक्षिणी हिस्सा में एह इलाका में पहिलहीं से बड़ संख्या में स्थापित इस्लाम के गंभीर समस्या हो रहल बा। एक तरह के साझा हित के समझौता मु स्लिम सेनानी आ रूस के जोड़त बा . दुनु लूटपाट खातिर बेचैन बाड़े आफ्रांस एगो अमीर देश ह , भलही आर्थिक रूप से बर्बाद हो जाव . अरब पारंपरिक विरासत से लूटपाट करे वाला हवे।

इजरायली तरफ से हालात तबाही मचावे वाला बा ; देश पर कब्जा हो गइल बा . आसपास के अरब मुस्लिम लोग

के बचावल गइल बा : एदोम , मोआब , अम्मोन के संतान : वर्तमान जॉर्डन।

कुछ अइसन काम जवन 1979 के तारीख से पहिले पूरा ना हो सकत रहे जब मिस्र अरब खेमा छोड़ के इजरायल के साथे गठबंधन कइले रहे , ओह समय जवन चुनाव कइल गइल रहे , अमेरिका के ताकतवर समर्थन से , ओकरा खिलाफ हो गइल ; एकरा पर रूसी लोग के कब्जा रहे। आ" *ई ना बच पाई* " के निर्दिष्ट करके , आत्मा 1979 में कइल गइल चुनाव के अवसरवादी प्रकृति के उजागर करेला , ओह समय के सबसे मजबूत के पक्ष ले के , ओकरा विश्वास रहे कि ऊ ओह दुर्भाग्य से बच सकेला जवन ओकरा के पकड़त रहे। आ दुर्भाग्य बहु ते रहे , कब्जा करे वाला रूसी लोग एकर धन छीन लिहल . आ जइसे कि ई काफी ना होखे , लीबियाई आ इथियोपियाई लोग भी एकरा के लूट लिहलस , रूसियन के पीछे पड़ल।

विश्व संघर्ष के परमाणु चरण

पद 44 में स्थिति में एगो बड़ बदलाव के निशान बा। पश्चिमी यूरोप , इजरायल , आ मिस्र पर कब्जा करत घरी रूसी सैनिक अपना रूसी इलाका से जुड़ल " *खबर* " *से डेरा गइल बाड़े* . आत्मा पच्छिमी यूरोप पर कब्जा के संदर्भ में " *पूरब* " *के हवाला देले बा , बाकी* इजरायल पर कब्जा के संद र्भ में " *उत्तर* " *के भी हवाला देले बा* ; रूस पहिलका के " *पूरब* " *अ*बाद वाला के " *उत्तर* " *में होखे के कारण।* खबर एतना गंभीर बा कि एकरा से एगो हत्यारा पागलपन के शुरुआत हो जाला। इहाँ ही अमेरिका लड़ाई में प्रवेश करेला , परमाणु गोलीबारी से रूस के इलाका के सफाया करे के विकल्प चुनेला | एकरा बाद संघर्ष के परमाणु चरण में लागल बा | घातक मशरूम के बादल कई जगह उठेला , सफाया करे आ" *सफाया* " *करे खातिर भीड़* " के मानव आ जानवरन के जीवन। एही कार्रवाई में ही " *पुरुषन के एक तिहाई मारल जाला* " " *6वां तुरही* " के घोषणा के अनुसार । इजरायल के " *पहाड़* " में वापस धकेल दिहल गइल , " *उत्तर के राजा* " के रूसी सैनिकन के बिना तनको मदद मिलले सफाया कर दिहल जाला : " *बिना केहू के ओकर मदद में आइल होखे* "।

इजकिएल 38 अउर 39 में बा

इजकिएल 38 अउर 39 भी इतिहास में एह अंतिम संघर्ष के अपना तरीका से उकसावत बा। रोचक विवरण बा , जइसे कि एह विवरण से रूसी राजा के " *जबड़ा के हड्डी पर बकसुआ लगावे* " के भगवान के इरादा के पता चलत बा कि ऊ ओकरा के संघर्ष में खींच लेव . ई छवि अपना लोग का साथे अपना के समृ द्ध करे के एगो लुभावन मौका देखावत बा जवना के ऊविरोध ना कर पइहें .

एह लंबा भविष्यवाणी में आत्मा हमनी के संदर्भ बिंदु के रूप में नाम देले बा : *गोग , मागोग , रोश* (रूसी), *मेशेक* (मास्को), *तुबल* (टोबोल्स्क)। अंतिम दिन के संदर्भ के पुष्टि हमला कइल गइल लोगन के बारे में एगो विस्तार से होला : " *तू कहबऽ कि हम एगो उघार देश के खिलाफ चढ़ब , **हम ओह आदमी के खिलाफ आजाईब** जे आराम से रहेला , जे अपना आवास में सुरक्षित रहेला* , सब *बिना देवाल के आवास में , अउर ना त ताला बा ना फाटक* (यहेजकेल 38:11) »। आधुनिक शहर वाकई में पूरा तरह से *खुलल बा* . आविरोधी ताकत दुखद रूप से असमान बाड़ी सँ . इहाँ के आत्मा दानियल के " *उत्तर के राजा* " के मुँह में अबकी बेर क्रिया " ***हम आजाईब*** " डाल देले बा जवन क्रिया आ बिम्ब के अनुसार एगो विशाल , तेजी से , आ हवाई आक्रामकता के सुझाव देला " दान के ***तूफान निहन घूम जाई*** "। 11:40, एकदम दूर के जगह से। इजकिएल के एह भविष्यवाणी में संबंधित देशन के बारे में कवनो रहस्य नइखे ; रूस आ इजरायल के पहचान साफ बा . रहस्य खाली दान में रहे। 11:36 से 45 तक जहाँ ई रोमन पोप आओकर यूरोपीय इलाका से संबंधित रहे। आ पोप के कैथोलिक यूरोप पर हमला करे वाला रूस के " *उत्तर के राजा* " नाम देके भगवान इजकिएल के दिहल आपन प्रकटीकरण के ओर इशारा कर रहल बाड़े। काहे कि हम रउरा के याद दिआवत बानी कि मुख्य रूप से इजरायल के भौगोलिक स्थिति के संबंध में रूस " *उत्तर* " में स्थित बा। दरअसल , ई रोमन कैथोलिक पोप पच्छिमी यूरोप के स्थिति के *"पूरब " में बा।* एह से ई एह पोप के यूरोप में रूसी सैनिकन के ओह स्थिति के पुष्टि करे खातिर बा जवना पर ऊ लोग कब्जा आ हावी बा , कि आत्मा " *पूर्व* " से बुरा खबर के आगमन के स्थिति बनावेला। " *हम ओकरा पर आओकर सेना पर आग आगंधक बरसा देब* (इजकि . 38:22)"; " *हम मगोग में आग भेजब* ," हमनी के इजकि . 39:6 के बा। त इहे कारण बा ओह बुरा खबर के जवन दान के " *उत्तर के राजा " के नाराज कर देला।* 11:44 बजे के बा। जइसे कि दानियल में , रूसी आक्रमणकारी के कोना में डाल दिहल जाई आ इजरायल के पहाड़न पर नष्ट कर दिहल जाई : " *तू इस्राए ल के पहाड़न पर गिर जाईब , तू आतोहार सब सेना* (इजकि . 39:4)। बाकिर एह कार्रवाई का पीछे अमेरिका के पहचान एगो रहस्य बनल बा . हमरा इजकिएल 39:9 में एगो बहुत रोचक विवरण मिलेला। पाठ में एह भयानक वैश्विक संघर्ष में इस्तेमाल होखे वाला हथियार के जरा के " *सात साल* " तक आग लगावे के संभावना के जिक्र बा । लकड़ी अब आधुनिक हथियार के कच्चा माल नइखे रहि गइल , बाकिर उद्धृत " *सात साल* " एह युद्ध के तीव्रता आ हथियार के मात्रा के दर्शावत बा। 7 मार्च 2021 के अनुसार , मसीह के वापसी में खाली नौ साल बाचल बा ; भगवान के अभिशाप के आखिरी 9 साल जवना के दौरान अंतिम अंतर्राष्ट्रीय

संघर्ष पूरा होई ; जान -माल के भयानक विनाशकारी युद्ध । पद 12 के अनुसार रूसी लाश के " *सात महीना* " तक दफनावल जाई।

भयानक आअदम्य दिव्य न्याय के

लाश कई गो होई अउर परमेश्वर हमनी के इजकिएल 9 में नरसंहार के बर्बरता के एगो विचार पेश करेलन जवना के उ आयोजन करीहे। काहे कि 2021 से 2029 के बीच के अवधि खातिर जवन तीसरा विश्वयुद्ध के उम्मीद बा , उ नबूकदनेस्सर के नेतृत्व में प्राचीन इस्राएल के खिलाफ 3rd युद्ध के एंटीटाईप ह , - 586. इहाँ इहेजकिएल 9:1 से 11 में इजकिएल 9:1 से 11 में जवन महान सृष्टिकर्ता परमेश्वर , कुंठित अउर तिरस्कार कइल गइल , उहे आदेश देले बाड़न :

“इज .9:1 *तब उ हमरा कान में जोर से चिल्ला के कहले , “हे शहर के सजा देवे वाला , हर एक हाथ में आपन नाश करे वाला बाजा लेके , नजदीक आजा !”*

इजकि .9:2 *देखऽ , छह आदमी उत्तर के ओर देखे वाला ऊपरी फाटक के रास्ता से आवत रहलन , हर केहू हाथ में आपन नाश करे वाला बाजा लेके आवत रहलन , आओह लोग में एगो आदमी लिनेन के कपड़ा पहिनले रहे आओकरा बगल में एगो लिखे के डिब्बा रहे। उ लोग आके पीत ल के वेदी के लगे खड़ा हो गईले।*

इज .

इज .9:4 *तब यहोवा ओकरा से कहलन , “शहर के बीच से , यरूशलेम के बीच से होके जा , आ ओह लोग के माथे पर निशान लगाईं जे आह भरत बा आओकरा बीच में होखे वाला सब घिनौना काम खातिर चिल्लात बा।*

इजकि .9:5 के बा *हमरा सुनत -सुनत उ बाकी लोग से कहले , “ओकरा पीछे -पीछे शहर में जाके मार दीं। तोहार आँख ना छोड़े , आकवनो दया ना करे।*

इजकि .9:6 *बुढ़ऊ , नवही , नौकरानी , छोट लइकन आ मेहरारू लोग के मार के नष्ट कर दीं। लेकिन जेकरा पर निशान बा ओकरा लगे मत आईं। आहमरा अभयारण्य से शुरू हो जाईं। मंदिर से पहिले के बुजुर्ग लोग से शुरू भइल।*

इज . *उ लोग बाहर निकल के शहर में हमला कईले।*

इज .9:8 *जब हम रहत रहनी त जब उ लोग मारत रहले , त हम मुंह से गिर के चिल्ला के कहनी , “हे प्रभु परमेश्वर , का तू इस्राएल के सब बचल लोग के नाश कर देब , जब तू यरूशलेम पर आपन क्रोध उड़ा देब ?*

इज .9:9 *उ हमरा से कहले , “इस्राएल आ यहूदा के घराना के अपराध बहुत बड़ बा अवुरी बहुत जादे बा , देश खून से भरल बा अवुरी शहर दुष्टता से भरल बा , काहेंकी उ लोग कहतारे कि , 'प्रभु देश छोड़ देले बाड़े , लेकिन प्रभु नईखन देखत। '*

इजकि .9:10 *हमरा पर भी कवनो दया ना होई , ना ही दया होई। हम ओह लोग के करम के बदला ओह लोग के माथा पर देब।*

इजकि .9:11 *तब लिनन के कपड़ा पहिनले आदमी , जेकरा बगल में स्याही के घोंट रहे , उ जवाब दिहलस , "हम उहे काम कईले बानी जवन तू हमरा के कहले बाड़ ।"*

धार्मिक कारण से मारल गईल सभे आस्था के शही द ना होखेला। एह श्रेणी में कई गो कट्टरपंथी बाड़े जे आपन जान देबे खातिर तइयार बाड़े , संभवतः , अपना धर्म खातिर , बाकिर कवनो राजनीतिक भा दोसरा विचारधारा खातिर भी . विश्वास खातिर सच्चा शहीद , पहिला , विशेष रूप से , ईसा मसीह में बा। दूसरा , ऊ जरूरी रूप से , एगो चुनल आदमी हवें जिनकर बलिदान में चढ़ावल जीवन तबे सृष्टिकर्ता भगवान के खुश करे वाला होला , अगर उनकर मौत से पहिले उनकर समय खातिर उनकर प्रकट आवश्यकता के अनुरूप जीवन भइल होखे।

त आईं अब हमनी के अपना के "*6वां तुरही* " युद्ध के बाद के समय के नैतिक संदर्भ के आह्वान। "

<u>बचे वाला लोग के पश्चाताप के</u>

अधिकतर लोग के सोच आ डर के बिपरीत , परमाणु हथियार चाहे ऊ कतनो विनाशकारी होखे , मानवता के सफाया ना करी ; काहे कि टकराव खतम भइला का बाद *बचे वाला लोग होखी* . युद्ध के बारे में , यीशु मत्ती 24:6 में कहले बाड़न : "*रउवां युद्ध अउर युद्ध के अफवाह के बारे में सुनब , देखब कि रउवां परेशान मत होखब , काहेकि ई सब होखे के चाहीं , लेकि न अंत अभी नइखे भइल।* " मानवता के विनाश यीशु मसीह के व्यक्ति में सृष्टिकर्ता परमेश्वर के गौरवशाली वापसी के बाद के काम के कारण होई। काहे कि बचे वाला लोग के विश्वास के अंतिम परीक्षा के सामना करे के पड़ी। 1945 से , परमाणु हथियार सभ के पहिला इस्तेमाल के तारीख से , दू हजार से ढेर बिस् फोट भइल बा जे एह पर मौजूद पार्थिव शक्ति सभ द्वारा परीक्षण खातिर कइल गइल बा ; ई साँच बा , क्रमशः , 75 साल के समय के लंबाई में आधरती अपार बा , हालांकि सीमित बा , ई मानवता ओकरा पर जवन प्रहार करेले ओकरा के सहत रहेले आ ओकर समर्थन करेले . एकरा उलट आवे वाला परमाणु युद् ध में कम समय में विस्फोट के भीड़ हो जाई आ रेडियोधर्मिता के बिस्तार से पृथ्वी पर जीवन के लंबा कइल असंभव हो जाई। अपना वापसी से दिव्य मसीह तड़पत विद्रोही मानवता के दुख के अंत कर दिहे।

पद 20: "*बाकी आदमी जे एह विपत्तियन से ना मरल रहले , उ लोग अभी भी अपना हाथ के काम से पश्चाताप ना कईले , ताकि उ लोग सोना , चांदी , पीतल , पत्थर अवुरी*

लकड़ी के राक्षस अवुरी मूर्ति के पूजा ना करस, जवन कि देख नईखन सुन सकत अवुरी ना चले। ”

पद 20 में , आत्मा बचल लोग के कठोर होखे के भविष्यवाणी कइले बा। " *बाकी लोग जे एह महामारी से ना मरल रहे , उ लोग अपना हाथ के काम से पश्चाताप ना कईले* ." साम्राज्य के समय घोषित " *दूसरा विपत्ति* " *वाकई में एगो दिव्य* " *प्लेग* " ह , लेकिन इ " *अंतिम सात* " से पहिले बा जवन प्रकाशितवाक्य 15 के अनुग्रह के समय के अंत के बाद दोषी पापी लोग पर गिर जाई इहाँ इ याद करे लायक बा कि इ " *विपत्ति* " सब सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता परमेश्वर द्वारा बनावल समय के क्रम के खिलाफ रोमन आक्रामकता के सजा देला।

“... *ऊ लोग राक्षसन के पूजा कइल ना छोड़ल , आसोना , चाँदी , कांसा , पत्थर आलकड़ी के मूर्ति के पूजा कइल ना छोड़ल , जवन ना देख पावेला , ना सुन पावेला , ना चलेला* .”

एह गणना में आत्मा कैथोलिक आस्था के पंथ के बिम्बन के निशाना बनावेले जवन एह मूर्तिपूजक धर्म के अनुयायी लोग के पूजा के वस्तु हवे। ई मूर्ति सभ, पहिले , "वर्जिन मैरी " के प्रतिनिधित्व करे लीं , आ एकरे पीछे , बहुत संख्या में , कम-बेसी बेनामी संतन के प्रति निधित्व करे लीं , काहें से कि एह से सभका के आपन पसंदीदा संत चुने के बहुत आजादी मिले ला। बड़का बाजार चौबीस घंटा खुलल रहेला। हर बगल खातिर , हर स्टाइल अवुरी साइज के पैड के पेशकश कईल गईल बा। आएह तरह के प्रथा खास तौर पर ओह आदमी के चिढ़ावेला जे गोल्गोथा के क्रूस पर कष्ट उठावेला ; एह से ओकर बदला भयानक होई। आ पहिलहीं से 2018 में अपना चुनल लोग के साल 2030 खातिर आपन शक्तिशाली आ गौरवशाली वापसी के जानकारी दिहला का बाद , 2019 से , ऊ धरती के पापी लोग पर एगो घातक संक्रामक वायरस के प्रहार कर देत बाड़न . ई उनुका आवे वाला क्रोध के एगो छोटहन निशानी भर ह बाकिर एकर प्रभावशीलता पहिलहीं से बा काहे कि हमनी का उनुका के पहिलहीं से एगो आर्थिक बर्बादी के ऋणी बानी जा जवन ईसाई पश्चिम के इतिहास में अभूतपूर्व बा . आ जब ऊ लोग बर्बाद हो जाला त राष्ट्रन में झगड़ा होला , फेर एक दोसरा से लड़ाई होला आलड़ाई होला .

परमेश्वर द्वारा संबोधित कइल गइल निंदा अउरी जायज बा काहे कि ईसा मसीह के प्रकटीकरण के तहत , सच्चा परमेश्वर शरीर में , आदमी के बीच में अइले अउर उहाँ ओह लोग में से एगो के रूप में , उ “ *देखले , सुनले , अउर चलल* ”, उकेरल या ढाला मूर्ति के विपरीत जवन इ काम ना कर सकेला।

पद 21: “ *उ लोग अपना हत्या , ना अपना जादू -टोना , ना अपना व्यभिचार , ना अपना चोरी के पश्चाताप कईले।* ”

पद 21 के साथ विषय के समापन हो जाला। " *उनकर हत्या* " *के* उकसा के , आत्मा घातक अतवार के नियम के चित्रण करेला जवना के अंत में परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल पवित्र सब्त के विश्वासी पालन करे वाला लोग के मौत के जरूरत पड़ी। " *उनकर मंत्रमुग्ध* " के हवाला देके ऊ कैथोलिक जनमानस के निशाना बनावेलें जेकरा के ऊ लोग सम्मानित करेला जे उनकर "अतवार " के जायज ठहरावेला , प्रभु के ई झूठा दिन आ प्रामाणिक बुतपरस्त "सूरज के दि न"। " *उनकर व्यभिचार* " *के* याद करके , आत्मा प्रोटेस्टेंट विश्वास पर अंगुरी उठावेला , जवन प्रकाशितवाक्य 2:20 के झूठा " *भविष्यवक्ता ईजेबेल* " *के कैथोलिक* " *व्यभिचार* " *के वारिस ह।* अउर उनकरा पर " *उनकर चोरी* " के आरोप लगा के उ आध्यात्मिक चोरी के सुझाव देत बाड़न जवन , सबसे पहिले , यीशु मसीह के खिलाफ , खुद , जेकरा से , दान के अनुसार। 8:11, पोप के राजा " *शाश्वत* " *पुरोहिताई के पद आ" कलीसिया के प्रमुख* " के उनकर जायज आजायज उपाधि छीन लिहले , इफिसियों के। 5:23 के बा ; लेकि न इहो , उनकर " *समय आउनकर नियम* " के क्रम , दान के अनुसार। 7:25 के बा। ई बेहद आध्यात्मिक व्याख्या साधारण शाब्दिक अनुप्रयोग के बाहर ना करेला , लेकिन परमेश्वर के निर्णय अउर दोषी अपराधी लोग खातिर एकर परिणाम में ई एकरा से बहुत आगे बढ़ जाला।

प्रकाशितवाक्य 10 : *छोट खुलल किताब*

मसीह के वापसी आविद्रोहियन के सजा

छोट *खुला किताब* आओकरपरिणाम

चउथा एडवेन्टिस्ट इंतजार के अंत में मसीह के वापसी

पद 1: " *हम एगो अउरी पराक्रमी स्वर्गदूत के बादल पहिनले स्वर्ग से उतरत देखनी , आ ओकरा माथा पर इंद्रधनुष रहे , ओकर चेहरा सूरज निहन रहे , आ ओकर गोड़ आगके खंभा निहन रहे।* "

अध्याय 10 बस तब तक स्थापित आध्यात्मिक स्थिति के पुष्टि करेला। मसीह पवित्र ईश्वरीय वाचा के परमेश्वर के पहलू में प्रकट होला , जलप्रलय के बाद नूह अउर उनकर वंशज के दिहल *"इंद्रधनुष " के प्रतिरूप में।* इ परमेश्वर के वादा के निशानी रहे कि उ अब कबो धरती प जीवन के मुसला पानी से नाश ना करीहे। भगवान आपन वादा पूरा करीहें , लेकिन पतरस के मुँह से , उ घोषणा कईले कि अब के धरती " *आग खातिर आरक्षित बा* "; आग के बाढ़ हो गइल। ई काम सातवीं सहस्राब्दी के आखिरी फैसला खातिर ही पूरा होई। आग जीवन के तबाह करे के काम पूरा नइखे कइले , हालाँकि , काहे कि ई एगो अइसन हथियार ह जवना के इस्तेमाल भगवान सदोम आअमोरा घाटी के शहरन के खिलाफ पहिलहीं से कर चुकल बाड़न। एह छोट अध्याय में आत्मा संक्षेप में " 6वां " के बाद होखे वाला घटना के चित्रण कइले बा *तुरही* ." अध्याय के शुरुआत बदला लेवे वाला मसीह के गौरवशाली वापसी के छवि से होला।

भविष्यवाणी पूरा तरह से खुल गइल

पद 2: " *उनकर हाथ में **एगो छोट किताब खुलल रहे** : आउ आपन दाहिना गोड़ समुंदर पर रखलन आबायां गोड़ धरती पर रखलन।* "

किताब के शुरुआत से ही , प्रकाशितवाक्य 1:16 के अनुसार , यीशु देवता बनावल " *सूरज* " के उपासक लोग से लड़े खातिर आवेलन। प्रतीकन के भूमिका साफ हो जाला : " *उनकर चेहरा सूरज निहन रहे ," आउनकर दुश्मन , " सूरज* " के उपासक लोग के का होई ? जवाब : ओकर गोड़ के ठेहुन , आ ओह लोग के हाय ! काहे कि " *ओकर गोड़ आगके खंभा निहन बा* ." बाइबल से इ श्लोक तब पूरा हो जाई : " *जब तक हम तोहार दुश्मनन के आपन गोड़ के आधार ना बनाइब तब तक हमरा दाहिना हाथ में बईठ जा* " (भजन संहिता 110:1; मत्ती 22:44)। " उनकर अपराधबोध बढ़ गईल काहे कि उनकर वापसी से पहिले , यीशु " प्रकाशितवाक्य के *छोट किताब* " के

मुहर खोल के खोलले , काहे कि 1844 से , " *सातवाँ मुहर* " जवन अभी भी प्रकाशितवाक्य 5:1 से 7 में बंद रखले रहे। 1844 से 2030 के बीच , एह अध्याय 10 में उल्लेखित संदर्भ के साल , सब्त के समझ आ अर्थ पूरा रोशनी में विकसित भइल जब उ लोग एकर सम्मान ना करे के चुनेला " *छोट किताब* " तब मसीह के पवित्र आत्मा द्वारा " *खोलल गइल* " *आ सूरज के उपासक लोग* के एकर कवनो फायदा नइखे एह श्लोक में पावल जाए वाला " *समुद्र आभूमि* " *प्रतीकन* के अर्थ , हमनी के प्रकाशितवाक्य 13 के अध्ययन करे के चाहीं जवना में भगवान ओह लोग के द्व गो आध्यात्मिक " *जानवर* " से जोड़ले बाड़न जवन ईसाई युग के 2000 साल में लउकी पहिला " *जानवर , जवन समुद्र से उठत बा* ", नागरिक आ धार्मिक शक्तियन के गठबंधन के अमानवीय , एह से पशुवा दी , शासन के प्रतीक ह, राजतंत्र आ रोमन कैथोलिक के पहिला ऐतिहासिक रूप में papism के दान .7 : *तेंदुआ , भालू* , शेर झूठ *बा* साढ़े 3 भविष्यवाणी के साल , या 1260 वास्तविक साल के नामित करेला , दान .7:25 अउर प्रकाशितवाक्य 12:14 में हमनी के एकरा के “ *1260 दिन* ”-साल के रूप में मिलेला ; *या* प्रकाशितवाक्य 11:2-3, 12:6 अउर प्रकाशितवाक्य 13:5 में भविष्यवाणी के रूप में " *42 महीना* "। लेकिन एह अध्याय 13 के पद 3 में , आत्मा घोषणा करेले कि ओकरा के मारल जाई आ" *जइसे कि जानलेवा रूप से घायल हो जाई* ", ठीक 1789 से 1798 के बीच फ्रांसीसी नास्तिकता से।आ नेपोलियन प्रथम के कॉनकोर्डेट के बदौलत ' " *एकर नश्वर घाव ठीक हो जाई* "। एह तरह से जे दिव्य सत्य से प्रेम ना करेला ऊ फुरसत में ओह झूठ के सम्मान करत रह सकेला जवन आत्मा आशरीर के मारेला .

दिन के अंत में पहिला " *समुद्र से उठल जानवर* " के छवि लउकी। एह नया जानवर के अलगा एह बात से बा कि अबकी बेर ई " ***धरती से*** *उठ जाई* ." उत्पत्ति से मिलल छवि के आकर्षित करत , जहाँ " *धरती* " " *समुद्र* " से निकलेले , आत्मा सूक्ष्म रूप से बतावेले कि ई दूसरा " *जानवर* " पहिला से निकलल बा , एह तरह से तथाकथित रिफॉर्मड कैथोलिक चर्च के नामित कइल गइल बा ; प्रोटेस्टेंट रिफॉर्मड आस्था के सटीक परिभाषा के बारे में बतावल गइल बा। 2021 में ई पहिलहीं से पृथ्वी ग्रह पर सभसे बड़ सैन्य शक्ति के प्रतिनिधित्व करे ला आ 1944-45 में जापान आना जी जर्मनी के खिलाफ जीत के बाद से ई आधिकारिक बा। ई , बेशक , अमेरिका हवे , मूल रूप से मुख्य रूप से प्रोटेस्टेंट हवे , बाकी आजबहुत हद तक कैथोलिक हवे , एकर कारण ई बा कि ई बहुत बड़हन हिस्पैनिक प्रवासन के स्वागत कइले बा। एकरा पर आरोप लगा के कि ओकरा लगे " *पहिला जानव र के पूजा कइल गइल बा* ," आत्मा रोमन अतवार से अपना विरासत के निंदा करेले। कहे के मतलब बा कि धार्मिक लेबल केतना

भ्रामक बा . आधुनिक प्रोटेस्टेंट आस्था एह रोमन विरासत से अतना जुड़ल बा कि ऊ एतना दूर ले चहुँप जाई कि ऊ एगो बाध्यकारी कानून जारी करी , जवना से अतवार के आराम के प्रतिबंध के सजा के तहत अनिवार्य बना दिहल जाई : पहिले त व्यावसायिक बहिष्कार , आलंबा समय में फाँसी के सजा . अतवार के *रोमन " जानवर "* के अधिकार के " *निशान " के रूप में नामित कइल गइल बा* , जवन पहिला " *जानवर* " ह . आसंख्या " *666* " "VICARIVS FILII DEI" शीर् षक के अक्षरन से मिलल योग ह , जवना के आत्मा " *जानवर के संख्या* " कहेला। गणित करीं , नंबर बा : विसिविलिडिडी के नाम से जानल जाला

5 + 1 + 100 + 1 + 5 = 112 + 1 + 50 + 1 + 1 = 53 + 500 + 1 = 501 के बा

112 + 53 + 501 = 666 के बा

एगो महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण : निशान " *हाथ पर* " या " *माथे पर* " खाली एह हद तक मिले ला कि " *हाथ* " काम , क्रिया के प्रतीक हवे आ" *माथे* " हर प्राणी के निजी इच्छा के अपना पसंद से मुक्त इजके के रूप में नामित करे ला। 3:8 हमनी के संकेत देत बा : " *हम तोहार माथे के कठोर करब ताकि तू ओकर विरोध ओह लोग के मा थे से कर* । "

यीशु मसीह , न्यायी ईश्वरीय न्यायाधीश के भविष्य के " *पैर के कुंडल "। आ सूक्ष्म रूप से* , प्राथमिकता " *दाहिना गोड़ " भा " बायां गोड़ "* के संकेत करके , आत्मा इ इंगित करेला कि ऊ केकरा के अधिका दोषी मानत बा। ज्वालामुखी " *दाहिना गोड़* " पोप के रोमन कैथोलिक विश्वास खातिर ह जवना के भगवान " *धरती पर मारल गइल सब लोग के खून बहावे के आरोप लगावेले* ," प्रकाशितवाक्य 18:24 के अनुसार। एह से क्रोध खातिर एकर प्राथमिकता हकदार बा। तब , ओतने दोषी , बदले में एकर नकल कइला खातिर , पहिला कैथोलिक " *जानवर " के "छवि " बना के* , प्रोटेस्टेंट आस्था , जेकरा के " *धरती " कहल जाला , ईसा मसीह के " बायां गोड़ "* के आग पावेला जे एह तरह से अंतिम चुनल संतन के खून के बदला लेला जवन बिना उनकर उद्धारकर्ता हस्तक्षेप के बहल रहित।

पद 3: “ *ऊ जोर से चिल्लात रहे , जइसे शेर गर्जत रहेला* ।

श् लोक 4 से 7 में छिपल भा मुहर लगावल राज , जवना के घोषणा " *सात गरजन के आवाज* " से कइल गइल बा , आजउठा लिहल गइल बा। एह तरह से भगवान के " *आवाज " के तुलना " सात* " संख्या से जुड़ल " *गरज* " के शोर से कइल जाला जवन उनकर पवित्रीकरण के प्रतीक ह। ई आवाज एगो संदेश के घोषणा करेले जवन बहुत दिन से छिपल बा आ आदमी के अनदेखी कइल गइल बा . ई हमनी के दिव्य अउर उदात्त प्रभु यीशु मसीह के महिमा में वापसी के साल ह। तारीख के खुलासा उनके चुनल लोग के 2018 में भइल ; ई 2030

के बसंत ह, जवना में 3, 30 अप्रैल के यीशु के प्रायश्चित करे वाला मौत के बाद से , भगवान के चुनल लोग के चयन खातिर प्रोग्राम कइल गइल 6000 साल के 2000 साल के तीसरा तिहाई के बाद से खतम हो जाई।

पद 4: " *जब सात गरजन के आवाज निकलल त हम लिखे वाला रहनी , त हम स्वर्ग से एगो आवाज सुननी जवन कहत रहे , "सात गरजन के बात पर मोहर लगा दीं , आ ओकरा के मत लिखीं।* "

एह दृश्य में भगवान के दू गो मकसद बा . पहिला ई कि उनकर चुनल लोग के ई पता होखे के चाहीं कि भगवान वाकई में दुनिया के अंत खातिर एगो समय तय कइले बाड़न ; ई सही मायने में छिपल नइखे , काहे कि ई हमनी के हफ्ता के छह गो अपवित्र दिनन के भविष्यवाणी कइल गइल 6,000 साल के का र्यक्रम में हमनी के विश्वास पर निर्भर करेला। दूसरा मकसद बा कि एह तारीख के खोज के तब तक हतोत्साहित कईल जाए जब तक कि उ खुद समझ के रास्ता ना खोल देवे। ई पूरा भइल , काहे कि तीनों एडवेंटिस्ट परीक्षा में से हर एक जवन चुनल लोग के छान के चुने खातिर उपयोगी रहे , जेकरा के ईसा मसीह द्वारा पेश कइल गइल अनन्त धार्मिकता से लाभ उठावे के लायक पावल गइल , 1843, 1844 अउर 1994 में।

पद 5: " *हम जवना स्वर्गदूत के समुंदर आ धरती पर खड़ा देखनी , उ आपन दाहिना हाथ स्वर्ग के ओर बढ़ा दिहलस।* "

एगो महान विजयी न्यायाधीश के एह रवैया में , उनकर गो ड़ अपना दुश्मनन पर रखल , ईसा मसीह एगो गंभीर शपथ बनाई जवन ओकरा के ईश्वरीय रूप से कमा देला।

पद 6: " *अउर जे हमेशा खातिर जिंदा रहेला , जे स्वर्ग अउर ओकरा में मौजूद चीजन के , धरती आ ओकरा में मौजूद चीजन के , समुद्र अउर ओकरा में मौजूद चीजन के रचले , कि अब समय ना होखे* , "

ईसा मसीह के शपथ सृष्टिकर्ता परमेश्वर के नाम से कइल गइल बा अउर उनकर चुनल लोग के संबोधित कइल गइल बा जे प्रकाशितवाक्य 14:7 के पहिला स्वर्गदूत के आज्ञा के सम्मान करेलन ; ई , उनकर आज्ञाकारिता से , भगवान से उनकर " *भय* " के प्रदर्शन करके , उनकर चउथा आज्ञा के पालन से जवन उनकर सृजनात्मक क्रिया के महिमा देला। घोषणा " *कि अब समय ना होखे के चाहीं* " एह बात के पुष्टि करेला कि अपना कार्यक्रम में , परमेश्वर 1843, 1844 अउर 1994 के तीन व्यर्थ एडवेन्टिस्ट उम्मीद के पूर्वानुमान लगा चुकल रहले।जइसन कि हम पहिलही व्यक्त कर चुकल बानी , इ व्यर्थ उम्मीद ईसाई विश्वासियन के छानने खातिर उपयोगी रहे। काहे कि व्यर्थ होखला के बावजूद , उनकर परिणाम ओह लोग खातिर रहे जेकरा के उ लोग परखत रहे , नाटकीय अउर आध्यात्मिक रूप से घातक या चुनल लोग

खातिर परमेश्वर के द्वारा उनकरा के आशीष अउर पवित्रीकरण के कारण रहे ।

प्रकाशितवाक्य 8:13 में भविष्यवाणी कइल गइल 3rd महान विपत्ति के घोषणा।

पद 7: " *लेकिन सातवाँ स्वर्गदूत के आवाज के दिन में जब उ आवाज उठाई , त परमेश्वर के रहस्य पूरा हो जाई , जईसे कि उ अपना सेवक भविष्यवक्ता लोग के बता देले बाड़े।* "

भविष्यवाणी के तारीख के निर्माण के समय खतम हो गईल बा। भविष्यवाणी कइल गइल डेटा से स्थापित लोग आपन भूमिका पूरा कइले बा , क्रम से , 1843-44 में प्रोटेस्टेंट लोग के आस्था के परीक्षण करे खातिर , आ1994 में एडवेन्टिस्ट लोग के बिसवास के , एह से अब कवनो झूठा तारीख ना र ही , ना कवनो झूठा उम्मीद ; नया , जवन 2018 से शुरू भइल बा , सही होई , आ चुनल लोग , अपना उद्धार खातिर , " *सातवाँ तुरही* " के आवाज सुनाई जवन ईश्वरीय न्याय के मसीह के हस्तक्षेप के चिन्हित करी ; ऊ घड़ी जब प्रकाशितवाक्य 11:15 के अनुसार : " *दुनिया के राज्य हमनी के प्रभु अउर उनकर मसीह के दिहल गइल बा* ", अउर एह तरह से शैतान से दूर कर दिहल गइल।

भविष्यवाणी सेवा के परिणाम अउर समय

पद 8: " *हम जवन आवाज स्वर्ग से सुननी उ हमरा से फेरु से कहलस कि , जाके उ छोट किताब ले लीं जवन समुद्र आ धरती पर खड़ा स्वर्गदूत के हाथ में खुलल बा।* "

पद 8-11 में कोडित भविष्यवाणी के स्पष्ट भाषा में प्रस्तुत करे के जिम्मा दिहल गइल सेवक के मिशन के अनुभव के चित्रण कइल गइल बा।

पद 9: " *हम स्वर्गदूत के लगे जाके कहनी कि हमरा के उ छोट किताब दे द। उ हमरा से कहलस कि , एकरा के लेके खा जा , उ तोहरा पेट तक कड़वा होई , लेकिन तोहरा मुंह में उ शहद निहन मीठ होई।* "

सबसे पहिले आके , " *आंत के दर्द* " बहुत बढ़िया से विद्रोही ईसाई लोग के ओर से प्रस्तावित प्रकाश के अस्वीकार से पैदा होखे वाला दुख अउर दुःख के चित्रण करेला। ई दुख आस्था के आखिरी परीक्षा खातिर अपना चरम पर चहुँप जाई , अतवा र के कानून के समय , जब चुनल लोग के जान पर मौत के खतरा होखी . काहे कि अंत तक, प्रकाश अउर ओकर रक्षक लोग से शैतान अउर ओकर आकाशीय अउर स्थलीय राक्षस , प्रकाशितवाक्य 9:11 के एह "विनाशक ", " *अबादोन या अपोलियन " के चेतन या अचेतन सहयोगी लोग से लड़ल जाई।* " *के मिठास के ...* " *शहद* " भी

भगवान के रहस्य के समझे के खुशी के पूरा तरीका से प्रतिनिधित्व करेला , जवना के उ अपना सच्चा चुनल लोग के साथे साझा करेला , सच्चाई के प्यास। धरती पर कवनो दोसर उत्पाद आपन प्राकृतिक रूप से मीठ मिठास के ओइसन केंद्रित ना करेला। सामान्य रूप से इंसान एह मीठ स्वाद के सराहेला आखोजेला जवन ओकरा खातिर सुखद होखे . ठीक ओइसहीं मसीह के चुनल लोग परमेश्वर में एगो प्रेमपूर्ण अउर शांतिपूर्ण रिश्ता के मिठास के साथे -साथे उनकर निर्देश के भी खोज करेलन।

शहद के मिठास " देके , परमेश्वर के आत्मा एकर तुलना " *स्वर्गीय मन्ना* " से करेला जवना में " *शहद के स्वाद* " रहे आजवन कनान लोग से लिहल प्रतिज्ञात देश में प्रवेश से पहिले के 40 साल के दौरान रेगिस्तान में इब्रानियन के पोषण कइलस। जइसे एगो हिब्रू एह " *मन्ना* " के सेवन कइले बिना ना रह सकत रहे , 1994 के बाद से , प्रकाशितवाक्य 9:5-10 में भविष्यवाणी कइल गइल " *पांच महीना " के अंत , एडवेंटिस्ट विश्वास खाली एह अंतिम भविष्यवाणी के आध्यात्मिक " भोजन* " (मत्ती 24:45) " के साथ खुद के पोषण से जिंदा बा " *जे आगामी* " यीशु के महिमामंडित " के उचित समय खातिर तैयार कइल गइल बा। ई शिक्षा जवन सच्चाई के परमे श्वर हमरा के 16 जनवरी 2021 के 4वां घंटा में ही एह सब्त के सबेरे (लेकिन परमेश्वर खातिर 2026) के एहसास करावे खातिर देवेलन , उहे जवाब देवे खातिर उपयोगी होईत जे हमरा से एक दिन भविष्यवाणी के अध्ययन के बारे में पूछले रहे "ई हमरा खातिर का ले आ सकेला ?" यीशु के जवाब छोट अउर सरल बा : आध्यात्मिक मौत से बचे खातिर आध्यात्मिक जीवन। अगर आत्मा " *केक* " के छवि ना लेवेला , बल्कि खाली " *शहद के मिठास* " लेवेला , त एकर कारण बा कि इब्रानियों के भौतिक जीवन के संबंध " *मन्ना* " के एह भोजन से रहे। प्रकाशितवाक्य के बारे में , भोजन खाली चुनल लोग के भावना खातिर बा। लेकिन , एह तुलना में , ई आध्यात्मिक जीवन के कायम राखे खातिर एगो शर्त के रूप में जीवित भगवान के द्वारा जरूरी , अनिवार्य आजरूरी के रूप में लउकेला। आई आवश्यकता तार्किक बा , का हे कि भगवान एह खाना के अइसन ना बनवले कि अंतिम समय के उनकर सेवकन के नजरअंदाज आ तिरस्कार कइल जा सके। ई ईसा मसीह के बलिदान के बाद से सभसे पवित्र तत्व आपवित्र भोज के अंतिम रूप आ अंतिम सिद्धि के गठन करे ला "; ईसा अपना चुनल लोग के भोजन , अपना शरीर आ अपना भविष्यवा णी के निर्देश खातिर देत रहलें।

पद 10: " *हम स्वर्गदूत के हाथ से छोट -छोट स्क्रॉल निकाल के खा गईनी , अवुरी उ हमरा मुंह में शहद निहन मीठ रहे , लेकिन जब हम ओकरा के खा गईनी त हमार पेट कड़वा हो गईल* । "

जीयल अनुभव में , सेवक के एकांत में यीशु के भविष्यवाणी कइल चकाचौंध करे वाला रोशनी के खोज भइल आ ओकरा असल में , सबसे पहिले , " *शहद के मिठास* " मिलल , जवन शहद के मिठास के तुलना में एगो सुखद सुख ह। लेकिन , एडवेंटिस्ट सदस्यन आ शिक्षकन के जवन ठंडा देखावल गइल रहे , जवना के सामने हम एकरा के पेश कइल चाहत रहनी , हमरा शरीर में कोलाइटिस ना म के प्रामाणिक पेट दर्द पैदा कइलस। एह से हम एह बातन के आध्यात्मिक आशाब्दिक पूर्ति के गवाही देत बानी।

हालाँकि , एगो अउरी सफाई अंतिम समय से संबंधित बा जवना में भविष्यवाणी के रोशनी रोशन होला। एकर शुरुआत शांति के समय में होला , लेकिन अंत युद्ध आ हत्यारा आतंक के समय में होई। दान .12:1 एकरा के " *मुसीबत के समय के रूप में भविष्यवाणी कइले बा , जवन कवनो राष्ट्र के रहला के बाद से ओही समय तक ना भइल रहे* "; ई " ***आंत*** *में दर्द* " पैदा करे खातिर काफी बा . खासकर जब हमनी के लाम .1:20 में पढ़ेनी जा , " *यहोवा , हमार संकट देखऽ ! **हमार आंत** उबलत बा , हमार दिल हमरा भीतर उथल-पुथल में बा , काहे कि हम विद्रोही हो गइल बानी। बिना तलवार के तबाह हो गइल बा , मौत के भीतर।* " साथ ही यिर्मयाह 4:19 में : " ***हमार आंत*** *!* ***हमार आंत*** *! हम अपना दिल के भीतर पीड़ा में बानी , हमार दिल हमरा भीतर धड़कत बा , हम चुप नइ खीं रह सकत; तोहरा खातिर , हे हमार आत्मा , तुरही के आवाज , युद्ध के पुकार सुनले बानी ." » " आंत "* के कड़वाहट अंतिम एडवेन्टिस्ट मिशन अउर भविष्यवक्ता यिर्मयाह के सौंपल गईल मिशन के बीच तुलना खींचेला। दुनो अनुभव में चुनल लोग अपना समय के विद्रोही शासकन के शत्रुतापूर्ण माहौल के बीच श्रम करेला। यिर्मयाह अउर बाद के सच्चा एडवेंटिस्ट लोग अपना समय के सिविल अउर धार्मिक नेता लोग द्वारा कइल गइल पाप के निंदा करेला , अउर अइसन करत , दोषी लोग के क्रोध उनकरा खिलाफ हो जाला , जब तक कि दुनिया के अंत ना हो जाला , जवन यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी से चिन्हित हो जाला , जे प्रकाशितवाक्य 19:16 के " *राजा लोग के राजा अउर प्रभु लोग के प्रभु* " हवे।

प्रकाशितवाक्य के पहिला भाग के अंत

एह पहिला भाग में हमनी के प्रस्तावना अउर तीन समानांतर विषय , सात कलीसिया के स्वर्गदूतन के संबोधित पत्र , समय के सात मोहर या संकेत , अउर छह तुरही या चेतावनी के सजा मिलल जवन परमेश्वर के आक्रोश से पैदा भइल रहे।

पद 11: " *तब उ लोग हमरा से कहलस, 'तोहरा बहुत लोग , जाति , भाषा आराजा के सामने फेर से भविष्यवाणी करे के चाहीं।* "

पद 11 परमेश्वर के 6,000 साल के कार्यक्रम के अंतिम 2,000 के पूरा कवरेज के पुष्टि करेला। जब यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी आवेला , त भविष्यवाणी एगो अलग विषय के तहत अध्या य 11 में मसीही युग के अवलोकन के फिर से शुरू करेला : " *रउवां के कई लोग , राष्ट्र , भाषा अउर राजा के सामने* ***फिर से भविष्यवाणी करे के होई*** । "

प्रकाशितवाक्य के दूसरा भाग के उद्घाटन

एह दूसरा भाग में , ईसाई युग के समानांतर अवलोकन , आत्मा किताब के पहिला भाग में पहिलहीं से बतावल गइल महत्वपूर्ण घटना के निशाना बनाई , लेकिन इहाँ , दूसरा भाग में , उ हमनी के सामने एह में से हर विषय पर आपन निर्णय के अधिक विकसित तरीका से प्रकट

करीहे। इहाँ भी हर अध्या य में अलग-अलग लेकिन हमेशा पूरक प्रतीक आबिम्ब के प्रयोग होई। एह सब शिक्षा के एक साथ ले आवे से ही भविष्यवाणी लक्षित विषयन के पहचान करेला। दानियल के किताब के बाद से , भविष्यवाणी के अध्याय के समानांतर में रखे के इ सिद्धांत प्रकट करे वाला आत्मा द्वारा लागू कइल गइल बा , जइसन कि रउवां देख सकत बानी।

प्रकाशितवाक्य 11, 12 अउर 13

ई तीनों अध्याय समानांतर रूप से ईसाई युग के कवर करेला , अलग-अलग घटना के उजागर करेला जवन अभी भी बहुत पूरक बा। हम विषयन के संक्षेप में बताइब आ ओकरा बाद विस्तार से बताइब।

प्रकाशितवाक्य 11 के बा

पोप के शासन – राष्ट्रीय नास्तिकता – *सातवाँ तुरही*

पद 1-2: 1260 साल के झूठा कैथोलिक पोप के भविष्यवक्ता के शासन : सतावे वाला।

पद 3-6: एह असहिष्णु अउर सतावे वाला शासन के दौरान , परमेश्वर के " *दू गो गवाह* ", दुनो वाचा के पवित्र शास्त्र , " *जानवर* ," पश्चिमी यूरोप के राजतंत्रन के साथ गठजोड़ करे वाला रोमन धार्मिक गठबंधन द्वारा पीड़ित अउर सतावल जाई।

पद 7 से 13 तक " *अथाह गड्ढा से उठल जानवर* ," यानी "फ्रेंच क्रांति " आ ओकर राष्ट्रीय नास्तिकता के बारे में बा जवन मानव ईतिहास में पहिला बेर लउकेला।

सातवाँ तुरही " के आंशिक विकास होई ।

चित्रात्मक पोप शासन के भूमिका

पद 1: " *हमरा के लाठी नियर एगो खढ़ दिहल गइल , जवन कहत रहे कि उठ के परमेश्वर के मंदिर , वेदी आ ओकरा में पूजा करे वाला लोग के नाप।* "

लक्षित युग एगो सजा के समय ह जवना के खुलासा " *रॉड* " शब्द से होला . सजा जायज बा " *पाप के कारण* , " 321 से सिविल रूप से बहाल कइल गइल बा आ धार्मिक रूप से 538 से।एह दूसरा तारीख के बाद से , पाप के पोप शासन द्वारा लगावल गइल बा , जेकर प्रतीक इहाँ " *खढ़* " से कइल गइल बा , जवन " *झूठ सिखावे वाला झूठा*

भविष्यवक्ता " के नामित करेला यशायाह 9:13-14 में। इ संदेश दान .8:12 के दर्पण ह: " *पाप के वजह से सेना के दैनिक के साथ पहुंचावल गईल रहे* ," जवना में " *सेना* " ईसाई सभा के नामित करेले , " *दैनिक* ," पोप के शासन द्वारा हटावल गईल यीशु के पु रोहिताई के , अउर " *पाप* ," 321 से सब्त के दिन के छोड़ल।ई खाली एगो संदेश के फिर से शुरुआत ह जवन अलग-अलग पहलू अउर प्रतीक से कई बेर दोहरावल गईल बा। ई रोमन पोप शासन के स्थापना खातिर भगवान के दंडात्मक भूमिका के पुष्टि करेला। " *नाप* " क्रिया के मतलब होला "न्याय करे वाला ." एह से सजा " *मंदिर* " के खिलाफ भगवान के एगो न्याय के परिणाम ह *भगवान के* ", मसीह के सामूहिक सभा , " *वेदी* " उनकर बलिदान के क्रूस के प्रतीक , अउर " *उ लोग जे उहाँ पूजा करेला* ", यानी कि मसीही लोग जे उनकर उद्धार के दावा करेला।

पद 2: " *ले किन मंदिर के बाहरी आँगन में छोड़ दीं बाहर , आओकरा के नाप मत करीं ; काहे कि ई राष्ट्रन के दिहल गइल बा आपवित्र नगर के ऊ लोग बयालीस महीना ले रौंद के चल जाई* .

एह श्लोक में महत्वपूर्ण शब्द बा " *बाहरी* ." अकेले ई रोमन कैथोलिक धर्म के सतही आस्था के संबंधित बा 1260 दिन -साल के शासन के छवि में जवना के इहाँ प्रस्तुत कइल गइल बा " *42 महीना* " के रूप में। " *पवित्र शहर* ," सच्चा चुनल लोग के छवि , " पोप के निरंकुश शासन के साथ गठबंधन करे वाला *राष्ट्रन द्वारा पैर के नीचे रौंद दिहल जाई* , यानी यूरोपीय राज्यन के राजा लोग " जे " कै थोलिक " *ईजेबेल " के साथ व्यभिचार करेला* , 538 से 1798 के बीच 1260 वास्तविक साल के उनकर लंबा असहिष्णु शासन के दौरान। एह श्लोक में , भगवान सच्चा आ.. हिब्रू पवित्र स्थान के प्रतीकात्मकता पर भरोसा करके झूठा विश्वास : मूसा के तम्बू आ सुलैमान द्वारा बनावल मंदिर। दु नो मामला में " *दरबार , मंदिर के बाहर* " प हमनी के शारीरिक धार्मिक संस्कार मिलेला : बलिदान के वेदी अवुरी वज़ूद के बेसिन। सच्चा आध्यात्मिक पवित्रता मंदिर के भीतर मिलेला : पवित्र जगह में जहाँ बा : सात दीया वाला मोमबत्ती , 12 गो रोटी के मेज , अउर धूप के वेदी जवन पर्दा के सामने रखल गइल बा जवन परम पवित्र स्थान के छिपावेला , स्वर्ग के एगो मूर्ति जहाँ परमेश्वर अपना राजसिंहासन पर बइठल बाड़न। ईसाई उद्धार के उम्मीदवारन के ईमानदारी के बारे में खाली भगवान के मालूम बा , आधरती पर , मानवता " *बाहरी* " मुखौटा धर्म से धोखा देले बिया जवना के रोमन कैथोलिक आस्था हमनी के युग के ईसाई धर्म के इतिहास में सबसे पहिले प्रतिनिधित्व करेला।

पवित्र बाइबल , परमेश्वर के वचन , सतावल गइल

पद 3: " *हम अपना दुनो गवाह के अधिकार देब , अवुरी उ लोग बोरा पहिन के हजार दु सौ साठ दिन तक भविष्यवाणी करीहे।* "

1260 दिन " के रूप में पुष्टि कईल गईल बा , " *दुगो गवाह* " के प्रतीक बाइबिल के सुधार के समय तक आंशिक रूप से अनदेखी कईल जाई जब एकरा के पोप के अनुकूल कैथोलिक लीग तक द्वारा सतावल जाई , जेकर उ लोग तलवार से समर्थन करेला। छवि " *बोरा में कपड़ा पहिनले* " एगो दुख के स्थिति के निर्दिष्ट करेले जवना के बाइबल 1798 तक सह न करी काहे कि एह काल के अंत में फ्रांसीसी क्रांतिकारी नास्तिकता एकरा के सार्वजनिक जगह प जरा दिही , एकरा के पूरा तरीका से गायब करे के भी कोशिश करी।

पद 4: " *इहे दुगो जैतून के पेड़ अउर दुगो दीया के छत्ता ह जवन धरती के प्रभु के सामने खड़ा ह।* "

इ " *दू गो जैतून के पेड़ अउर दू गो दीपक खड़ा* " दुनो लगातार वाचा के प्रतीक ह जवना के परमेश्वर अपना उद्धार के योजना में संगठित कईले रहले। उनकर आत्मा के लेके लगातार दू गो धार्मिक प्रबंध जवना के विरासत बाइबल अउर दुनो वाचा के ओकर ग्रंथ ह। दुनो वाचा के परियोजना के भवि ष्यवाणी जेक . 4:11 से 14 तक , " *दीपक के दाहिना आ बाईं ओर रखल दू गो जैतून के पेड़* " द्वारा। अउर पहिलही से , पद 3 के " *दुनो गवाह* " से पहिले , परमेश्वर जकरयाह के गवाही में उनकरा बारे में कहले बाड़न : " *इ दुनो तेल के बेटा हवें जे पूरा धरती के प्रभु के सामने खड़ा बा ड़े।* " एह प्रतीकात्मकता में , " *तेल* " ईश्वरीय आत्मा के नामित करेला। " *दीपक के खंभा* " ईसा मसीह के भविष्यवाणी करेला जे एगो मानव शरीर में अपना पवित्रता में आत्मा के प्रकाश ले आई (= 7) अउर आदमी के बीच एकर ज्ञान के प्रसार करी , ठीक ओसही जइसे प्रतीकात्मक दीपक के खंभा अपना " *सात* " बर्तन में मौजूद तेल के जरा के प्रकाश के प्रसार करेला।

नोट : " *सात* " *दीपक* वाला " *मोमबत्ती* " बीच के बर्तन पर केंद्रित बा ; इ , सप्ताह के बीच के तरह जवन बनावेला , ईस्टर हफ्ता के 4वां दिन , उ दिन जब , अपना प्रायश्चित करे वाला मौत से , यीशु मसीह " *बलिदान अउर चढ़ावा के बंद कर दिहले* ", हिब्रू धार्मिक संस्कार , दान .9:27 में भविष्यवाणी कइल गइल ईश्वरीय योजना के अनुसार। एह से सात गो दीपक वाला " *मोमबत्ती* " भी एगो भविष्यवाणी के संदेश लेके चलत रहे।

पद 5: " *अगर केहू ओकरा के नुकसान पहुंचावे के चाहत बा त ओकरा मुँ ह से आग निकल के ओकरा दुश्मनन के भस्म कर देला , आ अगर केहू ओकरा के नुकसान पहुंचावे के चाहत बा त ओकरा के एही तरह से मारल जरूरी बा।* "

इहाँ , जइसे कि प्रकाशितवाक्य 13:10 में , परमेश्वर अपना सच्चा चुनल लोग के एह बात के पुष्टि करेलन कि , खुद , बाइबल के नुकसान अउर ओकर कारण के सजा देवे के खिलाफ। ई एगो अइसन क्रिया ह जवना के ऊ विशेष रूप से अपना खातिर सुरक्षित राखेला . बुराई विधाता भगवान के मुंह से अईं। परमेश्वर अपना के बाइबल से पहचान करेलन , जवना के " *परमेश्वर के वचन* " कहल जाला , ताकि जे भी ओकरा के नुकसान पहुँचावेला उ सीधे ओकरा पर हमला करेला।

पद 6: " *एह लोग के अधिकार बा कि उ लोग स्वर्ग के बंद कर सके , ताकि उ लोग के भविष्यवाणी के दिन में बरखा ना होखे , अउर पानी पर अधिकार बा कि उ लोग के खून में बदल सके , अउर धरती के हर विपत्तियन से मारे के अधिकार बा , जेतना बार उ लोग चाहत बा। "*

आत्मा बाइबल में बतावल तथ्य के हवाला देले बा। अपना समय में एलियाह भविष्यवक्ता भगवान से प्राप्त कइले कि उनकर वचन के छोड़ के बरखा ना होखे ; ओकरा से पहिले मूसा के भगवान से पानी के खून में बदले आ धरती पर 10 गो विपत्ति से मारे के शक्ति मिलल। इ बाइबिल के गवाही अउरी महत्वपूर्ण बा काहे कि अंतिम समय में , परमेश्वर के लिखल अउर प्रेरित वचन के तिरस्कार के सजा ओही प्रकार के विपत्ति से दिहल जाई , प्रकाशित वाक्य 16 के अनुसार।

फ्रांसीसी क्रांति के राष्ट्रीय नास्तिकता द डार्क लाइट्स के बारे में बतावल गइल बा

पद 7: " *जब उ लोग आपन गवाही खतम कर दिहे त अथाह गड्ढा से चढ़े वाला जानवर उनकरा से लड़ाई करी , उनकरा पर विजय पाई अउर मार दिही। "*

आत्मा हमनी के इहाँ कुछ महत्वपूर्ण बात के प्रकट करेला जवना के ध्यान देवे के चाहीं ; 1793 के तारीख बाइबिल के गवाही के अंत के निशान ह , लेकिन केकरा खातिर ? ओह समय के ओकर दुश्मनन खातिर जे बाइबल के सतावले रहले , विश्वास के आधार के रूप में ओकर ईश्वरीय अधिकार के नकार त रहले ; मने कि राजकुमार , राजतंत्रवादी कुलीन लोग , रोमन कैथोलिक पोप शासन आ ओकर सगरी पादरी लोग। एह तारीख के भगवान झूठा प्रोटेस्टेंट विश्वासियन के भी निंदा करेलन जे व्यवहार में पहिलहीं से उनकर शिक्षा के ध्यान में ना रखेलें। दान में बा। 11:34, अपना निर्णय में , परमेश्वर उनकरा पर " ***पाखंड*** " के आरोप लगावेलन : " *जब उ लोग गिर जाई , ओह समय में उनकरा के तनी मदद मिली , अउर बहुत लोग* ***पाखंड में उनकरा साथे जुड़ जाई*** / " इ बाइबल के गवाही के पहिला हिस्सा ही ह जवन समाप्त हो जाला , काहे कि 1843 में , एकर भूमिका फिर से चुनल लोग के एडवें टिस्ट भविष्यवाणी के खोज करे खातिर

आमंत्रित करके बहुत महत्व ले ली। फ्रांस में राष्ट्रीय नास्तिकता के स्थापना बाइबल के निशाना बनी के ओकरा के गायब करे के कोशिश करी। "उनकर गिलोटिन " के भरपूर खूनी प्रयोग एकरा के एगो नया " *जानवर* " बना देले बा जवन , अबकी बेर , " *खा ई से उठल* " होखे वाला रहे। उत्पत्ति 1:2 में सृष्टि के कहानी से उधार लिहल गइल एह शब्द के साथ , आत्मा हमनी के याद दिलावत बा कि अगर परमेश्वर , ओकर सृष्टिकर्ता , के अस्तित्व ना रहित त धरती पर कवनो जीवन के विकास ना होईत। " *रसातल* " एगो निवासी से वंचित धरती के प्रतीक ह , जब ऊ " *निराकार आशून्य* " होखे। इ एह तरह से " *शुरुआत में* ," उत्पत्ति 1:2 के अनुसार , अउर इ " *हजार साल* ," दुनिया के अंत में , यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के बाद , फिर से अइसन हो जाई , जवन कि एह अध्याय 11 में एह एक के बाद आवे वाला विषय बा , मूल अराजकता के साथ इ तुलना एगो गणतंत्रवादी शासन खातिर बहुत हकदार बा जवन राजनीतिक अराजकता अउर सबसे बड़ अव्यवस्था में पैदा भइल रहे। काहे कि विद्रोही आदमी एकजुट होके तबाह करे के जानत बाड़े बाकिर ओह रूपन पर बहुते बँटल बाड़े जवन पुनर्निर्माण के देबे के चाहीं . ई गवाही , उनकरा बाद , ओह फल के प्रदर्शन के पेशकश करेला जवन मानवता तब सह सकेले जब ऊ भगवान से पूरा तरह से कट जाला ; अपना हितकारी कर्म से वंचित।

रसातल " कह के सृष्टिकर्ता भगवान के आत्मा हमनी के धरती के मूल सृष्टि के संदर्भ आस्थिति के भी सुझाव देला। एह तरह से एह सृष्टि के पहिला दिन के निशाना बनावत ऊ हमनी के एगो धरती देखावत बाड़न जवन निरपेक्ष " *अन्हार* " में डूबल बा काहे कि ओह घरी भगवान अबहीं ले धरती के कवनो तारा के रोशनी ना दिहले रहले . अउर इ विचार आध्यात्मिक रूप से एह " *खाई से उठल जानवर* " के प्रकाशितवाक्य 6:12 के " *चउथा मुहर* " *से जोड़त बा जवना के " बोरा नियर करिया सूरज* " के रूप में वर्णित कइल गइल बा . इ संबंध प्रकाशितवाक्य 8:12 के " *4वां तुरही* " से भी बनावल गइल बा जवना के वर्णन " *सूरज के एक तिहाई , चंद्रमा के एक तिहाई आतारा के एक तिहाई के प्रहार* " *से कइल गइल बा। एह बिम्बन के माध्यम से आत्मा एकरा के एगो विशेष रूप से* " **अन्हार** " चरित्र के श्रेय देत बा . हालांकि एही " **अन्हार** " **पहलू आराज्य में फ्रांस अपना स्वतंत्र विचार कन के** " **रोशनी** " के उपाधि देके महिमामंडन करी . तब हमनी के मत्ती 6:23 में उद्धृत यीशु मसीह के शब्द याद आवेला : " *लेकिन अगर तोहार आँख खराब बा त तोहार पूरा शरीर अन्हार से भरल होई।* ***एह से अगर तोहनी में जवन रोशनी बा उ अन्हार बा , त उ अन्हार केतना बड़ बा !*** " एह तरह से , अन्हार मुक्त विचार धार्मिक भावना के खिलाफ युद्ध में जाला अवुरी इ नया **मुक्तिवादी**

भावना समय के संगे जारी रही अवुरी पश्चिमी दुनिया प फैल जाई ... जवना के मसीही कहल जाला अवुरी इ दुनिया के अंत तक आपन बुरा प्रभाव बनवले राखी। फ्रांसीसी क्रांति के साथ "अंधेरा " पाप के साथे हमेशा खातिर बस जाला। काहे कि एकरा साथे मुक्त विचार के दार्शनिक लोग के लिखल किताब भी लउकेला ; जवन एकरा के "पाप " से जोड़त बा जवन दानियल 2-7-8 के भविष्यवाणी में यूनान के विशेषता ह। ई नया किताब बाइबल के मुकाबला करीहें आ ओकरा के दबावे में सफल होखीहें , बहुत बड़हन अनुपात में। एह से जवना " *युद्ध* " के निंदा कइल गइल बा ऊ सबले ऊपर वैचारिक बा . क् रांति के बाद आदूसरा विश्वयुद्ध के बाद ई अन्हार उच्चतम मानवतावाद के पहलू ले ली , जवन मूल असहिष्णुता के विपरीत आएह तरह से टूट जाई , लेकिन वैचारिक " *युद्ध* " जारी बा। पश्चिमी इंसान एह "आजादी " खातिर सबकुछ के बलिदान देबे खातिर तइयार रही . दरअसल , उ लोग आपन राष्ट्र , आपन सुरक्षा के बलिदान दे दिहे अवुरी भगवान के प्रोग्राम कईल मौत से ना बची।

पद 8: " *आ उनकर लाश ओह महान शहर के गली में पड़ जाई , जवना के आध्यात्मिक रूप से सदोम आ मिस्र कहल जाला , जहाँ हमनी के प्रभु के सूली पर चढ़ावल गइल रहे।* "

" *लाश* " ओह " *द्व गो गवाह* " के ह जि नकर पहिला हमलावर के भी ओही " *शहर* " *के* " *चौक* " *में फांसी दिहल जाला* . ई " *शहर* " पेरिस हवे आउद्धृत " *वर्ग* " के क्रम से "प्लेस लुई चौदहवाँ ", "प्लेस लुई पंद्रहवाँ ", "प्लेस डे ला रिवोल्यूशन " कहल गइल आ वर्तमान "प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड " के नाँव दिहल गइल। नास्तिकता कवनो धार्मिक रूप में कवनो एहसान ना करेला . गिलोटिन से पीड़ित लोग के ठीक -ठीक धार्मिक जुड़ाव के चलते मारल जा ला। आ जइसे कि " *4वां तुरही* " के संदेश सिखावेला , निशाना सच्चा प्रकाश (सूरज), सामूहिक झूठा प्रकाश (चंद्रमा), आ कवनो व्यक्तिगत धार्मिक दूत (तारा) होला। अतने ना , कुछ भ्रष्ट धार्मिक रूप के एह शर्त पर स्वीकार कइल जाला कि ऊ प्रबल नास्तिकता के मानदंड के पालन करे। एह तरह से कुछ पुजारी लोग के उपहास में "डिफ्रॉक " नाम दिहल जाला। स्पिरिट फ्रांस के राजधानी पेरिस के तुलना " *सदोम* " आ " *मिस्र* " से कइले बा . आजादी के पहिला फल यौन अति के रहे जवना के संगे पारंपरिक सामाजिक अवुरी पारिवारिक रूढ़ि के टूटल रहे। एह तुलना के दुखद परिणा म समय के साथ होई। आत्मा हमनी के इ संकेत देत बा कि इ शहर " *सदोम* " अउर " *मिस्र* " के भाग्य के भोगी , जवन परमेश्वर खातिर पाप अउर उनकरा खिलाफ विद्रोह के ठेठ प्रतीक बन गईल बा। दानियल 2:7-8 में निंदा कइल गइल " ग्रीक " दार्शनिक " *पाप* " के साथ ऊपर स्थापित

कड़ी के इहाँ पुष्टि कइल गइल बा। यूनानी पाप के एह ईश्वरीय कलंक के पूरा तरह से समझे खातिर , हमनी के एह तथ्य पर विचार करीं जा कि , एथेंस के निवासी लोग के सामने सुसमाचार के प्रस्तुत करे खातिर दार्शनिक शब्दन के प्रयोग करे के कोशिश करत , प्रेरित पौलुस असफल हो गइलन अउर उनकरा के ओह जगह से निकाल दिहल गइल। एही से दार्शनिक विचार सदा सृष्टिकर्ता भगवान के दुश्मन बनल रही। समय के साथ आअंत तक "पेरिस " नाम के ई शहर यौन आधार्मिक पाप के प्रतीक एह दुनों नाम से तुलना के सटीकता के बरकरार रखी , आ अपना काम के माध्यम से गवाही दिही। एकरे नाँव "पे रिस " के पीछे "पैरिसी " के बिरासत बाटे , ई एगो अइसन शब्द हवे जेकर सेल्टिक मूल के मतलब होला "कड़ाही के लोग ", ई नाटकीय रूप से भविष्यवाणी वाला नाँव हवे। रोमन काल में ई जगह मिस्र के देवी आइसिस के बुतपरस्त उपासक लोग के गढ़ रहल , ठीक से , बाकी ट्रॉय के राजा पुरान प् रियम के बेटा पेरिस के मनोरम आनिंदनीय छवि भी रहल। यूनानी राजा मेनेलस के पत्नी सुंदर हेलेन के संगे व्यभिचार के लेखक , उ ग्रीस के संगे युद्ध के जिम्मेदार होईहे। असफल घेराबंदी के बाद यूनानी लोग पीछे हट गइल आसमुद्र तट पर एगो विशाल लकड़ी के घोड़ा रह गइल। एकरा के यूनानी देवता समझ के ट्रोजन घोड़ा के शहर में ले अइले। आआधा रात के जब शराब आपार्टी खतम हो गइल त यूनानी सिपाही घोड़ा से उतर के चुपचाप लवटल यूनानी सैनिकन खातिर फाटक खोल दिहले ; आशहर के सब निवासी लोग के नरसंहार हो गइल , राजा से लेके सबसे निचला प्रजा तक। एह ट् रोजन कार्रवाई से आखिरी दिनन में पेरिस के नुकसान होखी काहे कि एह सबक के अनदेखी करत ऊअपना इलाका में अपना दुश्मनन के बस के आपन गलती दोहरा दी जवना के ऊउपनिवेश बनवले रहुवे . पेरिस के नाँव लेवे से पहिले एह शहर के नाँव "लुटेटिया " रहल जेकर मतलब होला "बदबूदार दलद ल"; अपना दुखद भाग्य के पूरा कार्यक्रम। " *मिस्र* " से तुलना जायज बा काहे कि गणतंत्रवादी शासन अपनावे से फ्रांस आधिकारिक तौर पर पश्चिमी दुनिया में पाप के पहिला शासन बन जाला। एह व्याख्या के पुष्टि प्रकाशितवाक्य 17:3 में " *जानवर* " के " *लाल* " रंग से होई , जवन अंतिम समय के राजतंत्रवादी अउर गणतंत्रवादी गठबंधन के छवि ह , जवन फ्रांस के मॉडल पर बनल बा। ई कह के : " *उहाँ जहाँ उनकर प्रभु के सूली पर चढ़ावल गइल रहे* ", आत्मा फ्रांसीसी नास्तिकता के ईसाई विश्वास के अस्वीकार आमसीहा ईसा मसीह के यहूदी राष्ट्रीय अस्वीकार के बीच के तुलना स्थापित करेले ; काहे कि दुनु परिस्थिति एके जइसन बा आएके जइसन परिणाम आ

अधर्म आ अधर्म के एके जइसन फल होखी . ई तुलना ओकरा बाद के श्लोकन में भी जारी रही।

मिस्र " कह के भगवान फ्रांस के तुलना फिरौन से करेलन , जवन कि उनकर इच्छा के विरोध करे वाला मानव प्रतिरोध के मॉडल प्रकार ह। उ अपना विनाश तक ए विद्रोही स्थिति के कायम राखी। ओकरा ओर से कबो कवनो पश्चाताप ना होई। " *बुराई के अच्छाई आ अच्छाई बुराई* " कह के ऊ भगवान के अपमानित पाप में से सबसे खराब पाप करीहें ; एकरा के "रोशनी " कह के , "उनकर मानव अधिकार " के "अंधे रा " संस्थापक विचारक , जे भगवान के अधिकार के विरोध करे लें। आ कई लोग , उनकर मॉडल के नकल करी , इहाँ तक कि , 1917 में , शक्तिशाली रूस , जवन " *छठवाँ तुरही* " के समय परमाणु बम से नष्ट कर दी , जवना के भविष्यवाणी सेल्टिक भाषा में उनकर नाम "पैरिसी " से कइल गइल रहे , जवना के मतलब होला "कड़ाही के लोग। " एह से ऊ अपना अंत तक ओह परीक्षा में भगवान के देखे में असमर्थ रही जवन ओकरा के तबाह करे के हद तक बर्बाद कर दी। काहे कि ऊ ओकरा के निशाना बना लिहले बा आजबले ऊना रही तबले ओकरा के ना छोड़ी .

पद 9: " *आ हर जाति , गोत्र , भाषा आ जाति के लो ग साढ़े तीन दिन तक आपन लाश देख के आपन लाश के कब्र में ना डाले दीहें।* "

फ्रांस में लोग 1789 में क्रांति में प्रवेश कइल आ 1793 में ई लोग अपना राजा आ फिर अपना रानी के फांसी दे दिहल , दुनों के सार्वजनिक रूप से शहर के बड़हन केंद्रीय चौक पर सिर काट दिहल गइल जेकरा के लगातार "प्लेस लुई पंद्रहवाँ ", "प्लेस डे ला रिवोल्यूशन ", आवर्तमान में , "प्लेस डे ला कॉनकॉर्ड " कहल जाला। " *साढ़े तीन दिन " के विनाशकारी कार्रवाई के समय के* जिम्मेदार ठहरा के , आत्मा में वाल्मी के लड़ाई भी सामिल कइल गइल लउके ला जहाँ 1792 में , क्रांतिकारी लोग यूरोपीय राज्य सभ के शाही सेना सभ के सामना कइल आ हरा दिहल जे रानी मैरी -एंटोनेट के मूल परिवार के देस आस्ट्रिया समेत गणतंत्रवादी फ्रांस पर हमला कइलस। एह नफरत के उत्पत्ति के समझे खातिर ई ध्यान राखे के पड़ी कि पोप -शाही गठबंधन के हर तरह के 1260 साल के वसूली के अंत शोषित , दुर्व्यवहार , सतावल आ पूरा तरह से बर्बाद फ्रांसीसी लोग के चिढ़ावे के पड़ल . लुई चौदहवाँ के आखिरी दू गो शासन , उनकर घृणित धूमधाम से , आ लुई पंद्रहवाँ , भ्रष्ट , व्यभिचारी राजा , अंत में भगवान आ आदमी के धैर्य के प्याला भर दिहलस। सावधान रहे के चाहीं ! गणतंत्र फ्रांस खातिर आशीर्वाद नइखे आ ना होई . ऊ अपना अंत तक अपना पाँचवा रूप में भगवान के अभिशाप सहत रही आ खुदे ऊ गलती करी जवना से ओकर पतन होखी . ई खूनी शासन , अपना मूल में , "मानव अधिकार " आ

मानवतावाद के देश बन जाई जवन अंत में दोषी के बचाव करी आअपना अन्याय से , पीड़ित के निराश करी . इहाँ तक कि ई अपना दुश्मनन के स्वागत करी आअपना इलाका में बसा दी , सबसे खराब हालत में , यूनानी लोग के छोड़ल लकड़ी के घोड़ा के परिचय खातिर मशहूर ट्रोजन शहर के मशहूर उदाहरण के नकल करी , जइसन कि पहिले देखल गइल रहे।

पद 10: " *धरती पर रहे वाला लोग ओह लोग पर खुश होई आ आनन्दित होई , आएक दूसरा के वरदान भेजत होई , काहे कि इ दुनो भविष्यवक्ता धरती पर रहे वाला लोग के सतवले रहले।* "

एह श्लोक में आत्मा ओह समय के निशाना बनावत बा जब गैंग्रीन भा कैंसर का तरह फ्रांसीसी दार्शनिक बुराई दोसरा पश्चिमी राष्ट्रन में प्लेग का तरह फइल जाई आ फइल जाई . एह पर " *6वीं मुहर* " के "समय के निशानी " के निशान लगावल गइल बा ; ऊजहाँ " *सूरज बाल के बोरा नियर करिया हो जाला* ": बाइबल के रोशनी गायब हो जाला , मुक् तचिंतकन के दार्शनिक किताबन से दबा के।

आध्यात्मिक पढ़ाई में , " *स्वर्ग के राज्य के नागरिक* " के विपरीत जवन यीशु के चुनल लोग के परिभाषित करेला , " *धरती के निवासी* " अमेरिकी प्रोटेस्टेंट आ अधिका सामान्य रूप से , भगवान आ उनकर सच्चाई के खिलाफ विद्रोह करे वाला मनुष्य के नामित करेला। यूरोपीय राज्यन के लोग आ ओकरा से भी जादा अमेरिकी लोग फ्रांस के ओर देखेला। उहाँ एगो जनता अपना राजतंत्र आ कैथोलिक ईसाई धर्म के कुचल देला जवन बा इबल पढ़े वाला लोग , " *द्व गो गवाह* " के अपना "नरक " के " *यातना* " से धमकी देला ; असली " *यातना* " जवन हालांकि खाली अंतिम न्याय खातिर आरक्षित बा , झूठा धार्मिक लोग के सफाया करे खातिर जे खुद धोखा से एह तरह के धमकी के इस्तेमाल करेलन , प्रकाशितवाक्य 14:10-11 के अनुसार। फ्रांस के बाहर ओही वसूली के शिकार विदेशी लोग भी एह पहल से फायदा उठावे में सक्षम होखे के उम्मीद करे लागेला | ई त अउरी तब बा काहे कि कुछ साल पहिले लुई सोलहवाँ के फ्रांस के समर्थन से उत्तरी अमेरिका के नया संयुक्त राज्य अमेरिका के आजादी मिल गइल रहे आ इंग्लैंड के वर्चस्व से मुक्त हो गइल रहे . आजादी के कदम चलत रहे आ जल्दिये बहुते लोग के जीत लेबे वाला रहे . एह दोस्ती के निशानी के रूप में " *उ लोग एक दूसरा के उपहार भेज दिहे* । " एह में से एगो उपहार अमेरिकी लोग के दिहल फ्रांसीसी उपहार रहे "स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी " जवन 1886 में न्यूयॉर्क के सामने एगो दीप पर खड़ा भइल रहे। अमेरिकी लोग एह इशारा के वापस क के एगो प्रतिकृति पेश कइल , जवन 1889 में खड़ा भइल , पेरिस में एफिल टावर के लगे सीन नदी के बीचोबीच एगो

दीप पर स्थित बा। भगवान एह तरह के वरदान के निशाना बनावेलें , जवन साझा करे आ आदान -प् रदान के उजागर करेला जवन **अत्यधिक आजादी** के अभिशाप के गठन करेला जवना के मकसद बा कि ओकर आध्यात्मिक नियम के अनदेखी कइल जाव .

पद 11: “ *साढ़े तीन दिन बाद परमेश्वर के ओर से जीवन के आत्मा उनकरा में घुस गईल , अउर उ लोग अपना गोड़ पर खड़ा हो गईले , अउर उनकरा के देखे वाला लोग पर बहुत डर लाग गईल। ”*

20 अप्रैल 1792 के फ्रांस के आस्ट्रिया आ प्रशिया के धमकी दिहल गइल आ10 अगस्त 1792 के एकर राजा लुई सोलह वाँ के उखाड़ फेंक दिहल गइल। 20 सितंबर 1792 के वाल्मी में क्रांतिकारी लोग के जीत भइल।राजा लुई सोलहवाँ के 21 जनवरी 1793 के गिलोटिन मार दिहल गइल।जुलाई में तानाशाह रोबेस्पियर आउनके दोस्तन के बारी -बारी से गिलोटिन मार दिहल गइल 28, 1794.. "कन्वेंशन " के जगह 25 अक् टूबर 1795 के "निर्देशिका " ले लिहल गइल , 1793 आ1794 के दू गो "आतंक " एक साथ महज एक साल चलल . 20 अप्रैल 1792 से 25 अक्टूबर 1795 के बीच हमरा काफी सटीक रूप से " *साढ़े तीन दिन* " के भविष्यवाणी या "साढ़ तीन साल " के इ अवधि असली लागल। लेकिन हमरा लागता कि अवधि एगो आध् यात्मिक संदेश भी लेके चलेला। ई काल आधा हफ्ता के प्रतिनिधित्व करेला , जवन ईसा मसीह के पार्थिव सेवा के संकेत पैदा कर सकेला , जवन ठीक "साढ़ तीन भविष्यवाणी के दिन " चलल आ मसीह यीशु मसीह के मौत के साथ खतम भइल। आत्मा उनकर एह काम के तुलना बाइबल के काम से करेला , उनकर " *द्व गो गवाह* ", जे पेरिस के प्लेस डे ला रिवोल्यूशन में जरे से पहिले भी काम कइले आसिखवले। एह तुलना से , बाइबल , एह विश्वास के , यीशु मसीह के साथ पहचानल गइल बा , जे , एह में , फिर से सूली पर चढ़ावल गइल बा अउर " *छेदल गइल बा* ," जइसन कि प्रकाशितवाक्य 1:7 बतावत बा। खून -खराबा के बाढ़ फ्रांस के जनता के डेरा के खतम हो गईल। साथ ही , खूनी सम्मेलन के एकर नेता मैक्सिमिलियन रोबस्पियर आउनकर दोस्त कौथन आसेंट -जस्ट के फांसी देला के बाद सारांश आव्यवस्थित फांसी बंद हो गइल। भगवान के आत्मा आदमी के आध्यात्मिक प्यास के फेर से जगवलस , अउर धर्म के आचरण कानूनी हो गईल , अउर सबसे ऊपर , स्वतंत्र हो गईल। हितकारी "परमेशवर के डर " फिर से प्रकट भइल बा आबाइबल में रुचि फिर से भड़क गइल बा , लेकिन दुनिया के अंत तक एकर लड़ाई आ मुकाबला मुक्त विचारक लोग द्वारा लिखल दार्शनिक किताबन से होई जेकर ग्रीक मॉडल एकर सभ बिबिध रूप सभ के स्रोत हवे।

पद 12: “ *उ लोग स्वर्ग से एगो आवाज सुनले कि उ लोग के कहत रहे कि , “इहाँ चढ़ जा , उ लोग बादल में स्वर्ग में चढ़ गईले ।* ”

1798 के बाद बाइबिल के “ *द्व गो गवाह ” पर लागू होला।*

यीशु के साथे तुलना जारी बा , काहे कि उहे उहे रहले जेकरा के उनकर चुनल लोग (एलियाह भविष्यवक्ता के बाद) उनकर आँख के सामने स्वर्ग में चढ़त देखले रहले। लेकिन , बदला में अंतिम बेर के उनुकर चुनल लोग भी अयीसने करीहे। उनकर दुश्मन भी उनकरा के बादल में स्वर्ग में चढ़त देख जइहें जहाँ यीशु उनकरा के अपना लगे खींच लीहें। भगवान जवन समर्थन अपना मुद्दा के देत बाड़े , उहे बा , ईसा मसीह खातिर , उनकर चुनल गइल , आ फ्रांसीसी क्रांति के एह संदर्भ में , 1798 के बाद बाइबिल खातिर , " *1260 दिन* "-साल के भविष्यवाणी कइल गइल अवधि के अंत के पुष्टि करे खातिर , 1799 में , पोप पायस छठवाँ वैलेंस -सुर -रोन में हिरासत में मर गइलें , एह तरीका से संभव हो गइल , 1843-44 के बीच 1994, 150 साल के शांति के लंबा अवधि के भविष्यवाणी प्रकाशितवाक्य 9:5-10 में " *पांच महीना* " के रूप में कइल गइल । लुई सोलहवाँ के मौत , राजतंत्र के अंत , अउर एगो कैद पोप के मौत प्रकाशितवाक्य 13:1-3 में " *समुद्र से उठल जानवर " के धार्मिक असहिष्णुता पर एगो नश्वर झटका देला।* डायरेक्टरी के कॉनकोर्डेट आपन घाव ठीक कर देला , लेकिन ओकरा अब नष्ट शाही समर्थन से फायदा ना मिलेला , अब अंत के समय तक ना सताई जब प्रोटेस्टेंट असहिष्णुता प्रकाशितवाक्य 13:11 में " *धरती से उठल जानवर " के नाम से प्रकट होई।*

पद 13: “ *ओह घरी एगो बड़हन भूकंप आइल आ शहर के दसवां हिस्सा गिर गइल आभूकंप में सात हजार आदमी मर गइलन आबाकी लोग डेरा के स् वर्ग के भगवान के महिमा कइलन।* ”

एह समय (*ओह घंटा*) में पूरा हो गइल , आध्यात्मिक रूप में , " *भूकंप " जवना के भविष्यवाणी 1755 में लिस्बन के पूरा होखे से पहिले से कइल गइल रहे* , जवन अपो .6:12 के " *छठवाँ मुहर* " के विषय में संबंधित रहे । भगवान के आत्मा के अनुसार पेरिस शहर के आबादी के " *दसवां हिस्सा " खतम हो गईल। लेकिन एगो अउरी अर्थ दान .7:24 अउर अपो .13:1 के अनुसार चिंतित हो सकेला , " दस सींग* " या पोप के रोमन कैथोलिक धर्म के अधीन पश्चिमी ईसाई राज्यन के दसवाँ हिस्सा । रोम द्वारा रोमन कैथोलिक चर्च के "बड़की बेटी " मानल जाए वाला फ्रांस नास्तिकता में पड़ जाला , ओकरा के समर्थन से वंचित कर देला आअपना अधिकार के नष्ट करे तक ले पहुँच जाला। 4वां तुरही से एकर खुलासा भइल , " *सूरज*

के एक तिहाई हिस्सा मारल जाला "; " *एह भूकंप में सात हजार आदमी के मौत भइल* " संदे श एकर पुष्टि करत बा कि : धार्मिक " *आदमी* " *(सात : ओह समय के धार्मिक पवित्रीकरण)*, के भीड़ (*एक हजार*) एह राजनीतिक आ सामाजिक भूकंप में मारल गइल।

पद 14: " *दूसरा विपत्ति बीत गइल बा , देखऽ , तीसरा विपत्ति* ***जल्दी आवत बा।*** *"*". के बा।

एह तरह से खून के तीव्र बहाव से भगवान के डर फेर से भड़क गइल आ"आतंक " बंद हो गइल , एकर जगह नेपोलियन प्रथम के साम्राज्य ले लिहलस ," *चील* " अंतिम तीन गो " *तुरही* " के घोषणा कइलस , धरती के निवासी लोग खातिर तीन गो " *महान विपत्ति* "/ चूँकि ई घोषणा 1789 से 1798 के फ् रांसीसी क्रांति के बाद भइल बा , एह से पद 14 में एकरा के बतावल गइल " *दूसरा विपत्ति* " *एकर सीधा संबंध ना हो सके।* लेकिन आत्मा खातिर इ हमनी के बतावे के साधन ह कि फ्रांसीसी क्रांति के एगो नया रूप ईसा मसीह के महिमा में वापसी से ठीक पहिले प्रकट होई। अब, प्रकाशितवाक् य 8:13 के अनुसार , " *दूसरा हाय* " *स्पष्ट रूप से* 6वां के विषय से संबंधित बा प्रकाशितवाक्य 9:13 के *तुरही* जवन , ठीक से , " *एक तिहाई आदमी के मार दिही* " ओकरा से पहिले कि यीशु मसीह अपना विश्वासी सेवकन के अन्यायी निंदा के बदला लेवे खातिर वापस आ जास , उ लोग के नश्वर दु श्मन , अंतिम विद्रोही के सफाया क के। हमनी के समझ सकेनी जा कि , फ्रांसीसी क्रांतिकारी लोग के ओर से भईल नरसंहार के तरह , भगवान तीसरा विश्वयुद्ध के नरसंहार के आयोजन कर रहल बाड़े , अबकी बेर परमाणु , जवना से पृथ्वी के निवासी के संख्या में काफी कमी आई, ओकरा पूरा तरी का से समाप्त होखे से पहिले जवन कि एकर मूल " *खाई* " पहलू के बहाल क दिही , ईसा मसीह के अंतिम विनाशकारी हस्तक्षेप के बाद।

दूसरा हाय " के दोहरा अर्थ एगो आध्यात्मिक कारण से *चउथा तुरही के छठवाँ* से जोड़ देला। प्रकाशितवाक्य के संरचना ईसाई युग के समय के दू भाग में बाँटत बा। पहिला में " *हाय* " 1844 से पहिले सजा पावे वाला दोषी लोग के सजा देला आदूसरा में 1844 के बाद , दुनिया के अंत से ठीक पहिले सजा पावे वाला लोग के। अब, दुनो दंडात्मक काम उ अर्थ के साझा करेला जवन परमे श्वर लेवीय 26:25 में अपना चउथा सजा के देले बाड़े : " *हम उ तलवार भेजब जवन हमरा वाचा के बदला लेवेला* । " पहिला सजा ओह लोग पर पड़ल **जेकरा सुधार के संदेश ना मिलल** , ईसा द्वारा अपना चुनल लोग खातिर तइयार कइल काम , अउर दूसरा , जे लोग 1843 से एह सुधार के **पूरा करे के परमे श्वर के आवश्यकता के जवाब ना दिहल।** प्रकट प्रकाश जवना से परमेश्वर एह स्थायी

सुधार के निर्माण करेलन , उ घड़ी तक प्रस्तुत कईल जाई जब परिवीक्षा के समय खतम ना हो जाई।

भगवान 1789 से 1795 तक के फ्रांसीसी क्रांति के पुरुषन पर जवन चीजन आकाम के आरोप लगवले रहले ओकर समी क्षा करके हमनी के ऊ चीज मिल जाला जवना के ऊ अंतिम समय के पश्चिमी आदमी पर आरोप लगा सकेलें। हमनी के धार्मिक नियमन आओकरा के सिखावे वाला लोग से उहे तिरस्कार , उहे अधर्म आनफरत मिलेला ; व्यवहार जवन अबकी बेर विज्ञान आतकनीक के असाधारण विकास के परिणाम ह . शांति के सालन में नास्तिकता आझूठा धर्म पश्चिमी दुनिया पर जीत हासिल कइलस। एह से भगवान के लगे एगो बढ़िया कारण बा कि ऊ हमनी के , एह विषय खातिर , दोहरा पाठ के पेशकश करस ; क्रांतिकारी युग आमानवता के अंतिम दिन के वैज्ञानिक समय के बीच मुख्य अंतर पैदा करे वाला " *बचे वाला* " *लोग* के व्यवहार । अउरी साफ होखे खातिर , प्रकाशितवाक्य 11:11-13 के अनुसार , " *चउथा तुरही* " से संबंधित पहिला पाठ के " *बचे वाला* " *पश्चाताप कइले* ," जबकि दूसरा के " *बचे वाला* " *जवन छठवाँ तुरही* " " से संबंधित बा , *पश्चाताप ना कइले* ," प्रकाशितवाक्य 9:20-21 के अनुसार।

तीसरा " *बहुत बड़ दुःख* " (पापी लोग खातिर): बदला लेवे वाला मसीह के गौरवशाली वापसी

पद 15: " *सातवाँ स्वर्गदूत आवाज दिहलस।आ स्वर्ग में जोर से आवाज सुनाई पड़ल कि , 'एह संसार के राज्य हमनी के प्रभु आउनकर मसीह के राज्य बन गइल बा , अउर उ हमेशा खातिर राज करीहे।* '"

अध्याय के अंतिम विषय " *सातवाँ तुरही* " के ह जवन , हम रउवां के याद दिलावत बानी , ओह पल के निर्दिष्ट करेला जब अदृश्य सृष्टिकर्ता परमेश्वर अपना के अपना दुश्मनन के आँख से दिखाई देवेलन , प्रकाशितवाक्य 1:7 के पुष्टि करत : " *देख , उ बादल के साथे आवेला अउर हर आँख ओकरा के देखी , उहो उ लोग जे ओकरा के छेदले रहे* । " " *जे लोग उनका के छेदल* ," जे यीशु के छेदल , उ लोग ईसाई युग के सब युग के उनकर दुश्मन हवे , जवना में अंतिम युग भी शामिल बा। उ लोग उनकर विश्वासी चेलन के सता के ओकरा के छेदत रहले , जेकरा बारे में उ घोषणा कईले रहले : " *जब तक तू हमरा एह छोट भाई में से कवनो एक के संगे अयीसन कईनी , उ हमरा संगे अयीसन कईनी* (मत्ती 25:40)। स्वर्ग से तेज आवाज उठत आयोजन के जश्न मनावे खातिर। इ स्वर्ग के निवासी हवें जे विजयी मसीह द्वारा शैतान अउर उनकर राक्षसन के स्वर्ग से निकाले के जश्न मनावे खातिर आपन बात कह चुकल बाड़े , जेकरा के प्रकाशितवाक्य 12:7 से 12 में " *माइकल* " कहल जाला , उ लोग चुनल लोग के खुशी में भाग लेवेलन , बदला में यीशु मसीह द्वारा मुक्त

अउर विजयी। ईश्वरीय मसीह के मुँह से नष्ट पापी लोग के कमी के कारण सां सारिक पाप के इतिहास बंद हो जाई। शैतान , यीशु के अनुसार " *एह संसार के राजकुमार* ", परमेश्वर द्वारा नष्ट कइल गइल पापपूर्ण दुनिया पर आपन कब्जा खो देला। ऊ हजार साल अउरी उजाड़ धरती पर बिना केहू के नुकसान पहुँचवले रहीहें , अंतिम न्याय में उनकर पूर्ण समाप्त होखे के इंतजार करत रहीहें बाकी सब पापी लोग के साथे जेकरा के परमेश्वर एह उद्देश्य खातिर जिंदा करीहें।

ईसा मसीह के खून से मुक्त चुनल लोग के महान स्वर्गीय सुख

पद 16: " *आ चौबीस बुजुर्ग जे अपना सिंहासन पर भगवान के सामने बइठल रहले , मुँह पर गिर के भगवान के आराधना कइले* ,"

चुनल लोग परमेश्वर के स्वर्गीय राज्य में प्रवेश कइले बाड़न , परमेश्वर के सामने सिंहासन पर बइठल बाड़न , उ लोग राज करीहें , या प्रकाशितवाक्य 20:4 के अनुसार दुष्टन के न्याय करीहें। इ श्लोक प्रकाशितवाक्य 4 के मुक्ति पावे वाला लोग के स्वर्गीय शुरुआत के संदर्भ के उकसावत बा , इ श्लोक उ रूप प्रस्तुत करेला जवन परमेश्वर के सच्चा आराधना के होखे के चाहीं। सजदा , घुटना टेक के , जमीन से मुँह क के , भगवान के वैध बनावल रूप ह।

पद 17: " *कहत हव कि : हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी , हे सर्वशक्तिमान परमेश्वर , जे बा , आ जे रहलन , काहे कि तू आपन महान शक्ति लेके राज कइले बाड़ऽ।* "

मुक्ति पावे वाला लोग आपन धन्यवाद के नवीनीकरण करेला अउर यीशु मसीह के सामने प्रणाम करेला , " *सर्वशक्तिमान परमेश्वर जे बाड़न अउर जे रहलन* " " **अउर जे आइल बाड़न** ," जइसन कि प्रकाशितवाक्य 1:4 में घोषणा कइल गइल बा। " *रउआ आपन महान शक्ति पर कब्जा कर लेले बानी " जवना के रउआ अपना चुनल लोग के बचावे खातिर त्याग कइले रहनी आ" मेमना* " के रूप में अपना सेवा में अपना मौत से ओह लोग के पाप के प्रायश्चित कइले रहनी ; " *भगवान के मेमना जे दुनिया के पाप के दूर करेला* ." तू " *अपना राज्य पर कब्जा कर लेले बाड़* "; सुझावल संदर्भ वाकई में उ ह जहाँ आत्मा यूहन्ना के ले गईल रहे प्रकाशितवाक्य 1:10; धरती पर मसीह के सभा के इतिहास अतीत में बा। एह दौर में " *सात विधानसभा* " चुनल लोग के पीछे बा। चुनल लोग के विश्वास के आशा के वस्तु ईसा के शासन हकीकत बन गइल बा।

पद 18: " *राष्ट्र लोग गुस्सा में आगईल , अउर तोहार क्रोध आगईल , अउर समय आगईल बा कि मुअल लोग के न्याय करीं , तोहार सेवक भविष्यवक्ता , संत , अउर छोट -बड़*

तोहार नाम से डेराए वाला के इनाम देवे के , अउर धरती के नाश करे वाला लोग के नाश करे के समय आगईल बा। ”

हमनी के भविष्यवाणी कइल गइल घटना के क्रम के बारे में बहुत उपयोगी जानकारी मिलेला . 6 तारीख के भइल *तुरही* मार दिहल गइल *एक तिहाई मानव जाति* , यानी कि " *राष्ट्र गुस्सा में रहे* ," आ हमनी के आँख के सोझा , 2020-2021 में , हमनी के एह चिढ़ के कारण के गवाह बन रहल बानी जा : Covid-19 आ एकरा से भइल आर्थिक बर्बादी , इस्लामी आक्रामकता , आ तुरंत , रूस के हमला अपना सहयोगी देशन के साथे। एह भयानक अउर विनाशकारी संघर्ष के बाद , " *धरती के जानवर* " यानी अमेरिकी अउर यूरोपीय बचे वाला लोग के प्रोटेस्टेंट अउर कैथोलिक गठबंधन द्वारा अतवार के कानून के घोष णा के बाद , परमेश्वर ओह लोग पर " *अपना क्रोध के सात गो अंतिम विपत्ति* " उझल दिहले जवना के वर्णन प्रकाशितवाक्य 16 में कइल गइल बा सातवाँ के समय , यीशु अपना चुनल लोग के बचावे खातिर अउर पतित लोग के नष्ट करे खातिर प्रकट भइले। ओकरा बाद सातवीं सहस्राब्दी के " *हजार सा ल* " खातिर तइयार कार्यक्रम आवेला . स्वर्ग में , प्रकाशितवाक्य 4:1 के अनुसार , दुष्टन के न्याय होई : " *अउर मुअल लोग के न्याय करे के समय आगईल बा* ." संत लोग के आपन इनाम मिलेला : ईसा मसीह द्वारा अपना चुनल लोग से वादा कइल अनन्त जीवन। आखिरकार उ लोग सुबह के तारा आ ता ज प्राप्त करेला जवन विश्वास के लड़ाई में विजयी मिलल चुनल लोग से वादा कईल गईल रहे : " अपना सेवक *भविष्यवक्ता के इनाम देवे के* । " परमेश्वर इहाँ हर युग खातिर (2 पतरस 1:19 के अनुसार) अउर अधिक विशेष रूप से अंतिम समय खातिर भविष्यवाणी के महत्व के याद करेलन। *"संत लोग अउर जे तोहार नाम से डेराला* " यानी कि उ लोग जे प्रकाशितवाक्य 14:7 से 13 के तीनों स्वर्गदूतन के संदेश के सकारात्मक रूप से जवाब देले बा ; जवना में से पहिला ओह बुद्धि के याद दिलावत बा जवन ओकरा से डेराए , ओकर आज्ञा माने आ ओकर आज्ञा के चुनौती ना देबे में होला , ई कहत बा कि : " *भगवान से डेराईं आओकरा के महिमा दीं* ," सृष्टिकर्ता भगवान के ओकर पक्ष में , " *काहे कि ओकर न्याय के घड़ी आ गइल बा , आ ओकर पूजा करीं जे आकाश, समुंदर , धरती आपानी के झरना बनवले बा* ."

पद 19: “ *स्वर्ग में परमेश्वर के मंदिर खुलल , अउर उनकरा मंदि र में उनकर नियम के सन्दूक देखल गईल , अउर बिजली के चमक, आवाज , गरज , भूकंप अउर बहुत ओला पड़ल।* ”

प्रकाशितवाक्य के एह किताब में चर्चा कइल गइल सब विषय हमनी के दिव्य प्रभु यीशु मसीह के महान गौरवशाली वापसी के एह ऐतिहासिक क्षण पर एकट्ठा

होला। ई श्लोक ओह संदर्भ के लक् षित करेला जहाँ निम्नलिखित विषय पूरा होला आपूरा होला :

प्रकाशितवाक्य 1: एडवेंटिज्म के बा :

पद 4: " *यूहन्ना एशिया में सात कलीसिया के खातिर : तोहनी पर अनुग्रह आ शांति होखे , जे बा , जवन रहे , **अउर जे आवे वाला बा** , अउर सात आत्मा से जवन उनकर सिंहासन के सामने बा। "*

पद 7: " ***देखऽ , ऊ बादल के साथे आवत बा** . आहर आँख ओकरा के देख के आ ओकरा के छेदे वाला लोग देख के आधरती के सब गोत्र ओकरा खातिर विलाप करी। हँ। आमीन ! "*

पद 8: " *हम अल्फा अउर ओमेगा हईं , प्रभु परमेश्वर कहत हउवें , जे बा , जे रहलन , **आजे आवे वाला बा** , सर्वशक्तिमान हउवें । "*

पद 10: " ***हम प्रभु के दिन आत्मा में रहनी** , अउर हम अपना पीछे एगो तेज आवाज सुननी , जवन तुरही के आवाज़ निहन रहे , "*

प्रकाशितवाक्य 3: सातवीं सभा : " *लौदीकिया* " युग के अंत (= लोग के न्याय कइल गइल)।

प्रकाशितवाक्य 6:17: विद्रोही मनुष्य के खिलाफ परमेश्वर के क्रोध के बड़ दिन " ***काहेकि उनकर क्रोध के बड़ दिन आगईल बा** , अउर के खड़ा हो सकेला ? "*

प्रकाशितवाक्य 13: " *धरती से चढ़े वाला जानवर* " (प्रोटेस्टेंट अउर कैथोलिक गठबंधन) अउर एकर अतवार के नियम ; पद 15: " आओकरा लगे *जानवर के मूर्ति के जिंदा करे के अधिकार रहे , ताकि जानवर के मूर्ति बोल सके , **अउर जे जानवर के मूर्ति के पूजा ना करी , ओकरा के मार दिहल जा सके** । "*

फसल " (दुनिया के अंत अउर चुनल लोग के रैप्चर) अउर " *विंटेज* " (झूठा चरवाहा लोग के बहकावल अउर धोखा दिहल अनुयायी लोग द्वारा नरसंहार) के दू गो विषय ।

प्रकाशितवाक्य 16: पद 16: " ***युद्ध के महान दिन आरमागेडोन*** "।

परमेश्वर के प्रत्यक्ष अउर दृश्यमान हस्तक्षेप के प्रमुख सूत्र मिलेला , " *अउर बिजली के चमक, आवाज , गरज , अउर भूकंप* ," प्रकाशितवाक्य 4:5 अउर 8:5 में पहिलहीं से उद्धृत। लेकिन इहाँ आत्मा " *आबहुत ओला* " जोड़त बा ; एगो " *ओला* " *जवना से* प्रकाशितवाक्य 16:21 में " *सात गो आखिरी विपत्ति* " *में से* **सातवाँ** के विषय पूरा हो गइल बा।

ईसा मसीह के वापसी के संदर्भ एह से नवीनतम एडवेन्टिस्ट वि षय से चिन्हित बा जवन एह समय ले आवेला , 2030 के बसंत में , चुनल लोग के चढ़ावल गइल सच्चा उद्धार , जवन यीशु मसीह द्वारा बहावल खून से मिलल बा। इ उ विद्रोहियन से उनकर मुठभेड़ के घड़ी ह जे उनकर चुनल लोग के मारे के तैयारी में बा जे रोमन अतवार के मना कर देला अउर पर मेश्वर के द्वारा दुनिया के रचना के पहिला हफ्ता से ही पवित्र कइल सब्त के दिन के प्रति आपन निष्ठा रखेला। प्रकाशितवाक्य 6 के " *छठवाँ मुहर* " एह विद्रोहियन के व्यवहार आनिराशा के दर्शावत बा जेकरा के प्रभु अपना धन्य अउर प्रिय चुनल गइल लोग के जानबूझ के नरसंहार के काम में पकड़ले रहले। असहमति के विषय एह पद 19 में उकसावल गइल बा , इ ईश्वरीय नियम ह जवन तम्बू के सबसे पवित्र स्थान अउर हिब्रू " *मंदिर* " *में "गवाही के सन्दूक " में सुरक्षित बा।* जहाज के प्रतिष्ठा आबहुत उच्च पवित्रता के श्रेय खाली एह बात के बा कि एह में खुद भगवान के अँगुरी से , व्यक्तिगत रूप से , उनकर वफादार सेवक मूसा के सान्निध्य में , उकेरल व्यवस्था के पाटी बाड़ी सऽ। बाइबल हमनी के ई समझे के अनुमति देला कि ईसा मसीह के वापसी के समय विद्रोहियन के आतंक के का भड़कावेला। काहे कि भजन संहिता 50 के पद 1 से 6 में इहें घोषणा कइल गइल बा :

*“ आसाफ के एगो भजन।परमेशवर , भगवान , याहवेह , बोलत बाड़न , आ धरती के बोलावत बाड़न , सूरज के उगला से लेके सूरज के डूबला तक।सिय्योन से , सुंदरता के सिद्धता , भगवान चमकत बाड़न।हमार भगवान आवेलन , उ चुप ना रहिहें ; **उनका सामने एगो भस्म करे वाला आगबा , आओकरा चारो ओर एगो हिंसक तूफान बा।उ** ऊपर के आकाश के ओर रोवत बा , आ. धरती , **अपना लोग के न्याय करे खातिर : हमरा संत लोग के बलिदान** के द्वारा हमरा से वाचा करवले **बा** !*

आतंक के संदर्भ में विद्रोही लोग के भगवान के दस आज्ञा में से चउथा आज्ञा के पाठ के आकाश में आग के अक्षर में प्रदर्शित देखाई दिही। आ एह दिव्य कर्म से उ लोग जान जाई कि भगवान ओह लोग के पहिला आ" *द्वसरा मौत* " के सजा सुनवले बाड़न।

सातवाँ तुरही " के विषय के ई अंतिम श्लोक परमेश्वर अपना नियम के जवन महत्व देवेलन , ओकरा के उजाग र करेला अउर पुष्टि करेला , जवना के मुकाबला विद्रोही झूठा ईसाई धर्म से होला। कानून आकृपा के बीच कथित विरोध के बहाने दिव्य नियम के तुच्छ समझल गइल बा। इ गलती प्रेरित पौलुस के चिट्ठी में कहल शब्दन के गलत पढ़ला के परिणाम ह। एहसे हम एहिजा साफ आसरल सफाई दे के कवनो संदेह के दूर करब . रोम में बा।

6, पौलुस ओह लोग के विपरीत कइले बाड़न जे "*व्यवस्था के तहत* " बा जे "*अनुग्रह के तहत* " बा , खाली एह से कि उनकर समय के संदर्भ बा जब नया वाचा शुरू हो रहल बा। "*व्यवस्था के तहत* " सूत्र से उ पुरान वाचा के यहूदी लोग के संदर्भित करेलन जे यीशु मसीह के पूर्ण धार्मिकता के आधार पर नया वाचा के नकार देवेलन। आऊ चुनल लोग के जिक्र करत बाड़न जे एह नया वाचा में "*कानून के साथे* " एह सूत्र से प्रवेश करेला . काहे कि अनुग्रह से इहे फायदा होला , जवना के नाम पर यीशु मसीह पवित्र आत्मा में अपना चुनल लोग के मदद करेलन अउर पवित्र ईश्वरीय व्यवस्था से प्रेम करे अउर पालन करे के सिखावेलन। उनकर बात मान के ऊतब "*कानून के साथे* " बा आ"*अनुग्रह के तहत* "*होखला से ऊ*"*कानून के तहत* " भी नइखे । हमरा फेरु से इयाद बा कि पौलुस ईश् वरीय नियम के बारे में कहत बाड़न कि ई "*पवित्र बा अउर आज्ञा न्यायसंगत अउर अच्छा बा* "; जवन हम यीशु मसीह में उनकरा साथे साझा करत बानी। जबकि पौलुस पाप के सजा देत बाड़न , अपना पाठकन के ई मनावे के कोशिश करत बाड़न कि अब मसीह में रहला से पाप ना करे के चाहीं , आधुनि क विद्रोही लोग उनकर ग्रंथन के इस्तेमाल उनकरा के विरोध करे खातिर ईसा मसीह के "***पाप के सेवक*** " बना के करेला , जेकरा के ऊ लोग दावा करेला , रोम द्वारा 7 मार्च 321 के स्थापित कइल गइल।जबकि पौलुस गलाती में घोषणा कइले बाड़न। 2:17: "*लेकिन अगर हमनी के मसीह के द्वारा धर्मी ठहरावल चाहत बानी जा , अगर हमनी के खुद भी पापी पावल जानी जा , **त का मसीह पाप के सेवक हवें ? द्वर के बात बा !*** » परिशुद्धता के महत्व पर ध्यान दीं , "***एकरा से बहुत द्वर।*** ", जवन झूठा , विद्रोही आधुनिक ईसाई बिसवास के धार्मिक अवधारणा के निंदा करे ला आई 7 मार्च 321 से , ऊ तारीख जब रोमन "***पाप*** " ***एगो बुतपरस्त रोमन सम्राट*** , कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के अधिकार से पच्छिमी आपूरबी ईसाई बिसवास में प्रवेश कइलस।

सातवाँ तुरही " के एह संदर्भ में भगवान के द्वारा पार्थिव चुनल लोग के चयन खातिर अलगा रखल पहिला छह हजार साल , उनकर समग्र सात हजार साल के परियोजना में , समाप्त हो जाला। एकरा बाद प्रकाशितवाक्य 20 के सातवीं सहस्राब्दी यानी "*हजार साल* " खुलेला , जवन यीशु मसीह द्वारा छुड़ावल चुनल लोग द्वारा विद्रोहि यन के स्वर्गीय न्याय के समर्पित बा , जवन प्रकाशितवाक्य 4 के विषय ह।

प्रकाशितवाक्य 12 : महान केंद्रीय योजना

महिला – रोमन आक्रमणकारी – रेगिस्तान में महिला – कोष्ठक : स्वर्ग में लड़ाई – रेगिस्तान में महिला – सुधार – नास्तिकता - एडवेंटिस्ट अवशेष के नाम से जानल जाला

विजयी औरत, मसीह के दुलहिन , परमेश्वर के मेमना

पद 1: " *स्वर्ग में एगो बड़हन निशानी लउकल: एगो मेहरारू सूरज के कपड़ा पहिनले , गोड़ के नीचे चंद्रमा , आमाथा पर बारह तारा के मुकुट।* "

इहाँ भी कई गो चित्र भा दृश्य में कई गो विषय एक दूसरा के पीछे पड़ेला। पहिला चित्र में चुनल सभा के चित्रण कइल गइल बा जवन इफिसियों के अनुसार एकर एकमात्र प्रमुख ईसा मसीह के जीत से फायदा उठाई। 5:23 के बा। एगो " *औरत* " के प्रतीक के तहत , मसीह के *"दुल्हिन* " माल में भविष्यवाणी कइल गइल " *धर्म के सूरज* " में लिपटल बा । 4:2 के बा। दोहरा आवेदन में , " *चाँद* ," अन्हार के प्रतीक , " *ओकरा गोड़ के नीचे* " बा। ई दुश्मन ऐतिहासिक आ कालक्रम से , पुरान वाचा के यहूदी हवें , आ नया के पतित ईसाई , कैथोलिक , रूढ़िवादी , प्रोटेस्टेंट आ एडवेन्टि स्ट हवें। उनकर माथा पर " *बारह तारा के मुकुट* " भगवान के वाचा में उनकर जीत के प्रतीक बा , 7, आदमी के साथे , 5, मतलब 12 के संख्या।

अंतिम जीत से पहिले सतावल महिला

पद 2: " के बा। *ऊ गर्भवती रहली आश्रम करत आप्रसव के पीड़ा में चिल्लात रहली* .

पद 2 में , " *प्रसव के पीड़ा* " स्वर्गीय महिमा के समय से पहिले के सांसारिक उत्पीड़न के संदर्भित करेला। एह छवि के इस्तेमाल यीशु यूहन्ना 16:21-22 में कइले बाड़न : " *प्रसव करे वाली औरत के दुख होला काहे कि ओकर समय आगइल बा , लेकिन जब ऊ बच्चा पैदा कर लेले त ओकरा दुख के याद ना अइला , एह खुशी से कि एगो आदमी दुनिया में पैदा भइल बा। " त तोहनी के भी अब दुख बा ; बाकिर हम तोहरा के फेर से देखब , तोहार मन खुश हो जाई , आतोहार खुशी केहू तोहरा से ना छीन पाई* .

महिला के बुतपरस्त सतावे वाला : रोम , महान शाही शहर

पद 3: " *स्वर्ग में एगो अउरी निशानी लउकल, आदेखऽ एगो बड़हन लाल अजगर , जवना के सात गो सिर आदस सींग बा , आओकरा माथा पर सात गो मुकुट बा। "*

पद 3 अपना सतावे वाला के पहचान करेला : शैतान , बेशक , लेकिन उ पार्थिव शारीरिक शक्ति के माध्यम से काम करेला जवन चुनल लोग के सतावेला , ओकर इच्छा के अनुसार। अपना क्रिया में ऊ लगातार दू गो रणनीति के इस्तेमाल करेलें : " *अजगर* " के आ" *साँप* " के। पहिला , " *अजगर* " के , बुतपरस्त शाही रोम द्वारा नियोजित खुला हमला हवे। एह तरह से हमनी के दान में पहिलहीं से देखल गइल प्रतीक मिल जाला। 7:7 जहाँ रोम एगो चउथा राक्षसी जानवर के रूप में लउकल जवना के " *दस सींग* " बा . बुतपरस्त संदर्भ के पुष्टि " *मुकुट* " के मौजूदगी से होला जवन इहाँ " *सात सिर* " पर रखल गइल बा , जवन प्रकाशितवाक्य 17 के अनुसार रोमन शहर के प्रतीक ह , ई परिशुद्धता हमनी के पूरा ध्यान के हकदार बा , काहे कि इ हमनी के संकेत देला , हर बेर जब ई छवि प्रस्तुत कइल जाला , " *मुकुट* " के रखला से , भविष्यवाणी कइल गइल ऐतिहासिक संदर्भ।

महिला के धार्मिक सतावे वाला : पोप के कैथोलिक रोम

पद 4: " *उनकर पूंछ आकाश के तारा के एक तिहाई हिस्सा के झाड़ के धरती पर फेंक दिहलस , आ अजगर ओह औरत के सामने खड़ा हो गईल जवन बच्चा पैदा करे वाली रहली , ताकि उ बच्चा के जन्म के खाए। "*

ई श्लोक फिर से , नया प्रतीकन के तहत , प्रकाशितवाक्य 11:1 से 3 के संदेश के ले लेला जहाँ पोप रोम के परमेश्वर के द्वारा अधिकृत कइल गइल बा , " *छड़ी* " के शीर्षक के तहत , " *42 महीना तक पवित्र शहर के पैर के नीचे रौंद के* "।

रोमन साम्राज्य के "*दस सींग* " *के बाद पोप के* " *छोट सींग* " (538 से 1798 तक) आवे के रहे। एह उत्तराधिकार के पुष्टि इहाँ प्रकाशितवाक्य 12, पद 4 में कइल गइल बा।

पूंछ " शब्द जवन झूठा के निशाना बनावेला "। *भविष्यवक्ता के रूप में* प्रकाशितवाक्य 2:20 के *ईजेबेल* ", झूठा ईसाई पोप धार्मिक रोम के एह उत्तराधिकार के चित्रण करत बा। दान। 8:10 में उद्धृत आरोप के इहाँ नवीनीकरण कइल गइल बा। उत्पत्ति के "*साँप* " *के लायक ओकर चाल आ बहकावा के शिकार लोग के* , " *स्वर्ग के तारा* " के प्रतीक के तहत पैर के नीचे रौंद दिहल गइल बा यानी कि "*स्वर्ग के राज्य के नागरिक* " के उपाधि के तहत । कि यीशु अपना चेलन के श्रेय देत बाड़न "*तीसरा के* ओकर शाब्दिक अर्थ खातिर उद्धृत नइखे कइल गइल लेकिन , भविष्यवाणी में हर जगह के रूप में , परीक्षा में पड़ल ईसाई लोग के कुल संख्या के एगो महत्वपूर्ण हिस्सा के रूप में पीड़ित लोग शाब्दिक तिहाई के एह अनुपात से भी अधिक हो सकेला।

पद 5: " *उ एगो बेटा के जन्म दिहली , जवन लोहा के डंडा से सब जाति के राज करे के रहे , आ ओकर लइका के परमेश्वर आउनकर सिंहासन पर ले जाइल गइल।* "

दोहरा आवेदन में , भविष्यवाणी याद दिलावत बा कि कइसे शैतान मसीह के जन्म से लेके उनकर विजयी मौत तक के मुद्दा से लड़ल। बाकिर ई जीत ओह जेठका के ह जवना का बाद ओकर सगरी चुनल लोग सफल होखी , जबले आखिरी जीत ना मिल जाव तबले उहे लड़ाई जारी राखे के . ओह घरी , एगो आकाशीय पिं ड पा के , उ लोग ओकरा साथे दुष्टन के बारे में उनकर न्याय साझा करी आ उहाँ बा , मिल के , "*उ लोग लोहा के छड़ी से राष्ट्न पर राज करी* " जवन अंतिम न्याय के "*दूसरा मौत के यातना* " के फैसला दिही। मसीह के अनुभव आ उनकर चुनल लोग के अनुभव एगो आम अनुभव में मिल जाला , आ "*भगवान आ उनकर सिंहासन पर पकड़ल गइल बच्चा* " के छवि , एह से स्वर्ग में , चुनल लोग के पार्थिव "मुक्ति " के बा जवन 2030 में पूरा हो जाई , बदला लेवे वाला मसीह के वापसी पर। *के* "पीड़ा " से मुक्ति मिल जाई *प्रसव* " *बच्चा* एगो प्रामाणिक , सफल आविजयी ईसाई धर्मांतरण के प्रती क ह।

पद 6: " *औरत उ जंगल में भाग गईल , जहवाँ ओकरा के परमेश्वर के ओर से एगो जगह तैयार कईल गईल बा , ताकि उ लोग ओकरा के उहाँ एक हजार द्व सौ साठ दिन तक खियावे।* "

सतावल सभा शांतिपूर्ण अउर निहत्था बा , ओकर एकमात्र हथियार बाइबल , परमेश्वर के वचन , आत्मा के तलवार ह , उ खा ली अपना आक्रमणकारी लोग के सामने भाग सकेला। पद 6 "*1260* भविष्यवाणी के दिन " या , इजके के संहिता के अनुसार 1260 वास्तविक साल के दौरान सतावे

वाला पोप के शासन के समय के याद दिलावत बा । 4:5-6 में दिहल गइल बा। ई समय ईसाई आस्था खातिर एगो दर्दनाक परीक्षा के समय ह जवना के सुझाव " *रेगिस्तान* " शब्द के उल्लेख से मिलल बा जहाँ एकर "भगवान के नेतृत्व " कइल जाला। एह तरह से इ प्रकाशितवाक्य 11:3 के " *द्व गो गवाह* " के दुख के साझा करेला। दान में बा। 8:12, एह ईश्वरीय वाक्य के एह तरह से बनावल गइल रहे : " *पाप के कारण सेना के सनातन के साथे मुक्ति दिहल गइल* "; 7 मार्च , 321 से विश्राम के दिन के सम्मान छोड़ के पूरा भइल पाप।

कोष्ठक खोलल : आसमान में लड़ाई

पद 7: " *आ स्वर्ग में युद्ध भइल , माइकल आ ओकर स्वर्गदूत अजगर से लड़ल , आ अजगर आ ओकर स्वर्गदूत लड़ल ,* "

संतन के घोषित रैप्चर एगो अइसन सफाई के हकदार बा जवन आत्मा हमनी के सामने एक तरह के कोष्ठक में पेश करेले। पाप अउर मौत पर यीशु मसीह के जीत के वजह से इ संभव हो जाई। एह जीत के पुष्टि उनकर पुनरुत्थान के बाद भइल , लेकिन आत्मा इहाँ हमनी के बतावेला कि एकर परिणाम स्वर् ग के निवासी लोग खातिर का रहे जे ओह पल तक राक्षस अउर खुद शैतान के संपर्क में रहलन।

बहुत महत्वपूर्ण : ई स्वर्गीय संघर्ष , जवन मनुष्य के आँख से अदृश्य रहे , यीशु द्वारा धरती पर रहला पर कहल गूढ़ शब्दन के अर्थ पर प्रकाश डालत बा। यूहन्ना 14:1-3 में , यीशु कहले बाड़ न : " *तोहनी के दिल परेशान मत होखे। परमेश्वर पर विश्वास करीं , अउर हमरा पर विश्वास करीं। हमरा पिता के घर में बहुत हवेली बा। अगर अइसन ना रहित त हम तोहके बता देतीं। हम तोहनी खातिर* ***एगो जगह तैयार करे खातिर जाइब*** */ अउर अगर हम जाके तोहनी खातिर* ***जगह तैयार करब*** *, त हम फि र से आके तोहके अपना लगे ग्रहण करब , ताकि जहाँ हम बानी , उहाँ तू भी होखब।* " The meaning given to the... एह " ***जगह " के*** " तइयारी " आगे आवे वाला श्लोक में लउकी।

पद 8: " *लेकिन उ लोग ना जीतल , ना ही* ***उनकर जगह*** *स्वर्ग में ना मिलल।* "

एह स्वर्गीय युद्ध के हमनी के पार्थिव युद्धन से कवनो समानता नइखे ; एकरा से तुरंत मौत ना होखेला अवुरी दुनो विरोधी खेमा बराबर ना होखेला। महान सृष्टिकर्ता भगवान जे अपना के महादूत " *माइकल* " के विनम्र आ भ्रातृत्व वाला पहलू में पेश करेला , ऊ अबहियों ऊ सर्वशक्तिमान भगवान हवें जिनका सामने उनकर सभ प्राणी के प्रणाम करे के चाहीं आ आज्ञा माने के चाहीं। शैतान अउर ओकर राक्षस ओह विद्रोही प्राणी में से हवें , जे खाली जबरदस्ती के तहत आज्ञा

मानेला , अउर अंत में , उ विरोध ना कर पावेला अउर माने खातिर मजबूर हो जाला , जब महान परमेश्वर अपना सर्वशक्तिमानता से ओह लोग के स्वर्ग से भगा देला। उनकर पार्थिव सेवा के दौरान , यीशु के दुष्ट स्वर्गदूत लोग से डर लागत रहे जे उनकर बात मानत रहले अउर गवाही देत रहले कि उ वाकई में ईश्वरीय योजना के " *परमेश्वर के बेटा* " *हवें , उनकरा के एह तरह से नामित करके।*

एह श्लोक में आत्मा निर्दिष्ट कइले बाड़न : " *उनकर जगह अब स्वर्ग में ना मिलल* ." परमेश्वर के राज्य में आकाशीय विद्रोही लोग के कब्जा वाला एह " *जगह* " के मुक्त करे के पड़ी ताकि ई आकाशीय राज्य " *शुद्ध* " हो सके अउर " *तैयार* " हो सके कि मसीह के चुनल लोग के ओह दिन पार् थिव विद्रोहियन के खिलाफ उनकर अंतिम लड़ाई के दिन उनकर महिमा में आवे के समय ग्रहण करे। तब होला कि , अपना चुनल लोग के अपना साथे लेके , " ऊ लोग हमेशा ओकरा साथे रही , जहाँ ऊ होखी , " माने कि शुद्ध स्वर्ग में एह तरह से " *तइयार* " ओह लोग के ग्रहण करे खातिर . तब धरती के हिस्सा ओह प्रकार के उजाड़ होई जवना के भविष्यवाणी " *रसातल* " शब्द से कइल गइल बा काहे कि उत्पत्ति 1:2 के बाद से। एह लड़ाई के आलोक में दिव्य उद्धार परियोजना रोशन हो जाला आ उनकर योजना के हर प्रमुख शब्द आपन अर्थ के उजागर करेला। इब्रानियों में उद्धृत एह श्लोकन के भी इहे हाल बा। 9:23: " *एह से ई जरूरी रहे , काहे कि* ***बिम्बन के। " स्वर्ग के चीजन के*** *एह तरीका से* ***शुद्ध करे*** *के पड़ी , ताकि* ***स्वर्ग के चीजन के खुद एह से अधिका बेहतरीन बलिदान से शुद्ध कइल जा सके।*** » एह तरह से , जरूरी " ***अधिक बेहतरीन बलिदान*** " ईसा नाम के मसीहा के स्वेच्छा से मौत के रहे , जवन अपना चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित करे खातिर चढ़ावल गइल रहे , लेकिन सबसे ऊपर , अपना प्राणी खातिर अउर अपना खातिर आकाशीय अउर पार्थिव विद्रोहियन के मौत के सजा देवे के जायज कानूनी अधिकार प्राप्त करे खातिर। एही तर ह से " परमेश्वर के स्वर्गीय *पवित्र स्थान* " *शुद्ध भइल* ", पहिले अउर फिर , विजयी मसीह के वापसी में , इ धरती के बारी होई जवना के उ आपन " *पैर के अड्डा* " के रूप में नामित कइले बाड़न लेकिन यशायाह 66:1-2 में उनकर "पवित्र स्थान " के रूप में ना : " *प्रभु इ कहत हउवें : स् वर्ग हमार सिंहासन ह,* ***अउर धरती हमार गोड़ के आधार ह*** *। हमरा खातिर कवन घर बना सकेनी , भा हमरा के कवना जगह पर रहे के काम कर सकेनी ? ई सब चीज हमरा हाथ से बनल बा , आ ई सब अस्तित्व में आइल बा , याहवेह कहत बाड़न। हम इहे देखब : जे विनम्र आआत्मा में पश्चाताप करे वाला बा , जे हमरा वचन से डेराला।*

":या , इजकि .9:4 के अनुसार , " *घिनौना काम के चलते आह आ रोवे वाला लोग पर* " कइल गइल।

पद 9: " *आ महान अजगर के बाहर निकाल दिहल गइल , ऊ बूढ़ साँप , जेकरा के शैतान आ शैतान कहल जाला , जवन पूरा दुनिया के धोखा देला , ओकरा के धरती पर फेंक दिहल गइल आ ओकर स्वर्गदूत ओकरा साथे बाहर निकाल दिहल गइल।* "

विजयी मसीह द्वारा कइल गइल आध्यात्मिक शुद्धि से सबसे पहिले स्वर्गी य प्राणी के फायदा भइल। ऊ शैतान आउनकर स्वर्गदूत राक्षसन के स्वर्ग से निकाल दिहलन , जेकरा के दू हजार साल खातिर धरती पर " *गिरावल* " *गइल।* एह तरह से शैतान ओकरा व्यक्तिगत रूप से आ ओकर राक्षसन खातिर चुनल संतन आ दिव्य सच्चाई के खिलाफ काम करे खातिर *जवन "समय " बाचल बा , ओकरा के जानत बा।*

नोट : यीशु ना खाली मानवता के सामने परमेश्वर के चरित्र के प्रकट कइलन , उ ओह लोग के एह दुर्जेय चरित्र , शैतान से भी परिचय करवले , जेकरा बारे में पुरान वाचा में बहुत कम कहल गइल रहे , जवना से उ लगभग अनजान रह गइलन। जब से ईसा के शैतान पर जीत भइल बा , तब से दुनो खेमा के बीच लड़ाई तेज हो गईल बा , काहे कि उ राक्षसन के ही कैद हो गईल बा जवन अब धरती पर आहमनी के पूरा स्थलीय आयाम में आदमी के बीच अदृश्य रूप से रहेला , जवना में आकाश में ग्रह आतारा शामिल बाड़े। हमनी के स्थलीय आयाम में ईहे एकमात्र अलौकिक जीव ह वें।

हमरा इहाँ याद करे के पड़ी कि भगवान के परिकल्पना कइल कार्यक्रम के समग्र बचाव परियोजना के सही समझ उनुका चुनल लोग खातिर आरक्षित एगो विशेष विशेषाधिकार ह। काहे कि , झूठा आस्था के एह बात से पहचानल जाला कि ओकरा परियोजना के व्याख्या में ऊ हमेशा गलती होला . एकर प्रदर्शन तब से भइल बा जब से मसीहा के देवे वाला यहूदी लोग पवित्र शास्त्र में भविष्यवाणी कइले रहे कि शारीरिक मुक्ति ले आवे के भूमिका बा , जबकि परमेश्वर खाली आध्यात्मिक मुक्ति के योजना बनवले रहले ; कि पाप के। ठीक ओइसहीं आज झूठा मसीही विश्वास ईसा मसीह के वापसी , उनकर राज्य आधरती पर उनकर शक्ति के स्थापना के इंतजार करत बा ; अइसन चीजन के जवन परमेश्वर अपना कार्यक्रम में नइखन रखले जइसन कि उनकर भविष्यवाणी वाला प्रकाशितवाक्य हमनी के सिखावेला। एकरा उलट उनकर गौरवशाली आगमन उनकर जीवन के अंत के निशानी होई जवन उनकर पाप अउर उन करा प्रति उनकर सब अपराध के वाहक बनल बा।

मसीह के चुनल आदमी जानत बा कि मुक्त जीवन के शुरुआत स्वर्ग में भइल रहे अउर उनकर प्रेम अउर

न्याय के सही प्रदर्शन खातिर जरूरी पार्थिव अंतराल के बाद , सृष्टिकर्ता परमेश्वर अपना प्राणी के जीवन के लंबा करीहें जे स्वर्ग अउर धरती पर , अनन्त काल खातिर अपना आकाशीय रूप में वफादार रहलन। आकाशीय आ पार्थिव विद्रोहियन के तब न्याय , नष्ट आसफाया हो गइल होई।

<u>स्वर्ग के राज्य मुक्त हो गइल बा</u>

पद 10: " *हम स्वर्ग में एगो जोरदार आवाज सुननी कि , अब उद्धार , ताकत , अउर हमनी के परमेश्वर के राज्य अउर उनकर मसीह के शक्ति आगईल बा* ।

ई " *अब* " 7 अप्रैल के तारीख , 30 तारीख के निशाना बनावेला , जवन बुधवार , 3 अप्रैल के बाद के हफ्ता के पहिला दिन ह , जवना में , क्रूस के स्वीकार करत , यीशु शैतान , पाप अउर मौत के हरा दिहले। हफ्ता के ओह पहिला दिन उ मरियम से घोषणा कईले कि " *हमरा के मत छुव ; हम अभी तक अपना पिता के लगे नईखी चढ़ल* । " उनकर जीत के अबहियों स्वर्ग में आधिकारिक बनावे के रहे , आ तब से , अपना दिव्य सर्वशक्तिमानता में , अपना दोबारा खो जल स्वर्गदूत नाम " *माइकल* " के तहत , ऊ शैतान आ अपना राक्षसन के स्वर्ग से भगा दिहले। एह उद्धरण पर ध्यान दिहल जरूरी बा " *हमनी के भाई लोग के आरोप लगावे वाला , जे दिन रात हमनी के भगवान के सामने ओह लोग पर आरोप लगावत रहे* ." ई हमनी के भगवान के खेमा के अपार सार्वभौमि क भाईचारा के खुलासा करेला , जवन विद्रोही खेमा के आपन अस्वीकार धरती के चुनल लोग के साथे साझा करेला। ई " *भाई* " के हवें ? स्वर्ग में आधरती पर जे लोग , अय्यूब जइसन , जेकरा के आंशिक रूप से शैतान के सौंप दिहल जाला ताकि ऊ साबित कर सके कि उनकर " <u>आरोप</u> " बेबुनियाद बा।

पद 11: " *उ लोग मेमना के खून से अउर अपना गवाही के वचन से उनकरा पर विजय प्राप्त कइलन , अउर उ लोग अपना जान से मौत तक प्रेम ना कइलन।* "

स्मर्ना " *युग* के संदेश में मिलेला , अउर इ संदेश यीशु मसीह द्वारा उनकर गौरवशाली वापसी तक के सभ भविष्यवाणी कइल गइल युग खातिर विश्वास के मानक के संकेत देला।

माइकल " के जीत , हमनी के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के स्वर्गीय ईश्वरीय नाम , मत्ती में कइल गइल उनकर गंभीर घोषणा के जायज ठहरावेला। 28:18-20: " *यीशु आके उनकरा से कहले , '* ***<u>स्वर्ग अउर धरती के सब अधिकार हमरा के दिहल गईल बा</u>*** *। एह से जाके सब जाति के चेला बनाईं , उनकरा के पिता अउर बेटा अउर पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा दीं , उ लोग के सिखाईं कि हम रउवां के हर आज्ञा के पालन करस। आदेखऽ , हम हमेशा रउवां के साथे बानी , युग के अंत तक।* ""

एह तरह से , अपना पहिला वाचा के नींव पर , परमेश्वर मूसा के सामने हमनी के पार्थिव आयाम के उत्पत्ति के इतिहास के प्रकट कइलन , लेकिन इ खाली हमनी के बा जे मानवता के अंतिम दिन में जी रहल बानी जा कि उ अपना वैश्विक उद्धार योजना के समझ के प्रकट कइले बाड़न , सांसारिक पाप के अनुभव के कोष्ठक के बंद करके जवन अंत में , छह हजार साल तक चलल होई। एह से हमनी के परमेश्वर के साथे उनकर सब विश्वासी स्वर्गीय अउर पार्थिव चुनल गइल लोग के अनन्त मिलन के उम्मीद साझा करेनी जा। एह से चुनल लोग के सौभाग्य बा कि हमनी के ध्यान बारी -बारी से स्वर्ग आ ओकरा निवासी लोग के ओर मोड़ल जाव। काहे कि अपना ओर से , उ लोग चुनल लोग के भाग्य अउर हमनी के पार्थिव इतिहास में रुचि ना छोड़ले बाड़े , सृष्टि से लेके दुनिया के अंत तक, जईसे कि 1 कुरिन्थियों में लिखल बा। 4:9: " *काहेकि हमरा इ लागत बा कि परमेश्वर हमनी के अंतिम समय में प्रेरित कइले बाड़न , एक तरह से मौत के सजा पा चुकल बानी , काहे कि* ***<u>हमनी के दुनिया , स्वर्गदूत</u>*** *आआदमी खातिर तमाशा बन गइल बानी जा ।* "

<u>जमीन के हालत खराब हो रहल बा</u>

पद 12: " *एह से हे आकाश आ ओहमें रहे वाला लोग , हर्षित होखऽ , धरती आ समुंदर के हाय , काहेकि शैतान तोहनी के पास बहुत क्रोधित होके उतरल बा , काहेकि ऊ जानत बा कि ओकरा लगे समय कम बा।* "

" *स्वर्ग के निवासी* " सबसे पहिले मसीह के जीत में " *आनन्दित* " *भइले।* बाकिर एह खुशी के समकक्ष बा " *धरती* के निवासी " खातिर " *हाय* " *के तेज होखल* . काहे कि शैतान जानत बा कि ओकरा के छूट मिलला पर मौत के सजा सुनावल गइल बा , आ ओकरा लगे " *कम समय* " बा कि ऊ अपना उद्धार के योजना के खिलाफ काम कर सके . धरती पर सीमित राक्षसी शिविर द्वारा 2000 साल तक कइल गइल काम सब यीशु मसीह द्वारा अपना प्रकाशितवाक्य या प्रलय में प्रकट कइल गइल बा। इहे एह रचना के विषय बा जवन हम रउआ सभे खातिर लिखत बानी। आ 2018 से , ईसा मसीह के चुनल लोग शैतान के बहकावे के काम खातिर आरक्षित समय के अंत के ई ज्ञान साझा करत बा ; ई 2030 के बसंत में ओह लोग के दि व्य गुरु के गौरवशाली वापसी के साथ खतम हो जाई। एह विषय के कोष्ठक के समापन पद 12 से होला।

आसमान में लड़ाई के कोष्ठक बंद करत

नेतृत्व होखे वाली महिला के विषय के फिर से शुरू रेगिस्तान में भइल

पद 13: “ *जब अजगर देखलस कि ओकरा के धरती पर फेंक दिहल गइल बा , त ऊ ओह औरत के सतावलस जवन नर बच्चा पैदा कइले रहे।* ”

ई कोष्ठक आत्मा के पद 6 के पोप के शासन के विषय पर वापस आवे के अनुमति देला एह श्लोक में " *अजगर* " शब्द अबहियों खुद शैतान शैतान के संदर्भित करेला। बाकिर " *औरत* " के खिलाफ उनकर लड़ाई रोमन कार्रवाई से होला , क्रमशः शाही , फिर पोप के।

पद 14: “ *औरत के एगो बड़हन चील के द्व गो पाँख दिहल गइल , ताकि ऊ जंगल में उड़ सके , अपना जगह पर , जहाँ ऊ साँप के चेहरा से कुछ समय खातिर , आ समय आ आधा समय खातिर पोसल जाले।* ”

एह श्लोक 14 में , उ पोप के शासन के अवधि के "साढ़े तीन साल " के रूप में संकेत करके संदेश के फिर से शुरू करेलन , " *एगो समय , समय , अउर आधा समय* ," जवन पहिले से ही दान में इस्तेमाल कइल गइल बा। 7:25 के बा। एह दोहराव में घटना के कालक्रम में नया विवरण सामने आई। एगो विस्तार से ध्यान देवे के होई : पद 4 के " *अजगर* " के जगह " *नाग* " ओही तरह से लिहल गईल बा जईसे पद 3 के " *अजगर* " के जगह " *पूंछ* " लगावल गईल बा। " *साँप* *आ पूंछ* " शब्द हमनी के सक्रिय रणनीति के बदलाव के खुलासा करेला जवन भगवान , " *महान चील* " शैतान आ ओकर राक्षसन में प्रेरित करेलें। " *अजगर* " के खुला आक्रामकता के बाद " *साँप* " के धूर्त आ धार्मिक झूठ के बाद आवेला , जवन 1260 भविष्यवाणी कइल साल के पोप के शासन से पूरा होला। " *साँप* " के उल्लेख से परमेश्वर हमनी के मूल पाप के परिस्थिति से तुलना के सुझाव देवे के अनुमति देला। ठीक ओसहीं जइसे हव्वा के " *साँप* " से बहकावल गइल रहे जवना के माध्यम से शैतान आपन अभिव्यक्ति देत रहे ; मसीह के " *औरत* ," " *दुल्हिन* ", ओह झूठ शब्दन के परीक्षा के शिकार हो जाले जवन शैतान ओकरा सोझा पोप के रोमन कैथोलिक धर्म के अपना एजेंटन के " *मुँह* " *के माध्यम से पेश करेला।*

पद 15: “ *आ साँप ओह औरत के पीछे बाढ़ नियर पानी निकाल दिहलस , ताकि ऊ ओकरा के जलप्रलय से ले जा सके।* ”

पद 15 में कैथोलिक उत्पीड़न के चित्रण कइल गइल बा जवना के काफिर ईसाई विश्वास के सामना करे के पड़ेला ; जइसे " *नदी* के *पानी* " जवन अपना पहुँच में मौजूद हर चीज के " *घसीटत* " *ले जाले।* रोमन कैथोलिक पोप के " *मुँह* " अपना धार्मिक विरोधियन का खिलाफ आपन कैथोलिक , कट्टर आ क्रूर लीग शुरू कर दिहले बा . एह कार्रवाई के सही उपलब्धि बिशप ले टेलियर के सलाह पर लुई चौदहवाँ द्वारा "ड्रैगन " के कोर के निर्माण बा। शांतिपूर्ण प्रोटेस्टेंट प्र तिरोध के पीछा करे खातिर बनावल गइल एह सैन्य निकाय के लक्ष्य रहे कि मसीह के सगरी कमजोर आ नम्र चुनल लोग के अपना

हठधर्मिता में "*घसीट के ले जाए* ", ओह लोग के कैथोलिक धर्म में बदले भा कैद में ले जाए भा भयानक दुर्व्यवहार आयातना के बाद मौत के बीच में से चुने के मजबूर कइल।

पद 16: " *आ धरती ओह औरत के मदद कइलस, आ धरती ओकर मुँह खोल के ओह नदी के निगल गइल जवन अजगर अपना मुँह से निकाललस।* "

आत्मा हमनी के एह एकल श्लोक खातिर दू गो ओवरलैपिंग व्याख्या पेश करेले। ध्यान दीं कि "*औरत* " आ "*पृथ्वी* " इहाँ दू गो अलग-अलग इकाई हवें, आ "*पृथ्वी* " प्रोटेस्टेंट आस्था भा शाब्दिक धरती, हमनी के ग्रह के माटी के प्रतीक हो सकेले। एह से एह श्लोक के दू गो व्याख्या मिल जाई जवन ईश्वरीय प्रकाशितवाक्य में कालक्रम से एक दूसरा के पालन करेला।

1st संदेश : झूठा पशु प्रोटेस्टेंट धर्म : कालक्रम से, पहिला, "*महिला* " सुधार के शांतिपूर्ण प्रोटेस्टेंट लोग के चित्रात्मक बिबरन से मेल खाला जिनहन के आधिकारिक "मुँह " (1517 में मार्टिन लूथर के) कैथोलिक पाप के निंदा कइलस; जवन ओह लोग के नाम के जायज ठहरवलसि : "प्रोटेस्टेंट " भा, ऊ लोग जे कैथोलिक धार्मिक अन्याय के विरोध करेला जवन भगवान के खिलाफ पाप करेला आ उनकर सच्चा सेवकन के मार देला. प्रोटेस्टेंट धर्म के एगो अउरी पाखंडी घटक जेकर प्रतीक "*धरती* " शब्द से भी कैथोलिक आस्था के निंदा करे खातिर आपन "*मुँह* " खोललस, बाकी ई हथियार उठा लिहलस आएकर हिंसक प्रहार "*निगल गइल* " कैथोलिक लीग के सेनानी लोग के एगो महत्वपूर्ण हिस्सा। इहाँ "*पृथ्वी* " शब्द मशहूर "ह्यूगुएनोट ", सेवेन के प्रोटेस्टेंट सेनानी लोग के प्रतीक हवे आ "धर्मन के लड़ाई " के दौरान ला रोशेल नियर सैन्य गढ़ सभ के प्रतीक हवे जेह में लड़ाकू लोग के दुनों बिपरीत समूह द्वारा भगवान के ना त सेवा कइल गइल आ ना सम्मान कइल गइल।

2nd संदेश : फ्रांसीसी राष्ट्रीय नास्तिकता के बदला लेवे वाली तलवार । दूसरा पाठ में, आकालक्रम से, एह श्लोक 16 से पता चलेला कि कइसे फ्रांसीसी क्रांति कैथोलिक राजतंत्रन के पोप के आक्रामकता के पूरा तरह से अपना चपेट में ले ली। इहे एह श्लोक के मुख्य संदेश बा। आ उहे ह जवन भगवान "4वाँ " के भूमिका में देले "*तुरही* " प्रकाशितवाक्य 8:12 के, अउर प्रकाशितवाक्य 11:7 के "*अथाह गड्ढा से चढ़े वाला जानवर* ", लेवी 26:25 के उपमा में, ई आवेला, परमेश्वर कहत हउवें, "*तलवार के तरह, **हमरा** वाचा के बदला लेवे खातिर " जवना के विद्रोही कैथोलिक पापी लोग धोखा देले रहे। इ मूर्ति* गिनती 11:7 में विद्रोही "*कोरह* "

के सजा पर आधारित बा। 16:32: " ***धरती आपन मुँह खोललस*** , *अउर ओह लोग के अउर उनकर घरन के , कोरह के सब लोग अउर उनकर सब माल के साथे निगल गईल।* "

ड्रैगन* के अंतिम दुश्मन : *महिला के* एडवेंटिस्ट *अवशेष

पद 17: " *अजगर ओह औरत से गुस्सा में आके ओकर वंश के बचे वाला लोग से लड़ाई करे चल गईल , जवन परमेश्वर के आज्ञा के पालन करेला अउर यीशु मसीह के गवाही पावेला।* "

5वां तुरही " के विषय , आत्मा शैतान आ ओकर स्वर्गीय आसांसारिक दासी लोग के आखिरी सांसारिक लड़ाई के उकसावत बा , आऊ हमनी के ओह लोग के साझा नफरत के निशाना देखावत बा। इ अंतिम लक्ष्य चुनल लोग होई , 1873 के एडवेन्टिस्ट अग्रगामी लोग के अंतिम वंशज अउर वारिस जेकरा के प्रकाशितवाक्य 3:10 के अनुसार इ आखिरी परीक्षा के घोषणा कईल गईल रहे । अग्रदूत जिनकर मिशन ऊ लोग पूरा करी , आपन उहे दिव्य आशीर्वाद सहत . ओह लोग के दृढ़ता से अउर निष्ठा से ओह काम के समर्थन करे के पड़ी जवन यीशु उ लोग के सौंपले रहले : कवनो भी तरीका से " *जानवर के निशान* " यानी रोमन अतवार के सम्मान करे से मना कईल , निष्ठा से अउर जवन भी कीमत होखे , सब्त के आराम के अभ्यास के , शनिवार के दौरान , सप्ताह के सच्चा सातवाँ दिन , महान अउर सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता परमेश्वर द्वारा आयोजित अउर स्थापित समय के। इहे सच्चाई ह जवन एह श्लोक में " *औरत के वंश के अवशेष* " के एह *वर्णन में आवेला* : " *जे परमेश्वर के आज्ञा के पालन करेला* ," दस लोग ना कि नौ ; " *आ जे यीशु के गवाही के मजबूती से पकड़ले बाड़े* ," काहे कि उ लोग केहू के गवाही के अपना से ना लेवे देला ; ना त " *अजगर* ," ना " *नाग* " . अउर इ " *यीशु के गवाही* " अस्तित्व में सबसे कीमती चीज ह , काहे कि , प्रकाशितवाक्य 19:10 के अनुसार , " *यीशु के गवाही भविष्यवाणी के भावना ह* । " इहे भविष्यवाणी के गवाही ह जवन मसीह , सच्चाई के परमेश्वर के *बहुत चुनल लोग के बहकावल* " *शैतान खातिर असंभव बना देले बा , जईसे कि मत्ती 10:10 /* 24:24 सि खावेला : " *काहेकि झूठा मसीह अउर झूठा भविष्यवक्ता पैदा हो जइहें , अउर बड़हन चमत्कार अउर चमत्कार करीहें , ताकि* ***अगर हो सके त*** *चुनल* ***लोग के बहकावल जा सके*** */* "

शैतान के एगो जीत लगभग ... पूरा हो गईल

पद 18: " *आऊ समुंदर के बालू पर खड़ा हो गइलन।* "

ओहसब ईसाई धार्मिक संस्थानन के घसीटे में सफल हो गइल बा जवना पर ऊ हावी बा आ अपना अधिकार में राखेला . ईसा में बा। 10:22, परमेश्वर घोषणा करेलन : "

भले ही तोहार लोग इस्राएल समुंदर के बालू नियर होखे , लेकिन खाली एगो अवशेष वापस आजाई ; विनाश तय बा , उ न्याय से उमड़ जा ई। " एह तरह से , एह भविष्यवाणी के अनुसार , दुनिया के अंत में , खाली असहमत एडवेन्टिस्ट , " *औरत के अवशेष* ," " *चुनल आदमी , मसीह के दुल्हिन* ," अउर *आध्यात्मिक "इस्राएल* " के गठन भगवान , एह शैतानी वर्चस्व से बची। हम रउवां के याद दिलावत बानी कि "एडवेंटिस्ट " नाम के तहत , आत्मा 1843 के बाद से अंतिम चुनल लोग के उद्धार खातिर विश्वास के मानक के परिभाषित करेला ; 2020 में ई एगो धार्मिक व्यवहार ह , बाकिर अब अइसन संस्था ना रह गइल जवना के भगवान 1994 में न्याय कइले , निंदा कइले , आ खारिज कर दिहले (" *उल्टी* ")।

प्रकाशितवाक्य 13 : मसीही धर्म के झूठा भाई लोग

समुंदर से आइलजानवर – भूमि से आइलजानवर

13 नंबर अंधविश्वासी मूर्तिपूजकन खातिर हर आदमी आदेश के राय के आधार पर एगो भाग्यशाली आकर्षण भा अभाग्य के आकर्षण के प्रतिनिधित्व करेला . इहाँ , अपना गौरवशाली प्रकाशितवाक्य में , परमेश्वर हमनी के आपन संख्या के कोड प्रकट करेलन , जवन 1 से 7 तक के संख्या अउर उनकर अलग-अलग संयोजन के आधार पर बा। 13 संख्या "6" संख्या - शैतान स्वर्गदूत के संख्या - आ संख्या "7", भगवान के संख्या आ एह से ईसा मसीह में सृष्टिकर्ता परमेश्वर के वापस दिहल गइल वैध धर्म के जोड़ला से मिलल बा। एह तरह से हमनी के एह अध्याय में "मसीही धर्म के झूठा भाई " लेकिन सच्चा चुनल लोग

के सच्चा नश्वर दुश्मन मिल जाई। ई " *तार* " धोखा देवे वाला धार्मिक रूप के नीचे " *अच्छा अनाज* " के बीच लुकाइल बा जवना के ई अध्याय उजागर करत बा।

पहिला *जानवर* : जवन *समुंदर से उठत बा*
अजगर-नाग के पहिला लड़ाई

पद 1: " *हम एगो जानवर के समुंदर से उठत देखनी , जवना के* ***दस सींग आसात गो सिर रहें*** , *आ****ओकरा सींग पर दस गो मुकुट बा*** , *आ****ओकरा माथा पर निंदा के नाम दिहल गइल बा*** ."

हमनी के युग के दू गो तथाकथित ईसाई " *जानवर* " *मिलेला।* पहिला , " *जवन समुंदर से उठत बा* ," जइसे कि दान में। 7:2, कै थोलिक विश्वास अउर " *42 भविष्यवाणी महीना* ," या 1260 वास्तविक साल के ओकर सतावे वाला शासन से संबंधित बा। दान में एकरा से पहिले के साम्राज्य के प्रतीक के लेके। 7, हमनी के " *छोट सींग* " के शासन पावेनी जा जवन " *दस सींग* " के दान के अनुसार आपन राज्य मिलला के बाद प्रकट होखे वाला रहे। 7:24 के बा। " *दस सींग* " *पर लगावल* " *मुकुट* " से पता चलेला कि इहे ऐतिहासिक संदर्भ के निशाना बनावल जाला। इहाँ पोप के रोम के प्रतीक " *सात गो सिर* " बा जे एकर बिसेस रूप से दोहरी अर्थ में बिसेसता हवे। जेतना शाब्दिक बा उ " *सात पहाड़ी* " के ह जवना पर रोम के निर्माण प्रकाशितवाक्य 17:9 के अनुसार बा। दूसरा , अधिका आध्यात्मिक , प्राथमिकता देला ; " *सात गो सिर* " अभिव्यक्ति मजिस्ट्रेट के पवित्रीकरण के बतावे ला : " *सात* " पवित्रीकरण के संख्या हवे , आ" *सिर* " ईसा में मजि स्ट्रेट भा बड़का के बतावे ला। 9:14 के बा। एह श्रेष्ठ मजिस्ट्रेट के श्रेय पोप के रोम के दिहल जाला काहें से कि ई अपना के एगो स्वतंत्र राज्य के रूप में पेश करे ला , सिविल आ धार्मिक दुनों , जेकर प्रमुख पोप होला। आत्मा निर्दिष्ट करत बा : " *आओकरा माथा पर निंदा के नाम बा* ." " *निंदा* " शब्द एकवचन में बा आहमनी के अनुवाद करे के चाहीं : " *झूठ के नाम* ," " *निंदा* " शब्द के अर्थ के अनुसार . ईसा मसीह रोमन पोप शासन पर " *झूठ* " *के आरोप लगावेलें। एह से उ एकरा के* " *झूठ के पिता* " के उपाधि देवेलन जवना से उ शैतान के नामित कइले बाड़न , खुद शैतान के यूहन्ना 8:44 में : " ***रउवां अपना पिता शैतान के हईं*** , *अउर रउवां अपना पिता के इच्छा के काम करे के चाहत बानी। उ शुरू से ही हत्यारा रहलन , अउर सच्चाई में ना रहेलन , काहे कि उनकरा में कवनो सच्चाई नइखे। जब उ झूठ बोलेला , त उ आपन बात कहेला ;* ***काहे कि उ ह एगो झूठा आ. झूठ के बाप के बा*** .

पद 2: " *जवन जानवर हम देखनी उ* ***तेंदुआ निहन रहे , ओकर गोड़ भालू*** *के गोड़ निहन रहे , अवुरी ओकर मुँह* ***शेर*** *के मुंह निहन रहे , अवुरी अजगर ओकरा के आपन शक्ति अवुरी आपन सिंहासन अवुरी बहुत अधिकार दे देलस। "*

दान के " *चउथा जानवर "।* 7:7, जेकरा के " *भयानक , भयावह , अउर बेहद मजबूत* " कहल जाला , इहाँ अउरी सटीक वर्णन मिलल बा। दरअसल , अकेले एह में कल्दी साम्राज्य के बाद से एकरा से पहिले के तीनों साम्राज्य के मापदंड प्रस्तुत कइल गइल बा। एकरा में " *तेंदुआ* " के चपलता , " *भालू* " के कुचलल शक्ति आ" *शेर* " के क्रूर मांसाहारी ताकत बा . प्रकाशितवाक्य 12:3 में , पद 3 के " *अजगर* ", जहाँ " *मुकुट* " " *सात सिर* " पर रहे , रोम के ओकर बुतपरस्त शाही चरण में प्रतिनिधित्व करत रहे , जवन पहिला मसीही लोग के सतावत रहे। एह तरह से , ठीक ओसही जइसे दान के " *छोट सींग* "। 7:8-24 दा न के बाद आवेला। 8:9, इहाँ , पोप के सत्ता रोमन साम्राज्य से मिलेला ; जवना के इतिहास 533 (लेखन) आ538 (अनुरोध) में जस्टिनियन प्रथम के कारण शाही फरमान से पुष्टि करेला। लेकिन , सावधान रहीं ! " *अजगर* " प्रकाशितवाक्य 12:9 में " *शैतान* " के भी संदर्भित करेला , जवना के मतलब बा कि पोप के पद के आपन शक्ति , " *आपन ताकत , आपन सिंहासन अउर आपन महान अधिकार* " खुद शैतान से मिलेला। हमनी के समझ सकेनी जा कि भगवान दुनो सत्ता के " *झूठ के पिता* " काहें बनावेले , पिछला श्लोक में।

नोट : सैन्य स्तर पर पोप के रोम अपना साम्राज्यवादी रूप के ताकत आ शक्ति के बरकरार रखले बा , काहें से कि यूरोपीय शाही सेना एकर सेवा करे लीं आएकरे फैसला के संतुष्ट करे लीं। दान के रूप में। 8:23 से 25 सिखावेला , एकर ताकत " *ओकर चाल के सफलता* " पर टिकल बा जवन धरती पर परमेश्वर के प्रतिनिधित्व करे के दावा करे में शामिल बा , अउर एही से , मसीह के सुसमाचार में प्रस्तावित अनन्त जीवन के पहुँच के खोले या बंद करे में सक्षम होखे के : " *उनकर प्रभुत्व के अंत में , जब पापी लोग के भस्म हो जाई , त* ***एगो राजा पैदा होई जे बेशर्म आचालाक हो जाई । उनकर शक्ति बढ़ी , लेकिन उनकर आपनशक्ति से ना*** ;

1260 के दशक के अंत में फ्रांसीसी क्रांति के नास्तिकता 538 से स्थापित निरंकुश शक्ति के अंत कर दिहलस |

पद 3: " *हम ओकर एगो सिर देखनी जइसे कि ऊमौत के घाव हो गइल बा , आओकर जानलेवा घाव ठीक हो गइल* ।

अपना इति हास में कबो पश्चाताप ना कइले , जबरन पोप के मजिस्ट्रेट के आपन उत्पीड़न करे वाला

सत्ता के त्याग करे के रहे। ई काम 1792 से पूरा होखे के रहे जब राजतंत्र , एकर सशस्त्र समर्थन , के फ्रांसीसी नास्तिकता से उखाड़ फेंकल गइल आ सिर काट दिहल गइल। जइसन कि प्रकाशितवाक्य 2:22 में घोषणा कइल गइल बा , ई नास्तिक " *महान संकट* " " *महिला ईजेबेल* " के रोमन धार्मिक शक्ति के सफाया कइल चाहत रहे अउर एकर निशाना " *उ लोग रहे जे ओकरा साथे व्यभिचार करेला* "; राजकुमार , राजतंत्रवादी आ कैथोलिक पादरी लोग के नाम से जानल जाला। एही तरे उनुका " *जइसे जानलेवा रूप से घायल हो गइल होखे* " होखे के रहे। बाकिर अवसरवादी कारण से सम्राट नेपोलियन प्रथम 1801 में उनुका के अपना कॉनकोर्डैट के नाम पर बहाल कर दीहें ·उ फेर कबो सीधा प्रताड़ित ना करीहे। लेकिन एकर मोहक शक्ति कैथोलिक विश्वासियन के भीड़ खातिर जारी रही जवन सब यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी तक एकर झूठ अउर एकर दावा पर विश्वास करी : " *आ पूरा धरती जानवर के प्रशंसा में रहे* ." " *पूरा धरती जानवर के पीछे चलल* ," आई शब्द *धरती* , दोहरा अर्थ में , ग्रह से संबंधित बा , लेकिन सुधारल प्रोटेस्टेंट विश्वास के भी जवन ओकरा से निक लल बा। तब से भइल विश्वव्यापी गठबंधन (= स्थलीय , ग्रीक में) एह घोषणा के पुष्टि करे ला। अगर आत्मा एह संदेश के साफ भाषा में व्यक्त कइल चाहत रहित त हमनी के पढ़ले रहतीं जा : " *पूरा* प्रोटेस्टेंट धर्म के *पालन कइलस* असहिष्णु कैथोलिक धर्म ." एह कथन के पुष्टि एह अध्याय 13 के पद 11 में दूसरा " *जानवर* " के अध्ययन से होई जवन अबकी बेर " *धरती से उठत बा* "।

पद 4: " *उ लोग अजगर के पूजा कइल, काहे कि उ जानवर के अधिकार देले रहे , अउर उ लोग ओह जानवर के पूजा कइल कि , "पशु के जइसन के ह, अउर के ओकरा से लड़ाई करे में सक्षम बा ?* ""

शाही रोम आ शैतान दुनों के नामित करत , प्रकाशितवाक्य 12:9 के अनुसार , *अजगर* , एह से खुद *शैतान* , पोप के शासन के सम्मान करे वाला लोग द्वारा *पूजल जाला* ; ई निहितार्थ से आपूरा अज्ञानता में , काहे कि उहे ह जे " *आपन शक्ति जानवर के देले बा* ." एह तरह से पोप के " *उद्यम के सफलता* " दान में भविष्यवाणी कइले रहे। 8:24 के पुष्टि इतिहास से हो रहल बा। ई अपना धार्मिक शक्ति से राजा लोग से ऊपर राज करे ला , बिल्कुल तरीका से , लंबा समय से बिना बिरोध के। ई जमीन आसम्मान ओह लोग के उपाधि से आवंटित करेला जे एकर सेवा करेला ओकरा के इनाम देबे खा तिर , जइसन कि हमनी का दान में पढ़ सकेनी जा . 11:39: " *ऊ परदेसी देवता के साथ ही किलाबंदी वाला जगहन के खिलाफ काम करीहें ; आओकरा के स्वीकार करे वाला लोग के आदर से भर दीहें , ऊ ओह लोग के बहुत लोग पर राज कर दीहें , **ऊ ओह लोग के***

इनाम के रूप में जमीन बाँट दीहें." ई शाब्दिक रूप से जानल -मानल तरीका से पूरा भइल जब पोप अलेक्जेंडर छठवाँ बोर्गिया (एक ठो कुख्यात हत्यारा) 1494 में पृथ्वी के बँटवारा कइलें आ ब्राजील आ भारत के पूरबी छोर के पुर्तगाल के सौंप दिहलें आबाकी सगरी नया खोजल जमीन स्पेन के सौंप दिहलें। आत्मा के जिद बा। **ईसा मसीह के चुनल लोग के पूरा तरह से विश्वास होखे के चाहीं कि कैथोलिक विश्वास शैतानी ह, आउनकर सगरी आक्रामक भा मानवतावादी काम भगवान के विरोधी आचुनल लोग शैतान के निर्देशन में बा .** ई जिद जायज बा काहे कि ऊ दान में भविष्यवाणी कइले बाड़न . 8:25, "*उनकर उद्यमन के सफलता आ उनकर चालबाजी के सफलता* ." यूरोप के राजा , ताकतवर आईसाई लोग द्वारा मान्यता दिहल गइल इनके धार्मिक अधिकार इनके बिस्वास पर आधारित प्रतिष्ठा देला , आएह कारन वास्तविकता में ई बेहद नाजुक बाड़ें। बाकिर जब भगवान आ शैतान दंडात्मक कार्रवाई खातिर एकजुट हो जा लें त भीड़ , लोग के मानव जनसमूह नम्रता से ओह झूठ राह पर चलेला जवना के पता लगावल गइल बा आसबले बढ़ के थोपल गइल बा . धरती पर सत्ता सत्ता के जरूरत होला , काहे कि लोग अपना के ताकतवर महसूस कइल पसंद करेला आएह क्षेत्र में भगवान के प्रतिनिधित्व करे के दावा करे वाला पोप के शासन एह विधा के मास्टर बा . जइसे कि प्रकाशितवाक्य 6 में , विषय एगो सवाल उठावेला : "*जानवर जइसन के ह, अउर के ओकरा खिलाफ लड़ सकेला* ?" अध्याय 11 अउर 12 में एकर जवाब दिहल गइल : मसीह में भगवान , जे 1793 में फ्रांसीसी क्रांतिकारी नास्तिकता के जगावत रहले जवन ओकरा के खून के पानी के झोंका में लिप्त कर दिही। लेकिन जब तक एह "*बदला लेवे वाला तलवार* " (लेवी 26:25 में 4वां सजा के जिम्मेदार ठहरावल गईल भूमिका) के प्रकट होखे तक , हथियारबंद प्रोटेस्टेंट लोग एकरा से पहिलही से लड़त रहे , बिना एकरा के हरा पवले। पुरुष , प्रोटेस् टेंट , फ्रेंच आ जर्मन , आ एंग्लिकन , सभे जेतना कठोर रहे , 16वीं सदी से एकरा से लड़त रहे , एकर घातक प्रहार वापस करत रहे , काहे कि ओह लोग के आस्था , सबले बढ़ के , राजनीतिक रहे।

पद 5: " *ओकरा के एगो मुँह दिहल गइल जवन बड़का बात आ निंदा करे , आ ओकरा के बयालीस महीना तक रहे के अधिकार दिहल गइल।* "

ई शब्द हमनी के दान में पढ़ल शब्दन से मिलत जुलत बा। 7:8 रोमन पोप के "*छोट सींग* " *के बारे में जवन* यूरोपीय राज्यन के "*दस सींग* " *के बाद उठेला। इहाँ हमनी के उनकर* "*अहंकार* " मिलेला लेकिन इहाँ आत्मा ओकरा में "*निंदा* " यानी झूठा ढोंग आधार्मिक झूठ के जोड़ देला जवना पर "*उनकर सफलता* " बनल रहे। भगवान

बाइबिल के भविष्यवाणी रूप में प्रस्तुत " *1260* " *वास्तविक साल के अपना शासन के पुष्टि करेलन* " *बयालीस महीना* ", इजकिएल के कोड " *एक दिन खातिर एक दिन* " *के अनुसार।* 4:5-6 में दिहल गइल बा।

पद 6: " *उ* ***परमेश्वर के निंदा करत आपन मुँह खोलली*** , *उनकर नाम , उनकर तम्बू अउर स्वर्ग में रहे वाला लोग के निंदा करे खातिर।* "

निंदा ," यानी अपमान शब्द के देवेले । ई अवधारणा भ्रामक बा काहें से कि झूठ के नामित करत " *निंदा* " अपमान के रूप बिल्कुल ना लेला आरहल बात ओह लोग के जवना के भगवान पोप रोम के आरोप लगावेलें , एकरा उलट एकरा में झूठा आ धोखा देवे वाला पवित्रता के रूप बा।

पोप के मुँह " ***भगवान के निंदा करेला*** "; जवन दान में एकर पहचान के पुष्टि करेला । 11:36 जहाँ हमनी के पढ़ सकेनी जा : " *राजा जवन चाहत बा उ करीहें ; ऊ अपना के सभ देवता लोग से ऊपर उठाई आ अपना के महिमा करीहें ,* ***आ देवता लोग के भगवान के खिलाफ अविश्वसनीय बात करीहें*** *; ऊ तब तक समृद्ध होई जब तक कि क्रोध पूरा ना हो जाई , काहे कि जवन निर्धारित बा उ पूरा हो जाई।* " आत्मा पोप शासन के झूठ , या " *निंदा* " के आरोप लगावेला , जवन ओकर सभ विशेषता ह धार्मिक सिद्धांत के बारे में बतावल गइल बा ; " *भगवान के खिलाफ , ओकर नाम के निंदा करे खातिर* ", ई भगवान के नाम बेकार में ले लेला , ओकर चरित्र के विकृत कर देला , ओकरा पर ओकर शैतानी हत्या के काम के आरोप लगा देला ; " *उनकर तम्बू* ", यानी उनकर आध्यात्मिक पवित्र स्थान जवन उनकर सभा ह , उनकर चुनल ह ; " *आस्वर्ग में रहे वाला लोग* ," काहे कि ई स्वर्ग आ ओकरा निवासी लोग के अपना झूठा तरीका से प्रस्तुत करेला , अपना हठधर्मिता में आकाशीय नरक के उकसावत बा , जवन यूनानी लोग के विरासत ह जे ओह लोग के धरती , स्वर्ग आ शुद्धिकरण के नीचे रखले रहे। " *स्वर्ग के निवासी* ," शुद्ध आपवित्र , एह बात से कष्ट उठावेलें आ नाराज होलें कि पार्थिव आसुरी शिविर से मनुष्य में प्रेरित दुष्टता आक्रूरता के मॉडल के अन्याय से ओह लोग के जिम्मेदार ठहरावल जाला।

पद 7: " *आ ओकरा के संतन से लड़ाई करे आ ओह लोग पर विजय पावे के अधिकार दिहल गइल ।*

इ श्लोक दान के संदेश के पुष्टि करेला। 7:21: " *हम देखनी कि उहे सींग संतन से लड़ाई करत रहे अउर उनकरा पर हावी होत रहे* ." यूरोपीय आबिस्व ईसाई धर्म वाकई में निशाना बा , काहें से कि रोमन कैथोलिक बिसवास सभ यूरोपीय लोग पर थोपल गइल , वास्तव में , " *जनजाति , लोग , भाषा आ राष्ट्र* " *सभ से बनल रहल* "सिविल रूप से स्वतंत्र । एकर " *हर गोत्र , लोग , भाषा , अउर राष्ट्र पर अधिकार* " " *वेश्या बेबिलोन महान* ," प्रकाशितवाक्य

17:1 के एकर छवि के पुष्टि करेला जवन एकरा के "*कई पानी पर बइठल* " प्रस्तुत करेला ; "*पानी* " जवन प्रकाशितवाक्य 17:15 के अनुसार "*लोग , भीड़ , राष्ट्र , अउर भाषा " के प्रती क ह।* एह अध्याय 17 में "*जनजाति* " शब्द के अनुपस्थिति पर ध्यान दिहल दिलचस्प बा एकर कारण लक्षित युग के अंतिम संदर्भ बा जवन यूरोप आ पश्चिमी ईसाई धर्म से संबंधित बा जवना में आदिवासी रूप के जगह विभिन्न राष्ट्रीय रूप ले लिहल गइल।

दूसर ओर, पोप शासन के स्थापना के सुरुआत के संदर्भ में यूरोपीय आबादी सभ के मूल रूप से रोमन गॉल नियर "*जनजाति " में संगठित कइल गइल बा , अलग-अलग " भाषा* " आ बोली सभ से बिभाजित आ बिभाजित बाड़ें । कालक्रम के हिसाब से यूरोप में "*जनजाति* ", फिर राजा लोग के अधीन "*लो ग* " के आबादी रहल आअंत में , 18वीं सदी के साथ , गणतंत्रवादी "*राष्ट्र* " सभ के आबादी रहल , जइसे कि उत्तरी अमेरिका के संयुक्त राज्य अमेरिका जे एकर महत्वपूर्ण परिणाम के गठन करे लें। "जनता " के संविधान रोमन पोप शासन के अधीन होखे के कारण बा , काहें से कि इहे ईसाई यू रोप के राजा लोग के अधिकार के मान्यता देला आ बनावे ला , काहें से कि क्लोविस प्रथम फ्रैंक लोग के राजा हवे ।

पद 8: " *अउर धरती पर रहे वाला सब उनकर पूजा करी , जेकर नाम दुनिया के सृष्टि से ही मारल गइल मेमना के जीवन के किताब में नइखे लिखल।* "

अंतिम समय में , जहाँ "*पृथ्वी* " के प्रतीक प्रोटेस्टेंट बिसवास के नाँव देला , ई संदेश एगो सटीक अर्थ ले लेला : सभ प्रोटेस्टेंट कैथोलिक बिसवास के पूजा करीहें ; सब , सिवाय ओह चुनल लोग के जेकरा के आत्मा सूक्ष्म रूप से ई परिभाषा देले बा : "*जे लोग के नाम दुनिया के नींव से ही ओह मेमना के जीवन के किताब में ~~नइखे लिखल गइल जेकरा के मारल गइल रहे। " आ हम रउआ के इहाँ याद दिलावत बानी कि , उनकर चुनल गइल "~~ स्वर्ग के राज्य के नागरिक* " हवें जे विद्रोही लोग के विपरीत बा जे खुद , "*धरती के निवासी* " हवें। तथ्य परमेश्वर के आत्मा द्वारा बनावल गइल एह भविष्यवाणी के घोषणा के सच्चाई के गवाही देला। काहे कि सुधार के शुरुआत से ही , 1170 में पीटर वाल्डो के मामला के छोड़ के , प्रोटेस्टेंट कैथोलिक विश्वास के पूजा करत बाड़े , जवन कि 7 मार्च 321 से बुतपरस्त सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम से विरा सत में मिलल "अतवार " के सम्मान देले बाड़े , इ आरोप पद 11 में प्रस्तुत दूसरा "*जानवर " के विषय के तैयार करेला।*

पद 9: " *अगर केहू के कान बा त उ सुनस !* "

जेकरा लगे परमेश्वर के द्वारा खोलल गईल विवेक के “ *कान* ” बा , उ आत्मा के द्वारा प्रस्तावित संदेश के समझी।

फ्रांसीसी राष्ट्रीय नास्तिकता के बदला लेवे वाली तलवार से कईल गईल सजा के घोषणा

पद 10: " *जे कैद में ले जाई , उ कैद में चल जाई ; तलवार से मारे वाला के तलवार से मारल जरूरी बा। इहाँ संत लोग के धैर्य आविश्वास बा।* "

ईसा मसीह शांतिपूर्ण नम्रता के याद करेलन जवन उ हर समय अपना चुनल लोग से माँगेलन। पहिला शहीदन का तरह क्रूर पोप शासन के चुनल लोग के ओह भाग्य के स्वीकार करे के पड़ी जवन भगवान ओह लोग खातिर तइयार कइले बाड़न . बाकिर ऊ एलान करत बाड़न कि उनकर का न्याय होई जवना से राजा आपोप का साथे साथ ओह लोग के पादरी लोग के धार्मि क वसूली के समय समय पर सजा मिल जाई . चुनल लोग के कैद में " *नेतृत्व* " क के ऊ लोग खुदे फ्रांसीसी क्रांतिकारी लोग के जेल में चल जाई . आओह चुनल लोग के " *तलवार से मार " के बाद जेकरा से ईसा प्यार करत रहले , ऊ लोग खुद भगवान के बदला लेवे वाला "तलवार* " से मारल जाई जेकर भूमिका ओही फ्रांसीसी क्रांतिकारी लोग के गिलोटिन से पूरा होई। इ फ्रांसीसी क्रांति के माध्यम से ही परमेश्वर प्रकाशितवाक्य 6:10 में शहीदन के खून से व्यक्त ***बदला लेवे*** के इच्छा के जवाब दिहे : " *अउर उ लोग जोर से चिल्लात कहले कि , हे प्रभु , पवित्र अउर सच्चा , जब तक तू धरती पर रहे वाला लोग पर न्याय ना करब अउर* ***हमनी के*** *खून के बदला ना लेब ?* " अउर क्रान्तिकारी गिलोटिन " कैथोलिक राजतंत्र के *लइकन पर* " मौत के प्रहार करी रोमन पोप के पादरी लोग , जइसन कि प्रकाशितवाक्य 2:22 में घोषणा कइल गइल बा। बाकिर एकर शिकार लोग में पाखंडी प्रोटेस्टेंट लोग भी मिल जाई जे आस्था के नागरिक राजनीतिक राय से भ्रमित करत रहे आहाथ में " *तलवार* " लेके अपना निजी राय आअपना धार्मिक आभौतिक विरासत के बचाव करत रहे। ई व्यवहार जॉन केल्विन आ जिनेवा में उनकर भयावह आखूनी सहयोगियन के रहे . 1793 अउर 1794 में पूरा भइल कामन के उकसावत , भविष्यवाणी हमनी के ओह लंबा धार्मिक शांति के संदर्भ में ले आवेला जवन प्रकाशितवाक्य 9:5-10 के भविष्यवाणी वाला " *पांच महीना " द्वारा भविष्यवाणी कइल गइल "150" साल खातिर स्थापित कइल गइल बा।* बाकिर 1994 के बाद एह अवधि के अंत , 1995 से धार्मिक कारण से " *मारे के " अधिकार फेर से स्थापित हो गइल।* एकरा बाद संभावित दुश्मन साफ -साफ इस्लामी धर्म बन जाला जब तक कि ओकर युद्धप्रिय विस्तार ना हो जाई जवन 2021 से 2029 के बीच "तीसरा विश्व युद्ध " के ओर ले जाई। 2030 के बसंत

खातिर उम्मीद कईल गईल मसीह के वापसी से कु छ समय पहिले , एह अध्याय 13 में प्रस्तुत दूसरा " *जानवर* " *प्रकट होई।*

दूसरा जानवर : जवन *धरती से ऊपर आवेला*
मेमना -अजगर के आखिरी लड़ाई

पद 11: " *हम देखनी कि एगो अउरी जानवर धरती से निकलत रहे , ओकर द्व गो सींग मेमना निहन रहे , उ अजगर निहन बोलत रहे।* "

धरती " शब्द के पहचान करे के कुंजी उत्पत्ति 1:9-10 में मिलल बा : " *अउर परमेश्वर कहले , "आकाश के नीचे के पानी एक जगह पर एकट्ठा हो जाव , अउर सूखा जमीन के प्रकट होखे। अउर अइसन भइल। अउर परमेश्वर सूखल जमीन के धरती कहले , अउर पानी के एकट्ठा होखे के उ समुंदर कहले। अउर परमेश्वर देखलन कि इ अच्छा बा।* "

एह तरह से जइसे पार्थिव सृष्टि के दूसरा दिन " *समुद्र* " *से सूखल "पृथ्वी* " निकलल रहे , ओइसहीं ई दूसरा " *जानवर* " पहिला से निकलल रहे। ई पहिला " *जानवर* " कैथोलिक धर्म के नामित करेला , दूसरा , एकरा से बाहर निकल के , प्रोटेस्टेंट धर्म से संबंधित बा , यानी रिफॉर्मड चर्च। हालाँकि , ई आश्चर्यजनक खुलासा अब हमनी के आश्चर्यचकित ना करे के चाहीं , काहें से कि पिछला अध्याय सभ के अध्ययन से हमनी के पूरक तरीका से , उ आध्यात्मिक स्थिति के खुलासा भइल बा जवन भगवान अपना ईश्वरीय निर्णय में एह प्रोटेस्टेंट धर्म के देलें जे " *थ्यातिरा* " नाम के काल के बाद , कइल गइल सुधार के पूरा करे खातिर सहमति ना देला। तबो ई पूरा होखे के जरूरत दान .8:14 के फरमान के अनुसार रहे , जवना के ई प्रकाशितवाक्य 3:1 के परमेश्वर के संदेश के ऋणी बा : " *तू जिंदा रहला से गुजरत बाड़ ; अउर तू मर गइल बाड़* "। इ आध्यात्मिक मौत एकरा के शैतान के हाथ में फेंक देला जे एकरा के अपना प्रेरणा से अपना " *आरमागेडोन के लड़ाई* " खातिर तैयार करेला , प्रकाशितवाक्य 16:16 के , सांसारिक पाप के अंतिम घड़ी के। *फिलाडेल्फिया युग* के अपना एडवेंटिस्ट सेवकन के संबोधित संदेश में भविष्यवाणी कइल गइल विश्वास के एह आखिरी परीक्षा के घड़ी में ही ई असहिष्णु पहल करी जवन एकरा के " *धरती से उठल जानवर* " बनाई । एकरा में " *द्व गो सींग* " बा जवना के आवे वाला श्लोक 12 सही ठहराई आपहचान करी। विश्वव्यापी गठबंधन में एकजुट होखे खातिर प्रोटेस्टेंट आ कैथोलिक धर्म सप्ताह के प्रामाणिक सातवाँ दिन भगवान द्वारा पवित्र कइल गइल आराम के दिन के खिलाफ लड़ाई में एकजुट बाड़ें ; यहूदी लोग के शनिचर या सब्त के दिन , लेकिन आदम, नूह , मूसा अउर यीशु मसीह के भी जे अपना सेवा के दौरान अउर धरती पर उनकर शिक्षा के दौरान एकरा पर सवाल ना

उठवले काहे कि विद्रोही यहूदी लोग द्वारा यीशु के खिलाफ सब्त के उल्लंघन के आरोप बेबुनियाद अउर बेवजह रहे। सब्त के दिन जानबूझ के चमत्कार करके , उनकर प्रेरणा के मकसद सब्त के दिन के आराम के असली ईश्वरीय अवधारणा के फिर से परिभाषित कईल रहे। ई दुनो धर्म , जवन " *दुनिया के पाप के दूर करे वाला मेमना* " के मिलल उद्धार के दावा करेले , अपना वर्णनात्मक मापदंड के चलते " *अजगर निहन बोले वाला मेमना* " के छवि के बहुत हकदार बाड़े । काहे कि , सब्त के दिन के पालन करे वाला लोग के प्रति असहिष्णुता के वकालत कइल , जेकरा के ऊ लोग मौत के सजा तक ले जाई , ई वाकई में खुला युद्ध ह , " *अजगर* " के रणनीति ह , जवन फेर से लउकेला।

पद 12: " *उ अपना से पहिले पहिला जानवर के सब शक्ति के प्रयोग कईले , अउर धरती अउर ओकरा में रहे वाला लोग के पहिला जानवर के पूजा करवले , जेकर घातक घाव ठीक हो गईल रहे।* "

हमनी का एक तरह के रिले के गवाह बनत बानी जा , कैथोलिक आस्था अब हावी नइखे , बाकिर ओकर पहिले के अधिकार प्रोटेस्टेंट धर्म के दिहल गइल बा . एकर कारण बा कि ई प्रोटेस् टेंट धर्म आधिकारिक तौर पर धरती के सबसे ताकतवर देश के हवे : उत्तरी अमेरिका के संयुक्त राज्य अमेरिका या अमेरिका यूरोपीय आ अमेरिकी प्रोटेस्टेंट धर्म के संलयन 1995 से ही हासिल हो चुकल बा , इहाँ तक कि सेवेंथ -डे एडवेन्टिस्ट संस्था भी शामिल बा , धरती के नया " *बेबल* " लोग के धार्मिक मिश्रण में मजबूर कइल जाला काहें से कि ई लोग विभिन्न धार्मिक संप्रदाय के आप्रवासी लोग के स्वागत करके बनावल जाला। अगर आदमी के इ सब बात सामान्य लागे , त उनकर सतही भावना अउर धार्मिक बेरुचि के कारण , अपना ओर से , सृष्टिकर्ता परमेश्वर जे ना बदलेला , उ भी आपन विचार ना बदलेला , अउर उ एह अवज्ञा के सजा देवेला जवन बाइबल में गवाही दिहल गईल उनकर ऐतिहासिक पाठ के अनदेखी करेला। बारी -बारी से पहिला दिन के रोमन अतवार के बचाव करके , कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा स्थापित आराम के दिन ' दूसरा प्रोटेस्टेंट " *जानवर* " " *पहिला* कैथोलिक जानवर के पूजा बनावेला " जवन अपना आधिकारिक धार्मिक स्थिति के मान्यता देले बा आ एकरा के आपन भ्रामक नाम "रविवार " देले बा। आत्मा याद करत बा कि प्रोटेस्टेंट अउरी कैथोलिक के बीच इ आखिरी गठबंधन एह से संभव भईल काहे कि " " *रसातल से चढ़े वाला जानवर " के द्वारा लगावल गईल नश्वर घाव " ठीक हो गईल बा* ." ऊ ई बात एह से याद करेला काहे कि दूसरा जानवर के ठीक होखे के ई मौका ना मिली। ईसा

मसीह के गौरवशाली आगमन से एकरा के नष्ट कर दिहल जाई।

पद 13: " *उ बड़हन चमत्कार कइलन, जवना से ऊ आदमी के नजर में धरती पर स्वर्ग से आग उतरा दिहलन।* "

1945 में जापान के खिलाफ जीत के बाद से प्रोटेस्टेंट अमेरिका दुनिया के प्रमुख परमाणु शक्ति बन गईल बा। एकर बहुत उच्च तकनीक के लगातार नकल होला बाकी एकर बराबरी कबो ना होला ; ऊ हमेशा अपना प्रतियोगियन भा विरोधियन से एक डेग आगे रहेला . एह प्रधानता के पु ष्टि "तीसरा विश्वयुद्ध " के संदर्भ में होई जहाँ , दान के अनुसार ... 11:44 में , उ अपना दुश्मन रूस के नष्ट कर दिही , जवन कि एह भविष्यवाणी में "उत्तर के राजा " के देश ह। तब एकर प्रतिष्ठा अपार हो जाई आएह टकराव से बचे वाला लोग स्तब्ध आ प्रशंसा करत आपन जान एकरा के सौं प दी आ पूरा मानव जीवन पर एकर अधिकार के माने दी . " *स्वर्ग से आग* " खाली भगवान के रहे , लेकिन 1945 से अमेरिका एकरा के अपना कब्जा में ले लेले बा अवुरी ओकरा में महारत हासिल कईले बा। ओकरा आपन जीत आ मौजूदा सगरी प्रतिष्ठा ओकरा के देबे के बा जवन आवे वाला परमाणु यु द्ध में जीत का साथे अउरी बढ़ जाई .

पद 14: " *ऊ धरती पर रहे वाला लोग के ओह चमत्कारन से धोखा देला जवन ओकरा जानवर के नजर में करे के अधिकार रहे , धरती पर रहे वाला लोग से कहत रहे कि ऊ ओह जानवर के मूर्ति बनाईं जवना पर तलवार से घाव हो गइल रहे आ ऊ जिंदा रहे।* "

जवन तकनीकी " *चमत्कार* " *कइल गइल बा ऊ असंख्य बा . " धरती के निवासी* " एह सब आविष्कार के आदी हो गइल बाड़े जवन ओह लोग के जिनगी आ विचार के आत्मसात कर लेला . जब तक अमेरिका ओह लोग से नशा के नशेड़ी लोग के तरह ओह लोग के आत्मा पर कब्जा करे वाला एह गैजेट से अपना के वंचित ना करे के कहेला , तब तक " *धरती के निवासी* " *एगो "बहुत छोट समूह* ," प्रकाशितवाक्य 12:17 के " *औरत के अवशेष* " के प्रति धार्मिक असहिष्णुता के वैध बनावे खातिर तैयार बाड़े। "... *जानवर के छवि बनावल* " में कैथोलिक धर्म के काम के नकल कइल आ प्रोटेस्टेंट अधिकार के तहत एकरा के दोबारा बनावल शामिल बा। मन के कठोरता में ई वापसी दू गो कर्म पर आधारित होई। " *बचे वाला* " *भयानक युद्ध से बच गईल होई , अउर परमेश्वर लगातार अउर धीरे -धीरे* " *उनकर क्रोध के सात गो आखिरी विपत्ति* " से मार दिहे , जवना के वर्णन प्रकाशितवाक्य 16 में कइल गइल बा।

अतवार का दिने भइल मौत के फरमान

पद 15: " *अउर ओकरा में जानवर के मूर्ति के जीवन देवे के अधिकार रहे , ताकि जानवर के मूर्ति बोल सके ,*

अउर जे जानवर के मूर्ति के पूजा ना करी , ओकरा के मार दिहल जा सके। "

भगवान से प्रेरित शैतान के योजना आकार ले ली आ पूरा हो जाई। आत्मा ओह चरम उपाय के रूप के प्रकट करेला जवन "सात आखिरी विपत्ति " में से छठवाँ के दौरान कइल जाई। धरती पर बचल सब विद्रोही लोग द्वारा स्वीकार कइल गइल आधिकारिक फरमान से ई तय कइल जाई कि बसंत के शुरुआत से 3 अप्रैल 2030 के बीच के तारीख पर , आखिरी सेवेन्थ डे सब्त के दिन रखे वाला एडवेन्टिस्ट लोग के मारल जाई। तार्किक रूप से इ तारीख यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के साल ह। एह साल 2030 के बसंत जरूरी रूप से उ पल ह जब उ विद्रोहियन के भयावह योजना के अपना चुनल लोग के खिलाफ पूरा होखे से रोके खातिर हस्तक्षेप करेला , जेकरा के उ ओह लोग के " *महान संकट " के " दिन छोट करके " बचावे आवेला* (मत्ती 24:22)।

पद 16: " *आ छोट - बड़ , अमीर - गरीब , आज़ाद आ दास सभ के दाहिना हाथ भा माथे पर निशान लगावेला।* "

अपनावल उपाय ओह समय के बचे वाला लोग के दू गो खेमा में बाँटल गइल बा . विद्रोही लोग अपना के मानव अधिकार के " *एगो निशान* " से पहचानेला जवन कैथोलिक "अतवार " के नामित करेला , प्राचीन "अविजयित सूरज के दिन " जवन उनकर एगो उपासक , रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा *7* मार्च , 321 से लगावल गइल रहे । एकरा के " *माथे पर* " भी मिलल बा जवन हर मानव प्राणी के व्यक्तिगत इच्छा के प्रतीक ह जेकर जिम्मेदारी एह तरह से सृष्टिकर्ता भगवान के न्यायसंगत निर्णय के तहत पूरा तरह से लागल बा। बाइबल से " *हाथ* " अउर " *माथे* " के प्रतीकात्मकता के एह व्याख्या के प्रमाणित करे खातिर , व्यवस्था के ई श् लोक बा। 6:8, जहाँ परमेश्वर अपना आज्ञा के बारे में कहत हउवें : " तू ओकरा के ***अपना हाथ पर*** *निशान के रूप में बान्हब , अउर उ तोहरा आँख के बीच के* ***मोर्चा निहन*** *होई ।* "

<u>पिछला प्रतिशोध भइल बा</u>

पद 17 में दिहल गइल बा। " *आ एह से कि केहू खरीद - बेच ना सके , सिवाय ओह आदमी के जवना के निशान होखे , ना जानवर के नाम होखे , भा ओकर नाम के नंबर होखे।* "

एह शब्द " *व्यक्ति* " के पीछे एडवेंटिस्ट संतन के शिविर बा जे परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल सब्त के दिन के प्रति वफादार रहलन। पहिला बुतपरस् त दिन के बाकी हिस्सा के " *निशान* ," अतवार के सम्मान करे से मना करे खातिर , उ लोग के एक तरफ रख दिहल जाला । शुरू में ई लोग ओह लोग के विरोध करे वाला विरोधियन का खिलाफ अमेरिकी उपायन में बहुते

जानल जाए वाला “बहिष्कार ” के शिकार होला . व्यापार के अधिकार पावे खातिर " *निशान* ," अतवार के सम्मान कइल जरूरी बा , जवन प्रोटेस्टेंट लोग से संबंधित बा , " *जानवर के नाम* ," "भगवान के बेटा के विकर ," जवन कैथोलिक लोग से संबंधित बा , या " *ओकर नाम के संख्या* ," यानी संख्या 666।

पद 18: “ *इहाँ बुद्धि बा , जेकरा समझ बा , उ जानवर के संख्या गिनस , काहेकि उ आदमी के संख्या ह, अवुरी ओकर संख्या छह सौ छियासठ बा ।* ”

भगवान के आत्मा के संदेश के समझे खातिर मानवीय बुद्धि काफी नइखे। ओकरा से एकरा के विरासत में मिलल जरूरी बा , जइसे कि सुलैमान के मामला में भइल र हे जेकर बुद्धि सभ आदमी से आगे निकल गइल रहे आ पूरा ज्ञात धरती में आपन प्रतिष्ठा बनवले रहे। अरबी अंक के अपनावे से पहिले हिब्रू , यूनानी आरोमन लोग में इनहन के वर्णमाला के अक्षर सभ के भी मान संख्या के होला , जेवना से कौनों शब्द के बनावे वाला अक्षर सभ के मान के जोड़े से ओकर संख्या तय हो जाला। ई एगो "गणना " से प्राप्त होला जइसन कि श्लोक में निर्दिष्ट कइल गइल बा। "... *इनके नाँव के संख्या* " " *666* " बाटे , मने कि इनके लैटिन नाँव "VICARIVS FILII DEI" में मौजूद रोमन अक्षर सभ के संख्यात्मक मान के जोड़े से मिलल *संख्या* ; कुछ अध्याय 10 के अध्ययन में देखावल गइल इ नाम अपने आप में उनकर दावा के सबसे बड़ " *निंदा* " या " *झूठ* " के गठन करेला , काहे कि कवनो तरीका से यीशु अपना के "विकल्प " ना दिहले , मतलब "विकर " शब्द।

प्रकाशितवाक्य 14 : सातवाँ दिन के एडवेन्टिज्म के समय

तीनों स्वर्गदूतन के संदेश – फसल– विंटेज

ई एगो अइसन अध्याय ह जवन 1843 से 2030 के बीच के समय के लक्षित करेला।

1843 में , दान के भविष्यवाणी के विशेष प्रयोग। 8:14 "एडवेंटिस्ट " लोग के ओह तारीख के बसंत खातिर तय कइल गइल यीशु मसीह के वापसी के इंतजार करे खातिर प्रेरित कइलस। इ विश्वास के परीक्षण के एगो उत्तराधिकार के शुरुआत रहे जहाँ भविष्यवाणी के भावना में रुचि , या प्रकाशि तवाक्य 19:10 के अनुसार " *यीशु के गवाही* ", अलग-अलग मसीही लोग द्वारा देखावल जाई जे कई धार्मिक लेबल के तहत यीशु मसीह के उद्धार के दावा कईले। अकेले प्रदर्शित " **काम** " के चयन के अनुमति दिहल गइल भा ना .एह रचना सभ के दू गो संभावित विकल्प में संक्षेप में बतावल जा सके ला : मिलल प्रकाश आ एकरे दिव्य जरूरत सभ के स्वीकृति भा अस्वीकार।

1844 में , 1844 के पतन खातिर एगो नया उम्मीद के बाद , यीशु अपना चुनल लोग के सुधार के काम पूरा करे के मिशन के ओर ले जइहें जवन दुनिया के रचना के बाद से परमेश्वर द्वारा पवित्र कइल गइल सब्त के दिन के अभ्यास के बहाल से शुरू होला। इहे " *पवित्रता* " के सबसे महत्वपूर्ण विषय ह जवन 1844 से " *जायज* " बा , उ तारीख जब एह उल्लंघन के उनुका सेवकन के ज्ञान में याद कईल जाला। दान के ई अनुवाद बा। 8:14, जवना के अनुवाद हमार सेवा तक कइल गइल बा : " *द्व हजार तीन सौ शाम आ सबेरे आ पवित्र स्थान के शुद्ध कइल जाई* ", प्रामाणिक रूप से , मूल हिब्रू पाठ के अनुसार बा : " *द्व हजार तीन सौ शाम आसबेरे आपवित्रता के जायज ठहरावल जाई* "। हर केहू के पता चल सकेला कि 321 से ईश्वरीय सब्त के उल्लंघन , प्रेरितन के समय में परमेश् वर द्वारा स्थापित सिद्धांतगत सच्चाई के अउरी कई गो परित्याग के साथ बा। 1260 साल के बाद झूठा उत्तराधिकारी के राज आस्था के नष्ट करत , पोप प्रोटेस्टेंट सिद्धांत में बहुत झूठ छोड़ दिहलस

जवन सच्चाई के भगवान खातिर असहनीय रहे। एही से , एह अध्याय 14 में , आत्मा तीन गो मुख्य विषय प्रस्तुत कइले बा जवन , क्रमशः : एडवेंटिस्ट मिशन या " *तीन स्वर्गदूतन* " के संदेश ; दुनिया के अंत के " *फसल* ", *चुनल लोग के छंटनी आ रैप्चर* ; *क्रोध के अंगूर के* " *विंटेज* ", ईसाई धर्म के झूठा धार्मिक गुरु , झूठा चरवाहा के अंतिम सजा।

1844 से चुनल लोग के ईश्व रीय क्रोध से बचावे खातिर सिखावल गइल , अंतिम परीक्षा ओह समय के बहुत अंत खातिर आरक्षित बा जवन मानवता के दिहल गइल बा कि ऊ खुद के प्रकट ईश्वरीय इच्छा आ सबसे कुल धर्मत्याग में गिरल विद्रोही मानवीय मांग के बीच अपना के स्थापित कर सके। लेकिन , कइल गइल चुनाव के परिणा म 1844 के बाद से मरल सब लोग खातिर होला , पद 13 के शिक्षा के अनुसार खाली प्रबुद्ध अउर विश्वासी चुनल लोग " *प्रभु में मरेला* " *जहाँ उ लोग के* " *धन्य* " *यानी मसीह के अनुग्रह के लाभार्थी घोषित कइल जाला , उनकर सब आशीर्वाद के पुष्टि पहिले से ही* " *फिलाडेल्फिया* " के दूत के संबोधित संदेश में कइल गइल बा जवन उनकरा से संबंधित बा बपतिस्मा लिहले "एडवेंटिस्ट " के मानल जाव , भगवान के द्वारा , चुनल गइल।

पद 7 से 11 के "तीन स्वर्गदूतन के संदेश " के रूप में दिहल गइल बा , एह संदेशन के परिणाम के क्रम से जोड़ल गइल बा।

हमरा इहाँ इयाद बा , एह काम के पन्ना 2 पर कवर पर दिहल नोट के बाद , इ तीनों संदेश दान .7 अउर 8 में दानियल के किताब में प्रतीकात्मक छवि में पहिलहीं से प्रकट भइल तीन संदेशन के उजागर करेला , उनकर याद दिलावत , प्रकाशितवाक्य के एह अध्याय 14 में , ओह अत्यंत महत्व के रेखां कित करेला अउर पुष्टि करेला जवन परमेश्वर ओह लोग के देले बाड़न।

छुटकारा पावल एडवेंटिस्ट लोग विजयी हो गइल

पद 1: “ *हम देखनी , त देखनी कि मेमना सिय्योन पहाड़ पर खड़ा बा , आओकरा साथे एक लाख चौवालीस हजार [लोग], जेकरा माथे पर ओकर नाम आओकर पिता के नाम लिखल रहे।* ”

" *सिय्योन पहाड़* " इस्राएल के ओह जगह के कहल जाला जहाँ यरूशलेम के निर्माण भइल रहे। इ उद्धार के आशा के प्रतीक ह अउर पार्थिव अउर स्वर्गीय विश्वास के परीक्षा के अंत में इ उद्धार जवन रूप लेई। प्रकाशितवाक्य 21:1 के अनुसार , *धरती अउर स्वर्ग* के संबंध में सब चीजन के नवीकरण के समय इ परियोजना पूरा तरीका से पूरा होई। " *144,000 [लोग]* " 1843 से 2030 के बीच चुनल गइल मसीह के चुनल लोग के प्रतीक हवे , मने कि एडवेंटिस्ट ईसाई लोग के परीक्षण ,

परीक्षण आ मंजूरी ईसा मसीह कइले , जेकर निर्णय सामूहिक रूप से आ व्यक्तिगत रूप से लागू होला। सामूहिक निर्णय संस्था के न्याय करेला आ व्यक्तिगत निर्णय हर प्राणी से संबंधित होला। " *144,000 [लोग]* " एडवेन्टिस्ट विश्वास के अनुयायी लोग में से ईसा मसीह द्वारा चुनल गइल चुनल लोग के प्रतिनिधित्व करेला। ई संख्या सख्ती से प्रतीकात्मक बा , आ चुनल गइल चुनल लोग के वास्तविक संख्या एगो रहस्य हवे जेकरा के भगवान जानत बाड़न आ रखले बाड़न। इनहन के चयन के कारण प्रस्तावि त छवि के परिभाषा से समझल जा सके ला। " *उनकर माथा पर* ," जवन उनकर इच्छा अउर उनकर विचार के प्रतीक ह , " *मेमना के नाम* ," यीशु , अउर " *उनकर पिता के नाम* ," पुरान वाचा में प्रकट कइल गइल परमेश्वर , अंकित बा। एकर मतलब ई बा कि ऊ लोग भगवान के ओह प्रतिरूप के खोज के दोबारा पैदा कइले बा जवन सृष्टिकर्ता भगवान पाप से पहिले पहिला आदमी के देले रहले , जब ऊ ओकरा के बनवले रहले आ ओकरा के जीवन दिहले रहले ; आई छवि उनुका चरित्र के ह. इ लोग उ फल के गठन करेला जवन परमेश्वर यीशु मसीह में अकेले अपना विश्वासी चुनल लोग के पाप के छुड़ा के प्रा प्त कइल चाहत रहले। अइसन प्रतीत होला कि चुनल चुनल लोग के माथे पर , या त , उनकरा मन में , उनकर विचार अउर उनकर इच्छा , प्रकाशितवाक्य 7:3 के परमेश्वर के मुहर मिलेला , या , दसवांश के चउथा आज्ञा के सब्त के दिन अउर मेमना यीशु मसीह के अविभाज्य चरित्र अउर पुरान वाचा में उनकर प्रकटीकरण के पिता के रूप में , या , सृष्टिकर्ता परमेश्वर। एह तरह से , सच्चा ईसाई विश्वास बेटा अउर पिता से जुड़ल धार्मिक मानदंड के विरोध ना करेला जइसन कि रोमन संडे के अनुयायी लोग दावा करेला , अगर शब्दन में ना त कम से कम काम में।

पद 2: “ *हम स्वर्ग से एगो आवा ज सुननी जवन बहुत पानी के आवाज आ एगो बड़हन गरज के आवाज जइसन रहे , आ जवन आवाज हम सुननी ऊ वीणा बजावे वाला वीणा बजावे वाला आवाज जइसन रहे* । ”

एह श्लोक में जवन विरोधाभासी पात्र उकसावल गइल बा ऊ वास्तविकता में पूरक बा . " *बहुत पानी* " जीवधारी के भीड़ के प्रतीक ह जवन अपना के व्यक्त करे में " *महान गरज* " के रूप ले लेला। एकरा विपरीत , " *वीणा* " के छवि के माध्यम से , भगवान सही सामंजस्य के प्रकट करेलन जवन उनकर विजयी प्राणी के एकजुट करेला।

पद 3: “ *उ लोग सिंहासन के सामने , चारों जीव आ बुजुर्ग लोग के सामने एगो नया गीत गावत रहले , अउर धरती से छुटकारा पावे वाला एक लाख चौवालीस हजार लोग के छोड़ के केहू गीत ना सीख सकत रहे।* ”

भगवान इहाँ 1843-44 से स्थापित "एडवेंटिस्ट " विश्वास के बहुत उच्च पवित्रीकरण के पुष्टि अउर रेखांकित करेलन। उनकर चुनल लोग अन्य प्रतीकात्मक समूह सभ से अलग होला : " *सिंहासन , चार गो जीव आ बुजुर्ग लोग* "; बाद वाला ओह सब लोग के नामित करत बा जेकरा के धरती पर रहत अनुभव से मुक्त कइल गइल बा . लेकिन ईश्वरीय प्रकाशितवाक्य जेकरा के एपोकैलिप्स कहल जाला , मसी ही विश्वास के खाली दू हजार साल के लक्षित करेला जवन दान .8:14 के फरमान लगातार दू गो चरण में अलग हो जाला। 1843-44 तक, चुनल लोग के प्रतीकात्मक रूप से प्रकाशितवाक्य 4:4 में उद्धृत " *24 " में से 12 " बुजुर्ग* " बा। बाकी 12 " *प्राचीन* " एडवेंटिस्ट " *12 जनजाति* " " *मु हर* " " *मुहर* " बा प्रकाशितवाक्य 7:3 से 8 1843-44 से।

पद 4: “ *इ उ लोग हवें जे मेहरारू लोग के साथे अशुद्ध ना भइले , काहे कि उ लोग कुंवारी हवें , अउर उ लोग मेमना के पीछे -पीछे चलत बाड़े , उ लोग जहाँ भी जाला , उ लोग आदमी के बीच से छुड़ावल गइलन , परमेश्वर अउर मेमना के पहिला फल रहलन।* ”

एह श्लोक के शब्द खाली आध्यात्मिक अर्थ में लागू होला ; " *महिला* " शब्द ईसाई चर्च सभ के नाँव देला जे अपना उत्पत्ती के बाद से धर्मत्याग में पड़ गइल बाड़ें , जइसे कि रोमन कैथोलिक बिसवास , या 1843-44 से , प्रोटेस्टेंट बिसवास खातिर , आ 1994 से , एडवें टिस्ट संस्थागत बिस्वास खातिर। " *अशुद्धि* " के संदर्भित कइल जाला ऊ पाप के निशाना बनावेला जवन ईश्वरीय नियम के उल्लंघन के परिणामस्वरूप होला अउर जेकर " *मजदूरी मौत ह* ," रोम के अनुसार। 6:23 के बा। इ उ लोग के पाप के अभ्यास से दूर करे के ह जवना के यीशु मसीह पवित्र कईले रहले , यानी कि प्रतीकात्मक " *144,000 [लोग]* " के अलग कईले रहले। इनकर " *कुंवारीपन* " भी आध्यात्मिक बा आई ओह लोग के "शुद्ध " प्राणी के रूप में नामित करेला जेकर धार्मिकता यीशु मसीह के पक्ष में बहावल खून से सफेद हो गइल बा। पाप अउर ओकर अशुद्धता के वारिस , आदम अउर हव्वा के सब वंशज के तरह , यीशु मसीह द्वारा पहचानल गईल उनकर विश्वास उनकरा के पूरा तरह से "शुद्ध " कर दिहले बा। लेकिन एह विश्वास के सही मायने में ईसा मसीह के पह चाने खातिर , एह शुद्धि के वास्तविक आठोस होखे के चाहीं ओह लोग के " ***काम*** " में। एह से एकर तात्पर्य झूठा ईसाई या यहूदी धर्म से विरासत में मिलल पाप के छोड़ल बा , या अउरी व्यापक रूप से एकेश्वरवादी धर्म से। अउर अपना भविष्यवाणी के प्रकाशन में , परमेश्वर विशेष रूप से एह तथ्य के निशाना बनावेलन कि उ समय के क्रम के सम्मान ना करेलन जवन उ धरती अउर अपना आकाशीय

व्यवस्था के सृष्टि के पहिला हफ्ता से स्थापित कइले रहलन।

नया गीत गावल "के छवि के पीछे एगो खास अनुभव बा जवना के खाली सीलबंद "*144,000* " लोग जियत बा ." *मूसा के गीत* " के बाद जवन पाप के प्रतीक मिस्र से गौरवशाली पलायन के जश्न मनावत रहे ," *144,000* " *चुनल लोग के* "*गीत* " पाप से मुक्ति के जश्न मनावेला काहे कि उ लोग दान के फरमान के पालन कईले। 8:14 में दिहल गइल बा आ1843-44 से भगवान के इच्छा ,आइहाँ तक कि माँगल गइल ,ओह लोग के पवि त्रीकरण में सहयोग कइले। ओह तारीख के एगो स्वर्गीय दर्शन में ईसा मसीह के मौत से गोलगोथा के क्रूस पर पूरा भइल पाप के शुद्धि के याद कइल गइल। इ संदेश एगो डांट अउर शिक्षा दुनो के गठन कईलस जवन परमेश्वर एगो प्रकार के प्रोटेस्टेंट विश्वासी के सामने पेश कईले रहले जवन रोमन अतवार के वारिस रहे अउरी ओकर कुछ अउरी झूठा पाप। हिब्रू संस्कार के टाइपोलॉजी में ई "*पाप के शुद्धि* "*शरद ऋतु में एगो धार्मिक परब रहल जेह में* साल भर के बाकी समय में एह दुर्गम आ निषिद्ध जगह पर रखल दया आसन पर मारल बकरी के खून परम पवित्र स्थान पर ले आवल जात रहे। एह बकरी के खून ,पाप के प्रतीकात्मक छवि ,ईसा मसीह के खून के भविष्यवाणी कइलस जे खुद अपना चुनल लोग के पाप के वाहक बन गइलन ताकि ओह लोग के जगह पर ओह सजा के प्रायश् चित कर सके जवना के ऊ लोग हकदार बा ; ईसा खुद पाप बन गइलन। एह समारोह में बकरी पाप के प्रतिनिधित्व करेले ना कि ओकरा के सहन करे वाला मसीह के। इहे महायाजक के एह भौतिक विस्थापन के ह जवन अधिकृत पवित्र स्थान से साल के बाकी समय में मना कइल गइल सबसे पवित्र स्थान पर जाला जवना के संकेत ई श्लोक में कहल गइल बा कि : "*उ लोग मेमना के पीछे -पीछे जहाँ भी जाला* ." 23 अक्टूबर , 1844 के दर्शन में एह दृश्य के याद करके ,मसीह के आत्मा अपना चुनल , अचेतन वारिस लोग के सिद्धांत के झूठ के याद दिअवलस , पाप पर रोक। एह तरह से , 1844 से , **मूल के अभ्यास कइल स्वैच्छिक पाप** ,जवन रोमन अतवार के मामला बा ,भगवान के साथे संबंध के असंभव बना देला ,आपरित्यक्त पाप एह संबंध के लंबा होखे के अनुमति देला जवन संबंधित चुनल आदमी के स्वागत ,समझ आप्रकट ईश्वरीय सच्चाई के क्रिया में ले आवे से ओकर पवित्रता के पूर्णता तक ले जाला।

परमेश्वर अउर मेमना खातिर पहिला फल " मानल जाला , उ लोग सबसे बढ़िया के गठन करेला जवन परमेश्वर के सांसारिक चुनल लोग के चयन में मिलल। हिब्रू संस्कार में "*पहिला फल*" के "*पवित्र* "घोषित कइल गइल रहे। एह जानवर भा सब्जी के पहिला फल के प्रसाद भगवान खातिर सुरक्षित रहे कि ऊ उनकर

सम्मान कर सके आउनकर भलाई आउदारता खातिर मानवीय कृतज्ञता के चिन्हित कर सकस। एगो अउरी कारण , वास्तव में , " *पवित्र प्रथम फल* " के बा , उ लोग के पूरा तरीका से प्रकट कइल गइल दिव्य प्रकाश के स्वागत बा काहे कि ऊ लोग अंत के समय में जी रहल बा जब प्रकट प्रकाश अपना चरम सीमा पर पहुँच जाला , अपना आध्यात्मिक चरम पर पहुँच जाला।

पद 5: " *अउर उनकरा मुँह में कवनो धोखा ना मिलल , काहे कि उ लोग निर्दोष हवें।* "

सही मायने में चुनल गइल , नया जन्म के माध्यम से सच् चाई से पैदा भइल , खाली " *झूठ* " से नफरत कर सकेला , जवना में ओकरा कवनो सुख ना मिले। झूठ घिनौना बा काहे कि एकर परिणाम खाली नुकसानदेह होला आ नीमन लोग के कष्ट उठावेला . जे " *झूठ* " के मानेला तब निराशा के पीड़ा , धोखा खाए के कड़वाहट जानत बा। मसीह के चुनल केहू भी अपना साथी मनुष्य के बहकावे अउर धोखा देवे में खुश ना हो सकेला। एकरा उलट सच्चाई आश्वस्त कर देला ; ई सकारात्मक रूप से सच्चा भाई - बहिनन के साथे संबंध बनावेला , लेकिन सबसे ऊपर , हमनी के उद्धार के सृष्टिकर्ता अउर मुक्तिदाता परमेश्वर के साथे , जे अपना नाम के " *सच्चाई के परमेश्वर* " के रूप में दावा करेलन अउर ऊपर उठावेलन। एह तरह से , अब सिद्धांतगत पाप के अभ्यास ना करत , प्रकट सच्चाई के पालन करके , चुनल आदमी के खुद सच्चाई के भगवान द्वारा " *निर्दोष* " *न्याय कइल जाला।*

पहिला परी के संदेश

पद 6: " *हम एगो अउरी स्वर्गदूत के स्वर्ग के बीच में उड़त देखनी , जेकरा लगे अनन्त सुसमाचार रहे , जवन धरती पर रहे वाला लोग , हर जाति , रिश्तेदार , भाषा आ लोग के प्रचार करे।* "

" *कवनो दोसर परी* " भा कवनो दोसर दूत एगो पूरा दिव्य प्रकाश के घोषणा करेला जवना के प्रतीक " *स्वर्ग के बीच* " भा सूरज के चरम सीमा होला . इ प्रकाश " *सुसमाचार* " या " *सुसमाचार* " से संबंधित बा जवन यीशु मसीह के द्वारा ले आवल गईल उद्धार के। एकरा के " *शाश्वत* " कहल जाला काहें से कि एकर संदेश प्रामाणिक होला आसमय के साथ कवनो बदलाव ना जानत होला। एह तरह से , परमेश्वर एकरा के प्रमाणित करेलन कि ईसा मसीह के प्रेरित लोग के सिखावल गइल चीज के अनुरूप बा। सच्चाई में ई वापसी रोमन कैथोलिक आस्था से विरासत में मिलल कई गो विकृति के बाद 1843 से भइल बा। घोषणा दानियल 12:12 में प्रस्तुत संदेश के उपमा में सार्वभौमिक बा जवन एडवेन्टिस्ट काम के ईश्वरीय आशीर्वाद के प्रकट करेला। " *अनन्त* सुसमाचार " के

इहाँ विश्वास के सच्चा फल के पहलू में उकसावल गइल बा , *जवन* दानियल 8:14 के फरमान से प्रकट कइल गइल ईश्वरीय आवश्यकता के पालन करत बा। भविष्यवाणी के शब्द में रुचि के मानक के एगो जायज फल ह " *अनन्त सुसमाचार के बारे में बतावल गइल बा* ."

पद 7: " *उ जोर से कहलस, "परमेशवर से डेरा के उनकर महिमा करऽ , काहेकि उनकर न्याय के समय आ गइल बा , आ आकाश, धरती , समुंदर आ पानी के फव्वारा के बनावे वाला के पूजा करऽ।* "

पद 7 में , पहिला स्वर्गदूत सब्त के दिन के उल्लंघन के निंदा करेलन , जवन ईश्वरीय दशक में , सृष्टिकर्ता परमेश्वर के महिमा के महिमा करेला। एह तरीका से ऊ अक्टूबर 1844 से एकर बहाली के मांग करे लें , बाकी एकर उल्लंघन के श्रेय प्रोटेस्टेंट लोग के बतावे लें , 1843 के बसंत से।

दूसरा परी के संदेश बा

पद 8: " *एगो अउरी स्वर्गदूत पीछे -पीछे आके कहलस, "बाबुल गिर गईल बा , गिर गईल बा , काहेकि उ अपना व्यभिचार के क्रोध के शराब से सब जाति के पी दिहलस !* "

पद 8 में , दूसरा स्वर्गदूत पोप के रोमन कैथोलिक चर्च के भारी अपराधबोध के खुलासा कइले बाड़न , जवन कॉन्स्टेंटाइन I के बुतपरस् त "सूरज के दिन " के नाँव बदल के आदमी के बहका दिहलस आ धोखा दिहलस , ई लैटिन मोंटाज के अनुवाद हवे जे उनकर "रविवार " के मूल में बा : dies dominica। दू बेर दोहरावल गइल , " *ऊ गिर गइल बाड़ी , ऊ गिर गइल बाड़ी , महान बेबिलोन* ," ई अभिव्यक्ति एह बात के पुष्टि करेला कि ओकरा खातिर आ ओकरा के विरासत में पावे वाला लोग खातिर ईश्वरीय धैर्य के समय निश्चित रूप से खतम हो गइल बा। व्यक्तिगत रूप से धर्मांतरण संभव रहेला , लेकिन फल पैदा करे के कीमत प , यानी पश्चाताप के " **काम ", सिर्फ।**

याद दिआवल : " *ऊ गिर गइल " के मतलब होला : ओकरा के* **सच्चाई** के भगवान ले के हरा दिहल जाला जइसे कवनो शहर अपना दुश्मन के हाथ में गिर जाला . उ 1843 के बाद , 1844 से 1873 के बीच , अपना विश्वासी सेवन्थ -डे एडवेन्टिस्ट सेवकन खातिर , उ " *रहस्य* " के उठावेलन अउर रोशन करेलन जवन प्रकाशितवाक्य 17:5 में उनकर विशेषता बा। ओकरा **झूठ** के बहकावे के असर आपन असर खतम हो जाला .

पद 8 में , पिछला संदेशन में दिहल गइल न्याय के पुष्टि कइल गइल बा , एगो भयानक चेतावनी के साथे। कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा 321 में , 1844 से , आराम के दिन के सचेत आ **स्वैच्छिक चुनाव** , एकरा के जायज ठहरावे वाला विद्रोहियन के , अं तिम न्याय के *दूसरा*

मौत के यातना के ईश्वरीय निंदा के निष्क्रिय बना देला। अतवार का खिलाफ अपना आरोप के छिपावे खातिर भगवान ओकरा के कुख्यात " निशान " के नाम से छिपा देले जवन कि उनुका खुद के दिव्य " *मुहर* " के विरोध करेला। एगो मानवीय अधिकार के ई निशानी , जवन ओकरा समय के क्रम पर सवाल उठावेला , एगो बहुत बड़ आक्रोश के गठन करेला जवन उनुका द्वारा सजा मिले लायक बा। आ घोषित सजा , वाकई में , भयानक होई : " *ओकरा के आग आगंधक से सतावल जाई* " जवन विद्रोहियन के सफाया करी , लेकिन अंतिम फैसला के समय ही।

तीसरा परी के संदेश बा

पद 9: " *अउर एगो अउरी , तीसरा स्वर्गदूत , उनकरा पीछे -पीछे चलल, जोर से कहलस, "जदि केहू जानवर अउर ओकर मूर्ति के पूजा करेला (प्रणाम करेला) अउर ओकरा माथे पर , या ओकरा हाथ पर ओकर निशान लगावेला ,"*

एह तीसरा संदेश के पूरक आक्रमिक प्रकृति के पहिले के दू गो संदेश के साथे " *ओह लोग के पालन कइल* " सूत्र से निर्दिष्ट कइल गइल बा। " *तेज आवाज* " एकर घोषणा करे वाला के बहुत उच्च दिव्य अधिकार के पुष्टि करेला।

धरती से ऊपर आवे वाला जानवर " के शासन के समर्थन आ मंजूरी देला अउर जे अपना आज्ञाकारिता से , अतवार के , उनकर अधिकार के " *निशान* " के अपनावेला अउर सम्मान करेला , जवना के उद्धरण प्रकाशितवाक्य 13:16 में दिहल गइल बा , यानी वर्तमान में , पूरा ईसाई आबादी।

निशान " के " *परमेश्वर के मुहर* " के सीधा विरोध , यानी कि अतवार के पहिला दिन से लेके सब्त के सातवाँ दिन तक, एह तथ्य से पुष्टि होला कि दुनो के " ***माथे पर*** ," वसीयत के आसन, प्रकाशितवाक्य 7:3 अउर 13:16 के अनुसार , प्राप्त कइल जाला। हमनी के ध्यान दीं कि प्रकाशितवाक्य 7:3 के " *परमेश्वर के मुहर* " *प्रकाशितवाक्य 14:1 में हो जाला : " मेमना के नाम अउर ओकर पिता के नाम ।* " " ***हाथ पर*** " के स्वागत के स्पष्टीकरण व्यवस्था के एह श्लोकन से कइल गइल बा। 6:4 से 9 बजे तक के बा :

*" हे इस्राएल , सुनऽ , हमनी के परमेश्वर यहोवा एक ही यहोवा हवें । **तू अपना परमेश्वर यहोवा से अपना पूरा मन से , पूरा प्राण से , आ पूरा ताकत से प्रेम करीं।आ ई आज्ञा , जवन आजहम तोहरा के आज्ञा देत बानी , तोहरा दिल पर रही।तू अपना घर में बइठला पर , रास्ता में चलला पर , लेट के उठला पर ओह लोग के बारे** में बात करब **हाथ पर हस्ताक्षर करीं , आऊ रउरा आँख के बीच के***

<u>फ्रंटलेट नियर</u> *होखीहें* "*हाथ* " से मतलब होला कर्म , अभ्यास करे के , आ" *माथे* " विचार के इच्छा के सं दर्भ देला . एह श्लोक में आत्मा कहत हउवें , " ***तू अपना परमेश्वर यहोवा से पूरा मन से , पूरा प्राण से अउर पूरा ताकत से प्रेम करीं*** "; जवन यीशु मत्ती में उद्धृत कइले बाड़न। 22:37 अउर जवना के उ " *पहिला अउर सबसे बड़ आज्ञा* " के रूप में पेश करेलन। एह से " *भगवान के मुहर* " वाला चुनल लोग के एह तीनों मापदंड के पूरा करे के होई : " *भगवान से पूरा मन से प्रेम करे के चाहीं* "; अपना पवित्र सातवाँ दिन के सब्त के आराम के अभ्यास करके सम्मान ; आ ओह लोग के दिमाग में " *मेमना के नाम* " यीशु मसीह " *आ उनकर पिता के नाम* " YaHWéH हो खे। " *अउर उनकर पिता के नाम* " के निर्दिष्ट करके , आत्मा परमेश्वर के दस आज्ञा अउर उपदेश अउर नियम के पालन करे के जरूरत के पुष्टि करेला जवन पुरान वाचा में चुनल लोग के पवित्रता के बढ़ावा देला। अपना समय में ही , प्रेरित यूहन्ना 1 यूहन्ना 5:3-4 में इ कह के एह बातन के पुष्टि कइले बाड़न :

" *काहेकि परमेश्वर के प्रेम इहे ह कि हमनी के उनकर आज्ञा के पालन करीं जा , आ उनकर आज्ञा बोझिल नइखे , काहे कि परमेश्वर से पैदा भइल हर चीज दुनिया पर विजय पावेला , अउर इहे जीत ह जवन दुनिया पर विजय पावेला , हमनी के विश्वास ह। "*

पद 10: " *उ खुद परमेश्वर के क्रोध के शराब से पीई , जवन बिना मिश्रण के अपना क्रोध के प्याला में डालल जाला , अउर पवित्र स्वर्गदूतन के सामने आ मेमना के सामने आग आगंधक से सतावल जाई। "*

परमेश्वर के क्रोध के पर्याप्त रूप से सही ठहरावल जाई काहे कि जे लोग " *जानवर के निशान* " पावेला उ लोग यीशु मसीह के धार्मिकता के दावा करत मनुष्य के पाप के सम्मान करेला। प्रकाशितवाक्य 6:15-17 में , आत्मा यीशु मसीह के विनाशकारी धार्मिक क्रोध के साथ उनकर अंतिम मुठभेड़ के परिणाम के चित्रण कइले बा।

<u>बेहद महत्वपूर्ण नोट</u> : एह ईश्वरीय क्रोध के बेहतर तरीका से समझे खातिर , हमनी के एहसास होखे के चाहीं कि पवित्र सब्त के दिन के तिरस्कार परमेश्वर के क्रोध के एतना काहे जगावेला। क्षुद्र पाप बा , लेकिन बाइबल हमनी के पवित्र आत्मा के खिलाफ पाप के खिलाफ चेतावनी देले बा , इ निर्दिष्ट करत कि अब ईश्वरीय क्षमा पावे खातिर कवनो बलिदान नईखे। प्रेरित लोग के समय में , एह प्रकार के पाप के एकमात्र उदाहरण हमनी के दिहल गईल बा कि एगो मसीही द्वारा मसीह के अस्वीकार कईल गईल बा जे धर्म परिवर्तन कईले बा। लेकिन इ खाली एगो उदाहरण ह , काहे कि वास्तविकता में पवित्र आत्मा के निंदा में

परमेश्वर के आत्मा के दिहल गवाही के नकारल अउर इनकार कईल शामिल बा। मनुष्य के मनावे अउर सिखावे खातिर , आत्मा बाइबल के पवित्र शास्त्र के प्रेरित कइलस। एह से , जे भी बाइबल में आत्मा के दिहल गवाही पर विवाद करेला , उ पहिले से ही परमेश्वर के आत्मा के निंदा करेला। का परमेश्वर एह से बढ़िया काम कर सकेलन , कि उ लोग के बाइबल अउर ओकर लेखन के ओर बोलावल गइल बा ? का ऊ आपन इच्छा , आपन विचार आ अपना सार्वभौमिक निर्णय के अउरी साफ -साफ बता सकेला ? 16वीं सदी में , बाइबल के ई तिरस्कार जवना के खिलाफ ई लड़ाई लड़लस , रोमन कैथोलिक धर्म के साथ भगवान के धैर्य के निश्चित अंत के रूप में चिन्हित कइलस ; एगो अइसन सिद्धांत के साथे उनकर धैर्य के अंत जवना के ऊ कबो ना पहचान पवले . तब 1843 में भविष्यवाणी वाला शब्द के तिरस्कार से प्रोटेस्टेंट विश्वास के अपना सभ कई रूप में प्राप्त करे के अंत हो गईल , रोमन अतवार के वारिस , यानी " *जानवर के निशान* " के। आ अंत में , अपना बारी में , एडवेन्टिज्म पवित्र आत्मा के निंदा कइलस आ अंतिम भविष्यवाणी के प्रकाशन के नकार दिहलस जवन यीशु अपना विनम्र सेवक के माध्यम से ओकरा के पेश कइले रहले जेकरा के हम मूर्त रूप देले बानी ; ईश्वर निंदा जवन 1995 से अतवार के पर्यवेक्षक लोग के साथे उनकर गठबंधन से पुष्टि अउर प्रवर्धित भइल बा आत्मा के खिलाफ निंदा के हर बेर भगवान से उ न्यायसंगत प्रतिक्रिया मिलेला जवना के उ हकदार बा ; पहिला के निंदा के न्यायसंगत सजा आ“ *दूसरा मौत* ” के पुष्टि एह पद 10 में कइल गइल बा।

पद 11: “ *अउर उनकरा यातना के धुँआ हमेशा खातिर ऊपर चढ़ेला , अउर उ लोग के दिन -रात कवनो आराम ना मिलेला , जे जानवर अउर ओकर मूर्ति के पूजा करेला , अउर जे उनकर नाम के निशान पावेला।* ”

" *धुँआ* " खाली अंतिम न्याय के समय होई , उ समय जब पतित विद्रोही लोग के प्रकाशितवाक्य 19:20 अउर 20:14 के *"आग के झील "* में " *आग अउर गंधक में सतावल जाई* "; ई , सातवीं सहस्राब्दी के अंत में भइल। लेकिन एह भयानक पल से पहिले ही यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के घड़ी उनकर अंतिम भाग्य के पुष्टि करी। एह श्लोक के संदेश " *आराम* " के विषय के उकसावत बा . अपना ओर से चुनल लोग भगवान के द्वारा पवित्र कइल गइल आराम के समय के प्रति चौकस रहेला , लेकिन पतित लोग के , एकरा उलट , उहे चिंता ना होला , काहे कि उ लोग ईश्वरीय घोषणा के उ महत्व आ गंभीरता ना देला जवना के उ हकदार बाड़े। एही से ओह लोग के तिरस्कार के जवाब में अंतिम सजा के घड़ी भगवान ओह लोग के दुख के नरम करे खातिर कवनो आराम ना दीहें .

पद 12: “ *इहाँ संत लोग के धैर्य बा , इहाँ उ लोग हवें जे परमेश्वर के आज्ञा के पालन करेलन अउर यीशु के विश्वास के पालन करेलन।* ”

दृढ़ता या धैर्य " शब्द 1843-44 से लेके उनकर महिमा में वापसी तक के सच्चा संतन के विशेषता ह। एह श्लोक में , पद 1 के " *पिता के नाम* " " *परमेश्वर के आज्ञा* " बन जाला , अउर " *मेमना के नाम* " के जगह " *यीशु के विश्वास* " ले लिहल जाला। *प्राथमिकता के क्रम में भी बदलाव कईल जाला। एह श्लोक में आत्मा* " *परमेश्वर के आज्ञा* " के सबसे पहिले , अउर " *यीशु के विश्वास* " के दूसरा ; इ ऐतिहासिक रूप से अउर मूल्य के दृष्टि से उ क्रम ह जवना के परमेश्वर अपना उद्धार के योजना में मंजूर कइले बाड़न। पद 1 में " *के नाम* " *के प्राथमिकता दिहल गइल मेमना* ” के “ *144,000* ” चुनल लोग के मसीही विश्वास से जोड़े खातिर।

पद 13: “ *हम स्वर्ग से एगो आवाज सुननी जवन कहत रहे , लिखीं , धन्य बा उ मुअल लोग जे अब से प्रभु में मरत बाड़े। हँ , आत्मा कहत हउवें कि उ लोग अपना मेहनत से आराम करस, काहेकि* ***उनकर काम*** *उनकरा पीछे चलेला ।* ”

अब से " मुहावरा विस्तार से बतावे के हकदार बा काहे कि ई बहुते जरूरी बा . काहे कि ई 1843 के बसंत आ 1844 के शरद ऋतु के तारीख के संदर्भित करेला , जब क्रमशः डेनियल 8:14 के फरमान लागू भइल आविलियम मिलर द्वारा आयोजित दू गो एडवेन्टिस्ट मुकदमा खतम हो गइल।

समय के साथ आधिकारिक संस्थागत एडवेन्टिज्म के नजर एह सूत्र के निहितार्थ से दूर हो गईल " *अब से* " । एडवेंटिस्ट आस्था के संस्थापक अग्रणी लोग ही 1843 में ही सब्त के दिन के परमेश्वर के आवश्यकता के परिणाम के समझत रहे , सातवाँ दिन के एह प्रथा के अपनावे खातिर , ओह लोग के एहसास करावे खातिर ले जाइल गइल कि तब तक अभ्यास कइल जाए वाला अतवार के भगवान के अभिशप्त रहे । इनहन के बाद विरासत में मिलल एडवेन्टिज्म पारंपरिक आ औपचारिकतावादी हो गइल आ अनुयायी आ शिक्षकन के विशाल बहुमत खातिर अतवार आ सब्त के दिन के अन्याय से समानता के स्तर पर रखल गइल। पवित्र अउर सच्चा पवित्रता के भावना के एह नुकसान के परिणामस्वरूप भविष्यवाणी के शब् द अउर तीसरा एडवेंटिस्ट संदेश में रुचि के कमी पैदा भइल जवन हम 1983 से 1994 के बीच देले रहनी , जब से ई तिरस्कार फ्रांस में एडवेंटिज्म में प्रकट भइल , तब से दुनिया भर के एडवेंटिस्ट संस्था 1995 में विश्वव्यापी कुल के साथे गठबंधन में प्रवेश कइलस , जवन कि आपन सबसे बड़ अभिशाप रहे। पद 10 के " *यातना* " के धमकी बारी -बारी से एकर संबंध बा , " *उहो* ***पी लिहे*** "

अभिव्यक्ति के सुझाव से ; 1994 से , संस्थागत एडवेन्टिज्म , प्रोटेस्टेंट आस्था के बाद , 1843 से न्याय आनिंदा कइलस।

जइसन कि एह श्लोक से पता चलत बा , दानियल 8:14 के फरमान के कार ण 1843 के प्रोटेस्टेंट ईसाई लोग के दू गो खेमा में अलगा कर दिहल गइल बा , जवना में एडवेंटिस्ट समूह भी शामिल बा , जेकरा के उच्चारण कइल गइल धन्यता के लाभार्थी : " *धन्य बा मुअल लोग जे अब से प्रभु में मर जाला !* " ई कहला के जरूरत नइखे कि यीशु " *लौदीकिया* " *में घोषणा कइले बाड़न कि उ एकरा* के " *उल्टी* " *करे* वाला रहले , एडवेंटिस्ट संस्था , 1991 में मसीह के आधिकारिक दूत , प्रकाश के आधिकारिक अस्वीकार के तारीख , " *नंगा* " कहल जाला अब एह धन्यता से फायदा ना हो सकेला।

फसलके समय बा

पद 14: “ *हम देखनी त देखनी कि एगो सफेद बादल आ बादल पर आदमी के बेटा जइसन एगो बईठलु बा , जेकरा माथा पर सोना के मुकुट बा आहाथ में तेज हँसुआ बा।* ”

ई वर्णन यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी के समय के याद दिलावत बा। " *सफेद बादल* " उनकर प्रस्थान आ स्वर्ग में चढ़े के स्थिति के याद दिलावत बा जवन दू हजार साल पहिले अनुभव भइल रहे। " *सफेद बादल* " उनकर पवित्रता के दर्शावेला , उनकर " *सोना के मुकुट* " उनकर विजयी विश्वास के प्रतीक ह , अउर *"तीक्ष्ण हँसुआ* " इब्रानियों 4:12 में परमेश्वर के " *तेज शब्द* " *के छवि बनावेला , जवना के* " *उनकर हाथ* " द्वारा लागू कइल गइल बा।

पद 15: “ *एगो अउरी स्वर्गदूत मंदिर से निकलु के बादल पर बइठल के जोर से चिल्ला के कहलस , “अपना हँसुआ डाल के कटाई करऽ , काहेकि तोहरे कटाई के समय आगइल बा , काहेकि धरती के फसल पाकल बा।* ”

फसल " के पहलू के तहत , जइसे कि उनकर दृष्टांत में , यी शु हमनी के याद दिलावत बाड़न कि एह में , समय आ जाई कि निश्चित रूप से " *अच्छा अनाज के भूसा से अलग कइल जा सकेला* । अपना प्रकाशितवाक्य के माध्यम से , उ हमनी के एह विषय के खोज करावेलन जवन दुनो खेमा के अलग करेला : चुनल लोग के सब्त के दिन अउर पतित लोग के अतवार , काहे कि एह धार्मिक नाम के पीछे एगो बुतपरस्त सौर देवता के आराधना अउर अधिकार छिपल बा। आमानव समय के विकास के बावजूद भगवान एकरा के एह तरह से देखत रहेलें कि ई ओकरा खातिर असल में का बा . आदमी के अलग-अलग राय ओकर निर्णय के प्रभावित ना करेला ; अपना समय के क्रम में पहिला दिन अपवित्र होला , ऊ कवनो हालत में दिव्य पवित्रता ना ले सके . ई बिसेस रूप से सातवाँ दिन से जुड़ल बा जे सनातन

स्थलीय समय के सुरुआत से उकेरल अपना समय के क्रम में पवित्र कइल गइल बा ; ई 6000 सौर साल के अवधि खातिर होला।

पद 16: " *बादल पर बइठल आपन हँसुआ धरती पर धकेल दिहलस आधरती के फसल काटल गइल।* "

आत्मा " *धरती के फसल* " के भविष्य के पूरा होखे के पुष्टि करेला . मसीह उद्धारकर्ता अउर बदला लेवे वाला एकर देखभाल करीहें अउर मत्ती 13:30-43 में अपना प्रेरितन के दृष्टांत में कइल गइल घोषणा के अनुसार पूरा करीहें। " *फसल* " मुख्य रू प से ओह चुनल संतन के स्वर्ग में ले जाए से संबंधित बा जे सृष्टिकर्ता परमेश्वर के प्रति वफादार रहलन।

फसलके समय (आबदला लेवे के)

पद 17: " *स्वर्ग में मंदिर से एगो अउरी स्वर्गदूत निकलल , ओकरा लगे तेज हँसुआ भी रहे।* "

अगर पिछला " *परी " के चुनल लोग के अनुकूल मिशन रहे त एकरा* उलट एह " *दोसर परी "* के एगो दंडात्मक मिशन बा जवन गिरल विद्रोहियन के खिलाफ निर्देशित बा। ई दूसरा " *हँसुआ "* भी " *भगवान के तेज वचन* " के प्रतीक हवे जे उनकर इच्छा से काम में लगावल गइल बा , बाकी उनकर हाथ से ना काहें से कि फसल के बिपरीत , विंटेज खातिर , " *उनकर हाथ में* " अभिव्यक्ति अनुपस्थित बा। एह से दंडात्मक कार्रवाई ईश्वरीय इच्छा के निष्पादन करे वाला एजेंट लोग के सौंपल जाई ; दरअसल , उनुका बहकावा के शिकार लोग।

पद 18: " *एगो अउरी स्वर्गदूत वेदी से निकलल , जेकरा लगे आग पर अधिकार रहे , आ तेज हँसुआ वाला से जोर से कहलस कि , आपन तेज हँसुआ डाल के धरती के बेल के गुच्छा बटोरऽ , काहे कि धरती के अंगूर पाकल बा।* "

विंटेज " के पल । ईसा में बा। 63:1 से 6 तक, आत्मा एह प्रतीकात्मक शब्द से लक् षित क्रिया के विकास करेला। बाइबल में लाल अंगूर के रस के तुलना मनुष्य के खून से कइल गइल बा। ईसा द्वारा एकर प्रयोग , पवित्र भोज में , एह विचार के पुष्टि करेला। लेकिन " *विंटेज " " परमेश्वर के क्रोध "* से जुड़ल बा अउर इ ओह लोग के चिंता करी जे उनकर सेवकन के भेस में अयोग्य काम कइले बा , काहे कि मसीह के स्वेच्छा से बहावल खून ओह लोग के कई गो विश्वासघात के हकदार ना रहे। काहे कि यीशु ओह लोग के द्वारा धोखा महसूस कर सकेलन जे उनकर उद्धार योजना के एह हद तक विकृत कर देला कि उ पाप के सही ठहरावेला जवना खातिर उ आपन जान देले अउर दुख सहले ताकि ओकर अभ्यास बंद हो जाव। एह से उनकर कानून के जानबूझ के उल्लंघन करे वाला लोग के ओकरा के देवे के हिसाब बा। अपना आन्हर पागलपन में ऊ लोग एतना दूर तक चहुँप जाई कि उनकर सच्चा चुनल लोग

के मारल चाहत होई , ताकि धरती से सातवाँ दिन के सब्त के प्रथा के खतम कर दिहल जा सके , जवना के पवित्र कइल गइल बा आ 1843-44 से भगवान के माँग बा। चुनल लोग के भगवान के अधिकार ना रहे कि उ लोग अपना धार्मिक दुश्मनन के खिलाफ बल प्रयोग कर सके ; भगवान एह कार्रवाई के विशेष रूप से अपना खातिर सुरक्षित रखले रहले। " *बदला हमार ह, प्रतिशोध हमा र ह,* " उ अपना चुनल लोग से घोषणा कईले अवुरी इ बदला लेवे के समय आ गईल बा।

एह अध्याय 14 में , पद 17 से 20 " *विंटेज* " के एह विषय के उकसावत बा। पाप अंगूर के पाकल घोषित कइल जाला काहे कि ऊ अपना काम से आपन असली स्वभाव के पूरा तरह से प्रदर्शित कर दिहले बा . अंगूर तो ड़े वाला के गोड़ से रौंदला पर इनकर खून वट में अंगूर के रस निहन बह जाई।

पद 19: " *अउर स्वर्गदूत धरती में आपन हँसुआ डाल के धरती के बेल के बटोर के परमेश्वर के क्रोध के बड़का दारू के चूहा में फेंक दिहलस।* "

एह सीन से खुलासा भइल एह एलान से एह कार्रवाई के पुष्टि हो खत बा . भगवान कैथोलिक आप्रोटेस्टेंट अहंकार के सजा के भविष्यवाणी निश्चित रूप से कइले बाड़न। ऊ लोग भगवान के क्रोध के परिणाम भोगी , जवना के छवि ओह वट से होला जवना में कटल अंगूर के कुचलल लोग के गोड़ से कुचलल जाला।

पद 20: " *शहर के बाहर दारू के प्रेत के दबा दिहल गइल , आदारू के दबाव से खून निकलल , घोड़ा के लगाम तक, हजार छह सौ स्टेड के दूरी पर।* "

यशायाह 63:3 निर्दिष्ट करत बा : " *हम अकेले शराब के प्रेत के दबा देनी ; हमरा साथे कवनो आदमी ना रहे* ... "। विंटेज प्रकाशितवाक्य 16:19 में बाबुल महान शहर के सजा के पूरा करेला। दिव् य क्रोध के प्याला भर देले बा जवन अब ओकरा मल-मूत्र तक पीये के पड़ी। " *वाइनप्रेस के शहर के बाहर दबा दिहल गइल* " यानी कि पहिले से ही स्वर्ग में ले जाइल गइल चुनल लोग के मौजूदगी के बिना। यरूशलेम में फांसी के सजा पावे वाला लोग के फांसी के सजा पवित्र शहर के देवाल के बाहर कर दिहल जात रहे ताकि ओकरा के अशुद्ध ना कइल जा सके। ईसा मसीह के सूली पर चढ़ावे के मामला इहे रहे जे एह संदेश के द्वारा , ओह लोग खातिर जवन कीमत चुकावे के रहे , ओकरा के याद करेला जे उनकर खुद के मौत के कम आंकल। समय आगइल बा कि उनकर दुश्मन बारी - बारी से आपन खून बहाव के अपना कई गो पाप के प्रायश्चित करस। " *आ दारू के चूहा से खून निकलल घोड़ा के लगाम तक* ." क्रोध के निशाना ईसाई धार्मिक गुरु लोग होला आभगवान ओह लोग के ओह " *बिट* " के छवि से नामित करेलें जवना के सवार लोग *घोड़ा के मुँह में* "

डाल के ओह लोग के मार्गदर्श न करेला . इ छवि याकूब 3:3 में प्रस्तावित कइल गइल बा , जेकर विषय ठीक से बा : धार्मिक गुरु लोग। याकूब अध्याय 3 के शुरुआत से ही निर्दिष्ट कइले बाड़न : " *हे भाई लोग , रउवां में से बहुत लोग शिक्षक ना बने दीं , काहेकि रउवां जानत बानी कि हमनी के न्याय अउरी कड़ाई से होई* ." " *विंटेज* " के क्रिया एह बुद्धिमान चेतावनी के जायज ठहरावेला। " *घोड़ा के लगाम तक भी* " निर्दिष्ट करके , आत्मा सुझाव देला कि वाइनप्रेस , सबसे पहिले , " *महान बेबिलोन* " के रोमन कैथोलिक पादरी लोग से संबंधित बा , लेकिन इ प्रोटेस्टेंट शिक्षक लोग *तक भी फैलल बा* जे , 1843 से , पवित्र बाइबल के "विनाशकारी " उपयोग करत रहलन , प्रकाशितवाक्य 9:11 में आत्मा के आरोप के अनुसार। इहाँ हमनी के प्रकाशितवाक्य 14:10 में दिहल चेतावनी के लागू होखे के मिलेला : " *उ* ***खुद*** *परमेश्वर के क्रोध के शराब से पी लिहे , जवन बिना मिश्रण के अपना क्रोध के प्याला में डालल जाई ...* "।

संदेश खातिर " *एक हजार छह सौ स्टेड के दूरी पर* ," पिछला संदेश के निरंतरता में , सजा 16वीं सदी से सुधारल आस्था तक ले फइलल बा , जवना के संख्या 1600 संकेत करेला। इ उ समय ह जब मार्टिन लूथर 1517 में कैथोलिक आस्था के खिलाफ आरोप के आधिकारिक तौर प लगवले रहले लेकिन इहे 16वीं सदी में भी " *झूठा मसीह* " *अवुरी झूठा ईसाई के प्रोटेस्टेंट सिद्धांत* के निर्माण भईल रहे , जवन कि यीशु मसीह के ओर से मना कईल गईल हिंसा अवुरी तलवार के वैध बना देले रहले। एपोकैलिप्स व्याख्या के आपन कुंजी पेश करेला , अउर एह 16वीं सदी के प्रकाशितवाक्य 2:18 से 29 में युग के प्रतीकात्मक नाम " *थ्यातिरा* " के तहत नामित कइल गइल बा । " *स्टेडियम* " शब्द से ओह लोग के धार्मिक गतिविधि , दौड़ में ओह लोग के भागीदारी , दांव पर लागल पुरस्कार विजेता के वादा कइल गइल जीत के ताज होला . इ 1 कुरिन्थियों में पौलुस के शिक्षा ह। 9:24: " *का रउवां नइख जानत कि दौड़ में दौड़त लोग सब दौड़त बा , लेकिन एक आदमी के इनाम मिलेला ? अइसन दौड़ीं कि रउवां ओकरा के जीत सकीले* ." एह से स्वर्गीय बोलावल के इनाम खाली कवनो तरीका से ना जीतल जाला ; आज्ञाकारिता में निष्ठा आ दृढ़ता ही विश्वास के लड़ाई में जीते के एकमात्र तरीका ह। ऊ फिल में पुष्टि करत बाड़न . 3:14 कहत हउवें : " *हम मसीह यीशु में परमेश्वर के स्वर्गीय बोलावल के इनाम जीते खातिर लक्ष्य के ओर बढ़त बानी* । " " *विंटेज* " के समय यीशु के इ शब्दन के सत्यापन हो जाई : " *काहेकि बहुत लोग के बोलावल गईल बा , लेकिन चुनल गईल बहुत कम लोग बा* (मत्ती 22:14)।

प्रकाशितवाक्य 15: परिवीक्षा के अंत

" *फसल आविंटेज* " पूरा होखे से पहिले प्रोबेशन के अंत के डरावना पल आवेला। ऊ पल जब मानवीय पसंद पत्थर में सेट हो जाला , जवना में एह विकल्पन के उलट देबे के कवनो संभावना ना होखे . ओही पल मसीह में उद्धार के पेशकश खतम हो जाला। ईसा मसीह के प्रलय के एह बहुत छोट अध्याय 15 के विषय इहे बा। परिवीक्षा के अंत अध्याय 8 अउर 9 के पहिला छह " *तुरही* " *के बाद आवेला , अउर अध्याय 16 के* " *परमेश्वर के सात अंतिम विपत्ति* " से पहिले आवेला , इ कहला के जरूरत नइखे कि इ ओह रास्ता के अंतिम चुनाव के पालन करेला जवन परमेश्वर आदमी के चले के देले बाड़े। प्रकाशितवाक्य 13:11 से 18 तक के " *धरती से ऊपर आवे वाला जानवर* " के निरंकुश आश्रय में , अंतिम दू गो रास्ता , एगो , परमेश्वर के शनिवार या पवित्र सब्त के दिन , दूसरा , रोमन पोप के अधिकार के अतवार के ओर ले जाला। जिनगी आ नीमन , मौत आ बुराई के बीच के चुनाव कबो एतना साफ ना भइल रहे । आदमी केकरा से बेसी डेराला ? भगवान कि आदमी ? अइसने हालात के दिहल गइल बा . लेकिन हम इहो कह सकत बानी कि आदमी केकरा से ज्यादा प्यार करेला ? भगवान कि आदमी ? चुनल लोग दुनो मामला में जवाब दिहे : परमेश्वर , अपना भविष्यवाणी के प्रकाशन के माध्यम से अपना योजना के अंत के विवरण के जानत। अनन्त जीवन तब बहुत नजदीक होई , ओह लोग के पकड़ में।

पद 1: " *हम स्वर्ग में एगो अउरी चिन्ह देखनी , जवन बड़हन आ अद्भुत रहे : सात गो स्वर्गदूत के सात गो आखिरी विपत्ति बा , काहे कि ओहमें परमेश्वर के क्रोध पूरा हो गइल बा।* "

इ श्लोक " *सात अंतिम विपत्ति* " के प्रस्तुत करेला जवन झूठा विश्वासियन के रोमन अतवार के चुनाव खातिर मार दिही। एह अध्याय के विषय , परिवीक्षा के अंत , " *परमेश्वर के क्रोध के सात गो अंतिम विपत्ति* " के समय के शुरुआत करेला।

पद 2: " *हम देखनी कि कांच के समुंदर आग में घुलल - मिलल ह, आजे लोग जानवर पर , ओकर मूर्ति पर आ ओकर नाम के संख्या पर जीत हासिल कइले बा , ऊ लोग कांच के समुन्दर पर भगवान के वीणा लेके खड़ा बा।* "

अपना सेवकन , उनकर चुनल लोग के प्रोत्साहित करे खातिर , प्रभु तब एगो अइसन दृश्य प् रस्तुत करेलन जवन भविष्यवाणी के अन्य अंश से लिहल विभिन्न छवि से उनकर आसन्न जीत के उकसावेला। " *कांच के समुंदर*

पर , आग से घुलल -मिलल , उ लोग खड़ा बा , " काहे कि उ लोग विश्वास के एगो परीक्षा से गुजर चुकल बा , जवना में उ लोग के सतावल गईल (*आग के हाथापाई*) अवुरी विजयी होके निकलल बाड़े। " *कांच के समुद्र* " चुनल लोग के पवित्रता के निर्दिष्ट करेला , जइसे कि प्रकाशितवाक्य 4:1 में।

पद 3: " *उ लोग परमेश्वर के सेवक मूसा के गीत आ मेमना के गीत गावत बाड़े कि , हे सर्वशक्तिमान परमेश्वर , तोहार काम महान आअद्भुत बा !*

" *मूसा के गीत* " मि स्र से इस्राएल के गौरवशाली पलायन के जश्न मनावत रहे , जवन कि पाप के देश अवुरी ठेठ प्रतीक ह। 40 साल बाद पार्थिव कनान में प्रवेश जवन अंतिम चुनल लोग के स्वर्गीय कनान में प्रवेश के पूर्वाभास रहे। बदला में , चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित करे खातिर आपन जान देला के बाद , यीशु , " *मेमना* ", अपना महिमा अउर स्वर्गीय ईश्वरीय शक्ति में , स्वर्ग में चढ़ गइलन। यीशु के अंतिम विश्वासी गवाह , विश्वास अउर काम में सब एडवेन्टिस्ट , बदले में स्वर्ग में चढ़े के अनुभव करेलन जब यीशु उनकरा के बचावे खातिर वापस आजालें। उनकर " *महान आअद्भुत काम* " के ऊंचाई देत चुनल लोग सृष्टिकर्ता परमेश्वर के महिमा करेला जे यीशु मसीह में उनकर मूल्यन के समाहित कइले रहे : उनकर सिद्ध " *धार्मिकता* " अउर उनकर " *सच्चाई* "। " *सच्चा* " शब्द के आह्वान एह क्रिया के संदर्भ के " *लौदीकिया* " *युग* के अंत से जोड़ देला जवना में उ अपना के " *आमीन आसच्चा* " के रूप में पेश कइले रहले . तब इ " *मुक्ति* " के समय ह जवन प्रकाशितवाक्य 12:2 के " *औरत के जन्म* " के समय के अंत के चिन्हित करेला । " *बच्चा* " के दुनिया में यीशु मसीह में अउर यीशु मसीह द्वारा प्रकट कइल गइल स्वर्गीय चरित्र के पवित्रता के रूप में ले आवल जाला। चुनल लोग भगवान के उनकर " *सर्वशक्तिमान* " अवस्था खातिर स्तुति कर सकेला काहे कि एही दिव्य शक्ति के ही उ लोग आपन उद्धार अउर मुक्ति के ऋणी बा। अपना मुक्ति के सब पार्थिव राष्ट्न में से एकट्ठा क के चुन के , ईसा मसीह सही मायने में " *जाति के राजा* " हवें। उनकर आउनकर चुनल लोग के विरोध करे वाला लोग अब नइखे रहि गइल .

पद 4: " *हे प्रभु , के ना डेरई आतोहार नाम के महिमा ना करी , काहेकि अकेले तू पवित्र बाड़ू , आ सब जाति तोहरा सामने आके पूजा करी , काहेकि तोहार न्याय प्रकट हो गईल बा।* "

सादा भाषा में एकर मतलब बा : के रउरी से डेराए से मना करी , सृष्टिकर्ता परमेश्वर , अउर रउवा के पवित्र सातवाँ दिन के सब्त के दिन के सम्मान करे से इनकार करके रउवां के उचित महिमा से वंचित करे के

हिम्मत करी ? काहे कि **तू अकेले पवित्र हउअ** , आ तू अकेले आपन सातवाँ दिन आजेकरा के दे ले बाड़ू , ओकरा के पवित्र कइले बाड़S , जवन कि ओह लोग के मंजूरी आ अपना पवित्रता के होखे के निशानी ह। दरअसल , " *उनकर डर* " के बात करत घरी आत्मा प्रकाशितवाक्य 14:7 के पहिला " *स्वर्गदूत* " के संदेश के संकेत कर रहल बा : " *परमेश्वर से डेराईं अउर उनकर महिमा करीं , काहेकि उनकर न्याय के समय आ गईल बा ; अउर उनकर पूजा करीं (प्रणाम करीं) जे आकाश अउर धरती , समुद्र अउर पानी के झरना बनवले बा* । " परमेश्वर के योजना में , नष्ट हो चुकल विद्रोही राष्ट्न के दोगुना उद्देश्य खातिर जिंदा कइल जाई : परमेश्वर के सामने खुद के नम्र करे अउर उनकर महिमा देवे , अउर उनकर न्यायसंगत अंतिम सजा से गुजरे जवन उनकरा के निश्चित रूप से नाश करी , अंतिम न्याय के " *आग अउर गंधक के झील* " *में , जवना के घोषणा* प्रकाशितवाक्य 14:10 के " *तीसरा स्वर्गदूत* " के संदेश में कइल गइल बा । एह सब के पूरा होखे से पहिले चुनल लोग के ईश्वरीय न्याय के समय से गुजरे के पड़ी जवन पहिला श्लोक में घोषित " *सात विपत्ति* " के क्रिया से प्रकट होई।

पद 5: " *एकरा बाद हम देखनी , त देखनी कि स्वर्ग में गवाही के तम्बू के मंदिर खुल गईल।* "

स्वर्गीय " *मंदिर* " के ई खुलल ईसा मसीह के बिनती के समाप्त होखे के संकेत देला , काहे कि उद्धार के आह्वान के समय खतम हो जाला। " *गवाही* " परमेश्वर के दस आज्ञा के निर्दिष्ट करेला जवन पवित्र सन्दूक में रखल गईल रहे। एह तरह से एह पल से चुनल आहेराइल के बीच के अलगाव निश्चित बा . धरती पर , विद्रोही लोग अभी फैसला कइले बा , कानून के एगो फरमान से , सिविल रूप से स्थापित आ धार्मिक रूप से पुष्टि कइल गइल , क्रमिक रूप से , रोमन सम्राट , कॉन्स्टेंटाइन I ' आ जस्टिनियन प्रथम द्वारा जे विजिलियस प्रथम के पहिला पोप , सार्वभौमिक ईसाई आस्था के अस्थायी प्रमुख , यानी कैथोलिक , 538 में बनवले बा मौत के भविष्यवाणी प्रकाशितवाक्य 13:15 से 17 में कइल गइल रहे अउर यूरोपीय कैथोलिक विश्वास द्वारा समर्थित अमेरिकी प्रोटेस्टेंट विश्वास के प्रमुख कार्रवाई के तहत रखल गइल रहे।

पद 6: " *सा त गो विपत्ति वाला सात गो स्वर्गदूत शुद्ध आसफेद लिनन के कपड़ा पहिनले आछाती पर सोना के पट्टी बान्ह के मंदिर से निकललन।* "

भविष्यवाणी के प्रतीकात्मकता में " *सात स्वर्गदूत* " अकेले यीशु मसीह के प्रतिनिधित्व करेला या " *सात स्वर्गदूत* " उनुका जइसन अपना खेमा के प् रति वफादार। " *महीन लिनन , शुद्ध अउर चमकदार* " प्रकाशितवाक्य 19:8 में " *संतन के धार्मिक काम* " के

प्रतिनिधित्व करेला। " *छाती के चारों ओर सोना के पट्टी* ," एह से दिल के स्तर पर , प्रकाशितवाक्य 1:13 में प्रस्तुत मसीह के प्रतिरूप में पहिलहीं से उद्धृत सच्चाई के प्रेम के उकसावेला। सच्चाई के भगवान झूठ के खेमा के ताड़ना देवे के तैयारी में बाड़े। एह याद दिलावत आत्मा " *महान विपत्ति* " *के सुझाव देत बा जवना के रूप* " *सूरज जब ऊ अपना ताकत में चमकेला* " के तुलना में उनकर चेहरा से प्रकट भइल रहे। ईसा मसीह आ विद्रोही बुतपरस्त सूरज उपासक लोग के बीच अंतिम मुठभेड़ के समय आगइल बा।

पद 7: " *चारो जीव में से एगो सात स्वर्गदूतन के सात गो सोना के कटोरा दिहलस जवन परमेश्वर के क्रोध से भरल रहे , जे हमेशा खातिर जिंदा रहेला।* "

चार जीव " द्वारा चित्रित मॉडल रहलन , उ " *उ परमेश्वर भी हवें जे हमेशा खातिर जिंदा रहेलन* " " *गुस्सा* " *कइल गइल* । " एह तरह से उनकर ईश्वरीयता उनका के सभ भूमिका सौंप देला : सृष्टिकर्ता , मुक्तिदाता , बिचौलिया , आ स्थायी रूप से , न् यायाधीश। फेर अपना बिनती के अंत करत ऊ न्याय के भगवान बन जाला जे अपना विद्रोही विरोधियन पर प्रहार आ मौत के सजा देला , काहे कि ऊ लोग ओकरा न्यायसंगत " *क्रोध* " *के* " *प्याला* " *भर दिहले बा* ." *प्याला* " *अब भर गइल बा , आई क्रोध* " *सात गो आखिरी* " *सजा* के रूप ले ली जवना में दिव्य दया के जगह अब ना रही .

पद 8: " *परमेश्वर के महिमा आ उनकर शक्ति से मंदिर में धुँआ भर गइल , जब तक कि सात स्वर्गदूतन के सात गो विपत्ति पूरा ना हो गइल तब तक केहू मंदिर में ना घुस पावल।* "

अनुग्रह के समाप्त होखे के एह विषय के देखावे खातिर , आत्मा एह श् लोक में एगो " उपस्थिति *के कारण धुँआ से भरल मंदिर के छवि प्रस्तुत कइले बा* " *भगवान के* " आ ऊ निर्दिष्ट करत बाड़न : " *आ जबले सात स्वर्गदूतन के सात गो विपत्ति पूरा ना हो गइल तबले केहू मंदिर में ना घुस पावल* ." एह तरह से भगवान अपना चुनल लोग के चेतावत बाड़न कि उ लो ग उनकर क्रोध के " *सात गो आखिरी विपत्ति* " के समय में धरती पर रहीहें । अंतिम चुनल लोग " *दस विपत्ति* " के समय इब्रानियन के अनुभव के दोबारा जीई जवन विद्रोही मिस्र पर आइल रहे। विपत्ति ओह लोग खातिर ना , बलुक विद्रोहियन खातिर होला , दिव्य क्रोध के निशाना . *बाकिर* " *मंदिर* " में ओह लोग के प्रवेश के आसन्नता के एह तरह से पुष्टि हो गइल बा , संभावना दिहल जाई , जइसहीं " *सात गो आखिरी प्लेग* " खतम हो जाई .

प्रकाशितवाक्य 16 : सात अंतिम विपत्तियन के बारे में बतावल गइल बा भगवान के क्रोध के

*सात गो **आखिरी** विपत्तियन* " के बहाव के प्रस्तुत कइल गइल बा जवना से " *परमेश्वर के क्रोध* " के अभिव्यक्ति कइल गइल बा।

भगवान के क्रोध " के निशाना ओलोग के समान होई , जेकरा के पहिला छह " *तुरही* " के सजा से मारल गईल रहे । एह तरह से आत्मा इ प्रकट करेला कि " *सातवाँ **आखिरी** विपत्ति* " अउर " *सात तु रही " के सजा एके पाप के सजा देला : " सातवाँ दिन "* के सब्त के आराम के उल्लंघन । *पवित्र कइल गइल* " दुनिया के सृष्टि से भगवान के द्वारा।

हम इहाँ एगो कोष्ठक खोल रहल बानी , देर से। दिव्य " *तुरही* " आ" *विपत्ति भा विपत्ति* " के विशेषता वाला अंतर पर ध्यान दीं . " *तुरही* " सभ मानव हत्या हवें जे आदमी द्वारा काम में लगावल जाला बाकी भगवान के आदेश पर होला , पाँचवा आध्यात्मिक प्रकृति के होला। " *प्लेग* " भगवान के द्वारा सीधे अपना जीवित सृष्टि के प्राकृतिक साधन के माध्यम से थोपल अप्रिय कर्म हवे। प्रकाशितवाक्य 16 हमनी के " *सात गो **आखिरी** विपत्ति " के साथ पेश करेला , जवन सूक्ष्म रूप से बतावेला कि ओकरा से पहिले* अनुग्रह के समय के अंत से पहिले आदमी के द्वारा भोगल गइल अन्य " *विपत्ति " भइल रहे , जवन आध्यात्मिक रूप से " अंत के समय* " के अलग करेला जवना के उद्धृत दान में दिहल गइल बा। 11:40 के दू भाग में बा। पहिला में ई अंत राष्ट्रन के समय के बा आ दूसरा में अमेरिका के संरक्षण आपहल में संगठित सार्वभौमिक विश्व सरकार के समय के . 18 दिसंबर 2021 के सब्त के दिन कइल गइल एह अपडेट में हम एह सफाई के पुष्टि कर सकेनी , काहे कि 2020 के शुरुआत से ही चीन में पहिला बेर आइल एगो संक्रामक वायरस , कोरोना वायरस Covid-19 के चलते पूरा मानवता आर्थिक बर्बादी के चपेट में आ गइल बा। वैश्ववादी आदान -प्रदान आ ज्ञान के संदर्भ में , मानसिक रूप से एकर असली प्रभाव के प्रवर्धित करत , घबराहट में , जनता के नेता मरल बंद हो गइल बाड़े , पूरा पश्चिमी यूरोपीय आअमेरिकी अर्थव्यवस्था के विकास आ लगातार विकास . अन्याय से महामारी के रूप में मानल जाए वाला पश्चिम जवन सोचत रहे कि एक दिन मौत पर विजय पाई , निराश आ लाचार बा। घबराहट में

अभक्त लोग अपना के ओह नया धर्म के देह आ आत्मा दे दिहले बा जवन ओकरा जगह ले त बा : सर्वशक्तिमान चिकित्सा विज्ञान . आ धरती के सबसे अमीर बदमाश देश एह मौका के फायदा उठावत आदमी के अपना निदान , अपना टीका , ओह लोग के उपाय आओह लोग के कॉरपोरेट फैसला के कैद आगुलाम बना दिहलसि . एकरा साथे -साथे फ्रांस में हमनी के निर्देश सुनत बानी जा , कम से कम विरोधाभासी कहल जाव त , जवना के हम संक्षेप में एह तरह से बतावत बानी कि "अपार्टमेंट में हवादार होखे आ घंटन सुरक्षात्मक मास्क पहिरे के सलाह दिहल जाला जवना के पीछे पहिरले वाला के दम घुट जाला ." फ्रांस आअउरी नकल करे वाला देशन के युवा शासकन के "सामान्य ज्ञान " पर प्रकाश डालल गइल बा। इहाँ ई बतावल दिलचस्प बा कि एह विनाशकारी व्यवहार के नेतृत्व करे वाला देश पहिले इजरायल रहे ; धार्मिक इतिहास में भगवान के श्रापित पहिला देश। एकरा बाद श्वसन तंत्र के प्रभावित करेवाला बेमारी से बचाव खाती मास्क पहिने प रोक लगावल गईल रहे , जवना के शुरू में जब उ उपलब्ध ना रहे। भगवान के अभिशाप अप्रत्याशित फल देला , लेकिन विनाशकारी रूप से बहुत प्रभावी। हमरा पूरा विश्वास बा कि 2021 से " *छठवाँ तुरही* " के शुरुआत , तीसरा विश्वयुद्ध के बीच , अउरी " *भगवान के प्लेग* " धरती पर बिबिध जगहन पर , आखासतौर पर बर्बा द पश्चिम में , दोषी मानवता पर आजाई ; "प्लेग " जइसे कि " *अकाल* " आअउरी वास्तविक सार्वभौमिक महामारी , जेकरा के पहिले से प्लेग आ हैजा के नाँव से जानल जाला। भगवान इजकिएल में एह प्रकार के सजा के दावा कइले बाड़न। 14:21: *"हँ , प्रभु यहोवा इ कहत हउवें : हालांकि हम यरूश लेम के खिलाफ आपन चार गो भयानक सजा , तलवार , अकाल , जंगली जानवर अउर महामारी के भेजत बानी , ताकि ओकरा से आदमी अउर जानवर के सफाया कर सकीले ,"*। ध्यान दीं कि ई सूची पूरा नइखे , काहें से कि आधुनिक समय में ईश्वरीय सजा कई गो रूप ले लेला : कैंसर , एड्स , चिकनगुनिया , अल्जाइ मर ... आदि ... हम ग्लोबल वार्मिंग के कारण एगो डर के रूप भी नोट करत बानी। बर्फ के पिघले आओकरा से हो सके वाला बाढ़ के सोच के मानवता के जनमानस डेरा जाला आ घबरा जाला . फिर भी दिव्य अभिशाप के एगो अउरी फल जवन मनुष्य के मन पर प्रहार करेला आ विरह आ नफरत के दीवार बनावेला। हम एह कोष्ठक के बंद करत बानी कि अनुग्रह के अंत के बाद के एह संदर्भ में अध्ययन के फेर से शुरू कइल जा सके जवन " *भगवान के क्रोध के सात गो* ***आखिरी विपत्तियन*** " के विशेषता ह.

एगो अउरी कारण लक्ष्य के चुनाव के जायज ठहरावेला | " *सात अंतिम विपत्ति* " दुनिया के अंत में सृष्टि के विनाश पूरा करेला। भगवान , सृष्टिकर्ता

खातिर , उनकर काम के नाश के समय आगईल बा। त ऊ सृष्टि के प्रक्रिया के पालन करेला , बाकिर सृष्टि के बजाय ऊ नाश करेला। " *सातवाँ आखिरी प्लेग* " के साथ , धरती पर मानव जीवन बुझ जाई , धरती के पीछे एक बे र फेरु से एगो " *खाई* " अराजक अवस्था में छोड़ दिहल जाई , जवना के एकमात्र निवासी शैतान , पाप के लेखक ; उजाड़ धरती " *हजार साल* " खातिर उनकर जेल होई जब तक कि अंतिम न्याय ना होई जब बाकी सब विद्रोहियन के साथे उनकर सफाया हो जाई प्रकाशितवाक्य 20 के अनुसार।

पद 1: " *हम मंदिर से एगो जोरदार आवाज सुननी कि सात स्वर्गदूतन से कहत रहे कि , जाके परमेश्वर के क्रोध के सात कटोरा धरती पर उझड़ दीं।* "

ई " *मंदिर से तेज आवाज* " अपना सबसे जायज अधिकार से कुंठित सृष्टिकर्ता भगवान के ह। सृष्टिकर्ता भगवान के रूप में उनकर अधिकार के एगो परम चरित्र बा आ ना त न्यायसंगत बा ना बुद्धिमानी कि ऊ एह उद्देश्य खातिर " *पवित्र* " कइले बाड़न , विश्राम के दिन के पालन से उनकर पूजा आ महिमामंडन होखे के इच्छा के चुनौती दिहल। भगवान अपना महान आ दिव्य बुद्धि में ई सुनिश्चित कइले बाड़न कि जे भी ओकरा अधिकार आ अधिकार के चुनौती दिही ऊ " *दूसरा मौत* " में सर्वशक्तिमान भगवान के खिलाफ अपना आक्रोश के कीमत के प्रायश्चित करे से पहिले ओकर सबसे महत्वपूर्ण रहस्य के अनदेखी करी।

पद 2: " *पहिला जाके आपन कटोरा धरती पर उझड़ दिहलस , आ जानवर के निशान वाला आदमी आ ओकर मूर्ति के पूजा करे वाला लोग पर एगो गंभीर घाव पड़ल।* "

पिछला विद्रोह के प्रमुख शक्ति आ प्रमुख अधिकार के रूप में , एह संदर्भ में प्राथमिकता के लक्ष्य पतित प्रोटेस्टेंट आस्था के " *भूमि* " *प्रतीक बा।*

पहिला प्लेग " *एगो घातक अल्सर* " ह जवना से ओह विद्रोहियन के शरीर के शारीरिक पीड़ा होला जे आदमी के लगावल आराम के दिन के माने के फैसला कइले बा . निशाना कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट लोग के बा जे परमाणु संघर्ष से बच गइल बा आ जे पहिला दिन रोमन अतवार के एह चुनाव के साथ " *द... जानवर के निशान* ."

पद 3: " *दूसरा आदमी आपन कटोरा समुंदर में डाल दिहलस , त उ खून हो गईल , जवन कि एगो मरल आदमी के खून निहन हो गईल , अवुरी हर जीव - जंतु , समुंदर में मौजूद सब कुछ मर गईल।* "

" *दूसरा* " *समुद्र* " पर टकरा जाला जवना के ऊ " *खून* " में बदल देला , जइसे कि ऊ मूसा के समय मिस्र के नील नदी खातिर कइले रहलें ; " *the sea* ", रोमन कैथोलिक धर्म के प्रतीक , जवन भूमध्य सागर के निशाना बनावे ला। एह पल में भगवान " *समुद्र* " में मौजूद सभ जानवर के जीवन

के सफाया क देले। ऊ सृष्टि के प्रक्रिया के उल्टा शुरू करेला , अंत में , " *धरती* " फेर से " *निराकार आ शून्य* " *हो जाई ; ई अपना मूल* " *रसातल* " अवस्था में वापस आजाई .

पद 4: " *तीसरा पानी के नदी आ झरना पर आपन कटोरा उझिल दिहलस आऊ खून हो गइल।* "

" *तीसरा* " " *नदी आ पानी के झरना* " *के* ताजा " *पानी* " *पर टकरा जाला* , जवन अचानक बदले में " *खून* " बन जाला . अब प्यास बुझावे खातिर पानी ना। सजा कठोर आ हकदार बा का हे कि ऊ लोग चुनल लोग के "खून " बहावे के तइयारी करत रहुवे . इ सजा पहिला रहे जवन परमेश्वर मूसा के लाठी से मिस्र के लोग के देले रहले , इब्रानियन के " *खून के पीये वाला* " जेकरा के कठोर गुलामी में जानवर निहन व्यवहार कईल गईल रहे , जहवां बहुत लोग मर गईले।

पद 5: " *हम पानी के दूत के कहत सुननी कि तू धर्मी हउअ, तू जे रहल बाड़ऽ आ रहल बाड़ऽ , तू पवित्र बाड़ऽ , काहेकि तू ई न्याय के पालन कइले बाड़ऽ।* "

न्यायसंगत " अउर " *पवित्र* " शब्दन के नोट करीं जवन दान के फरमान के पाठ के हमार सही अनुवाद के पुष्टि करेला। 8:14: " *2300 शाम आ सबेरे आ पवित्रता के सही ठहरावल जाई* "; " *पवित्रता* " जवन सब कुछ के समेटले बा जवन भगवान पवित्र मानत बाड़े। एह अंतिम संदर्भ में , उनकर " *पवित्र* " *सब्त* पर हमला पूरा न्याय में परमेश्वर के न्याय के हकदार बा जे " *पानी* " *के* " *खून* " में पीये खातिर बदल देला। " *पानी* " शब्द प्रतीकात्मक रूप से आदुगुना रूप से मानव जनमानस आ धार्मिक शिक्षा के निर्दिष्ट करे ला। पोप रोम द्वारा विकृत , प्रकाशितवाक्य 8:11 में , दुनो के " *वर्मवुड* " में बदल दिहल गइल बा। " *रउआ न्यायसंगत बानी ... काहे कि रउआ एह न्याय के प्रयोग कइले बानी* " कह के स्वर्गदूत सच्चा पूर्ण न्याय के जरूरत के माप के जायज ठहरावेला जवन खाली परमेश्वर ही पूरा कर सकेला। सूक्ष्म रूप से , आ बहुत सटीक रूप से , आत्मा भगवान के नाम से गायब कर देला , रूप " *आ जे आवेला* ", काहे कि ऊ आइल बा ; आ ओकर रूप ओकरा आ ओकरा छुटकारा पावे वाला लोग खातिर एगो स्थायी उपहार खोल देला , बिना ओह संसारन के भुला के जवन शुद्ध रहल आओकरा प्रति वफादार रहल पवित्र स्वर्गदूतन के .

पद 6: " *काहेकि उ लोग संत अउर भविष्यवक्ता लोग के खून बहवले बा , अउर तू उनकरा के खून पियले बाड़ऽ , उ लोग लायक बा।* "

चूँकि विद्रोही चुनल लोग के मा रे खातिर तैयार रहले , जे लोग के उद्धार के ऋणी खाली यीशु के हस्तक्षेप के रहे , एहसे परमेश्वर उ लोग के उ अपराध

के भी आरोप लगवले जवन उ लोग करे वाला रहले। एही कारण से ओह लोग के साथे पलायन के मिस्र के लोग नियर व्यवहार कइल जात रहे। भगवान दूसरा बेर कहले बाड़े कि "*उ लोग योग्य बाड़े* ." एह अंतिम चरण में , हमनी के एडवेंटिस्ट के आक्रमणकारी के रूप में सार्डिस के दूत के चुनल पावेनी जा जेकरा से यीशु कहले रहले : "*तोहरा के जिंदा मानल जाला , अउर तू मर गईल बाड़* ।" लेकिन साथे -साथे उ 1843-1844 के चुनल लोग के बारे में कहले रहले कि "*उ लोग हमरा संगे , सफेद कपड़ा में , काहे कि उ लोग योग्य बाड़े* ।" एह तरह से , हर एक के उ गरिमा जवन ओकरा विश्वास के काम के अनुसार मिलेला : "*सफेद कपड़ा* " विश्वासी चुनल लोग खातिर ," *खून* " बेवफा गिरल विद्रोहियन खातिर पीये खातिर।

पद 7: " *हम एगो अउरी स्वर्गदूत के वेदी से निकल के सुननी कि , "हे सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर , तोहार न्याय सच्चा आधर्मी बा ।"*

"*वेदी* ," क्रूस के प्रतीक से आवे वाला ई आवाज सूली पर चढ़ावल मसीह के ह , जेकरा लगे एह न्याय के मंजूरी देवे के खास कारण बा। काहे कि जेकरा के ऊ एह घरी सजा दे रहल बाड़न , ऊ लोग आदमी के आज्ञा के पालन कइल पसंद करके एगो घिनौना पाप के सही ठहरावत अपना उद्धार के दावा करे के हिम्मत कइले बा ; ई पवित्र शास्त्र के चेतावनी के बावजूद : यशायाह 29:13 में "*प्रभु कहले : जब ई लोग हमरा लगे आवेला त उ लोग हमरा के अपना मुँह से आअपना होंठ से आदर करेला , लेकिन उनकर दिल हमरा से दूर बा , अउर हमरा से उनकर डर* ***खाली मानव परंपरा के उपदेश ह*** *।*" मत्ती 15:19: "*लेकिन व्यर्थ में उ लोग हमार पूजा करेला* , ***आदमी के आज्ञा के शिक्षा खातिर शिक्षा देवेला*** ।

पद 8: " *चउथा आदमी आपन कटोरा सूरज पर उझिल दिहलस , आओकरा के दिहल गइल कि ऊ लोग के आग से जरा देव।* "

चउथा "*सूरज पर* " काम करेला आओकरा के सामान्य से अधिका गरम कर देला . विद्रोहियन के मांस एह तीव्र गर्मी से "*जरावल* " *हो जाला।* "*पवित्रता* " के उल्लंघन के सजा देला के बाद अब भगवान कॉन्स्टेंटाइन प्रथम से विरासत में मिलल "सूरज के दिन " के मूर्तिपूजा के *सजा* दिहे । भगवान मूर्ति के मूर्तिपूजकन के खिलाफ मोड़ देले। इहे प्रकाशितवाक्य 1 में घोषित "*महान आपदा* " के पराकाष्ठा ह , उ पल जब "*सूरज* " के आज्ञा देवे वाला एकर इस्तेमाल अपना उपासक लोग के सजा देवे खातिर करेला।

पद 9: " *अउर आदमी बहुत गर्मी से झुलस गइलन , अउर उ लोग परमेश्वर के नाम के निंदा कइलन जे एह*

विपत्तियन पर अधिकार रखलन , अउर उ लोग उनकर महिमा देवे खातिर पश्चाताप ना कइलन। "

जवना स्तर प उ लोग पहुंच गईल बाड़े , ओकरा में विद्रोही अपना पाप के पश्चाताप ना करेले अवुरी भगवान के सोझा अपना के नम्र ना करेले , लेकिन उ लोग उनुका " *नाम के " निंदा* " क के उनुकर अपमान करेले। ई पहिलहीं से ओह लोग के स्वभाव में रहे , एगो आदतन व्यवहार , जवन सतही विश् वासियन में पावल जाला ; ऊ लोग ओकर सच्चाई जाने के कोशिश ना करेला आओकर तिरस्कार भरल चुप्पी के अपना फायदा खातिर व्याख्या ना करेला . आ जब दिक्कत आवेला त ओकरा " *नाम* " के गारी देला . " *पश्चाताप* " *करे* में असमर्थता प्रकाशितवाक्य 9:20-21 के " *छठवाँ तुरही* " *के " बचे वा ला " लोग* के संदर्भ के पुष्टि करेला । विद्रोही अविश्वासी धार्मिक लोग हवें भा ना जे सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता भगवान में विश्वास ना करेलें। इनकर आँख ओह लोग खातिर मौत के जाल बनल बा।

पद 10: " *पांचवा राजा जानवर के सिंहासन पर आपन कटोरा उझिल दिहलन आ उनकर राज्य के अन्हार ढंक दिहलन आलोग पीड़ा से आपन जीभ काट लिहलन ।* "

" *पांचवा* " विशेष रूप से " *जानवर के सिंहासन* " के निशाना बनावेला , मने कि रोम के ओह इलाका जहाँ वेटिकन स्थित बा , पोपवाद के एगो छोट धार्मिक राज्य जहाँ सेंट पीटर बेसिलिका खड़ा बा। हालांकि , जईसे कि हमनी के देख ले बानी जा , पोप के असली " *सिंहासन* " प्राचीन रोम में , दुनिया के सभ चर्च के मदर चर्च , सेंट जॉन लैटरन के बेसिलिका में माउंट कैलिया प स्थित बा। भगवान एकरा के एगो स्याही से भरल " *अन्हार* " में डूबा देला जवन कवनो देखनिहार के आन्हर आदमी के स्थिति में डाल देला। एकर असर भयानक दर्दनाक बा , लेकिन एक परमेश्वर के प्रकाश के रूप में प्रस्तुत धार्मिक झूठ के एह शुरुआती बिंदु खातिर अउर यीशु मसीह के नाम से , इ पूरा तरह से हकदार अउर जायज बा। " *पश्चाताप* " अब संभव नइखे रहि गइल , बाकिर भगवान अपना जिंदा निशाना के मन के कठोर होखे के रेखांकित करत बाड़न .

पद 11: " *उ लोग अपना पीड़ा अउर घाव के चलते स्वर्ग के परमेश्वर के निंदा कईले , अउर उ लोग अपना काम से पश्चाताप ना कईले। "*

ई श्लोक हमनी के ई समझे में मदद करेला कि विपत् ति आवत रहेला आ कबो ना रुकेला। लेकिन " *पश्चाताप* " के अभाव अउर " *निंदा* " के निरंतरता पर जोर देके , आत्मा हमनी के ई समझे में मदद करेला कि विद्रोही लोग के क्रोध अउर दुष्टता खाली बढ़ेला।

ई भगवान के लक्ष्य ह जवन ओह लोग के हद तक धकेल देला , ताकि ऊ लोग चुनल लोग के मौत के फरमान जारी कर देव।

पद 12: “ *छठवाँ यूफ्रेटिस के बड़हन नदी पर आपन कटोरा उझिल दिहलस , आओकर पानी सूख गइल , ताकि पूरब से आवे वाला राजा लोग खातिर रास्ता तइयार हो सके।* ”

" *छठवाँ* " *यूरोप के निशाना बनावेला , जेकरा के* " *यूफ्रेटिस नदी* " के प्रतीकात्मक नाम से नामित कइल गइल बा , जवन एह तरह से प्रकाशितवाक्य 17:1-15 के छवि के आलोक में , " *वेश्या बेबिलोन महान* ," कैथोलिक पोप रोम के पूजा करे वाला लोग के नामित करेला। " *एकर पानी के सूखल* " एकर आबादी के सफाया के सुझाव दे सकेला , जवन कि , एकरा अलावा , आसन्न बा , लेकिन अभी अभी बहुत जल्दी बा कि अयीसन होखे। दरअसल , ई बात एगो ऐतिहासिक याद दिलावत बा , काहे कि " *यूफ्रेटिस नदी* " के आंशिक रूप से सूखला से ही मादी राजा दारा कसदी " *बेबिलोन* " पर कब्जा कर लिहले। एह से आत्मा के संदेश रोमन कैथोलिक " *बेबिलोन* " के आसन्न पूर्ण हार के घोषणा ह , जवन अभी भी समर्थक अउर रक्षक के बरकरार रखले बा , लेकिन कुछ समय खातिर। " *महान बेबिलोन* " अबकी बेर सही मायने में " *गिर जाई* ," सर्वशक्तिमान भगवान यीशु मसीह द्वारा हरा दिहल जाई।

तीनों अशुद्ध आत्मा के परामर्श

पद 13: “ *हम देखनी कि अजगर के मुँह से , जानवर के मुँह से आ झूठा भविष्यवक्ता के मुँह से बेंग जइसन तीन गो अशुद्ध आत्मा निकलल बा।* ”

आरमागेडोन के लड़ाई " के तैयारी के चित्रण करेला , जवन विद्रोही सब्त के पालन करे वाला लोग के हत्या करे के फैसला के प्रतीक ह जवन सृष्टिकर्ता परमेश्वर के प्रति अटल रूप से वफादार बाड़े। मूल रूप से , भूत -प्रेत के माध्यम से , शैतान , ईसा मसीह के व्यक्ति के अनुकरण करत , विद्रोहियन के मनावत लउकेला कि अतवार के उनकर चुनाव जायज बा। एह से उ ओह लोग के प्रोत्साहित करेलन कि उ लोग सब्त के दिन के सम्मान करे वाला विश्वासी प्रतिरोधक लोग के जान लेवे। एह तरह से शैतानी तिकड़ी एके लड़ाई में शैतान , कैथोलिक आस्था आप्रोटेस्टेंट आस्था के एक साथ ले आवेले , यानी कि " *अजगर , जानवर आ झूठा भविष्यवक्ता* "। इहाँ प्रकाशितवाक्य 9:7-9 में बतावल गइल " *लड़ाई* " *पूरा हो जाला।* " *मुँह* " के जिक्र से ओह परामर्श के मौखिक आदान -प्रदान के पुष्टि होला जवना से सच्चा चुनल लोग के हत्या के फरमान जारी होला ; जवना के ऊ लोग अनदेखी करेला भा पूरा तरह से विवाद करेला . " *बेंग* " निस्संदेह , भगवान खातिर , अशुद्ध के श्रेणी में राखल जानवर हवें , लेकिन एह संदेश में , आत्मा ओह बड़हन छलांग के संकेत देत बा

जवन ई जानवर करे में सक्षम बा। यूरोपीय "*जानवर*" आ *अमेरिकी* "*झूठा भविष्यवक्ता*" के बीच चौड़ा अटलांटिक महासागर बा आदुनु के मुलाकात में बड़हन छलांग लगावल शामिल बा . अंग्रेज आ अमेरिकी लोग में फ्रांसीसी लोग के "बेंग" आ "बेंग खाए वाला" के रूप में कैरिकेचर कइल जाला। अशुद्ध फ्रांस के एगो विशेषता ह, जवना के नैतिक मूल्य समय के साथ गिर गईल बा , 1789 के ओकर क्रांति के बाद से जब उ आजादी के सबकुछ से ऊपर रखले रहे | तिकड़ी के जीवंत करे वाली अशुद्ध भावना आजादी के ह जवन "ना भगवान के ना मालिक" चाहत बिया . ई सब ईश्वरीय इच्छा आ ओकर अधिकार के विरोध कइले बा , आ एह से एह विषय पर एकजुट बा। एके जइसन होखे के चलते एक संगे आवेले।

पद 14: “ *काहेकि उ लोग राक्षस के आत्मा ह, जवन चिन् करण करेला , जवन धरती के राजा लोग के पास जाके सर्वशक्तिमान परमेश्वर के ओह महान दिन के लड़ाई में जुटावे खातिर निकलेला।* ”

जब से दान के फरमान के अभिशाप। 8:14 में , इंग्लैंड आ अमेरिका में राक्षसी आत्मा बहुत सफलता के साथ प्रकट भइल बाड़ी स। अध्यात्मवाद ओह घरी के फैशन रहे आ लोग के अदृश्य , बाकिर सक्रिय , आत्मा से एह तरह के संबंध के आदत पड़ गइल . प्रोटेस्टेंट बिसवास में बहुत ढेर धार्मि क समूह राक्षस सभ के साथ संबंध बनावे लें , ई मान के कि इनहन के ईसा आ उनकर स्वर्गदूतन से संबंध बा। दानव लोग के परमेश्वर के द्वारा नकारल गईल मसीही लोग के धोखा देवे में बहुत आसानी होला , अउर उ लोग अभी भी आसानी से उ लोग के एक साथ इकट्ठा होखे खातिर मना सकेला , अंति म आदमी तक, भक्त मसीही अउर यहूदी लोग के जे सब्त के दिन के पालन करेला। इ चरम उपाय , जवन दुनो समूह के मौत के धमकी देवेला , उ लोग के यीशु मसीह के आशीष में एकजुट करी। भगवान खातिर एह जुटान के मकसद विद्रोही लोग के *एकट्ठा कइल बा "सर्वशक्तिमान भगवान के महान दिन के लड़ाई खातिर* "। एह जुटान के मकसद बा कि विद्रोहियन के हत्या के इरादा दिहल जाव जवना से ऊ लोग अपना धार्मिक झूठ से बहकावल आ धोखा खाए वाला लोग का हाथ से मौत के सामना करे लायक हो जाव . लड़ाई के मुख्य कारण रहे , ठीक से , आराम के दिन के चुनाव , आ सूक्ष्म रूप से , आत्मा इ शारा करेले कि प्रस्तावित दिन बराबर नइखे। काहे कि पवित्र सब्त के दिन के बारे में जवन बात बा उ अपना स्वभाव में "*सर्वशक्तिमान परमेश्वर के महान दिन* " से कम नइखे। दिन बराबर नइखे , ना विरोधी ताकत . जइसे उ शैतान अउर अपना राक्षसन के स्वर्ग से निकाल दिहले , ओइसहीं यी शु मसीह , शक्तिशाली "*माइकल* " के रूप में , अपना दुश्मनन पर आपन जीत थोप दिहें।

पद 15: " *देखऽ , हम चोर नियर आवत बानी , धन्य बा कि जे देखत रहेला आआपन कपड़ा रखेला , कहीं ऊ नंगा ना चले आ ओकर लाज ना देख लेव।* "

ईश्वरीय सब्त के दिन के पालन करे वाला लोग के खिलाफ लड़ाई लड़े वाला डेरा उ झूठा बेवफा मसीही लोग के ह, जवना में प्रोटेस्टेंट धर्म के लोग भी शामिल बा , जेकरा से यीशु प्रकाशितवाक्य 3:3 में कहले रहले : " *एह से याद रखीं कि रउवां कइसे पाले बानी अउर सुनले बानी , अउर रखीं अउर पश्चाताप करीं। अगर रउवां देखत ना रहब , त हम एगो चो र के रूप में आजाईब , अउर रउवां ना जान पइब कि हम रउवां पर कवना घड़ी आईब* । " दूसरा ओर, आत्मा " *लौदीकिया* " के अंतिम युग में उनकर पूरा भविष्यवाणी के प्रकाश से फायदा उठावे वाला एडवेंटिस्ट चुनल लोग के घोषणा करेला : " *धन्य बा उ जे अपना कपड़ा के देखत बा आ रखेला* ," आ 1994 से उल्टी भइल एडवेन्टिस्ट संस्था के संकेत करत , उ इहो कहत बा : " *ताकि उ नंगा ना चले आ उनकर शर्म ना लउके !* " घोषणा कइलस आ "नंगा ," के वापसी में रह गइल मसीह , उ शर्म अउर अस्वीकार के डेरा में रही , 2 कुरिन्थियों के अनुसार। 5:2-3: " *एह से हमनी के एह डेरा में कराहत बानी जा , **<u>अगर हमनी के सचहूँ</u>** कपड़ा पहिनले मिल जाईं जा आ**<u>नंगा ना</u>** .* "

पद 16: " *उ लोग उनकरा के हिब्रू में आर्मेगेडोन कहल जगह पर बटोर लिहले।* "

सवाल के "जठरा " कवनो भौगोलिक स्थान से संबंधित नइखे , काहे कि ई एगो आध्यात्मिक "जठरा " ह जवन अपना घातक परियोजना में भगवान के दुश्मनन के खेमा के एक साथ ले आवेला। एतने ना , "हर " शब्द के मतलब होला पहाड़ आ अइसन होला कि इस्राएल में वाकई में मेगिद्दो के घाटी बा बाकिर ओह नाम के कवनो पहाड़ नइखे .

आरमागेडोन " नाम के मतलब होला "कीमोल पहाड़ ," एगो अइसन नाम जवन यीशु मसीह खातिर , उनकर सभा , उनकर चुनल आदमी के नामित करेला जे उनकर सभे चुनल लोग के एकट्ठा करेला। अउर पद 14 हमनी के लगभग साफ -साफ बता देले बा कि " *आरमागेडोन* " लड़ाई में का होला ; विद्रोही लोग खातिर निशाना ईश्वरीय सब् त आ ओकर पालन करे वाला लोग होला ; बाकिर भगवान खातिर निशाना उनकर वफादार चुनल दुश्मनन के होला .

ई "कीमती पहाड़ " एकरे साथ -साथ , "सिनाई के पहाड़ " के नाँव देला जहाँ से भगवान मिस्र से पलायन के बाद पहिला बेर इस्राएल के सामने आपन नियम के घोषणा कइलें। काहे कि विद्रोहिय न के निशाना वाकई में , साथे -साथे , उनकर चउथा आज्ञा के पवित्र सातवाँ दिन के सब्त के दिन आओकर वफादार पालन करे वाला लोग बा। भगवान खातिर एह "पहाड़ " के "अमूल्य " चरित्र विवाद

से परे बा , काहे कि एकर कवनो बराबरी पूरा मानव इतिहास में नइखे। एकरा के मानव मूर्तिपूजा से बचावे खातिर भगवान आदमी के एकरा असली स्थान से अनजान छोड़ देले बाड़े। परंपरा में मिस्र के प्रायद्वीप के दक्खिन में झूठा स्थित ई साँचहू " *मिडियान* " के उत्तर -पूरुब में बा , जहाँ मूसा के पत्नी " *सेफोरा* " के पिता " *जेथ्रो* " रहत रहलें , मने कि वर्तमान सऊदी अरब के उत्तर में। एकर निवासी लोग असली सिनाई पहाड़ के "अल लावज " नाँव देला , जेकर मतलब होला "कानून "; एगो जायज नाम जवन मूसा के लिखल बाइबिल के कहानी के पक्ष में गवाही देला। बाकिर एह भौगोलिक " *जगह* " में नइखे कि विद्रोही लोग गौरवशाली आदिव्य विजयी मसीह के सामना करी। का हे कि ई शब्द " *जगह* " भ्रामक बा आवास्तविकता में एगो सार्वभौमिक पहलू ले लेला , काहे कि चुनल लोग , एह क्षण , अबहियों पूरा धरती पर बिखराइल बा . जिंदा चुनल गइल लोग अउर जे लोग के जिंदा कइल गइल बा , यीशु मसीह के अच्छा स्वर्गदूतन द्वारा स्वर्ग के बादल पर यीशु के साथे साथ "एकट्ठा " कइल जाई।

पद 17: “ *सातवाँ आपन कटोरा हवा में उझड़ दिहलस।तब मंदिर से , सिंहासन से एगो जोरदार आवाज आइल कि , ‘हो गइल !* ’”

हवा में उझलल सातवीं विपत्ति " के निशानी के तहत , विद्रोही लोग के आपन आपराधिक योजना के अंजाम देवे से पहिले , ईसा मसीह , सच्चा , सर्वशक्तिमान अउर महिमामंडित , एगो अनुकरणीय आकाशीय महिमा में , असंख्य स्वर्गदूत के साथ , प्रकट होला। हमनी के अपना के फिर से " ***सातवाँ तुरही*** " **के क्षण में पावेनी जा** जहाँ प्रकाशितवाक्य 11:15 के अनुसार , ईसा मसीह , सर्वशक्तिमान परमेश्वर , दुनिया के राज्य के शैतान से छीन लेले। इफिसियों में इफिसियों में कहल गइल बा। 2:2, पौलुस शैतान के " *हवा के शक्ति के राजकुमार* " के उपाधि से नामित कइले बाड़न । " *हवा* " उ तत्व ह जवन सब पार्थिव मानवता के साझा करेला जवना पर उ यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी तक शासन करेला। उनकर गौरवशाली आगमन के क्षण तब होला जब उनकर दिव्य शक्ति शैतान से मनुष्य पर ई वर्चस्व आसत्ता छीन के एकर अंत कर देले।

भगवान के धैर्य के एहसास करीं जे 6,000 सा ल से ओह पल के इंतजार करत रहलन जब ऊ कहसु : " *हो गइल !* " अउर फिर समझीं कि ऊ "पवित्र सातवाँ दिन " के कतना मूल्य देत बाड़न जवन एह पल के आवे के भविष्यवाणी करेला जब उनकर बेवफा प्राणी के छोड़ल आजादी खतम हो जाई। विद्रोही जीव ओकरा के कुंठित कइल, चिढ़ावल , तिरस्कार कइल आबेइज्जत कइल छोड़ दीहें काहे कि ऊ लोग नष्ट हो जाई . दान में बा। 12:1 आत्मा एह गौरवशाली

आगमन के भविष्यवाणी कइलस जवना के ऊ " ***माइकल*** ", यीशु मसीह के स्वर्गीय स्वर्गदूत नाम के जिम्मेदार ठहरवले बाड़न : " *ओह समय* ***माइकल खड़ा हो जइहें*** *, ऊ महान राजकुमार जे तोहार लोग के संतान खातिर खड़ा हउवें ; अउर एगो संकट के समय होई , जवन कि जब से कवनो राष्ट्र बनल रहे तब से ओही समय तक ना भइल रहे। ओह समय , तोहार लोग के मुक्ति मिल जाई , हर केहू जे किताब में लिखल पावल जाई ।* " परमेश्वर अपना बचाव के योजना के समझल आसान नइखन करत काहे कि बाइबल मसी हा के नामित करे खातिर "यीशु " नाम के जिक्र नइखे कइले अउर इ ओकरा के प्रतीकात्मक नाम देले बा जवन उनकर छिपल ईश्वरीयता के प्रकट करेला : " ***इमैनुएल*** " (हमनी के साथे परमेश्वर) यशायाह 7:14: " एह से प्रभु खुद रउवा के एगो संकेत दिहे : देखऽ , एगो कुंवारी गर्भवती होके एगो बेटा पैदा करी , अउर उनकर नाम ***इमानुएल*** *रखी* "; " ***अनन्त पिता*** " यशायाह 9:5 में : " *काहेकि हमनी के एगो लइका पैदा भइल बा , हमनी के एगो बेटा दिहल गइल बा , आ ओकर कान्ह पर शासन होई , आ ओकर नाम अद्भुत , सलाहकार , पराक्रमी परमेश्वर , **अनन्त पिता** , शांति के राजकुमार कहल जाई ।* "

पद 18: " *बिजली के चमक, आवाज आ गरज , आ एगो बड़हन भूकंप आइल जवन जब से आदमी धरती पर आइल बा तबसे ना भइल रहे , अतना बड़हन भूकंप रहे।* "

इहाँ हमनी के प्रकाशितवाक्य 4:5 के प्रमुख संदर्भ श्लोक के वाक्यांश के प्रकाशितवाक्य 8:5 में नवीनीकरण मिलल बा। परमेश्वर अपना अदृश्य ता से बाहर निकलल बाड़न , अविश्वासी अउर अविश्वासी विश्वासी , लेकिन विश्वासी एडवेंचर चुनल भी , सृष्टिकर्ता परमेश्वर ईसा मसीह के उनकर वापसी के महिमा में देख सकेला। प्रकाशितवाक्य 6 अउर 7 हमनी के एह भयानक अउर गौरवशाली संदर्भ में दुनो खेमा के विपरीत व्यवहार के उजा गर कइले बा।

अउर एगो शक्तिशाली भूकंप से गुजरत , उ लोग आतंकित होके , पहिला पुनरुत्थान के गवाह बनेलन , जवन मसीह के चुनल लोग खातिर आरक्षित बा , प्रकाशितवाक्य 20:5 के अनुसार , अउर स्वर्ग में उनकरा के रैप्चर होखल जहाँ उ लोग यीशु के साथे जुड़ जाला। बात ओइसहीं होला जइसन कि 1 थेस्स में घोषणा कइल गइल रहे। 4:15 से 17: " हमनी के ***<u>प्रभु के वचन से</u>*** *तोहनी से इहे कहत बानी जा : हमनी के जे जिंदा बानी जा अउर प्रभु के आवे तक रहब जा , उ लोग से पहिले ना निकलब जा जे सुतल बानी जा। काहेकि प्रभु खुद स्वर्ग से चिल्लाहट के साथ , प्रधान दूत के आवाज से , अउर परमेश्वर के तुरही से उतर जइहें। अउर मसीह में मरल लोग पहिले जिंदा हो जाई। तब हमनी के जे जिंदा बानी जा अउर बचल बानी जा , उ लोग के साथे* ***<u>उठावल जाई।</u>*** " *बादल*

में ***हवा में प्रभु से मिले खातिर*** *, आएही से हमनी के हमेशा प्रभु के साथे रहब जा* ." हम एह श्लोक के फायदा उठावत " *मृत* " के स्थिति के प्रेरित अवधारणा के उजागर करत बानी : " *हमनी के जिंदा , जे प्रभु के आवे तक रहब जा , **ओकरा से पहिले ना जाईं जा जे मर चुकल बा*** ." पौलुस अउर उनकर समकालीन लोग आज के झूठा मसीही लोग के तरह इ ना सोचले रहे कि " *मरल* " चुनल लोग मसीह के सान्निध्य में बाड़े , काहे कि उनकर चिंतन से पता चलेला कि , एकरा उलट , सब लोग सोचत रहे कि " *जीवित* " चुनल लोग " *मुअल* " से पहिले स्वर्ग में प्रवेश करीहे।

पद 19: " *महान शहर तीन भाग में बंट गईल , अउर जाति के शहर गिर गईल , अउर महान बाबुल परमेश्वर के सामने याद कईलस कि उ ओकरा के उनकर क्रोध के भयंकर शराब के प्याला देस।* "

" *तीन भाग* " " *अजगर , जानवर , अउर झूठा भविष्यवक्ता* " *से संबंधित बा* " जवन एह अध्याय के पद 13 में इकट्ठा कइल गइल बा। दूसरा व्याख्या जेक से मिलल एह पाठ पर आधारित बा। 11:8: " *हम तीनों चरवाहा के एक महीना में नष्ट कर देब ; हमार आत्मा उनकरा खातिर अधीर रहे , अउर उनकर आत्मा भी हमरा से घृणा करत रहे* । " एह मामला में " *तीन चरवाहा* " इस्राएल के लोग के तीन घटक के प्रतिनिधित्व करेला : राजा , पादरी अउर भविष्यवक्ता। अंतिम संदर्भ के धियान में रखत , जवना में प्रोटेस्टेंट आ कैथोलिक बिसवास सभ के गठजोड़ आएकजुटता बा , " *तीनों हिस्सा* " के पहिचान एह तरीका से कइल जाला : " *अजगर* " = शैतान ; " *जानवर* " = बहकावल कैथोलिक आप्रोटेस्टेंट लोग ; " *झूठा भविष्यवक्ता* " = कैथोलिक आप्रोटेस्टेंट पादरी लोग।

हारल शिविर में बढ़िया समझ खतम हो जाला , " *महान शहर के तीन भाग में बँटल रहे* "; धोखा आ बहकावल पीड़ितन में , जानवर आ झूठा भविष्यवक्ता के शिविर , नफरत आ आक्रोश ओह धोखेबाज बहकावे वालन के खिलाफ बदला लेबे के प्रेरणा देला जे ओह लोग के उद्धार के नुकसान खातिर जिम्मेदार बा . तब जाके " *विंटेज* " के विषय खाता के खूनी निपटारा से पूरा होला जवना के मुख्य निशाना तार्किक आन्यायसंगत रूप से धार्मिक गुरु लोग होला। जैक के ई चेतावनी दिहल गइल बा . 3:1 तब आपन पूरा अर्थ ले लेला : " *हे भाई लोग , रउवां में से बहुत लोग गुरु ना बने दीं , काहेकि* ***रउवां जानत बानी कि हमनी के न्याय अउरी कड़ा होई*** ." " *विपत्ति* " के एह समय में एह क्रिया के उकसावत बा एह उद्धरण से : " *आ भगवान महान बाबुल के याद कइलन कि ऊ ओकरा के अपना भयंकर क्रोध के शराब के प्याला दे देव* ." प्रकाशितवाक्य 18 पूरा तरह से अधर्मी धार्मिक लोग के एह सजा के उकसावे खातिर समर्पित होई।

पद 20: “ *आसब द्वीप भाग गइल , आपहाड़ ना मिलल। ”*

एह श्लोक में धरती के बदलाव के सारांश दिहल गइल बा जवन भारी झटका के शिकार होके सार्वभौमिक अराजकता के एगो पहलू ले लेला , जवन पहिले से " *निराकार* " आजल्दिये " *खाली* " भा " *उजाड़* " हो जाला। ई " *पाप* " के परिणाम , परिणाम ह *desolator* ” के निंदा दानियल 8:13 में कइल गइल बा अउर जेकर अंतिम सजा के भविष्यवाणी दान .9:27 में कइल गइल बा।

पद 21: “ *आएगो बड़हन ओला के पत्थर , जवना के वजन* ***एक टोला रहे , स्वर्ग से आदमी पर गिरल , आआदमी*** *ओला के* ***विपत्ति*** *के चलते परमेश्वर के निंदा कइलन , काहे कि* ***महामारी*** *बहुत बड़ रहे। ”*

ओह लोग के भयावह काम पूरा हो गइल त धरती के निवासी लोग के , बदला में , एगो अइसन प्लेग से सफाया हो जाई जवना से ओह लोग के बचल असंभव हो जाई : ओह लोग पर ओला के पत्थर गिर जाई . आत्मा ओह लोग के " *एक टैलेंट* " यानी 44.8 किलो के वजन के आरोप लगावेले। बाकिर ई शब्द " *प्रतिभा* " " *प्रतिभा* के दृष्टांत " पर आधारित आध्यात्मिक प्रतिक्रिया के रूप में अधिका बा . एह तरह से , ई गिरल लोग के ओह लोग के भूमिका के आरोपित करेला जे " *प्रतिभा* ," या वरदान , जवन परमेश्वर ओह लोग के दृष् टांत में दिहले बाड़न , फल ना देले बा। आएह खराब व्यवहार के अंत में ओह लोग के जान चल जाला , पहिला , आदूसरा , जवन खाली सही मायने में चुनल लोग के सुलभ रहे . जीवन के आखिरी साँस तक ऊ लोग स्वर्ग के " *भगवान " के " निंदा* " (अपमान) करत रहेला जे ओह लोग के सजा देला।

प्रति भा के दृष्टांत " तब शाब्दिक रूप से पूरा हो गईल होई। भगवान हर एक के आपन विश्वास के काम के गवाही के अनुसार दे दिहे। बेवफा मसीही लोग के ऊ मौत दे दीहें आ ओतने कठोर आक्रूर होई जतना ऊ लोग ओकरा के सोचत रहे आ ओकरा के न्याय करत रहे . आ चुनल गइल विश्वासी लोग के ऊ अनन्त जीवन दे दिहें , जवन विश्वास उ लोग उनकरा खातिर यीशु मसीह में बढ़ावल गइल उनकर प्रेम आपूरा विश्वास में रखले रहले। इ सब मत्ती 8:13 में यीशु द्वारा उद्धृत सिद्धांत के अनुसार : " *तोहनी के विश्वास के अनुसार होखे दीं* । "

एह आखिरी महामारी के बाद धरती उजाड़ हो जाले , मानव जीवन के हर रूप से वंचित हो जाले। एह तरह से इ उत्पत्ति 1:2 के विशेषता " *खाई " के वापस पा लेला।*

अध्याय 17: *वेश्या* के नकाब उतार के पहचान कइल जाला

पद 1: " *तब सात गो कटोरा वाला सात गो स्वर्गदूत में से एगो स्वर्गदूत आके हमरा से बात कइलस, 'आजा, हम तोहरा के बहुत पानी पर बइठल महान वेश्या के न्याय देखा देब।* ""

एह पहिला श्लोक से, आत्मा एह अध्याय 17 के उद्देश्य के संकेत देत बा: " ***महान वेश्या*** " के " ***न्याय "।*** जवन " ***कई पानी पर बइठल*** " ह या, जवन पद 15 के अनुसार, " *लोग, भीड़, राष्ट्र अउर भाषा पर राज करेला* " *जवन " यूफ्रेटिस* " के प्रतीक के तहत, पहिले से ही यूरोप आ ईसाई धर्म के ओकर ग्रह के विस्तार के प्रकाशितवाक्य 9:14 के " *छठवाँ तुरही* " में नामित कर चुकल बा: अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका अउर ऑस्ट्रेलिया। न्याय के काम " *सात गो आखिरी विपत्ति* ", या " *सात कटोरा* " के संदर्भ से जुड़ल बा जवन " *सात गो स्वर्गदूत* " द्वारा उगलल बा, जवन कि पिछला अध्याय 16 में बा।

17 संख्या के एह अर्थ के " ***न्याय*** " के रूप में पुष्टि दानियल 4:17 से कइल गइल बा: " *ई* ***वाक्य देखत रहे वाला लोग के फरमान*** *ह,* ***एगो संकल्प ह*** *संतन के एगो क्रम ह,* ***ताकि जिंदा लोग के पता चल सके कि परमात्मा आदमी के राज्य में राज करेला***, *आजेकरा मन करेला ओकरा के देला, आओकरा ऊपर आदमी के सबसे नीच के खड़ा करेला* .

" *न्याय* " उहे ह जवन सर्वशक्तिमान भगवान के सहन करेला, जेकरा के स्वर्ग आ धरती के हर प्राणी के जवाब देवे के बा आदेवे के पड़ी; एह से पता चलत बा कि ई अध्याय केतना महत्वपूर्ण बा। हमनी के अध्याय 14 में 3 स्वर्गदूत के संदेश में देखले बानी जा कि एह पहचान के परिणाम अनन्त जीवन या मौत होला। एह से एह " *न्याय* " के संदर्भ अध्याय 13 में " *धरती से ऊपर आवे वाला जानवर* " के ह।

ऐतिहासिक अउर भविष्यवाणी के चेतावनी के बावजूद, बदले में, 1843 में प्रोटेस्टेंट विश्वास, अउर 1994 में आधिकारिक एडवेन्टिस्ट विश्वास, के परमेश्वर द्वारा ईसा मसीह द्वारा पेश कइल गइल उद्धार के योग्य ना मानल गइल। एह फैसला के पुष्टि में दुनो लोग रोमन कैथोलिक आस्था के प्रस्तावित विश्वव्यापी गठबंधन में प्रवेश कईले, भले ही दुनो समूह के अग्रदूत एकर शैतानी प्रकृति के निंदा कईले रहले। एह गलती से बचे खातिर चुनल आदमी के ईसा मसीह के प्रमुख दुश्मन रोम के पहचान के बारे में

जरूरी रूप से आश्वस्त होखे के चाहीं : रोम , अपना पूरा बुतपरस्त आपोप के इतिहास में। प्रोटेस्टेंट आ एडवेन्टिस्ट धर्म के अपराधबोध त अउरी बड़हन बा काहे कि दुनु के अग्रदूत रोमन कैथोलिक धर्म के एह शैतानी स्वभाव के निंदा कइले आ सिखवले . दुनो के इ उलटफेर एकमात्र उद्धारकर्ता अउर महान न्यायाधीश यीशु मसीह के प्रति विश्वासघात के काम के रूप में गिनावल जाला। ई कइसे संभव हो गइल ? दुनों धर्म खाली पार्थिव शांति आ आदमी के बीच बढ़िया समझदारी के महत्व देले बा ; साथ ही , चूंकि कैथोलिक आस्था अब सतावे के काम ना करेला , एहसे ई ओह लोग खातिर , बार -बार होखे वाला भा अउरी बढ़िया , एह हद तक जुड़ल हो जाला कि ओकरा साथे समझौता करे आगठबंधन कर सके . एह तरह से प्रकट भइल भगवान के राय आ न्यायसंगत न्याय के तिरस्कार कइल जाला आगोड़ से रौंद दिहल जाला। गलती ई मानल रहे कि परमेश्वर अनिवार्य रूप से आदमी के बीच शांति के तलाश करेलन , काहे कि साँच में , उ ओह गलती के निंदा करेलन जवन उनकर व्यक्ति , उनकर नियम , अउर उनकर भलाई के सिद्धांतन के साथे जवन उनकर नियम में प्रकट भइल बा। तथ्य अउरी गंभीर बा काहे कि यीशु मत्ती में कह के एह विषय पर बहुत साफ -साफ आपन बात रखले बाड़न। 10:34 से 36 बजे तक के समय बा : " *ई मत सोचऽ कि हम धरती पर शांति ले आवे खातिर आइल बानी ; हम शांति ले आवे खातिर ना आइल रहनी , बलुक तलवार ले आवे खातिर आइल रहनी। काहे कि हम एगो आदमी के ओकर बाप से , एगो बेटी के ओकरा महतारी से , आएगो पतोह के ओकरा सास से विवाद करे खातिर आइल रहनी। आ आदमी के दुश्मन ओकरे घर के दुश्मन होई* ." अपना ओर से आधिकारिक एडवेन्टिज्म भगवान के आत्मा के बात ना सुनलस जे 1843 से 1873 के बीच सातवाँ दिन के सब्त के दिन के बहाल क के ओकरा के रोमन अतवार देखा दिहलस जवना के ऊ" *जानवर के निशान* " कहेला जबसे एकर स्थापना 7 मार्च 321 के भइल रहे। संस्थागत एडवेन्टिज्म के मिशन असफल हो गइल काहे कि , जइसे -जइसे समय बीतत गइल , रोमन अतवार पर एकर न्याय दोस्ताना आ भाईचारा के रूप में हो गइल , जवन कि **सौर** बुतपरस्ती से विरासत में मिलल ईसाई अतवार एकर क्रोध के मुख्य कारण बा , आ उनकर भविष्यवाणी के प्रकाशन के उद्देश्य बा कि हमनी के उनकर न्या य में शामिल कइल जाव जीवित भगवान के जलन आ हमनी के न्याय करे के चाहीं जइसे कि ऊ नागरिक भा धार्मिक शासन के ओकर ईश्वरीय दृष्टि के अनुसार पहचान करेले एह दृष्टिकोण के परिणामस्वरूप हमनी के " *जानवर* " आ ओकर काम देखे के मिलेला , ऊहो धोखा देवे वाला शांति के समय में।

पद 2: “ *ओकरा साथे धरती के राजा व्यभिचार कइले , अउर धरती के निवासी ओकरा व्यभिचार के शराब से नशा में धुत्त हो गइलन। ”*

यीशु मसीह द्वारा अपना सेवकन के आध्यात्मिक " *व्यभिचार (या व्यभिचार) के शराब " पीये के आरोप लगावल गइल " महिला ईजेबेल* " के काम से संबंध बनावल गइल बा ; प्रकाशितवाक्य 18:3 में बातन के पुष्टि कइल गइल बा। इ काम " *वेश्या* " के प्रकाशितवाक्य 8:10-11 के *"कृमि के तारा " से भी जोड़त बा ;* वर्मवुड उनकर जहरीला शराब होखला के नाते जवना से आत्मा उनकर रोमन कैथोलिक धार्मिक शिक्षा के तुलना करे ले।

एह श्लोक में कैथोलिक धर्म के खिलाफ भगवान के निंदा हमनी के शांति के समय में भी जायज बा काहे कि निंदा कइल गइल दोष उनकर ईश्वरीय अधिकार पर हमला करेला। पवित्र बाइबल के लेखन , जवन उनकर " *द्व गो गवाह* " के गठन करेला , एह रोमन धर्म के झूठा धार्मिक शिक्षा के खिलाफ गवाही देला। बाकिर ई साँच बा कि एकर झूठा शिक्षा के एकर बहकावल शिकार लोग खातिर सबसे खराब परिणाम होई : अनन्त मौत ; जवन प्रकाशितवाक्य 14:18 से 20 तक के " *विंटेज " के उनकर बदला लेवे वाला काम के जायज ठहरावेला।*

पद 3: “ *उ हमरा के आत्मा में जंगल में ले गईले , हम एगो महिला के लाल रंग के जानवर प बईठल देखनी , जवन कि निंदा के नाम से भरल रहे , जवना के सात सिर अवुरी दस सींग रहे। ”*

" ... *एगो रेगिस्तान में* ," विश्वास के परीक्षा के प्रतीक ह लेकिन हमनी के " *अंत समय* (दान . 11:40)" के संदर्भ के "शुष्क " आध्यात्मिक जलवायु के भी प्रती क ह , अबकी बेर , पार्थिव इतिहास में विश्वास के अंतिम परीक्षा , आत्मा एह अंतिम संदर्भ में प्रचलित आध्यात्मिक स्थिति के छवि बनावेला। " *मेहरारू एगो लाल जानवर पर राज करेले* ." एह छवि में रोम " *धरती से उठल जानवर* " पर राज करेला , जवन ओह समय प्रोटेस्टेंट अमेरिका के नामित करेला जब ऊ लोग कैथोलिक लोग द्वारा सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम से विरासत में मिलल आपन आराम के दिन थोप के " *जानवर के निशान के पूजा " कर रहल बा।एह अंतिम संदर्भ* में , ना त अउरी मुकुट बा , ना त धार्मिक रोम के " *सात सिर* " पर , ना " *दस सींग पर* ," प्रतीक , एह मामला में , यूरोपीय आ वैश्विक ईसाई लोग के नागरिक दबंग लोग के जेकरा के ई हेरफेर करे ला। लेकिन इ पूरा संगति पाप के रंग ह : " *लाल रंग के ।* "

प्रकाशितवाक्य 13:3 में हमनी के पढ़ेनी जा : " *हम उनकर एगो सिर के अइसे दे खनी जइसे कि ऊ जानलेवा घाव हो गइल होखे ; आउनकर जानलेवा घाव ठीक हो गइल। आ पूरा दुनिया ओह जानवर के पीछे आश्चर्यचकित हो गइल*

." हमनी के जानत बानी जा कि ई चंगाई नेपोलियन प्रथम के कॉनकॉर्डेट के कारण बा , एह पल से रोमन कैथोलिक पपिज्म अब सतावेला , हालांकि , हमनी के महत्व पर ध्यान दीं , भगवान एकरा के " ***जानवर*** " कहत रहेले : " *आ पूरा धरती* ***जानवर के बाद आश्चर्यचकित हो गईल*** ." एह से ऊपर दिहल सफाई के पुष्टि होला। भगवान के दुश्मन ओकर दुश्मन बनल रहेला काहे कि ओकर कानून के खिलाफ ओकर पाप ना रुकेला , शांति के समय में जईसे युद्ध के समय में। आ भगवान के दुश्मन एह से शांति भा युद्ध के समय में उनकर विश्वासी चुनल लोग के भी होला।

पद 4: " *ऊ मेहरारू बैंगनी आलाल रंग के कपड़ा पहिनले रहली , आ सोना , कीमती पत्थर आ मोती से सजल रहली , ओकरा हाथ में घिनौना काम आ वेश्यावृत्ति के गंदगी से भरल सोना के प्याला रहे।* "

इहाँ भी प्रस्तुत वर्णन सिद्धांतगत आध्यात्मिक दोष के लक्षित करेला। भगवान ओकरा धार्मिक संस् कार के निंदा करेले ; ओकर जनमानस आ ओकर घृणित यूकेरिस्ट आ सबसे पहिले ओकर विलासिता आ धन के स्वाद जवन ओकरा के राजा , कुलीन आ धरती के सगरी धनी लोग के चाहत समझौता में ले जाला . " *वेश्या* " के अपना "ग्राहक " भा अपना प्रेमियन के संतुष्ट करे के पड़ी .

लाल " रंग के उत्पत्ति खुद " *वेश्या* " से भइल बा : " *बैंगनी आ लाल रंग के* ." " *औरत* " शब्द एगो " *चर्च* " के नामित करेला , एगो धार्मिक सभा , इफिसियों के अनुसार। 5:23, लेकिन इहो , " *उ महान शहर जवना के धरती के राजा लोग पर राज्य बा* ," जईसे कि एह अध्याय 17 के पद 18 सिखावेला। संक्षे प में कहल जाव त हमनी के रोमन वेटिकन के "कार्डिनल आ बिशप " के वर्दी के रंग के पहचान सकेनी जा। भगवान कैथोलिक जनमानस के बिम्ब में डाल देलें , " *सोना के " प्याला* के प्रयोग के साथ जवना में एगो शराबी शराब ईसा मसीह के खून के प्रतिनिधित्व करे के मानल जाला। लेकिन प्र भु एकरा बारे में का सोचत बाड़े ? उ हमनी के बतावेले कि : ओकरा मुक्ति देवे वाला खून के जगह उनुका खाली " *घिनौना चीज़ अवुरी ओकर वेश्यावृत्ति के अशुद्धि* " देखाई देता। दान में बा। 11:38, " *सोना* " के उनकर कलीसिया के श्रृंगार के रूप में उद्धृत कइल गइल जवना के आत्मा " *किला के देवता* " के आरोपित करेला।

पद 5: " *आ ओकरा माथे पर एगो नाम लिखल रहे ,* ***रहस्य*** *: बड़का बाबुल , वेश्या आ धरती के घिनौना चीजन के महतारी।* "

" *रहस्य* " खाली ओह लोग खातिर " *रहस्य* " ह जेकरा के यीशु मसीह के आत्मा रोशन ना करेला ; उहो लोग , अफसोस , सबसे अधिका बा। काहे कि , दान .8:24-25 से घोषित पोप शासन के " *सफलता आचालबाजी के सफलता* " के पुष्टि ओकर

न्याय के घड़ी तक, दुनिया के अंत में होई। परमेश्वर खातिर , इ " *अधर्म के रहस्य* " ह जवन प्रेरित लो ग के समय शैतान द्वारा घोषित अउर पहिले से ही लागू कईल गईल रहे , 2 थिस्सलुनीकियों 2:7 के अनुसार : " *काहेकि अधर्म के रहस्य पहिले से ही काम कर रहल बा ; खाली उहे के छीन लेवे के पड़ी जे अभी भी ओकरा के पकड़ले बा ।* " " *रहस्य* " *के संबंध खुद* " *बेबिलोन* " नाम से बा , जवन तार्किक बा , काहे कि एह नाम के प्राचीन शहर अब नइखे। लेकिन पतरस इ नाम , आध्यात्मिक रूप से , रोम के पहिलही से देले बाड़न , 1 पतरस 5:13 में अउर धोखा में पड़ल भीड़ खातिर दुर्भाग्य से , खाली चुनल लोग ही बाइबल द्वारा पेश कइल गइल एह सटीकता के प्रति ध्यान देवेला। " *धर ती* " शब्द के दोहरा अर्थ से सावधान रहीं जवन इहाँ भी नामित करेला , प्रोटेस्टेंट आज्ञाकारिता , काहे कि कैथोलिक आस्था जेतना एकजुट बा , प्रोटेस्टेंट आस्था कई गो बा . " *वेश्या* " के रूप में नामित होखे खातिर , उनके कैथोलिक " *महतारी* " के बेटी। बेटी लोग अपना " *माई* " के " *घृणित काम* " *के साझा करेला। आ एह* " *घृणित चीजन* " में मुख्य अतवार ह, एकर धार्मिक अधिकार के " *निशान* " जवन ओकरा से जुड़ल बा .

धरती " शब्द के शाब्दिक अर्थ भी जायज बा काहे कि कैथोलिक धार्मिक असहिष्णुता महान अंतर्राष्ट्रीय धार्मिक आक्रामकता के भड़कावे वाला ह। ई राजा लोग के धरती के लोग के ओकर आज्ञाकारिता में बदले खातिर उकसा के ईसाई विश्वास के अशुद्ध आ नफरत पैदा कइलस। बाकिर आपन शक्ति गँवावे के बाद एकर " *घृणित काम* " जारी रहल , जेकरा के भगवान गारी देत बाड़े ओकरा के आशीर्वाद देत रहे आ जेकरा के ऊ आशीर्वाद देत बाड़े ओकरा के गारी देत रहे . एकर बुतपरस्त स्वभाव के खुलासा तब होला जब ई ओह मुसलमानन के "भाई " कहेला जिनकर धर्म ईसा मसीह के सबसे कम पैगम्बरन में से एगो के रूप में पेश करेला।

पद 6: “ *हम ओह औरत के संत लोग के खून से नशा में धुत्त देखनी , अउर जब हम ओकरा के देखनी त हम बहुत प्रशंसा से अचरज में पड़ गईनी।* ”

ई श्लोक दान के एगो उद्धरण लेत बा। 7:21, इहाँ निर्दिष्ट करत बा कि " *संत* " जवन ई लड़त बा अउर हावी बा , वाकई में " *यीशु के गवाह* " हवें। एह से " *महान बेबिलोन* " के रहस्य बहुत रोशन हो जाला . रोमन धर्म चुनल लोग के " *खून* " नशा के हद तक पीयेला। आधुनिक समय के पोप रोम जइसन ईसाई चर्च के के शक करी कि ऊ ई " *वेश्या* " ह जवना के " *ईसा के गवाहन के बहावल खून से नशा में धुत्त कर दिहल गइल* "? चुनल लोग , लेकिन खाली उ लोग। काहे कि भविष्यवाणी के माध्यम से आत्मा ओह लोग के दुश्मन के हत्या के योजना के बारे में बता देले बा। अपना दुष्ट आक्रूर स्वभाव में ई वापसी

अनुग्रह के समय के अंत के लउके वाला परिणाम होई। बाकिर ई दुष्टता सबले बढ़ के , अउरी आश्चर्यजनक रूप से , दुनिया के अंत के एह समय के प्रबल प्रोटेस्टेंट आस्था के स्वभाव होई। आत्मा अलग से " *संत लोग* " अउर " *यीशु के गवाहन* " के हवाला देले बा। पहिला " *संत* " लोग के गणतंत्र आ शाही बुतपरस्त रोमन उत्पीड़न के सामना करे के पड़ल ; " *ईसा के गवाह* ," अपना ओर से , शाही आ पोप के बुतपरस्त रोम के चोट लागल। काहे कि वेश्या एगो शहर ह : रोम ; " *ऊ महान शहर जवन धरती के राजा लोग पर राज कइले बा* " जब से -63 में यहूदिया में इस्राएल में अइला के बाद से , दान के अनुसार। 8:9: " *देशन में से सबसे सुंदर देश* ." उद्धार के इति हास के अंत विश्वास के एगो परीक्षा के साथ होई जवना में " *यीशु के गवाह* " प्रकट होईहे अउर एह अभिव्यक्ति के जायज ठहरावे खातिर काम करीहे ; एह तरह से ऊ लोग भगवान के एगो बढ़िया कारण दे दी कि ऊ लोग ओह लोग के प्रोग्राम कइल मौत से बचावे खातिर हस्तक्षेप कर सके . अपना समय में यूहन्ना के रोम शहर के संबंध में " *रहस्य* " से हैरान होखे के एगो बढ़िया कारण रहे । ऊ एकरा के खाली एकर कठोर आ बेरहम बुतपरस्त साम्राज्यवादी पहलू में जानत रहले जवन उनका के पटमोस द्वीप पर हिरासत में भेज दिहले रहे . एह से " *वेश्या* " के हाथ में " *सोना के प्या ला* " *जइसन धार्मिक प्रतीक ओकरा के सही मायने में हैरान कर सकेला।*

पद 7: " *आ स्वर्गदूत हमरा से कहलस कि तू काहे अचरज में बाड़ ? हम तोहके ओह औरत के रहस्य बताइब जवन ओकरा के ढोवे वाला जानवर के , जवना के सात सिर आ दस सींग बा।* "

" *रहस्य* " के मतलब हमेशा खातिर नइखे , अउर पद 7 से , आत्मा अइसन विवरण दिही जवन यूहन्ना अउर हमनी के " *रहस्य* " के उठावे के अनुमति दिही अउर रोम शहर अउर पद 3 के छवि में ओकर भूमिका के स्पष्ट रूप से पहचान करी , जवना के प्रतीक , एक बार फिर , उद्धृत कइल गइल बा।

" *महिला* " पोप रोम के धार्मिक प्रकृति के संदर् भित करेला , एकर दावा कि " *मेमना के दुल्हिन* ," ईसा मसीह। लेकिन भगवान ओकरा के " *वेश्या* " कह के एह दावा के नकार देले बाड़े .

" *एकरा के ले जाए वाला जानवर* " ओह शासन आ लोग के प्रतिनिधित्व करेला जवन एकर धार्मिक ढोंग के पहचानेला आ वैध बनावेला . इनहन के ऐतिहासिक उत्पत्ती दान में दिहल बिम्ब के अनुसार शाही रोम के वर्चस्व से मुक्त होखे के बाद यूरोप में बनल राज्य सभ के " *दस सींग* " *हवे।* 7:24 के बा। इ लोग " *चउथा जानवर* " के शाही रोम के बाद आवेला . आ ई संबंधित इलाका अंत ले एके जइसन रहेला . सीमा चलेला , शासन बदलेला , राजतंत्र से गणतंत्र में गुजरेला , लेकिन

झूठा रोमन पोप के ईसाई धर्म के आदर्श ओह लोग के खराब तरीका से एकजुट कर देला। 20वीं सदी के दौरान , रोमन तत्वावधान में एह संघ के ठोस रूप दिहल गइल यूरोपीय संघ द्वारा जे 25 मार्च 1957 आ2004 के "रोम के संधि " पर बनावल गइल।

पद 8: " *जवन जानवर तू देखले रहलू , उ रहे , अब नइखे। **ऊ अथाह गड्ढा से बाहर निकल** के विनाश में जाए वाला बा। आधरती पर रहे वाला लोग अचरज में पड़ जाई , जेकर नाम दुनिया के सृष्टि से ही जीवन के किताब में नइखे लिखल , जब उ जानवर के देखिहें ; काहे कि ऊ रहे , नइखे , आ आवे वाला बा। "*

" *जवन जानवर तू देखले रहलू उ रहे , ना बा* ." अनुवाद : ईसाई धार्मिक असहिष्णुता 538 से रहे , आ अब नइखे , 1798 से , आत्मा दान के बाद से असहिष्णु पोप शासन खातिर अलग-अलग रूप में भविष्यवाणी कइल गइल अवधि के सुझाव देला। 7:25: " *एगो समय , समय , आआधा समय ; 42 महीना ; 1260 दिन* ." हालांकि उनकर असहिष्णुता " *अथाह गड्ढा से चढ़े वाला जानवर* " के क्रिया से खतम हो गइल , जवन प्रकाशितवाक्य 11:7 में फ्रांसीसी क्रांति आ ओकर राष्ट्रीय नास्तिकता के संदर्भ देला , इहाँ " *अथाह गड्ढा* " शब्द के शैतान से जुड़ल गतिविधि के रूप में प्रस्तुत कइल गइल बा , " *विनाशक* ", जे जीवन के नष्ट करेला आ पृ थ्वी ग्रह के अमानवीय बनावेला , आ जेकरा के प्रकाशितवाक्य 9:11 " *the अथाह गड्ढा के परी* ." प्रकाशितवाक्य 20:1 में इ सफाई दिहल जाई : " *शैतान* " " *हजार साल* " तक " अमानवीय धरती " पर बान्हल रही जेकरा के " *अथाह गड्ढा* " कहल जाला। " *रसातल* " में एकर उत्पत्ति के आरोप लगा के भगवान ई बतावेलें कि एह शहर के उनकरा से **कबो कवनो संबंध नइखे रहल ;** चाहे ओकर बुतपरस्त वर्चस्व के दौरान होखे , जवन बहुत तार्किक बा , लेकिन एकरा पूरा पोप धार्मिक गतिविधि के दौरान भी , जवना के विपरीत धोखा खाए वाला मनुष्य के भीड़ **अपना नुकसान खातिर विश्वास करेला** , काहे कि उ लोग एकरा संगे साझा करीहे , एकर अंतिम " *विनाश* " इहाँ प्रकट भईल बा। भविष्यवाणी के शब्द के तिरस्कार कइला के बाद , रोम के बहकावा के शिकार , हैरान हो जइहें काहे कि धार्मिक असहिष्णुता एह अंतिम संदर्भ में " ***फिर से प्रकट हो जाई*** " ***जवना के घोषणा आ खुलासा कइल गइल बा।*** भगवान एह तरह से याद करेलन कि ऊ चुनल लोग के नाम जानत बाड़न , जब से " *दुनिया के नींव* " भइल बा। उनकर " *नाम* " " *मेमना के जीवन के किताब* " यीशु मसीह में लिखल रहे । आ ओह लोग के बचावे खातिर ऊ ओह लोग के बुद्धि के अपना बाइबिल के भविष्यवाणी के रहस्यन के सामने खोल दिहलन .

रसातल " शब्द से संबंधित एह श्लोक के दूसरा विश्लेषण के प्रस्ताव रखले बानी . एह चिंतन में हम

श्लोक 3 में "*लाल जानवर* " के बारे में उनकर वर्णन के अनुसार आत्मा द्वारा लक्षित अंतिम संदर्भ के ध्यान में रखत बानी जइसन कि हमनी के देखले बानी जा ," *दस सींग* " पर " *मुकुट* " आ" *सात सिर* " *के अभाव एकरा के* " *अंत के समय* " में रख देला ; जवन हमनी के समय के ह। हम बहुत दिन से मानत आइल बानी कि " *जानवर* " धारणा खाली एगो असहिष्णु आ निरंकुश कार्रवाई से संबंधित हो सकेला , आ जवना के परिणामस्वरूप खाली सार्वभौमिक आस्था के अंतिम परीक्षा से चिन्हित बहुत अंतिम दिन के असहिष्णु शासन के जिम्मेदार ठहरावल जा सकेला। बाकिर असल में दिव्य समय में 2020 के एह जाड़ा के अंत में हमरा में एगो अउरी विचार प्रेरित बा। " *जानवर* " असल में लगातार मानव आत्मा के मार रहल बा , आ एकरा बिगड़ल आ अपमानजनक मानवतावादी शिक्षा के शिकार लोग एकर असहिष्णुता के कारण होखे वाला शिक्षा से कहीं अधिका बा। ई नया , मोहक आ धोखा देवे वाला मानवतावादी व्यवहार कहाँ से आवेला ? इ क्रांतिकारी दार्शनिकन के स्वतंत्र सोच वाला विरासत के फल ह जेकरा के परमेश्वर प्रकाशितवाक्य 11:7 में " *अथाह गड्ढा से चढ़े वाला जानवर* " के नाम से निशाना बनवले बाड़े । हमनी के समय के " *जानवर* " *से जुड़ल* " *लाल* " *रंग* , एह अध्याय के पद 3 में , ओह पाप के निंदा करेला जवन आदमी अपना के दिहल आजादी के अतिरेक से पैदा भइल बा। ई केकर प्रतिनिधित्व करेला ? ईसाई मूल के प्रमुख पश्चिमी शक्ति सभ जिनहन के धार्मिक आधार यूरोपीय कैथोलिक धर्म से बिरासत में मिलल बा : अमेरिका आ यूरोप , पूरा तरीका से कैथोलिक धर्म से बहकावल गइल। भगवान जवन " *जानवर* " *हमनी के देखावत बाड़े उ* " *पांचवा तुरही* " के संदेश में भविष्यवाणी कईल गईल काम के अंतिम परिणाम ह . प्रोटेस्टेंट विश्वास , शांतिपूर्ण बनावल कैथोलिक विश्वास से बहकावल , प्रोटेस्टेंट धर्म आ कैथोलिक धर्म के एकजुट करेला जवना के भगवान के अभिशप्त , 1994 में आधिकारिक संस्थागत एडवेन्टिज्म से जुड़ल , " प्रकाशितवाक्य 9:7-9 के *लड़ाई के तइयारी* " *खातिर* , " *आरमागेडोन के* ", प्रकाशितवाक्य 16:16 के अनुसार , जवना के ऊ लोग मिल के , " *छठवाँ तुरही* " के बाद , अंतिम के खिलाफ नेतृत्व करी परमेश्वर के वफादार सेवक , जे उनकर सब्त के दिन के पालन करेला आ पालन करेला। बाकी सातवाँ दिन के आदे श उनकर दस आज्ञा में से चउथा आज्ञा के अनुसार। शांति के समय में इनकर भाषण भाई -बहिन के प्रेम आ अंतरात्मा के आजादी के ऊंचाई देला। बाकिर मुक्तिवादी बनावल ई अपमानजनक आ झूठा आजादी " *दूसरी मौत* " के ओर ले जाला जे पच्छिमी दुनिया में आबादी पैदा करे वाला भीड़ हवे ; जवना के बिसेसता कुछ हद तक नास्तिकता , कुछ हद तक उदासीनता आ

छोट हिस्सा में धार्मिक प्रतिबद्धता सभ के बेकार बना दिहल गइल बा , काहें से कि इनहन के भगवान निंदा कइले बाड़ें , काहें से कि इनहन के झूठा धार्मिक शिक्षा के कारण। एह तरीका से ई मानवतावादी " *जानवर* " *वाकई में आपन उत्पत्ति* " *रसातल* " में लेले बा जइसन कि आत्मा एह श्लोक में प्रकट कइले बा , एह अर्थ में कि ईसाई धर्म दार्शनिक , यूनानी , फ्रांसीसी भा विदेशी क्रांतिकारी लोग के मानवतावादी विचार के छवि आअनुप्रयोग बन गइल बा। **जइसे ईसा खातिर यहूदा के चुम्मा , शांति के समय के झू ठा , मोहक मानवतावादी प्रेम तलवार से भी ज्यादा मार देला** . हमनी के शांति के समय के " *जानवर* " के भी उ " *अन्हार* " चरित्र के विरासत में मिलल बा जवन " *खाई* " शब्द ओकरा के उत्पत्ति 1:2 में देले बा : " धरती बिना रूप आ शून्य रहे , अउर गहिराह के चेहरा पर ***अन्हार*** *रहे , अउर परमेश्वर के आत्मा पानी के चेहरा पर मंडरा रहल रहे* । " आईसाई मूल के समाजन के ई " ***अन्हार*** " चरित्र खुदे विरोधाभासी रूप से " **प्रबुद्धता** " से विरासत में मिलल बा , जवन नाम फ्रांसीसी क्रांतिकारी मुक्त विचारकन के दिहल गइल बा .

एह संश्लेषण के अर्पित करके आत्मा अप्पन लक्ष्य हासिल करेला , जवन कि हमनी के पश्चिमी दुनिया पर आपन निर्णय अउर ओकरा के संबोधित करे वाला निंदा के अपना वफादार सेवकन के सामने उजागर करे के बा। एह तरह से उ एकर कई गो पाप अउर यीशु मसीह के प्रति एकर विश्वासघात के निंदा करेलन , एकमात्र उद्धारकर्ता जेकरा के उनकर काम बेइज्जत करेला।

पद 9: " *बुद्धि वाला मन इहाँ ह, सात सिर सात पहाड़ ह, जवना प महिला बईठल बिया।* "

ई श्लोक ओह अभिव्यक्ति के पुष्टि करेला जवना से रोम के लंबा समय से नामित कइल गइल रहे : " रोम , सात पहाड़ी के शहर ." हमरा ई अपील साल 1958 के एगो पुरान स्कूल के भौगोलिक एटलस में उद्धृत मिलल रहे बाकिर ई बात विवादित नइखे ; के " *सात " के कहल जाला पहाड़* " जेकरा के "पहाड़ी " कहल जाला आजुओ आजुओ बाड़ें जिनहन के नाँव बा : कैपिटल , पैलेटिन , Caelian, Aventine, Viminal, Esquiline, आ Quirinal। एकरे बुतपरस्त चरण में , ई पहाड़ी "ऊँच जगह " सभ भगवान द्वारा निंदा कइल गइल देवता बनावल मूर्ति सभ के समर्पित मंदिर सभ के बोझ रहलें। आ" *किला सभ के देवता* " के सम्मान करे खातिर , कैथोलिक आस्था बदले में आपन bacasili, पर रोम के अनुसार "स्वर्ग " के नामकरण से लियन धरती , " *ओकरा उपस्थिति में* " प्रकाशितवाक्य 13:12 के अनुसार।

पद 10: " *आ सात गो राजा बाड़ें , पांच गो गिर गइल बाड़े , एगो बा , दूसरा अभी तक नइखे आइल; आजब ऊ अइहें त ओकरा कुछ समय खातिर रहे के पड़ी।* "

सात राजा " अभिव्यक्ति से , आत्मा रोम के " *सात* " शासन के श्रेय देले बा जे क्रम से , पहिला छह खातिर : - 753 से -510 तक के राजतंत्र ; गणतंत्र , वाणिज्य दूतावास , तानाशाही , ट्रायम्वाइरेट , ऑक्टेवियन के बाद से साम्राज्य , सीजर अगस्टस जिनके तहत ईसा के जनम भइल रहे , आटेट्रार्की (4 गो जुड़ल सम्राट) 284 से 324 के बीच सातवाँ स्थान पर रहल , जवन एह सटीकता के पुष्टि करे ला " *एकरा के कुछ समय ले चले के चाहीं* "; असल में 30 साल के बा। नयका सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम जल्दी से रोम छोड़ के पूरब में बीजान्टिन (तुर्क लोग द्वारा कांस्टेंटिनोपल के नाँव इस्तांबुल रखल गइल) में बस जाई। बा किर 476 से रोम के पच्छिमी साम्राज्य टूट जाला आ दानियल आ प्रकाशितवाक्य के " *दस सींग* " पश्चिमी यूरोप के राज्य बना के आपन आजादी ले लेला। 476 से रोम ओस्ट्रोगोथिक बर्बर लोग के कब्जा में बा , जिनहन से एकरा के 538 में जनरल बेलिसारियस द्वारा बचावल गइल , सम्राट जस्टि नियन द्वारा अपना सेना सभ के साथ भेजल गइल , जे पूरब में कांस्टेंटिनोपल में रहत रहलें।

पद 11: " *अउर जवन जानवर रहे अउर नइखे , उ खुद आठवाँ राजा ह, आसात में से ह, अउर नाश में चल जाई।* "

"आठवाँ राजा " पोप के धार्मिक शासन हवे जे 538 में सम्राट जस्टिनियन प्रथम के अनुकूल शाही फरमान से स्थापित भइल । जइसन कि पद 11 में निर्दिष्ट कइल गइल बा , पोप के शासन उद्धृत "सात " शासन के समय में लउके ला जबकि एगो नया , अभूतपूर्व रूप के गठन करे ला जेकरा के दानियल एगो " *अलग* " राजा के रूप में संकेत कइले रहलें। पिछला "सात " राजा लोग के समय में जवन चीज पहिले से मौजूद बा ऊ रोमन धार्मिक नेता के उपाधि हवे जे पहिले से उनके सम्राट लोग के दिहल गइल बा आ एकरे उत्पत्ती के बाद से : "पोंटिफेक्स मैक्सिमस ", लैटिन अभिव्यक्ति के अनुवाद "सुप्रीम पोप " के रूप में कइल जाला , जवन 538 से रोमन कैथोलिक पोप के आधिकारिक उपाधि भी हवे। रोमन शासन जवन ओह समय मौजूद बा जब यूहन्ना के विजन मिलल बा ऊ साम्राज्य हवे , मने कि छठवाँ रोमन शासन ; आइनके समय में "सार्वभौम पोप " के उपाधि खुद सम्राट के धारण कइल जाला।

रोम के ऐतिहासिक दृश्य में वापसी के कारण बा फ्रेंक राजा , क्लोविस I , जे ओह समय के झूठा ईसाई बिसवास में "परिवर्तित " भइलें , 496 में ; कहे के मतलब कि रोमन कैथोलिक धर्म के जवन कॉन्स्टेंटाइन प्रथम के बात मानत रहे आजवन 7 मार्च 321 से भगवान के अभिशाप से पहिलहीं से त्रस्त रहे।शाही वर्चस्व के बाद रोम पर आक्रमण भइल आ भारी पलायन में आवे वाला

विदेशी लोग के बोलबाला हो गइल। अलग-अलग भाषा आ संस्कृति के अबोध ओह परेशानी आ आंतरिक संघर्ष के जड़ में बा जवन रोमन एकता आताकत के नष्ट कर दिहलस। ई काम भगवान यूरोप में हमनी के जमाना में ओकरा के कमजोर करे आ ओकरा दुश्मनन का लगे चहुँपावे खातिर लागू कइले बाड़न . एह तरह से "बाबेल के टावर " के अनुभव के अभिशाप सदियन आसहस्राब्दी के दौरान आपन सभ प्रभाव आ मानवता के दुर्भाग्य में ले जाए में एकर प्रभावशीलता के बरकरार रखले बा। रहल बात रोम के त अंत में ई एरियान ओस्ट्रोगोथ लोग के वर्चस्व में आ गइल जे लोग सिद्धांतगत रूप से बीजान्टिन सम्राट लोग द्वारा समर्थित रोमन कैथोलिक आस्था के बिरोध में रहल। एकरा के एह वर्चस्व से मुक्त करे के पड़ी ताकि 538 में रोमन पोप शासन के स्थापना एकरे धरती पर संभव हो सके। एकरा के पूरा करे खातिर दान के मुताबिक। 7:8-20, " *तीन सींग। " कम ले आवल गइल* " पेपिज्म (*छोटका सींग*); रोम के बिशप लोग के रोमन कैथोलिक धर्म से दुश्मनी करे वाला लोग संबंधित लोग बा , क्रम से , 476 में , हेरुली , 534 में , वंडाल लोग , आ 10 जुलाई , 538 के , "एक बर्फ के तूफान द्वारा ", जस्टिनियन I द्वारा भेजल गइल जनरल बेलिसारियस द्वारा ओस्ट्रोगोथ लोग पर कब्जा से मुक्त कइल गइल , रोम अपना अनन्य , दबंग आ असहिष्णु पोप शासन में प्रवेश कर सकेला , जवन एह सम्राट द्वारा स्थापित कइल गइल रहे , षड्यंत्रकारी विजिलियस के अनुरोध पर , पहिला शासन करे वाला पोप ओह पल से , रोम **फिर से** " *ऊ महान शहर बन गइल जवना के धरती के राजा लोग पर राज्य बा* ", श्लोक 18 के , **जवन** " ***विनाश*** " **में जाला** , जइसन कि आत्मा निर्दिष्ट करेला , इहाँ , दूसरा बेर ,। पद 8 के बाद के बा।

, बीजान्टिन सम्राट के फरमान से शुरू भइल जे एकरा के आपन उपाधि आ धार्मिक अधिकार दिहलें। एह तरीका से अतवार के आदेश रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा 7 मार्च 321 के दिहल गइल आ एकरा के जायज ठहरावे वाला पोपरी के स्थापना बीजान्टिन सम्राट जस्टिनियन प्रथम द्वारा साल 538 में कइल गइल ; दू गो तारीख जवना के परिणाम सगरी मानवता खातिर सबसे भयानक बा . इहो 538 में रोम के बिशप पहिला बेर पोप के उपाधि लेले रहले।

पद 12: " *जवन दस सींग रउआ देखनी उ दस राजा हवें , जेकरा अभी तक कवनो राज्य नइखे मिलल , लेकिन जानवर के साथे एक घंटा तक राजा के रूप में अधिकार मिलल बा।* "

इहाँ , दान के उलट। 7:24, संदेश " *अंत के समय* " के अंत में स्थित बहुत कम समय के लक्षित करेला।

जइसे कि दानियल के समय में , यूहन्ना के समय में , रोमन साम्राज्य के " *दस सींग " अभी तक आपन आजादी ना*

मिलल रहे या फिर से वापस ना मिलल रहे। लेकिन , एह अध्याय 17 में लक्षित संदर्भ दुनिया के अंत के होखे के कारण , इहे भूमिका ह जवन " *दस सींग* " एह सटीक संदर्भ में रखले बा जवन आत्मा के द्वारा उकसावल जाला , जवना के बाद के श्लोक पुष्टि करी। *भविष्यवाणी कइल गइल "घंटा* " विश्वास के आखिरी परीक्षा के समय के निर्धारित करेला जवना के घोषणा , प्रकाशितवाक्य 3:10 में , 1873 के सेवेन्थ -डे एडवेन्टिज्म के विश्वासी अग्रदूत लोग खातिर कइल गइल बा।संदेश हमनी खातिर रहे , उनकर वारिस लोग खातिर , जेसा मसीह द्वारा दिहल गइल एडवेन्टिस्ट प्रकाश के विश्वासी लोग खातिर , उनकर चुनल गइल लोग खातिर , 2020 में।

भविष्यवक्ता इजकिएल (इजकिएल 4:5-6) के दिहल भविष्यवाणी कोड के अनुसार , एगो भविष्यवाणी के " *दिन " के कीमत एगो* असली " *साल " बा , अउर एही से , एगो भविष्यवाणी के " घंटा* " के कीमत 15 वास्तविक दिन बा। आत्मा के संदेश के महान जिद जवन अध्याय 18 में " *एक घंटा में " के तीन गुना अभिव्यक्ति के हवाला दिही , हमरा के ई निष्कर्ष निकाले के ओर ले जाला कि इ " घं टा " " सात अंतिम विपत्ति* " के 6 तारीख के शुरुआत आहमनी के दिव्य प्रभु यीशु के महिमा में वापसी के बीच के समय के लक्षित करेला जे प्रधान दूत " *माइकल* " के महिमा में वापस आके प्रोग्राम कइल मौत से अपना चुनल लोग के छीन लेला। एह से इहे " *घंटा* " उहे ह जवन " *आरमागे डोन लड़ाई* " तक चलेला।

पद 1 :3 “ *इ लोग के मन एके बा , अउर उ लोग आपन शक्ति अउर अधिकार जानवर के दे दिहे।* ”

एह अंतिम परीक्षा के समय के निशाना बनावत , आत्मा " *दस सींग* " के बारे में कहत बा : " *उ लोग के मन एके बा , अउर उ लोग आपन शक्ति अउर अधिकार जानवर के देवेलन* । " ई साझा मकसद ई सुनिश्चित कइल बा कि तीसरा परमाणु विश्वयुद्ध से बचे वाला सगरी लोग अतवार का दिने आराम करे . एह खंडहर से प्राचीन यूरोपीय राष्ट्न के सैन्य शक्ति में बहुत कमी आइल बा। बाकिर एह संघर्ष के विजेता अमेरिकी प्रोटेस्टेंट लोग के बचे वाला लोग से आपन संप् रभुता के पूरा समर्पण मिल जाला . मकसद शैतानी ह, लेकिन गिरल लोग एकरा से अनजान बा , अवुरी शैतान के सौंपल गईल उनुकर आत्मा सिर्फ उनुकर इच्छा पूरा क सकता।

अजगर ", " *जानवर* " आ " *झूठा भविष्यवक्ता* " के गठबंधन से ही " *दस सींग* " आपन अधिकार " *जानवर* " के छोड़ देला। आई त्याग भगवान के विपत्तियन के जवना दुख से गुजरे के पड़ेला ओकर तीव्रता के चलते होला . मौत के फरमान के घोषणा आ एकरे लागू होखे के बीच , सब्त के दिन के पालन करे वाला लोग के " *जानवर के निशान* " अपनावे खातिर 15 दिन के अवधि दिहल जाला , उनकर रोमन

"अतवार " के बुतपरस्त सौर पंथ से गंदा कइल गइल। ईसा मसीह के वापसी के योजना 3 अप्रैल 2030 से पहिले के बसंत खातिर बनावल जा रहल बा , जब तक कि " *घंटा* " शब्द के व्याख्या में कवनो गलती ना होखे , मौत के फरमान एह तारीख खातिर या हमनी के वर्तमान सामान्य कैलेंडर के एकरा आ2030 के बसंत के दिन के बीच स्थित तारीख खातिर जारी कइल जाव।

अंतिम दिन में स्थिति कईसन होई , एकरा के पूरा तरीका से समझे खातिर निम्नलिखित तथ्य प विचार करीं। अनुग्रह के समय के अंत के पहचान खाली चुनल लोग द्वारा कइल जा सकेला , जे एकरा के अतवार के नियम के घोषणा से जोड़ देला ; अधिका सटीक रूप से कहल जाव त ओकरा बाद . अविश्वासी आ विद्रोही लोग के रैगटैग समूह खातिर जवन अबहीं जिंदा बा , अतवार के कानून के घोषणा खाली सामान्य हित के मापदंड के रूप में लउकेला जवना के कवनो परिणाम ओह लोग खातिर नइखे . आ पहिला पाँच गो विपत्ति के सामना कइला का बाद ही ओह लोग के बदला लेबे वाला गुस्सा ओह लोग के " *मारे* " के फैसला के पूरा तरह से मंजूरी देबे के ओर ले जाला जेकरा के ओह लोग का सोझा पेश कइल जाला कि ऊ लोग ओह लोग के स्वर्गीय सजा खातिर जिम्मेदार बा .

पद 14: " *ई लोग मेमना से लड़ाई करी , आमेमना उनकरा पर विजय पाई , काहे कि उ प्रभु लोग के प्रभु हवे आ राजा लोग के राजा ह* ।

" *ऊ लोग मेमना से लड़ाई करी , आमेमना ओह लोग पर विजय पाई* ...", काहे कि ऊ सर्वशक्तिमान भगवान हवें जिनकर विरोध कवनो शक्ति ना कर सके . " *राजा लोग के राजा आप्रभु लोग के स्वामी* " धरती के सबसे ताकतवर राजा आस्वामी लोग पर आपन दिव्य शक्ति थोप दिहें। आ ई बात समझल चुनल लोग उनुका साथे जीत जइहें . इहाँ के आत्मा उ तीनों मापदंड के याद करेला जवन परमेश्वर के द्वारा ओह लोग से माँगल जाला जवन उ उद्धार के रास्ता पर निकल गईल बा जवन उनकरा खातिर " *बोलावल " के आध्यात्मिक स्थिति से शुरू होला अउर जवन तब बदल जाला , जब अइसन होला , " चुनल* " के दर्जा में , सृष्टिकर्ता परमेश्वर अउर उनकर सब बाइबिल के प्रकाश के देखावल " *निष्ठा " द्वारा।* सवाल के लड़ाई " *आरमागेडोन* " के लड़ाई ह , प्रकाशितवाक् य 16:16 के ; " *ऊ घंटा* " जब " *चुनल* " " *कहल " के " निष्ठा " के* परीक्षण में डालल जाला। प्रकाशितवाक्य 9:7-9 में , आत्मा प्रोटेस्टेंट विश्वास के एह आध्यात्मिक " *युद्ध* " खातिर तइयारी के खुलासा कइले बा। सब्त के दिन के प्रति उनकर वफादारी के कारण मरे के सजा मिलल , चुन ल लोग परमेश्वर के भविष्यवाणी कइल वादा पर लगावल भरोसा के गवाही देवेलन , अउर उनकरा के दिहल गईल इ गवाही उनका के उ " *महिमा* " देला जवन उ प्रकाशितवाक्य

14:7 के पहिला स्वर्गदूत के संदेश में मांगत हउवें। अनिवार्य अतवार के रक्षक अउर समर्थक लोग के , एह अनुभव में , उ मौत मिली जवन उ लोग ईसा मसीह के चुनल लोग के देवे के तैयारी कर रहल बा। हम इहाँ याद दिलावत बानी , जे संदेह में बा आसंदेह बा कि भगवान आराम के दिन के एतना महत्व देत बाड़े , कि हमनी के मानवता आपन अनंतता खो देले बिया , काहे कि उ सांसारिक बगीचा के "दू गो पेड़ " के जवन महत्व देले रहले। " *आरमागेडोन* " एही सिद्धांत पर आधारित बा ; "दू गो पेड़ " के जगह , हमनी के आज"नीक बुराई के ज्ञान के दिन ", अतवार , अउर "पवित्र जीवन के दिन ", सब्त या शनिवार बा।

पद 15: " *उ हमरा से कहले , जवन पानी तू देखले बाड़ , जहाँ वेश्या बईठल बिया , उ लोग जनता , भीड़ , जाति आ भाषा ह। "*

पद 15 हमनी के उ कुंजी देला जवन हमनी के ओह" *पानी* " के जिम्मेदार ठहरावे के अनुमति देला जवना पर " *वेश्या बइठल बिया* " यूरोपीय लोग के पहचान के जवना के "ईसाई " कहल जाला , लेकिन सबसे ऊपर , झूठा अउर धोखा देवे वाला तरीका से "ईसाई "। यूरोप में अलग-अलग " *भाषा* " बोले वाला लोग के एक साथ ले आवे के विशेषता बा , जवना से स्थापित संघ आ गठबंधन कमजोर हो जाला। बाकिर हाल के समय में अंगरेजी भाषा एगो सेतु के काम करे ले आ अंतर्राष्ट्रीय आदान -प्रदान के बढ़ावा देले ; मनुष्य के व्यापक शिक्षा दिव्य अभिशाप के हथियार के प्रभावशीलता के कम कर देला आ ओकरा रचनाकार के डिजाइन के विरोध करेला। एह से उनकर प्रतिक्रिया अउरी भयानक होई : युद्ध से मौत आ अंत में उनकर गौरवशाली आगमन के तेजस्वीता से।

पद 16: " *जवन दस सींग रउआ दे खले बानी आ जानवर वेश्या से नफरत करी , ओकरा के नंगा करी , ओकर मांस खा जाई आओकरा के आगसे भस्म करी। "*

दस सींग " के उलटफेर के पुष्टि करेला *आजानवर* " जे एकर समर्थन आ मंजूरी देला के बाद अंत में " *वेश्या* " के नष्ट कर देला। हमरा इहाँ याद बा कि " *जानवर* " नागरिक आधार्मिक शक्तियन के संघ के शासन ह आ कि ई एह संदर्भ में , आधिकारिक रूप से प्रोटेस्टेंट अमेरिकी लोग आ कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट यूरोपीय लोग के शक्ति के नामित करेला , जबकि " *वेश्या* " पादरी लोग के नामित करेला , यानी कि के शिक्षा देवे वाला अधिकारियन के कैथोलिक धार्मिक शक्ति : भिक्षु , पादरी , बिशप , कार्डिनल आ पोप एह तरह से , उलटफेर में , कैथोलिक यूरोपीय लोग आप्रोटेस्टेंट अमेरिकी लोग , यानी कि रोमन झूठ के दू गो शिकार , पोप के रोमन कैथोलिक धर्म के पादरी लोग के खिलाफ खड़ा हो जाला आऊ लोग " *आग से*

एकरा के भस्म कर दी " जब, अपना गौरवशाली हस्तक्षेप के माध्यम से , ईसा एकर धोखा गिरा दिहें। शैतानी मोहक मुखौटा "ओकरा *के उतार के नंगा कर दी* " काहे कि ऊ विलासिता में रहत रहली , आ काहे कि ऊ अपना के पवित्रता के रू प में कपड़ा पहिनले रहली , ऊ " *नंगा* " *यानी* आध्यात्मिक शर्म में , ओकरा के कपड़ा पहिरे खातिर कवनो स्वर्गीय न्याय के बिना देखाई दिही सजा।ई श्लोक प्रकाशितवाक्य 14:18 से 20 तक के " *विंटेज* " के विषय के पुष्टि करेला : क्रोध के अंगूर के हाय !

पद 17: " *काहेकि परमेश्वर उनकरा मन में रखले बाड़न कि उ लोग आपन इच्छा पूरा करस, आसहमत होखस , अउर जानवर के आपन राज्य देस , जब तक कि परमेश्वर के वचन पूरा ना हो जाई।* "

पद 17, न्याय के संख्या के तहत , हमनी के स्वर्गीय परमेश्वर के एगो महत्वपूर्ण विचार के प्रकट करेला जवना के आदमी के तिरस्कार कईल या उदासीनता से व्यवहार कईल गलत बा। भगवान इहाँ जिद करेलन , ताकि उनकर चुनल लोग के विश्वास हो जाव , कि उहे "भयानक खेल " के एकमात्र मालिक हवें जवन निर्धारित समय पर जगह पर रखल जाई। कार्यक्रम के डिजाइन शैतान ना , भगवान खुदे बनवले रहले। दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के बारे में उ अपना महान अउर उदात्त प्रकाशितवाक्य में जवन भी घोषणा कइले रहलन , या त पूरा हो चुकल बा या पूरा होखे के बा। आ काहे कि " *कवनो चीज के अंत ओकर शुरुआत से बेहतर होला* " उपदेश के अनुसार। 7:8, परमेश्वर हमनी खातिर निष्ठा के ई आखिरी परीक्षा के निशाना बनावेलन जवन हमनी के झूठा मसीही लोग से अलग करी अउर तीसरा विश्वयुद्ध के परमाणु विनाश के बाद हमनी के उनकर स्वर्गीय अनन्त काल में प्रवेश करे के योग्य बनाई। एह से हमनी के खाली भरोसा के साथ इंतजार करे के पड़ी काहे कि धरती पर जवन भी चीज संगठित होई उ ए गो " *डिजाइन* " ह जवना के परिकल्पना खुद भगवान कईले बाड़े। आ अगर भगवान हमनी के पक्ष में बाड़े त के हमनी के खिलाफ होई , सिवाय ओह लोग के जेकर हत्यारा " *डिजाइन* " ओह लोग के खिलाफ हो जाई ?

जब तक भगवान के वचन पूरा ना हो जाई " के सटीकता के का मतलब बा ? आत्मा पोप के " *छोट सींग* " खातिर आरक्षित अंतिम भाग्य के संदर्भित करेला जइसन कि पहिले से भविष्यवाणी कइल गइल बा , दान में। 7:11: " *तब हम सींग के घमंडी शब्दन के कारण देखनी ;* ***आजब हम देखत रहनी त ओकरा के मार दिहल गइल, आओकरलाश नष्ट हो गइल आ आगके जरा दिहल गइल*** "; दान में भइल . 7:26: " *तब न्याय आई,* ***आ ओह लोग के प्रभुत्व छीन लिहल जाई , आऊ हमेशा खातिर नष्ट हो जाई आसफाया हो जाई*** "; आदान के नाम से जानल

जाला . 8:25: " *अपना समृद्धि अउर अपना चाल के सफलता के कारण , उ अपना दिल में अहंकारी होई , अउर उ शांति से जिए वाला बहुत लोग के नाश करी , अउर उ राजकुमारन के राजकुमार के खिलाफ खुद के ऊपर उठाई ;* ***लेकिन उ बिना हाथ के प्रयास के टूट जाई*** । " रोम के अंत से संबंधित बाकी *" परमेश्वर के वचन " प्रकाशितवाक्य 18, 19 अउर 20 में प्रस्तुत कइल जाई।*

पद 18: " *आजेकरा के तू देखनी , उहे महान शहर ह, जवन धरती के राजा लोग पर राज करेला। "*

पद 18 हमनी के सबसे आश्वस्त प्रमाण देला कि " *महान शहर* " वाकई में रोम ह। हमनी के एहसास होखे कि स्वर्गदूत यूहन्ना के व्यक्तिगत रूप से संबोधित कर रहल बाड़े। त, ओकरा से ई कह के कि , " *आजवना औरत के* ***रउआ*** *देखले बानी ऊ ऊ महान शहर ह जवन धरती के राजा लोग पर राज करेला* ," यूहन्ना के ई समझे खातिर ले जाइल जाला कि स्वर्गदूत रोम के बात करत बाड़न , "सात पहाड़ी के शहर ," जवन , उनकरा समय में , शाही तरीका से अपना विशाल औपनिवेशिक साम्राज्य के विभिन्न राज्यन पर हावी रहे। अपना शाही भेस में एकरा लगे पहिले से " *धरती के राजा लोग पर राज्य* " बा आई एकरा के अपना पोप शासन में बरकरार रखी।

एह अध्याय 17 में , रउवां देख सकत बानी कि परमेश्वर आपन प्रकाशन के केंद्रित कइले बाड़न जवना से हमनी के " *वेश्या* " के निश्चित रूप से पहचान करे के अनुमति मिल गइल बा , जवन ईसाई "महान त्रासदी " के उनकर दुश्मन हई। एह तरह से ऊ 17 नंबर के अपना फैसला के प्रामाणिक अर्थ देत बाड़न . इहे अवलोकन हमरा के पाप के स्थापना के 17वीं शताब्दी के सालगिरह के महत्व देवे के ओर ले गईल , जवन 7 मार्च , 321 (आधिकारिक तारीख लेकिन भगवान खा तिर 320) के सूरज के दिन के अपनावे के गठन करेला जवन हमनी के एह साल 2020 में अनुभव कईले बानी जा , जवन कि अब बीतल बा। हमनी के देख सकेनी जा कि भगवान सचमुच एकरा के ईसाई युग (Covid-19) के इतिहास में अभूतपूर्व अभिशाप से चिन्हित कईले बाड़े जवना के चलते दूसरा विश्वयुद्ध से भी जादे विनाशकारी वैश्विक आर्थिक पतन भईल। दिव्य धर्मी न्याय के बाकी अभिशाप आगे आवेला , हमनी के ओकर खोज करब जा , दिन पर दिन।

प्रकाशितवाक्य 18: वेश्या के ओकरसजा मिलेला

वेश्या के पहचान के अनुमति देवे वाला विवरण के खुलासा कईला के बाद , अध्याय 18 हमनी के " *आरमागेडोन के लड़ाई* " के अंत के बहुत खास संदर्भ में ले जाई।

शब्दन से एकर सामग्री के पता चलेला : " *धरती के वेश्या लोग के महतारी महान बाबुल के सजा के घड़ी* "; खूनी " *विंटेज* " के घड़ी .

पद 1: " *एह सब के बाद हम एगो अउरी स्वर्गदूत के स्वर्ग से उतरत देखनी , जेकरा लगे बहुत अधिकार रहे , आधरती उनकर महिमा से रोशनी हो गईल।* "

बहुत अधिकार धारण करे वाला स्वर्गदूत भगवान के पक्ष में बाड़े , असल में खुद भगवान के पक्ष में बाड़े। स्वर्गदूतन के मु खिया माइकल एगो अउरी नाम ह जवना के यीशु मसीह अपना पार्थिव सेवा से पहिले स्वर्ग में ले गईले। एही नाम से , आ पवित्र स्वर्गदूतन के दिहल अधिकार से , ऊ शैतान आ अपना राक्षसन के स्वर्ग से निकाल दिहलन , क्रूस पर जीत के बाद। एह से इहे दुनो नाम के तहत उ अपना अनमोल चुनल लोग के वापस लेवे खातिर , पिता के महिमा में , धरती पर वापस आजाला ; अनमोल काहे कि ऊ लोग वफादार बा आ काहे कि ई वफादारी , जवना के परीक्षा में डालल गइल , देखावल गइल बा . इहे संदर्भ में उ अपना निष्ठा से ओह लोग के सम्मान करे आवेलन जे उनका के उ " *महिमा* " देके बुद्धिमानी से आज्ञा मानले बाड़े जवन उ प्रकाशितवाक्य 14:7 के अनुसार 1844 से मांगत बाड़े। सब्त के दिन के पालन करके उनकर चुनल उनकरा के सृष्टिकर्ता परमेश्वर के उपाधि में महिमामंडन कइले , जवन स्वर्गीय अउर पार्थिव जीवन के रचना के बाद से अकेले उहाँ के वैध रूप से बा।

पद 2: " *ऊ जोर से चिल्ला के कहलस, "बड़का बाबुल गिर गइल बा , गिर गइल बा , आदुष्टात्मा के आवास बन गइल बा , आहर अशुद्ध आघृणित चिरई के पिंजरा बन गइल बा।* "

" *ऊ बाबुल बड़का गिर गइल बा , गिर गइल बा !* हमनी के प्रकाशितवाक्य 14:8 के उद्धरण एह पद 2 में मिलेला , लेकिन अबकी बेर इ भविष्यवाणी के रूप में ना कहल गइल बा , बल्कि एह से कि उनकर गिरला के सबूत उनकर धोखा देवे वाला अउर मोहक गतिविधि के एह अंतिम पल से बचे वाला मानवीय लोग के दिहल गइल बा। रोमन पोप के बेबिलोन के पवित्रता के मुखौटा भी गिर जाला। ऊ असल में " *राक्षसन के आवास हई , हर गंदा आत्मा के पकड़ हई , हर अशुद्ध आघृणित चिरई के पिंजरा हई* ." " *चिरई* " के जिक्र से हमनी के याद दिलावत बा कि पार्थिव कर्म के पीछे शैतान के खेमा के दुष्ट स्वर्गदूतन के स्वर्गीय प्रेरणा बा , जवन कि ओह लोग के नेता आ ईश्वरीय सृष्टि के पहिला विद्रोही ह।

पद 3: " *काहे कि सब राष्ट्र ओकर व्यभिचार के क्रोध के शराब पी लेले बा , अउर धरती के राजा ओकरा साथे व्यभिचार कइले बा , अउर धरती के व्यापारी ओकर भरपूर स्वादिष्ट भोजन से अमीर हो गइल बा।* "

"... *काहे कि सब राष्ट्र ओकरा व्यभिचार के क्रोध के शराब पी चुकल बा* ... " धार्मिक आक्रामकता रोमन कैथोलिक पोप सत्ता के उकसावे पर पैदा भइल, जवन ईसा मसीह के सेवा में होखे के दावा करत, धरती पर अपना चेलन आप्रेरितन के सिखावल व्यवहार के पाठ के पूरा तिरस्कार के प्रदर्शन कइलस। नम्रता से भरल ईसा, क्रोध से भरल पोप लोग ; ईसा, विनम्रता के मॉडल, पोप, आडंबर आ घमंड के मॉडल, ईसा भौतिक गरीबी में रहे वाला, पोप लोग विलासिता आधन में रहे वाला। ईसा जान बचा लिहलन, पोप लोग अन्याय आ बेवजह से अनगिनत भीड़ के इंसान के जान मर गइल। एह से ई रोमन कैथोलिक पोप के ईसाई धर्म में ईसा के मॉडलिंग कइल आस्था से कवनो समानता ना रहे । दानियल में परमेश्वर "*अपना चाल के सफलता* " के भविष्यवाणी कइले बाड़न, लेकिन इ सफलता काहे मिलल ? एकर जवाब सरल बा : काहे कि भगवान ओकरा के देले बाड़े। काहे कि हमनी के याद राखे के चाहीं कि प्रकाशितवाक्य 8:8 के " *दूसरा तुरही* " के सजा के शीर्षक के तहत ही उ 7 मार् च 321 से छोड़ल गइल सब्त के उल्लंघन के सजा देवे खातिर एह क्रूर अउर कठोर शासन के उठवले रहले। 26:19, भगवान कहले : " *हम तोहार शक्ति के घमंड के तोड़ देब, तोहार स्वर्ग बना देब।* " ***जइसे लोहा***, *आ* *तोहार जमीन* ***पीतल के तरह***." नया वाचा में पोप के शासन के उठावल गइल रहे कि ऊहे अभिशाप पूरा कर सके. अपना योजना में भगवान एके बेर में अपना प्रेम के नियम आ अपना सिद्ध न्याय के मांग के पूरा करे खातिर पीड़ित, न्यायाधीश आ जल्लाद बाड़न. सब्त के दिन के उल्लंघन से 321 से मानवता के महँग नुकसा न भइल बा, जवन बेकार युद्ध आनरसंहार में आपन कर देले बा, आ साल सृष्टिकर्ता भगवान द्वारा बनावल गइल विनाशकारी घातक महामारी एह श्लोक में, " *अशुद्धि* " (या " *व्यभिचार* ") आध्यात्मिक बा, आ ई एगो अयोग्य धार्मिक व्यवहार के योग्य बनावे ला " *शराब* " *उनकर शिक्षा के प्रती कहवे जे मसीह के नाँव पर*, ओह सभ लोग के बीच शैतानी " *क्रोध* " *आ नफरत के आसुत करे ला* आक्रमणकारी लोग के बा।

कैथोलिक शिक्षा के अपराधबोध के पूरा मानवता के अपराधबोध के ना छिपावे के चाहीं, जवन लगभग समग्रता में ईसा मसीह द्वारा उभारल मूल्यन के साझा नइखे। अगर धरती के राजा लोग " *बेबिलोन* " *के* " *व्यभिचार के शराब* " (*व्यभिचार*) पीयत रहे त एकर कारण बा कि, एगो " *वेश्या* " के रूप में, उनकर एकमात्र चिंता ग्राहकन के खुश करे के रहे ; इ नियम ह, ग्राहक के संतुष्ट होखे के चाही ना त उ वापस ना आवे। आ कैथोलिक धर्म लोभ के उच्चतम स्तर तक बढ़ा दिहले बा, इहाँ तक कि अपराध के हद तक, आ धन आ आलीशान जीवन के प्रेम के। जइसे कि यीशु सिखवले रहले, पंख के चिरई

एक संगे झुंड बना लेले। दुष्ट आघमंडी आदमी एकरा साथे भा एकरा बिना कवनो हालत में खो गइल रहित . याद दिलावत बानी : दुष्टता मानव जीवन में कैन के माध्यम से प्रवेश कइलस , जे पार्थिव इतिहास के शुरुआत से ही उनकर भाई हाबिल के हत्यारा रहलन। " *धरती के व्यापारी एकरा विलासिता के ताकत से अमीर हो गईले* ." एह से रोमन कैथोलिक पोप शासन के सफलता के व्याख्या होला। जमीन के व्यापारी लोग खाली पइसा में विश्वास करेला ; ऊ लोग धार्मिक कट्टरपंथी ना ह बाकिर अगर धर्म ओह लोग के समृद्ध कर देला त ऊ एगो स्वीकार्य , इहाँ तक कि वांछनीय साथी बन जाला . विषय के अंतिम संदर्भ हमरा के मुख्य रूप से अमेरिकी प्रोटेस्टेंट व्यापारियन के पहचान करे के ओर ले जाला , काहे कि जमीन आध्यात्मिक रूप से प्रोटेस् टेंट आस्था के नामित करेले। 16वीं सदी से , उत्तरी अमेरिका , जे मूल रूप से प्रोटेस्टेंट हवे , हिस्पैनिक कैथोलिक लोग के स्वागत करत बा , आतब से , कैथोलिक बिसवास के ओतने प्रतिनिधित्व कइल गइल बा जेतना कि प्रोटेस्टेंट बिसवास के। एह देश खातिर जहाँ खाली "व्यापार " महत् व राखेला , धार्मिक मतभेद अब कवनो मायने नइखे राखत . जिनेवा सुधारक जॉन केल्विन के प्रोत्साहन से अपना के समृद्ध करे के सुख से जीतल प्रोटेस्टेंट व्यापारी लोग के कैथोलिक आस्था में अपना के समृद्ध करे के एगो अइसन साधन मिलेला जवन मूल प्रोटेस्टेंट मानदंड ना देत रहे। प्रोटेस्टेंट चर्च खाली देवालन से खाली बा , जबकि कैथोलिक चर्चन में कीमती सामग्री , सोना , चाँदी , हाथीदांत , सब सामग्री के ओवरलोड बा जवना के एह विषय में पद 12 में सूचीबद्ध कइल गइल बा , एह से कैथोलिक पूजा के धन , लॉर्ड गॉड खातिर , अमेरिकी प्रोटेस्टेंट आस्था के कमजोर होखे के व्याख्या ह। डॉलर , नया मैमन , दिल में भगवान के जगह लेबे आइल बा आ सिद्धांतन के विषय में कवनो रुचि खतम हो गइल बा . विपक्ष त मौजूद बा बाकिर राजनीतिक रूप में ही .

पद 4: " *हम स्वर्ग से एगो अउरी आवाज सुननी कि , हे हमार लोग , ओकरा से बाहर निकल जा , ताकि तू ओकरा पाप में भागीदार मत होखब , अउर ओकरा विपत्तियन से ना मिले।* "

पद 4 अंतिम विरह के क्षण के उकसावत बा : ", *हमार लोग , ओकरा से बाहर निकल जा* "; इ उ समय ह जब चुनल लोग के स्वर्ग में ले जाइल जाई , यीशु से मिले खातिर। इ श्लोक जवन देखावत बा उ ह " *फसल* " के क्षण , जवन प्रकाशितवाक्य 14:14 से 16 के विषय ह, उ लोग एह से पकड़ल गईल बा काहे कि , जईसे कि पद निर्दिष्ट कईले बा , उ लोग के "विपत्ति " में "भाग " ना लेवे के चाही जवन पोप रोम अउर ओकर पादरी लोग पर आई। लेकिन , पाठ में इ

निर्दिष्ट कईल गईल बा कि पकड़ल गईल चुनल लोग में शामिल होखे खातिर "*ओकरा पाप में भाग ना लेले होखे* "। आचूंकि मुख्य पाप अतवार के आराम ह, जवन "*जानवर के निशान* " ह जवना के कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट लोग आस्था के अंतिम परीक्षा में सम्मानित करे ला, एहसे एह दुनु मुख्य धार्मिक समूहन के विश्वासी चुनल लोग के रैप्चर में भाग ना ले सकेलें. **"बेबिलोन से बाहर आवे " के जरूरत लगातार बा**, हालांकि एह श्लोक में आत्मा ओह पल के निशाना बना रहल बा जब परमेश्वर के एह आज्ञा के पालन करे के आखिरी मौका पैदा होला काहे कि अतवार के कानून के घोषणा परिवीक्षा के समय के अंत के निशानी ह। ई घोषणा "*छठवाँ तुरही* "*(तीसरा विश्वयुद्ध*) से बचे वाला सभे लोग के जागरूकता के बढ़ावा देला जवन सृष्टिकर्ता भगवान के चौकस नजर में ओह लोग के पसंद के जिम्मेदार बनावेला।

पद 5: " *काहेकि ओकर पाप स्वर्ग तक पहुँच गईल बा, अउर परमेश्वर ओकर अपराध के याद कईले बाड़ें।* "

उनकर शब्दन में आत्मा "बाबेल के बुर्ज " के छवि के सुझाव देत बा, जवना के नाम "बेबिलोन " के नाम से जड़ जमा लेले बा। 321 आ 538 से रोम, "*महान शहर* " जहाँ " *वेश्या* " के आपन "*सिंहासन*," 538 से उनकर "पवित्र " पोप के आसन बा, भगवान के खिलाफ आपन पाप कई गुना बढ़ा दिहले बा। स्वर्ग से ई 1,709 साल (321 के बाद से) तक आपन संचित पाप के गिनती रखले बा आ दर्ज कइले बा। अपना गौरवशाली वापसी से ईसा पोप के शासन के नकाब उजागर कर दिहले बाड़न आरोम आ ओकर झूठा पवित्रता खातिर अब ओह लोग के अपराध के भुगतान करे के समय आगइल बा.

पद 6: " *जइसन उ पईसा देले रहली, ओइसने वापस कर दीं, आ ओकरा के ओकर काम के हिसाब से दुगुना दे दीं, जवना प्याला में उ डालले बाड़ी, ओकरा में दुगुना दे दीं।* "

प्रकाशितवाक्य 14 के विषयन के प्रगति के बाद, *फसल के बाद विंटेज* आवेला। आ कैथोलिक धर्म के झूठ के शिकार कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट में से सबसे दुष्ट लोग के ही भगवान आपन बात के संबोधित करेलन : "*ओकरा के ओइसने वापस कर दीं जइसन ऊ देले बाड़ी, आ ओकरा काम के हिसाब से दु गुना दे दीं*." हमनी के इतिहास से इयाद बा कि उहाँ के रचना उहाँ के इन्क्विजिटरी ट्रिब्यूनल के चिंता आ यातना रहे। एहसे एही तरह के भाग्य बा कि कैथोलिक धार्मिक शिक्षकन के दुगुना नुकसान होखी, अगर हो सके त. इहे संदेश एह रूप में दोहरावल गइल बा कि "*जवना प्याला में ऊ डालले रहली, ओहिजा ओकरा के दुगुना डाल दीं*." पीये के प्याला के छवि के इस्तेमाल यीशु कइले रहले, ओह यातना के निर्दिष्ट करे खातिर जवन उनकर शरीर से गुजरी, जब तक कि एगो क्रॉस पर अंतिम पीड़ा ना हो जाव,

जवन रोम द्वारा पहिले से ही खड़ा हो चुकल रहे , गोलगोथा पहाड़ के तलहटी में। एह तरह से यीशु हमनी के याद दिलावत बाड़न कि कैथोलिक आस्था में ओह दुख के घृणित तिरस्कार देखावल गइल बा जवना के ऊ सहन करे के तइयार हो गइल बाड़न , एहसे अब उनुकर बारी बा कि ऊ एकर अनुभव करसु . एगो पुरान कहावत एह घरी आपन पूरा मूल्य ले ली कि ऊ कबो दोसरा के साथे मत करीं जवन रउरा ना चाहब कि रउरा साथे होखे . एह क्रिया में भगवान प्रतिशोध के नियम के पूरा करेलें : आँख के बदले आँख , दाँत के बदले दाँत ; एगो बिल्कुल न्यायसंगत कानून जवना के व्यक्तिगत उपयोग ऊ अपना खातिर सुरक्षित राखत रहले . बाकिर सामूहिक स्तर पर एकर आवे दन इंसानन पर अधिकृत रहे , जवन एकरा बावजूद एकर निंदा करत रहे , ई सोच के कि ऊ भगवान से अधिका न्यायसंगत आ बढ़िया हो सकेला . एकर परिणाम विनाशकारी बा : बुराई आ ओकर विद्रोही भावना ईसाई मूल के पश्चिमी लोग पर अउरी खराब हो गइल बा आ हावी हो गइल बा।

प्रकाशितवाक्य 17:5 में , " *महान बाबुल* ," " *वेश्या* ," " *अपना घिनौना चीजन से भरल सोना के प्याला रखले रहे* । " ई स्पष्टीकरण उनुका धार्मिक गतिविधि आ यूकेरिस्ट के प्याला के खास इस्तेमाल के निशाना बनावत बा . ईसा मसीह के सिखावल आ पवित्र कइल एह पवित्र संस्कार के प्रति उनकर अनादर उनका के ओतने खास सजा मिलेला। प्रेम के भगवान न्याय के भगवान के रास्ता दे देले अवुरी उनुका फैसला के विचार आदमी के साफ -साफ प्रकट होखेला।

पद 7: " *जेतना उ अपना के महिमामंडन कइले बाड़ी आ विलासिता से जियत बाड़ी , ओतने यातना आ दुख दीं , काहे कि ऊ अपना मन में कहत बाड़ी कि , 'हम रानी बईठल बानी , हम कवनो विधवा ना हईं , आ हम कवनो दुख ना देखब। '* "

पद 7 में , आत्मा जीवन अउर मौत के बीच के विरोध के उजागर कइले बा। मौत के दुख से अछूता जीवन हंसमुख , बेफिक्र , तुच्छ , नया सुख के खोज में बा। पोप के रोमन "बेबिलोन " ओह धन के खोज कइलस जवन एगो आलीशान जीवन खरीदेला। अउर एकरा के शक्तिशाली लोग से अउर राजा लोग से पावे खातिर , पाप के माफी के "अनुग्रह " के रूप में बेचे खातिर ईसा मसीह के नाम के इस्तेमाल कइलस आ आजुओ इस्तेमाल करत बा। ई एगो अइसन विवरण ह जवन भगवान के निर्णय के संतुलन में बहुत भारी वजन करेला , जवना के अब मनोवैज्ञानिक आ शारीरिक रूप से प्रायश्चित करे के पड़ी। एह धन अउर विलासिता के निंदा एह बात पर टिकल बा कि यीशु अउर उनकर प्रेरित लोग नंगे जरूरत से संतुष्ट , खराब तरीका से रहत रहे। एह तरह से " *यातना* " आ " *शोक* " पोप के रोमन कैथोलिक पादरी लोग के " *धन आ विलासिता* " के जगह ले लेला।

अपना धोखा देवे वाला गतिविधि के दौरान , बेबिलोन अपना दिल में कहत बा , " *हम एगो रानी के रूप में बईठल बानी* ," जवन प्रकाशितवाक्य 17:18 के " *धरती के राजा लोग पर ओकर राजसी " के पुष्टि करेला।* अउर प्रकाशितवाक्य 2:7 अउर 20 के अनुसार , उनकर " *सिंहासन* " वेटिकन में बा (vaticinate = भविष्यवाणी करीं), रोम में। " *हम कवनो विधवा ना हईं* "; ओकर पति मसीह , जेकर दुलहिन होखे के ऊ दावा करेली , जिंदा बाड़न . " *आहम् कवनो शोक ना देखब* ." चर्च के बाहर कवनो उद्धार नइखे , ऊ अपना सगरी विरोधियन से कहत बाड़ी . उ एकरा के एतना बेर दोहरवले बाड़ी कि आखिरकार उनुका एकरा प विश्वास हो गईल बा। आउनुका सही मायने में पूरा भरोसा बा कि उनुकर राज हमेशा खातिर रही . चूँकि ऊ ओहिजा रहत आइल बाड़ी , का रोम के "शाश्वत शहर " के नाँव ना दिहल गइल बा ? अतने ना , धरती के पश्चिमी शक्तियन के समर्थन मिलला का चलते उनुका अपना के मानवीय रूप से अछूत आ अभेद्य माने के बढ़िया कारण रहे . ना ही उ भगवान के शक्ति से डेरात रहली काहे कि उ धरती प उनुकर सेवा अवुरी प्रतिनिधित्व करे के दावा करत रहली।

पद 8: " *एह से ओकर विपत्ति एके दिन में आजाई , मौत , शोक , आ अकाल , आ ऊ आग से भस्म हो जाई , काहे कि प्रभु परमेश्वर पराक्रमी हवें , जे ओकर न्याय कइले बाड़न।* "

ई श्लोक उनकर सभ भ्रम के अंत कर देला : " *एह से , एक दिन में* "; जवना दिन यीशु महिमा में वापस अइहें , " *उनकर विपत्ति आई* " यानी कि भगवान के सजा आई; " *मौत , शोक , आअकाल* " असल में एकरा उल्टा क्रम में काम पूरा होला। हमनी के एक दिन में भूख से ना मरेनी जा , एहसे , पहिला , आध्यात्मिक " *अकाल* " जीवन के रोटी के नुकसान ह जवन ईसाई धार्मिक आस्था के आधार ह। तब " *शोक* " हमनी के करीबी लोग के मौत के निशानी खातिर पहिरल जाला , जेकरा साथे हमनी के पारिवारिक भावना साझा करेनी जा। अउर अंत में , " *मौत* " दोषी पापी के मार देला , काहे कि " *पाप के मजदूरी मौत ह* ", रोम के अनुसार। 6:23 के बा। " *अउर इ आग से भस्म हो जाई* ", दानियल अउर प्रकाशितवाक्य में दोहरावल गईल भविष्यवाणी के घोषणा के अनुसार। **ऊ खुदे एतना जीव के दाँव पर जरा दिहले बाड़ी , अन्याय से , कि ई पूरा दिव्य न्याय में बा कि ऊ खुद आग में नाश हो जासु** . " *काहे कि प्रभु पराक्रमी हवें , जे ओकर न्याय कइले बाड़न* "; अपना मोहक गतिविधि के दौरान कैथोलिक आस्था ईसा के महतारी मरियम के पूजा कइले बा जे खाली ओह छोट बच्चा के रूप में प्रकट भइली जेकरा के ऊ अपना कोरा में धइले रहली। ई पहलू भावुकता के ओर झुकल मानव मन के बहका दिहलस। एगो नारी , बेहतर , एगो माई , धर्म केतना आश्वस्त करे वाला हो गईल ! लेकिन इ सच्चाई के घड़ी ह ,

अउर मसीह जे ओकर न्याय करेला , अभी -अभी सर्वशक्तिमा न परमेश्वर के महिमा में प्रकट भइल बा ; आ ईसा मसीह के ई दिव्य शक्ति , जे ओकरा के नकाब उतारले बा , ओकरा के नाश कर देला , ओकरा के ओकरा धोखा खाए वाला शिकार लोग के बदला लेवे वाला क्रोध में सौंप देला।

पद 9: " *अउर धरती के सब राजा , जे व्यभिचार कइले बाड़न अउर ओकरा साथे आलीशान में रहत बाड़न , जब उनकर जरत धुँआ देख के उनकरा पर रोवे आविलाप करीहें।* "

धरती के राजा लोग के व्यवहार के खुलासा कइल गइल बा जे व्यभिचार कइले बाड़न आओकरा साथे आलीशान जीवन जीले बाड़न ." एह में राजा , राष्ट्रपति , तानाशाह , ओह सगरी राष्ट्रन के नेता लोग शामि ल बा जे कैथोलिक आस्था के सफलता आ गतिविधि के बढ़ावा दिहले बा आजे अंतिम मुकदमा में सब्त के दिन राखे वालन के मारे के फैसला के मंजूरी दे दिहले बा . ऊ लोग " *ओकरा पर रोवे आविलाप करीहें , जब ओकरा जरत धुँआ देखसु* ." साफ बा कि धरती के राजा लोग के हालत ओह लोग से फिसल त लउकत बा . अब ऊ लोग केहू पर राज ना करेला आ खाली धोखा खा चुकल पीड़ितन के जरावल रोम के जरावल , दिव्य प्रतिशोध के निष्पादन साधन के देखत रहेला . एह लोग के रोअल आविलाप एह बात से जायज बा कि ओह लोग के उच्चतम सत्ता में ले जाए वाला सांसारिक मूल्य अचानक गिर रहल बा .

पद 10: " *ओकरा यातना के डर से दूर खड़ा होके कहसु , 'अफसोस , महान शहर , बाबुल , पराक्रमी शहर ! एक घंटा में तोहार न्याय आगईल बा !'* "

"शाश्वत शहर " मर जाला , ऊ जर जाला आ *धरती के राजा लोग* रोम से आपन दूरी बना के रखेला। अब ओह लोग के डर बा कि एकरा किस्मत में हिस्सा लेबे के पड़ी . जवन हो रहल बा , **उ लोग खातिर** एगो बहुत बड़ ***दुर्भाग्य के गठन कर रहल बा*** : " *हाय ! हाय ! महान शहर , बेबिलोन* ," *हाय के* दू बेर दोहरावल गइल बा , " *ऊगिर गइल बा , ऊगिर गइल बा , बड़ बाबिलोन* । " " *पराक्रमी शहर !* "; एतना ताकतवर कि ऊ ईसाई राष्ट्रन के नेता लोग पर अपना प् रभाव से दुनिया पर राजे कइली ; ठीक एही संबंध के वजह से जवना के परमेश्वर निंदा कइले बाड़न , कि राजा लुई सोलहवाँ अउर उनकर ऑस्ट्रियाई पत्नी मैरी -एंटोनेट , अपना समर्थक लोग के साथे , गिलोटिन के पास गइलन , जवन " *महान संकट* " के शिकार रहले , जइसन कि आत्मा घोषणा कइले रहे , प्रकाशितवाक्य 2:22-23 में। " *एक घंटा में तोहार फैसला आगईल बा !* "; यीशु के वापसी दुनिया के अंत के समय के चिन्हित करे खातिर आवेला। अंतिम परीक्षा में प्रकाशितवाक्य 3:10 में भविष्यवाणी कइल गइल प्रतीकात्मक " *एक घंटा* " के चिन्हित कइल गइल , लेकिन ईसा मसीह के प्रकट होखल काफी होई , पूरा वर्तमान

स्थिति के उल्टा होखे खातिर ,अउर अबकी बेर ,शाब्दिक अर्थ में " *एक घंटा* " एह आश्चर्यजनक बदलाव के ले आवे खातिर काफी होई।

पद 11: " *आ धरती के व्यापारी लोग ओकरा खातिर रोवेला आशोक मनावेला , काहे कि अब केहू आपन माल ना खरीदेला ,* "

आत्मा अबकी बेर " *धरती के व्यापारियन* " के निशाना बनावेले , खास तौर प एकर मकसद अमेरिकी व्यापारिक भावना के बा जवना के पूरा धरती में बचे वाला लोग अपनावले बा , जवना के चर्चा ऊपर अध्याय 17 के अध्ययन में कईल गईल बा। ऊ लोग भी " *ओकरा पर रोवेला आ शोक मनावेला , काहे कि अब केहू ओह लोग के माल ना खरीदेला* ; ...." ई श्लोक कैथोलिक आस्था के प्रति प्रोटेस्टेंट लोग के स्नेह के अपराधबोध के रेखांकित करेला , जवना खातिर उ लोग *शोक मनावेला , एह तरह से* आर्थिक हित के चलते *एकरा* से उनकर व्यक्तिगत लगाव के गवाही देला । जबकि एकरे बिल्कुल बिपरीत , सुधार के काम के भगवान द्वारा रोमन कैथोलिक पोप के अपराध के निंदा करे आ समझल गइल सच्चाई सभ के बहाल करे खातिर उठावल गइल ; जवन कि ओह लोग के समय में पीटर वाल्डो , जॉन विक्लिफ , आ मार्टिन लूथर जइसन सच्चा सुधारक लोग कइले रहे। व्यापारी लोग भी उदासी से देखत बा कि ऊ लोग अपना पोसल मूल्यन के आँख के सोझा उखड़त देखेला , काहे कि ऊ लोग खाली अपना ब्यापारिक गतिविधियन के माध्यम से अपना के समृद्ध करे के सुख खातिर जियत बा ; कारोबार कइल ओह लोग के अस्तित्व के खुशी के सारांश देला .

पद 12: " *सोना , चांदी , कीमती पत्थर , मोती , महीन लिनन , बैंगनी , रेशम , लाल , हर तरह के मीठ लकड़ी , हर तरह के हाथीदांत , हर तरह के बहुत महंगा लकड़ी , पीतल , लोहा , आसंगमरमर के माल ,* "

रोमन कैथोलिक मूर्तिपूजक धर्म के आधार होखे वाला विभिन्न सामग्री के सूचीबद्ध करे से पहिले हम इहाँ ईसा मसीह के सिखावल सच्चा विश्वास के ई खास बिंदु के याद करत बानी। उ सामरी औरत से घोषणा कईले रहले : " *औरत," यीशु ओकरा से कहले ,"हमरा प विश्वास कर, उ समय आवे वाला बा जब तू ना त ए पहाड़ प पिता के पूजा करब , ना यरूशलेम में। तू उहे पूजा करी , जवन तू ना जानत बाड़ ; हम नी के उहे पूजा करतानी , **काहेकि उद्धार यहूदी लोग के ह** । लेकिन उ समय आवे वाला बा , अवुरी अब बा , जब सच्चा उपासक लोग आत्मा अवुरी सच्चाई से पिता के पूजा करीहे ; काहेंकी पिता उनकर आराधना करे खातिर अइसने खोजत बाड़न , अउर जे उनकर पूजा करेला , उनकरा के आत्मा **अउर सच्चाई से उपासना करे के चाहीं** /* एह तरह से सच्चा विश्वास के कवनो भौतिक भा भौतिक के जरूरत ना होला , काहे कि ई खाली मन

के स्थिति पर आधारित होला। आ एकरे परिणाम के रूप में ई सच्चा विश्वास लोभी आचोर दुनिया खातिर कवनो खास रुचि नइखे , काहे कि ई केहू के समृद्ध ना करेला , सि वाय आध्यात्मिक रूप से , चुनल लोग के। चुनल लोग आत्मा में परमेश्वर के आराधना करेला , एह से अपना विचार में , लेकिन सच्चाई में भी , जवना के मतलब बा कि उनकर विचार परमेश्वर के संकेत मानक पर बनल होखे के चाहीं। जवन भी चीज एह मानक में नइखे ऊ मूर्तिपूजक बुतपरस्ती के एगो रूप ह जहाँ सच्चा भगवान के मूर्ति के रूप में सेवा कइल जाला। अपना बिजय के दौरान रिपब्लिकन रोम जीतल देस सभ के धर्म अपना लिहलस। आएकरे धार्मिक हठधर्मिता सभ के एगो बड़हन हिस्सा यूनानी मूल के रहल , ई प्राचीन काल के पहिली महान सभ्यता रहल। हमनी के युग में , पोप के रूप में , हमनी के ई सब विरासत प्रभु के 12 प्रेरितन से शुरू होखे वाला नया "ईसाई " "संत " से जुड़ल पावेनी जा। बाकिर , भगवान के दूसरका आज्ञा के दबावे तक ले गइला का बाद जवन एह मूर्तिपूजा प्रथा के निंदा करेला , कैथोलिक आस्था राक्षसी दर्शन में उकेरल , चित्रित भा लउके वाला मूर्तियन के पूजा के कायम राखेला . एह से इनके पंथ के संस्कार में ही हमनी के ई नक्काशीदार मूर्ति मिले लीं जिनहन के आकार लेवे खातिर सामग्री के जरूरत होला ; सामग्री जवना के सूची भगवान खुद प्रस्तुत कइले बाड़न : "... ; ... *सोना , चांदी , कीमती पत्थर , मोती , महीन लिनन , बैंगनी , रेशम , लाल , हर तरह के मीठ लकड़ी , हर तरह के हाथीदांत के सामान , हर तरह के बहुत कीमती लकड़ी , पीतल , लोहा आ संगमरमर के माल* , ... "। " *सोना , चाँदी , कीमती पत्थर , आ महँग सामान* " " दान के पोप राजा के *किला देवता के नमन करेला* "/ 11:38 बजे के बा। तब , " *बैंगनी आ लाल रंग के* " *वेश्या बेबिलोन के कपड़ा पहिन दीं जवन* प्रकाशितवाक्य 17:4 में बा ; " *सोना , कीमती पत्थर आ मोती* " ओकर *श्रृंगार ह* ; " *महीन लिनन* " पवित्रता के उनकर दावा के संदर्भित करेला , प्रकाशितवाक्य 19:8 के अनुसार : " *काहे कि महीन लिनन संत लोग के धार्मिक काम ह* । " बाकी सामग्री के उद्धरण दिहल गइल बा जवना से ऊ आपन नक्काशीदार मूर्ति बनावेली। ई विलासिता सामग्री कैथोलिक मूर्ति उपासक के उच्च स्तर के भक्ति के अभिव्यक्ति करेला।

पद 13: " *दालचीनी , मसाला , मरहम , गंधक , लोबान , शराब , तेल , महीन आटा , गेहूं , बैल , भेड़ , घोड़ा , रथ , अउर आदमी के शरीर अउर आत्मा।* "

उ " *इत्र , 1999 के बा। गंधक , लोबान , शराब , अउर तेल के* , " उद्धृत उनकर धार्मिक संस्कार के सुझाव देला।अउरी चीज पोषक तत्व अउर सामान ह जवन 1 राजा 4:20-28 के अनुसार , परमेश्वर खातिर बनल पहिला मंदिर

के निर्माता दाऊद के बेटा सुलैमा न के शासन के संकेत करेला।एह तरह से , आत्मा " *मंदिर के निर्माण के दोबारा पैदा करे के उनकर नाजायज प्रयास के निंदा करेला के परमेश्वर के* " जवना के उ प्रकाशितवाक्य 13:6 में " *निंदा* " *करेली अउर दान 8:11 में " पलट देले* " श्लोक के अंतिम सटीकता , " *मनुष्य के शरीर अउर आत्मा* " के संबंध में , ओह राजकुमारन के साथे उनकर सहयोग के निंदा करेला , जेकरा साथे उ गैरकानूनी रूप से , सांसारिक शक्ति के साझा करेली।मसीह के नाम पर , उ धार्मिक रूप से घिनौना काम के सही ठहरवले बाड़ी , जइसे कि गुलामी , यातना , आ भगवान के *प्राणी के* हत्या *;* शैतान के अपना गतिविधि आझूठा धार्मिक ढोंग से।

<u>याद दिलावत</u> : बाइबल अउर दिव्य विचार में " *आत्मा* " शब्द कवनो व्यक्ति के ओकर सभ पहलू , ओकर भौतिक शरीर अउर ओकर मानसिक या मानसिक विचार , ओकर बुद्धि अउर ओकर भावना में नामित करेला। *"आत्मा " के जीवन के एगो तत्व के रूप में* पेश करे वाला सिद्धांत , जवन मौत के समय शरीर से अलग हो जाला आ ओकरा से बच जाला , ऊ बिशुद्ध रूप से बुतपरस्त यूनानी मूल के हवे। पुरान वाचा में , परमेश्वर अपना मानव या जानवर के प्राणी के "खून से आत्मा " के पहचान करेलन : लेवी 10। 17:14: " ***काहे कि सब मांस के जीवन ओकर खून ह, जवन ओकरा में बा।*** *एही से हम इस्राएल के संतान से कहनी कि रउआ कवनो मांस के खून ना खाईं ;* ***काहे कि सब मांस के जीवन ओकरखून ह*** *: जे एकरा के खाई ओकरा के काट दिहल जाई।* " उ एह तरह से भविष्य के यूनानी सिद्धांत के उल्टा नजरिया लेले अवुरी दार्शनिक विचार के बाइ बिल के काउंटर तैयार करेले जवन कि बुतपरस्त के बीच पैदा होई लोग के बा। मनुष्य आ जानवरन के जीवन खून के कामकाज पर आधारित होला। छलक के , भा दम घुटला से गंदा , खून अब भौतिक शरीर के तत्वन में ऑक्सीजन के आपूर्ति ना करेला , जवना में दिमाग भी शामिल बा , विचार के सहारा। आअगर बाद वाला के ऑक्सीजन ना होखे त विचार के सिद्धांत रुक जाला आएह अंतिम अवस्था के बाद कुछुओ जिंदा ना रहेला ; सिवाय भगवान के शाश्वत विचार में मृत " *आत्मा " के रचना के याद के जवना के भविष्य के "पुनरुत्थान " बा , जब ऊ ओकरा के "पुनरुत्थान " करीहें भा , जब ऊ ओकरा के "फिर से जिंदा करीहें ", जइसन कि मामला हो सकेला , अनन्त जीवन खातिर भा " दूसरा मौत* " के निश्चित विनाश खातिर।

पद 14: " *जवन फल तोहार आत्मा के लालसा रहे , उ तोहरा से खतम हो गईल बा , अउर सब कुछ स्वादिष्ट अउर सुन्दर तोहरा से खतम हो गईल बा , अउर तोहके उ सब ना मिली।* "

पिछला श्लोक में जवन समझावल गइल बा ओकर पुष्टि में , आत्मा पोप रोम के " *इच्छा " के ओकर " आत्मा* " पर आरोपित करेला , ओकर मोहक आ धोखा देवे वाला व्यक्तित् व। यूनानी दर्शन सभ के वारिस कैथोलिक आस्था सभसे पहिले नया भूमि सभ पर खोजल जानवर आ मनुष्य सभ के आत्मा के जिम्मेदार ठहरावे के सवाल उठवलस। दरअसल , सवाल के आपन जवाब बा ; ई सही सहायक क्रिया के चुनाव पर टिकल बा : आदमी के आत्मा ना **होला , काहे कि ऊ**आत्मा **ह .**

आत्मा सच् चा मौत के परिणाम के संक्षेप में बतावेला जवन उ उपदेशक में स्थापित कइले अउर प्रकट कइले बाड़न। 9:5-6-10 के बा। नया वाचा के लेखन में ई विवरण दोहरावल ना जाई। एह से हमनी के पूरा बाइबल के अध्ययन के महत्व देखत बानी जा। नष्ट हो गइल " *बेबिलोन* " हमेशा खातिर " *गँवा दिहले होई* " *ऊ फल जवना के ओकर आत्मा चाहत रहे* " आ" *ऊ सब नाजुक आसुन्दर चीज* " जवना के ऊ सराहत रहे आ खोजत रहे। लेकिन आत्मा इहो निर्दिष्ट करेले : " *तोहरा खातिर* "; काहे कि चुनल लोग , उनकरा विपरीत , ओह चमत्कारन के सराहना के , अनन्त काल खातिर , लंबा करे में सक्षम होई जवन भगवान ओह लोग के साझा करे खातिर पेश करीहें।

पद 15: " *एह चीजन के व्यापारी , जे ओकरा से अमीर भइल , ऊ ओकरा यातना के डर से दूर खड़ा हो जइहें , ऊ रोवे आशोक करीहें* , "

पद 15-19 में , आत्मा " *उन व्यापारियन के निशाना बनावेला जे उनकरा माध्यम से अमीर हो गइल बा* ." दोहराव से " *एक घंटा में* " वाक्यांश पर जोर के पता चलेला , जवना के एह अध्याय में तीन बेर दोहरावल गइल बा , जइसे कि " *हाय ! हाय ! " के* पुकार भी 3 नंबर पूर्णता के प्रतीक ह। एह से भगवान जिद करेलन , भविष्यवाणी के घोषणा के अटल प्रकृति के पुष्टि करे खातिर ; ई सजा अपना सगरी दिव्य सिद्धि में पूरा हो जाई . व्यापारियन द्वारा शुरू कइल गइल चिल्लाहट , " *हाय ! हाय ! ", प्रकाशितवाक्य 14:8 में उनकर चुनल लोग द्वारा शुरू कइल गइल चेतावनी चिल्लाहट के गूंजत बा : " महान बाबुल गिर गइल बा ! गिर गइल बा* ." ई व्यापारी दूर से ओकर विनाश के गवाह बा ड़े , " *ओकरा यातना के डर से* ." आऊ लोग जिंदा भगवान के धर्मी क्रोध के एह फल से डेराए के सही बा काहे कि एकरा विनाश के पछतावा के ऊ लोग अपना के ओकरा डेरा में डाल देला आबदला में धार्मिक धोखा के असंतोषजनक शिकार लोग के हत्यारा मानवीय क्रोध से नाश हो जाई . ई श्लोक हमनी के रोमन कैथोलिक चर्च के सफलता में व्यावसायिक हित के भारी जिम्मेदारी के बारे में जागरूक करेला। " *व्यापारी* " वेश्या आ ओकर सबसे खराब क्रूर आनिरंकुश फैसला के समर्थन करत रहले , खाली आर्थिक आ भौतिक समृद्धि के

भूख से। ऊ लोग ओकरा सगरी बेहद घिनौना वसूली पर आँख मूँद लिहल आओकर अंतिम भाग्य के साझा करे के हकदार बा . एकर एगो ऐतिहासिक उदाहरण पेरिस के लोग से संबंधित बा जे राजा फ्रांसिस प्रथम के समय में सुधार के सुरुआत से आउनके बाद से सुधारवादी आस्था के खिलाफ कैथोलिक आस्था के पक्ष में रहलें।

पद 16: " *उ लोग कह दिहे कि अफसोस , अफसोस ! ऊ महान शहर , जवन महीन लिनन , बैंगनी आ लाल रंग के कपड़ा पहिनले रहे , आसोना , कीमती पत्थर आमोती से सजल रहे ! एक घंटा में एतना धन के नाश हो जाला !* "

ई श्लोक लक्ष्य के पुष्टि करेला ; " *बड़का बेबिलोन , महीन लिनन , बैंगनी आ लाल रंग के कपड़ा पहिनले* "; राजा लोग के चोगा के रंग , काहे कि एही क्षमता में मजाक उड़ावे वाला रोमन सैनिक यीशु के कंधा के " *बैंगनी* " वस्त्र से ढंकले रहले। उ लोग कल्पना ना कर सकत रहले कि परमेश्वर उनकरा काम के कतना मतलब देले र हले : एगो प्रायश्चित के शिकार के रूप में , यीशु अपना चुनल लोग के पाप के वाहक बन गईले जवन कि एह रंग , *किरमिजी* , *या बैंगनी* , यशायाह 1:18 के अनुसार। " *एक घंटा* " रोम , ओकर पोप , आओकर पादरी लोग के नष्ट करे खातिर काफी होई , ईसा मसीह के गौरवशाली वापसी के बाद जे अपना चु नल लोग के मौत के रोके खातिर आवेला। एह अंतिम परीक्षा में , उनकर निष्ठा से सब फर्क पड़ी , एह से हमनी के समझ सकेनी जा कि भगवान विशेष रूप से उनकर विश्वास के मजबूत करे पर काहे जोर देत बाड़न अउर उनकरा पर जवन पूर्ण भरोसा करे के आदत डाले के चाहीं। बहुत दिन तक आदमी के खाली इ विश्वास हो सकत रहे कि अइसन विनाश " *एक घंटा में* " एगो चमत्कार ह अउर एह से परमेश्वर के सीधा हस्तक्षेप ह, जइसे कि सदोम अउर अमोरा के साथ भइल रहे। हमनी के समय में जब आदमी परमाणु आग में महारत हासिल कर लेले बा त बात कम आश्चर्य के बात बा।

पद 17: " *आ सब पा यलट , जे भी ओह जगह पर जाए वाला , नाविक अउर सब समुद्र के व्यापार करे वाला , दूर खड़ा हो गइलन ,* "

एह श्लोक में विशेष रूप से निशाना बनावल गइल बा " *समुद्र के शोषण करे वाला लोग , पायलट , एह जगह पर जहाज चलावे वाला नाविक , सभे आपन दूरी बनवले रखले बा* ." राजा लोग के अपना के समृद्ध करे के इच्छा के फायदा उठा के ही पोप के चर्च अपना के समृद्ध कइलस। ई खोज के समय ले मनुष्य के अनजान जमीन सभ पर विजय के समर्थन आ जायज ठहरवलस , जब एकर कैथोलिक नौकर ईसा मसीह के नाँव पर आबादी के भयानक नरसंहार कइलें। मुख्य रूप से दक्षिण अमेरिका अउरी जनरल कोर्टेस के नेतृत्व में भईल खूनी अभियान में इहे हाल रहे । एह इलाका सभ से छीनल सोना कैथोलिक राजा लोग आ सहभागी

पोप के समृद्धि खातिर यूरोप वापस आ गइल। अतने ना , समुद्री पहलू पर जोर दिहल याद दिलावत बा कि " *समुद्र से उठल जानवर " के शासन के रूप में ही " नाविक* " से ओकर संबंध मजबूत भइल रहे ओह लोग के साझा समृद्धि खातिर।

पद 18: " *जब उ लोग ओकरा के जरत धुँआ के देख के चिल्लात कहलस कि , "ई महान शहर के कवन शहर रहे ?"*

" *कवन शहर महान शहर जइसन रहे ?* " नाविक लोग " *ओकरा जरला के धुँआ* " देख के चिल्ला उठल। जवाब सरल आजल्दी रहे : कवनो ना । काहे कि कवनो शहर में एतना सत्ता केंद्रित ना भइल रहे , सिविल जतना कि शाही शहर , तब धार्मिक 538 से , कैथोलिक धर्म एह ग्रह के हर भूमि में फइल गइल बा सिवाय रूस के , जहाँ पूर्वी रूढ़िवादी आस्था एकरा के नकार दिहलस। एकर स्वागत कइला के बाद चीन भी लड़लस आ ओकरा के सता वलस। बाकिर अबहियों ई पूरा पश्चिम आ अमेरिका , अफ्रीका आ ऑस्ट्रेलिया में एकर शाखा पर हावी बा . ई दुनिया के प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल हवे , जहाँ दुनिया भर से आवे वाला लोग आवे ला। कुछ लोग "प्राचीन खंडहर " देखे आवेला , कुछ लोग ओहिजा ओह जगह के देखे जाला जहाँ पोप आउनकर कार्डिनल रहेलें .

पद 1: 9: " *उ लोग अपना माथा पर धूल फेंकल , रोवत -रोवत शोक कइल, आ चिल्ला के कहलस, 'हाय ! हाय , ऊ महान शहर , जवना में समुन्दर पर जहाज के सब लोग अपना धन के चलते धनी हो गइल रहे , एक घंटा में नष्ट हो गइल बा !'* "

ई तीसरा दोहराव बा जहाँ पिछला सगरी अभिव्यक्ति के एकट्ठा कइल गइल बा , साथही परिशुद्धता " *एक घंटा में , ई नष्ट हो गइल* ." " *ऊ महान शहर जहाँ समुद्र पर जहाज वाला सब लोग अपना समृद्धि से अमीर हो गइल बा* ." आरोप बहुत साफ हो जाला , वाकई में पोप के शासन के समृद्धि के माध्यम से ही जहाज मालिक दुनिया के धन रोम में ले आके अपना के समृद्ध कईले बाड़े। रोम के समृद्धि अपना सदा के सहयोगी नागरिक राजतंत्रवादी शक्ति , अपना सशस्त्र विंग से मारल गइल अपना विरोधियन के माल के सा झा करे से मिलेला . ऐतिहासिक उदाहरण के रूप में हमनी के लगे "टेम्पलर " के मौत बा , जेकर माल फिलिप द फेयर के ताज आ रोमन कैथोलिक पादरी लोग के बीच बाँटल गइल रहे। बाद में "प्रोटेस्टेंट " खातिर अइसने होखी .

पद 20: " *हे आकाश, ओकरा पर आनन्दित होखऽ ! आहे संत , प्रेरित , आ भविष्यवक्ता लोग भी आनन्दित होखऽ , काहेकि परमेश्वर तोहनी के ओकर न्याय करे में बदला लेले बाड़न।* "

आत्मा स्वर्ग के निवासी अउर धरती के सच्चा संत , प्रेरित अउर भविष्यवक्ता लोग के रोमन बेबिलोन के विनाश पर आनन्दित होखे खातिर आमंत्रित

करेला। एह से उ खुशी ओह पीड़ा अउर दुख के अनुपात में होई जवन उ सच्चाई के परमेश्वर के सेवकन के सहन कर देले बाड़ी या सहल चाहत रहली , जब तक कि पवित्र सब्त के दिन के प्रति वफादार अंतिम चुनल लोग के बारे में।

पद 21: " *तब एगो पराक्रमी स्वर्गदूत एगो बड़हन चक्की के पत्थर जइसन पत्थर उठा के समुंदर में फेंक दिहलन आकहलन कि , 'बाबुल , ऊ महान शहर , एह तरह से हिंसा से गिरावल जाई आअब ना मिल पाई।* '"

रोम के तुलना " *पत्थर* " से कइला से तीन गो बिचार के सुझाव मिले ला। पहिला , पोपरी के मुकाबला ईसा मसीह से होला , जेकरा के खुद दान में एगो " *पत्थर* " *से प्रतीकित कइल गइल बा।* 2:34: " *रउवां तब तक देखत रहनी जब तक कि कवनो पत्थर बिना हाथ के काट के ना निकल गईल , अउर मूर्ति के लोहा अउर माटी के गोड़ पर मार के ओकरा के टुकड़ा -टुकड़ा कर दिहनी।* " बाइबल के अउरी श्लोक में भी " *पत्थर* " के एह प्रतीक के जेक . 4:7 में दिहल गइल बा ; " *मुख्य आधा रशिला* " भजन संहिता में। 118:22 के बा ; मैट के ह। 21:42 के बा ; अउर प्रेरितों के काम 4:11: " ***यीशु उ पत्थर हउवें जेकरा के रउवां निर्माता लोग नकार देले रहनी*** , *लेकिन उ मुख्य आधारशिला बन गईल बा* ." दूसरा विचार प्रेरित " *पतरस* " के बाद पोप के दावा के संकेत बा ; " *उनकर उपक्रम के सफलता आउनकर चाल के सफलता* " के मुख्य कारण , जवना चीजन के भगवान दान में निंदा कइले बाड़न। 8:25 के बा। इ बात अउरी सही बा काहे कि प्रेरित पतरस कबो मसीही कलीसिया के मुखिया ना रहले , काहे कि इ उपाधि खुद यीशु मसीह के ह। एह से पोप के " *चाल* " भी एगो " *झूठ* " ह . तीसरा सुझाव पोप के धार्मिक गढ़ के नाँव से संबंधित बा , इनके प्रतिष्ठित बेसिलिका जेकर नाँव "रोम के सेंट पीटर " हवे , जेकर बहुत महंगा निर्माण के कारण "अनुग्रह " के बिक्री के अपनावल गइल , जेकरा चलते सुधारक भिक्षु मार्टिन लूथर के नजर में इनके नकाब खुल गइल। ई सफाई दूसरा विचार से गहिराह जुड़ल बा। वेटिकन के ई जगह कब्रिस्तान के काम करत रहे , बाकी प्रभु के प्रेरित पीटर के अनुमानित कब्र वास्तविकता में "साइमन पीटर जादूगर " के रहे , जे एस्कुलैपियस नाँव के नाग देवता के उपासक आपुजारी रहलें।

हमनी के समय में वापस आके , आत्मा रोमन " *बेबिलोन* " के खिलाफ भविष्यवाणी करेला। उ एकर भविष्य के विनाश के तुलना " *पत्थर* " के एगो " *महान चक्की के पत्थर* " के छवि से करेले जवना के एगो " *स्वर्गदूत समुद्र में फेंक देला* ." एह दृष्टांत के साथ , उ रोम के खिलाफ एगो आरोप ले आवेलन जवना के पहचान मत्ती 18:6 में कइल गइल बा : " *लेकिन जे हमरा पर विश्वास करे वाला*

एह छोट -छोट लइका में से कवनो एक के ठोकर खाई , ओकरा खातिर बेहतर होई कि ओकरा गला में चक्की के पत्थर ***लटकावल जाव अउर उ समुंदर के गहराई में डूब जाव*** । " आ ओकरा मामिला में ई खाली एह छोटका लइकन में से एगो के ठोकर ना दिहलसि जे ओकरा पर विश्वास करेला , बलुक भीड़ के ठोकर लागल . एगो बात तय बा कि एक बेर " *नष्ट हो गइल त फेर कबो ना मिली* ." एकरा से अब कबो केहू के नुकसान ना होई।

पद 22: " *अब तोहनी में वीणा बजावे वाला , संगीतकार , बांसुरी बजावे वाला आतुरही बजावे वाला के आवाज ना सुनाई दिही , तोहनी में कवनो शिल्प करे वाला केहु ना मिली , तोहनी में अब चक्की के पत्थर के आवाज ना सुनाई दिही। "*

एकरा बाद आत्मा संगीत के आवाज के उकसावेला जवन रोम के निवासी लोग के बेफि क्रता आ उल्लास के व्यक्त करत रहे। एक बेर तबाह हो गइला का बाद अब ओह लोग के आवाज ओहिजा ना सुने के मिली . आध्यात्मिक अर्थ में ई भगवान के दूत लोग के संकेत देला जिनहन के बात " *बांसुरी भा तुरही बजावे वाला लोग* " के संगीत के आवाज के समान प्रभाव से सुनल गइल ; मत्ती में दृष्टांत में दिहल एगो छवि। 11:17 के बा। ई वर्क ऑर्डर से ओवरलोड कारीगर लोग द्वारा कइल गइल " *शोर* " *के भी उकसा देला , काहें से कि एगो प्राचीन शहर से खाली प्रोफेशनल गतिविधि सभ के " शोर* " आवे ला जेह में , " *चक्की के पत्थर के शोर* " जे अनाज के दाना पीसे खातिर , या हँसुआ आ कटार , चाकू आ तलवार नियर काट के उपकरण सभ के तेज करे खातिर मुड़ल ; ई , जेर के अनुसार प्राचीन कसदी बेबिलोन में पहिलहीं से बा। 25:10 बजे के बा।

पद 23: " *दीपक के रोशनी तोहनी में ना चमकी , ना तोहरा में दूल्हा आ दुलहिन के आवाज सुनाई दिही , काहेकि तोहार व् यापारी धरती के महान आदमी रहले , आ तोहरा मंत्र से सब जाति धोखा देले रहले। "*

" *दीपक के रोशनी अब रउवा में ना चमकी। "* आध्यात्मिक भाषा में , आत्मा रोम के चेतावत बा कि बाइबल के रोशनी अब ओकरा के प्रबुद्ध होखे के मौका देवे खातिर ना आई ताकि उ परमेश्वर के अनुसार सच्चा ई के जान सके। जेर के छवियन के बारे में बतावल गइल बा . 25:10 दोहरावल गइल बा , लेकिन " *दूल्हा आदुलहिन के गीत* " इहाँ " *दूल्हा आदुलहिन के आवाज हो जाला , जवन अब रउवां में ना सुनाई दिही* । " आध्यात्मिक रूप से , इ मसीह अउर उनकर चुनल सभा द्वारा खोवल आत्मा लोग खातिर कइल गइल आह्वान के आवाज हवे ताकि उ लोग धर्मांतरण अउर उद्धार पा सके। ई संभावना हमेशा खातिर खतम हो जाई , एकरा विनाश के बाद। " *काहे कि तोहार व्यापारी धरती के बड़का लोग रहले* ." धरती के

महा न लोग के बहकावे के माध्यम से ही रोम आपन कैथोलिक धर्म के धरती के कई लोग तक पहुंचावे में सक्षम रहे। ई ओह लोग के अपना धार्मिक वाणिज्य के प्रतिनिधि के रूप में इस्तेमाल कइलस। आ एकर परिणाम ई बा कि "*तोहरा मंत्रमुग्ध से सब राष्ट्र धोखा हो गइल बा* ." इहाँ भगवान कै थोलिक मास के "*मंत्रमुग्ध* " के रूप में वर्णन कइले बाड़न जवन शैतानी जादूगर आ चुड़ैल लोग के बुतपरस्त पंथ के विशेषता हवे। ई सही बा कि औपचारिक , दोहरावे वाला सूत्र आ व्यर्थ दोहराव के इस्तेमाल से कैथोलिक धर्म सृष्टिकर्ता भगवान के आपन बात कहे के कवनो गुंजाइश ना छो ड़ेला . ऊ अइसन करे के कोशिश तक ना करेला , काहे कि ऊ दान में ओकरा के एगो "*विदेशी देवता " के जिम्मेदार ठहरावेला।* 11:39 आ ओकरा के कबो नौकर के रूप में ना पहचानले बा ; "भगवान के बेटा के विकर ", पोप के उपाधि , एह से उनकर विकर ना हवे। एकर कारण निम्नलिखित श्लोक में ब तावल जाई।

पद 24: " *आकाहे कि ओकरा में भविष्यवक्ता अउर संत अउर धरती पर मारल गइल सब लोग के खून मिलल बा।* "

"... *आ काहे कि भविष्यवक्ता आ संतन के खून ओकरा में मिलल रहे* ": अपना पूरा इतिहास में कठोर , अनम्य , संवेदनहीन , आ क्रूर , रोम अपना शिकार लोग के खून के माध्यम से एगो रास्ता उकेरले बा। ई बात बुतपरस्त रोम खातिर भी सही रहे , लेकिन पोप के रोम खातिर भी , जवना के विरोधियन के राजा लोग मार देले रहे , भगवान के प्रबुद्ध सेवक जे एकर शैतानी स्वभाव के निंदा करे के हिम्मत कइले रहले। कुछ लोग के रक्षा भगवान कइले रहलें , जइसे कि वाल् डो , विक्लिफ आलूथर ; दोसरा लोग के ना रहे आ ऊ लोग आस्था के शहीद बन के , चिता , ब्लॉक , खंभा भा फाँसी पर आपन जिनिगी खतम कर दिहल . एकर क्रिया के निश्चित रूप से बंद होखे के भविष्यवाणी के संभावना खाली स्वर्ग के निवासी आ धरती के सच्चा संतन के खुश कर सकेला। "... *आ धर ती पर कत्ल कइल गइल सभ लोग के* ": जे ई फैसला करी ऊ जानत बा कि ऊ का बात करत बा , काहे कि ऊ 747 ईसा पूर्व में रोम के स्थापना के बाद से ओकर काम के पालन करत आइल बा। अंतिम समय के वैश्विक स्थिति धरती के बाकी लोग पर विजयी आ हावी पश्चिम के मिलल ताजा फल ह। राजतंत्रवादी आतब के गणतंत्रवादी रोम ओह धरती के लोग के खा गइल जवना के ऊ अपना वश में कइले रहुवे . एह समाज के मॉडल 2000 साल के सच्चा आझूठा ईसाई धर्म के मॉडल बनल रहल। बुतपरस्त रोम के बाद पोप के रोम मसीह के शांति के छवि के नष्ट क दिहलस आमानवता से ऊ मॉडल छीन लिहलस जवन लो ग के सुख देत रहे। ईसा मसीह के चेला सच्चा मेमना के वध के जायज ठहराव के ई धार्मिक संघर्ष के रास्ता खोल दिहलस जवन मानवता के एगो

भयानक , नरसंहारकारी तीसरा विश्वयुद्ध के ओर ले जा रहल बा। ई बेवजह नइखे कि कत्ल के आदर्श के सार्वजनिक रूप से सशस्त्र इस्लामी समूह देखा वत बाड़े . इस्लाम से ई नफरत 27 नवंबर 1095 के क्लेरमॉन्ट - फेरांड से अर्बन द्वितीय द्वारा शुरू कइल गइल धर्मयुद्ध के लड़ाई सभ के देरी से दिहल गइल जवाब हवे।

प्रकाशितवाक्य 19 : *लड़ाई के बारे में बतावल गइल बा* ईसा मसीह के *आरमागेडन*

पद 1: “ *एकरा बाद हम स्वर्ग में बहुत भीड़ के एगो जोरदार आवाज सुननी कि , ‘हलेलूयाह ! उद्धार , महिमा अउर शक्ति हमनी के परमेश्वर के ह। ’”*

पिछला अध्याय 18 से आगे बढ़त , छुटकारा पावल गइल अउर उद्धारित चुनल लोग अपना के स्वर्ग में पावेला , " *नया नाम* " के धारण करेला जवन उनकर नया स्वर्गीय स्वभाव के दर्शावेला। आनन्द अउर खुशी के राज बा अउर विश्वासी स्वर्गदूत उद्धारकर्ता परमेश्वर के ऊंचाई देवेलन। ई " *भीड़* " " *बहुत भीड़* " " *भीड़ जवना के गिनती केहू ना कर सकत रहे* " से अलग ह जवना के जिक्र प्रकाशितवाक्य 7:9 में कइल गइल बा। इ परमेश्वर के पवित्र स्वर्गीय स्वर्गदूतन के एगो

जुटान के प्रतिनिधित्व करेला जवन उनकर "*महिमा* " *के ऊपर उठावेला काहे कि पद 4 में* , " *24 बुजुर्ग* " के प्रतीक पार्थिव चुनल लोग जवाब दिहे अउर कहल गईल शब्दन के पालन के पुष्टि करीहे , इ कहत होई कि : " *आमीन !* " जवना के मतलब बा : सचमुच !

मोक्ष , *महिमा* , *शक्ति* " शब्दन के क्रम के आपन तर्क बा। " *उद्धार* " पार्थिव चुनल लोग आ पवित्र स्वर्गदूतन के दिहल गइल जे सृष्टिकर्ता भगवान के " *महिमा* " *दिहले जे ओह लोग के बचावे खातिर* आमदु श्मनन के नाश करे खातिर अपना दिव्य " *शक्ति* " *के आह्वान कइले* .

पद 2: " *काहे कि उनकर न्याय सच्चा आधर्मी ह, काहे कि उ ओह महान वेश्या के न्याय कइले बा जे अपना व्यभिचार से धरती के नाश कइलस, आओकरा हाथ से अपना नौकरन के खून के बदला लेले बा।* "

सच्चाई आसच्चा न्याय के प्यास साझा करे वाला चुनल लोग अब पूरा तरह से संतुष्ट आपूरा हो गइल बा . अपना आन्हर मूर्खता में भगवान से कटल मानवता के लागल कि ऊअपना न्याय के मानक के नरम क के आखिरी लोग के सुख दे सकेले ; एह चुनाव से खाली बुराई के फायदा भइल आगैंग्रीन नियर ई भी मानवता के पू रा शरीर पर आक्रमण कइलस। अच्छा आदयालु भगवान " *महान बेबिलोन* " के अपना न्याय में देखावेलन कि जे मौत के शिकार करी ओकरा मौत के भोग करे के पड़ी। ई कवनो दुष्टता के काम ना ह, बलुक न्याय के काम ह। एह तरह से जब ओकरा अब दोषी के सजा देबे के तरीका ना आवे त न्याय अन्या य हो जाला .

पद 3: " *उ लोग दूसरा बेर कहलस, "अलेलुया ! ...आओकर धुँआ हमेशा खातिर ऊपर उठत रहेला।* "

छवि भ्रामक बा , काहे कि रोम के तबाह करे वाला आग से निकले वाला " *धुँआ* " *ओकरा विनाश के बाद गायब हो जाई।* " *युग के युग* " अनंत काल के सिद्धांत के नामित करेला , जवन खाली सार्वभौमिक आकाशीय आ स्थलीय परीक्षा के विजेता लोग से संबंधित बा। एह अभिव्यक्ति में " *धुँआ* " शब्द से विनाश के सुझाव मिले ला आ " *युग के युग* " के अभिव्यक्ति एकरा के शाश्वत प्रभाव देला , मने कि निश्चित विनाश ; अब कबो ना उठी। दरअसल , सबसे खराब स्थिति में , " *धुआं* " जीवित लोग के दिमाग में उठ सकेला कि भगवान के द्वारा खूनी दुश्मन रोम के खिलाफ पूरा कइल एगो गौरवशाली दिव्य कार्रवाई के याद के रूप में।

पद 4: " *चौबीस बुजुर्ग आचारो जीव गिर के सिंहासन पर बइठल परमेश्वर के पूजा कइल न आ कहलन कि , "आमेन ! अलेलुया !* "

सचमुच में ! यहोवा के स्तुति होखे ! ... धरती के छुटकारा पावल आ शुद्ध रहल संसार के एक साथ कहऽ।

भगवान के पूजा में सजदा के चिन्हित कइल जाला ; एगो वैध रूप जवन विशेष रूप से उनुका खातिर आरक्षित बा।

पद 5: “ *सिंहासन से आवाज आइल कि , हे उन कर सब सेवक , छोट -बड़ उनकरा से डेरात लोग , हमनी के परमेश्वर के स्तुति करीं !* ”

माइकल " के ह , ईसा मसीह , दू गो स्वर्गीय अउर सांसारिक अभिव्यक्ति जवना के तहत परमेश्वर अपना के अपना प्राणी के सामने प्रकट करेलन। यीशु कहत हउवें : " *तू जे उनकरा से डेरात रहलू ," एह तरह से* प्रकाशितवाक्य 14:7 के पहिला स्वर्गदूत के संदेश में जरूरी परमेश्वर के " *डर " के याद करत। " भगवान के भय* " खाली ओह प्राणी के अपना सृष्टिकर्ता के प्रति बुद्धिमान रवैया के संक्षेप में बतावेला जेकरा पर जीवन आ मृत्यु के शक्ति होला। जइसे कि बाइबल 1 यूहन्ना 4:17-18 में सिखावेला : " *सिद्ध प्रेम भय के बाहर निकालेला* ": " *जइसे उ बा , ओइसहीं हमनी के एह दुनिया में भी बानी जा। एह में प्रेम हमनी में सिद्ध हो जाला , ताकि हमनी के न्याय के दिन में भरोसा होखे। प्रेम में कवनो डर ना होला , लेकिन सिद्ध प्रेम डर के बाहर निकालेला , काहे कि डर से सजा शामिल होला , अउर जे डरला उ प्रेम में सिद्ध ना होला* । " एह तरह से चुनल आदमी जेतना भगवान से प्यार करेला , ओतने ओकर बात मानेला अवुरी ओकरा से डेराए के कारण ओतने कम होखेला। चुनल लोग के परमेश्वर नीच लोग के बीच से चुनेलन , जइसे कि प्रेरित आ विनम्र चेलन , लेकिन महान लोग में से भी , जइसे कि महान राजा नबूकदनेस्सर। अपना समय के राजा लोग के ई राजा एकर एगो सही उदाहरण बा कि कइसे ऊ आदमी के बीच केतना भी महान होखे , राजा सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता भगवान के सामने एगो कमजोर प्राणी भर होला।

पद 6: “ *हम बहुत भीड़ के आवाज निहन सुननी , अवुरी बहुत पानी के आवाज़ निहन अवुरी तेज़ गरज के आवाज़ निहन सुननी कि , 'अलेलुया !' काहेकि हमनी के सर्वशक्तिमान परमेश्वर प्रभु राज करतारे।* ”

एह श्लोक में पहिले से देखल गइल अभिव्यक्ति के एकट्ठा कइल गइल बा ." *बहुत पानी के शोर* " के तुलना में " *बहुत भीड़* " के प्रतिनिधित्व प्रकाशितवाक्य 1:15 में ओकर सृष्टिकर्ता द्वारा कइल गइल बा। बोले वाला " *आवाज* " *एतना* " *ढेर* " बा कि ओकर तुलना खाली गुनगुनाहट , *के* " *शोर* " *से कइल जा सकेला गरजत बा* ." " *हलेलुयाह ! काहे कि हमनी के सर्वशक् तिमान प्रभु प्रभु के राज बा। " इ संदेश* प्रकाशितवाक्य 11:17 में " *सातवाँ तुरही* " के क्रिया के चिन्हित कइलस : " *इ कहत रहे कि : हम तोहरा के धन्यवाद देत बानी , सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर , जे बा , अउर जे रहे , काहेकि तू आपन महान शक्ति लेके राज कइले बाड़ू* । "

पद 7: “ *हमनी के खुश होके आनन्दित होके ओकर आदर करीं जा , काहेकि मेमना के बियाह आ गईल बा , अउर ओकर मेहरारू खुद के तैयार कर लेले बिया।* ”

" *आनन्द* " आ" *खुशी* " *पूरा तरह से जायज बा , काहे कि* " *लड़ाई* " के समय खतम हो गइल बा . स्वर्गीय " *महिमा* " में "*दुल्हिन* ," धरती के मुक्त चुनल लोग के सभा अपना " *दूल्हा* ," मसीह , जीवित भगवान " *माइकल* ," याहवेह के साथे जुड़ गइल बा। अपना सब स्वर्गीय दोस्तन के मौजूदगी में , मुक्ति पावे वाला अउर यीशु मसीह " *बियाह* " के भोज मनाईहे जवन उ लोग के एकजुट करेला। " *दुल्हिन खुद के तइयार कर ले ले बिया* " कैथोलिक आस्था ईसाई आस्था के अपना संस्करण में जवन भी दिव्य सच्चाई के गायब कर दिहले बा ओकरा के बहाल क के। " *तइयारी* " लंबा रहल बा , 17 सदी के धार्मिक इतिहास पर बनल बा , बाकी खासतौर पर 1843 से , बिबिध बहाली सभ के ईश्वरीय आवश्यकता के सुरुआत के तारीख जे अनिवार्य हो गइल बा , मने कि सतावल गइल प्रोटेस्टेंट सुधारक लोग द्वारा बहाल ना कइल गइल सगरी सच्चाई। एह तइयारी के पूरा करे के काम आखिरी असहमत सेवेंथ -डे एडवेन्टिस्ट लोग द्वारा कइल गइल जे परमेश्वर के मंजूरी में रहलन अउर उ प्रकाश जवन यीशु ओह लोग के देलें रहलन , अंत तक अउर पहिलही से 2021 के शुरुआत तक जब हम उनकर रोशनी के ई संस्करण लिख रहल बानी।

पद 8: “ *आओकरा के साफ आसफेद महीन लिनन में सज-धज के आवे के अनुमति दिहल गइल काहे कि महीन लिनन संत लोग के धार्मिक काम ह।* ”

" *महीन लिनन* " " " सच्चा अंतिम " *संतन* " *के धर्मी काम के* संदर्भित करेला . ई " *काम* " जवना के भगवान " *धर्मी* " कहत बाड़न , 1843 आ1994 से लगातार ले आइल दिव्य प्रकाशन के फल ह , ई काम ताजा फल ह जवन 2018 से ओह लोग के दिहल दिव्य प्रेरणा के उजागर करेला जेकरा से ऊ प्यार करेलें आ आशीर्वाद देलें आ एह श्लोक में बतावल " *शादी* " खातिर " *तइयारी* " *करेला। अगर भगवान* अपना सच्चा " *संतन* " *के* " *धर्मी काम* " *के आशीर्वाद देत बाड़े* त उल्टा , उ गारी देले अवुरी लड़ले , जब तक कि उ ओकरा के नाश ना क देले , झूठा संतन के डेरा के , जवना के " *काम* " "अधर्म " रहे।

पद 9: “ *आस्वर्गदूत हमरा से कहलस कि लिखीं : धन्य हउवें जे मेमना के बियाह के भोज में बोलावल गइल बा* ! ई आशीर्वाद यीशु मसीह के खून से मुक्ति पावे वाला संतन के दिहल जाला , जेकर अग्रदूत लोग के चिंता दान .12:12 (*धन्य बा उ लोग जे 1335 दिन तक इंतजार करेला*) के अग्रदूत लोग के से रहे जे ठीक से प्रकाशितवाक्य 7 के " *144,000* " या 12 X 12 X 1000 से प्रतीकित होई। अनन्त काल खातिर स्वर्ग में प्रवेश कइल वाकई में एगो बड़हन सुख के कारण बा जवन दिव्य रूप से " *खुश* " करी

जेकरा के ई मौका मिली। एह विशेषाधिकार से फायदा उठावे में भाग्य ही एकमात्र कारक नइखे , लेकिन उद्धार के प्रस्ताव हमनी के मूल पाप के विरासत अउर निंदा के बाद "दूसरा मौका " के रूप में पेश कइल जाला। उद्धार अउर भविष्य के स्वर्गीय आनन्द के वादा के प्रमाणित कइल गइल बा कि ई हमनी के विश्वास के लायक परमेश्वर के मौखिक प्रतिबद्धता के ह काहे कि उ स्थायी रूप से आपन प्रतिबद्धता के पालन करेलन। अंतिम समय के परीक्षा में अइसन निश्चितता के जरूरत पड़ी जवना में अब संदेह के जगह ना रही। चुनल लोग के परमेश्वर के प्रकट वादा पर बनल विश्वास पर भरोसा करे के पड़ी काहे कि जवन लिखल बा उ सबसे पहिले कहल जाला। एही से बाइबल , पवित्र शास्त्र के कहल जाला : परमेश्वर के वचन ।

पद 10: " *हम उनकर पूजा करे खातिर उनकर गोड़ से गिर गइनी। लेकिन उ हमरा से कहलस, 'देखऽ कि तू अइसन मत करऽ ! हम तोहार साथी सेवक हईं आतोहा र भाई लोग के जे यीशु के गवाही बा। परमेश्वर के पूजा करऽ। काहेकि यीशु के गवाही भविष्यवाणी के आत्मा ह।* "

भगवान यूहन्ना के गलती के फायदा उठा के हमनी के कैथोलिक विश्वास के निंदा के खुलासा करेलन , जवन अपना सदस्यन के एह प्रकार के प्राणी पूजा सिखावेला। बाकिर ऊ प्रो टेस्टेंट आस्था के भी निशाना बनावेलें , जवन रोम से विरासत में मिलल बुतपरस्त "सूरज के दिन " के सम्मान देके भी ई गलती करे ला। उनकरा से बात करे वाला स्वर्गदूत निस्संदेह "गैब्रिएल " हवे , उ परमेश्वर के करीब एगो ईश्वरीय मिशन के प्रभारी हवे जे यीशु के "सरोगेट " महतारी दानियल अउर मरियम के सामने पहिलही से प्रकट हो चुकल बा। उ जेतना भी उच्च पद के होखस , "गबरीएल " उहे विनम्रता के गवाही देत बाड़े जवन यीशु के ह। उ अंतिम समय के अंतिम असहमत एडवेन्टिस्ट चुनल गईल तक यूहन्ना के " *साथी सेवक* " के उपाधि के ही दावा करेलन । 1843 से चुनल लोग के साथे " *यीशु के गवाही* " बा , जवन एह श्लोक के अनुसार "भविष्यवाणी के भावना " के नामित करेला। कुछ एडवेन्टिस्ट लोग , अपना नुकसान में , एह " *भविष्यवाणी के भावना* " के ओह काम तक सीमित रखले बा जवन प्रभु के दूत एलेन जी व्हाइट द्वारा 1843 से 1915 के बी च पूरा कइल गइल रहे , एह तरह से उ लोग खुद यीशु के दिहल प्रकाश के सीमा तय कइले बा। हालाँकि , " भविष्यवाणी के *भावना* " एगो स्थायी वरदान ह जवन यीशु अउर उनकर चेलन के बीच एगो वास्तविक संबंध के परिणामस्वरूप होला अउर जवन सबसे ऊपर उनकर फैसला पर टिकल बा कि उ एगो सेवक के एगो मिशन सौंप देले जेकरा के उ अपना ईश्वरीयता के पूरा अधिकार के साथ चुनेला। ई काम

एकर गवाही देला : "*भविष्यवाणी के आत्मा* " अभी भी बहुत सक्रिय बा अउर दुनिया के अंत तक जारी रह सकेला।

पद 11: " *तब हम स्वर्ग खुलल देखनी , त देखनी कि एगो सफेद घोड़ा बा , ओकरा पर बइठ ल के वफादार आसच्चा कहल गइल , आधार्मिकता में न्याय करेला आयुद्ध करेला।* "

एह दृश्य में , आत्मा हमनी के वापस धरती पर ले जाला , " *महान बेबिलोन* " के अंतिम जीत अउर विनाश से पहिले। आत्मा ओह पल के चित्रण करेला जब , अपना वापसी पर , महिमामंडित मसीह पार्थिव विद्रोहियन के सामना करेला। महिमामंडित ईसा मसीह में , परमेश्वर अपना अदृश्यता से निकलल बाड़न : " *स्वर्ग खुल गइल बा* ." उ प्रकाशितवाक्य 6:2 के " *पहिला मुहर* " के छवि में , एगो सवार के रूप में , यानी कि एगो नेता के रूप में , जवन " *जीते अउर जीते खातिर* " " *सफेद घोड़ा* " पर सवार हो के निकलल बा , जवन कि पवित्रता अउर पवित्रता से चिन्हित उनकर शिविर के छवि ह। " *वफादार अउर सच्चा* " नाम जवन उ एह दृश्य में अपना के देले बाड़न , उ क्रिया के अंतिम समय के निरंतरता में रखले बा जवना के भविष्यवाणी " *लौदीकिया* " नाम से प्रकाशितवाक्य 3:14 में कइल गइल बा। एह नाम के मतलब होला "जज कइल लोग ," जवना के पुष्टि इहाँ सटीकता से कइल गइल बा : " *ऊ जज करेला* ." ई निर्दिष्ट करके कि ऊ " *न्याय के साथ लड़त बा* ," आत्मा प्रकाशितवाक्य 16:16 के " *आरमागेडोन के लड़ाई* " के पल के उकसावत बा , जवना में *ऊ शैतान के नेतृत्व में अन्याय के शिविर के खिलाफ लड़त बा अउर कॉन्स्टेंटाइन प्रथम* अउर रोमन कैथोलिक पोप लोग से विरासत में मिलल "सूरज के दिन " के दिहल सम्मान से एकीकृत बा।

पद 12: " *उनकर आँख आग के लौ नियर रहे , आ उनकर माथा पर बहुत मुकुट रहे , आ उनकर एगो ना म लिखल रहे , जवन उनकरा छोड़ के केहू ना जानत रहे।* "

दृश्य के संदर्भ के जानत हमनी के समझ सकेनी जा कि " *उनकर आँख* " के तुलना में एगो " *आग के लौ* " उनकर क्रोध के निशाना के देखत बा , एकीकृत विद्रोही " *लड़ाई खातिर तैयार* " जब से प्रकाशितवाक्य 9 :7-9, यानी 1843 *से लॉर्ड लोग के* ." उनकर " *लिखित नाम जवन उनका छोड़ के केहू ना जानत होखे* " उनकर शाश्वत दिव्य स्वभाव के निर्दिष्ट करेला।

पद 13: " *उ खून में डुबावल कपड़ा पहिनले रहले , उनकर नाम परमेश्वर के वचन ह।* "

ई " *खून में डुबावल वस्त्र* " दू गो चीज के निर्दिष्ट करेला। पहिला बा उनकर धार्मिकता , जवन उ अपना चुनल लोग के मोक्ष खातिर आपन " *खून* " *बहाव के प्राप्त कईले रहले।* बाकिर अपना चुनल लोग के बचावे खातिर ऊ स्वेच्छा से दिहल एह बलिदान खातिर ओह लोग के आक्रमणकारी आ सतावे वालन के मौत के जरूरत बा .

उनकर "*कपड़ा* "*फिर से* "*खून* "से ढंकल होई , लेकिन अबकी बेर इ उनकर दुश्मनन के होई जवन "*परमेश्वर के क्रोध के अंगूर के दाख के प्रेत में दबाइल* "यशायाह 63 अउर प्रकाशितवाक्य 14:17-20 के अनुसार। इ नाम "*परमेश्वर के वचन* "यीशु के सांसारिक सेवा के बहुत महत्व के खुलासा करेला अउर उनकर पुनरुत्थान के बाद धरती पर अउर स्वर्ग से क्रमशः दिहल गईल उनकर प्रकाशन। हमनी के उद्धारकर्ता खुद भगवान रहले जवन एगो सांसारिक रूप में छिपल रहले। उनकर चुनल लोग के मिलल उनकर चलत शिक्षा से बचावल खेमा आहेराइल खेमा में सब अंतर हो जाई।

पद 14: "*स्वर्ग में सेना उज्जर घोड़ा पर सवार , महीन लिनन , सफेद आ साफ कपड़ा पहिनले , उनकर पीछे - पीछे चलल* । "

छवि गौरवशाली बा , पवित्रता के "*सफेद* "भगवान के शिविर के पवित्रता आउनकर विश्वासी स्वर्गदूतन के भीड़ के विशेषता ह। "*महीन लिनन* "से ओह लोग के "धर्मी "आशुद्ध *काम के पूता चलेला* .

पद 15: "*अउर उनकरा मुँह से एगो तेज तलवार निकलल , जवना से उ राष्ट्रन के मार सके , अउर उ लोहा के छड़ी से उनकरा पर राज करी , अउर उ सर्वशक्तिमान परमेश्वर के उग्रता अउर क्रोध के दारू के प्रेत के दबावे के काम करी* ."

"*परमेश्वर के वचन* "बाइबल के संदर्भित करत रहे , उनकर पवित्र "*वचन* "जवन उनकर शिक्षा के एकट्ठा करत रहे जवन चुनल लोग के उनकर ईश्वरीय सच्चाई में मार्गदर्शन करत रहे। उनकर वापसी के दिन "*भगवान के वचन* "*एगो* "*तेज तलवार* "निहन आवेला ताकि उ अपना विद्रोही , विवादित , अवुरी तर्कसंगत दुश्मन के मौत देवे , जवन कि अपना अंतिम चुनल लोग के खून बहावे खाती तैयार होखेले। उनकर दुश्मनन के विनाश एह अभिव्यक्ति के रोशन करेला "*उ लोहा के छड़ी से उनकरा पर राज करी* "जवन चुनल लोग द्वारा कइल गइल न्याय के काम के भी निर्दिष्ट करेला जे प्रकाशितवाक्य 2:27 के अनुसार जीत पाई। प्रकाशितवाक्य 14:17 से 20 में "*विंटेज* "नाम के ईश्वरीय प्रतिशोध के योजना के इहाँ फिर से पुष्टि कइल गइल बा। ई विषय ईसा में विकसित कइल गइल बा। 63 जहाँ आत्मा निर्दिष्ट करेला कि भगवान अकेले काम करेले , बिना कवनो आदमी के ओकरा साथे। कारण ई बा कि चुनल लोग जे पहिलहीं से स्वर्ग में ले गइल बा ऊ लोग ओह नाटक के गवाह ना होखे जवन विद्रोहियन पर प्रहार करेला .

पद 16: "*उनकर वस्त्र आजांघ पर एगो नाम लिखल रहे , राजा लोग के राजा आप्रभु लोग के प्रभु।* "

" *परिधान* " जीव के काम के कहल जाला आ" *ओकर जांघ* " ओकर ताकत आ शक्ति के सुझाव देला , काहें से कि एगो महत्वपूर्ण बिस्तार ई बा कि ऊ सवार के रूप में लउके ला आ घोड़ा पर खड़ा होखे खातिर " *जांघ* " के मांसपेशी सभ के परीक्षण में डालल जाला जे मनुष्य में सभसे बड़ होखे लीं आएह क्रिया के संभव बनावे लीं भा ना। एगो सवार के रूप में उनकर छवि पहिले भी महत्वपूर्ण रहे काहे कि इहे रूप रहे जवन योद्धा लड़ाकू लोग लेत रहे | आजहमनी के एह छवि के प्रतीकात्मकता के साथ रह गईल बानी जा जवन बतावेला कि सवार एगो अइसन शिक्षक हवे जे घुड़सवार " *घोड़ा* " के प्रतीक इंसानन के समूह पर हावी बा। जवना पर यीशु सवारी करेलन , उ उनकर चुनल लोग से संबंधित बा जवन वर्तमान में पूरा धरती पर बिखराइल बा। उनकर नाम " *राजा लोग के राजा आ प्रभु लोग के स्वामी* " पृथ्वी के राजा आ स्वामी लोग के अन्यायपूर्ण हुक्म के अधीन उनकर प्रिय चुनल गइल लोग खातिर सच्चा सांत्वना के विषय के रूप में गिनावल जाला। ई विषय स्पष्टीकरण के हकदार बा। पार्थिव राजा के मॉडल भगवान के मंजूर सिद्धांतन पर ना बनावल गइल रहे। दरअसल , भगवान इस्राएल के अनुमति देले , **ओकर निहोरा के अनुसार** , धरती पर एगो राजा के शासन करे के , हम उद्धृत करत बानी , "अउरी राष्ट्न के तरह " बुतपरस्त जवन ओह समय मौजूद रहे। भगवान खाली ओह लोग के दुष्ट दिल के निहोरा के जवाब दिहले। काहे कि धरती पर सबसे बढ़िया राजा खाली एगो "घृणित " प्राणी हवे जे " *जहाँ ना बोवल गइल बा ओहिजा फसल काटेला* " आजे भगवान के जानेला ऊ अपना के सुधारे खातिर अपना लोग के उखाड़ फेंक के के इंतजार ना करेला। यीशु द्वारा प्रस्तुत मॉडल ओह मॉडल के निंदा करेला जवन धरती पर बेवकूफ , अज्ञानी अउर दुष्ट लोग के द्वारा पीढ़ी दर पीढ़ी संचारित कइल जाला। भगवान के स्वर्गीय संसार में नेता अपना लोग के सेवक ह, अउर उ आपन सब महिमा ओकरा से पावेला। सिद्ध सुख के कुंजी उहाँ बा , काहे कि कवनो जीव अपना साथी आदमी के चलते कष्ट ना उठावेला। अपना गौरवशाली वापसी में , यीशु दुष्ट राजा अउर प्रभु लोग के नाश करे आवेलन , अउर उनकर दुष्टता के , जवना के उ लोग उनकरा के जिम्मेदार ठहरावेलन , ई दावा करके कि उनकर शासन एगो ईश्वरीय अधिकार ह। यीशु उनकरा के सिखा दिहे कि अइसन नइखे ; खाली ओह लोग के ना , बलुक ओह लोग के अन्याय के जायज ठहरावे वाला मानवता के जनमानस के भी। इहे "प्रतिभा के दृष्टांत " के व्याख्या ह जवन ओकरा बाद पूरा होला आलागू होला।

मुठभेड़ के बाद

पद 17: " *हम एगो स्वर्गदूत के धूप में खड़ा देखनी। उ जोर से चिल्ला के स्वर्ग के बीच में उड़त*

सब चिरई से कहलस, "आजा, परमेश्वर के महान भोज में जुट जा।"

ईसा मसीह "*माइकल* " सूरज के प्रतिरूप में आवेलें, ईश्वरीय प्रकाश के प्रतीक, सूर्य देवता के पूजा करे वाला झूठा ईसाई लो ग से लड़े खातिर जे सम्राट कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा कइल गइल आराम के दिन के बदलाव के जायज ठहरावेला मसीह भगवान के साथ उनकर मुठभेड़ में, ओह लोग के पता चल जाई कि जीवित भगवान उनकर सूर्य देवता से अधिका भयावह हवें। तेज आवाज में ईसा मसीह मांसाहारी चिरई के एगो जु टान के बोलावेले।

नोट : हम इहाँ एक बेर फेरु से इ बतावल जरूरी बा कि विद्रोही लोग सचेत रूप से आ स्वेच्छा से सौर देवता के पूजा करे के इच्छा ना करेला, लेकिन उ लोग एह तथ्य के कम आंकेला कि भगवान खातिर पहिला दिन जवना दिन उ लोग अपना साप्ताहिक आराम खातिर सम्मान करेला, ओकरा पछिला बुतपरस्त प्रयोग के दाग बनल रहेला। ठीक ओइसहीं ओह लोग के चुनाव से ओह समय के क्रम के बहुते तिरस्कार के पता चलेला जवन ऊ धरती के रचना के शुरुआत से स्थापित कइले रहले. भगवान धरती के धुरी पर घूमला से चिन्हित दिन गिनेलें। अपना लोग इस्राएल खातिर अपना ह स्तक्षेप में ऊ हफ्ता के क्रम के याद कइलन आ एकर नाम राख के सातवाँ दिन के संकेत दिहलन जवना के "सब्बत " कहल जाला. बहुत लोग के मानना बा कि उ लोग के ईमानदारी के चलते भगवान उनुका के धर्मी ठहरा सकतारे। भगवान के द्वारा स्पष्ट रूप से व्यक्त सच्चाई के विवाद करे वाला लोग खातिर ना त ईमानदारी के कवनो मोल बा ना विश्वास के। उनकर सच्चाई एकमात्र मानक ह जवन यीशु मसीह के स्वैच्छिक बलिदान में विश्वास के माध्यम से मेलमिलाप के अनुमति देला। व्यक्तिगत राय सृष्टिकर्ता परमेश्वर द्वारा ना सुनल जाला या पहचानल ना जाला, बाइबल एह सिद्धांत के पुष्टि यशायाह 8:20 के एह श्लोक से करेला : "*व्यवस्था अउर गवाही के! अगर उ लोग अईसन ना बोली त लोग खातिर भोर ना होई* ।"

दू गो "*भोज* " भगवान द्वारा तइयार कइल जाला : "*मेमना के बियाह के भोज* " जेकर मेहमान खुद व्यक्तिगत रूप से चुनल लोग होला, काहे कि, सामूहिक रूप से, ऊ लोग "*दुल्हिन* " के प्रतिनिधित्व करेला। दूसरा "*भोज* " भयावह प्रकार के होला आ एकर लाभार्थी लोग खाली शिकार, गिद्ध, कंडोर, पतंग, आ एह जीनस के अउरी प्रजाति सभ के "*चिरई* " होला।

पद 18: "*ताकि हम राजा लोग के मांस, सेनापति के मांस, पराक्रमी लोग के मांस, घोड़ा के मांस, आ ओह पर*

बइठल लोग के मांस , आसभे आदमी के मांस , आज़ाद आदास , आ छोट -बड़ के मांस खा सकीले। ”

सब मानवता के विनाश के बाद धरती के नीचे लाश डाले वाला केहु ना रह जाई अवुरी जेर के मुताबि क। 16:4, " *उ लोग धरती पर गोबर निहन पसरल होईहे* । " आईं हमनी के पूरा श्लोक खोजल जाव जवन हमनी के ऊ भाग्य सिखावेला जवन भगवान ओह लोग खातिर सुरक्षित रखले बाड़न जेकरा के ऊ गारी देत बाड़न : " *ऊ लोग बेमारी से भस्म होके मर जइहें ; ओह लोग के लोर भा दफन ना कइल जाई ; ऊ लोग धरती पर गोबर नियर हो जाई ; ऊ लोग तलवार आ अकाल से नाश हो जाई ; आ ओह लोग के लाश हवा के चिरई आ धरती के जानवरन के भोजन होई* । " एह श्लोक 18 में आत्मा द्वारा प्रस्तुत गणना के अनुसार , कवनो आदमी मौत से ना बच पावेला। हमरा इयाद बा कि " *घोड़ा* " जैक के अनुसार ओह लोग के नागरिक आ धार्मिक नेता लोग के नेतृत्व में होखे वाला लोग के प्रतीक हवे। 3:3: " *अगर हमनी के घोड़ा के मुँह में बिट डाल देनी जा ताकि उ लोग हमनी के बात माने , त हमनी के ओकर पूरा शरीर के भी निर्देशित करेनी जा।* "

पद 19: “ *हम देखनी कि जानवर , धरती के राजा आ ओकर सेना , घोड़ा पर सवार आदमी आ ओकर सेना से लड़ाई करे खातिर एकट्ठा हो गइल बाड़े।* ”

हमनी के देखले बानी जा कि " *आरमागेडोन के लड़ाई* " आध्यात्मिक रहे अउर धरती पर एकर पहलू ईसा मसीह के सब अंतिम सच्चा गुलाम के मौत के फरमान जारी कइल रहे। ई फैसला ईसा मसीह के वापसी से पहिले भइल रहे आ विद्रोही लोग के आपन पसंद के बारे में पक्का रहे। लेकिन एकरा लागू होखे के समय आकाश खुल गईल जवना से ईश्वरीय बदला लेवे वाला मसीह अवुरी उनुकर स्वर्गदूत सेना के खुलासा भईल। तब से अब कवनो संभावित लड़ाई ना रह गईल | जब उ प्रकट होखस त केहू परमेश्वर से लड़ ना सकेला अउर एकर परिणाम उहे ह जवन प्रकाशितवाक्य 6:15 से 17 हमनी के प्रकट कइले बा : " *धरती के राजा , महान आदमी , सेना के कप्तान , अमीर , ताकतवर , हर दास अउर हर आजाद आदमी , गुफा में अउर पहाड़ के चट्टान में लुका गइलन। अउर उ लोग पहाड़ अउर चट्टान से कहलस कि , हमनी पर गिरीं , अउर हमनी के उनकर चेहरा से छिपाईं सिंहासन पर बइठल बा , आ मेमना के क्रोध से ओकर क्रोध के बड़हन दिन आ गइल बा , आ* आखिरी सवाल के जवाब बा कि चुनल गइल लोग जे विद्रोही लोग के द्वारा मारल जाए वाला रहे।

पद 20: " *अउर जानवर के ले जाइल गइल , आ ओकरा साथे झूठा भविष्यवक्ता के भी ले जाइल गइल जे ओकरा सामने निशानी काम कइलस , जवना से ऊ ओह जानवर के निशान पावे वाला लोग आ ओकर मूर्ति के पूजा करे वाला लोग के*

धोखा दिहलस। दुनों के जिंदा गंधक से जरत आग के झील में फेंक दिहल गइल। "

धेयान ! आत्मा हमनी के अंतिम न्याय के अंतिम भाग्य के खुला सा करेला जब परमेश्वर ओकरा के " *जानवर अउर झूठा भविष्यवक्ता* " खातिर तैयार करेलन , यानी कैथोलिक विश्वास अउर प्रोटेस्टेंट विश्वास जवन 1994 से झूठा एडवेंटिस्ट लोग द्वारा जोड़ल गइल बा।काहे कि " *आग अउर सल्फर से जरत झील* " सातवीं सहस्राब्दी के अंत में ही धरती के ढंक के नाश करे अउर सफाया करे खातिर पापी लोग , निश्चित रूप से , अंतिम न्याय के बाद। इ श्लोक हमनी के हमनी के सृष्टिकर्ता परमेश्वर के पूर्ण न्याय के अद्भुत अर्थ के उजागर करेला। एहमें सही मायने में जिम्मेदार आ धोखा खाए वाला बाकिर दोषी पीड़ितन में अंतर स्थापित कइल जा ला काहे कि ऊ लोग अपना पसंद खातिर जिम्मेदार होला . धार्मिक दबंग लोग के " *जिंदा आग के झील में फेंक दिहल जाला* " काहे कि प्रकाशितवाक्य 14:9 के अनुसार , उ लोग धरती के मरद मेहरारू के " *जानवर के निशान* " के सम्मान करे खातिर उकसवले बाड़े , जेकर सजा के घोषणा भईल रहे।

पद 21: " *आ बचे वाला लोग के घोड़ा पर सवार के तलवार से मार दिहल गइल जवन उनकर मुँह से निकलल रहे , आसब चिरई अपना मांस से भर गइलन।* "

ई " *अन्य* " गैर -ईसाई भा गैर -विश्वासी मनुष्य हवें जे अंतर्राष्ट्रीय आंदोलन के पालन कइलें आ ईसाई धार्मिक विद्रोही लोग द्वारा कइल गइल कार्रवाई में बिना कौनों ब्यक्तिगत भागीदारी के सामान्य व्यवस्था के पालन कइलें। ईसा मसीह के बहावल खून के धार्मिकता से ढंकल ना होखला के वजह से , उ लोग मसीह के वापसी से ना बच पावेला लेकिन एकरा बावजूद उ लोग के वचन से मारल जाला जवना के प्रतीक बा " *उनकर मुँह से निकलल तलवार* "। ई पतित प्राणी , सच्चा भगवान के प्रकटीकरण के प्रत्यक्षदर्शी , अंतिम न्याय में अइहें लेकिन विद्रोह में सक्रिय महान धार्मिक अपराधी लोग खातिर आरक्षित *"आग के झील " में लंबा समय तक मौत के दुख ना उठाई।* महान सृष्टिकर्ता भगवान , महान न्यायाधीश के महिमा के सामना कइला के बाद अचानक उनकर सफाया हो जाई।

प्रकाशितवाक्य 20 में कहल गइल बा : सातवीं सहस्राब्दी के हजार *साल के बारे में बतावल गइल बा* आआखिरी फैसला के बात कइल गइल

शैतान के सजा दिहल जाला

पद 1: " *हम एगो स्वर्गदूत के स्वर्ग से उतरत देखनी , जेकरा हाथ में अथाह गड्ढा के चाभी आ एगो बड़हन जंजीर रहे।* "

" *एगो स्वर्गदूत* " या परमेश्वर के दूत " *स्वर्ग से* " धरती पर उतरेला , जवन स्थलीय जीवन के हर रूप से वंचित होके , मानव अउर जानवर , इहाँ आपन नाम " *खाई* " ले लेला जवन उत्पत्ति 1:2 में एकरा के नामित करेला। " *कुंजी* " एह उजाड़ भूमि तक पहुँच खोल देला भा बंद कर देला। आ" *उनकर हाथ* " में धइल " *महान जंजीर* " से लागत बा कि कवनो जीव के ओह उजाड़ भूमि में जंजीर में बान्हल जाई जवन ओकर जेल बन जाई .

पद 2: " *ऊ अजगर , ऊ बूढ़ साँप , जवन शैतान आ शैतान ह, के पकड़ के हजार साल तक बान्ह दिहलन।* "

शैतान ," विद्रोही स्वर्गदूत के नामित करे वाला अभिव्यक्ति के इहाँ फिर से उद्धृत कइल गइल बा। ई लोग उनकर विद्रोही चरित्र से पैदा भइल दुखन में उनकर बहुते ऊँच जिम्मेदारी के याद दिला वत बा ; दबंग लोग द्वारा मनुष्य पर थोपल दुख आ शारीरिक आ नैतिक पीड़ा के उनकर प्रेरणा आ प्रभाव के अधीन कइल गइल काहे कि ऊ लोग भी उनकर जइसन दुष्ट रहे। " *ड्रैगन* " के रूप में ऊ बुतपरस्त शाही रोम पर शासन कइलें , आ" *साँप* " के रूप में , पोप के ईसाई रोम पर , बाकी सुधार के समय में नकाब उतारल गइल , ऊ फिर से " *ड्रैगन* " के रूप में व्यवहार कइलें जेकर सेवा सशस्त्र कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट लीग आलुई चौदहवाँ के "ड्रैगनेड " लोग द्वारा कइल गइल। राक्षसी स्वर्गदूतन के शिविर से ," *शैतान* " एकमा त्र बचे वाला बा , अंतिम न्याय में आपन प्रायश्चित मौत के इंतजार करत , ऊ एगो अउरी " *हजार साल* " तक जिंदा रही , अलग-थलग , बिना कवनो प्राणी के संपर्क के , ओह धरती पर जवन एगो निराकार आ खाली रेगिस्तानी जेल बन गइल बा , जवना में खाली सड़त लाश आ आदमी आजानवरन के हड्डी के आबादी बा।

उजाड़ धरती पर रसातल के दूत : प्रकाशितवाक्य 9:11 के नाश करे वाला ।

पद 3: " *उ ओकरा के अथाह गड्ढा में फेंक दिहलस , ओकरा के बंद क दिहलस , आ ओकरा पर मोहर लगा दिहलस कि जब तक उ हजार साल के अंत ना हो जाई , तब तक उ राष्ट्र के धोखा ना देवे , अवुरी ओकरा बाद ओकरा के कुछ समय तक खोलल जाए के होई।* "

जवन छवि दिहल गइल बा ऊ सटीक बा , शैतान के उजाड़ धरती पर एगो अइसन आवरण के नीचे रखल गइल बा जवन ओकरा के स्वर्ग में पहुँचे से रोकत बा ; जेहसे कि ऊ अपना के ओह मानवीय मानदंड के सीमा के अधीन पावेला जवना के नुकसान ऊ भइल भा प्रोत्साहि त कइले . बाकी जीव ,

आकाशीय स्वर्गदूत अउर आदमी जे अपना बारी में स्वर्गदूत बन गइल बाड़े , उ उनकरा से ऊपर बाड़े , यानी कि स्वर्ग में जवना तक पाप अउर मौत पर यीशु मसीह के जीत के बाद से अब उनकर पहुँच नइखे। बाकिर उनकर हालत अउरी खराब हो गइल बा काहे कि अब उनकर कवनो सं गत नइखे , ना परी आ ना आदमी . स्वर्ग में " *राष्ट्र* " बा जवना के ई श्लोक "पृथ्वी " के जिक्र के बिना उद्धृत कइले बा। इहे कारण बा कि एह राष्ट्न के मुक्ति पावे वाला सब परमेश्वर के राज्य में स्वर्ग में बाड़े। एह तरह से " *श्रृंखला* " के भूमिका के खुलासा होला ; ओकरा के धरती पर अकेले आ अलग-थलग रहे खातिर मजबूर कर देला . भगवान के कार्यक्रम में , शैतान " *हजार साल* " जेल में बंद रही , जवना के अंत में उ मुक्त हो जाई , दूसरा पुनरुत्थान में जी उठल दुष्ट मुअल लोग तक पहुंच आ संपर्क होई , अंतिम न्याय के " *दूसरा मौत* " खातिर , धरती पर , जवना के बाद , क्षण भर खातिर , फिर से आबादी हो जाई। ऊ फिर से निंदा कइल गइल विद्रोही राष्ट्न के अपना वश में कर दीहें , जवना से ऊ मुक्ति पावे वाला पवित्र स्वर्गदूतन आ ईसा मसीह महान न्यायाधीश के खिलाफ लड़ाई लड़े के व्यर्थ कोशिश करीहें।

छुटकारा पावे वाला लोग दुष् टन के न्याय करेला

पद 4: " *हम सिंहासन देखनी , आ ओह पर बइठल लोग के न्याय करे के अधिकार दिहल गइल , आ हम ओह लोग के आत्मा के देखनी जे यीशु के गवाही खातिर , अउर परमेश्वर के वचन खातिर सिर काटल गइल रहे , अउर ना ही जानवर के , ना ओकर प्रतिरूप के आराधना कइले रहे , ना ही ओकर निशानी अपना माथे पर ना मिलल रहे .*"

" *जे सिंहासन पर बइठल बा* " ओकरा लगे *न्याय करे के शाही* " *शक्ति* " " बा . इ एगो महत्वपूर्ण कुंजी ह इ समझे के कि भगवान " *राजा* " शब्द के कतना अर्थ देले बाड़े . अब, अपना राज्य में , यीशु मसीह " *माइकल* " में , परमेश्वर आपन न्याय के धरती से मुक्त भइल अपना सब मानव प्राणी के साथे साझा करेलन। धरती पर अउर स्वर्ग में दुष्टन के न्याय सामूहिक रूप से होई अउर परमेश्वर के साथे साझा कइल जाई। मुक्ति प्राप्त चुनल लोग के राज के इहे एकमात्र पहलू ह। प्रभुत्व चुनल लोग के एगो श्रेणी खातिर आरक्षित नइखे , बल्कि सभका खातिर आरक्षित बा , अउर आत्मा हमनी के याद दिलावत बा कि धरती पर जवन समय बीतल बा , ओह समय में सबसे पहिले भयानक हत्यारा उत्पीड़न भइल रहे जवना के उ उद्धृत करके उकसावत बाड़े : " *यीशु के गवाही के वजह से अउर परमेश्वर के वचन के वजह से सिर काटल गईल लोग के आत्मा* "; पौलुस ओहमें से एगो रहले। एह तरह से आत्मा रोमन बुतपरस्ती के ईसाई शिकार आ

साल 30 से 1843 के बीच सक्रिय असहिष्णु रोमन पोप के विश्वास के उकसावेला।फिर ऊ अंतिम चुनल गइल लोग के निशाना बनावेला जेकरा के प्रकाशितवाक्य 13:11-15 के "*धरती से उठल जानवर* " द्वारा मौत के धमकी दिहल गइल रहे , पार्थिव समय के अंतिम घड़ी में ; साल 2029 के दौरान बसंत के पहिला दिन तक जवन साल 2030 में फसह से पहिले होखेला।

प्रकाशितवाक्य 11:18 में " *सातवाँ तुरही* " के घोषणा के अनुसार , " *मुअल लोग के न्याय करे के समय आ गइल बा* ," *अउर इहे उद्देश्य बा* " *हजार साल* " के समय के जवना के उल्लेख एह श्लोक 4 में कइल गइल बा। इहे मुक्ति पावे वाला लोग के व्यवसाय होई जे परमेश्वर के आकाशीय अनंत काल में प्रवेश कइले बा। ओह लोग के दुष्ट आदमी अउर पतित आकाशीय स्वर्गदूतन के " *न्याय* " *करे* के पड़ी । पौलुस 1 कुरिन्थियों में घोषणा कइले बाड़न। 6:3: " *का रउवां नइख जानत कि हमनी के स्वर्गदूतन के न्याय करब जा ? हमनी के एह जीवन के बात केतना जादा न्याय करब जा ?* "

पतित विद्रोहियन खातिर दूसरा पुनरुत्थान

पद 5: " *जब तक हजार साल पूरा ना हो गईल तब तक बाकी मुअ ल लोग जिंदा ना भईल। इ पहिला पुनरुत्थान ह।* "

जाल से सावधान रहें ! वाक्य " *बाकी मुअल लोग तब तक जिंदा ना भइल जब तक कि हजार साल पूरा ना हो गइल* " एगो कोष्ठक के गठन करेला आ एकरा बाद जवन अभिव्यक्ति आवेला " *ई पहिला पुनरुत्थान ह* ", *उद्धृत* " *हजार साल* " के शुरुआत में जी उठल मसीह में पहिला मुअल लोग के संबंध में बा । कोष्ठक में बिना नाम लिहले दूसरा " *पुनरुत्थान* " *के घोषणा के उकसावत बा जवन दुष्ट मुअल लोग खातिर आरक्षित बा जे* " *हजार साल* " के अंत में अंतिम न्याय आ" *आग आ गंधक के झील* " के नश्वर सजा खातिर जिंदा हो जइहें ; जवन " *दूसरा मौत* " के पूरा करेला।

पद 6: “ *धन्य अउर पवित्र हउवें जे पहिला पुनरुत्थान में हिस्सा लेवेला* !

इ श्लोक बहुत सरलता से परमेश्वर के प्रकट धर्मी न्याय के संक्षेप में बतावेला। धन्यता सच्चा चुनल लोग के संबोधित कइल जाला जे " *हजार साल* " के शुरुआत में " *मसीह में मुअल लोग के पुनरुत्थान* " में भाग लेला . उ लोग न्याय में ना अइहें बल्कि खुद परमेश्वर द्वारा आयोजित न्याय में न्यायकर्ता होईहे , स्वर्ग में , " *हजार साल* " तक। " *हजार साल* " *के* घोषित " *शासन* " खाली जजिंग गतिविधि के " *शासन* " *ह आई एह* " *हजार साल* " तक सीमित बा . अनं त काल में प्रवेश कइला के बाद , चुनल लोग के " *दूसरा मौत* " से डेराए के जरूरत नइखे या कष्ट ना उठावे के पड़ी , काहे कि एकरा

उलट , उहे लोग एकरा के न्याय कइल दुष्ट मृतक पर डाल दिही। आ हम जानत बानी कि ई सबले बड़हन आ दुष्ट , क्रूर आ हत्यारा धार्मिक अपराधी हउवें . चुनल न्यायाधीश लोग के ई तय करे के पड़ी कि कतना दुख के समय बा जवना के हर जज जीव के व्यक्तिगत रूप से अनुभव करे के पड़ी , " *दूसरा मौत* " द्वारा उनकर विनाश के प्रक्रिया में , जवना के वर्तमान पहिला पार्थिव मौत से कवनो समानता नइखे। काहे कि अग्नि के ओकर विनाशकारी कर्म के रूप देवे वाला सृष्टिकर्ता भगवाने हवें। भगवान के द्वारा सुरक्षित आकाशीय पिंड अउर स्थलीय पिंड के खिलाफ आग के कवनो प्रभाव ना होला , जइसन कि दानियल 3 में दानियल के तीन साथी लोग के अनुभव साबित करेला। अंतिम न्याय खातिर , पुनरुत्थान के शरीर वर्तमान स्थलीय शरीर से अलग प्रतिक्रिया करी। मरकुस 9:48 में , यीशु एकर विशेषता के खुलासा कइले बाड़न , कहत बाड़न : " *जहाँ उनकर कीड़ा ना मरेला , अउर आग ना बुझावल जाला* । " जइसे केंचुआ के शरीर के कुंडली अलग-अलग जीवंत रहेला , ओसही अभिशप्त लोग के शरीर में अंतिम परमाणु तक जीवन होई। एह से ओह लोग के सेवन के गति पवित्र न्यायाधीश आईसा मसीह द्वारा तय कइल गइल दुख के समय के लंबाई पर निर्भर करी।

अंतिम मुठभेड़ भइल

पद 7: " *जब हजार साल खतम हो जाई त शैतान के जेल से छोड़ दिहल जाई।* "

"हजार साल " के अंत में उनुका कुछ देर खातिर फेर से कंपनी मिल जाई। ई दूसरा " *पुनरुत्थान* " के समय ह जवन पार्थिव विद्रोहियन खातिर आरक्षित बा।

पद 8: " उ धरती के ***चारों हिस्सा*** *में मौजूद जाति गोग आमागोग के धोखा देवे खातिर निकली , ताकि उ लोग के लड़ाई में इकट्ठा कईल जा सके , जवना के संख्या समुंदर के बालू निहन बा।* "

राष्ट्र " के ह जवना के संकेत " ***चार कोना*** " के सूत्र से मिलत बा . *के धरती के* " या चार कार्डिनल बिंदु जवन एक्शन के एगो सार्वभौमिक चरित्र देला। अइसन इकट्ठा होखे के तुलनीय कुछुओ नइखे , सिवाय युद्ध रणनीति के स्तर पर प्रकाशितवाक्य 9:13 के " *छठवाँ तुरही* " के तीसरा विश्वयुद्ध के संघर्ष से मिलत जुलत। इहे तुलना ह जवन परमेश्वर के अंतिम न्याय के इकट्ठा भइल लोग के "गोग आमगग " के नाम देवे के ओर ले जाला , जवना के मूल रूप से इजके में उद्धृत कइल गइल बा। 38:2, अउर एकरा से पहिले उत्पत्ति 10:2 में जहाँ "मागोग " याफेत के दूसरा बेटा हवें , लेकिन एगो छोट विस्तार से खाली एह आह्वान के तुलनात्मक पहलू के पता चलेला , काहे कि इजकिएल में , मागोग गोग के देश

ह, अउर इ रूस के नामित करेला जवन, तीसरा विश्वयुद्ध के दौरान, मानव युद्ध के इतिहास में सबसे अधिक संख्या में सैनिकन के काम में ले आई; पच्छिमी यूरोपीय महाद्वीप के जमीनन पर विजय हासिल कइल।

आत्मा उनकर तुलना "*समुद्र के बालू*" से करेला, एह तरह से अंतिम न्याय के शिकार लोग के संख्या के महत्व पर जोर देला। इहो एगो संकेत ह कि उ लोग शैतान अउर उनकर मानवीय एजेंटन के अधीनता के संकेत ह जवन प्रकाशितवाक्य 12:18 या 13:1 में प्रकट भइल बा (बाइबिल के संस्करण के आधार पर): "*अजगर*" के बात करत घरी, हमनी के पढ़ेनी जा: "*अउर उ समुद्र के बालू पर खड़ा हो गइलन।*"

एगो असुधारक विद्रोही, शैतान उम्मीद करे लागेला कि ऊ परमेश्वर के से ना के हरा सकेला अउर ऊ बाकी दोषी आदमी के बहका के परमेश्वर अउर उनकर चुनल लोग के खिलाफ लड़ाई में शामिल कर देला।

पद 9: "*आऊ लोग धरती पर चढ़ के संतन आप्रिय शहर के डेरा के घेर लिहल। लेकिन स्वर्ग से आग उतर के ओह लोग के भस्म कर दिहलस।*" लेकिन इलाका पर जीत के अब कवनो मतलब ना रह गइल जब केहू विरोधी के पकड़ ना सके काहे कि ऊ अछूत हो गइल बा; दानियल के साथी लोग निहन ना त आग अवुरी ना कवनो चीज़ ओलोग के नुकसान पहुंचा सकता। आएकरा उलट "*स्वर्ग से आग*" *ओह लोग के* "*संतन के शिविर*" में भी मार देला जवना पर एकर कवनो असर ना पड़े ला। बाकिर ई आग भगवान आउनकर चुनल दुश्मनन के "*खा जाला*"। *जकरयाह 14 में, आत्मा* "*हजार साल*" से अलग होखे वाला दुनो युद्ध के भविष्यवाणी कइले बा। जवन "छठवाँ तुरही" से पहिले होला अउर पूरा होला, ओकरा के पद 1 से 3 में प्रस्तुत कइल गइल बा, बाकी अंतिम न्याय के घड़ी में संचालित दूसरा युद्ध से संबंधित बा, अउर ओकरा बाद, नया धरती पर स्थापित सार्वभौमिक व्यवस्था से। पद 4 में, भविष्यवाणी मसीह आ उनकर चुनल लोग के धरती पर उतरे के बारे में एह शब्दन में कहल गइल बा: "*आउनकर गोड़ ओह दिन जैतून के पहाड़ पर खड़ा हो जाई, जवन पूरब में यरूशलेम के सामने बा, आ जैतून के पहाड़ पूरब आपश्चिम में दू भाग में बाँटल जाई, आ एगो बहुत बड़हन घाटी होई: पहाड़ के आधा हिस्सा उत्तर के ओर बढ़ी, आ आधा हिस्सा दक्खिन के ओर।*" के ... अंतिम न्याय के संतन के एह तरह से पहचानल जाला आ ओकर स्थान बनावल जाला। हमनी के ध्यान दीं कि स्वर्गीय "*हजार साल*" के अंत में ही यीशु "के "*गोड़*" "धरती पर "*खड़ा हो जाई*," *जैतून के पहाड़ पर, जवन पूरब में यरूशलेम से पहिले बा*।" गलत व्याख्या कइला पर एह श्लोक से "सहस्राब्दी" के दौरान ईसा मसीह के सांसारिक शासन के गलत विश्वास पैदा भइल बा।

पद 10: " *आउनकरा के धोखा देवे वाला शैतान के आग आ गंधक के झील में फेंक दिहल गइल , जहाँ जानवर आ झूठा भविष्यवक्ता हवें। आ उ लोग दिन - रात हमेशा खातिर सतावल जाई।* "

प्रकाशितवाक्य 19:20 में प्रकट कइल गइल धार्मिक विद्रोहियन के न्याय के लागू करे के समय आगइल बा। एह श्लोक के घोषणा के अनुसार " *शैतान , जानवर आ झूठा भविष्यवक्ता* " के एक साथ " *आग आ सल्फर के झील में जिंदा फेंकल जाला* " *जवन " स्वर्ग से आग* " के क्रिया के परिणाम हवे जेकरा में ग्रह के पूरा सतह पर पृथ्वी के पपड़ी के पपड़ी के फ्रैक्चर से निकले वाला पिघलल भूमिगत मैग्मा के जोड़ल जाला। एकरा बाद धरती "सूरज " के रूप ले लेले जेकर "आग" विद्रोही लोग के मांस के खा जाले , खुद भगवान के बनावल सूरज के उपासक (अचे तन लेकिन दोषी) होले। इहे काम में ही स्थलीय अउर आकाशीय अपराधी " *दूसरा मौत " के " यातना " के भोग करेलन* जवना के भविष्यवाणी प्रकाशितवाक्य 9:5-6 से कइल गइल बा। विश्राम के झूठा दिन के नाजायज रूप से दिहल सहारा के चलते इ भयावह अंत हो गईल बा। निंदा करे वाला लोग खाति र सौभाग्य से , चाहे ऊ कतनो लमहर होखे , " *दूसरा मौत* " के भी अंत होला। आ " *हमेशा खातिर* " अभिव्यक्ति खुद " *यातना* " पर लागू ना होला बलुक ओह " *आग* " के विनाशकारी परिणाम पर लागू होला जवन ओकरा के पैदा करेला , काहे कि ईहे परिणाम ह जवन निश्चित आशाश्वत होखी .

अंतिम न्याय के सिद्धांत के बारे में बतावल गइल बा

पद 11: " *हम एगो बड़हन सफेद सिंहासन आ ओकरा पर बइठल के देखनी , ओकरा सामने से धरती आ आकाश भाग गइल , आ ओह लोग खातिर कवनो जगह ना मिलल .*"

" *गोरा* " पूर्ण पवित्रता के साथ , उनकर " *महान सिंहासन* " सब जीवन आ चीजन के सृष्टि कर्ता भगवान के बिल्कुल शुद्ध आ पवित्र चरित्र के प्रतिरूप ह। उनकर सिद्धता " *धरती* " के अपना तबाह आभस्म कइल पहलू में मौजूदगी के बर्दाश्त नइखे कर सकत जवन आखिरी न्याय ओकरा के दिहले रहे . एतने ना , हर मूल के दुष्ट लोग के नाश हो गइल बा , प्रतीकन के समय खतम हो गइल बा आ आकाशीय ब्रह्मांड आ ओकर अरबों तारा सभ के अस्तित्व के कवनो कारण नइखे रहि गइल ; हमनी के स्थलीय आयाम के " *आकाश* " आ ओकरा में जवन कुछ भी बा ओकरा से खतम हो जाला , शून्यता में गायब हो जाला। अनन्त दिन में अनन्त जीवन के समय आगईल बा।

पद 12: " *हम छोट - बड़ मुअल लोग के सिंहासन के सामने खड़ा देखनी। आऊ किताब खोलल गईल। अउर एगो अउरी किताब खोलल गईल , जवन जीवन के किताब ह। आउर मुअल लोग*

के ओह बातन से न्याय कईल गईल जवन किताबन में लिखल रहे , उ लोग के काम के अनुसार। ”

एह दोषी " *मरल* " लोग के अंतिम फैसला खातिर जिंदा कइल गइल। चूँकि भगवा न कवनो अपवाद नइखन करत , एहसे उनकर न्यायसंगत न्याय " *महान* " आ" *छोट* ," अमीर आगरीबन के प्रभावित करेला आ ओह लोग पर एके नियति , मौत , ओह लोग के जीवन में पहिला बेर , बराबर भाग्य थोप देला .

ई निम्नलिखित श्लोक अंतिम न्याय के क्रिया के बारे में विस्तार से बतावेला। दा न में पहिलहीं से भविष्यवाणी कइले बा। 7:10, स्वर्गदूतन के गवाही के " *किताब* " " *खोलल* " आई अदृश्य गवाह लोग निंदा कइल लोग के कइल दोष आ अपराध के नोट कइल आचुनल लोग आईसा मसीह द्वारा हर मामला के फैसला के बाद , सर्वसम्मति से अंतिम , निश्चित आ अटल फैसला अपनावल गइल। अंतिम फैसला के समय घोषित फैसला के निष्पादित कईल जाई।

पद 13: “ *समुंदर अपना में मौजूद मुवलन के छोड़ दिहलस , आमौत आपाताल ओह मुअल लोग के सौंप दिहलस , आहर आदमी के अपना काम के हिसाब से न्याय कइल गइल।* ”

एह श्लोक में परिभाषित सिद्धांत दुनो पुनरुत्थान पर लागू होला । " *मरे वाला* " लोग " *समुंदर* " में भा "धरती " पर गायब हो जाला ; इहे दुगो संभावना ह जवन एह श्लोक में निर्धारित बा। आईं " मृतक *के निवास* " के रूप पर ध्यान दीं जवना से "पृथ्वी " सत्ता के उकसाव होला। काहे कि सचमुच , इ नाम धर्मी बा , परमेश्वर पापी आदमी के घोषणा कइले बाड़न : " *तू धूल हउअ अउर धूड़ में वापस आजाईब* " उत्पत्ति 3:19 में। " *मृतक के निवास* " *एह से* "धरती " के " *धूल* " *ह।* मौत के कबो - कबो आग के इंसान के भस्म हो गईल बा , जवन कि एहसे सामान्य दफन संस्कार के मुताबिक " *धूल में वापस* " *नईखे आईल।* एही से , एह मामला के छोड़ के ना , आत्मा निर्दिष्ट करेले कि " *मौत* ", खुद , जेकरा के ऊ जवना रूप में मारले बा , ओकरा के वापस कर दी ; जवना में परमाणु आग के कारण होखे वाला बिघटन भी सामिल बा जेह में पूरा तरीका से बिखराइल मानव शरीर के कौनों निशान ना रह जाला।

पद 14: “ *आमौत आपाताल आग के झील में डाल दिहल गइल , ई दूसरा मौत ह, आग के झील।* ”

" *मौत* " एगो अइसन सिद्धांत रहे जवना के निरपेक्ष रूप से जीवन के विरोध रहे आएकर मकसद रहे कि अइसन प्राणी के खतम कइल जाव जिनकर जीवन के अनुभव के भगवान के ओर से न्याय आनिंदा कइल गइल रहे। जीवन के कवनो दोसर मकसद नइखे कि भगवान के अनन्त दोस्तन के चयन खातिर एगो नया उम्मीदवार पेश कइल जाव . ई चयन हो गइल बा , आदुष्टन के नाश हो गइल बा , " *मौत* " आ"धरती " " *मुअल लोग के निवास* " के अब अस्तित्व के कवनो कारण नइखे रहि गइल। एह दुनो चीज के विनाशकारी सिद्धांत

खुद भगवान के नाश हो जाला। "*आग के झील* " के बाद जीवन खातिर जगह बनावल जाला आ दिव्य प्रकाश जवन ओकर प्राणी के रोशन करेला।

पद 15: "*जे जीवन के किताब में लिखल ना मिलल ओकरा के आग के झील में फेंक दिहल गइल।* "

इ श्लोक एह बात के पुष्टि करेला कि परमेश्वर सही मायने में आदमी के सामने खाली दू गो रास्ता , दू गो विकल्प , दू गो भाग्य , दू गो भाग्य रखले बाड़न (व्यवस्था 30:19)। चुनल लोग के नाम भगवान दुनिया के स्थापना से ही जानत बाड़े , या एकरा से भी आगे , जब से उ अपना के स्वतंत्र आस्वतंत्र प्राणी उपलब्ध करावे के परियोजना के योजना बनवले रहले। एह चुनाव से ओकरा मांस के शरीर में भयानक दुख के नुकसान होई , लेकिन प्रेम के इच्छा ओकरा डर से ज्यादा होखला के चलते उ आपन परियोजना शुरू कईले अवुरी हमनी के स् वर्गीय जीवन अवुरी पार्थिव जीवन के इतिहास के विस्तृत पूर्ति के पहिले से जानत रहले। उ जानत रहलें कि उनकर पहिला प्राणी एक दिन उनकर नश्वर दुश्मन बन जाई। बाकिर एह जानकारी का बावजूद ऊ उनुका के अपना प्रोजेक्ट से त्याग करे के हर मौका दिहलन . उनुका मालूम रहे कि इ बात असंभव बा , लेकिन उ अयीसन होखे देले। एह तरह से ऊ चुनल लोग के नाम , ओह लोग के काम , ओह लोग के पूरा जिनिगी के गवाही जानत रहले आ ओह लोग के अपना समय आ युग में अपना लगे मार्गदर्शन आ ले गइलन . भगवान खातिर खाली एगो बात असंभव बा : आश्चर्य।

उ उदासीन , विद्रोही , मूर्तिपूज क मानव प्राणी के भीड़ के नाम भी जानत रहले जवन मानव प्रजनन के प्रक्रिया से पैदा भईल बा। प्रकाशितवाक्य 19:19-20 में प्रकट कइल गइल परमेश्वर के न्याय में अंतर उनकर सब प्राणी पर लागू होला। ओहमें से कुछ कम दोषी लोग के "*भगवान के वचन* " से मारल जाई बिना "*दूसरा मौ त के आग के यातना* " के अनुभव कइले जवन विशेष रूप से दोषी ईसाई आ यहूदी धार्मिक लोग खातिर बनावल गइल बा। लेकिन दूसरा "*पुनरुत्थान* " धरती पर पैदा भइल उनकर सब मानव प्राणी अउर स्वर्ग में बनावल स्वर्गदूत प्राणी से संबंधित बा , काहे कि परमेश्वर रोमियों में घोषणा कइले बाड़न। 14:11: "*काहेकि लिखल बा कि जब हम जिंदा बानी , प्रभु कहत हउवें , हर घुटना हमरा के झुक जाई , आहर जीभ परमेश्वर के कबूल करी* ."

प्रलय 21: महिमामंडित *नया यरूशलेम* के *प्रतीक*

पद 1: " *तब हम एगो नया आकाश आएगो नया धरती देखनी , काहे कि पहिला आकाश आपहिला धरती खतम हो गइल रहे , आ समुंदर अब ना रहे।* "

सहस्राब्दी के अंत के बाद नया बहुआयामी व्यवस्था के स्थापना से प्रेरित भावना के साझा करेला . ओह पल से अब समय के गिनती ना होई , जवन कुछ जिंदा बा उ सब अंतहीन अनंत काल में प्रवेश करेला। सब कुछ नया बा भा अउरी सटीक रूप से कहल जाव त नवीकरण भइल बा . पाप के युग के " *आकाश आधरती " गायब हो गइल बा , आ" समुंदर* ," " *मौत* " के प्रतीक अब नइखे। सृष्टिकर्ता के रूप में भगवान पृथ्वी ग्रह के रूप बदल दिहले बाड़न , ऊ सब कुछ गा यब कर दिहले बाड़न जवन एकरा निवासी लोग खातिर एगो जोखिम , खतरा के प्रतिनिधित्व करत रहे ; एह से अब ना समुंदर , ना कवनो पहाड़ जवना पर खड़ा चट्टानी चोटी होखे। ई पहिला " *अदन* " नियर एगो बड़हन बगीचा बन गइल बा जहाँ सब कुछ महिमा आशांति बा ; जवना के पुष्टि प्रकाशितवाक्य 22 में कइल जाई।

पद 2: " *हम पवित्र नगर , नया यरूशलेम के देखनी , जवन परमेश्वर के ओर से स्वर्ग से उतरत रहे , जवन कि अपना पति खातिर सजल दुलहिन के रूप में तैयार रहे।* "

ई नया पुनर्सृष्टि धरती के मुक्त चुनल संतन के सभा के स्वागत करी , जेकरा के एह श्लोक में " *पवित्र शहर* " कहल जाला , जइसे कि प्रकाशितवाक्य 11:2 में , " *नया यरूशलेम* ," ईसा मसीह के *"दुल्हिन ", ओकर" पति* "। उ " *स्वर्ग से उतरेली* ," परमेश्वर के राज्य से , जवना में उ अपना मु क्तिदाता के गौरवशाली वापसी में प्रवेश कईली। एकरा बाद उ पहिला बेर अंतिम न्याय खातिर स्वर्गीय न्याय के " *हजार साल* " के अंत में धरती प उतरली । एकरा बाद वापस स्वर्ग में चढ़ला के बाद उ तब तक इंतजार कईली जब तक कि " *नया स्वर्ग अवुरी नया धरती* " उनुका के ग्रहण करे खाती तैयार ना हो गईल। ध्यान दीं कि " *स्वर्ग* " शब्द एकवचन ह, काहे कि इ पूर्ण एकता के उकसावेला , बहुवचन के विरोध में , "

स्वर्ग ," जवन उत्पत्ति 1:1 में , आकाशीय जीव के दू गो विरोधी शिविर में बाँट के सुझाव दिहलस।

पद 3: " *हम स्वर्ग से एगो जोरदार आवाज सुननी कि दे खऽ, परमेश्वर के तम्बू आदमी के साथे बा , अउर उ उनकरा साथे रहिहें , अउर उ लोग उनकर लोग होई , अउर परमेश्वर खुद उनकरा साथे रहीहें।* "

" *नया धरती* " एगो विशिष्ट मेहमान के स्वागत करेले , काहे कि " *भगवान खुद* ," अपना पहिले के स्वर्गीय सिंहासन के छोड़ के , धरती पर आपन नया सिंहासन लगावे आवेले जहाँ ऊ शैतान , पाप आ मौत पर जीत हासिल कइले बाड़न। " *परमेश्वर के तम्बू* " भगवान यीशु मसीह के स्वर्गीय शरीर के नामित करेला " *माइकल* " (= जे परमेश्वर निहन बा)। लेकिन इ चुनल लोग के सभा के प्रतीक भी ह जवना पर यीशु मसीह के आत्मा के राज बा। " *तम् बू , मंदिर , आराधनालय , चर्च* ," ई सभ शब्द आदमी द्वारा बनावल गइल भवन होखे से पहिले संतन के छुड़ावल लोग के प्रतीक हवें ; इनहन में से हर एक ईश्वरीय परियोजना के उन्नति के एगो चरण के निशान बनावे ला। आपहिला , " *तम्बू* " इब्रानियन के मिस्र से पलायन के निर्दिष्ट करेला जवना के भगवान के मार्गदर्शन आ रेगिस्तान में ले जाइल गइल , जवन पवित्र डेरा पर खंभा निहन उतरल बादल से लउकत रहे। तब ऊ पहिलहीं से " *आदमी के साथे* " रहले , जवन एह श्लोक में एह शब्द के प्रयोग के जायज ठहरावेला। तब " *मंदिर* " " *तम्बू* " के स्थायी निर्माण के चिन्हित करे ला ; एगो काम जवना के आदेश दिहल गइल रहे आ राजा सुलैमान के समय में कइल गइल रहे। हिब्रू में , विशेष रूप से , " *आराधनालय* " शब्द के मतलब होला : सभा। प्रकाशितवाक्य 2:9 अउर 3:9 में , मसीह के आत्मा विद्रोही यहूदी राष्ट्र के " *शैतान के आराधनालय* " अभिव्यक्ति से नामित करेला । अंतिम शब्द " *चर्च* " ग्रीक (ecclesia) में सभा के नाँव देला ; बाइबल के ईसाई शिक्षा के प्रसार के भाषा। यीशु तुलना कइलन " *उनकर शरीर* " " *यरूशलेम* " के " *मंदिर* " *तक* , अउर इफिसियों 5:23 के अनुसार , सभा , उनकर " *कलीसिया* ", " *उनकर शरीर* " ह : " *काहे कि पति पत्नी के सिर ह, जइसे कि मसीह कलीसिया के सिर हवें , जवन उनकर शरीर ह, जवना के उ उद्धारकर्ता हवें* "। हमनी के याद बा कि यीशु के प्रेरित लोग के उ उदासी महसूस भइल जब उ उनकरा के स्वर्ग में चढ़े खातिर छोड़ दिहले। अबकी बेर , " *हमार पति करीहे हमरा साथे र हऽ* " चुनल आदमी " *नया धरती* " पर अपना स्थापना में कह सकेला। एही संदर्भ में प्रकाशितवाक्य 7 के " *बारह गोत्र* " के बारह नाम के संदेश ओह लोग के जीत के अमिश्रित आनन्द आ खुशी के अभिव्यक्ति कर सकेला।

पद 4: “ *उ ओह लोग के आँख से हर लोर पोंछ दिहे , अउर मौत ना होई , ना त शोक ना रोवल ना पीड़ा होई , काहेकि पहिले के बात बीत गईल बा।* ”

प्रकाशितवाक्य 7:17 के साथे संबंध के पुष्टि इहाँ उ ईश्वरीय प्रतिज्ञा के खोज से होला जवना से प्रकाशितवाक्य 7 के अंत होला : " *उ उनकर आँख से हर लोर पोंछ दिहे* । " लोर के उपाय ह आनन्द आ उल्लास। हम ओह समय के बात करत बानी जब भगवान के वादा पूरा होई आ पूरा होई। एह अद्भुत भविष्य के ध्यान से देखीं , काहे कि हमनी के सामने " *मौत , शोक , रोअल , पीड़ा* " खातिर प्रोग्राम कइल समय बा जवन अब ना होई , खाली , हमनी के उदात्त आ अद्भुत सृष्टिकर्ता भगवान के द्वारा सब चीजन के नवीकरण पर। हम निर्दिष्ट करत बानी कि ई भयानक चीज आखिरी फैसला का बाद ही गायब हो जाई जवन "हजार साल " के अंत में पूरा हो जाई . चुनल लोग खातिर , लेकिन खाली उ लोग खातिर , बुराई के असर सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश्वर के गौरवशाली वापसी पर खतम हो जाई।

पद 5: “ *सिंहासन पर बइठल कहलस कि देखऽ , हम सब कुछ नया बनावत बानी। आ कहलन कि लिखीं , काहेकि ई बात विश्वासी आ सच्चा ह।* ”

सृष्टिकर्ता परमेश्वर , व्यक्तिगत रूप से , अपना के वादा के साथ प्रतिबद्ध करेलन , अउर उ एह भविष्यवाणी के शब्द के प्रमाणित करेलन : " *देखऽ , हम सब कुछ नया बना वत बानी* ." हमनी के पार्थिव वास्तविकता में एगो छवि खोजला के कवनो मतलब नइखे कि भगवान का तइयार कर रहल बाड़न एकर अंदाजा लगावे के कोशिश कइल जाव , काहे कि जवन नया बा ओकर वर्णन ना कइल जा सके . आ अब तक भगवान हमनी के खाली हमनी के समय के दर्दनाक चीजन के याद दिलावत बा ड़न कि ऊ लोग अब " *नया धरती आ नया स्वर्ग* " में ना रही , जवन एह तरह से आपन सब रहस्य आ आश्चर्य के बरकरार रखले बा। स्वर्गदूत एह घोषणा में अउरी जोड़त बाड़न : " *काहे कि ई शब्द विश्वासी आ सच्चा बा* ." यीशु मसीह में परमेश्वर द्वारा शुरू कइल गइल अनुग्रह के आह्वान के ईश्वरीय वादा के इनाम पावे खातिर अटल विश्वास के जरूरत बा। ई एगो कठिन रास्ता ह जवन दुनिया के मानदंड के उलट बा . ई अपना मालिक के अधीन गुलाम के विनम्रता में बलिदान के , आत्मत्याग के एगो बड़हन भावना के मांग करेला। एह से हमनी के विश्वास के मजबूत करे खातिर परमेश्वर के प्रयास ठीक से जायज बा : "प्रगट अउर व्यक्त सच्चाई में निश्चय " सच्चा विश्वास के मानक ह।

पद 6: “ *आ उ हमरा से कहलस, ‘हो गइल ! हम अल्फा आ ओमेगा हईं , शुरुआत आ अंत हईं , जेकरा प्यासल बा ओकरा के हम जीवन के पानी के झरना से मुफ्त में पी देब .*”

सृष्टिकर्ता परमेश्वर ईसा मसीह "*सब कुछ नया* " बनावेलन . "*हो गइल बा !* "; भजन संहिता के नाम से जानल जाला। 33:9: "*काहेकि उ बोललें , अउर उ पूरा हो गईल ; उ आज्ञा देले , अउर उ खड़ा हो गईल* । " उनकर सृजनात्मक बात मुँह से निकलते ही पूरा हो गइल। साल 30 से , हमनी के पीछे , दानियल अउर प्रकाशितवाक् य में प्रकट भईल मसीही युग के कार्यक्रम अपना छोट से छोट विवरण तक पूरा हो गईल बा। भगवान हमनी के ओह भविष्य के फेर से देखे के नेवता देत बाड़न जवन ऊ अपना चुनल लोग खातिर तइयार कइले बाड़न ; घोषित बात भी ओही तरह से पूरा होई , पूरा निश्चितता के संगे। यीशु हमनी के प् रकाशितवाक्य 1:8 के रूप में बतावेलन : "*हम अल्फा अउर ओमेगा हईं , शुरुआत अउर अंत हईं* ." "*शुरुआत* अउर अंत "के विचार खाली हमनी के सांसारिक पाप के अनुभव में ही समझ में आवेला , जवन पापी अउर मौत के विनाश के बाद सातवीं सहस्राब्दी के "*अंत* " *में पूरा तरह से पूरा हो जाई।* एगो व्यापारिक देश में बिखराइल परमेश्वर के बेटा लोग के यीशु अर्पित करेलन , "*मुफ्त में* ," "*जीवन के पानी के झरना से* । " ऊ खुद एह "*जीवन के पानी* " *के* "*झरना* " *हवें* , जवन अनन्त जीवन के प्रतीक ह। भगवान के वरदान मुफ्त बा ; ई परिशुद्धता रोमन कैथोलिक "अनुग्रह "के बिक्री के निंदा करे ला , जवना में पोप से पइसा खातिर मिलल माफी के नामित कइल गइल।

पद 7: "*जे जीत पाई , उ सब कुछ के उत्तराधिकारी होई , हम ओकर परमेश्वर होखब , अउर उ हमार बेटा होईहे* ."

परमेश्वर के चुनल लोग यीशु मसीह के साथे सह - वारिस हवें। पहिला , अपना खुद के "*जीत* "से , यीशु के "*विरासत में मिलल* "एगो शाही महिमा जवना के उनकर सभ स्वर्गीय प्राणी पहचानत रहले। उनकरा बाद उनकर चुनल लोग भी "*विजेता* "लेकिन उनकर "*जीत* "से "*ई नया चीज* "भगवान के द्वारा विशेष रूप से उनकरा खातिर बनावल "विरासत में मिली। यीशु यूहन्ना 14:9 में प्रेरित फिलिप के सामने आपन ईश्वरीयता के पुष्टि कइलन : "*यीशु उनकरा से कहले ,* "*का हम एतना दिन से तोहरा साथे बानीं , लेकिन फिर भी तू हमरा के नइखऽ जानत , फिलिप ? जे हमरा के देखले बा , उ पिता के देखले बा ; तू कइसे कहत बाड़ऽ कि , 'हमनी के पिता के देखाईं ?* '" ऊ आदमी मसीह अपना के "*अनन्त पिता* "के रूप में पेश कइलस , एह तरह से यशायाह में भविष्यवाणी कइल गइल घोषणा के पुष्टि कइलस। 9:6 (या 5) में उनकरा बारे में बतावल गइल बा। एह से ईसा मसीह अपना चुनल लोग खातिर बाड़न , उनकर भाई आउनकर पिता दुनु। आऊ लोग खुदे ओकर भाई आ बेटा हवें। लेकिन आह्वान व्यक्तिगत बा , एहसे आत्मा कहत बा , जइसे कि "पत्र "के विषय के 7 युग के अंत में : "*जे जीत पाई ओकरा खातिर* ," "*उ हमार बेटा होई* । "

जीवित भगवान के " *बेटा* " के दर्जा से फायदा उठावे खातिर पाप पर जीत के जरूरत होला ।

पद 8: " *लेकिन घिनौना , अविश्वासी , घिनौना , हत्यारा , यौन अनैतिक , जादूगर , मूर्तिपूजक , आ सब झूठा लोग के हिस्सा ओह झील में होई जवन आग आगंधक से जरत बा , जवन दूसरा मौत ह।* "

मानव चरित्र के ई मापदंड पूरा बुतपरस्त मानवता में पावल जालें , हालाँकि , इहाँ आत्मा झूठा ईसाई धर्म के फल के निशाना बनावे ला ; यहूदी धर्म के निंदा के स्पष्ट रूप से व्यक्त कइल गइल बा अउर यीशु द्वारा प्रकाशितवाक्य 2:9 अउर 3:9 में प्रकट कइल गइल बा।

प्रकाशितवाक्य 19:20 के अनुसार , "... *आग अउर गंधक से जरत झील " अंतिम न्याय में , " जानवर अउर झूठा भविष्यवक्ता* " खातिर आरक्षित हिस्सा होई : कैथोलिक विश्वास अउर प्रोटेस्टें ट विश्वास। झूठा ईसाई धर्म झूठा यहूदी धर्म से अलग नइखे। एकर प्राथमिकता मूल्य भगवान के उल्टा बा। एह तरह से , जब फरीसी यहूदी लोग यीशु के चेलन के खाए से पहिले हाथ ना धोवे के कारण डांटत रहलन (मत्ती 15:2), यीशु कबो उनकरा के निंदा ना कइले रहलन अउर फिर कहले रहलन , मत्ती 15:2 में। 15:17 से 20: " *का रउवां इ नईखी समझत कि जवन भी मुँह में घुसेला उ पेट में जाला अउर गुप्त जगहन में फेंकल जाला ? लेकिन जवन मुँह से निकलेला उ दिल से निकलेला , अउर इ आदमी के अशुद्ध करेला। काहेकि दिल से बुरा विचार , **हत्या , व्यभिचार , व्यभिचार , चोरी , झू ठा गवाह , निंदा निकलेला** । " इहे उ चीज ह जवन आदमी के अशुद्ध करेला ; **बाकिर हाथ ना धोवल खइला से आदमी के अशुद्ध ना होला।** ". एही तरे , झूठा मसीही धर्म पहिले शरीर के पाप के दंडित करके आत्मा के खिलाफ आपन पाप के मुखौटा लगावेला। यीशु मत्ती 21:3 में यहूदी लोग के बता के आपन राय देले बाड़न : " *कर वसूली करे वाला अउर वेश्या रउवां से पहिले स्वर्ग के राज्य में जइहें* "; जाहिर बा , एह शर्त पर कि हर केहू पश्चाताप करे अउर परमेश्वर अउर उनकर पवित्रता में बदले। इ झूठ बा कि यीशु " *आन्हर कहेलन मार्गदर्शन करेला* " कि उ मत्ती 23:24 में निंदा करेला , " *चींट के छान के ऊंट के निगलला खातिर* ", या " लूका 6:42 अउर मत्ती 7:3 से 5 के अनुसार " *अपना पड़ोसी के आँ ख में धब्बा देखला खातिर* " ।

जे केहू एह सब व्यक्तित्व लक्षणन के साथे पहचान करेला , ओकरा खातिर कवनो उम्मीद नइखे जवन यीशु सूचीबद्ध कइले बाड़न। अगर एक पात्र भी राउर स्वभाव पर फिट बइठत बा त ओकरा से लड़े के पड़ी आ अपना खामी के पार करे के पड़ी . आस्था के पहिला

लड़ाई अपना खिलाफ होला ; आई सबसे कठिन प्रतिकूलता ह जवना से पार पावल जा सकेला .

एह गणना में , ओह लोग के आध्यात्मिक अर्थ के विशेषाधिकार देत , ईसा मसीह , महान ईश्वरीय न्यायाधीश , पोप के रोमन कैथोलिक धर्म के प्रकार के झूठा ईसाई विश्वास के जिम्मेदार ठहरावल दोष के हवाला दे ले बाड़न। "कायर लोग " के निशाना बना के ऊ ओह लोग के नामित करेला जे अपना आस्था के लड़ाई में जीते से मना कर देला , काहे कि ओकर वादा सब " *जे जीते वाला खातिर* " आरक्षित बा . अब लड़े से मना करे वाला के कवनो जीत संभव नइखे . " *वफादार गवाह* " के साहसी होखे के चाहीं ; कायर से बाहर निकल जाला। " *बिना विश्वास के परमेश्वर के खुश कइल असंभव बा* " (इब्रानियों 11:6); बाहर निकले के , " *अविश्वासी* ." अउर जवन विश्वास यीशु के विश्वास के अनुरूप नइखे जवन नकल करे के मॉडल के रूप में दिहल गइल बा , उ खाली अविश्वास ह। " *घृणित चीज* " *भगवान खातिर घृणित होला* आ ऊ बुतपरस्त लोग के फल बनल रहेला ; बाहर निकलीं , " *घिनौना* ." इ एगो अपराध ह जवन प्रकाशितवाक्य 17:4-5 के अनुसार " महान बेबिलोन , वेश्या अउर *धरती के घिनौना चीजन के महतारी* " *के जिम्मेदार ठहरावल जाला।* " *हत्यारा* " छठवाँ आज्ञा के उल्लंघन करेला ; बाहर निकलल , " *हत्यारा* ." हत्या के श्रेय कैथोलिक आस्था आदान के अनुसार " *पाखंडी* " *लोग के प्रोटेस्टेंट आस्था के बतावल जाला।* 11:34 बजे के बा। " *व्यभिचारी* " आपन रास्ता बदल सकेलें आ अपना बुराई पर काबू पा सकेलें , ना त ; बाहर निकलल , " *व्यभिचारी* "। बाकिर " *वेश्या* " *के तुलना में कैथोलिक आस्था के जिम्मेदार ठहरावल* आध्यात्मिक " *व्यभिचार* " ओकरा खातिर स्वर्ग के दरवाजा पूरा तरह से बंद कर देला . एतने ना , भगवान एकरा में " *व्यभिचार* " के निंदा करेले जवन आध्यात्मिक " *व्यभिचार* " के ओर ले जाला : शैतान के संगे व्या पार। " *जादूगर* " कैथोलिक पादरी आ प्रोटेस्टेंट हवें जे राक्षसी अध्यात्म में निपुण होलें ; बाहर निकलल , " *जादूगर* "; ई काम प्रकाशितवाक्य 18:23 में " *महान बेबिलोन* " *के जिम्मेदार ठहरावल गइल बा।* " *मूर्तिपूजक* " कैथोलिक बिसवास के भी कहल जाला , एकर नक्काशीदार मूर्ति सभ के पूजा आप्रार्थना के चीज के रूप में ; बाहर निकलल , " *मूर्तिपूजक* "। अउर अंत में , यीशु " *झूठा लोग* " के हवाला देत बाड़न जेकर आध्यात्मिक पिता " *शैतान हवें , शुरू से झूठा अउर हत्यारा अउर झूठ के पिता* " यूह न्ना 8:44 के अनुसार ; बाहर निकलीं , " *झूठा* ."

पद 9: “ *तब सात गो स्वर्गदूत में से एगो स्वर्गदूत जेकरा लगे सात गो आखिरी विपत्तियन से भरल सात कटोरा रहे , आके हमरा से बात कइलस , ‘आ जा , हम तोहरा के दुलहिन , मेमना के मेहरारू देखा देब।* ’”

एह श्लोक में , आत्मा चुनल लोग खातिर प्रोत्साहन के संदेश के संबोधित करेले जे विजयी रूप से दिव्य " *सात गो आखिरी विपत्ति* " के दुखद अउर भयानक समय से गुजरीहें। उनकर इनाम देखल होई (" *हम रउवा के देखा दैब* ") विजयी चुनल लोग खातिर आरक्षित महिमा जे पाप के धरती के एह अंतिम ऐतिहासिक चरण में , " *दुल्हिन , मेमना के पत्नी* ," यीशु मसीह के गठन करेला अउर प्रतिनिधित्व करेला।

" *सात गो स्वर्गदूत जेकरा लगे सात गो आखिरी विपत्तियन से भरल सात गो कटोरा रहे* " ओह इंसानन के निशाना बनावत रहले जे पिछला श्लोक में उद्धृत झूठा ईसाई धर्म के मापदंड के पूरा करत रहले . ई " *सात गो आखिरी विपत्ति* " उ हिस्सा रहे जवन भगवान जल्दिये गिरल शिविर के दे दिहे। उ अब हमनी के , प्रतीकात्मक बिम्ब में , उ हिस्सा देखा दिहे जवन विजयी छुटकारा पावल चुनल लोग के वापस आ जाई। एगो प्रतीकात्मकता में जवन भावना के उजागर करेला जवन परमेश्वर के उनकरा खातिर बा , स्वर्गदूत चुनल लोग के देखा दिहे जेकर सभा सामूहिक रूप से " *मेमना के दुल्हिन* " के गठन करेला। निर्दिष्ट करके , " *मेमना के पत्नी* ", आत्मा इफिसियों 5:22 से 32 में दिहल शिक्षा के पुष्टि करेला प्रेरित पौलुस एगो आदर्श पति -पत्नी के संबंध के वर्णन करेलन जवन , अफसोस , खाली चुनल आदमी के मसीह के साथे संबंध में ही आपन पूराता पाई। अउर हमनी के उत्पत्ति के कहानी के दोबारा पढ़े के सीखल जरूरी बा , एह पाठ के आलोक में जवन जीवित परमेश्वर के आत्मा , सब जीवन के रचनाकार , अउर एकर सिद्ध मूल्यन के शानदार आविष्कारक द्वारा दिहल गइल बा। " *औरत* " शब्द "*दुल्हिन* ," मसीह के " *चुनल* " के प्रकाशितवाक्य 12 में प्रस्तुत " *औरत* " के छवि से जोड़त बा।

महिमामंडित चुनल आदमी के सामान्य वर्णन

पद 10: “ *उ हमरा के आत्मा में एगो बड़हन आ ऊँच पहाड़ पर ले गइलन , आ हमरा के पवित्र शहर यरूशलेम के देखा दिहलन जवन परमेश्वर के महिमा से स्वर्ग से उतरत रहे।* ”

सातवीं सहस्राब्दी के " *हजार साल* " के स्वर्गीय न्याय के बाद यीशु मसीह अउर उनकर चुनल गइल लोग स्वर्ग से उतरेला । प्रकाशितवाक्य 14:1 में , " *144,000* " " *सीलबंद* " ईसाई आध्यात्मिक " *बारह गो गोत्र* " के एडवेंचर लोग के " *सिय्योन पहाड़* " पर देखावल गइल। " *हजार साल* " के बाद *भविष्यवाणी कइल गइल बात* " *नया धरती* " के वास्तविकता में पूरा हो जाला . यीशु मसीह के वापसी के बाद से चुनल लोग के परमेश्वर से एगो महिमामंडित आकाशीय शरीर मिलल बा जवन अनन्त बनावल गईल बा। एह तरह से उ लोग " *भगवान के महिमा* " के

प्रतिबिंबित करेला . एह परिवर्तन के भविष्यवाणी प्रेरित पौलुस द्वारा 1 कुरिन्थियों में कइल गइल बा। 15:40-44: " *आकाशीय पिंड आ पार्थिव पिंड भी बा। लेकिन आकाश के पिंड के महिमा एक ह, आस्थल के महिमा दूसरा ह। सूरज के महिमा एक ह, चाँद के महिमा दूसरा ह, अवरू तारा के महिमा दूसरा ह, काहे कि एक तारा के महिमा में दूसरा तारा से अलग बा। " मुअल लोग के जी उठला के साथ भी इहे हाल बा। देह भ्रष्टाचार में बोवल जाला ; ऊ अविनाशी में उठल बा ; तिरस्कार में बोवल जाला , महिमा में जिंदा हो जाला। कमजोरी में बोवल जाला , शक्ति में जिंदा होला। एकरा के प्राकृतिक शरीर बोवल जाला , एकरा के आध्यात्मिक शरीर के रूप में उठावल जाला। अगर प्राकृतिक शरीर बा त आध्यात्मिक शरीर भी बा .*

पद 11: " *उनकर चमक एगो बहुत कीमती पत्थर निहन रहे , जवन कि यास्पर के पत्थर निहन रहे , जवन कि स्फटिक निहन साफ रहे।* "

पिछला श्लोक में उद्धृत , " *परमेश्वर के महिमा* " जवन एकर विशेषता ह , ओकर पुष्टि बा काहे कि " *यास्पर पत्थर* " प्रकाशितवाक्य 4:3 में " *जे सिंहासन पर बइठल बा* " के पहलू के भी निर्दिष्ट करेला । दुनो श्लोक के बीच , हमनी के एगो अंतर नोट करेनी जा काहे कि प्रकाशितवाक्य 4 में , न्याय के संदर्भ खातिर , एह " *यास्पर पत्थर* " *जवन परमेश्वर के प्रतीक ह, ओकरा में भी* " *सार्डियस* " के पहलू बा । इहाँ पाप के समस्या के समाधान हो गईला के बाद चुनल गईल अपना के पूर्ण शुद्धता के एगो पहलू में पेश करेले " *क्रिस्टल के रूप में पारदर्शी* "।

पद 12: " *एकर देवाल बड़हन आ ऊँच रहे , आ बारह गो फाटक रहे , आ फाटक पर बारह गो स्वर्गदूत , आ ओकरा पर इस्राएल के बारह गो गोत्र के नाम लिखल रहे।* "

ईसा मसीह के आत्मा द्वारा प्रस्तावित छवि " ***मंदिर के प्रतीकात्मकता पर आधारित बा आध्यात्मिक*** " ***पवित्र*** " के उल्लेख इफिसियों में कइल गइल बा। 2:20 से 22: " *रउवां प्रेरित अउर भविष्यवक्ता लोग के नींव पर बनल बानी , खुद यीशु मसीह आधारशिला हवें। उनकरा में सब भवन , एक साथ फिट प्रेम कइल, प्रभु में एगो* ***पवित्र मंदिर में बढ़ जाला*** *। उनकरा में रउवां के भी एक साथ बनावल जा रहल बा आ आत्मा में परमेश्वर के निवास स्थान खातिर।* " लेकिन इ परिभाषा खाली प्रेरित युग के चुनल आदमी से संबंधित रहे। " *ऊँच देवाल* " में ईसाई बिसवास के बिकास के चित्रण साल 30 से ले के साल 1843 ले देखावल गइल बा ; हमनी के ध्यान दीं कि एह तारीख तक प्रेरित लोग के समझल अउर सिखावल सच्चाई के मानक अपरिवर्तित रहल। एही से 321 में स्थापित आराम के

दिन के बदलाव यीशु मसीह के खून से परमेश्वर के साथे कइल गइल पवित्र वाचा के **तोड़ देला ।** एह भविष्यवाणी के प्रकाशितवाक्य के सच्चा प्राप्तकर्ता लोग के बारे में , जवन प्रतीक एडवेंटिस्ट विश्वास के छवि बनावेला , जवन परमेश्वर द्वारा 1843 से अलग कईल गईल बा , के छवि " *फिलाडेल्फिया* " *(प्रकाशितवाक्य 3:7)* के चुनल लोग के सामने " *बारह दरवाजा* " " *खुलल* " अउर " *सरदीस* " (प्रकाशितवाक्य 3:1) के गिरल " *जिंदा मरल लोग* " *से पहिले* " *बंद* " *से कइल गइल बा।* उ लोग " *परमेश्वर के मुहर से मुहर लगावल 12 गोत्र के नाम धारण करेला* " प्रकाशितवाक्य 7 में।

पद 13: " *पूरब में तीन फाटक , उत्तर में तीन फाटक , दक्षिण में तीन फाटक आपश्चिम में तीन फाटक।* "

चार गो कार्डिनल बिंदु सभ के ओर " *दरवाजा* " *सभ के ई ओरिएंटेशन एकरे सार्वभौमिक चरित्र के देखावे ला ;* जवन ओह धर्म के निंदा करे ला आनाजायज बनावे ला जे सार्वभौमिक होखे के दावा करे ला , जेकर अनुवाद ग्रीक मूल "कैथोलिकोस " भा "कैथोलिक " से कइल गइल बा। एह तरह से , 1843 से , भगवान खातिर , एडवेन्टिज्म एकमात्र ईसाई धर्म ह जवना के उ आपन " *शाश्वत सुसमाचार* " (प्रकाशितवाक्य 14:6) के धरती के आबादी के सिखावे के एगो सार्वभौमिक मिशन खातिर सौंपले बाड़े। दुनिया के अंत तक जवन सच्चाई उ अपना आध्यात्मिक चुनल आदमी के प्रकट करेलन ओकरा के छोड़ के कवनो उद्धार नइखे . एडवेंटिज्म के जनम एगो धार्मिक पुनर्जागरण आंदोलन के रूप में भइल जे ईसा मसी ह के वापसी के घोषणा से प्रेरित रहल जेकर उमेद , पहिली बेर , 1843 के बसंत खातिर भइल ; आई एह चरित्र के तब ले बरकरार रखे के पड़ी जबले कि ईसा मसीह के सही अंतिम वापसी 2030 के बसंत में होखे वाला बा काहें से कि "आन्दोलन " लगातार बिकास में होखे वाली गतिविधि हवे , ना त ई अब "आन्दोलन " ना रहल , बलुक "अवरुद्ध संस्था " आमरल बा , जवन परंपरा आधार्मिक औपचारिकता के विशेषाधिकार देला ; माने कि ऊ हर चीज जवना से भगवान नफरत करेलें आ निंदा करेलें ; आ विद्रोही यहूदी लोग में पहिलहीं से निंदा कर चुकल बा , पहिला अविश्वासी लोग।

कालक्रम से विस् तृत विवरण दिहल गइल बा

ईसाई आस्था के मूल बात

पद 14: " *शहर के देवाल के बारह गो नींव रहे आओह पर मेमना के बारह गो प्रेरितन के बारह गो नाम रहे।* "

ई श्लोक प्रेरित ईसाई विश्वास के चित्रण करेला जवन , जइसन कि हमनी के देखले बानी जा , 30 से 1843 के बीच के समय के कवर करेला , अउर जवना के शिक्षा के

रोम द्वारा 321 से 538 में विकृत कर दिहल गइल रहे । 2:4-5: " *उनकरा लगे आजा , **एगो जीवित पत्थर** , जेकरा के आदमी ठुकरा दि हल गइल बा , लेकिन परमेश्वर के नजर में चुनल अउर अनमोल बा ; अउर तू खुद **जीवित पत्थर निहन एगो आध्यात्मिक घर , एगो पवित्र पुरोहिताई के** रूप में बनावल जा रहल बाड़ , ताकि यीशु मसीह के द्वारा परमेश्वर के स्वीकार्य आध्यात्मिक बलिदान चढ़ावल जा सके । "*

पद 15: " *हमरा से बात करे वाला के लगे एगो नाप खातिर सोना के खढ़ रहे , जवना से शहर , ओकर फाटक आओकर देवाल नापल जा सके। "*

नापे " या , न्याय करे के सवाल बा , महिमामंडित चुनल आदमी के मूल्य पर , एडवेन्टिस्ट युग (*12 फाटक*), अउर प्रेरित विश्वास (*नींव अउर दीवार*) पर। अगर प्रका शितवाक्य 11:1 के " *खढ़ " " छड़ी के तरह* " रहे , सजा के साधन रहे , त एकर बिल्कुल उल्टा , त एह श्लोक के " *सोना के खढ़* " ह ; " *सोना " " परीक्षण से शुद्ध विश्वास* " के प्रतीक होखला के नाते , 1 पतरस के अनुसार। 1:7: " *ताकि तोहनी के विश्वास के परीक्षा , नाश होखे वाला सो ना से भी अधिक कीमती होखला के नाते (हालांकि उ आग से परखल जाला), यीशु मसीह के प्रकटीकरण के समय स्तुति अउर महिमा अउर सम्मान के परिणाम मिल सके* "। एह से विश्वास परमेश्वर के न्याय के मानक ह।

पद 16: " *शहर के आकार चौकोर निहन रहे अवुरी ओकर लंबाई ओकर चौड़ाई के बराब र रहे , उ शहर के खढ़ से नापले अवुरी पाता चलल कि उ बारह हजार स्टेड रहे , ओकर लंबाई , चौड़ाई अवुरी ऊँचाई बराबर रहे। "*

" *वर्ग* " सतही रूप से सही आदर्श रूप ह। ई मूल रूप से मूसा के समय में बनल तम्बू के "पवित्र के पवित्र " या "सबसे पवित्र जगह " के पहलू में पावल जाला। " *वर्ग* " के आकार एगो बुद्धिमान निहितार्थ के प्रमाण बा , प्रकृति कवनो सही " *वर्ग* " प्रस्तुत ना करेले । भगवान के बुद्धि हिब्रू रू पवित्र स्थान के आयाम में लउकेला जवन तीन " *वर्ग* " के संरेखण से बनल रहे। दू गो के इस्तेमाल " *पवित्र स्थान* " खातिर कइल गइल आ तीसरा , " *पवित्र के पवित्र* " या " *सबसे पवित्र स्थान* " खातिर , जवन विशेष रूप से परमेश्वर के उपस्थिति खातिर आरक्षित रहे आपरिणामस्वरूप , " *एगो पर्दा* " से अलग कइल गइल , पाप के छवि जवना के प्रायश्चित यीशु अपना घड़ी में करीहें। तीन तिहाई के ई अनुपात भगवान द्वारा परिकल्पित बचाव परियोजना में चुनल लोग के चयन खातिर समर्पित 6000 या तीन गुना 2000 साल के छवि में रहे। एह चयन के अंत में , चुनल लोग के एह तरीका से " *सबसे पवित्र जगह* " के " *चौकोर* " *द्वारा चित्रित कइल गइल बा* जवन उद्धार के परियोजना के पराकाष्ठा के भविष्यवाणी कइले रहे ; मसीह में वाचा

के कारण मिलल मेलमिलाप के कारण ई आध्यात्मिक जगह सुलभ हो रहल बा। अउर एह तरह से वर्णित मंदिर के आध्यात्मिक " *चौकोर " के नींव 3 अप्रैल , 30 के मिलल , जब उद्धार के शुरुआत हमनी के मुक्तिदाता यीशु मसीह के स्वैच्छिक प्रायश्चित मौत से भइल। " वर्ग " के* छवि सच्चा पूर्णता के एह परिभाषा के सिद्ध करे खातिर पर्याप्त नइखे जवना के प्रतीकात्मक संख्या "तीन " होखे . साथ ही , ई एगो "घन " के ह जवन हमनी के सोझा पेश कइल जाला। उहे नाप होखला के चलते , " *लंबाई , चौड़ाई , अउर ऊंचाई* " में , हमनी के लगे इ समय बा , सही "घन " पूर्णता के प्रतीक "तीन ", यीशु मसीह द्वारा छुड़ावल चुनल लोग के सभा के। 2030 में " *चौकोर शहर* , (आ घन भी : " *एकर ऊँचाई* "), *एकर नींव आएकर बारह गो गेट* " के निर्माण पूरा हो जाई। एकरा के घन रूप देके , आत्मा "शहर " के शाब्दिक व्याख्या पर रोक लगावेले जवन भीड़ एकरा के देला।

नापल गइल संख्या , " *12,000 स्टेड्स* ," के मतलब उहे बा जवन प्रकाशितवाक्य 7 के " *12,000 सीलबंद* " के ह , याद दिलावत बा कि : 5 + 7 x 1000, यानी , आदमी (5) + भगवान (7) x भीड़ में (1000)। " *स्टेडियम* " शब्द ओह दौड़ में ओह लोग के भागीदारी के सुझाव देला जेकर लक्ष्य पौलुस के शिक्षा के अनुसार " *स्वर्गीय बोलावल के पुरस्कार जीतल " बा , फिलिम 10 में।* 3:14: " *हम लक्ष्य के ओर दबावत बानी , ताकि मसीह यीशु में परमेश्वर के स्वर्गीय बोलावल के इनाम मिले।* "; अउर 1 कुरिन्थियों में। 9:24: " का रउवां नइख जानत कि ***स्टेडियम*** *में दौड़त लोग सब दौड़ेला , लेकिन एक के इनाम मिलेला ? अइसन दौड़ल जाव कि उ जीतल जा सके।* " विजयी चुनल लोग दौड़ल अउर उ लोग यीशु मसीह में परमेश्वर के ओर से दिहल पुरस्कार जीतल।

पद 17: “ *उ देवाल के नाप के देखले कि उ एक सौ चौवालीस हाथ के रहे , जवन कि एगो आदमी के नाप के मुताबिक रहे , जवन कि एगो स्वर्गदूत के नाप रहे।* ”

" *हाथ* ", धोखा देवे वाला उपाय के पी छे , भगवान हमनी के आपन निर्णय के प्रकट करेलन अउर उ हमनी के प्रकट करेलन कि खाली "5" संख्या से प्रतीकित आदमी जे भगवान के साथे गठबंधन कइले बाड़े जेकर संख्या "7" बा , चुनल आदमी के रचना में प्रवेश करेलन। एह दुनों संख्या के कुल मिला के "12" मिलेला जवन , "वर्ग " कइल , संख्या "144" देला। सटीकता " *आदमी के नाप " " आदमी "* के न्याय के पुष्टि करेला जेकरा के चुनल गइल बा जेकरा के यीशु मसीह के बहावल खून से मुक्त कइल गइल बा। एह तरह से "12" संख्या भगवान के साथे समाप्त भइल पवित्र गठबंधन के परियोजना के सभ चरण में मौजूद बा : 12 हिब् रू कुलपति , ईसा मसीह के 12 प्रेरित , आ12 गोत्र

1843-1844 से स्थापित एडवेंटिस्ट विश्वास के देखावे खातिर।

पद 18: " *देवाल यास्पर से बनल रहे , आ शहर शुद्ध सोना के रहे , जवन साफ कांच निहन रहे।* "

एह प्रतीकन के माध्यम से भगवान 1843 तक अपना चुनल चुनल लोग के द्वारा प् रदर्शित विश्वास के सराहना के खुलासा करेलन , अक्सर ओह लोग के लगे बहुत कम रोशनी रहे , लेकिन भगवान के सामने उनकर गवाही उनकर भरपाई करत रहे अउर प्रेम से भर देत रहे। एह श्लोक के "*शुद्ध सोना आ शुद्ध कांच* " ओह लोग के आत्मा के पवित्रता के दर्शावत बा . उ लोग अक्सर यीशु मसीह के द्वारा प्रकट कइल गइल परमेश्वर के वादा में जवन भरोसा रखले रहले , ओकरा नाम पर आपन जीवन छोड़ देले। ओकरा पर जवन भरोसा कइल गइल बा ऊ निराश ना होखी ; ऊ खुद ओह लोग के स्वागत करीहें " *पहिला पुनरुत् थान* ," सही मायने में " *मसीह में मरल लोग के* ," 2030 के बसंत में।

एपोस्टोलिक नींव के बा

पद 19: " *शहर के देवाल के नींव हर तरह के कीमती पत्थर से सजावल रहे : पहिला नींव यास्पर , दूसरा नीलम , तीसरा कलसिडोनी आचउथा पन्ना रहे ,* "

पद 20: " *सार्डोनिक्स के पांचवा , सार्डियस के छठवां , क्राइसोलाइट के सातवां , बेरिल के आठवां , पुखराज के नौवां , क्राइसोप्रेस के दसवां , जैसिंट के एगारहवां , नीलम के बारहवां।* "

भगवान जानत बाड़न कि मनुष्य के विचार का होला आजब ऊ कीमती पत्थर के काटला भा पॉलिश कइला पर ओकर सुं दरता के तारीफ करेला त ओकरा का महसूस होला . एह चीजन के हासिल करे खातिर कुछ लोग अपना के बर्बाद करे के हद तक भाग्य खर्च करेला , एतना बड़ होला ओह लोग के प्रति स्नेह। ठीक ओही तरह से भगवान एह मानवीय भावना के इस्तेमाल अपना प्रिय आधन्य चुनल लोग खातिर जवन भावना बा ओकरा के व्यक्त करे खातिर करीहें .

ई अलग-अलग " *कीमती पत्थर* " हमनी के सिखावेला कि चुनल लोग एक जइसन क्लोन ना हवे , काहे कि हर व्यक्ति के आपन व्यक्तित्व होला , शारीरिक स्तर पर , जाहिर बा , लेकिन खासकर आध्यात्मिक स्तर पर , अपना चरित्र के स्तर पर। यीशु के " *बारह प्रेरित* " के दिहल उदाहरण एह विचार के पुष्टि करेला। यूहन्ना अउर पतरस के बीच , कतना अंतर बा ! हालांकि , यीशु दुनो लोग के अंतर के संगे अवुरी अंतर खाती प्यार कईले। भगवान के बनावल जीवन के असली समृद्धि व्यक्तित्व के एह विविधता में बा जवन सब जानत रहे कि कइसे

उनु का के अपना दिल आ अपना पूरा आत्मा में पहिला स्थान दिहल जाव .

एडवेंटिज्म के धर्म के बारे में बतावल गइल बा

पद 21: " *बारह फाटक बारह गो मोती रहे , हर फाटक एके मोती के रहे , शहर के गली शुद्ध सोना के रहे , जवन पारदर्शी कांच निहन रहे।* "

1843 से चुनल गइल चुनल लोग मु क्तिदाता न्यायाधीश के न्याय में ओह लोग से पहिले के विश्वास से बेहतर विश्वास नइखे देखावत। " *एक मोती* " के प्रतीक धन्य एडवेन्टिज्म के ईश्वरीय उद्धार के योजना के पूरा समझ तक पहुंच के कारण बा। भगवान खातिर 1843 से चुनल एडवेन्टिस्ट चुनल लोग अपना के उनकर सब प्रकाश पावे के लायक देखा दिहले बा। लेकिन ई लगातार बढ़त -बढ़त दिहल जा रहल बा , खाली अंतिम असहमत एडवेंचर लोग के ही भविष्यवाणी के व्याख्या के अंतिम सही रूप मिलेला। हमार मतलब इ बा कि आखिरी चुनल एडवेन्टिस्ट के मूल्य एपोस्टोलिक समय से छुटकारा पावे वाला दूसरा से ज्यादा ना होई। " *मोती* " भगवान के ओर से गति में सेट कइल गइल बचाव योजना के पराकाष्ठा के संकेत देला। एह में एगो खास अनुभव के खुलासा होला जवना में पोप के रोमन कैथोलिक आस्था आ धर्मत्याग में गिरल प्रोटेस्टेंट आस्था के विकृत आ हमला कइल **<u>सगरी सिद्धांतगत सच्चाई के बहाल कइल शामिल रहे .</u>** अउर अंत में , इ हमनी के उ अपार महत्व के खुलासा करेला जवन परमेश्वर 1843 के बसंत में दानियल 8:14 के फरमान के लागू करे के देत हउवें : " *जब तक कि द्व हजार तीन सौ शाम अउर सबेरे ना हो जाई , अउर पवित्रता सही हो जाई ।* " " *मो ती* " *एह* " *जायज पवित्रता* " के छवि ह जवना के दोसरा कीमती पत्थरन का तरह काट के आपन सुंदरता ना देखावे के चाहीं . एह अंतिम संदर्भ में , पवित्र चुनल गइल लोग के सभा सामंजस्यपूर्ण , प्रकाशितवाक्य 14:5 के अनुसार " *निर्दोष* " प्रतीत होला , परमेश्वर के उ सब महिमा देला जव ना के उ हकदार बाड़े। भविष्यवाणी वाला सब्त के दिन अउर उनकर भविष्यवाणी कइल गइल सातवीं सहस्राब्दी एक साथ आवेला अउर महान सृष्टिकर्ता परमेश्वर द्वारा परिकल्पित उद्धार परियोजना के सब पूर्णता में पूरा होला। उनकर " *बहुत दाम के मोती* " मत्ती के। 13:45-46 में उ सब वै भव के अभिव्यक्ति बा जवन उ एकरा के देवे के चाहत रहले।

नया यरूशलेम के बड़हन बदलाव

आत्मा निर्दिष्ट करेले : " *शहर के गली शुद्ध सोना के रहे , पारदर्शी कांच के तरह।* " एह " *शुद्ध*

सोना के गली " या शुद्ध विश्वास के हवाला देके , उ पेरिस के गली से तुलना के सुझाव देले बाड़े जवन प्रकाशितवाक्य 11:8 में " *सदोम अउर मिस्र* " नाम प्राप्त करके पाप के छवि धारण करेला।

पद 22: " *हम ओकरा में कवनो मंदिर ना देखनी , काहे कि सर्वशक्तिमान प्रभु परमेश् वर एकर मंदिर हवें आ मेमना हवें।* "

प्रतीकन के समय खतम हो गइल बा , चुनल लोग दिव्य उद्धार परियोजना के सही उपलब्धि में प्रवेश कर गइल बा . जइसन कि हमनी के आजधरती पर कल्पना करत बानी जा , सभा के " *मंदिर " के अब कवनो काम ना होई।* अनन्त काल अउर वास्तविकता में प्रवेश " ***परछाईं*** " के बेकार कर दिही जवन कुलुस्सियों 2:16-17 के अनुसार उनकरा के भविष्यवाणी कइले रहे : " *एह से केहू रउवां के खान - पान , या कवनो पवित्र दिन , या अमावस्या , या सब्त के दिन के बारे में न्याय मत करे : इ सब आवे वाला चीजन के* ***छाया ह*** *, लेकिन शरीर मसीह में बा ।* " धेयान ! एह श्लोक में " *सब्त के* " सूत्र " *सब्त के दिन* " के संदर्भित करेला जवन धार्मिक परब के कारण होला आ ना कि " *साप्ताहिक सब्त* " के जवन दुनिया के रचना के बाद से सातवाँ दिन भगवान द्वारा स्थापित आ पवित्र कइल गइल रहे। जइसे मसीह के पहिला आगमन से उत्सव के संस् कार बेकार हो गइल जवन पुरान वाचा में उनकर भविष्यवाणी कइले रहे , अनंत काल में प्रवेश से पार्थिव प्रतीकन के अप्रचलित कर दिहल जाई आ चुनल लोग के मेमना के देखे , सुने आ पीछे चले के अनुमति मिली , यानी कि ईसा मसीह , सच्चा पवित्र ईश्वरीय " *मंदिर* " जवन , अनन्त काल खातिर , सृजनात्मक आत्मा के दृश्य अभिव्यक्ति होई।

पद 23: " *शहर में चमके खातिर सूरज भा चाँद के जरूरत ना रहे , काहे कि परमेश्वर के महिमा ओकरा के रोशनी देत रहे , आमेमना ओकर दीया रहे।* "

दिव्य अनंत काल में चुनल लोग हमनी के वर्तमान सूरज नियर प्रकाश स्रोत के बिना स्थायी प्रकाश में रहे ला , जेकर अस्तित्व खाली " *दिन आ रात* " के बारी -बारी से जायज होला ; " *रात भा अन्हार* " पाप के चलते धर्मी ठहरावल जाला। एक बार जब पाप के समाधान हो जाला अउर खतम हो जाला , त खाली " *उजाला* " के गुंजाइश बा जवना के परमेश्वर उत्पत्ति 1:4 में " *अच्छा " घोषित कइले बाड़न।*

परमेश्वर के आत्मा अदृश्य रहेला , अउर यीशु मसीह उ पहलू हवें जवना में उनकर प्राणी उनका के देख सकेला। एही क्षमता में उनुका के अदृश्य भगवान के " *मशाल " के रूप में पेश कइल जाला।*

बाकिर आध्यात्मिक व्याख्या से एगो बड़हन बदलाव के पता चलेला . स्वर्ग में प्रवेश कइला के

बाद , चुनल लोग के सीधे यीशु के द्वारा सिखावल जाई , तब ओह लोग के अब " *सूरज* ," नया वाचा के प्रतीक के जरूरत ना पड़ी , ना ही " *चाँद* ," पुरान यहूदी वाचा के प्रतीक के ; दुनो , प्रकाशितवाक्य 11:3 के अनुसार , पवित्रशास्त्र में , बाइबिल के " *द्व गो गवाह* " हवें , जवन आदमी के उनकर उद्धार योजना के खोज अउर समझ में प्रबुद्ध करे खातिर उपयोगी हवें। संक्षेप में कहल जाव त चुनल लोग के अब पवित्र बाइबल के जरूरत ना पड़ी।

पद 24: " *राष्ट्र ओकर रोशनी में चली , अउर धरती के राजा ओकरा में आपन महिमा ले अइहें।* "

" *राष्ट्र* र " ऊ" *राष्ट्र* " हवें जे आकाशीय बाड़ें या आकाशीय हो गइल बाड़ें। " *नया धरती* " भी भगवान के नया राज्य बन गइल बा , उहे हर जीव के सृष्टिकर्ता भगवान के पा सकेला। " *धरती के राजा* " जे चुनल लोग के गठन करेला " उ लोग " *नया धरती* " पर स्थापित एह अनन्त जीवन में अपना आत्मा के पवित्रता के " *महिमा* " *ले अइहें* . ई अभिव्यक्ति " *धरती के राजा* ," जवन अधिकतर विद्रोही पार्थिव अधिकारियन के अपमानजनक तरीका से निशाना बनावेला , प्रकाशितवाक्य 4:4 अउर 20:4 में चुनल लोग के सूक्ष्म रूप से नामित करेला जहाँ उ लोग के " *सिंहासन* " पर " *बइठल* " *प्रस्तुत कइल गइल बा* । एही तरे हमनी के प्रकाशितवाक्य 5:10 में पढ़ेनी जा : " तू उनकरा के हमनी के परमेश्वर के ***राज्य अउर याजक*** *बनवले बाड़* , *अउर उ लोग धरती पर* ***राज करीहे*** । "

पद 25: " *दिन में एकर फाटक बंद ना होई , काहे कि उहाँ रात ना होई।* "

संदेश में वर्तमान असुरक्षा के गायब होखे के रेखांकित कईल गईल बा। शाश्वत , अंतहीन दिन के रोशनी में शांति आसुरक्षा एकदम सही होई। जीवन के इतिहास में धरती पर अन्हार के छवि खाली ओह लड़ाई के चलते बनल रहे जवन शैतान के शिविर के " *अन्हार* " के खिलाफ दिव्य " *प्रकाश* " *के खड़ा कर देत रहे।*

पद 26: " *राष्ट्रन के महिमा आसम्मान ओकरा में ले आवल जाई।* "

6,000 साल ले लोग अपना के जनजाति , लोग आ राष्ट्र में संगठित कइल। ईसाई युग के दौरान , पश्चिम में , लोग अपना राज्य के राष्ट्र में बदल दिहल , आ चुनल ईसाई लोग के ओह लोग में से चुनल गइल काहें से कि ऊ लोग यीशु मसीह में भगवान के दिहल *"महिमा आसम्मान " के कारण।*

पद 27: " *कवनो अशुद्ध करे वाला चीज ओकरा में ना घुसी , ना केहू घिनौना काम या झूठ बोलेला , बल्कि खाली उहे लोग जे मेमना के जीवन के किताब में लिखल बा .* "

भगवान एह बात के पुष्टि करेलन कि उद्धार उनकर ओर से एगो बड़हन मांग के वस्तु ह। अनन्त जीवन पावे खातिर खाली बिल्कुल शुद्ध आत्मा के चुनल जा सकेला , जवन ईश्व रीय सत्य के प्रेम के गवाही देत बा। एक बेर फेरु से , आत्मा " *अपवित्र* " के आपन अस्वीकार के नवीनीकरण करेला जवन प्रकाशितवाक्य 3:4 में " *सार्डिस* " के संदेश में पतित प्रोटेस्टेंट विश्वास के नामित करेला , अउर कैथोलिक विश्वास जवना के अनुयायी " *घिनौना चीज खातिर समर्पि त बा अउर झूठ* " धार्मिक अउर नागरिक। काहे कि , जे भगवान के ना ह , ऊ लोग शैतान आओकर राक्षसन के हेरफेर करे देला .

एक बार फिर से , आत्मा हमनी के याद दिलावत बा कि आश्चर्य आदमी खातिर आरक्षित बा काहे कि परमेश्वर , दुनिया के स्थापना के समय से ही , अपना चुनल लोग के नाम जानत बाड़े काहे कि उ *"उनकर जीवन के किताब में लिखल बा ।* " अउर " ***मेमना के*** *जीवन के किताब में* " निर्दिष्ट करके , परमेश्वर सब गैर -मसीही धर्म के अपना उद्धार के योजना से बाहर कर देले बाड़न . अपना एपोकैलिप्स में झूठा मसीही धर्मन के बहिष्कार के खुलासा कइला के बाद , उद्धार के रास्ता " *संकीर्ण आ संकरी* " के रूप में लउकेला जइसन कि यीशु मत्ती 7:13-14 में घोषणा कइले बाड़न : " *संकरी फाटक से प्रवेश करीं। काहेकि विनाश के ओर जाए वाला फाटक चौड़ा आ चौड़ा बा , अउर बहुत लोग बा जे ओकरा से अंदर जाला। लेकिन दुआर* ***संकरी बा अउर*** *जीवन के रास्ता संकरी बा , अउर उहाँ बहुत कम* ***बा*** *बा जे एकरा के पावेला .*"

प्रकाशितवाक्य 22 : अनन्त काल के अंतहीन दिन

ईश्वरीय चयन के पार्थिव समय के सिद्धता प्रकाशितवाक्य 21:7 x 3 के साथ पूरा भइल रहे 22 संख्या विरोधाभासी रूप से एगो कहानी के शुरुआत के चिन्हित करेला , हालांकि एह किताब में ई ओकर उपसंहार के गठन करेला। ई नवीकरण , जवन भगवान के अनुसार " *हर चीज* " *से संबंधित बा* , " *नया धरती अउर नया स्वर्ग* ," दुनो शाश्वत से जुड़ल बा।

पद 1: " *उ हमरा के जीवन के पानी के एगो साफ नदी देखवले , जवन स्फटिक निहन साफ रहे , जवन परमेश्वर अवुरी मेमना के सिंहासन से निकलत रहे।* "

ताजगी के एह उदात्त , जीवनदायी छवि में , आत्मा हमनी के याद दिलावत बा कि चुनल लोग के सभा जवन अनन्त हो गइल बा , जवना के प्रतिमा " *जीवन के पानी के नदी* " से बनल बा , एगो सृष्टि ह , मसीह में आध्यात्मिक रूप से पुनर्निर्मित परमेश्वर के काम ह जेकर दृश्यमान उपस्थिति के सु झाव उनकर " *सिंहासन* " से मिलल बा ; आई , " *मेमना* ," ईसा मसीह के बलिदान के माध्यम से ; अनन्त काल ओह नया जन्म के फल होखे के कारण जवन एह बलिदान से चुनल लोग में पैदा भइल।

" *नदी* " तेज दर से मीठा पानी के बहाव ह। ई जीवन के प्रतिनिधित्व करेला जवन ओकरा निहन लगातार गतिविधि में बा। ताजा पानी हमनी के मानव पार्थिव शरीर के 75% हिस्सा हवे ; इ बतावेला कि एकरा खातिर मीठा पानी केतना अनिवार्य बा , अउर इहे कारण बा कि परमेश्वर अपना वचन के तुलना करे लन , जवन कि अनन्त जीवन पावे खातिर ओतने अनिवार्य बा , प्रकाशितवाक्य 7:17 के अनुसार " *जीवन के पानी के झरना* " *से , खुद यिर्मयाह के अनुसार इ* " *जीवित पानी के झरना* " होखला के नाते। 2:13 के बा। उनकर प्रकाशितवाक्य में , हमनी के प्रकाशितवाक्य 17:15 में देखले बानी जा कि " *पानी* " " *लोग* " के प्रतीक ह ; इहाँ " *नदी* " मुक्ति प्राप्त चुनल लोग के प्रतीक ह जे अनन्त हो गइल बा।

पद 2: " *ओकरा गली के बीच में आनदी के दुनो ओर जीवन के पेड़ रहे , जवन बारह गो फल देत रहे , जवन हर महीना आपन फल देत रहे , आ ओकर पत्ता राष्ट्रन के चंगाई खातिर रहे।* "

एह दूसरा छवि में , ईसा मसीह , " *जीवन के पेड़* ," " *बीच में* " मिलल बा कि उनकर चुनल लोग के सभा के भी जवन

उनकरा चारों ओर इकट्ठा भइल रहे , इकट्ठा होखे के " *चौक " में।* ऊ ओह लोग के " *बीच में* " बा बाकिर ओह लोग के बगल में भी बा , जवना के प्रतिनिधित्व " *नदी के द्व गो किनारे* " से कइल गइल बा . काहेकि ईसा मसीह के ईश्वरीय आत्मा सर्वव्यापी बा। हर जगह आसभका में मौजूद बा . एह " *पेड़* " के फल " *जीवन* " ह , जवन नवीकरण होला , लगातार , काहे कि " *एकर फल* " हमनी के पार्थिव साल के हर " *12 महीना* " में मिलेला । ई अनन्त जीवन के एगो अउरी सुन्दर छवि ह आएगो याद दिलावत बा कि एकरा के भगवान के इच्छा से अनन्त कायम राखल जाला।

यीशु अक्सर आदमी के तुलना फलदार " *पेड़* " से करत रहले जवना के " *फल से न्याय कईल जाला* ." उ अपना के , उत्पत्ति 2:9 में शुरू से ही , एगो " *जीवन के पेड़* " के प्रतीकात्मक छवि के जिम्मेदार ठहरवले। अब, पेड़न के " *कपड़ा* " खातिर , अपना " *पतई* " के श्रृंगार बा । यीशु खातिर उनकर " *कपड़ा* " उनकर धार्मिक काम के प्रतीक ह अउर एह से उनकर चुनल लोग के पाप के मुक्ति के प्रतीक ह जे उनकर उद्धार के ऋणी बा। एह तरह से , जइसे " *पेड़* " के " *पतई* " बेमारी के ठीक करेला , ओइसहीं यीशु मसीह द्वारा पूरा कइल धार्मिक काम आदम आ हव्वा के बाद से चुनल लोग के विरासत में मिलल मूल पाप के घातक बेमारी के " *ठीक करेला* " जे पाप के अनुभव से खोजल गइल अपना शारीरिक आआध्यात्मिक नग्नता के ढके खातिर पेड़ के " *पतई " के इस्ते माल कइले रहे।*

पद 3: " *अब कवनो श्राप ना होई , ओकरा में परमेश्वर आ मेमना के सिंहासन होई , ओकर सेवक ओकर सेवा करीहे अवुरी ओकर चेहरा देखिहे।* "

एह श्लोक से , आत्मा भविष्य के काल में बोलत बा , अपना संदेश के चुनल लोग खातिर प्रोत्साहन के अर्थ देत बा जेकरा मसीह के वापसी अउर पाप के धरती से हटावे तक भी बुराई अउर ओकर परिणाम से लड़े के पड़ी।

इ " *अनाथेमा* " रहे , हव्वा अउर आदम के कइल पाप के अभिशाप , जवन परमेश्वर के मनुष्य के आँख से अदृश्य बना दिहलस। पुरान वाचा के इस्राएल के सृष्टि से कुछुओ ना बदलल रहे , काहे कि पाप अबहियों परमेश् वर के अदृश्य बना देले रहे। ओकरा अबहियों दिन में बादल के रूप के नीचे लुकाए के पड़त रहे जवन रात में धधकत होखत रहे। अभयारण्य के सबसे पवित्र स्थान विशेष रूप से उनुका खातिर आरक्षित रहे , जवना में अपराधी के फांसी के सजा रहे। बाकिर ई सांसारिक हालात अब नइखे रहि गइल . नया धरती पर भगवान अपना सभ सेवकन के लउकत बाड़न ; उनकर सेवा का होई , इ अभी भी रहस्य बनल बा , लेकिन उ लोग के उनकर संपर्क होई जब प्रेरित लोग यीशु मसीह के साथे कंधा रगड़त रहले अउर उनकरा से बातचीत करत रहले ; आमने -सामने के बा।

पद 4: " *अउर उनकर नाम उनकरा माथे पर होई ।* "

भगवान के नाम सच्चा "*जीवित भगवान के मुहर* " के गठन करेला . सब्त के आराम खाली ओकर बाहरी "चिन्ह " ह। काहे कि भगवान के "*नाम "उनकर चरित्र के निर्दिष्ट करेला , जवना के ऊ" चार जानवर* " के चेहरा से प्रतीक हवें : "*शेर , बछड़ा , आदमी , आ चील* ," जवन भगवान के चरित्र के सामंजस्यपूर्ण विपरीतता के पूरा तरीका से देखावेला : शाही आ मजबूत , फिर भी बलिदान खातिर तइयार , रूप में मानव , फिर भी प्रकृति में स्वर्गीय। ईसा के बात पूरा हो गइल बा ; जे समान विचार के बा उ लोग एक संगे झुंड बना लेला। साथ ही , जे लोग ईश्वरी य मूल्यन के साझा करेला , उ लोग के भगवान अनन्त जीवन खातिर चुनले बाड़े अउर उनकरा लगे इकट्ठा हो गइल बाड़े। "*माथे* " में आदमी के दिमाग होला , जवन ओकर विचार आ व्यक्तित्व के चालक केंद्र होला। आ ई एनिमेटेड दिमाग ओह सच्चाई के मानक के अध्ययन करेला , चिंतन करेला आओकरा के मंजूरी भा नकार देला जवन भगवान ओकरा सामने ओकरा उद्धार खातिर पेश करेलें . चुनल लोग के दिमाग के ईसा मसीह में परमेश्वर द्वारा आयोजित प्रेम के प्रदर्शन बहुत पसंद रहे अउर उ लोग , स्थापित नियम के अनुसार , उनकर मदद से बुराई पर काबू पावे खातिर लड़त रहे , ताकि उनकरा साथे रहे के अधिकार मिल सके।

अंत में , जे भी यीशु मसीह द्वारा प्रकट कइल गइल परमेश्वर के चरित्र के साझा करेलन , उ लोग अपना के उनकरा साथे अनन्त काल तक उनकर सेवा करे खातिर पावेलन। *ओह लोग के माथे पर लिखल* भगवान के "*नाम* "" के उपस्थिति " ओह लोग के जीत के व्याख्या करेला ; आ ई , खासकर के , विश्वास के आखिरी एडवेन्टिस्ट परीक्षा में जवना में आदमी के "*अपना माथे पर* "" *भगवान के नाम* " भा विद्रोही "*जानवर* " *के नाम अंकित करे के विकल्प रहे।*

पद 5: “ *अउर रात ना होई , अउर ओह लोग के दीया भा रोशनी के जरूरत ना पड़ी , काहेकि प्रभु परमे श्वर उनकरा के रोशनी दिहें। अउर उ लोग हमेशा खातिर राज करीहे।* ”

रात "शब्द के पीछे "*अन्हार* "शब्द खड़ा बा , जवन पाप अउर बुराई के प्रतीक ह। "*दीपक* " बाइबल के संदर्भित करेला , परमेश्वर के पवित्र लिखल वचन जवन "*उनकर प्रकाश* ," अच्छाई अउर सही के मानक के प्रकट करेला। अब एकर कवनो काम ना होई ; चुनल लोग के एकर ईश्वरीय प्रेरणा तक सीधा पहुँच होई , लेकिन वर्तमान में उ पाप के धरती प आपन अनिवार्य "*प्रकाशक* " भूमिका के बरकरार रखले बा , जवन अकेले अनन्त जीवन के ओर ले जाला।

पद 6: “ *उ हमरा से कहले , “ई बात विश्वासी अउर सच्चा ह, अउर पवित्र भविष्यवक्ता लोग के परमेश्वर*

प्रभु आपन दूत भेजलन कि उ अपना सेवकन के उ सब कुछ देखावे जवन ***<u>जल्दी होखे के चाहीं</u>*** ". के बा।

दूसरा बेर हमनी के ई ईश्वरीय पुष्टि मिलेला : " *ई शब्द विश्वासी आ सच्चा बा* ." परमेश्वर पाठक के भविष्यवाणी के बारे में मनावे के कोशिश करेलन , काहे कि उनकर अनन्त जीवन उनकर पसंद में दांव पर लागल बा। एह दिव्य पुष्टिन के सामना करत मनुष्य के शर्त ओह पांच इंद्रियन से होला जवन ओकरा के अपना सृष्टिकर्ता के दिहल गइल बा . प्रलोभन कई गो होला आ ओकरा के आध्यात्मिकता से मोड़े में कारगर होला। एह से भगवान के जिद पूरा तरह से जायज बा। आत्मा खातिर खतरा वास्तविक आसर्वव्यापी बा।

एह श्लोक के हमनी के पाठ के अपडेट कइल उचित बा , जवन एह भविष्यवाणी में एगो दुर्लभ शाब्दिक चरित्र प्रस्तुत करेला। एह श्लोक में कवनो प्रतीक नइखे , लेकिन ई पुष्टि कि परमेश्वर बाइबल के किताब लिखे वाला भविष्यवक्ता लोग के प्रेरणादाता हवें अउर अपना अंतिम प्रकाशन में , उ "गैब्रिएल " के यूहन्ना के पास भेजले , ताकि उ उनका के छवि में प्रकट कर सके कि , 2020 में , " ***<u>तुरंत</u>*** " का होई , या पहिले से ही पूरा हो चुकल बा , बहुत बड़ हिस्सा में। बाकिर 2020 से 2030 के बीच सबसे भयानक समय के पार करे के पड़ी ; भयावह समय जवना के चिन्हित कइल गइल मौत , परमाणु विनाश , आ भयानक " *भगवान के क्रोध के सात गो आखिरी विपत्ति* "; आदमी आ प्रकृति के भयानक कष्ट उठावे के पड़ी कि ऊ गायब हो जाई .

पद 7: " *आदेखऽ , हम* ***<u>जल्दी से आवत बानी</u>*** *, धन्य बा कि जे एह किताब के भविष्यवाणी के शब्दन के पालन करेला !* "

यीशु के वापसी के घोषणा 2030 के बसंत खातिर कइल गइल बा आशीर्वाद हमनी खातिर बा , जहाँ तक हमनी के " *रखले बानी जा* ", ***<u>अंत तक</u>*** , " *एह किताब के भविष्यवाणी के शब्द* " प्रकाशि तवाक्य।

क्रियाविशेषण " *तुरंत* " मसीह के वापसी के समय अचानक आवे के परिभाषित करेला , काहे कि समय नियमित रूप से बिना गति भा धीमा कइले बहत रहेला। दानियल 8:19 के बाद से , परमेश्वर हमनी के याद दिलावत बाड़न : " *अंत खातिर एगो समय निर्धारित बा* ": " *तब उ हमरा से कहले , हम तोहके बताइब कि क्रोध के अंतिम भाग में का होई , अंत खातिर निर्धारित समय खातिर* । " ई भगवान द्वारा चुनल लोग के चयन खातिर प्रोग्राम कइल गइल 6,000 साल के अंत में ही हो सकेला , यानी 3 अप्रैल 2030 से पहिले के बसंत के पहिला दिन।

पद 8: " *हम यूहन् ना इ सब सुननी अउर देखनी , जब हम सुननी अउर देखनी त हम ओह स्वर्गदूत के सामने*

~~आराधना अउर पूजा करे खातिर गिर गइनी जे हमरा के इ सब देखवले रहे~~ / ”

दूसरा बेर , आत्मा हमनी के आपन चेतावनी के संबोधित करे खातिर आवेला। मूल ग्रीक ग्रंथ सभ में "प्रोस्कुनेओ " क्रिया के अनुवा द "पहिले झुकल " के रूप में कइल गइल बा। "पूजा कइल" क्रिया लैटिन संस्करण के बिरासत हवे जेकरा के "वल्गेट " कहल जाला। इ गलत अनुवाद धर्मत्यागी ईसाई धर्म के धार्मिक प्रथा में शारीरिक सजदा के छोड़े के रास्ता खोल दिहलस , "खड़ा होके " प्रार्थना करे के हद तक, मरकुस 11:25 में ग्रीक क्रिया "इस्टेमी " के एगो अउरी गलत अनुवाद के कारण। पाठ में एकर रूप "स्टेकेटे " के मतलब होला "दृढ़ रहे भा दृढ़ रहल " बाकी ओल्ट्रामेरे अनुवाद , जेकरा के एल .सेगोंड संस्करण में लिहल गइल , एकर अनुवाद "स्टेसिस " के रूप में कइल गइल , जेकर शाब्दिक मतलब होला "खड़ा होखल "। एह तरह से बाइबल के गलत अनुवाद धोखा देवे वाला तरीका से ओह लोग के ओर से महान सृष्टिकर्ता परमेश्वर , सर्वशक्तिमान के प्रति एगो अयोग्य , अहंकारी , अउर अपमानजनक रवैया के वैध बना देला जे सही मायने में पवित्र चीज के बोध खो रहल बा . अउर इ एकमात्र नइखे ... एही से बाइबल के अनुवाद के प्रति हमनी के रवैया संदिग्ध अउर सावधान होखे के चाहीं , खासकर जब प्रकाशितवाक्य 9:11 में , परमेश्वर बाइबल के "विनाशकारी " प्रयोग *(Abaddon-Apollyon), के प्रकट कइले बाड़न , जवन " हिब्रू अउर ग्रीक में* " लिखल गइल बा। सच्चाई खाली मूल ग्रंथ न में मिलेला , हिब्रू में संरक्षित बा बाकिर गायब हो गइल बा आ ओकरा जगह पर नया वाचा के यूनानी लेखन ले लिहल गइल बा . आ उहाँ , एकरा के पहचानल जरूरी बा , "खड़ा " प्रार्थना प्रोटेस्टेंट आस्तिकन के बीच प्रकट भइल , जवना के निशाना पर *" 5वां तुरही बा* . काहे कि , विरोधाभासी रूप से , कैथोलिक लोग के बीच घुटना टेक के प्रार्थना अधिका समय तक चलल बा , लेकिन एकरा में कवनो आश्चर्य के बात ना होखे के चाहीं , काहे कि एही कैथोलिक धर्म में शैतान अपना अनुयायी आ शिकार लोग के ओह नक्काशीदार मूर्तियन के सामने सजदा करे खातिर ले जाला जवन भगवान के दस आज्ञा में से दूसरा आज्ञा से मना कइल गइल बा ; एगो अइसन आज्ञा जवना के कैथोलिक लोग अनदेखी करेला , काहें से कि रोमन संस्करण में एकरा के हटा के बदल दिहल गइल बा।

पद 9: “ *लेकिन उ हमरा से कहलस, ‘देखऽ कि तू अइसन मत करऽ ! हम तोहार साथी सेवक हईं , तोहार भाई भविष्यवक्ता लोग के आ एह किताब के वचन के पालन करे वाला लोग के सेवक हईं। परमेश्वर के ~~पूजा करऽ~~ , प्रणाम करऽ। ’”*

यूहन्ना द्वारा कइल गइल गलती के परमेश्वर अपना चुनल लोग के संबोधित चेतावनी के रूप में प्रस्तावित कइले बाड़न : "मूर्तिपूजा में गिरला से सावधा न रहीं !" जवन ईसाई धर्मन के मुख्य दोष के रूप में गिनावल जाला जवना के भगवान यीशु मसीह में नकार दिहले बाड़न। ऊ एह दृश्य के ओही तरह से व्यवस्थित करेलें जइसे ऊ अपना प्रेरित लोग के अपना गिरफ्तारी के घंटा खातिर हथियार उठावे के आदेश दे के अपना आखिरी पाठ के आयोजन कइले रहले . जब समय आईल त उ ओ लोग के इस्तेमाल करे से मना क देले। पाठ दिहल गइल आ ओहमें लिखल रहे कि " *करे से सावधान रहीं* ." एह श्लोक में यूहन्ना के ई व्याख्या मिलल बा : " *हम तोहार साथी सेवक हईं* ." " *जिब्राईल* " सहित " *स्वर्गदूत* " आदमी नियर सृष्टिकर्ता भगवान के प् राणी हवें जे अपना दस आज्ञा में से दूसरा में अपना प्राणी के सामने , नक्काशीदार मूर्ति भा चित्रित मूर्ति के सामने झुके से मना कइले रहलें ; सब रूप जवन मूर्ति ले सकेलो। एह तरह से हमनी के स्वर्गदूतन के विपरीत व्यवहार के नोट करके एह श्लोक से सबक ले सकेनी जा। इहाँ माइकल के बाद सबसे योग्य आकाशीय प्राणी जिब्राईल ओकरा सामने सजदा करे से मना कर देले बाड़े। दूसरा ओर शैतान अपना मोहक प्रकटीकरण में , "कुंवारी " के भेस में , ओकर पूजा आसेवा खातिर स्मारक आपूजा स्थल खड़ा करे के मांग करेला ... अन्हार के चमकदार मुखौटा गिर जाला।

स्व र्गदूत आगे निर्दिष्ट करत बाड़न " *आतोहार भाई लोग के , भविष्यवक्ता लोग के आ एह किताब के वचन के पालन करे वाला लोग के* । " एह वाक्य अउर प्रकाशितवाक्य 1:3 के बीच हमनी के डिक्रिप्शन के युग के शुरुआत , 1980, अउर 2020 के वर्तमान संस्करण के बीच बीतल समय के कारण अंतर के नोट करेनी जा। एह दुनो तारीख के बीच , " *जे पढ़ेला " उ डिक्रिप्टेड प्रकाश के परमेश्वर के अन्य संतान के साथे साझा कइल स अउर उ लोग बदला में " भविष्यवक्ता लोग* " के काम में प्रवेश कइल । एह गुणा से अउरी अधिका लोग के बोलावल गइल लोग के खुलासा भइल सच्चाई सुन के , आ ओकरा के ठोस व्यवहार में उतार के चुनाव में पहुँचे के मौका मिलेला .

पद 10: " *उ हमरा से कहले , एह किताब के भविष्यवाणी के शब्दन पर मोहर मत लगाईं , काहेकि समय नजदीक आगईल बा* । "

संदेश भ्रामक बा काहे कि इ यूहन्ना के संबोधित बा , जेकरा के परमेश्वर किताब के शुरुआत से ही हमनी के अंतिम समय तक ले गईल बाड़े , प्रकाशितवाक्य 1:10 के अनुसार। साथ ही , हमनी के ई समझे के चाहीं कि किताब के शब्दन पर मुहर ना लगावे के आज्ञा सीधे हमरा के

ओह समय संबोधित बा जब किताब पूरा तरह से मुहर ना लगावल जाला ; तब इ प्रकाशितवाक्य 10:5 के " *छोट खुलल किताब* " *बन जाला।* आजब भगवान के मदद आप्राधिकरण से " *खोलल* " त अब ओकरा के "मुहर " से बंद करे के कवनो सवाल नइखे रहि गइल . आई , " *काहे कि समय नजदीक आगइल बा* "; 2021 के बसंत में , प्रभु परमेश्वर ईसा मसीह के गौरवशाली वापसी में 9 साल बाकी बा।

छोट किताब " के पहिला उद्घाटन दान के फरमान के बाद शुरू भईल। 8:14, मने कि 1843 आ1844 के बाद ; काहे कि एडवेन्टिस्ट विश्वास के अंतिम परीक्षा के विषय के महत्वपूर्ण समझ के कारण बा कि सीधे यीशु मसीह द्वारा , या उनकर स्वर्गदूत द्वारा , हमनी के बहिन एलेन जी व्हाइट के , उनकर सेवा के दौरान दिहल गइल प्रकाशन।

पद 11: " *जे अन्यायी बा , उ अभी भी अन्यायी रहे , अउर जे गंदा बा , उ अभी भी गंदा रहे , अउर जे धर्मी बा , उ अभी भी धर्मी रहे , अउर जे पवित्र बा , उ अभी भी पवित्र रहे।* "

पहिला पाठ में ई श्लोक दान के फरमान के लागू होखे के पुष्टि करेला। 8:14 के बा। 1843 से 1844 के बीच भगवान द्वारा चुनल गइल एडवेन्टिस्ट लोग के अलगाव " *सार्डिस* " के संदेश के पुष्टि करेला जहाँ हमनी के प्रोटेस्टेंट लोग के " *जिंदा* " लेकिन " *मरल* " अउर " आध्यात्मिक रू प से " *अशुद्ध* " पावेनी जा , अउर एडवेंटिस्ट अग्रदूत लोग के " *गोरापन के लायक* " एह श्लोक में " *धर्म आपवित्रता* " कहल जाला। बाकिर " *छोट किताब* " के उद्घाटन " धर्मी लोग के रास्ता जइसन प्रगतिशील बा *जवन दिन के रोशनी निहन बढ़त रहेला , भोर से लेके अपना चरम सीमा तक* "। आ अग्रणी एडवेन्टिस्ट लोग के एह बात के जानकारी ना रहे कि 1991 से 1994 के बीच विश्वास के एगो परीक्षा ओह लोग के पहेली बना दी जइसन कि " *5वां तुरही* " के अध्ययन से हमनी के पता चलल। अचानक एह श्लोक के अउरी पाठ संभव हो जाला।

मुहर लगावे के समय खतम होखे वाला बा जब से हमनी के प्रकाशितवाक्य 7:3 में पढ़ले बानी जा : " *जब तक हमनी के अपना परमेश्वर के सेवकन के माथे पर सील ना कर देब जा , तब तक धरती , ना समुद्र के , ना पेड़ के नुकसान मत पहुँचाईं।* " हमनी के धरती , समुंदर अउर पेड़ के नुकसान पहुंचावे के अधिकार कहाँ रखे के चाहीं ? दू गो संभावना मौजूद बा . " *छठवाँ तुरही* " से पहिले कि " *सात गो आखिरी विपत्ति* " से पहिले ? " *छठवाँ तुरही* " जवन भगवान द्वारा सांसारिक पापी लोग के दिहल छठवाँ चेतावनी सजा के गठन करेला , हमरा एह मामला में तार्किक लागत बा , दूसरा संभावना के बरकरार राखल। काहे कि " *भगवान के क्रोध के सात गो*

आखिरी विपत्ति " के निशाना प्रोटेस्टेंट " *धरती* " *आ कैथोलिक* "*समुद्र* " के बा . आईं हमनी के विचार करीं जा कि " *छठवाँ तुरही* " से पूरा भइल विनाश ना रोकेला , बलुक चुनल लोग के धर्मांतरण के बढ़ावा देला जेकरा के ईसा मसीह के खून से छुटकारा पावल गइल कहल जाला।

एह से " *छठवाँ तुरही* " के बाद आ" *सात गो आखिरी विपत्ति* " से ठीक पहिले , आमुहर के रुकला के समय जवन सामूहिक आ व्यक्तिगत अनुग्रह के समय के अंत के निशान बा कि हमनी के अबहियों एह श्लोक के शब्द रख सकेनी जा : " *जे अन्यायी बा , ऊ अबहियों अन्यायी होखे , आजे गंदा बा , ऊ अबहियों गंदा होखे ; आजे धर्मी बा , ऊ अबहियों धर्मी रहे , आ जे बा। " पवित्र , उ अभी भी पवित्र होखें* । " " *धर्म* आ *पवित्रता* " शब्दन के पुरजोर समर्थन बा आएह से भगवान के पुष्टि बा। एह से ई संदेश अनुग्रह के समय के अंत के समय के पूर्वानुमान लगावेला , लेकिन एकर एगो अउरी व्याख्या निम्नलिखित बा। किताब के अंत में पहुँच के आत्मा ओह समय के निशाना बनावेला जब पूरा तरह से व्याख्या कइल किताब " *छोट खुला किताब* " बन जाला आओह पल से एकर स्वीकृति भा मना कइला से " *जे धर्मी बा आ जे अशुद्ध बा* " के बीच अंतर पैदा हो जाई आ हमनी के प्रभु " *संत के अपना के फेर से पवित्र करे खातिर आमंत्रित करेले* "। हमरा फेर से इयाद बा कि " *सार्डिस* " के संदेश में " *अशुद्धि* " *के श्रेय प्रोटेस्टेंट धर्म के दिहल गइल रहे* . आत्मा अपना शब्दन से एह प्रोटेस्टेंट धर्म आ संस्थागत एडवेन्टिज्म के निशाना बना वत बा जवन 1994 से आपन अभिशाप साझा करत बा , ऊ तारीख जब ऊ विश्वव्यापी गठबंधन में प्रवेश क के ओकरा में शामिल भइल रहे . एह किताब के व्याख्या कइल संदेश के स्वीकृति एह से " *एक बेर फेरु से* , लेकिन आखिरी में , *भगवान के सेवा करे वाला आ उनकर सेवा ना करे वाला में अंतर पैदा करी* " माल के अनुसार। 3:18 के बा।

त हम एह श्लोक के पाठ के संक्षेप में बतावत बानी। पहिला , ई 1843 से 1844 के बीच प्रोटेस्टेंट धर्म से एडवेंटिस्ट अलगा होखे के पुष्टि करेला , दूसरा पाठ में ई आधिकारिक एडवेंटिज्म के खिलाफ लागू होला , जवन 1994 के बाद प्रोटेस्टेंट आ विश्वव्यापी गठबंधन में वापस आ गइल।आ हम एगो तीसरा पाठ के प्रस्ताव रखत बानी जवन ईसा मसीह के वापसी से पहिले 2029 में परिवीक्षा के अंत पर लागू होई , जवन बसंत के शुरुआत खातिर तय कइल गइल बा , जवन 3 अप्रैल, 2018 से पहिले आवेला। फसह 2030 के दिन भइल।

एह सफाईन के बाद , हमनी के ई समझे खातिर छोड़ दिहल गइल बा कि संस्थागत एडवेन्टिज्म के पतन के कारण , जवना के चलते ईसा मसीह लाओदीकिया के संदेश

में " *उल्टी* " कर दिहलस , 1994 खातिर उनकर वापसी पर विश्वास करे से मना कइल कम बा , ना कि प्रकाश के योगदान के ध्यान में रखे से मना कइल जवन दानियल 8:14 के सही अनुवाद के रोशन करे खातिर आइल रहे ; एगो अइसन प्रकाश जवना के प्रदर्शन खुद मूल हिब्रू बाइबिल पाठ द्वारा निर्विवाद तरीका से कइल गइल बा। एह पाप के निंदा त न्याय के भगवान ही कर सकत रहले जे दोषी के निर्दोष ना मानत बाड़े।

पद 12: " *देखऽ , हम* ***जल्दी से आवत बानी*** *, अउर हमार इनाम हमरा साथे बा , कि हर आदमी के ओकर काम के अनुसार देब* ."

9 साल में ईसा अवर्णनीय दिव्य महिमा में वापस आ जइहें। प्रकाशितवाक्य 16-20 में , परमेश्वर हमनी के अपना प्रतिशोध के ओह हि स्सा के प्रकृति के प्रकट कइले बाड़न जवन पापी कैथोलिक , प्रोटेस्टेंट , अउर अन्यायी अउर असहिष्णु एडवेन्टिस्ट विद्रोहियन खातिर आरक्षित बा। उ हमनी के सामने उ हिस्सा भी पेश कईले जवन कि उनकरा विश्वासी एडवेन्टिस्ट चुनल लोग खातिर आरक्षित रहे जवन उनकर भविष्यवाणी वाला वचन अउर उनकर पवित्र सातवाँ दिन के सब्त के दिन के सम्मान करेला , प्रकाशितवाक्य 7:14, 21, अउर 22 में " *प्रतिशोध* " *हर एक के " उनकर काम के अनुसार देई* ," जवन दोषी लोग खातिर मसीह के नजर में अपना के धर्मी ठहरावे के बहुत कम गुंजाइश छोड़ेला। आत्म -औचित्य के शब्द बेकार हो जाला काहे कि तब पिछला चुनाव के गलती के बदले में बहुते देर हो जाई .

पद 13: " *हम अल्फा आ ओमेगा हईं , पहिला आ आखिरी , शुरुआत आ अंत हईं।* "

जवना के शुरुआत होला ओकर अंत भी होला। ई सिद्धांत ओह पार्थिव समय के अवधि पर लागू होला जवन भगवान द्वारा चुनल लोग के चयन खातिर योजना बनावल गइल रहे। अल्फा आओमेगा के बीच 6000 साल बीत गईल होई। साल 30 में , 3 अप्रैल के , ईसा मसीह के स्वैच्छिक प्रायश्चित के मौत भी 2,000 साल के ईसाई वाचा के अल्फा समय के चिन्हित कइले होई ; 2030 के बसंत अपना ओमेगा समय में शक्तिशाली रूप से बजत होई।

लेकिन अल्फा भी 1844 बा जवना में ओमेगा 1994 बा , अवुरी अंत में , अल्फा हमरा अवुरी अंतिम चुनल लोग खाती बा , 1995 के ओमेगा , 2030 के संगे।

पद 14: " *धन्य बा उ लोग जे उनकर आज्ञा के पालन करेला* (आना ~~*आपन वस्त्र धो*~~) *, ताकि उ लोग के जीवन के पेड़ पर अधिकार होखे , आ फाटक से शहर में प्रवेश कर सके* !

महासंकट " के दूसरा रूप हमनी के सामने बा , जवना के परिणाम भीड़ में मौत के बा। एह से ईसा मसीह के माध्यम से परमेश्वर के रक्षा अउर मदद प्राप्त कइल

जरूरी हो जाला। जइसे कि छवि से पता चलत बा कि पापी के "*आपन आज्ञा के पालन "करे के पड़ी* .»; **परमेश्वर के अउर यीशु के ,"*परमेश्वर के मेमना* ,"जवना के मतलब बा कि ओकरा ओह सब रूप के त्याग करे के पड़ी जवन पाप ले सकेला।** हमनी के वर्तमान बाइबल में सुरक्षित एह श्लोक के पर्दाफाश अनुवाद वेटिकन से निर्देशित रोमन कैथोलिक धर्म के कारण बा। बाकी पांडुलिपि , सबसे पुरान , आ एह से अधिका वफादार , प्रस्ताव बा : "*धन्य बा उ लोग जे उनकर आज्ञा के पालन करेला* ." अउर चूंकि पाप कानून के उल्लंघन ह , एहसे संदेश विकृत हो जाला अउर जरूरी अउर महत्वपूर्ण आज्ञाकारिता के जगह मसीही संबंध के साधारण दावा ले लेला। अपराध से केकरा फायदा होला ? जे यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी तक सब्त के दिन लड़ि हे। सच्चा संदेश के संक्षेप में एह तरह से बतावल गइल बा : "धन्य बा ऊ जे अपना सृष्टिकर्ता के आज्ञा मानेला। " इ संदेश खाली प्रकाशितवाक्य 12:17 अउर 14:12 में उद्धृत संदेश के दोहरावेला , यानी : "*उ लोग जे परमेश्वर के आज्ञा अउर यीशु के विश्वास के पालन करेला* ." इहे यी शु द्वारा संबोधित अंतिम संदेश के प्राप्तकर्ता हवें। एकर परिणाम के जज खुद ईसा मसीह हवें , अउर उनकर मांग उहाँ के शहादत में जवन दुख झेलले रहे , ओकरा अनुपात में बा। चुनल लोग के इनाम बहुत बड़ होई ; उ लोग अमरता प्राप्त करीहे , अउर एडवेंटिस्ट तरीका से अनन्त जीवन में प्रवेश करीहे जवना के प्रतीक प्रतीकात्मक "*नया यरूशलेम* "*के* "*बारह फाटक* "*बा* ।

पद 15: "*कुकुरन , जादूगरन , यौन -अनैतिक , हत्यारन , मूर्तिपूजक , अउर जे झूठ से प्रेम करेला अउर आचरण करेला , ओकरा साथे बाहर निकलीं !*"

के हवें जेकरा के यीशु एह तरह से बोलवले बाड़न ? ई छिपल आरोप पूरा ईसाई विश्वास से संबंधित बा जवन धर्मत्याग कइले बा ; कैथोलिक बिसवास , एडवेंटिस्ट बिस्वास सहित बहुआयामी प्रोटेस्टेंट बिस्वास जे 1994 से इनके गठबंधन में आइल; एडवेंटिस्ट विश्वास के अपना अस्तित्व के शु रुआत में उनुका द्वारा एतना भरपूर आशीर्वाद मिलल रहे , आ ओकरा से भी ज्यादा असहमति में मजबूर होखे वाला अंतिम प्रतिनिधियन के संबंध में। "*कुकुर* "बुतपरस्त हवें लेकिन उहो हवें , आ सबसे बढ़ के ऊ लोग भी हवें जे उनकर भाई होखे के दावा करेलें **<u>आ उनकर धोखा देला</u>** . ई शब् द "*कुकुर* " समकालीन पाश्चात्य मनुष्य खातिर विरोधाभासी रूप से बा कि जानवर के निष्ठा के प्रतीक के रूप में मानल जाला , लेकिन प्राच्य लोग खातिर ई निंदा के छवि ही। अउर इहाँ , यीशु उनकर मानवीय स्वभाव तक के मुकाबला करेलन अउर उनकरा के नाजुक जानवर मानत बाड़न। बाकी शर् त एह फैसला के पुष्टि करेला। यीशु

प्रकाशितवाक्य 21:8 में कहल गइल शब्दन के पुष्टि करेलन अउर इहाँ , " *कुकुर* " शब्द के जोड़ल उनकर व्यक्तिगत निर्णय के व्यक्त करेला। आदमी के दिहल प्रेम के उदात्त प्रदर्शन के बाद उनुका अवुरी उनुकर बलिदान के दावा करेवाला लोग के धोखा देवे से जादे भयानक कुछूओ नईखे।

जादूगर " कहेलन काहे कि उनकरा दुष्ट स्वर्गदूतन के साथे व्यवहार , अध्यात्मवाद , जवन सबसे पहिले कैथोलिक विश्वास के "कुंवारी मरियम " के प्रकटीकरण से बहका दिहलस , जवन बाइबिल के हिसाब से असंभव रहे। बाकिर राक्षसन के कइल चमत्कार मूसा आ हारून से पहिले फिरौन के " *जादूगर " लोग के कइल चमत्कार से मिलत जुलत बा।*

अशुद्ध " कह के यीशु नैतिकता के मुक्ति के निंदा करेलन , लेकिन सबसे ऊपर प्रोटेस्टेंट चर्चन द्वारा कैथोलिक आस्था के साथे कइल गइल अप्राकृतिक धार्मिक गठबंधन , जवना के परमेश्वर के भविष्य वक्ता लोग शैतान के सेवक के रूप में निंदा कइले बा। उ लोग "बेटी के रूप में ," अपना " *वेश्या महतारी बेबिलोन महान " के "अविनय " के प्रजनन करेलन* , जवना के निंदा प्रकाशितवाक्य 17:5 में कइल गइल बा।

धर्मत्यागी लोग भी " *हत्यारा* " हवें जे यीशु के चुनल लोग के मारे के तै यारी करीहे अगर उ अपना गौरवशाली आगमन से उनकरा के रोके खातिर हस्तक्षेप ना करीहे।

इ लोग " *मूर्तिपूजक* " हवे काहे कि इ लोग आध्यात्मिक जीवन से ज्यादा भौतिक जीवन के महत्व देला। ऊ लोग उदासीन रह जाला जब भगवान ओह लोग के आपन प्रकाश चढ़ावेलें , जवना के ऊ लोग बेशर्मी से उनकर सच्चा दूतन के राक्षस बना के नकार देला .

आ एह श्लोक के समापन करे खातिर ऊ निर्दिष्ट कइले बाड़न : " *आजे झूठ से प्यार करेला आओकर अभ्यास करेला !* " अइसन करत ऊ ओह लोग के निंदा करेलें जिनकर स्वभाव झूठ से जुड़ल बा , एतना कि ऊ लोग सच्चाई के प्रति बिल्कुल संवेदन हीन होला . कहल गइल बा कि स्वाद आरंग पर बहस ना होला ; सच्चाई भा झूठ के प्रेम के भी इहे हाल बा। बाकिर अपना अनंत काल खातिर भगवान , विशेष रूप से , अपना प्राणी में से चुनेलन जेकरा के मानव प्रजनन जगावेला , जेकरा में सच्चाई के ई प्रेम होला।

परमेश्वर के उद्धार के योजना के अंतिम परिणाम भयानक बा। एक के बाद एक , कठोर , पश्चाताप ना करे वाला जलप्रलय से पहिले के पापी लोग , अविश्वासी यहूदी पुरान वाचा , घृणित पोप रोमन कैथोलिक विश्वास , मूर्तिपूजक रूढ़िवादी विश्वास , केल्विनिस्ट प्रोटेस्टेंट विश्वास , आ अंत में , संस्थागत

एडवेंटिस्ट वि श्वास , परंपरा के भावना के अंतिम शिकार बा जवना के सब पहिले के लोग बराबर पक्षपात कइले बा।

"एडवेंटिस्ट " संदेश के घातक परिणाम भइल , पहिला , यहूदी लोग खातिर , जे दान में घोषित मसीहा के **पहिला आगमन पर विश्वास करे से मना कइला से गिर गइल।** 9:24 से 27. दूसरा , यीशु द्वारा बाहर निकालल गईल मसीही लोग जे सब नवीनतम "एडवेन्टिस्ट " संदेश में बेरुखी देखावे के अपराधबोध के साझा करेला जवन **उनकर दूसरा आगमन के घोषणा करेला . एकरा सच्चाई से उनकर प्रेम के कमी ओह लोग खातिर घातक बा। 2020 में , इ प्रमुख आधिकारिक धर् म सब इ भयानक संदेश के साझा करेला जवन यीशु 1843 में** प्रकाशितवाक्य 3:1 में " *सार्डिस* " युग के प्रोटेस्टेंट धर्म के संबोधित कईले रहले : " *कहल जाला कि रउवा जिंदा बानी , अउर रउवा मर गईल बानी* । "

पद 16: " *हम , यीशु , आपन दूत भेजले बानी कि उ रउआ के कलीसिया में एह बात के गवाही देवे।हम दाऊद के जड़ आ संतान हईं , उज्ज्वल आभोर के तारा।* "

यीशु आपन दूत जिब्राईल यूहन्ना के पास भेजलन , अउर यूहन्ना के माध्यम से हमनी के , अंतिम समय के उनकर विश्वासी सेवक लोग के लगे भेजलन। काहे कि आजुए ई पूरा तरह से व्याख्या कइल संदेश हमनी के ओह संदे शन के समझे के मौका देत बा जवन ऊसात युग भा सात गो विधानसभा के अपना सेवकन आचेलन के संबोधित करत बाड़न . यीशु प्रकाशितवाक्य 5 के अपना प्रतीकात्मक आह्वान के बारे में संदेह के दूर करेलन : " *दाऊद के जड़ अउर वंशज* । " ऊ जोड़त बाड़न : " *चमकदार आसबेरे के तारा* ." ई ता रा सूरज हवे , बाकी ऊ एकरा से खाली प्रतीक के रूप में आपन पहिचान करे ला। काहे कि , अनजाने में , ईसा मसीह के बलिदान खातिर प्रेम करे वाला निश्छल प्राणी हमनी के सूरज के सम्मान करेलें , एह तारा के जवना के बुतपरस्त लोग देवता बनवले बा। अगर बहुत लोग के एकर जानकारी नइखे त भीड़ , इहाँ तक कि एह विषय पर प्रबुद्ध लोग भी , एह बुतपरस्त मूर्तिपूजक क्रिया के गंभीरता के समझे खातिर तइयार भा सक्षम नइखे। आदमी के अपना के भुला जाए के चाहीं , अपना के भगवान के जगह पर राखे के चाहीं , जे चीजन के बहुते अलग तरह से महसूस करेला काहे कि ओकर दिमाग लगभग 6000 साल से आदमी के काम के पालन करत बा . ऊ हर क्रिया के पहिचान एह खातिर करे ला कि ऊ वास्तव में का प्रतिनिधित्व करे ला ; अइसन ओह आदमी खातिर ना होला जिनकर छोट उमिर सभसे ऊपर ओह लोग के इच्छा के पूरा करे से होला , मुख्य रूप से शारीरिक आ सांसारिक , बाकिर ई ओह लोग खातिर भी होला जे आध्यात्मिक आबहुत धार्मिक होला आजे पिता लोग के परंपरा के सम्मान से अवरुद्ध रहेला।

थ्यातिरा के संदेश के अंत में आत्मा "*जे जीत पावेला* " से कहलस : " *आहम ओकरा के भोर के तारा देब* ." इहाँ यीशु अपना के " *भोर के तारा* " के रूप में पेश करेलन . एह से विजयी के यीशु आओकरा साथे जीवन के सब प्रकाश मिल जाई जवना के स्रोत ओकरा में बा। एह शब्द के याद दिलावत 1 पतरस के एह श्लोकन पर सच्चा अंतिम "एडवेंटिस्ट " के सब ध्यान के सुझाव देला। 2:19-20-21: " *अउर हमनी के भविष्यवाणी के वचन अउरी पक्का हो गईल बा , जवना के बारे में रउवां अच्छा करब कि रउवां अन्हार जगह पर चमके वाला रोशनी के रूप में ध्यान दीं , जब तक कि दिन के भोर ना हो जाव आ दिन के तारा रउवा लोग के दिल में ना उठ जाव। सबसे पहिले इ जानत बानी कि पवित्रशास्त्र के कवनो भविष्यवाणी कवनो निजी व्याख्या के ना ह, काहेकि भविष्यवाणी कबो आदमी के इच्छा से ना आइल, लेकिन परमेश्वर के पवित्र लोग जइसन बोलत रहे पवित्र आत्मा के साथ लेके चलल* "

एकरा से बढ़िया ना कहल जा सकत रहे। एह शब्दन के सुनला के बाद चुनल आदमी एकरा के यीशु मसीह के ध्यान में रखल काम में बदल देला।

पद 17: " *आ आत्मा आ दुलहिन कहत बा कि आ जा। आ जे सुनत बा ऊ कहे कि आजा। आ प्यासल आवे। जे चाहत बा , उ जीवन के पानी मुफ्त में ले ले।* "

यीशु अपना पार्थिव सेवा के शुरुआत से ही इ आह्वान जारी कइले बाड़न : " *आजा* । " बाकिर " *प्यास* " के छवि के प्रयोग करके ऊ जानत बा कि जे " *प्यास* " नइखे ऊ पीये ना अइहें . उनकर पुकार खाली उहे लोग सुनाई जे एह अनन्त जीवन खातिर " *प्यासल* " बा जवन उनकर पूर्ण न्याय हमनी के खाली उनकर कृपा से , दूसरा मौका के रूप में पेश करेला। एकर कीमत अकेले यीशु ही चुकवले ; एहसे ऊ एकरा के " ***मुफ्त में*** " चढ़ावेला . कवनो कैथोलिक भा दिव्य "अनुग्रह " पइसा में एकरा के ना पा सके . ई सार्वभौमिक आह्वान हर राष्ट्र आ हर मूल के चुनल लोग के एगो जुटान के तइयार करेला . " *आजा* " के आह्वान चुनल लोग के एह जुटान के कुंजी बन जाला जवन अंतिम समय के विश्वास के परीक्षा पैदा करी। लेकिन उ लोग धरती पर बिखराइल परीक्षा के अनुभव करीहे अउर जब तक यीशु मसीह अपना महिमा में वापस ना अइहें ताकि उ लोग पाप के देश से दूर ना होखस।

पद 18: " *हम हर केहू के गवाही देत बानी जे एह किताब के भविष्यवाणी के वचन सुनत बा कि अगर केहू एह बातन में अउरी बढ़ोतरी करी त परमेश्वर ओकरा खातिर उ विपत्तियन के जोड़ दिहे जवन एह किताब में लिखल बा।* "

प्रकाशितवाक्य कवनो साधारण बाइबिल के किताब ना ह। ई एगो साहित्यिक रचना ह जवन बाइबिल के भाषा में ईश्वरीय रूप से कोड कइल गइल बा जवना के ऊ लोग

पहचान सकेला जे पूरा बाइबल के शुरू से अंत तक खोज करेला। अभिव्यक्ति बार-बार पढ़ला से परिचित हो जाला। आ "बाइबिल के अनुरूपता" हमनी के अइसने अभिव्यक्ति खोजे के अनुमति देला। लेकिन ठीक एह से कि एकर कोड एतना सटीक बा, अनुवादक आ प्रतिलेखक लोग के चेतावल जाला: "*अगर केहू एकरा में कुछ जोड़ दी त भगवान ओकरा पर एह किताब में वर्णित विपत्तियन के ले अइहें*."

पद 19: "*आ अगर केहू एह भविष्यवाणी के किताब के शब्दन से छीन लेत बा, त परमेश्वर जीवन के पेड़ से अउर पवित्र नगर से आपन हिस्सा छीन लीहें, जवन एह किताब में लिखल बा।*"

एही कारण से भगवान केहू के धमकी देत बाड़न जे "*एह भविष्यवाणी के किताब के शब्दन से कुछ भी छीन लेत बा*." जे भी इ जोखिम उठावेला ओकरा के इहो चेतावनी दिहल जाला कि "*भगवान जीवन के पेड़ से अउर पवित्र शहर से ओकर हिस्सा छीन लिहे, जवना के वर्णन एह किताब में कइल गइल बा*." एहसे नोट कइल गइल बदलाव के भयानक परिणाम ओह लोग खातिर पड़ी जे एकरा के करेला.

हम रउरा सभे के ध्यान एह पाठ के ओर खींचत बानी। अगर एह समझ में ना आवे वाला कोडित किताब में बदलाव के ईसा मसीह एह दुनो कठोर तरीका से सजा देले बाड़े त ओह आदमी के का होई जे एकर बिल्कुल समझ में आवे वाला डिकोड संदेश के नकार देला?

परमेश्वर के लगे एह चेतावनी के साफ-साफ पेश करे के एगो बढ़िया कारण बा, काहे कि इ प्रकाशितवाक्य, जवना के शब्द उ चुनले बाड़े, उहे मूल्य के बा जवन कि उनुका "दस आज्ञा" के पाठ के "पत्थर के पाटी प उनुका अँगुरी से उकेरल बा। " अब, दान में, दान में। 7:25 में, उ भविष्यवाणी कईले कि उनकर शाही "*नियम*" "*बदलल*" के साथे-साथे "*समय*" भी होई। ई कार्रवाई पूरा भइल, जइसन कि हमनी के देखले बानी जा, रोमन प्राधिकरण द्वारा क्रमिक रूप से शाही 321 में, फिर पोप के द्वारा, 538 में, एह कार्रवाई के जवना के ऊ "*अहंकारी*" मानत रहलें, ओकरा के मौत के सजा दिहल जाई, आ भगवान हमनी के निहोरा करे लें कि, भविष्यवाणी के ओर, एह प्रकार के गलती के दोहरावल मत करीं जा जवना के ऊ दृढ़ता से निंदा करे लें।

भगवान के काम उनकर काम बनल रहेला चाहे ऊ कवनो समय में होखे। उनकर भविष्यवाणी के व्याख्या बिना उनकर निर्देश के असंभव बा। एकर मतलब ई बा कि डिसिफर कइल काम के मूल्य एन्क्रिप्टेड काम के समान होला। एह से एह बात के एहसास करीं कि ई काम, जहाँ भगवान के विचार सादा भाषा में प्रकट होला, बहुत उच्च "*पवित्रता*" के बा। ई अंतिम "*यीशु के गवाही*" के गठन करे ला जे भगवान अपना अंतिम असहमत सेवेंथ-डे

एडवेन्टिस्ट सेवकन के संबोधित करे लें ; आ साथे - साथे , सच्चा शनिचर के सब्त के दिन के अभ्यास के साथ , ई 2021 में बा , दान के फरमान के लागू होखे के बाद से निर्धारित अंतिम " *जायज पवित्रता* " / 1843 में 8:14 के समय भइल।

पद 20: " *जे एह बातन के गवाही देला ऊ कहेला , 'हँ , हम* ***जल्दी आवत बानी*** *.' आमीन ! आप्रभु यीशु !* "

काहे कि एह में अंतिम शब्द बा जवन यीशु मसीह अपना चेलन के संबोधित कइले बाड़न , एह से प्रकाशितवाक्य के ई किताब बहुत उच्च पवित्रता के ह। एह में हमनी के व्यवस्था के पाटी के बराबर मिलेला , जवन भगवान के अँगुरी से उकेरल गइल बा आ मूसा के दिहल गइल रहे। यीशु प्रमाणित करत बाड़न ; एह दिव्य प्रमाणीकरण के मुकाबला करे के हिम्मत के करी ? सब कुछ कहल जाला , सब कुछ उजागर हो जाला , ओकरा लगे अउरी कुछुओ कहे के नइखे सिवाय : " *हँ , हम* ***जल्दी आवत बानी*** ." एगो साधारण " *हाँ* " जवन ओकर पूरा दिव्य व्यक्ति के संलग्न करेला , ई कहल बा कि अगर ओकर आसन्न आगमन निश्चित बा काहे कि ऊ अपना वादा के नवीनीकरण करेला : " *हम* ***जल्दी आरहल बानी*** "; एगो " ***तुरंत कहल जाला*** » दिनांकित जवना के पूरा मतलब होला : 2030 के बसंत में .. आऊ " *आमीन* " कह के अपना घोषणा के पुष्टि करेलें ; जवना के मतलब होला : "सचहूँ "।

तब के कहत बा कि " *आजा , प्रभु यीशु* "? एह अध्याय के पद 17 के अनुसार , इ " *आत्मा अउर दुल्हिन* " ह।

पद 21: " *प्रभु यीशु के कृपा सब संत लोग के साथे होखे !* "

प्रभु यीशु के कृपा " के उकसाव के किताब के बंद करेला . इ एगो अइसन विषय ह जवन अक्सर शुरुआती ईसाई सभा में कानून के विरोध करत रहे। ओह समय अनुग्रह के व्यवस्था के विरोध उ लोग करत रहे जे मसीह के प्रस्ताव के मना कर दिहले। यहूदी लोग के कानून के विरासत के मतलब इ रहे कि उ लोग खाली एकरा माध्यम से ईश्वरीय न्याय देखत रहले। यीशु उनकरा के व्यवस्था के पालन से मुक्त ना कइल चाहत रहले , लेकिन उ " ***पूरा*** " करे खातिर अइले जवन पशु बलिदान उनकरा तक भविष्यवाणी कईले रहे। एही से उ मत्ती 5:17 में कहले बाड़न : " *ई मत सोचीं कि हम व्यवस्था या भविष्यवक्ता लोग के खतम करे खातिर आइल बानी ; हम खतम करे खातिर ना आइल बानी , बल्कि* ***पूरा करे खातिर आइल बानी*** ."

सबसे अचरज के बात इ बा कि मसीही लोग के कानून के अनुग्रह के विपरीत सुनल। काहे कि , जइसन कि प्रेरित पौलुस बतावत बाड़न , अनुग्रह के उद्देश्य आदमी के व्यवस्था के पूरा करे में मदद करे के बा , एतना तक कि यीशु यूहन्ना 15:5 में घोषणा कइले बाड़न : " *हम बेल हईं , तू डाढ़ हईं। जे हमरा में रहेला* ***अउर हम ओकरा***

<u>में रहब</u>, *उ बहुत फल देला , काहेकि हमरा बिना रउवां कुछ ना कर सकीं* । " ऊ कवना "करत " के बात करत बाड़न आ कवना " *फल*" के बात करत बाड़न ? व्यवस्था के पालन , जवन उनकर कृपा पवित्र आत्मा में उनकर मदद के माध्यम से संभव बनावेला।

ई वांछ नीय आहितकारी होखीत कि " *प्रभु यीशु के कृपा भइल रहे* ," आई काम कर सकत रहे , " *सब में* "; बाकिर ई विकृत छंद खाली एगो अवास्तविक इच्छा के अभिव्यक्ति करत बा . हमनी के सब केहू के इच्छा बा कि ऊ लोग बहुते संख्या में होखे ; जेतना हो सके ओतना संख्या में होखे के चाहीं ; हमनी के सराहनीय भगवान , सृष्टिकर्ता आ उद्धारकर्ता एकर हकदार बाड़े ; ऊ एकरा खातिर परम योग्य बा। " *सभ संत लोग के साथ* " निर्दिष्ट क के मूल पाठ सभ अस्पष्टता के दूर क देला ; प्रभु के कृपा खाली उनकरा के विशेष रूप से फायदा कर सकेला , उ लोग " *जेकरा के उ अपना सच्चाई से पवित्र करेलन* " (यूहन्ना 17:17)। अउर जे लोग सोचत बा कि उ लोग यीशु मसीह के दावा कइल रास्ता पर चल के अनन्त जीवन प्राप्त करीहें , हम रउवां के याद दिलावत बानी कि " *रास्ता* " अउर " *जीवन* " *के बीच* , यूहन्ना 14:6 के अनुसार अपरिहार्य " *सच्चाई* " *बा।* एह श्लोक के आशीष के दावा करे वाला विद्रोहियन के पूरा सम्मान के साथ , 1843 से प्रभु के कृपा से खाली ओह लोग के फायदा होला जेकरा के ऊ शनिचर के पवित्र सब्त के दिन आपन आराम बहाल क के पवित्र करेलन। इहे काम ह जवन उनकर " *सच्चाई* " के प्रति प्रेम के गवाही से जु ड़ल चुनल संतन के ओह कृपा के लायक बनावेला जवना के सवाल बा। एह से कृपा "सब" के समर्पित ना कइल जा सकेला। एह से बाइबल के भ्रामक खराब अनुवाद से सावधान रहीं , जवन ओह लोग खातिर एगो भयानक अंतिम मोहभंग के ओर ले जाला जे अपना दुर्भाग्य के चलते ओह लोग पर भरोसा करेला !

एह काम में प्रस्तुत ईश्वरीय प्रकाशितवाक्य उत्पत्ति के विवरण में भविष्यवाणी कइल गइल सबक के पुष्टि कइले बा , जवना के महत्वपूर्ण महत्व के हमनी के नोट करे में सक्षम बानी जा। एह रचना के अंत में एह मुख्य पाठन के याद कइल हमरा उपयोगी लागत बा . ई जायज बा , आ हम ई बतावल चाहब कि हमनी के समकालीन दुनिया में रोमन कैथोलिक धर्म के कल्टिक विरासत के चलते ईसाई आस्था के भारी मात्रा में विकृत रूप में प्रस्तुत कइल गइल बा। भगवान के मार्ग कइल सच्चाई ईसा मसीह के पहिला प्रेरित लोग के समझल सरल आतार्किक स्थिति में रहल बा , लेकिन ई सादगी , जे करा के अक्सर अनदेखी कइल जाला , अपना अल्पसंख्यक प्रकृति के कारण अदीक्षित लोग खातिर जटिल हो जाला। दरअसल , अंतिम समय के यीशु मसीह के अंतिम संतन

अउर प्रलय के आध्यात्मिक संरचना के पहचान करे खातिर , दानियल 8:14 के फरमान बहुत जरूरी बा। लेकिन एह फरमान के पहचान करे खा तिर दानियल के पूरा किताब के अध्ययन अउर ओकर भविष्यवाणी के व्याख्या भी जरूरी बा। ई सब बात समझ के , एपोकैलिप्स हमनी के सामने आपन राज उजागर करेला। ई जरूरी अध्ययन पश्चिम में , आखास कर के फ्रांस में , हमनी के समय के अविश्वासी आदमी के मनावे के कोशिश करत घरी जवन दि क्कत के सामना करे के पड़ेला , ओकरा के बतावेला .

यीशु कहले कि उनकरा के नेतृत्व करे वाला पिता के अलावा केहू उनकरा लगे ना आसकेला , अउर उ इहो कहले , उनकर चुनल लोग के बारे में , कि उ लोग के पानी अउर आत्मा से पैदा होखे के चाहीं। इ दुनो शिक्षा पूरक तरीका से इ दर्शाव ता कि भगवान अपना सभ प्राणी में से अपना चुनल लोग के आध्यात्मिक स्वभाव के जानत बाड़े। नतीजतन , इनहन में से हर एक एह प्रकृति के अनुसार प्रतिक्रिया करी जे एकरा खातिर बिसेस बा ; एह तरह से , जे केहू के सब्त के दिन के पक्ष में पूर्वाग्रह बा जवन यहूदी लोग पहिले से ही अभ्यास करत बा , उ भविष्यवाणी के प्रकाशन के बिना बहुत कठिनाई के स्वीकार करी जवन बतावेला कि इ 1843 से परमेश्वर के द्वारा माँगल गईल बा।उल्टा , जे केहू के एकरा बारे में प्रतिकूल पूर्वाग्रह बा , उ प्रस्तुत बाइबिल के सब तर्क के नकार दिही अउर ओकरा मना करे के सही का रण मिल जाई। एह सिद्धांत के समझला से हमनी के ओह लोग के बारे में कवनो मोहभंग से बचावल जा सकेला जेकरा सामने हमनी के मसीह के सच्चाई पेश करेनी जा। परमेश्वर के विचार के सच्चाई के प्रकट करके , भविष्यवाणी आपन पूरा शक्ति " *अनन्त सुसमाचार* " के दे देले जवना के यीशु के चेलन के " *दुनिया के अंत तक राष्ट्रन के सिखावे के चाहीं* "।

एपोकैलिप्स के " *जानवर* " के बारे में बतावल गइल बा

जानवर " के प्रतिरूप में प्रकट भइल ।

पहिला शाही रोम के नामित करेला , जवना के प्रतिनिधित्व प्रकाशितवाक्य 12:3 में " *दस सींग वाला अजगर आसात गो सिर वाला मुकुट पहिनले* " *से कइल गइल बा ;* प्रकाशितवाक्य 2:6 में " *निकोलाई के लोग* "; " *शैतान* " प्रकाशितवाक्य 2:10 में दिहल गइल बा।

दूसरा पोप के कैथोलिक रोम से संबंधित बा , जवना के छवि प्रकाशितवाक्य 13:1 के " *समुद्र से निकले वाला जानवर , दस सींग आमुकुट आसात सिर वाला* " *द्वारा कइल गइल बा ;* " *शैतान के सिंहासन* " प्रकाशितवाक्य 2:13 में ; " *ईजेबेल औरत* " प्रकाशितवाक्य 2:20 में ; " *चाँद खून से रंगल* " प्रकाशितवाक्य 6:12 में ;

प्रकाशितवाक्य 8:12 में " *चउथा तुरही* " के " चाँद *के मारल तिहाई* "; प्रकाशितवाक्य 10:2 में " *समुद्र* "; " *ईख छड़ी निहन* " प्रकाशितवाक्य 11:1 में ; प्रकाशितवाक्य 12:4 में " *अजगर* " के " *पूंछ* "; प्रकाशितवाक्य 12:14 में " *साँप* "; आपद 13, 16 आ17 के " *अजगर* "; प्रकाशितवाक्य 14:8 अउर 17:5 में " *महान बाबुल* "।

तीसरा फ्रांसीसी क्रांतिकारी नास्तिकता के निशाना बनावेला , जवना के छवि प्रकाशितवाक्य 11:7 में " *अथाह गड्ढा से उठल जानवर* " द्वारा *कइल गइल बा* ; प्रकाशितवाक्य 2:22 में " *महान संकट* " के ; प्रकाशितवाक्य 8:12 में " *चउथा तुरही* "; " *नदी के निगल जाए वाला मुँह* " जवन कैथोलिक लोग के प्रतीक ह , प्रकाशितवाक्य 12:16 में। इ प्रकाशितवाक्य 11:14 में उद्धृत " *दूसरा हाय* " के पहिला रूप से संबंधित बा । एकर दूसरा रूप प्रकाशितवाक्य 9:13 के " *छठवाँ तुरही* " से पूरा होई , यानी प्रकाशितवाक्य 8:13 के अनुसार " *दूसरा हाय* " के शीर्षक के तहत , 7 मार्च , 2021 से 2029 के बीच , परमाणु युद्ध में समाप्त होखे वाला तीसरा विश्वयुद्ध के असली पहलू के तहत। पृथ्वी के आबादी कम करे वाला मानव नरसंहार (*अथाह गड्ढा*) " *चउथा आ छठवाँ तुरही* " के बीच स्थापित कड़ी हवे । एह युद्ध के विकास के विवरण दान में सामने आइल बा। 11:40-45 बजे के बा।

चउथा " *जानवर* " के मतलब होला प्रोटेस्टेंट आस्था आ कैथोलिक आस्था , एकर सहयोगी , जे पार्थिव इतिहास में बिस्वास के अंतिम परीक्षा में भइल। इ " *धरती से उठत बा* " प्रकाशितवाक्य 13:11 में ; जवना के मतलब बा कि ई खुद कैथोलिक आस्था से निकलल बा जवना के प्रतीक " *समुद्र* " बा . सुधार के दौर में भारी बहुमत से एगो प्रोटेस्टेंट धर्म के स्थापना भइल , कई गो पहलू सभ के साथ , धर्मत्याग के चिन्हित कइल गइल , जॉन केल्विन के रचना सभ में युद्धप्रिय , कठोर , क्रूर आसतावे वाला चरित्र के गवाही दिहलस। दान के फरमान के लागू होखे के। 8:14 1843 के बसंत से एकर वैश्विक स्तर पर निंदा कइले बा।

1843-1844 के प्रोटेस्टेंट बिसवास के परीक्षा से जिंदा उभरल संस्थागत एडवेन्टिस्ट बिसवास 1994 के शरद ऋतु से पीछे हट गइल बा आप्रोटेस्टेंट बिसवास आ एकरे ईश्वरीय अभिशाप के दर्जा में वापस आ गइ ल बा ; एकर कारण बा कि 1991 से एह काम में प्रकट भइल ईश्वरीय भविष्यवाणी प्रकाश के आधिकारिक तौर पर अस्वीकार कइल गइल बा।संस्थागत रूप के एह आध्यात्मिक मौत के भविष्यवाणी प्रकाशितवाक्य 3:16 में कइल गइल बा : " *हम तोहरा के अपना मुँह से उल्टी करब* । "

भविष्यवाणी के अंति म पूर्ति हमनी के सामने बा , अउर सबके विश्वास के परीक्षा होई। प्रभु यीशु

मसीह , सब मनुष्य के बीच , ओह लोग के पहचानिहें जे उनकर हवें , यानी कि उनकर महत्वपूर्ण प्रकाशन , ईश्वरीय प्रेम के फल के स्वागत करेलें , आनन्द अउर कृतज्ञता के निष्ठा से।

अंतिम चुनाव के समय, चुन ल लोग के एह तथ्य से अलग कइल जाई कि उ लोग जान जाई कि गिरल लोग काहे गिरल बा , ईश्वरीय प्रकाशितवाक्य एह तरह से उद्धार पावे वाला अउर खोवल लोग के बीच अंतर पैदा करी जेकरा से , प्रेरित युग से " *इफिसुस* ", प्रकाशितवाक्य 2:5 में , परमेश्वर कहले बाड़न : " *एह से याद रखीं कि रउवां कहाँ से गिरल बानी* "; आ1843 में , " *सार्डिस* " युग में , ऊ प्रोटेस्टेंट लोग से भी कहले रहलें , प्रकाशितवाक्य 3:3 में : " *याद करीं कि रउआँ कइसे मिलल बा आसुनले बानी ; आरखीं आपश्चाताप करीं* "; ई 1994 से गिरल एडवेन्टिस्ट लोग तक, जे भले ही सब्त के दिन के पालन करे वाला हवें , यीशु से , प्रकाशितवाक्य 3:19 के ई संदेश प्राप्त करेलन : " *जेतना से हम प्रेम करेनी , हम डांटत बानी अउर ताड़त बानी ; एह से जोश में रहीं अउर पश्चाताप करीं* । "

एह भविष्यवाणी वाला प्रकाशितवाक्य के तइयार करे में , सृष्टिकर्ता परमेश्वर , जेकर सामना यीशु मसीह के व्यक्ति में भइल , अपना चुनल लोग के अपना दुश्मनन के साफ -साफ पहचान करे में सक्षम बनावे के लक्ष्य रखलन ; काम हो जाला आ भगवान के लक्ष्य पूरा हो जाला। एह तरह से आध्यात्मिक रूप से समृद्ध होके उनकर चुनल " *मेमना के बियाह के भोज खातिर तइयार दुलहिन* " बन जाला। उ " *ओकरा के महीन सफेद लिनन पहिनले , जवन कि संत लोग के धार्मिक काम ह* " प्रकाशितवाक्य 19:7 में। रउवां जे एह काम के सामग्री पढ़ले बानी , अगर रउवां भाग्यशाली अउर धन्य बानी कि *रउवां उनकर संख्या में बानी , त " अपना परमेश्वर से मिले खातिर तैयार हो जाईं* " (आमोस 4:12), उनकर सच्चाई में !

जबकि दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के रहस्यमय भविष्यवाणी के व्याख्या पूरा तरह से पूरा हो गइल बा अउर मसीह के सही वापसी के समय अब हमनी के पता चल गईल बा , लूका 18:8 में उद्धृत यीशु मसीह के इ सवाल एगो कुछ दुखद संदेह लटकल बा : " *हम तोहनी से कहत बानी कि उ जल्दी से उनकर बदला लीहे। **लेकिन जब आदमी के बेटा आई त का उ धरती पर विश्वास पाई ?*** " काहे कि सच्चाई के बौद्धिक ज्ञान के भरमार एह आस्था के गुण के कमजोरी के भरपाई ना कर सके ." ईसा मसीह के वापसी के सामना करे वाला मानवता के विकास हर तरह के मजबूती से प्रोत्साहित स्वार्थ के अनुकूल माहौल में भइल बा। व्यक्तिगत सफलता कवनो कीमत पर हासिल करे के लक्ष्य बन गइल बा , ऊहो अपना पड़ोसी के कुचल के , आई 70

साल से अधिका के विश्व शांति के लमहर दौर में भइल बा . जब हमनी के जानत बानी जा कि ईसा मसीह द्वारा प्रस्तावित स्वर्ग के मूल्य हमनी के समय के एह मानक के बिल्कुल विरोध में बा , त उनकर सवाल दुखद रूप से जायज लउकेला , काहे कि ई ओह लोग के चिंता कर सकेला जे खुद के "चुनल " मानत रहे , लेकिन दुर्भाग्य से खाली "बोलावल " रह जाई ; काहे कि यीशु के उनकरा में विश्वास के उ गुण ना मिलल होई जवन उनकर अनुग्रह के लायक होखे खातिर जरूरी बा।

चिट्ठी मार देला बाकिर आत्मा जान देला

एह अंतिम अध्याय में प्रकाशितवाक्य के व्याख्या पूरा कइल गइल बा। दरअसल , हम अभी बाइबिल के कोड प्रस्तुत कइले बानी जवन हमनी के ओह प्रतीकन के पहचान करे के अनुमति देला जवना के परमेश्वर अपना भविष्यवाणी में इस्तेमाल करेलन , लेकिन जबकि एकर उद्देश्य 1843-1844 से सब्त के दिन के वापसी खातिर उनकर आवश्यकता के प्रकट कइल बा , सब्त के दिन शब्द दानियल या प्रकाशितवाक्य के एह भविष्यवाणी ग्रंथन में एक बेर भी नइखे आइल। एकर सुझाव हमेशा दिहल जाला बाकिर साफ -साफ हवाला ना दिहल जाला . एकर नाम स्पष्ट ना करे के कारण इ बा कि सब्त के दिन के अभ् यास प्रेरित मसीही विश्वास के एगो मूलभूत सामान्यता ह , काहे कि सब केहू देख सकेला कि सब्त के विषय कबो यहूदी अउर पहिला प्रेरित , ईसा मसीह के चेला के बीच विवाद के विषय ना रहे। हालाँकि , शैतान एकरा पर हमला कइल ना छोड़लस , पहिले यहूदी लोग के एकरा के "अशुद्ध " करे खाति र उकसव के , फिर दूसरा ईसाई

लोग के , एकरा के पूरा तरीका से "अनदेखी " करे के। एह परिणाम के पावे खातिर ऊ ओह मूल ग्रंथन के झूठा अनुवाद के प्रेरणा दिहलन जवना में उनुकर जिक्र बा . साथ ही , ईश्वरीय सच्चाई के ई प्रस्तुति एह घृणित कुकर्म के निंदा के बिना पूरा ना होई , जवना के शिकार , पहिले , यीशु मसीह में परमेश्वर हवे , फिर उ लोग जेकरा के उनकर प्रायश्चित करे वाला मौत अनन्त जीवन के अर्पित कर सकत रहे।

पुरान अउर नया वाचा के लेखन में **एको श्लोक नइखे , यानी कि पूरा बाइबल ,** जवन उनकर दस आज्ञा में से चउथा आज्ञा से सब्त के स्थिति में बदलाव के सिखावेला ; एकरा अलावा , भगवान के द्वारा पवित्र कइल गइल , हमनी के पार्थिव दुनिया के रचना के शुरुआत से।

दानियल 8:14 के फरमान के लागू होखे के कारण प्रोटेस्टेंट धर्मत्याग के बाद से , 1843 के बसंत में आजतक, बाइबल पढ़ला से मारल जाला। हम निर्दिष्ट करत बानी , ई बाइबल ना ह जवन स्वेच्छा से मारेला , इ उपयोग ह जवन अनुवाद के गलती से एकर इस्तेमाल होला जवन मूल ग्रंथन के अनुवादित संस्करण " *हिब्रू आग्रीक* " में आवेला ; बाकिर ई सबले बढ़ के खराब व्याख्या का चलते भी एगो समस्या बा . परमेश्वर खुद ओह बात के पुष्टि करेलन , प्रतिरूप में , प्रकाशितवाक्य 9:11 में : " *उनकरा पर राजा के रूप में खाई के दूत रहे , जेकर नाम हिब्रू में अबादोन आयूनानी में अपोलियन रखल गइल रहे* " हमरा इहाँ एह श्लोक में छिपल संदेश याद बा : " *अब्बादोन अउर अपोलियन* " के मतलब बा , " *हिब्रू अउर ग्रीक में* ": विनाशक। " *अथाह गड्ढा के दूत* " प्रकाशितवाक्य 11:3 के बाइबिल के " *दू गो गवाह " के इस्तेमाल करके विश्वास के नष्ट कर देला।*

साथ ही , 1843 से लेके अब तक झूठा विश्वासी लोग बाइबल के ऐतिहासिक गवाही के पढ़े में दू गो गलती कइले बा। पहिला ई कि यीशु मसीह के जन्म के उनकर मौत से ज्यादा महत्व दिहल गइल बा अउर दूसरा एह गलती के अउरी मजबूत करेला , उनकर मौत से ज्यादा उनकर पुनरुत्थान के महत्व देके। ई दोहरा गलती उनकरा खिलाफ गवाही देला , काहे कि परमेश्वर के अपना प्राणी खातिर प्रेम के प्रदर्शन , अनिवार्य रू प से , उनकर स्वैच्छिक निर्णय पर टिकल बा कि उ, मसीह में , अपना चुनल लोग के मुक्ति खातिर आपन जान देवे। यीशु के पुनरुत्थान के प्राथमिकता देवे में परमेश्वर के उद्धार योजना के तोड़ल शामिल बा , अउर इ दोषी लोग खातिर उनकरा से खुद के काट के उनकर पवित्र , न्यायपूर्ण अउर अच्छा वाचा के तोड़े के परिणाम ले जाला। मसीह के जीत उनकर मौत के स्वीकृति पर टिकल बा , उनकर पुनरुत्थान खाली उनकर दिव्य सिद्धता के सुखद अउर न्यायसंगत परिणाम ह।

कुलुस्सी 2:16-17: “ *एह से केहू तोहनी के खाए -पीए , चाहे पवित्र दिन या अमावस्या या सब्त के दिन के बारे में न्याय मत करे , इ सब आवे वाला चीजन के परछाईं ह, लेकिन शरीर मसीह के ह।* ”

एह श्लोक के प्रयोग अक्सर साप्ताहिक " *सब्त* " के अभ्यास के बंद करे के जायज ठहरावे खातिर कइल जाला . दू गो कारण एह चुनाव के निंदा करत बा . पहिला इ कि " *सब्त के दिन* " *अभिव्यक्ति* " *सब्त के दिन* " के नामित करेला जवन लेवीय 23 में परमेश्वर द्वारा निर्धारित सालाना धार्मिक " *पर्व* " के कारण होला। इ चलत " *सब्त* " *ह जवन धार्मिक* " *परब* " के समय के शुरुआत में अउर कबो अंत में र खल जाला । ओह लोग के उकसाव एह अभिव्यक्ति से होला " *ओह दिन रउरा कवनो गुलामी के काम मत करीं* ." *साप्ताहिक* "*सबत* " से उनकर एकमात्र संबंध उनकर नाम " *सब्त* " ह, जवना के मतलब होला "बंद कइल, आराम कइल," अउर जवन पहिला बेर उत्पत्ति 2:2 में आइल बा : " *परमेश्वर आराम कइलन* । " इहो बतावल जरूरी बा कि चउथा आज्ञा के हिब्रू पाठ में उद्धृत " *सब्त* " शब्द एल .सेगोंड अनुवाद में नइखे , जवन एकरा के खाली " *विश्राम के दिन* " या " *सातवाँ दिन* " नाम से नामित करेला। हालाँकि , इ आपन जड़ उत्पत्ति 2:2 में उद्धृत क्रिया से लेले बा : " *आराम* " या " *सब्त के दिन* " जवना के नाम बाइबल के जेएनडार्बी संस्करण में स्पष्ट रूप से दिहल गइल बा।

दूसरा कारण इ ह : पौलुस " *भोज अउर सब्त के दिन* " के बारे में कहले बाड़न कि इ " *आवे वाला चीजन के परछाईं ह,* " यानी कि उ चीज जवन एगो वास्तविकता के भविष्यवाणी करेला जवन रहे या आवे वाला बा। मान लीं कि एह श्लोक में " *सातवाँ दिन के सब्त* " *के संबंध बा* , त सातवीं सहस्राब्दी के आगमन तक ई एगो " *आवे वाला परछाईं* " *बनल बा जवना के ऊ भविष्यवाणी कइले बाड़न। ईसा मसीह के मौत से* " *सातवाँ दिन के सब्त के दिन* " के मतलब के खुलासा भइल , जवन भविष्यवाणी करेला , पाप अउर मौत पर उनकर जीत के कारण , स्वर्गीय " *हजार साल* " जवना के दौरान उनकर चुनल गइल पतित सांसारिक अउर स्वर्गीय मृतक लोग के न्याय करीहें।

एह श्लोक में " *भोज , अमावस्या* " अउर उनकर " *सब्त* " पुरान वाचा के इस्राएल के राष्ट्रीय रूप के अस्तित्व से जुड़ल रहे। अपना मौत के माध्यम से , नया वाचा के स्थापित करके , यीशु मसीह एह भविष्यवाणी के बातन के बेकार बना दिहले ; उनकर निपुण सांसारिक सेवा के वास्तविकता के सामने फीका होखे वाला " *छाया* " *निहन बंद होखे के रहे आ गायब होखे के रहे।* जबकि साप्ताहिक "सबत " सातवीं सहस्राब्दी के आवे के

इंतजार करेला ताकि ऊ अपना भविष्यवाणी कइल वास्तविकता से मिल सके आआपन उपयोगिता खो सके।

पौलुस "*खाए -पीए के* " भी हवाला देले बाड़न . एगो वफादार सेवक के रूप में उ जानत हउवें कि परमेश्वर ले वीय 11 अउर व्यवस्था 14 में एह सब बातन के बारे में बतवले बाड़न , जहाँ उ इ तय कइले बाड़न कि कवन साफ भोजन के अनुमति बा अउर कवन अशुद्ध भोजन मना बा। पौलुस के शब्दन के उद्देश्य एह ईश्वरीय नियमन के चुनौती देवे के नइखे , बल्कि खाली मानवीय विचार (*जवन केहू ना ...*) एह विषय पर व्यक्त कइल गइल बा , जवना के उ रोमियों 14 अउर 1 कुरिन्थियों में विकसित करीहें। 8, जहाँ उनकर विचार अउरी साफ -साफ लउकेला। विषय मूर्ति आ झूठा देवता के बलि दिहल भोजन से संबंधित बा। उ चुनल लोगन के , जे परमेश्वर के आध्यात्मिक इस्राएल बनावेला , उनकरा प्रति उन कर कर्तव्य के याद दिलावत हउवें , 1 कुरिन्थियों में कहत हव। 10:31: " *चाहे रउवां खाईं , या पीईं , या जवन कुछ करीं , सब कुछ परमेश्वर के महिमा खातिर करीं* ." का परमेश्वर के महिमा उ लोग करेला जे एह विषयन पर उनकर प्रकट कइल गइल नियमन के अनदेखी करेला अउर तिरस्कार करेला ?

इ याकूब हवें , जे यीशु के भाई हवें , जे प्रेरितन के ओर से **खतना के बारे में बात करेलन** , प्रेरितों के काम 15:19-20-21 में : " *एह से हम निहोरा करत बानी कि गैर -यहूदी लोग के बीच से लोग के परेशान मत करीं जे परमेश्वर के ओर मुड़त बा , बल्कि उनकरा के लिखीं कि उ लोग मूर्ति के प्रदूषण से परहेज करीं , व्यभिचार से परहेज करस , अउर गला रेत के खून से परहेज करस। मूसा खातिर प्राचीन काल में हर शहर में उनकर प्रचार करे वाला लोग बा , **हर सब्त के दिन** आराधनालय में पढ़ल जाला* ."

अक्सर सब्त के दिन से धर्मांतरित बुतपरस्त लोग के आजादी के जायज ठहरावे खातिर इस्तेमाल कइल जाला , ई श्लोक , एकरा उलट , प्रेरित लोग द्वारा प्रोत्साहित आ सिखावल गइल एकर अभ्यास के सबसे बढ़िया प्रमाण के रूप में गिनावल जाला। दरअसल , याकूब मानत बाड़न कि उनकरा पर खतना थो पल उपयोगी नइखे अउर उ जरूरी सिद्धांतन के संक्षेप में बतावत बाड़न काहे कि गहिराह धार्मिक शिक्षा उनकरा के सामने तब पेश कइल जाई जब उ लोग " ***हर सब्त के दिन*** " अपना स्थानीयता के यहूदी सभाघर में जाई।

एगो अउरी बहाना जवना के इस्तेमाल खाद्य पदार्थन के साफ आ अशुद्ध वर्गीकरण के बंद करे के जायज ठहरावे खातिर कइल गइल : प्रेरितों के काम 10

में पतरस के दिहल गइल दर्शन।उनकर सफाई प्रेरितों के काम 11 में विकसित कइल गइल बा जहाँ उ दर्शन के "अशुद्ध जानवर " के पहचान बुतपरस्त "पुरुष " से कइले बाड़न जे उनकरा से रोमन सेनापति "कुर्नेलियुस " के लगे जाए के कहे आइल रहले। एह दर्शन में भगवान ओह बुतपरस्तन के अशुद्ध स्वभाव के चित्रण कइले बाड़न जे उनकर सेवा ना करेला आ झूठा देवता लोग के सेवा करेला। हालाँकि , ईसा मसीह के मौत अउर पुनरुत्थान उनकरा खातिर एगो बड़हन बदलाव ले आवेला , काहे कि यीशु मसीह के प्रा यश्चित बलिदान में विश्वास के माध्यम से उनकरा खातिर अनुग्रह के दरवाजा खुलल बा। इहे दर्शन के माध्यम से परमेश्वर पतरस के इ नयापन सिखावेलन। नतीजतन , परमेश्वर द्वारा स्थापित साफ अउर अशुद्ध वर्गीकरण , लेवीय 11 में , दुनिया के अंत तक बा अउर जारी बा। सिवाय एह बात के कि , 1843 से , दान .8:14 के फरमान के साथ , मनुष्य के भोजन मूल " *पवित्रीकरण* " के मानक ले लेला जवन उत्पत्ति 1:29 में स्थापित आआदेश दिहल गइल बा : " *अउर परमेश्वर कहले : देखऽ , हम तोहनी के हर पौधा देले बानी जवन बीज पैदा करेला , जवन पूरा धरती पर बा , आहर पेड़ जवना में बीज पैदा करे वाला पेड़ के फल बा ; रऊवाँ* । "

यीशु अपना चुनल लोग के बचावे खातिर शारीरिक अउर मानसिक यातना में आपन जान दे दिहलन। बहुत उच्च स्तर के पवित्रता पर संदेह मत करीं जवन ई भावुक मौत ओकरा से बदले में माँगेला जेकरा के ऊ बचावेला। सचमुच में !

ईसा मसीह के पार्थिव समय

20 मार्च 2021 के सब्त के दिन के मोती

अपना सेवा के शुरुआत से ही हमरा विश्वास रहे , अउर हम एकरा के गवले रहनी , कि "यीशु के जनम बसंत में

भईल रहे। " 20 मार्च 2021 के एह सब्त के दिन एगो भक्ति सभा के शुरुआत में 10:37 a.m. तब आत्मा हमरा के अेह बात के सबूत खोजे खातिर ले गइल जवन तब तक विश्वास के एगो साधारण विश्वास रहे। एगो यहूदी कैलेंडर हमनी के साल के वसंत विषुव के समय के रखे के अनुमति दिहलस - हमनी के उद्धारकर्ता के जन्म के आधिकारिक ईसाई तारीख से पहिले 6- 21 मार्च के "सब्बत के दिन "।

साल –6 काहे ?

काहे कि ईसा मसीह के जन्म के हमनी के आधिकारिक तिथि निर्धारण द्व गो गलती पर बनल रहे। 6वीं सदी ईसवी में ही कैथोलिक भिक्षु डायोनिसियस द स्मॉल कैलेंडर स्थापित करे के काम शुरू कइलें। बाइबिल भा ऐतिहासिक सटीकता के अभाव में ऊ एह जनम के राजा हेरोदेस के मौत के तारीख पर रखलें जेकरा के ऊ रोम के स्थापना के बाद 753 ई. में रखलें। एकरे बाद से इतिहासकार लोग इनके गणना में 4 साल के गलती के पुष्टि कइले बा ; जवना में हेरोदेस के मौत रोम के स्थापना के बाद 749 ई. में बतावल गइल बा। लेकिन यीशु के जनम हेरोदेस के मौत से पहिले भइल रहे , अउर मत्ती 2:16 हमनी के एगो स्पष्टीकरण देला जवन कि खिसियाइल राजा हेरोदेस के आदेश पर "निर्दोष लोग के नरसंहार " के समय यीशु के उमिर " *द्व साल* " बतावेला , काहे कि उ दुख भोगत रहले अउर महसूस कइले रहले कि उ मौत के नजदीक आवत बा जवन उनका के शक्ति के आनंद से फाड़ दी। विस्तार महत्वपूर्ण बा , काहे कि पाठ में निर्दिष्ट कइल गइल बा कि , " *द्व साल , ओह तारीख के अनुसार जवना तारीख के ऊ मैगी लोग से सावधानी से पूछताछ कइले रहले* ." पिछला गलती के चार साल में जोड़ल जाव त रोम के स्थापना से लेके साल -6 यानी 747 बाइबिल के अनुसार स्थापित बा।

साल के वसंत विषुव – 6 के बा

सब्त के दिन गिर के , एह साल – 6 में , बाइबल हमनी के सिखावेला कि एगो स्वर्गदूत " चरवाहा लोग के सामने प्रकट भइलन जे *अपना झुंड के देखभाल करत रहले* "। सब्त के दिन व्यापार पर रोक बा बाकिर जानवरन के दिहल पहरा आ देखभाल पर ना ; यीशु एकर पुष्टि करत कहले कि : " *तोहनी में से केकरा के भेड़ गड्ढा में गिरल बा , त सब्त के दिन भी ना आके ओकरा के बचावेला ? ?* ». एह तरह से एगो स्वर्गदूत के द्वारा , " *अच्छा चरवाहा ", मानव भेड़ के उद्धारकर्ता आमार्गदर्शक के* जन्म के घोषणा , सबसे पहिले , जानवर भेड़ के मानव चरवाहा , रक्षक आरक्षक लोग के कइल गइल। स्वर्गदूत निर्दिष्ट कइले : " *... काहे कि आज दाऊद के शहर में तोहरा खातिर एगो उद्धारकर्ता पैदा भइल बा , जवन मसीह , प्रभु हवें* ". एह से इ " *आज*" सब्त के दिन रहे अउर चूंकि घोषणा रात में भइल रहे , एहसे यीशु के जनम 6 p.m.,

सब्त के दिन के शुरुआत , अउर रात के समय के बीच होला जवन स्वर्गदूत द्वारा चरवाहा लोग के कइल घोषणा के बीच होला। अब हमनी के ओह सटीक समय के स्थापित करे के होई जब इजरायल के टाइम डायल में साल – 6 के वसंत विषुव पूरा भइल रहे। बाकिर ई अबहीं संभव नइखे काहे कि हमनी का लगे एह समय के कवनो जानकारी नइखे .

सब्त के दिन यीशु के जन्म परमेश्वर के उद्धार योजना के स्पष्ट अउर बिल्कुल तार्किक बनावेला। यीशु अपना के " मनुष्य *के बेटा* " " *सब्त के दिन के मालिक* " घोषित कईले . काहे कि सब्त के दिन अस्थायी होला आ एकर उपयोगिता उनकर दूसरा आगमन के दिन तक चलेला , अबकी बेर शक्तिशाली आगौरवशाली। यीशु सब्त के दिन के पूरा अर्थ देले बाड़न काहे कि उ भविष्यवाणी करेलन कि पाप अउर मौत पर जीत के द्वारा अकेले अपना चुनल लोग खातिर जीत ल सातवीं सहस्राब्दी के बाकी हिस्सा।

वयस्कता में उनकर प्रवेश के निशानी बनावे खातिर , "बारह साल " के उमिर में , यीशु ओह धार्मिक लोग के साथे आध्यात्मिक रूप से हस्तक्षेप करेलन जेकरा से उ पवित्र शास्त्र में घोषित मसीहा के बारे में सवाल उठावेलन। तीन दिन से ओकरा के खोजत अपना माता - पिता से अलगा होके ऊ अपना दिव्य स्वतंत्रता आ पार्थिव मनुष्य के पक्ष में अपना मिशन के प्रति जागरूकता के गवाही देत बाड़न .

एकरा बाद उनकर सक्रिय आ आधिकारिक पार्थिव सेवा के समय आवेला। दानियल 9:27 के शिक्षा एकरा के " *क. के " वाचा* " के रूप में प्रस् तुत करेला *हफ्ता* " जवन शरद ऋतु 26 आ शरद ऋतु 33 के बीच सात साल के प्रतीक हवे। एह दुनों शरद ऋतु के बीच , एगो केंद्रीय स्थिति में , बसंत आसाल 30 के फसह के परब बा जहाँ , 3 p.m., ईस्टर् के "हफ्ता के बीच " में , बुधवार , 3 अप्रैल , 30 के , ईसा मसीह हिब्रू संस्कार के " *पशु बलिदान आचढ़ावा* " के बंद क दिहलें , आपन चढ़ा के जीवन के अकेले अपना चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित करे खातिर , यीशु 35 साल 13 दिन के रहले , पाप अउर मौत पर विजयी होके मरत रहले , इ कहत रहले कि : " मौत पर उनकर जीत के पुष्टि तब हो गईल जब तक कि *उ* अपना प्रेरित अउर चे लन के साथ ना चढ़ गईले पेंटेकुस्त के पर्व से पहिले , प्रेरितों के काम 1:1 से 11 में दिहल गवाही के अनुसार , लेकिन एह मौका पर स्वर्गदूत उनकर गौरवशाली वापसी के घोषणा के तइयार कइलन , कहलन : " *गलील के लोग , रउवां इहाँ काहे खड़ा बानी , स्वर्ग के ओर देखत बानी ?* ***इहे यीशु*** *, जेकरा के तोहनी से स्वर्ग में ले जाइल गइल बा ,* ***उहे तरीका से अइहें जइसे तू ओकरा के स्वर्ग में जात देखले रहलू*** "पेन्टेकोस्ट में , उ आपन स्वर्गीय सेवा "पवित्र आत्मा " के रूप में शुरू कईले , जवन कि उनुका

के दुनिया के अंत तक, एकरा संगे -संगे , पूरा धरती प बिखराइल अपना हर चुनल के भावना में काम करे में सक्षम बनावेला। " तब ह जब उनकर नाम यशायाह 7:14, 8:8 अउर मत्ती 1:23 में भविष् यवाणी कइल गइल बा , “ *इमैनुएल* ” जवना के मतलब होला , “परमेशवर हमनी के साथे ”, आपन असली अर्थ ले लेला , अउरी भी।

एह दस्तावेज में दिहल विवरण इनाम के गठन करेला जवन यीशु अपना चुनल लोग के विश्वास के प्रदर्शन के सराहना के निशानी के रूप में देवेलन। एही तरे उनकर निधन के तारीख हमनी के उनकर अंतिम गौरवशाली वापसी के तारीख के जाने आसाझा करे के अनुमति देला , जवना के ऊ साल 2030 में बसंत के पहिला दिन खातिर प्रोग्राम कइले बाड़न ; यानी 3 अप्रैल , 30 के सूली पर चढ़ावे के बसंत के 2000 साल बाद।

पवित्रता आपवित्रता के भाव

पवित्रता अउर पवित्रता अविभाज्य ह अउर यीशु मसीह में परमेश्वर द्वारा दिहल गईल उद्धार के शर्त ह। पौलुस इब्रानियों 12:14 में इ याद दिलावत बाड़न : “ *सब लोग के साथे शांति अउर पवित्रता के पालन करीं , जवना के बिना केहू प्रभु के ना देख पाई .*”

पवित्रीकरण " के एह दिव्य अवधारणा के पूरा तरह से समझे के चाहीं काहे कि ई "भगवान के सब कुछ " से संबंधित बा आ सभ मालिकन नियर , ऊ अपना के बिना परिणाम के बेदखल ना होखे देत बाड़न जे लोग अइसन करे के हिम्मत करेला। अब, उनकर चीजन के इन्वेंट्री आ लिस्ट स्थापित कइल बेकार बा ; जीवन के रचनाकार आ ओकरा में जवन कुछ भी बा , सब कुछ उनकर ह। एह से ओकरा अपना सभ जीव -जन्तु पर जीवन -मरण के अधिकार बा। बाकिर , ओकरा साथे रहे के अधिकार भा ओकरा बिना मरला के अधिकार सभका पर छोड़ के , ओकर चुनल लोग ओकरा साथे जुड़ जाला आ ओकरा साथे एगो स्वतंत्र आ स्वैच्छिक

चुनाव अनन्त काल खातिर ओकर होखे . ओकरा से ई सुलह ओकरा चुनल लोग के ओकर संपत्ति बना देला . जेकरा के ऊ स्वागत करेला आ पहचानेला ऊ लोग उनकर **पवित्रीकरण के अवधारणा में प्रवेश करेला** जवन पहिले से ही ओह सब नियमन से संबंधित रहे जवना के अधीन धरती पर जीवन बा। एह से पवित्रीकरण में भगवान द्वारा स्थापित , आ एह कारन मंजूर कइल गइल भौतिक आ नैतिक नियम सभ के अधीन होखे खातिर सहमत होखे के सामिल कइल जाला। इहे दोहरा क्षमता में सब्त के दिन अउर दस आज्ञा एह ईश्वरीय पवित्रीकरण के ठोस रूप से व्यक्त करेला , जवना के उल्लंघन खातिर मसीहा यीशु के मौत के जरूरत पड़ी ।

पवित्रीकरण के इ अवधारणा एतना मौलिक बा कि परमेश्वर एकरा के बाइबल के शुरुआत से ही परिभाषित कइल उचित समझलन जवन उत्पत्ति 2:3 में , सातवाँ दिन के पवित्र करके। एह से इ कवनो आश्चर्य के बात नइखे कि इ सात संख्या पूरा बाइबल में अउर अधिक विशेष रूप से प्रकाशितवाक्य 7:2 में उनकर "शाही मुहर " बन जाला : " *अउर हम एगो अउरी स्वर्गदूत के **पूरब से चढ़त देखनी** , जेकरा पर **जिंदा परमेश्वर के मुहर रहे** । अउर उ जोर से चिल्ला के उ चारो स्वर्गदूत के पुकारलस , जेकरा के धरती अउर समुद्र के चोट पहुंचावे के काम दिहल गईल रहे , अउर कहलस* : "। जेक रा लगे परमेश्वर के सूक्ष्म आत्मा के सुझाव सुने खातिर कान बा , उ लोग देखले होई कि इ " ***जीवित परमेश्वर के मुहर*** " के उद्धरण प्रकाशितवाक्य के एह अध्याय "7" में दिहल गईल बा।

3 अप्रैल 2021 के एह फसह अउर सब्त के दिन , जवन हमनी के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के मौत के सालगिरह रहे , परमेश्वर के आत्मा हमरा विचार के मूसा के हिब्रू पवित्र स्थान अउर यरूशलेम में राजा सुलेमान द्वारा बनल मंदिर के ओर निर्देशित कइलस। हम उहाँ एगो विस्तार के नोट कइनी जवन एह अभयारण्य के हम जवन व्याख्या कइले बानी ओकर मजबूती से पुष्टि करेला ; अर्थात , परमेश्वर द्वारा छुड़ावल गइल चुनल लोग खातिर तइयार कइल गइल महान उद्धार परियोजना में भविष्यवाणी के भूमिका।

1948 से , अभी भी यीशु मसीह के परमेश्वर के भेजल "मसीह " के रूप में माने से इनकार करे के कारण ईश्वरीय अभिशाप के लेके चलत , यहूदी लोग आपन राष्ट्रीय भूमि वापस पा लेले बा। तब से एगो विचार , एगो विचार ओह लोग के जुनून में बा : यरूशलेम के मंदिर के फेर से बनावल। अफसोस कि ओह लोग खातिर ई कबो ना होई , काहे कि भगवान के एकरा के रोके के एगो बढ़ि या कारण बा ; उनकर भूमिका ईसा मसीह के मौत आ

पुनरुत्थान से पूरा हो गइल। मंदिर के पवित्रता के पूरा पूर्ति "मसीह " के आत्मा में मिलल , उनकर मांस आ आत्मा में , सिद्ध आबिना कवनो दाग के। यीशु यूहन्ना 2:14 में इ सबक के प्रकट कइलन , उनकर शरीर के बारे में बात करत : " *एह मंदिर के नष्ट कर दीं , अउर हम तीन दिन में एकरा के खड़ा कर देब* । "

मंदिर के उपयोगिता के अंत के पुष्टि भगवान कई तरीका से कईले। सबसे पहिले , उ 70 ई . में तीतुस के रोमन सैनिकन द्वारा एकरा के नष्ट करवले , जवन कि दानियल 9:26 में भविष्यवाणी कइल गइल घोषणा के अनुसार र हे। एकरा बाद यहूदी लोग के भगा के मंदिर के जगह इस्लाम धर्म के सौंप दिहलन जवन ओहिजा दू गो मस्जिद बनवले रहे : सबसे पुरान "अल-अकसा " आ डोम ऑफ द रॉक। एह से इस्राएल के लगे आपन मंदिर के दोबारा बनावे के ना त संभावना बा ना ही परमेश्वर के ओर से अधिकार बा। काहे कि एह पु नर्निर्माण से ओकर भविष्यवाणी कइल उद्धार योजना के विकृत कर दिहल जाई .

यरूशलेम के मंदिर के वैधता एकरा निर्माण के रूप में उकेरल गईल रहे। बाकिर एकरा के अउरी साफ -साफ देखे खातिर सबसे पहिले पवित्रता के वाहक एह धार्मिक भवन के प्रकट विवरण के जांच करे के होई। हमनी के ध्यान दीं कि मंदिर के निर्माण राजा दाऊद के करे के रहे , जे एकर इच्छा जतवले रहले अवुरी एकर मेजबानी खाती यरूशलेम के चुनले रहले ; भगवान मान गईले। एकरा खातिर उ इब्राहीम के समय में "येबस " नाम के एह प्राचीन शहर के अलंकृत अवुरी मजबूत कईले रहले। एह तरह से दाऊद अउर "दाऊद के बेटा " "मसीह " के बीच "हजार साल " बीत गईल। लेकिन भगवान ओकरा के अयीसन ना करे देले , अवुरी उ ओकरा के एकर कारण बता देले : उ अपना पत्नी "बतशेबा " के ले जाए खाती अपना वफादार सेवक "उरियाह हित्ती " के हत्या क के खून के आदमी बन गईल रहले , जवन कि बाद में राजा सुलै मान के महतारी बन गईली। एह तरह से दाऊद अपना गलती के कीमत उठा लिहले , जवना के सजा बतशेबा से पैदा भइल अपना पहिला बेटा के मौत से मिलल , तब बिना भगवान के आदेश के अपना लोग के जनगणना बना के , ओकरा के सजा मिलल आ भगवान ओकरा के तीन विकल्प के बीच से आपन सजा चुने के पेश कश कइलन। 2 शमूएल 24:15 के अनुसार उ महामारी प्लेग के मौत के दर चुनले जवना के चलते तीन दिन में 70,000 पीड़ित लोग के मौत हो गईल।

1 राजा 6 में , हमनी के सुलैमान द्वारा बनावल मंदिर के वर्णन मिलेला। उ एकरा के "यहोवा के घर " कहेले। ई "घर " शब्द पारिवारिक जुटान के जगह के सुझाव देला। बनल घर मुक्तिदाता सृष्टिकर्ता परमेश्वर के परिवार के भविष्यवाणी करेला। एकरा में दू गो सटल तत्व होलें : अभयारण्य आमंदिर।

धरती पर धार्मिक संस्कार मनुष्य खातिर अधिकृत इलाका में कइल जाला। सुलेमान एकरा के मंदिर कहत बाड़े। सबसे पवित्र जगह से फइल ल, जवना के ऊ पवित्र स्थान कहत बाड़न , आ जवना से एकरा के खाली घूंघट से अलग कइल गइल बा , मंदिर के कमरा चालीस हाथ लंबा बा , या फिर पवित्र स्थान से दुगुना बड़ बा। एह तरह से मंदिर पूरा घर के दू तिहाई हिस्सा के कवर करेला।

आदम के बाद से तीसरी सहस्राब्दी के शुरुआत में भगवान अवुरी अब्राहम के बीच भईल वाचा के आश्रय में राखल गईल बा। "मसीह पांचवीं सहस्राब्दी के शुरुआत में , यानी 2000 साल बाद , यहूदी लोग के सामने खुद के पेश करीहे। अब, भगवान के ओर से चुनल लोग के चयन खातिर धरती के दिहल समय 6000 साल बा। हमनी के एह तरह से समय खाति र , YaHWéH के घर के अनुपात 2/3 + 1/3 मिलता। अवुरी ए तुलना में , के वाचा के 2/3 इब्राहीम YaHWéH के घर के 2/3 से मेल खाला जवन अलग करे वाला पर्दा पर खतम होला काहे कि ई स्थलीय से आकाशीय में जाए के निशान बनावेला ई जान के कि ई बदलाव स्थलीय मंदिर के भविष्यवाणी के भूमिका के पूरा होखे के चिन्हित करेला जवन अलग करे वाला पर्दा के पाप से अलग करेला आदम अउर हव्वा के बाद से अलग करे वाला पर्दा के दोहरी चरित्र बा , काहे कि एकरा के दुनो जोड़ल गईल टुकड़ा के स्वर्गीय सिद्धता अउर पार्थिव अपूर्णता के अनुरूप होखे के चाहीं काहे कि उ एह विशेषता के पूरा तरह से मूर्त रूप देले बाड़े , अपना दिव्य सिद्धता में , यीशु मसीह अपना चुनल लोग के ओह लोग खातिर प्रायश्चित करे खातिर पाप बन गइलन दाम।

ई विश्लेषण हमनी के पवित्र स्थान में हर 2000 साल में चिन्हित महान आध्यात्मिक चरणन के भविष्यवाणी वाला उत्तरा धिकार के छवि देखे के ओर ले जाला : आदम द्वारा चढ़ावल गइल पहिला बलिदान – मोरिया पहाड़ पर अब्राहम द्वारा चढ़ावल गइल बलिदान , भविष्य के गोल्गोथा – गोल्गोथा पहाड़ के तलहटी में मसीह के बलिदान – अंतिम चुनल लोग के बलिदान के गौरवशाली वापसी से रोकल गइल माइकल में उद्धा रकर्ता ईसा मसीह।

परमेश्वर खातिर , जेकरा खातिर 2 पतरस 3:8 के अनुसार , " *एक दिन हजार साल निहन बा , अवुरी हजार साल एक दिन निहन बा* " (भजन संहिता 90:4 भी देखल जाए), पार्थिव कार्यक्रम सप्ताह के छवि प लगातार बनल बा : 2 दिन + 2 दिन + 2 दिन। आएह उत्तराधिकार के पीछे एगो शाश्वत " *सातवाँ दिन* " खुलेला .

पवित्र घर के दुनो कमरा के सामग्री बेहद खुलासा करे वाला बा।

अभयारण्य भा सबसे पवित्र जगह

पाँ ख पसरल दुनो करूब

परम पवित्र स्थान नाम के पवित्र स्थान के लंबाई 20 हाथ आ चौड़ाई 20 हाथ बा। ई एगो परफेक्ट चौकोर ह। आएकर ऊँचाई भी 20 हाथ बा। जवन एकरा के घन बना देला ; पूर्णता के तिगुना छवि (= *3* : *एल = डब्ल्यू = एच*); इ प्रकाशितवाक्य 20 में " *नया यरूशलेम जवन परमेश्वर से स्वर्ग से उतरत बा* " के वर्णन के समान बा।ई परम पवित्र स्थान के परमेश्वर आदमी के मौत के सजा के तहत मना कईले बाड़े। एकर कारण सरल आतार्किक बा ; ई जगह खाली भगवान के ठहर सके ला काहें से कि ई स्वर्ग के प्रतीक हवे आभगवान के आकाशीय चरित्र के छवि हवे। उनकर विचार में उनकर मोक्ष के योजना बा जवना में एह अभयारण्य में जवन भी प्रतीकात्मक तत्व स्थापित बा ऊ आपन भूमिका निभावेला। वास्तविकता आकाशीय आयाम में भगवान में बा आ धरती पर , ऊ प्रतीकन से एह वास्तविकता के चित्रण देलें। एह तरह से हम एह फसह 2021 के एह विशिष्ट खो ज के विषय पर आवत बानी , हमनी के 1 राजा 6:23 से 27 में पढ़त बानी जा : " *उ पवित्र स्थान में जंगली जैतून के लकड़ी से दू गो करुब बनवले , जवन दस हाथ ऊँच रहे दुसरका करुब के नाप आआकार दुनु करुब के एकही रहे घर के बीच में छोर पर .*"

ई करुब मूसा के तम्बू में ना रहे , ले किन सुलेमान के मंदिर में रख के परमेश्वर एह सबसे पवित्र जगह के मतलब के स्पष्ट कर देले। एकर चौड़ाई के अर्थ में , कमरा के पार दुनों करूब के दुनो जोड़ी पंख बा , एह तरीका से एकरा के एगो आकाशीय मानक दिहल गईल बा , जवन कि प्रभावी रूप से सिर्फ धरती प रहेवाला इंसान खाती दुर्गम बा। हम एहिजा एह मौका के फायदा उठावत एह करूबन से जुड़ल एगो सच्चाई के निंदा करत बानी आफेर से स्थापित करत बानी जिनका के एगो रहस्यमय बुतपरस्त प्रलाप में "मिशेलेंजेलो " जइसन मशहूर चित्रकार पंख वाला शिशु के वाद्ययंत्र बजावे भा धनुष से तीर चलावे के रूप दे दिहले . स्वर्ग में कवनो बच्चा नइखे। अउर परमेश्वर खातिर , भजन संहिता 51:5 या 7 के अनुसार : " *देखऽ , हम अधर्म में पैदा भइल बानी , अउर पाप में हमार माई हमरा के गर्भवती भइली* ," अउर रोम .3:23: " *काहेकि सब पाप कइले बा अउर परमेश्वर के महिमा से कम हो गइल बा* ," निर्दोष या शुद्ध बच्चा के रूप में कवनो चीज नइखे , काहे कि जब से , आदम के बाद से , आदमी विरासत में पापी पैदा होला। स्वर्गीय स्वर्गदूत सब नवहियन के हालत में बनल रहले , जइसे कि धरती पर आदम रहे। उमिर ना बढ़ेला आ हमेशा एके जइसन रहेला . बुढ़ापा एगो विशिष्ट

सांसारि क विशेषता ह, पाप अउर मौत के परिणाम ह, एकर अंतिम मजदूरी , रोम .6:23 के अनुसार।

पवित्र वाचा के सन्दूक के बारे में बतावल गइल बा

1 राजा 8:9: " ***सन्दूक में पत्थर के दू गो पाटी के अलावा कुछुओ ना रहे*** *, जवन मूसा उहाँ होरेब में रखले रहले , जब यहोवा इस्राएल के लोग के साथे वाचा कइले रहले , जब उ लोग मिस्र से निकलल रहले ।* "

पवित्र स्थान भा सबसे पवित्र जगह में दू गो विशाल करुब बाड़ें जिनहन के पाँख फइलल बा , सक्रिय स्वर्गीय चरित्र के प्रतीक हवें , बाकी आसभसे ऊपर, **वाचा के सन्दूक भी बाड़ें , जे** दू गो बड़हन करुब सभ के बीच कमरा के **बीच में** रखल गइल बा । काहे कि ओकरा के आश्रय देबे खातिर ही घर बनल बा। जवना क्रम में परमेश्वर मूसा के सामने धार्मिक चीजन के पेश करेलन , जवना के उनुका अंजाम देवे के होई , पहिला वाचा के सन्दूक ह। बाकि र ई पात्र एकरा सामग्री से कम कीमती बा : पत्थर के दू गो पाटी जवना पर भगवान अपना अँगुरी से दस आज्ञा के आपन अतिपवित्र नियम उकेरले रहले। ई उनकर विचार , उनकर मानक , उनकर अपरिवर्तनीय चरित्र के प्रतिबिंब ह। एगो अलग अध्ययन (2018-2030, अंतिम एडवेन्टिस्ट अपेक्षा) में , हम ईसाई युग खातिर एकर भविष्यवाणी चरित्र के प्रदर्शन कर चुकल बानी। अभयारण्य में हमनी के भगवान के गुप्त विचार पढ़ेनी जा। हमनी के ओहिजा ऊ तत्व मिलेला जवन ओकरा पक्ष में बा आ ओकरा साथे साझीदारी संभव बनावेला . इहे कहल काफी बा कि जवन पापी अपना दस आज्ञा के जानबूझ के उल्लंघन करे वाला बनल रहेला , उ खुद के धोखा दे रहल बा अगर ओकरा विश्वास बा कि उ मुक्ति के दावा कर सकेला। संबंध खाली एह परम पवित्र स्थान में पावल जाए वाला प्रतीकात्मक वास्तविकता में रखल विश्वास पर टिकल बा। दस आज्ञा में , भगवान अपना प्रतिरूप में बनल मनुष्य खा तिर अपना निर्धारित जीवन स्तर के संक्षेप में बतवले बाड़न ; जवना के मतलब बा कि भगवान खुद अपना आज्ञा के सम्मान करेले अवुरी व्यवहार में उतारेले। आदमी के दिहल जीवन एह आज्ञा के पालन पर टिकल बा। आ ओह लोग के उल्लंघन से पाप पैदा हो जाला जवना के सजा दोषी के मौत से मि लेला . आ आदम आ हव्वा के बाद से आज्ञा ना माने से सगरी मानवता के एह नश्वर हालत में डाल दिहल गइल बा . एह तरह से मौत मनुष्य पर अइसन बेमारी जइसन गिर गइल बा जवना के कवनो इलाज नइखे .

द मर्सी सीट के नाम से जानल जाला

पवित्र स्थान में , दया आसन के ऊपर , वेदी के प्रतीकात्मक छवि जवना पर भगवान के मेमना के बलिदान होई , दू गो अउरी छोट स्वर्गदूत वेदी के नीचे देखत बाड़े आ बीच में उनकर पाँख मिलेला। एह प्रतिरूप में , परमेश्वर उ रुचि देखावेलन जवन विश्वासी स्वर्गदूत उद्धार के योजना में देवेलन जवन यीशु मसीह के प्रायश्चित करे वाला मौत पर आधारित बा। काहे कि , यीशु , एगो इंसान के बच्चा के रूप लेवे खातिर स्वर्ग से उतरले। जे गोलगोथा के क्रूस पर आपन जान देले रहे उ सबसे पहिले उनकर स्वर्गीय दोस्त "माइकल " रहे , स्वर्गदूतन के नेता अउर परमेश्वर सृष्टि कर्ता आत्मा के दृश्यमान स्वर्गीय अभिव्यक्ति रहे अउर स्वर्गदूत सही तरीका से अपना के अपना चुनल लोग के " *साथी सेवक* " *कहेलन।*

परम पवित्र स्थान में दया आसन से ढंकल जहाज के दुनो बड़ आछोट करुब के पाँख के नीचे रखल जाला। एह छवि में हमनी के माल से एह श्लोक के दृष्टां त मिलेला। 4:2: " *लेकिन तोहनी खातिर जे हमरा नाम से डेरात हउवें , **धर्म के सूरज अपना पाँख में चंगाई** के साथ उठी ; तू बाहर निकल के ठेला से बछरू निहन कूदब* । " दया के आसन, जवन क्रूस के पूर्वाभास देवे वाला प्रतीक ह जवना प यीशु के सूली प चढ़ावल गईल रहले , सचमुच पाप के घातक बेमारी से चंगाई ले आई। यीशु पाप से मुक्ति पावे खातिर मरलन अउर उ अपना चुनल लोग के अपश्चाताप करे वाला अउर विद्रोही पापी लोग के दुष्ट हाथ से बचावे खातिर फिर से जी उठलन। जहाज में निहित नियम के उल्लंघन से सभ सांसारिक मानव प्राणी के मौत हो गईल। अउर मसीह में परमेश्वर द्वारा चुनल गइल चुनल लोग खातिर , अकेले उनकरा खातिर , उल्लंघन कइल नियम वाला जहाज के ऊपर रखल दया आसन अनन्त जीवन के जीत ले आइल बा जवना में उ लोग पहिला पुनरुत्थान के घड़ी में प्रवेश करीहें ; कि एह दया आसन पर ईसा मसीह के बहावल खून से मुक्ति पावे वाला संतन के। मौत से उनकर चंगाई तब पूरा हो जाई। माल के मुताबिक। 4:2, करूब स्वर्गीय आत्मा परमेश्वर के प्रतिरूप ह जवना के प्रकाशितवाक्य 4 " *चार जीव* " के प्रतीक से नामित करेला। काहे कि दया आसन से जुड़ल चंगाई वाकई में दुनो बड़ करुब के दुनो केंद्रीय पंख के नीचे राखल जाला।

जइसे कि "प्रायश्चित के दिन " के सालाना हिब्रू संस्कार में बकरी के जानवर के खून सामने आ दया के आसन पर , पूरब के ओर छिड़कल जात रहे , ओइसहीं ई जरूरी रहे कि ईसा मसीह के खून भी वास्तव में एही दया आसन पर बहस। एकरा खातिर भगवान कवनो मानव पुजारी के सेवा के ना बो लवले। उ पहिले से ही सबकुछ के

पूर्वानुमान लगा लेले रहले अउरी व्यवस्थित कईले रहलें , यिर्मयाह भविष्यवक्ता के समय में , परम पवित्र स्थान आ पवित्र स्थान से एगो गुफा में ले जाके , जवन गोल्गोथा पर्वत के तलहटी में जमीन के नीचे स्थित रहे , एगो चट्टानी फर्श के नीचे , छह मीटर गहिराह , 50 सेमी घन गुहा के ठीक नीचे , चट्टान में सतह पर खोदल गईल रहे क्रूस खड़ा कइले जवना पर यीशु के सूली पर चढ़ावल गइल रहे। बाइबल में बतावल गइल भूकंप से पैदा भइल एगो लंबा अउर गहिराह दोष के माध्यम से , उनकर खून शाब्दिक रूप से दया के आसन के बाईं ओर, यानी सूली पर चढ़ावल मसीह के दाहिना ओर बहत रहे। त, ई बेवजह नइखे कि मत्ती 27:51 एह बातन के गवाही देत बा : " *आदेखऽ , मंदिर के पर्दा ऊपर से नीचे तक दू भाग में फाट गइल , आधरती काँप गइल , आ* ***चट्टान फाट गइल*** , ..."। 1982 में एगो वैज्ञानिक जांच में पाता चलल कि रॉन व्याट के ओर से एकट्ठा कईल गईल सूखल खून में 23 एक्स गुणसूत्र अवुरी एकही वाई गुणसूत्र असामान्य रूप से बनल रहे। दिव्य सृष्टिकर्ता अपना पीछे छोड़ल चाहत रहले , उनकर दिव्य स्वभाव के एगो प्रमाण जवन उनकर पवित्र कफन में जोड़ल जाला जवना पर उनकर चेहरा आउनकर शरीर के छवि नकारात्मक रूप से लउकेला। एह तरह से , जहाज में निहित उल्लंघन कइल नियम के पूरा क्षतिपूर्ति अपना वेदी पर हमनी के उद्धारकर्ता यीशु मसीह के सही मायने में शुद्ध खून के सब पाप से मिलल। काहे कि रॉन व्याट के सामने इ सब बात के प्रकट करे में परमेश्वर मानवीय जिज्ञासा के पूरा करे के कोशिश ना कईले , बल्कि उ यीशु मसीह में अपना ईश्वरीयता के पवित्र करे के सिद्धांत के मजबूत कईल चाहत रहले। काहे कि दोसरा इंसानन से अलग खून होखला से ओकरा सिद्ध आ शुद्ध स्वभाव में विश्वास करे के कारण मिल जाला , जवन कि हर तरह के पाप से मुक्त बा . एह तरह से उ पुष्टि करेलन कि उ एगो नया या " *आखिरी आदम* " के अवतार लेवे खातिर आइल रहलन जइसन कि पौलुस 1 कुरिन्थियों में कहले बाड़न। 15:45, काहे कि भले ही हमनी के जइसन मांस के शरीर में देखल , सुनल आ मारल गइल , ले किन उ मानव प्रजाति से कवनो आनुवंशिक संबंध के बिना रहले। उनकर बचाव के योजना के पूरा करे में विस्तार पर अइसन ध्यान दिहला से पता चलेला कि भगवान अपना शिक्षा के प्रतीकन के कतना महत्व देत बाड़न। अउर हमनी के बेहतर तरीका से समझत बानी जा कि मूसा के सजा काहे मिलल कि उ होरेब के चट्टान से दू बेर मार के एह ईश्वरीय उद्धार योजना के तोड़ दिहलस। दूसरा बेर भगवान के दिहल आदेश के मुताबिक उनुका सिर्फ पानी पावे खाती एकरा से बात करे के रहे।

मूसा के छड़ी , मन्ना , मूसा के किताब

गनती 17:10: "तब *यहोवा मूसा से कहलस कि हारून के लाठी के* ***गवाही के सामने वापस ले आव****, ताकि आज्ञा ना माने वाला लोग खातिर एगो निशानी के रूप में रखल जा सके , ताकि तू हमरा सामने से उनकर गुनगुनाहट बंद कर दीं ताकि उ लोग ना मर सकस।* "

निकासी 16:33-34: " *मूसा हारून से कहले , "एक बर्तन लेके ओकरा में मन्ना से भरल ओमर डाल के यहोवा* ***के सामने रख दीं*** *ताकि तोहनी के पीढ़ी -दर -पीढ़ी तक रखल जा सके। जईसे कि यहोवा मूसा के आज्ञा देले रहले , ओइसहीं हारून ओकरा के* ***गवाही के सामने रख के*** *रखले रहले ।* "

नियम के रूप में। 31:26: " *व् यवस्था के एह किताब के लेके , तोहार परमेश्वर यहोवा के वाचा के* ***सन्दूक के बगल में रख दीं , त उहाँ*** *तोहरा खिलाफ गवाह बन जाई* ."

एह श्लोकन के आधार पर , हमनी के प्रेरित पौलुस के एह तत्वन के सन्दूक में रखे में गलती खातिर माफ कर दीं जा अउर ओकरा बगल में या सामने ना , इब् रानियों में। 9:3-4: " *दूसरा परदा के पीछे तम्बू के एगो हिस्सा रहे जवना के पवित्र स्थान कहल जाला , ~~जवना में धूप के सोना के वेदी~~ , आवाचा के सन्दूक के चारो ओर सोना से ढंकल रहे। आ सन्दूक के सामने ~~एगो~~ सोना के घड़ा रहे जवना में मन्ना , हारून के छड़ी जवन कली उठल रहे , आवाचा के पाटी रहे ।* " ओइसहीं धूप के वेदी पवित्र स्थान में ना रहे बल्कि पर्दा के सामने मंदिर के ओर रहे। लेकिन सन्दूक के बगल में रखल तत्व उहाँ रहे कि परमेश्वर अपना इब्रानी लोग खातिर कइल चमत्कार के गवाही देवे , जवन एगो स्वतंत्र आजिम्मेदार राष्ट्र रहे।

जहाज के बगल में मूसा अउर हारून के लाठी परमेश्वर के सच्चा भविष्यवक्ता लोग पर भरोसा के मांग करेला। Deu.8:3 के अनुसार , मन्ना यीशु से पहिले चुनल लोग के याद दिलावत बा कि " *आदमी खाली रोटी आ पानी से ना जिएला , बल्कि यहोवा के मुँह से निकले वाला हर वचन से जिएला* ।" आएह शब्द के प्रतिनिधित्व मूसा के लिखल स्क्रॉल के रूप में भी कइल गइल बा , भगवान के हुकुम के तहत। जहाज के ऊपर , दया आसन के वेदी सिखावेला कि यीशु मसीह के जीवन के स्वैच्छिक बलिदान में विश्वास के बिना , परमे श्वर के साथे कड़ी असंभव बा। ई चीजन के सेट ईसा मसीह द्वारा बहावल मानवीय खून पर बनल नया वाचा के धर्मशास्त्रीय आधार के गठन करेला। आबहुत तार्किक रूप से , जवना दिन , उनकरा में , भगवान के योजना पूरा भइल आ पूरा भइल , प्रतीकन के भूमिका आ "योम किप्पर " भा "प्रायश्चित के दिन " के परब जवन एकर भविष्यवाणी करत रहे , अप्रचलित आबेकार हो गइल। हकीकत से पहिले

परछाई फीका पड़ जाला। एह से जवना मंदिर में भविष्यवाणी के संस्कार होखत रहे , उ मंदिर गायब होखे के रहे अवुरी फेर कबो ना देखाई देवे के रहे। जइसन कि यीशु सिखवले बाड़न , परमेश्वर के उपासक के उनकर आराधना करे के चाहीं " *आत्मा अउर सच्चाई में ,"* यीशु मसीह के मध्यस्थता के माध्यम से उनकर स्वर्गीय आत्मा तक " *मुक्त पहुँच " होखे के चाहीं।* आ ई पूजा कवनो सांसारिक जगह से नइखे जुड़ल , ना सामरिया में , ना जेरुसलम में , आ रोम , सैंटियागो डी कॉम्पोस्टेला , लूर्ड्स भा मक्का में तबो कम.

हालांकि कवनो सांसारिक जगह से ना जुड़ल बा , लेकिन विश्वास के प्रदर्शन ओह काम से होला जवन परमेश्वर अपना चुनल लोग खातिर पहिले से तइयार कइले बाड़न जबले ऊ लोग धरती पर रहत बा। पाप के समय के 4000 साल बाद पांचवीं सहस्राब्दी के शुरुआत में अभयारण्य के प्रतीकात्मकता बंद हो गईल। अउर अगर परमेश्वर के योजना 4,000 साल में बनल रहित त चुनल लोग साप्ताहिक सब्त के दिन के भविष्यवाणी कइल गइल परमेश्वर के आराम में प्रवेश कर लेत। लेकिन अइसन ना रहे , काहे कि जकरयाह के बाद से परमेश्वर दू गो वाचा के भविष्य वाणी करेलन। ऊ दूसरा पर विस्तार से बतावत बाड़न , जेक में कहत बाड़न कि . 2:11: " *ओह दिन कई गो राष्ट्र यहोवा के साथे जुड़ जइहें अउर हमार लोग बन जइहें , अउर हम तोहनी के बीच में रहब , अउर तू जानब कि सेना के यहोवा हमरा के तोहनी के पास भेजले बाड़ऽ।* " » दुनो वाचा के प् रतिनिधित्व जेक में " *दू गो जैतून के पेड़ " से कइल गइल बा।* 4:11 से 14: " *हम जवाब देनी आओकरा से कहनी , "दीमबत्ती के दाहिना ओर आओकरा बाईं ओर इ दुनो जैतून के पेड़ का ह?* ***हम दूसरा बेर जवाब देनी*** *, आओकरा से कहनी , "जवन सोना के नली से सोना बहत बा , उ दुगो जैतून के डाढ़ का ह? उ हमरा के जवाब देले कि , का रउवा नईखी जानत कि एकर मतलब का बा ? हम कहनी ,* ***ना , हमार मालिक*** *. अवुरी उ कहले , इ दुनो हवे। " अभिषिक्त लोग जे पूरा धरती के प्रभु के सामने खड़ा बा ."* एह श्लोकन के पढ़ला से हमरा सृष्टिकर्ता परमेश्वर , पवित्र आत्मा , बाइबिल के शब् द के प्रेरणादाता के एगो उदात्त सूक्ष्मता के खोज होला। जकरयाह के **दू बेर** पूछे के बाध्यता बा कि भगवान के जवाब देवे खातिर " *दु जैतून के पेड़ " के का मतलब बा।* एकर कारण बा कि ईश्वरीय वाचा के परियोजना में लगातार **दू गो** चरण के अनुभव होई लेकिन दूसरा चरण में पहिला के पाठ से सिखावल जाला। ई दू गो हवें , बाकिर असलियत में ई खाली एके हवें , काहे कि दूसरका पहिला के पराकाष्ठा भर ह. सचमुच , मसीहा यीशु के प्रायश्चित करे वाला मौत के बिना पुरान वाचा के का कीमत बा ? कुछुओ ना , नाशपाती के पूंछ तक ना , जईसे कि

भिक्षु मार्टिन लूथर कहले हो ईहे। आइहे कारण बा ओह त्रासदी के जवन आजुओ राष्ट्रीय यहूदी लोग के प्रभावित करत बा . एह श्लोकन में परमेश्वर भी ओह लोग के नया वाचा के अस्वीकार करे के भविष्यवाणी कइले बाड़न जवन जकरयाह एह सवाल के देत बाड़न " *का रउवां नइखीं जानत कि एह सब के मतलब का बा ? हम कहत बानी : **ना , हमार मालिक*** । " काहे कि सचमुच , राष्ट्रीय यहूदी लोग एह अर्थ के अनदेखी करी जब तक कि ईसा मसीह के वापसी से पहिले के आखिरी परीक्षा के पल तक जब उ लोग अपना अस्तित्व के कीमत प अपना अस्वीकार के धर्मांतरण या पुष्टि करी।

साफ बा कि बुतपरस्त लोग के ईसाई धर्मांतरण साबित कर दिहले बा कि ईश्वरीय योजना वाकई में ईसा मसीह के व्यक्ति में पूरा हो गइल बा , अउर इहे एकमात्र संकेत ह कि परमेश्वर अभी भी राष्ट्रीय यहूदी लोग के अपना पवित्र वाचा में रहे खातिर पेश करेलन। एह तरह से पुष्टि भइल कि ई दूसरा या नया वाचा सांसारिक पाप के समय के 6,000 साल के अंतिम तिहाई साल में भी होखे के रहे। अउर इ खाली उनकर अंतिम गौरवशाली वापसी से ही यीशु मसीह दूसरा वाचा के पूरा होखे के समय के चिन्हित करीहें ; काहे कि एह वापसी तक, प्रतीकन द्वारा भविष्यवाणी कइल गइल शिक्षा परमेश्वर द्वारा तइयार कइल गइल समग्र योज ना के समझे खातिर उपयोगी रहेला , काहे कि हमनी के उनकरा के उनकर गौरवशाली वापसी के समय के ज्ञान के ऋणी बानी जा : 2030 के बसंत के शुरुआत।एह तरह से , 1844 में , अपना चुनल चुनल लोग के सब्त के दिन देके , परमेश्वर हिब्रू पवित्र स्थान आ मंदिर के प्रतीकात्मकता में अंकित पाठन पर भरोसा करेलन सुलेमान के ह। ऊ 7 मार्च 321 से सम्राट कॉन्स्टेंटाइन से विरासत में मिलल कैथोलिक अतवार के पाप के निंदा करे लें , ई बतावे लें कि एगो नया "पवित्र स्थान के शुद्धि " के जरूरत बा जवन सही मायने में एक बेर खातिर पूरा भइल ईसा मसीह में सूली पर चढ़ाव ल आजिंदा कइल गइल। भगवान असल में साल 1844 तक इंतजार कईले कि उ "रोमन अतवार " के निंदा के अवुरी साफ तौर प निंदा कईले। काहे कि एकरा के अपनावे से मूल रूप से शुद्ध मसीही विश्वास के पाप के अभिशाप के नीचे रखल गइल जवन दान में दिहल घोषणा के अनुसार परमेश्वर के साथे सं बंध के तोड़ देला। 8:12 के बा।

एह से पवित्रीकरण के तात्पर्य जरूरी बा कि पवित्र सब्त के दिन के सम्मान कइल जाव , जवन खुद परमेश्वर द्वारा पार्थिव व्यवस्था के रचना के पहिला हफ्ता के अंत से पवित्र कइल गइल बा। एकरा से भी जादा काहे कि ई यीशु के जीत से मिलल आराम में चुनल लोग के प्रवेश के भविष्यवा णी करेला अउर सबसे

पवित्र स्थान पर गवाही के सन्दूक में निहित परमेश्वर के दस आज्ञा में से चउथा आज्ञा में मौजूद बा , पवित्र स्थान , स्वर्गीय परमेश्वर के आत्मा के प्रतीक , तीन बार पवित्र , पिता , बेटा अउर पवित्र आत्मा के लगातार तीन भूमिका के सिद्धता में पवित्र। उहाँ जवन भी चीज मिलेला उ सब भगवान के दिल खातिर प्रिय बा आउहाँ के चुनल , उनकर लइकन , उनकर "घर " के लोग के विचार आदिल खातिर भी ओतने प्रिय होखे के चाहीं। एह तरह से चुनल लोग के प्रामाणिक पवित्रता के चयन स्थापित आपहचानल जाला।

मूसा के नियम के विपरीत , जवन परमेश्वर के योजना के उन्नति खातिर अनुकूलन से गुजरेला , जवन पत्थर पर उकेरल बा , ओकरा के दुनिया के अंत तक शाश्वत मूल्य ले लेला। आइहे हाल उनकर दस गो आज्ञा के बा , जवना में से कवनो में संशोधन ना कइल जा सकेला , हटावल त बहुते कम, जइसन कि पोप के रोम एह दस गो आज्ञा में से दुस रका आज्ञा के साथ करे के हिम्मत कइले रहे . अनंत काल खातिर उम्मीदवारन के धोखा देबे के शैतानी इरादा दस के संख्या बनवले राखे खातिर एगो आज्ञा के जोड़ला में लउकेला . बाकिर जीव , नक्काशीदार बिम्ब भा प्रतिनिधित्व के सामने सजदा करे के दिव्य निषेध वाकई हटा दिहल गइल बा . हमनी के एह प्रकार के बात प अफसोस कर सकेनी जा , लेकिन एकरा बावजूद इ हमनी के झूठा विश्वास के नकाब उजागर करे के अनुमति देवेला। जे लोग तार्किक रूप से समझे के कोसिस ना करे ला आसतही रहे के कोसिस ना करे ला , ऊ लोग अपना बेहवार के परिणाम भोगे ला ; जब तक भगवान के ओर से उनकर निंदा ना हो जाला तब तक उ लोग अपना निर्णय के मोडालिटी के अनदेखी करेला।

मंदिर भा पवित्र जगह के कहल जाला

हमनी के स्वर्ग से देखल गइल आकाशीय धार्मिक पहलू के छोड़ के ओकरा के ओह दृष्टिकोण से देखल जाव जवन धार्मिक पवित्रता ओकरा के धरती पर देला। हमनी के एकर खोज "यहवा के घर " के "मंदिर " हिस्सा में रखल तत्वन में करेनी जा। मूसा के समय के तम्बू में इहे कमरा मिलन के तम्बू रहे। एह में से तीन गो तत्व बाड़ें आ ई शोब्रेड के मेज , सात गो नाली आ सात गो दीया वाला मोमबत्ती आकमरा के बीच में घूंघट के ठीक सामने रखल धूप के वे दी से संबंधित बाड़ें। बाहर से आके रोटी के मेज बाईं ओर , उत्तर में , आदीया के खंभा दाहिने ओर, दक्खिन ओर बा। ई प्रतीक एगो वास्तविकता के ह जवन यीशु मसीह के बहावल खून से मुक्ति पावे वाला चुनल लोग के जीवन में आकार लेला। ई लोग एकदम पूरक आअविभाज्य बा।

सात दीप वाला सोना के दीया

निकासी 26:35: *“ तू टेबुल के घूंघट के बाहर आ दीमबत्ती के मेज के सामने , तम्बू के दक्खिन ओर रखब , आमेज के उत्तर ओर रखब .”*

मंदिर में एकरा के बाईं ओर, दक्खिन ओर रखल जाला। प्रतीकन के पढ़ाई समय में , दक्षिण से उत्तर तक होला। मोमबत्ती पुरा न वाचा के शुरुआत से ही आत्मा अउर परमेश्वर के रोशनी के प्रतिनिधित्व करेला। पवित्र वाचा पहिलहीं से *फसह के "परमेशवर के मेमना "* के बलिदान पर आधारित बा जेकर प्रतीक आओकरा पहिले आदम के बाद से बलिदान में चढ़ावल मेमना भा मेढ़क के बच्चा होला। प्रकाशितवाक्य 5:6 में मोमबत्ती के प्रतीक एकरा से जुड़ल बा : " *सात आँख जवन परमेश्वर के सात आत्मा ह जवन पूरा धरती में भेजल गईल बा* " अउर " *सात सींग* " जवन एकरा के शक्ति के पवित्रीकरण के जिम्मेदार ठहरावेला।

दीपक के खंभा चुनल लोग के रोशनी के जरूरत के पूरा करे खातिर बा। उ लोग एकरा के ईसा मसीह के नाम से प्राप्त करेला जेकरा में ईश्वरीय प्रकाश के पवित्रीकरण (= 7) धारण कइल जाला। एह पवित्रीकरण के प्रतीक बाइबिल के प्रकाशन में शुरू से सात दिन के सप्ताह के निर्माण के बा द से मौजूद "सात " संख्या से बा। जकरयाह में , आत्मा ओह मुख्य पत्थर पर " *सात आँख* " के आरोप लगावेला जवना पर जरुब्बाबेल बेबिलोनियन द्वारा नष्ट कर दिहल गइल सुलैमान के मंदिर के फेर से बनाई। अउर उ एह " *सात आँख* " के बारे में कहत हउवें : " *इ सात गो YaHWéH के आँख ह, जवन पूरा धरती में इधर -उधर दौड़त बा।* " प्रकाशितवाक्य 5:6 में , ई संदेश यीशु मसीह के जिम्मेदार ठहरावल गइल बा , " *परमेश्वर के मेमना* ": " *अउर हम देखनी , सिंहासन के बीच में अउर चारों जीव के बीच में अउर बुजुर्ग लोग के बीच में , एगो मेमना उहाँ खड़ा बा जइसे कि* ***ओकरा के मारल बा सात गो सींग आसात गो आँख रहे , जवन परमेश्वर के सात गो आत्मा हवें जवन पूरा धरती में भेजल गइल रहे*** ." इ श्लोक मसीहा यीशु के ईश्वरीयता के पवित्रीकरण के जोरदार तरीका से पुष्टि करेला। महान सृष्टिकर्ता परमेश्वर यीशु में आपन स्वैच्छिक प्रायश्चित बलिदान पूरा करे खातिर खुद के धरती पर भेजले। एह दिव्य आत्मा के क्रिया के ही हम अपना रचना में प्रस्तुत व्याख्या के ऋणी बानी। प्रकाश प्रगतिशील होला आसमय के साथे ज्ञान बढ़ेला। हमनी के उनकर भविष्यवाणी के शब्दन के बारे में आपन सब समझ के ऋणी बानी जा।

इत्र के वेदी के बा

अपना भौतिक शरीर के मौत के चढ़ा के , अपना आत्मा अउर अपना पूरा आत्मा के सही आदर्श में , ईसा मसीह परमेश्वर के सामने एगो सुखद गंध ले आवेलन जवना के हिब्रू संस्कार इत्र से प्रतीक ह। एह इत्रन में मसीह के प्रतिनिधित्व कइल गइल बा बाकिर एह इत्र के चढ़ावे वाला अधिकारी के भूमिका में भी।

बस घूंघट के सामने , आगवाही के सन्दूक आओकर दया के आसन के ओर मुँह कइले , धूप के वेदी बा जवन अधिकारी , महायाजक के अकेले अपना चुनल लोग के कइल दोष खातिर बिनती करे वाला के भूमिका प्रदान करेला। काहे कि यीशु पूरा दुनिया के पाप के अपना ऊपर ना उठवले , बल्कि खाली अपना चुनल लोग के पाप के अपना ऊपर ले लिहले , जेकरा के उ आपन कृतज्ञता के संकेत देवेले। धरती पर , महायाजक के खाली एगो प्रतीकात्मक भविष्यवाणी मूल्य बा , काहे कि बिनती के अधिकार खाली उद्धारकर्ता मसीह के ह। बिनती उनकर विशेष अधिकार ह आ एकर " *शाश्वत* " चरित्र मल्कीसेदेक के क्रम के अनुसार बा जइसन कि दान में आगे निर्दिष्ट कइल गइल बा। 8:11-12: " *आ ऊ सेना के कप्तान तक अपना के ऊपर उठा लिहलन , आ ओकरा से लगातार ~~बलिदान के छीन लिहलन~~ , आ अपना पवित्र स्थान के उखाड़ फेंकलन। पाप के चलते सेना के लगातार ~~बलिदान के साथ छोड़ दिहल गइल~~ ; सींग सच्चाई के जमीन पर फेंक दिहलस , आ अपना प्रयास में सफल भइल* "; आइब्रानियों में लिखल बा। 7:23 के बा। क्रॉस कइल शब्द " ~~*बलिदान*~~ " के उद्धरण मूल हिब्रू पाठ में नइखे दिहल गइल। एह श्लोक में भगवान रोमन पोप के वर्चस्व के परिणाम के निंदा कइले बाड़न । ईसाई के ईसा के साथे सीधा संबंध पोप के नेता के फायदा खातिर मोड़ दिहल जाला ; भगवान आपन सेवक के खो देला जे आपन आत्मा गँवा देला। अपना दिव्य सिद्धता में , खाली मसीह में परमेश्वर ही उनकर बिनती के वैध बना सकेला , काहे कि उ, जेकरा खातिर उ बिनती करेला , ओकरा खातिर फिरौती के रूप में , आपन स्वैच्छिक दयालु बलिदान के पेशकश करेला जवन भगवान के न्याय करे वाला प्रेम अउर न्याय के मीठ गंध के सहन करेला जेकर उ एके साथे प्रतिनिधित्व करेला। ओकर बिनती स्वतः ना होला , ऊ एकर प्रयोग करेला भा ना , एह हिसाब से कि विनती करे वाला ओकर हकदार बा कि ना . ईसा मसीह के बिनती उनकर चुनल लोग के स्वाभाविक शारीरिक कमजोरी के प्रति उनकर करुणा से प्रेरित बा , लेकिन केहू उनका के धोखा ना दे सकेला , उ न्याय करेला अउर न्याय अउर धार्मिकता से लड़ेला अउर अपना सच्चा उपासक अउर गुलाम के पहचानेला ; जवन उनकर सच्चा चेला हवें । संस्कार में इत्र ईसा के सुखद गंध के प्रतीक हवे , जे एह तरह से भगवान के खुश करे वाला अपना निजी सुगंध के साथ अपना वफादार संतन के

प्रार्थना कर सकेला। सिद्धांत ओह पकवान के मसाला जइसन होला जवना के सेवन करे के होखे . विजयी मसीह के भविष्यवाणी के छवि , पार्थिव महाया जक अप्रचलित हो जाला आ ओकरा के गायब होखे के पड़ेला , साथ ही साथ ऊ मंदिर भी जवना में ऊ आपन धार्मिक संस्कार करेला। बिनती के सिद्धांत एकरा बाद भी बनल बा , काहे कि संत लोग द्वारा भगवान के संबोधित कइल प्रार्थना के नाम में आ ईसा मसीह , स्वर्गीय बिनती करे वाला आ भगवा न के पुण्य से एके साथ पूर्णता से प्रस्तुत कइल जाला।

शोब्रेड के टेबल के बारे में बतावल गइल बा

मंदिर में एकरा के दाहिने ओर, उत्तर ओर रखल जाला। शोब्रेड आध्यात्मिक भोजन के प्रतिनिधित्व करेला जवन यीशु मसीह के जीवन के गठन करेला , जवन एगो सच्चा स्वर्गीय मन्ना ह जवन चुनल लोग के दिहल जाला। बारह गो रोटी बा , ठीक ओसहीं जइसे ईसा मसीह में पूरा भइल ईश्वरीय आ मानवीय वाचा में बारह गो गोत्र बा , पूरा तरह से भगवान (= 7) आपूरा तरह से आदमी (= 5); बारह के संख्या परमेश्वर अउर आदमी के बीच के एह वाचा के संख्या होखला के नाते , ईसा मसीह एकर अनुप्रयोग अउर सही मॉडल हवें। उहे पर परमेश्वर आपन वाचा 12 गो कुलपति , यीशु के 12 प्रेरित , प्रकाशितवाक्य 7 में मुहर लगावल 12 गोत्र पर बनावेलन।

अग्रभाग के बा

बलिदान के वेदी के बा

प्रकाशितवाक्य 11:2 में , आत्मा पवित्र स्थान के " *दरबार " के एगो विशेष भाग्य निर्धारित करेला : " लेकिन मंदिर के बाहरी आँगन , एकरा के छोड़ दीं बाहर , आ ओकरा के नाप मत करीं ; काहे कि ई राष्ट्रन के दिहल गइल बा , आ पवित्र नगर के ऊ लोग बयालीस महीना ले पैर से रौंद दी ." " आँगन* " पवित्र स्थान भा ढंकल मंदिर के प्रवेश द्वार से पहिले स्थित बाहरी आँगन के नामित करेला। हमनी के उहाँ धार्मिक संस्कार के तत्व मिलेला जवन जीव के भौतिक पहलू से संबंधित बा। पहिला , बलि के वेदी बा जवना पर बलि दिहल जानवर के जरावल जाला। जब से ... ईसा मसीह के आवे से जे सिद्ध बलिदान पूरा करे खातिर आइल रहले , ई संस्कार अप्रचलित हो गइल बा आ दान 9:27 के भविष्यवाणी के अनुसार खतम हो गइल बा : " *ऊ एक हफ्ता खातिर बहुत लोग के साथे मजबूत वाचा करीहें , आ आधा हफ्ता खातिर* ***ऊ बलिदान आ बलिदान के बंद कर दीहें*** *; उजाड़ करे वाला सबसे घिनौना काम करी , जब तक कि विनाश अउर जवन तय कईल गईल बा उ उजाड़ करे वाला पर ना आजाई* । " इब्रानियों

10:6 से 9 में , बात के पुष्टि कईल गईल बा : " ***रउवां पाप खातिर होमबलि अउर बलिदान में खुश नईखीं भईल*** । *तब हम कहनी , "देखीं , हम आवत बानी (किताब के स्क्रॉल में हमरा बारे में लिखल बा) हे भगवान , तोहार इच्छा पूरा करे खातिर। " पहिले कहला के बाद कि "* ***बलिदान आबलिदान , पाप खातिर होमबलि आ बलिदान*** *(जवन व्यवस्था के अनुसार चढ़ावल जाला), तू ना चाहत रहलू आना ही ओकरा में प्रसन्नता भइल" तब ऊ कहत बाड़न कि "देखीं , हम तोहार इच्छा पूरा करे आइल बानी। " एह तरह से ऊ दूसरा के स्थापित करे खाति र पहिला चीज के खतम कर देला। जवना इच्छा से हमनी के यीशु मसीह के शरीर के चढ़ावे के माध्यम से एक बार हमेशा खातिर पवित्र हो गईल बानी जा ।* " अइसन लागत बा कि पौलुस , "इब्रानियों " के संबोधित एह पत्र के अनुमानित लेखक , ईसा मसीह के हुक्म के तहत लिखले बाड़े ; जवन एकर अपार प्रकाश आ एकर अतुलनीय सटीकता के जायज ठहरावेला। सचमुच , खाली यीशु मसीह ही उनुका से कह सकत रहले : "(*किताब के स्क्रॉल में* ***हमरा बारे में लिखल बा***) ." लेकिन भजन संहिता 40 के पाठ के पद 8 में कहल गइल बा : " *हमरा खातिर लिखल किताब के स्क्रॉल के साथ* ." एह से एह संशो धन के पौलुस के साथे मसीह के एह व्यक्तिगत कार्रवाई से जायज ठहरावल जा सकेला , जे अरब में तीन साल तक अलग-थलग रहलन , जवना के सीधे आत्मा के द्वारा तइयार कइल गइल अउर निर्देश दिहल गइल। अउर हम रउवां के याद दिलावत बानी , ई पहिले से ही मूसा के लिखल स्क्रॉल के मामला रहे जे एकरा के परमेश्वर के निर्देश के तहत लिखले रहलन।

समुंदर , वज़ूद के बेसिन

आँगन के दूसरा तत्व वज़ूद के बेसिन ह, जवन बपतिस्मा के संस्कार के पूर्वरूप ह। भगवान एकरा के "समुद्र " नाम देले बाड़े। मानव अनुभव में समुद्र "मौत " के पर्याय हवे। ई अपना बाढ़ से जलप्रलय से पहिले के लोग के अपना चपेट में ले लिहलस आमूसा आउनकर इब्रानी लोग के पीछा करत फिरौन के सभ घुड़सवार सेना के डूब के मौत के कारण बनल। बपतिस्मा में , जवना के पूरा तरह से डूबे के पड़ेला , पुरान पापी आदमी के पानी से एगो नया प्राणी के रूप में निकले खातिर मरल मानल जाला , जेकरा के यीशु मसीह द्वारा छुड़ावल गइल अउर पुनर्जन्म मिलल , जे अपना सि द्ध धार्मिकता के ओकरा पर आरोपित करेलन। बाकिर ई खाली एगो सैद्धांतिक सिद्धांत ह जवना के लागू कइल ओह उम्मीदवार के स्वभाव पर निर्भर करी जे अपना के पेश करी . का उ यीशु के तरह बपतिस्मा लेवे खातिर परमेश्वर के इच्छा के पूरा करे खातिर आवेलन ? जवाब व्यक्तिगत बा , अउर यी शु अपना धार्मिकता के आरोप

लगावेलन या ना लगावेलन , ई मामला के आधार पर होला। जवन बात तय बा ऊ ई कि जे आपन मर्जी करे के चाहत बा ऊ पवित्र दिव्य नियम के खुशी आ कृतज्ञता से सम्मान करी , जवना के उल्लंघन पाप के गठन करेला . अगर ओकरा बपतिस्मा के पानी में मरहीं के पड़ी त ओकरा मसीह के सेवा में फेर से पैदा होखे के कवनो सवाल नइखे , सिवाय गलती से मनुष्य के शारीरिक कमजोरी के कारण।

एह तरह से , अपना पाप से धो के अउर यीशु मसीह के आरोपित धार्मिकता से कपड़ा पहिन के , पुरान वाचा के पुजारी के तरह , चुनल गईल मसीही यीशु मसीह में परमेश्वर के सेवा करे खातिर पवित्र स्थान या मंदिर में प्रवेश कर सकेला। एह तरह से सच्चा दिव्य धर्म के रास्ता एह चित्रात्मक निर्माण से प्रकट होला काहे कि ई खाली प्रतीक हवें , वास्तविकता ओह कामन में लउकी जवना के धर्मी चुनल लोग आदमी , स्वर्गदूत , आसृष्टिकर्ता भगवान के साम ने ले आई।

भगवान के योजना के भविष्यवाणी मूर्ति में कइल गइल

अपना योजना में , परमेश्वर यीशु मसीह के खून के माध्यम से चुनल लोग के पाप के दूर कर दिहलन जेकरा के पवित्र स्थान या सबसे पवित्र स्थान के दया आसन पर ले आवल गइल। जेरुसलम के माउंट गोलगोथा के जगह पर 1982 तक असाधारण खुदाई के अनुमति मिलला के बाद एडवेंटिस्ट पुरातत्वविद रॉन व्याट के खुलासा भइल कि वास्तव में ईसा के खून मसीह के सूली पर चढ़ावे के क्रूस से छह मीटर नीचे एगो भूमिगत गुफा में स्थित दया के आसन के बाईं ओर बहत रहे ; ई गोलगोथा पहाड़ के तलहटी में भइल। पुरोहि त के संस्कार में पवित्र स्थान में रखल पुजारी के मुँह दया आसन आ सबसे पवित्र स्थान अभयारण्य में स्थापित स्वर्गीय चीजन के ओर होला। एकरे नतीजा बा कि जवन आदमी के बाईं ओर बा उ भगवान के दाहिने ओर बा। एही तरे हिब्रू लेखन आदमी के दाहिने से बाईं ओर कइल जाला , उत्तर -दक्षिण के दिशा ले के , एह से , भगवान के बाईं ओर से दाहिने ओर। एह तरह से , दुनो वाचा के योजना एह सबसे पवित्र जगह के पाठ में लिखल बा , आदमी के दाहिना ओर से ओकर बाईं ओर; यानी भगवान खातिर उल्टा। पुरान वाचा के यहूदी लोग अपना दाहिना ओर पवित्र स्थान में स्थित करुब के प्रतीकात्मक प्रतिमा के तहत परमेश्वर के सेवा करत रहे। ओह लोग के वाचा के दौरान "प्रायश्चित के दिन " पर मारल गइल बकरी के खून सामने आदया के आसन पर छिड़क के ले आवल जात रहे। छिड़काव सात बेर उनकर अँगुरी से महायाजक द्वारा पूरब के दिशा में कइल गइल। ई सही बा कि पुरा न वाचा उनकर बचाव योजना के पूर्वी चरण रहे।

माफ करे वाला पापी खुद पूरब में , यरूशलेम में रहले। जवना दिन यीशु आपन खून बहवले , उहे दया के आसन पर गिर गईल , अउर नया वाचा उनकर खून पर लागू भइल अउर उनकर धार्मिकता बाईं ओर, दक्खिन ओर स्थित दूसरा करूब के निशानी के तहत शु रू भइल। एह तरह से , परमेश्वर द्वारा देखल गइल , ई प्रगति उनकर बाईं ओर से **उनकर** " *दाहिना* ", उनकर आशीर्वाद के ओर भइल , जइसे कि भजन संहिता 110:1 में लिखल गइल बा : " *दाऊद के बारे में। एगो भजन। हमरा प्रभु के प्रति यहोवा के वचन : तू* ***हमरा दाहिना हाथ में बईठऽ*** *, जब तक कि हम तोहार दुश्मनन के तोहार गोड़ के आधार ना बना देब ।* " आइब्रानियों 7:17 के पुष्टि करत , पद 4 से 7 में निर्दिष्ट कइल गइल बा : " *यहोवा कसम खइले बाड़न , अउर उ पश्चाताप ना करीहें : तू मल्कीसेदेक निहन हमेशा खातिर याजक हउअ। प्रभु , तोहरा दाहिना ओर, अपना क्रोध के दिन राजा लोग के कुचलत हउवें। उ राष्ट्रन के बीच न्याय करेलन : सब कुछ लाश से भरल बा ; उ पूरा देश में सिर कुचलत हउवें। उ पूरा देश में सिर कुचलत हउवें। " मार्च करेला : एही से ऊ आपन माथा ऊपर उठावेला .*" एह तरह से , कोमल लेकिन न्यायी यीशु मसीह मजाक उड़ावे वाला अउर विद्रोही लोग के अपना छुटकारा पावल चुनल लोग के प्रति उनकर दयालु प्रेम के उदात्त गवाही के तिरस्कार के कीमत चुकावेला।

ताकि जब इब्रानी लोग दरबार भा मंदिर में प्रवेश करी त आपन पीठ ओह "उगत सूरज " के सामने पेश करस जवना के पूजित इतिहास भर में बुतपरस्त लोग धरती पर विभिन्न जगहन पर करत रहे , भगवान चाहत रहले कि पवित्र स्थान के निर्माण , ओकर लंबाई के साथ , पूर्व -पच्छिम के धुरी पर होखे। एकरे चौड़ाई में , परम पवित्र स्थान के दाहिना देवाल एह से "उत्तर " में आबाईं देवाल "दक्खिन " ओर रहे।

मत्ती 23:37 में , यीशु अपना के एगो " मुर्गी के छवि दिहलन *जवन अपना चूजा के अपना पाँख के नीचे आश्रय देत बिया* ": " *यरूशलेम , यरूशलेम , तू जे भविष्यवक्ता लोग के मारत हउअ अउर तोहरा लगे भेजल गइल लोग के पत्थर मारत बाड़ऽ , हम केतना बेर तोहरा लइकन के एकट्ठा कर लेतीं , जइसे मुर्गी अपना मुर्गी के अपना पाँख के नीचे बटोरेले , अउर तू ना चाहब !* " इहे सिखावेला जवन दुनो करुब के पसरल पाँख दुनों में से हर एक के खा तिर सिखावेला वाचा के बारे में बतावल गइल बा। निकासी 19:4 के अनुसार , परमेश्वर अपना के एगो " *चील* " से तुलना करेलन : " *रउवा देखले बानी कि हम मिस्र के साथे का कइनी , अउर कइसे हम रउवा के चील के पाँख पर उठा के रउवा के अपना लगे ले अइनी ।* " प्रकाशितवाक्य 12:14 में , उ " *महान चील* " के निर्दिष्ट कइले बाड़न : " *अउर ओह औरत के एगो बड़हन चील के द्व गो*

पाँख दिहल गइल , ताकि ऊ जंगल में उड़ सके , अपना जगह पर , जहाँ ऊ साँप के चेहरा से कुछ समय खातिर , आ समय खातिर , आ आधा समय खातिर पोसल जाले । इ बिम्ब एकही वास्तविकता के देखावेला : परमेश्वर उ लोग के रक्षा करेलन जेकरा से उ प्यार करेलन काहे कि उ लोग उनकरा से प्यार करेलन , लगातार दू गो वाचा में , यीशु मसीह से पहिले अउर बाद में।

अंत में , प्रतीकात्मक रूप से , हिब्रू मंदिर मसीह के शरीर के प्रतिनिधित्व करत रहे , चुनल आदमी के शरीर के आसामूहिक रूप से , मसी ह के दुलहिन , उनकर चुनल , चुनल लोग के सभा के। एह सभ कारण से भगवान स्वच्छता आहार के नियम स्थापित कइलें ताकि मंदिर के एह बिबिध रूप सभ के पवित्र आसम्मान कइल जा सके ; 1 कोरिन्थी के बा। 6:19: " *का रउवां नइख जानत कि रउवां के शरीर पवित्र आत्मा के मंदिर ह जवन रउवां में बा , जवन रउवां के परमेश्वर से मिलल बा , अउर रउवां आपन ना हईं ?* "

<u>सोना , सोना के अलावा कुछुओ ना</u>

एह कसौटी के महत्व पर भी जोर देवे के पड़ी : सभ फर्नीचर आबर्तन , करूब आखुद भीतर के देवाल सोना के बनल बा या पीटल सोना से ढंकल बा। सोना के विशेषता एकर अपरिवर्तनीय चरित्र ह ; इहे एकमात्र मूल्य ह जवन भगवान एकरा के देवेले। इ कवनो आश्चर्य के बात नईखे कि उ सोना के पूर्ण विश्वास के प्रतीक बनवले , जवना के अनोखा अवुरी सही मॉडल यीशु मसीह रहले। मंदिर के भीतरी आपवित्र स्थान के छवि ईसा मसीह के आत्मा के भीतरी पहलू हवे जेह में पवित् रता , परमेश्वर के पवित्र आत्मा के पवित्रता , निवास कइल गइल बा ; उनकर चरित्र अपरिवर्तनीय रहे आ पाप आ मौत पर उनकर जीत के कारण इहे रहे। यीशु के दिहल उदाहरण के परमेश्वर द्वारा प्रस्तुत कइल गइल बा कि उनकर सब चुनल लोग के नकल करे के चाहीं ; ई उनकर आवश्यकता ह , व्यक्ति गत आसामूहिक रूप से अनन्त स्वर्गीय जीवन , विजेता लोग के मजदूरी आइनाम के साथे संगत बने के एकमात्र शर्त ह। जवन मूल्य उनकर रहे उ हमनी के होखे के चाहीं , हमनी के उनकरा से क्लोन निहन मिलत जुलत होखे के चाहीं , जईसे कि 1 यूहन्ना 2:6 में लिखल बा : " *जे कहेला कि उ ओकरा में रहेला ओकरा के ओइसहीं चले के चाहीं जइसे उ चलत रहे* ." सोना के मतलब हमनी के 1 पतरस 1:7 में दिहल गइल बा : " *ताकि तोहनी के विश्वास के परीक्षा नाश होखे वाला सोना से भी अधिक कीमती होखे , भले ही उ आग से परीक्षा होखे , लेकिन यीशु मसीह के प्रकटीक रण के समय स्तुति अउर महिमा अउर सम्मान के रूप में मिल सके* । " भगवान अपना चुनल लोग के विश्वास के परीक्षा लेवेलन। हालाँकि , सोना में अशुद्ध पदार्थ सभ के निशान हो सके ला आ एकरा के एह सभ से

मुक्ति पावे खातिर एकरा के गरम क के पिघलावे के पड़े ला। एकरे बाद ई कचरा भा अशुद्धि एकरे सतह पर चढ़ जाला आएकरा के हटावल जा सके ला। इ मुक्ति मिलल चेला लोग के पार्थिव जीवन के अनुभव के प्रतिरूप ह, जवना के दौरान मसीह बुराई के फाड़ के शुद्ध कर देले , जवना से उ लोग के कई तरह के परीक्षा के सामना करे के पड़ेला। आपरीक्षा में उनकर जीत के शर्त पर ही , उनकर जीवन के अंत में , उनकर अनन्त भाग्य के फैसला महान न्यायाधीश यीशु मसीह द्वारा कइल जाला। इ जीत खाली उनकर समर्थन अउर मदद से ही मिल सकेला , जइसन कि उ यूहन्ना 15:5-6 अउर 10 से 14 में घोषणा कइले बाड़न : " *हम बेल हईं , रउवां डाढ़ हईं। जे हमरा में रहेला अउर हम ओकरा में रहेला , उ बहुत फल देला , काहेकि हमरा बिना रउवां कुछ ना कर सकेनी। अगर केहू हमरा में ना रहेला त उ डाढ़ निहन बाहर फेंक दिहल जाला अवुरी मुरझा जाला ; तब डाढ़ के एकट्ठा क के आग में फेंक दिहल जाला। " आजरि गइल .*" ईश्वरीय आज्ञा के पालन करे के जरूरत बा : " *अगर तू हमार आज्ञा के पालन करब त तू हमरा प्रेम में रहब , ठीक ओसही जइसे हम अपना पिता के आज्ञा के पालन कईले बानी अवुरी उनुका प्रेम में बनल रहब। "* ओकरा दोस्तन खातिर मरल ओकर उदात्त प्रेम के मानक के सही पराकाष्ठा बन जाला : " *इ हमार आज्ञा ह: एक दूसरा से प्यार करीं , जईसे हम तोहनी से प्यार कईले बानी। एकरा से बड़ प्रेम केहु नईखे , कि आदमी अपना दोस्त खाती आपन जान देवे ।* " लेकिन यीशु के इ पहचान सशर्त बा : " ***रउवां हमार दोस्त हईं , अगर रउवां उहे करब जवन हम रउवां के आज्ञा देत बानी*** । "

अपना ओर से सात दीपक के मोमबत्ती ठोस सोना के बनल रहे। तब ई खाली ईसा मसीह के सिद्धता के प्रतीक हो सकेला। तब रोमन कैथोलिक धर्म के चर्चन में मिलल सोना ओकर झूठा आस्था के दावा के छवि ह। एही से एकरा उलट प्रोटेस्टेंट मंदिरन से विनम्र आतपस्वी सगरी आभूषण छीन लिहल गइल . पवित्र स्थान अउर मंदिर के प्रतीकात्मकता में सोना के उपस्थिति साबित करेला कि पवित्र स्थान खाली ईश्वरीय ईसा मसीह के प्रतिनिधित्व कर सकेला। लेकिन विस्तार से लिखल बा कि उ सिर ह, कलीसिया के सिर ह जवन इफिसियों में उनकर शरीर ह। 5:23-24: " *काहेकि पति पत्नी के सिर हवें , जइसे मसीह कलीसिया के सिर हवें , जवन उनकर शरीर ह , जवना के उद्धारकर्ता हवें। " अब जइसे कलीसिया मसीह के अधीन हो जाले , ओइसहीं मेहरारू लोग के भी हर बात में अपना पति के अधीन होखे के चाहीं।* " लेकिन तब आत्मा स्पष्ट करेला : " *पति लोग , आपन मेहरारू लोग से प्रे म करीं , जइसे मसीह भी कलीसिया से प्रेम कइलन अउर ओकरा खातिर अपना के दे दिहलन , ताकि ऊ ओकरा के पवित्र कर*

*सके , ओकरा के **वचन से** पानी से धो के साफ कर के , ताकि ऊ ओकरा के महिमा में पेश कर सके , जवना में दाग भा शिकन भा अइसन कवनो चीज ना होखे , बलुक ऊ पवित्र होखे आ बिना कवनो दोष के होखे* ". त ई साफ -साफ बतावल गइल बा , सच्चा ईसाई धर्म में का होला। एकर मानक खाली सैद्धांतिक ना हवे , बलुक अपना सभ वास्तविकता में लागू कइल गइल अभ्यास हवे। उनकर प्रकट कइल गइल " **शब्द** " के मानक से सहमति जरूरी बा ; एकर तात्पर्य भगवान के आज्ञा आनियमन के सम्मान आबाइबल में उनकर भविष्यवाणी में प्रकट रहस्यन के ज्ञान से बा। ई मानदंड , " *निर्दोष* या। " *निर्दोष* " चुनल लोग के , प्रकाशितवाक्य 14:5 में याद कइल गइल बा आपुष्टि कइल गइल बा जहाँ एकरा के मसीह के सही अंतिम वापसी के "एडवेंटिस्ट " संतन पर आरोपित कइल गइल बा। प् रकाशितवाक्य 7 में " ***परमेश्वर के मुहर*** " से मुहर लगावल *" 144,000 " लोग के प्रतीक से नामित कइल गइल बा* । उनकर अनुभव **पूरा के अनुभव ह पवित्रीकरण के काम कइल जाला** . इ अध्ययन बतावेला कि तम्बू , पवित्र स्थान , मंदिर अउर उनकर सब प्रतीक परमेश्वर के महान उद्धार योजना के भविष्यवाणी करत रहे। उ लोग के आपन उद्देश्य अउर पूर्ति मनुष्य के सामने प्रकट कइल गइल यीशु मसीह के पार्थिव सेवा के प्रकटीकरण में मिलल। एह तरह से चुनल लोग के उनकरा साथे जवन संबंध बा ऊ भविष्यवाणी के प्रकृति आ चरित्र में होला ; अज्ञानी आदमी सर्वज्ञ सृष्टिकर्ता भगवान पर भरोसा करेला ; जे आपन भविष्य बनावेला आ ओकरा के उजागर करेला।

राजा सुलैमान के बनावल मंदिर के अध्ययन से अभी हमनी के पता चलल बा कि हमनी के आदमी के सुलभ "मं दिर " हिस्सा के विशेष रूप से स्वर्गीय परमेश्वर खातिर आरक्षित "पवित्र स्थान " से भ्रमित ना करे के चाहीं। एकर परिणाम के रूप में , दान .8:14 में "पवित्रता " शब्द के जगह पर इस्तेमाल कइल गइल "पवित्र स्थान " शब्द एह बेर सभ वैधता खो देला , काहे कि ई एगो स्वर्गीय जगह से संबंधित बा जहाँ 1843 में कवनो शुद्धि के जरूरत नइखे।आ एकरा उल्टा , "पवित्रता " शब्द ओह संतन से संबंधित बा जेकरा पवित्र होखे खातिर धरती पर पाप के अभ्यास से टूटे के पड़ी , यानी कि परमेश्वर के द्वारा चुनल गइल।

ईसा मसीह के मौत के समय , "मंदिर " के "पवित्र स्थान " से अलग करे वाला पर्दा के परमेश्वर फाड़ देले रहले , लेकिन खाली संत लोग के प्रार्थना से ही स्वर्गीय पवित्र स्थान में आध्यात्मिक पहुँच मिल जाई जहाँ यीशु उनकरा खातिर बिनती करीहे। मंदिर के हिस्सा के धरती पर चुनल लोग के सभाघर के रूप में आपन भूमिका जारी राखे के रहे । 1843 में भी इहे भइल ,

सिद्धांत के नवीनीकरण भइल। संतन के "मंदिर " धरती पर रहल आ "पवित्र स्थान " में , जवन बिसेस रूप से स्वर्गीय रहे , मसीह के बिनती आधिकारिक तौर पर खाली चुनल एडवेन्टिस्ट चुनल लोग के ओर से फिर से शुरू हो गइल। एह से अब नया वाचा में धरती पर कवनो "अभयारण्य " नइखे रहि गइल , जहाँ ओकर प्रतीक गायब हो जाला। उहाँ खाली मुक्ति प्राप्त चुनल लोग के आध्यात्मिक "मंदिर " ही बाचल बा।

एकमात्र अशुद्धि जवना के शुद्धि के जरूरत रहे उ रहे धरती पर आदमी के पाप , काहे कि उनकर कवनो पाप स्वर्ग के अशुद्ध करे खातिर ना आइल। खाली शै तान अउर उनकर विद्रोही राक्षस के उपस्थिति ही ई काम कर सकत रहे , अउर एही से , विजयी होके , माइकल में , ईसा मसीह उनकरा के स्वर्ग से बाहर निकाल दिहलन अउर पाप के धरती पर गिरा दिहलन जहाँ उ लोग के मौत तक रहे के पड़ी।

पवित्रता के प्रतीकात्मकता के चर्चा कईला के बाद एगो बात समझे के बा। ई प्रतीक जतना पवित्र बा , ऊ खाली भौतिक चीज हवें। सच्चा पवित्रता जीवित लोग में बा , जवना के वजह से ईसा मसीह मंदिर से ज्यादा रहले , जवन खुद खाली परमेश्वर के नियम के रखे खातिर मौजूद रहे , जवन कि उनकर चरित्र के प्रतिरूप रहे अउर उनकर न्याय के एगो प्रतिरूप रहे जवन सांसारिक पापी से नाराज रहे। इ खाली अपना चुनल लोग के शिक्षा के समर्थन के रूप में काम करे खातिर रहे कि परमेश्वर मूसा अउर उनकर काम करे वाला लोग के द्वारा इ सब काम पूरा करवले रहले। मूर्तिपूजक व्यवहार से बचे खातिर ही परमेश्वर एगो आदमी , ओकर सेवक , रॉन व्याट , के 1982 में अपना गवाही के सन्दूक के खोजे अउर छूवे के अधिकार देले काहे कि " *यीशु के गवाही* ," जवन " *भविष्यवाणी के भावना ह* ," ओकरा खातिर कहीं बेहतर अउर अधिक उपयोगी बा काहे कि उ व्यक्तिगत रूप से धरती पर अपना चुनल चुनल लोग खातिर तैयार उद्धार योजना के अर्थ के खुलासा करे खातिर आइल रहले। रॉन व्याट के स्वर्गदूतन के ओर से जहाज से बाहर निकालल जात दस आज्ञा के फिल्मांकन करे के अनुमति मिलल रहे , लेकिन उ फिल्म के रखे से इनकार क देले। इ तथ्य साबित करेला कि परमेश्वर अपना मना करे के पहिले से जानत बाड़े , लेकिन इ चु नाव हमनी के ओह मूर्तिपूजा से बचावेला जवन कि अइसन रिकॉर्डिंग से उनकर कुछ अधिक कमजोर चुनल लोग में पैदा हो सकत रहे। ई वास्तविकता हमनी के प्रकट कइल गइल बा , ताकि हमनी के एकरा के अपना प्रेमी भगवान के दिहल एगो मीठ सौभाग्य के रूप में अपना दिल के विचार में रख सकीले ।

उत्पत्ति के अलगाव के बारे में बतावल गइल बा

अब जब एह किताब के अध्ययन से हमनी के दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के भविष्यवाणी में छिपल रहस्य के पता चल गईल बा , त अब हमरा रउवां के उत्पत्ति के किताब में प्रकट भईल भविष्यवाणी से परिचय करावे के होई , जवन एगो शब्द ह जवना के मतलब होला "शुरुआत "।

धेयान !!! उत्पत्ति के किताब के एह अध्ययन में जवन गवाही हमनी के उठावे जा रहल बानी जा उ सीधे परमेश्वर के मुँह से मिलल बा जे एकरा के अपना सेवक मूसा के डिक्टेट कइले रहलन। एह विवरण पर विश्वास ना कइल सबसे बड़ आक्रोश के गठन करेला जवन सीधे परमेश्वर के सामने कइल जा सकेला , एगो आक्रोश जव न निश्चित रूप से स्वर्ग के दरवाजा बंद कर देला काहे कि इ " *विश्वास के पूर्ण अभाव के उजागर करेला , जवना के बिना परमेश्वर के खुश कइल असंभव बा* ," इब्रानियों 11:6 के अनुसार।

अपना एपोकैलिप्स के प्रस्तावना में , यीशु एह अभिव्यक्ति पर मजबूती से जोर दिहले बाड़न : " *हम अल्फा अउर ओमेगा हईं , शुरुआत अउर अंत* ," जवना के उ प्रकाशितवाक्य 22:13 में अपना प्रकाशितवाक्य के अंत में फिर से उद्धृत कइले बाड़न। हमनी के उत्पत्ति के किताब के भविष्यवाणी चरित्र के पहिलही नोट कर चुकल बानी जा , खासकर सात दिन के हफ्ता के संबंध में जवन सात हजार साल के भविष्यवाणी करेला। इहाँ , हम उत्पत्ति के एह किताब के " **अलगाव** " के विषय के नजरिया से देखत बानी , जवन एकर विशेष विशेषता ह , जइसन कि हमनी के देखब जा।

उत्पत्ति 1 के बा

पहिला दिन के बा

उत्पत्ति 1:1: " *शुरू में परमेश्वर आकाश अउर धरती के रचना कइले बाड़न* ."

शुरुआत " शब्द से पता चलेला , " *पृथ्वी* " के वास्तव में भगवान द्वारा एगो नया आयाम के केंद्र आ आधार के रूप में बनावल गइल रहे , जवन ओकरा से पहिले के आकाशीय जीवन के रूपन के समानांतर रहे। चित्रकार के छवि के इस्तेमाल करे खातिर ओकरा पर होला कि ऊ कवनो नया चित्रकारी के साकारीकरण के निर्माण आ लागू करे . बा किर हमनी के पहिलहीं से ध्यान दीं जा कि , ओह लोग के उत्पत्ति से " *आकाश आ धरती* " **अलगा बा** . " *आकाश* " खाली , अन्हार आ अनंत

अंतरतारा ब्रह्मांड के नाँव देला ; आ " *धरती* " तब पानी से ढंकल गोला के रूप में लउकेले। " *पृथ्वी* " के सृष्टि के हप्ता से पहिले के कवनो अस्तित्व ना रहे काहें से कि एकर रचना एह बिसेस स्थलीय आयाम के सृष्टि के सुरुआत भा " *सुरुआत* " *में भइल बा।* ई शून्यता से निकल के भगवान के आदेश पर रूप ले लेला कि ऊ एगो अइसन भूमिका के पूरा करे जवन ओह आजादी के कारण जरूरी हो गइल बा जवन स्वर्ग में उनकर पहिला प्राणी द्वारा कइल गइल पाप के उत्पत्ति में बा ; जेकरा के यशायाह 14:12 " *भोर के तारा* " अउर " *भोर के बेटा* " कहत बा , उ परमेश्वर के अधिकार के चुनौती के बाद से शैतान बन गईल बा। तब से ऊ मौजूदा स्वर्गीय विद्रोही शिविर आआवे वाला पार् थिव शिविर के नेता रहल बाड़न।

उत्पत्ति 1:2: *"पृथ्वी बिना रूप आशून्य रहे , अउर गहिराह के ऊपर अन्हार रहे , अउर परमेश्वर के आत्मा पानी के ऊपर मंडरा रहल रहे ."*

जइसे कवनो चित्रकार कैनवास पर बेस कोट लगा के शुरुआत करेला , भगवान पहिले से बनल आकाशीय जीवन में प्रचलित स् थिति आ ऊ पार्थिव जीवन के प्रस्तुत करेलें जवन ऊ पैदा करीहें . एह तरह से ऊ " *अन्हार* " शब्द से ओह सब चीज के नामित करेला जवन ओकरा मंजूरी में नइखे , जवना के ऊपूर्ण विरोध में " *प्रकाश* " कहसु . आईं हमनी के ओह कड़ी के ध्यान दीं जवन ई श्लोक " *अन्हार* " शब्द के बीच स्थापित करेला , जवन हमेशा बहुवचन में होला काहे कि एकर पहलू एतना बहुल होला , आ " *रसातल* " शब्द के , जवन जीवन के कवनो रूप ना वाला धरती के निर्दिष्ट करेला। भगवान एह प्रतीक के इस्तेमाल अपना दुश्मनन के नामित करे खातिर कइले रहले : प्रकाशितवाक्य 11:7 में "ईश्वरहीन " क्रांतिकारी अउर स्वतंत्र विचारक अउर प्रकाशितवाक्य 17:8 में पोप के कैथोलिक धर्म के विद्रोही। लेकिन , विद्रोही प्रोटेस्टेंट लोग 1843 में ओह लोग के साथे जुड़ गइल , बारी -बारी से शैतान के प्रभुत्व से गुजरल , प्रकाशितवाक्य 9:11 के " *खाई के द्वत* "; जेकरा सा थे 1995 में बेवफा एडवेंटिज्म भी जुड़ गइल रहे।

एह श्लोक में दिहल गइल छवि में हमनी के देखत बानी जा कि " *अन्हार* " " *परमेश्वर के आत्मा* " के " *पानी* " *से* **अलग कर देला** जवन प्रतीकात्मक रूप से भविष्यवाणी करी , दानियल आ प्रकाशितवाक्य में , दान .7:2-3 आ प्रकाशितवाक्य 13:1 में " *समुद्र* " के प्रतीक के नीचे " *लोग , राष्ट्र आ भाषा* " *के* द्रव्यमान , आप्रकाशितवाक्य 8:10, 9:14, 16:12, में " *नदी* " *के नीचे।* 17:1-15 में दिहल गइल बा। अलगाव **के** जल्दिए मूल " ***पाप*** " के जिम्मेदार ठहरावल जाई जवन हव्वा आ

आदम के द्वारा कइल जाई। जइसे कि दिहल गइल छवि में , भगवान ओह विद्रोही स्वर्गदूतन से जुड़ल अन्हार के दुनिया से कंधा रगड़त बाड़न जे भगवान के अधिकार के चुनौती देबे खातिर उनकर पसंद में शैतान के पालन करेलें ।

उत्पत्ति 1:3: “ अउर परमेश्वर कहले , “उजोत होखे ! ” *अउर उजाला भइल .*

भगवान अपना सार्वभौमिक निर्णय के अनुसार " *अच्छा " के आपन मानक तय करेलन। " अच्छा "* के ई विकल्प " *प्रकाश* " शब्द से जुड़ल बा काहे कि ओकर गौरवशाली पहलू बा , जवन सभका आसभका से लउकेला , काहे कि अच्छाई ऊ " *शर्म* " पैदा ना करेला जवन आदमी के आपन दुष्ट काम पूरा करे खातिर लुकाए के ओर ले जाला। इ "शर्म " आदम के पाप के बाद उत्पत्ति 3 के अनुसार महसूस होई , उत्पत्ति 2:25 के तुलना में।

उत्पत्ति 1:4: “ *परमेश्वर देखलन कि उजाला अच्छा बा , अउर परमेश्वर उजाला के अन्हार से* ***अलग कर दिहलन*** .”

भगवान के इ **पहिला न्याय ह जवन व्यक्त कईले बाड़े।** एह से उनकर **अच्छाई के चुनाव के खुलासा होला , जवन** " *प्रकाश* " शब्द से उकसवले बा , आ**बुराई** के उनकर निंदा , जवना के " *अन्हार* " शब्द से नामित कइल गइल बा .

भगवान हमनी के आपन पार्थिव सृष्टि के उद्देश्य के बारे में बतावेलन अउर एह से अंतिम परिणाम जवन उनकर योजना हासिल करी : उनकर " *प्रकाश* " से प्रेम करे वाला लोग के निश्चित रूप से **अलग होखल** जे लोग " *अन्हार* " पसंद करेला। " *प्रकाश आअन्हार* " उ दुगो चुनाव ह जवन स्वतंत्रता के सिद्धांत से संभव भईल बा जवन भगवान अपना सब स्वर्गीय आ पार्थिव प्राणी के दिहल चाहत रहले। एह दुनो विरोधी खेमा के अंत में दू गो नेता बाड़े : " *रोशनी* " खातिर ईसा मसीह अउर " *अन्हार* " खातिर शैतान। आएह दुनों बिपरीत खेमा सभ के भी धरती के दू गो ध्रुव सभ नियर दू गो अलग-अलग निरपेक्ष छोर होखी ; चुनल गइल लोग प्रकाशितवाक्य 21:23 के अनुसार परमेश्वर के रोशनी में अनन्त काल तक जिए ; अउर मसीह के वापसी से नष्ट हो गइल , विद्रोही लोग के अंत उजाड़ धरती पर " *धूल " के स्थिति में होई जवन एक बार फिर से* उत्पत्ति 1:2 के *"खात " बन गईल बा।* न्याय खातिर जी उठल , उ लोग निश्चित रूप से सफाया हो जाई , प्रकाशितवाक्य 20:15 के अनुसार " *दूसरा मौत " के "आगके झील " में भस्म हो जाई।*

उत्पत्ति 1:5: “ *परमेशवर उजाला के दिन कहलन , अउर अन्हार के रात कहलन , आसाँझ भइल आसबेरे भइल , पहिला दिन .*”

ई " *पहिला दिन " " प्रकाश आअन्हार* " के चुनाव से बनल दुनो खेमा के निश्चित अलगाव खातिर समर्पित बा जवन यीशु मसीह के अंतिम जीत आ पार्थिव सृष्टि के

नवीकरण तक धरती पर एक दूसरा के सामना करी। " *पहिला दिन* " के एह तरह से " *चिन्हित* " कइल जाला कि भगवान विद्रोही लोग के पूरा हफ्ता के भविष्यवाणी कइल गइल "सात हजार " साल के दौरान ओकरा से लड़े खातिर देवेलन। एह तरीका से ई निशान बने खातिर बिल्कुल उपयुक्त बा , यानी कि छह सहस्राब्दी के दौरान बु तपरस्त लोग भा काफिर यहूदी लोग के बीच पावल जाए वाला झूठा ईश्वरीय पूजा के " *निशान* ", *बाकी खासतौर पर ईसाई युग में , काहें से कि "अविजयित सूर्य के दिन " के साप्ताहिक आराम के दिन के रूप में अपनावल गइल जे कॉन्स्टेंटाइन I के शाही अधिकार द्वारा थोपल गइल* ' 7 मार्च , 321 के। एह तरह से एह तारीख से वर्तमान "ईसाई " अतवार 538 से पोप रोमन कैथोलिक आस्था द्वारा एकरा के दिहल गइल धार्मिक समर्थन के बाद " *जानवर के निशान* " *बन गइल बा।साफ बा कि उत्पत्ति के "अल्फा* " *में* " *ओमेगा* " समय के ईसा मसीह के वफादार सेवकन के बहुत कुछ पेश करे के रहे। आई खत्म नइखे भइल .

2nd दिन के बा

उत्पत्ति 1:6: " *परमेश्वर कहले , "पानी के बीच में एगो आकाश बनल होखे , अउर उ पानी के पानी से* ***अलग करे*** ."

अलगाव के सवाल बा : " *पानी से पानी* ." क्रिया में भगवान के प्राणी के **अलग होखे के भविष्यवाणी कइल गइल बा जवना के प्रतीक** " *पानी* " से बा। ई श्लोक पार्थिव जीवन से आकाशीय जीवन के स्वाभाविक **अलगाव के पुष्टि करेला अउर दुनो में , "परमेशवर के बेटा " के "शैतान के बेटा " से अलग होखे** के एकरा बावजूद एक साथ सह -अस्तित्व खातिर बोलावल जाला जब तक कि दुष्ट विद्रोही स्वर्गदूतन खातिर ईसा मसीह के मौत से चिन्हित न्याय ना हो जाव , अउर जब तक कि पृथ्वी के लोग खातिर ईसा मसीह के महिमा में वापसी ना हो जाव। ई **अलगाव** एह तथ्य के जायज ठहरा दी कि आदमी के आकाशीय स्वर्गदूतन से तनी नीच बनावल जाई काहे कि आकाशीय आयाम ओकरा खातिर दुर्गम होखी . धरती के इतिहास ओकर अंत तक लंबा छंटनी के होई। पाप अव्यवस्था के स्थापित कर दिहले बा आभगवान एह विकार के चयनात्मक छँटाई से संगठित करेलें .

उत्पत्ति 1:7: " *अउर परमेश्वर आकाश बनवले , अउर आकाश के नीचे के पानी के आकाश के ऊपर के पानी से* ***अलग कर दिहले*** ।

दिहल छवि " *पानी जवन नीचे बा* " द्वारा भविष्यवाणी कइल गइल पार्थिव जीवन के स्वर्गीय जीवन से **अलग कर देला जवन** " *विस्तार से ऊपर बा* ."

उत्पत्ति 1:8: “ *अउर परमेश्वर विस्तार के स्वर्ग कहले , अउर साँझ भइल अउर सबेरे भइल , दूसरा दिन .*”

ई आकाश, वायुमंडलीय परत के नाँव देला जे पानी के रचना करे वाली 2 गो गैस (हाइड्रोजन आऑक्सीजन) से बनल , पृथ्वी के पूरा सतह के घेरले बा आ जे प्राकृतिक रूप से मनुष्य के पहुँच ना पावे ले। भगवान एकरा के एगो अदृश्य आकाशीय जीवन के उपस्थिति से जोड़त बाड़न जवन कि एह से बा काहे कि शैतान के खुद इफिसियों 2:2 में " *हवा के शक्ति के राजकुमार* " *के नाम मिल जाई :* "... *जवना में पहिले के समय में तू एह संसार के क्रम के अनुसार चलत रहलू ,* ***हवा के शक्ति के राजकुमार*** *के अनुसार , उ आत्मा जवन अब आज्ञा ना माने के बेटा में काम करेला* "; रवैया जवन उनका आकाशीय दुनि या में पहिलहीं से रहे।

3 वां दिन के बा

उत्पत्ति 1:9: “ *परमेशवर कहलन , “आकाश के नीचे के पानी एक जगह बटोर जाव , अउर सूखा जमीन प्रकट होखे।* ”

एह पल तक " *पानी* " पूरा धरती के ढंक लेले रहे *लेकिन अभी तक ओह में समुद्री जानवर के जीवन के कवनो रूप ना रहे जवन 5 वां* दिन पैदा होई . ई परिशुद्धता उत्पत्ति 6 के बाढ़ के क्रिया के आपन पूरा प्रामाणिकता देई जवन डूबल धरती पर समुद्री जानवरन के जीवन के रूप के फइलावे में सक्षम होई ; जवना से बाद में ओहिजा समुद्री जीवाश्म आ गोला के खोज के जायज ठहरावल जाई .

उत्पत्ति 1:10: “ *परमेश्वर सू खल भूमि के धरती कहले , अउर पानी के एकट्ठा होखे के समुंदर कहले , अउर परमेश्वर देखले कि इ अच्छा बा .*”

एह नया **अलगाव के भगवान** " *अच्छा* " मानत बाड़न काहे कि समुंदर आमहाद्वीप से परे , ऊ एह दुनो शब्दन के " *समुद्र आजमीन* " के दू गो प्रतीक के भूमिका देले बाड़न जवन क्रमशः कैथोलिक ईसाई चर्च आ प्रोटेस्टेंट क्रिश्चियन चर्च के नामित करी जवन पहिला से रिफॉर्मड चर्च के नाम से निकलल रहे। 1170 से 1843 के बीच भइल इनकर **अलगाव के एह से** भगवान " *अच्छा* " *मानत बाड़े।* अउर सुधार के समय के उनकर विश्वासी सेवकन खातिर उनकर प्रोत्साहन प्रकाशितवाक्य 2:18 से 29 में प्रकट भइल बा।एह श्लोकन में , हमनी के पद 24 अउर 25 के इ महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण मिलेला जवन एगो असाधारण अस्थायी स्थिति के गवाही देला : " *तोहनी के , जेतना लोग थियातीरा में बा , जेकरा लगे इ सिद्धांत नइखे , अउर जे शैतान के गहराई के नइखी जानत , जइसे कि ऊ लोग ओह लोग के बोलावेला , हम तोहरा से कहत बानी कि* ***हम***

तोहरा पर कवनो दोसर बोझ ना डालत बानी *;* ***केवल*** *, जवन रउरा लगे बा , ओकरा के तब तक पकड़ीं जब तक हम ना आजाईं* ." एक बेर फेरु से , एह समूहीकरण से , भगवान विद्रोही स् वर्गदूत आ मानव आत्मा द्वारा बनावल अव्यवस्था के व्यवस्था ले आवेलन। आईं हमनी के एह दूसर शिक्षा पर ध्यान दीं , " *धरती* " पूरा ग्रह के आपन नाम दे दिही काहे कि " *सूखा* " आदमी के जीवन के प्राकृतिक वातावरण होखे खातिर तइयार बा जेकरा खातिर ई सृष्टि भगवान द्वारा बनावल गइल बा। समुद्री सतह के चार गुना बड़ होखे के कारण सूखा जमीन के सतह पर , ई ग्रह " *समुद्र* " नाम के बेहतर हकदार ले सकत रहे लेकिन ईश्वरीय योजना में जायज ना रहे एह "कहा नी " के शब्द : "एक पंख के चिरई एक साथ झुंड बना के आपंख के चिरई एक साथ झुंड बना के ," एह समूहन में पावल जाला , एह तरह से , 1170 से 1843 के बीच , विश्वासी आ शांतिप्रिय प्रोटेस्टेंट लोग के मसीह के धर्मीपन से बचावल गइल सच्चे सातवाँ दिन के सब्त के आराम के बिना असाधा रण रूप से आरोपित कइल गइल : शनिचर के ई विश्राम के मांग ह जवन " *धरती* " के 1843 से एगो झूठा ईसाई विश्वास के प्रतीक बनावेला , दान 8:14 के अनुसार एह ईश्वरीय न्याय के प्रमाण प्रकाशितवाक्य 10:5 में आवेला काहे कि यीशु ओह *लोग* *के* " *समुद्र* *अउर धरती* " पर रखले बाड़न ओकर गुस्सा के बात बा।

उत्पत्ति 1:11: " *परमेश्वर कहलन , धरती पर वनस्पति , बीज पैदा करे वाला पौधा आफलदार पेड़ जवना तरह के बीज अपना में बा , धरती पर पैदा करे* ।

भगवान द्वारा सूखा जमीन के दिहल प्राथमिकता के पुष्टि होला : पहिला , एकरा के " ***उत्पादन*** " " *वनस्पति , बीया पैदा करे वाला पौधा , फलदार पेड़ के अपना प्रकार के हिसाब से फल देवे के शक्ति मिलेला* "; सब चीज पहिले आदमी के जरूरत खातिर पैदा भइल , आ गौण रूप से ओह स्थलीय आ आकाशीय जानवरन खातिर जवन ओकरा के घेरले रहीहें . धरती के एह उत्पादन के भगवान प्रतीकात्मक प्र तिमा के रूप में इस्तेमाल करीहें ताकि ऊ अपना सेवकन के आपन सबक उजागर कर सकसु . आदमी , " *पेड़* " निहन , नीमन चाहे बाउर फल दिही।

उत्पत्ति 1:12: " *आ धरती वनस्पति पैदा कइलस , जवन पौधा अपना तरह के बीज देत रहे , आ पेड़ जवन फल देत रहे , जवना में ओकर बीज अपना तरह के बा , आ परमेश्वर देखलन कि ई बढ़िया बा।* "

एह तीसरा दिन , कवनो दोष भगवान के बनावल काम के कलंकित ना करेला , प्रकृति सिद्ध बा , यानी " *अच्छा* " मानल जा ला . सही वायुमंडलीय आ स्थलीय शुद्धता में पृथ्वी अपना उत्पादन के गुणा करेले। फल ओह जीव सभ खातिर होला जे धरती पर जिए लें : आदमी आ जानवर जे

बदले में अपना व्यक्तित्व के हिसाब से फल पैदा करीहें।

उत्पत्ति 1:13: " *साँझ भइल आसबेरे भइल, तीसरा दिन* ."

4वां दिन के बा

उत्प .

एगो नया **अलगाव** लउकेला : " *दिन से रात* ." एह चउथा दिन ले दिन के रोशनी कवनो आकाशीय पिंड से ना मिलत रहे। दिन आरात के अलगाव भगवान के बनावल आभासी रूप में पहिलहीं से मौजूद रहे। अपना सृष्टि के अपना उपस्थिति से स्वतंत्र बनावे खातिर भगवान चउथा दिन आकाशीय पिंड के निर्माण करीहें जवना से मनुष्य एह पिंडन के अंतरतारा ब्रह्मांड में स्थिति के आधार पर कैलेंडर स्थापित कर सकेलें। एह तरह से राशि के राशि , ज्योतिष अपना समय से पहिले लेकिन ओकरा से जुड़ल वर्तमान भविष्यवाणी के बिना , यानी खगोल विज्ञान के प्रकट होई।

उत्पत्ति 1:15: " *आउ लोग आकाश के आकाश में रोशनी के रूप में होखे जवन धरती पर रोशनी देवे* ।

" *धरती* " के " *दिन* " से " *रात* " के तरह रोशन होखे के चाहीं , बाकिर " *दिन* " के " *प्रकाश* " के " *रात* " से आगे निकले के चाहीं काहे कि ई सच्चाई के भगवान के प्रतीकात्मक छवि ह, जवन सब कुछ के रचनाकार हवे। आ" *रात के दिन* " क्रम में उत्तराधिकार ओकर सभ दुश्मनन के खिलाफ ओकर अंतिम जीत के भविष्यवाणी करेला जे ओकर प्रिय आ धन्य चुनल लोग के भी हवें। " *धरती के रोशन करे* " के ई भूमिका एह तारा सभ के सृष्टिकर्ता भगवान के नाम पर प्रस्तुत सच्चाई भा झूठ के सिखावे वाला धार्मिक क्रिया के प्रती कात्मक अर्थ देई।

उत्पत्ति 1:16: " *अउर परमेश्वर दू गो बड़हन रोशनी बनवले : दिन पर राज करे खातिर बड़का रोशनी , रात के राज करे खातिर छोट रोशनी , अउर तारा भी* ."

सूरज " आ" *चंद्रमा* ", " *दू गो महान प्रकाशक* " के उकसा के , भगवान सूरज के " *सभसे बड़* " अभिव्यक्ति से नाँव देलें जबकि ग्रहण एकरा के साबित करे लें , दुनों सौर आचंद्रमा के डिस्क हमनी के एकही आकार के नीचे लउके लीं , एक दुसरा के परस्पर ढंकत बा। लेकिन एकरा के बनावे वाला भगवान आदमी से पहिले जानत बाड़े कि एकर छोट रूप धरती से दूरी के चलते बा , सूरज चंद्रमा से 400 गुना बड़ बा लेकिन 400 गुना आगे बा। एह परिशुद्धता से ऊ अपना परम सृष्टिकर्ता भगवान के उपाधि के पुष्टि आ पुष्टि करेला। एतने ना ,

आध्यात्मिक स्तर पर , ऊ रात आ अन्हार के प्रतीक चंद्रमा के छोटपन के तुलना में आपन अतुलनीय "महानता " के खुलासा करेलें। एह प्रतीकात्मक भूमिका के लागू कइल यीशु मसीह के संबंध में होई जेकरा के यूहन्ना 1:9 में " *प्रकाश* " *कहल गइल बा : " इ प्रकाश सच्चा प्रकाश रहे , जवन दुनिया में आके हर आदमी के रोशन करेला* "। हमनी के ध्यान दीं कि शारीरिक यहूदी लोग के प्राचीन वाचा , जवन चंद्र कैलेंडर पर बनल रहे , के "अंधेरा " युग के चिन्ह के नीचे रखल गइल रहे ; ई मसीह के पहिला आदूसरा आगमन तक। ठीक ओसहीं जइसे "अमावाज के परब " के उत्सव , जवना पल में गायब होखे वाला चंद्रमा अदृश्य हो जाला , मसीह के सौर युग के आवे के भविष्यवाणी कइलस , जवन माल . 4:2 के तुलना एगो " *धर्म के सूरज* " से कइल गइल बा : " *लेकिन तोहनी खातिर जे हमरा नाम से डेरात बानी , **धर्म के सूरज** अपना पाँख में चंगाई के साथे उठी ; तू बाहर निकल के ठेला से बछरू निहन कूदब ,...*"। प्राचीन यहूदी वाचा के बाद " *चाँद* " झूठा ईसाई आस्था के प्रतीक बन गइल , 321 आ 538 से लगातार कैथोलिक , फि र 1843 से प्रोटेस्टेंट , आ.. 1994 से संस्थागत एडवेन्टिस्ट।

श्लोक में " *तारा* " के भी उकसावल गइल बा . इनहन के रोशनी कमजोर होला बाकिर ई अतना संख्या में होला कि एकरा बावजूद ई पार्थिव रात के आकाश के रोशन करे लें। " *तारा* " एह तरह से धार्मिक दूत लोग के प्रतीक बन जाला जे खड़ा रहेला या जे Apo.6:13 के " *6वां मुहर* " के निशान के तरह गिर जाला जवना में तारा के पतन 13 नवंबर , 1833 के चुनल लोग के भविष्यवाणी करे खातिर आइल, साल 1843 खातिर प्रोटेस्टेंट धर्म के भारी पतन।ई गिरावट समानांतर रूप से मसीह के दूत पावे वाला लोग से संबं धित रहे " *सरदीस* " के संदेश के जेकरा के यीशु घोषणा करत बाड़न : " *तू जिंदा रहला के चलते गुजरत बाड़ अउर मर गइल बाड़ू* ." एह गिरला के याद कइल गइल बा अंपो .9:1 में : " *पांचवा स्वर्गदूत आपन तुरही बजावलन। हम **एगो तारा देखनी जवन स्वर्ग से धरती पर गिरल रहे** । अथाह गड्ढा के चाभी ओकरा के दिहल गईल ।* " प्रोटेस्टेंट के पतन से पहिले , प्रकाशितवाक्य 8:10 अउर 11 कैथोलिक धर्म के उकसावत बा जवना के परमेश्वर निश्चित रूप से निंदा कइले बाड़न : " *तीसरा स्वर्गदूत आपन तुरही बजावलन। **अउर उहाँ स्वर्ग से एगो बड़हन तारा गिरल , जवन मशा ल निहन जरत रहे** , आउ नदी के एक तिहाई पर आपानी के फव्वारा पर गिर गईल।* " पद 11 एकर नाम देला " *अबसिंथे* " : " ***ओहतारा के नाम एबसिंथे** ह* ; एकर पुष्टि प्रकाशितवाक्य 12:4 में कइल गइल बा : " ***उनकर पूंछ स्वर्ग के तारा के एक तिहाई हिस्सा बह के** धरती पर फेंक दिहलस। अजगर ओह औरत के सामने खड़ा हो गईल जवन बच्चा पैदा करे वाली रहली , जब उ बच्चा के*

जन्म देले रहे त ओकरा के खा जाए ।" तब धार्मिक दूत प्रकाशितवाक्य 8:12 में फ्रांसीसी क्रांतिकारी लोग के फांसी के शिकार हो जइहें : " *चउथा स्वर्गदूत आपन तुरही बजा दिहलन। आ सूरज के एक तिहाई , चाँद के एक तिहाई* ***आतारा के एक तिहाई मारल गइल, जवना से एक तिहाई हिस्सा अन्हार हो गइल*** *, आदिन अपना लंबाई के एक तिहाई तक ना चमकल, आरात भी ओइसहीं* ।" धर्म के हर रूप से दुश्मनी राखे वाला स्वतंत्र सोच वाला क्रांतिकारी लोग के निशाना भी , हमेशा आंशिक रूप से (*एक ति हाई*)," *सूर्य* " आ" *चंद्रमा* " होला।

उत्पत्ति 15:5 में , " *तारा* " अब्राहम से वादा कइल गइल " *वंश* " के प्रतीक हवें : " *अउर उ उनकरा के सामने ले अइलन , अउर कहले , "अब स्वर्ग के ओर देख , अउर तारा गिन , अगर तू उनकर गिनती कर सकेनी। अउर उ उनकरा से कहलस कि , "तोहार वंशज भी अईसन होई* ।" सम्हल जा ! संदेश एगो बड़हन संख्या के संकेत देला लेकिन एह भीड़ के विश्वास के गुणवत्ता के बारे में कुछ न इखें कहत जेकरा में परमेश्वर के मत्ती के अनुसार " *बहुत बोलावल , लेकिन चुनल कम" मिल जाई।* 22:14 के बा। " *तारा* " फिर से दान में चुनल लोग के प्रतीक हवे। 12 :3: " *अउर बुद्धिमान लोग आकाश के चमक नियर चमकी ,* ***अउर जे लोग बहुत लोग के धर्म के ओर मोड़ देला , उ लोग तारा निय र*** *हमेशा खातिर* ।"

उत्पत्ति 1:17: " *अउर परमेश्वर ओह लोग के आकाश के विस्तार में रखलन कि उ लोग धरती पर रोशनी देवे ,*"

इहाँ हमनी के एगो आध्यात्मिक कारण से तारा के एह भूमिका पर भगवान के जिद देखत बानी जा : " *धरती के रोशन करे खातिर* ."

उत्पत्ति 1:18: " *दिन अउर रात पर राज करे खातिर अउर अन्हार से रोशनी के* ***अलग करे खातिर , अउर परमेश्वर देखलन कि इ अच्छा बा*** *.*"

एक ओर " *दिन आरोशनी* " आदूसरा ओर " *रात आअन्हार* " के एक साथ जोड़ के एह तारा सभ के आध्यात्मिक प्रतीकात्मक भूमिका के पुष्टि करे लें।

उत्पत्ति 1:19: " *साँझ भइल आभोर भइल, चउथा दिन .*"

पृथ्वी के अब सूरज के रोशनी आ गर्मी से फायदा हो सकेला ताकि ओकर उर्वरता आपौधा के खाद्य पदार्थ के उत्पादन सुनिश्चित हो सके। लेकिन सूरज के भूमिका त हव्वा अवुरी आदम के कईल पाप के बाद ही महत्वपूर्ण होई। एह दुखद क्षण तक जीवन भगवान के सृजनात्मक शक्ति के चमत्कारी शक्ति पर निर्भर रहल बा। पार्थिव जीवन के आयोजन भगवान के द्वारा एह समय खातिर कइल गइल बा जब पाप धरती पर आपन सब अभिशाप के साथ प्रहार करी।

5 वां दिन के बा

उत्प .
एह 5वां दिन भगवान "*पानी* "*के* "*प्रचुर मात्रा में जीवित जानवर* "*पैदा करे* के शक्ति देले "एतना संख्या में आएतना विविधता कि आधुनिक विज्ञान के ओह सब के गिनती करे में दिक्कत होला। पूरा अन्हार में रसातल के नीचे हमनी के छोट -छोट फ्लोरोसेंट जानवरन के जीवन के एगो अज्ञात रूप के खोज होला जवन चमकेला , झपकावेला आ प्रकाश के तीव्रता आ रंग तक बदलेला। ठीक ओही तरह आसमान के विस्तार के "*चिरई* " के उड़ान के एनीमेशन मिल जाई। इहाँ "*पंख* "के प्रतीक लउकेला जवन पंख वाला शारीरिक जानवरन के हवा में आवाजाही के अनुमति देला। प्रतीक ओह आकाशीय आत्मा से जुड़ल होई जेकरा एकर जरूरत नइखे काहे कि ऊ स्थलीय आ आकाशीय भौतिक नियमन के अधीन नइखे . आ धरती के पंख वाला प्रजाति में भगवान अपना के "*चील* " के छवि के श्रेय दीहें जवन चिरई आउड़त जानवरन के सभ प्रजाति में सबसे ऊँच ऊँचाई पर चढ़ेला। "*चील* "साम्राज्य के प्रतीक भी बन जाला , दानी .7:4 में राजा नबूकदनेस्सर के आप्रकाशितवाक्य 8:13 में नेपोलियन प्रथम के :" *हम देखनी , त हम* ***एगो चील के स्वर्ग के बीच में उड़त सुननी*** *, जवन जोर से कहत रहे , हाय , हाय , धरती के निवासी लोग के हाय , तीनों के तुरही के बाकी आवाज के चलते स्वर्गदूत* जे *बजावे* वाला बाड़े *!*
"*चील* " के अलावा बाकी "*आकाश के चिरई* " आकाशीय स्वर्गदूत , अच्छा आबुरा के प्रतीक होई।
उत्प .
भगवान पाप के स्थिति खातिर समुद्री जीवन के तइयार करेलन , ऊ समय जब "*बड़ मछरी* "छोट मछरी के आपन भोजन बना दी ; ई प्रोग्राम कइल नियति आहर प्रजाति में इनहन के बहुतायत के उपयोगिता हवे। "*पंख वाला चिरई* "एह सिद्धांत से ना बची काहे कि ऊहो एक दोसरा के भोजन खातिर मार दीहें . बाकिर पाप से पहिले कवनो समुद्री जानवर भा चिरई दोसरा के नुकसान ना पहुँचावेला ; जीवन ओह सब के जीवंत करेला , आ ई लोग एकदम तालमेल से सह -अस्तित्व में रहेला। एही से भगवान स्थिति के "*अच्छा* "न्याय करेलन . समुद्री "*जानवर* "आ" *चिरई* "पाप के बाद प्रतीकात्मक भूमिका निभावी। तब एह प्रजाति के बीच घातक लड़ाई "*समुद्र* " के "मौत "के अर्थ दे दिही जवन भगवान हिब्रू पुजारी लोग के वज़ूद के संस्कार में देले। एह काम खातिर इस्तेमाल होखे वाला वट के "लाल सागर "के पार करे के याद में "*समुद्र* "नाम दिहल जाई , दुनो चीज़ ईसाई बपतिस्मा के पूर्वरूप ह। एह तरह से , प्रकाशितवाक्य 13:1 में एकरा के "*समुद्र से उठल जानवर* "नाम देके , परमेश्वर रोमन कैथोलिक धर्म अउर

एकर समर्थन करे वाला राजतंत्र के पहचान "मरल " लोग के मंडली के रूप में कइले बाड़न जवन " *समुद्र* " के मछरी निहन अपना पड़ोसी के मारेला अउर खा जाला । ठीक ओइसहीं चील , बाज आ बाज कबूतर आ कबूतर के खा जइहें , काहे कि हव्वा आ आदम के पाप आ ओह लोग के मानव वंशज के कहीं अधिका संख्या के चलते जबले मसीह के गौरवशाली वापसी ना हो जाई .

उत्प .

भगवान के आशीर्वाद गुणा के माध्यम से साकार होला , समुद्री जानवर आ चिरई के एह संदर्भ में , लेकिन जल्दिये मनुष्य के भी। मसीह के कलीसिया के भी अपना अनुयायी के संख्या के गुणा करे खातिर बोलावल गइल बा , लेकिन इहाँ परमेश्वर के आशीष काफी नइखे , काहे कि परमेश्वर बोलावेलन , लेकिन उ केहू के अपना उद्धार के प्रस्ताव के जवाब देवे खातिर मजबूर नइखन करत।

उत्पत्ति 1:23: " *शाम भइल आ सबेरे भइल , पांचवा दिन* ."

हमनी के ई धियान देईं कि समुंद्री जीवन के निर्माण पाँचवाँ दिन होला , एह तरीका से स्थलीय जीवन के रचना से **अलग हो जाला , काहें से कि एकर आध्यात्मिक प्रतीकात्मकता जे अभिशप्त आ धर्मत्यागी ईसाई धर्म के पहिला रूप से संबंधित बा ;** जवन 7 मार्च 321 से रोम के कैथोलिक धर्म के प्रतिनिधित्व करी , जवन कि झूठा बुतपरस्त आराम के दिन , पहिला दिन आ "सूरज के दिन " के अपनावे के तारीख , बाद में एकर नाँव बदल दिहल गइल : अतवार , मने कि प्रभु के दिन। एह व्याख्या के पुष्टि 5वीं सहस्राब्दी के दौरान रोमन कैथोलिक धर्म के प्रकटीकरण से होला अउरी प्रोटेस्टेंट धर्म के जवन 6वीं सहस्राब्दी के दौरान प्रकट होला .

6वां दिन के बा

उत्प

6वाँ दिन स्थलीय जीवन के निर्माण होला जे बदले में समुंद्र के बाद " *जिंदा जानवर* ***पैदा करे ला ।*** " *अपना तरह के मवेशी , रेंगत जानवर आ धरती के जानवरन के अपना तरह के हिसाब से* . " भगवान एह सब जीव के प्रजनन के प्रक्रिया के गति देवेले / इ सब देश भर में फइल जाई। "

उत्प .

ई श्लोक पिछला श्लोक में क्रमबद्ध क्रिया के पुष्टि करेला। अबकी बेर ध्यान दीं कि भगवान धरती पर पैदा भइल एह स्थलीय जानवरन के जीवन के रचनाकार आ निर्देशक हउवें . जइसे कि समुंदर के जानवरन के साथ

होला , स्थलीय जानवर मनुष्य के पाप के समय तक सामंजस्य में रहिहें। भगवा न के एह जानवर सृष्टि के " *अच्छा* " लागेला जवना में प्रतीकात्मक भूमिका के रचना होला अउर उ पाप के स्थापना के बाद अपना भविष्यवाणी के संदेश में एकर इस्तेमाल करीहे। सरीसृप सभ में " *साँप* " शैतान द्वारा इस्तेमाल कइल जाए वाला पाप के भड़कावे वाला माध्यम के रूप में प् रमुख भूमिका निभावी। पाप के बाद धरती के जानवर एक दूसरा के प्रजाति के खिलाफ प्रजाति के नाश करीहे। अउर इ आक्रामकता , प्रकाशितवाक्य 13:11 में , " *धरती से ऊपर आवे वाला जानवर* " नाम के जायज ठहरावेला जवन 2030 के बसंत खातिर योजनाबद्ध ईसा मसीह के सही वापसी से जायज ठह रावल एडवेंटिस्ट विश्वास के अंतिम परीक्षा के संदर्भ में भगवान द्वारा अभिशप्त अपना अंतिम दर्जा में प्रोटेस्टेंट धर्म के नामित करेला 1843 से भीड़ के बा।

उत्प .

हमनी के बनावे के " कह के भगवान अपना रचनात्मक काम से ओह वफादार स्वर्गदूत के दुनिया के जोड़ देले जवन उनकर काम के गवाह होला आ उनका के उत्साह से भरल घेरले रहेला। **अलगाव** के विषय के तहत , इहाँ , 6वां दिन में समूहबद्ध , स्थलीय जानवर के सृष्टि आ आदमी के जवन एह श्लोक 26 में उकसावल गइल बा , भगवान के नाम के संख्या , यानी कि चार गो हिब्रू अक्षर के जोड़ से प्राप्त संख्या "योद = 10 +, ऊ = 5 +, लहर = 6 +, हे = 5 = 26"; अक्षर जवन उनकर लिप्यंतित नाम "YaHWéH" के रचना करेला। ई चुनाव अउरी जायज बा काहे कि , " *भगवान के प्रतिरूप में बनावल गइल* ", " *आदमी* " आदम मसीह के प्रतिरूप के रूप में स्थलीय सृष्टि में ओकरा के प्रतीकात्मक रूप से प्रतिनिधित्व करे आवेला। भगवान ओकरा के ओकर शारीरिक आमानसिक पहलू देला , ऊ ह नीमन आबुराई के बीच न्याय करे के क्षम ता जवन ओकरा के जिम्मेदार बना दी . जानवरन के साथे ओही दिन बनावल गइल " *आदमी* " *के ओकर* " *उपमा* " के चुनाव मिल जाई : भगवान भा जानवर , यानी " *जानवर* "। अब, "एक जानवर ," " *साँप* " से बहकावे के अनुमति देला से ही हव्वा आ आदम अपना के भगवान से काट जइहें आ आपन " *उपमा* " खो दी हें। आदमी के " *धरती पर रेंगत सरीसृप* " पर प्रभुत्व देके , भगवान आदमी के "साँप " पर हावी होखे खातिर आमंत्रित करेलन अउर एह से उ अपना के ओकरा से सिखावे ना देवे। अफसोस मानवता खातिर , हव्वा आदम से अलगा हो जाई आ अलग हो जाई जब ओकरा के बहका के आज्ञा ना माने के पाप के दोषी बनावल जाई .

भगवान आदमी के आपन सगरी पार्थिव सृष्टि के ओह जीवन के सौंप देले बाड़न जवन ओकरा में समुंदर , धरती आ आकाश में पैदा होला।

उत्प

6वां दिन बाकी दिनन नियर 24 घंटा के होला आलागत बा कि मरद मेहरारू के रचना के एहिजा समूहबद्ध कइल गइल बा कि ओह लोग के रचना के संक्षेप में बतावल जाव . दरअसल , जनरल 2 आदमी के एह सृष्टि के कई गो अइसन काम के खुलासा करके अपना ऊपर ले लेले बा जवन शायद कई दिन में पूरा भइल रहे। एह तरह से एह अध्याय 1 के कहानी एगो मानक चरित्र ले लेले बा जवन प्रतीकात्मक मूल्यन के उजागर करेला जवन भगवान हफ्ता के पहिला छह दिन के दिहल चाहत रहले।

ई हफ्ता एह मायने में अउरी प्रतीकात्मक बा कि एहमें परमेश्वर के उद्धार योजना के चित्रण कइल गइल बा। "पुरुष " मसीह के प्रतीक ह अउर भविष्यवाणी करेला , अउर "महिला " "चुनल कलीसिया " के प्रतीक ह जवन ओकरा से उठल होई। एतने ना , पाप से पहिले वास्तविक समय के कवनो महत्व ना होला काहे कि पूर्णता के स्थिति में समय के गिनती ना होला आ"6,000 साल " के उलटी गिनती पहिला बसंत में शुरू हो जा ई जवना के पहिला मानव पाप से चिन्हित कइल गइल बा। एकदम नियमितता में 12 घंटा के रात अवुरी 12 घंटा के दिन एक दूसरा के लगातार पीछे -पीछे चलेला। एह श्लोक में भगवान अपना प्रतिरूप के अनुरूप बनावल आदमी के उपमा पर जोर देले बाड़न। आदम कमजोर नइखे ; ऊ ताकत से भरल बा , आऊ शैतान के प्रलोभन के विरोध करे में सक्षम बनावल गइल बा .

उत्प .

संदेश भगवान द्वारा पूरा मानवता के संबोधित कइल गइल बा , जवना के आदम आ हव्वा मूल मॉडल हवें। जानवरन का तरह ओह लोग के बदले में धन्य आ प्रोत्साहन दिहल जाला कि ऊ लोग मनुष्य के गुणा करे खातिर संतान पैदा करे . आदमी के भगवान से जानवरन पर प्रभुत्व मिलेला , मतलब कि ओकरा अपना के ओह लोग के हावी ना होखे देबे के चाहीं , भावुकता आ भावनात्मक कमजोरी से . ओकरा ओह लोग के नुकसान ना चहुँपावे के चाहीं बलुक ओह लोग का साथे मिलजुल के जिए के चाहीं . ई , पाप के अभिशाप से पहिले के संदर्भ में।

उत्प .

भगवान अपना पौधा सृष्टि में हर प्रजाति के पौधा , फलदार पेड़ , अनाज , जड़ी -बूटी अवुरी सब्जी के बीज के संख्या के गुणा क के आपन सभ भलाई अवुरी उदारता के खुलासा करेले। भगवान आदमी के सही आहार के मॉडल पेश करेलन जवन पूरा जीव आ मानव आत्मा के अनुकूल बढ़िया शारीरिक आ मान सिक स्वास्थ्य के बढ़ावा देला , आजुओ आदम के समय के जइसन। ई विषय भगवान 1843 से अपना चुनल गइल लोग खातिर एगो आवश्यकता के रूप में पेश करत आइल बाड़न आ हमनी के आखिरी

जमाना में एकर महत्व अउरी बढ़ जाला जब भोजन रसायन , खाद , कीटनाशक आ अउरी चीजन के शिकार होला जवन जीवन के बढ़ावा देवे के बजाय ओकरा के तबाह कर देला।

उत्पत्ति 1:30: " *आधरती के हर जानवर के , आहवा के हर चिरई के , आधरती पर रेंगत हर चीज के , जवना में जीवन बा , हम हर हरियर जड़ी -बूटी के भोजन खातिर देले बानी* ।

एह श्लोक में ऊ कुंजी प्रस्तुत कइल गइल बा जवन एह सामंजस्यपूर्ण जीवन के संभावना के जायज ठहरावेला। सभ जीव शाकाहारी हवे , एहसे एक दूसरा के नुकसान पहुंचावे के कवनो कारण नईखे। पाप के बाद जानवर सबसे जादा खाना खातिर एक दूसरा प हमला करीहे अवुरी तब मौत ओ सभके कवनो ना कवनो तरीका से मार दिही।

उत्पत्ति 1:31: " *परमेश्वर उ सब कुछ देखले , अउर देखले कि उ बहुत बढ़िया रहे , अउर साँझ हो गईल अउर भोर हो गईल , छठवाँ दिन .*"

दिन के अंत में भगवान अपना सृष्टि से संतुष्ट हो जालें जवन धरती पर आदमी के मौजूदगी के साथ अबकी बेर " ***बहुत अच्छा*** " ***मानल जाला , जबकि 5वां*** दिन के अंत में ई खाली " *अच्छा* " *रहे* .

हप्ता के पहिला 6 दिन के 7 दिन से **अलग करे** के परमेश्वर के इरादा के प्रदर्शन उत्पत्ति के एह अध्याय 1 में उनकर समूहीकरण से कइल गइल बा । एह तरह से ऊ अपना ईश्वरीय नियम के 4वां आज्ञा के संरचना तइयार करेलें , जवना के ऊ ओह लोग के समय में मिस्र के गुलामी से मुक्त इब्रानियन के सामने पेश करीहें। आदम के बाद से मनुष्य के 7 में से 6 दिन , हर हफ्ता , अपना पार्थिव व्यवसाय के ध्यान देवे खातिर मिलल बा। आदम खातिर , चीजन के शुरुआत बढ़िया से भइल , लेकिन उनकरा से बनावल गइला के बाद , उ औरत, उनकर " *सहायक* " परमेश्वर द्वारा दिहल गइल , पाप के सांसारिक सृष्टि में ले आई जइसन कि उत्पत्ति 3 में पता चल जाई। अपना पत्नी से प्यार के चलते आदम बदला में मनाही फल खा लिहे अवुरी पूरा जोड़ा पाप के अभिशाप से त्रस्त पाई। एह काम में आदम मसीह के भविष्यवाणी करेलन जे अपना प्रिय चुनल कलीसिया के गलती के साझा करे आ ओकरा जगह पर चुकावे खातिर अइहें। गोलगोथा पहाड़ के तलहटी में क्रूस पर उनकर मौत , कइल पाप के मुक्ति दिही अउर पाप अउर मौत पर विजयी होके , ईसा मसीह के अधिकार मिल जाई कि उ अपना चुनल लो ग के अपना सिद्ध न्याय से लाभ उठावे के अनुमति देस। एह तरह से उ ओह लोग के आदम अउर हव्वा के बाद से खोवल अनन्त जीवन के पेशकश कर सकेला। चुनल लोग एके साथे 7वीं सहस्राब्दी के शुरुआत में एह अनन्त जीवन में प्रवेश करीहें , तबहिए सब्त के दिन के भविष्यवाणी के भूमिका पूरा होई। एह तरह से रउवां

समझ सकेनी कि 7वां दिन के बाकी हिस्सा के इ विषय उत्पत्ति के अध्याय 2 में काहे प्रस्तुत कइल गइल बा , जवन अध्याय 1 में समूहबद्ध पहिला 6 दिन से **अलग बा ।**

उत्पत्ति 2 के बा

सातवाँ दिन के बा

उत्पत्ति 2:1: " *एह तरह से आकाश आ धरती आ ओकर सब सेना खतम हो गइल .*"

पहिला छह दिन " ***सातवाँ*** " से अलग बा काहे कि धरती आ आकाश पर भगवान के सृजन कार्य के अंत होखे वाला बा। पहिला हफ्ता में बनल जीवन के नींव रखे खातिर इ बात सही रहे , लेकिन एकरा से भी जादा 7,000 साल खातिर भी जवन भविष् यवाणी कईल गईल बा। पहिला छह दिन घोषणा करेला कि भगवान 6000 साल तक शैतान के खेमा अवुरी ओकरा विनाशकारी काम के सामना करत प्रतिकूलता में काम करीहे। उनकर काम में अपना चुनल लोग के अपना ओर खींच के सगरी इंसानन में से चुने के काम होखी . ऊ ओह लोग के अपना प्रेम के तरह तरह के प्रमाण दीहें आ ओकरा से प्यार करे वाला आ मंजूर करे वालन के अपना सगरी पहलू आ हर क्षेत्र में बरकरार राखीहें . काहे कि जे अइसन ना करी ऊ शैतान के अभिशप्त खेमा में शामिल हो जाई . उल्लेखित " *सेना* " दुनो खेमा के जीवधारी शक्ति के नामित करेला जवन " *धरती* " पर आ " *आकाश* " में जहाँ " *आकाश के तारा* " एक दूसरा के प्रतीक होई , एक दूसरा के विरोध करी आलड़ाई करी। आचयन के ई लड़ाई 6000 साल ले चली .

उत्पत्ति 2:2: " *सातवाँ दिन परमेस् वर आपन काम खतम कर दिहलन आ सातवाँ दिन आपन सब काम से आराम कइलन .*"

पार्थिव इतिहास के पहिला हफ्ता के अंत में , परमेश्वर के आराम एगो पहिला पाठ सिखावेला : आदम अउर हव्वा अभी तक पाप नइखन कइले ; जवन भगवान के सच्चा आराम के अनुभव करे के संभावना के बतावेला। एह से भगवान के आराम के शर्त बा कि उनकर प्राणी में पाप के अभाव बा।

दुसरा पाठ अउरी सूक्ष्म बा आएह " ***सातवाँ दिन*** " ***के भविष्यवाणी वाला पहलू में छिपल बा जवन*** भगवान के द्वारा प्रोग्राम कइल गइल महान बचाव परियोजना के " ***सातवाँ*** " ***सहस्राब्दी*** के छवि ह ।

सातवीं " ***सहस्राब्दी*** में प्रवेश , जवना के प्रकाशितवाक्य 20:4-6-7 में " *हजार साल* " कहल गइल बा , चुनल लोग के चयन पूरा होखे के निशानी होई। अउर परमेश्वर अउर उनकर चुनल लोग खातिर , जिंदा बचावल गइल बा या जिंदा भइल बा , लेकिन सब लोग के महिमा हो

गइल बा , बाकी जवन मिलल बा , उ परमेश्वर के यीशु मसीह में उनकर सब दुश्मनन पर जीत के परिणाम होई। हिब्रू पाठ में " *आराम कइल* " क्रिया "शवत " हवे जे " *सब्त* " शब्द के समान मूल से बा ।

उत्पत्ति 2:3: " *अउर परमेश्वर सातवाँ दिन के आशीष दिहलन अउर पवित्र कइलन , काहेकि उ अपना सब काम से आराम कइलन जवन उ बनवले अउर बनवले रहलन .*"

सब्त के दिन शब्द के जिक्र नइखे भइल , लेकिन एकर छवि " ***सातवाँ दिन*** " के **पवित्रीकरण में पहिलहीं से मिल जाला। त** भगवान के एह **पवित्रीकरण** के कारण के समझीं । इ ओह पल के भविष्यवाणी करेला जब ईसा मसीह में उनकर बलिदान के अंतिम इनाम मिली : उनकर सब चुनल लोग से घिरल रहे के खुशी जे अपना समय में शहादत , दुख , वंचितता , अधिकतर , मौ त तक के निष्ठा के गवाही देले बाड़े। आ" ***सातवीं " सहस्राब्दी*** के शुरुआत में ऊ सब जिंदा हो जइहें आ अब मौत से डर ना लागे के पड़ी . भगवान अउर उनकर वफादार खेमा खातिर , का हमनी के एकरा से भी बड़ " ***आराम*** " के कारण के कल्पना कर सकेनी जा ? भगवान अब ओकरा से प्यार करे वाला के दुख ना देखसु , अब उनुका ओह लोग के दुख के हिस्सा ना राखे के पड़ी ; इहे " ***आराम " ह कि उ*** हमनी के सनातन हफ्ता के हर " ***सातवाँ दिन के सब्त*** " मनावेला । उनकर अंतिम जीत के ई फल पाप अउर मौत पर यीशु मसीह के जीत से मिलल होई। उनकरा में , धरती पर अउर अन्य मनुष्यन के बीच , उ एगो अइसन काम पूरा कइलेन जवन मुश्किल से विश्वास करे लायक बा : उ अपना चुनल लोग के बनावे खातिर मौत के अपना ऊपर ले लिहले अउर आदम के बाद से सब्त के दिन मानवता के घोषणा कइलस कि उ पाप के जीत के आपन धार्मिकता अउर अनन्त जीवन के अर् पित करीहें जे उनकरा से प्यार करेलन अउर उनकर सेवा निष्ठा से करेलन ; कुछ अइसन जवन प्रकाशितवाक्य 6:2 घोषणा करेला अउर पुष्टि करेला : " *हम देखनी , अउर देखनी , एगो सफेद घोड़ा। अउर जे ओकरा पर बइठल रहे , ओकरा लगे धनुष रहे , अउर ओकरा के मुकुट दिहल गईल , अउर* ***उ जीत के अउर जीते खातिर निकल गईल*** । "

सातवीं सहस्राब्दी में प्रवेश से चुनल लोग के भगवान के अनंत काल में प्रवेश होला , जवना के चलते , एह दिव्य कथन में , सातवाँ दिन के एह अभिव्यक्ति से बंद नइखे कइल गइल " *शाम रहे , सबेरे रहे , ऊ रहे ... दिन* ." यूहन्ना के दिहल गइल अपना एपोकैलिप्स में , मसीह एह सातवीं सहस्राब्दी के उकसावत होईहे अउर उ प्रकट करीहें कि इ प्रकाशितवाक्य 20:2-4 के अनुसार " *हजार साल* " से भी बनल होई , जइसे कि एकरा से पहिले के पहिला छह साल। ई स्वर्गीय न्याय के समय होई जवना के दौरान चुनल लोग के अभिशप्त खेमा के मरल लोग के न्याय करे के होई। एह से पाप के याद हर सप्ताहांत में

भविष्यवाणी कइल गइल महान सब्त के दिन के एह अंतिम "*हजार साल* " *में बनल रही।* अंतिम न्याय से ही पाप के विचार के अंत संभव हो जाई जब सातवीं सहस्राब्दी के अंत में "*दूसरा मौत के आग के झील* " में सब पतित लोग के नाश हो गईल होई।

भगवान अपना पार्थिव सृष्टि के बारे में सफाई देत बाड़े

चेतावनी : गुमराह करे वाला लोग उत्पत्ति 2 के एह हिस्सा के दूसरा गवाही के रूप में प्रस्तुत करके संदेह के बोवेला जवन उत्पत्ति 1 के विवरण के विरोध में होई , इ लोग परमेश्वर के द्वारा इस्तेमाल कइल गइल कथात्मक तरीका के ना समझले बा। उत्पत्ति 1 में उ अपना सृष्टि के पहिला छह दिन के पूरा जानकारी प्रस्तुत कइले बाड़न। फिर , उत्पत्ति 2:4 से , उ कुछ विषयन पर अतिरिक्त विवरण देवे खातिर वापस आ जाला जवना के उत्पत्ति 1 में ना बतावल गइल बा।

उत्पत्ति 2:4: " *आकाश आ धरती के शुरुआत इहे ह जब उनकर रचना भइल रहे* ."

ई अतिरिक्त व्याख्या बिल् कुल जरूरी बा काहे कि पाप के विषय के आपन व्याख्या मिले के चाहीं। आ जइसन कि हमनी के देखले बानी जा कि पाप के ई विषय ओह रूपन में सर्वव्यापी बा जवन भगवान अपना पार्थिव आ स्वर्गीय उपलब्धियन के दिहले बाड़न . सात दिन के हफ्ता के निर्माण खुद कई गो रहस्य के वाहक ह जवन मसीह के चुनल लोग के खाली समय के खुलासा करी।

उत्पत्ति 2:5: " *जब परमेस् वर धरती अउर आकाश के बनवले रहलन , त धरती में खेत के कवनो झाड़ी ना रहे , आ खेत के कवनो जड़ी -बूटी अब तक ना अंकुरित रहे , काहेकि यहोवा परमेश्वर धरती पर बरखा ना कइले रहले , अउर जमीन के जोते वाला केहू ना रहे* ."

याहवेह " नाम के प्रकटीकरण पर ध्यान दीं जवना से परमेश्वर मूसा के निहोरा पर निकासी 3:14-15 के अनुसार आपन नाम रखले बाड़न। मूसा ई प्रकाशन परमेश्वर के हुकुम के तहत लिखले बाड़न जेकरा के उ " *याहवेह* " कहले रहले। इहाँ ईश्वरीय प्रकाशन आपन ऐतिहासिक संदर्भ मिस्र से पलायन आ इस्राएल राष्ट्र के निर्माण से लेले बा।

एह तार्किक लागत विवरणन के पीछे भविष्यवाणी कइल विचार बा . भगवान पौधा जीवन के बढ़े के बात करेलन , " *खेत के झाड़ी आ जड़ी -बूटी* ," जवना में उ " *बरखा* " *आ* " *आदमी* " के मौजूदगी के जोड़त बाड़न जे " *माटी के खेती* " करी . 1656 में आदम के पाप के बाद , उत्पत्ति 7:11 में , " *बाढ़* " के " *बरखा* " पौधा के जीवन , " *खेत के झाड़ी आ*

जड़ी -बूटी ," के साथे -साथे पाप के तेज होखे के कारण " *आदमी* " अउर ओकर" *फसल*" के भी नाश कर दिही।

उत् पत्ति 2:6: " *लेकिन धरती से धुंध उठल आ पूरा जमीन के पानी दे दिहलस* ."

या त पाप के नाश करे से पहिले , या पाप से पहिले , परमेश्वर *धरती के "सब चेहरा प धुंध छिड़कावेला* । " क्रिया कोमल आप्रभावी होला , आपाप रहित , गौरवशाली आबिल्कुल शुद्ध जीवन खातिर उपयुक्त होला। पाप के बाद स्वर्ग अपना अभिशाप के निशानी के रूप में विनाशकारी तूफान अवुरी मुसलाधार बरखा भेज दिही।

आदमी के गठन के बारे में बतावल गइल बा

उत्पत्ति 2:7: " *परमेस् वर परमे स् वर जमीन के धूल से आदमी के बनवले , अउर ओकरा नाक के छेद में जीवन के साँस देले , अउर आदमी एगो जीव बन गईल* ."

आदमी के सृष्टि एगो नया **अलगाव पर आधारित बा** : ऊ" *धरती के धूल* " के , जवना के एगो हिस्सा के भगवान के प्रतिरूप में बनल जीवन बनावे खातिर लिहल जाला। एह क्रि या में भगवान पार्थिव मूल के चुनल लोग के प्राप्त करे आअंत में चुने के आपन योजना के खुलासा करेलन जेकरा के ऊशाश्वत बनाई।

जब भगवान ओकरा के रचत बाड़े त आदमी अपना सृष्टिकर्ता के ओर से विशेष ध्यान के विषय होखेला। ध्यान दीं कि ऊ ओकरा के " *धरती के धूल* " से " *बनावे ला आई एकल उत्पत्ति ओकरा पाप , ओकर मौत आ ओकरा के* " *धूल* " के स्थिति में वापसी के भविष्यवाणी करेला . ई दिव्य क्रिया " *कुम्हार* " के तुलना में होला जे " *माटी के बर्तन* " के आकार देला ; एगो छवि जवना के दावा परमेश्वर जेर . 18:6 अउर रोम . 9:21 के बा . अतने ना " *आदमी* " के जीवन ओकर " *साँस* " पर निर्भर करी जवन भगवान ओकरा " ***नाक के छेद*** " में साँस लेत बाड़े . एह से ई वाकई में फुफ्फुसीय " *साँस* " ह आ आत्मा के साँस ना जवना के बारे में बहुत लोग सोचेला। ई सब विवरण हमनी के याद दिलावत बा कि आदमी के जीवन केतना नाजुक बा , अपना लं बा होखे खातिर भगवान पर निर्भर बा। ई एगो स्थायी चमत्कार के फल बनल रहेला काहे कि जीवन खाली भगवान में आअकेले उनुका में मिलेला . उनकर दिव्य इच्छा से ही " *आदमी बनल " एगो जीवित प्राणी* ." अगर कवनो नीमन भा बुरा आदमी के जीवन लमहर हो जाला त खाली एहसे कि भगवान एकर अनु मति देत बाड़े . आ जब ओकरा पर मौत हो जाला तबो ओकर फैसला पर मुद्दा बा .

पाप से पहिले आदम के सिद्ध आ निर्दोष बनावल गइल रहे , जेकरा में एगो शक्तिशाली जीवन शक्ति रहे आ ऊ अनन्त जीवन में प्रवेश करत रहे , जवन अनन्त चीजन से घिरल रहे। खाली उनकर सृष्टि के रूप ही उनकर भया नक भाग्य के भविष्यवाणी करेला।

उत्पत्ति 2:8: " *तब यहोवा परमेश्वर अदन में पूरब के ओर एगो बगीचा लगवले , अउर उहाँ उ आदमी के रखले , जेकरा के उ बनवले रहले .*"

बगीचा आदमी खातिर आदर्श जगह के बिम्ब हवे , जे ओहिजा आपन सभ पौष्टिक आ मंत्रमुग्ध करे वाला दृश्य तत्व पावे ला ; शानदार फूल जवन फीका ना होखे आ कबो ना गँवावेला कि सुखद गंध के सुगंध अनंत तक गुणा हो जाला। बगइचा में चढ़ावल ई भोजन ओकर जीवन के निर्माण ना करेला , जवन पा प से पहिले भोजन पर निर्भर नइखे। एह से भोजन के सेवन आदमी अपना एकमात्र सुख खातिर करेला। " *भगवान एगो बगइचा लगवले* " परिशुद्धता अपना प्राणी से उनकर प्रेम के गवाही देला। ऊ आदमी के ई अद्भुत जगह चढ़ावे खातिर माली बन जाला।

अदन शब्द के मतलब होला "आनंद के बगीचा " आ इस् राएल के केंद्रीय संदर्भ बिंदु के रूप में लेके , परमेश्वर एह अदन के इस्राएल के पूरब में रखले बाड़न। अपना "आनंद " खातिर आदमी के एह रमणीय बगीचा में भगवान , ओकर सृष्टिकर्ता , रखले बाड़े।

उत्पत्ति 2:9: " *यहोवा आ जमीन से भगवान हर अइसन पेड़ के उगा दिहले जवन देखे में नीक आ खाए खातिर बढ़िया होखे , **बगइचा के बीच में जीवन के पेड़** आ अच्छा - बाउर के ज्ञान के पेड़ भी* ।

बगीचा के चरित्र फलदार पेड़ सभ के मौजूदगी होला जे कई गो मीठ आचीनी वाला स्वाद वाला अपना फल सभ के "रेडी -टू -ईट " पेश करे लें। इ सब आदम के एकमात्र सुख खातिर उहाँ बाड़े , अभी भी अकेले बाड़े।

बगीचा में दू गो पेड़ भी बाड़ें जिनहन के बिसेसता व्यास बिपरीत बा : "*जीवन के पेड़* " जवन केंद्रीय जगह पर कब्जा करे ला , " *बगीचा के बीच में* ।" एह तरह से बगइचा आ ओकर शानदार प्रसाद पूरा तरह से ओकरा से जुड़ल बा। एकरा लगे *"नीमन आ बुराई के ज्ञान के पेड़* " बा . पहिलहीं से अपना पदनाम में " *बुराई* " शब्द पाप तक पहुँच के भविष्यवाणी करेला। तब हमनी के समझ सकेनी जा कि ई दुनो पेड़ पाप के धरती पर एक दूसरा के सामना करे वाला दुनो खेमा के छवि हवें : ईसा मसीह के शिविर , जवना के छवि " *जीवन के पेड़* " से *बनावल गइल बा , शैतान के शिविर के खिलाफ जे , जइसन कि "पेड़* " के नाम से पता चलेला , अपना रचना के बाद से लगातार " *अच्छा* " के जानत रहल बा , या अनुभव कइले बा , जब तक कि " *बुराई* " ओकरा के अपना सृष्टिकर्ता के खिलाफ विद्रोह में प्रवेश ना कर दिहलस ; जवना के भगवान "उनका खिलाफ पाप कइल " कहत बाड़न। हम रउरा सभे के याद दिआवत बानी कि " *अच्छाई आ बुराई* " के ई सिद्धांत दू गो विकल्प भा दू गो संभावित विपरीत चरम फल ह जवन कवनो " *जीव* " के **कुल स्वतंत्रता से** पैदा

होला . अगर पहिला स्वर्गदूत अइसन ना कइले रहित तबो दूसर स्वर्गदूत विद्रोह कइले रहित , जइसन कि मानव व्यवहार के पार्थिव अनुभव अब पहिलहीं साबित हो चुकल बा।

भगवान के द्वारा आदम खातिर तैयार कइल गइल बगइचा के सब उदार प्रसाद में " *अच्छाई आ बुराई के ज्ञान के* " ई पेड़ बा जवन आदमी के निष्ठा के परख खातिर बा। एह शब्द " *ज्ञान* " *के बढ़िया से समझल जरूरी बा काहे कि भगवान खातिर* " *जानल* " क्रिया " *अच्छा भा बुरा* " के अनुभव करे के एगो चरम अर्थ ले लेला जवन आज्ञाकारिता भा आज्ञा ना माने के काम पर टिकल होई। बगइचा के पेड़ खाली आज्ञाकारिता के परीक्षा के भौतिक सहारा ह आओकर फल बुराई के संचरण खाली एहसे करेला कि भगवान ओकरा के निषेध के रूप में पेश क के ई भूमिका देले बाड़े। पाप फल में ना होला बलुक ई जान के खाए के तथ्य में बा कि भगवान एकरा के मना कर दिहले बाड़न .

उत्पत्ति 2:10: “ *अदन से निकल के एगो नदी बगइचा के पानी देवे खातिर निकलल , अउर उहाँ से चार धारा में बंट गईल .*”

अलगाव के एगो नया संदेश पेश कइल गइल बा , ठीक ओसहीं जइसे अदन से निकले वाली नदी " *चार शाखा* " में बँट जाले , ई छवि मानवता के जनम के भविष्यवाणी करेले जेकर वंशज सार्वभौमिक रूप से फइल जाई , या त चार गो कार्डिनल बिंदु तक, या आकाश के चार हवा तक, पूरा धरती पर। " *नदी* " एगो जनता के प्रतीक ह, पानी मानव जीवन के प्रतीक ह। एह विभाजन से " *चार शाखा में* ," अदन से निकले वाली नदी पूरा धरती पर आपन जीवन के पानी फैला दी आई विचार भगवान के इच्छा के भविष्यवाणी करेला कि ऊ आपन ज्ञान अपना पूरा सतह पर फइलावे। उनकर योजना उत्पत्ति 10 के अनुसार पानी के बाढ़ के अंत के बाद नूह अउर उनकर तीनों बेटा के अलगा से पूरा होई। बाढ़ के ई गवाह पीढ़ी दर पीढ़ी भयानक दिव्य दण्ड के स्मृति के संचरण करीहें।

हमनी के जलप्रलय से पहिले धरती के दृश्य रूप के बारे में नईखी जानत , लेकिन लोग के अलग होखे से पहिले आबाद धरती एकही महादीप के रूप में प्रकट भईल होई , जवना के पानी सिर्फ एह पानी के स्रोत से मिलल होई जवन कि अदन के बगीचा से निकलल रहे। वर्तमान अंतर्देशीय समुंद्र के अस्तित्व ना रहे आई बाढ़ के परिणाम हवे जे एक साल ले पूरा धरती के ढंक के आइल। बा ढ़ तक ले पूरा महादीप के सिंचाई एह चारो नदी सभ से भइल आइनहन के सहायक नदी सभ सूखा धरती के पूरा सतह पर मीठा पानी के बँटवारा करत रहलें। बाढ़ के दौरान जिब्राल्टर जलडमरूमध्य आ लाल सागर के जलडमरूमध्य गिर गइल आ एह तरीका से भूमध्य सागर आ

समुंद्र सभ के खारा पानी से आक्रमण कइल लाल सागर के निर्माण के तइयारी भइल। जान लीं कि नया धरती पर जहाँ परमेश्वर आपन राज्य स्थापित करीहें , प्रकाशितवाक्य 21:1 के अनुसार समुद्र ना होई जइसे कि अब मौत ना होई। बंटवारा पाप के परिणाम ह , आ एकर सबसे तीव्र रूप के सजा बाढ़ के विनाशकारी पानी से मि ली। एह संदेश के पढ़ के अकेले अपना भविष्यवाणी वाला पहलू में नदी के " *चार गो शाखा* " *चार गो लोग के नामित करेला जवन मानवता के विशेषता ह।*

उत्पत्ति 2:11: “ *पहिला के नाम पिशोन ह , उ हवीला के पूरा देश के घेरले बा , जहाँ सोना बा .*”

पिशोन भा फिसोन नाँव के पहिली नदी के नाँव के मतलब होला : पानी के भरमार। भगवान द्वारा लगावल गइल अदन के इलाका जहाँ वर्तमान टाइग्रिस आ यूफ्रेटिस के स्रोत रहल होखी ; अरारात पर्वत पर यूफ्रेटिस खातिर आ वृषभ राशि पर टाइग्रिस खातिर। पूरब आ तुर्की के बीचोबीच अबहिन ले बि साल वान झील बाटे जे मीठा पानी के बिसाल भंडार के रूप में बाटे। अपना दिव्य आशीर्वाद से भरपूर पानी भगवान के बगइचा के अत्यधिक उर्वरता के पक्ष में रहे। सोना खातिर मशहूर हविला के भूमि कुछ लोग के अनुसार वर्तमान तुर्की के उत्तर पूर्व में स्थित रहे . ई वर्तमान जॉर्जिया के तट ले फइलल रहे। लेकिन इ व्याख्या एगो समस्या पैदा करेला काहे कि उत्पत्ति 10:7 के अनुसार , " *हविला* " एगो " *कुश के बेटा* " हवे , खुद " *हाम के बेटा* ," आ ई मिस्र के दक्खिन में स्थित इथियोपिया के संदर्भ देला। एह से हमरा इथियोपिया में *"हविला " के* एह देश के पता लगावे के मौका मिलेला , भा यमन में , जहाँ सोना के खदान रहे , जवन शेबा के रानी राजा सुलैमान के चढ़वले रहली।

उत्पत्ति 2:12: “ *ओह देश के सोना शुद्ध बा , उहाँ बडेलियम आगोमेद के पत्थर भी मिलेला .*”

" *सोना* " विश्वास के प्रतीक ह , आ भगवान इथियोपिया खातिर एगो शुद्ध विश्वास के भविष्यवाणी कइले बाड़न। दुनिया के ई पहिलहीं से अकेला अइसन देश होखी जवन राजा सुलैमान का साथे रहला का बाद शेबा रानी के धार्मिक विरासत के संरक्षित कइले बा . हमनी के एकर फायदा में इहो जोड़ल जाव कि , "ईसाई " पश्चिमी यूरोप के लोग के विशेषता वाला धार्मिक अन्हार के सदियन के दौरान संरक्षित एकर स्वतंत्रता में , इथियोपियाई लोग ईसाई विश्वास के रखले रहे अउर सुलैमान के साथ मुठभेड़ के माध्यम से मिलल सच्चा सब्त के दिन के पालन करत रहे। प्रेरित फिलिप पहिला इथियोपि याई मसीही के बपतिस्मा दिहले , जइसन कि प्रेरितों के काम 8:27 से 39 में प्रकट कइल गइल बा , उ रानी कैंडिस के नपुंसक

सेवक रहले , अउर पूरा लोग उनकर धार्मिक शिक्षा प्राप्त कइले। एगो अउरी विवरण एह लोग के आशीर्वाद के गवाही देत बा : भगवान ओह लोग के दुश्मनन से बचाव कइले बाड़न जवन युद्धप्रिय कार्रवाई के माध्यम से स्वेच्छा से कइल गइल आजवना के फैसला मशहूर नाविक वास्को दा गामा कइले रहले।

इथियोपियाई लोग के त्वचा के करिया रंग के पुष्टि करत , " *गोमेद के पत्थर* " रंग में "काला " होला आ सिलिकॉन डाइऑक्साइड से बनल होला ; एह देस खातिर एगो अतिरिक्त धन ; काहें से कि ट्रांजिस्टर के निर्माण में एकर इस्तेमाल आजकलएकर खास सराहल जाला।

उत्पत्ति 2:13: " *दूसरकी नदी के नाम गिहोन ह, उहे ह जवन पूरा कुश देश के घेरले बिया .*"

आईं "नदी " के भुला के ओह लोग के जगह पर ओह लोग के राखल जाव जवना के ऊ प्रतीक हवें . ई दूसरा लोग " *कुश के भूमि के घेरले बा* , " यानी इथियोपिया। शेम के वंशज अरब के धरती पर आफारस तक विकसित होई। ई वास्तव में इथियोपिया के इलाका के घेरले बा , एह से एकरा के " *नदी* " " *गि होन* " के नाँव से प्रतीकित आनाँव दिहल जा सके ला । हमनी के आखिरी जमाना में इ आसपास "मुस्लिम " बा , जवन अरब अवुरी फारस के धर्म ह। एह तरह से सृष्टि के शुरुआत के विन्यास समय के अंत में दोबारा प्रस्तुत होला।

उत्पत्ति 2:14: " *तीसरा के नाम हिद्देकेल ह, उ ह जवन अश् शूर के पूरब में बहत बा , चउथा नदी यूफ्रेटिस ह .*"

" *हिड्डेकेल* " के मतलब होला "टाइग्रिस नदी ," आ निर्धारित लोग भारत होखी जेकर प्रतीक "बंगाल बाघ " होखी ; एशिया आएकरे पूरबी सभ्यता के झूठा तरीका से "पीला जाति " के रूप में नाँव दिहल गइल एह से भविष्यवाणी आ चिंता कइल गइल बा आ ई वाकई में " *अश्शूर के पूरब* " में स्थित बा। दान में बा। 12, भगवान एह आदमी खाए वाला " *नदी* " " *टाइग्रिस* " के प्रतीक के इस्तेमाल 1828 से 1873 के बीच पूरा भइल एडवेन्टिस्ट कष्ट के देखावे खातिर कइले , काहे कि एकरा से भइल आध्यात्मिक मौत के भीड़।

यूफ्रेटिस " नाम के मतलब होला : फूलदार , फलदार। प्रकाशितवाक्य के भविष्यवाणी में " *यूफ्रेटिस* " पश्चिमी यूरोप आ ओकर परिणाम , अमेरिका आ ऑस्ट्रेलिया के प्रतीक हवे , जवना के भगवान रोमन पोप के धार्मिक शासन के हावी होखे के रूप में पेश कइले बाड़न , जवना के ऊ अपना शहर के नाम से नाम दिहले बाड़न , " *महान बेबिलोन* "। नूह के ई रेखा याफेथ के होखी जवन पच्छिम में ग्रीस आ यूरोप के ओर आ उत्तर में रूस के ओर फइलल बा। यूरोप ऊ माटी रहल जहाँ ईसाई बिसवास इजरायल के राष्ट्रीय पतन के बाद आपन सगरी

नीमन आ खराब बिकास के अनुभव कइलस; "फूलदार , फलदार " विशेषण जायज बा आ शगुन के अनुसार , अप्रिय औरत लीआ के बेटा राहेल के बे टा से अधिका होखी , ऊ मेहरारू जेकरा से याकूब प्यार कइले रहलें।

एह संदेश में ई याद दिआवल मिलल बढ़िया बा कि अपना सगरी अंतिम धार्मिक विभाजन का बावजूद एह चार तरह के पार्थिव सभ्यता में पिता के जइसन सृष्टिकर्ता भगवान रहले , अपना अस्तित्व के जायज ठहरावे खातिर .

उत्पत्ति 2:15: " *प्रभु परमेश्वर ओह आदमी के लेके अदन के बगीचा में रखले कि उ ओकरा के काम करे अउर ओकरा के रखे .*"

भगवान आदम के एगो अइसन व्यवसाय के पेशकश करेलन जवना में बगीचा के " *खेती आरखवाली " होला।* एह खेती के रूप हमनी के अनजान बा , लेकिन पाप से पहिले बिना कवनो थकान के एकरा के पूरा कईल गईल। ठीक ओसही सभ सृष्टि में कवनो प्रकार के आक्रामकता के बिना एकर पहरा के चरम सीमा तक सरल बनावल गईल। तबो पहरेदार के एह भूमिका से एगो खतरा के अस्तित्व के तात्पर्य रहे जवन जल्दिए एगो वास्तविक आ सटीक पहलू ले ली : एही बगीचा में मानवीय विचार के शैतानी बहकावा।

उत्पत्ति 2:16: " *परमेश्वर परमेश्वर आदमी के आज्ञा दिहलन कि , "तू बगइचा के हर पेड़ के मुफ्त में खा सकत बाड़ऽ। "*

आदम के फलदार पेड़ के भीड़ मुफ्त में उपलब्ध बा। भगवान ओकरा के खाली ओकर जरूरत से अधिका के इंतजाम करेले , जवना में ओकर भोजन के इच्छा के अलग-अलग स्वाद अवुरी सुगंध के पूरा कईल शामिल बा। भगवान के पेशकश मनभावन बा , लेकिन इ एगो " *आज्ञा* " के पहिला हिस्सा ही ह जवन उ आदम के देले बाड़े। एह " *कमांड* " के दूसरा भाग बाद में आवेला।

उत्पत्ति 2:17: " *लेकिन अच्छाई अउर बुराई के ज्ञान के पेड़ के फल मत खाईं , काहेकि जवना दिन तू ओकर फल खाइब , ओह दिन तू जरूर मरब .*"

भगवान के " *क्रम* " में , इ भाग बहुत गंभीर बा , काहे कि प्रस्तुत धमकी के अदम्य तरीका से लागू कईल जाई जइसहीं पाप के फल, आज्ञा ना माना , पूरा हो जाई अउर पूरा हो जाई। अउर मत भूलीं , पाप के सार्वभौमिक निपटारा के परियोजना पूरा होखे खातिर आदम के गिर जाए के पड़ी। का होई , एकरा के बेहतर तरीका से समझे खातिर , आईं हमनी के याद राखीं जा कि आदम अभी भी अकेले बाड़े जब भगवान ओकरा के आपन " *आदेश " पेश क के चेतावेले कि उ "नीक-बुराई के ज्ञान के पेड़ "* से ना खाए , यानी कि शैतान के विचार से ना पोषित होखे। इहे ना , अनन्त जीवन के संदर्भ में , भगवान के ओकरा के समझावे के पड़ी कि "मरल " के मतलब का होला। काहे कि

खतरा बा , एह में " *तू मरब* "। संक्षेप में कहल जाव त भगवान आदम के जंगल चढ़ावेले लेकिन ओकरा के एको पेड़ से मना कर देले। आकुछ लोग खातिर ई एकल निषेध असहनीय बा ; तब जाके पेड़ जंगल के छिपावेला , जईसे कि कहाउत सिखा वेला। *"नीक -बुराई के ज्ञान के पेड़* " से खाए के मतलब होला शैतान के शिक्षा के खिआवल , जे पहिले से ही भगवान आउनकर न्याय के खिलाफ विद्रोह के भावना से जीवंत बा। काहे कि बगीचा में राखल *निषिद्ध "पेड़ " ओकर व्यक्ति के छवि ह, ठीक ओसही जइसे "जीवन के पेड़* " चरित्र यी शु मसीह के छवि ह।

उत्पत्ति 2:18: " *यहोवा परमेश्वर कहले कि , आदमी के अकेले रहला से अच्छा नईखे , हम ओकरा के मददगार बना देब* । "

भगवान धरती आ आदमी के आपन भलाई आ शैतान के बुराई के उजागर करे खातिर बनवले बाड़न। उनकर बचाव के योजना हमनी के सामने आवे वाला चीजन में प्रकट होला। समझे खातिर ई जान लीं कि आदमी खुद भगवान के भूमिका निभावेला , जे ओकरा के ओइसहीं सोचे , काम करे आ बोले के मजबूर करेला जइसे ऊ खुद सोचेला , काम करेला आ बोलेला . ई पहिला आदम मसीह के एगो भविष्यवाणी वाला प्रतिरूप ह, जेकरा के पौलुस नया आदम के रूप में पेश करीहें।

शैतान के दुष्टता अउर परमेश्वर के भलाई के प्रकट करे खातिर आदम खातिर पाप कइल जरूरी बा ताकि धरती पर शैतान के हावी होखे अउर उनकर दुष्ट काम सार्वभौमिक रूप से प्रकट होखे। जोड़ी के धारणा खाली पाप खातिर बनावल गइल धरती पर मौजूद बा , काहे कि एह तरह से बनल जोड़ी एगो आध्यात्मिक कारण से बा जवन ईश्वरीय मसीह के अपना दुलहिन के साथे संबंध के भविष्यवाणी करेला जे ओकरा चुनल लोग के नामित करेला। चुनल आदमी के ई जानल जरूरी बा कि ऊ भगवान के द्वारा प्रक्षेपित बचाव योजना के शिकार आ लाभार्थी दुनो हई ; उ परमेश्वर खातिर जरूरी पाप के शिकार हई ताकि उ अंत में शैतान के निंदा कर सके , अउर उनकर उद्धार करे वाला अनुग्रह के लाभार्थी हई काहे कि पाप के अस्तित्व खातिर आपन जिम्मेदारी से अवगत होके , उ खुद यीशु मसीह में पाप के प्रायश्चित के कीमत चुका दिहे। एह तरह से पहिले त भगवान के अकेलापन बढ़िया ना लागल आप्रेम के जरूरत अतना रहे कि ओकरा के पावे खातिर ऊ महंगा दाम देबे के तइयार हो गइलन . ई साथी , ई विस -ए-विस , जवन साझा करे के अनुमति देला , भगवान एकरा के " *मदद* " कहेलें आ आदमी अपना स्त्री मानवीय समकक्ष के उकसावत घरी एह शब्द के अपनावेला। असल में मदद करीं , उ ओकरा के गिरवा दिहे अवुरी प्रेम के माध्यम से पाप में खींच दिहे। लेकिन हव्वा के प्रति आदम के इ प्रेम मसीह के अपना

चुनल पापी लोग खातिर प्रेम के प्रतिरूप में बा, यानी कि अनन्त मौत के लायक।

उत्प .

जवन ओकरा से नीच बा ओकरा के नाम देबे वाला ऊ श्रेष्ठ होला. भगवान अपना के आपन नाम देले बाड़न अउर आदम के ई अधिकार देके, उ एह तरह से धरती पर रहे वाला सब चीजन पर आदमी के प्रभुत्व के पुष्टि करेलन। पार्थिव सृष्टि के एह पहिला रूप में खेत के जानवर आहवा के चिरई के प्रजाति कम हो जाला आभगवान ओह लोग के आदम के लगे ले आवेलें, ठीक ओसहीं जइसे ऊ जलप्रलय से पहिले ओह लोग के जोड़ी बना के नूह के लगे ले जइहें।

उत्पत्ति 2:20: "*उ आदमी सब मवेशी, हवा के चिरई अउर खेत के हर जानवर के नाम रखलस; लेकिन आदमी खातिर ओकरा खातिर कवनो सहायक ना मिलल*।" तथाकथित प्रागैतिहासिक राक्षस पाप के बाद ओह दिव्य अभिशाप के परिणाम के तेज करे खातिर बनावल गइल रहे जवन समुंदर समेत पूरा धरती पर प्रहार करी। मासूमियत के समय में जानवरन के जीवन "आदमी खातिर उपयोगी *मवेशी*" "*हवा के चिरई*" आ "*खेत के जानवर*" अधिका स्वतंत्र से बनल रहे। बाकिर एह प्रस्तुति में उनुका कवनो मानवीय समकक्ष नइखे मिलल काहे कि ऊ अबहीं ले मौजूद नइखे.

उत्प .

एह सर्जिकल ऑपरेशन के जवन रूप दिहल गइल बा ओहसे बचावे वाला परियोजना के अउरी पता चलेला. माइकल में भगवान अपना के स्वर्ग से खतम कर देलें, ऊ अपना के छोड़ के अपना बढ़िया स्वर्गदूतन से अलग हो जालें, जवन "*गहिरा नींद*" के आदर्श ह जवना में आदम डूबल बा। शरीर में पैदा भइल ईसा मसीह में, दिव्य पसली हटा दिहल जाला आ उनकर मौत आ पुनरुत्थान के बाद, अपना बारह प्रेरितन पर, ऊ आपन "*सहायक*" बनावेलें, जेकरा से ऊ शारीरिक पहलू आआपन पाप लिहले बाड़न आ जेकरा के ऊ आपन "पवित्र आत्मा" देत बाड़न. एह शब्द "*सहायक*" के आध्यात्मिक महत्व बहुत बड़ बा काहे कि इ उनकर कलीसिया, उनकर चुनल आदमी के, उद्धार के योजना के साकार करे में अउर पाप के वैश्विक सार्वभौमिक निपटान अउर पापी लोग के भाग्य में एगो "*सहायक*" के भूमिका देला।

उत्प .

एह तरह से, औरत के गठन मसीह के चुनल आदमी के गठन के भविष्यवाणी करेला। काहे कि शरीर में अइला से ही परमेश्वर आपन विश्वासी कलीसिया के निर्माण करेलन, जवन ओकर शारीरिक स्वभाव के शिकार होखे। चुनल लोग के शरीर से बचावे खातिर भगवान के शरीर में रूप लेवे

के पड़ी। आसाथ ही , अपना में अनन्त जीवन के मालिक , उ अपना चुनल लोग के साथे एकरा के बाँटे खातिर अइले।

उत्पत्ति 2:23: " *आदम कहलन , "अब ई हमार हड्डी के हड्डी ह आहमरा शरीर के मांस ह, ओकरा के औरत कहल जाई , काहे कि उ आदमी से निकालल गईल बा .*"

भगवान धरती पर पार्थिव आदर्श के अपनावे खातिर अइले ताकि उ अपना चुनल आदमी के बारे में उहे कह सकस जवन आदम अपना स्त्री समकक्ष के बारे में कहले रहले , जेकरा के उ " *औरत* " नाम देले रहले। हिब्रू में ई बात अधिका साफ लउकेला काहे कि आदमी खातिर पुल्लिंग शब्द "इश " औरत खातिर स्त्रीलिंग शब्द खातिर "ईशा " हो जाला . एह कार्रवाई में ऊ ओकरा पर आपन वर्चस्व के पुष्टि करेला। बाकिर ओकरा से छीन लिहला का चलते ई " *औरत* " ओकरा खातिर अनिवार्य हो जाई , जइसे ओकरा देह से लिहल " *पसली* " ओकरा लगे लवट के ओकर जगह लेबे के चाहत होखे . एह अनोखा अनुभव में आदम अपना पत्नी खातिर ऊ भावना महसूस करीहें जवन महतारी ओह बच्चा के अपना पेट में ढोवला का बाद दुनिया में ले आवे वाली बच्चा खातिर महसूस करीहें . आ ई अनुभव भगवान के भी जीयल जाला काहे कि ऊ अपना आसपास जवन जीव पैदा करेलें ऊ लइका हवें जे उनकरा से निकलेलें ; जवन ओकरा के ओतने माई बनावेला जतना बाप।

उत्पत्ति 2:24: " *एह से आदमी अपना बाप -माई के छोड़ के अपना मेहरारू से जुड़ जाई , अउर उ लोग एक शरीर हो जइहें .*"

एह श्लोक में , परमेश्वर अपना चुनल लोग खातिर आपन योजना व् यक्त कइले बाड़न , जेकरा के अक्सर परमेश्वर के आशीष पावे वाला चुनल आदमी के साथे बंधन बनावे खातिर शारीरिक पारिवारिक संबंध तोड़े के पड़ी। अउर ई मत भूलीं कि , सबसे पहिले , ईसा मसीह में , माइकल एगो स्वर्गीय पिता के रूप में आपन दर्जा छोड़ के धरती पर अपना चुनल चेलन के प्रेम जीते खातिर आके ; एकरा के एतना हद तक कि उ पाप अवुरी शैतान के खिलाफ लड़ाई लड़े खाती अपना दिव्य शक्ति के इस्तेमाल के त्याग क देले। इहाँ हमनी के समझ में आवत बा कि **विरह** आ **साझीदारी के** विषय अविभाज्य बा। धरती पर , चुनल आदमी के शारीरिक रूप से **अलग होखे के चाहीं** जेकरा से ऊ प्यार करेला ताकि ऊ आध्यात्मिक **साझीदारी में प्रवेश कर सके** अउर मसीह अउर उनकर सब चुनल लोग , अउर उनकर अच्छा , विश्वासी स्वर्गदूतन के साथे "एक" हो सके।

पसली " के अपना मूल जगह पर लवटे के इच्छा के मतलब मनुष्य के यौन युग्मन में मिलेला , जवन मांस आ आत्मा के एगो अइसन क्रिया ह जहाँ मरद आऔरत शारीरिक रूप से एक मांस बनावेला।

उत्पत्ति 2:25: “ *उ आदमी अउर उनकर मेहरारू दुनों नंगा रहले , अउर लाज ना करत रहले .*”

शारीरिक नग्नता सभके परेशान ना करेला। प्रकृतिवाद के अनुयायी लोग बा। आ मानव इतिहास के शुरुआत में शारीरिक नग्न ता से " *शर्म* " ना भइल . " *शर्म* " के रूप पाप के परिणाम होई , जइसे कि *"नीक -बुराई के ज्ञान के पेड़* " से खाइल से मनुष्य के मन के अब तक अनजान आ अनदेखी कइल प्रभाव के एहसास करा के खुल सकेला। असलियत में निषिद्ध पेड़ के फल एह बदलाव के लेखक ना होई , खाली साधन होई , काहे कि चीजन के मूल्य आ अंतरात्मा के बदले वाला भगवान हवें आ अकेले उहे। उहे " *शर्म* " के एहसास जगाई कि पापी जोड़ा अपना शारीरिक नग्नता के बारे में अपना दिमाग में महसूस करी , जवन जिम्मेदार ना होई ; काहे कि दोष नैतिक होई आ खाली लागू कइल गइल अवज्ञा से संबंधित होई , जवना के भगवान नीट कइले बाड़न।

उत्पत्ति 2 के शिक्षा के संक्षेप में बतावत , परमेश्वर सबसे पहिले हमनी के सातवाँ दिन के विश्राम या सब्त के पवित्रीकरण के सामने रखले , जवन सातवीं सहस्राब्दी में परमेश्वर अउर उनकर विश्वासी चुनल गईल दुनो के दिहल जाए वाला महान विश्राम के भविष्यवाणी करेला। लेकिन इ आराम ओह सांसारिक लड़ाई के माध्यम से जीते के पड़ी जवन परमेश्वर पाप अउर शैतान के खिलाफ लड़िहें , यीशु मसीह में अवतार ले के। आदम के पार्थिव अनुभव परमेश्वर के द्वारा परिकल्पित एह उद्धार योजना के दर्शावत रहे। मसीह में , उ मांस के आपन चुनल आदमी के बनावे खातिर मांस बन गईले जवन अंत में स्वर्गदूतन के समान स्वर्गीय शरीर प्राप्त करी।

उत्पत्ति 3 के बा

<u>पाप से अलग होखे के</u>

उत्पत्ति 3:1: "अब *साँप खेत के कवनो जानवर से भी जादा चतुर रहे जवन प्रभु परमेश्वर बनवले रहले। उ महिला से कहलस, "का परमेश्वर कहले बाड़े कि , 'तू बगइचा के हर पेड़ के फल ना खाएब ?"*

बेचारा " *साँप* " *के दुर्भाग्य रहे कि* भगवान के बनावल स्वर्गदूतन में से सबसे " *धूर्त* " *लोग ओकरा के माध्यम के रूप में इस्तेमाल कर दिहलस।* " *साँप* " नियर सरीसृप सहित जानवर ना बोलत रहलें ; भाषा आदमी के दिहल भगवान के प्रतिरूप के एगो विशिष्टता रहे।

अच्छाई के रेखांकित करत शैतान ओकरा से ओह घरी ओह औरत से बात करावेला जब ऊ अपना पति से अलग हो जाले . ई अलगाव ओकरा खातिर घातक होई काहे कि आदम के मौजूदगी में शैतान के मनुष्य के भगवान के आदेश के ना माने खातिर ले जाए में अउरी दिक्कत होखत।

ईसा मसीह शैतान के अस्तित्व के प्रकट कइलन , जेकरा के उ यूहन्ना 8:44 में इ कह के ना मित कइले बाड़न कि उ " *शुरू से झूठ के पिता अउर हत्यारा हवें* । " उनकर शब्दन के मकसद मानवीय निश्चितता के हिलावल बा आभगवान के माँग कइल "हाँ भा ना " में ऊ "लेकिन " भा "शायद " जोड़त बाड़न जवन सच्चाई के ताकत देबे वाला निश्चितता के हटा देला . भगवान के दिहल आदेश आदम के मिलल जवन ओकरा बाद ओकरा के अपना पत्नी के संचारित कईले , लेकिन उ आदेश देवे वाला भगवान के आवाज़ ना सुनली। संगही , उनुकर शक उनुका पति प टिकल बा , जईसे कि : "का उ समझ गईले कि भगवान उनुका से का कहले रहले ?"

उत्पत्ति 3:2: " *मेहरारू साँप से कहलस कि हमनी के बगइचा के पेड़ के फल खा सकेनी जा .*"

सबूत शैतान के तर्क के समर्थन करत लउकत बा ; ऊ तर्क करेला आसमझदारी से बोलेला . " *औरत " आपन पहिला गलती बोले वाला " साँप* " के जवाब देके करेले , जवन कि सामान्य नईखे। शुरू में ऊ भगवान के भलाई के जा यज ठहरावेली , जे ओह लोग के मनाही वाला पेड़ के छोड़ के बाकी सभ पेड़ के फल खाए के अधिकार देले बाड़े।

उत्पत्ति 3: 3: " *लेकिन बगइचा के बीच में जवन पेड़ बा ओकर फल के बारे में परमेश्वर कहले बाड़न कि , तू ओकरा के ना खाईं , ना ओकरा के छूईं , कहीं तू ना मर जाईं .*"

आदम के ईश्वरीय आज्ञा के संदेश के संचरण एह वाक्यांश में स्पष्ट बा " *कहीं तू मर मत जा* । " इ सब ठीक उ शब्द नईखे जवन परमेश्वर कहले रहले , काहेकि उ आदम से कहले रहले कि , " *जवना दिन तू एकर फल खाब , उ दिन जरूर मरब* । " भगवान के वचन के कमजोर होखे से पाप के समाप्ति के पोषण होई। " *भय* " के कारण से भगवान के आज्ञाकारिता के जायज ठहरा के " *औरत " शैतान के एह " भय* " के पुष्टि करे के मौका देवेले , जवन कि उनुका अनुसार जायज नईखे।

उत्पत्ति 3:4: " *तब साँप ओह औरत से कहलस, "तू जरूर मरब ;*"

आमुख्य झूठा एह कथन में अपना के प्रकट करेला जवन भगवान के शब्दन के विरोध में बा : " *तू ना मरब .*"

उत्पत्ति 3:5: " *लेकिन परमेश्वर जानत हउवें कि जवना दिन रउवां एकर फल खाइब , तब रउवां के आँख खुल जाई , अउर रउवां भगवान निहन होखब , जवन अच्छाई अउर बुराई के जानत होखब .*"

अब ओकरा भगवान के दिहल क्रम के जायज ठहरावे के पड़ी , जवना के ऊ एगो दुष्ट आ स्वार्थी विचार के जिम्मेदार ठहरावेला : भगवान रउरा के नीचता आहीनता में राखल चाहत बाड़न . ऊ स्वार्थ से रउरा के ओकरा जइसन बने से रोकल चाहत बा . ऊ अच्छाई आ बुराई के ज्ञान के एगो फायदा के रूप में प्रस्तुत करेला जवना के भगवान अकेले अपना खातिर रखल चाहत बाड़े। बाकिर भलाई जाने में फायदा बा त बुराई के जाने में कहाँ फायदा ? नीमन आबुराई दिन आरात , रोशनी आअन्हार नियर बिल्कुल बिपरीत हवें आभगवान खातिर ज्ञान के अनुभव भा कार्रवाई कइल होला। वास्तविकता में भगवान बगइचा के पेड़ सभ के **अधिकृत क के आ** "नीक आ बुराई " के प्रतिनिधित्व करे वाला के **मना क के आदमी के** नीमन आबुराई के **बौद्धिक ज्ञान** पहिलहीं दे चुकल रहलें ; काहे कि ऊ शैतान के प्रतीकात्मक छवि ह जे ठोस रूप से अपना सृष्टिकर्ता के खिलाफ विद्रोह क के क्रमिक रूप से " *अच्छा* " फिर " *बुराई* " *के अनुभव कइलस।*

उत्पत्ति 3:6: " *जब मेहरारू देखली कि ऊ पेड़ खाए खातिर बढ़िया बा , आ आँख के मन में नीक लागेला , अउर आदमी के बुद्धिमान बनावल वांछनीय बा , त ऊ ओकर फल लेके खइली , आऊ अपना पति के भी दिहली , जे ओकरा साथे रहलन , आऊ खइले .*"

नाग से निकले वाला शब्द आपन असर पैदा करेला , संदेह खतम हो जाला आ मेहरारू के अधिका से अधिका भरोसा हो जाला कि नाग ओकरा के साँच बता दिहले बा . फल उनका बढ़िया आ दृष्टिगत रूप से मनभावन लागत बा बाकिर सबले बढ़ के ऊ एकरा के " *दिमाग खोले खातिर अनमोल* " मानत बाड़ी . शैता न के मनचाहा परिणाम मिल जाला , ऊ अभी अपना विद्रोही रवैया के अनुयायी के भर्ती कइले बा। आमना कइल फल खा के ऊ खुदे बुराई के ज्ञान के पेड़ बन जाले। अपना पत्नी खातिर प्यार से भरल जेकरा से ऊ **अलग होखे के स्वीकार करे के तइयार नइखे** , आदम ओकर घातक भाग्य के साझा कइल पसं द करेला काहे कि ऊ जानत बा कि भगवान आपन नश्वर मंजूरी लागू करीहें . आ बारी -बारी से मना कइल फल खइला से ई पूरा जोड़ी शैतान के अत्याचारी वर्चस्व के भोगे के पड़ी . एकरा बावजूद , विरोधाभासी रूप से , ई भावुक प्रेम ओह प्रतिरूप में बा जवन मसीह अपना चुनल आदमी खातिर महसू स करीहें , उहो ओकरा खातिर मरे के सहमत हो जाई। साथ ही , भगवान आदम के समझ सकेलन।

उत्पत्ति 3:7: " *दुनों के आँख खुल गईल , अउर उ लोग जान गईले कि उ लोग नंगा बाड़े , अवुरी उ लोग अंजीर के पत्ता सिलाई कईले अवुरी अपना खातिर एप्रन बनवले .*"

ओही घरी जब मानव जोड़ी के पाप के समापन हो गईल त भगवान के योजना में बनल 6000 साल के उलटी गिनती शुरू

हो गईल। पहिला , भगवान के द्वारा उनकर अंतरात्मा के रूपांतरण होला। जवन आँख " *दृष्टि के सुखद* " फल के इच्छा खातिर जिम्मेदार रहल रहे , ऊ चीजन के एगो नया निर्णय के शिकार हो जाले। आजवन फायदा के उम् मीद आ मांगल जाला ऊ नुकसान में बदल जाला , काहे कि ओह लोग के अपना नंगापन पर " *शर्म* " महसूस होला जवन तबले कवनो दिक्कत ना पैदा कइले रहे , ना त ओह लोग खातिर ना भगवान खातिर . खोजल गइल शारीरिक नग्नता खाली ओह आध्यात्मिक नग्नता के शारीरिक पहलू रहे जवना में आज्ञा ना मा ने वाला जोड़ा अपना के पा लेले रहे। ई आध्यात्मिक नग्नता ओह लोग के दिव्य न्याय से वंचित कर दिहलस आओह लोग में मौत के मंजूरी घुस गइल , जवना से ओह लोग के नग्नता के खोज भगवान के दिहल मौत के पहिला प्रभाव रहे। एह तरह से मौत बुराई के अनुभवी ज्ञान के परिणाम रहे ; जवन पौलुस रोमियों में कहत बाड़न त का सिखावत बाड़न . 6:23: " *काहेकि पाप के मजदूरी मौत ह* ." अपना नंगापन के ढके खातिर विद्रोही जीवनसाथी लोग एगो मानवीय पहल के सहारा लेले जवना में " *बेल्ट* " बनावे खातिर " *अंजीर के पत्ता सिलाई* " रहे। ई क्रिया आध्यात्मिक रूप से आत्म -अौचित्य के मानवीय प्रयास के चित्रित करेला। " *बेल्ट* " इफिसियों में " *सच्चाई* " के प्रतीक बन जाई । 6:14 के बा। आदम के " *अंजीर के पत्ता* " से बनल " *बेल्ट* " *एह से विरोध में बा , जवन* **झूठ** के प्रतीक ह जवना के पीछे पापी अपना के आश्वस्त करे खातिर शरण लेला।

उत्पत्ति 3:8: " *उ लोग दिन के ठंडा में बगइचा में घूमत यहोवा परमेश्वर के आवाज सुनलन , आआदम अउर उनकर मेहरारू बगइचा के पेड़न के बीच में यहोवा परमेश्वर के सामने से लुका गइलन* ."

जे बागडोर आदिल के खोज करेला ऊ जानत बा कि अभी का भइल बा आओकरा बचाव के योजना का मुता बिक का बा . ई त पहिला कदम ही बा जवन शैतान के आपन विचार आ आपन दुष्ट स्वभाव के उजागर करे खातिर एगो डोमेन पेश करी। लेकिन ओकरा आदमी से जरूर मिले के चाही काहे कि ओकरा लगे बहुत कुछ बतावे के बा। अब आदमी के भगवान से मिले के कवनो जल्दी नइखे , ओकर पिता , ओकर सृष्टिकर्ता , जेकरा से ऊ अब खाली भागे के कोशिश करत बा , ओकरा निंदा सुन के अतना डर लागेला . आ भगवान के नजर से एह बगइचा में कहाँ लुकाइल जा सकेला ? इहाँ भी ई मान के कि " *बगइचा के पेड़* " ओकरा चेहरा से छिपा सकेला , आदम के पापी बनला के बाद से जवना मानसिक स्थिति में गिरल बा , ओकर गवाही देला।

उत्पत्ति 3:9: " *लेकिन परमेश्वर यहोवा आदम के बोलवले , अउर कहलन कि , तू कहाँ बाड़ऽ ?* "

परमेश्वर पूरा तरह से जानत बाड़न कि आदम कहाँ लुकाइल बाड़न , लेकिन उ उनकरा से इ सवाल पूछेलन , "

रउवा कहाँ बानी ? " ताकि उ एगो मदद के हाथ बढ़ा सके अउर उनकरा के अपना पा प के कबूल करे के ओर खींच सके।

उत्पत्ति 3:10: " *उ कहले , "हम बगइचा में तोहार आवाज सुननी , आ हम डेरा गईनी , काहेकि हम नंगा रहनी , अउर हम लुका गईनी .*"

आदम के जवाब अपने आप में उनकर आज्ञा ना माने के कबूलनामा ह, अउर परमेश्वर पाप के अनुभव के प्रस्तुत करे के आपन तरीका प्राप्त करे खातिर उनकर शब्दन के फायदा उठाई।

उत्पत्ति 3:11: " *अउर यहोवा परमेश्वर कहलन , "तू के के कहलस कि तू नंगा रहलू ? का तू ओह पेड़ के फल खइले बाड़ू जवना से हम तोहके ना खाए के आदेश देले रहनी ?* "

भगवान आदम के अपना अपराध के कबूल करे खातिर मजबूर कइल चाहत बाड़न। एक कटौती से दूसरा कटौती तक अंत में उ ओकरा से साफ -साफ सवाल पूछतारे कि " *का तू जवना पेड़ से ना खाए के कहले रहनी ओकरा से खईले बाड़ू ?* "

उत्पत्ति 3:12: " *उ आदमी कहलस, "जवना मेहरारू के तू हमरा साथे रहे खातिर देले रहलू , उ हमरा के पेड़ के फल देले रहे , अउर हम खा गईनी .*"

हालांकि सही बा , लेकिन आदम के जवाब गौरवशाली नईखे। ऊ शैतान के निशान धारण करेला आ अब ओकरा हाँ भा ना के जवाब देबे के तरीका नइखे मालूम बाकिर शैतान का तरह ऊ गोल चक्कर से जवाब देला जेहसे कि ऊ खाली आपन अपार अपराध ना कबूल कर सके . ऊ एतना दूर तक जाला कि भगवान के अनुभव में आपन हिस्सा के याद दिला देला , काहे कि ऊ ओकरा के आपन मेहरारू , पहिला अपराधी , ओकरा लागत बा , ओकरा से पहिले देले रहे। कहानी के सबसे मजबू त बिंदु इ बा कि सब कुछ सही बा अवुरी भगवान एकरा से अनजान नईखन काहेंकी उनुका योजना में पाप जरूरी रहे। बाकिर जहाँ उनकर गलती बा ऊ ई कि ओह औरत के उदाहरण पर चल के ऊ भगवान के नुकसान में ओकरा के आपन पसंद देखवले आ ई उनकर सबसे बड़ गलती रहे . काहे कि शुरू से ही भगवान के जरूरत रहे कि सबकुछ अवुरी सभका से जादे प्यार कईल जाए।

उत्पत्ति 3:13: " *तब परमेस् वर यहोवा ओह औरत से कहलन , "तू अइसन काहे कइले बाड़ ? औरत कहलस, "साँप हमरा के बहका दिहलस , आहम खा गईनी* । "

एकरा बाद महान न्यायाधीश ओह आदमी के ओर से आरोपित महिला के ओर मुड़त बाड़े अवुरी इहाँ फेरु से महिला के जवाब तथ्य के वास्तविकता के मुताबिक बा : " *साँप हमरा के बहकवले रहे , अवुरी हम खा गईनी* ." एह से उ अपना के बहकावे दिहली अवुरी उहे उनुकर नश्वर पाप बा।

उत्प .

साँप " से नइखन पूछत कि उ अयीसन काहें कईले , काहेंकी भगवान के पता बा कि उनु का के शैतान शैतान माध्यम के रूप में इस्तेमाल कईले रहले। भगवान " *साँप* " के जवन भाग्य देवेले उ असल में खुद शैतान से संबंधित बा। " *साँप* " खातिर आवेदन तुरंत रहे , लेकिन शैतान खातिर इ खाली एगो भविष्यवाणी रहे जवन पाप अउर मौत पर यीशु मसीह के जीत के बाद पूरा होई। प्रकाशितवाक्य 12:9 के अनुसार , एह आवेदन के पहिला रूप रहे कि उनकरा डेरा के दुष्ट स्वर्गदूतन के साथे स्वर्ग के राज्य से निकाल दिहल गइल। उ लोग के धरती पर फेंक दिहल गईल , जवना के उ लोग मरला तक ना छोड़त रहले अवुरी हजार साल तक, उजाड़ धरती प अलग-थलग रह के , शैतान ओधूल में रेंगत रहले जवन कि उनुका चलते मरल लोग के स्वागत करत रहे अवुरी उनुका दुरुपयोग के आज़ादी के चलते। भगवान के श्रापित धरती पर उ लोग साँप निहन व्यवहार करीत , डरल अवुरी सावधान दुनो होईहे , काहेंकी उ लोग यीशु मसीह से हार गईल रहले अवुरी ओ आदमी से भागत रहले , जवन कि उनुकर दुश्मन बन गईल रहे। उ लोग अपना आकाशीय पिंड के अदृश्यता में छिपल आदमी के एक दूसरा के खिलाफ खड़ा क के नुकसान पहुंचाई।

उत्पत्ति 3:15: “ *हम तोहरा अउर औरत के बीच , अउर तोहरा संतान अउर ओकर संतान के बीच दुश्मनी डालब , उ तोहार माथा के चोट करी , अउर तू ओकर एड़ी के चोट करी .*”

"साँप " पर लागू ई वाक्य जिंदा आ देखल वास्तविकता के पुष्टि करेला। शैतान पर एकर लागू कइल अधिका सूक्ष्म बा . उनकर खेमा आ मानवता के बीच के दुश्मनी के पुष्टि आपहचान होला। " *उ औरत के बीज जे ओकर माथा कुचल दिही* " मसीह अउर उनकर विश्वासी चुनल गईल होई। अंत में ऊ ओकरा के सफाया कर दीहें , बाकिर ओकरा पहिले , राक्षसन के लगे " *औरत* " के " *एड़ी के चोट* " *चोट करे के सदा संभावना रहल होई* , खुद मसीह के चु नल गइल , जेकर छवि पहिला बेर एह " *एड़ी* " से बनल रहे। काहे कि " *एड़ी* " मानव शरीर के केंद्र ह काहे कि " *आधारशिला* " ऊ पत्थर ह जवना पर भगवान के आध्यात्मिक मंदिर बनल रहे।

उत्प .

अपना मौत से प्रसव होखे से पहिले महिला के " *अपना गर्भ में कष्ट उठावे के पड़ी* "; ऊ " *दर्द से बच्चा पैदा करी* ," सब चीजन के शाब्दिक रूप से पूरा कइल आ देखल। बाकिर एहिजा फेरु बिम्ब के भविष्यवाणी के अर्थ पर ध्यान देबे के बा . यूहन्ना 16:21 अउर प्रकाशितवाक्य 12 :2 में " *प्रसव के पीड़ा में महिला* " ईसाई युग के रोमन साम्राज्यवादी अउर फिर पोप के उत्पीड़न में मसीह के कलीसिया के प्रतीक हवे।

उत्पत्ति 3:17: “ *आदम से कहलन , काहे कि तू अपना मेहरारू के बात मान के ओह पेड़ के फल खइले हउअ जवना के हम तोहरा के आज्ञा देले रहनी कि , तू ओकर फल ना खाईं , तोहरा चलते जमी न अभिशप्त बा , तू अपना जीवन भर दुख में ओकर फल खाइब।* ”

आदमी के लगे वापस आके भगवान ओकरा के ओकर स्थिति के सही वर्णन पेश करेले , जवना के उ शर्मनाक तरीका से छिपावे के कोशिश कईले रहले। ओकर अपराधबोध पूरा बा , आ आदम के इहो पता चल जाई कि ओकरा के बचावे से पहिले ओकरा मौ त से पहिले गारी के एगो सिलसिला हो जाई जवना से कुछ लोग जीवन से मौत के पसंद करी। माटी के अभिशाप एगो भयानक चीज ह , आ आदम एकरा के भौंह के पसीना से सीख जाई।

उत्पत्ति 3:18: “ *ई तोहनी खातिर काँट आठंढा पैदा करी , अउर तू खेत के पौधा खाइब .*”

अदन के बगीचा के आसान खेती खतम हो गइल बा , एकर जगह सोफा घास , " *काँट , काँटा* " आ धरती के माटी में बढ़े वाला खरपतवार के खिलाफ लगातार संघर्ष ले लिंहले बा। त अउरी जबसे माटी के ई अभिशाप मानवता के मौत में तेजी ले आई काहे कि वैज्ञानिक "प्रगति " के साथे अंतिम समय के आदमी अपना फसल के माटी में रा सायनिक जहर डाल के अपना के जहर दे दी , खरपतवार आ हानिकारक कीड़ा -मकोड़ा के खतम करे खातिर। जवना बगइचा से ओकरा के भगा दिहल जाई , भगवान से पसंद कइल पत्नी के साथे अब भरपूर आआसानी से मिले वाला खाना ना मिल पाई .

उत्प .

मनुष्य पर आवे वाला ई भाग्य ओह रूप के जायज ठहरा वेला जवना में भगवान आपन सृष्टि आआपना गठन के ठीक से , " *धरती के धूल* " से प्रकट कइले बाड़न। आदम अपना खरचा पर आहमनी के खरचा पर सीखत बाड़न कि मौत , जइसन कि भगवान के उकसावल गइल बा , का होला . ध्यान दीं कि मृत आदमी " *धूल* " से बेसी कुछ ना होला आएह " *धूल* " के बाहर एह मृत शरीर से निकले वाला कवनो जीवंत आत्मा ना रहेला। उपदेश के बा। 9 आ अउरी उद्धरण नश्वर अवस्था के एह स्थिति के पुष्टि करेला।

उत्पत्ति 3:20: “ *आदम अपना मेहरारू के नाम हव्वा रखले , काहे कि उ सब जिंदा के महतारी रहली .*”

इहाँ भी आदम " *औरत* " पर आपन वर्चस्व के चि न्हित कइले बाड़न आ ओकरा के आपन नाम " *हव्वा* " भा "जीवन " रखले बाड़न ; मानव इतिहास के मूलभूत वास्तविकता के रूप में जायज एगो नाम। हमनी के सब दूर के वंशज हईं जा , आदम के बहकावल पत्नी हव्वा से जनमल हई जा , जेकरा माध्यम से मौत के अभिशाप संचरण भइल रहे आ 2030 के बसंत के शुरुआत में यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी तक संचारित होई।

उत्पत्ति 3:21: “ *यहोवा भगवान आदम आ उनकर मेहरारू खातिर चमड़ा के कोट बनवले आ कपड़ा पहिनवले* .

भगवान इ ना भुलास कि सांसारिक जीवनसाथी के पाप उनकर उद्धार योजना के हिस्सा रहे , जवन अब एगो प्रदर्शित रूप ले ली। पाप के बाद मसीह के नाम से ईश्वरीय क्षमा उपलब्ध हो जाला , जेकरा के रोमन सैनिकन द्वारा बलिदान दिहल जाई अउर सूली पर चढ़ावल जाई। एह काम में , एगो निर्दो ष प्राणी , सब पाप से मुक्त , अपना वफादार चुनल लोग के पाप के प्रायश्चित करे खातिर , ओह लोग के जगह पर , मरला खातिर सहमत हो जाई । शुरू से ही निर्दोष जानवर के भगवान मार देले ताकि ओकर " *खाल* " आदम अवुरी हव्वा के नंगापन के ढंक सके। एह क्रिया में ऊ मनुष्य के कल्पना कइल *"न्याय " के जगह ओह "न्याय " से बदल देला जवन उनकर उद्धार के योजना विश्वास के द्वारा ओह लोग पर आरोपित करेले। आदमी के द्वारा कल्पना कइल गइल " न्याय* " खाली एगो धोखा देवे वाला झूठ रहे , अउर ओकरा जगह पर , परमेश्वर ओह लोग के " *एगो परिधान " के आरोप लगावेलन जवन उनकर प्रामाणिक "न्याय* " के प्रतीक ह , " *उनकर सच्चाई के पट्टी* ," जवन मसीह के स्वैच्छिक बलिदान अउर उनकर जीवन के अर्पण पर आधारित बा जे लोग उनकरा से निष्ठा से प्यार करेला।

उत्पत्ति 3:22: “ *यहोवा भगवान कहले , “देखऽ , आदमी हमनी में से एक जइसन हो गइल बा , अच्छा -बाउर के जानेला। ” अब हमनी के ओकरा के हाथ बढ़ा के जीवन के पेड़ के फल लेके खाए आ हमेशा खातिर जिए से मना कर दीं जा* ।

माइकल में भगवान अपना अच्छा स्वर्गदूतन के संबोधित करेलन जे ओह नाटक के गवाह बाड़े जवन अभी - अभी धरती पर पूरा भइल बा। उ ओह लोग से कहत हउवें : " *देखऽ , आदमी हमनी में से कवनो एक जइसन हो गइल बा , अच्छा -बाउर के जाने खातिर* ." अपना मौत से एक दिन पहिले , यीशु मसीह यहूदा के संबंध में इहे अभिव्यक्ति के प्रयोग करीहे , उ गद्दार जे उनका के धार्मिक यहूदी लोग के पास पहुंचावे के रहे अउर फिर रोमियन के सूली पर चढ़ावे खातिर , इ यूहन्ना 6:70 में : " *यीशु उनकरा से जवाब दिहलन , का हम रउवां के , बारह लोग के ना चुनले बानी ? अउर रउवां में से एगो शैतान ह! "* एह श्लोक में " हमनी के " अलग संदर्भ के वजह से " रउवां " बन जाला , *लेकिन* परमेश्वर के दृष्टिकोण एके ह / " *हमनी में से एगो* " अभिव् यक्ति शैतान के संदर्भित करेला जेकरा पार्थिव सृष्टि के शुरुआत में बनल सब स्वर्गदूतन के बीच परमेश्वर के आकाशीय राज्य में अभी भी स्वतंत्र पहुँच अउर स्वतंत्र आवाजाही बा।

"*जीवन के पेड़* " से खाए से रोके के जरूरत ओह सच्चाई के एगो आवश्यकता रहे जवना के गवाही देवे खातिर यीशु आइल रहले , रोमन प्रीफेक्ट पोंटियस पिलातुस के दिहल गईल शब्द के अनुसार। " *जीवन के पेड़* " मसीह मुक्तिदाता के प्रतिरूप रहे , अउर एकरा के खाए के मतलब रहे कि अपना के उनकर शिक्षा अउर उनकर पूरा आध्यात्मिक व्यक्तित्व से पोषण कइल, यानी कि उनकरा के विकल्प अउर व्यक्तिगत उद्धारकर्ता के रूप में लेहल। इहे एकमात्र शर्त रहे जवन एह " *जीवन के पेड़* " के खाए के जायज ठहरा सकत रहे . जीवन के शक्ति पेड़ में ना रहे , बल्कि ओह में रहे जेकर प्रतीक पेड़ रहे : मसीह। इहे ना , इ पेड़ अनन्त जीवन के शर्त रखलस , अउर मूल पाप के बाद , ई अनन्त जीवन हमेशा खातिर खो गईल जब तक कि मसीह अउर माइकल में परमेश्वर के अंतिम वापसी ना हो गईल। "*जीवन के पेड़* " आबाकी पेड़ एह से गायब हो सकेला , साथ ही भगवान के बगइचा भी।

उत्पत्ति 3:23: " *परमेस् वर ओकरा के अदन के बगइचा से बाहर भेजलन कि ऊ ओह जमीन के काम करस जवना से ओकरा के ले जाइल गइल रहे* ."

सृष्टिकर्ता खातिर बस अद्भुत बगीचा से ओह मानव जोड़ा के बाहर निकालल बा जे पहिला आदम (एक शब्द जवन मानव प्रजाति के नामित करेला : लाल = खूनी) से बनल बा , अपना आज्ञा ना माने से अपना के एकरा लायक ना देखा दिहले बा। आ बगइचा से बाहर , शारीरिक आ मानसिक रूप से कमजोर शरीर में , दर्दनाक जीवन ओह लोग खातिर शुरू हो जाई . कठोर आविद्रोही हो गइल धरती पर वापसी से मनुष्य के ओकर " *धूल* " मूल के याद आजाई .

उत्प .

अब आदम ना ह जे बगइचा के रखवाली करेला , बलुक स्वर्गदूत बाड़े जे ओकरा के घुसे से रोकत बाड़े। ई बगीचा अंततः हव्वा आ आदम के पाप के बाद 1656 में आइल बाढ़ से तनी पहिले गायब हो जाई।

एह श्लोक में हमनी के अदन के बगीचा के पता लगावे खातिर एगो उपयोगी स्पष्टीकरण बा। रक्षक स्वर्गदूतन के " *बगीचा के पूरब में* " रखल जाला , जवन खुद ओह जगह के पच्छिम में बा जहाँ आदम आ हव्वा पीछे हट जालें। एह अध्याय के सुरुआत में प्रस्तुत कथित इलाका एह स्पष्टीकरण के अनुरूप बा : आदम आ हव्वा माउंट अररात के दक्खिन में जमीन पर पीछे हट जालें आ निषिद्ध बगीचा तुर्की में वा न झील के लगे "प्रचुर पानी " वाला इलाका में , इनहन के स्थिति के पच्छिम में स्थित बा।

उत्पत्ति 4 के बा

मौत से अलग होखे के

इ अध्याय 4 हमनी के बेहतर तरीका से समझे के अनुमति दिही कि काहे परमेश्वर खातिर शैतान अउर उनकर विद्रोही राक्षसन के एगो प्रदर्शन प्रयोगशाला के पेशकश कईल जरूरी रहे जवन उनकर दुष्टता के हद के उजागर करेला।

स्वर्ग में दुष्टता के सीमा रहे काहे कि आकाशीय जीव में एक दू सरा के मारे के शक्ति ना रहे ; काहे कि ऊ सब कुछ पल भर खातिर अमर हो गइल रहले . एह से ई स्थिति भगवान के ओह उच्च स्तर के दुष्टता आ क्रूरता के खुलासा ना करे दिहलस जवना में उनकर दुश्मन सक्षम रहले। एह से धरती के रचना एह उद्देश्य से भइल कि मौत के ओकर सबसे क्रूर रूप में अनुमति दिहल जाव जवना के कल्पना शैतान जइसन जीव के मन कर सकेला .

एह अध्याय 4 के एह संख्या 4 के प्रतीकात्मक अर्थ के तहत रखल गइल जवन सार्वभौमिकता हवे , एह से स्थलीय मानवता के पहिला मौत के परिस्थिति के उकसावत होई ; भगवान के बनावल सभ सृष्टि सभ में मौत एकर बिसे स आ बिसेस सार्वभौमिक चरित्र हवे। आदम अउर हव्वा के पाप के बाद , पार्थिव जीवन " *दुनिया अउर स्वर्गदूतन खातिर एगो तमाशा रहे* " जइसन कि 1 कुरिन्थियों 4:9 में कहल गइल बा , प्रेरित अउर विश्वासी गवाह पौलुस , तरस के पूर्व शाऊल , पहिला बेर मसीह के कलीसिया के सतावे वाला के आदेश दिहल गइल।

उत्पत्ति 4:1: " *आदम आपन मेहरारू हव्वा के* ***<u>जान गइलन</u>*** *, आऊ गर्भवती हो गइली आऊ कैन के जनम दिहली , आऊ कहली कि , "हमरा परमेश् वर के मदद से एगो आदमी मिलल बा ."*

एह श्लोक में , परमेश्वर हमनी के ओह अर्थ के प्रकट कइले बाड़न जवन उ क्रिया के " *जानल* , " देत बाड़न अउर इ बिन्दु विश्वास से धर्मी ठहरावे के सिद्धांत में बहुत महत्वपूर्ण बा , जईसे कि यूहन्ना 17:3 में लिखल बा : " *अउर इ अनन्त जीवन ह, ताकि उ लोग रउवां के , एकलौता सच्चा परमेश्वर अउर यीशु मसीह के* ***<u>जान सके , जेकरा के रउवां भेजले बानी</u>*** । " परमेश्वर के जाने के मतलब होला उनकरा साथे प्रेमपूर्ण संबंध में शामिल होखल , एह मामला में आध्यात्मिक , लेकिन आदम अउर हव्वा के मामला में शारीरिक। पहिला जोड़ा के एह पैटर्न के फेरु से पालन करत एह शारीरिक प्रेम से एगो "बच्चा " के जनम

भइल ; अउर साँचहू , एगो "बच्चा " के भी परमेश्वर के साथे हमनी के आध्यात्मिक प्रेमपूर्ण संबंध में पुनर्जन्म लेवे के चाहीं। परमेश्वर के असली " *ज्ञान* " के कारण ई नया जन्म प्रकाशितवाक्य 12: 2-5 में प्रकट भइल बा : " *अउर उ गर्भवती रहली , अउर प्रसव के पीड़ा में आ प्रसव के पीड़ा में चिल्लात रहली। ... अउर उ एगो बेटा के जनम दिहली , जवन लोहा के छड़ी से सब जाति पर राज करे वाला बा। अउर उनकर बच्चा परमेश्वर अउर उनकर सिंहासन पर ले जाइल गईल* । " भगवान से पैदा भईल बच्चा के अपना पिता के चरित्र के दोबारा पैदा करे के चाही लेकिन आदमी से पैदा भईल पहिला बेटा के मामला में अयीसन ना रहे।

कै न नाम के मतलब होला अधिग्रहण। ई नाम ओकरा के एगो शारीरिक आ पार्थिव भाग्य के भविष्यवाणी करेला , जवन आध्यात्मिक आदमी के उल्टा बा जवन ओकर छोट भाई हाबिल बन जाई।

आईं ध्यान दीं कि मानव इतिहास के शुरुआत में बच्चा पैदा करे वाली महतारी भगवान के एह जन्म से जोड़ देले का हे कि उनुका एह बात के जानकारी बा कि एह नया जीवन के सृष्टि महान सृष्टिकर्ता भगवान याहवेह के कइल एगो चमत्कार के परिणाम ह। हमनी के आखिरी दिन में अब अइसन नइखे भा शायदे कबो होला .

उत्पत्ति 4:2: " *उ उनकर भाई हाबिल के जनम दिहली , आ हाबिल चरवाहा रहले , आकैन हल करे वाला रहले* ."

हाबिल के मतलब होला साँस। कैन से अधिका , बच्चा हाबिल के आदम के नकल के रूप में पेश कइल गइल बा , जेकरा के भगवान से फेफड़ा के साँस सबसे पहिले मिलल बा। दरअसल , अपना भाई द्वारा हत्या कइल गइल अपना मौत के माध्यम से , उ यीशु मसीह के प्रतिरूप के प्रतिनिधित्व करेला , परमेश्वर के सच्चा बेटा , चुनल लोग के उद्धारकर्ता जेकरा के उ अपना खून से छुड़ाई।

दुनो भाई के पेशा दुनों के विरोधी स्वभाव के पुष्टि करेला। मसीह के तरह " *हाबिल एगो चरवाहा रहले* ," आ पार्थिव भौतिकवाद के अविश्वासी के तरह " *कैन एगो हल करे वाला रहले* ." मानव इतिहास के ई पहिला संतान भगवान के भविष्यवाणी कइल भाग्य के घोषणा करेलें। आऊ लोग उनुका बचत योजना के विवरण देत बा .

उत्पत्ति 4:3: " *कुछ देर बाद कैन जमीन के फल के बलिदान प्रभु के सामने ले अइले।* "

कैन जानत बा कि भगवान के अस्तित्व बा आ ओकरा के देखावे खातिर कि ऊ ओकरा के सम्मानित कइल चाहत बा , ऊ ओकरा के " *धरती के फल के बलिदान* " बनावेला - यानी कि ऊ चीज जवन ओकर गतिविधि से पैदा भइल बा। एह भूमिका में ऊ धार्मिक लोग , यहूदी , ईसाई आ मुसलमानन के भीड़ के छवि अपनावेलें जे अपना बढ़िया कामन के उजागर

करेलें आई जाने के कष्ट कइले बिना ई जाने आसमझे के कोशिश कइले कि भगवान ओह लोग से का प्यार करेलें आ का उम्मीद करेलें . उपहार में तबे रुचि होला जब उपहार पावे वाला के ओकर सराहना होखे .

उत्पत्ति 4:4: " *हाबिल भी अपना भेड़ के जेठ बच्चा आ ओकर चर्बी के लेके अइले। आ प्रभु हाबिल आ ओकर चढ़ावे के आदर कइलन। "*

अपना झुंड के पहिला बच्चा आ ओकर चर्बी " के चढ़ावेला । ई परमेश्वर के खुश करे वाला बा काहे कि उ एह " ***जेठ बच्चा*** " के बलिदान में यीशु मसीह में उनकर खुद के बलिदान के प्रत्याशित अउर भविष्यवाणी कइल छवि देखत बाड़न। प्रकाशितवाक्य 1:5 में हमनी के पढ़ेनी जा : "... *अउर यीशु मसीह से , विश्वासी गवाह , **मुवलन में से जेठ जनम** , अउर धरती के राजा लोग के शासक से ! जे हमनी से प्यार करेला अउर हमनी के पाप से अपना खून से धो दिहले बा , ...*" परमेश्वर हाबिल के पेशकश में आपन उद्धार के योजना देखत बाड़न अउर एकरा के मनभावन ना पावेलन।

उत्पत्ति 4:5: " *लेकिन उ कैन अउर उनकर चढ़ावे के कवनो परवाह ना कइलन। कैन बहुत गुस्सा में आ गइलन अउर उनकर चेहरा गिर गइल। "*

हाबिल के प्रस् ताव के तुलना में इ तार्किक बा कि भगवान कैन के पेशकश प बहुत कम विचार करीहे , जवन कि , ओतने तार्किक रूप से , सिर्फ निराश अवुरी दुखी हो सकतारे। " *उनकर चेहरा गिर गइल* ," बाकिर ध्यान दीं कि झुंझलाहट के चलते ऊ" ***बहुते गुस्सा में पड़ गइलन*** ," आई सामान्य नइखे काहे कि ई प्रतिक्रिया निराश घमंड के फल ह . चिढ़ आघमंड जल्दीए एगो अउरी गंभीर फल पैदा करी : ओकर ईर्ष्या के विषय ओकर भाई हाबिल के हत्या।

उत्पत्ति 4:6: " *अउर यहोवा कैन से कहले , तू काहे नाराज बाड़ , अउर तोहार चेहरा काहे गिर गईल बा ?* "

हाबिल के प्रस्ताव के पसंद करे के कार ण अकेले भगवान जानत बाड़े। कैन के परमेश्वर के प्रतिक्रिया के खाली अनुचित लाग सकेला , लेकिन ओकरा गुस्सा के बजाय , ओकरा भगवान से निहोरा करे के चाहीं कि उ ओकरा के एह अनुचित प्रतीत होखे वाला चुनाव के कारण के समझे के अनुमति देस। परमेश्वर के कैन के स्वभाव के पूरा जा नकारी बा , जे अनजाने में उनकरा खातिर मत्ती 24:48-49 के दुष्ट सेवक के भूमिका निभावेला : " *लेकिन अगर कवनो दुष्ट सेवक अपना दिल में कहे कि , 'हमार मालिक अपना आवे में देरी करेले ,' **अउर अपना साथी सेवकन के पीटे लागे** , अउर नशा में धुत्त लोग के साथे खाए -पीये लागे ,... "* परमेश्वर उनकरा से एगो सवाल पूछेलन जवना के जवाब उ पूरा तरीका से जानत बा खैर , लेकिन इहाँ भी , अयीसन कईला से

उ कैन के मौका देवेले कि उ अपना दुख के कारण के बारे में अपना संगे साझा करस। ई सवाल कैन के ओर से अनुत्तरित रही , एहसे भगवान ओकरा के ओह बुराई के बारे में चेतवले जवन ओकरा के पकड़ ली।

उत्पत्ति 4:7: " *अगर तू अच्छा करब त तू आपन मुँह उठाइब , लेकिन अगर बुराई करब त पाप दुआर पर लेट जाई , अउर* ***ओकर इच्छा तोहनी खातिर होई , लेकिन तू ओकरा पर राज करब*** *। "*

अच्छाई आ बुराई के ज्ञान के " शैतान के दर्जा ले लिहला के बाद , ऊ फिर से कै न के अपना भाई हाबिल के मारे खातिर धकेले खातिर प्रकट होला। दुनो विकल्प ," *अच्छा आ बुराई* ," ओकरा सोझा बा ; " *अच्छा* " ओकरा के खुद इस्तीफा देवे के ओर ले जाई अवुरी भगवान के पसंद के स्वीकार क दिही भले उ ओकरा के ना समझे। लेकिन " *बुराई* " के चुनाव ओकरा के भगवान के खिलाफ पाप कर दिही , ओकरा के अपना छठवाँ आज्ञा के उल्लंघन करा के : " *तू हत्या मत करीं* "; ना , " *you shall not kill* " जइसन कि अनुवादक लोग प्रस्तुत कइले बा। परमेश्वर के आज्ञा अपराध के निंदा करेला , दोषी अपराधी के हत्या के ना , जवना के उ एकरा के आदेश देके कानूनी बना देले , अउर एह मामला में , यीशु मसीह के आवे से परमेश्वर के एह न्यायसंगत न्याय में कुछ भी ना बदलल।

पाप " के बारे में जवना रूप में बात करेलन जइसे कि उ कवनो औरत के बात करत होखस , जइसे कि उ उत्पत्ति 3:16 में हव्वा से कहले रहले : " ***तोहार इच्छा तोहरा पति खातिर होई , अउर उ तोहरा पर राज करी।*** " **". भगवान खातिर ,** *पाप* " करे के " प्रलोभन ओह औरत के प्रलोभन से मिलत जुलत होला जे अपना पति के बहकावल चाहत बिया आ ओकरा अपना के ओकरा से " ***हावी*** " ना होखे देबे के चाहीं , ना ओकरा पर . एह तरह से भगवान आदमी के ई आदेश दिहले बाड़न कि ऊ अपना के ओह औरत के प्रतिनिधित्व करे वाला " ***पाप " से बहकावे ना दिहल जाव .***

उत्पत्ति 4:8: " *कैन अपना भाई हाबिल से बात कइलन , आ जब ऊ लोग खेत में रहलन त कैन अपना भाई हाबिल के खिलाफ उठ के ओकरा के मार दिहलन। "*

एह ईश्वरीय चेतावनी के बावजूद कैन के स्वभाव फल दिही। हाबिल के साथे शब्दन के आदान -प्रदान के बाद कैन , जे शुरू से ही अपना आध्यात्मिक पिता शैतान निहन आत्मा में हत्यारा रहले , " *अपना भाई हाबिल प उठ के ओकरा के मार देले* । " ई अनुभव मानवता के भाग्य के भविष्यवाणी करेला , जहाँ भाई भाई के हत्या करी , अक्सर धर्मनिरपेक्ष भा धार्मिक ईर्ष्या से , दुनिया के अंत तक।

उत्पत्ति 4:9: " *तब यहोवा कैन से कहलन , "तोहार भाई हाबिल कहाँ बा ? उ जवाब दिहलन , "हमरा नइखे मालूम , का हम अपना भाई के रखवाला हईं ?"*

जइसे कि ऊ आदम से कहले रहले जे उनका से लुकाइल रहे "*तू कहाँ बाड़ ?*", भगवान कैन से कहत बाड़न कि "*तोहार भाई हाबिल कहाँ बा ?*", *हमेशा ओकरा के* आपन ग लती कबूल करे के मौका देबे खातिर . लेकिन बेवकूफी से , काहे कि ऊ एह बात के अनदेखी नइखे कर सकत कि भगवान जानत बाड़न कि ऊ ओकरा के मार दिहले बाड़न , ऊ बेशर्मी से जवाब देला "*हमरा नइखे मालूम* ", आ अविश्वसनीय अहंकार से , बदले में ऊ भगवान से एगो सवाल पूछेला :"*का हम अपना भाई के रखवाला हईं ?*"

उत्पत्ति 4:10: "*परमेश्वर कहले , "तू का कइले बाड़ ? तोहार भाई के खून के आवाज जमीन से हमरा से पुकारत बा .*"

भगवान ओकरा के आपन जवाब देले जवना के मतलब बा कि : तू ओकर रखवाला ना हउअ काहे कि तू ओकर हत्यारा हउअ। भगवान बढ़िया से जानत बाड़न कि ऊ का कइले बाड़न आऊ ओकरा के एगो प्रतिरूप में पेश करत बाड़न :"*तोहरा भाई के खून के आवाज धरती से हमरा के पुकारत बा* ." ई आलंकारिक सूत्र जवन बहावल खून के एगो आवाज देला जवन परमेश्वर से चिल्लात बा , प्रकाशितवाक्य 6 में इस्तेमाल कइल जाई "5वीं मुहर ," कैथोलिक धर्म के रोमन पोप के उत्पीड़न से मारल गइल शहीदन के पुकार के उकसावे खातिर : प्रकाशितवाक्य 6:9-10: "*जब उ पांचवा मुहर खोलले , त हम वेदी के नीचे ओह लोग के आत्मा देखनी जे परमेश्वर के वचन के वजह से मारल गईल रहे आ ओह लोग के गवाही के चलते। **ऊ लोग जोर से चिल्लात कहलस," हे प्रभु , पवित्र आसच्चा , कब तक जबले तू धरती पर रहे वाला लोग पर हमनी के खून के न्याय ना करऽ आ बदला ना लेबऽ** ?*" एह तरह से , अन्याय से बहावल खून दोषी लोग से बदला लेवे के मांग करेला। ई जायज बदला त आई, लेकिन इ एगो अइसन चीज ह जवना के भगवान विशेष रूप से अपना खातिर सुरक्षित रखले बाड़े। उ व्यवस्था 32:35 में घोषणा करेलन :"*बदला लेवे के हमार ह आ जब उनकर गोड़ फिसल जाला त बदला लेवे के बा। काहे कि उनकर विपत्ति के दिन नजदीक बा , अउर उनकर विपत्ति के आवे के समय लंबा ना होई* ।" यशायाह 61:2 में , "*अनुग्रह के साल* "के साथ मिल के "*बदला लेवे के दिन* "मसीहा यीशु मसीह के कार्यक्रम में बा :"*... उ हमरा के भेजले बाड़े ... YaHWéH के अनुग्रह के साल के घोषणा करे खातिर , **अउर हमनी के परमेश्वर के बदला लेवे के दिन के घोषणा करे खातिर** ; शोक करे वाला सब लोग के दिलासा देवे खातिर ;*...." केहू के ई ना समझल जा सकत रहे कि एह "*अनुग्रह के साल* "के "*प्रकाशन* "के "*प्रतिशोध के दिन* "से अलग करे के पड़ी 2,000 साल के बा।

एह तरह से मुअल लोग अब भगवान के स्मृति के छोड़ के ना चिल्ला सकेला जिनकर स्मृति असीमित बा।

कैन के अपराध न्यायसंगत सजा के हकदार बा।

उत्पत्ति 4:11: “ *अब तू धरती से अभिशप्त बाड़ू , जवन तोहरा हाथ से तोहरा भाई के खून लेवे खातिर आपन मुँह खोलले बिया .*”

कैन के धरती से श्राप दिहल जाई आना मारल जाई। एह दिव्य नम्रता के जायज ठहरावे खातिर ई माने के पड़ी कि एह पहिला अपराध के कवनो मिसाल ना रहे . कैन के ना मालूम रहे कि मारे के मतलब का होला आई क्रोध रहे जवन सभ तर्क करे वाला दिमाग के आन्हर कर दिहलस आओकरा के घातक क् रूरता के ओर ले गइल। अब जब ओकर भाई मर गइल बा त अब मानवता ई ना कह पाई कि ओकरा ना मालूम रहे कि मौत का होला . निष्कासन 21:12 में परमेश्वर द्वारा स्थापित नियम तब लागू हो जाई : " *जे केहू आदमी के जानलेवा मार दिही ओकरा के मार दिहल जाई .*"

एह श्लोक में ई अभिव्यक्ति भी प्रस्तुत कइल गइल बा : " *ऊ धरती जवन तोहरा हाथ से तोहरा भाई के खून लेवे खातिर आपन मुँह खोलले रहे* ." भगवान धरती के मूर्त रूप देत बाड़न कि ओकरा पर एगो अइसन मुँह आरोप लगावल जाला जवन ओकरा पर बहल खून के सोख लेला . तब ई मुँह ओकरा से बोलत बा आओकरा के ओह घातक काम के याद दिलावत बा जवन ओकरा के अशुद्ध कर दिहलसि . इ मूर्ति के फिर से उठावल जाई Deu.26:10: " ***धरती आपन मुँह खोल*** *के कोरह के साथे निगल गईल , जब जुटल लोग मर गईल , आआग द्व सौ पचास आदमी के भस्म क दिहलस : उ लोग लोग खातिर चेतावनी के काम कईलस* । " तब ई अपो .12:16 में होई : " *आ धरती ओह औरत के मदद कइलस , **आधरती आपन मुँह खोल** के ओह नदी के निगल गइल जवन अजगर अपना मुँह से निकालले रहे* ." " *नदी* " फ्रांसीसी कैथोलिक राजतंत्रीय लीग सभ के प्रतीक हवे जेकर खास तरीका से बनावल "ड्रैगन " के सैन्य कोर वफादार प्रोटेस्टेंट लोग के सतावत रहे आ देश के प हाड़न तक ले पीछा करत रहे। एह श्लोक के दोहरी अर्थ बा : प्रोटेस्टेंट सशस्त्र प्रतिरोध , आ ओकरा बाद खूनी फ्रांसीसी क्रांति। दुनो मामला में " *धरती आपन मुंह खोललस* " मुहावरा में एकरा के भीड़ के खून पावे वाला के रूप में देखावल गईल बा।

उत्पत्ति 4:12: “ *जब तू जमीन के जोतब त ऊ अब तोहरा के आपन इनाम ना देई , तू धरती पर भगोड़ा आ आवारा होखब।* ”

कैन के सजा धरती तक सीमित बा , जवना के उ सबसे पहिले ओकरा प इंसान के खून बहाव के अशुद्ध कईले रहले ; ऊ आदमी के , जवन मूल रूप से भगवान के प्रतिरूप में बनावल गइल रहे। पाप के बाद से उ भगवान के विशेषता के बरकरार रखले बाड़े लेकिन अब उनुका लगे आपन पूर्ण पवित्रता नईखे। मनुष्य के गतिविधि में मुख्य रूप से धरती के काम करके भोजन के उत्पादन होखे। एहसे कैन के खाना खियावे के दोसर साधन खोजे के पड़ी .

उत्पत्ति 4:13: “ *कैन YaHWéH से कहलन : हमार सजा बहुत बड़ बा जवना के उठावे के नइखे .*”

जवना के मतलब बा कि : ए हालत में हमरा खाती आत्महत्या कईल निमन बा।

उत्पत्ति 4:14: “ *देख , तू आज हमरा के धरती से भगा देले बाड़ , हम तोहरा सामने से छिपल रहब , धरती में भगोड़ा आभटकल रहब , अउर जे हमरा के पाई , उ हमरा के मार दिही .*”

अब ऊ बहुते बकबक हो गइल बाड़न आ अपना हालात के फाँसी के सजा का रूप में संक्षेप में बतावत बाड़न .

उत्पत्ति 4:15: " *यहोवा ओकरा से कहले , 'जे कैन के मार दिही , ओकरा से सात गुना बदला लिहल जाई। ' यहोवा कैन पर एगो निशान लगा दिहले कि जे केहू ओकरा के पावेला उ ओकरा के ना मारे .*"

पहिले से देखल गइल कारणन से कैन के जान बचावे के ठान के भगवान उनका से कहले कि उनकर मौत के भुगतान हो जाई , यानी कि " *बदला लिहल जाई* ," " *सात गुना* । " तब ऊ" *एगो संकेत* " के उकसावेला जवन ओकर रक्षा करी . एतना हद तक, परमेश्वर "सात " संख्या के प्रतीकात्मक मूल्य के भविष्यवाणी करेलन , जवन सब्त के दिन अउर आराम के पवित्रीकरण के नामित करी , जवन कि , हफ्ता के अंत में भविष्यवाणी कइल गइल , उनकर बचाव परियोजना के सातवीं सहस्राब्दी में आपन पू रा पूर्ति पाई। सब्त के दिन इजकिएल में सृष्टिकर्ता परमेश्वर के होखे के निशानी होई। 20:14-20 के बा। आइजकि . 9, भगवान के होखे वाला लोग पर " *एगो निशानी* " लगावल गइल बा ताकि दिव्य दंड के घड़ी में उनकर हत्या ना कइल जा सके। अंत में , संरक्षित **अलगाव** के एह सिद्धांत के पुष्टि करे खातिर , प्रकाशितवाक्य 7 में , " *एगो चिन्ह* ," " *जीवित परमेश्वर के मुहर* ," परमेश्वर के सेवकन के " *माथे पर मुहर लगावे* " आवेला , अउर इ " *मुहर अउर चिन्ह* " उनकर सातवाँ दिन के सब्त ह।

उत्पत्ति 4:16: “ *तब कैन यहोवा के सामने से निकल के अदन के पूरब में नोद देश में रह गइलन .*”

अदन के पूरब में ही आदम आहव्वा के परमेश्वर के बगीचा से निकाल दिहला के बाद पीछे हट गईल रहे। एह भूमि के इहाँ नोद नाम मिलल बा जवना के मतलब होला : दुख। एह तरह से कैन के जीवन मानसिक अउर शारीरिक दुख से चिन्हित होई काहे कि परमेश्वर के चेहरा से दूर अस्वीकार कईल कैन के कठोर दिल में भी निशान छोड़ देला जे पद 13 में कहले रहले , उनकर डर से : " *हम तोहरा चेहरा से दूर छिपल रहब* । "

उत्पत्ति 4:17: “ *कैन अपना मेहरारू के जान गइलन आ ऊ गर्भवती हो गइलन आ हनोक के जनम दिहलन आ ऊ एगो शहर बनवले आ ओह शहर के नाम अपना बेटा के नाम पर हनोक रखलन .*”

कैन एगो शहर के आबादी के कुलपति बन जइहें जवना के ऊ अपना पहिला बेटा के नाम देसु : हनोक जवना के मतलब होला : दीक्षा दिहल , निर् देश दिहल , व्यायाम कइल , आकवनो चीज के इस्तेमाल शुरू कइल . ई नाम ओह सब चीज के संक्षेप में बतावेला जवना के ई क्रिया प्रतिनिधित्व करेला आ ई बढ़िया से पहिरल गइल बा काहे कि कैन आउनकर वंशज भगवान के बिना एगो प्रकार के समाज के उद्घाटन करेलें जवन दुनिया के अंत तक जा री रही।

उत्पत्ति 4:18: “ *हनोक के जनम इराद , इराद से मुहआएल , मेहुयाएल से मतुशाएल , अउर मतुशाएल से लमेक के जनम भइल ।* »

ई छोट वंशावली जानबूझ के लामेक नाँव के पात्र पर केंद्रित बा , जेकर सही अर्थ के बारे में जानकारी नइखे मिलल , बाकी एह जड़ से निकलल शब्द निर्देश से संबंधित बा , जइसे कि हनोक नाँव से , आ शक्ति के एगो धारणा भी।

उत्पत्ति 4:19: “ *लामेक दू गो मेहरारू बिया : एगो के नाम आदा रहे , अउर दूसरा के नाम जिल्ला रहे .*”

एह लमेक में हमनी के परमेश्वर के साथे टूटे के पहिला संकेत मिलेला जवना के अनुसार " *आदमी अपना बाप -माई के छोड़ के अपना मेहरारू के साथे मिल जाई , अउर दुनो एक शरीर बन जइहें* " (देखीं उत्पत्ति 2:24)। बाकिर लामेक में आदमी दू गो मेहरारू से मिल गइल बा आ तीनों एके मांस बन जइहें . साफ बा कि भगवान से अलगाव कुल बा।

उत्पत्ति 4:20: “ *आदाह जबल के जनम दिहलस , उ डेरा में रहे वाला लोग के अउर पशु के संगे रहे वाला लोग के पिता रहले .*”

जबल खानाबदोश चरवाहा लोग के कुलपति हवें , जइसे कि कुछ अरब लोग आजुओ बा।

उत्पत्ति 4:21: “ *उनकर भाई के नाम जुबल रहे , उ वीणा आबांसुरी बजावे वाला सब लोग के पिता रहले .*”

जुबल ओह सब संगीतकारन के कुलपति रहले जे ईश्वरहीन सभ्यता में एगो महत्वपूर्ण स्थान राखेलें , आजुओ जहाँ संस्कृति , ज्ञान आकलाकार हमनी के आधुनिक समाजन के आधार बा .

उत्पत्ति 4:22: " *जिल्ला तुबल -कैन के भी जनमल , जे कांसा अउर लोहा के सब वाद्ययंत्र गढ़लस। तुबल -कैन के बहिन नामा रहली ।* "

ई श्लोक इतिहासकार लोग के आधिकारिक शिक्षा के बिपरीत बा जे लौह युग से पहिले के कांस्य युग मानत बाड़ें। सच में , भगवान के अनुसार , पहिला मनुष्य लोहा के गढ़ल जानत रहे , आ शायद खुद आदम के बाद से , काहे कि पाठ में इ नइखे कहल गइल कि तुबल कैन लोहा गढ़े वाला लोग के पिता रहले। बाकिर ई प्रकट विवरण

हमनी के दिहल गइल बा जेहसे कि हमनी का ई समझ सकीले कि सभ्यता पहिले से मौजूद रहे . इनकर ईश्वरहीन संस्कृति आज हमनी के संस्कृति से कम परिष्कृत ना रहे।

उत्पत्ति 4:23: “ *लमेक अपना मेहरारू लोग से कहलस, ‘आदा आजिल्ला , हमार आवाज सुनऽ ! हे लमेक के मेहरारू लोग , हमार बात सुनऽ* !

लमेक अपना दुनो पत्नी के सामने बड़ाई करेला कि उ एगो आदमी के मार देले , जवन कि भगवान के फैसला में ओकरा के नाराज करेला। बाकिर अहंकार आमजाक के साथ ऊ जोड़त बाड़ न कि ऊ एगो नवही के भी हत्या कर दिहले बाड़न जवना से भगवान के फैसला में उनकर केस अउरी बढ़ जाला आ ऊ एगो असली दोहरावे वाला "हत्यारा " बन जाला .

उत्पत्ति 4:24: “ *कैन के सात गुना , आ लमेक के सत्तर गुना बदला लिहल जाई* । ”

एकरा बाद ऊ भगवान कैन के देखावल नम्रता के मजाक उड़ावेला। चूँकि एगो आदमी के मारला के बाद कैन के मौत के बदला "सात बेर " लेवे के रहे , एहसे एगो आदमी अवुरी एगो युवक के मारला के बाद , लामेक के बदला भगवान "सत्तर बेर " ले लीहे। अइसन घिनौना शब्द अकल्पनीय बा। आ भगवान मानवता के सामने इ बतावल चाहत रहले कि दूसरा पीढ़ी से लेके ओकर पहिला प्रतिनिधि , कैन से लेके सातवीं , लामेक के , अधर्म के उच्चतम स्तर तक पहुंच गईल बाड़े। आ ई उनकर प्रदर्शन ह कि ओकरा से अलगा होखें के परिणाम का होला .

उत्पत्ति 4:25: " *आदम अपना मेहरारू के फेरु से जान गइलन , आउ एगो बेटा के जनम दिहली आ ओकर नाम से त रखली , काहे कि ऊ कहली कि , परमेश्वर हमरा के हाबिल के जगह एगो अउरी संतान नियुक्त कइले बाड़न , जेकरा के कैन मारले रहले* । "

सेठ नाँव , जेकर उच्चारण हिब्रू में "चेथ " होला , मनुष्य के शरीर के नींव के बतावे ला। कुछ लोग एकर अनुवाद "समतुल्य भा क्षतिपूर्ति " के रूप में करेला , लेकिन हमरा हिब्रू में एह प्रस्ताव के औचित्य नइखे मिल पावल। एह से हम "शरीर के नींव " के बरकरार रखले बानी काहे कि सेठ ओह विश्वासी वंश के जड़ भा मूल नींव बन जाई जवना के उत्पत्ति 6 " *परमेश्वर के बेटा* " अभिव्यक्ति से नामित करी , "महिला लोग " पर छोड़ के , कैन के वंश के विद्रोही वंशज जे ओह लोग के बहकावेले , विरोध में , " *आदमी के बेटी* " के नाम।

सेठ में , परमेश्वर एगो नया " *बीज* " बोवेलन अउर उगावेलन जवना में सातवाँ वंशज , एगो अउरी हनोक , के उत्पत्ति 5:21 से 24 में उदाहरण के रूप में दिहल गइल

बा।उनुका जीवन में स्वर्ग में प्रवेश करे के सौभाग्य मिलल , बिना मौत से गुजरले , 365 साल के पार्थिव जीवन के बाद सृष्टिकर्ता परमेश्वर के प्रति निष्ठा से जियले। ई हनोक अपना नाम पर बढ़िया से खरा उतरल काहे कि उनकर "निर्देश " उनकर नामधारी , कैन के वंश के बेटा लामेक के बेटा के विपरीत परमेश्वर के महिमा खातिर रहे। आ दुनु , विद्रोही लामेक आधर्मी हनोक अपना वंश के "सातवाँ " वंशज रहले .

उत्पत्ति 4:26: " *सेत के एगो बे टा भी रहे , उ ओकर नाम एनोश रखले। तब आदमी यहोवा के नाम पुकारे लगले ।* "

एनोश के मतलब होला : आदमी , नश्वर , दुष्ट। ई नाम ओह समय से जुड़ल बा जब लोग याहवे के नाम के पुकारे लागल। भगवान एह दुनो बात के जोड़ के जवन बतावल चाहत बाड़े उ इ कि विश्वासी वंश के आदमी के अपना स् वभाव के दुष्टता के बारे में जागरूक हो गईल , जवन कि एकरा अलावे नश्वर बा। आ ई जागरूकता उनका के अपना सृष्टिकर्ता के खोजे खातिर प्रेरित कइलस ताकि उनकर सम्मान कइल जा सके आनिष्ठा से उनकर पूजा अइसन तरीका से कइल जा सके जवन उनकर मनभावन होखे।

उत्पत्ति 5 के बा

<u>पवि त्रीकरण के माध्यम से अलग होखे के</u>

एह अध्याय 5 में भगवान ओह वंश के एकट्ठा कइले बाड़न जवन उनकरा प्रति वफादार रहल। हम रउआ सभे के सामने खाली पहिला श्लोक के विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत करतानी जवन हमनी के एह गणना के कारण के समझे के अनुमति देला जवन आदम अउर प्रसिद्ध नूह के बीच के समय के कवर करेला।

उत् पत्ति 5:1: " *इ आदम के पीढ़ी के किताब ह: जब परमेश्वर आदमी के बनवले रहले , त* ***उ ओकरा के परमेश्वर के रूप में बनवले रहले*** ."

एह श्लोक में उद्धृत पुरुषन के नाम के सूची खातिर मानक तय कइल गइल बा। सब कुछ एह याद दिआवल पर टिकल बा : " *जब भगवान आदमी के बनवले रहले त* ***ओकरा के भगवान के रूप में बनवले रहले*** ." एह से हमनी के ई समझे के चाहीं कि एह सूची में शामिल होखे खातिर आदमी के आपन " ***भगवान के उपमा*** " बरकरार रखले होई । एह तरह से हमनी के समझ सकेनी जा कि कैन जइसन महत्वपूर्ण नाम एह सूची में काहे ना आवेला। काहे कि इ कवनो भौतिक समानता के सवाल नइखे बल्कि चरित्र के समानता के

सवाल ह, अउर अध्याय 4 में अभी -अभी हमनी के कैन अउर उनकर वंशज के बात देखावल गइल बा।

उत्पत्ति 5:2: “ *उ नर आमादा के रचलन , आशीष दिहलन आ उनकर नाम आदम रखलन , जवना दिन उनकर रचना भइल रहे* .”

इहाँ भी आदमी आ औरत के भगवान के आशीर्वाद के याद दिआवे के मतलब बा कि जवना नाम के उद्धृत करे के बा उ भगवान के आशीर्वाद मिलल बा। भगवान द्वारा उनकर रचना के जिद उ ओह महत्व के रेखांकित करेला जवन उ परमेश्वर सृष्टिकर्ता के रूप में पहचानल जाला जे अपना सेवकन के अलग करेला , पवित्र करेला , सब्त के दिन के निशानी से , बाकी लोग के उनकर सब हफ्ता के सातवाँ दिन के दौरान मनावल जाला। सब्त के दिन के पवित्रीकरण के साथ परमेश्वर के आशीष के बरकरार रखल अउर उनकर चरित्र के उपमा उ शर्त ह जवना के परमेश्वर के द्वारा मनुष्य के " *आदमी* " कहल जा ए के लायक बने के जरूरत बा। एह फल सभ के अलावा मनुष्य अपना बिचार में बाकी प्रजाति सभ से ढेर बिकसित आ शिक्षित "जानवर " बन जाला।

उत्पत्ति 5:3: “ *आदम एक सौ तीस साल जिंदा रहलन आ उनकर प्रतिरूप में एगो बेटा भइलन आ उनकर नाम सेत रखलन* .”

जाहिर बा कि आदम आसेत के बीच दू गो नाम गायब बा : कैन (जे वफादार वंश के ना हवें) आ हाबिल (जे बिना वंशज के मर गइलन)। एह तरह से धन्य चयन के मानदंड के प्रदर्शन कइल जाला। उद्धृत बाकी सभ नाम के भी इहे हाल होई।

उत्पत्ति 5:4: " *आदम के सेत के जनम के बाद आठ सौ साल के रहे , अउर उ बेटा -बेटी के जनम कईले* । "

हमनी के जवन समझे के होई उ इ कि आदम के " *बेटा - बेटी " पैदा भईल " सेठ "* के जन्म से पहिले अवुरी ओकरा बाद , लेकिन इ सभ पिता के अवुरी ना "सेठ " के विश्वास के प्रकट ना करत रहे। उ लोग "पशु आदमी " में शामिल हो गईले जवन जीवित भगवान के प्रति बेवफा अवुरी अनादर करत रहले। एह तरह से , उनकरा से पैदा भइल सब लोग में , हाबिल के मौत के बाद , " *सेठ* " सबसे पहिले अपना पार्थिव पिता के रचना आगठन करे वाला भगवान YaHWéH के प्रति अपना विश्वास आ निष्ठा से अपना के अलग कइलस। उनकरा बाद के अउरी लोग , जे गुमनाम रहल , उनकर उदाहरण के पालन कइले होई , लेकिन उ लोग गुमनाम बा काहे कि भगवान के द्वारा चुनल सूची प्रस्तुत हर वंशज के पहिला विश्वासी आदमी के उत्तराधिकार पर बनल बा। एह सफाई से आदम खातिर पहिलहीं से अधिका उमिर , "130 साल " के बात समझ में आवेला जब उनकर बेटा "सेठ " के जनम भइल रहे। आ ई सिद्धांत ओह लमहर सूची में उद्धृत चुनल गइल हर चुनल लोग पर लागू होला जवन नूह के साथ खतम होला , काहे कि उनकर तीन गो बेटा : शेम ,

हाम आ याफेत चुनल ना जइहें , उनकर आध्यात्मिक रूप में ना होखसु .

उत्पत्ति 5:5: " *आदम के जियला के सब दिन नौ सौ तीस साल के रहल आउ मर गइलन .*"

हम सीधे सातवाँ चुनल आदमी के लगे चलत बानी , जेकरा के हनोक कहल जाला ; एगो हनोक जेकर चरित्र कैन के बेटा हनोक के बिल्कुल उल्टा बा।

उत्पत्ति 5:21: " *हनोक पंसठ साल जियले अउर मथुसेल के जनम दिहलन .*"

उत्पत्ति 5:22: " *हनोक मथुसेला के जनम के तीन सौ साल बाद परमेश्वर के साथे चललन , अउर बेटा - बेटी पैदा कइलन .*"

उत्पत्ति 5:23: " *हनोक के सब दिन तीन सौ पैंसठ साल रहे .*"

उत्पत्ति 5:24: " *हनोक परमेश्वर के साथे चललन , **अउर उ अब ना रहले , काहे कि परमेश्वर उनका के लेके चल गइलन*** ". के बा।

हनोक के मामला के एह विशिष्ट अभि व्यक्ति के साथ ही परमेश्वर हमनी के प्रकट करेलन : जलप्रलय से पहिले के लोग भी आपन "एलियाह " के बिना मौत से गुजरले स्वर्ग में ले जाइल गईल रहे। दरअसल , एह श्लोक के सूत्र बाकी सब श्लोक से अलग बा जवन कि आदम के जीवन के बात कईल जाए त " *तब उ मर गईले* " शब्द से समाप्त होखेला।

एकरे बाद मथुसेला , पृथ्वी पर सभसे लंबा उमिर के आदमी , 969 साल ; फेर एह लाइन से एगो अउरी लमेक जवना के भगवान के आशीर्वाद मिलल बा।

उत्पत्ति :5:28: " *लामेक एक सौ बयासी साल के उमिर में एगो बेटा पैदा कइलन .*"

उत्पत्ति :5:29: " *उ उनकर नाम नूह र खलन आ कहलन कि इहे हमनी के मेहनत अउर हाथ के मेहनत के बारे में दिलासा दिही , जवन **ओह जमीन से निकलल बा जवना के यहोवा श्राप दिहले बाड़न*** ."

एह श्लोक के मतलब समझे खातिर हमनी के ई जानल जरूरी बा कि नूह नाम के मतलब होला : आराम। लामेक निश्चित रूप से कल्पना ना कइले रहले कि उनकर बात कतना हद तक पूरा होई , काहे कि उ खाली " *शापित धरती* " के " *हमनी के थकान आहमनी के हाथ के दर्दनाक काम* " के कोण से देखले रहले , " उ कहतारे। लेकिन नूह के समय में , परमेश्वर एकरा के नष्ट कर दिहे काहे कि उ लोग के दुष्टता के कारण जवन इ लेके चलेला , जईसे कि उत्पत्ति 6 हमनी के समझे के अनुमति दिही। हालांकि , नूह के पिता लमेक एगो चुनल आदमी रहले , जवन अपना समय के दुर्लभ चुनल लोग निहन अपना आसपास के आदमी के दुष्टता के बढ़त देख के दुखी भईल होईहे।

उत्पत्ति 5:30: " *नूह के जनम के बाद लामेक पांच सौ पंचानबे साल तक जिंदा रहले , अवुरी बेटा -बेटी के जन्म भईल .*"

उत्पत्ति 5:31: " *लामेक के सब दिन सात सौ सत्तर साल के रहल , अउर उ मर गईले .*"

उत्पत्ति 5:32: " *नूह पांच सौ साल के उमिर में शेम , हाम अउर याफेत के जनम दिहलन .*"

उत्पत्ति 6 के बा

अलगाव असफलहो जाला

उत्पत्ति 6:1: " *जब धरती पर आदमी के संख्या बढ़े लागल आउनकर बेटी पैदा भइली।* "

पहिले से सीखल गइल सबक के अनुसार ई मानव भीड़ जानवर के आदर्श हवे जे भगवान के तिरस्कार करे ला , जेकरा लगे एह तरीका से इनहन के भी नकार देवे के बढ़िया कारण बा। आदम के पत्नी हव्वा के बहकावा एह सब मानवता में दोबारा पैदा भइल बा आ ई मांस के हिसाब से सामान्यता ह: लइकी मरदन के बहकावेली स आ ओह लोग से उहे पावेली स जवन ऊचाहत बाड़ी स।

उत्पत्ति 6: 2: " *अउर परमेश्वर के बेटा लोग आदमी के बेटी के देखल कि उ गोरी बाड़ी , अउर उ लोग जवन भी चुनले रहे , उ सब में से उनकर मेहरा रू बिया .*"

इहे ह जहाँ बात अझुरा जाला। पवित्र आअधार्मिक अविश्वासी लोग के बीचँ के **अलगाव अंत में गायब हो जाला।** पवित्र लोग , जेकरा के तार्किक रूप से इहाँ " *भगवान के बेटा* " *कहल जाला* , " *मनुष्य के बेटी* " यानी "पशु " मानव समूह के बहकावा में आवेला । एह तरह से बियाह के माध्यम से गठबंधन भगवान के चाहत आ खोजल **विरह** के पतन के कारण बन जाला । इहे अविस्मरणीय अनुभव बा जवना के चलते बाद में उ इस्राएल के बेटा के विदेशी महिला के पत्नी बनावे से मना क दिहे। जवना बाढ़ के नतीजा होई , इ बतावता कि ए निषे ध के केतना पालन करे के चाही। हर नियम के अपवाद बा , काहे कि कुछ मेहरारू रूथ जइसन यहूदी पति के साथे सच्चा भगवान के लेके चल गइली। खतरा ई नइखे कि ऊ औरत विदेशी हई बलुक ऊ एगो " *भगवान के बेटा* " के अपना मूल के पारंपरिक बुतपरस्त धर्म अपनावे के मजबूर क के बुतपरस्त धर्मत्याग के ओर ले जाले। अतने ना , एकरा उल्टा भी ओतने मना बा काहे कि एगो महिला "भगवान के बेटी " "पुरुष के बेटा " "जानवर " से बियाह क के अपना के नश्वर खतरा में डाल देले , अवुरी झूठा धर्म के , जवन कि ओकरा खाती अवुरी खतरनाक बा। काहे कि हर "महिला " भा "लइकी " खाली धरती पर अपना जीवन के दौरान ही

"महिला " होला , आ ओहमें से चुनल लोग के आदमी के तरह भगवान के स्वर्गदूतन के जइसन आकाशीय अलैंगिक शरीर मिल जाई। अनंत काल यूनिसेक्स आईसा मसीह के चरित्र के छवि ह, जवन सही दिव्य मॉडल ह।

बियाह के समस्या आजभी प्रासंगिक बा। काहे कि जे केहू अपना धर्म के ना होखे वाला से बियाह करेला , उ अपना आस्था के खिलाफ गवाही देवेला , चाहे उ सही होखे चाहे गलत। अतने ना , ई क्रिया धर्म के प्रति उदासीनता के प्रदर्शन करेला आएह से खुद भगवान के प्रति। चुनल आदमी के चुनाव के लायक होखे खातिर सबकुछ से ऊपर भगवान से प्यार करे के होई। बाकिर , चूंकि कवनो विदेशी से गठबंधन ओकरा के नाराज कर देला एहसे ओकरा में घुसे वाला चुनल आदमी चुनाव के अयोग्य हो जाला आ ओकर आस्था घमंडी हो जाला , जवन भ्रम भयानक मोहभंग में खतम हो जाई . अबहीं एगो अंतिम कटौती निकाले के बा . अगर बियाह अबहियों ई समस्या पैदा करेला त एकर कारण बा कि आधुनिक मानव समाज अपना के ओही अनैतिकता में पावेला जवन नूह के समय के रहे। एह से ई संदेश हमनी के अंतिम समय खातिर बा जब झूठ मानव मन पर हावी हो जाला , जवन ईश्वरीय "सत्य " से पूरा तरह से बंद हो जाला।

हमनी के "अंत समय " खातिर एकर महत्व के कारण , परमेश्वर हमरा के आखिरी में एह उत्पत्ति के विवरण में प्रकट भइल एह संदेश के विकसित करे खातिर अगुवाई कइले बाड़न। काहे कि जलप्रलय से पहिले के चुनल लोग के अनुभव के संक्षेप में एगो सुखद " *शुरुआत* " आ एगो दुखद " *अंत* " धर्मत्याग आ घृणित काम में दिहल गइल बा . अब, इ अनुभव उनकर अंतिम कलीसिया के भी संक्षेप में बतावेला ओकर संस्थागत रूप में "सेवेन्थ -डे एडवेन्टिस्ट ," आधिकारिक रूप से अउर ऐतिहासिक रूप से 1863 में आशीर्वादित लेकिन आध्यात्मिक रूप से आशीर्वादित 1873 में , " *फिलाडेल्फिया* " में , *प्रकाशितवाक्य 3:7 में , एकर " शुरुआत* ," खातिर , अउर " *उल्टी* " द्वारा यीशु मसीह द्वारा प्रकाशितवाक्य 3:14 में , " *लौडिसिया* " में 1994 में , अपना " *अंत* ," में। एकर औपचारिक गुनगुनापन के कारण आ 1995 में विश्वव्यापी दुश्मन खेमा के साथे गठबंधन के कारण एह ईसाई धार्मिक संस्था खातिर भगवान के मंजूरी के समय एह तरह से "एक *शुरुआत* आ *अंत* " से तय होला। लेकिन जइसे यहूदी वाचा के विस्तार यीशु द्वारा चुनल बारह प्रेरित लोग द्वारा कइल गइल , एडवेन्टिस्ट काम के विस्तार हमरा द्वारा अउर उ सब लोग द्वारा कइल गइल बा जे एह भविष्यवाणी के गवाही के पा के , विश्वास के काम के दोबारा पेश करेलन जवना के परमेश्वर मूल रूप से 1843 अउर 1844 में एडवेंटिज्म के अग्रदूत लोग में आशीर्वाद दिहले

रहलन , हम निर्दिष् ट करत बानी कि परमेश्वर ओह लोग के विश्वास के प्रेरणा के आशीष दिहलन अउर उनकर मानक के ना भविष्यवाणी के व्याख्या जवना पर बाद में सवाल उठावल गइल . सब्त के दिन के अभ्यास संभवतः औपचारिक अउर पारंपरिक होखे के साथ , परमेश्वर के न्याय के चलनी अब कुछ भी आशीष ना देला सि वाय उनकर चुनल लोग में मिलल सच्चाई के प्रेम के , " शुरू से अंत तक " मसीह के सच्चा गौरवशाली वापसी तक, जवन 2030 के बसंत में एह अंतिम बार खातिर सेट कइल गइल रहे।

प्रकाशितवाक्य 1:8 में अपना के " *अल्फा अउर ओमेगा* " के रूप में प्रस्तुत करके , यीशु मसीह हमनी के ओह संर चना अउर पहलू के समझे के कुंजी प्रकट करेलन , जवना के तहत उ हमनी के पूरा बाइबल में , आपन " *न्याय* ", प्रकट करेलन। ऊ हमेशा " *शुरुआत* " के स्थिति के अवलोकन पर टिकल रहेला अउर ओह पर टिकल रहेला जवन कवनो जीवन , कवनो वाचा , या कलीसिया के " *अंत* " *में लउकेला।* ई सिद्धांत दा न में आइल बा। 5 जहाँ परमेश्वर के द्वारा देवाल पर लिखल शब्द , " *गिनती कइल, गिनती कइल,* " ओकरा बाद " *तौलल आ बँटल* ," राजा बेलसस्सर के जीवन के " *शुरुआत* " *आउनकर* " *अंत* " के घड़ी के प्रतिनिधित्व करेला। एह तरह से भगवान एह बात के पुष्टि करेलन कि उनकर निर्णय न्याय कइल गइल विषय पर स्थायी नियंत्रण पर आधारित बा। ऊ अपना " *शुरुआत* " भा " *अल्फा* " से लेके अपना " *अंत* " , उनकर " *ओमेगा* " *तक* उनकर निरीक्षण में रहल बाड़न .

सात कलीसिया " के संबोधित चिट्ठी के विषय में , इहे सिद्धांत संबंधित सभ " *कलीसिया* " *के* " *शुरुआत अउर अंत* " *स्थापित करेला।* सबसे पहिले , हमनी के एपोस्टोलिक कलीसिया के पावेनी जा , जेकर गौरवशाली " *शुरुआत* " " *इफिसुस* " में पहुंचावल गईल संदेश में याद कईल गईल बा अउर जवना में ओकर " *अंत* " ओकरा के एह खतरा में डाल देला कि ओकरा जोश के कमी के कारण परमेश्वर के आत्मा के वापस ले लिहल जाई। सौभाग्य से , 303 से पहिले " *स्मर्ना* " के दिहल संदेश गवाही देत बा कि मसीह के पश्चाताप के आह्वान परमेश्वर के महिमा खातिर सुनल गइल होई। एकरा बाद , पोप के रोमन कैथोलि क चर्च 538 में " *पर्गामम* " *में शुरू होला आ प्रोटेस्टेंट सुधार के समय* " *थ्यातिरा* " में खतम होला , लेकिन सबसे ऊपर आधिकारिक तौर पर पोप पायस 6 के मौत के समय , जवन वैलेंस में जेल में बंद रहले , हमरा शहर में , फ्रांस में , 1799 में , फिर प्रोटेस्टेंट आस्था के मामला अप्रेला , जवना के भगवान के मंजूरी भी समय के हिसाब से सीमित बा। एकर " *शुरुआत* " " *थ्यातिरा* " में उकसावल गइल बा आएकर " *अंत* " *1843 में* " *सार्डिस* " में प्रकट भइल बा काहे कि एकर अतवार के पालन रोमन धर्म से विरासत में मिलल बा। यीशु एकरा से जादा साफ

ना हो सकत रहले ; उन कर संदेश , " *तू मर गइल बाड़* ," भ्रमित करे वाला नइखे . अउर तीसरा , " *फिलाडेल्फिया अउर लौदीकिया* " *के तहत , संस्थागत एडवेन्टिज्म के मामला , जवन हमनी के पहिले देखले रहनी जा , " सात कलीसिया* " के संबोधित संदेशन के विषय के बंद कर देला अउर ओह युग के समय के बंद कर देला जवना के उ प्रतीक हवे।

आज हमनी के इ बता के कि उ कइसे पहिले से पूरा भइल चीजन के न्याय कइले बाड़न , अउर उत्पत्ति के तरह " *शुरू से* " से , परमेश्वर हमनी के ई समझे के कुंजी देले बाड़न कि उ हमनी के समय में तथ्य अउर कलीसिया के कइसे न्याय करेलन। हमनी के अध्ययन से जवन " *न्याय* " निकलेला उ एह तरह से उनकर ईश्वरीयता के आत्मा के " *मुहर* " *धारण करेला।*

उत्पत्ति 6:3: " *तब यहोवा कहलन कि हमार आत्मा आदमी से हमेशा झगड़ा ना करी , काहे कि उ भी शरीर ह, फिर भी ओकर दिन सौ बीस साल होई* ."

मसीह के वापसी के 10 साल से भी कम समय में ई संदेश आजएगो आश्चर्यजनक रूप से सामयिक चरित्र ले लेला। भगवान के दिहल जीवन के आत्मा " *आदमी में हमेशा खातिर ना रही , काहे कि उ खाली मांस ह, फिर भी ओकर दिन एक ~~सौ~~ उनइस साल होई* ***।*** " असल में इहे मतलब ना रहे जवन भगवान अपना बात के देले रहले। हमरा के समझीं , आओकरा के समझीं : भगवान छह हजार साल के चुनल लोग के बोलावे आ चुने के आपन योजना के त्याग नइखन करत। उनकर समस्या ओह विशाल जीवन के लंबाई में बा जवन ऊ जलप्रलय से पहिले के लोग के दिहले रहले जबसे आदम के मौत 930 साल के उमिर में भइल रहे , उनका बाद एगो अउरी मथुसेला 969 साल के उमिर तक जिंदा रहीहें . अगर ई 930 साल के वफादारी बा त ई सहनशील बा आ भगवान के भी खुश करे वाला बा , लेकिन अगर इ एगो अहंकारी आधिनौना लामेक बा त भगवान के मानना बा कि औसतन 120 साल तक ओकरा के सहल कईल काफी से ज्यादा होई। एह व्याख्या के पुष्टि इतिहास से होला , काहें से कि बाढ़ के अंत के बाद से मनुष्य के जीवन के लंबाई हमनी के समय के औसत 80 साल तक कम हो गइल बा।

उत्पत्ति 6:4: " *ओह समय में दिग्गज लोग धरती पर रहे , **अउर** परमेश्वर के बेटा लोग के आदमी के बेटी लोग के पास अइला के बाद , अउर उ लोग के संतान पैदा कइला के बाद , इ उ पराक्रमी लोग रहलन जे पुरान समय में मशहूर रहलन* ।"

आ इहो " परिशुद्धता जोड़े के पड़ल , काहे कि संदेश के अर्थ बदल जाला। भगवान हमनी के बतावेलन कि उनकर पहिला जलप्रलय से पहिले के सृष्टि एगो विशाल स्तर के रहे , आदम खुद लगभग 4 या 5 मीटर के ऊँचाई के नापले होई। पृथ्वी के सतह के प्रबंधन में बदलाव आ

कम हो जाला। एह "*दिग्गजन* "के एक डेग के मोल हमनी के पांच गो के रहे , आओकरा धरती से आजके आदमी से पांच गुना अधिका अन्न निकाले के पड़ल। एह से मूल धरती में जल्दी से आबादी आगइल आएकर पूरा सतह पर निवास हो गइल। परिशुद्धता "***आइहो*** "हमनी के सिखावेला कि "*दिग्गज* "के एह मानक में पवित्र आअस्वीकृत ," *भगवान के बेटा* "आ" *आदमी के बेटी* "के गठबंधन से संशोधन ना भइल रहे। एह से नूह खुद 4 से 5 मीटर के दिग्गज के साथे -साथे उनकर लइका आउनकर मेहरारू भी रहले। मूसा के समय में जलप्रलय से पहिले के ई मानक अबहिन ले कनान के देस में पावल जात रहे आ इहे दिग्गज लोग , "अनाकी "लोग , जे देश में भेजल हिब्रू जासूस लोग के डेरा दिहले।

उत्पत्ति 6:5: " *तब यहोवा देखलन कि धरती पर आदमी के दुष्टता बहुत बा , अउर उनकर मन के हर कल्पना लगातार खाली बुराई ह .*"

अइसन अवलोकन से उनकर फैसला समझ में आवेला। हमरा इयाद बा कि उ अपना स्वर्गीय आपार्थिव प्राणी के विचार में छिपल एह दुष्टता के उजागर करे खातिर धरती आ आदमी के रचले रहले। एह तरह से वांछित प्रदर्शन मिलल काहे कि "*ओह लोग के दिल के हर कल्पना हर समय खाली बुराई रहे* ."

उत्पत्ति 6:6: " *अउर यहोवा पश्चाताप कइलन कि उ धरती पर आदमी के बनवले बाड़न , अउर इ उनकर मन में दुखी हो गइल .*"

का होई , एकरा के पहिले से जानल एक बात बा , लेकिन ओकरा पूरा होखे में एकर अनुभव कईल अलग बात बा। आजब बुराई पर हावी होखे के वास्तविकता के सामना करे के पड़ेला त पश्चाताप के विचार , भा अउरी सटीक रूप से कहल जाव त पछतावा के विचार भगवान के मन में पल भर खातिर उभर सकेला , एह नैतिक आपदा के सामना करत उनकर दुख एतना बड़ बा।

उत्पत्ति 6:7: " *तब यहोवा कहलन कि हम धरती के ऊपर से आदमी के नष्ट कर देब , जेकरा के हम बनवले बानी , आदमी आ पशु , रेंगत जीव , आ हवा के चिरई , काहे कि हम पश्चाताप करत बानी कि हम ओकरा के बनवले बानी .*"

जलप्रलय से ठी क पहिले भगवान शैतान अउर ओकर राक्षसन के धरती अउर ओकरा में रहे वाला लोग पर जीत के देखत बाड़न। ओकरा खातिर परीक्षा भयानक बा , लेकिन उ जवन प्रदर्शन चाहत रहले उ हासिल क लेले बाड़े। बस अतने बा कि ऊ जीवन के एह पहिला रूप के नष्ट कर देव जवना में मरद बहुते लमहर जिएलें आ विशालकाय आकार में बहुते ताकतवर होलें . आदमी के नजदीक के धरती के जानवर जइसे कि मवेशी , सरीसृप , आ हवा के चिरई के ओह लोग के साथे हमेशा खातिर गायब होखे के पड़ी .

उत्पत्ति 6:8: “ *लेकिन नूह के अनुग्रह मिलल याहवेह के नजर में* .”

आ इजकि .14 के अनुसार उ अकेले परमेश्व र के अनुग्रह पावलन , उनकर लइका अउर उनकर मेहरारू उद्धार पावे के लायक ना रहली।

उत्पत्ति 6:9: “ *नूह के पीढ़ी इहे ह: नूह एगो* ***धर्मी आदमी रहले*** *, अपना समय में निर्दोष रहले : नूह परमेश्वर के संगे चलत रहले* .”

अय्यूब के तरह नूह के भी परमेश्वर " *न्यायी अउर निर्दोष " न्या य करेलन।* आ ओकरा से पहिले के धर्मी हनोक का तरह भगवान ओकरा पर आरोप लगावत बाड़न कि ऊ ओकरा साथे " *चले "*.

उत्पत्ति 6:10: “ *नूह के तीन गो बेटा रहलन , शेम , हाम अउर याफेत* .”

उत्पत्ति 5:22 के अनुसार 500 साल के उमिर में , " *नूह के तीन गो बेटा भइल : शेम , हाम , अउर याफेत* । " ई बेटा बड़ होके मरद बन जइहें आ मेहरारू ले जइहें। एह से नूह के जहाज बनावे के पड़ी त उनकर बेटा लोग के सहायता आ मदद मिली। इनकर जनम के समय आ बाढ़ के बीच 100 साल बीत जाई। एह से साबित होला कि पद 3 के "120 साल " के सं बंध ओह समय से नइखे जवन ओकरा के एकर निर्माण पूरा करे खातिर दिहल गइल बा।

उत्पत्ति 6:11: “ *धरती परमेश्वर के सामने भ्रष्ट हो गईल रहे , धरती हिंसा से भरल रहे* .”

भ्रष्टाचार जरूरी नइखे कि हिंसक होखे बाकिर जब हिंसा ओकरा के चिन्हित करेले आ ओकर विशेषता बनावेले त प्रेम के भगवान के दुख तीव्र आ असहनीय हो जाला . इ हिंसा , अपना चरम पर , उ प्रकार के ह जवना के लमेक उत्पत्ति 4:23 में बड़ाई कईले रहले : " *हम अपना घाव के चलते एगो आदमी के मार देले बानी , अवुरी अपना चोट के चलते एगो युवक के मार देले बानी* । "

उत्पत्ति 6:12: “ *परमेश्वर धरती के देखलन , अउर देखलन कि उ भ्रष्ट हो गईल रहे , काहेकि सब शरीर धरती पर आपन रास्ता बिगाड़ देले रहे* .”

10 साल से भी कम समय में भगवान धरती के फिर से देखिहे अउरी उहे अवस्था में पाईहे जवन जलप्रलय के समय रहे , " *सब मांस आपन रास्ता बिगाड़ देले बा* । " बाकिर भगवान भ्रष्टाचार के बात करत घरी का कहे के मतलब रउरा सभे के समझे के चाहीं . काहे कि अगर एह शब्द के संदर्भ मानवीय बा त जवाब ओतने बा जतना एह विषय पर राय . सृष्टिकर्ता भगवा न के साथे एकर जवाब सरल आ सटीक बा। ऊ भ्रष्टाचार के ऊ सब विकृति कहत बाड़न जवन मरद मेहरारू के अपना बनावल क्रम आनियम में ले आइल बा : भ्रष्टाचार में अब आदमी मरद के भूमिका ना सम्हारेला , ना औरत नारी के भूमिका . कैन के वंशज , एगो बिगामिस्ट लामेक के मामला एकर उदाहरण

बा , काहे कि ईश्वरीय मानदंड ओकरा के बतावेला : " *आदमी अपना पत्नी के संगे एकजुट होखे खातिर अपना पिता अवुरी महतारी के छोड़ के चल जाई* । " इनहन के शरीर के संरचना के रूप -रंग सें मरद मेहरारू के भूमिका के पता चलेला। लेकिन आदम के " *सहायक* " के रूप में दिहल गईल के भूमिका के बेहतर तरीका से समझे खातिर , मसीह के कलीसिया के उनकर प्रतीकात्मक छवि हमनी के जवाब देवेला। कलीसिया मसीह के कवन " *मदद* " *दे सकेला* ? उनकर भूमिका बा कि ऊ बचावल चुनल लोग के संख्या बढ़ावे आ ओकरा खातिर कष्ट उठावे के तइयार होखसु . आदम के दिहल मेहरारू खातिर भी इहे बा। आदम के मांसपेशी के शक्ति से रहित , उनकर भूमिका तब तक के सहन आ पालन पोषण करे के बा जब तक कि उ लोग , बदला में , एगो परिवार ना मिल जा ई अउर एह तरह से धरती पर आबादी हो जाई , जवन कि परमेश्वर के आदेश के अनुसार उत्पत्ति 1:28 में दिहल गइल बा : "आ *परमेश्वर उनकरा के आशीष दिहलन , अउर परमेश्वर उनकरा से कहले , “* ***बढ़ीं , अउर बढ़ीं , अउर धरती के भरीं , अउर ओकरा के अपना वश में कर लीं*** *: अउर समुद्र के मछरी पर , अउर ओकरा पर राज करीं। " हवा के चिरई आ धरती पर चले वाला हर जीव के ऊपर* ." अपना विकृति में आधुनिक जीवन एह आदर्श से पीठ फेरले बा . शहरन में एकाग्र जीवन आ औद्योगिक रोजगार मिल के पइसा के लगातार बढ़त जरूरत पैदा कइले बा . एकरा चलते महिला महतारी के भूमिका छोड़ के फै क्ट्री चाहे दोकान में काम करे गईल बाड़ी। खराब पलल बढ़ल , लइका मनमौजी अउर मांग करे वाला हो गइल बाड़े अउर 2021 में हिंसा के फल पैदा करेलन अउर इ ठीक उ वर्णन से मेल खाला जवन पौलुस 2 तीमुथियुस के दिहले बाड़न। 3:1 से 9. हम रउवां से निहोरा करत बानी कि समय निकाल के , उ सब ध्यान के साथ , जवन उ लोग के हकदार बा , पूरा तरीका से , उ दुनो पत्र के पढ़ीं जवन उ तीमुथियुस के संबोधित कईले बाड़े , ताकि एह पत्रन में परमेश्वर के द्वारा निर्धारित मानक के खोजल जा सके , शुरू से ही , इ जानत कि जब तक उ महिमा में वापसी ना करीहे , तब तक ना बदली हे , 2030 के बसंत में।

उत्पत्ति 6:13: “ *तब परमेश्वर नूह से कहलन , “सब शरीर के अंत हमरा सामने आगईल बा , काहेकि उ लोग धरती के हिंसा से भर देले बाड़े , देख , हम धरती के संगे ओ लोग के नाश करब* .”

बुराई के अपरिवर्तनीय रूप से स्थापित होखला के बाद धरती के निवासी के वि नाश एकमात्र काम बनल बा जवन भगवान क सकतारे। भगवान अपना एकमात्र पार्थिव दोस्त के आपन भयानक योजना बतावेले काहे कि ओकर फैसला हो जाला आनिश्चित रूप से तय हो जाला। एह बात पर ध्यान दिहल जरूरी बा कि भगवान हनोक के दिहल विशेष भाग्य के , जे एकमात्र अइसन आदमी हवे जे बि ना

मौत से गुजरले अनंत काल में प्रवेश करेला , अउर नूह , जे एकमात्र आदमी हवें जेकरा के सफाया करे वाला जलप्रलय से बचे के लायक पावल गइल। काहे कि भगवान अपना शब्दन में कहत बाड़न कि " ***ओहलोग*** *का लगे* ..." आ" *हम* ***ओहलोग के*** *नाश कर देब* ." काहे कि उ वफादार रहलन , नूह के परमेश्वर के फैसला के निशाना नईखे।

उत्पत्ति 6:14: " *राल के लकड़ी से अपना खातिर एगो सन्दूक बनाईं , आ सन्दूक के डिब्बा में बाँटीं आ ओकरा के भीतर आबाहर पिच से ढंक लीं* ."

नूह के जिंदा रहे के चाहीं , अउर अकेले ना , काहे कि भगवान चा हत बाड़न कि उनकर सृष्टि के जीवन उनकर प्रोजेक्ट खातिर चयन के 6,000 साल के अंत तक जारी रहे। बाढ़ के दौरान चुनल जीवन के बचावे खातिर एगो तैरत जहाज बनावे के होई। भगवान नूह के आपन निर्देश देले। ऊ पानी से बचावे वाला मुलायम लकड़ी के इस्तेमाल करीहें आजहाज के पिच , पाइन भा देवदार के पेड़ से लिहल राल से लेपित क के पानी से बचावल जाई . ऊ कोशिका बनाईहें जेहसे कि हर प्रजाति अलगा से रह सके जेहसे कि जहाज पर सवार जानवरन खातिर तनावपूर्ण मुठभेड़ ना होखे . जहाज पर ठहरल पूरा साल तक चली , लेकिन काम भगवान के ओर से निर्देशित बा , जेकरा खाती कुछूओ असंभव नईखे।

उत्पत्ति 6:15: " *तू एकरा के अईसने बनाईब : जहाज के लंबाई तीन सौ हाथ , चौड़ाई पचास हाथ अवुरी ऊंचाई तीस हाथ होई* ."

अगर " *हाथ* " कवनो दिग्गज के रहे त इ इब्रानियन के पांच गुना हो सकता , जवन कि लगभग 55 सेमी रहे। परमेश्वर एह आयाम के इब्रानियन अउर मूसा के जानल मानक में प्रकट कइले बाड़न , जेकरा के परमेश्वर से ई कहानी मिलल बा। एह से बनल जहाज के लंबाई 165 मीटर , चौड़ाई 27.5 मीटर आ ऊँचाई 16.5 मीटर रहे। एह से आयताकार बक्सा के आकार के ई जहाज एगो भव्य आकार के रहे , बाकी एकर निर्माण अइसन आदमी कइले रहलें जि नहन के ऊँचाई एकरे अनुपात में रहे। काहे कि हमनी के एकरा ऊँचाई खातिर लगभग पांच मीटर के तीन मंजिल ओह आदमी खातिर मिलेला जे खुद 4 से 5 मीटर के बीच ऊँचाई के नापले रहले .

उत्पत्ति 6:16: " तू *सन्दूक खातिर* ***खिड़की बनाई*** , *आ ओकरा के एक* ***हाथ ऊँच बनाई , सन्दूक के बगल में एगो दरवाजा*** *लगाई , तू निचला मंजिल , दूसरा मंजिल आतीसरा मंजिल बनाई* ."

एह वर्णन के अनुसार जहाज के एकल " *दरवाजा* " पहिला मंजिल के स्तर पर " *जहाज के साइड में* " रखल गईल रहे । जहाज पूरा तरह से बंद रहे , अउर तीसरी मंजिल के छत के नीचे , 55 सेमी ऊँच आ चौड़ाई के एकल खिड़ की के बाढ़ के अंत तक बंद रखे के रहे , उत्पत्ति 8:6 के

अनुसार। जहाज पर सवार लोग बाढ़ के पूरा दौरान अन्हार आतेल के दीपक से निकले वाला कृत्रिम रोशनी में रहत रहे , यानी कि .

उत्पत्ति 6:17: " *आहम देखऽ , धरती पर पानी के बाढ़ ले आवे वाला बानी , ताकि स्वर्ग के नीचे से जवन भी मांस में जीवन के साँस बा , ओकरा के नष्ट कर दीं , अउर धरती पर जवन कुछ बा , उ सब नाश हो जाई .*"

एह विनाश के साथ , परमेश्वर ओह लोग खातिर एगो चेतावनी संदेश छोड़ल चाहत बाड़न जे जलप्रलय के बाद अउर 6,000 साल के ईश्वरीय परियोजना के अंत में यीशु मसीह के गौरवशा ली वापसी तक धरती के फिर से आबाद करीहें। सभ जीवन अपना जलप्रलय से पहिले के आदर्श के साथे -साथे गायब हो जाई। काहे कि बाढ़ के बाद भगवान धीरे -धीरे जीव , आदमी आ जानवर के आकार के अफ्रीकी पिग्मी के आकार में कम कर दिहें।

उत्प .

ओहमें से आठ गो अइसन बाड़े जे आवे वाला जलप्रलय से बच गइल बाड़े , बाकिर ओहमें से सात लोग के नूह के विशेष अउर व्यक्तिगत आशीर्वाद से असाधारण फायदा होला। एकर प्रमाण इजकि . 14:19-20 जहाँ परमेश्वर कहत हउवें : " *या अगर हम ओह देश में कवनो महामारी भेजब , अगर हम ओकरा खिलाफ आपन क्रोध के महामारी से उझल देब , ता कि ओकरा से आदमी अउर जानवर के काट दिहल जा सके , अउर* ***नूह*** *, दानियल , अउर अय्यूब ओहमें रहित , जइसे कि हम जीयत बानी , प्रभु यहोवा कहत हउवें ,* ***त उ लोग ना त बेटा -बेटी के बचाई , लेकिन उ लोग अपना धार्मिकता से आपन जान बचाई*** । " इ लोग धरती के पुनर्जनन खातिर उपयोगी होई , लेकिन नूह के आध्यात्मिक स्तर प ना होखला के चलते इ लोग आपन अपूर्णता के नया दुनिया में ले आवेले , जवन कि जल्दिए आपन बुरा फल देई।

उत्पत्ति 6:19: " *आहर तरह के जीव में से , हर तरह के द्व गो के जहाज में ले अइब , ताकि उ लो ग के अपना साथे जिंदा रखल जा सके : एगो नर आएगो मादा .*"

एक जोड़ी प्रति प्रजाति " *जेतना जिंदा बा* " के - बस प्रजनन खातिर जरूरी मानदंड - स्थलीय जानवर जीनस में ई एकलौता बचे वाला होखीहें।

उत्पत्ति 6:20: " *आ अपना तरह के चिरई , आ अपना तरह के मवेशी , आ धरती के हर रेंग त जीव में से हर तरह के द्व गो तोहरा लगे अइहें ताकि तू ओह लोग के जिंदा रख सकीले .*"

एह श्लोक में , अपना गिनती में , परमेश्वर जंगली जानवरन के जिक्र नइखन कइले , लेकिन उत्पत्ति 7:14 में ओह लोग के जहाज में सवार होखे के रूप में उद्धृत कइल जाई।

उत्पत्ति 6:21: " *अउर तू , जवन भी खाना खाइल जाला , ओकरा के लेके ओकरा के अपना साथे संग्रहित कर लीं , ताकि उ रउआ अउर उनकरा खातिर भोजन होखे .*"

एक साल ले आठलोग आजहाज पर सवार सगरी जानवरन के खियावे खातिर जवन खाना के जरूरत रहे ऊ जहाज पर बहुते जगह बना लिहले होखी .

उत्प .

निष्ठा से अउर परमेश्वर के समर्थन से , नूह अउर उनकर बेटा लोग उ काम के पूरा करेला जवन परमेश्वर के सौंपल गईल बा। आएहिजा ई याद राखे के पड़ी कि धरती एगो अकेला महादीप ह जवना के सिंचाई खाली नदी आधार से होला . अररात पहाड़ के इलाका में जहाँ नूह आउनकर बेटा लोग रहेला , उहाँ खाली एगो मैदान बा आ कवनो समुंदर नइखे। एह से उनकर समकालीन लोग नूह के बिना समुंदर के महादीप के बीच में एगो तैरत निर्माण के निर्माण करत देखत बा। तब हमनी के कल्पना कर सकेनी जा कि भगवान के आशीर्वाद मिलल छोट समूह पर ऊ लोग कवना मजाक , व्यंग्य आ अपमान के बर सात कइले होई। बाकिर उपहास करे वाला लोग जल्दिये चुनल आदमी के मजाक उड़ावल छोड़ दीहें आ ऊ लोग ओह बाढ़ के पानी में डूब जाई जवना पर ऊ लोग विश्वास ना कइल चाहत रहुवे .

उत्पत्ति 7 के बा

बाढ़ के अंतिम अलगाव

उत्पत्ति 7:1: " *प्रभु नूह से कहले , "तू आ तोहार घर के सब लोग जहाज में आजा ; काहे कि हम तोहरा के एह पीढ़ी में अपना सामने* ***धर्मी*** *देखले बानी .*"

सच्चाई के क्षण आजाला आसृष्टि के अंतिम **विरह पूरा हो जाला।** " *जहाज में प्रवेश* " से नूह अउर उनकर परिवार के जान बचावल जाई। " *जहाज* " शब्द अउर " *धार्मिकता* " के बीच एगो कड़ी बा जवन परमेश्वर नूह पर आरोपित करेलन। ई कड़ी भविष्य के " *गवाही के सन्दूक* " से गुजरेला , जवन पवित्र संदूक होई जवना में परमेश्वर के " *धर्म* " होई , जवन ओह दुनो पाटी के रूप में व्यक्त कईल गईल बा जवना प उनकर अँगुरी उनकर " ***दस आज्ञा*** " उकेरी दिही . एह तुलना में नूह अउर उनकर साथी लोग के बराबर देखावल गइल बा कि जहाज में प्रवेश करके उ सब लोग के उद्धार से फायदा होला , भले ही नूह अकेले एह ईश्वरीय नियम के साथ पहचान करे के लायक होखे , जवना के संकेत ईश्वरीय सटीकता से मिलल बा : " *हम* ***<u>तोहरा के</u>*** *धर्मी देखले* ***बानी*** ." एह से नूह अपना

जलप्रलय से पहिले के सेवकन के अपना सिद्धांतन में पहिलहीं से सिखावल गइल ईश्वरीय नियम के पूरा अनुरूप रहले।

उत्पत्ति 7:2: “ *तू हर साफ जानवर के सात जोड़ी , नर आमादा , कवनो साफ ना होखे वाला जानवर के एक जोड़ी , नर आमादा ;* ”

साफ भा अशुद्ध " के रूप में वर्गीकृत जानवर के बीच के भेद के उकसावत बाड़े . एह से इ मानक पार्थिव सृष्टि के बराबर पुरान बा अउर लेवीय 11 में , परमेश्वर खाली एह मानक के याद कइले बाड़न जवन उ शुरू से स्थापित कइले रहलन। एह से परमेश्वर के लगे , " *सब्त के दिन* " के तरह , अपना चुनल लोग से , हमनी के समय में , एह चीजन के सम्मान के मांग करे के अच्छा कारण बा जवन आदमी खातिर स्थापित उनकर व्यवस्था के महिमामंडन करेला। एकल " *अशुद्ध* " *जोड़ा खातिर* " *सात गो शुद्ध जोड़ा* " *के* चयन करके , भगवान पवित्रता खातिर आपन पसंद देखावेलन जवना के ऊ अपना "मुहर " से चिन्हित करेलन , जवन कि अपना पार्थिव परियोजना के समय के पवित्रीकरण के संख्या "7" ह।

उत्पत्ति 7:3: “ *सात जोड़ी हवा के चिरई , नर आमादा , अपना संतान के पूरा धरती पर जिंदा राखे खातिर .*”

स्वर्गदूत के स्वर्गीय जीवन के उनकर प्रतिरूप के कारण “ *हवा के चिर ई* ” के “ *सात जोड़ी* ” भी बचावल जाला।

उत्पत्ति 7:4: “ *काहे कि अबहीं सात दिन ले हम चालीस दिन चालीस रात धरती पर बरखा करब आधरती पर से हर जीव के नष्ट कर देब जवन हम बनवले बानी .*

सात " *(7)* संख्या के आजुओ जिक्र बा , जवन " *सात दिन* " के नामित करेला जवन जानवर आ आदमी के जहाज में प्रवेश के क्षण के पहिला झरना से **अलग करेला ।** भगवान " *40 दिन 40 रात* " तक लगातार बरखा कर दिहे . ई संख्या "40" परीक्षण के ह। इ हिब्रू जासूस के कनान के देश में भेजला के " *40 दिन* " *अवुरी* दिग्गजन के आबादी वाला देश में प्रवेश करे से इनकार करे के नतीजा में रेगिस्तान में जीवन अवुरी मौत के " *40 साल* " *के बारे में होई। अउर अपना पार्थिव सेवा में प्रवेश कइला पर , यीशु* " *40 दिन 40 रात* " के उपवास के बाद शैतान के परीक्षा में सौंपल जाई । मसीह के पुनरुत्थान अउर पेंटेकोस्ट में पवित्र आत्मा के बहाव के बीच भी " *40 दिन* " होई ।

भगवान खातिर एह मुसलाधार बरखा के मकसद बा कि ऊ " *ऊ बनवले जीव* " के नाश कर देव . एह तरह से ऊ हमनी के याद दिलावत बाड़न कि , सृष्टिकर्ता भगवान के रूप में , उनकर सभ प्राणी के जान उनकर हवे , ओह लोग के बचावे भा नाश करे खातिर। ऊ आवे वाली पीढ़ियन के एगो कड़ुआ

सबक सिखावल चाहत बाड़न जवना के ऊ लोग ना भुलाए के चाहीं .

उत्पत्ति 7:5: " *नूह उ सब कुछ कइलन जवन याहवे के आज्ञा देले रहले .*"

वफादार अउर आज्ञाकारी , नूह परमेश्वर के निराश ना करेलन अउर उ हर काम के पूरा करेला जवन उ ओकरा के आदेश देले बा।

उत्पत्ति 7:6: " *जब धरती पर पानी के बाढ़ आइल रहे तब नूह छह सौ साल के रहले .*"

समय के बारे में अउरी विस्तार से बतावल जाई , लेकिन इ श्लोक में जलप्रलय के पहिलही से नूह के जीवन के 600वां साल में रखल गईल बा। 500वां साल में पहिला बेटा के जन्म के बाद से , 100 साल बीत गईल।

उत्पत्ति 7:7: " *जब नूह , उनकर बेटा , उनकर मेहरारू आउनकर बेटा लोग के मेहरारू लोग जलप्रलय के पानी से बचे खातिर जहाज में घुस गइलन .*"

बाढ़ से मात्र आठजने बाच जइहें।

उत्पत्ति 7:8: " *साफ जानवरन के आ साफ ना होखे वाला जानवरन के , चिरई के आधरती पर रेंगत हर चीज के ,* " *धरती पर चले वाला हर चीज " के एगो जोड़ी* बचावे खातिर जहाज में घुस जाला । बाकिर कवना " *धरती* " से , जलप्रलय से पहिले के भा जलप्रलय के बाद के ? " *चाल* " क्रिया के वर्तमान काल मूसा के समय के जलप्रलय के बाद के धरती के सुझाव देला , जेकरा के भगवान अपना कहानी में अपना के संबोधि त कइले बाड़न। ई सूक्ष्मता कुछ राक्षसी प्रजाति सभ के छोड़े आ पूरा तरीका से सफाया करे के जायज ठहरा सके ले , जे पुनर्आबादी धरती पर नाचाहा रहलें , अगर साँचहू ई बाढ़ से पहिले से मौजूद रहलें।

उत्पत्ति 7:9: " *अउर दू -दू आदमी नूह के पास जहाज में घुस गईले , एगो नर आएगो मादा , जईसे कि परमेश्वर नूह के आज्ञा देले रहले .*"

सिद्धांत जानवरन से संबंधित बा , बाकिर उनकर तीन गो बेटा आओह लोग के मेहरारू से बनल तीन गो मानव जोड़ा आ उनकर आपन जोड़ा के भी , जवन उनका आ उनकर मेहरारू से संबंधित बा। भगवान के चुनाव खाली जोड़ा के चुने के हमनी के उ भूमिका के खुलासा करेला जवन परमेश्वर ओह लोग के दिहे : प्रजनन अउर गुणा।

उत्पत्ति 7:10: " *सात दिन बाद जलप्रलय के पानी धरती पर आगईल .*"

साल के दूसरा महीना के दसवाँ दिन यानी 17वां साल से 7 दिन पहिले भइल निम्नलिखित श्लोक 11 में संकेत दिहल गइल बा , एही दसवाँ दिन पर ही भगवान खुद जहाज के " *दरवाजा* " *बंद कर दिहलन , जवना के उद्धृत सटीकता के अनुसार , एह अध्याय 7 के पद 16 में दिहल गइल बा।*

उत्पत्ति 7:11: “ *नूह के जीवन के छह सौवाँ साल में , दूसरा महीना में , महीना के* ***सतरहवाँ*** *दिन , ओही दिन बड़हन गहिराई के सब फव्वारा फाट गइल आस्वर्ग के खिड़की खुल गइल।* ”

भगवान नूह के 600वां साल के " *दूसरा महीना के* ***सतरहवाँ दिन*** " चुनले बाड़न कि " *स्वर्ग के खिड़की खोलल जा सके* ." **17** नंबर बाइबल के ओकर संख्यात्मक कोड अउर ओकर भविष्यवाणी में **न्याय** के प्रतीक ह ।

उत्पत्ति 6 के चुनल लोग के उत्तराधिकार द्वारा स्थापित गणना 1656 में जलप्रलय के रखले बा , जब से हव्वा अउर आदम के पाप भइल रहे , यानी दुनिया के अंत के साल 6001 के बसंत से 4345 साल पहिले जवन हमनी के सामान्य कैलेंडर में 2030 के बसंत में पूरा होई , अउर ईसा मसीह के प्रायश्चित करे वाला मौत से 2345 साल पहिले जवन हमनी के 30 अप्रैल के भइल रहे झूठा आ भ्रामक मानवीय कैलेंडर।

उत्पत्ति 8:2 में निम्नलिखित व्याख्या दोहरावल जाई। एह श्लोक में " *गहिराह के झरना* " के पूरक भूमिका के जिक्र करके भगवान हमनी के इ बतावत बाड़न कि बाढ़ खाली आकाश से आवे वाली बरखा के कारण ना भइल रहे। ई जान के कि " *गहिरा* " सृष्टि के पहिला दिन से पूरा तरीका से पानी से ढंकल धरती के कहल जाला , एकर " *झरना* " खुद समुंद्र के कारण पानी के स्तर में बढ़ती के सुझाव देला। ई घटना समुंद् र के तल के स्तर में बदलाव से मिले ले जे बढ़ती से पानी के स्तर तब ले ऊपर ले जाले जब ले कि ऊ ओह स्तर पर ना पहुँच जाले जे पहिला दिन पूरा पृथ्वी के ढंक लिहले रहे। समुंदर के गहिराई के डूबला से ही तीसरा दिन पानी से सूखा जमीन निकलल आ उल्टा कार्रवाई से ही सूखा जमी न बाढ़ के पानी से ढंकल रहे। " *स्वर्ग के खिड़की* " नाम के बरखा खाली इ बतावे खातिर उपयोगी रहे कि सजा स्वर्ग से , स्वर्गीय भगवान से आईल बा। बाद में “ *स्वर्ग के खिड़की* ” के ई छवि आशीष के उल्टा भूमिका निभावी जवन ओही आकाशीय भगवान से मिलेला।

उत्पत्ति 7:12: “ *आचाली स दिन चालीस रात धरती पर बरखा भइल .*”

ई घटना अविश्वासी पापी लोग के हैरान कर दिहले होई। खास कर के एहसे कि एह बाढ़ से पहिले बरखा के अस्तित्व ना रहे . जलप्रलय से पहिले के धरती के सिंचाई आपानी एकरे नदी आधारा सभ से भइल ; एह से बरखा के जरूरत ना रहे ; एकर जगह एगो सबेरे के ओसले लिहलस। आ एह से पता चलत बा कि काहे नूह के घोषणा पानी के बाढ़ पर विश्वास करे में अविश्वासी लोग के दिक्कत भइल , शब्दन में आ काम में , काहे कि ऊ जहाज के सूखल जमीन पर बनवले रहले .

40 दिन आ 40 रात " के समय परीक्षण के समय के लक्ष्य बनावेला। बदला में , मिस्र से मुश्किल से बाहर निकलल शारीरिक इस्राएल के परीक्षा मूसा के अनुपस्थिति के दौरान होई , जवना के परमेश्वर एह दौरान उनुका संगे रखले रहले। एकर नतीजा होई कि "सोना के बछड़ा " हारून के सहमति से पिघल जाई , जवन कि मूसा के मांस में भाई हवे। एकरा बाद कनान के भूमि के खोज करे के " *40 दिन 40 रात* " होई , जवना के नतीजा में लोग एकरा में रहे वाला दिग्गज के चलते प्रवेश से इनकार क दिही। बदला में , यीशु के " *40 दिन आ40 रात* " खातिर परीक्षा होई , लेकिन अबकी बेर , भले ही उ एह लंबा उपवास से कमजोर हो गईल बाड़े , लेकिन उ शैतान के विरोध करीहे जवन उनुका के परीक्षा दिही अवु री अंत में उनुका के बिना जीत हासिल कईले छोड़ दिहे। यीशु खातिर इहे रहे जवन उनकर पार्थिव सेवा के संभव अउर वैध बना दिहलस।

उत्पत्ति 7:13: " *ओही दिन नूह , शेम , हाम आ याफेत , नूह के बेटा , नूह के मेहरारू आउनकर तीन गो बेटा के मेहरारू लोग जहाज में घुसल लोग* ।

एह श्लो क में मानव पार्थिव जीव के दुनो लिंग के चयन के रेखांकित कईल गईल बा। हर मानव नर के साथे " *ओकर सहायक* " होला , ओकर मादा के " *औरत* " कहल जाला . एह तरह से हर जोड़ा अपना के मसीह अउर उनकर कलीसिया के प्रतिरूप में प्रस्तुत करेला , "उनकर सहायक ", उनकर चुनल आदमी जेकरा के उ बचाई। काहे कि "सन्दूक " के आश्रय ही उद्धार के पहिला छवि ह जवन उ मनुष्य के सामने प्रकट करीहे।

उत्पत्ति 7:14: " *उ लोग , आहर जानवर अपना तरह के , हर तरह के मवेशी , हर रेंगत जीव जे अपना तरह के धरती पर रेंगत बा , हर तरह के चिरई , हर चिरई , हर तरह के पाँख वाला* ."

प् रजाति " शब्द पर जोर देके भगवान अपना स्वभाव के नियमन के याद करत बाड़न जवना के हमनी के अंतिम युग में मानवता जानवरन खातिर आमानव जाति खातिर भी चुनौती देवे , उल्लंघन करे , आ सवाल उठावे में मस्त रहेले। प्रजाति के शुद्धता के ओकरा से बड़ कवनो रक्षक ना हो सकेला। आऊ माँग करेलें कि उनकर चुनल लोग एह बिसय पर उनकर दिव्य राय साझा करे , काहें से कि उनकर मूल सृष्टि के सिद्धता एह पवित्रता आ प्रजाति सभ के बिल्कुल **अलगाव में रहे।**

पंख वाला प्रजाति पर जोर देके भगवान पाप के धरती आ हवा के शैतान के अधीन राज्य के रूप में सुझाव देले बाड़न , जेकरा के खुद इफिसियों में " *हवा के शक्ति के राजकुमार* " *कहल गइल बा।* 2:2 के बा।

उत्पत्ति 7:15: " *उ लोग दू -दू -दू गो नूह के लगे जहाज में चल गईले , जवना में जीवन के सांस बा* ."

भगवान के चुनल हर जोड़ा अपना तरह के जोड़ा से **अलग हो जाला** ताकि जलप्रलय के बाद भी उनकर जीवन जारी रहे। एह निश्चित **अलगाव में** , भगवान ओह दुनो रास्ता के सिद्धांत के काम में ले आवेलन जवना के ऊ स्वतंत्र मानवीय पसंद के सामने रखेलन : अच्छाई के जीवन में ले जाला लेकिन बुराई के मौत के ओर ले जाला।

उत्पत्ति 7:16: " *अउर परमेश्वर नूह के आज्ञा के अनुसार सब शरीर के नर-मारी अंदर आगईले। अउर यहोवा ओकरा पर दरवाजा बंद कर दिहलस* ."

प्रजाति " के प्रजनन के उद्देश्य के पुष्टि इहाँ " *नर आमादा* " के उल्लेख से होला ।

इहाँ उ क्रिया बा जवन एह अनुभव के आपन सब महत्व देला अउर ईश्वरीय अनुग्रह के समय के अंत के भविष्यवाणी वाला चरित्र देला : " *तब याहवेह ओकरा पर दरवाजा बंद कर दिहलस* ." इहे उ पल ह जब जीवन आ मौत के भाग्य बिना कवनो संभावित बदलाव के **अलग हो जाला** । 2029 में भी इहे होई , जब ओह समय के बचे वाला लोग भगवान आ उनकर सातवाँ दिन के सब्त के दिन , यानी शनिचर के सम्मान करे के विकल्प चुनले होई , या रोम आ ओकर पहिला दिन के अतवार के सम्मान करे के , विद्रोही मानवता द्वारा एगो फरमान के रूप में पेश कइल गइल अल्टीमेटम के अनुसा र। उहाँ फिर से , " *अनुग्रह के दरवाजा* " परमेश्वर द्वारा बंद कर दिहल जाई , " *जे खुलेला , अउर जे बंद करेला* " प्रकाशितवाक्य 3:7 के अनुसार।

उत्पत्ति 7:17: “ *जलप्रलय धरती पर चालीस दिन तक रहल , पानी बढ़ल आजहाज के ऊपर उठा दिहलस आऊ धरती से ऊपर उठ गइल* .”

मेहराब के उठा वल जाला।

उत्पत्ति 7:18: “ *धरती पर पानी बहुत बढ़ल , आजहाज पानी के ऊपर तैर गइल* .”

जहाज बहत रहेला।

उत्पत्ति 7:19: “ *पानी प्रबल हो गइल , आपूरा आकाश के नीचे के हर ऊँच पहाड़ ढंकल गइल* .”

सूखल माटी सार्वभौमिक रूप से गायब हो जाले , पानी में डूबल हो जाले।

उत्पत्ति 7:20: “ *पानी पहाड़ से पन्द्रह हाथ ऊपर उठल आढंकल रहे* .”

ओह समय के सबसे ऊँच पहाड़ लगभग 8 मीटर पानी से ढंकल रहे।

उत्पत्ति 7:21: “ *धरती पर चले वाला सब कुछ मर गइल , चिरई , मवेशी आ जानवर , धरती पर रेंगत सब कुछ आ सभे आदमी* .”

हवा में साँस लेवे वाला सभ जानवर डूब जाले। चिरई के बारे में विस्तार अउरी दिलचस्प बा काहे कि

बाढ़ अंतिम न्याय के भविष्यवाणी के छवि ह, जवना में शैतान जइसन आकाशीय प्राणी के साथे -साथे पार्थिव प्राणी के सफाया हो जाई।

उत्पत्ति 7:22: " *जेकर नाक के छेद में जीवन के साँस रहे , जवन सूखल जमीन पर रहे , उ सब मर गईल .*"

मनुष्य जइसन रचल सब जीव , जेकर जीवन ओकर साँस पर निर्भर बा , डूब जाला। बाढ़ के सजा पर इहे एकमात्र परछाई बा काहे कि अपराध सख्ती से आदमी पर बा आकवनो ना कवनो तरीका से निर्दोष जानवरन के मौत अन्याय बा . बाकिर विद्रोही मानवता के पूरा तरह से डूबावे खातिर भगवान ओह जान वरन के अपना साथे मारे के मजबूर हो जालें जवन ओह जानवरन का तरह धरती के वायुमंडल के हवा में साँस लेत बाड़े . अंत में एह फैसला के समझे खातिर ई विचार करीं कि भगवान धरती के अपना प्रतिरूप में बनल आदमी खातिर बनवले बाड़न आना कि ओह जानवर खातिर जवन कि ओकरा के घेरले , ओकरा साथे रहे आपशुधन के मामला में ओकर सेवा करे खातिर बनावल गइल बा।

उत्पत्ति 7:23: " *धरती पर मौजूद हर जीव के नाश हो गइल , आदमी से लेके मवेशी से लेके रेंगत जीव से लेके हवा के चिरई तक। उ धरती से नाश हो गईल। खाली नूह अउर जहाज में उनकरा साथे रहे वाला* ***<u>लोग ही रह गईल</u>*** । "

इ श्लोक ओह अंतर के पुष्टि करेला जवन परमेश्वर नूह अउर उनकर मानव साथी लोग के बीच करेलन जे खुद के जानवरन के साथे समूहबद्ध पावेलन , सब के उल्लेख अउर चिंतित " *उनकरा साथे* ***<u>का रहे।</u>*** " *जहाज में* ."

उत्पत्ति 7:24: " *पानी धरती पर एक सौ पचास दिन तक चलल .*"

" *एक सौ पचास दिन* " के शुरुआत 40 दिन 40 रात के लगातार बरखा के बाद भइल जवना से बाढ़ पैदा भइल . ओह घरी " *15 हाथ* " के अधिकतम ऊंचाई यानी " *सबसे ऊँच पहाड़* " से लगभग 8 मीटर ऊपर पहुँचला के बाद पानी के स्तर " *150 दिन* " तक स्थिर रहल। एकरा बाद धीरे -धीरे कम होखत गईल जब तक कि भगवान के मनचाहा सुख ना गईल।

<u>नोट</u> : भगवान जीवन के एगो विशाल मानक में बनवले बाड़न जवन जलप्रलय से पहिले के आदमी आ जानवरन से संबंधित रहे। बाकिर बाढ़ के बाद उनकर प्रोजेक्ट के मकसद बा कि उनकर सगरी जीव सभ के आकार आनुपातिक रूप से कम कइल जाय , एह तरीका से , जिनगी के जनम जलप्रलय के बाद के मानक में हो खी। कनान में घुसला पर इब्रानी जासूस लोग गवाही देत बा कि ऊ लोग अंगूर के अतना बड़हन गुच्छा अपना आँख से देखले बा कि ओकरा के ले जाए खातिर ओह लोग के आकार के दू आदमी के जरूरत पड़ल . एह से आकार में कमी के संबंध पेड़ , फल आसब्जी से भी जरूरी बा। एह तरह से सृष्टिकर्ता कबो सृजन ना

छोड़ेलें , काहें से कि समय के साथ ऊ अपना स्थलीय सृष्टि के संशोधित आ ओह नया जीवन के स्थिति के अनुकूल बनावे ला जे थोपल जाला। ऊ पृथ्वी के उष्णकटिबंधीय आ भूमध्यरेखीय इलाका में तेज सौर विकिरण के संपर्क में रहे वाला मनुष्य के त्वचा के करिया रंग के र चना कइले बाड़न जहाँ सूरज के किरण धरती पर 90 डिग्री पर प्रहार करेले। त्वचा के बाकी रंग सूरज के रोशनी के मात्रा के आधार प कम-बेसी सफेद चाहे पीयर अवुरी कम-बेसी तांबा निहन होखेला। लेकिन खून के चलते आदम (लाल) के मूल लाल रंग सभ इंसान में पावल जाला।

बाइबल में जलप् रलय से पहिले के जीवित जानवरन के प्रजाति के विस्तृत नाम निर्दिष्ट नइखे कइल गइल। भगवान एह विषय के रहस्यमयी छोड़ देले , बिना कवनो खास खुलासा के , हर केहू अपना -अपना तरीका से चीजन के कल्पना करे के तरीका से स्वतंत्र बा। बाकिर हम ई परिकल्पना रखनी कि स्थलीय जीवन के एह पहिला रूप के एगो सिद्ध चरित्र देबे के चाहत भगवान ओह समय ओह प्रागैतिहासिक राक्षसन के ना बनवले रहले जवना के हड्डी आजु , वैज्ञानिक शोधकर्ता लोग के , धरती के माटी में मिलेला . साथ ही , हम ई संभावना सामने रखले बानी कि ई लोग जलप्रलय के बाद भगवान के द्वारा बनावल गइल बा , एह से कि धरती के अभिशाप के अउरी तेज कइल जा सके जवन मनुष्य खातिर , जल्दी से , फेरु से उनकरा से मुड़ जाई। ओकरा से अपना के काट के एह तरह से उ लोग आपन बुद्धि अउर उ महान ज्ञान खो दिही जवन परमेश्वर आदम से नूह के देले रहले। ई, एतना कि धरती के कुछ खास जगहन प र , आदमी अपना के "गुफा के आदमी " के पतित अवस्था में पाई जवना पर क्रूर जानवरन के हमला आधमकी दिहल जाई , जवना के समूह में , एकरा बावजूद ऊ प्राकृतिक खराब मौसम आ भगवान के दयालु सद्भावना के अनमोल मदद से नष्ट कर सकेला .

उत्पत्ति 8 के बा

जहाज पर सवार लोग के अस्थायी अलगाव

उत्प .

निश्चिंत रहीं , ऊ एकरा के कबो ना भुला पवले बाकिर ई साँच बा कि तैरत जहाज में बंद जीवन के ई अनोखा जुटान मानवता आ जानवरन के प्रजाति के अतना कम देखावेला कि भगवान के छोड़ल लउकेला . दरअसल , ई जीवन बिल्कुल सुरक्षित बा काहे कि भगवान एकरा के खजाना निहन देखत रहेले। ई उनकर सबसे कीमती

संपत्ति हवें : धरती के फेर से आबाद करे वाला आओकर सतह पर फइलल पहिला फल।

उत्पत्ति 8:2: “ *गहिराह के फव्वारा आ आकाश के खिड़की बंद हो गइल , आअब स्वर्ग से बरखा ना भइल .*”

भगवान अपना जरूरत के हिसाब से बाढ़ के पानी के रचना करेले। उ लोग कहाँ से आवत बा ड़ें ? आसमान से , लेकिन सबसे ऊपर भगवान के सृजनात्मक शक्ति से। ताला राखे वाला के छवि लेके ऊ प्रतीकात्मक आकाशीय बाढ़ के फाटक खोल देला आऊ समय आजाला जब ऊ फेर से बंद कर देला .

गहिराह के स्रोत " के पूरक भूमिका के जिक्र करके भगवान हमनी के बतावेलन कि बाढ़ खाली आसमान से आवे वाली बरखा के कारण ना भइल रहे। ई जान के कि " *गहिरा* " सृष्टि के पहिला दिन से पूरा तरीका से पानी से ढंकल पृथ्वी के कहल जाला , एकर " *स्रोत* " खुद समुंद्र के कारण पानी के स्तर में बढ़ती के सुझाव देला। ई घटना समुंद्र के तल के स्तर में बदलाव से मिले ले जे , बढ़ के , पानी के स्तर के तब ले बढ़ा देला जब ले कि ऊ ओह स्तर पर ना पहुँच जाला जे पहिला दिन पूरा पृथ्वी के ढंक लिहले रहे। समुंदर के गहिराई के डूबला से ही 3 दिने सूखा जमीन पानी से निकलल आ उल्टा कार्रवाई से ही सूखा जमीन बाढ़ के पानी से ढंकल रहे। " *स्वर्ग के खिड़की* " नाम के बरखा खाली इ बतावे खातिर उपयोगी रहे कि सजा स्वर्ग से , स्वर्गीय भगवान से आईल बा। बाद में “ *स्वर्ग के खिड़की* ” के ई छवि आशीष के उल्टा भूमिका निभावी जवन ओही आकाशीय भगवान से मिलेला।

सृष्टिकर्ता के रूप में भगवान पलक झपकते , अपना सनक पर बा ढ़ के रचना कर सकत रहले। हालांकि ऊ अपना पहिलहीं से बनल रचना पर धीरे -धीरे काम कइल पसंद कइलन . एह तरह से ऊ मानवता के देखावेला कि प्रकृति ओकरा हाथ में एगो शक्तिशाली हथियार ह , एगो शक्तिशाली साधन जवना में ऊ आपन आशीर्वाद भा अभिशाप चढ़ावे खातिर हेरफेर करेला कि ऊ भलाई खातिर काम करेला कि बुराई खातिर .

उत्पत्ति 8:3: “ *पानी धरती से वापस आके चल गईल , आ 150 दिन के अंत में पानी कम हो गईल .*”

40 दिन आ 40 रात के लगातार बरखा आएकरे बाद 150 दिन के सभसे ढेर पानी के स्तर पर स्थिरता के बाद पानी के स्तर में गिरावट आवे लागे ला। धीरे -धीरे समुंद्र के गहिराई के स्तर फिर से गिर जाला , बाकी बाढ़ से पहिले जइसन गहिराह ना गिर जाला।

उत्पत्ति 8:4: “ *सातवाँ महीना में , महीना के सतरहवाँ दिन , जहाज अरारत के पहाड़न पर टिक गइल .*”

दिन के पांच महीना , " *सातवाँ महीना के सतरह तारीख के* ," जहाज के तैरना बंद हो जाला ; ई अरारत के

सबसे ऊँच पहाड़ पर टिकल बा। ई संख्या "सतरह " ईश्वरीय न्याय के काम के अंत के पुष्टि करेला। एह परिशुद्धता से साफ बा कि , जलप्रलय के दौरान , जहाज ओह इलाका से दूर ना बढ़ल जहाँ ई नूह आउनकर बेटा लोग बनवले रहे। आ भगवान चाहत रहले कि बाढ़ के ई सबूत दुनिया के अंत ले लउकत रहे , अरारात पर्वत के एही चोटी पर , जवना में जाए खातिर रूस आ तुर्की अधिकारियन के रोक रहे आ बा . लेकिन उनुका द्वारा चुनल गईल समय में भगवान हवाई फोटो लेवे के पक्षधर रहले जवन कि बर्फ अवुरी बर्फ में फंसल जहाज के एगो टुकड़ा के मौजूदगी के पुष्टि करत रहे। आज उपग्रह के निरीक्षण से एह मौजूदगी के सशक्त पुष्टि हो सकेला। बाकिर स्थलीय अधिकारियन के ठीक से सृष्टिकर्ता भगवान के महिमा करे के कोशिश नइखे कइल गइल ; ऊ लोग ओकरा प्रति दुश्मन के व्यवहार करेला आ पूरा न्याय में भगवान ओह लोग के बढ़िया से बदला देत बाड़ न, ओह लोग पर महामारी आ आतंकी हमला से प्रहार कर के .

उत्पत्ति 8:5: " *दसवाँ महीना तक पानी लगातार घटत गइल आ दसवाँ महीना में महीना के पहिला दिन पहाड़न के चोटी लउकल .*"

पानी के स्तर में कमी सीमित बा काहें से कि बाढ़ के बाद पानी के स्तर जलप्रलय से पहिले के जमीन से ढेर होखी। प्राचीन घाटी सभ डूबल रही आ वर्तमान अंतर्देशीय समुंद्र सभ के रूप ले लीहें जइसे कि भूमध्य सागर , कैस्पियन सागर , लाल सागर , काला सागर इत्यादि।

उत्पत्ति 8:6: " *चालीस दिन के अंत में नूह जहाज में बनल खिड़की खोल दिहलन .*"

150 दिन के स्थिरता अवुरी 40 दिन के इंतजार के बाद नूह पहिला बेर छोट खिड़की खोलले। एकर छोट आकार , एक हाथ भा 55 सेमी , जायज रहे काहें से कि एकर एकमात्र इस्तेमाल अइसन चिरई सभ के छोड़े खातिर रहे जे एह तरीका से जीवन के जहाज से बच सके लीं।

उत्पत्ति 8:7: " *ऊ काग के भेज दिहलन आ ऊ उड़ के बाहर निकल गइल जबले धरती से पानी ना सूख गइल .*

सृष्टि के शुरुआत के क्रम " *अन्हार आरोशनी* " भा " *रात आ दिन* " के अनुसार उकसावल जाला । साथ ही , भेजल गइल पहिला खोजकर्ता **अशुद्ध** " *काग* " हवे , जेकर पंख " *रात* " नियर " **करिया** " होला। ऊ भगवा न के चुनल नूह से स्वतंत्र रूप से स्वतंत्र रूप से काम करेला। एह से ऊ ओह अन्हार धर्मन के प्रतीक हवें जवन भगवान से कवनो संबंध के बिना सक्रिय हो जाई।

अउरी सटीक रूप से कहल जाव त इ पुरान वाचा के शारीरिक इस्राएल के प्रतीक ह, जवना में परमेश्वर बार -बार अपना भविष्य वक्ता लोग के भेजत रहले , जइसे

कि काग के आवे -जाए के समय , अपना लोग के पाप के प्रथा से बचावे के कोशिश करे। " *काग* " के तरह ई इस्राएल , जेकरा के आखिरकार भगवान के नकार दिहल गइल , ओकरा से **अलग होके आपन इतिहास जारी रखलस।**

उत्पत्ति 8:8: " *उ एगो कबूतर भी भेजलन कि धरती के पानी कम हो गइल बा कि ना .*"

एही क्रम में **शुद्ध** " *कबूतर* " , जेकर पंख बर्फ नियर " **सफेद** " होला , के टोही में भेजल जाला। एकरा के " *दिन आरोशनी* " के चिन्ह के नीचे राखल जाला । अइसे , ई यीशु मसीह के बहावल खून पर आधारित नया वाचा के भविष्यवाणी करेला।

उत्पत्ति 8:9: " *लेकिन कबूतर के गोड़ के तलवा खातिर आराम करे के जगह ना मिलल , अउर उ जहाज में वापस आगईल , काहे कि पानी पूरा धरती के ऊपर रहे। उ आपन हाथ बढ़ा के ओकरा के पकड़ के जहाज में अपना लगे ले गईल ।* "

स्वतंत्र करिया " *काग* " के बिपरीत , सफेद " *कबूतर* " नूह से गहिराह संबंध बा , जे अपना साथे " *ओकरा के ले जाए आजहाज में ले आवे खातिर आपन हाथ* " *पेश करे ला।* ई ओह बंधन के छवि ह जवन चुनल आदमी के स्वर्ग के भगवान से जोड़ देला। " *कबूतर* " एक दिन यीशु मसीह पर आराम करी जब उ यूहन्ना बपतिस्मा देवे वाला के सामने प्रकट होई कि उ उनकरा से बपतिस्मा लेवे।

हमार सुझाव बा कि रउवां एह दुनो बाइबिल के उद्धरण के तुलना करीं ; कि एह श्लोक के : " *लेकिन कबूतर के आपन गोड़ के तलवा आराम करे खातिर कवनो जगह ना मिलल* " मत्ती 8:20 से एह श्लोक के साथ : " *यीशु जवाब दिहलन आ कहलन , लोमड़ी के छेद बा , आ हवा के चिरई के घोंसला बा ; लेकिन आदमी के बेटा के माथा रखे के जगह नइखे* "; अउर यूहन्ना 1:5 अउर 11 से इ श्लोक , जहाँ मसीह के बारे में बात करत बाड़न कि *जीवन के दिव्य* " *प्रकाश* " के अवतार हवें , उ कहत हउवें : " *रोशनी अन् हार में चमकेला , अउर अन्हार ओकरा के ना समझलस .../ ...उ अपना में अइले , अउर उनकर ना समझल* । " जइसे " *कबूतर* " नूह के लगे वापस आगइल , अपना के उनकरा द्वारा ले जाए के अनुमति देत , " *उनकर हाथ* " में , जिंदा कइल गइल , मुक्तिदाता यीशु मसीह स्वर्ग में चढ़ गइलन , स्वर्गीय पि ता के रूप में अपना ईश्वरीयता के ओर, अपना चुनल लोग के मोक्ष के संदेश के धरती पर छोड़ के , उनकर सुसमाचार के प्रकाशितवाक्य 14:6 में " *अनन्त सुसमाचार* " *कहल गइल।* अउर प्रकाशितवाक्य 1:20 में : उ " *सात कलीसिया* " द्वारा भविष्यवाणी कइल गइल " *सात युग* " में ओह लोग के " *अपना हाथ में* " *पकड़ लीहें* जहाँ उ ओह लोग के ईश्वरीय पवित्रीकरण में हिस्सा बनावे के आपन " *प्रकाश* " जवना के प्रतिमा " *सात दीपक खड़ा* " से बनल बा।

उत्पत्ति 8:10: “ *उ सात दिन अउरी इंतजार कइलन आ फेर से कबूतर के जहाज से बाहर भेज दिहलन .”*

" सात दिन " के ई दोहरा याद दिलावत हमनी के सिखावेला कि नूह खातिर , जइसे कि आज हमनी के खातिर , जीवन के स्थापना आक्रमबद्धता भगवान द्वारा " सात दिन " के हफ्ता के एकता पर कइल गइल रहे , जवन भी उनकर महान बचाव परियोजना के " *सात हजार* " साल के प्रतीकात्मक एकता ह। एह सं ख्या " *सात* " के जिक्र पर ई जिद हमनी के ई समझे के अनुमति देला कि भगवान एकरा के कतना महत्व देत बाड़न ; जवन मसीह के गौरवशाली वापसी तक एकरा पर विशेष रूप से शैतान के हमला के जायज ठहराई जे अपना पार्थिव प्रभुत्व के अंत कर दिही।

उत्पत्ति 8:11: “ *साँझ के कबूतर ओकरा लगे लवटल , आ देखलस कि ओकरा मुँह में जैतून के पत्ता उखाड़ल गइल रहे , एह से नूह के पता चलल कि धरती से पानी कम हो गइल बा .”*

शाम " शब्द से घोषित " *अन्हार* " के लंबा समय के बाद , उद्धार के आशा अउर पाप से मुक्ति के आनंद " *जैतून के पेड़* " के प्रतिरूप के नीचे आजाई , क्रमशः पुरान आफिर नया वाचा के। जइसे नूह के एगो " *जैतून के पत्ता* " से पता चलल कि उम्मीद आ प्रतीक्षित देश उनकर स्वागत करे खातिर तइयार हो जाई , " *परमेश्वर के बेटा " सीखिहें आसमझिहें कि* **स्वर्ग से भेजल आदमी ,** यीशु मसीह , स्वर्ग के राज्य ओह लोग खातिर खोल दिहले बा ड़न ।

ई " *जैतून के पत्ता* " नूह के गवाही दिहलस कि पेड़ के अंकुरण आबढ़ल एक बेर फेरु से संभव बा।

उत्पत्ति 8:12: “ *ऊ सात दिन अउरी इंतजार कइलन आ कबूतर के भेज दिहलन , बाकिर ऊ ओकरा लगे ना लवटल .”*

ई चिन्ह निर्णायक रहे , काहे कि एहसे साबित हो गइल कि " *कबूतर* " प्रकृति में रहे के चुनले रहे जवन एक बेर फेरु ओकरा के खाना चढ़ावत रहे।

जइसे " *कबूतर* " आपन आशा के संदेश देला के बाद , अपना चुनल लोग के छुटकारा पावे खातिर धरती पर आपन जान देला के बाद गायब हो जाला , ओइसहीं ईसा मसीह , " *शांति के राजकुमार* ", धरती आअपना चेलन के छो ड़ के चल जइहें , ओह लोग के स्वतंत्र आ स्वतंत्र छोड़ दीहें कि ऊ लोग अपना अंतिम गौरवशाली वापसी तक आपन जीवन जी सके।

उत्पत्ति 8:13: “ *छह सौ एक साल में , पहिला महीना में , महीना के पहिला दिन , धरती से पानी सूख गईल , तब नूह जहाज से ढक के हटा के देखले , त देखले कि धरती के चेहरा सूख गईल रहे .”*

धरती के सुखावल अबहियों आंशिक बा बाकिर आशाजनक बा , एहसे नूह जहाज के छत खोल के जहाज के बाहर

देखे के जिम्मा लेला आई जान के कि ऊ अरारात पर्वत के चोटी पर जमीन पर डूब गइल बा , ओकर दृष्टि क्षितिज के ऊपर बहुत दूर आ बहुत व्यापक रूप से फइलल। बाढ़ के अनुभव में जहाज एगो बच्चा निकलल अंडा के छवि ले लेला। बच्चा निकले के क्षण में चिक खुद ओह खोल के तोड़ देला जवना में ऊ बंद रहे। नूह भी इहे काम करेला ; ऊ " *जहाज के आवरण हटा देला* " जवन अब ओकरा के मुसलाधार बरखा से बचावे में काम ना करी . ध्यान दीं कि भगवान ओह जहाज के दरवाजा खोले खातिर ना आवेलें जवना के ऊ खुद बंद कर दिहले रहले ; एकर मतलब ई बा कि ऊ ओह पार्थिव विद्रोहियन के प्रति अपना न्याय के मानक पर सवाल ना उठावे भा बदले जिनका खातिर उद् धार आस्वर्ग के दरवाजा हमेशा बंद रही .

उत्पत्ति 8:14: " *दूसरा महीना में , महीना के सत्ताईसवाँ दिन , धरती सूख गईल .*"

जहाज पर चढ़े के दिन से आ भगवान के दरवाजा बंद करे के दिन से 377 दिन तक पूरा तरह से जहाज में बंद रहला के बाद धरती फिर से रहे लायक हो जाले।

उत्पत् ति 8:15: " *तब परमेश्वर नूह से कहलन कि :*

उत्पत्ति 8:16: " *तू आ आपन मेहरारू , आपन बेटा आ आपन बेटा के मेहरारू अपना साथे जहाज से निकल जा .*"

" *जहाज* " से बाहर निकले के संकेत देत बाड़े , उहे बाढ़ से पहिले ओकरा में सवार लोग पर एकमात्र " *दरवाजा* " *बंद कर देले रहले।*

उत्पत्ति 8:17: " *अपना साथे हर जीव - जंतु , चिरई - चुरुंग अउर हर रेंगत जीव , जवन धरती पर रेंगत बा , ओकरा के बाहर ले आवऽ, अउर उ धरती पर फइलल होखे अउर धरती पर फल-फूल होखे अउर बढ़े .*"

ई दृश्य सृष्टि सप्ताह के पाँचवाँ दिन के दृश्य से मिलत जुलत बा , बाकिर ई कवनो नया सृष् टि नइखे , काहे कि जलप्रलय के बाद पृथ्वी के पुनर्जनसंख्या पृथ्वी के इतिहास के पहिला 6,000 साल खातिर भविष्यवाणी कइल गइल परियोजना के एगो चरण हवे। भगवान के इरादा रहे कि ई चरण भयानक आ मनावे वाला होखे . उ अपना दिव्य निर्णय के प्रभाव के घातक प्रमाण मानवता के देले। एगो प्रमाण जवन 2 पतरस 3:5-8 में याद कइल जाई : " *काहेकि उ लोग अनजान ह कि परमेश्वर के वचन से पहिले आकाश के अस्तित्व रहे , अउर धरती पानी से पानी से बनल रहे। एही चीजन से उ समय पानी से उमड़ल दुनिया के नाश हो गईल। लेकिन उहे शब्द से आकाश आ धरती जवन अब भंडार में रखल गईल बा , उ दिन खातिर आग से सुरक्षित रह गईल। " अभक्त आदमी के न्याय आ विनाश। " लेकिन , प्रियजन , इ एक बात मत भूलीं कि प्रभु के खातिर एक दिन हजार साल निहन बा अवुरी हजार साल एक दिन निहन बा* । आग के घोषित बाढ़ सातवीं सहस्राब्दी के अंत में अंतिम फैसला के मौका प पूरा

होई , भूमिगत मैग्मा के ज्वालामुखी झरना के खुलला से जवन पृथ्वी के पूरा सतह के ढंक दिही। प्रकाशितवाक्य 20:14-15 में बतावल गइल इ " *आग के झील* ", धरती के सतह के अपना विद्रोही बेवफा निवासी लोग के साथे -साथे उनकर काम के भी भस्म कर दिही जवना के उ लोग परमेश्वर के प्र दर्शित प्रेम के तिरस्कार करके विशेषाधिकार देवे के चाहत रहले। आएह सातवीं सहस्राब्दी के भविष्यवाणी हफ्ता के सातवाँ दिन तक कइल गइल रहे , ई परिभाषा के अनुसार " *एक दिन हजार साल जइसन होला आहजार साल एक दिन जइसन होला* ."

उत्पत्ति 8:18: " *तब नूह , उनकर बेटा , उनकर मेहरारू आउनकर बेटा लोग के मेहरारू निकल गइलन* ."

एक बेर जानवर चल गईला के बाद नया मानवता के प्रतिनिधि भी जहाज छोड़ देले। ई लोग सूरज के रोशनी आप्रकृति के ओर से दिहल जाए वाला बिसाल , लगभग असीम जगह के दोबारा खोज करे ला , 377 दिन आरात ले एगो तंग , अन्हार , बंद जगह में बंद रहला के बाद।

उत्पत्ति 8:19: " *हर जानवर , हर रेंगत , हर चिरई , आ धरती पर चले वाला हर चीज , अपना तरह के जहाज से बाहर निकल गइल* ."

सन्दूक के जाए से चुनल लोग के स्वर्ग के राज्य में प्रवेश के भविष्यवाणी कइल गइल बा , लेकिन खाली उहे लोग प्रवेश करी जेकरा के परमेश्वर शुद्ध मानत बाड़े। नूह के समय में अभी तक अयीसन नईखे भईल , काहेंकी शुद्ध अवुरी अशुद्ध एकही धरती प एक संगे रहत होईहे , दुनिया के अंत तक एक दूसरा से लड़त रहीहे।

उत्पत्ति 8:20: " *नूह यहोवा खातिर एगो वेदी बनवले , उ हर साफ जानवर अउर हर साफ चिरई में से कुछ लेके वेदी पर होमबलि चढ़वले* ."

प्रलय एगो अइसन काम ह जवना से चुनल नूह भगवान के प्रति आपन कृतज्ञता देखावेला। एगो निर्दोष पीड़ित के मौत , एह मामला में एगो जानवर , सृष्टिकर्ता परमेश्वर के ओह साधन के याद दिला देला जवना के माध्यम से , ईसा मसीह में , उ अपना चुनल लोग के आत्मा के छुड़ावे खातिर आई। शुद्ध जानवर मसीह के बलिदान के प्रतिनिधित्व करे के लायक बाड़े , जे अपना पूरा आत्मा , शरीर अउर आत्मा में पूर्ण पवित्रता के मूर्त रूप दिहे।

उत्पत्ति 8:21: " *तब प्रभु एगो मीठ गंध के गंध कइलन , अउर यहोवा उनकर मन में कहले , "हम आदमी खातिर अब जमीन के गारी ना देब , काहे कि आदमी के दिल के कल्पना ओकरा जवानी से बुरा बा , आना हम फेर से हर जीव के मारब , जइसे हम कइले बानी* ."

नूह के द्वारा चढ़ावल होमबलि विश्वास के एगो प्रामाणिक काम ह , अउर आज्ञाकारी विश्वास के। काहे

कि अगर ऊ भगवान के बलिदान चढ़ावेला त ऊ कवनो बलिदान संस्कार के जवाब में होला जवन ऊ मिस्र छोड़े वाला इब्रानियन के सिखावे से बहुत पहिले के आदेश दिहले रहले ." *सुखद गंध* " अभिव्यक्ति गंध के दिव्य इंद्रिय के ना बलुक उनकर दिव्य आत्मा के संदर्भित करेला जे अपना विश्वासी चुनल आदमी के आज्ञाकारिता आ भविष्यवाणी के दर्शन दुनो के सराहना करेला जवन ई संस्कार ओकरा भविष्य के दयालु बलिदान के देला , ईसा मसीह में।

अंतिम न्याय तक अब कवनो विनाशकारी बाढ़ ना होई। अनुभव अभी इ देखा दिहले बा कि आदमी स्वाभाविक रूप से अउर वंशानुगत रूप से शरीर में बा " ***दु ष्ट*** ," जईसे कि यीशु मत्ती 7:11 में अपना प्रेरितन के बारे में कहले बाड़न : " *अगर रउवां* ***बुरा होके*** *अपना लइकन के अच्छा वरदान देवे के जानत हईं त रउवां के पिता जे स्वर्ग में बाड़न उ लोग के अच्छा चीज केतना जादा दिही जे उनकरा से माँगेला* । " एह से परमेश्वर के एह " ***दुष्ट*** " " ***जानवर*** " ***के*** वश में करे के पड़ी , जवन राय पौलुस 1 कुरिन्थियों में साझा कइले बाड़न। 2:14, अउर यीशु मसीह में उनकरा खातिर उनकर प्रेम के शक्ति के प्रदर्शन करके , कुछ लोग जेकरा के " ***दुष्ट*** " *कहल जाला* , विश्वासी अउर आज्ञाकारी मानव *चुनल* बन जइहें ।

उत्पत्ति 8:22: " *जबले धरती रही , तब तक बीज आ फसल के समय , ठंडा आ गर्मी , गर्मी आ जाड़ा , दिन आ रात ना रुकी* ."

ई आठवाँ अध्याय के अंत में बिल्कुल विपरीत के बारी -बारी के याद दिलावत बा जवन सृष्टि के पहिला दिन से ही पार्थिव जीवन के स्थिति के नियंत्रित करत बा जवना में , अपना सं विधान " *रात -दिन* " *के द्वारा* , *परमेश्वर* " *अन्हार* " अउर " *प्रकाश* " के बीच के पार्थिव लड़ाई के प्रकट कइले बाड़न जवन अंत में ईसा मसीह के माध्यम से जीत जाई। उ एह श्लोक में एह चरम बारी -बारी के सूचीबद्ध कइले बाड़न जवन खुद पाप के कारण बा जवन एह आकाशीय अउर पार्थिव प्राणी के दिहल गइल स्वतंत्र चुनाव के परिणाम हवे जे एह तरह से ओकरा से प्यार करे आ सेवा करे खातिर या ओकरा से नफरत करे के हद तक नकार देवे खातिर स्वतंत्र बा। बाकिर एह आजादी के नतीजा भलाई के पक्षधरन खातिर जिनगी होखी आ बुराई के लोग खातिर मौत आ विनाश जइसन कि बाढ़ अबहीं देखा दिहले बा .

उद्धृत विषय सभ में एगो आध्यात्मिक संदेश बा : " *बोवाई आ फसल* ": सुसमाचार प्रचार के शुरुआत आ दुनिया के अंत के सुझाव देत बा ; ईसा मसीह द्वारा अपना दृष्टांतन में लिहल गइल मूर्ति , खासकर मत्ती 10 में। 13:37 से 39: " *उ जवाब दिहलन : जे अच्छा बीज बोवेला उ आदमी के बेटा ह; खेत दुनिया ह; अच्छा बीज*

राज्य के बेटा ह; खरपतवार बुरा के बेटा ह; जवन दुश्मन बोवेला उ शैतान ह; ***फसल दुनिया के अंत ह*** *; फसल कटाई करे वाला स्वर्गदूत हवें ."*

" ठंडा अउर गर्मी ": " ***गर्मी*** " के जिक्र प्रकाशितवाक्य 7:16 में बा : " *उ लोग अब भूख ना होई , ना प्यास होई , ना सूरज ओह लोग पर रोशनी होई , ना कवनो* ***गर्मी।*** *"* " लेकिन उल्टा " *ठंडा* " भी पाप के अभिशाप के नतीजा ह।

" *गर्मी आजाड़ा ":* ई चरम सीमा के दू गो मौसम ह, हर एक अपना अति में ओतने अप्रिय जतना कि दोसरा के .

" *दिन अउर रा त* ": परमेश्वर उनकरा के ओह क्रम में उद्धृत करेलन जवन आदमी ओकरा के देला , काहे कि उनकर योजना में , मसीह में दिन के समय आवेला , उ उनकर अनुग्रह में प्रवेश करे के आह्वान के , लेकिन एह समय के बाद उ आवेला " *उ रात जब केहू काम ना कर सकेला* " यूहन्ना 9:4 के अनुसार , यानी कि उनकर भाग्य बदले खातिर काहे कि इ निश्चित रूप से जीवन खातिर या अनुग्रह के समय के अंत से मौत खातिर तय बा।

उत्पत्ति 9 के बा

जीवन के आदर्श से अलग होखल

उत्पत्ति 9:1: " *परमेश्वर नूह अउर उनकर बेटा लोग के आशीष दिहलन अउर उनकरा से कहलन, "प्रजनन करीं अउर बढ़ीं अउर धरती के भरीं।* "

इ पहिला भूमिका होई जवन परमेश्वर आदमी के बनावल जहाज से चुनल गईल अवुरी बचावल जीव के देवेले : नूह अवुरी उनुकर तीन बेटा।

उत्पत्ति 9:2: " *धरती के हर जानवर , हवा के हर चिरई , धरती पर चले वाला हर चीज आ समुंदर के सब मछरी पर तोहरा से डर आ तोहरा से भय हो जाई , उ तोहरा हाथ में दिहल गइल बा .*"

जानवरन के जीवन के अस्तित्व के ऋणी आदमी के बा , जवना के चलते बाढ़ से पहिले से भी जादे आदमी जानवर प हावी हो पाई। सिवाय जब कवनो जानवर डर भा चिढ़ के चलते नियंत्रण खो देला , आम नियम के तौर प सभ जानवर आदमी से डेराएले अवुरी ओकरा से सामना होखला प भागे के कोसिस करे लें।

उत्पत्ति 9:3: " ***हर चलत चीज जवन जिंदा बा उ तोहनी खातिर भोजन होई*** *, जइसे हम तोहके इ सब हरियर जड़ी - बूटी देले बा नीं ।* "

आहार में एह बदलाव के कई गो औचित्य बा। प्रस्तुत क्रम के बहुते महत्व दिहले बिना सबसे

पहिले हम बाढ़ का दौरान खतम हो गइल पौधा के भोजन के तुरते ना होखे के हवाला देत बानी आ खारा पानी से ढंकल धरती के आंशिक रूप से बाँझ होखे से धीरे -धीरे पूरा उर्वरता आ उत्पा दकता वापस मिल जाई . एकरा अलावा , हिब्रू बलिदान संस्कार के स्थापना खातिर , उचित समय पर , पवित्र भोज के भविष्यवाणी वाला दर्शन में बलि दिहल गइल पीड़ित के मांस के सेवन के जरूरत पड़ी जहाँ रोटी के ईसा मसीह के शरीर के प्रतीक के रूप में खाइल जाई , आ अंगूर के रस के ओकर खून के प्रतीक के रूप में पीयल जाई। तीसरा कारण , कम स्वीकार करे लायक , बाकिर कम सही ना , ई कि भगवान आदमी के जीवन काल छोट कइल चाहत बाड़न ; आ जीवन के विनाशकारी तत्वन के भ्रष्ट आमानव शरीर में ले आवे वाला मांस के सेवन ओकर इच्छा आ फैसला के सफलता के आधार होखी . शाकाहा री भा शाकाहारी आहार के अनुभव ही एकर व्यक्तिगत पुष्टि ले आवेला। एह विचार के मजबूत करे खातिर ध्यान दीं कि भगवान आदमी के **अशुद्ध जानवर के** सेवन करे से मना नइखन करत , भले ऊ ओकरा स्वास्थ्य खातिर नुकसानदेह होखे .

उत्पत्ति 9:4: “ *खाली तू मांस के ओकर जान के साथे , ओकर खून के साथे ना खाईं .*”

ई निषेध लेवी के अनुसार पुरान वाचा में मान्य रही। 17:10-11: " *अगर इस्राएल के घराना के केहू या उनके बीच में प्रवासी विदेशी लोग में से केहू* ***कवनो तरह के खून खाला , त हम खून खाए वाला के खिलाफ आपन मुँह बना देब , अउर हम ओकरा के ओकरलोग के बीच से काट देब*** / " अउर नया में , प्रेरितों के काम 15:19 से 21 के अनुसार : " *एह से हमार फैसला बा कि हमनी के गैर -यहूदी लोग के बीच से लोग के परेशान ना करीं जा , जे लोग परमेश्वर के ओर मुड़ रहल बानी , लेकिन हमनी के ओह लोग के लिखे के चाहीं कि मूर्ति के प्रदूषण , व्यभि चार , गला रेत के खून से परहेज करे के चाहीं* ***काहे कि*** *मूसा के हर शहर में प्राचीन काल से उनकर प्रचार करे वाला लोग रहल बा ,* ***काहे कि हर सब्त के दिन आराधनालय में पढ़ल जाला*** ."

भगवान " *आत्मा* " के मांस के शरीर आ पूरा तरह से शरीर पर निर्भर आत्मा से बनल पूरा प्राणी के कहेलें। एह मांस में मोटर अंग दिमाग होला जे खुद खून से संचालित होला आ हर साँस के साथ फेफड़ा द्वारा खींचा जाए वाला ऑक्सीजन से शुद्ध हो जाला। जीवित अवस्था में दिमाग बिद्युत संकेत बनावे ला जे बिचार आ याददाश्त पैदा करे ला आ भौतिक शरीर के बनावे वाला बाकी सभ मांसल अंग सभ के कामकाज के प्रबंधन करे ला। "खून " के भूमिका , जवन कि , एकरा अलावा , हर जीवित आत्मा खातिर विशिष्ट होला , जीनोम द्वारा , स्वास्थ्य के कारण से सेवन ना करे के

चाहीं , काहें से कि ई पूरा शरीर में पैदा भइल कचरा आ अशुद्धि के ले जाला , आ आध्यात्मिक कारण से। भगवान अपना खातिर बिल्कुल अनन्य तरीका से , अपना धार्मिक शिक्षा खातिर , मसीह के खून पीये के सिद्धांत के आरक्षित कइले बाड़न , लेकिन खाली अंगूर के रस के प्रतीकात्मक रूप में। अगर जीवन खून में बा त जे मसीह के खून पीयेला , उ अपना के अपना पवित्र अउर सिद्ध स्वभाव में फिर से बनावेला , असली सिद्धांत के अनुसार कि शरीर उहे से बनल बा जवन उ खाला।

उत्पत्ति 9:5: " *तोहनी के भी पता चल जाव कि हम तोहनी के प्राण के खून हर जानवर के हाथ से मांगब , अउर आदमी के जान हम आदमी के हाथ से माँगब , उ आदमी से ओकर भाई से .*"

जीवन के रचना करे वाला सृष्टिकर्ता भगवान खातिर सबसे जरूरी चीज ह। हमनी के उनकर बात सुने के चाहीं कि एह बात के एहसास होखे कि अपराध उनकरा खिलाफ , लिहल गइल जान के असली मालिक के खिलाफ जवन आक्रोश के गठन करेला। अइसे में उ अकेले जीवन लेवे के आदेश के वैध बना सकेला। पिछला श्लोक में भगवान आदमी के भोजन खातिर जानवर के जान लेवे के अधिकार देले रहले , लेकिन इहाँ , इ अपराध के सवाल बा , हत्या के सवाल बा , जवन कि निश्चित रूप से एगो मानव जीवन के अंत क देवेला। एह लेहल जीवन के अब परमेश्वर के नजदीक आवे के मौका ना मिली , ना ही आचरण में बदलाव के गवाही देवे के अगर तब तक उ उनकर उद्धार के मानक के अनुरूप ना रहे। भगवान इहाँ प्रतिशोध के नियम के नींव रखले बाड़न , "आँख के बदले आँख , दाँत के बदले दाँत , जीवन के बदले जीवन। " जानवर अपना मौत से आदमी के हत्या के भुगतान करी , अवुरी कैन प्रकार के आदमी के हत्या हो जाई , जदी उ अपना खून के " ***भाई*** " ***हाबिल प्रकार के मार दिही।***

उत्पत्ति 9:6: " *जे भी मनुष्य के खून बहावेला , ओकर खून मनुष्य के खून से बहावल जाई , काहे कि परमेश्वर आदमी के अपना प्रतिरूप में बनवले बाड़े .*"

भगवान मौत के संख्या बढ़ावे के कोशिश नइखन करत काहे कि एकरा उलट कवनो हत्यारा के हत्या के अधिकृत कइला से ऊ एगो निवारक प्रभाव पर भरोसा कर रहल बाड़न आकि , जवन जोखिम होला ओकरा चलते , सबसे अधिका संख्या में इंसान अपना आक्रामकता पर काबू पावे के सीख जाई , जेहसे कि ऊ ह त्यारा ना बन सके , बदले में , मौत के लायक .

खाली उहे लोग के एहसास हो सकेला जे एगो वास्तविक आ प्रामाणिक आस्था से जीवंत बा , एह बात के एहसास कर सकेला कि " *भगवान आदमी के अपना प्रतिरूप में बनवले* " होखे के का मतलब होला . खासकर जब मानवता राक्षसी आ घृणित हो जाले , जइ से कि आजु

पश्चिमी दुनिया में आ धरती पर हर जगह वैज्ञानिक ज्ञान से बहकावल गइल बा .

उत्पत्ति 9:7: “ *आतू लोग , प्रजनन करीं अउर बढ़ीं , अउर धरती में फइल जाईं अउर ओकरा में बढ़ीं .*”

भगवान सचमुच ई गुणा चाहत बाड़न , आ एकर एगो बढ़िया कारण बा , चुनल लोग के संख्या एतना कम बा , उहो रास्ता में गिरल बोलावल लोग के संबंध में , कि उनकर प्राणी के संख्या जेतना अधिका होई , उ ओतने अधिका अपना चुनल लोग के ओह लोग में से खोज सकेला आ चुन सकेला ; काहे कि दान .7:9 में नोट कइल गइल परिशुद्धता के अनुसार , अनुपात दस अरब बोलावल गइल खातिर दस लाख चुनल गइल बा , या 10,000 खातिर 1 बा।

उत्पत्ति 9:8: “ *परमेश्वर नूह अउर उनकरा साथे उनकर बेटा लोग से फिर से कहलन कि ,*

भगवान चारों आदमी के संबोधित करतारे काहे कि मानव प्रजाति के पुरुष प्रतिनिधि के प्रभुत्व देके उ लोग के जिम्मेदार ठहरावल जाई कि उ लोग जवन महिला अवुरी बच्चा के अनुमति देले बाड़े , जवन कि उनुका अधिकार में राखल गईल बा। प्रभुत्व भगवान के ओर से आदमी के दिहल भरोसा के निशान ह , लेकिन इ उनुका चेहरा अवुरी उनुका फैसला के सोझा उनुका के पूरा तरीका से जिम्मेदार बना देवेला।

उत्पत्ति 9:9: “ *देखऽ , हम तोहरा साथे अउर तोहरा बाद के वंशज के साथे आपन वाचा रखत बानी ;* ”

आजहमनी खातिर इ एहसास कइल जरूरी बा कि हमनी के इहे " *बीज* " हईं जा जेकरा साथे परमेश्वर आपन " *वाचा* " स्थापित कइले बाड़न . आधुनिक जीवन आ ओकर मोहक आविष्कार हमनी के मानवीय मूल के ना बदलेला। हमनी के ओह नया शुरुआत के वारिस हईं जा जवन भगवान भयानक जलप्रलय के बाद मानवता के देले रहले। नूह अउर उनकर तीनों बेटा के साथे स्थापित वाचा विशिष्ट बा। ई भगवान के प्रतिबद्धता देत बा कि अब बाढ़ के पानी से सगरी मानवता के नाश ना करसु . एकरा बाद उ वाचा आई जवन परमेश्वर अब्राहम के साथे स्थापित करीहे , जवन अपना दुगो लगातार पहलु में पूरा होई जवन शाब्दिक रूप से समय में अउर आध्यात्मिक रूप से , यीशु मसीह के मोक्षदायक सेवा पर केंद्रित होई। ई वाचा मौलिक रूप से व्यक्तिगत होई , जइसे कि उद्धार के स्थिति दांव पर लागल बा। उनकर पहिला आगमन से पहिले के 16 सदी के दौरान , परमेश्वर इब्रानी लोग के आदेश दिहल गईल धार्मिक संस्कार के माध्यम से आपन उद्धार के योजना के खुलासा करीहे। तब , ईसा मसीह में एह योजना के पू रा भइला के बाद अपना पूरा रोशनी में प्रकट भइल , लगभग 16 सदी अउरी बेवफाई निष्ठा के बाद आ 1260 साल ले , रोमन पपिज्म के आड़ में सबसे करिया अन्हार राज करी। साल 1170 से , जब पीटर वाल्डो सच्चा सब्त के

दिन के पालन के साथ फिर से शुद्ध आविश्वासी ईसाई विश्वास के अभ्या स करे में सक्षम भइलें , कम प्रबुद्ध चुनल लोग , उनके बाद , सुधार के काम में चुनल गइल जे शुरू भइल बाकी पूरा ना भइल। साथ ही , 1843 से ही , विश्वास के दोहरा परीक्षा से , भगवान एडवेन्टिज्म के अग्रदूतन में से विश्वासी चुनल लोग के पावे में सक्षम रहले। लेकिन अभी भी उ लो ग खातिर उनकर भविष्यवाणी में प्रकट रहस्य के पूरा तरह से समझे में बहुत जल्दी रहे। भगवान के साथे वाचा के चिन्ह हर समय उनकर प्रकाश के योगदान अउर ग्रहण ह , एही से जवन काम हम उनकरा नाम से लिखत बानी , उनकर चुनल लोग के रोशन करे खातिर , " *यीशु के गवाही* " के शीर्षक के तहत , एकर अंतिम रूप , संकेत के गठन करेला कि उनकर वाचा वाकई में वास्तविक अउर पुष्टि भइल बा।

उत्पत्ति 9:10: " *तोहनी के साथे मौजूद हर जीव के साथे , चिरई , पशु आ धरती के हर जानवर के साथे , चाहे जहाज से निकलल सब जानवर के साथे होखे , या धरती के हर जानवर के साथे* ."

भगवा न के द्वारा प्रस्तुत वाचा जानवरन से भी संबंधित बा , यानी कि धरती पर जवन भी चीज जियत बा अउर बढ़ी।

उत्पत्ति 9:11: " *हम तोहनी के साथे आपन वाचा कायम करब : अब जलप्रलय के पानी से सब शरीर ना खतम होई , ना ही धरती के नाश करे खातिर जलप्रलय ना होई* ."

बाढ़ के सबक अनोखा रहे के चाहीं। भगवान अब करीबी लड़ाई में लाग जइहें काहे कि उनकर लक्ष्य बा कि ऊ अपना चुनल लोग के दिल पर जीत हासिल कर लेव .

उत्पत्ति 9:12: " *परमेश्वर कहले , इहे वाचा के निशानी ह जवन हम अपना आ तोहके आ तोहरा साथे हमेशा खातिर हर जीव के बीच रखले बानी :* "

भगवान जवन सं केत देवेले , उ शुद्ध अवुरी अशुद्ध सभ जीव -जंतु के संबंध में बा। ई अभी तक उनकर व्यक्ति के होखे के निशानी नइखे , जवन सातवाँ दिन के सब्त के दिन होई। ई चिन्ह जीव के ओह प्रतिबद्धता के याद दिलावत बा जवन ऊ अब कबो बाढ़ के पानी से ओह लोग के नाश ना करीहें ; इहे एकर सीमा बा।

उत्पत्ति 9:13: " *हम आपन धनुष बादल में रखले बानी , अउर इ हमरा अउर धरती के बीच एगो वाचा के निशानी होई* ."

विज्ञान इंद्रधनुष के अस्तित्व के भौतिक कारण बताई। ई सुरुज के रोशनी के प्रकाश स्पेक्ट्रम के बिघटन हवे जे पानी के पातर परत भा ढेर नमी पर टिकल होला। सभे देखले बा कि बरखा में इंद्रधनुष लउकेला आ सूरज आपन रोशनी के किरण फइलावेला। एकरा बावजूद बरखा बाढ़ आसूरज के रो शनी

के याद दिलावत बा कि भगवान के सराहे जोग , फायदेमंद आसुखदायक रोशनी के चित्रण होला .

उत्पत्ति 9:14: " *जब हम धरती पर बादल बटोरब त धनुष बादल में लउकी।* "

एह से बादर के आविष्कार भगवान के द्वारा बाढ़ के बाद ही बरखा पैदा करे खातिर कइल गइल रहे आसाथ ही साथ इंद्र धनुष के सिद्धांत के रूप में भी। बाकिर हमनी के घृणित युग में अधर्मी मरद मेहरारू इंद्रधनुष के एह विषय के विकृत आ गंदा कर दिहले बाड़न आदिव्य गठबंधन के एह प्रतीक के लेके एकरा के यौन विकृत लोग के जुटान के संक्षिप्त रूप आप्रतीक बना दिहले बाड़न . भगवान के एहमें एगो बढ़िया कारण खोजे के पड़ी कि ऊ अपना आमानव प्रजाति का प्रति एह घृणित आअनादरपूर्ण मानवता के प्रहार कर सकसु . ओकर क्रोध के आखिरी निशान जल्दिए लउकी , आग निहन जरत अवुरी मौत निहन विनाशकारी।

उत्पत्ति 9:15: " *आहम अपना वाचा के याद करब जवन हमरा आतोहरा आहर जीव के बीच बा , आपानी अब बाढ़ ना बन पाई जवन सब शरीर के नाश कर सके* ."

भगवान के मुँह से परोपकार के एह शब्दन के पढ़ के हम विरोधाभास के नापत बानी कि ऊ आज मानवीय विकृति का चलते जवन टिप्पणी कर सकेलें जवन जलप्रलय से पहिले के लोग के स्तर पर लवटत बा .

भगवान आपन वचन के पालन करीहें , अब पानी के बाढ़ ना आई, लेकिन सब विद्रोहियन खातिर अंतिम न्याय के दिन खातिर आग के बाढ़ आरक्षित बा ; जवन प्रेरित पतरस 2 पतरस 3:7 में हमनी के याद दिअवले बाड़न। लेकिन एह आखिरी न्याय से पहिले , अउर मसीह के वापसी से पहिले , तीसरा विश्वयु द्ध के परमाणु आग या प्रकाशितवाक्य 9:13 से 21 तक के "6वां तुरही ", कई गो अउर भयावह घातक "मशरूम " के रूप में , अधर्म के शरण के झाड़ू मारे खातिर आई जवन पृथ्वी ग्रह के महान शहर , राजधानी होखे भा ना , बन गईल बा।

उत्पत्ति 9:16: " *धनुष बादल में होई , अउर हम ओकरा के दे खब, ताकि हम परमेश्वर अउर धरती पर मौजूद हर जीव के बीच के अनन्त वाचा के याद कर सकीले* ."

ऊ समय हमनी से बहुते दूर बा आ एहसे मानवता के नया प्रतिनिधियन के बहुते उमेद रह सकत रहे कि ऊ लोग जलप्रलय से पहिले के लोग के गलती से बचे के पड़ी . बाकिर आजु आशा के अनुमति नइखे रहि गइल काहे कि जलप्रलय से पहिले के लोग के फल हमनी का बीच हर जगह लउकत बा .

उत्पत्ति 9:17: " *परमेश्वर नूह से कहले , इहे वाचा के निशानी ह जवन हम अपना आधरती पर मौजूद सब शरीर के बीच बनवले बानी* ."

भगवान एह वाचा के चरित्र पर जोर देत बाड़न जवन "सब मांस " के साथे स्थापित बा। ई एगो अइसन वाचा ह जवन हमेशा सामूहिक अर्थ में मानवता से संबंधित रही।

उत्पत्ति 9:18: " *जहाज से निकलल नूह के बेटा शेम , हाम अउर याफेत रहलन। हाम कनान के बाप रहलन* । "

हमनी के एगो स्पष्टीकरण दिहल गइल बा : " *हाम कनान के पिता रहले* ." याद राखीं कि नूह आउन कर बेटा सभे दिग्गज हवें जे जलप्रलय से पहिले के लोग के आकार बरकरार रखले बाड़ें। एह तरह से दिग्गजन के बढ़ती जारी रही , खासकर "कनान " के देश में , जहाँ मिस्र छोड़े वाला हिब्रू लोग के पता चल जाई , जवना से ओह लोग के दुर्भाग्य होखी काहे कि ओह लोग के आकार से पैदा होखे वाला डर ओह लोग के 40 साल ले रेगिस्तान में भटकावे आओहिजा मर जाए के निंदा करी .

उत्पत्ति 9:19: " *ई नूह के तीनों बेटा हवें , अउर उनकर वंशज से ही पूरा धरती के आबादी रहे* ."

ध्यान दीं कि मूल रूप से , जलप्रलय से पहिले के लोग सभ के मूल के रूप में एक आदमी रहल : आदम। जलप्रलय के बाद के नया जीवन तीन लोग पर बनल बा , शेम , हाम आ याफेत। एह से ओह लोग के वंशज के लोग **अलगा होके बंटवारा हो जाई** . हर नया जनम अपना कुलपति शेम , हाम भा याफेत से जुड़ल रही . विभाजन के भावना एह अलग अलग मूल पर निर्भर रही कि ऊ लोग अपना पैतृक परंपरा से जुड़ल पुरुषन के आपस में विरोध करी .

उत्पत्ति 9:20: " *तब नूह जमीन के जोते लगलन , अउर अंगूर के बगइचा लगलन* ."

एह गतिविधि के जवन आखिरकार सामान्य बा , एकरा बावजूद एकर गंभीर नतीजा होई। काहे कि अपना खेती के अंत में नूह अंगूर के कटाई करेला आ दबावल रस के ऑक्सीकरण होखला के बाद ऊ शराब पीयेला।

उत्पत्ति 9:21: " *उ शराब पी के नशा में धुत्त हो गइलन आअपना डेरा के बीच में उघार हो गइलन।* "

अपना हरकत पर नियंत्रण खो के नूह मान लेला कि ऊ अकेले बा , ऊ अपना के उजागर कर लेला आ अपना के पूरा तरह से नंगा कर लेला .

उत्पत्ति 9:22: "कनान के पिता हाम अपना पिता के नंगापन देखले , त उ अपना दुनो भाई के बाहर बतवले। "

ओह घरी मनुष्य के मन अबहियों पापी आदम के खोजल एह नग्नता के प्रति बहुत संवेदनशील रहे। आ हैम , मस्त आनिश्चित रूप से तनी मजाक उड़ावत , अपना दृश्य अनुभव के रिपोर्ट अपना दुनु भाई के बतावे के बुरा विचार आगइल .

उत्पत्ति 9:23: " *तब शेम अउर याफेत कपड़ा लेके अपना कंधा पर पहिन के पीछे हट गईले अउर अपना पिता के नंगापन के ढंक लिहले* ।

जरुरी तमाम सावधानी के संगे दुनो भाई अपना पिता के नंगा देह के ढंक देले।

उत्पत्ति 9:24: " *जब नूह अपना शराब से जाग गइलन आ सुनलन कि उनकर छोटका बेटा उनकरा साथे का कइले बा .*"

त दुनु भाई के बतावे के पड़ल। आई निंदा नूह के उत्साहित कर दी , जेकरा लागत रहे कि एगो पिता के रूप में उनकर इज्जत कमजोर हो गइल बा . उ जानबूझ के शराब ना पियले रहले अवुरी अंगूर के रस के प्राकृतिक प्रतिक्रिया के शिकार भईल रहले , जवन कि समय के संगे ऑक्सीकरण हो जाला अवुरी जवना के चीनी शराब में बदल जाले।

उत्पत्ति 9:25: " *उ कहले , "कनान के अभिशप्त होखे ! उ अपना भाई लोग के सेवक के सेवक होई।* "

दरअ सल, इ अनुभव खाली एगो बहाना के काम करेला कि सृष्टिकर्ता परमेश्वर नूह के बेटा के वंशज के बारे में भविष्यवाणी करे। काहे कि कनान के खुद के अपना पिता हाम के काम से कवनो संबंध ना रहे। एहसे ऊ अपना गलती से निर्दोष रहले . आ नूह ओकरा के गारी देले , जे कुछ ना कइले रहे। स्थापित स्थिति हमनी के परमेश्वर के न्याय के एगो सिद्धांत के प्रकट करे लागेला जवन निष्कर्ष में पढ़े लायक उनकर दस आज्ञा में से दूसरा में आवेला। 20:5: " *तू उनकरा सामने ना झुकीं , ना उनकर सेवा करीं , काहेकि हम, यहोवा , राउर परमेश्वर , ईर्ष्यालु परमेश्वर हईं , जवन हमरा से नफरत करे वाला लोग के तीसरी आ चउथा पीढ़ी तक* ***बाप लोग के पाप के दोष देत बानी*** । " एह प्रतीत होखे वाला अन्याय में भगवान के सब बुद्धि छिपल बा। काहे कि , सोचीं , बेटा -बाप के बंधन स्वाभाविक होला आजब हमला होखे त बेटा हमेशा अपना बाप के पक्ष ले ली ; दुर्लभ अपवाद के साथ बा। भगवान बाप पर प्रहार करसु त बेटा ओकरा से नफरत करी आअपना बाप के बचाव करी . बेटा कनान के गारी देके नूह अपना वंशज के सफलता के चिंता करे वाला पिता हाम के सजा देला। आकनान अपना ओर से हाम के बेटा होखे के नतीजा उठाई। एह से ऊ नूह आओह दुनु बेटा के खि लाफ स्थायी आक्रोश महसूस करी जेकरा के ऊ आशीर्वाद देत बाड़न : शेम आयाफेत। हमनी के पहिलही से जानत बानी जा कि कनान के वंशज के परमेश्वर इस्राएल के , मिस्र के गुलामी से मुक्त उनकर लोग (हाम के एगो अउरी बेटा : मिज्राइम) के , ओकर राष्ट्रीय इलाका के चढ़ावे खातिर नष्ट कर दिहे।

उत्पत्ति 9:26: " *उ कहले , "शेम के परमेश्वर यहोवा के धन्य होखे अउर कनान के उनकर सेवक बने के चाहीं !* "

नूह अपना बेटा लोग के बारे में भविष्यवाणी कइले कि परमेश्वर ओह लोग में से हर एक खातिर जवन योजना बनवले रहले। एह तरह से कनान के वंशज शेम के वंशज के गुलाम बन जइहें। हैम दक्खिन ओर बिस्तार

करी आअफिरकी महादीप में वर्तमान इजरायल के देस ले आबादी पैदा करी। शेम के बि स्तार पूरब आ दक्खिन - पूरुब ओर होखी आ वर्तमान अरब मुस्लिम देस सभ में आबादी पैदा होखी। वर्तमान इराक के कल्दिया से अब्राहम , एगो शुद्ध सेमीट आइल रहले। इतिहास एह बात के पुष्टि करेला कि कनान के अफ्रीका वाकई में शेम के वंशज अरब लोग के गुलाम बना दिहल गइल रहे।

उत्पत् ति 9:27: " *परमेश्वर याफेत के प्रभुत्व के विस्तार करस, अउर उ शेम के डेरा में रहस , अउर कनान उनकर सेवक बनस !* "

याफेत के विस्तार उत्तर , पूरब आ पश्चिम के ओर होई। बहुत दिन तक उत्तर के दक्खिन प हावी रही। ईसाई बनावल उत्तरी देशन में तकनीकी आ वैज्ञानिक विकास के अनुभ व होखी जवना से ऊ लोग दक्षिणी अरब देशन के शोषण कर सके आ कनान के वंशज अफ्रीका के लोग के गुलाम बना सके .

उत्पत्ति 9:28: " *जलप्रलय के बाद नूह तीन सौ पचास साल जियले* ."

350 साल तक नूह अपना समकालीन लोग के सोझा जलप्रलय के गवाही देवे में सक्षम रहले अवुरी जलप्रलय से पहिले के लोग के गलती से चेतावत रहले।

उत्पत्ति 9:29: " *नूह के सब दिन नौ सौ पचास साल रहे , आउ मर गईले* ."

आदम के बाद से जलप्रलय के साल 1656 में नूह के उमिर 600 साल रहे , एहसे आदम के पाप के बाद से 2006 में उनुकर मौत हो गईल , उ 950 साल के रहले। उत्पत्ति 10:25 के अनुसार , 1757 में " *पेलेग* " के जन्म के समय , राजा निमरोद के विद्रोही विद्रोह आ उनकर बाबेल के बुर्ज के अनुभव के कारण भगवान द्वारा " *धरती के बंटवारा* " *कर दिहल गइल* / बंटवारा भा **अलगाव** अलग अलग भाषा के परिणाम रहे जवन भगवान लोग के देले रहले ताकि उ लोग **अलग हो जाव** अउरी अब उनकर चेहरा अउरी उनकर इच्छा के सामने एकजुट ब्लॉक ना बन जाव | एह से नूह एह घटना के माध्यम से जियले आ ओह घरी उनकर उमिर 757 साल रहे।

नूह के मौत के समय अब्राम के जनम पहिलही से हो चुकल रहे (1948 में , यानी ईसा मसीह के मौत से 2052 साल पहिले , जवन कि हमनी के सामान्य झूठा कैलेंडर में साल 30 ई. में रहे), लेकिन उ उर में रहले , जवन कि कल्दिया में रहे , जवन नूह से बहुत दूर रहे जवन कि उत्तर में अररात पहाड़ के लगे रहत रहले।

1948 में जनमल , जब उनकर पिता तेराह 70 साल के रहले , अब्राम हारान छोड़ दिहले , भगवान के आदेश के जवा ब देवे खातिर , 2023 में 75 साल के उमिर में , 2006 में नूह के मौत के 17 साल बाद , एह तरह से गठबंधन के

आध्यात्मिक रिले के आश्वासन दिहल गईल अउरी पूरा हो गईल।

2048 में 100 साल के उमिर में अब्राम के जनम इसहाक के भइल। 2123 में 175 साल के उमिर में उनकर निधन हो गइल।

60 साल के उमिर में , 2108 में , इसहाक के जनम जुड़वाँ एसाव आ याकूब भइल , उत्पत्ति 25:26 के अनुसार।

उत्पत्ति 10 में दिहल गइल बा

लोग के अलगाव के बात कहल जाला

एह अध्याय में हमनी के नूह के तीनों बेटा के वंशज से परिचय करावल गइल बा। इ प्रकाशन उपयोगी होई काहे कि उनकर भविष्यवाणी में , परमेश्वर हमेशा संबंधित इलाका के मूल नाम के संदर्भित करेलन। एह में से कुछ नाँव सभ के वर्तमान नाँव सभ के साथ आसानी से पहिचानल जा सके ला का हें से कि इनहन के मुख्य जड़ बरकरार बा , उदाहरण खातिर : मेडे खातिर " *मदाई* ", *टोबोल्स्क खातिर " तुबल* ", मास्को खातिर " *मेशेच* " /

उत्पत्ति 10:1: " *नूह के बेटा लोग के पीढ़ी इ ह: शेम , हाम अउर याफेत , आजलप्रलय के बाद उनकरा खातिर बेटा पैदा भइल।* "

याफेत के बेटा लोग

उत्पत्ति 10:2: " *याफेत के बेटा गोमेर , मागोग , मदाई , जवान , तुबल , मेशेक आतीरास रहले .*"

" *मदई* " मीडिया ह ; " *जावन* " ग्रीस के ह ; " *ट्यूबल* " टोबोल्स्क के ह ; " *मेशेच* " मास्को के ह .

उत्पत्ति 10:3: " *गोमेर के बेटा अश्केनाज , रिफाथ आतोगरमा ह।* "

उत्पत्ति 10:4: " *यावान के बेटा एलीशा , तर्शीश , कित्तीम अउर दोदानिम।* "

" *तरसिस* " के मतलब होला तरसस ; " *किटिम* " के मतलब होला साइप्रस।

उत्पत्ति 10:5: " एही से *राष्ट्रन के द्वीप के लोग बनावल गइल , अपना देश के अनुसार , **अपना भाषा के अनुसार** , अपना परिवार के अनुसार , अपना जाति के अनुसार।* "

राष्ट्र सभ के दीप " अभिव्यक्ति वर्तमान यूरोप के पच्छिमी देस सभ आइनहन के बड़हन बिस्तार जइसे कि अमेरिका आऑस्ट्रेलिया के कहल जाला।

हर एक के भाषा के अनुसार " परिशुद्धता के आपन व्याख्या उत्पत्ति 11 में प्रकट भइल बाबेल के टावर के अनुभव में मिली।

हाम के बेटा लोग

उत्पत्ति 10:6: " *हाम के बेटा रहले : कुश , मिज्राईम , पुत अउर कनान।* "

कुश के मतलब होला इथियोपिया ; " *मिसिरैम* " के मतलब होला मिस्र ; " *पुथ* " के मतलब होला लीबिया ; आ " *कनान* " के मतलब होला वर्तमान इजरायल भा प्राचीन फिलिस्तीन।

उत्पत्ति 10:7: " *कुश के बेटा शेबा , हवीला , सबता , रामा आसब्तेका , रामा के बेटा शेबा आदेदान।* "

उत्पत्ति 10:8: " *कुश के जनम निमरोद से भइल। ऊ धरती पर पराक्रमी होखे लगलन।* "

ई राजा " *निमरोद* " " *बाबेल के बुर्ज* " के निर्माता होई , भगवान के द्वारा भाषा के **अलग करे** के कारण जवन उत्पत्ति 11 के अनुसार आदमी के लोग आ राष्ट्र में **अलग करेला आअलग करेला।**

उत्पत्ति 10:9: " *उ यहोवा के सामने एगो पराक्रमी शिकारी रहले , एही से कहल गईल बा कि : निमरोद निहन , जवन कि यहोवा के सामने एगो शक्तिशाली शिकारी रहले।* "

उत्पत्ति 10:10: " *उ शुरुआत में शिनार के देश में बाबेल , एरेक , अकाद अउर कलने पर राज कइलेन।* "

" *बाबेल* " प्राचीन बेबिलोन के कहल जाला ; " *अककाद* " प्राचीन अकादिया आवर्तमान शहर बगदाद के कहल जाला ; " *सिनियर* " इराक के कहल जाला।

उत्पत्ति 10:11: " *ओह देश से अशूर निकलल , उ नीनवे , रेहोबोत हीर , काला ,* "

" *असुर* " अश्शूर के कहल जाला। " *नीनवे* " वर्तमान मोसुल हो गइल।

उत्पत्ति 10:12: " *आ नीनवे आ काला के बीच में रेसेन , इ महान शहर ह।* "

ई तीनों शहर वर्तमान इराक में उत्तर में आ टाइग्रिस नदी के किनारे स्थित रहलें।

उत्पत्ति 10:13: " *मिजरैम के जनम लुदीम , अनामिम , लेहाबी , नफ्तूहीम ,* "

उत्पत्ति 10:14: " *पथरुसी , कस्लुहीम , जेकरा से पलिस्ती आकफ्तोरी लोग निकलल।* "

" *फि लिस्तीनी* " वर्तमान फिलिस्तीनी लोग के संदर्भित करेला , जवन अभी भी इजरायल के साथ युद्ध में बा जईसे कि पुरान गठबंधन में रहे | ई लोग मिस्र के बेटा हवे जे 1979 ले इजरायल के एगो अउरी ऐतिहासिक दुश्मन रहल जब मिस्र इजरायल से गठबंधन कइलस।

उत्पत्ति 10:15: " *कनान से आपन पहिला बेटा सीदोन आहेत के जनमल ;* »

उत्पत्ति 10:16: " *अउर यबूसी , अमोरी , गिरगाशी ,* " " *जेबस* " यरूशलेम के कहल जाला ; " *अमोरी* " लोग भगवान द्वारा इस्राएल के दिहल इलाका के पहिला निवासी रहलें। हालांकि उ लोग विशालकाय आदर्श के भीतर रहल , लेकिन भगवान ओलोग के हत्या क देले अवुरी अपना लोग के सोझा जहरीला हॉर्नेट से ओलोग के सफाया क देले ताकि उ जगह के मुक्त हो सके।

उत्पत्ति 10:17: " *हिवी , आर्की , सिनियाई लोग ,* " " *पाप* " के मतलब होला चीन।

उत्पत्ति 10:18: " *अरवादी , जमारी , हमती। ओकरा बाद कनान के परिवार बिखर गईल।* "

उत्पत्ति 10:19: " *कनान के सीमा सीदोन से गेरार के ओर गाजा तक, सदोम , अमोरा , अदमा आजबबोइम के ओर लाशा तक रहे।* "

ई प्राचीन नाँव सभ इस्राएल के देस के उत्तर के पच्छिम ओर जहाँ सीदोन बा , दक्खिन में जहाँ वर्तमान गाजा अबहिन ले बा , आदक्खिन के पूरबी ओर, "मृत सागर " के जगह पर सदोम आअमोरा के स्थान के अनुसार , उत्तर में जहाँ जबोइम स्थित बा , के सीमांकन करें लें।

उत्पत्ति 10:20: " *ई हाम के बेटा हवें , अपना परिवार के अनुसार , अपना भाषा के अनुसार , अपना देश में , अपना जाति के अनुसार।* "

शेम के बेटा लोग

उत्पत्ति 10:21: " *एबर के सब बेटा के बाप आपहिला बेटा याफेत के भाई शेम के बेटा पैदा भईल।* "

उत्पत्ति 10:22: " *शेम के बेटा : एलाम , अशूर , अरफाक्साद , लूद अउर अराम।* "

" *एलम* " के मतलब वर्तमान ईरान के प्राचीन फारसी लोग के साथे -साथ उत्तरी भारत के आर्य लोग के भी कहल जाला ; " *अशूर* " वर् तमान इराक के प्राचीन अश्शूर के कहल जाला ; " *लुड* " इजराइल में शायद लोद के संदर्भ देला ; " *अराम* " से मतलब होला सीरिया के अरामियन लोग।

उत्पत्ति 10:23: " *अराम के बेटा उज, हुल , गेथेर अउर मश।* "

उत्पत्ति 10:24: " *अर्पचशाद से शेलाक के जनम भइल, आशेलाक के हेबर के जनम भइल।* »

उत्पत्ति 10:25: " *एबर के द्व गो बेटा भइल: एक के नाम पेलेग रहे , काहे कि उनकरा जमाना में धरती बँटल रहे ; आउनकर भाई के नाम योक्तान रहे।* "

एह श्लोक में हमनी के सटीकता मिलेला : " *काहे कि उनकरा जमाना में धरती बंटल रहे* ." हमनी के उनकर ऋणी बानी जा कि आदम के पाप से साल 1757 में , बाबेल के टावर के खड़ा करके विद्रोही एकीकरण के कोशिश के परिणामस्वरूप भाषा के **अलगाव के तारीख बतावे के।** एह से ई राजा निमरोद के शासन के समय ह।

उत्पत्ति 10:26: " *जोकथान से अलमोदाद , शेलेफ , हजरमावेत , जेरा ह,* "
उत्पत्ति 10:27: " *हदोराम , उजल, दिक्ला ,* "
उत्पत्ति 10:28: " *ओबल, अबीमाएल , शेबा ,* "
उत्पत्ति 10:29: " *ओफीर , हवीला अउर अयॉबाब , इ सब योक्तान के बेटा रहले।* "
उत्पत्ति 10:30: " *उ लोग मेशा से लेके सेफर के ओर, पूरब के पहाड़ी इलाका तक रहे।* "
उत्पत्ति 10:31: " *ई शेम के बेटा हवें , अपना परिवार के अनुसार , अपना भाषा के अनुसार , अपना देश में , अपना जाति के अनुसार।* "
उत्पत्ति 10:32: " *इ लोग नूह के बेटा लोग के परिवार ह, उ लोग के पीढ़ी के अनुसार , उ लोग के जाति के अनुसार।* ***आउ लोग से उ राष्ट्र निकलल जवन जलप्रलय के बाद धरती पर बिखराइल रहे*** / "

उत्पत्ति 11 में दिहल गइल बा

भाषा के हिसाब से अलगाव

उत्पत्ति 11:1: " *पूरा धरती एके भाषा के रहे आएके बोले के रहे /* "
भगवान इहाँ एह तथ्य के तार्किक परिणाम के याद करत बाड़न कि सब मानवता एगो जोड़ा से निकलल बा : आदम अउर हव्वा। एह से बोलल जाए वाली भाषा के संचरण सभ वंशज में हो गइल।
उत्पत्ति .11:2: " *जब उ लोग पूरब से निकलत रहले , त उ लोग के शिनार देश में एगो मैदान मिलल , उ लोग उहाँ रह गईले /* "
वर्तमान इराक में "शिनार " के भूमि के "पूरब " में वर्तमान ईरान रहे। ऊँच जमीन छोड़ के लोग एगो मैदान में जुट गइल , जवना में दू गो बड़हन नदी , "यूफ्रेटिस आ टाइग्रिस " (हिब्रू : फ्रात आहिड्डेकेल) आउपजाऊ नदी सभ से पानी बढ़िया रहे। अपना समय में अब्राहम के भतीजा लूत भी बसे खातिर इ जगह चुनत रहले , जब उ अपना चाचा से अलग हो गईले। महान मैदान एगो महान शहर " *बाबेल* " के निर्माण के पक्ष में होई , जवन दुनिया के अंत तक मशहूर रही।
उत्पत्ति 11:3: " *आउ लोग एक दूसरा से कहलस कि आजा , हमनी के ईंट बना के आग में जरा दीं। आउ लोग के लगे पत्थर के बदले ईंट आमोर्टर के बदले कोलतार रहे /* "
जुटल आदमी अब डेरा में ना रहत रहले ; ओह लोग के बेक्ड ईंट के निर्माण के खोज भइल जवना से ऊ लोग स्थायी आवास बनावे के मौका मिलल . ई खोज सभ शहरन के

उत्पत्ती रहे। मिस्र में गुलामी के दौरान एह ईंट के निर्माण , फिरौन खातिर रामसेस बनावे खातिर , इब्रानियन के दुख के कारण होई। अंतर ई रहे कि ओह लोग के ईंट आग में ना सेकल जात रहे , बलुक माटी आभूसा से बनल रहे आमिस्र के जरत धूप में सुखावल जात रहे।

उत्पत्ति 11:4: " *उ लोग कहल कि , जा , हमनी के एगो शहर* ***आ एगो बुर्ज बना ईं जा , जवना के चोटी स्वर्ग तक पहुंच सके*** *, आहमनी के नाम बनावे के चाहीं , कहीं हमनी के पूरा धरती पर बिखर ना जाइब जा । "*

नूह आउनकर वंशज के बेटा लोग धरती पर बिखराइल , खानाबदोश आ हमेशा अपना हरकत के अनुकूल डेरा में रहत रहे। एह प्रकाशन में भगवान ओह पल पर केंद्रित बाड़न जब मानव इतिहास में पहिला बेर आदमी एक जगह आ स्थायी आवास में बस जाए के फैसला कइले , एह तरह से पहिला बेकार लोग के गठन कइले। आएह पहिला जुटान से ऊ लोग एकजुट हो गइल आ ओह **अलगाव** से बचे के कोशिश कइल जवना से विवाद , झगड़ा आ मौत के जन्म भइल . ऊ लोग नूह से जलप्रलय से पहिले के लोग के दुष्टता आ हिंसा के बारे में सीखल ; एतना कि भगवान के ओह लोग के सफाया करे के पड़ल। आ ओही गलती के दोह रावे के जोखिम के बेहतर तरीका से काबू पावे खातिर ओह लोग के मानना बा कि एके जगहा करीब से जुटला से ऊ लोग एह हिंसा से बचे में सफल हो जाई . कहावत बा कि एकता ताकत ह। बाबेल के समय से ही सब महान दबंग आ महान वर्चस्व एकता आ जुटान पर आपन ताकत के आधार बनवले बाड़े। पिछला अध्याय में राजा निमरोद के जिक्र कइल गइल रहे , जे अपना समय में मानवता के पहिला एकजुट करे वाला नेता रहलें , ठीक बाबेल आ ओकर टावर के निर्माण से।

पाठ में निर्दिष्ट कइल गइल बा : " ***एगो टावर जवना के चोटी आसमान के छूवेला*** ." "आकाश के छूवे " के ई विचार स्वर्ग में भगवा न के साथे जुड़ के ओकरा के देखावे के इरादा के संकेत देला कि आदमी उनकरा बिना रह सकेला अउर उ लोग के लगे विचार बा कि उ लोग खुद अपना समस्या से बचे अउर हल कर सके। ई सृष्टिकर्ता भगवान खातिर चुनौती से ना त अधिका बा ना कम.

उत्पत्ति 11:5: " *यहोवा उ शहर अउर बुर्ज के देखे खातिर उतरलन , जवन आदमी के बेटा बनत रहलें । "*

ई त बस एगो छवि ह जवन हमनी के बतावेला कि भगवान एक बेर फेरु से विद्रोही विचार से जीवंत मानवता के योजना जानत बाड़न .

उत्पत्ति .11:6: " *आयहोवा कहले : देखऽ , लोग एके ह , आ उनकर सब एके भाषा बा , आउ लोग इहे करे लागल बा : अब उ लोग के जवन भी इरादा बा , ओकरा से कुछ भी ना रोकल जाई । "*

बाबेल के समय के स्थिति से समकालीन सार्वभौमिकतावादी लोग ईर्ष्या करे ला जे एह आदर्श

के सपना देखे ला : एकही जनता बनावे आएकही भाषा बोले के। आ हमनी के सार्वभौमिकता , निमरोद के बटोरले निहन , एह विषय प भगवान के का विचार बा , एकरा से कवनो फर्क नईखे पड़त। तबो आदम के पाप के बाद से 1747 साल में भगवान आपन बात कहले बाड़े अवुरी आपन राय देले बाड़े। जइसन कि उनकर बात बतावत बा कि मानवीय परिं योजना के विचार उनका के खुश ना करेला आपरेशान करेला . हालांकि एह लोग के फेर से सफाया करे के कवनो सवाल नइखे . बाकिर ध्यान दीं कि भगवान विद्रोही मानवता के दृष्टिकोण के प्रभावशीलता पर विवाद नइखन करत . एकर खाली एगो खामी बा , आऊ ओकरा खातिर बा कि जेतना ऊ लोग जुट जाला , ओतने ओकरा के नकार देला , अब ओकर सेवा ना करेला , भा एकरा से भी बुरा , ओकरा चेहरा के सोझा झूठा देवता के सेवा करेला।

उत्पत्ति 11:7: “ *अब आ जा , हमनी के नीचे उतर के उनकर भाषा के भ्रमित कर दीं जा , ताकि उ लोग एक दूसरा के बात ना समझ सके । ”*

भगवान के आपन समाधान बा : " *हमनी के ओह लोग के भाषा के भ्रमित कर दीं जा , ताकि ऊ लोग अब एक दूसरा के भाषा ना समझ पावे* ." एह क्रिया के मकसद बा कि एगो दिव्य चमत्कार ले आवल जाव . पल भर में लोग अलग अलग भाषा बोलेला आ अब एक दोसरा के ना समझत एक दोसरा से दूर होखे के मजबूर हो जाला . जवन एकता उ लोग खोजत रहले उ **टूट गईल बा** . एह अध्ययन के विषय पुरुषन के **अलगाव** आजुओ बा , बढ़िया से पूरा भइल बा .

उत्पत्ति 11:8: “ *अउर यहोवा उनके उहाँ से पूरा धरती पर बिखेर दिहलन , अउर उ लोग शहर के निर्माण छोड़ दिहलन । ”*

एके भाषा बोले वाला लोग एकजुट होके दोसरा से दूर हो जाला . एह से " *भाषा* " के एह अनुभव के बाद ही लोग विभिन्न जगहन पर बस जाई जहाँ पत्थर आ ईंट के शहर मिल जाई। राष्ट्र बन जाई आ ओह लोग के दोष के सजा देबे खातिर भगवान ओह लोग के एक दोसरा का खिलाफ खड़ा कर पइहें . " *बाबे ल* " के सार्वभौमिक शांति स्थापित करे के कोशिश असफल हो गईल बा।

उत्पत्ति 11:9: “ *एह से एकरा के बाबेल कहल गइल , काहे कि उहाँ से यहोवा पूरा धरती के भाषा के भ्रमित कर दिहलन , आ उहाँ से यहोवा ओह लोग के पूरा धरती पर बिखेर दिहलन । ”*

"बाबेल " नाम , जवना के मतलब होला "भ् रम " जानल लायक बा काहे कि ई आदमी के गवाही देला कि भगवान ओह लोग के सार्वभौमिक मिलन के कोशिश पर कइसे प्रतिक्रिया दिहलन : " *भाषा के भ्रम* ." पाठ के उद्देश्य दुनिया के अंत तक मानवता के चेतावे के रहे , काहे कि परमेश्वर एह अनुभव के अपना गवाही में प्रकट कईल चाहत रहले , जवन मूसा के डिक्टेट कईले

रहे , जे एह तरह से अपना पवित्र बाइबल के पहिला किताब लिखले , जवन हमनी के आजभी पढ़ेनी जा। एह तरह से भगवान के ओह समय के विद्रोहियन के खिलाफ हिंसा ना करे के पड़ी। लेकिन दुनिया के अंत में इ उहे ना होई जब, भगवान के निंदा कईल गईल एह सार् वभौमिक सभा के दोबारा पेश करत , तीसरा विश्वयुद्ध के बाद अंतिम बचल विद्रोही यीशु मसीह के गौरवशाली वापसी से नष्ट हो जईहे। तब ओह लोग के "उनकर क्रोध " से निपटे के पड़ी , एकरा अलावा , उनकर आखिरी चुनल लोग के मारे के फैसला कइले होई काहे कि उ लोग उनकर सब्त के दिन के प् रति वफादार रहल होई , जवन उनकर दुनिया के रचना के बाद से पवित्र भइल होई। भगवान के दिहल सबक के मानवता कबो ना देखलस आलगातार धरती पर हर जगह बड़हन शहर तब तक बनल जबले भगवान ओकरा के दोसरा लोग से नाश ना कर दिहले भा बहुते बड़हन परिमाण के घातक महामारी से नाश ना कर दि हले .

शेम के वंशज लोग के आस्तिक आवर्तमान एकेश्वरवादी धर्मन के पिता अब्राहम के प्रति

उत्पत्ति 11:10: “ *शेम के पीढ़ी इहे ह: शेम सौ साल जिंदा रहलन अउर जलप्रलय के द्व साल बाद अरफाक्सद के जनम भइलन .*”

शेम के बेटा अरफाक्साद के जनम 1658 (1656 + 2) में भइल रहे।

उत्पत्ति 11:11: “ *आरफाक्सद के जनम के बाद शेम पांच सौ साल जिंदा रहलन आबेटा -बेटी जनमलन .*”

शेम के निधन 2158 में 600 (100 + 500) साल के उमिर में भइल।

उत्पत्ति 11:12: “ *आरफाक्सद पंतीस साल के उमिर में शेला के जनमल / .* ”

अरफाक्साद के बेटा शेला के जनम 1693 (1658 + 35) में भइल रहे।

उत्पत्ति 11:13: “ *शेला के जनम के बाद अरफक्सद चार सौ तीन साल तक जिंदा रहले अवुरी बेटा -बेटी पैदा भईले / .* ”

अर्पचड के निधन 2096 में 438 (35 + 403) बरिस के उमिर में भइल।

उत्पत्ति 11:14: “ *शेला तीस साल के उमिर में एबर के जनमल / .* ”

हेबर के जनम 1723 (1693 + 30) में भइल रहे।

उत्पत्ति 11:15: “ *एबर के जनम के बाद शेला चार सौ तीन साल तक जिंदा रहले अवुरी उनुकर बेटा -बेटी पैदा भईल / .* ”

शेला के निधन 2126 (1723 + 403) में 433 (30 + 403) साल के उमिर में भइल।

उत्पत्ति 11:16: “ *हेबर चौंतीस साल के उमिर में पेलेग के जनमल । ”*

पेलेग के जनम 1757 (1723 + 34) में भइल रहे। **उनकर जन्म के समय, उत्पत्ति 10:25 के अनुसार , " *धरती के बंटवारा* " बाबल में जुटल आदमी लोग के अलग करे अउर अलग करे खातिर परमेश्वर द्वारा बनावल गइल बोलल भाषा से बाँटल गइल।**

उत्पत्ति 11:17: “ *पेलेग के जनम के बाद एबर चार सौ तीस साल तक जिंदा रहले अवुरी बेटा -बेटी के जनम भईल । ”*

हेबर के निधन 2187 (1757 + 430) में 464 (34 + 430) बरिस के उमिर में भइल।

उत्पत्ति 11:18: “ *पेलेग तीस साल के उमिर में रेउ के जनमल । ”*

रेहू के जनम 1787 (1757 + 30) में भइल रहे ।

उत्पत्ति 11:19: “ *रेउ के जनम के बाद पेलेग द्व सौ नौ साल तक जिंदा रहलन आबेटा -बेटी के जनम भइलन । ”*

पेलेग के निधन 1996 (1787 + 209) में 239 (30 + 209) बरिस के उमिर में भइल। ध्यान दीं कि अचानक जीवन छोट हो गइल शायद उनकरा समय में पूरा भइल बाबेल के टावर पर भइ ल विद्रोह के कारण।

उत्पत्ति 11:20: “ *रेऊ बत्तीस साल के उमिर में सेरुग के जनमल । ”*

सेरुग के जनम 1819 (1787 + 32) में भइल रहे।

उत्पत्ति 11:21: “ *सेरुग के जनम के बाद रेऊ द्व सौ सात साल तक जिंदा रहलन आबेटा -बेटी के जनम भइलन । ”*

रेहू के निधन 2096 (1819 + 207) में 239 (32 + 207) साल के उमिर में भइल।

उत्पत्ति 11:22: “ *सेरुग तीस साल के उमिर में नाहोर के जनमल । ”*

नचोर के जनम 1849 (1819 + 30) में भइल रहे।

उत्पत्ति 11:23: “ *नाहोर के जनम के बाद सेरुग द्व सौ साल तक जिंदा रहलन आबेटा -बेटी के जनम भइलन । ”*

सेरुग के निधन 2049 (1849 + 200) में 230 (30 + 200) साल के उमिर में भइल।

उत्पत्ति 11:24: “ *नाहोर उनइस साल के उमिर में तेरह के जनमल । ”*

1878 (1849 + 29) में भइल रहे।

उत्पत्ति 11:25: “ *तेरा के जनम के बाद नाहोर एक सौ उन्नीस साल तक जिंदा रहले अवुरी बेटा -बेटी पैदा भईले । ”*

नचोर के निधन 1968 (1849 + 119) में 148 (29 + 119) साल के उमिर में भइल।

उत्पत्ति 11:26: " *तेरा सत्तर साल के उमिर में अब्राम , नाहोर आहारान के जनम कइलन । "*

अब्राम के जनम 1948 (1878 + 70) में भइल रहे।

अब्राम के पहिला वैध बेटा इसहाक के जन्म होई जब उ 100 साल के होईहे , 2048 में , उत्पत्ति 21:5 के अनुसार : " *अब्राम सौ साल के रहले जब उनुकर बेटा इसहाक भईल ।* "

अब्राम के मौत 2123 में 175 साल के उमिर में होई , उत्पत्ति 25:7 के अनुसार : " *इ अब्राहम के जीवन के साल के दिन ह, उ एक सौ पचहत्तर साल जियले ».*

उत्पत्ति 11:27: " *तेरा के पीढ़ी इहे ह: तेरा से अब्राम , नाहोर अउर हारान के जनम भइल। हारान से लूत के जनम भइल ।* "

ध्यान दीं कि अब्राम तेरा के तीन गो बेटा में से बड़का हवें। त उनकर जनम सचमुच तब भइल जब उनकर पिता तेराह 70 साल के रहले , जइसन कि ऊपर श्लोक 26 में कहल गइल बा।

उत्पत्ति 11:28: " *आ हारान अपना पिता तेरा से पहिले अपना जनम के देश में , कल्दी के उर में मर गइलन ।* "

एह मौत से पता चलत बा कि बाद में लूत अब्राम के यात्रा में काहें साथे जात रहले। अब्राम ओकरा के अपना पाँख के नीचे ले गईले।

कल्दी के उर में ही अब्राम के जनम भइल रहे आ कल्दी के बेबिलोन में ही यिर्मयाह भविष्यवक्ता आ दानियल भविष्यवक्ता के समय में विद्रोही इस्राएल के कैद में ले जाइल गइल रहे।

उत्पत्ति 11:29: " *अब्राम आ नाहोर के मेहरारू भइलन , आअब्राम के मेहरारू के नाम सारा रहे , आनाहोर के मेहरारू के नाम मिलका रहे , जवन हारान के बेटी रहली , मिलका के पिता आइसका के पिता रहली ।* "

एह समय के गठबंधन बहुत सगाई के रहे : नाहोर के बियाह अपना भाई हारन के बेटी मिलका से भईल। ई एगो अइसन कर्तव्य के आदर्श आ पालन रहे जवना के मकसद वंशज के जाति के पवित्रता के बचावल रहे . बदला में इसहाक अपना नौकर के भेजत रहले कि उ अपना बेटा इसहाक खातिर अरामी लाबान के करीबी परिवार से पत्नी खोजस।

उत्पत्ति 11:30: " *आ सारा बंजर रहली , उनकर कवनो संतान ना रहे ।* "

ई बाँझपन सृष्टिकर्ता भगवान के आपन सृजनात्मक शक्ति के प्रकट करे के अनुमति दिही ; ई ओकरा के एगो बच्चा पैदा करे में सक्षम बना के जब ऊ अपना पति अब्राम का तरह लगभग सौ साल के हो जइहें . ई बाँझपन भविष्यवाणी के स्तर पर जरूरी रहे , काहे कि इसहाक के नया आदम के प्रकार के रूप में प्रस्तुत

कइल गइल बा जेकरा के ईसा मसीह अपना समय में अवतार लीहें ; दुनो आदमी अपना समय में " दिव्य प्रतिज्ञा *के बेटा* " रहले। एह से , हमेशा "परमेशवर के बेटा " के रूप में उनकर भविष्यवाणी के भूमिका के कारण ही उ खुद अपना मेहरारू के ना चुनी , काहे कि यीशु के शरीर में , इहे परमेश्वर हवें जे उनकर प्रेरित अउर उनकर चेलन के चुनेलन , यानी कि पिता आत्मा जे उनकरा में बा अउर जे उनका के जीवंत करेला।

उत्पत्ति 11:31: " *तब तेरा आपन बेटा अब्राम , अपना बेटा हारान के बेटा लूत , आ उनकर पतोह सारा , उनकर बेटा अब्राम के मेहरारू सराई के लेके चल गईले। उ लोग कदीय के उर से कनान देश में जाए खातिर एक संगे निकल गईले। उ लोग हारान आके उहाँ रह गईले । "*

अब्राम समेत पूरा परिवार देश के उत्तर में , हारान में बस गईल। एह पहिला कदम से ओह लोग के मानवता के जन्मभूमि के नजदीक आ गइल . ऊ लोग उपजाऊ आ समृद्ध मै दान के बड़हन , पहिलहीं से घन आबादी वाला आ विद्रोही शहरन से **अलगा हो गइल .**

उत्पत्ति 11:32: " *तेरा के दिन द्व सौ पांच साल रहे , आतेरा हारान में मर गइलन । "*

1878 में जनमल तेराह के निधन 205 साल के उमिर में 2083 में हो गइल .

एह अध्याय के अध्ययन के अंत में हमनी के ध्यान दिहल जाव कि जीवन काल के 120 साल तक कम करे के परियोजना सफलता के राह में बहुत बढ़िया बा। शेम के "600 साल " आ नाहोर के "148 साल " भा अब्राहम के "175 साल " के बीच जीवन के छोट होखल साफ लउकत बा। लगभग चार सदी बाद मूसा ठीक 120 साल तक जिंदा रहीहे। भगवान के ओर से उद्धृत संख्या एगो सही मॉडल के रूप में प्राप्त होई।

इब्राहीम के अनुभव में भगवान के चित्रण बा कि उ खुद अपना चुनल लोग के जीवन के छुड़ावे खातिर का करे के तैयार बाड़े , जेकरा के उ अपना सभ मानव प्राणी में से चुनेले कि उ लोग उनुका प्रति उनुकर छवि बरकरार रखले बाड़े कि ना। एह ऐतिहासिक दृश्य में , इब्राहीम पिता के रूप में परमेश्वर हवें , इसहाक , बेटा के रूप में परमेश्वर हवें , अउर पूरा होखे के काम ईसा मसीह में होई , अउर उनकर स्वैच्छिक बलिदान पर नया वाचा के जन्म होई।

उत्पत्ति 12 में दिहल गइल बा पार्थिव परिवार से विरह होखे के

उत्पत्ति 12:1: “ *प्रभु अब्राम से कहले , ‘* ***अपना देश से , अपना रिश्तेदारन से , आअपना पिता के घर से निकल के ओहदेश में जा , जवन हम तोहरा के देखा देब*** । ”” परमेश्वर के आदेश पर , अब्राम अपना पार्थिव परिवार , अपना पिता के घर के छोड़ के चल जइहें , अउर हमनी के एह क्रम में उ आध्यात्मिक अर्थ देखे के चाहीं जवन परमे श्वर उत्पत्ति 2:24 में दिहले बाड़न , उनकरा शब्दन के जवन कहले रहे : " *एह से आदमी अपना बाप अउर महतारी के छोड़ के अपना मेहरारू से चिपक जाई , अउर उ लोग एक शरीर हो जइहें* । " अब्राम के " *अपना पिता अउर महतारी के छोड़ के* " मसीह के भविष्यवाणी के आध्यात्मिक भूमिका में प् रवेश करे के पड़ी जेकरा खातिर खाली " *दुल्हिन* ," उनकर चुनल लोग के सभा के गिनती होला। शारीरिक संबंध आध्यात्मिक उन्नति में बाधा ह जवना से चुनल लोग के बचे के पड़ी , ताकि उ लोग के , एगो प्रतीकात्मक प्रतिरूप में , यीशु मसीह सृष्टिकर्ता परमेश्वर YaHWéH के साथे " *एक मांस* " *बनावे में सफल हो सके।*

उत्प .

अब्राम बाइबल के कुलपति में से पहिला बन जइहें , जेकरा के एकेश्वरवादी लोग "विश्वासी लोग के पिता " के रूप में मान्यता देला। उ, बाइबल में , परमेश्वर के पहिला सेवक भी हवें जिनकर जीवन के विवरण के लंबा समय तक पालन कईल जाई अउर प्र कट कईल जाई।

उत्पत्ति 12:3: “ *हम ओह लोग के आशीर्वाद देब जे तोहरा के आशीष देत बा , अउर जे तोहके गारी देत बा ओकरा के गारी देब , अउर तोहरे में धरती के सब कुल के आशीष मिली* .”

अब्राम के यात्रा आमुठभेड़ एकर सबूत दिही , आ पहिलहीं से मिस्र में जब फिरौन सारा के साथे सुते के चाहत रहले , ई मान के कि ऊउनकर बहिन हई , अब्राम के आपन जान बचावे खातिर कहल बात के अनुसार। एगो दर्शन में भगवान ओकरा से कहले कि सारा एगो भविष्यवक्ता के पत्नी हई , अवु री उ लगभग मर गईले।

एह श्लोक के दूसरा भाग , " *तोहरे में धरती के सब परिवार के आशीष मिली* ," एकर पूर्ति ईसा मसीह में मिली , जे यहूदा के गोत्र के दाऊद के बेटा , इस्राएल के बेटा , इसहाक के बेटा , अब्राम के बेटा। इ अब्राम पर ही परमेश्वर आपन दू गो लगातार वाचा बनाई जवन उनकर उद्धार के मानक प्रस्तुत करेला। काहें से कि एह मानक सभ के बिकसित होखे के पड़े ला ताकि प्रतीकात्मक प्रकार से वास्तविक प्रकार में जाए के पड़े ; एह हिसाब से कि पापी आदमी मसीह से पहिले जियत रहे कि ओकरा बाद।

उत्पत्ति 12:4: " *तब अब्राम चल गइलन , जइसे कि यहोवा उनका से कहले रहले , अउर लूत उनका साथे चल गइलन। जब अब्राम हारान से निकललन त उनकर उमिर पचहत्तर साल रहे* । "

75 साल के उमिर में अब्राम के जिनिगी के लमहर अनुभव पहिलहीं से बा . भगवान के सुने आखोजे खातिर ई अनुभव हासिल करे के पड़ी ; ई काम ओकरा से अलगा भइल मानवता के अभिशाप के खोज कइला का बाद होला . अगर परमेश्वर ओकरा के बोलवले , त एकर कारण बा कि अब्राम ओकरा के खोजत रहले , इहो कि जब परमेश्वर ओकरा के अपना के प्रकट करेले , त उ ओकर बात माने में जल्दीबाजी करेले। अउर एह हितकारी आज्ञाकारिता के पुष्टि अउर याद दिला दिहल जाई कि उनकर बेटा इसहाक के उत्पत्ति 26:5 में उद्धृत एह श्लोक में दिहल जाई : " ***काहे कि इब्राहीम हमार आवाज के पालन कइलन, अउर हमार आज्ञा , हमार आज्ञा , हमार नियम अउर हमार नियम के पालन कइलन*** । " अब्राम इ सब चीजन के तबे रख सकत रहले जब परमेश्वर इ सब चीजन के ओकरा सामने पेश कर देत रहले। परमेश्वर के इ गवाही हमनी के बतावेला कि बाइबल में ना बतावल गईल बहुत सारा बात पूरा हो गईल बा। बाइबल हमनी के खाली मनुष्य के जीवन के लंबा अस्तित्व के सारांश के साथ प्रस्तुत करेला। आआदमी के 175 साल के जिनिगी , ऊ जवन मिनट दर मिनट , सेकेंड दर सेकंड जियले ऊ खा ली भगवाने कह सकेलें बाकिर हमनी खातिर जरूरी चीजन के सारांश काफी बा .

एह तरह से , अब्राम के दिहल गइल परमेश्वर के आज्ञा उनकरा आज्ञाकारिता पर आधारित बा , अउर बाइबल अउर ओकर भविष्यवाणी के हमनी के सब अध्ययन व्यर्थ हो जाई अगर हमनी के एह आज्ञाकारिता के महत्व के ना समझती जा काहे कि यीशु मसीह हमनी के आपन आज्ञाकारिता के उदाहरण के रूप में देले बाड़न जवन यूहन्ना 8:29 में कहत हउवें : " *जे हमरा के भेजले बा , उ हमरा साथे बा ; उ हमरा के अकेले नइखन छोड़ले , काहे कि हम हमेशा* ***उ काम करेनी जवन उनकर नजर में नीक लागेला*** । " केहू के साथे भी इहे हाल बा ; हर बढ़िया संबंध ओह काम से मिलेला जेकरा के रउरा खुश करे के चाहत बानी ओकरा साथे " *जवन मनभावन बा* " ओकरा के कइला से . एही से आस्था , सच्चा धर्म कवनो जटिल चीज ना ह, बलुक एगो साधारण प्रकार के रिश्ता ह जवन भगवान आअपना के खुश करे वाला बनावल जाला।

हमनी के अंतिम समय में जवन संकेत सामने आवत बा ऊ बा लइकन के अपना माता -पिता आ राष्ट्रीय अधिकारियन के प्रति आज्ञा ना माने के। भगवान इ सब चीजन के व्यवस्था एह खातिर करेलन कि उ वयस्क लोग जे उनकरा प्रति विद्रोही , कृतघ्न , या उदासीन बा , उ लोग के पता चल सके कि उ खुद उ लोग के दुष्टता के कारण का

महसूस करेला. एह तरह से भगवान के बनावल कर्म चि ल्लाहट आभाषण से बहुते जोर से चिल्लात बा , अपना धार्मिक आक्रोश आ ओकर न्यायसंगत निंदा के अभिव्यक्ति खातिर .

उत्पत्ति 12:5: " *तब अब्राम आपन मेहरारू सारा आ अपना भाई के बेटा लूत के , आउनकर सब सामान जवन उ लोग बटोरले रहे , आ ओह नौकरन के लेके चल गईले जवन उ लोग हारा न में हासिल कईले रहले। उ लोग कनान के देश में जाए खातिर निकल गईले , अवुरी उ लोग कनान के देश में पहुंच गईले ।* "

हारान कनान के उत्तर -पूरुब में बा। त अब्राम हारान से पश्चिम के ओर बढ़ले अवुरी फेर दक्षिण के ओर बढ़ले अवुरी कनान में घुस गईले।

उत्पत्ति 12:6: " *अब्राम ओह देश से होके मोरे के ओकके पेड़ तक जवन शेकेम कहल जाला , आ ओह समय कनान के लोग ओह देश में रहले .* "

जरूरत बा कि हमनी के रउरा के याद दिआवल जाव ? " *कनानी* " दिग्गज हवें , लेकिन खुद अब्राम के का कहल जाव ? काहे कि बाढ़ अभी भी बहुत नजदीक रहे अउरी अब्राम बहुत बढ़िया से एगो विशालकाय के आकार के हो सकत रहे। कनान में घुसला पर ऊ एह दिग्गजन के मौजूदगी के रिपोर्ट ना करे जवन तार्किक बा अगर ऊ खुद अबहियों एह मानदंड का भीतर बा . दक्खिन से उतरत अब्राम वर्तमान गलील के पार क के वर्तमान सामरिया , शेकेम में पहुँच जालें। सामरिया के ई देश ईसा मसीह के अनुग्रही सुसमाचार प्रचार के जगह होई। उहाँ ओकरा "समरी महिला " अवुरी ओकरा परिवार के बीच विश्वास मिली , जवना के घर में पहिला बेर बहुत आश्चर्य भईल कि एगो यहूदी अपना के घुसे देले बा।

उत्पत्ति 12:7: “ *तब यहोवा अब्राम के सामने प्रकट होके कहले , ‘हम तोहार वंशज के इ देश देब। ’ त अब्राम उहाँ यहोवा के एगो वेदी बनवले , जे उनुका से प्रकट भईल रहले .*”

परमेश्वर सबसे पहिले वर्तमान सामरिया के चुनेलन कि उ अपना के अब्राम के देखावे , जे उहाँ एगो वेदी बना के एह मुठभेड़ के पवित्र करी , जवन मसीह के यातना के क्रूस के भविष्यवाणी के प्रतीक ह। ई चुनाव ईसा मसीह अउर उनकर प्रेरित लोग द्वारा देश के भविष्य के सुसमाचार प्रचार के कड़ी के सुझाव देला। एही जगह से भगवान ओकरा के घोषणा करेले कि उ इ देश अपना संतान के दे दिहे। बाकिर कवन , यहूदी कि ईसाई ? यहूदी लोग के पक्ष में ऐतिहासिक तथ्य के बावजूद , ई वादा नया धरती पर पूरा होखे खातिर मसीह के चुनल लोग के संबंध में लउकत बा ; काहे कि मसीह के चुनल लोग भी , विश्वास से धर्मी ठहरावे के सिद्धांत के अनु सार , अब्राम से वादा कइल गइल वंशज हवें।

उत्पत्ति 12:8: " *उ उहाँ से बेथेल के पूरब में एगो पहाड़ पर चल गइलन , अउर आपन डेरा खड़ा कइलन , जवना के पश्चिम में बेथेल अउर पूरब में ऐ रहे। उहाँ उ यहोवा खातिर एगो वेदी बनवले अउर यहोवा के नाम पुकारले।* "

दक्षिण में उतरत अब्राम बेथेल आ ऐ के बीच के पहाड़ पर डेरा डाल दिहलन। भगवान दुनो शहर के ओरिएंटेशन निर्दिष्ट कईले। बेथेल के मतलब होला "परमेशवर के घर " आ अब्राम एकरा के पच्छिम में , ओह ओरिएंटेशन में रखले जवन तम्बू आयरूशलेम के मंदिर के दिहल जाई , ताकि जब भगवान के पवित्रता , उनकर घर , के ओर प्रवेश कइल जाव , त अधिकारी लोग उगत सूरज के ओर पीठ फेर लेव जवन पूरब , पूरब में उगत रहे। पूरब में ऐ शहर बा , जेकर जड़ के मतलब होला : पत्थर के ढेर , खंडहर भा पहाड़ी आ स्मारक। भगवान हमनी के आपन न्याय के प्रकट करेलन : परमेश्वर के घर में चुनल लोग के प्रवेश द्वार के सामने , पूरब में खाली खंडहर आ पत्थर के ढेर बा। एह छवि में अब्राम के सामने आजादी के दू गो रास्ता खुलल रहे : पश्चिम में बेथेल आजीवन भा पूरब में ऐ आ मौत। ऊ सौभाग्य से पहिलहीं से YaHWéH के साथे जीवन चुन चुकल रहले।

उत्पत्ति 12:9: " *अब्राम दक्षिण के ओर बढ़त गइलन* ."

हमनी के ध्यान दीं कि कनान के एह पहिला पार करे में , अब्राम "येबस " में ना जाला , जवन दाऊद के भविष्य के शहर के नाम ह : यरूशलेम , जवना के एह तरह से उ पूरा तरह से अनदेखी कर देले।

उत्पत्ति 12:10: " *तब देश में अकाल पड़ल , आअब्राम उहाँ प्रवा स करे खातिर मिस्र चल गइलन , काहे कि देश में अकाल बहुते रहे* ."

जइसे कि होई , ओह घरी जब याकूब भा इस्राएल के बेटा यूसुफ मिस्र के पहिला वजीर बन जइहें त अकाल अब्राम के मिस्र ले गइल . उहाँ के उनकर अनुभव एह अध्याय के बाकी श्लोकन में बतावल गइल बा।

अब्राम एगो शांतिप्रिय आ इहाँ तक कि डरपोक आदमी हवे। अपना मेहरारू सराय के ले गइला पर मारल जाई , जे बहुते सुन्दर रहली , एह डर से ऊ ओकरा के आपन बहिन , आधा -सत्य के रूप में पेश करे के फैसला कइलन . एह चाल से फिरौन ओकरा के खुश कइलन आ ओकरा पर अइसन माल के बरसात कइलन जवना से ओकरा के धन आसत्ता मिल जाव . एह से मिलल , भगवान फिरौन के महामारी से मार दिहले आ उनका पता चलल कि सारा उनकर मेहरारू हई। एकरा बाद उ अब्राम के भगा दिहले , जवन मिस्र के अमीर अवुरी ताकतवर छोड़ के चल गईले। एह अनुभव से इब्रानियन के प्रवास के भविष्यवाणी भइल जे मि स्र में गुलाम रहला के बाद ओकरा के छोड़ के चल जइहें आ

ओकर सोना आधन अपना साथे लेके चल जइहें। आई शक्ति जल्दिये उनका खातिर बहुते काम के हो जाई .

उत्पत्ति 13 में दिहल गइल बा

अब्राम के लूत से अलग होखे के बात

मिस्र से लवटत घरी अब्राम , उनकर परिवार आउनकर भती जा लूत बेथेल में वापस आजालें , जहाँ ऊ भगवान के आह्वान करे खातिर एगो वेदी खड़ा कइले रहले। जबकि उ सब बेथेल अउर ऐ के बीच , "परमेशवर के घर " अउर "बरबाद " के बीच स्थित एह जगह पर बा। ओह लोग के नौकरन के बीच झगड़ा के बाद अब्राम लूत से अलग हो जाला , जेकरा के ऊ ओह दिशा के चुनाव देला जवना के ऊ जाए के चाहत बा। आ लूत मौका के फायदा उठा के मैदान आ ओकर उर्वरता के चुनेला , समृद्धि के वादा करेला। पद 10 में निर्दिष्ट कइल गइल बा : " *लूत आपन आँख उठा के देखलन कि यरदन के पूरा मैदान हर जगह पानी से भरल बा। यहोवा सदोम आअमोरा के नष्ट करे से पहिले , ऊ सोअर तक प्रभु के बगीचा निहन रहे , मिस्र के देश निहन रहे* । " अइसन करत ऊ "बरबाही " चुनलें आएकर खोज तब करीहें जब भगवान एह घाटी के शहरन पर आग आगंधक से मार दीहें , जवन अब कुछ हद तक "मृत सागर " से ढंकल बा ; एगो अइसन सजा जवना से ऊ आ उनकर दू गो बेटी बच जइहें , भगवान के दया के बदौलत जे दू गो स्वर्गदूत भेज के उनका के चेतावे आ सदोम छोड़ के जहाँ ऊ रहत रहले . हमनी के पद 13 में पढ़ेनी जा : " *सदोम के लोग दुष्ट अउर बड़ पापी रहले याहवेह के खिलाफ* । "

त अब्राम पहाड़ में “परमेशवर के घर ” बेथेल के लगे रुक गईले।

उत्प ***धरती के*** , *तोहार वंशज भी गिनल जाई , ओकर लंबाई आ चौड़ाई में चल जाईं , काहे कि हम ओकरा के तोहरा के देब* ।

लूत के विकल्प दे के , अब्राम के उ हिस्सा मिल जाला जवन परमेश्वर ओकरा के देवे के चाहत बाड़े अउर इहाँ फिर से , उ आपन आशीष अउर आपन वादा के नवीनीकरण करेलन। उनकर " *बीज* " के तुलना " *धरती के धूल* " से , मानव आत्मा के शरीर अउर आत्मा के उत्पत्ति अउर अंत , उत्पत्ति 2:7 के अनुसार , उत्पत्ति 15:5 में " *स्वर्ग के तारा* " के से पुष्टि होई।

उत्पत्ति 14 में दिहल गइल बा

सत्ता से अलगा होखल

पूरब से चार राजा ओह घाटी के पांच राजा के खिलाफ लड़ाई करे आवेले , जहवां सदोम , जहवां लूत रहेले , उहाँ स्थित बा। पांच राजा लोग के हार के बंदी बना लिहल जाला , लूत के साथे। चेतावल गइल कि अब्राम ओकरा मदद में आवेला अऊर सभ कैद बंधक के मुक्त कर देला। निम्नलिखित श्लोक के रुचि पर ध्यान दिहल जाव।

उत्पत्ति 14:16: " *उ सब धन वापस ले अइले , उ अपना भाई लूत के , उनकर माल , औरत अउर लोग के वापस ले अइले .*"

असलियत में खाली लूत खातिर ही अब्राम हस्तक्षेप कइले। लेकिन तथ्य के बतावे में , परमेश्वर एह वास्तविकता के मुखौटा बना के लूत के प्रति आपन निंदा उकसावेला जे दुष्टन के शहर में रहे के बुरा चुनाव कईले रहे।

उत्पत्ति 14:17: " *अब्राम केदोरलाओमर अउर उनकरा साथे रहल राजा लोग के हरा के वापस अइला के बाद सदोम के राजा शावे के घाटी में उनकरा से मिले खातिर निकलल , जवन राजा के घाटी ह।* "

विजेता के धन्यवाद देबे के पड़ी . "शावेह " शब्द के मतलब होला : सादा ; ठीक इहे बात लूत के बहका दिहलस आ ओकर पसंद के प्रभावित कइलस।

उत्पत्ति 14:18: " *सलेम के राजा मल्कीसेदेक रोटी अउर शराब लेके अइलन , उ परम परमेश्वर के याजक रहलन .*"

सलेम के ई राजा " *परम परमेश्वर के याजक* " रहले . उनकर नाम के मतलब होला "हमार राजा न्याय हउवें ." उनकर उपस्थिति अउर हस्तक्षेप जलप्रलय के अंत के बाद से धरती पर सच्चा परमेश्वर के पूजा के निरंतरता के प्रमाण देला , जवन अब्राम के समय के आदमी लोग के विचार में बहुत मौजूद बा। लेकिन सच्चा परमेश्वर के इ उपासक लोग उद्धार के योजना से बिल्कुल अनजान बा जवन परमेश्वर अब्राम अउर उनकर वंशज के द्वारा जीयल गईल भविष्यवाणी के अनुभव के माध्यम से प्रकट करीहे ।

उत्प .

परमेश्वर के एह आधिकारिक प्रतिनिधि के आशीष ओह आशीष के अउरी पुष्टि करेला जवन परमेश्वर सीधे अब्राम के व्यक्तिगत रूप से देले रहले।

उत्पत्ति 14:20: " *परम परमेश्वर के धन्य होखे , जे तोहार दुश्मनन के तोहरा हाथ में सौंप देले बाड़े* !

मल्कीसेदेक अब्राम के आशीष देला लेकिन सावधान रहेला कि उ आपन जीत के श्रेय ओकरा के ना देवे ; ऊ एकरा के " *परम परम भगवान के श्रेय देत बाड़न जेकरा लगे बा अपना दुश्मनन के अपना हाथ में सौंप दिहलस* ." अउर , हमनी के लगे अब्राम के परमेश्वर के नियम के पालन के एगो ठोस उदाहरण बा काहे कि उ " *हर*

चीज के दसवां हिस्सा " मल्कीसेदेक के देले रहले जेकर नाम के मतलब होला : "हमार राजा न्याय हवे। " एह से दसवां हिस्सा के ई नियम धरती पर जलप्रलय के अंत के बाद से ही मौजूद रहे अउर शायद "जलप्रलय " से पहिले भी।

उत्पत्ति 14:21: " *सदोम के राजा अब्राम से कहले , "हमरा के उ लोग दे द, अउर धन के अपना खातिर ले लीं ."*

सदोम के राजा अब्राम के ऋणी बाड़े कि उ अपना लोग के बचा लेले बाड़े। एहसे ऊ अपना सेवा के शाही भुगतान कइल चाहत बा .

उत्पत्ति 14:22: " *अब्राम सदोम के राजा के जवाब दिहलन : हम स्वर्ग अउर धरती के मालिक परमात्मा परमेश्वर यहो वा के ओर हाथ उठावत बानी :"*

अब्राम एह स्थिति के फायदा उठा के दुष्ट राजा के " *याहवेह परम भगवान* " के अस्तित्व के याद दिला देला , जे एकमात्र " *आकाश आधरती के मालिक* " हवें ; जवन ओकरा के ओह सब धन के एकमात्र मालिक बना देला जवन राजा के अपना दुष्टता से मिलेला।

उत्पत्ति 14:23: " *हम तोहार सब कुछ में से कुछ ना लेब , ना त धागा , ना जूता के फीता , कहीं ना कहब कि हम अब्राम के अमीर बना देले बानी , लेकिन हमरा लगे कुछुओ नईखे।* "

एह रवैया में अब्राम सदोम के राजा के गवाही देत बाड़न कि ऊ एह युद्ध में खाली अपना भतीजा लूत के बचावे खातिर आइल बाड़न। अब्राम भगवान के तरह एह राजा के निंदा करेलन जे बुराई , विकृति अउर हिंसा में जिएला। आ ऊ अपना अयोग्य तरीका से मिलल धन के मना क के ओकरा के ई बात साफ कर देला .

उत्पत्ति 14:24: " *खाली उहे हिस्सा जवन नवही खइले बाड़े , अउर हमरा साथे गईल लोग के हिस्सा , अनेर , एश्कोल अउर ममरे : उ लोग आपन हिस्सा ले लीहे ."*

लेकिन अब्राम के इ चुनाव खाली उहे बा , जवन परमेश्वर के सेवक ह, अउर उनकर सेवक चढ़ावल धन में से आपन हिस्सा ले सकेला।

उत्पत्ति 15 में दिहल गइल बा

गठबंधन से अलगा होखे के बात कहल जाला

उत्पत्ति 15:1: " *एह सब के बाद यहोवा के वचन अब्राम के सामने एगो दर्शन में आइल कि , "अब्राम , मत डेरा , हम तोहार ढाल हईं , आतोहार इनाम बहुत बड़ होई ."*

अब्राम एगो शांतिप्रिय आदमी हवें जे एगो क्रूर दुनिया में रहेलें , एहसे एगो दर्शन में भगवान , उनकर दोस्त YaHWéH, ओकरा के आश्वस्त करे

आवेलें : " *हम तोहार ढाल हईं , आतोहार इनाम बहुत बड़ होई* ."

उत्पत्ति 15:2: " *अब्राम जवाब दिहलन , हे प्रभु यहोवा , तू हमरा के का देबऽ ? हम निःसंतान हो रहल बानी ; आहमरा घर के वारिस दमिश्क के एलीएजर हवें* । "

बहुत दिन से अब्राम अपना वैध पत्नी सारा के बाँझपन के चलते पिता ना बन पावे के शिकार बाड़े। आ ऊ जानत बा कि ओकरा मरला पर कवनो करीबी रिश्तेदार के ओकर संपत्ति विरासत में मिल जाई : " *दमिश्क के एलीएजर* ." हमनी के गुजरत -गुजरत नोट करीं जा कि सीरिया में ई शहर " *दमिश्क* " केतना प्राचीन बा।

उत्पत्ति 15:3: " *अब्राम कहले , "देखऽ , तू हमरा के कवनो संतान नइखऽ दिहले , आजे हमरा घर में जनमल बा , उ हमार वारिस होई* । "

अब्राम के अपना वंशज खातिर कइल गइल वादा के समझ में नइखे आवत काहे कि ओकरा लगे कवनो वादा नइखे , निःसंतान होखला का चलते .

उत्पत्ति 15:4: " *तब यहोवा के वचन उनका लगे आइल कि इ आदमी तोहा र वारिस ना होई , लेकिन जे तोहार शरीर से आई उ तोहार वारिस होई* । "

भगवान ओकरा से कहेले कि असल में उ एगो बच्चा के बाप बन जईहे।

उत्पत्ति 15:5: " *उ ओकरा के बाहर निकाल के कहले , "अब स्वर्ग के ओर देख , तारा गिन , अगर तू ओकरा के गिने में सक्षम होखब। उ ओकरा से कहलस कि , "तोहार संतान भी अयीसन होई* । "

तारा " शब्द के देवेलन। मूल रूप से उत्पत्ति 1:15 में उद्धृत , " *तारा* " के भूमिका " *धरती के रोशनी देवे के* " ह अउर इ भूमिका पहिले से ही अब्राम के बा जेकरा के परमेश्वर एह उद्देश्य खातिर बोलवले अउर अलग रखले बाड़न , लेकिन इ सब विश्वासियन के भी होई जे उनकर विश्वास अउर परमेश्वर के सेवा के दावा करी। ध्यान दीं कि दान .12:3 के अनुसार , चुनल लोग के अनंत काल में प्रवेश कइला पर " *तारा* " के दर्जा दिहल जाई : " ***जे*** *बुद्धिमान बा ऊ आकाश के चमक नियर चमकी , अउर* ***जे*** *बहुत लोग के धर्म के ओर मोड़ देला , ऊ तारा नियर हमेशा खातिर चमकी* "। " *तारा* " के छवि बस भगवान के चयन के चलते उनुका के दिहल जाला।

उत्पत्ति 15:6: " ***अब्राम यहोवा में विश्वास कइले , अउर ओकरा के धार्मिकता के श्रेय दिहलन*** ."

ई छोट श्लोक आस्था के परिभाषा आ आस्था से धर्मी ठहरावे के सिद्धांत के आधिकारिक तत्व के गठन करेला। काहे कि विश्वास प्रबुद्ध , धर्मी आ योग्य भरोसा के अलावा कुछुओ ना ह। भगवान पर भरोसा तबे जायज होला जब उनकर इच्छा आउनकर मन भावन सब कुछ के प्रबुद्ध ज्ञान होखे , जवना के बिना ऊ नाजायज हो

जाला। परमेश्वर पर भरोसा इ विश्वास करे में शामिल बा कि उ खाली उनके आशीष देवेलन जे उनकर आज्ञा मानेला , अब्राम के उदाहरण अउर यीशु मसीह के सही उदाहरण के पालन करत।

अब्राम पर परमेश्वर के ई न्याय भविष्यवाणी करेला कि उ ओह सब लोग पर ले अइहें जे उनकरा जइसन काम करीहें , उहे आज्ञाकारिता में जवन ईश्वरीय सच्चाई के प्रस्ताव आमांगल गइल रहे उनकर समय में।

उत्पत्ति 15:7: " *तब यहोवा ओकरा से कहले , " **हम यहोवा हईं , जे तोहरा के** कसदी के उर से निकाल के ले अइनी कि तोहरा के एह देश के अपना कब्जा में ले आईं ."*

अब्राम के साथे आपन वाचा के प्रस्तुति के प्रस्तावना के रूप में , परमेश्वर अब्राम के याद दिलावत बाड़न कि उ ओकरा के कसदी के उर से बाहर ले अइले। ई सूत्र परमेश्वर के "दस आज्ञा " में से पहिला के प्रस्तुति के मॉडल पर बनावल गइल बा जवन निष्कर्ष 1 में उद्धृत बा। 20:2: " ***हम यहोवा , तोहार परमेश्वर हईं , जे तोहनी के** मिस्र के देश से , गुलामी के घर से निकाल के ले अइनी ।* "

उत्पत्ति 15:8: " *अब्राम जवाब दिहलन , हे प्रभु , हम कइसे जानब कि हम एकरा के अपना मा लिक बनब ?* "

अब्राम यहोवा से एगो निशानी मांगेला।

उत्पत्ति 15:9: " *आ यहोवा ओकरा से कहलस: तीन साल के बछिया , तीन साल के बकरी , तीन साल के मेढ़ा , कबूतर आ कबूतर के बच्चा लेके चल जा .* "

उत्पत्ति 15:10: " *अब्राम एह सब जानवरन के लेके आधा में काट के हर टुकड़ा के दूसरा के सामने रख दिहलन ; लेकिन चिरई के उ ना बंटले .*"

परमेश्वर के प्रतिक्रिया अउर अब्राम के काम के बारे में समझावे के जरूरत बा। ई बलिदान समारोह बँटवारा के विचार पर आधारित बा , जवन दुनो पक्ष से संबंधित बा जे कवनो वाचा करेला , माने कि हमनी के दू गो के रूप में बाँट लीं । बीच में काटल जानवर मसीह के शरीर के प्रतीक ह, जवन एक होखला के नाते , आध्यात्मिक रूप से परमेश्वर अउर उनकर चुनल लोग के बीच बांटल जाई। भेड़ आदमी आमसीह के प्रतिरूप में बाड़ी स, लेकिन चिरई में उ आदमी के इ प्रतिरूप नईखे जवन परमेश्वर के भेजल मसीह होईहे। एही से स्वर्गीय प्रतीक के रूप में उ लोग वाचा में आवेला लेकिन काटल ना जाला। यीशु द्वारा पाप के प्रायश्चित खाली पार्थिव चुनल लोग खातिर अनुकूल होई , स्वर्गीय स्वर्गदूतन खातिर ना।

उत्पत्ति 15:11: " *शिकारी चिरई लोग लाश पर घुस गइलन , आ अब्राम ओह लोग के भगा दिहलन .*"

परमेश्वर के भविष्यवाणी कइल योजना में , मसीह मुक्तिदाता के गौरवशाली वापसी में शिकारी चिरई के

भोजन के रूप में खाली दुष्ट अउर विद्रोही लोग के लाश दिहल जाई। समय के अंत में ई भाग्य ओह लोग के चिंता ना करी जे मसीह में अउर उनकर नियम के माध्यम से परमेश्वर के साथे वाचा करे ला। काहे कि एह तरह से उजागर जानवरन के लाश भगवान आ अब्राम खातिर बहुते पवित्रता के बा . अब्राम के ई काम जायज बा काहे कि तथ्य के मसीह के पवित्रता के भविष्य अउर अंतिम भाग्य से संबंधित भविष्यवाणी के विरोधाभास ना होखे के चाहीं।

उत्पत्ति 15:12: “ *जब सूरज डूबत रहे त अब्राम पर गहिराह नींद आगइल , आदेख , ओकरा पर भय आबहुत अन्हार आ गइल .*”

इ नींद सामान्य नईखे। ई एगो " *गहिरा नींद* " ह , जइसे कि जवना में भगवान आदम के डूबा के उनकर एगो पसलियन से एगो औरत, उनकर " *सहायक* " *बनावे के काम कइले रहले।* अब्राम के साथे कइल वाचा के हिस्सा के रूप में , परमेश्वर ओकरा के ओह भविष्यवाणी के अर्थ के प्रकट करीहें जवन एह " *सहायक* " के दिहल गइल बा , जवन मसीह में परमेश्वर के प्रेम के वस्तु होई। दरअसल , खाली रूप में , भगवान ओकरा के अपना अनन्त उपस्थिति में प्रवेश करे खातिर मरवा देलें , एह तर ह से ऊ अनन्त जीवन में , यानी सच्चा जीवन में , एह सिद्धांत के अनुसार , उनकर प्रवेश के पूर्वानुमान लगावेलें कि कवनो आदमी भगवान के देख के जिंदा ना रह सके।

" *महान अन्हार* " के मतलब बा कि भगवान ओकरा के पार्थिव जीवन खातिर आन्हर कर देलें ताकि ऊ अपना मन में भविष्यवाणी प्रकृति के आभासी बिम्ब के निर्माण कर सकस, जवना में खुद भगवान के रूप आ उपस्थिति भी शामिल बा। एह तरह से अन्हार में डूबल अब्राम के एगो जायज " *डर* " महसूस होला। अतने ना , ई ओह सृष्टिकर्ता भगवान के दुर्जेय स्वभाव के रेखांकित करेला जे ओकरा से बात करेला।

उत्पत्ति 15:13: " *अउर यहोवा अब्राम से कहलन कि , जान लीं कि तोहार वंशज ओह देश में परदेसी हो जइहें जवन उनकर ना ह, अउर उ लोग चार सौ साल तक सेवा करी अउर दबल जाई ।* "

भगवान अब्राम के भविष्य के घोषणा करेलन , जवन भाग्य उनकर वंशज खातिर सुरक्षित बा।

“... *तोहार वंशज ओह देश में परदेसी हो जइहें जवन उनकर ना होई* ”: एकर मतलब मिस्र के बा।

"... *उ लोग उहाँ गुलाम हो जइहें* ": एगो नया फिरौन के बदलाव के ओर जे यूसुफ के ना जानत रहे , हिब्रू जे अपना पूर्ववर्ती के भव्य वजीर बनल रहे। ई गुलामी मूसा के समय पूरा होई।

"... *आचार सौ साल तक उ लोग के दबावल जाई* ": इ खाली मिस्र के अत्याचार ना ह, बल्कि अउरी व्यापक रूप से

उ अत्याचार ह जवन अब्राम के वंशज के तब तक प्रभावित करी जब तक कि उ लोग कनान में , भगवान के वादा कईल गईल उनकर राष्ट्रीय भूमि के कब्जा ना करीहे।

उत्पत्ति 15:14: " *लेकिन हम ओह राष्ट्र के न्याय करब जवना के उ लोग सेवा करीहे , अउर ओकरा बाद उ लोग बहुत धन के संगे निकलीहे .*"

अबकी बेर लक्षित राष्ट्र वाकई में अकेले मिस्र बा जवना के ऊ लोग छोड़ दीहें आ प्रभावी रूप से ओकर सगरी धन अपना साथे ले जाई . ध्यान दीं कि एह श्लोक में भगवान मिस्र के ओह "अत्याचार " के जिम्मेदार नइखन देत जवना के जिक्र पिछला श्लोक में कइल गइल बा। एह से एह तथ्य के पुष्टि होला कि जवन " *चार सौ साल* " के जिक्र कइल गइल बा ऊ अकेले मिस्र पर लागू ना होखे .

उत्पत्ति 15:15: " *तू शांति से अपना बाप -पिता के पास जाइब अउर बढ़िया बुढ़ापा में दफन हो जाईब .*"

भगवान के घोषणा के मुताबिक सबकुछ पूरा हो जाई। उनुका के मकपला के गुफा में हेब्रोन में दफनावल जाई , जवन कि अब्राम के जीवनकाल में एगो हित्ती से खरीदल जमीन प होई।

उत्पत्ति 15:16: " *चउथा पीढ़ी में उ लोग इहाँ फिर से अइहें , काहेकि अमोरी लोग के पा प अभी पूरा नइखे भइल .*"

एह अमोरी लोग में हित्ती लोग के अब्राम से बढ़िया संबंध बा , जेकरा के ऊ लोग महान परमेश्वर के प्रतिनिधि मानेला। त ऊ लोग ओकरा के कब्र खातिर जमीन बेचे के तइयार हो जाला . लेकिन " *चार पीढ़ी* " यानी " *चार सौ साल* " में स्थिति अलग हो जाई अउरी कना न के लोग भगवान के समर्थन ना मिलला के विद्रोह के दहलीज पर पहुँच गईल होई अउरी उ सब के सफाया हो जाई कि उ लोग आपन जमीन इब्रानियन के हाथ में छोड़ दिहे जवन एकरा के आपन राष्ट्रीय धरती बना दिहे।

कनान लोग खातिर एह विनाशकारी योजना के बेहतर तरीका से समझे खातिर हमनी के याद राखे के चाहीं कि नूह कनान के गारी देले रहले , जे उनकर बेटा हाम के पहिला बेटा रहले। एह से प्रतिज्ञात भूमि में हाम के एह वंशज के आबादी रहे , जेकरा के नूह आ भगवान के श्राप मिलल रहे। उनकर विनाश खाली एगो समय के बात रहे जवन भगवान धरती पर आपन योजना पूरा करे खा तिर तय कइले रहले।

उत्पत्ति 15:17: " *जब सूरज डूब गइल त एगो अन्हार हो गइल , आ देख , एगो धुँआधार भट्ठी आ आग के लपट बँटल जानवरन के बीच से गुजरल .*"

एह रस्म में आदमी के जरावल आग के मनाही बा। एह सिद्धांत के उल्लंघन करे के हिम्मत कइला खातिर हारून के दू गो बेटा एक दिन भगवान के भस्म हो

जइहें। अब्राम भगवान से एगो निशानी मंगले रहले आऊ दू भाग में काटल जानवरन के बीच से गुजरत स्वर्गीय आग के रूप में आवेला। इहे तरीका से परमेश्वर अपना सेवकन खातिर गवाही देत बाड़न जइसे कि एलियाह भविष्यवक्ता बाल के भविष्यवक्ता लोग के सामने जवना के समर्थन विदेशी रानी आराजा अहाब के पत्नी ईजेबेल नाम के हई। ओकर वेदी पानी में डूब गईल, भगवान के भेजल आग वेदी अवुरी एलियाह के तैयार पानी के भस्म क दिही, लेकिन झूठा भविष्यवक्ता के वेदी के उनुका आग से अनदेखी कईल जाई।

उत्पत्ति 15:18: "*ओह दिन यहोवा अब्राम के साथे एगो वाचा कइलन आ कहलन कि हम तोहरा वंशज के ई देश मिस्र के नदी से लेके बड़ नदी यूफ्रेटिस नदी तक देले बानी।*"

एह अध्याय 15 के अंत में ई श्लो क एकर पुष्टि करेला, एकर मुख्य विषय वाकई में **ओह गठबंधन के बा जवन चुनल लोग के दोसरा आदमी से अलग करेला** ताकि उ लोग परमेश्वर के साथे एह गठबंधन के साझा कर सके अउर उनकर सेवा करे।

इब्रानियन से वादा कइल गइल देश के सीमा ओह सीमा से अधिका बा जवना पर राष्ट्र कनान पर वि जय हासिल कइला का बाद कब्जा करीं. बाकिर भगवान अपना पेशकश में सीरिया आ अरब के विशाल रेगिस्तान के शामिल कइले बाड़न जवन पूरब के ओर "*यूफ्रेटिस* " से जुड़ल बा आसाथही शूर रेगिस्तान के भी शामिल कइले बाड़न जवन "*मिस्र* " के इस्राएल से अलग करेला। एह रेगिस्तानन के बीच में प्रतिज्ञा कइल भूमि भगवान के बगइचा के रूप ले लेला।

भविष्यवाणी के आध्यात्मिक पाठ में ,"*नदी* "*लोग के प्रतीक हवे, एह से परमेश्वर अब्राम के वंशज के बारे में भविष्यवाणी कर सकेलन, यानी मसीह के बारे में जे इस्राएल अउर मिस्र से परे, पश्चिम में "यूरोप " में, प्रकाशितवाक्य 9:14 में " महान नदी यूफ्रेटिस* " के नाम से प्रतीकित उनकर उपासक अउर उनकर चुनल लोग के पाई।

उत्पत्ति 15:19: "*केनी, केनीज, कदमोन के देश*,"।

उत्पत्ति 15:20: "*हित्ती, परीज़ी, रेफाइम के*,"

उत्पत्ति 15:21: "*अमोरी, कनान, गिरगाशी अउर यबूसी लोग के*."

अब्राम के समय में ई नाम ओह परिवारन के नामित करत रहे जवन कनान के देश के बनावे वाला आ आबादी वाला शहरन में जुटल रहे। इनहन में रेफाइम लोग भी रहल, जे लोग जब यहोशू "*चार पीढ़ी* " या "*चार सौ साल* " बाद इलाका ले लिहलें तब जलप्रलय से पहिले के लोग के विशाल मानक के बा की लोग से ढेर सुरक्षित रखले रहलें।

अब्राम परमेश्वर के योजना में दुनो वाचा के कुलपति हवे। उनकर वंशज शरीर के माध्यम से कई गो वंशज पैदा करीहें जे परमेश्वर के चुनल लोग में पैदा होई , लेकिन उनकर चुनल ना। परिणामस्वरूप , शरीर पर आधारित ई पहिला वाचा उनकर उद्धार योज ना के विकृत कर देला अउर ओकर समझ के बादल बना देला , काहे कि उद्धार खाली दुनो वाचा में विश्वास के काम पर टिकल होई। शरीर के खतना से इब्रानी आदमी के बचाव ना भइल भले ही परमेश्वर के ई माँग होखे। जवन चीज उनका के उद्धार पावे के अनुमति दिहलस उ रहे उनकर आज्ञाकारी काम जवन उनकरा परमेश्वर में विश्वास अउर भरोसा के प्रकट कइलस अउर पुष्टि कइलस। अउर इ उहे बात ह जवन नया वाचा में उद्धार के शर्त लगावेला , जवना में मसीह में विश्वास के परमेश्वर द्वारा प्रकट कइल गइल आज्ञा , नियम अउर ईश्वरीय सिद्धांत के पालन के काम से जिंदा कइल जाला , पूरा बाइबल में। भगवान के साथे पूरा भइल संबंध में अक्षर के शिक्षा आत्मा के बुद्धि से रोशन होला ; एही से यीशु कहले रहले कि : " *अक्षर मार देला , लेकिन आत्मा जीवन देवेला* ."

उत्पत्ति 16 में दिहल गइल बा

वैधता से अलगा होखे के बात कहल जाला

उत्पत्ति 16:1: " *अब्राम के मेहरारू सारा उनकरा से संतान ना पैदा कइली। उनकर एगो मिस्र के दासी रहली , जेकर नाम हागार रहे ।* "

उत्पत्ति 16:2: " *सराय अब्राम से कहली , "देखऽ , यहोवा हमरा के बंजर बना दिहले बाड़न , हमरा दासी के लगे आ जा , शायद हम ओकरा से संतान पैदा कर सकीले।* " अब्राम सारा के आवाज सुनले।

उत्पत्ति 16:3: " *तब अब्राम के मेहरारू सारा मिस्र के दासी हाजर के लेके अपना पति के अब्राम के दे दिहली , जब अब्राम के कनान देश में दस साल रहला के बाद ।* "

सराय के पहल के चलते एह दुर्भाग्यपूर्ण चुनाव के आलोचना कईल हमनी खातिर आसान बा , लेकिन स्थिति के देखल जाव जईसे इ धन्य जोड़ा के सोझा पेश भईल।

उनुका पेट से एगो बच्चा पैदा होई । लेकिन उ बंजर पत्नी सराय के बारे में ना बतवले। एतने ना , अब्राम अपना घोषणा प स्पष्टीकरण खाती अपना सृष्टिकर्ता से ना बोलवले। उ इंतजार करत रहले कि भगवान उनुका से उनुका सार्वभौमि क इच्छा के मुताबिक बात करस। आइहाँ , हमनी के ई समझे के चाहीं

कि एह सफाई के कमी के ठीक मकसद रहे कि एह मानवीय पहल के भड़कावल जाव जवना से भगवान आशीर्वाद के वादा के संदर्भ में एगो नाजायज समकक्ष बनावेलें , बाकिर उपयोगी , भविष्य के इस्राएल के सामने रखे खातिर जवन इस हाक पर बनल रहे , एगो युद्धप्रिय आप्रतिस्पर्धी प्रतिस्पर्धा , एगो विरोधी आ दुश्मन तक। भगवान समझत रहले कि आदमी के पसंद के सोझा राखल नीमन अवुरी बुराई के दुनो रास्ता के अलावे विद्रोही "गदहा " के आगे बढ़ावे खाती "गाजर अवुरी लाठी " दुनो जरूरी बा। इस्माइल के जनम , जे अब्राम के बेटा भी रहलें , इतिहास में एकर अंतिम रूप , धार्मिक , इस्लाम (अधीनता ; एह स्वाभाविक आवंशानुगत रूप से विद्रोही लोग खातिर विडंबना के ऊंचाई) तक ले अरब स्टाफ के गठन के पक्ष में रही।

उत्पत्ति 16:4: “ *उ हाजर के पास गईले , त उ गर्भवती हो गईली , जब उ देखली कि उ गर्भवती बाड़ी त उ अपना मालकिन के नीचा देखली .*”

मिस्र के हागर के अपना मालकिन के प्रति ई तिरस्कार भरल रवैया आजुओ अरब मुस्लिम लोग के विशेषता बा . आ अइसन करे में ऊ लोग पूरा तरह से गलत नइखे , काहे कि पश्चिमी दुनिया एह अपार सौभाग्य के तिरस्कार कइले बा कि ओकरा के ईश्वरीय मसीह यीशु के नाम पर सुसमाचार प्रचार कइल गइल बा . त ई झूठा अरब धर्म भगवान के महान होखे के घोषणा जारी रखले बा जब पश्चिम उनुका के अपना विचारन के रजिस्टर से मेटा दिहले बा .

एह श्लोक में दिहल गइल चित्र हमनी के अंतिम समय के सटीक स्थिति के चित्रण करेला , काहे कि पश्चिमी ईसाई धर्म , सराय के तरह विकृत भी , अब बेटा ना पैदा करेला आ अन्हार के आध्यात्मिक बाँझपन में डूब जाला। आ कहावत बा कि आन्हर के देश में एक आँख वाला राजा हवें।

उत्पत्ति 16:5: " *सराय अब्राम से कहली , 'हमार निंदा तोहरा पर बा। हम अपना दासी के तोहरा गोदी में दे देनी। जब उ देखली कि उ गर्भवती बिया त उ हमरा के नीचा देखली। प्रभु हमरा अवुरी आपके बीच न्याय करस। '*"

उत्पत्ति 16:6: " *अब्राम सारा से कहले , 'देखऽ , तोहार दासी तोहरा अधिकार में बिया ; ओकरा साथे जवन तोहरा बढ़िया लागे , उहे करऽ। ' त सारा ओकरा साथे बुरा व्यवहार कइलस आ हाजर ओकरा से भाग गइल .*"

एकर जिम्मेदारी अब्राम लेत बा , आ ऊ एह नाजायज जन्म के प्रेरणा सराई के दोषी ना ठहरावेला। एह तरह से शुरू से ही वैधता नाजायजता पर आपन कानून थोपेले आ एह सबक के पालन करत अब से बियाह खाली एके करीबी परिवार के लोग के एकजुट करी , ऊहो भविष्य के इजरायल

आमिस्र के गुलाम बनावे से पलायन के बाद मिलल ओकर राष्ट्रीय रूप में।

उत्पत्ति 16:7: " *यहोवा के दूत ओकरा के जंगल में पानी के झरना के पास , शूर के रास्ता में जवन झर ना के पास मिल गईल ।* "

भगवान अउर हाजर के बीच ई सीधा आदान -प्रदान खाली अब्राम के धन्य दर्जा के वजह से संभव बा। भगवान ओकरा के शूर के रेगिस्तान में पावेले , जवन डेरा में रहे वाला खानाबदोश अरब लोग के घर बन जाई , जवन लगातार अपना भेड़ अवुरी ऊंट के खाना के तलाश में हो ई। पानी के स्रोत हाजर के जिए के साधन रहे आ ओकर सामना "जीवन के पानी के झरना " से होला , जवन ओकरा के एगो नौकर के दर्जा आओकर विपुल भाग्य के स्वीकार करे खातिर प्रोत्साहित करेला।

उत्पत्ति 16:8: " *उ कहलस, हे सराय के दासी हाजर , तू कहाँ से आवत बाड़ू ? आ तू कहाँ जात बाड़ू ? उ जवाब दिहली , "हम अपना मालिक सारा से भागत बानीं .* "

हागर दुनो सवाल के जवाब देत बाड़ी : रउआ कहाँ जात बानी ? जवाब : हम भागत बानी। कहाँ से आवत बाड़ू ? जवाब : सराय से , हमार मलिकाइन।

उत्पत्ति 16:9: " *यहोवा के दूत ओकरा से कहलस, "अपना मालकिन के पास वापस आ जा , अउर ओकरा हाथ के नीचे नम्र हो जा .* "

महान न्यायाधीश ओकरा के कवनो चारा ना छोड़ेला , ऊ वापसी आ विनम्रता के आदेश देला , काहे कि असली समस्या ओकरा मालकिन के देखावल तिरस्कार के चलते भइल रहे जे अपना बाँझपन के अलावा ओकर वैध मालकिन बनल रहेले आओकर सेवा आसम्मान करे के प ड़ेला .

उत्पत्ति 16:10: " *यहोवा के दूत ओकरा से कहलस: हम तोहार वंशज के बढ़ा देब , ताकि उ लोग के भीड़ में गिनल ना जा सके .* "

याहवेह ओकरा के "गाजर " के पेशकश क के प्रोत्साहित करेला। ऊ ओकरा से एगो वंशज के वादा करेला " *एतना संख्या में कि ओह लोग के गिनल असंभव हो जाई* ." गलती मत करीं , ई भीड़ शारीरिक होई आ आध्यात्मिक ना होई। काहे कि परमेश्वर के वचन के नया वाचा के स्थापना तक ले जाइल जाई , खाली इब्रानी वंशज के द्वारा। लेकिन बेशक , कवनो भी निश्छल अरब बाइबल में इब्रानियन के लिखल ओकर मानक के स्वीकार करके परमेश्वर के वाचा में प्रवेश कर सकेला। आ जबसे सामने आइल बा तबसे मुस्लिम कुरान एह मापदंड पर खरा नइखे उतरल . ई यीशु मसीह द्वारा प्रमाणित बाइबिल के सच्चाई के आरोप लगावे , आलोचना करे , अउर विकृत करेला।

इस्माइल खातिर अब्राम खातिर पहिले से इस् तेमाल कइल गइल अभिव्यक्ति के प्रयोग करके , "

एतना संख्या में कि एकर गिनती संभव ना होई ," हमनी के समझत बानी जा कि ई खाली मानवीय प्रसार हवें अउर अनन्त जीवन खातिर चुनल ना हवें। भगवान के ओर से प्रस्तावित तुलना हमेशा अयीसन शर्त के अधीन होखेला , जवना के पूरा करे के होई। उदाहरण खातिर : " *स्वर्ग के तारा* " कवनो भी धार्मिक गतिविधि से संबंधित बा जवना में " *धरती के प्रकाश दिहल* " शामिल होखे। बाकिर कवना रोशनी से ? खाली भगवान के वैध बनावल सच्चाई के प्रकाश ही एगो " *तारा* " के आकाश में " *हमेशा खातिर चमके* " के लायक बनावेला , दान् के अनुसार। 12:3, काहे कि उ लोग **सही मायने में** " *बुद्धिमान* " रहल होईहे अउर **सही मायने में** परमेश्वर के अनुसार " धार्मिकता *सिखवले* होईहे ।

उत्पत्ति 16:11: " *यहोवा के दूत ओकरा से कहलस, 'देखऽ , तू गर्भवती बाड़ऽ आएगो बेटा पैदा करबऽ , आतू ओकर नाम इस्माइल रखबऽ , काहेकि यहोवा तोहार दुख सुनले बाड़न* । "'

उत्पत्ति 16:12: " *उ जंगली गदहा निहन होई , ओकर हाथ हर आदमी के खिलाफ होई , अवुरी हर आदमी के हाथ ओकरा खिलाफ होई , अवुरी उ अपना सभ भाई के सोझा रही* ."

भगवान इस्माइल , आ उनकर अरब वंशज लोग के तुलना एगो " *जंगली गदहा* " से करेलें , जवन जानवर अपना विद्रोही आजिद्दी चरित्र खातिर जानल जाला ; आएकरा अलावा क्रूर काहे कि एकरा के " *जंगली* " कहल जाला . एह से ई ना त अपना के वश में करे के अनुमति देला , ना पालतू बनावे के , ना मनावे के . संक्षेप में कहल जाव त ई प्यार ना करेला आ अपना के प् यार ना होखे देला आ अपना जीन में अपना भाई आविदेशी के प्रति आक्रामक आनुवंशिकता लेके चलेला . भगवान के द्वारा स्थापित आप्रकट कइल गइल ई फैसला बहुत महत्व के बा , अंत के एह समय में , इस्लाम के धर्म के दंडात्मक भूमिका के समझे खातिर , भगवान खातिर , जवना के लड़ाई ओह सम य में झूठा ईसाई धर्म कइले रहे जब ईसाई " *प्रकाश* " खाली " *अन्हार* " रहे। अपना पुरखन के धरती पर लवटला का बाद से इजरायल एक बेर फेरू ओकर निशाना बन गइल बा आईसाई लेबल वाला पश्चिम के अमेरिकी सत्ता के रक्षा मिलल बा जवना के ऊ लोग बिना कवनो खास गलती के "महान शैतान " कहत बा . ई सही बा कि एगो छोट "शैतान " "महान " के पहचान सकेला।

इस्माइल के जन्म देके , एगो नाम जवना के मतलब होला "परमेशवर सुनले बाड़े ," विवाद के संतान , परमेश्वर अब्राम के परिवार के भीतर एगो अतिरिक्त **अलगाव पैदा करेलन।** ई बाबेल के अनुभव में पैदा भइल जीभन के अभिशाप में जोड़ल जाला। बाकिर अगर ऊ सजा देबे के साधन तइयार करेला त एकर कारण बा कि ऊ

दुनिया के अंत ले अपना दू गो लगातार गठबंधन में इंसानन के विद्रोही व्यवहार के पहिले से जानत बा .

उत्पत्ति 16:13: " *उ अपना से बात करे वाला यहोवा के नाम अत्ता एल रोई रखली , काहेकि उ कहली कि , का उ हमरा के देखला के बाद इहाँ कुछ देखले बानी ?* "

अट्टा एल रोई नाम के मतलब होला : रउआ देखनिहार भगवान हईं। लेकिन पहिलही से भगवान के नाम देवे के इ पहल उनुका श्रेष्ठता के अपमान बा। कई तरह के अनुवाद कइल गइल एह श्लोक के बाकी हिस्सा के एह विचार में संक्षेप में बतावल गइल बा। हागर के विश्वास नइखे होत। ऊ छोटकी सेवक भाग्य के देख के ओकरा के प्रकट करे वाला महान सृष्टिकर्ता भगवान के ध्यान के विषय रहल बाड़ी। एह अनुभव के बाद उ का डर सकेली ?

उत्पत्ति 16:14 " *एह से ओह कुआँ के नाम लहाई रोई के कुआँ कहल गइल बा , ऊ कादेश आबरेद के बीच में बा .*"

जवना पार्थिव जगह पर भगवान प्रकट भइले , ऊ प्रतिष्ठित बा , बाकिर आदमी जवन सम्मान ओह लोग के देला ऊ अक्सर ओह लोग के मूर्तिपूजक भावना के कारण होला , जवन ओह लोग के उनकरा से मेल ना बना वेला।

उत्पत्ति 16:15 " *हागार अब्राम के एगो बेटा पैदा कइलस , आअब्राम अपना बेटा के इश्माएल बोलवले , जेकरा के हाजर पैदा कइलस ।* "

इस्माइल वाकई में अब्राम के प्रामाणिक बेटा हवें , आखासकर के उनकर पहिला संतान हवें , जेकरा से ऊ स्वाभाविक रूप से लगाव हो जइहें। लेकिन उ भगवान के ओर से पहिले से घोषित वादा के बेटा नईखन। हालांकि भगवान के द्वारा चुनल गईल बा , लेकिन उनुका के दिहल गईल " *इस्माइल* " नाम , मतलब " *भगवान जवाब देले बाड़े* , " मुख्य रूप से हाजर के दुख प आधारित बा , जवन कि उनुका मालकिन अवुरी मालिक के फैसला के शिकार रहली। लेकिन दूसरा अर्थ में , इ अब्राम अउर सारा के गलती पर भी आधारित बा कि उ लोग पल भर खातिर मान लिहलस कि हाजर , मिस्र के द्वारा गर्भ में रखल इ बेटा पुष्टि रहे , मतलब "जवाब " अउर परमेश्वर के घोषणा के पूरा। एह गलती के खूनी नतीजा दुनिया के अंत तक होई।

भगवान मानवीय विचा र के खेल में प्रवेश कइले बाड़न आ उनका खातिर जरूरी काम पूरा हो गइल बा : विवाद आटकराव वाला **अलगाव के संतान** जिंदा बा .

उत्पत्ति 16:16: " *अब्राम छियासी साल के रहले जब हाजर अब्राम के इस्माइल के जनम दिहली .*"

त "इशमाएल " के जनम 2034 (1948 + 86) में भइल रहे जब अब्राम के उमिर 86 साल रहे।

उत्पत्ति 17 में दिहल गइल बा खतना के माध्यम से अलग होखल : शरीर में एगो निशानी

उत्पत्ति 17:1: “ *जब अब्राम उननबे साल के भइले , त यहोवा अब्राम के सामने प्रकट भइले आ कहलन, ‘हम सर्वशक्तिमान परमेश्वर हईं , हमरा सामने चलीं आ निर्दोष रहऽ।* ””

2047 में , 99 साल के उमिर में आइस्माइल 13 साल के उमिर में , अब्राम के आत्मा में भगवान आवेलें जे पहिला बेर अपना के उनकरा सोझा " *सर्वशक्तिमान भगवान* " के रूप में पेश करेलें। भगवान एगो अइसन क्रिया तइयार कर रहल बाड़न जवन एह "सर्वशक्तिमान " चरित्र के उजागर करी। भग वान के रूप मुख्य रूप से मौखिक आ श्रवणीय होला काहे कि उनकर महिमा अदृश्य रहेला , लेकिन उनकर व्यक्ति के एगो उपमा बिना मरले देखल जा सकेला।

उत्पत्ति 17:2: “ *हम अपना अउर तोहनी के बीच आपन वाचा कायम करब , अउर हम तोहनी के बहुत बढ़ाईब .*”

भगवान अपना गुणा के वादा के नवी नीकरण कर देले , एह समय के " *अनंत तक* " यानी " *धरती के धूल* " आ" *आकाश के तारा* " निहन निर्दिष्ट कर देले कि " *केहू गिन सकेला* ."

उत्पत्ति 17:3: “ *अब्राम मुँह पर गिर गइलन आ भगवान ओकरा से कहलन कि .*

एह बात के एहसास करत कि जे ओकरा से बात करत बा ऊ "सर्वशक्तिमान भगवान " ह , अब्राम अपना चेहरा पर गिर जाला ताकि ऊ भगवान के ओर ना देख सके , लेकिन ऊ उनकर बात सुनेला जवन उनकर पूरा आत्मा के मंत्रमुग्ध कर देला।

उत्पत्ति 17:4: “ *हम तोहरा साथे हमार वाचा इहे ह कि तू बहुत जाति के पिता बनबऽ .*”

भगवान आअब्राम के बीच के वाचा ओह दिन मजबूत हो जाला : “ *तू बहुत जाति के पिता बनब .*”

उत्पत्ति 17:5: “ *अब तोहार नाम अब्राम ना होई , बल्कि अब्राहम तोहार नाम होई , काहेकि हम तोहरा के बहुत जाति के पिता बनवले बानी .*”

अब्राम के नाम के अब्राहम ब दलल निर्णायक बा अउर उनकरा समय में यीशु अपना प्रेरितन के नाम बदल के उहे करीहें।

उत्पत्ति 17:6: “ *हम तोहके बहुत फल देब अउर तोहनी से राष्ट्र बनाइब , अउर तोहनी से राजा आजइहें .*”

अब्राम इस्माइल में अरब जाति के पहिला पिता हवें , इसहाक में उ इब्रानियन के पिता होईहे , जे इस्राएल के बेटा हवें। आमिद्यान में ऊ मिद्यान के

वंशज के बाप होखीहें। जेकरा साथे मूसा के आपन मेहरारू सिप्पोरा जेथ्रो के बेटी मिल जइहें।

उत्पत्ति 17:7: " *आहम अपना आतोहरा आतोहरा बाद के वंशज के बीच आपन वाचा के अनन्त वाचा खातिर स्थापित करब, कि हम तोहरा आ तोहरा बाद के वंशज खातिर परमेश्वर बनी .*"

भगवान सूक्ष्म रूप से अपना वाचा के शब्दन के चुनेलन , जवन "शाश्वत " होई लेकिन अनन्त ना होई। एकर मतलब ई बा कि उनकर शारीरि क संतान के साथे कइल गइल वाचा के अवधि सीमित होखी। आई सीमा तब पहुँच जाई जब, अपना पहिला आगमन अउर मानवीय अवतार में , ईश्वरीय मसीह , अपना स्वेच्छा से प्रायश्चित करे वाला मौत पर , नया वाचा के आधार स्थापित करीहें जवना के अनन्त परिणाम होई।

एह घरी एह बात के एहसास हो खे के चाहीं कि शुरू से निशाना बनावल आ नामित मनुष्य के सगरी पहिला बच्चा के वैधता खतम हो जाला . इहे हाल आदम के पहिला बेटा कैन , अब्राम के पहिला बेटा लेकिन नाजायज बेटा इस्माइल के साथे रहे आ ओकरा बाद भी इहे हाल इसहाक के जेठ बेटा एसाव के भी होई। जेठ बच्चा के असफलता के ई सिद्धांत यहूदी शारीरिक वाचा के असफलता के भविष्यवाणी करेला। दूसरा वाचा आध्यात्मिक होई अवुरी एकरा से सिर्फ सही मायने में धर्मांतरित बुतपरस्त लोग के फायदा होई , झूठा मानवीय ढोंग के चलते धोखा देवे वाला रूप के बावजूद।

उत्पत्ति 17:8: " *हम तोहरा आतोहरा बा द के वंशज के ऊ देश , जवना में तू परदेसी बाड़ , पूरा कनान देश , के* ***अनन्त सम्पत्ति खातिर देब*** *, आ हम ओह लोग के परमेश्वर होखब।*

ठीक ओसही कनान के देश " ***अनन्त*** *कब्जे खातिर* " दिहल जाई , यानी जब तक कि परमेश्वर अपना वाचा से बान्हल होईहे। आ मसीहा यीशु के अस्वीकार से एकरा के शून्य कर दिहल जाई , एहसे , एह आक्रोश के 40 साल बाद , राष्ट्र आ ओकर राजधानी यरूशलेम के रोमन सैनिकन के द्वारा नष्ट कर दिहल जाई , आ बचल यहूदी लोग के दुनिया के विभिन्न देशन में तितर -बितर कर दिहल जाई। काहे कि भगवान वाचा के एगो शर्त निर्दिष्ट कइले बाड़न : " *हम ओह लोग के भगवान होखब* ." साथ ही , जब परमेश्वर के दूत के रूप में , यीशु के राष्ट्र द्वारा आधिकारिक तौर पर खारिज कर दिहल जाई , त परमेश्वर पूरा वैधता के साथ आपन वाचा तोड़े में सक्षम होईहे।

उत्पत्ति 17:9: " *परमेश्वर अब्राहम से कहलन, तू हमार वाचा के पालन करबऽ , तू आ तोहरा बाद के वंशज अपना पीढ़ी -दर -पीढ़ी तक।* "

ई श्लोक ओह सब धार्मिक ढोंग के भुगतान करेला जवन भगवान के ओह एकेश्वरवादी धर्मन के भगवान बनावेला जवन अपना असंगत आ विरोधी शिक्षा के बावजूद विश्वव्यापी गठबंधन में जुटल बा। भगवान खाली अपना शब्दन से बान्हल बाड़न जवन उनकर वाचा के नींव रखेला , एगो तरह के अनुबंध जवन उनकर विशेष रूप से पालन करे वाला लोग के साथे कइल गइल बा। अगर आदमी आपन वाचा के पालन करेला त ओकरा के मान्यता देला आ ओकरा के बढ़ावेला . लेकिन आदमी के लगातार दू गो चरण पर बनल अपना परियोजना में भगवान के पालन करे के पड़ी ; पहिला शारीरिक , दूसरा आध्यात्मिक। आ पहिला से दूसरा तक के ई अंश मनुष्य के व्यक्तिगत विश्वास के परीक्षा में डालत बा , आ सबसे पहिले आ सबसे खास बात ई कि यहूदी लोग के विश्वास के। मसीह के नकार के यहूदी राष्ट्र परमेश्वर के साथे आपन वाचा तूड़ देला , जवन बुतपरस्त लोग खातिर दरवाजा खोल देला , अउर जेकरा में मसीह के ओर ले जाए वाला लोग के उ गोद लेला अउर इब्राहीम के आध्यात्मिक बेटा के रूप में गिनल जाला। एह तरह से उनकर वाचा के पालन करे वाला सब लोग शारीरिक या आध्यात् मिक रूप से अब्राहम के बेटा या बेटी हवे।

एह श्लोक में हमनी के देखत बानी जा कि इस्राएल , ओह नाम के भविष्य के राष्ट्र , वाकई में अब्राहम में आपन स्रोत बा। भगवान अपना वंशज के एगो सांसारिक प्रदर्शन खातिर "अलग कइल" लोग बनावे के फैसला करेलें। इ एगो उद्धारित लोग ना ह , बल्कि एगो मानवीय सभा के संविधान ह जवन परमेश्वर के भविष्य के अनुग्रह से उद्धार पावे वाला चुनल लोग के चयन खातिर पार्थिव उम्मीदवारन के प्रतिनिधित्व करेला जवन यीशु मसीह के माध्यम से प्राप्त होई।

उत्पत्ति 17:10: " *ई हमार वाचा ह , जवना के तू हमरा आ तोहरा आतो हरा बाद के वंशज के बीच पालन करब : तोहनी में से हर नर के खतना हो जाई । "*

खतना भगवान , अब्राहम आ उनकर वंशज , यानी उनकर शारीरिक वंशज के बीच कइल गइल वाचा के निशानी ह। एकर कमजोरी एकर सामूहिक रूप ह जवन आस्था से जीवंत होखे भा ना , आज्ञाकारी होखे भा ना , उनुका सगरी वंश ज पर लागू होला . एकरा उलट , नया वाचा में , विश्वास के द्वारा चयन के परीक्षा में डालल गइल चुनल लोग के व्यक्तिगत रूप से अनुभव होई जे तब एह वाचा में दांव पर लागल अनन्त जीवन प्राप्त करी। हमनी के खतना में इहो जोड़ल जरूरी बा , एकर दुर्भाग्यपूर्ण परिणाम : मुसलमानन के भी खतना हो चुकल बा , जबसे उ लोग के कुलपति इस्माइल के बाद से हो रहल बा आउ लोग एह खतना के एगो आध्यात्मिक मूल्य देला जवना के चलते उ लोग

अनंत काल के अधिकार के दावा करेला। बाकिर खतना के शारीरिक प्रभाव खाली शाश्वत होला आशाश्वत ना .

उत्पत्ति 17:11: " *तू लोग आपन खतना करऽ , आई हमरा आ तोहनी के बीच एगो वाचा के निशानी होई ।* "

इ वाकई में परमेश्वर के साथे गठबंधन के निशानी ह लेकिन एकर प्रभावशीलता खाली शारीरिक ह अउर पद 7, 8, अउर निम्नलिखित पद 13 एकर लागू होखे के पुष्टि करेला केवल " ***शाश्वत*** "।

उत्पत्ति 17:12: " *तो हनी में से हर नर के खतना आठ दिन के उमिर में , तोहनी के पीढ़ी -दर -पीढ़ी में होखे के चाहीं , चाहे ऊ अपना घर में पैदा भइल होखे भा कवनो विदेशी से पइसा से मिलल होखे , जवन तोहार जाति के ना होखे .* "

इ अभी भी बहुत आश्चर्यजनक बात बा , लेकिन एकर अंतर्निहित शाश्वत प्रकृति के बावजूद , एकरा बावजूद इ एगो भविष्यवाणी के गठन करेला जवन 8वीं सहस्राब्दी खातिर परमेश्वर के योजना के उजागर करेला । इहे कारण बा "आठ दिन " के चुनाव के , काहे कि पहिला सात दिन छह हजार साल के चुनल लोग के चयन के पार्थिव समय आ सातवीं सहस्राब्दी के फैसला के प्रतीक हवे। धरती पर , यहूदी राष्ट्र अउर ओकर शुरुआती भ्रूण , अब्राम के साथे घनिष्ठ गठबंधन के आयोजन करके , परमेश्वर नर से कटल अग्रचर्म पर केंद्रित शारीरिक यौन कमजोरी से मुक्त चुनल लोग के भविष्य के अनन्त काल के छवि के उजागर करेलन। तब , जइसे चुनल लोग धरती के सब लोग के मू ल से अइहें , लेकिन खाली मसीह में , पुरान वाचा में , खतना के विदेशी लोग पर भी लागू करे के पड़ी जब उ लोग परमेश्वर के चुनल खेमा के साथे रहे के चाहत बा।

खतना के मुख्य विचार इ सिखावे के बा कि परमेश्वर के अनन्त राज्य में अब आदमी के प्रजनन ना होई अउर शारीरिक इच्छा अब संभव ना होई। एकरा अलावा , प्रेरित पौलुस पुरान वाचा के मांस के खतना के तुलना नया वाचा में चुनल लोग के दिल के खतना से करेलन। एह रोशनी में ऊ मांस के पवित्रता के सुझाव देत बाड़न अउर ओह दिल के जवन खुद के मसीह के देत बा।

खतना के मतलब होला **इधर -उधर काट के** , आ एह विचार से पता चलेला कि भगवान अपना प्राणी के साथे एगो अनूठा संबंध स्थापित कइल चाहत बाड़न। एगो "ईर्ष्यालु " भगवान के रूप में ऊ अपना चुनल लोग से प्रेम के अनन्यता आ प्राथमिकता के मांग करेलें जेकरा के जरूरत पड़ला पर अपना उद्धार खातिर नुकसानदेह मानवीय संबंधन के अपना **आसपास काट देबे के पड़ी** आ ओकरा से ओह लोग के रिश्ता के नुकसान चहुँपावे वाला चीजन आ लोग से संबंध तोड़े के पड़ी . एगो भविष्यवाणी के शिक्षाशास्त्रीय छवि में , ई सिद्धांत उनकर शारीरिक इस्राएल , पहिला , अउर उनकर

हर समय के आध्यात्मिक इस्राएल के संबंध में बा , जवन यीशु मसीह में उनकर सिद्धता में प्रकट भइल बा।

उत्पत्ति 17:13: " *घर में पैदा भइल अउर पइसा से खरीदल के खतना होखे के चाहीं , अउर हमार वाचा तोहनी के शरीर में* ***अनन्त वाचा खातिर होई।*** " » .

भगवान एह विचार पर अड़ल बाड़न : वैध अउर नाजायज दुनों बच्चा के उनकरा से जोड़ल जा सकेला , काहे कि उ एह तरह से अपना बचाव के योजना के दुनो वाचा के भविष्यवाणी करेला ... तब , " *पईसा से खरीदल* " अभिव्यक्ति के वापसी से चिन्हित जिद यीशु मसीह के भविष्यवाणी करेला जेकर कीमत विद्रोही धार्मिक यहूदी लोग द्वारा 30 दिनार में होई। आइहे बा कि , 30 दिनार के बदला में , भगवान अपना पवित्र वाचा के नाम पर यहूदी आबुतपरस्त चुनल लोग खातिर मोक्ष के रूप में आपन मानव जीवन के अर्पित करीहें। *बाकिर खतना के निशानी के* " ***अनन्त*** " प्रकृति के याद कइल जाला आ" *तोहरा शरीर में* " परिशुद्धता ओकर क्षणिक चरित्र के पुष्टि करेला। काहे कि इहाँ से शुरू होखे वाला एह वाचा के अंत तब होई जब मसीह " *पाप के अंत करे खातिर* " प्रकट होईहे , दान के अनुसार। 7:24 के बा। *उत्प* .

परमेश्वर द्वारा निर्धारित नियम के पालन बहुत सख्त बा अउर कवनो अपवाद ना स्वीकार करेला काहे कि उनकर उल्लंघन उनकर भविष्यवाणी योजना के विकृत कर देला , अउर उ मूसा के कनान में प्रवेश से रोक के देखा दिहे कि इ दोष बहुत बड़ बा। शरीर में खतना ना भइल लोग के पार्थिव यहूदी लोग में रहे खातिर ओतना वैध नइखे जतना दिल के खतना ना भइल लोग भविष्य के परमेश्वर के अनन्त आकाशीय राज्य में होई।

उत्पत्ति 17:15: " *परमेश्वर अब्राहम से कहलन कि , तू अब सारा के नाम सारा ना रखब , लेकिन ओकर नाम सारा होई .*"

अब्राम के मतलब होला एगो लोग के पिता लेकिन अब्राम के मतलब होला भीड़ के पिता। एही तरे सराय के मतलब कुलीन होला बाकिर सारा के मतलब राजकुमारी होला .

अब्राम पहिलहीं से इस्माइल के पिता हवें , लेकिन उनकर नाम बदलल इब्राहीम बेटा इसहाक में उनकर वंशज के बढ़ला पर जायज बा जवना के घोषणा परमेश्वर ओकरा के करीहें , इस्माइल पर ना। एही कारण से बाँ झ सारा अपना बेटा इसहाक के माध्यम से संतान पैदा करी अवुरी भीड़ के जन्म दिही अवुरी ओकर नाम सारा बन जाई।

उत्पत्ति 17:16: " *हम ओकरा के आशीर्वाद देब , अउर हम ओकरा से तोहके एगो बेटा देब , हम ओकरा के*

आशीर्वाद देब , अउर उ जाति बन जइहें , ओकरा से जाति के राजा अइहें ."

अब्राम परमेश्वर के साथे चलेलन , लेकिन उनकर रोजमर्रा के जीवन सांसारिक बा अउर सांसारिक प्राकृतिक परिस्थितियन पर आधारित बा , ईश्वरीय चमत्कारन पर ना। साथ ही , अपना मन में , उ भगवान के वचन के एगो आशीष के अर्थ देले बाड़े , जवना से सारा के अपना सेवक हाजर के माध्यम से एगो बेटा मिलल।

उत्पत्ति 17:17: " *अब्राहम मुँह पर गिर के हँस के मन में कहलन , "का सौ साल के लइका पैदा होई ? आ सारा नब्बे साल के होके एगो बच्चा पैदा करी ?"*

एह बात के एहसास करत कि भगवान के मतलब हो सकेला कि सारा बंजर आ पहिलहीं से 99 साल के होखला का बावजूद संतान पैदा करे में सक्षम हो जइहें , ऊ मन ही मन हँसत बाड़न . पार्थिव मानवीय स्तर पर स्थिति अतना अकल्पनीय बा कि उनकर विचार के ई रिफ्लेक्स स्वाभाविक लागत बा . आ ओकरा से उनुका विचार के सार्थकता मिल जाला .

उत्पत्ति 17:18: " *इब्राहीम परमेश्वर से कहले , का इश्माएल तोहरा नजर में जिंदा हो जाव !"*

इ साफ बा कि इब्राहीम शारीरिक तर्क देवेले अवुरी उ सिर्फ इस्माइल के माध्यम से अपना गुणा के कल्पना करेले , जवन कि बेटा पहिलही से पैदा भईल बा अवुरी उमर 13 साल बा।

उत्पत्ति 17:19: " *परमेश्वर कहलन कि तोहार मेहरारू सारा तोहरा खातिर एगो बेटा जरूर पैदा करीहें , अउर तू ओकर नाम इसहाक रखबऽ। अउर हम ओकरा साथे आपन वाचा के अनन्त वाचा खातिर आ ओकरा बाद के संतान के साथे कायम करब ।"*

अब्राहम के विचार के जा नत भगवान ओकरा के डांटत बाड़न आ गलत व्याख्या के तनिको मौका छोड़ले बिना घोषणा के नवीकरण कर देत बाड़न .

इसहाक के चमत्कारी जन्म के बारे में अब्राहम के संदेह एह संदेह अउर अविश्वास के भविष्यवाणी करेला कि मानवता यीशु मसीह के प्रति प्रकट होई। आई संदेह अब्राहम के शारीरिक संतान के आधिकारिक अस्वीकृति के रूप ले ली।

उत्पत्ति 17:20 *इश्माएल के बारे में हम तोहरा के सुनले बानी , देख हम ओकरा के आशीष देब , ओकरा के पैदा करब आ ओकरा के बहुत बढ़ाईब। आ ऊ बारह गो राजकुमार पैदा करीहें आ हम ओकरा के एगो बड़हन राष्ट्र बना देब .*

इस्माइल के मतलब बा कि भगवान सुनले बाड़े , इहो , एह हस्तक्षेप में , भगवान अभी भी उनुका के दिहल नाम के जायज ठहरावेले। भगवान ओकरा के फलदायी बनाईहें , ऊ गुणा करीहें आ "बारह गो राजकुमार " से बनल महान अरब

राष्ट्र के निर्माण करीहें . ई संख्या 12 याकूब के पवित्र गठबंधन के 12 बे टा लोग से मिलत जुलत बा जेकर बाद यीशु मसीह के 12 प्रेरित लोग अइहें , लेकिन समान के मतलब एके जइसन नइखे काहे कि इ ईश्वरीय मदद के पुष्टि करेला लेकिन अनन्त जीवन के उनकर योजना के संबंध में एगो उद्धारकर्ता गठबंधन के ना। एतने ना , इस्माइल अउर उनकर वंशज ओह सब लोग के प्रति दुश्मनी करीहें जे परमेश्वर के पवित्र गठबंधन में प्रवेश करीहें , क्रमशः यहूदी तब ईसाई। ई हानिकारक भूमिका बाँझ महतारी आ बेसी संतुष्ट पिता के कल्पना कइल ओतने नाजायज प्रक्रिया से नाजायज जन्म के मंजूरी दे दी . एही से इब्राहीम के शारीरिक बेटा भी उहे अभिशाप के वाहक होईहे अवुरी अंत में भगवान के ओर से उहे अस्वीकार के शिकार होईहे।

परमेश्वर अउर उनकर मूल्यन के जान के , इस्माइल के वंशज जब तक यहूदी वाचा में ना प्रवेश करी तब तक उनकर नियम के अनुसार जिए के विकल्प चुन सकेलन , लेकिन इ चुनाव व्यक्तिगत रही , जइसे कि अनन्त उद्धा र जवन चुनल लोग के चढ़ावल जाई। ठीक ओइसहीं , जइसे कि हर मूल के दोसरा आदमी के साथे , मसीह में उद्धार ओह लोग के चढ़ावल जाई अउर अनन्त काल के रास्ता ओह लोग खातिर खुलल होई , लेकिन खाली मसीह मुक्तिदाता के आज्ञाकारी मानक पर , सूली पर चढ़ावल , मरल अउर जी उठल।

उत्पत्ति 17:21: “ *हम इसहाक के साथे आपन वाचा बनाईब , जेकरा के सारा अगिला साल एह निर्धारित समय में तोहरा से पैदा करीहें । ”*

चूँकि एह दर्शन के समय इस्माइल 13 साल के रहले , एहसे पद 27 के अनुसार , जब इसहाक के जनम होई त उ 14 साल के होईहे। लेकिन परमेश्वर एह बात पर अड़ल बाड़न कि उनकर वाचा इसहाक के साथे स्थापित होई , इस्माइल के साथे ना। आउनुकर जनम सारा से होई।

उत्पत्ति 17:22: “ *जब उ उनकरा से बात कइलन त परमेश्वर अब्राहम से ऊपर चल गइलन .”*

भगवान के रूप दुर्लभ आ असाधारण बा , आ एह से ई बतावल जाला कि मनुष्य के ईश्वरीय चमत्कार के आदत काहे ना होला आ काहे अब्राहम नियर , उनकर तर्क पार्थिव जीवन के प्राकृतिक नियमन के शर्त पर बनल रहेला। एक बेर ओकर संदेश पहुंचा दिहला के बाद भगवान पीछे हट जाले।

उत्पत्ति 17:23: " *अब्राहम अपना बेटा इस्माइल के , अउर उनकरा घर में पैदा भइल सब लोग अउर पईसा से खरीदल गइल सब लोग के , अब्राहम के घर के आदमी में से हर आदमी के लेके चल गइलन , अउर उ ओही दिन उनकर खतना कर दिहलन , जइसन कि परमेश्वर उनकर आज्ञा कइले रहलन ।* "

भगवान के दिहल आदेश तुरं त पूरा हो जाला। उनकर आज्ञाकारिता भगवान के साथे उनकर गठबंधन के जायज ठहरावेला। प्राचीन काल के ई ताकतवर मालिक नौकर खरीदत रहले आ गुलाम के दर्जा मौजूद रहे आ एकर मुकाबला ना भइल रहे . दरअसल एह विषय के प्रतिस्पर्धी बनावे वाला चीज बा हिंसा के प्रयोग आ नौकरन के साथे दुर्व्यवहार। **गुलाम के दर्जा भी यीशु मसीह के सब छुटकारा पावे वाला लोग के ह, आजभी .**

उत्पत्ति 17:24: " *जब अब्राहम के खतना भइल त उननबे साल के रहले .*"

ई स्पष्टीकरण हमनी के याद दिलावत बा कि भगवान के आज्ञाकारिता आदमी से माँगेला , चाहे ओकर उमिर कवनो होखे ; छोट से लेके बड़का तक के बा।

उत्पत्ति 17:25: " *जब उनकर खतना भइल त उनकर बेटा इस्माइल तेरह साल के रहले .*"

एहसे उ अपना भाई इसहाक से 14 साल बड़ होईहे , जवना से उनुका अपना वैध पत्नी के बेटा अपना छोट भाई के नुकसान पहुंचावे के असली क्षमता मिली।

उत्पत्ति 17:26: " *उहे दिन अब्राहम आ उनकर बेटा इस्माइल के खतना भइल .* "

भगवान इस्माइल के इब्राहीम के प्रति ओकर वैधता के याद दिलावत बाड़न , जे उनकर पिता हवें। इनकर आम खतना ओतने धोखा देवे वाला बा जतना कि एकही भगवान के दावा करे वाला ओह लोग के वंशज के दावा। काहे कि भगवान होखे के दा वा कइल त एके पैतृक शारीरिक पिता होखल काफी नइखे . अउर जब अविश्वासी यहूदी लोग अपना पिता अब्राहम के वजह से परमेश्वर से एह संबंध के दावा करी , त यीशु एह तर्क के खारिज कर दिहे अउर शुरू से ही उनकरा के पिता , शैतान , शैतान , झूठ के पिता अउर हत्यारा के रूप में आरोपित कर दिहे। यीशु अपना समय के विद्रोही यहूदी लोग से जवन कहले रहले उ हमनी के अरब अवुरी मुस्लिम दावा खाती ओतने मान्य बा।

उत्पत्ति 17:27: " *उनकर घर में जनमल आपरदेसी लोग से पइसा से खरीदल उनकर घर के सब लोग उनकर खतना हो गइल .*"

आज्ञाकारिता के एह मॉडल के बाद हमनी के देखब जा कि मिस्र छोड़ल इब्रानियन के दुर्भाग्य हमेशा एह आज्ञाकारिता के कम आंकल से होई जवना के परमेश्वर निरपेक्ष रूप से , हर समय में अउर दुनिया के अंत तक मांग करेलन।

उत्पत्ति 18 में दिहल गइल बा

दुश्मन भाई लोग के अलगाव के बारे में

उत्पत्ति 18:1 : *“तब परमेश् वर ओकरा के ममरे के ओक के बीच में प्रकट भइलन , जब उ दिन के गर्मी में अपना डेरा के दुआर पर बइठल रहले .”*

उत्पत्ति 18:2: " *उ आपन आँख उठा के देखलन कि उनकरा लगे तीन आदमी खड़ा रहले , अउर उ लोग के देखले त उ लोग से मिले खातिर अपना डेरा के दरवाजा से भाग गईले अउर धरती के सामने झुक गईले ।* "

इब्राहीम सौ साल के आदमी हवे। ऊजानत बा कि ऊअब बूढ़ हो गइल बा , बाकिर ऊ बढ़िया शारीरिक हालत में बा , काहे कि ऊ अपना आगंतुकन से " *दौड़त बा* ". का उ ओह लोग के स्वर्गीय दूत के रूप में पहचानले रहले ? हमनी के अइसन मान सकेनी जा , काहे कि ऊ ओह लोग का सोझा " *जमीन पर झुक जाला* ". बाकिर ऊजवन देखत बा ऊ"तीन आदमी " ह, आ तब हमनी का ओकरा प्रतिक्रिया में ओकर सहज सत्कार के भाव देख सकीले जवन कि उनुका स्वाभाविक प्रेमपूर्ण चरित्र के फल ह.

उत्पत्ति 18:3: " *उ कहलस, हे प्रभु , अगर अब हमरा तोहरा नजर में अनुग्रह मिलल बा त तोहरा सेवक से मत दूर हो जाईं ।* "

कवनो आगंतुक के "प्रभु " कहल इब्राहीम के बहुत विनम्रता के परिणाम रहे अउर फिर से कवनो सबूत नइखे कि उ सोचे कि उ परमेश्वर के संबोधित कर रहल बाड़े। काहे कि पूरा तरह से मानवीय रूप में भगवान के ई यात्रा असाधारण बा काहे कि मूसा के भी निष्कर्ष के अनुसार भगवान के चेहरा के " *महिमा* " ना देखे दिहल जाई। 33:20 से 23: " *यहोवा कहले : तू हमार चेहरा ना दे ख पइब , काहेकि केहू हमरा के देख के जिंदा ना हो पाई। यहोवा कहले कि इहाँ हमरा लगे एगो जगह बा ; तू चट्टान प खड़ा होखब। जब हमार महिमा बीत जाई , त हम तोहरा के चट्टान के दरार में डाल देब , अवुरी जब तक हम ओहिजा से ना गुजरब , तब तक हम तोहरा के अपना हाथ से ढंक देब। अवु री जब हम अपना हाथ के पीछे मुड़ब , त तू हमरा के पीछे से देखब , लेकिन हमार चेहरा ना हो पाई। " दैखनीं हं ।* " अगर भगवान के " *महिमा* " के दर्शन मना बा त ऊ अपना के अपना प्राणी के लगे जाए खातिर मानवीय रूप लेबे से मना ना करे . परमेश्वर इ काम उनकरा दोस्त अब्राहम से मिले खातिर करेलन , अउर उ अपना भ्रूण गर्भधारण से लेके उनकर प्रायश्चित करे वाला मौत तक यीशु मसीह के रूप में फिर से करीहे।

उत्पत्ति 18:4: *“ तनी पानी ले आके आपन गोड़ धोईं आ एह पेड़ के नीचे आराम करीं .”*

पद 1 साफ कर दिहलस , गरम बा , आगोड़ के पसीना माटी के धूल से ढंकल बा आगंतुकन के गोड़ धोवे के जायज ठहरावेला . ई ओह लोग के दिहल एगो सुखद प्रस्ताव ह. आई ध्यान सब अब्राहम के श्रेय बा .

उत्पत्ति 18:5: " *हम जाके तोहार दिल के मजबूत करे खातिर रोटी के कटोरा लेके चलब, अउर ओकरा बाद तू चल जाईब , काहे कि एही से तू अपना सेवक के पास से गुजरत बाड़। " उ लोग जवाब देले , "जईसे कहले बानी , ओईसन करीं* ."

इहाँ हमनी के देखत बानी जा कि इब्राहीम एह आगंतुकन के आकाशीय प्राणी के रूप में ना पहचानले। एह से ऊ जवन ध्यान ओह लोग के देखावत बाड़न ऊ उनुका स्वाभाविक मानवीय गुणन के गवाही ह. ऊ विनम्र , प्रेमी , कोमल , उदार , सहायक आमेहमाननवाज हवें ; अइसन चीज जवन ओकरा के भगवान के प्रिय बनावेला। एह मानवीय पहलू में भगवान अपना सगरी प्रस्ताव के मंजूर आस्वी कार कर लेत बाड़न .

उत्पत्ति 18:6: " *अब्राहम जल्दी से सारा के लगे अपना डेरा में जाके कहले , "जल्दी से तीन नाप महीन आटा , ओकरा के गूंध के केक बनाईं* । "

भोजन शारीरिक शरीर खातिर उपयोगी होला आ अपना से पहिले तीन गो मांस के शरीर देख के अब्राहम अपना आगंतुकन के शारीरिक ताकत के नवीकरण करे खातिर भोजन तइयार करवले रहले .

उत्पत्ति 18:7: " *अब्राहम दौड़ के अपना भेड़ के लगे गईले , अउर एगो बछड़ा , कोमल अउर अच्छा लेके एगो नौकर के देले , अउर उ जल्दी से ओकरा के सजवले* । "

कोमल बछड़ा के चुनाव ओकर उदारता आ स्वाभाविक दयालुता के अउरी देखावेला ; पड़ोसी के खुश करे में ओकर सुख। एह नतीजा के हासिल करे खातिर ऊ अपना आगंतुकन के बेहतरीन पेशकश करेलें .

उत्पत्ति 18:8: " *उ मक्खन अउर दूध अउर बछड़ा के लेके उनकरा के सामने रखलन। अउर उ खुद उनकरा साथे पेड़ के नीचे खड़ा हो गइलन , अउर उ लोग खा गईलन* । "

ई भूख बढ़ावे वाला खाना गुजरत अजनबी लोग के सोझा पेश कइल जाला , अइसन लोग जेकरा के ऊ ना जानत होखे बाकिर जेकरा के ऊ अपना परिवार के सदस्यन का तरह व्यवहार करेला . आगंतुकन के मूर्त रूप बहुते वास्तविक बा काहे कि ऊ लोग इंसान खातिर बनल खाना खाला .

उत्पत्ति 18:9: " *तब उ लोग उनकरा से पूछले , 'तोहार मेहरारू सारा कहाँ बाड़ी ?' उ जवाब देले , 'उ उहाँ डेरा में बाड़ी* । '

मेजबान के कष्ट भगवान आ अपना महिमा खातिर सफल होखला के चलते आगंतुक लोग अपना पत्नी के नाम "सारा " रख के आपन असली स्वभाव के खुलासा करेला , जवन भगवान ओकरा के अपना पिछला दर्शन में देले रहले।

उत्पत्ति 18:10: " *ओहमें से एगो कहलस, 'हम एही समय तोहरा लगे वापस आजाईब , आ देखऽ , तोहार मेहरारू सारा*

के एगो बेटा होई। ' सारा उनका पीछे डेरा के दरवाजा पर सुनत रहली ."

हमनी के ध्यान दीं कि तीनों आगंतुकन के रूप में , कुछ भी हमनी के याहवे के पहचान करे के अनुमति नइखे देत जवन उनकरा साथे आवे वाला दुनो स्वर्गदूत से। स्वर्गी य जीवन इहाँ प्रकट होला आ ओहिजा राज करे वाला समतावादी भाव के उजागर करेला।

जबकि तीनों आगंतुकन में से एगो सारा के आसन्न जनम के घोषणा करेले , ऊ टेंट के प्रवेश द्वार से सुनत बिया कि का कहल जा रहल बा , आपाठ में ई बतावल गइल बा कि के " *ओकरा पीछे रहे* ," मतलब कि ऊ ओकरा के ना देखलस आ मानवीय रूप से कहल जाव त ओकरा मौजूदगी के जानकारी ना हो सकत रहे। बाकिर ऊ लोग मरद ना रहले . *उत्प* .

श्लोक में सभ मानवता खातिर आम सामान्य मानवीय स्थिति के परिभाषित कइल गइल बा।

उत्पत्ति 18:12: " *उ **अपना भीतर हँसत** कहली कि अब जब हम बूढ़ हो गईनी त का हम चाहत बानी ? हमार मालिक भी बूढ़ हो गईल बाड़े ."*

परिशुद्धता पर फेरु से ध्यान दीं : " *ऊ **अपना भीतर हँसत बाड़ी*** "; जेह से कि विचार आदिल के खोज करे वाला जिंदा भगवान के छोड़ के केहू ओकर हँसी ना सुनल।

उत्पत्ति 18:13: " *तब यहोवा अब्राहम से कहले , "सारा काहे हंसली कि , 'का हम सचमुच एगो बच्चा पैदा करब , जवन बूढ़ हो गईल बा ?' "*

भगवान मौका के फायदा उठा के आपन ईश्वरीय पहचान के प्रकट करेलन , जवन याहवेह के उल्लेख के जायज ठहरावेला काहे कि वाकई में उहे हवें जे एह मानवीय रूप में अब्राहम से बात करेलन। सारा के छिपल विचार के खाली परमेश्वर ही जान सकेला अउर अब अब्राहम के पता चल गईल बा कि परमेश्वर ओकरा से बात कर रहल बाड़े।

उत्पत्ति 18:14: " *का यहोवा खातिर कुछ भी कठिन बा ? हम निर्धारित समय पर , एह समय तोहरा लगे वापस आजाईब , आसारा के एगो बेटा हो ई ."*

भगवान आधिकारिक हो जालें आ याहवेह , उनकर ईश्वरीयता के नाम पर आपन भविष्यवाणी के साफ -साफ नवीनीकरण कर देलें।

उत्पत्ति 18:15: " *सारा झूठ बोलली कि हम हँसनी ना , काहेकि उ डेरा गईल रहली। लेकिन उ कहलस , ना , तू हंसनी ."*

" *सारा झूठ बोलली* , " पाठ में कहल गइल बा , काहे कि भगवान उनकर गुप्त विचार सुनले रहले , बाकिर उनकर मुँह से कवनो हँसी ना आइल ; एह से ई भगवान खातिर तनी

झूठ रहे बाकिर आदमी खातिर ना . आ अगर भगवान ओकरा के डाँटत बाड़े त एकर कारण बा कि ऊ ई ना मानत बाड़ी कि भगवान के ओकरा विचारन पर नियंत्र ण बा . ओकरा से झूठ बोले तक एतना दूर तक जाके एकर सबूत दे देली। एही से ऊ कह के जिद करत बाड़न कि " *उल्टा (ई झूठ बा), रउरा हँसनी* ." हमनी के ई मत भुलाईं जा कि भगवान के आशीर्वाद मिलल इंसान इब्राहीम ह ना कि सारा ना , उनकर वैध पत्नी , जेकरा खाली अपना पति के आशीर्वाद से फायदा होला। उनकर बिचार सभ के परिणाम इजराइल के भविष्य के वंशानुगत दुश्मन आ प्रतियोगी इस्माइल के जनम के अभिशाप हो चुकल बा ; कवनो दिव्य परियोजना के पूरा कइल सही बा .

उत्पत्ति 18:16: " *तब उ लोग उठ के सदोम के ओर देखले , आ अब्राहम उनकरा के विदा करे खातिर उनकरा सा थे चल गईले* ."

ताजा होके , खाना खियावल गइल आ अब्राहम आ सारा के वैध बेटा इसहाक के भविष्य के जन्म के दोबारा पुष्टि कइला के बाद , स्वर्गीय आगंतुक अब्राहम के बतावेलें कि धरती पर उनकर यात्रा के एगो अउरी मिशन भी बा : ई सदोम के संबंध में बा।

उत्पत्ति 18:17: " *तब यहो वा कहलन , का हम अब्राहम से छिपा देब कि हम जवन करे वाला बानी ?...* "

इहाँ हमनी के आमोस 3:7 से एह श्लोक के सटीक अनुप्रयोग बा : " *निश्चय ही प्रभु यहोवा कुछ ना करीहे , लेकिन उ अपना सेवक भविष्यवक्ता लोग के सामने आपन राज बतावेला* ."

उत्पत्ति 18:18: " *अब्राहम एगो बड़ हन अउर पराक्रमी राष्ट्र बन जइहें , अउर धरती के सब जाति उनकरा में आशीर्वादित हो जइहें* ."

निश्चित रूप से " क्रियाविशेषण पर जवन सामान्य अर्थ के नुकसान होला ओकरा चलते हमरा इयाद बा कि एकर मतलब होला : एगो निश्चित आनिरपेक्ष तरीका से . आपन विनाशकारी योजना के खुलासा करे से पहिले भगवान इब्राहीम के अपना सामने आपन हैसियत के बारे में आश्वस्त करे में जल्दीबाजी करेलन अउर उ ओह आशीष के नवीनीकरण कर देलन जवन उ ओकरा के दिहे। भगवान इब्राहीम के बारे में तीसरा व्यक्ति में बात करे लगले ताकि उनुका के मानवता के एगो महान ऐतिहासिक हस्ती के पद प पहुंचावल जा सके। अयीसन करत उ अपना शारीरिक अवुरी आध्यात्मिक वंशज के उ मॉडल देखावेले , जवना के उ आशीर्वाद देवेले अवुरी जवना के उ ओकरा बाद के श्लोक में याद करेले अवुरी परिभाषित करेले।

उत्पत्ति 18:19: " *काहे कि हम ओकरा के चुनले बानी कि ऊ अपना लइकन आ ओकरा बाद के घर के लोग के आज्ञा दे सके कि ऊ लोग यहोवा के रास्ता पर चले , न्याय आ*

धार्मिकता करे , अउर यहोवा अब्राहम खातिर उहे पूरा कर सके जवन उ ओकरा से वादा कइले बाड़न ...”

परमेश्वर एह श्लोक में जवन वर्णन कइले बाड़ न उ सदोम के साथे सब अंतर पैदा करेला , जवना के उ नष्ट कर दिहे। दुनिया के अंत तक, उनकर चुनल लोग एह वर्णन के तरह होई : याहवे के रास्ता बनावे में धर्म आ न्याय के अभ्यास कइल शामिल बा ; सच्चा धार्मिकता अउर सच्चा न्याय जवना के परमेश्वर अपना लोग इस्राएल के सिखावे खा तिर कानून के ग्रंथन पर बनाई। एह चीजन के सम्मान भगवान खातिर शर्त होई कि उ अपना आशीष के वादा के सम्मान करस।

उत्पत्ति 18:20: “ *अउर यहोवा कहले कि सदोम अउर अमोरा के खिलाफ पुकार बहुत बा , अउर उनकर पाप बहुत बा .”*

परमेश्वर ई फैसला सदोम अउर अमोरा के खिलाफ ले आवेलन , जवन राजा लोग के शहर ह जवना के बचावे खातिर अब्राहम आइल रहले जब ओह लोग पर हमला भइल रहे। लेकिन सदोम में भी उनकर भतीजा लूत अपना परिवार आ अपना नौकरन के साथे बसल चुनले रहले। इब्राहीम के अपना भतीजा खातिर जवन लगाव के बंधन बा ओकरा के जानत भगवान ओह बुढ़ऊ के प्रति ध्यान के रूप के गुणा -गुना कर देलें ताकि ऊ ओकरा से आपन मंशा के घोषणा कर सकस। आ एकरा खातिर ऊ अपना के आदमी के स्तर पर नीचे ले लेला कि ऊ अपना के अधिका से अधिका मानवीय बना सके जेहसे कि ऊ अपना के अपना सेवक अब्राहम के मानवीय तर्क के स्तर पर राख सके .

उत्पत्ति 18:21: " *एह से हम नीचे जाके देखब कि उ लोग हमरा लगे आईल रिपोर्ट के मुताबिक पूरा तरीका से काम कईले बाड़े कि ना , अवुरी जदी अयीसन नईखे त हम जान जाईब ।* "

ई शब्द सारा के एह बात के समझ से विपरीत बा , काहे कि भगवान मैदान के एह दुनो शहरन में पहुँचल अनैतिकता के स्तर आ ओह लोग के भरपूर समृद्धि के अनदेखी नइखन कर सकत। एह प्रतिक्रिया से पता चलेला कि ऊ कतना देखभाल करेला कि ओकर वफादार सेवक ओकरा फैसला के न्यायसंगत सजा के स्वीकार कर लेव .

उत्पत्ति 18:22: " *उ लोग चल के सदोम के ओर चल गईले। लेकिन अब्राहम यहोवा के सामने स्थिर रहले ।* "

इहाँ , आगंतुकन के अलगाव से इब्राहीम के ओह लोग के बीच जीवित भगवान , याहवेह के पहचान करे के अनुमति मिलेला , जवन ओकरा साथे एगो साधारण मानवीय रूप में मौजूद बा जवन शब्दन के आदान -प्रदान के प्रोत्साहित करेला। अब्राहम के हिम्मत मिल जाई एतना तक कि दुनो शहर के उद्धार पावे खातिर भगवान के संगे एक तरह के सौदाबाजी में शामिल हो गईले , जवना

में से एगो शहर में उनुकर प्रिय भतीजा लूत के निवास बा।

उत्पत्ति 18:23: " *अब्राहम नजदीक आके कहले , "का तू दुष्टन के साथे धर्मी लोग के भी नाश करऽ ?* "

अब्राहम के सवाल एह से जायज बा काहे कि अपना न्याय के सामूहिक काम में मानवता निर्दोष पीड़ितन के मौत के कारण बन जाले जवना के संपार्श्विक नुकसान के नाम से जानल जाला . बाकिर अगर मानवता बदलाव ले आवे में असमर्थ बा त भगवान कर सकेलें . अउर उ एकर सबूत अब्राहम के अउर हमनी के भी दे दिहे जे उनकर बाइबिल के गवाही पढ़ेनी।

उत्पत्ति 18:24: " *शायद शहर के भीतर पचास गो धर्मी होखसु , का तू ओह लोग के नाश कर देबऽ आ ओह पचास गो धर्मी लोग खातिर शहर के ना छोड़बऽ ?* "

अपना कोमल आ प्रेमी आत्मा में इब्राहीम भ्रम से भरल बाड़न आऊ कल्पना करत बाड़न कि एह दुनु शहरन में कम से कम 50 गो धर्मी लोग मिलल संभव बा आऊ एह 50 गो संभावित धर्मी लोग के आह्वान करत बाड़न कि भगवान से अपना सिद्ध न्याय के नाम पर दुनु शहर के कृपा मिल सके जवन नि र्दोषन के दोषी लोग से ना मार सके .

उत्पत्ति 18:25: " *धर्मी के दुष्ट के साथे मार दिहल जाव , ताकि धर्मी दुष्ट के जइसन होखे , तोहरा से दूर होखे ! तोहरा से दूर होखे ! का पूरा धरती के न्यायाधीश न्याय ना करीहे ?* "

एह तरह से इब्राहीम के लागेला कि उ परमेश्वर के याद दिला के समस्या के समाधान कर सकेला कि उ अपना व्यक्तित्व के नकारले बिना का ना कर सकेला जवन कि पूर्ण न्याय के भावना से एतना जुड़ल बा।

उत्पत्ति 18:26: " *अउर यहोवा कहलन कि अगर हम सदोम में शहर के भीतर पचास गो धर्मी लोग पाईब , त हम ओह लोग खातिर पूरा शहर के बख्श देब .*"

धैर्य आ दयालुता के साथ , याहवेह अब्राहम के बोले दिहले अउर अपना जवाब में उ उनकरा से सहमत हो गइलन : 50 धर्मी लोग खातिर शहर के नाश ना होई।

उत्पत्ति 18:27: " *अब्राहम जवाब दिहलन , "देखऽ , हम प्रभु से बात करे के जिम्मा लेले बानी , जवन खाली धूल अउर राख ह .*"

" *धूल आ राख* " के विचार बा कि घाटी में दुनो शहर के विनाश के बाद अभक्त आदमी रहिहे ? तबो इब्राहीम कबूल करतारे कि उ खुद सिर्फ " *धूल अवुरी राख* " हवे।

उत्पत्ति 18:28: " *शायद पचास गो धर्मी लोग में से पांच लोग के कमी हो सकेला ; का तू पांच खातिर पूरा शहर के नष्ट कर देब ? अउर यहोवा कहले कि , अगर हम उहाँ पैंतालीस धर्मी लोग के पाईब त हम ओकरा के नाश ना करब ।* "

अब्राहम के हिम्मत उनका के हर बेर संभवतः मिलल चुनल लोग के संख्या के कम करे तक आपन मोलभाव जारी रखे के ओर ले जाई अउर उ पद 32 में दस धर्मी लोग के संख्या पर रुक जइहें। आ हर बेर भगवान आपन कृपा प्रदान करीहें काहे कि अब्राहम के प्रस्तावित संख्या।

उत्पत्ति 18:29: " *अब्राहम ओकरा से कहलन कि शायद उहाँ चालीस गो धर्मी आदमी मिल जइहें। आप्रभु कहले , "हम एह चालीस लोग खातिर कुछ ना करब । "*

उत्पत्ति 18:30: " *अब्राहम कहले , 'प्रभु नाराज मत होखस , हम बोलब। शायद उहाँ तीस गो धर्मी लोग मिल जइहें। ' आयहोवा कहले कि , जब तक उहाँ तीस गो धर्मी लोग ना मिली तब तक हम कुछ ना करब । "*

उत्पत्ति 18:31: " *अब्राहम कहले , 'देखऽ , हम प्रभु से बात करे के जिम्मा लेले बानी। शायद उहाँ बीस गो धर्मी आदमी मिल जइहें। ' आयहोवा कहले कि , 'हम बीस के खातिर एकरा के नष्ट ना करब । '*

उत्पत्ति 18:32: " *अब्राहम कहले , "प्रभु नाराज मत होखस , अउर हम एक बार ही बोलब। शायद उहाँ दस धर्मी आदमी मिल जइहें। अउर यहोवा कहले कि , हम दस धर्मी लोग के खातिर एकरा के नाश ना करब । "*

इहाँ इब्राहीम के मोलभाव खतम हो जाला , काहे कि उ समझतारे कि एगो सीमा बा जवना से आगे उनुकर जिद बेवजह होई। दस धर्मी लोग के संख्या पर रुक जाला। ऊ आशावादी तरीका से मानत बाड़न कि एह दुनु भ्रष्ट शहरन में एह संख्या में धर्मी लोग के खोजल जरूरी बा , अगर लूत आउनकर रिश्तेदारन के गिनती कइल जाव .

उत्पत्ति 18:33: " *जब ही यहोवा अब्राहम से बात करत निकल गइलन , अब्राहम अपना जगह पर वापस आगइलन .*"

दू गो दोस्तन के सांसारिक मिलन , एगो स्वर्गीय आसर्वशक्तिमान भगवान आदोसरका , आदमी , धरती के धूल , खतम हो जाला आ हर केहू अपना काम में लवट जाला . अब्राहम अपना घर में आयहोवा सदोम आअमोरा में जवना पर उनकर विनाशकारी न्याय गिर जाई।

भगवान के साथे अपना आदान -प्रदान में इब्राहीम आपन चरित्र के प्रकट कइलन , जवन परमेश्वर के प्रतिरूप में बा , जवन जीवन के ओकर मजबूत अनमोल मूल्य देत सच्चा न्याय के पूरा होखे के देखे के चिंता में बा। एही से उनकर सेवक के मोलभाव खाली भगवान के दिल के मंत्रमुग्ध आआनन् दित कर सकत रहे , जे उनकर भावना के पूरा तरह से साझा करेला।

उत्पत्ति 19 में दिहल गइल बा

आपातकाल में अलगाव हो जाला

उत्पत्ति 19:1: " *शाम के दुनो स्वर्गदूत सदोम में अईले , आलूत सदोम के फाटक में बईठ गईले। जब लूत ओ लोग के देखले त उ लोग से मिले खातिर उठ गईले अवुरी जमीन प मुंह झुक गईले।* "

हमनी के एह व्यवहार में इब्राहीम के भतीजा लूत पर अच्छा प्रभाव के पहचानत बानी जा काहे कि उ गुजरत आगंतुकन के प्रति भी उहे विचारशीलता देखावेलन। आ ऊ अइसन काम त अउरी ध्यान से करेला , काहे कि ऊ सदोम शहर के निवासी लोग के खराब नैतिकता के जानत बा जहाँ ऊ रहे खातिर बस गइल बा .

उत्पत्ति 19:2: " *उ कहलस, "देखऽ , हमार मालिक लोग , हमरा से निहोरा बा कि , आपन नौकर के घर में घुस जाके उहाँ ठहर जा ; आपन गोड़ धो के सबेरे उठ के चल जा। लेकिन उ लोग कहले , ना , हमनी के रात भर गली में ठहरब जा* । "

लूत भ्रष्ट निवासी लोग के बेशर्मी आ दुर्भावनापूर्ण काम से बचावे खातिर राहगीरन के अपना घर में स्वागत कइल आपन कर्तव्य बना लेला। हमनी के उहे स्वागत शब्द मि लेला जवन अब्राम अपना तीनों आगंतुकन से कहले रहले। लूत वाकई में एगो धर्मी आदमी हवें जे एह शहर के विकृत जीवन के साथे अपना सहवास से अपना के भ्रष्ट ना होखे दिहले बाड़न। दुनो स्वर्गदूत शहर के नष्ट करे आईल बाड़े , लेकिन ओकरा के नष्ट करे से पहिले उ लोग निवासी के दु ष्टता के ओह काम में पकड़ के भ्रमित कईल चाहतारे , यानी कि सक्रिय रूप से अपना दुष्टता के प्रदर्शन कईल चाहतारे। आएह नतीजा के हासिल करे खातिर बस रात भर गली में बितावे के पड़ी जेहसे कि सोडोमियन के हमला हो सके .

उत्पत्ति 19:3: " *लेकिन लूत उनकरा के एतना दबावलस कि उ लोग उनकरा लगे आके उनकरा घर में घुस गईले। उ उनकरा के भोज बनवले अउर बिना खमीर के रोटी सेकले। उ लोग खईले* । "

लूत ओह लोग के मनावे में सफल हो जाला आ ऊ लोग ओकर मेहमाननवाजी के स्वीकार करेला ; जवना से ओकरा आपन उदारता देखावे के मौका मिलेला जइसे कि अब्राहम ओकरा से प हिले कइले रहले . अनुभव ओह लोग के सिखावेला कि ऊ लोग अधर्मी लोग में से एगो धर्मी आदमी लूत के सुन्दर आत्मा के खोज कर लेव .

उत्पत्ति 19:4: " *उ लोग अभी तक लेट ना भईल रहले जब शहर के लोग , सदोम के लोग , छोट -बड़ घर के घेर लेले रहले ; सब लोग एक संगे भाग गईल रहले* ."

निवा सी लोग के दुष्टता के प्रदर्शन दुनो स्वर्गदूत के उम्मीद से परे बा , काहे कि उ लोग ओह घर में ओ लोग के खोजे आवेले , जहां लूत ओ लोग के स्वागत

कईले रहले। एह दुष्टता के संक्रमण के स्तर पर ध्यान दीं : " *लइकन से लेके बुजुर्ग तक* ." एह से याहवेह के फैसला पूरा तरह से जायज बा।

उत्पत्ति 19:5: " *उ लोग लूत के बोला के कहलन , "आज रात के तोहरा लगे आइल आदमी कहाँ बा ? हमनी के लगे ले आवऽ ताकि हमनी के ओह लोग के जान सकीले* । "

भोला -भाला लोग के सदोमियन के इरादा से धोखा दिहल जा सकेला , काहे कि ई एक दू सरा के जाने के निहोरा के सवाल नइखे बल्कि एह शब्द के बाइबिल के अर्थ में जाने के सवाल बा , जइसे कि उदाहरण में "आदम अपना मेहरारू के जानत रहले अउर उ एगो बेटा पैदा कइली। " एह से एह लोग के भ्रष्टाचार कुल आबिना कवनो उपाय के बा .

उत्पत्ति 19:6: " *लूत घर के दुआर पर उनकरा लगे निकल के दरवाजा बंद कर दिहलन* ."

साहसी लूत , जे खुद घिनौना जीव से मिले खातिर भाग जाला आअपना आगंतुकन के बचावे खातिर अपना घर के दरवाजा अपना पीछे बंद करे के ख्याल राखेला।

उत्पत्ति 19:7: " *उ कहलस, "हे भाई लोग , बुराई मत करीं।* "

भला आदमी दुष्टन के बुराई मत करे के सलाह देला। ऊ ओह लोग के "भाई " कहेला काहे कि ऊ लोग अपना जइसन आदमी ह आ ओहमें से कुछ लोग के ओह मौत से छीन लेबे के उमेद अपना में रखले बा जवना का ओर ओह लोग के आचरण ओह लोग के ले जाला .

उत्पत्ति 19:8: " *देखऽ , हमार दू गो बेटी बाड़ी स जवन कवनो आदमी के नइखी जानत ; हम ओह लोग के तोहरा लगे ले आईब, अउर तू जवन उचित लागे ओकरा साथे कर सकीले। खाली ओह आदमी के कुछ मत करऽ , काहे कि ऊ लोग हमरा छत के छाया में आगइल बा* ."

लूत खातिर सदोमियन के व्यवहार एह अनुभव में अभूतपूर्व ऊंचाई पर पहुँच जाला। आ अपना दुनु आगंतुकन के बचावे खातिर ऊ ओह लोग का जगहा अपना दुनु अबहियो कुंवारी बेटी के चढ़ा देला .

उत्पत्ति 19:9: " *उ लोग कहले , 'तू इहाँ से चल जा !' ऊ लोग फेरु कहलस, 'ई आदमी परदेसी बन के आइल बा आहमनी के तोहरा साथे ओह लोग से भी बुरा काम करब जा। ' आ ऊ लोग लूत पर जोर से दबाव डाल के दरवाजा तूड़े खातिर आगे आगइल* ."

लूत के बात से जुटल झुंड के शांत ना हो पावेला आ ई राक्षसी जीव , ऊ लोग कहेला कि , ओकरा साथे ओह लोग से भी बुरा करे के तइयारी में बा। एकरा बाद उ लोग दरवाजा तूड़े के कोशिश करेले।

उत्पत्ति 19:10: " *उ लोग आपन हाथ बढ़ा के लूत के घर में ले अइले अउर दरवाजा बंद कर दिहले* । "

खुद साहसी लूत के खतरा में डाल के स्वर्गदूत बीच में आके लूत के घर के भीतर ले आवेले।

उत्पत्ति 19:11: " *अउर उ लोग घर के दुआर पर मौजूद लोग के , छोट -छोट अउर सबसे बड़ लोग के , अंधकार से मार दिहलन , ताकि उ लोग दुआर के खोजे में बेकार मेहनत कईले ।* "

बाहर नजदीकी उत्साहित लोग आन्हर हो गइल बा ; एह से घर में रहे वाला लोग के सुरक्षा दिहल जाला।

उत्पत्ति 19:12: " *उ लोग लूत से कहलस , 'तोहरा इहाँ के बा ? दामाद , बेटा -बेटी आ शहर में जवन कुछ भी बा , **ओकरा के एह जगह से बाहर ले आवऽ** ।* '"

लूत के स्वर्गदूतन आ भेजल भगवान के नजर में अनुग्रह मिलल। ओकर जान बचावे खातिर ओकरा " ***बाहर आवे के पड़ी।*** " " शहर के आ मैदान के घाटी के काहे कि स्वर्गदूत एह घाटी के निवासी लोग के नाश कर दिहें जवन ऐ शहर निहन खंडहर के इलाका बन जाई। स्वर्गदूतन के पेशकश जीवित मानव प्राणी में उनुका के सभ चीज़ तक पहुंचेला। "

विरह के एह विषय में " ***बाहर आवे*** " के दिव्य आज्ञा स्थायी बा। काहे कि ऊ अपना प्राणी लोग से निहोरा करेलें कि ऊ लोग अपना के बुराई से **अलगा कर लेव , जइसे कि झूठा मसीही कलीसिया।** प्रकाशितवाक्य 18:4 में उ अपना चुनल लोग के " ***बाहर आवे के " आज्ञा देले बाड़े।*** » के " *बेबिलोन द ग्रेट* ," जवन पहिला बेर कैथोलिक धर्म से संबं धित बा आ दूसरा बहुआयामी प्रोटेस्टेंट धर्म से संबंधित बा , जवना के प्रभाव में ई लोग एह पल तक बा। आजइसे कि लूत के साथ भइल रहे , उनकर जान तबे बचावल जाई जब तुरते भगवान के आज्ञा के पालन कइल जाव . काहे कि जइसहीं ऊ कानून जारी हो जाई जवन पहिला दिन अतवार के आराम के अनिवार्य कर दी , परिवीक्षा के अवधि खतम हो जाई . आ तब एह समस्या पर आपन राय आरुख बदले में बहुते देर हो जाई .

हम एहिजा रउरा सभे के ध्यान एह बात पर खींचत बानी कि जरूरी फैसला स्थगित करे के खतरा बा . हमनी के जीवन नाजुक बा , हमनी के बेमारी , दुर्घटना , या हमला से मर सकेनी जा , अइसन चीज जवन हो सकेला अगर भगवान हमनी के प्रतिक्रिया देवे में धीमापन के कदर ना करे , अउर एह मामला में , सामूहिक अनुग्रह के समय के अंत आपन सब महत्व खो देला , काहे कि जे भी ओकरा से पहिले मर जाला , उ अपना अन्याय में मर जाला अउर भगवान के ओर से ओकर निंदा में । एह समस्या से अवगत पौलुस इब्रानियों में कहले बाड़न। 3:7-8: " *आज अगर रउवां उनकर आवाज सुनब त विद्रोह के जइसन आपन दिल कठोर मत करीं ...* "। एह से परमेश्वर के ओर से कइल गइल प्रस्ताव के जवाब देवे के हमेशा तात्कालिकता होला , अउर इब्रानियों के अनुसार पौलुस के इहे रा य

बा। 4:1: " *एह से हमनी के डर के जब तक उनकर विश्राम में जाए के वादा बनल रही , कहीं तोहनी में से केहू के कवनो कमी ना लउके ।* "

उत्पत्ति 19:13: " *काहेकि हमनी के एह जगह के नष्ट करे वाला बानी जा , काहे कि एकरा निवासी लोग के खिलाफ यहोवा के सामने बहुत चिल्लाहट बा , यहोवा हमनी के एकरा के नष्ट करे खातिर भेजले बाड़े .*"

अबकी बेर समय दबावत बा , स्वर्गदूत लूत के अपना घर में मौजूदगी के कारण बतावत बाड़े। YaHWéH के फैसला से शहर के जल्दी से तबाह करे के होई।

उत्प .

लूत के दामाद निश्चित रूप से बाकी सदोमियन निहन दुष्ट ना रहले , लेकिन उद्धार खाती सिर्फ विश्वास के गिनती होखेला। आ साफ बा कि ओह लोग का लगे ई ना रहे . ओह लोग के ससुर के मान्यता में ओह लोग के कवनो रुचि ना रहे आ अचानक ई विचार कि भगवान याहवेह शहर के तबाह करे खातिर तइयार बाड़े , ओह लोग खातिर बस अविश्वसनीय रहे .

उत्पत्ति 19:15: " *जब दिन भोर होखे लागल त स्वर्गदूत लोग लूत से निहोरा कइलन कि उठ के आपन मेहरारू आआपन दुनु बेटी के ले जा , जवन इहाँ बाड़ी , कहीं शहर के विनाश में नाश ना हो जाईं .*"

अलगाव पैदा होला जवन विश्वास अउर विश्वास के कमी के उजागर करेला। लूत के बेटी लोग के अपना पिता के पीछे चले भा अपना पति के पीछे चले के चुने के होई।

उत्पत्ति 19:16: " *जब उ देर तक रहले , त उ लोग उनुका के , उनकर पत्नी अवुरी उनुकर दुनो बेटी के हाथ पकड़ लेले , काहेकी यहोवा उनुका के बख्शित करे में खुश रहले , अवुरी उ लोग उनुका के ले गईले अवुरी उनुका के शहर के बहरी भेज देले ।* "

एह कार्रवाई में भगवान हमनी के " *आग से उखाड़ल एगो ब्रांड* " देखावत बाड़े। एक बेर फेरु से ई धर्मात्मा लूत खातिर बा कि भगवान ओकरा साथे ओकर दू गो बेटी आओकर मेहरारू के बचावेलें। एह तरह से शहर से फाटल ऊ लोग अपना के बाहर , मुक्त आजिंदा पावेला .

उत्पत्ति 19:17: " *जब उ लोग उनकरा के बाहर ले अइले त उनकरा में से एगो कहलस, "अपना जान खातिर भाग जा , पीछे मत देखऽ , आपूरा मैदान में मत रहऽ , पहाड़ पर भाग जा , कहीं तू नाश मत होखऽ .*"

मुक्ति पहाड़ में होई , चुनाव अब्राहम पर छोड़ दिहल गइल। एह तरह से लूत अपना गलती के समझ सकेला आ पछता वा सकेला कि ऊ मैदान आ ओकर समृद्धि के चुनले बा . ओकर जान दांव पर लागल बा , आजब भगवान के आग घाटी में लाग जाई त ओकरा सुरक्षा खोजल चाहत बा त ओकरा जल्दी करे के पड़ी . ओकरा के आज्ञा दिहल गइल बा कि ऊ

पीछे मुड़ के ना देखसु . आज्ञा के शाब्दिक रूप से लेवे कै बा अवुरी अलंकारिक रूप से भी लेवे के बा। भविष्य आजीवन सदोम के बचे वाला लोग के सामने बा , काहे कि ओह लोग के पीछे जल्दिये आसमान से फेंकल गंधक के पत्थर से प्रज्वलित गरमागरम खंडहर के अलावा कुछुओ ना होई।

उत्पत्ति 19:18: " *लूत उनकरा से कहलस, हे ना , प्रभु !* "

स्वर्गदूत के दि हल आदेश लूत के डेरा देला।

उत्पत्ति 19:19: " *देखऽ , हमरा तोहरा नजर में अनुग्रह मिलल बा , अउर तू हमरा पर बहुत दया कइले बाड़ऽ कि हमार जान बचावल जा सकेला ; लेकिन हम पहाड़ पर ना बच सकेनी , जबले हमरा पर विपत्ति ना आवे , अउर हम नाश हो जाईब .*"

लूत ओह इलाका के जानत बा जहाँ ऊ रहेला आजानत बा कि ओकरा पहाड़ पर चहुँपे में बहुते समय लागी . एही से ऊ परी से भीख मांगेला आओकरा के एगो अउरी समाधान के पेशकश करेला।

उत्पत्ति 19:20: " *देखऽ , ई शहर एतना नजदीक बा कि हम भाग सकीले , अउर इ छोट बा। का हम एकरा में भाग सकत रहनी ,... का इ छोट ना ह?... अउर हमार आत्मा जिंदा होखे !* "

घाटी के अंत में ज़ोअर पड़ेला , जवना के मतलब छोट होखेला। ई घाटी के त्रासदी से बच के लूत आउनकर परिवार खातिर शरण के काम कइलस।

उत्पत्ति 19:21: " *उ ओकरा से कहलस कि देख , हमरा भी तोहरा पर इ अनुग्रह बा , अउर जवना शहर के बारे में तू बात करत बाड़ ,* ओकरा के नाश ना करब। "

एह शहरे के मौजूदगी आजुओ एह नाटकीय प्रकरण के गवाह बा जवन मैदान के घाटी के शहरन के प्रभावित कइलस जहाँ सदोम आअमोरा के दू गो शहर रहे।

उत्पत्ति 19:22: " *जल्दी से उहाँ भाग जा , काहेकि जब तक तू उहाँ ना पहुँचब तब तक हम कुछ ना कर सकीं। एही से ओह शहर के नाम सोअर कहल जाला* । "

अब स्वर्गदूत अपना समझौता पर निर्भर बा आघाटी पर प्रहार करे खातिर तबले इंतजार करी जबले लूत सोअर में ना घुस जाव .

उत्पत्ति 19:23: " *सूरज धरती पर उगत रहे , जब लूत सोअर में प्रवेश कइलन .*"

सदोमियन खातिर एगो नया दिन एगो सुन्दर सूर्योदय के नीचे भोर होखत लउकल; कवनो दिन जइसन कवनो दिन ...

उत्पत्ति 19:24: " *तब यहोवा सदोम अउर अमोरा पर स्वर्ग से यहोवा के ओर से गंधक अउर आगबरसा दिहले .*"

एह चमत्कारी ईश्वरीय क्रिया के एडवेंटिस्ट पुरातत्वविद रॉन व्याट के खोज से सशक्त गवाही मिलल बा। ऊ अमोरा शहर के जगह के पहचान कइलें , जेकर

आवास एह घाटी के सीमा से सटल पहाड़ के पच्छिमी ढलान पर एक दुसरे से झुकल रहे। एह जगह के फर्श सल्फर के पत्थर से बनल बा जवन आग के संपर्क में अइला पर आजुओ आग लागेला। एह तरह से दिव्य चमत्कार के पूरा पुष्टि हो जाला आचुनल लोग के विश्वास के योग्य बा।

अक्सर सोचा आकहल गइल चीज के बिपरीत , भगवान एह घाटी के नष्ट करे खातिर परमाणु ऊर्जा के इस्तेमाल ना कइलें बलुक सल्फर आशुद्ध सल्फर के पत्थर सभ के इस्तेमाल कइलें , जेकर अनुमान 90% शुद्धता बाटे , ई बिसेसज्ञ लोग के अनुसार असाधारण बाटे। आसमान में गंधक के बादल ना होला , एहसे हम कह सकेनी कि ई विनाश सृष्टिकर्ता भगवान के काम ह। ऊ अपना जरूरत के हिसाब से कवनो भी पदार्थ के रचना कर सकेला जबसे ऊ धरती , आकाश आ ओहमें मौजूद हर चीज के रचना कइले बाड़न .

उत्प .

जरत गंधक के पत्थर के बरखा के शिकार जगह में का रह सकेला ? कुछुओ ना , सिवाय चट्टान आसल्फर के पत्थर के जवन अभी भी मौजूद बा।

उत्पत्ति 19:26: " *लूत के मेहरारू पीछे मुड़ के देखली , त उ नमक के खंभा बन गईली* ."

लूत के मे हरारू के एह पिछड़ल नजर से पछतावा आ एह अभिशप्त जगह में लंबा रुचि के पता चलेला। मन के ई स्थिति भगवान के खुश ना करेला आ ऊ ओकरा शरीर के नमक के खंभा में बदल के एकर जानकारी देला , जवन कि बिल्कुल आध्यात्मिक बाँझपन के छवि ह।

उत्पत्ति 19:27: " *अब्राहम सबेरे -सबेरे उठ के उ जगह पर गईले जहाँ उ प्रभु के सामने खड़ा रहले* ."

जवन नाटक खुलल रहे ओकरा से अनजान अब्राहम ममरे के ओक पर आ गइलन जहाँ ऊ अपना तीन गो आगंतुकन के स्वागत कइले रहले .

उत्पत्ति 19:28: " *ऊ सदोम आअमोरा आमैदान के पूरा इलाका के ओर देखलन , त देखलस कि धरती से एगो धुँ आउठत बा , जवन भट्ठी के धुँआ नियर बा* ."

ई पहाड़ एगो बेहतरीन अवलोकन चौकी ह। अपना ऊँचाई से अब्राहम एह इलाका के नजारा देखत बाड़न आ जानत बाड़न कि सदोम आअमोरा के घाटी कहाँ बा . जबकि ओहिजा के जमीन पर अबहियो धधकत आग बा , ऊपर से सल्फर आ आदमी के कवनो शहर में जुटावल सगरी सामग्री के खपत से पैदा होखे वाला तीखा धुँआ उठत बा . जगह के दुनिया के अंत तक बाँझपन के निंदा कईल गईल बा। खाली चट्टान , पत्थर , सल्फर के पत्थर , आ नमक बा , ढेर नमक, जवन माटी के बाँझपन के बढ़ावा देला।

उत्पत्ति 19:29: " *जब परमेश्वर मैदान के शहरन के नष्ट कर दिहल न त उ अब्राहम के याद कइलन अउर लूत के*

ओह विपत्ति के बीच से बचा लिहलन , जवना से ऊ ओह शहरन के उखाड़ दिहलन जवना में लूत रहत रहले ."

इ स्पष्टीकरण महत्वपूर्ण बा काहे कि इ हमनी के बतावेला कि परमेश्वर लूत के खाली अपना वफादार सेवक अब्राहम के खुश करे खातिर बचा लिहले। एह से ऊ समृद्ध घाटी आ ओकरा भ्रष्ट शहरन के चुने खातिर ओकरा के डांटल ना छोड़ले रहले . आई एह बात के पुष्टि करेला कि ऊ वाकई ओह भाग्य से बचा लिहल गइल जवना के सदोम "आग से उखाड़ल ब्रांड " के रूप में जानत रहे , जवन कि , बेहद संकीर्ण रूप से .

उत्पत्ति 19:30: " *लूत सोअर छोड़ के पहाड़ी इलाका में चढ़ गईले , अउर उ अपना दुनो बेटी के संगे पहाड़ में रह गईले , काहेकी उ सोअर में रहे से डेरात रहले। उ अपना दुनो बेटी के संगे एगो गुफा में रहले।* "

अलगा होखे के जरूरत अब लूत के साफ हो गईल बा। आ ऊ ही सोअर में ना रहे के फैसला करेला , जवन भले "छोट " होखे , लेकिन भगवान के सामने भ्रष्ट आ पापी लोग के भी आबादी रहे। बदला में ऊ पहाड़ पर जाला आ हर आराम से दूर अपना दुनु बेटी के साथे एगो गुफा में रहेला , जवन भगवान के सृष्टि के ओर से उपलब्ध करावल प्राकृतिक सुरक्षित ठिकाना ह।

उत्पत्ति 19:31: " *तब बड़का छोटका से कहलस, "हमनी के बाप बूढ़ हो गइल बाड़न , अउर देश में कवनो आदमी नइखे जे हमनी के लगे आवे , सब देशन के तरीका से ।* "

लूत के दुनो बेटी के पहल में कवनो खपत नईखे। इनकर प्रेरणा सही बा आ भगवान के मंजूर बा काहे कि ऊ लोग अपना पिता के संतान देबे के मकसद से काम करत बा . एह प्रेरणा के बिना ई पहल अनाचार के होखी .

उत्पत्ति 19:32: " *आजा , हमनी के अपना बाप के शराब पीवावे के चाहीं , अउर ओकरा साथे लेट जाइले , **ताकि हमनी के अपना पिता से बीज बचा सकीले** ."*

उत्पत्ति 19:33: " *उ लोग ओह रात अपना पिता के शराब पीवले , अउर जेठ बच्चा अपना पिता के संगे जाके सुत गईल , लेकिन उ ना जानत रहले कि उ कब लेट गईली अवुरी कब उठली ।* "

उत्पत्ति 19:34: " *आ अगिला दिने जेठका बच्चा छोटका से कहलस कि देखऽ , हम काल्हु रात अपना पिता के साथे लेट गइल बानी। हमनी के आजरात भी ओकरा के शराब पीवा के ओकरा साथे लेट जाइले , **ताकि हमनी के अपना पिता के संतान बचा सकीले** ।* "

उत्पत्ति 19:35: " *उ लोग ओह रात भी अपना पिता के शराब पीवले , आ छोटकी जाके उनकरा साथे लेट गईल , लेकिन उ ना जानत रहे कि उ कब लेट गईली अवुरी कब उठली ।* "

एह क्रिया में लूत के पूरा बेहोशी एह प्रक्रिया के हमनी के अंतिम समय में जानवर आ

मनुष्य पर लगावल गइल कृत्रिम गर्भाधान के छवि देला। सुख के तनिको खोज नइखे आ बात इंसानियत के शुरुआत में भाई -बहिन के युग्मन से बेसी चौंकावे वाला नइखे .

उत्पत्ति 19:36: " *लूत के द्व गो बेटी अपना पिता से गर्भवती हो गइली* ."

लूत के ई दुनो बेटी अपना पिता के इज्जत खातिर आत्मत्याग के असाधारण गुण के प्रदर्शन करेली। एकल महतारी के रूप में उ लोग अपना बच्चा के अकेले पालन - पोषण करीहे , आधिकारिक तौर प बिना पिता के , अवुरी ए प्रकार से उ लोग पति , जीवनसाथी , साथी लेवे से त्याग क देले।

उत्पत्ति 19:37: " *जेठका बच्चा से एगो बेटा भइल , आ ओकर नाम मोआब रखलस , उहे आज तक मोआब लोग के पिता हउवें* ."

उत्पत्ति 19:38: " *छोटका भी एगो बेटा पैदा कइलस , आ ओकर नाम बेन -अम्मी रखलस। उहे आजतक अम्मोन के संतान के पिता हवें । "*

दानियल 11:41 के भविष्यवाणी में , हमनी के दुनो बेटा के वंशज के जिक्र मिलेला : " *उ सुंदर देश में घुस जाई , अवुरी बहुत लोग गिर जईहे ; लेकिन एदोम , **मोआब अवुरी अम्मोन** के सरदार उनुका हाथ से मुक्त हो जईहे* । " एह से एगो शारीरिक अउर आध्यात्मिक कड़ी एह वंशज के इब्राहीम पर आधारित इस्राएल से एकजुट करी जवन इब्राहीम लोग के हेबर के बाद के जड़ रहे। बाकिर ई साझा जड़ झगड़ा भड़काई आ एह वंशज के इस्राएल राष्ट्र का खिलाफ सेट कर दी . सपन्याह 2:8 अउर 9 में , परमेश्वर मोआब अउर अम्मोन के संतान खातिर दुर्भाग्य के भविष्यवाणी कइले बाड़न : " *हम मोआब के अपमान अउर अम्मोन के लोग के अपमान सुनले बानी , जब उ लोग हमरा लोग के अपमान करत रहे अउर अपना सीमा के खिलाफ खुद के ऊपर उठावत रहे। एह से , जब हम जीयत बानी ! सेना के प्रभु , इस्राएल के परमेश्वर , मोआब सदोम निहन होई , अउर अम्मोन के संतान गोमोरा निहन , एगो जगह हो ई। " काँट के गड्ढा , नमक के गड्ढा आ हमेशा खातिर उजाड़ हो जाई* ।

इ साबित करेला कि परमेश्वर के आशीष वाकई में खाली इब्राहीम पर रहे अउर इ उनकरा भाई लोग के साझा ना रहे जवन एकही पिता तेराह से पैदा भइल रहे। अगर लूत अब्राहम के उदाहरण से फायदा उठावे में सक्षम रहले त उनुका दुनो बेटी से पैदा भईल उनुका वंशज खाती अयीसन ना होई।

उत्पत्ति 20 में दिहल गइल बा

भगवान के पैगम्बर के दर्जा से अलग होखल

उत्पत्ति 12 में दर्ज फिरौन के साथ अनुभव के नवीनीकरण करत, अब्राहम अपना पत्नी सारा के आपन बहिन के रूप में गेरार (वर्तमान के गाजा के लगे फिलिस्तीन) के राजा अबीमेलेक के सामने पेश करेलन। एक बार फिर , भगवान के उनकर सजा के प्रतिक्रिया उनका के पता चलेला कि सारा के पति उनकर भविष्यवक्ता हवे। एह तरह से अब्राहम के शक्ति आडर पूरा क्षेत्र में फइल गइल।

उत्पत्ति 21 में दिहल गइल बा

वैध आनाजायज के अलगाव

जवना चीज से प्यार होला ओकर त्याग **के माध्यम से** विरह

उत्पत्ति 21:1: " *अउर यहोवा सारा के सामने अइले जइसे उ कहले रहले , अउर यहोवा सारा के साथे उहे कइलन जइसन उ कहले रहले।* "

एह मुलाकात में भगवान सारा के लंबा बंजरपन के अंत कर देले।

उत्पत्ति 21:2: " *सारा गर्भवती हो गईली अउर उ अब्राहम के बुढ़ापा में एगो बेटा पैदा कईली , जवना समय के बारे में परमेश्वर उनुका से कहले रहले।* "

यशायाह 55:11 एकर पुष्टि करेला : " *हमार वचन जवन हमरा मुँह से निकलेला , उहे होई : उ हमरा लगे शून्य ना लवट आई, लेकिन उ हमरा जवन मन करे उ पूरा करी , अवुरी जवन हमार इरादा बा , उ पूरा करी* "; अब्राहम से कइल वादा पूरा हो गइल , एह से श्लोक जायज बा। ई बेटा भगवान के जनम के घोषणा के बाद दुनिया में आवेला। बाइबल ओकरा के "प्रतिज्ञा के बेटा " के रूप में प्रस्तुत करेला , जवन इसहाक के मसीही "परमे शवर के बेटा " के एगो भविष्यवाणी प्रकार बनावेला : यीशु।

उत्पत्ति 21:3: " *अब्राहम अपना बेटा के नाम इसहाक रखले , जेकरा से सारा पैदा भइल रहली।* "

इसहाक नाम के मतलब होला : ऊ हँसेला। अब्राहम आ सारा दुनु जने भगवान के अपना होखे वाला बेटा के घोषणा सुन के हँसले। जबकि खु शी के हँसी सकारात्मक होला , मजाक उड़ावे वाला हँसी ना। दरअसल , दुनो जीवनसाथी के प्रतिक्रिया एके रहे , उ लोग मानवीय पूर्वाग्रह के शिकार भईले। काहे कि ऊ लोग अपना आसपास के लोग के मानवीय प्रतिक्रिया के बारे में सोच के हँसत रहे। जलप्रलय के बाद से जीवन काल काफी

कम हो गइल बा आ मनुष्य खातिर 100 निशान के उमिर बुढ़ापा के आगे बढ़ा दिहलस ; ऊ जमाना जहाँ जिनिगी से बहुते कम उमेद कइल जाला . बाकिर उमिर के मतलब कुछुओ ना होला सृष्टिकर्ता भगवान से संबंध के संदर्भ में जे सब चीजन के सीमा तय करेलें। आइब्राहीम के ई बात अपना अनुभव में पता चलल आ भगवान से धन , सम्मान आ पितृत्व मिलल , अबकी बेर जायज .

उत्पत्ति 21:4: " *अब्राहम अपना बेटा इसहाक के खतना कइलन , जब ऊ आठ दिन के भइलन , जइसन कि परमेश्वर के आज्ञा दिहल गइल रहे।* "

बदला में वैध बेटा के खतना हो जाला। भगवान के आज्ञा के पालन होला।

उत्पत्ति 21:5: " *जब अब्राहम उनकर बेटा इसहाक के जनम भइल त उनकर उमिर सौ साल के रहे।* "

बात उल्लेखनीय बा , लेकिन जलप्रलय से पहिले के मानक से ना।

उत्पत्ति 21:6: " *सारा कहली , "परमेश्वर हमरा के हँसे के कारण देले बाड़न ; जे सुनत होई , उ हमरा साथे हँसेला।* "

सारा के ई स्थिति हँसावे वाला लागेला काहे कि ऊ इंसान हई आइंसान के पूर्वाग्रह के शिकार बाड़ी . बाकिर हँसे के ई इच्छा भी एगो अप्रत्याशित खुशी के झलक देला। अपना पति अब्राहम का तरह उनुका के ओह उमिर में बच्चा पैदा करे के मौका दिहल जाला जब मानवीय सामान्यता का मामिला में अब ई कल्पना ना कइल जा सके .

उत्पत्ति 21:7: " *उ कहली कि इब्राहीम से के कहत होई कि सारा बच्चा के दूध पियाई ?' काहे कि हम ओकरा बुढ़ापा में एगो बेटा पैदा कइले बानी .* "

ई वाकई में असाधारण आपूरा तरह से चमत्कारी बा . सारा के बात के भविष्यवाणी के नजरिया से देखला पर हमनी के इसहाक में उ बेटा के देख सकेनी जा जे मसीह में नया वाचा के भविष्यवाणी करेला , जबकि इस्माइल पहिला वाचा के बेटा के भविष्यवाणी करेला। मसीह यीशु के अस्वीकार कइला से , खतना के निशानी के माध्यम से शरीर के अनुसार पैदा भइल ई प्राकृतिक बेटा , विश्वास के माध्यम से चुनल गइल मसीही बेटा के पक्ष में परमेश्वर द्वारा अस्वीकार कर दिहल जाई। इसहाक के तरह , नया वाचा के संस्थापक मसीह भी चमत्कारिक रूप से पैदा होईहे ताकि उ मानव रूप में परमेश्वर के प्रकट करे अउर प्रतिनिधित्व करे। एकरा विपरीत इस्माइल के कल्पना खाली शारीरिक आधार आसखे ती से मानवीय समझ पर कइल गइल बा।

उत्पत्ति 21:8: " *उ लइका बड़ होके दुध छुड़ावल गइल , आजवना दिन इसहाक के दुध छुड़ावल गइल रहे , उहे दिन अब्राहम एगो बड़हन भोज कइलन ।* "

स्तनपान करावे वाला बच्चा किशोर हो जाई आफादर अब्राहम खातिर वादा आखुशी से भरल भविष्य खुल जाई जवना के ऊखुशी से मनावेलें .

उत्पत्ति 21:9: " *सारा मिस्र के हाजर के बेटा के हंसत देखली , जेकरा के उ अब्राहम से पैदा कईले रहली* ।

धन्य जोड़ा के जीवन में हँसी के एगो बड़ भूमिका निश्चित रूप से होला। इसहाक , जायज बेटा , इसहाक के प्रति इस्माइल के दुश्मनी आ ईर्ष्या ओकरा के हँसे आ मजाक उड़ावे के ओर ले जाला। सारा खातिर जवन सहनशील बा ओकर सीमा पहुँच गइल बा : महतारी के मजाक के बाद बेटा के मजाक आवेला ; ई त बहुते हो गइल बा .

उत्पत्ति 21:10: " एह दासी आ ओकर बेटा के ***बाहर निकाल द*** , *काहे कि एह दास के बेटा हमरा बेटा के वारिस ना हो ई , उहो इसहाक के साथे।* "

सारा के गुस्सा त समझ में आवेला , लेकिन हमरा संगे आगे देखल जाए। सारा पहिला वाचा के अयोग्यता के भविष्यवाणी करेली , जवन मसीह यीशु के धार्मिकता में विश्वास के आधार पर चुनल लोग के साथे नया वाचा के विरासत में ना मिली।

उत्पत्ति 21:11: " *अउर इब्राहीम के नजर में उनकर बेटा के कारण बहुत बुरा रहे।* "

इब्राहीम सारा निहन कवनो प्रतिक्रिया ना देवेले , काहेंकी उनुकर भावना उनुका दुनो बेटा के बीच बंटल बा। इसहाक के जनम से ऊ 14 साल के स्नेह खतम नइखे होत जवन ओकरा के इस्माइल से जोड़ले बा .

उत्पत्ति 21:12: " *तब परमेश्वर अब्राहम से कहले , "लईका अउर दासी के चलते तोहरा नजर में बुराई मत होखे। सारा जवन कुछ भी कहले बाड़ी , ओकरा में ओकर आवाज मानीं , काहेकि तोहार संतान इसहाक में बोलावल जाई।* "

एह संदेश में भगवान इब्राहीम के उनकर बड़का बेटा इस्माइल के बिछुड़न के स्वीकार करे खातिर तैयार करेलन। ई **अलगाव** परमेश्वर के भविष्यवाणी योजना के हिस्सा ह ; चूँकि उ पुरान मोसा के वाचा के असफलता के भविष्यवाणी करेलन। सांत्वना के रूप में , इसहाक में , उ अपना वंशज के बढ़ा दिहे। अउर एह ईश्वरीय वचन के पूर्ति नया वाचा के स्थापना से होई जहाँ " *चुनल* " *लोग* के " बोलावल " " *कहल जाई* " यीशु मसीह में परमेश्वर के अनन्त सुसमाचार के संदेश से।

एह तरह से , विरोधाभासी रूप से , इसहाक पुरान वाचा के कुलपति होईहे अउर खासकर के याकूब , उनकर बेटा , में बा कि मांस अउर खतना के निशानी के अनुसार , परमेश्वर के इस्राएल अपना नींव पर स्थापित होई। लेकिन विरोधाभास एह तथ्य में बा कि इहे इसहाक मसीह

में नया वाचा के बारे में खाली सबक के भविष्यवाणी करेला।

उत्पत्ति 21:13: “ *अउर दासी के बेटा से भी एगो राष्ट्र बनाईब , काहेकि उ तोहार संतान ह। ”*

इस्माइल मध्य पूर्व के कई लोग के कुलपति हवें। जब तक मसीह अपना बचावे वाला सांसारिक सेवा खातिर प्रकट ना भइलन , आध्यात्मिक वैधता खाली इब्राहीम के एह दुनो बेटा के वंशज के रहे। पश्चिमी दुनिया बुतपरस्ती के कई रूप में रहत रहे , महान सृष्टिकर्ता भगवान के अस्तित्व से अनजान रहे।

उत्पत्ति 21:14: " *अब्राहम सबेरे उठ के रोटी आ पानी के बोतल लेके हाजर के दे दिहलन आओकरा के अपना कंधा पर रख दिहलन आओकरा के लइका दे दिहलन आओकरा के भेज दिहलन . आऊ चल गइलन आ बेरशेबा के जंगल में भटक गइलन .* "

भगवान के हस्तक्षेप से अब्राहम के आश्वस्त हो गईल। उ जानत रहले कि परमेश्वर खुद हाजर अउर इस्माइल के देखभाल करीहे , अउर उ ओह लोग से **अलग होखे के तैयार हो गईले** काहे कि उ परमेश्वर पर भरोसा करत रहले कि उ ओह लोग के रक्षा अउर मार्गदर्शन करीहे। काहे कि तब तक उनुकर रक् षा आ मार्गदर्शन खुदे उनुका से मिलल रहे।

उत्पत्ति 21:15: " *जब बोतल में पानी खतम हो गईल त उ बच्चा के एगो झाड़ी के नीचे फेंक देली।* "

बेरशेबा के रेगिस्तान में ले जाइल पानी जल्दी से खपत हो जाला आ बिना पानी के हागार अपना दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति के अंतिम परिणाम खा ली मौत के रूप में देखेले।

उत्पत्ति 21:16: " *अउर उ सामने जाके , धनुष के निशान से दूर बईठ गईली , काहेकि उ कहली कि , "हमरा बच्चा के मरत ना देखे दीं। उ सामने बईठ के आवाज़ उठा के रोवे लगली।* "

एह चरम स्थिति में दूसरा बेर हाजर भगवान के चेहरा के सोझा आपन लोर बहावेले ।

उत्पत्ति 21:17: " *तब परमेश्वर ओह लइका के आवाज सुनलन , अउर परमेश्वर के दूत स्वर्ग से हाजर के आवाज दिहलन अउर कहलन कि , “हाजर , तोहरा का बेमारी बा ? मत डेरा , काहेकि परमेश्वर ओह लइका के आवाज सुनले बाड़न जहाँ उ बा।* "

आदूसरा बेर भगवान बीच में आके ओकरा से बात क के ओकरा के आश्वस्त कर देले।

उत्पत्ति 21:18: “ *उठ, लइका के उठा के अपना हाथ में ले लीं , काहे कि हम ओकरा के एगो बड़हन राष्ट्र बना देब।* ”

हम रउरा सभे के याद दिआवत बानी कि बच्चा इस्माइल 15 से 17 साल के किशोर ह , लेकिन एकरा बावजूद उ

अपना महतारी हाजर के अधीन बच्चा ह अवुरी दुनो के लगे अब पीये खाती पानी नईखे। भगवान चाहत बाड़न कि ऊ अपना बेटा के भरण पोषण करे काहे कि ओकरा खातिर एगो शक्तिशाली किस्मत आरक्षित बा .

उत्पत्ति 21:19: " *परमेश्वर उनकर आँख खोललन , त उ पानी के कुआँ देखली , अउर उ जाके बोतल में पानी भर के बच्चा के पी दिहली।* "

चमत्कार होखे भा ना , पानी के ई कुआँ सही समय पर लउकल जवना से हाजर आओकरा बेटा के जिनिगी के स्वाद मिल सके . आ ऊ लोग आपन जिनगी ओह शक्तिशाली सृष्टिकर्ता के ऋणी बा जे चीजन के दृष्टि आसमझ के खोलेला भा बंद करेला .

उत्पत्ति 21:20: " *परमेश्वर लइका के साथे रहलन , उ बड़ होके जंगल में रह के तीरंदाज बन गइलन।* "

एह से रेगिस्तान खाली ना रहे काहे कि इस्माइल जानवरन के शिकार करत रहले जवना के ऊखाए खातिर अपना धनुष से मारत रहले .

उत्पत्ति 21:21: " *उ पारन के जंगल में रहत रहले , अउर उनकर माई मिस्र से उनकर मेहरारू ले गईली।* "

एह से इस्माइली आमिस्र के बीच के बंधन मजबूत हो जाई आ समय के साथे इसहाक के साथे इस्माइल के प्रतिद्वंद्विता एतना बढ़ जाई कि ऊ लोग स्थायी प्राकृतिक दुश्मन बन जाई।

उत्पत्ति 21:22: " *तब भइल कि अबीमेलेक आउनकर सेना के सेनापति फिकोल अब्राह म से कहलन कि , "तू जवन काम करेलऽ ओकरा में परमेश्वर तोहरा साथे बाड़न।* "

सारा के उनकर बहिन के रूप में प्रस्तुत कइला से पैदा भइल अनुभव , जवन उत्पत्ति 20 में दर्ज बा , अबीमेलेक के सिखवलस कि अब्राहम परमेश्वर के भविष्यवक्ता हवें। ओकरा से अब डर आडर लागेला .

उत्पत्ति 21:23: " *एह से अब हमरा के इहाँ परमेश्वर के कसम खाईं कि तू हमरा साथे , ना हमरा लइकन के साथे , ना हमरा लइकन के लइकन के साथे झूठा व्यवहार मत करब। जवना दयालुता हम तोहरा पर कइले बानी , तू हमरा साथे आ ओह देश के साथे जवना देश में तू प्रवास कइले बाड़ऽ।* "

अब अबीमेलेक अब अब्राहम के चाल के शिकार ना बनल चाहत बाड़न आउनुका से शांतिपूर्ण गठबंधन के दृढ़ आदृढ़ प्रतिबद्धता हासिल कइल चाहत बाड़न .

उत्पत्ति 21:24: “ *अब्राहम कहले , हम कसम खाइब।* ”

अब्राहम के अबीमेलेक के प्रति कवनो बुरा इरादा नइखे आएहसे ऊएह समझौता पर सहमत हो सकेलें .

उत्पत्ति 21:25: " *अब्राहम अबीमेलेक के डांटलन काहे कि पानी के कुआँ के अबीमेलेक के सेवक जबरन ले लिहले रहले।* "

उत्पत्ति 21:26: " *अबीमेलेक कहले , "हम नईखी जानत कि इ काम के कईले बा , ना तू हमरा के देखवले बाड़ू , ना हम आजतक एकर बारे में सुनले बानी।* "

उत्पत् ति 21:27: " *अब्राहम भेड़ अउर बैल लेके अबीमेलेक के दे दिहलन। अउर दुनो लोग एगो वाचा कईले।* "

उत्पत्ति 21:28: " *अब्राहम भेड़ में से सात गो भेड़ के अलग कइलन ;* "

इब्राहीम के "सात भेड़ " के चुनाव सृष्टिकर्ता परमेश्वर से उनकर संबंध के गवाही देला , जेकरा के उ अपना काम से जोड़ल चाहत बाड़े। इब्राहीम परदेसी देश में बस गईल बाड़े , लेकिन उ चाहत बाड़े कि उनुका मेहनत के फल उनुकर आपन रहे।

उत्पत्ति 21:29: " *अबीमेलेक अब्राहम से पूछले , "ई सात गो भेड़ के मेमना का ह जवन तू अलग कईले बाड़ू ?* "

उत्पत्ति 21:30: " *उ कहले , "हमरा हाथ से ई सात गो भेड़ के मेमना ले जा , हमरा खातिर गवाही के रूप में कि हम ई कुआं खोदले बानी।* "

उत्पत्ति 21:31: " *एह से उ जगह के नाम बेरशेबा रखल गईल , काहे कि उ लोग उहाँ किरिया खईले रहले , उ दुनो लोग।* "

विवाद के कुआँ के नाम "शेबा " शब्द के नाम पर रखल गइल बा , जवन हिब्रू संख्या "सात " के जड़ ह , आ "शब्बाथ " शब्द में पावल जाला , जवन सातवाँ दिन , हमनी के शनिचर के बतावेला , जवना के परमेश्वर अपना पार्थिव सृष्टि के शुरुआत से ही साप्ताहिक आराम के रूप में पवित्र कइले बाड़न। एह गठबंधन के स्मृति के बचावे खातिर एह तरह से इनार के “सात के कुआँ ” कहल गइल।

उत्पत्ति 21:32: " *उ लोग बेरशेबा में एगो वाचा कइल। अबीमेलेक आउनकर सेना के सेनापति फिकोल उठ के पलिस्तीयन के देश में वापस आगइलन।* "

उत्पत्ति 21:33: " *अब्राहम बेरशेबा में तमारी के पेड़ लगवले , अउर उहाँ उ अनन्त परमेश्वर यहोवा के नाम पुकारले।* "

उत्पत्ति 21:34: " *इब्राहीम पलिस्तीयन के देश में बहुत दिन तक प्रवास कईले।* "

भगवान अपना सेवक के शांति आसुकून के हालात के इंतजाम कइले रहले .

उत्पत्ति 22 में दिहल गइल बा

बाप आएकलौता बलिदान भइल बेटा के विरह

एह अध्याय 22 में मसीह के भविष्यवाणी के विषय प्रस्तुत कइल गइल बा जवन परमेश्वर द्वारा पिता के रूप में बलिदान के रूप में चढ़ावल गइल बा। एह में भगवान के सामने मुक्त , बुद्धिमान आ स्वायत्त समकक्ष बनावे के फैसला के शुरुआत से ही गुप्त रूप से तइयार कइल गइल उद्धार के सिद्धांत के चित्रण कइल गइल बा। इहे बलिदान उनुका प्राणी से प्रेम के वापसी पावे खातिर चुकावे के कीमत होई। चुनल लोग उहे होई जे परमेश्वर के उम्मीद के पूरा तरह से चुनाव के आजादी के साथ जवाब देले बा।

उत्पत्ति 22:1: “ *एह सब के बाद परमेश्वर अब्राहम के परीक्षा दि हलन आकहलन कि अब्राहम* !

इब्राहीम परमेश्वर के बहुत आज्ञाकारी हवें , लेकिन इ आज्ञाकारिता कतना दूर तक जा सकेला ? भगवान के जवाब पहिलही से मालूम बा , लेकिन इब्राहीम के पीछे छोड़े के होई , सब चुनल लोग के गवाही के रूप में , अपना अनुकरणीय आज्ञाकारिता के एगो ठोस प्रमाण जवन उनुका के अपना परमेश्वर के प्रेम के एतना लायक बनावेला जवन कि उनुका के पितृसत्तात्मक बनावेले , जेकर संतान मसीह यीशु के जन्म से उदात्त हो जाई।

उत्पत्ति 22:2: " *अउर परमेश्वर कहले , "अब आपन बेटा , आपन एकलौता बेटा इसहाक , जेकरा से तू प्यार करेलऽ , ले जाके मोरिया के देश में जाके उहाँ ओकरा के ओह पहाड़न में से कवनो पहाड़ पर होमबलि के रूप में चढ़ावऽ , जवना के बारे में हम तोहरा के बताइब।* "

भगवान जानबूझ के जवन दर्द देला ओकरा पर दबाव डालत बाड़े , एह सौ साल से अधिका के एह बुढ़ऊ खातिर जवन सहन करे लायक बा ओकरा सीमा तक. भगवान चमत्कारिक तरीका से ओकरा के एगो बेटा आ ओकर जायज पत्नी सारा से पैदा होखे के खुशी दे दिहले बाड़न . त, उ अपना आसपास के लोग से भगवान के अविश्वसनीय निहोरा छिप जाई : " *अपना एकलौता बेटा के बलिदान के रूप में चढ़ाई* । " आ अब्राहम के सकारात्मक प्रतिक्रिया के शाश्वत परिणा म सगरी मानवता खातिर होखी . काहे कि , अब्राहम के अपना बेटा के चढ़ावे के तइयार होखला के बाद , भगवान खुद अब आपन बचाव के योजना के त्याग ना कर पइहें ; अगर ऊ एकर त्याग करे पर विचार कर सकत रहले .

आईं हमनी के परिशुद्धता के महत्व पर ध्यान दीं जा : " *ओह पहाड़न में से एगो पर जवना के बारे में हम बताइब* ." ई सटीक जगह मसीह के खून पावे खातिर प्रोग्राम कइल गइल बा।

उत्पत्ति 22:3: " *अब्राहम सबेरे -सबेरे उठ के अपना गदहा पर काठी बन्हले आ अपना साथे दू गो नौकर आ अपना बेटा इसहाक के लेके होमबलि खातिर लकड़ी काट*

के ओहिजा जाए खातिर चल गइलन जहाँ भगवान उनुका के बतवले रहले ."

अब्राहम एह आक्रोश के माने के संकल्प लिहलन आ भारी दिल से भगवान के आदेश पर खूनी समारोह के तइयारी के आयोजन कइलन.

उत्पत्ति 22:4: " *तीसरा दिन अब्राहम आँख उठा के दूर से उ जगह देखले।* "

मोरिया के धरती जहाँ से ऊ निवास करेला , ओहिजा से तीन दिन के सफर पर बा।

उत्पत्ति 22:5: " *अब्राहम अपना नौकरन से कहलन , "तू लोग इहाँ गदहा के साथे रहऽ , त हम आनवही ओहिजा जाके पूजा करब आतोहनी के लगे वापस आजाईब।* "

जवन भयानक काम ऊ करे वाला बा ओकरा कवनो गवाह के जरूरत नइखे . **ऊ** एह से अपना दु नो नौकर से **अलग हो जाला** जेकरा उनुका वापसी के इंतजार करे के पड़ी।

उत्पत्ति .22:6: " *अब्राहम होमबलि के लकड़ी लेके अपना बेटा इसहाक पर रख दिहलन , आ ओकरा हाथ में आग आ चाकू लेके चल गइलन। आदुनु जाना एक संगे चल गइलन ."*

एह भविष्यवाणी के दृश्य में , जइसे मसीह के भारी "पैटिबुलम " के ढोवे के पड़ी जवना पर उनकर कलाई कील ठोकल जाई , इसहाक के ओह लकड़ी के चार्ज कइल गइल बा जवन आग लगा के उनकर बलिदान कइल शरीर के भस्म कर दी।

उत्पत्ति 22:7: " *तब इसहाक अपना पिता अब्राहम से कहलन कि , "हमार बाप ! आ कहलन , "हम इहाँ बानी , हमार बेटा। आइसहाक कहलस , "देखऽ आग आलकड़ी ; लेकिन होमबलि खातिर मेमना कहाँ बा ?"*

इसहाक कई गो धार्मिक बलिदान के गवाह बनल बाड़न आजवना जानवर के बलि देबे के बा ओकरा के ना होखे से ऊ हैरान होखल सही बा .

उत्पत्ति 22:8: " *इब्राहीम कहले , "हे बेटा , परमेश्वर होमबलि खातिर मेमना के इंतजाम करीहे।* " आ दुनो लोग एक संगे चल गईले।

अब्राहम के ई प्रतिक्रिया सीधे परमेश्वर से प्रेरित रहे काहे कि इ भव्य रूप से ओह विशाल बलिदान के भविष्यवाणी करेला जवना खातिर परमेश्वर अपना के मानव शरीर में सूली पर चढ़ावे खातिर अर्पित करके सहमति दिहे , एह तरह से पापी चुनल लोग के ईश्वरीय सिद्धता में एगो प्रभावी अउर न्यायी उद्धारकर्ता के जरूरत के पूरा कइल जाई। लेकिन अब्राहम , अपना ओर से , ई उद्धारकर्ता भविष्य , मसीह उद्धारकर्ता के ई भूमिका के भविष्यवाणी नइखे करत जवना के भविष्यवाणी YaHWéH, सर्वशक्तिमान सृष्टिकर्ता परमेश्वर के बलि दान कइल गइल जानवर द्वारा कइल गइल बा। ओकरा खातिर ई प्रतिक्रिया ओकरा बस समय हासिल

करे के मौका देला , अतना कि ऊ ओह अपराध के डर से देखत बा कि ओकरा करे के पड़ी .

उत्पत्ति 22:9: " *जब उ लोग उ जगह प पहुंचले , जवना के बारे में परमेश्वर उनुका के बतवले रहले , त अब्राहम उहाँ एगो वेदी बनवले अवुरी लकड़ी के व्यवस्थित कईले। अवुरी उ अपना बेटा इसहाक के बांध के वेदी प, लकड़ी प सुता देले।* "

अफसोस कि वेदी के सामने अब्राहम खातिर अब इसहाक से छिपे के कवनो तरीका नइखे कि उहे बलिदान के भेड़ होई। अगर फादर इब्राहीम एह असाधारण स्वीकृति में अपना के उदात्त देखावत रहले त इसहाक के नम्र व्यवहार उ छवि ह जवन यीशु मसीह अपना समय में का होईहे : अपना आज्ञाकारिता अउर आत्मत्याग में उदात्त।

उत्पत्ति 22:10: " *तब इब्राहीम आपन हाथ बढ़ा के अपना बेटा के मारे खातिर चाकू लेके चल गईले।* "

ध्यान दीं कि प्रतिक्रिया देवे खातिर , परमेश्वर अपना चुनल लोग के गवाही के वास्तविक मूल्य अउर प्रामाणिकता देवे खातिर परीक्षा के बहुत अंत तक इंतजार करेलन। " *हाथ में चाकू* ," बस इहे बा कि इसहाक के ओइसहीं कत्ल कर दिहल जाव जइसे कि पहिले से बलि दिहल गइल कई गो भेड़न के .

उत्पत्ति 22:11: " *तब यहोवा के दूत स्वर्ग से उनकरा के आवाज देके कहलस, 'अब्राहम , अब्राहम !' अउर उ कहलस, 'हम इहाँ बानी !'*"

अब्राहम के आज्ञाकारी विश्वास के प्रदर्शन कइल गइल बा आपूरा तरह से साकार कइल गइल बा। भगवान बुढ़ऊ के आ ओकरा बेटा के परीक्षा के अंत कर देले जवन ओकरा आ ओकरा प्यार के एतना लायक बा।

ओकरा के ऊपर ले लीं , हर बेर जब ओकरा के भगवान भा ओकर बेटा बोलावेला त अब्राहम हमेशा जवाब देत बा कि : " *हम इहाँ बानी* ." उनुका से निकले वाला ई सहज प्रतिक्रिया उनुका पड़ोसी के प्रति उदार आ खुला स्वभाव के गवाही देत बा . इ हे ना , ई पाप के स्थिति में फंसल आदम के रवैया से विपरीत बा जे परमेश्वर से लुकाइल रहे , एतना कि परमेश्वर के ओकरा से कहे के बाध्यता रहे : " *तू कहाँ बाड़ ?* "

उत्पत्ति 22:12: " *स्वर्गदूत कहलस कि , लइका पर हाथ मत डालऽ आ ओकरा साथे कुछ मत करऽ , काहेकि अब हम जानत बानी कि तू परमेश्वर से डेरात हउअ अउर अपना एकलौता बेटा के हमरा से ना रोकले बाड़ऽ।* "

अपना वफादार अउर आज्ञाकारी विश्वास के प्रदर्शन के साथ , इब्राहीम के सबके सामने देखावल जा सकेला , अउर दुनिया के अंत तक, सच्चा विश्वास के मॉडल के रूप में , परमेश्वर द्वारा , मसीह के आगमन तक, जे बदले में एकरा के ईश्वरीय सिद्धता में अवतार

लीहें। इहे निर्दोष आज्ञाकारिता के मॉडल में इब्राहीम यीशु मसीह के बहावल खून से बचावल सच्चा विश्वासियन के आध्यात्मिक पिता बन जाला। एह अनुभव में , अब्राहम अभी -अभी परमेश्वर पिता के भूमिका निभवले बाड़न जे एगो वा स्तविक अउर नश्वर बलिदान के रूप में चढ़ाई , उनकर एकलौता बेटा जेकर नाम नासरत के ईसा बा।

उत्पत्ति 22:13: " *अब्राहम आपन आँख उठा के देखलन कि ओकरा पीछे एगो मेढ़क के सींग से झाड़ी में फंसल बा , आअब्राहम जाके मेढ़ा के लेके अपना बेटा के जगह होमबलि के रूप में चढ़वले ।* "

एह बिंदु पर , अब्राहम एह बात के एहसास कर सकेला कि इसहाक के प्रति उनकर प्रतिक्रिया , " *हमार बेटा , परमेश्वर होमबलि खातिर मेमना के इंतजाम करीहें* ," परमेश्वर से प्रेरित रहे , काहे कि " *मेमना* ," असल में , "मेढ़क *के बच्चा* ," वाकई में परमेश्वर के द्वारा " *उपलब्ध करावल* " बा अउर उनुके द्वारा चढ़ावल गइल बा। ध्यान दीं कि YaHWéH के बलि दिहल जानवर हमेशा नर होला काहें से कि आदमी , नर आदम के दिहल जिम्मेदारी आप्रभुत्व। मुक्तिदाता मसीह भी पुरुष होईहे।

उत्पत्ति 22:14: " *अब्राहम ओह जगह के नाम यहोवा - जिरेह रखले। एह से आज तक कहल जाला कि , 'उ यहोवा के पहाड़ में देखल जाई।* '"

याहवेह जिरेह " नाम के मतलब होला : याहवेह देखल जाई। एह नाम के अपनावल एगो सच्चा भविष्यवाणी ह जवन घोषणा करेला कि मोरिया के देश में भय आभय पैदा करे वाला महान अदृश्य भगवान के कम भयावह मानवीय रूप में देखल जाई , चुनल लोग के उद्धार ले आवे आ पावे खातिर। अउर एह नामांकन के उत्पत्ति , इसहाक के बलिदान के रूप में चढ़ावल , " *परमेश्वर के मेमना जे दुनिया के पाप के दूर करेला* " के सांसारिक सेवा के पुष्टि करेला। रिप्रोड्यूस आ दोहरावल प्रकार आ मॉडल के प्रति उनकर सम्मान में परमेश् वर के रुचि के जानत , ई संभावित आलगभग निश्चित बा कि इब्राहीम आपन बलिदान ठीक ओही जगह पर चढ़वले जहाँ , 19 सदी बाद , यीशु के सूली पर चढ़ावे के रहे , यानी कि , गोलगोथा पहाड़ के तलहटी में , यरूशलेम के बाहर , शहर , कुछ समय खातिर ही , पवित्र।

उत्पत्ति 22:15: " *यहोवा के दूत स्वर्ग से दूसरा बार अब्राहम के बोलवले* "

ई भयानक कष्ट आखिरी होखी जवना के अब्राहम के सहन करे के पड़ी . भगवान ओकरा में आज्ञाकारी विश्वास के योग्य पितृसत्तात्मक मॉडल पा लेले बाड़े , अउर उ ओकरा के एकरा के बतावे देले।

उत्पत्ति 22:16: " *आकहलन , हम अपना से किरिया लेले बानी , प्रभु कहत हउवें : काहे कि तू ई काम कइले बाड़ऽ आअपना एकलौता* बेटा के ना रोकले बाड़ऽ ,

परमेश्वर एह शब्दन पर जोर देत बाड़न " *तोहार बेटा , तोहार एकलौता बेटा* ," काहे कि इ यूहन्ना 3:16 के अनुसार यीशु मसीह में उनकर भविष्य के बलिदान के भविष्यवाणी करेलन : " *काहेकि परमेश्वर दुनिया से एतना प्रेम कइलन कि उ आपन एकलौता बेटा दे दिहलन , ताकि जे भी उनकरा पर विश्वास करेला उ नाश ना होखे , बल्कि अनन्त जीवन पावे* । "

उत्पत्ति 22:17: " *हम तोहरा के आशीर्वाद देब , आ तोहार वंशज के आकाश के तारा आ समुंदर के किनारे बालू नियर बढ़ा देब , आतोहार वंशज अपना दुश्मनन के फाटक के मालिक हो जइहें।* "

सम्हल जा ! इब्राहीम के आशीर्वाद विरासत में ना मिलेला , उ अकेले उनुका खातिर बा अवुरी ओकरा वंशज के हर आदमी चाहे महिला के बदला में भगवान के आशीर्वाद के हकदार होखे के होई। काहे कि भगवान ओकरा से कई गो संतान के वादा करेले लेकिन एह संतान में , खाली चुनल लोग जे ओही निष्ठा आउहे आज्ञाकारिता के साथ काम करीहे , भगवान के आशीर्वाद होई। तब रउवां ओह यहूदी लोग के सब आध्यात्मि क अज्ञानता के नाप सकेनी जे गर्व से इब्राहीम के बेटा होखे के दावा करत रहले अउर एही से उ बेटा हवें जे उनकर आशीर्वाद के विरासत के हकदार रहले। यीशु ओह लोग के पत्थर देखा के इनकार कइलन अउर कहलन कि एह पत्थरन से परमेश्वर अब्राहम के वंशज दे सकेला। उ ओलोग के बाप के रूप में इब्राहीम ना , बालुक शैतान के रूप में गिनले।

कनान देश पर विजय पावे में यहोशू अपना दुश्मनन के फाटक पर कब्जा कर लीहें , जवना में से सबसे पहिले यरीहो शहर गिरल रहे। अंत में , परमेश्वर के साथ , चुनल संत लोग अंतिम दुश्मन के फाटक के मालिक होई : " *महान बेबिलोन* ," ईसा मसीह के प्रलय में प्रकट कइल गइल विभिन्न शिक्षा के अनुसार।

उत्पत्ति 22:18: " आतोहरा संतान में *धरती के सब राष्ट्र के* ***आशीर्वाद मिली*** *, काहे कि तू हमार बात* ***मानले बाड़*** । "

इ वाकेई में " *धरती के सब राष्ट्र ह* ," काहे कि मसीह में उद्धार के पेशकश सब मनुष्य के , हर मूल के अउर सब लोग के दिहल गईल बा। लेकिन इ राष्ट्र इब्राहीम के इहो तथ्य के ऋणी बाड़े कि उ मिस्र के देश छोड़े वाला इब्रानी लोग के सामने प्रकट भईल ईश्वरीय वचन के खोज करे में सक्षम बाड़े। मसीह में उद्धार अब् राहम अउर उनकर वंशज के दोहरा आशीर्वाद

से मिलेला जवना के प्रतिनिधित्व इब्रानी लोग अउर नासरत के ईसा , यानी ईसा मसीह करेला।

एह श्लोक में , आशीर्वाद आ ओकर कारण के ध्यान दिहल वांछनीय बा : भगवान के मंजूर आज्ञाकारिता।

उत्पत्ति 22:19: " *इब्राहीम अपना नौकरन के लगे वापस आ गईले , उ लोग उठ के बेरशेबा गईले , काहेकि अब्राहम बेरशेबा में रहत रहले।* "

उत्पत्ति 22:20: " *एह सब के बाद अब्राहम के कहल गईल कि देख , मिलका भी तोहार भाई नाहोर के बेटा पैदा कईले बाड़े।* "

निम्नलिखित श्लोकन के उद्देश्य " *रिबका* " के साथे संबंध तैयार करे के बा , जे विश्वासी अउर नम्र इसहाक खातिर परमेश्वर द्वारा चुनल आदर्श पत्नी बन जइहें। उनुका के अब्राहम के करीबी परिवार से लिहल जाई , जवन कि उनुका भाई नाहोर के वंशज हवे।

उत्पत्ति 22:21: " *उज उनकर पहिलका बेटा , बुज उनकर भाई , केमुएल अराम के बाप ,*"

उत्पत्ति 22:22: " *केसेद , हाजो , पिलदाश , जिदलाफ अउर बेथुएल।* »

उत्पत्ति 22:23: " *बेथुएल के* ***रिबका के जनम भइल*** *: ई आठ गो बेटा हवें जेकरा के मिलका अब्राहम के भाई नाहोर से जनम दिहलस* ."

उत्पत्ति 22:24: " *उनकर उपपत्नी , जेकर नाम रेउमा रहे , से भी तेबा , गहम , तहाश आमाका के जनम भइल।* "

अब्राहम से कइल गइल वादा के पूरा होखे के

उत्पत्ति 23 में उनकर मेहरारू सारा के मौत आ दफन के रिकार्ड बा जवन हेब्रोन में , मकपेला के गुफा में। अब्राहम कनान के माटी पर एगो दफन स्थल पर कब्जा कर लेला जबकि ऊ इंतजार करत बा कि भगवान कुछ 400 साल बाद पूरा जमीन अपना वंशज के दे दीहें।

तब , उत्पत्ति 24 में , अब्राहम अबहियों परमेश्वर के भूमिका के बरकरार रखले बाड़न। स्थानीय बुतपरस्त लोग से **अलग** रहे खातिर उ अपना सेवक के दूर के जगह , अपना करीबी परिवार में भेज दिहे , ताकि उ अपना बेटा इसहाक खातिर पत्नी खोज सके अवुरी उ लो ग भगवान के अपना खाती चुने दिहे। ठीक ओही तरह से परमेश्वर चुनल लोग के चयन करीहें जे परमेश्वर के बेटा मसीह के दुलहिन के गठन करीहें। एह चयन में आदमी के कवनो काम नइखे काहे कि पहल आ फैसला भगवान के होला . भगवान के चुनाव सिद्ध , निर्दोष आ प्रभावी बा , चुनल पत्नी रिबे का नियर , प्रेमी , बुद्धिमान आ रूप में सुंदर , आ सभसे ऊपर , आध्यात्मिक आविश्वासी ; ऊ मोती जवना के खोज करे के चाहीं सभे आध्यात्मिक पुरुष जे पत्नी लेबे के चाहत बाड़े .

याकूब आएसाव के नाम से जानल जाला

बाद में , जनरल 25 के अनुसार , रेबेका मूल रूप से बाँझ बाड़ी , जइसे कि सराई , अब्राम के पत्नी , उनसे पहिले। ई साझा बाँझपन एह तथ्य के कारण बा कि दुनो मेहरारू मसीह तक धन्य वंशज के लेके चल जइहें , जे खुद भगवान के द्वारा मरियम नाम के एगो नवही कुंवारी लइकी के पेट में बनावल जाई। एह तरह से भगवान के बचाव परियोजना के वंश उनकर चमत्कारी काम से चिन्हित बा। एह प्राकृतिक बाँझपन से पीड़ित रेबेका याहवेह के पुकारेले अऊर ओकरा से दू गो जुड़वाँ बच्चा प्राप्त करेले जे ओकरा पेट में लड़त रहेले। चिंतित होके ऊ एह बात के बारे में भगवान से सवाल करेले : " *आयहोवा ओकरा से कहलस। " : 1। तोहरा पेट में दू गो राष्ट्र बा आतोहरा आंत से दू गो जन अलग हो जाई। एह में से एगो लोग दोसरा से मजबूत होई आबड़का छोटका के सेवा करी* . » उ जुड़वा बच्चा के जन्म देवेली। इनके तीव्र बालदार होखे के कारण , आऊ पूरा तरीका से " *लाल " रहलें , एही से इनके संतान के " एदोम* " नाँव पड़ल , सभसे बड़ के नाँव " *एसाव* " रखल गइल , ई नाँव जेकर मतलब होला "रोमदार "। छोटका के " *याकूब* " कहल जाला , एगो नाम जवना के मतलब होला : "धोखा देवे वाला "। पहिलहीं से दुनु नाम अपना किस्मत के भविष्यवाणी करत बा ."रोम दार " आपन जन्मसिद्ध अधिकार

छोटका के "*roux*" के रसीला पकवान खातिर बेच दिही , यानी लाल मसूर। ऊ एह जन्मसिद्ध अधिकार के बेच देला , काहे कि ऊ एकर असली मूल्य के कम आंकेला . एकरा बिल्कुल विपरीत आध्यात्मिक "धोखा देवे वाला " एह उपाधि के लालसा करेला जवन खाली सम्मानजनक ना होला , काहे कि भगवान के आशीर्वाद एकरा से जुड़ल बा। "धोखा देवे वाला " ओह हिंसक लोग में से एगो हवे जे स्वर्ग के राज्य के हर हाल में जबरन ओकरा के जब्त करे के चाहत बा , अउर इहे ओकरा के ध्यान में रख के ही ईसा एह विषय पर बोलले। आएह उबलत जोश के देख के भगवान के मन बहुत खुश हो जाला। त, "रोमदार " खातिर बहुत बुरा आ "धोखा देवे वाला " खातिर एतना बढ़िया , काहे कि उहे "इजरायल " बन जाई , भगवान के फैसला से। गलती मत करीं , याकूब एगो साधारण धोखा देवे वाला ना हवें अउर उ एगो उल्लेखनीय आदमी हवें , काहे कि कवनो अउरी बाइबिल के उदाहरण पर मेश्वर के आशीष पावे के उनकर संकल्प के गवाही ना देला , अउर खाली एह लक्ष्य के हासिल करे खातिर ही उ "धोखा देला। " एह से हमनी के सब केहू उनकर नकल कर सकेनी जा , आ विश्वासी आकाश के खुशी होई। अपना ओर से , एसाव के वंशज के रूप में "*एदोम* " के लोग होई , जवना नाम के मतलब बा "*लाल* ," जेकर जड़ अवुरी मतलब आदम के समान होई , इ लोग इस्राएल के विरोधी होई , जईसे कि ईश्वरीय भविष्यवाणी में घोषणा कईल गईल रहे।

हम निर्दिष्ट करत बानी कि "लाल " रंग पाप के दर्शावेला , खाली , भगवान के द्वारा प्रकट कइल गइल उद्धार परियोजना के भविष्यवाणी वाला छवि में आई मापदंड लागू होला , खाली , उनकर मंचन के अभिनेता लोग पर , जइसे कि "एसाव "। मध्यकाल के अन्हार समय में लाल बाल वाला लइकन के मारल जात रहे , जेकरा के शैतानी मानल जात रहे। एही से हम निर्दिष्ट करत बानी कि लाल रंग आम आदमी के श्यामला भा गोरा से अधिका पाप ना बनावे ला , काहे कि पापी के पहचान ओकरा आस्था के खराब काम से होला . एह से ई खाली , प्रतीकात्मक मूल्य में , "लाल ", मनुष्य के खून के रंग , पाप के प्रतीक हवे , ईसा के अनुसार। 1:18: "*अब आजा , आहमनी के मिल के तर्क करीं जा !" याहवेह के कहनाम बा। भले तोहार पाप लाल रंग निहन होखे , लेकिन उ बर्फ निहन उज्जर हो जाई। भले ही उ किरमिजी रंग निहन* ***लाल होखे*** *, लेकिन ऊन निहन होई ।* » एही तरे , यीशु अपना एपोकैलिप्स , अपना प्रकाशितवाक्य में , लाल रंग के मानवी य साधन से जोड़ले बाड़न जवन अनजाने में भा ना , शैतान , शैतान , भगवान के बनावल जीवन के पहिला पापी के सेवा करेला ; उदाहरण खातिर : प्रकाशितवाक्य 6:4 के "*लाल घोड़ा* ", प्रकाशितवाक्य 12:3 के "*लाल या आग के अजगर* " अउर प्रकाशितवाक्य 17:3 के "*लाल जानवर* "।

अब जब ओकरा ई जन्मसिद्ध अधिकार हो गइल बा , त याकूब , बदला में , जीवन के अनुभव जीई जवन परमेश्वर के योजना के भविष्यवाणी करेला , अब्राहम के उत्तराधिकारी के रूप में।

उ अपना भाई एसाव के गुस्सा के डर से अपना परिवार के छोड़ के चल गईले , एकर एगो बढ़िया कारण रहे , उत्पत्ति 27:24 के अनु सार , काहे कि उ अपना मरत पिता के आशीर्वाद के दुरुपयोग के बाद , उनुका के मारे के संकल्प लेले रहले , जवन कि अपना पत्नी रिबेका के दिमाग से आवे वाला चाल से "धोखा " देले रहले। एह अपहरण में जुड़वाँ बच्चा के दुनु नाम से ओह लोग के महत्व के पता चलत बा . काहे कि , "धोखा देवे वाला " इसहाक के धोखा देवे खातिर एगो बालदार त्वचा के इस्तेमाल कईले जवन कि आन्हर हो गईल रहे , ए प्रकार से खुद के अपना स्वाभाविक रूप से "रोमदार " बड़ भाई के रूप में पास क देले। आध्यात्मिक लोग एक दूसरा के साथ देवेले अवुरी रिबेका एसाव से जादे याकूब से मिलत जु लत रहली। एह कार्रवाई में , भगवान इसहाक के मानवीय आ शारीरिक चुनाव के विरोध करेलन जे एसाव के ओह शिकारी के पसंद कइलस जे ओकरा खातिर शिकार लेके आइल रहे जवना के ऊ सराहत रहले। आ भगवान के जन्मसिद्ध अधिकार ओह आदमी के दे देला जे एकरा खातिर सबसे अधिका लायक बा : याकूब धो खेबाज।

रिबेका के भाई लाबान के लगे काम करे खातिर पहुँच के याकूब के लाबान के बेटी में सबसे छोट लेकिन सबसे सुंदर राहेल से प्यार हो जाला। उ जवन नइखे जानत उ इ कि उनकर असली जीवन में , परमेश्वर उनका से एगो भविष्यवाणी के भूमिका निभावे के कहले बाड़न जवना के उनकर उद् धार योजना के भविष्यवाणी करे के पड़ी। साथ ही , अपना प्रिय राहेल के पावे खातिर "सात साल " के काम के बाद लाबान अपना बड़की बेटी "लीआ " के ओकरा पर थोप देला आ ओकरा के पत्नी के रूप में दे देला। राहेल के पावे आबियाह करे खातिर ओकरा अपना चाचा खातिर "सात साल " अउरी काम करे के पड़ी . एह अनुभव में , "याकूब " भविष्यवाणी करेलन कि परमेश्वर के अपना उद्धार योजना में का गुजरे के पड़ी। काहे कि ऊ भी पहिला गठबंधन करी जवन ओकरा दिल के इच्छा के अनुरूप ना होई , काहे कि एगो शारीरिक आ राष्ट्रीय इस्राएल के अनुभव ओह सफलता आ महिमा से चिन्हित ना होई जवना के ओकर भलाई के हकदार बा। "जज" आ "राजा " के उत्तराधिकार हमेशा खराब तरीका से खतम होला , कुछ दुर्लभ अपवाद के बावजूद। आ अपना प्रेम के लायक वांछित पत्नी , ऊ दूसरा वाचा में तबे प्राप्त करी जब ऊ आपन प्रेम के प्रदर्शन कइलस आ यीशु मसीह के सेवा में आपन उद्धा र के योजना के प्रकट कइलस ; उनकर शिक्षा , उनकर मौत आ उनकर जी उठल। बढ़िया से

ध्यान दीं कि मानवीय आ दिव्य पसंद पूरा तरह से उल्टा बा . याकूब के प्रिय बाँझ राहेल हई , लेकिन भगवान के प्रखर लीआ हई। याकूब , सबसे पहिले , लीआ के आपन पत्नी के रूप में देके , परमेश्वर अपना भवि ष्यवक्ता के उ निराशा के अनुभव करावेले जवन कि दुनो लोग अपना पहिला वाचा में अनुभव करीहे। एह अनुभव में भगवान घोषणा करेलन कि उनकर पहिला वाचा एगो भयानक असफलता होई। आमसीहा यीशु के उनकर वंशज लोग के अस्वीकार कइल एह भविष्यवाणी के संदेश के पुष्टि कइलस। लीआ , जे पति के चुनल प्रिय प्रिय ना रहली , एगो अइसन छवि हई जवन नया वाचा के चुनल लोग के भविष्यवाणी करेले जे बुतपरस्त मूल के , अनोखा सृष्टिकर्ता भगवान के अस्तित्व से अनजानता में बहुत दिन तक जिंदा रहले। हालाँकि , लीआ के प्रचुर स्वभाव एगो वाचा के भविष्यवाणी कइलस जवन परमेश्वर के महिमा खातिर बहुत फल दिही। अउर यशायाह 54:1 पुष्टि करत बा , इ कहत ह कि , " *हे बंजर जे संतान पैदा कइल छोड़ देले बा , आनन्दित हो जा ! तू जेकरा कवनो दुख नइखे , जोर से चिल्लाईं अउर खुश हो जाईं ! काहेकि उजड़ल औरत के संतान बियाहल औरत के संतान से अधिका होई , प्रभु कहत हउवें* । " इहाँ उजाड़ औरत भविष्यवाणी करेले , लीआ के माध्यम से , नया वाचा , अउर बियाहल औरत, राहेल के माध्यम से , पुरान इब्रानी वाचा।

याकूब इस्राएल बन जाला

लाबान के अमीर आसमृद्ध छोड़ के याकूब आउनकर परिवार अपना भाई एसाव के लगे वापस आ गइलन , जेकर धर्मी आबदला लेवे वाला क्रोध से ऊ डेरात रहले। एक रात भगवान उनका सामने प्रकट भइले आभोर ले एक दोसरा से लड़त रहले . भगवान आखिरकार उनकर कूल्हि में घायल कर दिहलन आकहले कि अब से उनका के "इजरायल " कहल जाई , काहे कि ऊ भगवान आ आदमी से लड़े में विजयी होके सामने आइल बाड़न . एह अनुभव में भगवान याकूब के विश्वास खातिर लड़ाई में लड़त आत्मा के छवि के चित्रण कइल चाहत रहले। भगवान के द्वारा इस्राएल के नाम रखल गईल , उ उहे प्राप्त कईले जवन उ चाहत रहले अवुरी अनिवार्यता से खोजत रहले : भगवान से आपन आशीर्वाद। एह तरह से इसहाक में अब्राहम के आशीष शारीरिक इस्राएल के संविधान के माध्यम से आकार लिहलस , जवन याकूब पर बनल जवन इस्राएल बन गईल रहे , जल्दिये गुलाम मिस्र छोड़ला के बाद एगो भयावह राष्ट्र बन जाई। भगवा न के कृपा से एसाव के तैयार कईला के बाद दुनो भाई अपना के शांति अवुरी खुशी में पा लेले।

अपना दुनो पत्नी अवुरी दुनो नौकरानी के संगे याकूब अपना के 12 लईका अवुरी सिर्फ एगो लईकी के पिता

पावेले। पहिले त सारा आ रिबेका निहन बंजर , लेकिन मूर्तिपूजक राहेल के भगवान से दुगो संतान मिलेला , बड़का यूसुफ अवुरी छोटका बेंजामिन। दूसरा बच्चा के जन्म देत उनुकर मौत हो जाला। एह तरह से ऊ पुरान वाचा के अंत के भविष्यवाणी करेली जवन यीशु मसीह के प्रायश्चित करे वाला खून पर आधारित नया वाचा के स्थापना के साथ खतम हो जाई। लेकिन दूसरा आवेदन में , इ नश्वर परिस्थिति उनकर चुनल गईल लोग के अंतिम भाग्य के भविष्यवाणी करेला जवन कि माइकल यीशु मसीह में अपना गौरवशाली ईश्वरीय पहलू में वापस अइला पर उनकर खुशहाल हस्तक्षेप से उद्धार पाई। अंतिम चुनल गइल लोग के स्थिति के ई उलटफेर के भविष्यवाणी ओह बच्चा के नाम बद लला से कइल गइल बा जे मरत महतारी द्वारा " *बेन -ओनी " या "हमार दुख के बेटा* " *कहत रहे , जेकर नाम याकूब , पिता , " बेंजामिन* " या "दाहिना ओर के बेटा " (दाहिना ओर) या धन्य बेटा रखले बा। पुष्टि में , मत्ती 25:33 में , यीशु मसीह " *आपन भेड़ के* ***उनकर दाहिना ओर*** *अउर बकरी के उन कर बाईं ओर* " रखिहें । ई नाम " *बिन्यामीन* " भगवान द्वारा चुनल गइल रहे , खाली उनकर भविष्यवाणी के उद्देश्य खातिर , एह से हमनी खातिर , काहे कि याकूब खातिर एकर बहुत कम मतलब रहे ; आभगवान खातिर मूर्तिपूजक राहेल " *दाहिना हाथ* " शब्द के हकदार ना रहली। दुनिया के अंत के बारे में इ सब बात प्रकाशितवाक्य 7:8 के व्याख्या में विकसित कइल गइल बा।

सराहनीय यूसुफ के नाम से जानल जाला

इस्राएल के इतिहास में भगवान यूसुफ के जवन भूमिका देले बाड़े उ उनुका के अपना भाई प हावी होखे के ओर ले जाई , जवन कि उनुका आध्यात्मिक वर चस्व से नाराज होके उनुका के अरब व्यापारी के बेच देले। मिस्र में ओकर ईमानदारी आ निष्ठा ओकरा के सराहल जाला बाकिर ओकर मालिक के मेहरारू ओकरा के गारी देबे के चाहत ओकरा के विरोध कइलसि आयूसुफ अपना के जेल में पा लीहें . उहाँ सपना के समझावत घटना उनका के फिरौन से नी चे के सबसे ऊँच रैंक पर ले जाई : पहिला वजीर। ई ऊंचाई उनकर भविष्यवाणी के वरदान पर आधारित बा , जइसे कि उनकरा बाद दानियल खातिर भइल रहे। एह वरदान के चलते फिरौन ओकर सराहना करेला , जवन मिस्र के ओकरा के सौंप देला। अकाल के दौरान याकूब के भाई मिस्र जइहें आउहाँ यूसुफ के अपना दुष्ट भाई लोग से मेल मिलाप हो जाई। याकूब आबिन्यामीन ओह लोग के साथे जुड़ जइहें आइब्रानी लोग गोशेन के इलाका में मिस्र में अइसहीं बस जाला।

पलायन आविश्वासी मूसा के बारे में

गुलाम में , इब्रानियन के मूसा में , ऊ हिब्रू बच्चा मिली जेकर नाम के मतलब होला "पानी से बचावल गइल ", नील नदी के , जेकरा के फिरौन के बेटी , भगवान द्वारा तइयार कइल गइल मुक्तिदाता द्वारा पालन पोषण आगोद लिहल गइल।

जइसे -जइसे ओह लोग के गुलामी के हालात कठोर आ बिगड़त गइ ल, मूसा एगो हिब्रू के बचाव खातिर एगो मिस्र के मार देला अऊर मिस्र से भाग जाला। उनकर सफर उनका के सऊदी अरब के मिडियान ले जाला जहाँ अब्राहम के वंशज रहेलें आ उनकर दूसरकी मेहरारू केतुरा के साथे उनकर बियाह सारा के मौत के बाद भइल रहे। 40 साल बाद अपना ससुर येथ्रो के बड़की बेटी सिप्पोरा से बियाह करत मूसा के होरेब पहाड़ के लगे अपना भेड़न के चरावत घरी भगवान से सामना होला। विधाता ओकरा के एगो चमकत झाड़ी के रूप में प्रकट होला जवन जरेला बाकिर भस्म ना होला . ऊ इस्राएल खातिर आपन योजना बतावेला अऊर ओकरा के मिस्र भेज देला ताकि ऊ अपना लोग के भागे के मार्गदर्शन कर सके।

फिरौन के अपना अनमोल गुलाम के आजादी से छोड़े खातिर मजबूर करे खातिर दस गो विपत्ति जरूरी हो जाई। बाकिर ई दसवाँ ह जवन भविष्यवाणी के बड़हन महत्व ले ली . काहेकि भगवान मिस्र के सब जेठ बच्चा , आदमी आ जानवर के मार देले। आ ओही दि न इब्रानी लोग अपना इतिहास में पहिला फसह मनावेला। फसह मसीहा यीशु के मौत के भविष्यवाणी कइल गइल , " *जेठ बच्चा* " आ" *परमेश्वर के मेमना* " शुद्ध आ बिना निर्दोष के बलिदान में चढ़ावल गइल जइसे कि मिस्र से पलायन के दिन मारल गइल *"मेमना "*/ अब्राहम से परमेश्वर द्वारा नि होरा कइल गइल इसहाक के बलिदान के बाद , मिस्र से पलायन के फसह मसीहा (अभिषिक्त) यीशु के मौत के दूसरा भविष्यवाणी के घोषणा हवे , या ग्रीक शब्दन में ईसा मसीह के। मिस्र से पलायन साल के पहिला महीना के 14वाँ दिन , लगभग 15वीं सदी ईसा पूर्व में , यानी हव्वा आ आदम के पाप के लगभग 2500 साल बाद भइल । ई आंकड़ा कनान देश के निवासी अमोरी लोग के देरी के रूप में भगवान के दिहल " *चार पीढ़ी* " के "400 साल " के समय के पुष्टि करेला।

फिरौन के घमंड आविद्रोही भावना "लाल सागर " के पानी में उनकर सेना के सा थे गायब हो जाई , जवना के एह तरह से आपन मतलब मिल जाला काहे कि ऊ खुलला के बाद ओह लोग पर बंद हो जाला ताकि हिब्रू लोग के सऊदी अरब के भूमि में प्रवेश करे के अनुमति मिल सके , मिस्र प्रायद्वीप के दक्खिनी छोर से होके। मिद्यान से

बच के , परमेश्वर अपना लोग के रेगिस्ता न के पार सिनाई पहाड़ पर ले जालन जहाँ उ "दस आज्ञा " के आपन नियम पेश करीहें। एक सच्चा परमेश्वर से पहिले इस्राएल अब एगो पढ़ल -लिखल राष्ट्र बा जवना के परीक्षा में डालल जरूरी बा। एकरा खातिर मूसा के सिनै पहाड़ पर उनकरा लगे बोलावल गइल बा आएह तरह से भगवान उनका के 40 दिन आरात तक रोक के रखले बाड़न। ऊ ओकरा के अपना दिव्य अंगुरी से उकेरल कानून के दू गो पाटी दे देला . इब्रानी लोग के खेमा में मूसा के लंबा समय तक अनुपस्थिति विद्रोही आत्मा के प्रोत्साहित करेला जवन हारून प दबाव बनावेले अवुरी अंत में उनुका के एगो " *सोना के बछड़ा* " के पिघलल अवुरी ढाल के स्वीकार करेले । अकेले ई अनुभव हर युग के विद्रोही लोग के भगवान के प्रति व्यवहार के संक्षेप में बतावेला। उनकर अधिकार के अधीन होखे से मना कइला से ऊ लोग उनका अस्तित्व पर संदेह कइल पसंद करेला . आ भगवान के कई गो सजा कुछ ना बदल पावे . एह 40 दिन आ रात के परीक्षा के बाद , कनान के दिग्गजन के डर लोग के 40 साल तक रेगिस्तान में भटकावे के सजा दिही अउर , आदम के पाप के बाद से लगभग 2540 साल बाद परमेश्वर के ओर से चढ़ावल प्रतिज्ञात देश में खाली एह परीक्षा में पड़ल पीढ़ी के यहोशू अउर कालेब प्रवेश कर पाई ।

उत्पत्ति के कहानी के प्रमुख पात्र सृष्टिकर्ता भगवान के ओर से आयोजित एगो प्रस्तुति के अभिनेता हवें। इनहन में से हर एक , भविष्यवाणी या अन्य उद्देश्य खातिर , एगो पाठ के संचारित करेला , अउर तमाशा के एह विचार के पुष्टि प्रेरित पौलुस द्वारा कइल गइल जे 1 कुरिन्थियों में कहत हउवें। 4:9: " *काहेकि हमरा लागत बा कि परमेश्वर हमनी के सब से आखिरी प्रेरित बना देले बाड़न , जइसे कि मौत के सजा सुनावल गइल बा , काहे कि हमनी के दुनिया , स्वर्गदूत आआदमी खातिर तमाशा बन गइल बानी जा* ." तब से प्रभु के दूत एलेन जी व्हाइट आपन मशहूर किताब लिखले बाड़ी जवना के नाम बा "द ग्रेट कंट्रोवर्सी ." एह से " *तमाशा* " के विचार के पुष्टि होला , लेकिन पवित्र किताब के "तारा " के बाद हमनी में से हर केहू के बारी बा कि हमनी के आपन भूमिका निभावे के चाहीं , ई जानत कि , ओह लोग के अनुभव से सीख के , हमनी के ओह लोग के अच्छा काम के नकल करे के कर्तव्य में डालल गइल बा , बिना ओह लोग के गलती के दोबारा पेश कइले। हमनी खातिर , रहल बात दानियल (हमार न्यायाधीश भगवान हवें) के त भगवान "हमार न्यायाधीश " बनल बाड़न , दयालु , निश्चित रूप से , लेकिन "न्यायाधीश " जे केहू खातिर अपवाद ना बनावेलन।

यहूदी राष्ट्रीय इजरायल के अनुभव विनाशकारी बा , लेकिन इ हमेनी के युग के ईसाई विश्वास से ज्यादा नईखे , जवन व्यापक धर्मत्याग में खतम भईल। ई समानता आश्चर्य के बात ना होखे के चाहीं , काहे कि पुरान वाचा के इस्राएल खा ली एगो सूक्ष्म जगत , एगो नमूना रहे , ओह मनुष्यन के जवन पूरा धरती में आबाद बा। एही से सच्चा विश्वास उहाँ ओतने दुर्लभ रहे जतना कि मुक्तिदाता अउर "*विश्वासी गवाह* " यीशु मसीह पर बनल नया वाचा में।

सामान्य रूप से बाइबल से मिलल बा

पूरा बाइबल , जवन परमेश्वर द्वारा अपना मानव सेवकन के डिक्टेट कइल गइल बा अउर फिर प्रेरित कइल गइल बा , भविष्यवाणी के पाठ के लेके चलेला ; उत्पत्ति से लेके प्रकाशितवाक्य तक के ह। भगवान के चुनल कलाकारन के हमनी का सोझा ओइसहीं पेश कइल गइल बा जइसन ऊ लोग साँचहू अपना असली स्वभाव में बा . बाकिर एह सनातन तमाशा में भविष्यवाणी के संदेश के निर्माण करे खातिर सृष्टिकर्ता भगवान घटना के आयोजक बन जालें। मिस्र से पलायन के बाद , भगवान इस्राएल के 300 साल तक अपना स्वर्गीय नियम के मुक्त पहलू देले , "न्यायकर्ता " के समय जवन 2840 के आसपास खतम हो जाला।आ एह आजादी में , पाप में वापसी , भगवान के बाध्य करेला कि उ अपना लोग के "सात बार " सजा देवे , जेकरा के उ आखिरी में पलिस्तीयन के सौंप देवेले , जवन कि उनुकर वंशानुगत दुश्मन हवे। आ "सात बेर " ऊ "मुक्तिदाता " के खड़ा कर देला . बाइबल कहत हव कि , एह दौर में , "*हर केहू उहे करत रहे जवन उ चाहत रहे* ." आहर केहू के वहन फल के उजागर होखे खातिर पूर्ण आजादी के ई समय जरूरी रहे। हमनी के "*अंतिम समय* " में भी इहे बा . इब्रानियन के लगातार पाप में वापसी से चिन्हित ई तीन सौ साल के आजादी , परमेश्वर के प्रस्ताव बा कि हमनी के एकर तु लना धर्मी हनोक के जीवन के तीन सौ साल से करीं जा जेकरा के उ हमनी के सामने अपना चुनल लोग के एगो अनुकरणीय मॉडल के रूप में पेश करेलन , इ कहत कि : "*हनोक तीन सौ साल तक परमेश्वर के साथे चलले , तब उ अब ना रहले काहे कि परमेश्वर ओकरा के ले गईले* "; ओकरा साथे , ओकरा के प हिले अपना अनंत काल में प्रवेश करा के जइसे कि ओकरा बाद , मूसा आ एलियाह , आ यीशु के मौत पर जिंदा भइल संत लोग , यीशु मसीह के प्रेरित लोग समेत बाकी सब चुनल लोग से पहिले ; उ सब अंतिम दिन के रूपांतरित हो जइहें भा जिंदा हो जइहें।

"न्यायाधीश " लोग के समय के बाद , राजा लो ग के समय आईल आइहाँ फिर से , भगवान अपना पहिला दुगो अभिनेता के एगो भविष्यवाणी के भूमिका देले जवन **बुराई के**

अंतिम भलाई के ओर बढ़े के संदेश के पुष्टि करेला , यानी रात से , या अन्हार से , प्रकाश के ओर। इहे तरीका से इ दुनो आदमी , शाऊल अउर दाऊद , पार्थिव चुनल लोग खाति र तैयार उद्धार के योजना के समग्र परियोजना के भविष्यवाणी करेलन , यानी कि दू चरण या दू गो लगातार पवित्र वाचा। हमरा साथे ध्यान दीं , दाऊद राजा शाऊल के मौत पर ही राजा बन जाला , ठीक ओसही जइसे पुरान शाश्वत वाचा के मौत मसीह के आपन नया वाचा , आपन शासन अउर आपन अनन्त प् रभुत्व स्थापित करे के अनुमति देला।

हम एह विषय के जिक्र कर चुकल बानी , लेकिन हम रउआ के याद दिलावत बानी कि पार्थिव राजतंत्र के ईश्वरीय वैधता नइखे काहे कि इब्रानी लोग भगवान से कहले रहे कि धरती पर एगो राजा " *अन्य राष्ट्रन निहन* " *बुतपरस्त* " *होखे।* एकर मतलब ई बा कि एहे राजा लोग के मॉडल शैतानी के प्रकार के बा ना कि ईश्वरीय मूल्यन के। भगवान खातिर राजा जेतना कोमल , दिल के विनम्र , आत्मत्याग आकरुणा से भरल होला , अपना के सभकर सेवक बनावेला , ओतने शैतान के कठोर , घमंडी , स्वार्थी आ तिरस्कार करे वाला होला आ ऊ सभका से सेवा करे के माँग करेला . अपना लोग के ओर से उनुका अस्वीकार से अन्याय से घायल होके भगवान उनुकर निहोरा पूरा क देले अवुरी दुर्भाग्य से उनुका के शैतान अवुरी उनुका सभ अन्याय के मापदंड के मुताबिक राजा दे देले। तब से , अपना लोग इस्राएल खातिर , **लेकिन अकेले उनुका खातिर** , राजसी के आपन ईश्वरीय वैधता मिल गईल।

बोलल भा लिखल शब्द दू गो अलग-अलग लोग के बीच आदान-प्रदान के साधन हवे। बाइबल एह अर्थ में परमेश्वर के वचन ह कि अपना पाठ के अपना पार्थिव प्राणी के संचारित करे खातिर , परमेश्वर अपना सेवकन के डिक्टेट या प्रेरित गवाही एकट्ठा कइले बाड़न ; समय के साथ उनुका द्वारा छाँटल , चुनल आ समूहबद्ध गवाही। हमनी के धरती पर स्थापित न्याय के अपूर्णता के नोट करे में आश्चर्य ना होखे के चाहीं , काहे कि भगवान से कटल आदमी खाली कानून के अक्षर पर आपन न्याय स्थापित कर सकेला। अब, परमेश्वर हमनी के यीशु के माध् यम से बतावेलन कि " *अक्षर मार देला लेकिन आत्मा जीवन देवेला* ," इ पत्र। एह से बाइबल के पवित्र शास्त्र खाली " *गवाह* " हो सकेला जइसन कि प्रकाशितवाक्य 11:3 में संकेत दिहल गइल बा लेकिन कवनो भी हालत में , "न्यायकर्ता " ना हो सकेला। एह बात के मान्यता देके कि कानून के अक्षर न्यायसंगत न्याय देवे में असमर्थ बा , परमेश्वर एगो सच्चाई के प्रकट करेलन जवन खाली उनकर व्यक्ति के ईश्वरीय स्वभाव पर टिकल बा। ऊ अकेले न्यायसंगत फैसला दे सकेला , काहे कि ओकरा अपना प्राणी के मन के

गुप्त विचारन के विश्लेषण करे के क्षमता ओकरा के जाने के मौका देला कि ऊ जेकरा के ऊ न्याय करेला ओकर मकसद, दोसरा जीव खातिर छिपल आ अनजान चीज . एह से बाइबल खाली ओह गवाही के आधार प्रदान करेला जवन न्याय खातिर इस्तेमाल कइल जाला। स्वर्गीय न्याय के "*हजार साल* " के दौरान चुनल संतन के न्याय होखे वाला आत्मा के मकसद तक पहुंच मिल जाई। ईसा मसीह के साथ , एह तरह से उ लोग एगो सही न्याय देवे में सक्षम होईहे जवन जरूरी हो जाई काहे कि अंतिम फैसला में दूसरा मौत में गुजरल दुख के समय के लंबाई स्थापित कईल गईल बा। दोषी आदमी के असली मकसद के ई ज्ञान हमनी के पहिला पार्थिव हत्यारा कैन के प्रति परमे श्वर के दया के बेहतर तरीका से समझे के अनुमति देला। बाइबल में पत्र में प्रस्तुत एकमात्र गवाही के अनुसार , कैन के ईर्ष्या के ओर प्रेरित कइल गइल कि परमेश्वर के चुनाव हाबिल के चढ़ावा के आशीष देवे अउर कैन के तिरस्कार करे , बिना बाद वाला के एह अंतर के कारण के पता चलल, जवन आध्यात्मिक रहे अउर अभी तक अज्ञात रहे। अइसहीं हालात बा , जीवन अनगिनत पैरामीटर आशर्तन से बनल बा जवना के पहचान आन्याय जानबूझ के खाली भगवान कर सकेलें . कहल जा सकेला कि बाइबल आदमी खातिर एकमात्र किताब बनल बा जवन ओह कानून के आधार के अक्षर में प्रस्तुत करे ला जवन ओह लोग के काम के न्याय करेला , जबकि स्वर्ग में चुनल संतन के सामने ओह लोग के गुप्त विचार के प्रकट होखे के इंतजार करेला। अब चिट्ठी के भूमिका कार्रवाई के निंदा करे भा न्याय करे के बा . एही से , यीशु अपना एपोकैलिप्स में , आदमी के उनकर "*काम* " के महत्व के या द दिलावत बाड़न अउर उ बहुत कम ही उनकर विश्वास के बारे में बात करेलन। याकूब 2:17 में , प्रेरित याकूब आदमी के याद दिअवले कि "*बिना काम के विश्वास मर गईल बा* ," इहो एह राय के पुष्टि करत , यीशु खाली विश्वास से पैदा भईल अच्छा या बुरा "*काम* " *के बात करेलन।* अउर विश् वास से पैदा होखे खातिर , इ काम विशेष रूप से उहे ह जवन बाइबल ईश्वरीय नियम के रूप में सिखावेला। कैथोलिक चर्च के ओर से जवन नीमन काम के महत्व दिहल जाला ओकरा के ध्यान में ना राखल जाला , काहे कि इ मानवतावादी चरित्र अवुरी प्रेरणा के काम ह।

अंतिम समय में बाइबल के पू रा तरह से तिरस्कार कइल जाला अउर मानव समाज एगो रहस्यमय , वैश्वीकरण , झूठा पहलू पेश करेला। तब ही "*सच्चाई* " शब्द जवन पवित्र बाइबल , जीवित परमेश्वर के वचन के विशेषता ह, अउर अधिक व्यापक रूप से , एकर सार्वभौमिक वैश्विक परियोजना , आपन पूरा महत्व ले लेला। काहे कि एह अनोखा "*सच्चाई* " के तिरस्कार मानवता के सगरी

संबंधात्मक , अपवित्र , धार्मिक , राजनीतिक भा आर्थिक क्षेत्रन में झूठ पर आपन निर्माण करे के ओर ले जाला .

ई लेख 14 अगस्त 2021 के सब्त के दिन , काल्हु 15 अगस्त के बड़हन जमघट में लिखल जा रहल बा , झूठा धर्म के धोखा में फंसल पीड़ित लोग अपना कैरियर के सबसे सफल शैतानी रहस्यीकरण के नमन करी , काहे कि एकरा में *" अदन " में " साँप "* के माध्यम के रूप में इस्तेमाल कइल गइल बा : एकर उपस्थिति "कुंवारी मरियम " के छवि में। असली अब कुंवारी ना रहली , काहे कि ईसा के बाद उ बेटा -बेटी के जन्म देली ; ईसा के भाई -बहिन लोग। लेकिन झूठ कड़ा मर जाला अउर बाइबिल के बेहतरीन तर्क के भी विरोध करेला। कवनो बात नइखे , एह 15 अगस्त के बाद एह आक्रोश के खाली , अधिका से अधिका , आठ गो उत्सव भगवान के चिढ़ावे आ उनकर धर्मी क्रोध के भड़कावे खातिर होखी जवन दोषी लोग के माथा पर गिर जाई . ध्यान दीं कि एह प्रकटीकरण में "कुंवारी " के दृष्टि के प्रमाणित करे खातिर लइकन के चुनल गइल रहे। का उ लोग ओतने मासूम बाड़े जतना कहेले अवुरी दावा करेले ? पैदा भइल पापी , मासूमियत के गलत तरीका से ओह लोग के जिम्मेदार ठहरावल जाला बाकिर ओह लोग पर सहभागिता के आरोप ना लगावल जा सके . एह लइकन के मिलल दर्शन बहुत वास्तविक रहे , लेकिन शैतान भी एगो बहुत असली विद्रोही भावना ह, अउर यीशु मसीह अपना सेवकन के उनकरा बारे में चेतावे खातिर आपन कई गो शब्द उनका के समर्पित कइले। इतिहास उनकर धोखा देवे वाला मोहक शक्ति के गवाही देला जवन ओकरा बहकावल आधोखा दिहल शिकार लोग के *" दूसरा मौत " के ओर ले जाला।* पोप अउर रोमन कैथोलिक चर्च के माध्यम से शैतान के पूजा के निंदा परमेश्वर द्वा रा प्रकाशितवाक्य 13:4 से एह श्लोक में कइल गइल बा : ***" अउर उ लोग अजगर के पूजा कइल, काहे कि उ जानवर के शक्ति दिहलस*** *; अउर उ लोग जानवर के पूजा कइल, इ कहत कि , जानवर के जइसन के ह? के ओकरा से युद्ध करे में सक्षम बा ? "* *वास्तविकता में , ई "जानवर " के एह " आराधना "* के अंत के बाद ही रहे जवन बाध्य कइलस आईसा मसीह द्वारा चुनल गइल सच्चा संतन के सतावलस कि , परिस्थिति से थोपल सहिष्णुता के समय में , शैतानी "कुंवारी " के प्रकटीकरण के मोहक साधन से ई आराधना लंबा हो गइल ; एगो *" नाग "* के *" साँप "* के जगह लेवे खातिर *" साँप "* अपना पति के बहकावे वाली *" औरत " के बहकवले रहे।* सिद्धांत उहे बा आअबहियों ओतने प्रभावी बा .

अंतिम चुनाव के समय बा

ईश्वरीय प्रकाशन के ई अध्ययन उत्पत्ति के किताब के विश्लेषण के साथ समाप्त होला , जवना से हमनी के पता चलल बा कि परमेश्वर अपना चरित्र के सब पहलु में के हवें । हमनी के अभी देखले बानी जा कि कइसे उ अब्राम के लगभग सौ साल के उमिर में विश्वास के एगो असाधारण परीक्षा में डाल के अपना प्राणी से आज्ञाकारिता के मांग में संकल्पित बाड़े ; एह से एह दिव्य मांग के प्रदर्शन करे के जरूरत नइखे रहि गइल .

1843 के बसंत के बाद से भगवान द्वारा प्रस्तावित अंतिम चुनाव के समय , अउर अधिक सटीक रूप से 22 अक्टूबर , 1844 के बाद से जरूरी , भगवान के द्वारा सब्त के दिन के पालन के जरूरत बा , जवन कि उनकर सच्चा चुनल संत लोग द्वारा उनकरा के वापस कइल प्रेम के प्रमाण के रूप में बा। एह तरह से सार्वभौमिक आध्या त्मिक स्थिति के एगो सवाल के रूप में प्रस्तुत कइल जाला जवन धार्मिक संगठनन के सभ सदस्यन के संबोधित कइल जाला , ईसाई , विशेष रूप से।

जवन सवाल रउरा के हमेशा खातिर मार देला भा जिएला

का कवनो सम्राट , राजा भा पोप के अधिकार आ अधिकार दिहल गइल बा कि ऊ भगवान के कहल आलिख ल शब्दन के बदल सके , भा उनकर हुक्म पर जइसे मूसा कइले रहले ?

सब कुछ , इहाँ तक कि इ सवाल के भी पूर्वानुमान लगा के , यीशु पहिले से आपन जवाब देले , मत्ती में कहले। 5:17-18: “ *ई मत सोचीं कि हम व्यवस्था या भविष्यवक्ता लोग के खतम करे खातिर आइल बानी। हम तोहसे से ना आइल बानी , बल्कि पूरा करे खातिर आईल बानी। काहेकि हम तोहसे से सच कहत बानी कि जब तक आकाश अउर धरती ना बीत जाई , तब तक* ***व्यवस्था से एक ठो या एक ठो छोट भी कवनो तरीका से ना निकली जब तक कि सब कुछ पूरा ना हो जाई*** / ” उहे यीशु इहो घोषणा कईले कि उनकर बात हमनी के न्याय करी , यूहन्ना 12:47-49 में : “ *अगर केहू हमार बात सुनेला आ ओकरा के ना मानेला , काहे कि हम दुनिया के न्याय करे खातिर ना आइल बानी , जे हमरा के ठुकरावेला आ हमार बात ना ग्रहण करेला , उहे ओकरा के* ***अंतिम दिन में न्या य करी*** *काहे कि हम अपना बलबूते ना कहले बानी* ।

इहे भगवान के आपन नियम के समझ ह। बाकिर दान के ... 7:25 में पता चलल कि एकरा के " ***बदले के*** " **इरादा** ईसाई युग में प्रकट होखे के रहे , रोमन कैथोलिक पोप के बारे में कहत : " *उ परमात्मा के खिलाफ शब्द बोलीहे , अवुरी परमात्मा के संतन के दुखी करीहे ,* ***अवुरी समय अवुरी कानून के बदले के सोचीहे*** *; अवुरी संत के कुछ समय अवुरी समय अवुरी आधा समय खाती उनुका हाथ में दिहल जाई।* " एगो आक्रोश जवन बंद हो जाई अवुरी जवना

के उ जान जाई कि कईसे कईल जा सकता पद 26 के अनुसार न्यायसंगत सजा दिहल जाई जवन निम्नलिखित बा : " *तब न्याय आई, अउर उ लोग उनकर प्रभुत्व छीन ली , अउर उ हमेशा खातिर नष्ट हो जाई अउर सफाया हो जाई।* " ई भविष्यवाणी के " *समय* " या सा ल उनकर सतावे वाला शासन के घोषणा करेला जवन 1260 साल तक पूरा भइल , 538 से 1798 तक।

ई " ***फैसला*** " कई चरण में पूरा होला . पहिला चरण तइयारी के होला ; ई 1843 के बसंत से भगवान द्वारा स्थापित "एडवेंटिस्ट " आस्था के **अलग करे आ पवित्र करे** के काम हवे।एडवेंटिज्म कैथोलिक आ प् रोटेस्टेंट धर्म से **अलग बा। प्रकाशितवाक्य में , इ चरण** प्रकाशितवाक्य 3:1-7-14 में " *सरदीस , फिलाडेल्फिया , अउर लौदीकिया* " युग से संबंधित बा ।

दूसरा चरण निष्पादन के बा : " *ओकर प्रभुत्व छीन लिहल जाई* ." ई ईसा मसीह के गौरवशाली वापसी ह जवना के उम्मीद 2030 के बसंत खाति र कइल गइल बा एडवेन्टिस्ट चुनल लोग धरती पर मरत अयोग्य कैथोलिक , प्रोटेस्टेंट आएडवेन्टिस्ट विद्रोहियन से **अलगा होके अनंत काल में प्रवेश करेला। क्रिया प्रकाशितवाक्य 3:14 के** " *लौदीकिया* " युग के अंत में होला ।

तीसरा चरण गिरल मुअल लोग के न्याय के ह, जवना के चुनल लोग द्वारा काम में ले आवल जाला जे परमेश्वर के आकाशीय राज्य में प्रवेश कइले बा। पीड़ित जज बन गईल बाड़े अवुरी अलग-अलग , विद्रोही में से हरेक के जान के फैसला कईल जाला अवुरी उनुका अपराध के आनुपातिक अंतिम सजा सुनावल जाला। ई वाक्य " *यातना* " के समय के लंबाई तय करेला जवन ओह लोग के " *दूसरा मौत* " के कार्रवाई के कारण होई । प्रकाशितवाक्य में , इ विषय प्रकाशितवाक्य 4 के विषय बा ; 11:18 अउर 20:4; ई तब से दान के बाद से। 7:9-10 में दिहल गइल बा।

चौथा , सातवीं सहस्राब्दी के अं त में , परमेश्वर अउर मसीह में उनकर चुनल लोग खातिर महान सब्त के दिन , मसीह अउर उनकर चुनल लोग द्वारा दिहल गइल वाक्यन के कार्यकारी चरण आवेला। पाप के धरती पर जहाँ उ लोग जिंदा हो जाला , निंदा कइल विद्रोही लोग के सफाया हो जाला , " *हमेशा खातिर* ," " *के आग से दूसरा मौत* ." प्रकाशितवाक्य में , इ कार्यकारी न्याय या "अंतिम न्याय " प्रकाशितवाक्य 20:11-15 के विषय ह।

अंतिम चुनाव के समय , दू गो असमंजस धार्मिक अवधारणा , काहे कि उ एक दूसरा के बेहद विरोधी बा , निश्चित रूप से **अलग हो गईल बा** . मसीह के चुनल लोग उनकर आवाज सुनेला अउर ओह समय के उनकर मांग के अनुकूल हो जाला जब उ उनकरा से बात करेला अउर

बोलावेला। दूसरा स्थिति में ईसाई लोग बा जे सदियन से धार्मिक रूप से स्थापित परंपरा के पालन करेला जइसे कि सच्चाई समय के सवाल होखे ना कि बुद्धि , तर्क आगवा ही के। इ लोग इ नईखन समझले कि यिर्मयाह भविष्यवक्ता द्वारा घोषित " *नया वाचा " यिर्मयाह में का प्रतिनिधित्व करेला।* 31:31 से 34: " *देखऽ , उ दिन आवे वाला बा , यहोवा कहत हउवें , जब हम इस्राएल के घराना आयहूदा के घराना के साथे एगो नया वाचा करब , ना कि ओह वाचा के अनु सार जवन हम ओह दिन ओह लोग के बाप -पिता के साथे ओह वाचा के अनुसार कइले रहनी जब हम ओह लोग के हाथ पकड़ के मिस्र के देश से बाहर निकालले रहनी , जवन वाचा उ लोग तूड़ले रहे , हालांकि हम ओह लोग के पति रहनी , यहोवा कहत बाड़न। लेकिन इहे बा ओह दिनन के बाद हम इस्राएल के घरा ना के साथे जवन वाचा करब , ऊ यहोवा कहत बाड़न कि* ***हम ओह लोग के भीतर आपन व्यवस्था डालब आओकरा के*** *ओह लोग के दिल पर लिखब , आ ऊ लोग अब केहू अपना पड़ोसी के ना सिखाई , ना एगो अपना भाई के , ई कहत कि , 'याहवेह के जानऽ !' काहे कि ऊ सब हमरा के* ***जान*** *जइहें , ओहमें से छोटका से ले के बड़का तक,' यहोवा कहत बाड़न* ***काहे कि हम ओह लोग के पाप माफ करब आअब ओह लोग के पाप के याद ना करब*** . » आदमी के ओकर पवित्र नियम के प्रेम , जवन पुरान वाचा के आदर्श प्राप्त करे में सफल ना भइल रहे ? एह सवाल के जवाब , अउर दुनो वाचा में एकमात्र अंतर , ईश्वरीय प्रेम के प्रदर्शन के पहलू में आवेला जवन विकल्प यीशु मसीह के प्रायश्चित के मौत से पूरा भइल बा , जेकरा में उ अवतार लेले रहले अउर खुद के प्रकट कइले रहले। अब ईसा के मौत आज्ञाकारिता के अंत करे खातिर ना आइल लेकिन एकरा उल्टा , चुनल लोग के अपना के अउरी आज्ञाकारी देखावे के का रण दिहलस जवन परमेश्वर के एतना मजबूती से प्रेम करे में सक्षम रहले। आजब ऊ आदमी के दिल जीत लेला त भगवान के खोजल लक्ष्य पूरा हो जाला ; ऊ एगो चुनल फिट आअपना अनंत काल के साझा करे लायक प्राप्त करेला .

एह काम में भगवान जवन अंतिम संदेश रउवा के सामने रखले बाड़े उ **अलगाव के विषय बा** . इहे उ महत्वपूर्ण बिंदु ह जवन चुनल अवुरी बोलावल गईल में सभ अंतर पैदा करेला। अपना सामान्य स्वभाव में आदमी के आदत आ चीजन के अवधारणा में परेशान होखल पसंद ना होला . बाकिर ई गड़बड़ी एह से जरूरी हो जाला काहे कि स्थापित झूठ के आदी होके आपन चुनल आदमी बने खातिर आदमी के फाड़ के मोड़ के ओह सच्चाई के अनुकूल बनावे के पड़ेला जवन भगवान ओकरा के देखावेलें . तब जाके **ओह से आजवना के भगवान के मंजूरी नइखे ओकरा से अलगा होखल जरूरी हो जाला** . चुनल आदमी के अपना विचार , अपना आदतन आओह जीवन से अपना शारीरिक संबंधन पर ठोस

रूप से सवाल उठावे के क्षमता के प्रदर्शन करे के पड़ी जवना के भाग्य कबो अनन्त जीवन ना होखी .

चुनल लोग खातिर धार्मिक प्राथमिकता ऊर्ध्वाधर होला ; लक्ष्य सृष्टिकर्ता भगवान के साथे एगो मजबूत बंधन बनावल बा , भले एकर मतलब मानवीय संबंधन से समझौता कइल होखे। पतित लोग खा तिर धर्म क्षैतिज होला ; ऊ लोग दोसरा मनुष्य के साथे स्थापित बंधन के प्राथमिकता देला , भले एकर मतलब भगवान से समझौता कइल होखे।

सेवेन्थ -डे एडवेन्टिज्म : एगो अलगाव , एगो नाम , एगो इतिहास

ईसाई विश्वास के अंतिम चुनल लोग के आध्यात्मिक रूप से एकट्ठा कइल गइल बा प्रकाशितवाक्य 7 के “ *12 गोत्र* ” के इस्राएल बनावे खातिर , उनकर चयन भविष्यवाणी के शब्द में देखावल गइल रुचि के आधार पर विश्वास के परीक्षण के एगो श्रृंखला से पूरा भइल जवन दान .8:14 में 1843 के तारीख के घोषणा करेला 538 आ 1170 से सुधार के समय से प्रोटेस्टेंट आस्था द्वारा।दान .8:14 के श्लोक के व्याख्या मसीह के गौरवशाली वापसी के घोषणा के रूप में कइल गइल , उनकर आगमन जवन उनकर "उम्मीद " के भड़का दिहलस , लैटिन में "एडवेंटस " एही से एडवेंटिस्ट नाँव पड़ल जे अनुभव आ एकरे अनुयायी लोग के 1843 से 1844 के बीच दिहल गइल।देखे में , ई संदेश एह बात के बात ना करत रहे सब्त के दिन , लेकिन खाली देखाई देवे में , काहे कि मसीह के वापसी सातवीं सहस्राब्दी में प्रवेश के निशानी होई , यानी कि भविष्यवाणी कईल गईल महान सब्त के दिन , हर हफ् ता , सातवाँ दिन के सब्त के दिन तक: यहूदी लोग के शनिवार। एह संबंध से अनजान पहिला एडवेन्टिस्ट लोग के खाली उ महत्व के पता चलल जवन परमेश्वर सब्त के दिन के एह परीक्षा के समय के बाद देवेलन। अउर जब उ लोग एकरा के समझ गईल त अग्रदूत लोग मजबूती से सब्त के दिन के सच्चा ई सिखवलस जवन गठित कलीसिया के नाम से याद कईल गईल , "सातवां दिन के। " लेकिन समय के साथ , काम के वारिस अब सब्त के दिन के उ महत्व ना देले जवन परमेश्वर ओकरा के देवेलन , इ एकर आवश्यकता के यीशु मसीह के वापसी के समय से जोड़ के बजाय ओकरा के 1843 के तारीख से जोड़ के जवन दानियल के भविष्यवाणी से संकेत कईल गईल रहे। अइसन मौलिक ईश्वरीय आवश्यकता के स्थगित कइल एगो गलती रहे जवना के परिणाम रहे कि 1994 में भगवान के ओर से संगठन अउरी ओकर सदस्यन के अस्वीकार कर दिहल गईल , जेकरा के उ 1843 से ही उ विद्रोही शिविर में पहुंचवले जवना के उ पहिलही से निंदा कईले

रहले ।ई दुखद अनुभव अउरी ईसाई विश्वास के अंतिम आधिकारिक संस्था के इ असफलता झूठा ईसाई धर्म के **मानवीय संबंध के अलग होखे के स्वीकार करे में एह असमर्थता के गवाही देला** . ईश्वरीय सच्चाई के प्रति प्रेम के कमी अउर एह से खुद परमेश्वर के प्रति मुद्दा बा , अउर इ मसीही विश्वास के इतिहास के अंतिम पाठ ह जवन हम रउवां के बता सकत बानी , रउवां के सिखावे खातिर अउर चेतावे खातिर , सर्वशक्तिमान परमेश्वर , याहवेह -माइकल -यीशु -मसीह के नाम पर।

अं त में , अभी भी एही विषय पर , काहे कि एकरा से हमरा एगो दर्दनाक आध्यात्मिक विरह के कीमत चुकावे के पड़ल , हम रउआ के मत्ती के एह श्लोक के याद दिलावत बानी। 10:37 अउर , काहे कि एकरा से पहिले के श्लोक सच्चा मसीही विश्वास के अलग करे वाला चरित्र के स्पष्ट रूप से संक्षे प में बतावेला , हम ओह सब के जिक्र श्लोक 34 से लेके पद 38 तक कइले बानी :

" ई मत सोचऽ कि हम धरती पर शांति भेजे आइल बानी . हम शांति भेजे खातिर ना आइल बानी , बलुक तलवार भेजे आइल बानी काहे कि हम आदमी के ओकर बाप से , बेटी के ओकरा महतारी से , आ पतोह के ओकरा सास से विवा द करे आइल बानी . आआदमी के दुश्मन ओकरे घर के लोग होखी .जे ***हमरा से अधिका बाप भा महतारी से प्यार करी ऊ हमरा लायक ना होखे*** *. आ* ***जे केहू हमरा से ज्यादा बेटा या बेटी से प्यार करेला , उ*** *हमरा लायक नईखे* । उ गवाही देले कि उ अपना शारीरिक बेटा से जादे परमेश्वर से प्यार करे ले। आ एगो एडवेन्टिस्ट भाई के आपन कर्तव्य याद दिआवे में , ओकरा के एह श्लोक के उद्धृत करके , हमनी के रास्ता अलग हो गइल आ हमरा भगवान से एगो खास आशीर्वाद मिलल। तब हमरा के ई "भाई " कट्टरपंथी कहत रहे आओह अनुभव के बाद से ऊ पारंपरिक एडवेन्टिस्ट राह पर चलत रहले . जे हमरा के एडवेंटिज्म आ शाकाहार के फायदा से परिचित करवले रहले ऊ बाद में अल्सेइमर के बेमारी से मर गइलन जबकि हम अबहीं ले बढ़िया स्वास्थ्य में बानी , जिंदा बानी आअपना भगवान के सेवा में सक्रिय बानी , उमिर 77 साल बा , आना त डाक्टर के सहारा लेत बानी ना दवाई के . सृष् टिकर्ता भगवान आउनकर अनमोल सलाह के सब महिमा के ह। सचमुच में !

एडवेंटिज्म के इतिहास के संक्षेप में बतावे खातिर हमनी के निम्नलिखित तथ्य याद राखे के होई। एह नाम "एडवेंटिस्ट " के तहत , भगवान कैथोलिक आस्था के लंबा वर्चस्व के बाद अपना अंतिम संतन के एकट्ठा करे लें जवन वैध बना दिहलस , **धार्मिक रूप से , कॉन्स्टेंटाइन प्रथम द्वारा 7 मार्च 321** के अपना बुतपरस्त नाम "अविजयित सूरज के दिन " के तहत स्थापित अतवार के।लेकिन पहिला एडवेंटिस्ट

प्रोटेस्टेंट या कैथोलिक रहलें जे विरासत में मिलल ईसाई अतवार के भक्ति से सम्मानित कइलें। एह से परमेश्वर द्वारा उनकरा व्यवहार से चुनल गईल रहे जवन यीशु मसीह के वापसी से खुश भइल रहे जवना के घोषणा उ लोग के 1843 के बसंत आ 22 अक्टूबर , 1844 के खाति र क्रमशः कईल गईल रहे।एह चयन के बाद ही उनकरा सामने सब्त के दिन के रोशनी पेश कईल गईल। साथ ही , दानियल अउर प्रकाशितवाक्य के भविष्यवाणी के उनकर व्याख्या में बहुत बड़ गलती रहे जवना के हम एह काम में सुधारत बानी। सब्त के दिन के जानकारी के बिना , अग्रदूत लोग तथाकथि त "जांच " निर्णय के सिद्धांत के निर्माण कइल , जवना पर ऊ लोग कबो सवाल उठावे में सक्षम ना रहल ; सब्त के दिन के रोशनी दिहला के बाद भी। जे नइखन जानत , उ लोग खातिर हम रउवां के याद दिलावत बानी कि एह सिद्धांत के अनुसार , 1843 से , फिर 1844 से , स्वर्ग में यीशु गवाही के किताबन के जांच करेलन ताकि उ आपन आखिरी चुनल चुनल जा सके जेकरा के उद्धार होखे के चाहीं। हालाँकि , अतवार के पाप के स्पष्ट पहचान से दान के संदेश के एगो सटीक अर्थ मिलल। 8:14, उहो अपना खराब अनुवादित रूप में " ***पवित्र स्थान के शुद्धि*** "। आई खराब अनुवाद अघुलनशील वि वाद पैदा कइलस , काहे कि ई अभिव्यक्ति सबसे पहिले इब्रानियों के अनुसार ईसा मसीह के प्रायश्चित करे वाला मौत से पूरा होखे से संबंधित रहे। 9:23: " *एह से जरूरी रहे , काहे कि स्वर्ग में मौजूद चीजन के मूर्ति के एह चीजन से* ***शुद्ध करे के पड़ी , कि स्वर्ग के चीजन के खुद*** *एह से अधिका बेहतरीन बलिदान से शुद्ध कइल जाव ." काहे कि मसीह हाथ से बनल* ***मंदिर में*** *ना घुसलन , जवन सच्चा आदमी के नकल ह, बल्कि स्वर्ग में ही घुसलन , अब हमनी खातिर परमेश्वर के सामने प्रकट होखे खातिर ।" स्वर्ग ईसा मसीह के मौत से शुद्ध हो गइल : एह से जांच के न्या य के कवनो तार्किक मतलब नइखे रहि गइल , यीशु के मौत अउर पुनरुत्थान के बाद , कवनो पाप या पापी ओकरा के फिर से अशुद्ध करे खातिर स्वर्ग में प्रवेश ना करेला , काहे कि यीशु शैतान अउर उनकर स्वर्गदूत अनुयायी लोग के धरती पर भगा के आपन स्वर्गीय तल साफ कर दिहले , प्रकाशितवा क्य 12:7 से 12 तक के अनुसार : " *अउर महान अजगर के बाहर निकाल दिहल गइल , ऊ बूढ़ साँप , जेकरा के शैतान आ शैतान कहल जाला , जे पूरा दुनिया के धोखा देला ;* ***ओकरा के धरती पर फेंक दिहल गइल*** *, आ ओकर स्वर्गदूत भी ओकरा साथे फेंक दिहल गइल।* ".

आधिकारिक एडवेन्टिज्म के दूसरा ग लती भी सब्त के भूमिका के मूल अज्ञानता से आईल आ बहुत बाद में एकर बहुत महत्व मिलल। एडवेन्टिस्ट लोग गलत तरीका से आपन ध्यान अंतिम , अंतिम , विश्वास के परीक्षा पर

केंद्रित कइले बा जवन वास्तविकता में खाली ओह लोग के चिंता करी जे यीशु मसीह के सही वापसी के समय अभी भी जिंदा रही। खास तौर प, उ लोग गलत तरीका से सोचले बाड़े कि अतवार के "*जानवर के निशान* "सिर्फ ए अंतिम परीक्षा के समय बन जाई, अवुरी इहे उ लोग से दोस्ती के खोज के समझावेला, जवन कि अतवार के अभ्यास करेले, जवना के भगवान के अभिशप्त, वास्तविकता में, एकरा शुरू से ही। हम जवन सबूत देत बानी उ ह प्रकाशितवाक्य 8, 9 अउर 11 के "सात तुरही" के अस्तित्व, जवना में से पहिला छह 321 के बाद के लोग के, पूरा ईसाई युग में, परमेश्वर के द्वारा निंदा कइल गइल अतवार के पाप के अभ्यास के बारे में चेतावेला। का दान .8:12 इ कह के पहिलही से खुलासा कर चुकल रहे : "*सेना के रोजमर्रा के ~~बलिदान के साथ मुक्त कर दिहल गईल रहे~~, **पाप के वजह से** ; सींग सच्चाई के जमीन प फेंक देलस, अवुरी अपना उपक्रम में सफल भईल।* "इ "***पाप*** "पहिले से रहे, अतवार के प्रथा 321 से कॉन्स्टेंटाइन प्रथम से नागरिक रूप से विरासत में मिलल रहे अवुरी 538 से पोप के रोम से धार्मिक रूप से जायज ठहरावल गईल रहे, "***के निशान जानवर*** "प्रकाशितवाक्य 13:15 में उद्धृत कइल गइल बा ; 14:9-11 में दिहल गइल बा ; 16:2 के बा। 1995 में, 1982 से 1991 के बीच जवन भविष्यवाणी के प्रकाश हम प्रस्तावित कइले रहनी, ओकरा के अस्वीकार प्रकट कइला के बाद, आधिकारिक एडवेन्टिज्म भगवान के घोषित अउर प्रकट दुश्मनन के सा थे गठबंधन करे के गंभीर गलती कइलस। मिस्र के साथे गठबंधन खातिर भगवान प्राचीन इस्राएल के संबोधित कई गो निंदा के उदाहरण, जवन ठेठ पाप के प्रतीकात्मक छवि ह, एह कार्रवाई में, पूरा तरीका से अनदेखी कइल गइल बा ; जवना से एडवेन्टिस्ट के गलती अउरी बढ़ जाला।

दरअसल, जइसहीं उ लोग सब्त के दिन के भूमिका अउर एकरा से सृष्टिकर्ता परमेश्वर के रूप में एकरा के महत्व के बारे में जागरूक भइल, एडवेंटिस्ट लोग के अपना धार्मिक दुश्मनन के साफ-साफ पहचान करे के चाहीं अउर उनकरा साथे कवनो भी भ्रातृत्व के गठबंधन से बचाव करे के चाहीं। काहे कि, शनिवार के सब्त के दिन प्रकाशितवाक्य 7:2 के "*जीवित परमेश्वर के मुहर* "**होखला के नाते**, यानी कि सृष्टिकर्ता परमेश्वर के शाही निशान, उनकर विरोधी, **अतवार, खाली** प्रकाशितवाक्य 13:15 के "*जानवर के निशान* "हो सकेला।

हमरा इहाँ इयाद बा कि आधिकारिक संस्थागत एडवेन्टिज्म के पतन के कारण कई गो बा, लेकिन मुख्य अउर सबसे गंभीर चिंता दानियल 8:14 के सही अनुवाद पर जवन प्रकाश डालल गईल बा ओकरा से मना कईल अउर दानियल 12 के बिल्कुल नया व्याख्या के प्रति देखावल गईल तिरस्कार जवना के पाठ सेवेंथ-डे एडवेन्टिज्म के

ईश्वरीय वैधता के उजागर करे में शामिल बा। तब दोष आवेला कि ऊ लोग 1994 खातिर घोषित ईसा मसीह के वापसी में आपन आशा ना रखले ; जइसे कि एह काम के अग्रणी लोग 1843 आ1844 में कइले रहे।

भगवान के मुख्य न्याय के बारे में बतावल गइल बा

धरती आ आकाश के उनकर रचना पूरा हो गइल , छठवाँ दिन भगवान आदमी के धरती पर रखले बाड़न। आई मानवता के आज्ञा ना माने वाला व्यवहार के कारण बा , आएह से पाप के चलते , भगवान ओकरा के क्रमिक रूप से , ओकरा सात हजार साल के इतिहास के दौरान , अपना कई गो फैसला के अधीन कर दिहें। एह में से हर फैसला पर बदलाव के ठोस आ लउके वाला तरीका से ले आवल जाला आ महसूस कइल जाला। मानवता के पालन करे वाला अति के एह दिव्य हस्तक्षेप के जरूरत होला जवना के मकसद होला कि ओकरा के ओकरा सार्वभौमिक निर्णय से मंजूर सच्चाई के राह पर वापस ले आवल जाव .

पुरान वाचा के फैसला के बारे में .

पहिला न्याय : परमेश्वर हव्वा अउर आदम के कइल पाप के न्याय करेलन , जेकरा के शाप मिलल बा अउर “ *अदन के बगीचा* ” से निकाल दिहल गइल बा।

दूसरा न्याय : भगवान दुनिया भर में “ *बाढ़* ” के पानी से विद्रोही मानवता के नाश कर देले ।

3rd judgment : भगवान आदमी के “ *बाबेल के बुर्ज* ” उठावे के बाद अलग अलग भाषा से **अलग करेलन ।**

4वां न्याय : परमेश्वर अब्राम के साथे एगो वाचा करेलन , जे तब अब्राम बन जाला। एह समय , परमेश्वर **सदोम** आ अमोरा के नष्ट कर देले , जवन शहर ह जहाँ अत्यधिक पाप के काम होला ; घृणित आघृणित “ज्ञान ” के .

5वां न्याय : भगवान इस्राएल के मिस्र में गुलामी से मुक्त कर देले , इस्राएल एगो स्वतंत्र आ स्वतंत्र राष्ट्र बन जाला जवना के सामने भगवान आपन नियम पेश करेले।

6वां न्याय : 300 साल तक, उनकर निर्देशन में अउर 7 मुक्तिदाता न्यायाधीशन के कार्रवाई के माध्यम से , परमेश्वर पाप के वजह से इस्राएल के बचावेलन , जेकरा पर ओकर दुश्मनन के आक्रमण भइल रहे।

7वां न्याय : लोग के निहोरा पर , आ उनकर अभिशाप खातिर , भगवान के जगह पार्थिव राजा आ उनकर लंबा राजवंश (यहूदा के राजा आइस्राएल के राजा) ले लिहल गइल बा ।

8वां फैसला : इस्राएल के बेबिलोन में निर्वासित कर दिहल गइल ।

9वां न्याय : इस्राएल ईश्वरीय "मसीह " यीशु के नकार देला – पुरान वाचा के अंत। नया वाचा के शुरुआत सही सिद्धांत के आधार पर होला।

10वां न्याय : इ स्राएल के राष्ट्रीय राज्य के रोमन लोग द्वारा 70 में नष्ट कर दिहल जाला ।

नया वाचा के न्याय के बारे में बतावल गइल बा .

प्रकाशितवाक्य में उनकर जिक्र " *सात तुरही* " से कइल गइल बा।

पहिला फैसला : 395 से 538 के बीच 321 के बाद बर्बर आक्रमण ।

दूसरा फैसला : 538 में प्रबल पोप धार्मिक शासन के स्थापना।

3rd judgment : धर्म के युद्ध : उ लोग कैथोलिक के भगवान के द्वारा अस्वीकृत सुधारक प्रोटेस्टेंट के खिलाफ खड़ा करेला : दान .11:34 के " *पाखंडी* " /

चउथा फैसला : फ्रांसीसी क्रांतिकारी नास्तिकता राजतंत्र के उखाड़ फेंक देला आ रो मन कैथोलिक निरंकुशता के अंत कर देला ·

5वां फैसला : 1843-1844 अउर 1994।

– शुरुआत : दान .8:14 के फरमान लागू होला – ई सुधार द्वारा कइल गइल काम के पूरा करे के मांग करेला जबसे पीटर वाल्डो , सही उदाहरण , 1170 से प्रोटेस्टेंट विश्वास गिर जाला अउर एडवेंटिज्म के जन्म विजयी रूप से होला : रोमन अतवार के धार्मिक प्रथा के निंदा कइल जाला अउर शनिवार के सब्त के दिन के प्रथा जायज बा अउर , 1843 से यीशु मसीह में परमेश्वर के द्वारा माँगल गइल बा सुधार के काम एह तरह से पूरा हो जाला आ खतम हो जाला .

– अंत : " *उल्टी* " *यीशु द्वारा* , *उ संस्था गत रूप से 1994 में मर गईली* , " *लौदीकिया* " के संबोधित संदेश के अनुसार । परमेश्वर के न्याय के शुरुआत उनकर घर के भविष्यवाणी के विश्वास के घातक परीक्षा के अधीन रहे। असहमति से पहिले के चुनल आदमी कैथोलिक आ प्रोटेस्टेंट विद्रोहियन के खेमा में शामिल हो गइल .

6वां फैसला : " *6वां* तुरही " तृतीय विश्वयुद्ध के रूप में पूरा होला , अबकी बेर परमाणु , जेकर वर्णन दान में कइल गइल बा / 11:40-45 बजे के बा। बचे वाला लोग अंतिम सार्वभौमिक सरकार के आयोजन करेला आ फरमान से पहिला दिन के आराम के अनिवार्य बना देला। एकरे परिणाम के रूप में सा तवाँ दिन के सब्त के आराम , शनिचर के , पर रोक लगा दिहल गइल बा , सुरुआत में

सामाजिक प्रतिबंध के तहत मना कइल गइल बा आअंत में नया फरमान से फाँसी के सजा दिहल गइल बा।

7वां न्याय : प्रकाशितवाक्य 16 में वर्णित सात गो अंतिम विपत्तियन के समय से पहिले , 2030 के बसंत में , मसीह के गौरवशाली वापसी धरती पर मानव सभ्यता के उपस्थिति के अंत कर देला। मानवता के सफाया हो गइल बा। खाली शैतान ही उजाड़ धरती , प्रकाशितवाक्य 20 के "खात " पर " हजार साल " तक जेल में बंद *रही* ।

8वां न्याय : यीशु मसीह के द्वारा स्वर्ग में ले जाइल गइल , उनकर चुनल गइल दुष्ट मुअल लोग के न्याय करे खातिर आगे बढ़ जालें। इहे उ न्याय ह जवन प्रकाशितवाक्य 11:18 में उद्धृत बा।

9वां फैसला : अंतिम फैसला ; दुष्ट मुअल लोग *"आग के झील "* के कारण " दूसरा *मौत "* के आदर्श से गुजरे खातिर जिंदा हो जाला जवन धरती के ढंक लेला आपाप के कारण का म के सब निशान के अपना साथे भस्म कर देला।

10वां न्याय : अशुद्ध धरती आ आकाश के नवीनीकरण आ महिमामंडन होला। परमेश्वर के नया अनन्त राज्य में चुनल लोग के स्वागत करीं !

ए से जेड , अलेफ से ताव , अल्फा से ओमेगा तक दिव्य

बाइबल में मनुष्य के लिखल अन्य किताबन से कवनो समानता नइखे सिवाय ओकर दृश्य सतह पहलू के। काहे कि वास्तविकता में हमनी के खाली एकर सतह देखेनी जा जवना के हमनी के हिब्रू आ ग्रीक के भाषा खातिर विशिष्ट लेखन रूढ़ि के अनुसार पढ़ेनी जा , जवना में मूल ग्रंथ हमनी के संचा रित भइल रहे। लेकिन बाइबल के लेखन में मूसा पुरातन हिब्रू के प्रयोग कईले रहले जवना के वर्णमाला के अक्षर आजके अक्षर से अलग रहे , बेबिलोन में निर्वासन के दौरान एकरा के अक्षर दर अक्षर बदल दिहल गईल , बिना कवनो समस्या के। बाकिर अक्षर बिना शब्दन के दूरी बनवले एक दो सरा पर अटकल रहे जवना से पढ़े में कवनो सुविधा ना होखे . बाकिर एह नुकसान का पीछे एकर शुरुआत चिन्हित करे खातिर चुनल अक्षर के चुनाव का आधार पर अलग अलग शब्द बने के फायदा बा . इ संभव बा अउर इ देखावल गईल बा , जवन साबित करेला कि बाइबल सही मायने में मानव कल्पना अउर उपलब्धि के संभावना से बहुत ऊपर बा। असीमित सृष्टिकर्ता भगवान के विचार आस्मृति ही अइसन काम के कल्पना कर सकत रहे। काहे कि बाइबल के कई गो पाठ के एह अवलोकन से पता चलेला कि एह में जवन हर शब्द आवेला ओकरा के परमेश्वर द्वारा चुनल गइल रहे अउर प्रेरित कइल गइल रहे , पू रा समय में उनकर किताबन के विभिन्न लेखकन के अंतिम किताब , उनकर प्रकाशितवाक्य या प्रलय तक।

1890 के आसपास एगो रूसी गणितज्ञ इवान पानिन बाइबिल के ग्रंथ सभ के निर्माण के बिबिध पहलु सभ में संख्यात्मक आकृति सभ के अस्तित्व के परमान दिहलें। काहे कि हिब्रू आग्रीक में ई बात समान बा कि ओह लोग के वर्णमाला के अक्षरन के भी अंक आ संख्या के रूप में इस्तेमाल कइल जाला। इवान पनिन के कइल प्रदर्शन से ओह आदमी के अपराधबोध काफी बढ़ गइल बा जे परमेश्वर के बाइबल के गंभीरता से ना लेवेलन। काहे कि अगर एह खोजन के कवनो असर आदमी के भगवान से प्रेम करे में सक्षम बनावे में ना पड़े त एकरा बावजूद ऊ ओह लोग से कवनो वैधता हटा देला कि ऊ लोग उनुका अस्तित्व पर विश्वास ना कर सके . इवान पनिन ई देखा दिहले कि कइसे बाइबल के पूरा निर्माण में "सात " संख्या सर्वव्यापी रहे अउर इ खास तौर पर एकर पहिला श्लोक में , उत् पत्ति 1:1 में। हम खुद ई देखा चुकल बानी कि सातवाँ दिन के सब्त के दिन प्रकाशितवाक्य 7:2 के " *जीवित परमेश्वर के मुहर* " ह, एह से ई काम खाली ओह सबूत के पुष्टि करेला जवन एह तेजस्वी गणितज्ञ के खोजल गइल बा जे मांग करे वाला वैज्ञानिकन के , अपना समय के आ हमनी के , निर् विवाद वैज्ञानिक प्रमाण के पेशकश कइलस।

यिवान पानिन के बाद से आधुनिक कंप्यूटिंग ओह अक्षरन के 304,805 चिन्हन के विश्लेषण कइले बा जवन एकमात्र पुरान गठबंधन के शास्त्र बनावेला आ एगो सॉफ्टवेयर हर अक्षर के एगो विशाल चेकरबोर्ड पर रख के अनगिनत अलग-अलग रीडिंग के पेश कश करेला जवना के संरेखण के संभावना 304,805 अक्षरन के एकही क्षैतिज रेखा से शुरू होला जबले कि आखिर में एहमें से एकही ऊर्ध्वाधर रेखा ना मिल जाला 304,805 चिट्ठी बा ; आ एह दुनों चरम संरेखण के बीच सभ अनगिनत मध्यवर्ती संयोजन। हमनी के स्थलीय दुनिया , ओकर अंतर्राष्ट् रीय घटना आ प्राचीन आ आधुनिक लोग के नाम से संबंधित संदेश के खोज करेनी जा आ संभावना अपार बा काहे कि एकमात्र जरूरी बा कि बनल शब्दन के हर अक्षर के बीच एगो समान जगह (1 से n...) राखल जाव . क्षैतिज आ ऊर्ध्वाधर संरेखण के अलावा ऊपर से नीचे आ नीचे से ऊपर , दाहिने से बा ईं ओर आ बाईं ओर से दाहिने ओर तिरछा संरेखण के भीड़ भी बा।

एह से समुंदर के छवि के प्रयोग करके हम एह बात के पुष्टि करत बानी कि बाइबल के बारे में हमनी के ज्ञान ओकरा सतह के स्तर पर बा। जवन कुछ छिपल बा ऊ चुनल लोग के ओह अनंत काल में उजागर हो जाई जवना में ऊ लोग प् रवेश करे वाला बा . आ भगवान अपना अपार , असीमित शक्ति से फेर से अपना प्रियतम के अचरज में डाल दीहें .

ई चकाचौंध करे वाला प्रदर्शन दुर्भाग्य से मनुष्य के दिल के बदले में असमर्थ बा ताकि उ परमेश्वर से "*पूरा दिल से , पूरा आत्मा से , पूरा ताकत से , पूरा दिमाग से* " (व्यवस्था 6:5; मत्ती 22:37) से प्यार करे में आ सके ; उनुका न्यायसंगत निहोरा के मुताबिक। पार्थिव अनुभव एकरा के साबित कर देले होई , डांट , डांट , अउर सजा आदमी के ना बदलेला , एही से , परमेश्वर के उद्धार के योजना मुक्त जीवन के शुरुआत से ही एह श्लोक पर टिकल बा : "*पू र्ण प्रेम डर के बाहर निकालेला* " (1 यूहन्ना 4:18)। चुनल लोग के चयन परमेश्वर , उनकर स्वर्गीय पिता के प्रति एगो सिद्ध प्रेम के प्रदर्शन पर टिकल बा। एह "*सिद्ध प्रेम* " में अब कानून भा आज्ञा के कवनो जरूरत नइखे , आएह बात के सबसे पहिले समझे वाला बूढ़ हनोक रहले जे भगवान के "*चल के* " आपन प्रेम देखावत रहले , एह बात के ध्यान राखत कि उनुका के नाराज करे खातिर कवनो काम मत करस। काहे कि आज्ञा मानल प्रेम कइल ह आ प्रेम कइल प्रियजन के सुख आ आनन्द देबे खातिर आज्ञा मानल ह. अपना ईश्वरीय सिद्धता में , यीशु बारी -बारी से "*सच्चा* " प् रेम के एह पाठ के पुष्टि करे खातिर अइले , पहिला मानवीय मॉडल , अब्राहम , मूसा , एलियाह , दानियल , अय्यूब , अउर अउरी कई लोग के बाद जेकर नाम खाली परमेश्वर ही जानत बा।

समय के चलते विकृति होखे के

धरती पर कवनो अइसन भाषा नइखे जवना में मानवता के विकृत भावना के चलते विका स आपरिवर्तन ना भइल होखे . आएह मामिला में हिब्रू एह मानवीय विकृति से नइखे बचल जेहसे कि हिब्रू पाठ जवना के हमनी का मूल मानत बानी जा ऊ पहिलहीं से आंशिक रूप से विकृत अवस्था में मूसा के लेखन के मूल से बेसी कुछ नइखे . हम एह खोज के श्रेय इवान पानिन के काम के देत बानी आएह तथ्य के कि हिब्रू पाठ के संस्करण में जवना के ऊ 1890 में इस्तेमाल कइले रहले , उत्पत्ति 1:1 में , ऊ भगवान शब्द के हिब्रू शब्द "एलोहिम " से डिजिटाइज कइले बाड़न। हिब्रू में "एलोहिम " "एलोहा " के बहुवचन हवे जेकर मतलब एकवचन में भगवान होला। एगो तीसरा रूप मौजू द बा : "एल ." एकर इस्तेमाल भगवान शब्द के नाम से जोड़े खातिर कइल जाला : दानियल ; सैमुअल के नाम से जानल जाला ; बेथेल के काम कइल ; आदि सच्चा भगवान के नामित करे वाला एह शब्दन के हमनी के अनुवाद में एगो बड़हन अक्षर मिलेला जवना से सच्चा भगवान आ मनुष्य के झूठा बुतपरस्त देवता लोग के बीच के अंतर के चिन्हित कइल जा सकेला।

बाइबल सही तरीका से अउर जिद से एह तथ्य पर जोर देले बा कि परमेश्वर "एक" हवें , जवन उनका के एगो "एलोहा " बनावेला , एकमात्र सच्चा "एलोहा "। एही से , उत्पत्ति 1 अउर अन्य जगहन पर , अपना के बहुवचन शब्द "एलोहिम " के श्रेय देके , परमेश्वर हमनी के एगो संदेश भेजत बाड़न जवना के द्वारा उ सही तरीका से दावा करेलन कि उ पहिले से ही कई गो जीवन के पिता हवें जवन हमनी के पार्थिव व्यवस्था या आयाम के सृष्टि से पहिले से मौजूद बा , अउर धरती पर प्रकट होखे वाला सब जीवन के। ई पहिलहीं से बनावल आकाशीय जीवन पहिले से ही ओह पाप से बँटल रहे जवन उनकर पहिला मुक्त प्राणी में प्रकट भइल रहे। अपना के "एलोहिम " शब्द से नामित करके , सृष्टिकर्ता भगवान अपना से जिंदा आपैदा भइल सब चीजन पर आपन अधिकार के पुष्टि करेलन। इहे क्षमता में उ बाद में , यीशु मसीह में , अपना चुनल लोग के भीड़ के पाप के सहन करे में सक्षम होई अउर अकेले अपना प्रायश्चित करे वाला मौत से , मानव जीवन के भीड़ के बचावे में सक्षम होई। एह से "एलोहिम " शब्द , बहुवचन , भगवान के उनकरा सृजनात्मक शक्ति में जवन भी जीवित बा , ओकरा के नामित करेला। इ शब्द कई गो भूमिका के भी भविष्यवाणी करेला जवन उ अपना उद्धार के योजना में निभावी जवना में उ पहिले से ही मुख्य रूप से अउर क्रमिक रूप से , " *पिता* , *बेटा* *अउर* *पवित्र* *आत्मा* " बा जे बपतिस्मा के बाद अपना चुनल लोग के जीवन के शुद्ध अउर पवित्र करे खातिर काम करी। ई बहुवचन ओह विभिन्न नामन से भी संबंधित बा जवन भगवान धारण करीहें : माइकल अपना स् वर्गदूतन खातिर ; यीशु मसीह के अपना खून से छुड़ावल गइल अपना मानव चुनल गइल खातिर।

मानव विकृति के कारण होखे वाला विकृति के उदाहरण के रूप में हम "आशीष देवे " क्रिया के देत बानी , जवना के हिब्रू में "brq" मूल से व्यक्त कइल गइल बा , आजेकर स्वर के चुनाव के अंत में अनुवाद "आशीष दिहल " भा "शाप दिहल " के रूप में कइल जाई। ई विकृत विकृति अय्यूब के संबंध में संदेश के अर्थ के विकृत कर देला , जेकरा से उनकर मेहरारू असल में कहत बिया कि , " *भगवान* *के* *आशीर्वाद* *दीं* *आमरी* ," आना कि , " भगवान के ~~*मारी* *दीं*~~ *आमर* ," जइसन कि अनुवादक लोग के प्रस्ताव बा। कपटी विकृत बदलाव के एगो अउरी उदाहरण , फ्रेंच भाषा में "निश्चित रूप से " अभिव्यक्ति , जेकर मूल रूप से मतलब एगो निश्चित आ निरपेक्ष तरीका से रहे , मानव बिचार में "शायद " के मतलब ले लिहले बा , जवन बिल्कुल बिपरीत बा। आ ई आखिरी उदाहरण बतावे के हकदार बा का हे कि एकर महत्व होखी आ एकर गंभीर परिणाम होखी . "पेटिट लारूस "

शब्दकोश में हम "अतवार " शब्द के परिभाषा से जुड़ल एगो बदलाव नोट कइले बानी . 1980 के संस्करण में हप्ता के पहिला दिन के रूप में पेश कइल गइल , अगिला साल के संस्करण में ई सातवाँ दिन बन गइल। एह से सच्चाई के भगवान के संतान के आदमी द्वारा स्थापित विकासवादी रूढ़ि से सावधान रहे के चाहीं काहें से कि ओह लोग के बिपरीत महान सृष्टिकर्ता भगवान में कवनो बदलाव ना होला आउनकर मूल्य में कवनो बदलाव ना होला , ठीक ओइसहीं जइसे ऊ चीजन आसमय के क्रम जवन ऊ दुनिया के नींव से स्था पित कइले रहलें।

मानवता के बुरा काम बाइबिल के हिब्रू पाठ पर भी प्रभावित कइले बा , जहाँ स्वर के अन्यायपूर्वक आरोपित कइल गइल बा जवना के बिना कवनो परिणाम के मुक्ति खातिर दिहल गइल बा , लेकिन एकर आधिकारिक संस्करण के रक्षा खातिर , भगवान संख्यात्मक तरीका के माध्यम से , सही पाठ के झूठ से पहचाने के साधन तैयार कइले बाड़न। एह से हमनी के कई गो संख्यात्मक आकृति सभ के अस्तित्व के सत्यापन आपुष्टि करे के इजाजत मिली जे खाली प्रामाणिक बाइबिल संस्करण के बिसेसता हवें , हिब्रू में जइसे कि ग्रीक में जिनहन के चिन्ह सभ में 2वीं सदी ईसा पूर्व से कौनों संशोधन नइखे भइल।

आत्मा विश्वास से (अपना विश्वास से) धर्मी ठहरावे के बारे में सच्चाई के बहाल करेला

हम अभी बाइबिल के पाठ के विकृति के जिक्र कइले बानी ; मूल लेखन के कई गो अनुवादक लोग के कारण चीजन के। अंतिम समय में अपना लोग के प्रबुद्ध करे खातिर , सच्चाई के आत्मा अपना चुनल लोग के मन के ओह ग्रंथन के ओर निर्देशित करके , उनकर सच्चाई के बहाल करेला जहाँ अभी भी महत् वपूर्ण विकृति बाचल बा। इहे काम अभी 4 सितंबर 2021 के एह सब्त के दिन पूरा भईल बा , एतना कि हम एकरा के "क्रिस्टल सब्त " के नाम देले बानी। अध्ययन करे खातिर विषय के चुनाव हम एगो रवांडा बहिन पर छोड़ देले रहनी जेकरा साथे हमनी के आपन सब्त के कोर्स ऑनलाइन साझा करेनी जा। उ "विश्वास से धर्मी ठहरावे " के प्रस्ताव रखली। एह अध्ययन से हमनी के असली महत्वपूर्ण खोज मिलल जवना से एह विषय के समझ बहुत साफ हो जाला।

बाइबल में , 1 पतरस में। 1:7, आत्मा शुद्ध सोना से विश्वास के प्रतीक ह : " *ताकि तोहनी के विश्वास के परीक्षा नाश होखे वाला सोना से भी अधिक कीमती होखे , भले ही उ आग से परीक्षा होखे , लेकिन यीशु मसीह के प्रकटीकरण के समय स्तुति अउर महिमा अउर सम्मान के रूप में मिल सके* । " हमनी के एह तुलना से पहिलहीं से

समझत बानी जा कि विश्वास , सच्चा विश्वास , एगो बेहद दुर्लभ चीज ह ; हर जगह कंकड़ -पत्थर मिलेला जवन सोना के मामला में ना होखेला।

तब , एक श्लोक से दूसरा श्लोक में , हमनी के सबसे पहिले इ सीखनी जा कि : " *बिना विश्वास के परमेश्वर के खुश कईल असंभव बा* ," इब्रानियों के अनुसार। 11:6: " *अब बिना विश्वास के ओकरा के खुश कइल असंभव बा ; काहे कि जे परमेश्वर के पा स आवेला ओकरा ई विश्वास करे के पड़ी कि उ मौजूद बाड़े अउर उ लोग के इनाम देवे वाला हवें जे लगन से उनकरा के खोजत बाड़े।* " विश्वास से दू गो शिक्षा जुड़ल बा : उनकर अस्तित्व में विश्वास , लेकिन इहो निश्चितता कि उ " *जे लोग* ईमानदारी से उनकरा के खोजत बा " के आशीष देवेलन , एगो महत्वपूर्ण विवरण जवना पर उ धोखा ना दिहल जा सकेला। अउर चूंकि विश्वास के लक्ष्य ओकरा के खुश कइल ह , एहसे चुनल आदमी परमेश्वर के प्रेम के जवाब दिही कि उ उनकर सब नियम अउर आज्ञा के पालन करी जवन उ अपना प्राणी के प् रति अपना प्रेम के नाम पर ही पेश करेला। प्रेम के एह बंधन के फल , जवन एगो चुंबक के तरह ओह लोग के एकजुट करेला जे एक दूसरा से प्यार करेला अउर मसीह में परमेश्वर से प्रेम करेला , हमनी के सामने 1 कुरिन्थियों में उद्धृत प्रसिद्ध शिक्षा में प्रस्तुत कइल गइल बा। 13 जवन भगवान के खुश करे वाला सच्चा प्रेम के वर्णन करेला। एह पढ़ला के बाद , हम हबक्कूक 2:4 में दिहल गइल संदेश के बारे में सोचनी : "... *धर्मी अपना विश्वास से जिंदा रही* ." लेकिन , एह श्लोक में लुई सेगोंड के प्रस्तावित अनुवाद हमनी के बतावेला : " *देखऽ , ओकर आत्मा ऊपर उठल बा , ऊ ओकरा में सीधा नइखे ; लेकिन धर्मी लोग ओकरा विश्वास से जिंदा रही।* " बहुत दिन तक , ई श्लोक हमरा खातिर एगो समस्या पैदा कइलस जवना के हम हल करे के कोशिश ना कइले रहनी। घमंड से " *फुलल* " आदमी के भगवान के " *धर्मी* " *कइसे* मानल जा सकेला ? जे नीतिवचन 3:34 , याकूब 4:6 अउर 1 पतरस 5:5 के अनुसार " *घमंडी लोग के विरोध करेला , लेकिन विनम्र लोग के अनुग्रह करेला* "? एकर समाधान हिब्रू पाठ में सेगोंड में उद्धृत " *फुफकारल* " शब्द के जगह " *अविश्वासी* " शब्द मिलला से सामने आइल आ आश्चर्य के साथ हमनी के एगो "कैथोलिक " विगौरोक्स संस्करण में , अच्छा अउर एतना तार्किक अनुवाद मिलल जवन आत्मा के संदेश के बिल्कुल साफ़ कर देला। काहे कि , असल में , आत्मा हबक्कूक के एगो संदेश के साथ प्रेरित करेला जवन राजा सुलैमान से पहिले से ही प्रेरित बा , उनके कहावत के रूप में जवना में ऊ बिल्कुल विपरीत के विरोध पैरामीटर सेट करेला ; इहाँ , हबक्कूक में , " *अविश्वास* " अउर " *विश्वास* "। आ विगौरक्स आ लैटिन वल्गेट के अनुसार , जे उनकर

अनुवाद के आधार हवे , एह श्लोक में अइसन लिखल बा : " *देखऽ , जे अविश्वासी बा , ओकरा में (क) सही आत्मा ना होई ; लेकिन धर्मी लोग* ***<u>अपना बिसवास से जियत होई</u>*** */* " श्लोक के दुनो हिस्सा के एकही बिसय पर आरोपित क के , लुईस सेगोंड आत्मा के संदेश के बिकृत क देलें आ उनकर पाठक लोग के भगवान के दिहल सच्चा संदेश के समझे से रोकल जाला। एकरा के ठीक कइला के बाद , हमनी के अब पता चल जाई कि कइसे हबक्कूक 1843-1844, 1994 के "एडवेंटिस्ट " परीक्षा के सही वर्णन कइले बाड़न , अउर मसीह के सही अंतिम वापसी , 2030 के बसंत से संबंधित अंतिम तारीख के , दरअसल , ई हाल के नया रोशनी जवन 2030 खातिर मसीह के वापसी के ठीक करेला , हमनी के सफल के बेहतर तरीका से समझे अउर प्रमाणित करे के अनुमति देला एडवेंचर के अनुभव पहिले से ही पुष्टि कइले बा , प्रकाशितवाक्य 10:6-7 में , एह अभिव्यक्ति से : " *अब देरी ना होई ... लेकिन परमेश्वर के रहस्य पूरा हो जाई* । " एह प्रदर्शन खातिर हम हबक्कूक 2 के पाठ के ओकर शुरुआत से लेत बानी , व्याख्यात्मक टिप्पणी के बीच -बीच में।

एल .सेगोंड संस्करण हमरा द्वारा संशोधित कइल गइल बा

पद 1: " *हम अपना पहरा पर रहब , अउर हम बुर्ज पर खड़ा रहब , हम देखत रहब कि यहोवा हमरा से का कह दिहे , अउर हम अपना तर्क में का जवाब देब।* "

भविष्यवक्ता के "इंतजार " के रवैया के उजागर करीं जवन एडवेन्टिस्ट परीक्षा के विशेषता होई , आत्मा हमनी के दान के संदेश में बतावत बा। 12:12: " *धन्य बा* ***<u>उ जे</u>*** *1335 दिन तक इंतजार करेला* ." समझे खातिर , एह " *तर्क* " के मतलब हमनी के पिछला अध्याय में दिहल गइल बा जहाँ हबक्कूक के द्वारा उठावल समस्या धरती पर दुष्टन के समृद्धि के लंबा होखे के बा : " *का उ आपन जाल खाली कर दिही , अउर बिना कवनो बख्शी के राष्ट्रन के हमेशा खातिर मार दिही ?* " (हब 1:17)। एह चिंतन आसवाल उठावे में हबक्कूक ओह सब आदमी के व्यवहार के चित्रण करेला जे दुनिया के अंत तक एके जइसन अवलोकन करेला। साथ ही , परमेश्वर भविष्यवाणी के रूप में यीशु मसीह के वापसी के विषय के सुझाव देके आपन जवाब पेश करीहे , जवन निश्चित रूप से दुष्ट , तिरस्कार करे वाला , अविश्वासी , अविश्वासी अउर विद्रोही लोग के प्रभुत्व के अंत कर दिही।

पद 2: " *प्रभु के वचन हमरा लगे आइल, अउर उ कहले कि , भविष्यवाणी लिखीं , ओकरा के पाटी पर उकेर दीं , ताकि उ पढ़े में निपुण हो सके।* "

1831 से 1844 के बीच , विलियम मिलर अपना घोषणा के संक्षेप में बतावत चार्ट प्रस्तुत कइलेन जवन पहिले 1843 के बसंत खातिर , फिर 1844 के गिरावट खातिर

यीशु मसीह के वापसी के भविष्यवाणी कइले रहे , 1982 से 1994 के बीच , हम एडवेंटिस्ट अउर अन्य मनुष्यन के भी प्रस्ताव कइनी अउर आजुओ प्रस्ताव देत बानी , चार चार्ट पर , प्रभु के प्रभु से प्रेरित नया भविष्यवाणी के रोशनी के सारांश हमनी के " *अंतिम समय* " खातिर सच्चाई . अगर 1994 के एह परीक्षा से जुड़ल असली परिणाम के निर्धारित समय के बाद ही समझल गईल , जईसे कि 1844 में भईल रहे , त तारीख अवुरी एकर गणना आज तक जीवित भगवान के आत्मा से प्रमाणित बा।

पद 3: " *काहेकि इ एगो भविष्यवाणी ह जवना के समय पहिले से तय हो गईल बा ,* "

भगवान के द्वारा निर्धारित इ समय 2018 से प्रकट हो गईल बा , ईसा मसीह के वापसी के तारीख के लक्षि त करत , इ निर्धारित समय वसंत 2030 बा।

" *ऊ अपना अंत के ओर चलत बिया , आऊ झूठ ना बोली ;* "

विजयी मसीह के वापसी उचित समय पर पूरा हो जाई , अउर जवन भविष्यवाणी एकर घोषणा करेला " *झूठ ना बोली* "। ईसा मसीह 2030 के बसंत में निश्चित रूप से लवट अइहें।

" *अगर देरी हो गइल त एकर इंतजार करीं , काहे कि ई जरूर हो जाई .* "

अगर तारीख परमेश्वर द्वारा निर्धारित कइल गइल बा , त ओकरा खातिर , मसीह के सच्चा वापसी एह निश्चित समय पर पूरा हो जाई जवन उ अकेले 2018 तक जानत रहले।सुझावल देरी , " *अगर देरी होखे त* ", एह से खाली आदमी के चिंता कर सकेला , काहे कि परमेश्वर के पास ईसा मसीह के वापसी के झूठा घोषणा के इस्तेमाल करे के अधिकार सुरक्षित बा जवन ओकरा के परीक्षण करे के अनुमति दिही , क्रमशः , 1843, 1844, 1994 में अउर हमनी के अंतिम समय तक, मसीही लोग के विश्वास जे उनकर उद्धार के दावा करेला , जवन उनका के अपना चुनल लोग के चुने के अनुमति देला। ईसा मसीह के वापसी के एह झूठा प्रत्याशित घोषणा के इस्तेमाल परमेश्वर द्वारा कइल जाला , दुनिया के अंत तक **अलग करे खातिर ,** " *भूसा से अच्छा अनाज , बकरी से भेड़* ", विश्वासी लोग के अविश्वासी लोग से , " *विश्वासी लोग के अविश्वासी लोग से* ", चुनल लोग के गिरल लोग से।

श्लोक " *अपेक्षा* " के एडवेन्टिस्ट पैरामीटर के पुष्टि करेला , जवन बाद के संतन के एगो वर्णनात्मक तत्व बनल बा जवन 1844 के पतन के बाद से सही सातवाँ दिन के सब्त के अभ्यास से अलग आमुहर लगावल गइल बा , जवन दूसरा एडवेन्टिस्ट परीक्षण के अंत रहे। एह श्लोक में , आत्मा **निश्चितता के धारणा पर जोर देले बा** जवन मसीह के एह वापसी के विशेषता ह , विजयी , मुक्तिदाता अउर बदला लेवे वाला।

विगौरॉक्स संस्करण के बा

पद 4: " *देख , जे विश्वास ना करी , ओकरा में सही आत्मा ना होई , लेकिन धर्मी* ***अपना विश्वास से जिंदा रही*** / "

इ संदेश एह फैसला के उजागर करेला कि परमेश्वर 1843, 1844, 1994 अउर 2030 के तारीख से जुड़ल चार एडवेन्टिस्ट परीक्षा के अधीन मनुष्य पर पास करेलन , परमेश्वर के फैसला हर यु ग में तीखा बा। भविष्यवाणी के घोषणा के माध्यम से , परमेश्वर " *पाखंडी* " *मसीही लोग के नकाब उजागर करेलन जे अपना* " *अविश्वासी* " स्वभाव के उजागर करेलन , अपना चुनल दूत लोग के भविष्यवाणी के घोषणा के तिरस्कार करके , यानी कि उनकर भविष्यवक्ता लोग। एकरा बिल्कुल विपरीत , चुनल आदमी उनकर भविष्यवाणी के संदेश के प्राप्त करके अउर उनकरा द्वारा प्रकट कइल गइल नया निर्देश के पालन करके परमेश्वर के महिमा करेला। ई आज्ञाकारिता , जेकरा के परमेश्वर " *स्वीकार्य* " मानत बाड़न , एकरा साथे -साथे , ईसा मसीह के नाम पर आरोपित धार्मिकता के कायम राखे के योग्य मानल जाला।

खाली परमेश्वर के प्रति "प्रेम से " इ आज्ञाकारी विश्वास आवे वाला अनंत काल में प्रवेश करे के योग्य मानल जाला। ***खाली उहे के उद्धार*** होला जेकरा के मसीह के खून ओकरा पाप से धोवेला। " ". काहे कि विश्वास के प्रतिक्रिया व्यक्तिगत बा , एही से यीशु अपना संदेश के संबोधित करेलन , व्यक्तिगत रूप से , अपना चुनल लोग के , उदाहरण खातिर : मत्ती 24:13: " *लेकिन* ***जे*** *अंत तक सहन करी उ होई बचावल गइल* ." विश्वास सामूहिक हो सकेला अगर उ कवनो एक मानक के पूरा करेला। लेकिन सावधान ! मानवीय दावा भ्रामक बा , काहे कि स्वर्ग में प्रवेश करे के इच्छुक उम्मीदवारन के द्वारा प्रदर्शित विश्वास के बारे में उनकर निर्णय के अनुसार , केकरा के उद्धारित करे के बा या खोवे के बा , खाली यीशु ही तय करेलन।

संक्षेप में , हबक्कूक के एह श्लोकन में , आत्मा " *विश्वास* " अउर " *काम* " के बीच के करीबी अउर **अविभाज्य कड़ी के उजागर अउर पुष्टि करेला जवन ओकरा से पैदा होला** ; कुछ अइसन जवन प्रेरित याकूब द्वारा पहिलहीं से उठावल गइल बा (याकूब 2:17: " *अइसने विश्वास भी , अगर ओकरा में काम नइखे , त ऊ अपने आप में मर गइल बा* ."); जवना के तात्पर्य ई बा कि सु समाचार प्रचार के शुरुआत से ही विश्वास के विषय के गलत समझल गईल रहे अउरी गलत व्याख्या कईल गईल रहे। कुछ लोग , आज के तरह , खाली विश्वास के पहलू के एकरा से जोड़त रहे , ओह रचना के गवाही के अनदेखी करत जवन एकरा के ओकर मूल्य आ ओकर जीवन देला। आदमी के व्यवहार , जेकरा के परमेश्वर यीशु मसीह के वापसी के आपन घोषणा बतावेलन , उनकर

विश्वास के असली स्वभाव के उजागर करेला। अउर जब परमेश्वर अपना अंतिम सेवकन पर आपन बड़हन प्रकाश डाल रहल बाड़न , अब ओह लोग खातिर कवनो बहाना नइखे रहि गइल जे 1843 से परमेश्वर द्वारा स्थापित नया आवश्यकता के ना समझत बा , अनुग्रह से उद्धार जारी बा , लेकिन ओह तारीख के बाद से , एकरा से खाली ईसा मसीह द्वारा चुनल चुनल गइल लोग के फायदा होला , उ लोग के दिहल प्रेम के असली प्रदर्शन के गवाही के माध्यम से। पहिले त सब्त के दिन एह ईश्वरीय आशीर्वाद के निशानी रहे , लेकिन 1844 से अब तक कबो ना भईल अपने आप में पर्याप्त बा , काहे कि उनकर भविष्यवाणी वाला सच्चाई के प्रेम , जवन 1843 से 2030 तक के बीच प्रकट भइल , भगवान के हमेशा से माँग रहल बा। दरअसल , 2018 से मिलल नया रोशनी के सातवाँ दिन के सब्त के दिन से गहिराह संबंध बा जवन सातवाँ सहस्राब्दी के भविष्यवाणी के छवि बन गइल बा जवन 2030 के बसंत में ईसा मसीह के वापसी से शुरू होई। 2018 से "विश्वास से धर्मी ठहरावल " के ठोस रूप दिहल गइल बा आपरमेश्वर के प्रति आपन प्रेम के प्रकट करके चुनल गइल लोग के फायदा होला अउर उनकर सब पुरान अउर नया रोशनी के प्रकट कइल गइल बा यीशु मसीह के नाम से जइसन कि मत्ती में सिखावल गइल बा। 13:52: " *उ उनकरा से कहले : एह से हर शास्त्री जे स्वर्ग के राज्य के बारे में बात के शिक्षा पावेला , उ घर के मालिक निहन बा , जवन अपना खजाना से नया -पुरान चीज निकालेला* । " जे भगवान से प्रेम करेला ऊ अपना यो जना आरहस्य के खोज करे से प्यार ना कर सकेला जवन बहुत पहिले से मनुष्य खातिर छिपल आअनजान रहल बा .

हबक्कूक अउर मसीह के पहिला आगमन

ई भविष्यवाणी यहूदी राष्ट्रीय इस्राएल खातिर भी पूरा भइल , जेकरा के ई मसीह के पहिला आगमन के घोषणा कइलस। एह आवे के समय तय कइल गइल आ दान में घोषणा कइल गइल। 9:25 के बा। अउर एकर गणना के कुंजी एज्रा के किताब अध्याय 7 में मिलल रहे , अइसन होला कि यहूदी लोग दानियल के किताब के ऐतिहासिक किताबन में वर्गीकृत कइले रहे , अउर इ एज्रा के किताब से पहिले के रहे। बाकिर एह तरह से एकर भविष्यवाणी के भूमिका कम हो गइल आ पाठक के कम लउकल. यीशु पहिला भविष्यवक्ता रहलन जे अपना प्रेरितन अउर चेलन के ध्यान दानियल के भविष्यवाणी के ओर खींचले। घो षित देरी , " *अगर देरी हो जाला त एकर इंतजार करीं* ", के भी पूरा हो गइल , काहे कि यहूदी लोग एगो बदला लेवे वाला मसीहा अउर रोमियन के मुक्तिदाता के इंतजार करत रहे , यशायाह 61 पर भरोसा करत जहाँ आत्मा पद 1 में मसीह के बारे में कहत बा : " *प्रभु यहोवा के आत्मा हमरा पर बा , काहे कि यहोवा हमरा के नम्र लोग के*

अच्छा खबर ले आवे खातिर अभिषेक कइले बा ; उ कइले बा हमरा के भेजलस कि हम टूटल दिल वाला लोग के ठीक करीं , कैदियन के आजादी के घोषणा करीं आ कैदियन के रिहा करीं ". पद 2 में , आत्मा निर्दिष्ट कइले बा : " ***YaHWéH के अनुग्रह के साल के*** *घोषणा करे खातिर , अउर* ***हमनी के परमेश्वर के बदला लेवे के दिन के घोषणा करे*** *खातिर ; शोक करे वाला सब के दिलासा देवे खातिर ;* "। यहूदी लोग के इ ना मालूम रहे कि *"अनुग्रह के साल* " अउर *"बदला लेवे के दिन* " के बीच , यशायाह 61:2 के अनुसार , लोग के मसीह के वापसी के ओर ले जाए खातिर अभी भी 2,000 साल बीत जाए के पड़ी , विजयी , मुक्तिदाता अउर बदला लेवे वाला। इ सबक लूका 4:16-21 में उद्धृत गवाही में साफ - साफ देखाई देता : " *उ नासरत पहुंचले , जहवा उनुकर पालन -पोषण भईल रहे , अवु री उ अपना रिवाज के मुताबिक सब्त के दिन सभाघर में गईले। अवुरी उहाँ के यशायाह भविष्यवक्ता के किताब दिहल गईल प्रभु के आत्मा हमरा पर बा , काहे कि उ हमरा के गरीबन के शुभ समाचार देवे खातिर अभिषेक कईले बाड़े , उ हमरा के भेजले बाड़े कि हम टूटल -फूटल दिल के चंगाई करीं , बंदी के मुक्ति अवुरी आन्हर लोग के दृष्टि ठीक होखे के घोषणा करीं , जवन कि चोट खा चुकल बाड़े , ओकरा के आजाद कर के प्रभु के स्वीकार्य साल के घोषणा करीं। " तब ऊ ओह ग्रंथ के गुड़क के नौकर के दे के बइठ गइलन .* " इहाँ आपन पढ़ल रोक के उ पुष्टि कईले कि उनकर पहिला आगमन खाली एह " ***अनुग्रह के साल*** " से संबंधित बा जवना के घोषणा यशायाह भविष्यवक्ता कईले रहले। पद 21 जारी बा , इ कहत बा कि " *आराधनालय में मौजूद सब लोग के नजर उनकरा पर टिकल रहे। तब ऊ ओह लोग से कहे लगलन कि आजु ई शास्त्र तोहरा कान में पूरा हो गइल बा .* "' अनदेखी अउर अनप ढ़ " ***बदला लेवे के दिन*** " भगवान द्वारा 2030 के बसंत खातिर तय कइल गइल रहे , उनकर दूसरा आगमन खातिर , अबकी बेर उनकर पूरा ईश्वरीय शक्ति में। लेकिन एह वापसी से पहिले , हबक्कूक के भविष्यवाणी के पूरा होखे के रहे " *हाल ही में* ," 1843-1844 अउर 1994 के "एडवेंटिस्ट " परीक् षा के माध्यम से , जईसे कि हमनी के अभी देखले बानी जा।

अंतिम समर्पण के बात बा

सच्चाई के सामना करीं

2021 के बसंत में , दिव्य साल के शुरुआत में , धनी लेकिन झूठा ईसाई पश्चिमी मानवता अभी -अभी राष्ट्रीय आर्थिक बर्बादी के कीमत प भी बुजुर्ग लोग के जीवन के बचावे के इच्छा के प्रदर्शन कईले बिया। एही से भगवान एकरा के तीसरा विश्वयुद्ध में पहुंचा दिहे जवन हर उम्र के लो ग के भीड़ के जान ले ली , इ जान के कि एह दूसरा दिव्य सजा के कवनो इलाज चाहे टीका नईखे। हमनी के सामने , 8 साल में , पार्थिव सृष्टि के साल 6000 होई जवना के अंत ईसा मसीह के वापसी से होई। विजयी आविजयी , ऊ अपना छुटकारा पावे वाला , अपना जिंदा चुनल गइल आ जेकरा के ऊ जिं दा करीहें , अपना स्वर्ग के राज्य में ले जाई आऊ धरती पर सगरी मानव जीवन के नाश कर दी जवना पर ऊ अकेले , अन्हार में अलग-थलग , शुरुआत के विद्रोही दूत , शैतान , शैतान के छोड़ दीहें .

एह कार्यक्रम के स्वीकार करे खातिर 6000 साल के सिद्धांत पर विश्वास जरूरी बा। बाइबल में दिहल गइल आंकड़ा के आधार पर सटीक गणना असंभव हो गइल काहे कि अब्राहम के जन्म के तारीख के संबंध में एगो "अस्पष्टता " (तेरा के तीनों बेटा खातिर एकल तारीख : उत्पत्ति 11:26)। लेकिन , आदम से लेके मसीह के वापसी तक के मानव पीढ़ी के क्रम एह आंकड़ा 6,000 के नजदीक आवे के पुष्टि करेला। एह गोल , सटीक संख्या के आपन आस्था देके हमनी के एह चुनाव के एगो "बुद्धिमान " जीव के जिम्मेदार ठहरावेनी जा , यानी कि सृष्टिकर्ता भगवान के , जे सब बुद्धि आ जीवन के स्रोत हवे। अपना चउथा आज्ञा में उद्धृत "सबत " के सिद्धांत के अनुसार , परमेश्वर आदमी के आपन सब काम करे खातिर "छह दिन " आछह हजार साल देले बाड़न , लेकिन सातवाँ दिन अउर सातवाँ सहस्राब्दी परमेश्वर अउर उनकर चुनल लोग खातिर "पवित्र " (अलग कइल) आराम के समय हवे।

एह किताब के सामग्री इ देखा दिहले बा कि परमेश्वर के खुश करे वाला विश्वास उनकर चुनल लोग के *“ बुद्धिमान या बुद्धिमान ” व्यवहार से बनल बा जे परमेश्वर के हर बात , भविष्यवाणी या सोच के फायदा उठावेला (देखीं दानियल 12:3: “ अउर बुद्धिमान लोग आकाश के चमक के रूप में चमकी , अउर जे लोग बहुत लोग के धार्मिकता के ओर मोड़ देला , उ लोग हमेशा खातिर तारा के रूप में ”* अइसन करके , उ लोग परमेश्वर के चुनाव के सही ठहरावेलन यीशु मसीह में प्रकट भइल उनकर मोक्षदायक धार्मिकता से लाभ उठाईं।

एह काम के बंद करे खातिर , आवे वाला नाटक से ठीक पहिले , हम बदले में , परमेश्वर के सब सच्चा संतान के समर्पित कइल चाहब जे एकरा के पढ़ीहें , अउर एकर स् वागत विश्वास अउर खुशी के साथ करीहें , यूहन्ना 16:33 के ई श्लोक जवन हमरा के दू गो अलग-अलग स्रोत द्वारा 14 जून 1980 के बपतिस्मा के मौका पर समर्पित कइल गइल रहे ; एगो संस्था से मिलल बपतिस्मा के प्रमाणपत्र पर , दूसरा "यीशु मसीह " किताब के भूमिका पर जवन एह मौका पर हमरा साथी सेवक द्वारा ओह समय दिहल गइल रहे , लगभग ओह उमिर में जब यीशु बलिदान में आपन जान देले रहले : " *हम तोहके इ सब बात कहले बानी , ताकि हमरा में तोहनी के शांति मिले। दुनिया में तोहनी के कष्ट होई ; लेकिन हिम्मत करीं , हम दुनिया पर विजय पा लेले बानी* ."

शमूएल , यीशु मसीह के धन्य सेवक , “सचहूँ !”

द लास्ट कॉल के बारे में बतावल गइल बा

जइसे -जइसे हम ई संदेश लिखत बानी , 2021 के अंत में दुनिया अबहियों एगो सार्वभौमिक धार्मिक शांति के आनंद ले रहल बा जवना के सराहनीय आ सराहल जा सकेला . तबो , भगवान द्वारा तैयार कइल गइल व्याख्या कइल भविष्यवाणी के प्रकाशन के बारे में हमरा ज्ञान के आधार पर , हम बिना कवनो संदेह के पुष्टि करत बानी कि एगो भयानक विश्वयुद्ध के तइयारी में बा आ अगिला 3 से 5 साल में पूरा होखे के रास्ता पर बा। प्रकाशितवाक्य 9 में एकरा के " *छठवाँ तुरही* " के प्रतीकात्मक नाम से प्रस्तुत करके , आत्मा हमनी के याद दिलावत बा कि पहिले से ही पांच भयानक सजा उनके पवित्र सब्त के दिन के प्रति निष्ठा के त्याग के सजा देवे खातिर आ गईल बा अउर उनकर अन्य नियमन के सजा देवे खातिर जवना के 7 मार्च , 321 से अनादर कईल गईल बा , अमर परमेश्वर के इ सजा एगो ईश्वरीय पर संगठित मानव इतिहास के 1600 साल से भी ज्यादा बा धार्मिक कार्य क्रम के आयोजन कइल गइल . उनकर छठवाँ सजा , आखिरी बेर , ईसाई धर्म के चेतावे खातिर आवेला जवन उनका प्रति बेवफाई के दोषी बा . भगवान आ उनकर उद्धार योजना के अलावा इंसान के जीवन के कवनो मतलब नइखे। एही से , चूंकि " *तुरही* " के धीरे -धीरे चरित्र बा जवन लेवीय 26 में उपमा से प्रकट भइल बा , " *छठवाँ* " के हत्यारा तीव्रता भयावहता के चरम पर पहुँच जाई जवना से मानवता बहुत पहिले से डेरात आ डेरात रहल बा। " *छठवाँ तुरही* " अंतिम विश्वयुद्ध से संबंधित बा जवन प्रकाशितवाक्य 9:15 के अनुसार मनुष य के भीड़ , " *मानव जाति के एक तिहाई* " *के सफाया करी।* अउर इ अनुपात शाब्दिक रूप से एगो युद्ध में पहुँचल जा सकेला जहाँ 200,000,000 हथियारबंद , प्रशिक्षित अउर सुसज्जित पेशेवर लड़ाकू लोग एक दूसरा के सामना करी , प्रकाशितवाक्य 9:16 में दिहल सटीकता के अनुसार : " *सेना के घुड़सवारन के संख्या दू असंख्य रहे : हम ओह लोग के संख्या सुनले बानी* "; यानी 2 x 10000 x 10000. एह आखिरी संघर्ष से पहिले , 20वीं सदी के दौरान , 1914-1918 आ 1939-1945 के दू गो विश्वयुद्ध ओह महान सजा के घोषणा करे वाला संकेत रहे जवन स्वतंत्र आस्वतंत्र राष्ट्र न के समय के अंत करे खातिर आवेला। भगवान अपना चुनल लोग खातिर शरण के शहर ना दिहले , लेकिन उ हमनी के संकेत एतना साफ छोड़ देले कि हमनी के उ इलाका से भाग सकीले , जवना के निशाना उनुका दिव्य क्रोध के

प्राथमिकता के रूप में कईल गईल रहे। ऊ ओह प्रहार के निर्देशित करीहें जवन एह काम खातिर बोलावल इंसानन के करे के पड़ी . बाकिर ओहमें से केहू उनकर चुनल आदमी में से ना होखी . पूरा धरती पर बिखराइल अविश्वासी भा अविश्वासी विद्रोही उनकर दिव्य क्रोध के साधन आशिकार होखीहें . दूसरा बिस्व जुद्ध में पच्छिमी लोग एक दुसरा के खिलाफ खड़ा भइल जे कर धर्म ईसाई आ प्रतिस्पर्धा में रहल। बाकिर आवे वाला तीसरा में एह झड़प के मकसद मूल रूप से धार्मिक होखी , जवन प्रतिस्पर्धी धर्मन के विरोध करी जवन कबो सिद्धांतगत रूप से एक दोसरा से मेल ना खात रहलें . खाली शांति आवाणिज्य एह भ्रम के बढ़े दिहले बा . लेकिन परमेश्व र द्वारा चुनल गईल घड़ी में , प्रकाशितवाक्य 7:2-3 के अनुसार , परमेश्वर के स्वर्गदूतन द्वारा रोकल गईल राक्षसी सार्वभौमिकता के " *धरती अउर समुद्र के नुकसान पहुंचावे खातिर* " या , प्रतीकन के डिकोड कइल जा रहल बा , " " " "प्रोटेस्टेंट अउर कैथोलिक " लोग के *नुकसान पहुंचा वे खातिर छोड़ दिहल जाई जे ईसा मसीह के प्रति बेवफा बा।* बहुत तार्किक रूप से , बेवफा मसीही विश्वास न्यायी न्यायाधीश यीशु मसीह के क्रोध के मुख्य निशाना के गठन करेला ; ठीक ओइसहीं जइसे पुरान वाचा में , इस्राएल के लगातार बेवफाई के सजा मिलल जब तक कि साल 70 में ओकर रा ष्ट्रीय विनाश ना हो गइल।एह " *छठवाँ तुरही* " के समानांतर , दान के भविष्यवाणी। 11:40 से 45 तक , " *तीन राजा* " के उकसा के , एकेश्वरवाद के तीन गो धर्म सभ के सामिल होखे के पुष्टि करे ला : यूरोपीय कैथोलिक धर्म , अरब आ मगरेबियन इस्लाम , आ रूसी रूढ़िवादिता। संघर्ष के अंत अमेरिकी प्रोटेस्टेंट धर्म के हस्तक्षेप के कारण स्थिति के उलटफेर के साथ होला , जेकर नाँव राजा के रूप में ना रखल गइल , बलुक रूस के परंपरागत संभावित दुश्मन के रूप में सुझावल गइल। प्रतिस्पर्धी शक्तियन के समाप्त होखला से " *द... beast that comes up out of the earth* ," प्रकाशितवाक्य 13:11 में वर्णित बा।इ ध्यान देवे के चाहीं कि एह अंतिम संदर्भ में , अमेरिकी प्रोटेस्टेंट आस्था एगो अल्पसंख्यक बन गइल बा , रोमन कैथोलिक आस्था बहुमत बा , काहें से कि लगातार हिस्पैनिक आप्रवासन के कारण। 2022 में , आयरिश मूल के एकर अध्यक्ष खुद कैथो लिक हवें , जइसे कि जॉन कैनेडी , हत्या कइल गइल राष्ट्रपति।

प्रकाशितवाक्य 18:4 में , सर्वशक्तिमान परमेश्वर में , यीशु मसीह उनकरा में विश्वास करे वाला अउर आशा करे वाला सब लोग के आज्ञा देले बाड़न , उनकर चुनल लोग , कि " *महान बाबुल से बाहर निकले* । " पोप के रोमन कैथोलिक चर्च के साथे एह काम में सबूत के

साथ पहचानल गइल " *बेबिलोन* " के " *ओकर पाप* " के कारण न्याय आनिंदा कइल जाला । " *उनकर पाप* " के ऐतिहासिक विरासत से , कैथोलिक धर्म के अपराध प्रोटेस्टेंट आ रूढ़िवादी लोग तक पहुँच जाला जे लोग अपना धार्मिक प्रथा से रोम से विरासत में मिलल अतवार के आराम के जायज ठहरावेला। बेबिलोन से बाहर निकले के तात्पर्य " *ओकर पाप* " के परित्याग से बा , जवना में से सबसे महत्वपूर्ण बा , काहे कि परमेश्वर एकरा के एगो पहचान करे वाला " *निशान* " बनावेलन : साप्ताहिक आराम के दिन , ईश्वरीय व्यव स्था के सप्ताह के पहिला दिन , रोमन अतवार।

एह संदेश में ओह समय के तात्कालिकता के देखत हम भगवान के बेटा -बेटी से निहोरा करत बानी कि फ्रांस के उत्तरी इलाका अपना राजधानी पेरिस के केंद्रित छोड़ दीं . काहे कि ई जल्दिये परमेश्वर के क्रोध से त्रस्त हो जाई , " *स्वर्ग से आग", अबकी बेर परमाणु* , " *सदोम* " शहर के तरह , जवना से उ एकर तुलना कइले बाड़न , अपना प्रकाशितवाक्य में , प्रकाशितवाक्य 11:8 में। ऊ एकरा के " *मिस्र* " नाम से भी नामित करे लें , " *पाप* " के प्रतीकात्मक छवि , काहें से कि एकर अधार्मिक प्रतिबद्धता के विद्रोही रवैया जे भगवान के विरोध करे ला , जइसे कि हिब्रू लोग के पलायन के ऐतिहासिक बिबरन में फिरौन। युद्ध के स्थिति में सड़क काट के मना कईला के बाद निशाना बनावल इलाका छोड़ के घातक नाटक से बचल असंभव हो जाई।

शमूएल जीवित परमेश्वर , ईसा मसीह के सेवक

जे लोग ई खोजल चाहत होई , पहिला , एह रचना के अंत में जवन प्रस्तुत कइल गइल बा , ओकरा ई समझे में दिक्कत होई कि फ्रांस आ यूरोप के आसन्न विनाश के अपरिवर्तनीय प्रकृति के बारे में हमरा अतना आश्वस्त काहे बा। बाकिर जे लोग एकरा के पढ़ले बा , एकर शुरुआत से लेके अंत तक, पढ़ला के क्रम में , ओह सबूत न के बटोरले होई जवन , लगातार , एतना ढेर हो जाला कि ऊ लोग , अंत में , ओह अटल विश्वास के साझा करे के अनुमति देला कि परमेश्वर के आत्मा हमरा में अउर उनकरा सब लोग में बनवले बा ; साँच में कहल जाव त. सब महिमा उनकर ह।

एकमात्र खराब आश्चर्य ऊ लोग होखी जे जिद्दी से उनकर अतुलनीय शक्ति , बहुमत आ उनकर योजना का हिसाब से सबकुछ के सही पूरा होखे तक ले जाए के क्षमता के पहचाने से मना कर दी .

हम इहाँ एह काम के बंद करत बानी , लेकिन जवन प्रेरणा यीशु हमरा के देत रहेलन , ओकरा के नोट कइल जाला अउर हमेशा खातिर रिकार्ड कइल गइल बा , जवन कि " **अंतिम एडवेन्टिस्ट पैदल चले वाला लोग के स्वर्गीय मन्ना** " रचना में प्रस्तुत संदेशन के रूप में कइल गइल बा , जवना में से लगभग एक हजार पन्ना के लगातार तीन "खंड " अक्टूबर 2025 में पहिलहीं से उपलब्ध बा।

हमरा इयाद बा कि यीशु मसीह प्रकाशितवाक्य 2:26 में घोषणा कइले बाड़न : " *जे जीत* ***<u>के अंत तक हमार काम के पालन करी</u>*** , *ओकरा के हम राष्ट्रन पर अधिकार देब।* " त यीशु मसीह के " ***काम " कौ ह जवना के " <u>अंत तक रखल जरूरी बा</u>*** "? ई जीवन के सभ बिसय सभ पर उनकर बिचार के खुलासा के रूप ले लेलें , मने कि धर्म , राजनीति आ अर्थशास्त्र से संबंधित हर चीज ; सब विषय जवन सृष्टिकर्ता भगवान आउनकर प्राणी से संबंधित बा। जब ऊ दुर्भाग्य के एलान करेला त ऊ खराब राजनीतिक , सैन्य , आर्थिक आधार्मिक विकल्पन के संगठित करेला जवना से आपदा आवेला .

भगवान अपना चुनल लोग के जीवन के हर पहलू पर आपन निर्णय प्रकट करे के घमंड करेलन। अइसन करत , उ अपना विश्वासी स्वर्गदूतन के गवाही देवे खातिर बोलावेलन कि उ उनकरा के आदर अउर प्रेम करे वाला लोग के प्रति अपना भलाई के कवनो सीमा ना रखेलन , उनकर सच्चा चुनल लोग यीशु मसीह के मौत अउर पुनरुत्थान के माध् यम से मिलल अनुग्रह से छुड़ावल गइल बा।

एहसे अपना के एह असाधारण विशेषाधिकार से वंचित मत करीं जवन उनुका प्रबुद्ध आ प्रबुद्ध सेवकन के मुफ्त में दिहल जाला . " ***मन्ना*** " उ सच्चा स्वर्गीय भोजन ह जवन स्वर्गीय पिता द्वारा उन लइकन के चढ़ावल जाला जेकरा से उ प्यार करेलन अउर जेकरा खातिर , यीशु मसीह में , उ अपना स्वर्गीय राज्य में जगह तैयार करेलन।

" **मन्ना** " **में रउआ** " ***यीशु के गवाही*** " के ठोस रूप के खोज करब जवन लगातार सुधारल गईल बा , अउर सबसे ऊपर , स्वर्ग से अंतिम उपहार के रूप में पेश कईल गईल बा , साल 2030 के आवे वाला बसंत खातिर उनकर गौरवशाली वापसी के घोषणा।

" **मन्ना** " पिता के काम के उजागर करेला , सृष्टिकर्ता परमेश्वर जे मनुष्य के जीवन के ओकर व्यक्तिगत स्वतंत्र पसं द के अनुसार संगठित करेला।

अगर भगवान मनुष्य के आँख से अदृश्य रह जालें त ई उनकर चुनल लोग के खोजे खातिर बा जे एह तरह से अपना के दोसरा विद्रोही , अविश्वासी भा अविश्वासी मनुष्य से अलगा कर लेला . उनकर अस्तित्व में विश्वास "लोग के अफीम " ना ह बल्कि एगो बुद्धिमान

बु द्धि के निशानी ह जवन सही मायने में चुनल लोग के विशेषता ह जवन यीशु मसीह के छुटकारा पावे के लायक ह।